आज बन्ने प्रभूदा है तुम सब की बड़ी याद आ रही है। कुछ भी बनाने को मन नहीं कर रहा है। तुम्हारे प्रभूदा के दिन नित्य चाव से सब सामान बनाती थी अब मन तो यही करता है कि कुछ नहीं बनाऊं। तुमको तो वहाँ पर आज पता भी नहीं चलेगा। खायेंगे तो हैं ही लेकिन अच्छा कुछ भी नहीं लग रहा है।

तुम लोगों ने पास में रह कर इतना प्यार बढ़ा दिया है। इससे तो तुम लोग भी अलग-अलग रहते तो अच्छा था। इच्छा विदेश [illegible] ईश्वर से यही हमारी प्रार्थना है कि वहां पर तुम सब ठीक प्रकार से रहो हमको तभी शान्ति मिलेगी। पत्र बन्द करने को मन नहीं करता है लेकिन कहां तक लिखूं। यह शैलू को बहुत ही याद कर रहे हैं रट लगाए दिन रात परेशान से रहते हैं [illegible] ठीक हो जायेंगे। तुम लोग हमारी ओर से कुछ चिन्ता मत करना। प्रभाकर भी ठीक होंगे ना

चि० कुशाल बेटे व सोना को हमारा आशीर्वाद, सोना अपना ध्यान रखे। प्रिय शैलू से कहना हमारा बहुत बहुत प्यार। हमारी तुम सबको शुभ कामनायें।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

My dear Sushil 5.9.77

It is hard time for me now. I cannot do anything. My brain is fag. My sleep has gone. Pictures of Shailoo and Gudya move before my eyes. I cannot talk without tears. I want, however, to live till you come back and that is my only desire. I will pass my life somehow till then. How are you. I hope you reached there safely. Please take care of children.

With love
Yours [illegible]
5.9.77

बेटा गुड़िया,

तुम ठीक होना। तुम ने बाबा से इतना प्यार बढ़ाया था कि अब वह मुझे सता रहा है। ईश्वर तुम सब को ठीक रखे। शैलू का ध्यान रखना। मैं कुछ दिन में शायद ठीक हो जाऊंगा। मेरी चिन्ता ना करना। जो ज़रूरत हो लिखना

तुम्हारा बाबा
गणपतराम

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रकाश नगरी

Dated ५ – ६ – 197०

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार।

आशा है कि तुम सब ठीक प्रकार से पहुँच गई होगी तुम सबकी यात्रा बहुत अच्छी रही होगी रास्ते में हवाई जहाज में कोई परेशानी तो नहीं हुई है। खाना पीना सब मिल गया होगा तुम वाशिंगटन किस समय पहुँची हो। और इंगलैण्ड किस समय पहुँची। उषा व विजय बाबू भी आये होंगे। तुम सबको तो हवाई जहाज में बड़ा अच्छा लगा होगा। रास्ते में तुम्हारे सबकी तबियत तो ठीक रही है सरोज तो रास्ते में ठीक रही।

तुम सबकी तो बहुत ही याद आ रही है हर समय चित्त परेशान सा रहता है। तुम सब की शक्ल हर समय आँखों में घूमती रहती है मन ऐसा होता है कि किसी तरह से तुम सबको देख लें। लेकिन अब तो तीन साल तक सब्र ही करना पड़ेगा। और तुम्हारे बाबाजी तो बहुत ही परेशान है। लेकिन कुछ समय तो लगेगा ही अपने तो तीन साल तक की तो आशा लगानी रहेगी ही। वैसे हम दोनों ठीक हैं तुम सब हमारी बिल्कुल चिन्ता मत करना। हमको सब बातें लिखा करना। तुम्हारी बातें याद करके ही खुश हुआ करेंगे। आशा है कि तुम सब भी खूब प्रसन्न होंगी। प्रिय सुशील सरोज व तुम्हारे प्रिय रीतू को याद करता ही है।

अनुपम ३ ता० को १० बजे सुबह को चला गया है। राजेन्द्र बाबा ४ ता० को सुबह ही रात को चौरासी चले गये हैं और प्रकाश भी ४ ता० को ही २ बजे दोपहर को देहरादून चला गया है इन सबके जाने से मन और भी परेशान सा हो रहा है। बड़ी बिटिया याद आना तो स्वाभाविक ही है तुम और हम कभी नहीं भूल सकते हैं। तुम लोग होटल में रहे होंगे वहां पर बिल्कुल लौकप सब मिल गये होंगे। सुबह को रजनी ने टेलीफोन पर सब घर पर आये नरेन्द्र को इन्द्रा ने टेलीफोन से इत्तिफाक से तुम्हारे समाचार ज्ञात हुए। अब तुम हमको इतना याद मत करना और वहां की सब बातें पूरी लिखना। अब तो तुम्हारे पत्र से ही चैन मिल सकेगा।

सुशील आफिस जाने लगा होगा। प्रिय सुशील व सरोज से कहना हमारी ओर से परेशान ना हों हम तो बिल्कुल ठीक हैं वह अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। हमारी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सब सुख से रहो हमें शान्ति तभी मिलेगी। सुशील व सरोज को चिट्ठी पत्र लिखवा कर सब भेजें। लिखा करो अब तो पत्र की ही इन्तजार रहा करेगा। घर बड़ा सूना लगता है सारा घर खाली हो गया है। तुम सब वहां पर जाकर ठीक रहोगी। हमें भी खुशी होगी।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 5.9.1977

बेटा शैलू

ईश्वर तुम को खुश रक्खे। तुम ठीक पहुंच गये होगे। तुम्हारी याद हर समय परेशान कर रही है। मेरी गोद आंगन खाली होगया। कैसे करूंगा समझ में नहीं आ रहा। तुम अपना चश्मा - कंघा और पर्चा जिस में तुमने सब की जन्म और शादी की तारीख लिखी थी यहां भूल गये हो। और वह चवन्नी भी जो मैं ने आखरी दी थी। दवा की ट्यूब जो तुमने मंगाई थी वह भी यहां पड़ी रह गई है। तारीखों का पर्चा तो डाक से भेज दूंगा और चीज़ें कैसे भेजूं सोच रहा हूं। तुम तो वहां अपनी मम्मी पापा और जीजी के साथ हो मुझे भूलने की कोशिश करना। वहां का हाल भी लिखना। अभी तो तीन दिन हुवे हैं। मुझे तो तीन साल काटने हैं तुम्हारी याद में। तुम्हारी कहानी और खत मैं का दूंगा। तुम वहां खुश रहो यही मेरे लिये काफ़ी है दिन काटने को।

एक फोटो छोटा भेज रहा हूं जो 2-9-77 को खिंचा था यह तुम्हारे और गुड़िया के लिये है बड़ा फोटो अशोक के लिये दो दिन में भेजूंगा

तुम्हारा बाबा
धनपतराय

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 7. 9 1977

My dear Sushil

I hope you are well and all of you must have reached there safely. I sent a letter on 5.9.77 with a copy of Photograph (small size) for children. I am sending a bigger one for you. I have got the borders cut to make the size of the mount small so that there may not be difficulty in transit. We are very much anxious to know about you. We are still unable to adjust ourselves to the circumstances. We miss you all so much that we are always in a weeping mood. No sleep, no taste in food or anything. Gudya & Shalloo are, at all moments, making us weep. How I shall pass the long time is a problem. I have decided to live here and will not go any-where else. Here we lived with you all and I want to be here on your return, of course

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 7.9.1977

बेटा शैलू
खुश रहो। तुम्हारा क्या हाल है? ठीक
रहना बेटा। तुम्हारी याद तो भूल ही नहीं
सकूंगा कुछ भी कोशिश करलूं। हां तुम
अच्छी तरह रहोगे तो शायद मेरा दिमाग
भी ठीक हो जावेगा। अब तो मैं पागल
हो रहा हूं। तुम्हारी कोई खबर भी
नहीं मिली है। तुम अपना पूरा हाल
लिखना। मैं तो कुछ दिन में शायद
भोपाल जाऊंगा। वहां तुम परदेश
में हो। कोई जान पहचान का नहीं है।
तुम को बहोत होशियारी से रहना होगा।
तुम्हारी पढ़ाई का क्या होता है इस की
भी मुझे चिन्ता है। तुम्हारी दवा की
टियूब जो यहां पड़ी मिली थी और कागज़
भी कोई वहां जाता हुआ मिला भेज दूंगा
और जो बात हो लिखना बेटा

तुम्हारा बाबा
धनपतराय

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

197

if God spares me till the happy moment:
Please Take Care of your health and look after children. I will try to be able to do the usual work which is at Present Suspended as I am unfit.

with Love to all
yours affly D.R.Gupta

प्रिय सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो

हमने २ दिनों से गुड्डा शैलू को पत्र लिख कर पोस्ट में डाल दिया था है आशा है कि तुमको हमारे पत्र २ दिनों मिल गये होंगे। बेटा तो सब कुछ बच्चों अमेरिका की चिट्ठी भी नहीं भेजी है। आशा है कि तुम सब की यात्रा सफल रही होगी और ठीक प्रकार से पहुंच गई होगी। शायद तो तुम लोग होटल में ही रहे होंगे। अपने मकान पर कब गये हो होटल में किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हुई है। खाना वगैरा का क्या रहा। और सामान ठीक प्रकार से भी पहुंच गया है। रास्ते में कोई चीज़ खराब तो नहीं हुई है सब बातें लिखना। वह कैसा लगा है तुमको हमारे शहर में क्या अच्छा लगा होगा तुम सबको वातावरण तो ठीक रहा है। और बच्चे तो वहां पर जाकर बहुत खुश हो रहे होंगे। सुशील की ओर से बड़ा परेशान हो रहा है उस दिन बड़ा परेशान सा रहा था कुछ देखता था और आंखों में पानी आ जाता था बेहद परेशान तो सभी थे।

हमारा मन बिल्कुल नहीं लग रहा है। हर समय तुम सबकी बहुत ही याद आ रहा है। कल ७ तारीख को दोपहर को बच्चे चले जायेंगे घर में बिल्कुल अकेला रहूंगा। यही चिन्ता है कैसे समय कटेगा

कल पूरन [illegible] की कुछ तबियत ठीक नहीं चलता था लेकिन [illegible] बनाई। बच्चों के लिए कितने चाव से सब चीजें बनाती थी। सब मिल कर बैठ कर खाते थे कितना अच्छा लगता था। खाते गये और याद कर कर के रोना आता रहा। तुम्हारे बाबूजी बड़े परेशान है हर समय परेशान से रहते हैं और याद कर के रोते हैं। मेरी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सब वहां पर खुश रहो और हर तरह से कामयाब हो। तुम हमारी ओर से कुछ चिन्ता मत करना अपना ध्यान रखना तुम्हारा बेबी डेविड ठीक होगा प्रिय शैलू का स्कूल बगैरा शुरू हो गया सब बातें लिखती रहना जिससे हमको तुम्हारे पत्र से शान्ति मिले। यहां पर के सब लोग तुम्हारा बहुत ध्यान रखते हैं। प्रिय सुशील गुड्डा शैलू व बच्चों को मेरा ढेर सारा आशीर्वाद व बहुत सा प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

सबको कुशल मंगल आदि होंगे।

तुम्हारी अम्माजी प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 7-9-1977

बेटी गुड़िया खुश रहो। कैसी हो तुम बेटी?
ठीक हो ना। ठीक ही रहना बेटी। शैलू का
भी ध्यान रखना बेटी। मैं तुमसे बहुत दूर
हूं तुम्हारे लिये कुछ नहीं कर सकूंगा। हां इस
बूढ़े बाबा का प्यार रखो। प्यार वह भी
दूर से बस यही रह गया है अब तो।
शायद फिर समय आवे कि तुम मेरे सामने
हो। तुम खुश रहना बेटी बस इसमें
मुझे शायद शान्ति मिल जावेगी। अभी
तो कुछ नहीं समझ में आता है कैसे समय
कटेगा। क्या करना होगा। ईश्वर जैसे भी
रखेगा रहना होगा। तुम्हारा कोई हाल
अभी नहीं मिला है। अपनी खबर देती रहना।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Meerut
8.9.77

My dear Sushil

I have just read in papers that two bomb blasts explosions rocked the Central Washington early on 7.9.77, one outside the offices of the Soviet Airline Aeroflot. The news say there windows were broken at the offices and the nearby buildings. Further information say that the blasts made a crater of about 10 metres wide and scattered the area with metals & fragments. How are you all. I have not yet received any information whether you reached safely. I am informed you did not carry any warm garments and this must have troubled you in the way as it must have been cold at several places in the way.

Take care of yourself & Saroj & children.

I shall try to reconcile myself to the circumstances though it seems difficult at present. How I shall pass this period is a problem but it shall have to be done.

We are all worried about your welfare.

With love to all
Yours affly
[illegible],

बाबा के बेटा

मेरठ
८-८-९९

बेटा शैलू - खुश रहो । खुश होना ।
अभी तुम्हारे पहोंचने की खबर नहीं मिली ।
क्या हाल है तुम्हारा । अब तो खबर
भी नहीं मिलती जल्दी से । जिजी का
क्या हाल है । तुम लोगों के पढ़ाई के
लिये क्या हुवा है । मुझे तो चिन्ता तुम
लोगों की बहुत है । तुम ने कहां था
चिन्ता ना करना पर क्या करूं दिल
नहीं मानता है । तुम जल्दी २ पत्र
भेजोगे तो शायद कुछ शान्ति मिले

तुम्हारा बाबा
धनपतराय

तुम्हारे पापा का जन्मदिन
६-१०-९९ को आरहा है
याद रखना
धनपतराय

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत बहुत सारा प्यार।

अभी तक तुम्हारे कुशल से पहुँचने का समाचार ज्ञात ना होने से बड़ी चिन्ता लगी है आशा है कि तुम ठीक प्रकार से पहुँच गये होंगे। तुम सबको हवाई जहाज में बैठकर बड़ा अच्छा लगा होगा रास्ते में कोई कष्ट तो नहीं हुई है।

हमारा अहोभाग्य है कि हमारे बेटे बहू व पोती पोता इतने अच्छे जगह पर गये हैं ईश्वर को धन्यवाद है और हमारी तुम सबको शुभ कामनायें हैं कि वहां पर ठीक रहो और तीन साल बाद फिर यहीं आपस में सब मिल कर एक साथ रहें।

तुम्हारा पत्र आ गया होगा. हमको तुम सब बहुत ही याद आते हो। अब हमारा मन तुम्हारे कमरे में ही लगता है

तुम्हारा इन्दु भाभी से ज्ञात हुआ था कि वहां पर जाने वाले सब लोग स्वेटर कोट पहने हुये थे। तुमने तो अपने साथ में कुछ भी गर्म कपड़ा नहीं रखा था पता नहीं रास्ते में इतने लम्बे समय में कैसे निवाह होगा। हमको चिन्ता लगी है

हमने अखबार में पढ़ा है कि वहां कुछ दंगल के साथ ही बम विस्फोट हुआ है तुम लोगों को तो कुछ तकलीफ नहीं हुई है लिखना।

प्रिय सुशील मनोज व गुड़िया को हमारा आशीर्वाद व बहुत सा प्यार।

हमने फोटो के पत्र भेजे हैं तुमको मिल गये होंगे

प्रिय बेटे पत्र का उत्तर जल्दी ही देना

तुम्हारी अम्मा

[illegible] प्रकाशवती

Meerut
10-9-77

My dear Sushil

No intimation since you left. I think you could not manage to inform by Cable.

Please Take full Care of Children.

We are all missing you all so much. I look all around the house inside and outside to have a glimpse of you; but in vain. Time may Sooth our hearts. We are always praying to be able to hear something from you but no information.

I enquired from the Ministry of External affairs but they also have not yet recd any information about you.

Hope you are well.

with love
your affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 10 . 9 . 1977

बेटा शैलू । खुश रहो

तुम लोगों से बिछुड़े आज आठ दिन होगये। अभी कोई खबर नहीं मिली। कहां हो कैसे हो। समय नहीं कटता। तुम सब की याद हर समय आती है और आती रहेगी। शायद तार देने का समय ना मिला हो सुशील को। पत्र की इन्तजार लगी है।

तुम्हारा बाबा
धनपतराय

बेटी गुड़िया खुश रहो

जाते समय तुम ने पैन 2 कुछ कहा था। उस समय परेशानी में था समझा नहीं था। तुम्हारा पैन नीला वाला शैलू की अलमारी पर पड़ा मिला। शायद भूल गई थी वह मांग रही थी। खेद है मैं समझ नहीं पाया था। कोई आता जाता मिला भेजदूंगा। अपना हाल लिखना क्या कर रही हो

तुम्हारा बाबा
धनपतराय
10.9.77

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 14.9.1977

बेटा शैलू

तुम्हारा पत्र कल शाम मिला जो तुमने 3-9-77 को लिखा था। मुझे खुशी है तुम लोग ठीक पहुंच गए हो। हमें तो बहुत चिन्ता हो रही थी। अब तो तुम लोग वहां ठीक तरह से रहते होगे। पर होशियारी से रहना बेटा। तुम परदेश में हो। तुम्हें खुद ही अपना ख्याल रखना पड़ेगा। मैं अब तुम्हारे लिये दूर से ही प्यार कर सकता हूं और कुछ भी नहीं कर सकता हूं। तुम वहां ठीक रहोगे तो शान्ति मुझे भी रहेगी। तुम अपनी तकलीफ का भी हाल लिखना।

तुम्हारे इस्कूल का क्या रहा! अब तुम्हारा रेडियो भी हिन्दी में नहीं मिलता होगा। कोई किताब भी पढ़ने को नहीं होगी। देखो थोड़े दिनों में मन लग जावेगा।

तुम्हारा बाबा
धनपतराय

मेरठ सिटी
२२।६।१९८६

प्रिय बिटिया गुड़िया खुश रहो बहुत ढेर सा प्यार

तुम्हारा एक पत्र १३ ता॰ को मिला था ३ ता॰ का लिखा हुआ। ३ ता॰ का पत्र हमको १३ ता॰ को मिला था उसका उत्तर हमने १४ ता॰ को दे दिया था। और एक पत्र तुम सबों के आज २२ ता॰ को रविवार को २ बजे मिले। सबों के पत्रों को देख कर बहुत ही प्रसन्नता हुई और सब समाचार ज्ञात हुए। बिटिया तुम पत्र जल्दी २ लिखती रहना क्योंकि पत्र आने में देर हो जाती है तो बहुत ही चिन्ता हो जाती है। यह जान कर दुख होता है कि अभी तुम्हारा मन नहीं लग रहा है बाद में जब अपने काम में लग जाओगी मन लग जायेगा। अब तो बिटिया मन लगाना ही पड़ेगा अब तो तीन साल के लिये सबको भूल जाओ। ईश्वर की इच्छा हुई तो तीन साल बाद फिर मिलेंगे। फिर वैसे ही रहेंगे जैसे रहते आये हैं। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वहां पर तुम सब ठीक रहो।

तुम हमारी ओर से चिन्ता मत करना हम तो ठीक ही हैं लेकिन तुम सबकी याद तो हर समय आती ही रहती है। वहां पर दूध का क्या भाव है तुम दूध भी पीती हो या नहीं। ऐसा लगता है कि डबल रोटी भी वहां पर महंगी है वहां का दूध पीने में कैसा है। तुम वहां का जब खुश रहो तुम सब वहां पर खुश होगी तो हमें भी खुशी होगी हमारी ओर से चिन्ता मत करना तुम मन लगा कर रहो हम तो ठीक ही हैं। लेकिन कभी २ तुम सबको याद करके बड़ी परेशानी सी लगती है। तुम्हारे पापा सबके पत्र पढ़ पढ़ के। बड़ा अच्छा लगा होगा। १३ ता॰ को तुम्हारा पत्र मेरे पास व ऊषा के पास आया था संजू व मधुलता का पत्र उसी दिन मधु शाह को [illegible] पत्र दे दिया था और फोटो भी बन कर आ गई थी उनको भी दो कापी संजू व मधुलता को फोटो देखी है [illegible] कि तुम गई हो दो बार को लिखा है जा चुकी हैं [illegible] भी थी। [illegible] सुनीता को भी तुम्हारा पत्र मिल गया है। तुम खूब मन लगा कर रहो ऐसे खुशी में ईश्वर ने चाहा तो तीन साल शीघ्र ही बीत जायेंगे।

अच्छा बिटिया। तुम खुश रहो और ठीक रहो। पत्रोत्तर शीघ्र देना

तुम्हारी मम्मी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 21-9 197

प्रिय बिटिया तुम्हारे ट्रांसफर को सुन कर बड़ा दुःख होता है यह तुमने बहुत ही प्यारा घर था या सपना बनाती रहती थीं। अब स्टॉप पर तुम्हें जो रहीं तुम लहो ही [illegible] या रहने जाती थीं तब ये बनवा रहता था। वहां पर तुम्हारा पास बैठे तो है ही. वो है लेकिन अभी तुम्हारे कम समय में आएगा और वहां का कोई [illegible] है ही सब सोग्राम आते होंगे।

तुम्हारे चाचा जी और मैं तुम्हारे बाबा जी के पास इनके गांव दिन का जाना तुम्हारे बाबा जी बहुत ही प्रसन्न हुए कि बच्चों ने बहुत ही ध्यान रखा। यह जान कर प्रसन्नता है वहां के सब आदमी बहुत अच्छे हैं तुम लोग खाने वगैरा पर तो गए थे। सेहत की तबियत का ध्यान रखना। खाना वगैरा सब लोग मेस पर ही बनाते होंगे। तुम वहां पर प्रसन्न रहना हम सब तुम्हारे रहने से प्रसन्न हैं। यहां पर तो हम लोग बैठे २ बोर होते रहते हैं। और तुम सबको याद करते रहते हैं।

तुम्हारे सामान को रखना तो मैले हो गए हैं। सामान का पहुंचने से हर एक चीज की परेशानी हो रही होगी। मैं क्या बिटिया अब तो पत्र बन्द ही करना पड़ेगा। बहुत लम्बा हो गया है। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी मम्मी जी

प्रकाशवती

मेरठ सिटी
२१।६।१९६६

प्रिय सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो,

यहां पर सब ठीक हैं। तुम सबों की कुशल ईश्वर से सदैव भली चाहती हूँ।

९ का पत्र गुड़िया का बालिका के पहुंचने पर ३ ता. का यहां से। पत्र मिला १२ ता. को - और एक पत्र तुम्हारा ९ ता. का लिखा हुआ कल २० ता. को मिला और एक पत्र तुम्हारा व गुड़िया और सुशील का १४ ता. का लिखा हुआ - आज २१ ता. को सब के चारों पत्र मिले। पत्र तुम चारों के देख कर बहुत ही प्रसन्नता हुई जो पत्र जब तुम बोलीं थीं पत्र आने पर पत्र पढ़ कर रोना आता था नहीं हुआ यह तो ठीक है तुमको भी पत्र पढ़ कर अवश्य रोना आया होगा तुम्हारा लिखा पत्र एकदम मिल गये थे यह तीन बजे आये यह सुशील का पत्र पुराने नहीं दिये थे मैंने इससे पहले पढ़ा जब तुम्हारा लेकिन आंखों में पानी आने पर मुश्किल से सुना सके। फिर यह तो होना स्वभाव तुम्हारा स्वाभाविक ही है। तुमको अभी तक तो हमारे तीन पत्र ही मिले हैं हमने तीन पत्र और डाले हैं जो कि १०-१२-१४ ता. के लिखे हुए हैं वह पत्र भी तुमको हमारे मिल गये होंगे। क्या करें अभी तो हर समय तुम लोगों का ध्यान आता ही रहता है। पहिले जब तुम आने जाती थी तो हमारा तुम्हारे कमरे में मन नहीं लगता है लेकिन अब यह मन होता है कि इसी कमरे में बैठे रहें रात में कमरे में अंधेरा देख कर बड़ा दुःख होता है। हम हर समय कमरा भरा रहता था। आज तो मन जरा भी नहीं लग रहा है हर समय तुम सबों का ध्यान आता रहता है। जब से तुम गई हो शायद दाल भी तीन चार बार ही बनी होगी क्योंकि तुमको तो दाल बस अच्छी लगती है जरा सी दाल क्या बनाऊं। बस सब्जी बना लेती हूँ। और दही रोज जमा देती हूँ। तीन पाव दूध लेते हैं उसमें दूध थोड़ा सा आज जाने वालों की चाय थोड़ा सा ठीक हो जाता है। अब जब से तुम गई हो बस एक दूध का डबल रोटी लाते थे और एक १४ ता. को लाये थे जब सुबोध आया था क्योंकि लिखने दिन में डबल रोटी खराब हो जाती है इसलिए बिस्कुट मंगा को रख लिये हैं वही सुबह को ले लेते हैं। ठीक है सुनते थे कि वहां पर डबल रोटी सस्ती है लेकिन शायद सस्ती नहीं होगी बल्कि महंगी बहुत है। तुमने लिखा है कि दाल भी २८-२० की है किलो है अभी तक तुम्हारा सामान क्यों नहीं आया है सामान न आने से तुमको सब चीजों की बड़ी परेशानी होती होगी। सब सामान बाजार से मंगाना पड़ता होगा। ऐसी महंगाई में पिता भी ठीक चल जायेगा। तुम्हारे पास तो कपड़े थोड़ा भी पास में थोड़े से ही थे कैसे काम चलता होगा। और बिस्तर थोड़ा तुमको चादर का ठीक मिल गये होंगे। कोई परेशानी तो नहीं हुई है। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम्हारा कोई परेशान होने तुम रहते पर क्या चलते रहता हो। तुमने लिखा है कि कपड़े थोड़े चाकू की बड़ी परेशानी है होटल की बजह से लोग भी सब बातों की परेशानी होती होगी शायद घर मिलने पर इतनी परेशानी नहीं होगी।

यहाँ पर रहने पर पानी खूब बरसा। तुमको तो पता ही है जब पानी बरसता है तो
गैस का व मेरा पर खूब पानी आता है एक दिन तो मैं मेरा पर कुछ तो खाना भी नहीं बना
सकी बड़ी परेशानी हुई और डर यह लगता था कि यदि ऊपर से पत्थर गिर गया तो गैस भी टूटेगी
और मेरा भी। बहुत सोचा कि और किसी जगह पर मेरा रखूं लेकिन कुछ समझ में नहीं आया कि
कहाँ पर रखूं। फिर मैंने वहाँ से मेरा तो निकाल दी। और शैल्फ भी जो मेरा किताबों की
दरवाजे पर लगा रही थी वह मेरा स्टोर में जहाँ पर पानी का घड़ा रखा था उस जगह पर
रख कर उस पर गैस रखी है और किवाड़ के बाहर में सैल्फ रखा है एक [illegible]
वह कुछ है सबसे नीचे के खाने में स्टील के बर्तन व चीनी के प्याले और बोतल रख लिये हैं
और बाकी भी जगह पर प्याज व चावल और रख कर खाना बना लेती हूँ। अब परेशानी
बिल्कुल नहीं होती है। और दरवाजे के सामने होने पर धोवता भी रहता है। और स्टोर भी
अब साफ रह सकता है जब कुछ एक मेरा छोटी व एक छोटी सी दराज रख ली है
दराज में बचा बोतल जो पत्थर पर रखे रहते थे वह रख दिये हैं। इन लोगों से एक
ज्यादा जगह भी बन रही है। तुम्हारे आने के दौरान बातीस को इन्होंने निकाल दिया था
तब तो पर आते थे कुछ नहीं कहा था यही बताते हैं कि अच्छा है निकाल का बढ़ाये भी
होते हैं। [illegible] रामदयाल के अब उधार और उसी सुधते रहते हैं। मगनलाल भी एक
दिन आये थे और रामदयाल से कहलाया था कि मेरे पास पत्र आया है रतनाम का
लिखा हुआ सब ठीक हैं। पिछले पत्र से तुम्हारी कुछ परेशानी ज्ञात होकर चिन्ता
हुई होगी जैसे सब ठीक हो जायेगा। यह तो यही कहते रहते हैं कि मैं भी तो
जिन्दा रहना चाहता हूँ क्योंकि उन सबको तो मैं एक बार और अपनी आँखों
से देखलूं। तुम मन को अपना स्थिर रखना। तुम अपनी रक्षा और देखते
रहना। तुम यह सब बस के हिसाब बताने भी भूल गई हो तुम्हारे आने पर
ध्यान आया। मन तो यह होता है कि लिखती ही रहूं। लेकिन पत्र भी बहुत
लम्बा हो गया है।

बच्चों को शुभाशीष देना। और तुम सब जहां पर ठीक होगे हम भी तभी
शान्ति व सुख मिलेगा।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

मेरठ सिटी
२१। ६। १९८८

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत प्यार

तुम्हारा प्यार का पत्र मिला आज १२ ता. को मिला है पढ़ कर सब समाचार मालूम हुए यह जान कर प्रसन्नता हुई कि तुम्हारा दाखिला स्कूल में ही हो गया है। और अब तुम स्कूल जाने लगे हो तुम्हारा स्कूल कितनी दूर है। मेरा मन ध्यान से आया करता। सब यार नहीं पढ़नी होगी मकान से तो शायद दूर ही पड़ेगा। अभी तो तुम्हारा स्कूल में मन भी नहीं लगता होगा। क्योंकि वहां के बच्चों की बोली तुम्हारी समझ में नहीं आती होगी। बेटा तुम सब हमारे बहुत ही याद आते हो। याद करके रोना आ जाता है। ले ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सब वहां पर खुश रहो यदि तुम वहां पर प्रसन्न होंगे तो हमको भी यहां पर खुशी ही है। तुम अपने बाबाजी को बहुत ही याद आते हो। बेटा तुम्हारे अच्छे भाग पर आते तो खुशी तो बहुत है लेकिन बच्चों की याद तो आती ही है। यह जान कर प्रसन्नता हुई कि तुम अब मकान में लगे तो उसमें फोन होगा और फोन से बात कर लिया करोगे। आज तीन साल बाद मिलने की इच्छा है हमको अपना शैल फोन ही रखना है वहां पर तुम खूब घूमोगे होंगे सो उसे फोटो खिंच कर भेजोगे तो हमको कितनी प्रसन्नता होती है ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सब फोन करो और मौज़ से जियोगे। सब समय बड़ा गन्दा है। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न रहो चिरंजीव रहो

तुम्हारा पत्र देख कर बहुत ही प्रसन्नता हुई तुम्हारे बाबूजी तुम्हारे पत्र को बहुत ही इन्तज़ार देख रहे थे तुम्हारा पत्र मैंने तुम्हारे बाबूजी से पढ़वा लिया है यह जान कर प्रसन्नता हुई कि तुम सब आराम से पहुंच गये हो ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वहां पर आराम से रहो और तीन साल बाद फिर वैसे ही पहले की तरह से रहें।

~~[illegible]~~
~~[illegible]~~
~~[illegible]~~।

मुझको तुम्हारा बहुत ही ध्यान आ रहा था क्योंकि मैं तुमको देख रही थी जाने वाले दिन तुम बहुत खुश थे और हमारी आंखों में पानी आ जाता था गम आता क्या करें अब तक इन्तज़ार देखते रहते हो कि एक साल पूरा हो रहा है अब तीन साल तक तुम्हारी प्रतीक्षा करनी पड़ेगा। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि यह तीन साल तुम्हारे और हमारे सुख शान्ति से बीतें और शीघ्र ही तीन साल आ जाएं। तुम सब वहां पर खुश रहो और खूब पढ़ो और तुम्हारी सालगिरह ६ जुलाई को है ईश्वर से हमारी बहुत शुभ कामना। और नया वर्ष शुभ हो। अच्छा बेटा खुश रहो। और पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

बेटी गुड़िया खुश रहो

तुम्हारा पत्र मिला। हां मैं ठीक रहने की कोशिश करूंगा। शायद कुछ दिन में ठीक हो जाऊंगा। तबियत तो लगानी ही है। मैं ने तुम्हारे दो फोटो बनवाकर तुम्हारी सहेलियों को देदिये। वो तुम्हारे पास भेज रहा हूं जैसा तुमने कहा है। शायद तुम एक नीरज को भेजोगी। उसको भी भेज दूंगा। मैं ने तुम कहो तो मैं यहां से 6 फोटो बनवाये थे।

तुम्हारी याद तो आती ही रहेगी। उसे कैसे भूल सकूंगा। हां तुम वहां खुश रहोगी तो मुझे भी कुछ चिन्ता कम होगी। मेरी इस उमर में तुम लोग मुझसे बिछुड़ गए हो यह तो मुझे बरदाश्त करना ही होगा जैसे भी होगा। तुम लोग वहां ठीक रहोगे मुझे खुशी होगी। वहां का हाल लिखती रहना। Birthday Card भी भिजवाया है।

तुम्हारा बाबा
[signature]
21-9-77

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 21 . 9 1977

My dear Sushil

we have received your letter and also letters from Gudya & Shalloo. I am glad they are feeling happy there. Yes, I have to pass this period of three years and shall try to keep up my health. I am sorry to know that the goods booked by you could not reach there by the time of writing your letters and I don't know if they have reached there even by now. I believe the delay is due to some checking by excise or security people. You must have been inconveniently handled by the delay as every thing has to be arranged from the market. The clothings with you were also inadequate. We shall be glad to have occasional talks on phone but I think it will be very costly. How is Shalloo? Is he well? I am glad he is going to school. I hope he will be able to grasp what they teach in English.

with love to all
Yours affly
DRGupta.

P.S. Your birth day is near on 6.10.77. We convey our blessings from a distance this time.
DRGupta

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 21. 9. 1977

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा पत्र मिला। मुझे खुशी है तुम स्कूल जाने लगे हो। कैसा लगता है वहां स्कूल में। और बच्चे तो सब अनजान होंगे। थोड़े दिनों में जान पहचान हो जावेगी। वहां की पढ़ाई और पढ़ाने वालों को जानने समझने में समय लगेगा। हां बेटा तुम्हारी चवन्नी। हां हां मैं चाहता हूं तुम पाकर फिर भी लो। मुझे खुशी होगी जब तुम यहां आकर मुझसे लोगे।

वहां Ink नहीं मिलती। क्या सब काम बौल पैन से ही करने होंगे। तुम तो अपने बौल पैन भी बेकार समझकर यहां छोड़ आये हो। मैं ठीक और खुश भी रहने की कोशिश करूंगा। शायद कुछ दिन में तुम लोगों की जुदाई बरदाश्त हो जावेगी। तुम लोग ठीक रहोगे तो मुझे भी खुशी होगी।

तुम्हारा बाबा
[signature]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रकाश वती

Dated २२ । ६ । 197६

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो - अनन्त तुम्हारी जन्मदिन की हार्दिक शुभ आशीर्वाद।
तुम्हारा २६ ता. का लिखा हुआ पत्र रामकृपाल जी से कल रात २८ ता. को मिला। इससे आज
तुम्हारे पत्र की बहुत ही आशा लगी थी लेकिन इन्तजार करते करते निराश हो गये थे। रात में जब उन्होंने
तुम्हारा पत्र लाकर दिया तो ~~अत्यन्त~~ अति हर्ष हुआ और सब समाचार ज्ञात हुए। तुम सबों के लिखे हुए पत्र
२५ ता. के हमको मिल गये थे हमने तुम सबों के पत्रों का उत्तर २२ ता. को दे दिया था तुमको वह पत्र मिल
गये होंगे। अब तो पत्र की ही आशा लगी रहती है। बेटे हमको भी तुम्हारी बड़ी याद आती है।
जैसे हमेशा से मेरे पास रहे। रहे हो अब तुम हम इतनी दूर हो गये हो। तीन वर्ष का इतना
लम्बा समय कैसे बीतेगा। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि यह लम्बा समय शीघ्र ही और
कुशल से बीत जाये और सब जगह ठीक रहें।

अभी नई जगह होने के कारण से अभी तो बहुत ही परेशानी होती ही होगी
कुछ दिन रहने पर सब ठीक हो जायेगा। तुम्हारा सामान में इतने दिन कैसे लग
गये हैं। और अब भी तुमको मिला नहीं है। पता नहीं बन्द रहने पर खराब तो नहीं
हुआ होगा। यह जान कर चिन्ता दूर हुई कि सोमा व मेरे दोनों बच्चे भी ठीक हैं
तुम्हारा पेट भी ठीक होगा पेट बदले की दवाई लेते रहना। तुमको वहां पर और कुछ
परेशानी तो नहीं है। वहां से बाजार कितना दूर है। जब तुमको मकान मिल जायेगा
फिर तो तुम्हारा ऑफिस दूर हो जायेगा। यहां पर सब लोग हमारा बहुत ध्यान रखते हैं
तुम हमारी ओर से कुछ चिन्ता मत करना। तुम्हारे लिये तो वहां पर सब नई जगह है।
२२ ता. को लिखा हुआ पत्र हमने रामकृपाल जी को दे दिया था उस पत्र में गुड़िया की दो फोटो
भी थी। बेटे हमको तुम सबों की बहुत ही याद आती है। हर एक बात २ पर ध्यान आता है
रहना तो मुश्किल है लेकिन यह शान्ति है कि तुम सब वहां पर ठीक हो। तुम्हारे बाबूजी ठीक हैं।

प्रिय गुड़िया शैल को हमारा बहुत सारा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

प्रिय सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो

इससे एक पत्र तुमको २२ ता० को लिखा है वह तुमको मिल जायेगा।

कल सुशील का पत्र मिला समाचार ज्ञात हुये। अब तो अब पत्र का ही सहारा हो गया है पत्र को देख कर बड़ी प्रसन्नता होती है। जब तुम सबकी बहुत ही याद आती है तो पत्रों को पढ़ कर ही बड़ा शान्ति होती है। समय बिताना बड़ा मुश्किल होता है कल सुषमा जी का भी आया था वह भी कहती थी कि इस बार सब को उनका पत्र आया है।

तुमको सामान न मिलने से बड़ी परेशानी हो रही होगी सारा सामान खरीदना पड़ा होगा। सुशील के पत्र से ज्ञात हुआ है कि सामान आ तो गया है लेकिन अभी मिला नहीं है सामान में इतनी देर बेकार ही हो गई है। पता नहीं सामान इतने दिन बन्द होने से खराब तो नहीं हुआ है। आज कल में मिलने वाला है। मन नहीं लगता है तुम्हारी व बच्चों की बहुत ही याद आती है। अपने जन्म दिन पर बच्चों को बहुत ही याद करते रहे। कहते थे कि यदि बच्चे यहाँ पर होते तो पहले बालकों को खाना खिलायेंगे। अब कुछ इतना है बच्चों को कुछ भेज भी नहीं सकता हूँ। तुम्हारी तबियत ठीक होगी। उपेन्द्र आये थे विचार पक्का करने को हमको बहुत कहते रहते हैं। हमारा विचार २४ ता० को देहरादून जाने का है क्योंकि चित्रा का ऑपरेशन होगा और उसको २ दिन तक तो अस्पताल में रहना ही होगा। हम शायद २४ अक्टूबर को जायेंगे और २६ ता० को आ जायेंगे। यहाँ पर भी तुमको सब याद करते रहते हैं।

तुम लोग धूप में बैठते तो वहां पर बड़ा अच्छा लगता होगा। अब की बार तो ऐसा मन होता है कि किसी तरह से जाकर तुम सब को देखलें। प्रिय बच्चों की बहुत ही याद आती है क्या करें रहना था अब सब साल देखना तो बहुत मुश्किल हो रहा है। अपना ध्यान रखना।

प्रिय गुड़िया प्रिय राहुल को हमारा बहुत सा प्यार। बच्चों को फिर पत्र लिखेंगे।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। उषा के भी पत्र तुम्हारे ~~आपके~~ पास आते रहते होंगे। बहुत ठीक होगा

तुम्हारी अम्मा जी
&
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 28-9-1977

बेटा शैलू । खुश रहो

कैसे हो तुम? क्या करते रहते हो बेटा।
स्कूल में वहां की पढ़ाई समझ में आने लगी है या अभी नहीं। वहां खाना पीना कैसा चलता है। कुछ पसन्द आने लगा होगा। तुम्हारी याद करके ही रह जाता हूं। तुम्हारे लिये इतनी दूर से अब कुछ भी नहीं कर सकता। तुम्हारा खत मिल जाता है तो कुछ जी संभल जाता है। तुम्हारे पौधों को पानी दे देता हूं। अभी तो ठीक ही है। तुम्हारे पास कपड़े कम थे सामान देर से पहुंचा। कैसे कपड़ो को किया। वहां तो कपड़े धोने का भी साधन मुश्किल है। हवाई जहाज में खाने का क्या हुवा लिखना।

तुम्हारा चाचा

बेटी गुड़िया

खुश रहो। कैसी हो तुम? इधर उधर घर में तुम्हारे काम करने घूमने की ही याद आती रहती है। वहां तुम क्या करती होगी। वहां तुम्हारी जान पहचान को तो अभी कोई नहीं है। पढ़ाई भी अभी नहीं चली होगी। कैसे समय बीतता है। तुम्हारी बनाई तस्वीरें साफ करते रहते हैं हम। उन्हें रोज ही देखना चाहते हैं। वह तुम्हारी याद दिलाती रहती हैं। तुम लोग वहां कैसे भी रहो मैं इतनी दूर से कुछ भी नहीं कर पाऊंगा। यहां तो जो भी मुझसे हो सका किया वहां का तो हाल ही सुनकर सबर करना होगा मुझे। तुम ठीक रहोगी मुझे भी कुछ खुशी होगी

तुम्हारा बाबा
28.9.77

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 28. 9 1977

My dear Sushil

Your letter of 19th was received last night. I am glad to know that the articles have reached there. However I fear they must have been damaged for remaining packed for three weeks or more.

When you were here I had no worry. It was easy to meet the monthly bills in the first week of every month. Now I shall have to see to it. It is wrong to say you did not do anything for us. We passed a long time together and at this stage of my age it was necessary to have some one with us. I have decided to live here though alone. How are your memory and other things. I look

around and remember where you were in the house & how you all moved about. These are the memories which always help me to bear the lone life now. Gudya & Shelloo! I remember how they behaved and helped me to pass my time. Their memories are every moment before my eyes. I miss you all so much. It is in the hope to see you all again that I pass the days counting every day as it passes. This is nothing new here.

with love -
Yours affly
D R Gupta

P.S.
I can only send goodwishes from a distance on the occasion of your birth day falling on 6.10.77. I am sorry I can be of no use to you as you are in foreign land separated by huge distance.

D R Gupta,

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २६ – ६ – 1970

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत प्यार –

बिटिया तुम्हारा ~~२४~~ २४ ता० का लिखा हुआ पत्र यहाँ पर हमको २९ ता० को मिल गया था हमने २२ ता० को तुम्हारे पत्र का उत्तर दे दिया था वह पत्र अभी तो मिला नहीं होगा। उस पत्र में तुम्हारा दोनों फोटो भी भेज दी थी।

बिटिया तुम आज कल क्या करती रहती हो अभी तुम्हारा नया का कुछ हो गया है या नहीं मन भी वैसे नहीं लग रहा होगा। तुम्हारे ड्राइंगरूम का देखने का बड़ा मन होता है हर समय बताती रहती थीं। यहाँ पर बाजार पर तुम्हारी बड़ी याद आती है। यहाँ पर अभी तो कोई भी चीज़ पर बहलाव जाती नहीं है नाविल वगैरा भी हिन्दी में नहीं मिलते होंगे। फिर मन भी कैसे लगे। तुम्हारा एक पत्र सविता पास में जो तुम्हारी सहेली है उसके पास भी पहुँच गया है वह सविता भाभी की वह बतलाती थी। लीला की तबियत भी खराब ही चल रही है। सावित्री जो बोयल की लड़की है उसके लड़के अमला (गुड्डू) का रिश्ता कैलाश की लड़की शिरना से हो गया है। नवम्बर तक शादी हो जायेगी। बिटिया तुम्हारी याद तो हर समय ही आती रहती है कैसे भूल सकते हैं। हर एक बात में तो ही याद कर लेते हैं। हो तुमको भी हमारी याद अवश्य आती होगी। अब तो यही सोचते हैं कि कैसे भी पास दूर रहें तुम लोग भी हम से दूर होता तो शायद इतनी याद न आती। वह तीन वर्ष का लम्बा समय कैसे बीतेगा। सब कहते हैं कि तीन साल जल्दी ही आ जायेंगे। तुम दोनों तो सब देखते होगे लेकिन अंग्रेजी में अभी तो कुछ अच्छा नहीं लगता होगा तुमने वहाँ पर सिनेमा वगैरा भी देखा है। बाजार वगैरा कितनी दूर पर है। बाहर वगैरा सब कैसे है मन होता है कि एक बार जाकर सब देख लें। लेकिन कुछ बस नहीं चलता है।
अपनी बच्ची का ध्यान रखना वह कैसी होगी। तुम्हारे बाबाजी तो तुम लोगों को याद करके कभी कभी बहुत ही परेशान से हो जाते हैं। अपने जन्म दिन पर तुम सबको बहुत ही याद करते थे। तुम्हारे बाबाजी का तुमको आशीर्वाद व प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25 - 3 - 197

प्रिय बेटे शैलू तुमको हमारा बहुत सा प्यार।

बेटे तुम्हारा १५ ता० का लिखा हुआ पत्र मिला हमने तेरा [illegible] था यह तुमको मिल गया होगा।

बेटा तुम स्कूल जाने लगे हो अब तो तुम्हारा मन स्कूल में लग गया होगा वहां पर क्या होमवर्क [illegible] बन है या नहीं। बेटा अब अपने बाबा अम्माजी को तीन साल तक के लिये भूल जाओ। ईश्वर ने चाहा तो तीन साल रहकर लन्दन से लौटकर पर सब लोग कुशल से मिलेंगे। यही ईश्वर से प्रार्थना। अब तुम्हारी तबियत कैसी है। तुमने अपनी बिमारी के बारे में कुछ नहीं लिखा है तुमको वहां का कैसा लगता है जहां रहकर तुम खुश हो गए मामाजी को हमको सब बतलाना वहां पर तुमने क्या देखा है।

लोगों ने लिखा था कि वहां पर डबल रोटी ज्यादा ही खाई जाती है हम तो यहां पर यही चाहते थे कि वहां पर तो बहुत ही सस्ती है जैसा [illegible] हम तो अब डबल रोटी बहुत ही कम खाते हैं महंगी है। कोई [illegible] बनाने को मन नहीं करता है रक्षा को पूरी पापड़ की परवाह कोरा बनाया करता था पर तुम्हारी बहुत ही याद आती रही चलते रहते थे उसमें भी खूब [illegible] बनाना। अब यह जानने कब आकर रहोगे। तुम लोगों को याद करके बड़ी परेशानी सी होती है बेटा तुम ठीक रहना और मन लगा कर रहना अब कुछ दिन तो हमको भूल जाओ। कल तुम्हारे पापा का पत्र मिला। पत्र पढ़ कर हमें भी बहुत दुःख हुआ और याद करके रोना भी आया। खैर यह तो स्वाभाविक बात है हो रहे लिखने से क्या होता है।

पत्र जल्दी डालते रहना। अपनी मम्मी के संग में ताश खेलते रहना। हमको याद आता है कि [illegible] ताश खेलते रहते हैं और तुम अपने बाबाजी से [illegible] क्योंकि फिर [illegible] के बाद में नीचे का ताला बन्द करना होता है। तुम तुम्हारे [illegible] की कोई चिन्ता नहीं की। तुम्हारे बाबाजी का तुमको आशीर्वाद बहुत सा प्यार। जवाब शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

प्रिय बेटी गुड़िया तुमको हमारा बहुत सारा प्यार

तुम्हारा १८ता. का पत्र मिला हुआ हमको कल २१ता. को मिला है। हम भी तुमको यह नया पत्र लिख रही हूं। और हमारे पत्र भी तुमको मिल गये होंगे। यहां पर भी नीरजा का पत्र मेरे पास आया है उसने लिखा है कि गुड़िया का पत्र भी मेरे पास आया है लेकिन अभी उसका वहां पर मन नहीं लग रहा है। नीरजा शायद नौकरी की ओर से ३ महीने के लिये टूर पर जायेगा। गया बम्बई मद्रास और भी कई जगह जायेगा। लिखा है कि बेटी हुइया १० अक्टूबर से १४ नवम्बर तक है। फिर वे यहां नोयडा को मेरठ आऊंगा। उनको यही चिन्ता है उनका हमारे पास मन कैसे लगेगा। और हमारा विचार भी १५-१६ अक्टूबर को देहरादून जाने का है क्योंकि चित्रा का ऑपरेशन होगा। और उनका पत्र आने पर जाने का लिखेंगे। निर्मला ३ता. को यहां पर आ रही है पता नहीं पप्पू भी आयेगा क्या। २३ अक्टूबर को निर्मल के बाबूजी के भाई की शादी बम्बई में है निर्मला को विचार बम्बई जाने का हो रहा है शायद साथ में पप्पू भी जायेगा। यह पढ़ कर बहुत ही खुशी होती है कि वहां पर जगह बहुत ही सुन्दर है गुड़िया यह तो ठीक है अपने घर के सभी होते हैं तभी अच्छा लगता है। फिर हमें बहुत ही खुशी होती है कि हमारे बच्चे इतनी अच्छी जगह गये हैं किसी को बतला भी गर्व होता है अच्छा है खूब खाते पीते रहो और खूब घूमो। और फिर चार साल बाद फिर यहीं हमारे सबको बता आये।

चिन्टू का घर तुम्हारे से कितनी दूर पर है कार ले गई होंगी। तुमको तो गाने सुनने का बहुत ही शौक था अब पता नहीं कब तक सुन सकोगी। यह भी कैसे लगा जो यहां नौकर भी नहीं है और ना रिश्ते के जाने लोगों सुन सकी हो। घर निपट क्या करती रहती हो। १३ता. को अनुज व अनुपमा जी भी मैंने उनको तुम्हारा पत्र भी दिया था और उसके तीन चार दिन बाद २ फोटो भी दे दी भी यह फिर शायद १८ता. को आई थी। वह भी कहती थी कि हमने १८ता. को गुड़िया को पत्र लिख दिया है उसका भी पत्र अब तुम्हारे पास पहुंच गया होगा उसने शायद २२ता. को तुमको पत्र लिखा है। और कोई विशेष बात नहीं है उषा रोज मेरे पास आती रहती है इससे जरा समय बीत जाता है। मधु यहां पर आया था एक बार को २ घंटे के लिए रहा लौट गया था। वह कहता था कि हमने भी पत्र लिखा है। और सबको को कोई समाचार नहीं है। गुड़िया तुम अपना खूब ध्यान रखो हमें तभी शान्ति व खुशी है कल जरा पत्र जल्दी २ लिखती रहती हूं। १२ बजे से २ बजे तक टीवी देखती रहती हूं। भोजन का ध्यान रखना उसको निपटाने को एक सब्जी लाना पड़ गया है। खाना वगैरा बनाने के लिये गैस होगी वहां पर तो भोजन को खाना बनाने में परेशानी नहीं आता होगा। गुड़िया पत्रोत्तर शीघ्र ही देना बस यही हमारी तुम लोगों से प्रार्थना है। हम बिल्कुल ठीक हैं

तुम्हारी अम्माजी
उनका भी

हमारी ओर से कुछ चिन्ता मत करना।

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २ — २ — 197६

प्रिय दिदिया सोना सहित सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए। इसको अब तुम्हारा तीसरा पत्र मिला है और
वहां के पत्र आने में समय तो लगता ही है। हम यहां पर बिल्कुल ठीक हैं तुम हमारी ओर से कुछ चिन्ता
मत करना। बस तुम लोग तो ऐसी जगह पर हो जहां पर अपना कोई भी नहीं है तुम चारों अपना
ध्यान रखना भी। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सब ठीक रहो और बहुत खुश रहोगे। तो हमको
भी खुशी होगी। तुम्हारा अभी मन नहीं लगता है धीरे-धीरे मन लग जायेगा। लेकिन इतना परेशान
होना चाहिये इसमें घबराने जैसी कोई बात तो नहीं है। तुम्हारे पत्र से ज्ञात हुआ कि सामान तो
आ गया है लेकिन अभी तुमको मिला नहीं है। सामान न होने से रहन सहन थोड़ा तो भी परेशानी
हो रही होगी पता नहीं इतना ज़रूरी सामान मिलने में क्यों देर लग रहा है। गुड्डा लिखता है कि
गाड़ी वेन का रोटी बनाती हो वह भी तो ज़्यादा होगा गुड़िया को तो परांठे अच्छे लगते थे वह
बिस्कुट रोटी कैसे खाती होगी। और सब सामान बाज़ार से मँगाना पड़ता होगा और वहां पर
कोई सामान बहुत महंगा है क्योंकि तुम्हारे पास अपना है। पता नहीं बंद होने से सामान खराब तो नहीं
हुआ होगा। हम लिखते इतने अच्छे थे यहां पर छोड़ गये वहां पर अब सब याद थे आ जाते। यही
डर था कि न कहीं ज़्यादा सामान न हो जाये। और सोचा था कि वहां पर अच्छे रहेंगे। लेकिन अब
तो तुम्हारा कैसे ही ज़्यादा खर्चा हो रहा है अभी तो खरीदने की मुश्किल है। और अब तो वहां पर
शायद स्वेटर की आवश्यकता पड़ने लगी होगी। यह तो हमने भी सुना और ऐसा भी सुना कि बस
की जगह पर गाड़ी में डिब्बे से रोटी बेलना हो यह कुछ दिक्कत चली। अपना सब सामान होते
हुये भी परेशानी उठाना पड़ रही है। जैसा कि मैंने तुमको एक पत्र में लिखा है कि बारिश की वजह से
लोग घरों से मैं न निकल दी है और गैस सिलेंडर का धुआं रखा रहता था। शील की छोटी
मेज़ यहां पर रख कर खाना बनाती हूँ। पत्थर पर पालथ बैठा। और चीनी के बरतन तो सब रख
लिये हैं वह मेज़ इसने अपने कमरे में रख ली है यहां पर अपने की मेज़ लग रही थी। वैसे तो वह
मेज़ खाना खाने के लिये अच्छी है लेकिन खाना खाने वाला रहता है हीं कौन।

उपेन्द्र आता रहता है मञ्जु पहरवा याद गई है। शायद दशहरे पर आयेगा। गुड्डी पढ़ती है और
ठीक है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

तुम अपना ध्यान रखना तुमने साल बाद आना पहला होगा पत्र आये होंगे यहां दो की ग्यारह तारीख का पत्र आता थो। अपनी सब की कुशल लिखती रहना और तुम अपने स्कूल खुश व ठीक हो हर रहने में बहुत शान्ती है हमको ठीक ही है। और तुम सब से मिलने की आशा लगाये बैठे को ठीक रहना चाहते हैं। रोज़ ही हम सोचते तुम सबको को याद करके बातें करते रहते हैं अब तो पता नहीं वह दिन कब आवेगा। शायद ~~बैठे~~ दुनिया को निपटा जा रहा है उसमें कुछ दिन तो पर लगेगा। तुम्हारे बाबूजी को तुमको आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

प्रिय बेटे कुणाल सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो।

तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए। तुम्हारा सामान मिलने में बहुत ही टाइम लग गया है पता नहीं क्या बात है तुम तो कहते थे कि १ हफ्ते से पहिले मिल जायेगा। तुम हमारी ओर से चिन्ता मत करना हम तो ठीक हैं बस तुम अपना ध्यान रखना। और परेशान मत होना परदेश में हिम्मत से ही रहना पड़ता है। मैं तो तुमको कहा सोचती थी कि कुणाल तो सीधा है। लेकिन अब मुझको विश्वास हो गया है कि आप में होशियार भी हो इससे मुझको खुशी है। अच्छा है बेटे बेटे इस्कार भी रहा ले सब ठीक ही है। तुम्हारा मकान मिलने पर मौलिक छूट हो जावेगा फिर तो कैसे आया करोगे। शेष तो स्कूल की छुट्टी हो जावेगी। गुड़िया चिरंजीव तो अभी कुछ नहीं बताई इतना यह साल बेकार ही गया है यह बड़ी खुशी होती है मकान मिलने पर फिर तो फोन से बातें कर लिया करेंगे गत अपने बच्चों की आवाज़ तो सुनने को मिलेगी। अब तो आवाज़ से कौतूहल गये हैं। तुम सब बहुत खुश रहोगे तो हमको यही बहुत खुशी है। और होशियारी से रहना। तुम्हारे बाबूजी को आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रकाशवती

Dated १-१०-1976

प्रिय बेटे शील तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा १० ता० का लिखा हुआ पत्र हमको २६ सितम्बर को मिला है पढ़कर सब समाचार मालूम हुए। तुम्हारे अभी तक २ पत्र हमारे पास पहुँचे हैं तो सब पत्रों को नहीं मिला है। बेटे तुमने तो हमारे कई पत्रों का उत्तर लिखते हैं हम तो अब तुमको ७ वां पत्र लिख रहे हैं। और तो कुछ पत्र नहीं आते होंगे। तुमको तो कुछ याद भी नहीं है। मैं तो चाहती हूँ कि तुम्हारे रोज ही पत्र पढ़ने को मिलते रहें अब तो पत्र पढ़ कर ही थोड़ी शान्ति सी मिलती है हमारे और कुछ पत्र भी मिल गए होंगे। तुमको तो समय कितना कम प्रतीत होता है। अब तुमने पढ़ाई की पाबन्दी लगा दी है पत्र पढ़ना तो भी नहीं सकती हूँ। खाना वगैरा बनाने में कुछ भी अच्छा नहीं लगता है दाल तो मैं बहुत ही कम बनाती हूँ। तुम्हारे लिए दाल तो रोज बनाना रहता था कि यदि दाल नहीं बनाऊंगी तो शील नाराज हो जायेगा। तुम्हारे नानाजी से बात कर लगता था कि अब तुम स्कूल कौन तरह से चले जाते होंगे तुम्हारे स्कूल कितनी दूर पर है तुम्हारे स्कूल में [illegible] है या नहीं। मकान से बाहर निकल कर तो तुमको अजब लगता होगा क्या स्वेटर वगैरा पहनने की जरूरत पड़ती है। तुम्हारा सामान तो अभी तक पहुँचा नहीं था पता नहीं अब भी मिल गया है या नहीं सामान के बिना बड़ी परेशानी होती होगी।

तुम्हारे नानाजी रोज पौधों को पानी देते हैं क्योंकि तुमने कह दिया था कि मैं आकर पौधों को देखूंगा। तुम अमरीका में सेब नाशपाती वगैरा मिलते रहते होंगे। क्योंकि वहां फल वगैरा की कमी तो नहीं है। शील तुम सब की याद तो बहुत ही सताती है। यहाँ [illegible] इतना लम्बा समय कैसे बीतेगा। तुम अपने शरीर का ध्यान रखना। [illegible] होता है यह जगह बहुत सुन्दर है मन होता है कि किसी तरह से आकर देखें। लेकिन हिम्मत से रहना है अच्छा है तुम सब वहाँ पर खूब खुश रहोगे हमें इसमें ही बहुत खुशी है।

तुम्हारे बाबाजी का बहुत सा प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। मैं तुम्हारा पत्र पढ़कर बोर नहीं होऊंगी।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 1.10 1977

बेटी गुड़िया। खुश रहो।

तुम्हारा पत्र जो सुशील के 19.9.77 के पत्र के साथ था वह 28-9-77 को मिला। इस से दो दिन पहले सुशील का दूसरा पत्र जो भी 19.9.77 का था मिल चुका था।

मैं तुम्हारे लिये Col. Ranjit की नई किताब आज खरीद कर परसों भेज दूंगा। किसी के हाथ सोमवार दिल्ली भेजूंगा। शायद इस के साथ ही पहुंच जायेगी। मैं ने तुम्हारे पास फोटो भेज दिये हैं पहुंच गये होंगे। मेरे पास तुम्हारे दो फोटो और हैं उनमें से नीरज को दे दूंगा।

सामान अब तक पहुंच गया होगा। देर क्यों हुई खबर नहीं। आगे भी तुम्हारी जो किताब कहो भेजूंगा।

तुम्हारा बाबा
[signature]

1.10.77

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा पत्र मिला। हां जब तुमने पत्र लिखा रात को 11 बजे वहां उस समय मैं यहां 8.30 बजे सुबह खाना खा रहा हूंगा। पर तुम्हारी याद करते हुवे ही। हम यहां तुम्हारे आने की इन्तजार में ही दिन काट रहे थे। कल तक महीना हो जायेगा। तुम ने नहीं लिखा खाना वहां ठीक मिलता है या नहीं। स्कूल का क्या हाल है। वहां और बच्चों से बात कैसे करते होगे। बेटा वहां बहुत समझ से रहना पड़ेगा। वहां तो बिलकुल अनजान देश है। कोई मदद करने को नहीं। मैं यहां बेबस हूं। यहां से कुछ कर नहीं सकता। तुम वहां ठीक रहोगे तो मुझे कुछ खुशी होगी। अपना सब हाल लिखना।

तुम्हारा बाबा
[signature]
1.10.77

1.10.77

My dear Sushil

Recd your another letter of 19.9.77 sent by home address. It was received two days after the another one of the same date sent through office. I have already replied the letter.

I shall also talk to Rakesh in connection with the luggage. You may write the details to me and I shall arrange. If Rakesh cannot do this I shall try to do. It shall be good if some articles are sent to you.

Things are as usual here, but we are missing you all and relish nothing. However, time has to be passed some how and we are trying to do so. How was the delay in the delivery of your goods? I hope you must have got them by now.

with love
yours affly
[illegible]

मेरठ सिटी
५/१०/१९७७

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

२२ ता० का लिखा हुआ तुम्हारा पत्र कल ४ ता० को मिला है। पढ़ कर सब समाचार मालूम हुये। तुमने पत्र में यह नहीं लिखा है कि तुम्हारा सामान भी मिल है या नहीं। सामान के बिना बड़ी परेशानी हो रही होगी। ऊषा ने तुमको पत्र शायद १८ ता० को लिखा है अब तुमको उसका पत्र मिल गया होगा। २ ता० को तो यहाँ पर हड़ताल रही। १९ को मन्जु व अनुपमा आ गई थी उसके [illegible] पर ऊषा आ गई [illegible] पर उपेन्द्र आ गये और उपेन्द्र के [illegible] रोमा आ गई थी वह शाम को वापस चले गई। अभी तक मन्जु अनुपमा के [illegible] तुम्हारा कोई पत्र नहीं पहुँचा था। रोमा के पास तुम्हारा पत्र पहुँच गया था वह बहुत खुश [illegible] में पत्र लिखा है शालिनी ने अंग्रेजी में लिखने को कहा है। तुम्हारे लिये [illegible] बहुत [illegible] है लेकिन तुम्हारे पास [illegible]। [illegible] कि मैंने तुमको १ पत्र में लिखा था कि [illegible] लेकिन वह अभी आई नहीं है [illegible] गया है [illegible] शायद [illegible] में [illegible]। हमारा विचार भी २१-२२ ता० [illegible] जाने का है [illegible] ता० को चलेंगे।

यह [illegible] कि तुम [illegible] लोगी। [illegible] तुम [illegible] यह [illegible] है तुमको तो [illegible] भी नहीं है। [illegible] यह अच्छा है [illegible] और तुम्हारा [illegible] भी लगेगा। यहाँ या [illegible] तुमको सब याद करते हैं और हमको तो तुम सब हर समय ही याद आती रहती हो। [illegible] याद आती रहती हो। तुमको [illegible] देखने का बहुत ही शौक था [illegible] तुम्हारे साथ [illegible] सुशील को पत्र उन्होंने [illegible] दिया था सुनीता को भी सुशील [illegible] था वह कहता था कि पता नहीं [illegible] रहा है यहाँ पर [illegible] लिखना था [illegible] लेकिन [illegible] नहीं है। [illegible] बहुत [illegible] है तुम भी [illegible] रहो और [illegible] भी [illegible] पड़ेगा अब तुम [illegible] याद तो आती ही रहती है लेकिन यह समय [illegible] है [illegible] तीन साल [illegible] लेकिन [illegible] समय [illegible] है। प्रिय सुशील [illegible] तुमको १ ता० को पत्र लिखा है पहुँचा होगा [illegible] पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]
[illegible]

प्रिय बेटे शैलू तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारे बाबाजी के पास तुम्हारा पत्र कल ४ ता० को मिला है समाचार मालूम हुये। तुम सब ने १९ को पत्र लिख रहे हो तुम इतनी देर तक जागते रहते हो अपने कमरे में अकेले सोते हो या गुड़िया के कमरे में यहां था तो सब [illegible] अच्छा लगता था अब रात में तुम सबकी बहुत ही याद आती है तुमको वहां भी [illegible] टेलीविजन [illegible] लगता है और यहां [illegible] होता है। वह मकान जो तुमने देखा है उसका क्या हुआ वह गुड़िया को क्यों नहीं पसन्द आया है [illegible] तुम बहुत लिखते हो। पढ़ाई की चिन्ता [illegible] तुम्हारा [illegible] है। अब तुमको [illegible] वहां का सब [illegible] हो जायेगा हमारा मन भी तभी लगेगा। अभी तो तुमको परेशानी हो रही है [illegible] याद तो तुम सब को हमेशा ही आती रहेगी। यह तीन साल तो किसी तरह से बिताना ही है। अच्छा बेटे तुम सब बहुत ही खुश रहो हमारी ईश्वर से यही प्रार्थना है। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना बेटे।

तुम्हारी [illegible]
[illegible]

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा 22.9.77 का पत्र कल मिला। बेटा तुम्हारी याद हर समय आती है। क्या करूं यह तो रहेगा ही। जब तुम वापिस मेरे सामने आ जाओगे तब ही मुझे शान्ति मिलेगी। तुमने जिस मकान को लिखा है वहां वह गुड़िया को पसन्द क्यों नहीं आया। तुम लोगों के स्कूल से और सुशील के दफ्तर से पास भी होना चाहिये। अच्छा है सब की ही पसन्द का मिल जावे। स्कूल का क्या हाल है? अभी तो परेशानी ही होगी। खाना वहां कैसा चल रहा है

तुम्हारा [illegible]
[illegible]
5.10.77

बेटी गुड़िया । खुश रहो ।

तुम्हारा पत्र कल ही मिला जो तुम
ने 22.9.77 को लिखा था । देर
से भी देर से ही पत्र मिलता है ।
पूछा है तुम वहां कुछ सिखने
जाना चाहती हो । तो मौज कैसे
जाना होगा । बेटा वहां बहुत
होशियारी से रहना होगा । दूसरा
देश है । वहां कोई मदद करने
वाला नहीं है । खुद ही समझ
कर रहना है । तुम ने नहीं लिखा
पूरा सामान मिला या नहीं ।
इतना समय क्यों लगा पता
नहीं । मैं तो इतनी दूर
बैठा सोचता ही रहता हूं । कुछ
कर नहीं सकता । तुम्हारी एक
किताब खरीद कर कल मैंने
भेजी है । पहुंच जावे तब ही जो
ठीक मिले तो फिर और भेजूंगा

तुम्हारा बाबा
[illegible]
5.10.77

यहां काट कर खोलिए TO OPEN CUT HERE →

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD



Shri S.K. Bansal
SAS. Accounts. D.C.
Embassy of India
Washington D.C.
U.S.A.
c/o Diplomatic Bag Section
Ministry of External Affairs
South Block
पिन PIN New Delhi

पहला मोड़ FIRST FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

Ghanpat Rai Gupta
152, Vijaynagar
Meerut
India

पिन PIN

लोगों को भी मेरे पास पत्र आया था। निर्मला को दुलारी ने यहाँ पर आने को कहा लेकिन निर्मला आराम से अभी तो नहीं आई है। बहू निर्मला पर गुस्सा सहित कहलो देना
अच्छा पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी मम्मीजी
प्रकाशवती

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार।

तुम्हारा २८ तारीख का लिखा हुआ पत्र हमको कल ५ तारीख को मिल गया है सबके और बच्चों के फोटो को देख कर बहुत ही प्रसन्नता होती है और बार बार देखने पर भी मन नहीं भरता है यह जान कर प्रसन्नता होती है कि अब तुम्हारा स्कूल में मन लगने लगा है और अब दोस्त भी बनने लगे हैं यह अच्छा है वहां पर नाश्ता मिलता है यह तो अच्छा है तुम टिफिन नहीं लाते हो घर से तो केवल चाय टोस्ट बिस्कुट ही खा कर जाते होगे। रास्ते में ज्यादा भीड़ भाड़ तो नहीं होती है स्टेशन पर कितनी पैदल चलना होगा। जरा रास्ते में संभल कर जाया करना।

तुम रोने तो नहीं लगते हो या फिर भी पत्र पढ़ कर कुछ कुछ याद आ कर कुछ खुशी से रोना आ ही जाता है। खैर अब तो तुम्हारे बारे में खुशी ही है क्योंकि सब लोग कहते हैं कि वहां से बच्चे बहुत होशियार होकर आयेंगे। और बाद में उसमें ही सब बात दूर हो जायेगी क्योंकि सब के लिये वहां पर आना जाना आसान है। हमारी इच्छा तो हमारे साथ रहने की है नहीं तो हम लोगों से ऐसे अलग नहीं हैं। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि खुशहाल तो सब ही रहना हो। और तुम लोग २ साल बाद यहां से बोल कर घर आ जाओगे। यही चिन्ता है। फिर तो तुमको हिन्दी बोलने की आदत कम हो जायेगी। फिर से कैसे बात करा करोगे। खैर यह सब बातें तो बाद की हैं।

अब तुमने इतना समझाया है तो डबल रोटी खानी ही पड़ेगी। वैसे अब ऐसा कुछ ध्यान भी नहीं आता है। यह अच्छा है वहां का डबल रोटी ज्यादा मोटी नहीं है। यह सोच हम लोगों को पसन्द आई है। अच्छा बेटा अब तुम खूब मन लगा कर पढ़ना क्योंकि तुम्हारी बात इंग्लिश में कमजोर हो ऐसा न हो कि तुम इंग्लिश के बारे में आशा में रह जाओ। बेटे अब तक बाग में फूल खिल रहे हैं ४-५ तो गुलाब के फूल हैं और सारा बहार पर तो बहुत ही फूल खिले हुए हैं। तुम्हारे नानाजी कहते रहते हैं कि फूलों को देखने का शैल बहुत शौक होता था पर इस बार अकेला ही हो जाता है। अच्छा पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी मम्मीजी
प्रकाशवती

[illegible]

[illegible] मेरठ (जेल)

[illegible]

प्रिय बिटिया गुड्डो हमारा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद

तुम्हारा २८ को का लिखा हुआ पत्र इधर को ६ को मिला है। पत्र पढ़ कर बहुत ही खुशी होती है और वहां के समाचार भी ज्ञात हो जाते हैं। मन तो यही होता है कि तुम्हारे पत्र भी रोज मिलते रहें और हम भी रोज लिखते रहें। सबका पत्रों से ही ज़रा शान्ती सी मिलती है। जब मञ्जु अपनी [illegible] लेने आई थी उसके बाद [illegible] होने लगे हैं। वह भी बतलाती थी कि गुड़िया के मेरे पास भी पत्र आया है। यह जान कर प्रसन्नता हुई कि तुम [illegible] को [illegible] लगी हो। अब तुम्हारा मन भी लग जायेगा और समय भी व्यतीत होगा। लेकिन यही चिन्ता है कि दो मील पैदल जाना पड़ता होगा। शुरू में तो थक जाओगी। फिर तो आदत पड़ जायेगी। इस [illegible] समय बदल जायेगा तो [illegible] लिखा करेंगे। अभी तो [illegible] होने के डर से नहीं [illegible] थे। और अब तो ज़रा आदत भी पड़ गई है। १२ तारीख को जब तक तुम लोगों का कोई समाचार नहीं मिला था काफी परेशान से हो गये थे। लेकिन [illegible] का पत्र आने पर फिर तो शान्ती सी मिल गई थी। जब तुम्हारा पत्र आता है यह तो [illegible] में होते हैं जब मैं बतलाती हूं। तो अपने [illegible] बदलते हैं। फिर के पत्र पढ़ने बैठ जाते हैं। जब तुम सबको [illegible] बैठ जायेगा तभी हमको भी शान्ती मिलेगा। वैसे हम यहां पर बिल्कुल ठीक हैं तुम हमारी ओर से कुछ चिन्ता मत करना। और याद तो सबकी हर समय ही आती रहती है जब बैठते हैं तो तुम्हारी सब की ही बातें करते रहते हैं। २ तारीख को [illegible] का तुम सब की याद आती रही शाम को [illegible] बजे के [illegible] तो बहुत ही [illegible] के [illegible] दिन तो घर भरा हुआ था और अब हम आज बिल्कुल अकेले हैं। [illegible] आया। फिर अब तो ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सब ठीक रहो और फिर वही समय आये जो हम सब फिर पहिले की तरह से मिल कर रहें। बस तुम सब ठीक रहोगे तो हम भी ठीक ही रहेंगे। ईश्वर से प्रार्थना है कि यह तीन साल शीघ्र ही आये। उमा के पास भी तुम्हारा २८ तारीख का पत्र लिखा हुआ ४ ता. को आ गया है। [illegible] समय काटना बड़ा मुश्किल होता है मेरे [illegible] दिन [illegible] [illegible] को [illegible] थी वह [illegible] जाने की वजह से दिन पहले तो सिर में दर्द होने लगा। वैसे [illegible] [illegible] तो [illegible] ही है लेकिन यह तो ज़रा सा देर में ही पता चलता है। मेरे तुमने पहिले पत्र में जो लिखा है हमारा [illegible] जाने को लिया है। क्योंकि [illegible] का ऑपरेशन होगा उसको १० दिन तक अस्पताल में रहना होगा। हम १५ ता. को जायेंगे और २३ ता. को आ जायेंगे। वैसे हमारा मन तो नहीं जाने को नहीं करता है। यहां पर मञ्जु आयी थी वह कह रहा था कि गुड़िया का पत्र आया है और हमने भी पत्र लिखा है

Meerut-
7-10-77

My Dear Gudya

I am glad you have joined some institution. How do you like that? I am informed you have to walk two miles to the place and then two miles back. It will be difficult. Do you go alone? It will require about one hour to walk both ways. You must be feeling exhausted when you come back. I am sorry I am at a distance and am of no

help to you. But you are
with your parents who
must be taking every
possible care. However,
you have to take care
of yourself. I had sent
a book on 1-10-77 for you
through bag. You should
inform me whether it reaches
there. I shall send more
books for you if that
reaches you.

with love,
Yours affly
Bhawpratham [illegible]

Meerut
7.10.77

My dear Sushil

Your letter of 28.9.77 was received
here yesterday while I saw your letter of 29.9.77
delivered at Mawana a day before. I had
gone there in connection of the matters
regarding the properties left by late Shri
Ved Prakash Kaushik. Your luggage
was delivered after a week of its having
reach Washington. I think there was some
excise checking. Yes, I have to keep up
my health to be able to see you on your
return but worries are around do not
allow me to have a good health. However,
I am keeping up well. I am glad children
are happy there. This relieves me of some of
my worries. Guriya has to walk to her
education institution for two miles. How
difficult it is. I don't know if she has any
reliable companion in the way to her class.
You had told me that some one was
to deposit the interest of your account
in my account but from my a/c I find the
person has not done so by now. This is only for
your information. I am glad your luggage was
not much damaged in the transit. Ratish
has not come here since you wrote

you were asking him to arrange for the despatch of some more articles, nor have you written to me what articles you want. You may inform me what articles are required & I shall arrange to send with the help of Ratish. If he cannot help I shall try to find out some other source.

with love
Yrs affly
[illegible]

Meerut
7.10.77

प्रिय शैलू। खुश रहो

तुम्हारा आज पत्र मिला। हां मैं ने फूल गिने तुम्हारे पत्र, पुराने पढ़े पर वह तुम्हारे यहां न होने पर मुझे तो कुछ उदास ही लगे। मैं उन को समय पर पानी का ख्याल रखता हूं। तुम को स्कूल में कुछ बच्चों से मेल हो रहा है यह तो ठीक ही है। पर वहां उन की बोल चाल मुश्किल से समझ में आवेगी कुछ दिन। वहां तुम को नाश्ता मिलता है तो ठीक है। वहां की चीजें यहां जैसी तो नहीं होगी फिर भी जो खा सको अच्छा है। मैं तो ठीक हो रहा हूं। तुम अपना स्वास्थ्य ठीक रखो। ठीक रहोगे और बाबा के सामने वापिस आ जावोगे तो ताबड़ी की जगह पक्की ही मिलेगी बेटा। उस समय तो तुम बड़े हो जावोगे तो

तुम्हारा बाबा
[illegible]

मेरठ/जिले
८।१०।१९८७

प्रिय सुयोग सदैव सौभाग्यवती रहो।

तुम्हारा २२ता० का लिखा हुआ पत्र कल ६ता० को मिला। पत्र पढ़ कर बड़ा हर्ष हुआ कुशल समाचार ज्ञात हुये। तुम्हारे बाबूजी ५ता० को मकान गये थे। वहां तो उपेन्द्र का कुछ याद था उनकी इतनी गवाही होनी थी। जब यह मकान पहुंचे तो तुम्हारा व कुशाल का पत्र इनके सामने ही आया था इन्होंने भी पत्र पढ़ा था

आपने बतलाया था कि सामान पहुंच गया है यह अच्छा है सब सामान ठीक पहुंच गया है ज्यादा कोई नुकसान तो नहीं हुये हैं। कुशाल ने लिखा है कि नेहा ने स्कूल में ~~जाने~~ एडमिट हो गई है। अब जल्दी को ज्यादा कुछ परेशानी भी ज्यादा नहीं होगी। अब तो सब सामान मकान मिलने पर ही खोलोगी और तभी मन भी लगेगा। होटल में तो ऐसा ही है। कुशाल लिखता तो रहता है यहां पर बहुत मित्र था और अभी तक वहां पर भी चैन नहीं मिली है ईश्वर से प्रार्थना है कि इसकी जल्दी हो सकती हो। अच्छे काम में तो पहिले परेशानी तो होती ही है। जब यह को मन नहीं भरता है यहां मन भरता है कि बार २ पत्र पढ़ती रहूं। रवी को तो तुम सब की बहुत ही याद आती रही तुम तो मेरे तीनों बच्चे पक्षी बन गये हैं नेहा का ही याद करते हैं उनका रोज कोई बंगाल से नानी पड़ती होगी वहां पर भी कोई चीज मिलने आ जाती है या नहीं। यह जान के प्रसन्नता हुई कि वहां पर दूध अच्छा मिलता है और बच्चे खूब खुशी से पी लेते हैं। इसकी बड़ी चिन्ता थी कि पता नहीं वहां का दूध कैसा होगा तुम भी दूध अवश्य पिया करना तुम चार दिन दूध ऐसे रख लेती हो खराब नहीं होता है वैसे फ्रिज में रख लेती होगी। फ्रिज से तो बहुत आराम आता होगा अभी आइसक्रीम बनाई है या नहीं। वहां का तेल घी के समान ही होता होगा गोपी लड्डू तेल के बहुत अच्छे लगे हैं। पानी को हमारे पेट में भी आ गया है लेकिन ऐसा गया है तुम उधर नहीं मेरा सही हो और यहां से हम नहीं भेज सके हैं किसी के आने का पता भी नहीं चलता है बच्चों का तो बिल्कुल भी ख्याल नहीं आता है जैसे पेड़ा टोली भी नहीं दी है इन छोटी चीजों को जरूरत पड़ने पर ध्यान आता है। ऐसा लगता है कुछ ऐसे इधर ही आती हो कितनी दूर पर मिलता है पता नहीं संतोष के तुम्हारे पास पत्र क्यों नहीं पहुंचा है अभी तक वहां का कुछ नहीं हुआ है बाबा बिचारी बड़ी परेशान है पता नहीं पर कैसे निपटेगा।

यहां पर बदाम अच्छे मिलते हैं। और सस्ते भी हैं।

इधर जब पूजा को गैस को लिखा है वह जल्दी जल्दी होती होगी। मैं दाल बना तो लें लेकिन मिसरेन दाल बनाती हूं। उन नमकीन दाल उबाल कर खा जाता है पर तो अब

रहते हैं तुमको भी अच्छी नहीं लगती है। इसलिए ज्यादह हार सकती हो
बना लेती हूं। यहां पर गाजो गोरा लाल सबको मिलता है या नहीं।

उर्मिला याद कर रही है अब वह २२) के रही है। और तुमको नमस्ते लिखाती है
यहाँ पर जो सब तुम्हें याद करती हैं और सब ने तुम्हारे नमस्ते कह दिया है

शशी की अलका की शादी २५ दिसम्बर की है और सावित्री की ~~लल्ला~~ की शादी २८ दिसम्बर की है सावित्री मेरठ आकर ही शादी करेगी। रेखा रैनश की अलका शिमला से आ गया है। तुम्हारे खत भी ठीक पहुंच गए हैं। रुपए की होल मेट के बिना कैसे काम चलाती होगी तुम यहां से नकद खोटा रुपए गए होंगे। गर्म चीजें तुमको भेजवा दे पार यहां से जोड़ गये तो पहनेंगे यदि जाने का पता चल गया तो। तुम्हारी तबियत ठीक होगा अपना ध्यान रखना खाने पीने का खाती रहना। यह जानकर चिन्ता दूर हुई कि अब होटल का खाना यहां जैसा ठीक है। उषा के पत्र आते रहते होंगे तुम्हारे यहां पर होने से उषा का समाचार मिल जाता था। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी शुभचिंतकी

प्रकाशवती

प्रिय बेटे सुशील सौरभ सलज्ज चिरंजीव रहो

तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए। यह जानकर चिन्ता दूर हुई कि तुम्हारा सामान ठीक पहुंच गया है। तुम्हारा तो छठी मंजिल पर मकान है सामान कैसे चढ़ाया होगा। अभी तुमको मकान का मिलने से परेशानी है पार ऑफिस के नजदीक रहने से पास ही मिल गया तो ठीक है। तुम्हारे बाबूजी का समय तो जैसे तैसे बीत जाता है सुबह शाम दवाई लेकर में रोजाना लो कचेहरी चले जाते हैं समय तो मेरा मुश्किल से बीतता है। तुम सबके सामने समय का पता नहीं चलता था। तुम भी दो महीने से अभी तक तो परेशानी में ही रहे मकान मिलने पर अब चैन से रहोगे। हमको गर्व होता है कि मेरा बेटा बहुत हिम्मत वाला है। हम लोग यहां पर बिल्कुल ठीक हैं बस तुम सब ठीक रहोगे तो हमें भी खुशी है अपना ध्यान रखना आजकल वहां का मौसम भी यहां जैसा ही है। मैं आजकल ज्यादा लिख रही हूं। तुम सब की बहुत ही याद आती है। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

श्री जीवन प्रसाद बन्सल
१६६ नं मकान - मोहल्ला ख्वाजा पाड़ा - मेरठ शहर

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

देहरादून
१२।१०।१९७७

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको ढेर सारा प्यार

तुम्हारा पत्र मिला और २ पत्र तुम्हारे १२ता० को मिले हैं
पत्र की बेताबी से इन्तजार रहता है। पत्र और इस बार पढ़ कर
और भी हो जाता है सो फिर दो चार दिन में फिर इन्तजार रहता
रहता है ऐसा लगता है मन होता है कि हमारा व तुम्हारा रोज रहो
पत्र आवे रहें लेकिन यह कैसे सम्भव हो। तुम लिखो कोई बात तो
हर समय ध्यान लगा रहता है। हां यह जरूर है कि अब नया तुम्हारी और
के शामिल भी हो गये है। मैं दशहरा पूजन का बना कर भेज रही हूं
पूजन तो ऐसा ही बना है तुम और अच्छे कागज पर बना लेना
दिवाली का फिर बना कर भेज दूंगी। तुम तो बहुत ही सुन्दर
बनाती हो। दशहरे पर तुम सबो की बहुत ही याद आयेगी
१८ता० को हम देहली जा रहे हैं और २३ता० को आ जायेंगे
अब देहरादून नहीं जा रहे हैं क्योंकि चित्रा का ओपरेशन अब जाड़ो में
होगा। वहां पर अभी से ठंड शुरू होगया है। बहुत जाड़ो में
वहां पर रहना भी बड़ा कठिन होगा। तुम इतनी दूर पढ़ने
अकेली जाती हो। अच्छा है बिटिया बहादुर और हिम्मत से ही काम
करना पड़ता है। मन बड़ा दुःख होता है कि इतनी दूर पैदल जाती
हो। इन्दिरा गांधी ने यह जुल्म का दण्ड भी भुगता और उनके सालों
के बुरे भी हुआ। आज २ जनता पार्टी व कांग्रेस वालो में
इसी तरह से झगड़े भी बहुत हो रहे हैं। पता नहीं देश का क्या
पत्र क्यों नहीं आया है अब जाने पर पता चलेगा। हां अब होली
... भेजा ही लेते हैं बिटिया तुम बुरा मत मानो। मैंने
तुमको बेकार ही लिखा। जब कोई प्रोग्राम बनाते हैं तो तुम्हारा
बहुत ही याद आता है और दुःख भी होता है लेकिन शौक से सुनती थी
बिटिया तुम लोगो की याद तो किसी तरह से नहीं भूल रहे हैं पता नहीं
क्यों इतना प्यार होगया था अब तो दुःख भी इतना ही होता है। ...
पता नहीं लगेगा को पत्र पहुंचा भी है। ...
मैं ... लिख रही हूं। सब लोग कुशल से आशा करती
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्माजी प्रकाश वती

मेरठ सिटी
१२-१०-१९६०

प्रिय बेटे सुशील सहित कमल के चिरंजीव रहो

प्रिय [illegible] सपुत्रा सहित सौभाग्यवती रहो।

बेटे तुम्हारा पत्र व गुड़िया शैल का पत्र दोनों प्राप्त हो लिये हैं। पत्र पढ़ कर बड़ी शान्ति सी होती है ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सब वहां पर खूब खुश रहो और तुम सब बढ़ो फलो। अब तो तुम ठीक होगी। तुमको वहां पर सारा काम खुद करना पड़ता होगा पर आदत होगी। पहले तुमको कपड़े धोने की परेशानी नहीं दिखी होगी शैल ने लिखा है कि मशीन दस पैसे में कपड़े धोती है। नल में बहुत ठंडा पानी तो नहीं आता है। वहां पर तो जाड़ा ज्यादह ही होगा। तुमको रात में दूध तो मिल जाता है वैसे तो वहां सब एयर कंडीशन होगा। बच्चा और [illegible] जैसा बताया है। अभी तुमको मकान की दिक्कत से परेशानी हो है मकान मिल जायेगा अभी ज्यादा मन लगेगा। देश तो मन ज्यादा भी नहीं लगता है। निर्मल भी वहीं आई है वह [illegible] अपने बाबूजी के शहर में देहरादून [illegible] के साथ में गये हैं। बाद में आयेगी। यहां पर भी तुमको सब याद करते हैं। शैल गुड़िया के अलग अलग पत्र होंगे। हम तो याद करते रहते हैं कि अब यह [illegible] होंगे। अब यह समय होगा वहां पर। [illegible] अखबार में छापा है कि अमरीका में ग्रहण पड़ेगा। तुम पत्र जल्दी जल्दी लिखती रहना। पत्र पढ़ कर बड़ी शान्ति सी होती है। यह बुरा लगता है कि पत्र आने में इतना समय लग जाता है। तुम्हारी तबियत ठीक होगी। तुम अपना ध्यान रखना। आज उड़द की दाल व चावल बनाये थे तुम्हारे पिताजी को पसन्द थी। [illegible] में तुम सबकी याद आती रही बस थोड़ा सा खाना हो पड़ा। सुशील को तो अचार का बहुत ही शौक है। पत्र को देख कर इतनी प्रसन्नता होती है कि लिख नहीं सकती। [illegible] [illegible] [illegible] की तबियत ठीक नहीं चल रही है। समाचार शीघ्र ही देना। सब सब को पत्र [illegible] है॥ तुम्हारी [illegible]
[illegible]

मेरठ सिटी
१२।९।१९६६

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा ढेर सा प्यार
तुम्हारा ५ ता० को लिखा हुआ पत्र हमें आज
१२ ता० को मिला है हमको तुम्हारे पत्र की बड़े शौक से तथा श्री पत्र
को देख कर बहुत ही प्रसन्नता होती है बार बार पढ़ने को जी
मन नहीं होता है कि पढ़ती ही रहूँ। यह जानकर प्रसन्नता हुई
कि अब तुम्हारे दोस्त बन गये हैं। और अब स्कूल में मन भी
लगने लगा है। फिर वहीं पर जाओगे तो और स्कूल में दाखिल
होना पड़ेगा वहां पर फिर नये दोस्त बनाने पड़ेंगे। यह जान
कर हर्ष हुआ कि अब तुम्हारा हवाई जहाज ठीक है निशाना भी
चोटी पर ठीक हो जायेगा। तुमने तो मुझको सब समझा दिया
कि घड़ा पहले चरणामृत पियोगे। हम तुम्हें कितनी तरह से
जल्दी ही आ जाओ घड़ा पहले ही मिल जायेगा।

बेटे हमको भी रतन को तुम सबको बहुत ही याद
आती रहती है। तुम सब की याद तो हम कितनी तरह से भी नहीं
भूल सकते हैं याद तो हर समय ही आती रहती हो हर एक
बात पर याद आते ही मन मेरा बिल्कुल नहीं लगता है
समय बिताना बड़ा कठिन होता है समझ में नहीं आता है
कैसे समय बिताया करें। हम देहरादून नहीं जा रहे हैं २२ ता०
को घरोली जायेंगे अब चित्रा का आपरेशन अब नहीं हो रहा है
जाड़ों में होगा। तब देखा जायेगा। अब तो तुम थोड़ी बातें
मिलकर समझाने लगे होंगे। तुमको याद बहुत आता रहता
है समय भी कम मिलता होगा अच्छा बेटा सुन के इतना
लिखना तुमको गये हो कि मेरा बेटा अच्छे नम्बरों से पास हो
गया है। वहाँ पर लकड़ी कोयला ठीक मिलता है यो यहाँ हमको
जबसे तुम गये हो चावल बेचने का पैगाम रहे है। बस आरती
आलू प्याज गोभी बना लेते हैं। अच्छा बेटे तुम सब ठीक रहो
यही हमारी ईश्वर से प्रार्थना है। पत्र का उत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाशवती

My dear Gudya, Meerut
12.10.77

Received your letter. I had gone to Mawana on 5.10.77 and there Guddi showed me your Photo in Kashmiri dress. She had also the negative. She told me that she was sending the photos to you and also to Alka. I read with concern in your letter that the persons living in Washington are not good and so you are to find some house in some other place. Let us know where you people have got the house as by the time this reaches the time limit of 1 1/2 months will end.

Yours affly
Opa ...

Meerut
12.10.77

My dear Sushil

Received yours of 4.10.77.
I have received letters from Gudya & Shelloo dated 3rd & 5th respectively.
We may go to Chandausi on 18th and if so we shall come back on 23rd. The programme for Dehradun is cancelled as the operation of Chitra has been postponed for some time.
You have not informed me why the delivery of your luggage was delayed till 24th Sept. when it has reached there by 16th Sept.
Rastish has even now not been asked if he can arrange to book more luggage to you.
We are trying to pass the time which is too long. Let us see how it passes.

with love
yours affly
[illegible]

Meerut
12.10.77

बेटा शैलू। खुश रहो

तुम्हारा ५ ता: का पत्र अभी मिला। हम देहरादून नहीं जा रहे हैं। वहां अभी प्रौफेशन नहीं हो रहा है। शायद २८ ता: को चन्दौसी जावेंगे। गये तो २३ ता: को वापिस आ जावेंगे। अगर कमला यहां उन दिनों में आई तो नहीं जावेंगे। वह आज अलीगढ़ से दिल्ली आकर बम्बई गई होगी वहां २४ ता: को शादी है। वहां से वापिस आने का प्रोग्राम मुझे उनका अभी नहीं मिला है।

वहां तुम को खाना ठीक तो मिलता होगा पर यहां की चीजें शायद नहीं मिलती होगी। स्कूल की पढ़ाई कैसी चल रही है?

हम ठीक ही हैं। हां तुम्हारी याद तो आती ही रहती है। अभी तो बहुत दिन और साल काटने हैं। तुम लोग ठीक रहोगे तो कुछ शान्ति से समय कटेगा।

तुम्हारा बाबा
[signature]

मेरठ सिटी
२६/१०/१९८६

प्रिय स्नेहलता सदैव सौभाग्यवती रहो

इससे पहले एक पत्र डाला है शायद इसके २३ ता० को लिखा है तुम्हारे पास पहुंच गया होगा दोनों बच्चों को भी पत्र लिखा था। तुम सबके पत्रों की इंतजार थी लेकिन अब तो परसों से आना ही पत्र मिलेगा। हम २८ ता० को [illegible] जा रहे हैं और ३१ ता० को आ जायेंगे। देहरादून नहीं जा रहे हैं। क्योंकि पिता का ऑपरेशन अब जाड़ों में होगा।

तुम्हारे जाने के बाद मैं तुम्हारे कमरे के दरवाजे पर दो नाचते मोरों वाला चित्र देखी तुम वह भूल गई होगी मैंने तो वह दोनों [illegible] ही हैं मैंने उनको रख दी हैं मैं तुमसे लिखना भूल गई थी।

उस दिन जो उपेन्द्र की पत्रिका से नहीं आया है। गुड़िया के पास गुड़ी के [illegible] वाले [illegible] को [illegible] मिलवा दी होगी। यह [illegible] तो वह कहती थी कि मैं मिलवा दूंगी और [illegible] तो भी मिलवा दूंगी। यदि उसके पास और नहीं होगा तो हम भी उसके [illegible] या और मिलवा लेंगे। वैसे वह निगोड़ू की लड़की है। अब तो तुम्हें पता मिल गया होगा और सब सामान ठीक से लग गया होगा यह पता [illegible] से मिलता जुलता है। गुड़िया [illegible] इस स्कूल [illegible] आती है। [illegible] होगी। तुम्हें [illegible] में परेशानी तो नहीं होती है। एक खुशी की बात लिखती हूं कि आदित्य के यहां २४ ता० को लड़का उत्पन्न हुआ है आदित्य के पास ही [illegible] हुआ है [illegible] से पुरोहित से सुना है। मेरे दोनों बच्चे के कुशल और तुम [illegible] से होंगी बच्चों को [illegible] पत्र लिखेंगे। तुम सबको याद हर समय आती रहती है।

निर्मला २२ ता० को [illegible] गई है [illegible] गौरा के साथ में [illegible] गया है [illegible] के ऊपर [illegible] को [illegible] है। [illegible] पत्र आया है वह लिखता है कि [illegible] है [illegible] नहीं करता है। उसकी ओर से चिन्ता होती है।

प्रिय [illegible] व [illegible] को हमारा [illegible] बहुत सा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]
[illegible]

Meerut-
17. 10. 77

My dear Sushil

The last letter from you was of 4th October. We are going to Chandausi tomorrow morning and will return on 2[illegible]. 10. 77.

You must have been busy in arranging for a house somewhere. I am afraid it is a difficult task as you have to look to the education of children and also to the distance to your office. Let us know how you have arranged. We are pulling on well here and will try to pass time till you return. How is Saroj and children.

With love
yours affly
[illegible]

[illegible]

मेरठ सिटी
२३।१०।१९८०

[illegible]

प्रिय बिटिया गुड़िया तुम्हें ढेर सारा बहुत सा प्यार

बिटिया हम १८ ता० को मेरठ से गये थे और वहां से २२ ता० को आ गये हैं यहां पर आकर तुम्हारा २० ता० का लिखा हुआ पत्र मिला समाचार ज्ञात हुये। तुम्हारा एक पत्र हमारे आने १८ ता० मेरठ से गया को भी गया था उस पत्र से भी समाचार ज्ञात हुये।

बिटिया यह जानकर बड़ा दुख होता है कि वहां पर तुम्हारा जरा भी मन नहीं लग रहा है और बहुत ही परेशान हो। यह तो जाने से ज्यादह तर पहले ही चलता रहा लेकिन हम ने यही सोचा कि यह हमारा रास्ता से नहीं जाना चाहता है वहां काफी अच्छी जगह है ऐसी जगह वहां देखने को मिलती हैं। अच्छा है अच्छी जगह है खूब पढ़ेगा लेकिन अभी तक तुम्हारा जरा भी मन नहीं लगता है यह स्कूल जाती होगी। और कुछ बाद लोगी तब नहीं यह सकोगी। हम मेरे कहने से बच्चे ... को बोलने लगे। फिर बच्चों ने हमेशा ... और परेशानी नहीं उठाई है। अब पता नहीं कैसे वहां पर बाद लोगी और क्या बाद आने को मिलेगा।

पत्र लिख रही हूं। लेकिन बड़ा रोना आ रहा है। सोचते थे कि अच्छा है हमारे बच्चे अच्छी जगह पर गये हैं यहां पर तब कोई नहीं आ सका है। बिटिया हिम्मत से काम लो रेखा लोगे तुम्हारी सब परेशानी दूर हो जायेंगी। अभी तो तुम्हारा काम से मकान कोठी भी ... नहीं हुआ है मकान मिलने पर ही ... सब कोठा को सजाओगी। ... प्यार से मेरे पत्र हुये बच्चे और अब ... परेशान हैं बड़ा दुख हो रहा है। लेकिन हम कुछ नहीं कर सकते हैं। अब तो यह दिन सोल्ल दिल्ली याद से कटते ही हैं।

अबकी बिटिया जब पत्र आया था तो अब तो पत्र
इतने लम्बे बाद [illegible] लिखी बाद से आते ही हैं
तुम्हारा ख्याल आ जाने से भी मन नहीं लगता है जब
सोचती हूँ तो तुम्हारी याद भी बहुत जैसा आती है लेकिन
यहाँ से भेजा था और हर समय चलती रहती थी या लिखना
सोना पढ़ना रहती थी। तुम्हारे बाबाजी ने लिखना भेजा
है अब यह लिखना तुम्हारा सिलाई होगी तुम [illegible] मन माना
खुश रहो तुम लोग वहाँ पर खुश रहोगे तो हमें भी खुशी है
हमारा मन जरा भी नहीं लगता है। हर समय हर एक बात
में तुम्हारे सब की याद आती [illegible] हो जाते हैं रहते पर
तुम्हारी बहुत ही याद आती रहती है गुड़िया को समय [illegible]
[illegible] में रहना अच्छा हो गया है। बाबा तो [illegible] से बहुत
कहती रहती है कि गुड़िया को पत्र लिखिए। लेकिन नहीं लिखती
सुनता है ऐसा ही घर में रहता है किसी से बोलना नहीं है पता
नहीं यह समस्या कैसे हल होगी। हमने कागज [illegible] पायल
[illegible] भेजा है अब भेज दिया होगा [illegible] अब ख्याल रखना
होगी। तुम लोग भी वहाँ पर एक मकान [illegible] ठीक
ले लो। [illegible] तो [illegible] अपनी दवाई लेते रहे थे।
नीचे सब ठीक है [illegible] तो [illegible] के बारे में कुछ [illegible]
रही है। और सब [illegible] पत्रों का ऐसा ही होता है। लेकिन
तुम्हारे [illegible] पत्र तो अवश्य ही और जल्दी भेजते रहेंगे। अब तो
केवल एक पत्रों का ही सहारा तो रह गया है। यह पता नहीं [illegible]
[illegible] पास [illegible] इतने [illegible] आओगे। इस दिवाली पर यहाँ
नहीं आओगे। यहाँ पर [illegible] याद करते रहेंगे। [illegible] पत्र
आया था १२ ता० को [illegible] गया है और दिवाली बाद १५ नवम्बर
को [illegible] जायेगा। इतने [illegible] लिखा तो [illegible] है कि [illegible]
[illegible] पास आ जाओ। लेकिन इस विचार [illegible] पास पन

प्रिय बिटिया लोग सदैव सौभाग्यवती रहो

हम यहां पर ठीक हैं। तुम सबों की कुशल ईश्वर से सदैव मनाती रहती हूं। हम १८ ता को देवघर गये थे और २२ ता को हम मेरठ आ गये हैं। यहां पर आकर हमको तुम्हारा ७ ता का पत्र मिला हुआ मिला। तुम्हारा पत्र शायद हमारे [illegible] १९-२० ता में आ गया होगा। पत्र पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुए। देवघर में सब ठीक ठाक ही हैं। नाना जी के बाबा की हालत खराब सी हो रही थी। पप्पू की नानी को पैरालिसिस का हो गया था ठीक है [illegible] ठीक हो जायेगा [illegible] लगी थी और सब को अभी कोई बात नहीं बतलाई है। पप्पू की भी अभी छुट्टी है और वह लोग भी। सुनील गुड़िया का पत्र हमारे जाने १८ ता को देवघर में ही पहुंचा था। दशहरे के दिन तुम सबों की बहुत ही याद आई देवघर में दरवाजा ठीक ठाक से हो गया है। तुम्हारे पापा ने दरवाजा बना कर कागज भेज दिया था आशा है कि दरवाजे के बारे में तुमको मिल गया होगा। तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। तुमको अभी तक मकान नहीं मिला है। मकान की मिलने से बड़ी परेशानी हो रही है। अभी तक तो तुमको भारी परेशानी हो रही है। तुमने दशहरे पर क्या किया। बच्चों को व गुड़िया को बहुत ही याद आती रही उसने नानाजी लिखे थे कि कितना अच्छा लगता था दशहरे पर लौटते तो तुमने शायद नहीं होंगे फिर भी त्योहार या हो जाये ठीक है। दिवाली के लिये दिवाली पूजन का कागज बनाकर भेज रहे हैं जो कागज है। इसको रख कर पूजन कर लेना। दिवाली पर तो तुम्हारी बहुत ही याद आवेगी हम दिवाली पर यहीं पर रहेंगे। पांच दिन रहने को नहीं आये में किराया बहुत हो जाता है इस लिये यहीं पर रहेंगे सब पटाखे [illegible] छुटायेगा। सबका बच्चों की याद आती रहेगी। [illegible] मैंने पहिले पत्र में तुमको लिखा है २७ ता को [illegible] हुआ है [illegible] २२ ता को [illegible] में यहां पर [illegible] हुआ है कि और यह [illegible] शामिल होकर शायद वो मेरठ आ गये हैं [illegible] तो सबको बहुत ही खुशी है। [illegible] मिलना ही चल रहा है। [illegible] में कुछ गड़बड़ी हो गई है पता नहीं चलता है या क्या बात है परेशान हो रहे लगता है क्योंकि रुपया बहुत है। [illegible] रहा है।

वहां पर हर जगह बाहर में पैसा बहुत लगता है मकान देखने में तुमको हर रूप को बहुत लगता है और पैसा तो सब चीजें बहुत ही महंगी है [illegible] यहां [illegible] नहीं [illegible] जगह पर [illegible] जहां पर हिन्दुस्तानी आदमी रहते हों। [illegible] जगह पर मकान

यदि यह पता होता कि कालिज वाले कोरा टाइप के उत्तर तो कुछ वजन भी नहीं था
गृहस्थी के सभी चीजें चाहिये। तुमको नौकर साथ करने में परेशानी तो नहीं होती होगी
सारे काम अपने हाथ से ही करने होंगे है। यह जान कर खुशी हुई है कि
तुम्हारा काम ठीक चल रहा है। और शौक जो है बढ़िया भी ठीक है

वो स्वास्थ्य में भी लिखो कि परेशानी हो होगा यह जान कर दुख होता है

इस लोगों को नौकरी ढूँढ़ने तो बहुत ही परेशानी है। आज तो कुछ लिखो तो बहुत ही

दुराशा का ही थी यह क्या पता था कि वहाँ पर हर एक बात को इतना परेशान

करना पड़ेगा। मैं लिखते भी बहुत हैं कि लिखा चला जायेगा। ए क्या कि जानना

है कि तुम्हारी परेशानी शायद ही दूर हो जायें। शायद कुछ दिन में दूर हो परेशानी

भी दूर हो जायेंगी। कभी तो आगे ही हो। अब दुख होता है कि तुम दूर घर से

अकेली रहोगी कि तुम्हें नौकरी अच्छी मिलना बाद में ज्यादा पास रहोगे।

तुम्हें और कहीं भेजना है इतना पसन्द नहीं आया है। शीला को फ्लैट तो

मिले तो भी मिला तो इतने दिन तक घूमने को रही थी। और तुम्हें

भी किस्मत से मिला था कि चारों तरफ से माँग दूर करा लो तो क्या करोगे तो।

इसके अलावा सलेक्शन यहाँ पर छोड़ के गए इधर उधर दो दिन में जाता तो बाद

आसपास पाये पहनने को क्या पड़ेगा। अब इधर उधर को रहते तो किन तुम्हें

सीधा क्या पता था यहाँ पर तुम्हें पैसे मिलने लगेंगे। निर्मला भी यहाँ पर

नहीं आई है पता नहीं आई यह नम्बर लिखाई है या नहीं। उधर तुम्हारा आने

पर ही आया भी तब से यहाँ पर रही आया है। यह सब तो मैंने भी जाने के

अपने तो बहुत परेशान है उसको बहुत यह परेशानी दूर नहीं हुई है। तुमको सामान तो

दे दिए जाती हो क्या उस पर मिला नहीं होता है क्या चीज़ हैं यहाँ तो ज़रूरी ही

बिल्कुल अभी तक हैं पर बाद में परेशानी ही है। फिर भी यह अच्छा हुआ कि

इस हफ्ते दिन के लिये अपना सामान ले गई हो। अब बाद भी तेरी मेरा भी

मेरठ सिटी
23।10।56

प्रिय बेटे जुगलकिशोर सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा पत्र हमको 22।10। को सवेरे ही के आनेपर मिला बेटे के लिखे। पत्रों को देख कर बहुत ही प्रसन्नता होती है पर होता है कि बार 2 पढ़ता ही रहूँ। लेकिन पत्र के आते शान्ति सी मिल जाती है।

बेटे तुमको वहां पर आफिस में बहुत ही काम करना पड़ता है छुट्टी के दिन भी आफिस जाना पड़ता है समय भी नहीं मिलता है इधर मकान की परेशानी है अच्छी जगह पर ही मकान लेना। चाहे मकान में थोड़ी [illegible] वाले की परेशानी ही हो। लेकिन अच्छी जगह पर ही लेना जहां पर तुम्हारे और आफिस के आदमी हों। हिन्दुस्तानी। अभी तो नए आन के गये हो परेशानी ही में हो। ईश्वर से मेरी यही प्रार्थना है कि तुम्हारी परेशानी शीघ्र ही दूर हो जाए। और वहां सुख व शान्ति से रहो। हमको भी तभी चैन मिलेगी। हमको तुम्हारी बड़ी याद आती है। पता नहीं यह लम्बा समय कैसे बीतेगा। और शीला (?) तो बिचारा बहुत ही परेशान है। यह जान कर चिन्ता दूर हुई है कि [illegible] ने बहुत [illegible] है [illegible] से ज्यादा होगा तुम्हारे स्वेटर ऊपर अच्छे से पहना है। ठण्ड गये वहां पर पहनने के काम आवें। वहां पर [illegible] को पैसे चाहिए और यह तो देखा ही होगा। अच्छा बेटे तुम सब खूब खुश रहो हमारी उस भगवान से यही प्रार्थना है

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]
प्रकाशवती

अपना जाड़े का ध्यान रखना।

मेरठ सिटी
23।10।66

GHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा ढेरों प्यार।
तुम्हारा 10 ता० का लिखा हुआ पत्र हमको 22 ता० को मिला है क्योंकि हम 14 ता० को चंदौसी गये थे और वहां से 22 ता० को यहां पर आ गये हैं। वहां पर [illegible] आ गए थे कि पता चला [illegible] बच्चों से पत्र लिखेंगे। यह अच्छा है तुम्हारे साथ [illegible] जल्दी हो गई है। तुम्हारी पढ़ाई कैसी चल रही है? तुम्हारे टेस्ट कैसे हो गये हैं। बेटे तुम दिल पर लगा कर पढ़ना अच्छा है इस साल से निकल जाओ और अच्छे नम्बरों से पास हो जाओ। तुमको हमारा पत्र भी मिल गया होगा।

हम देहरादून नहीं गये हैं क्योंकि चित्रा का ऑपरेशन जाड़ों में होगा इस लिये चंदौसी गये थे। दशहरे पर तुम सबको भी बहुत ही याद आती रही। कभी कभी तुम्हारी याद बहुत परेशानी सी हो जाती है। [illegible] से कहना है कि इतना लम्बा समय ऐसी खुशी से बीत जाये और पीछे की तरह [illegible] मिल रहे हैं। हां यह [illegible] है [illegible] में अब तो [illegible] हो ही गई होगी पता नहीं [illegible] पता मिलेगा। अब स्कूल में तुम्हारा मन लगने लगा होगा तुम्हारे स्कूल [illegible] तो नहीं है। [illegible] स्कूल [illegible] होंगे [illegible] और अब तुम [illegible] होंगे। बेटे दिवाली पर तुम्हारी बहुत याद आयेगी खूब पटाखे छुड़ाते थे घर में खूब रौनक होती थी। अब [illegible] कितना बुरा लगेगा [illegible] दिवाली पूजन होंगे। अच्छा बेटे तुम वहां पर [illegible] दिवाली मनाना हम को खुशी होगी। लिखना कैसी दिवाली मनाई। दिवाली पूजन के [illegible] भेज रहे हैं आशा है कि समय पर मिल जायेंगे।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

23.10.77

My dear Gudya,

Recd your letter. I am sorry to know the contents. I shall be glad to have you back home. Can it be possible? If so, please try. I shall do anything for having you back home. I have been writing to you twice a week. I don't know why the letters are not reaching there. I sent a book of Col. Rajit. I don't know if you received it. If that reaches you, I shall send more. Neither Nirmala nor Neeraj or Pappoo came here. Nirmala had gone to Bombay and Pappoo also.

Neeraj is at Lucknow.
I again write that you
should seriously try to
come back. How to do
it; It is for Sushil to
arrange. I can only
say that I shall try
to see you happy
here and there will
be no reason to feel
any difficulty with
us."

with love
yours affly
Bhagwat Rai Gupta

CHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

23.10.77

My dear Sushil

we came back from Chandig last evening and received your letter of 10th Oct. I am sorry to know that no suitable arrangements are made for your residence. Moreover, some person claiming to be knowledgable of the education system in America tells me what I am afraid of. He tells me that no adult (meaning above 14 years) can get admission in University unless the person can show that the person is not only self-supporting but can also afford to bear the full education expences without any help from parents. If this is really so, I would like to have Gudya here. I

Cannot see her in troubles. Can it be possible to send her here? I shall try to see her happy here.

I am sending two copies of 'Dewali Poojan' in a separate packet. I had sent a paper for Dasehra Poojan marked on it. I don't know if that reached there. I had sent previously that a book for Vidya but there is no information if that reached there. I can send anything you want if you can tell me how to do it. You can get help from the office here on receipt of that information, I shall do the needful.

with love affly
yours
DRG

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

23.10.77

बेटा शैलू! खुश रहो।

तुम्हारा २० ता: का पत्र हम को कल शाम चन्दौसी से वापिस आने पर मिला। यह जान कर कुछ शान्ति हुई कि तुम्हारे साथ स्कूल जाने के लिए एक साथी और मिल गया है। इच्छा है जी लगा रहेगा।

वहां की पढ़ाई कुछ २ समझ में आने लगी होगी।

बेटा तुम्हारी याद आती ही रहती है हर समय कुछ भी करते में तुम्हारी याद आती है। गुड़िया और तुम यहां तो मेरा जी लगाते रहते थे

अब दूसरी पर हो। ना जाने
कैसे रहते हो। तुम लोग
अपने मम्मी पापा के साथ
हो पर मुझे सबर नहीं
आ रहा तुम्हारी जुदाई का
वजह से। फिर भी तुम्हारी
खबर या तुम्हारा पत्र
मिलता है तो आराम होती
है। अभी बहुत समय
कठिन है। ना जाने कैसे
कटेगा। तुम दोनों किसी
तरह यहाँ आ सको तो अच्छा
हो।

तुम्हारा बाबा

मेरठ सिटी
२५।१०।१९६६

[illegible] GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

चिरंजीविता गुड्डो ढेर सा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २६ ता० का पत्र कल २८ ता० को दिन में जाने गुप्ता जी से रात को मिला। पत्र का सब समाचार ज्ञात हुवे इससे भी गुड़िया को एक पत्र २८ ता० को गुप्ता जी को डालने के लिये दिया है और पत्र के साथ में ५० २ कागज लक्ष्मी पूजन के भी हैं आशा है कि गुड्डो वह दिवाली से पहिले मिल जायेंगे। दिवाली पर यह कागज रख कर ही पूजन कर लेना ये कागज पर बनाया रहा है कागज पर इतना अच्छा ना बनता। गुड्डो इससे तो भी पूजन का कागज समय पर मिल गया होगा।

कल २८ ता० को निर्मला के पप्पू बम्बई से यहां पर आ गये हैं। पप्पू तो कल रविवार चला जायेगा। गाड़ी बुक करा दी है उसको जादी है उसको गाड़ी से लेकर जायेगा। यह लोग बम्बई से रवाना हुये हैं तारीख १५ सितम्बर से लापता हैं वहां से शायद यहां पर आयेगा अब कल उसकी तबियत खराब चल रही है कमजोर बहुत होगया है डाक्टर कहते हैं कि खून नहीं बन रहा है। लेकर रवाना ले रहा है ठीक हो जायेगा। तुम्हारे पास गुड्डी की पेटी ड्रेस वाले भेज गई होगी। बहुत दिनों से पत्र से तुम्हारा जोरा नहीं आये है।

गुड़िया को पत्र लिखा है वह ले लिया है या नहीं। शरद में होते हुये भी बहुत दिन होगये हैं। ऊषा को पालो से बुखार आ रहा है और नाक से खून रहता है आज ठीक नब है। कुछ दिवस से कोई नहीं आये हैं तुम्हारे पास सबको पत्र भेजते रहते होंगे।

पता नहीं तुम्हारे पास किताब क्यों नहीं पहुँचा है यदि वो खुश हो रहे होंगे कि गुड़िया किताब को देख कर बहुत खुश होगा रहिला के हाल बतेंगे।

हम भी तुमको बराबर पत्र लिखते रहते हैं। हां पत्र के आने से
चिन्ता हो जाती है। तुम्हारे पत्रो की भी इन्तजार होता ही रहता
रहती है अबतो केवल पत्रो का ही सहारा है। वहां पर गरमी अभी
से इतना ज्यादा है तो पता नहीं आगे में कैसा होगा। तुम स्कूल
जाती होंगी वहां पर जाने में तुमको कोट पहनना पड़ता होगा
सेहत का ध्यान रखना उतनी ओर से भी। चिन्ता होती है बिचारे
को घर के सारे काम करने पड़ते होंगे। लेकिन तुमको भी समय नहीं मिलता
होगा स्कूल से आकर थक जाती होगी और स्कूल पैदल जाना पड़ता है

मैं तुम्हारे १७ता. के पत्र का उत्तर लिख रही थी कि बिलते रक्षया
१२ता. का पत्र मिला है। इस पत्र से भी तुम्हारे सब समाचार ज्ञात हुए हैं
पता नहीं मैंने कैसे तुमको लिख दिया है कि ४-५ पत्र ही मिले
हैं हमने तुम्हारे सब पत्र रख रखे हैं। आज २५ सितम्बर है
और आज तक जब से तुमलोग गये हो। आज तुम्हारा २१ पत्र
आचुके हैं हमने सब पत्र उनके नं. से याद रख रखे हैं। अब तो
तुम लोगो के पत्र बड़े अच्छे लगते हैं।

सुशील ने लिखा है कि तुम्हारी कार ऑफिस के नीचे से
खींच लाती है और पकड़ता है पता नहीं ऑफिस में क्या बात हो
गई है यह इसबार के बाद लिख देंगे तुम सब का अपना हाल
बतलाना अब कैसा है। चिन्ता होती है। बेटी स्कूल पर लगाकर
रहो अब तो तीन साल तक तुमको वहीं पर रहना ही है। बल्कि स्कूल
से यही ज्यादा उचित है कि वहांपर तुम बाहर ठीक रहो और तीन
साल बाद फिर अपने बच्चों को फिर ठीक से देखो। अब पत्र तो इसने
ने तुमको लगाना ही है। लेकिन याद नहीं भूली जायेगी।
यह अच्छा है और हर्ष होता है कि वहांपर दूध के डब्बल रोटी अच्छा
मिलती है खूब मक्खन खोरात्साया करो और अपने शरीर का ध्यान
रखना। निर्मला को तुम सबको को अम्मा ओर से प्यार। बच्चलोग
को मेरा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

११? १९८५
कुशल पार्क

मेरठ सिटी
२४/१०/१९८६

प्रिय बेटे कुशाल सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा २० ता० का लिखा हुआ पत्र कल गुड्डा जी के हाथ का लिखा पत्र का सब समाचार ज्ञात हुए और आज २१ ता० का लिखा हुआ गुड्डा शैलू का पत्र भी मिला है। इधर तो तुमने बहुत जल्दी २ पत्र लिखे रहते हैं पता नहीं क्या लिखने में क्यों देर होगई। अब तो यह पता होता है इधर से तुम्हारे रोज ही पत्र आते हैं। लेकिन इधर तो कुछ काम नहीं है लेकिन तुम तो काम में बहुत बिजी रहते हो लेकिन तो जल्दी २ लिखने ही पड़ेगें। अब तुमने मकान ले लिया होगा। वैसे मकान अच्छी जगह पर भी है नहीं तो ऐसी जगह पर मत लेना। मकान लेने पर तुम्हारा होटिल दूर हो जायेगा, क्यों तुमने चार नहीं लिखी है इतनी दूर पैदल जाया करोगे। यहां आज कल इधर हवा मौसम का बदल [illegible] है और शैलू की छुट्टी है। तुम्हारे बाबूजी का [illegible] लिखा मालूम होता है कि बेटे कुशाल के कुछ काम नहीं है लगता था यहां पर उसको तो काम करने पड़ते हैं। तुम अपने पेट का ध्यान रखना [illegible] वगैरा [illegible] लेते रहना। गुड्डा भी आ रहे रजाई का नाप लिख देगा। यहां की ठंड जो है उतनी नहीं है तो जाड़े में तो बहुत ही होगी तुम एक [illegible] खरीद लेना क्योंकि तुम्हारा तो बाहर का काम ही रहेगा।

ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम चारों खुश रहो। और [illegible] साल बाद हम तुम सबों को इकट्ठा खुश देखें। ईश्वर से प्रार्थना है कि वहां की परेशानियां सब दूर हो जायें और कुशल से रहो मेरे ख्याल से शुरू में तो परेशानी होती ही है कुछ दिन में सब ठीक हो जायेगा। [illegible] पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

मेरठ सिटी
२५।९-१९८६

॥श्री॥ [illegible]

[illegible]

प्रिय बेटे शैल तुम्हें हमारा बहुत बहुत प्यार

मैं तुमको पत्र लिख रही हूँ। जो लिफाफे २ तुम्हारा २२ता० का पत्र लिखा हुआ मिला है पत्र पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुए। २० ता० लिखा हुआ पत्र सुशील के गुड़िया का हाथ मिला तुम्हारे बाबाजी याद करते हैं कि शैल का खत नहीं आया है पता नहीं इतने दिनों नहीं लिखा है। शायद तुम्हें टाइम नहीं मिला होगा। यह जान कर चिन्ता दूर हुई है। मैं तुम्हारा [illegible] अब [illegible] [illegible] तरफ ध्यान लगाये रहना। तुम लोगों ने जो मकान देखा है वह बढ़िया होगा और अच्छा होगा यह अच्छा है तुम्हारा स्कूल मकान के पास ही है मैं तुमको गलत लिख गई होगी [illegible] रखता है तुम्हारे अब तक के ११ पत्र मिल चुके हैं तुम्हारे पत्र बड़े प्यारे लगते हैं जब तुम्हारी याद आती है पत्र पढ़ कर शान्ति मिलती है। यह पता नहीं था कि कुछ दिनों में पत्रों का ही सहारा हो जायेगा। ईश्वर से अब तुम लोग अपना खूब अच्छे मन से अपनी पढ़ाई को [illegible] हो। हमारी ईश्वर से यही प्रार्थना है तुम लोगों की याद [illegible] [illegible] हो आ जाता है लेकिन तुम्हारी डर लगता है तुमने रोने से भी तो मना कर दिया है।

यह अच्छा है तुम दोनों एक ही कमरे में सोते हो जिससे पता लग जाता कि [illegible] [illegible] [illegible] होंगे और [illegible] [illegible] में भी कोई बात नहीं है [illegible] हो। तुमको तो पता नहीं [illegible] २ हो लेकिन काम करने होंगे। यह अच्छा है तुम और बच्चों के साथ में जाते हो। सूट [illegible] [illegible] [illegible] यह अच्छा है तुमको वहाँ का [illegible] अच्छा लगता है। हम भी एक [illegible] पकवान [illegible] लगे हैं। तुम्हारे बाबाजी [illegible] [illegible]। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

25.10.77

My dear Gudya

Received your letter of 13th today. Sashi's letter of 17th was received yesterday. I am sorry to know that there are murders of innocent girls. You should go to college carefully. I would like to have you here if it can be possible. There may be no difficulty here for you. I am sorry you

Could not get the book I sent from here. I will try to send another and see if that reaches you. It is still not cold here at all.

With love
Yrs affly
[signature]

I am sending medicine for your eyes jerking. 4 globules are to be taken weekly.
[signature]

Meerut-
25.10.77

My dear Sushil
Recd your letter of 17th Oct. through office.
I am glad you are allotted a plot in the Colony here at Meerut.
About the references from the three colleges, I think the references must have reached there by now. On 16th Oct. I saw Mr. Gupta and he told me what was required. He told me that he had got the necessary one.

I had also told me.
Mahendra and he also
told me that he would
see to that if it was
not done by them.

Nirmala & Pappa
came here yesterday from
Bombay.

If there are difficulties
in the way of children
you should try to send
them back. I shall look
to their needs.

With love
Yours affly
[illegible]

25.10.77

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

बेटा शैलू । खुश रहो ।

तुम्हारा २४ ता: का पत्र आज मिला । सुशील का पत्र २१ ता: का कल मिल गया था ।

तुम्हारे गरम कपड़े बहुत से वहां नहीं ले गए । वहां जब अभी बहुत ठन्ड है तो आगे कैसे काम चलेगा । हम तो यहां से हफ्ते में दो पत्र लिखते रहते हैं । किताब भेजी वह भी नहीं पहोंची । वह तो मैं ने राम के पास के हाथ किसी के दफ्तर में भेजी थी । वहां से 4 ता: को Bag ले जानी चाहिये थी । मैंने 3 ता: को दिल्ली पहोंचा दी थी

हां तुम लोगों के करीब
११ पत्र मिले हैं। यहां से
सिर्फ letter ~~के~~ का letter
पहुंचना लिखा था वह
पहले को होगा। रास्ते में
रुक भी सकते हैं। हम तो
जल्दी लिखते रहते हैं। हमारा
जी ही नहीं मानता इससे
जल्दी २ लिखते हैं। तुम
लोगों की परेशानी जान कर
हमें दुख होता है पर क्या
करें। हम चाहते हैं तुम और
गुड़िया यहां आजाव तो अच्छा
हो।

तुम्हारा बाबा

[signature]

प्रिय सरोज २४-१०-११

सदा सौभाग्यवती रहो।

तुम्हारा पत्र मुझे [illegible] मिला था। पत्र [illegible] कारणवश पत्र न लिख सकी। स्वास्थ्य भी कुछ खराब रही कुछ परेशानी रही। कुछ व्यस्तता कोई न कोई में रही। क्योंकि १२ता को बम्बई [illegible] के लड़के की शादी में गये थे। वापस २३ता को लौट कर आये हैं। [illegible] [illegible] [illegible] है [illegible] कभी [illegible] रहती है। [illegible] तुम्हारा व [illegible] [illegible] का पत्र मिला। [illegible] = [illegible] का प्रोग्राम कुछ [illegible] नहीं बना। [illegible] - [illegible] की [illegible] में पूजा की शादी है। तुम्हारा [illegible] [illegible] चल रहा है। आनन्द [illegible] से है। [illegible] [illegible] [illegible] समाचार मिले। [illegible] प्रोग्राम भी पता नहीं चला है। ~~[illegible]~~ [illegible] [illegible] की [illegible] भी ठीक नहीं चल रही है। [illegible] [illegible] ठीक है। [illegible] भी लिखा है कि वो भी [illegible] प्रोग्राम [illegible] वहीं पर [illegible] है। [illegible] [illegible] हमारा प्रोग्राम

बकता हूँ.

पेड़ों पर सरकते हूँ.

चिन्ताओं मत करो.

हम लोग [illegible] हैं:

पप्पू की मैं याद करता हूँ. फिर पापा [illegible]

[illegible] हूँ. वहाँ जाके [illegible]

[illegible] मैं याद करते जाता था.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] —

[illegible]

मेक्स सिटी
३०/१०/१९६६

प्रिय बिटिया सदैव सौभाग्यवती रहो
यहाँ पर सब ठीक हैं। तुम सबकी कुशल
ईश्वर से सदैव [illegible] चाहती हूँ।

तुम्हारा २१ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको
२६ ता० को मिला पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुए।
आज करवा चौथ का त्योहार है सोना को बहुत ही ध्यान
आ रहा है पता नहीं वहाँ पर सोना को ध्यान भी होगा
या नहीं मैं उसको लिखना भूल गई हूँ। मेरे पत्र भी कितने
दिन में पहुँचते हैं। मेरे सोना को पत्र में देखते रहना
~~चाहिये वहाँ पर तो उसका [illegible] है [illegible]~~
करवा चौथ का व्रत रखना है और यहाँ पर पहला है [illegible]
इस त्योहार पर है दिवाली तक का प्रोग्राम पता नहीं है
रह सकेगा या नहीं। तुमने २२ ता० को [illegible] पर
मैंने कलकत्ते भेजा था मिल गया होगा २२ ता० पर तुम
लोगों ने याद रखा था। हमने २४ ता० को दिवाली कार्ड
तो बम्बई से भेजा है कागज भेजा है सो भेजो हैं। वहाँ
तुमको समय से पहिले मिल गये होंगे। तुमने दिवाली
पर याद रखा है हमको तो तुम्हारी हर एक बात पर
बहुत ही याद आती है। याद तो तुम भी करती होगी
और मिल मिल कर खुश होते रहते थे।
कल १५ ता० से लन्दन है पता नहीं उसका क्या

प्रोग्राम है वहाँ पर वह और तुम्हारे अकेले हैं और
गीता गोविन्द की किताब चल रही है यदि वह यहाँ
पर नहीं आया तो निर्मला यहाँ से जल्दी ही चली
जायेगी। अलका का भाई यहाँ पर तुम्हारा पता लेने
आया था कहता था कि शालिनी को अम्मा ने बाहर भेज
दिया है। [illegible] प्रभु ने अनुपमा को [illegible] थी। वह
बैठकी। सुबोध की बहू का ऑपरेशन जाड़े में होगा।

तुम्हारे पास किताब नहीं पहुँची है इससे दुःख हुआ। इस
को बुरा ही है क्योंकि गुड़िया निवास में तो बहुत सुन्दर
होगी और कुछ दिनों में सफ़ेद बदल जायेगा। यहाँ पर
अभी इतना जाड़ा है तो पता नहीं जाड़े में कैसा जाड़ा होगा
कुछ लोग अभी से बहुत कपड़ा पहनना। बहुत से स्वेटर कुछ
लोग छोड़ गये यहाँ पर सब काम में आते। तुमने यह नहीं
लिखा है कि तुम स्वेटर को ऊन लाई हो। [illegible]
है उसको बुखार आ गया है कमजोर हो गई है। पहले ही
यहाँ पर सब लोगों सब जगह बहुत सुन्दर है। [illegible]
अच्छा है तुम चले गए हो ऐसी जगह जहाँ जाना होता है
तुम्हारे पापा को रिटायर ने ऐसी जगह पर भेजा है तो सब
थोड़े दिन में ही देख लोगे। और कुछ दिन में जब तुमको
चार दिन जायेगा तब मन भी लग जायेगा फिर कुछ लोगों
को इतना ध्यान भी नहीं आयेगा। सुनीता ने तुमको चिट्ठी
लिखी है। जब तुम्हारा पत्र आया तो तब तो उसका पता
छोड़ जाना था कि पता उसका है तो वह पता [illegible]
में नहीं आ रहा है इसने [illegible] वह। दिखाया कि [illegible] से
पता ले जाना वह फिर आया नहीं है अब पता नहीं उसने
तुमने पत्र लिखा है या नहीं

निर्मला तुम खूब मन लगा कर पढ़ो इससे मैं तथा उषा खुश होंगी अभी तुम लड़की हो और तुमको कुछ याद नहीं किन्तु है याद दिलाने पर अब समझ नहीं किया तो इसके बाद इतना याद नहीं आवेगा। निर्मला का उसको न शीघ्र को प्यार इसके ने निर्मला को उस समय न सुशीला ने आशीर्वाद

पढ़ोगी मालूम ही देना। आज कल है याद तो किन्तु है पता नहीं सरोज ने याद न कुछ पढ़ बोला। लिखा होगा या नहीं। मैं अब याद करते रहते हैं कहा करता है।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

तुम बच्चे बोला ज्यादा बात के पढ़ना न स्कूल जाया करना। और अपनी आँखों के आराम से रहना।
और खूब मन लगा कर पढ़ना। शिकायत पर तुमने प्यार बोला तो पता नहीं कुछ याद होंगे या नहीं।
मैंने शिकायत खूब खुश होकर मनाया। इसकी तो यहाँ पर किन्तु तुम लोगों ने क्या होगी पढ़ेगी।
तुम लोगों को याद करते रहेंगे।

पढ़ोगी मालूम ही देना।

सरोज सुशीला को दिए पत्र लिखेगी।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

मेरठ सिटी
३।२।१९८०

प्रिय बेटे दीपक तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुये।

जब हम फूल देखते हैं तो तुम्हारा ध्यान आता है तुम रंग फूल देख कर बहुत खुश होते थे। इस फूलों की वजह से बहुत तितलियाँ भी बैठे जा सकते हैं और तुम चाहते हो कि आसमानी फूल भौरा के ऊपर बैठेगा। नहीं ज्यादह दिन की बात पर फूल भौरा फिर खुल जायेंगे। तुम्हारे स्कूल में भी भौरा कितनी आती है यह जान कर बहुत ही प्रसन्नता होती है कि तुम इतना सारा नाश्ता खा लेते हो यदि यह सब खा लेते होगे तो फिर तो मेरा बेटा बहुत ही अच्छा होकर यहां पर आयेगा लेकिन मुझको जरा भी विश्वास नहीं होता है कि तुम सब नाश्ता रोज खा लेते होंगे। यह अच्छा है तुम मोटे नहीं होते हो।

बेटे यह तो तुमने ठीक लिखा बहुत ही अच्छा लिखा है कि तुम अंग्रेजी के स्कूल में अंग्रेजी सीखकर आया करोगे। मगर तुम यह बताओ जब तुम्हारी बड़ी दादी जी कि बिल्कुल अनपढ़ हैं वे कैसे अंग्रेजी सीख सकेंगी। तुमको दादी जी पर जरूर मेरे लिये हिन्दी में ही बोलना पड़ेगा। भी मैं तब तक तुम्हारे आने तक हिन्दी रहूँगी।

तुम लोगों के चले जाने से सूना सा हो गया है आशा है कि तुम सब सकुशल पहुँच गये होंगे। तुम्हारे पापा को वहाँ पर याद बहुत आता है पर आते होंगे अतः तुम उनका ख्याल रखना।

और तुमने पता नहीं लिखा है पता नहीं कब मिलेगा।

बिटिया तुम खूब मन लगा कर पढ़ो इम्तहान भी तभी
अच्छा होगा जभी तुम पढ़ोगे और तुमको कुछ याद नहीं किया
है याद किये पर जब तक नहीं लिखोगे तो इम्तहान इतना
याद नहीं आयेगा। बिटिया को तुमको व मीतू को प्यार
इमरत व मिथिला को ढेर सारा व सुशील को आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। ऊषा कैसी है याद तो किया
है पता नहीं सरोज ने याद व कुछ पढ़ भी तो लिया होगा
या नहीं। मैं अब याद करते रहते हैं सदा करता है।

तुम्हारा शुभचिंतक
प्रकाश चन्द

तुम रोज़ थोड़ा अच्छी तरह से पढ़ कर स्कूल जाया
करना। और अपनी आँखों से ध्यान रखना।
और खूब मन लगा कर पढ़ना। दिवाली पर तुमने
पटाखे चलाए तो पता नहीं खुश होंगे या नहीं।
मैंने दिवाली खूब खुश होकर मनाई। इसकी तो
चिट्ठी पर लिखा तुम लोगों से बात कर के पढ़ेगा।
तुम लोगों को याद करते रहेंगे।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

सरोज सुशील को दिए पत्र
मिलेगा।

तुम्हारा शुभचिंतक
प्रकाश चन्द

Meerut
30.10.77

my dear Gudya
Received your letter in which you have written the date as 10.19.77. I think you wanted to write 19.10.77 and it is I take it to be. I have begun to write to you in English to give you a practice as you are there.

We did not go to Dehradun. You had gone to Chandausi. It was because the operation of Chitra was postponed for some time. We may go there when the operation time comes.

You should be very

Careful there. You have to go a long distance for School and then have to come back. It is very difficult and also tiresome.

The novel I sent to you was despatched from Delhi. The person in charge says that he had personally sent it in the bag. It appears the person in charge of receiving the bag at Washington had misplaced it. I will send another novel after a few days and will write to you.

Yours affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., L.L.B., PLEADER
MEERUT

30.10.77

My dear Sushil,

I sent a book for Gudya but it did not reach there. The person in charge of despatch at Delhi says that he himself had sent the book in the Bag on 4.10.77 after putting it in a full cover. I had sent it through Ramkirpal. I had packed it as a packet open on both sides. The person in charge of despatch says that he feared it might be removed by some person at Washington as such things are not available there, so he placed it in full cover before despatch.

We had sent 2 "Dewali Poojan" in a packet. It was through Mr Gupta (Telephone) on 24.10.77 & must have been sent per bag on 25.10.77. Let us see if that reaches you.

I am sorry to know that

you have not yet been able to get a suitable house. You have to do office work & then search for a house. This must be very taxing on your health. I can be of no help from here.

I am told you had left all your heavy woolen clothes such as coats, chesters & raincoats as you believed it may not be very cold there. I find it is very cold even now.

With love

Yours affly

D R Gupta

Meerut
30.10.77

बेटा शैलू (खुश रहो)

तुम्हारा पत्र मिला। यहां पर फूल भी तुम को नहीं देखते तो मुरझा जाते है। तुम को स्कूल मे नाश्ता मिलता अच्छा ही है पर दूध गया तो खेलो और मजा करता होगा। वहां वैसे ही ठन्ड ज्यादा है। वहां बीमार पड़ना बुरा है। दवा वहां लेने में बहुत परेशानी उठानी पड़ेगी। मैं तो यहां ठीक ही हू तुम लोगो को परेशानी की वजह से परेशान रहता हूं। याद भी आती ही रहती है। अपनी सब हालत लिखते

रहना। उससे तसल्ली
सी मिलती है। तुम्हारे
खोत से गरम कपड़े
ता यहां रखा था कि
परमात्मा होता होगा।

तुम्हारा बाबा।
[illegible]

Meerut
4. 11. 77

My dear Sushil

No letter from you for a long time. The last letter from children was of 19th Oct. How is this? I think you are busy in the office work and for a search of suitable accommodation. But you should find a few minutes to write to us.

Silence causes anxiety here.

I am pulling on well; but I feel the absence of you all every moment. I will try to pass the long time.

This is for your information again that there is no deposit of the interest of your a/c in my a/c. It is only for your

information.

with love

Yours affly

[illegible]

पहला मोड़ FIRST FOLD

मेरठ सिटी
दि। २२।१२।८६

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको प्यार बहुत सा प्यार

बिटिया तुम्हारा पत्र हमको ४ ता॰ को मिला है पत्र पढ़ कर बहुत ही प्रसन्नता होती है और समाचार ज्ञात होवे हैं बिटिया मन तो यही होता है कि तुम्हारे और हमारे रोज ही पत्र मिलते रहें आज तुम्हारा पत्र आवेगा और दूसरे दिन से ही फिर पत्र का इन्तजार रहने लगेगा। बिटिया तुमने पहिले पत्र में भी ऊपर तारीख गलत लिखी थी और ऊपर अब भी गलत लिखी है तुम ऐसी गलती तो नहीं कर सकती हो शायद ऐसे ही हंसी के नाते से लिखी होगी। तुमने लिखा है १०।२४।८६ पहिले पत्र में भी ऐसे ही लिखा है तुम्हारे बाबाजी कहते थे कि गुड़िया भूल से लिख गई होगी। या तुमने जान कर ही लिखा है। तुम सब की बहुत ही याद आती है अभी तो तीन साल बीतने में २ महीने ही हुए हैं पता नहीं यह इतना लम्बा तीन साल का समय कैसे कटेगा। फिर तुम लोग वहां पर खूब खुश रहोगी और तुम्हारे पापा भी वहां के रुक आफिस में होंगे तो हमको फिर बहुत ही खुशी होगी यह जान कर बहुत ही खुशी हुई कि अब तुम लोग के साथ में खूब नाच गाने लगी हो। तुम स्कूल भी जाती होगी। और अब तो तुमने खूब सीख लिया होगा। हमको भी तुम्हारी रक्षाबंधन पर बहुत ही याद आई। अब दिवाली पर तो बहुत ही याद आवेगी। एक पर्व और दूतावास में रक्षाबंधन होती थी। अब तो दिवाली दिवाली पर होगी त्यौहार भी शायद दिवाली पर शायद वहां पर ही होगा लेकिन याद तो तुम्हारी फिर भी आवेगी ही। फिर तुम भी एक दिवाली पटाखा चलाना पटाखे तो वहां पर कहां छोड़ोगी। क्योंकि गन्दा हो जाता है।

आशा है दिवाली पर नन्दोल और पाल घर आये थे
तुम लोगों ने बड़े ही चाव से मनाई थी एक दिन खाल लो
क्या खाएंगे हैं। बन्दोल गला लेंगे और बोलने वालों
से कहा आने दिवाली पर मनाना। आज इन्दु अनुपमा
और दो नातिन दरेल से चार पर आरथी आया बेटे
देखील बैठे रहीं। उषा ने चाल दो कन्न छुम्मत पड़
आया है। तुम लोग दूध बोतल से रल बनता देख पियाको
कह दिया है तुमको दूध इतना जाता है हर रोज यहां
चिन्ता करने पता रहीं बच्चों को कैसा दूध पिलेगा
वहाँ पर रहन बच्चों तरह से रहना। मैं रोज दो दवा
दवा रहेंगे। हर दो घर तुम सब को बड़ी याद
आती है। इस तरह तुम सब को बड़ी ही याद आती और
इसी तरह लोग में रो ही चाहते रह गये हैं। पता
नहीं इतना लम्बा समय कैसे बीतेगा। घरों में
सब ठीक है और कोई नई बात नहीं है। निधि का यहीं
पर है दिवाली से पहले। फिर नवम्बर आयेगा।
पप्पू नवम्बर गया है बलान के देहरादून गया होगा
आज नाश्ता पर विचार दिवाली पर भी लाकर कहीं
देखना होगा। नई बात पर पढ़ भी रहा है।
इधर बहार से दिवाली पूजन को कागज भेजा था रखना
जो मैं भेजा दिया था कहीं तुमको मिल तो गया
होगा। उसी को रख कर पूजा कर लेना। इधर
दिवाली पर कोई नमस्कार बनाई है क्या। इससे तो तुम्हारा
यहीं प्रेशन वालियाबाली लोग भी नमस्कार कराते
निधि को तुमने बहुत याद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना
और ठीक तरह खाना पर रहना सब ही यहीं पर भी
रहना है।

तुम्हारी शुभाकांक्षी प्रकाशवती

मेरठ सिटी
५।११।१९५६

प्रिय सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा २४ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको ५ ता० को मिला है पत्र देख कर बहुत ही प्रसन्नता होती है और सब समाचार ज्ञात हुए। मैं और निर्मला ५ ता० को सुबह को मुज़फ्फर नगर को के. के. मिलने गये थे शाम को आ गये थे वहां पर सब ठीक हैं और तुम सब को बहुत ही याद रहती थी मैंने उनका पता तुमको लिख दिया था वह पत्र तुमको मिल गया होगा। तुमने लिखा है कि पति व शैल की तबियत ठीक है लेकिन यह चिन्ता है कि फिर तुम जब ठीक हो तो दुबली क्यों हो रही हो। यह तो तुमको पता है कि तुम पत्र लिखने में आलस्य बहुत करती हो। लेकिन ईश्वर की दया से तुमको तो तुम पत्र बराबर लिखती ही रहती हो बेटा से भी तुम्हारे पत्र बराबर आते रहते थे। और वैसे बच्चे पत्र लिख ही देते हैं उत्तर तो मिल ही जाता है।

वहां पर सामान लाने को खूब अच्छा इन्तजाम है। तुम घर पर गाड़ी ले जाती हो या पैदल या मोटर रिक्शा लेती हो। क्योंकि बाजार तो घर से दूर ही होगा। वहां पर तो सब सामान तुमको ही लाना पड़ता होगा सुशील को तो शायद ही बहुत समय मिलता है। फिर भी यह अच्छा है कि घर गोपी बौरा सब मिल जाती हैं। और २ तो मन ऐसा होता है कि किसी तरह से तुम्हारे पास जाकर देखलें तुम सबको लेकिन यह तो बात ही बहुत बड़ी है अब तो ईश्वर से यही प्रार्थना है कि यह बात बड़ी शीघ्र ही आये तीन साल में दो महीने तो कम हुए हैं २ वर्ष तो तुम सबकी बहुत ही याद आती रही।

यह जानकर खुशी होती है कि तुम ४ बच्चों को खूब पौष्टिक खाना खिलाती हो। रोटी तो अकेले में बनाने को मन नहीं करता है बच्चों के साथ में ही बनाने व खाने में अच्छा लगता है मुझको खाना बनाने में बड़ी ही शर्म उठाना पड़ रही है

पता नहीं कैसा मकान मिलेगा। मकान चाहे कुछ छोटा
लेकिन अच्छी जगह पर लेना जहां पर चोरी लोगों का
डर ना हो। और वहां के आदमी भी अच्छे हों। तुम्हारे
जिला भी पता नहीं कुछ ऐसी जगह पर कैसा मिलेगा लेकिन
यह अच्छा है कुछ अच्छा मिलता है उन जिलों कुछ भी क्या
लगता है। शहर को अच्छा कुछ पता किया नहीं लोग वहां पर
तो वैसे ही थोड़ा अधिक है। आज उपेन्द्र आदि के पत्र में सब
ठीक हैं। दिवाली पर तुम्हारी शैला बहिन व ज्ञानी की चौथ
त्योहार मना रहे हैं। यह अच्छा किया तुमने दशहरा का त्योहार
मना लिया था मैंने दिवाली पूजन के दो कागज बनाकर
भेजा था भेज दिये हैं और २४ मजदूर भी लगे हैं अब वो
तुमको मिल गये होंगे। मैंने सोचा कि घर पर बनाने में
इतना अच्छा नहीं बनेगा अब तो सब बनाकर भेजा था
ही पूरा. देते हैं। १० तारीख को दिवाली है २० मजदूर लगे
बाकी पैसे थे उनसे कुछ लोगों ने बनाई पूरी बनाई
होगा मैं लिखना भूल गई थी। तुम अपने पत्रों में रोज
लिखा करो तुमने लिखने का ध्यान नहीं दिया है और
फिर पत्र भी बहुत देर से मिलते हैं। त्योहार और
ज्यादा मनाया करना जैसा भी वहां पर सुविधा हो सके
अब तो मिल गये होंगे २४ मजदूर जो जगह भी सब लिये
अब इतना बुरा नहीं लगता है और घर भी लग गया है
और नया कोट पर सोना बनाने में भी अच्छा लगा लेकिन
याद तुम्हारी आती ही रहती कुछ पूजा पर सबसे पूजा नहीं
किया तो वहां पर कोई हो तो उनका पेड़ा नहीं तो
इतना करते रहना। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम्हारा
सुहाग सदैव बना रहे। वैसे यह अच्छा है वहां पर रहो

7.11.77

My dear Gudya

Recevd your letter. I am Sending "Harishchandra" in a seperate Packet. It is to See if This reaches there. If it reaches, I shall send some novel again. I could not get the corner for Photos by now. I will get the Same and send to you some of them in letters. Your birth day is coming on 27.11.77. I am Sorry I cannot send any thing

this time. It is only

blessing that I can

offer.

with love

Yours affly

Oscar

7.11.77

My dear Sushil

Received your letter.

I had sent two copies of "Dewali Poojan" in a packet. The packet was sent to Delhi through Shri Ramkarkal. I don't know if that has reached there. The packet was sent on 24.10.77 and should have been sent in the Bag on 25.10.77.

I have not seen Agarwal for a long time. Mr Gupta

also has not come
for a month or so.
He had told me
that he was doing
the needful in the
matter of extracts
regarding Gudiea"

We are carrying on well
here. We have to
from the Rice Sowe-
now.
I afraid write that
you may send Gudia &
Shellow here if there is
any difficulty in their
education.

with love to all
people

7.11.77

बेटा शैलू

खुश रहो।

तुम्हारा पत्र और मकान का चित्र मिला। ठीक मालूम होता है मकान तो। पर पता नहीं वह मिला या नहीं।

तुम्हारा हवाई जहाज का सफ़र का हाल भी मिला। तुम को दिक्कत नहीं हुई इस बात की खुशी है।

मैं तो यहां ठीक ही हूं। तुम लोग वहां ठीक रहो तो मेरी परेशानी कम

होगी। दूसरे मकान से
तुम्हारा स्कूल पास होगा
तो तू भी रहेगा नहीं तो
तुम्हें जाने में परेशानी
होगी। तुम्हारे गेंदे के
पौधों में फूल फूल खिलने
लगे हैं। वहां फूल कम
ज्यादा होगी। उससे
लगता है।

तुम्हारा बाबा
चानपतराय

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

11.11.77

बेटी गुड़िया। तुम्हारा पत्र मिला,
तुम्हारी परेशानी तो सुशील
ने भी लिखी है। उस से
मुझे बहुत दुख है। यहां
से मैं कुछ कर भी नहीं सकता।
जिस को मैं ने कभी देखा नहीं
देखना चाहा उस के लिये
कुछ भी नहीं कर पा रहा।
सुशील को भी मैं ने लिखा
था मैं तो यही चाहता हूं तुम
यहां आ जाओ तो मैं तुम को
कोई परेशानी नहीं होने दूंगा।
वहां से आने में खर्चा होगा।
उस में जो मुझ से हो सकता है मैं
भी करूंगा।

कल दिवाली भी हमें तो
बस कुछ भी नहीं लगी।
यह परेशानी किसी तरह
तो दूर करनी ही पड़ेगी।
वहां पहुंचे तो दो महीने
हुवे हैं सारा समय बाकी है।
वह कारना इस तरह तो
मुश्किल होगा। तुम्हारा
साथ भी एक रोज जा और
मोटर आना। Bus का इन्तजाम
भी महंगा होगा। और टिकट
रोज के जाने आने में [illegible]
भी और दिक्कत होगी।
with Blessings for your coming Birthday
तुम्हारे बाबा

11.11.77

My dear Sushil

Received your letter of 2.11.77. You have got an apartment at a distance. However, you like it better than other accommodations. So you have changed to it.

I hope you have come to rest of mind although you have to go a long distance to office.

Children also will have to travel a long distance daily. If it is at a safe place you will have to bear all

this.

You have been telling me that children are happy there. Now I am sorry to read from your own letter that Gudya is not at all feeling homely there. She has also written to me. Can it not be possible to send her here? Please consider the matter:

We sent two copies of "Dewali Poojan" but it seems these also did not reach there. I have also sent a copy of "Harishchandra".

with love
Yours aff.
Oscar

Mr. Gupta tells me the certificate will take a week more as delayed by St Thomas people.
Oscar

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

11.11.77

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा पत्र मिला था। तुम ने दूसरे मकान के Apartment का नक्शा भी दिखाया है। बहुत छोटा मालूम होता है। पर तुम लोगों को पसन्द है तो ठीक ही होगा। समय काटने के लिए जगह जो मकान हो ठीक होना चाहिये सो है ही। लेकिन Flat है Lift तो होगा ही।

कल दिवाली थी। सो हमें तो तुम लोग बहुत याद आते रहे हो। दिवाली पर कुछ भी अच्छा नहीं लग रहा। कल रात इकबाल आ गया था आज सुबह ही चला गया दिल्ली में काम कर रहा है।

वहां से Time नहीं मिल रहा उसको।

तुम्हारी तस्वीर तो हमारे सामने हर समय ही रहती है बेटा। मगर वह भी हमारे हाथ से कुछ नहीं खाती। तुमको वहां कोई भी जायका कैसे आ सकेगा। जब तुम खुद मेरे सामने होगे तो तुम को सब चीजों का जायका आवेगा। किसी तरह यह समय बीत जावे। मैं तो ठीक ही हूं। तुम्हारी परेशानी रहती है।

तुम्हारा बाबा
[signature]

मेरठ सिटी
२६।११।८६

प्रिय बिटिया गुड्डिया ढेरों ढेरसा बहुत सा प्यार

तुम्हारा ७ नव० का लिखा हुआ पत्र हमको कल १४वीं
को मिल गया है। तुम्हारे पत्र से मन लगाया ज्ञात हुये हैं मेरा यह
समझ में नहीं आता है कि अब तुम [illegible] बिल्कुल [illegible]
हो पहिले महीना और फिर बाद में तुम लिखती हो। यह जानकर
तो बहुत ही प्रसन्नता हुई है कि तुम्हारा दाखिला इंजीनियरिंग कॉलेज
में हो गया है और जनवरी से जाने लगोगी। अब तो मेरी बिटिया
चार साल में इंजीनियर बन कर आवेगी। उनको भी गर्व होगा
अच्छा है ईश्वर से प्रार्थना है कि खूब तरक्की करे। लेकिन
बिटिया तुम्हारी ओर से यही चिन्ता होती है कि उनको खाना पीना
लोगा इधर बस [illegible] ना चलन है कैसे वहां पर रहकर तुम
खूब [illegible] न चैतन हो जावोगी। यहां पर १५वीं को मेरा जन्मदिन
व उनकी दोनों बहनें भी आई थीं। त्योहार [illegible] जाती है तो
उनको बड़ी खुशी होती है। और आपका पोता तो बैठने लगा है।
है। यह जानकर चिन्ता हुई कि तुम्हारे कॉलेज का ठीक नहीं है। हैं
वहां पर किसी अन्दर को अवश्य मिलना है तुम्हारे कॉलेज को
जाता है वहां पर तो कभी भी ऐसी नहीं होती थी। यहां पर
अन्दर [illegible] पढ़ने तो बहुत हैं लेकिन बनना ही पड़ता है।
वहां पर कि कॉलेज की जगह से खूब [illegible] ट्रेनिंग
देखने को मिलेगी। बिटिया वहां पर तुमको खूब ही घूमने देखने को
मिलेगी जिससे अच्छा लगेगा। यहां पर यदि तुम रह जाती तो यह
सब यहां की बातें उन्हें भी नहीं देख पाती। हमारा मन तो
तुम्हारे पास आने को बहुत ही करता है और ऐसा लगता है कि
किसी तरह से तुमको देख सकें लेकिन बिटिया हमारा आना तो
बहुत असम्भव है क्योंकि इतना पैसा कहां से आयेगा। अब तो

हम लोग यही चाहते हैं कि वहाँ पर कुशल खुश रहो और इस
नौकरी शीघ्र ही आये तो हम तुम सबको खूब देख
लेवें। हमारी ईश्वर से यही प्रार्थना है। उमा अब ठीक है
यह अच्छा है रहा पढ़ा वहीं पर। दिल लग जाता है। तुम लोग
रहोगी तो बड़ा अच्छा होगा। तुम किस बात का गम कर रहे हो
क्योंकि अब तो वहाँ पर रहना ही है। निर्मला गाजियाबाद
गई है। पप्पू कल रात गाजियाबाद से आया है यह २७ता
को देहली सुधीर के पास जावेगा। और फिर शायद
२१ता को लखनऊ चला जावेगा। गोपा भी १८ता को कानपुर
चला गया है उसकी तबियत खराब ही चल रही है खून नहीं
बन रहा है उसकी ओर से बड़ी ही चिन्ता होती है। और
मैं भी विचारा लखनऊ में सब अकेला ही था। क्योंकि निर्मला
भी १६ता को बरेली शादी में चली गई थी। अब निर्मला
वहाँ से १२ता को गाजियाबाद गई है। दिवाली के दिन
रंजन के ससुर का ब्लड प्रेशर से ही हार्ट फेल होकर
मृत्यु हो गई है। निर्मला के भतीजे की २१ दिसम्बर को शादी है
बबलू तुम्हें मालूम बड़े लोगों में जाने की आदत पड़ गई है
तुम्हारे भाभाजी ठीक हैं। अच्छा कहते थे कि हमारे पास बहुत
दिन से गुड़िया का कोई पत्र नहीं आया है अब तो शायद
तुम्हारे पास पत्र लिखने के लिखाने की शौक से ही रह
गये होंगे अब हम तुम्हें रिजल्ट भेज दिया करेंगे
नरेश का पत्र ५ को हमारे पास शीघ्र रहो लिखना
रहना हमने ८ पत्र तुमको २२ता को भी लिखा है
तुमको मिल गया होगा। प्रिय कुशाल को हमारा बहुत बहुत
आशीर्वाद व प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
[illegible]

प्रिय बिटिया सौम्य सोन सौभाग्यवती रहो

बच्चों के पत्र से तुम सबों के समाचार मिलते हुए प्रसन्नता। त्योहार के दिनों में तुम्हारी बड़ी याद आती है। नया घर पर तुमने व्रत रखा होगा चांद देखकर खाना खाया होगा वहाँ पर चांद दीख गया होगा। दिवाली पर तुम्हारी बहुत ही याद आई। तुमने दिवाली कैसी मनाई है। हम लोग सब तुम सबों को याद करते रहे। हमने तो बस औपचारिकता ही की थी। पटाखे आदि नहीं चलाये हैं बस त्योहार मनाते ही हैं लेकिन याद तो तुम सब आते ही रहे। तुम अपना ध्यान रखना। स्वस्थ सदा रहना। यह जानकर चिन्ता दूर हुई कि तुम्हारा काम ठीक ठाक ही चल रहा है।

दिवाली का सामान ना मिलने से तुमको परेशानी रही होगी और बनाना पड़ा होगा।

अब तो तुमने मकान मिल गया होगा यह मकान कैसा है अपना सब सामान भी लगा लिया होगा कौनसी मंजिल का मकान मिला है। तुम्हारे बाबूजी को तुमको आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्माजी
&
[illegible]

देहरा दिल्ली
२२।११।१९८६

प्रिय बेटे सुशील सौरभ प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा पत्र दिनांक को हमें मिला है पत्र से सब समाचार ज्ञात हुये हैं। बड़ी मेहनत से तुमने पसन्द किया है यह अच्छा भी है और अच्छी जगह पर भी है सब लोग वहां पर रहते हैं। अब तो तुमने गाड़ी खरीद ली होगी। बेटा गाड़ी अच्छी तरह से सीख कर तब चलाना तुमने तो बड़ा डर लग रहा है ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम्हें और भाग्य शाली हो यह अच्छा है बड़ा घर ले लिया है

तुम्हारा पेट ठीक चल रहा होगा। यहां दिवाली के पर तुम सबकी भी बहुत ही याद आई दिवाली बड़े रौनक पर लेकिन तुम्हारी बहुत ही याद आती रही।

कल गुप्ता जी उनकी बहन व दोनों बच्चे आये थे और दिवाली की खील व मिठाई डिब्बे में लाये थे वह गुड़िया का स्कूल का भी पता कर रहे हैं सब लोग बहुत ही अच्छे हैं और हमारा सब बहुत ही ध्यान रखते हैं।

यह जान कर बड़ा दुख होता है कि गुड़िया का अभी तक मन नहीं लगा है और बड़ी परेशान सी रहती है बिचारी को पहले यह पता होता तो हम उसको अपने पास ही रख लेते। तुम्हारे बाबूजी का तुमको आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभाकांक्षी

प्रकाश वती

माडल टिटो
२२।११।१९६८

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा ३१ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको ३ ता० को मिला है पत्र पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुये। बेटे तुम पत्र बड़ा अच्छा अब लिखने हो तुम्हारे पत्र को पढ़ कर बड़ी हंसी आती है। तुम्हारे पत्र से यह जान कर खुशी हुई कि तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही है और तुम्हारी सेहत भी ठीक हो गई है। बेटे अच्छा है खूब मेहनत से पढ़ना और अच्छे नम्बर लाना जिससे हमको भी गर्व हो कि हमारा बेटा कैसा अच्छा पढ़ने में है अभी तो दो महीने ही तुमको गये हुए हुए हैं अभी से ही देखने को मन होता है। ऐसा मन होता है कि किसी तरह उड़कर बच्चों को देख लें लेकिन अभी तो बिल्कुल असम्भव है। तुमको घर कैसा लगता है अब तो अपना घर में बड़ा अच्छा लगता होगा। तुम्हारा स्कूल मकान से कितनी दूर है और अब तो बस से स्कूल जाते होंगे तुमने मकान की फोटो बनाई है फोटो से तो अच्छा ही लगता है यदि तुमको मकान पसन्द है तो हमको भी खुशी है ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम सबको मकान भाग्य शाली हो।

हमने तुम्हारा पत्र पढ़ कर बहुत शान्ति मिलती है कि मेरा बेटा कैसी समझ दारी से पत्र लिखता है मैं तुम्हारे पत्र को पढ़ कर अब नहीं रोऊंगी लेकिन समझाने पर भी पता नहीं क्यों आंसू आ ही जाते हैं। तुम्हारा पत्र पढ़ कर हंसी भी बहुत आई और दुख भी हुआ तुमने लिखा है कि हमारे चाचा जी मोटे पूजन ने सिर्फ दस बैला यह तो बेटा क्या मन बहलाने की बात है पूजन ने सिर्फ तुम सबकी बहुत ही याद आई और इतनी मिठाई घर में आई लेकिन तुम लोग खाने वाले यहां पर नहीं हो मिठाई खाने में ज़रा भी अच्छा नहीं लगा सब लोग बैठ कर मिल कर प्यार से पूजा करते थे कितना अच्छा लगता था। और हमने पटाखे और फुल झड़ी तो

यहाँ मँहगाई भी है। मौसम काफी अवश्य गर्म हो गई है
और मौसम गर्म किये थे। तुम्हारे पत्र से ज्ञात हुआ कि
दिवाली पूजन का कागज तुम्हारे पास नहीं पहुँचा है
तुमने दिवाली पर बैठे रहना। इसको याद करते रहो कि
मोहन को अलमस्त दिवाली पर लाल भी दिये थे खूब
पटाखे छोड़ा पुराने थे। और गगन का एक पटाखा पुराने
लेकिन इस को गाना भी अच्छा नहीं लगा इसको घर में ही
बैठे रहे अकेले नार पैठ शहर में। दिवाली की सजावट
बहुत जोर की हुई है कहते हैं कि ऐसी सजावट कभी
नहीं हुई थी। तुमने तो सिनेमा देखा था कि ~~चलो~~ अम्माजी
आपको दिखा लाऊँ लेकिन मेरा मन जाने को नहीं करता है
तुम्हारे ने सिनेमा देखने गये थे। कहते हैं कि देखने वालों
की इतनी भीड़ थी कि नोचेंदा ते मौजमारह। तुम्हारे नम्बर
सुनने को अच्छे लगा है ईश्वर से मेरा यही प्रार्थना
है कि तुम पढ़ने में बहुत ही अच्छे रहो मेरा पढ़ने में तुम
खूब मन लगाना अवश्य तुमको नये रोशन करने पड़ेंगे
यह स्कूल तुम्हारा कैसा है। यह जानकर खुशी हुई कि
तुम्हारा हैजा का अब ठीक है। अपनी पढ़ाई को ध्यान
पर लाना और अपनी इतना याद कर सको तुम दिन
के लिये तो खूब खाओ खेल जल्दी ही तो मिलेंगे ही
कम कम दिन तुम्हारे आने का रोग अब तो हो ही रहा है
फिर तो तीन साल शीघ्र ही आ जायेंगे। सब तुम लोग वहाँ
पर खुश रहो हम यहां पर तुम्हारी याद में खुश रहेंगे
और कोई बात पत्र जल्दी नहीं लिखते रहना। अच्छा
हमारा तुम्हारा अभी तो यही मिलन है। तुम्हारी अम्माजी

प्रकाश वती

से बहुत अच्छा होता जायेगा। सुभाष की बहू
की पिछले दिन से तबियत खराब ही चल रही है उसका लोहा
की कमी है खोल होन से नहीं जाता है। उसके पेट पर दर्द
होगया होगा। कि आदित्य की बहू के लड़का हुआ है और सोनिका
के लड़के की शादी १९ दिसम्बर की है। रिंकी के यहाँ लड़की
पैदा हुआ है और शशी की लड़की की शादी २५ दिसम्बर
की है। जगदीश भैया प्रकाश के लड़के मधु की शादी २२ नवम्बर की
है। शायद मधु की शादी में जायेगा ही। प्रकाश का कुछ
नहीं हुआ है। पता नहीं क्या होगा बड़ी चिन्ता होती है
अब तो गुड़िया जायेगी लेकिन शायद नहीं आयेगी क्योंकि अब
उसका दाखिला इन्टरमीडियट स्कूल में हो गया है। वहां पर
तो स्कूल खोला जाने में दूर की वजह से बड़ी परेशानी है
अब तुम्हारे मकान में फोन लग गया है फोन से अब तुमको
बहुत ही सहूलियत हो जायेगी। अब गुड़िया को फोन करना नाना
सब आप गये है। बच्चे वहां दोनों खूब होशियार हो जायेंगे
इनको भी बहुत ही खुशी होगी। सुशील जी तो और किसी
नौकर से आता होगा उसको भी कार चलानी पड़ेगी। लेकिन
जब सेट हो जायेंगे तभी तो ठीक होगा। ईश्वर से प्रार्थना है
कि इनको खूब सफलता प्राप्त हो और वहां पर खूब खुश रहें
सुशील किस तरह जाता होगा। क्योंकि शायद ८ बजे जाता है
तुम को दिन भर अकेली रहना होगा तुमने स्वेटर निकाल लिया है
वहां पर रहने पर बच्चों से काफ़ी पहचान होने से बड़ी
अच्छा लगेगा। यहां पर दिवाली पर इतनी तैयारी और इधर
उधर की और तुम सबको को याद आती रही। मैं अभी इन्दु मोहन
से मिली नहीं हूँ। रक्षा बन्धन रहती रही को अब शायद दिवाली बाद
आ गई होगी। तुम्हारे बाबूजी ठीक हैं उनके ब्लडप्रेशर का ध्यान रखना
वैसे याद तो बहुत आती ही है।
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

होगा। यह पत्र मैं जल्दी २ ही लिख रही हूँ क्योंकि तुम्हारे बाबा जी को कचेहरी जाना है जो देर होती है। तुमने अपने मकान में सीढ़ी से उतरना पड़ता है या लिफ्ट से।

वैसे हमने तो हिमानी का हाल टेलीफोन से पूछ लिया लेकिन तुम्हारी सब की याद तो बहुत ही आती रही। वैसे मुन्नू के समय मुझे बुखार देहली से आ गया था। फिर थोड़ा इतना ज्यादा लेकिन सारे बच्चों ने वहां पर कुछ भी होने नहीं दिया। रश्मि और तुमने बहुत अच्छा खाना खिलाया तुमने भी हिमानी प्यारी होगी। तुम्हारा लाडला मानव इसने गजब कर दिये थे।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। यह हमने तो लिखते रहते हो कि अपना स्वास्थ्य का ध्यान रखना लेकिन वहां पर तुम लोग ठीक होंगे तो हम भी ठीक ही रहेंगे।

तुम्हारी अम्मा

प्रकाश वती

त्यौहार तो कुछ खास
नहीं लगता है। जब थे
तो पूरी तरह मनाते
थे। अब तो बस जरा
त्यौहार का नाम करना रह गया
है। फिर कभी साथ होंगे तो
पहली सी खुशी मिलेगी।
पर यह तो बहुत दूर है।
वहां तुम लोग खुशी से
रहो। भगवान को मिल तुम
को तो बस यही शांति
है।

तुम्हारा बाबा,
[illegible]

१

तुम सबको भी दिवाली की हमारी शुभ कामनायें।

मेरठ सिटी
२१/११/१९८६

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

प्रिय बिटिया ६ ता० को तुम्हारा २० ता० का लिखा हुआ पत्र मिला। पत्र पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुए। यह जान कर बहुत ही प्रसन्नता हुई कि तुमको १ नोम्बर को मकान मिल गया है। और तुम २ ता० को मकान में चले गये होंगे और अपना सब सामान खोल लिया होगा। सामान तो ठीक ठीक भी पहुंच गये हैं खराब तो नहीं हुए हैं। अपना सब सामान खुलने से अब तो अपना घर सा लगा होगा वैसे मकान तो बहुत सुन्दर होगा ही। लेकिन हम नहीं देख सके हैं फिर तुम सब वहां पर खुश रहो और सबको मकान भाग्य शाली हो

इस दिवाली का त्योहार था तुम सबकी बहुत ही याद आती रही कुछ भी अच्छा नहीं लगा यहां पर सजावट रोशनी तो खूब हुई लेकिन मन में चैन ना होने से सब सूना ही लगा। खूब पटाखे रोशनी बाहर वालों ने चलाये लेकिन हमारा तो देखने को भी मन नहीं था अपने कमरे में ही बैठे रहे पूजन के समय बहुत ही ध्यान आता रहा सब मिल कर पूजन में मिलना अच्छा लगता था तुम्हारी बनाई हुई तसवीर जो तुमने पारसाल दिवाली पर मकान बनाकर में लगा। जो बनाई थी वही तसवीर हमने खिड़की पर लगा रखी थी [illegible] हाल हो गया होगा। २४ अक्टूबर को निर्मला मेरे पास आ गई थी वह त्योहार पर मेरे पास रही और २२ ता० को फिरोजाबाद जा रही है क्योंकि उसके भतीजी की शादी २८ नवम्बर की है बुधवार को देहली से पूजन के समय आया था और सुबह ७ बजे देहली चला गया उसका काम अब देहली में बहुत काम हो रहा है। २२ नोम्बर से २२ दिसम्बर तक बैंकों में [illegible] रहेगा [illegible] देहरादून गया है वह २२ ता० को फिरोजाबाद आ जायेगा [illegible] रहे हैं वह १२ नोम्बर को कानपुर चला जायेगा। वह छुट्टियों में कहीं नहीं गया है।

तुम्हारा और छह हुआ है या नहीं लिखिया। तुम खूब मन लगा
कर रहो सकते। तुमको तीन साल के लिये वहाँ पर रहना ही
है अब तुम अपने आप में लग जाओगी तो समय भी बीतेगा
और मन भी लग जायेगा इस से बहुत ही खुश होता है कि तुम
वहाँ पर बहुत ही परेशान हो। कुणाल यही लिखता रहता था
कि दोनों बच्चे बहुत खुश हैं लेकिन इस पत्र में उसने भी
यही लिखा है कि गुड़िया बहुत ही सुस्त रहती है लिखिया
यदि तुम ऐसी सुस्त रहो तो तुम्हारी तन्दुरुस्ती कैसे
ठीक रहेगी। अब तुम इसको भूल जाओ तुम लिखने लिए
और अपना खूब मन लगा कर रहो और खूब खुश रहोगी तो
हम भी यहाँ पर खुश रहेंगे। तुम्हारी और कि इसको बहुत ही
दुख होता है। यदि यह पता होता कि तुम्हारा मन नहीं
लगेगा तो हम तुमको यहीं पर रख लेते तुम तो चाहे तो
यहीं ही रहती रहो लेकिन इसने ही तुमको समझा कर भेजा है
देखो गुड़िया ऐसी जगह नहीं देखने को मिलती है और
तुम थोड़ी सी उम्र में ही सब जगह देख लोगी। अब तुम
खूब हंसती रहा करो देखो खुशी से तीन साल बहुत ही
जल्दी बीत जायेंगे। यह ठीक है कि तुमको पहले के साल
में थोड़ी भी नहीं पढ़ेगा इतनी मेहनत कैसे लोगी
लेकिन तो मेरी लिखिया कैसे हार है। तुमको कुछ अच्छा
लगता है खूब कुछ मनमान खाया करो। दोस्त पहिचान
बना लिया करो। यहाँ पर तो बहुत मालूम सा ही लगता था
अब हम भी इतना होटी मनमान मेरा लेते हैं क्योंकि अब सोच
नहीं हुआ लगेगी। निर्मल के आगे मन लगा रहता था
अब सिर्फ अकेले रहना होगा। लिखिया यह दोहा ठीक ही है

जो मैं ऐसा जानती प्रीति करे दुख होय।
नगर ढिंढोरा पीटती प्रीति ना कीजे कोय।।

२ जितना ज्यादा लिखो है जाए होता है उतना ही कम
होता है। बस तुम खूब खुश रहो। इसको भी तभी खुशी है
तुम्हारे मकान के आस पास में और लोग रहते हैं लेकिन उन
लोगों को तो बोली भी समझ में नहीं आता होगा।
७ ता॰ को इन्द्रा ने गुड्डी आदि को मेरे गुड्डी के यहां है
कि गुड़िया की काश्मीरी ड्रेस का फोटो भेज देना था ~~से~~
सिगरेट भेज देना। इस बनता कैसे तुमको तो फोटो मिल
गई होगी। ७ ता॰ को ही रीपा की आरती भी अन्जुल अनुपमा
भी आती रहती हैं उनको देख कर ऐसा लगता है कि जाने
गुड़िया ही को देख लिया है बिचारी भी अच्छी हैं। तुम्हारे
पीछे भी आती रहती हैं। आज उपेन्द्र व शुक्ला भी आये थे
बीना भी पसन्द आई हैं। नहीं सोचा के दिन चला भी
जायेगा। उपेन्द्र मिठाई लाये थे। तुम्हारा दिवाली पूजन का
कागज पता नहीं मिला है या नहीं। इस बार से देना कर
दो कागज भेजे थे वो अच्छे थे। तुम्हारा कागज पर मकान
में देखा तो हुई हो गया। लोगों को और भी नहीं जानता है
लिखना दिवाली के दिन कैसे रहता। इसको तो अब भी
अच्छा नहीं लगा है। तुम लोगों की बहुत ही याद आती
रही। तुम जब आओगी तुम्हें भी बेजे लाओगी बना लिखना
अकेले रहना से कहाँ पकाते हैं किसी तरह से तुम्हारा आने
के दिन शीघ्र ही आवें। तुम्हारा स्कूल जाने न क्या रहा तुम्हारे
मकान से कितनी दूर है। यहां का सब बातें बड़ी अजीब रहती
हैं यही प्रसन्नता होती है कि तुम लोग थोड़ी ही उम्र में
ही सब खुद लोगों तुम बहुत ही प्रसन्न रहा करो। इतना
परेशान मत रहा करो और इसके इतना याद ना करा करो
इस फिर तीन साल बाद जल्दी हो तो मिलेंगे ही।

बिटिया तुम्हारे ट्रांजिस्टर को जब चलाती हूँ तो बहुत ही दुःख होता है तुमने कितने शौक से मंगाया था हर समय चलाती रहती थी। मन नहीं करता है चलाने को और २ बहनों को प्रोग्राम सुन लेती हूं। ऐसा लगता है कि तुम्हारे वियोग में ट्रांजिस्टर भी सुस्त है। प्रकाश के डॉ. बनना होने से और भी मन नहीं लगेगा। फिर कुछ दिन में अंजना दोनों को लिवाय लेना। सब्जी दिवाली पर नहीं जाने को मन नहीं हुआ है और इसके निर्मला को हमारे पास ही थी दिवाली २५ ता को गई थी और २२ ता को अंजना दीपक के दिन नजीबाबाद चली गई है। इसके जाने से और भी बुरा लग रहा है। तुम्हारे बाबाजी को जुगनू व शैलू को बहुत सा प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

मैंने अनिल से कहा है कि गुड़िया के पत्र का उत्तर दे देना रेनू कह रही थी कि गुड़िया ने तीन पत्र अनिल के पास भेजे हैं लेकिन उसने उत्तर नहीं दिया है।

~~२० ता~~

२६ नवम्बर को तुम्हारा जन्म दिन है हम दोनों की तुमको जन्म दिन की शुभ कामनायें। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम्हारा २६ वां वर्ष भाग्यशाली हो हमारी ओर से भी जन्मदिन पर मिठाई खा लेना

मेरठ सिटी
१८।११।१९८६

प्रिय सोना स्टीफन सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा ७ ता. का लिखा हुआ पत्र हमें कल १२ता. को मिला है। पत्र पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुए। तुमने दिवाली का दिवाली पूजन का कागज नहीं भेजा है हम ने रोशनी के बाद २४ता. को तुम्हें भेज दिया था। पता नहीं कि रास्ते में है या आ गये होंगे। हम तो दिवाली पर सब याद करते रहे। तुम सबको भी दिवाली मुबारिक हो। निर्मल यहां पर २४ अक्तूबर को आए थे और २२ता. को नैनीताल गए हैं उन्होंने १ पत्र १२ता. को भी तुमको लिखा है पर वापस हो गया है। तुम्हारे पते में कुछ गलत लिखा है और हम भी पत्र लिखते रहे हैं।

यह जान कर प्रसन्नता हुई है कि तुमने मकान किराये पर ले लिया है लेकिन फर्नीचर मिल गया है। सब किराये २ कमरे हैं मकान में सामान कोई रखने को अलमारी आदि भी है। और अभी तो कम सामान होने के कारण कमरे में रहा होंगे यह अच्छा है बाकी सब लायक है। मन तो इच्छा भी होता है कि वहां पर तुम सबको और अपने मकान कमरा को देखें लेकिन यह तो बहुत ही असंभव है बस वहां पर तुम सब खुश होंगे हमें भी यहां पर बहुत खुशी है। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सबको वह और अधिक ऐसी खुशी दे और हम तुम सबको यहां पर किसी प्रकार से देखें। तुम्हारी तबियत ठीक होगी भी तुम रजाई आदि ले ली होगी। शैल का रिजल्ट अच्छा होगा। सर्दी तो अब यहां भी आ गई है। अब मेरा मेरा पत्र बड़ा पूरा लिखता है उसका पत्र पढ़ कर हंसी आती है। मकान का नक्शा भी बना दिया है। यह प्रसन्नता होती है कि साल बाद यहां

मेरठ सिटी
१८। ११।८६

प्रिय बेटे शौक(?) तुम्हें हमारा बहुत बहुत प्यार
तुम्हारा ७ तारीख का लिखा हुआ पत्र हमको १४ तारीख
को मिला है पढ़कर सब समाचार ज्ञात हुए।

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि तुम्हारा मकान बहुत सुन्दर मिला
है। और फर्नीचर वगैरा भी मंगाया है सब चीजें बहुत ही सुन्दर
होंगी हमको तो बेटे यहाँ पर बैठे हुए बहुत खुशी होती है कि तुम्हें
तो एक अच्छा हो गया है। तुम्हारा यहाँ पर दाखिला भी हो गया
है लेकिन बात का पता हुआ कि तुम ७ बजे स्कूल से
उठ कर सैर पर [illegible] मेहनत करोगे तो आठवीं में ही [illegible]
तुम्हारा [illegible] भी हो गया है तुमको बस [illegible] भी
ऐसा होगा। लेकिन यहाँ से स्कूल से नाश्ता [illegible] मिलता है

तुमने बेटे मकान का नक्शा बहुत ही अच्छा बनाया है
हम यहाँ पर भी यह नक्शा देखकर खुश होते
रहते हैं। तुम पत्र [illegible] लिखते हो
मंजु अनुपमा ने भी तुम्हारा पत्र पढ़ा था पढ़कर
खुश हुईं। तुम हमको तो बराबर लिखते रहते हो
कि अपना ध्यान रखना। लेकिन तुम भी अपना
ख्याल रखना। अपनी खुराक [illegible] ठीक से लेते
रहना एक तुम्हारा पैकेट(?) भेजा है तुमने
पैकेटों(?) को खोलकर के ही [illegible] नहीं लगता

16.11.77

बेटी गुड़िया खुश रहो।

तुम्हारा 7.11.77 का पत्र कल मिला। यह जानकर कि तुम Chemical Engineering में admit हो गई हो खुशी हुई। पर तुम को इस में बहुत मेहनत करनी पड़ेगा।

मेरा वहां आना मुश्किल है। इतना किराया है। और फिर मेरे साथ दर्शी का होना। वह रोता [illegible] है जो वहां नहीं हो सकता। और उस के बिना मैं नहीं रह सकता। मैं जानता हूं तुम लोग वहां याद करते होंगे। हम यहां रात दिन याद करते

रहते हैं। पर अगर तुम भी
यहां नहीं आ सकती हो तो यह
तीन साल काट ही पड़ेंगे।
तुम को वहां अकेले सम्भलकर
रहना है वैसे। फिर देखे हैं और
कोई मददगार नहीं है। हम
लोग। यहां से कुछ भी मदद
नहीं कर सकते है।

तुम्हारा बाबा

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

16.11.77

My dear Sushil

I have received letters from children. They are dated 7th & 8th Nov. I am sorry to know that articles sent by me are not reaching there. Col. Ranjit's novel "सौ र से पहले" was sent and then Dewali Poojan two copies and then again Harishchand was sent. I have enquired from here and I am sure they will placed in bags from here. It is some person in charge of receiving bags there in your

DHANPAT RAI GUPTA 16-11-7[illegible]
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

office who is doing -
all this mischief. You
should note this.
The colleges here - St. Thomas,
R. G. Inter & R.G. degree
were not interested in
taking the trouble of typing
several letters and
certificates for Sudha -
as required by universities
there; and their dispatch
would cost at least Rs 10/-
per college. However Mr
Gupta has obtained these
for dispatch. He came to
us yesterday and reading
Sudha's letter that she has
been admitted in

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

3

Chemical Engineering, wh
wanted me to say
it would be worth the
while now to send them.
He wants to send all
these to you.
We are carrying
on well but are
sorry to miss you all
particularly on festivals.

With love
Yours affly,

16.11.77

बेटा शैलू। खुश रहो

तुम्हारा 4.11.77 का पत्र कल मिला। तुम को स्कूल जाने में काफी दूर जाना पड़ता। इसलिये से जाना होगा। पर समय तो काटना ही होगा।

तुम ने अपने Apartment- का नक्शा बना कर भेजा। ठीक ही है वह। तुम लोगों के लिये काफी होगा। फिर सब को पसन्द भी है। पहल तो हिफाजत की जगह का बात है सो ठीक है होगा।

यहां हम को कोई भी

२८ नवम्बर को तुम्हारा जन्मदिन है
इसलिए शुभ कामनायें

मेरठ सिटी
२०।११।५८

प्रिय निर्मला तुमको हमारा बहुत प्यार

तुम्हारा ८ ता० को लिखा हुआ पत्र आया था इसके मिल गया था इसने उसका उत्तर १२ ता० भेज दिया था तुमको मिल गया होगा।

कल सुनीता को यहीं तुम्हारा पता लिखना भूल गया है कहता था कि उसका पत्र नहीं खो गया है सवेरा महीने बाद में उसको पत्र लिखने का ध्यान आया है

अब इसने तो घंटी लगवा ली है बाहर के दरवाजे पर नीचे उसका स्विच है क्योंकि रात में किसी के आने से बड़ी परेशानी थी। पप्पू बिचारा रात को साढ़े १० बजे आया था तो ऊपर पुकार को आना पड़ा घंटी नीचे वाले योगेन्द्र ने लगादी है। अब रात में आने वालों को परेशानी नहीं होगी।

पप्पू यहां पर १५ ता० को आया था और १६ ता० को देहली गया है वह २१ ता० को गाज़ियाबाद [illegible] से विशाल सुभाष के साले की बरात में शामिल होकर फिर उन्हीं के साथ लखनऊ चला जायेगा। ऐसा ही उसका प्रोग्राम था उसने तुमको भी पत्र लिखा है

और सब बातें तुमको मेरे पहिले पत्र से ज्ञात हो जावेगी। प्रत्युत्तर शीघ्र ही देना
तुम्हारे बालकों को आशीर्वाद।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

मेरठ सिटी
२०।११।१९८६

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न चिरंजीव रहो

तुम्हारा ६ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको १२ ता० को मिल गया था १७ ता० को हमको रीडिया शैल के पत्र सौ० दिव्या से हाल हवाल इनके पत्रों के उत्तर दिये हैं आशा है कि मिल गये होंगे।

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि रीडिया को दाखिला डेन्टिस्ट्री में हो गया है यह ऐसा ही होगा जैसा वो सोचा कर रहा है। बी० ए० से मेरे विचार से यह ज्यादह अच्छा है जल्दी नौकरी दूर जाना पड़ेगा। बस से जाया करेगा

यह अच्छा है कि तुम मित्र अपने मित्रों की गाड़ी ले जा रहे हो इससे तुमको और अच्छी तरह से गाड़ी चलाने की प्रैक्टिस हो जायेगी। बड़ी गाड़ी ले लोगे पीछे परशाद भगवान के नाम का चढ़ा के तब गाड़ी चलाना

दिवाली पर हमको तुम सबों की बहुत ही याद आती रही ज़रा भी अच्छा नहीं लगा। वैसे यह अच्छा था कि निर्मला यहां पर आई हुई थी उसको सुधार को पूजन के समय देहली से आया था और सुबह ७ बजे देहली चला गया था निर्मला १२ ता० को नया बाजार चली गई है

यहां पर गुप्ता जी आते रहते हैं उन विचारों से
बहुत नौसिखिया नहीं गुड़िया के स्कूल से आगरा
पैसे हैं उनके मिल गये होंगे। अग्रवाल की
लड़कियां दिवाली के बाद में आये थे।

बस सब ठीक ही चल रहा है लेकिन आप
लोगों की याद तो रोज ही आती रहती है
घर में सूना रहता है बड़ा अजब होता है
अच्छा है आप लोग वहां पर खुश रहोगे
तो हमें भी यहां पर शान्ती है। ईश्वर से
यही प्रार्थना है कि वहां पर सब खुश रहो
और दो तीन साल बाद फिर यहीं वापस आवे
जोत आने की बहुत ही खुशी है अब तो
उसको इतनी परेशानी नहीं रहेगी। आप लोग
सबेरे ऑफिस जाते होंगे ७ बजे रात को आते
हो इसी वजह से इतना टाइम लग जाता होगा
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अभागिनी
प्रकाशवती

प्रिय बेटे मोन तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा रतन को लिखा हुआ पत्र हमने पढ़ लिया था और हमने उत्तर उन्हें दे दिया था उस पत्र से तुम्हें यहाँ के सब समाचार ज्ञात हो गये होंगे

तुमको यह जान कर खुशी होगी कि हमने अब घेरा लगाना बन्द कर दिया है। अब रात में आने वालों को परेशानी नहीं होगी। हम भी अब दिवाली से अन्दर कमरे में सोने लगे हैं। तुमको रात में जाड़ा तो नहीं लगता है क्योंकि लिहाफ वगैरा तो तुम्हारे पास नहीं है स्कूल जाने में तो सबेरे जाड़ा लगता होगा अच्छी तरह से स्वेटर वगैरा पहन कर जाते होंगे तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। तुमको मेहनत तो बहुत करनी पड़ती होगी अच्छा है बेटा यदि मेहनत से पढ़ोगे तो तुम अच्छे नम्बरों से पास हो जाओगे। तुम को तो ताश वगैरा खेलने का समय नहीं मिलता होगा। हम तो रात में समय बिताने को नजदीक के दो बजे के बाद तक ताश खेलते हैं क्योंकि फिर खाना पीने को बन्द करना होता है। प्रिय सतीश को हमारा आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

याद करती रहती है। उन को
बेकरार है। शान्ति सी होजाती
है कि काश देखने को पाते
है। तुम अपना पोते का
ध्यान रखना। पूरा हाल
लिखना तो मैं यहां से दवा
भेजदूंगा। किसी दवाई की
जरूरत हो तो करा लेना
नहीं तो हाल मिलने पर मैं
दवा भेज सकता हूं। कोई
घबराने की जरूरत नहीं है।

तुम्हारा बापू
ठाकुर

20.11.77

My dear Sushil

Recd your letter of 9.11.77. I am glad to know that Gudia is expected to join Chemical Engineering in January '78, and that she may be given credit for her education here and may also get credit further if she can join Junior Session. This may clear some of her gloom. I am very eager to see her happy.

Shattoo has wasted one more year. I wonder he cannot continue

20.11.77

छोटी गुड़िया। खुश रहो।

तुम्हारे Chemical Engineering में दाखला की खुशी है। तुमको इसमें interest भी था। पूराखा है तुम पूरा करोगी। मेहनत तो काफी करनी पड़ेगी पर तुम कर सकती हो। वहाँ कोई भी किताब नहीं, पहले बताई वहाँ के दफ्तर में ही कोई है जो निकालता है। यहाँ लेता यह बाबू पूरन साथ ने भिजवाते हैं। अगर वहाँ इन्तजाम ठीक हो जावे तो और भेज दूँगा।

तुम्हारी friends यहाँ कभी २ आ जाती हैं। वह भी तुमको

in 8th class only because of age. He was admitted in 8th class in another institution when you were in the Hotel.

I am sorry the articles being sent from here do not reach there. I sent "Harishchandra" & perhaps this also has not reached there in your hands. This appears to be the mischief of the persons in office at Washington.

with love,
yours sincerely
[illegible]

20.11.77

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा 8.11.77 का पत्र मिला था। मैंने उस का जवाब तुमको लिखा था। सुशील के पत्र से मालूम हुवा कि तुम्हारा दाखला प्रायुक्शन को वजह से बातचीत में हुवा है। वैसे ठीक है। कुछ परेशानी की जरूरत नहीं है। जो भी हो समय काटना है। पर उस में तुम किताबों में पूरी तरह सब वहीं को पढ़ाई समझ लोगे। यहां हम ठीक ठाक हैं। कुछ चिन्ता की जरूरत नहीं है। तुम लोगों की परेशानी से

होने पर शादी होती है।
पहले तो वहां काफी ठंड होगी
तुम लोग कपड़े काफी नहीं
लाना। हो वहां की सरदी के
लायक। वहीं से ही खरीदने
पड़ेंगे।

तुम्हारा चाचा
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

22.11.77

मेरी गुड़िया। खुश रहो।

तुम्हारा १५ ता. का पत्र मिला। ठीक है date को लिखने का इस तरह नहीं फायदा होगा। पूरा फायदा यहां का दूसरा था।

तुम ने लिखा था कि तुम जहां स्कूल जाती थीं वह बन्द कर रही थी क्या कि वह बहुत दूर था। पर पुल भी तुम जाती हो। तुम्हारा पढ़ना Chemical Engineering में तो जनवरी में ही होगा

था। अब तो वहां इन्डिपेन्डेन्स है। वहां जाने में काफी दिक्कत होती होगी।

तुम्हारा T.V. का खर्चा है। उन को उस से कुछ समय तो कुछ न कुछ [illegible] मिलेगा।

तुम ने अपना पता लिखा का हाल नहीं लिखा। मुझे उस की चिन्ता है।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

22.11.77

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा पत्र मिला। तुम्हारे मकान का नक्शा देखा। वह तो ठीक ही है। तुम लोगों के लिए काफी है। और फिर आस पास भी ठीक है। तुम्हारे पढ़ने की जगह भी ठीक है।

यहाँ अभी मौसम अच्छा है न ज़ियादा ठण्ड है न गरमी है।

तुम्हारा ऑफिस मकान के पास से मिल जाता है। यह तो बहुत ठीक है।

मेरी health ठीक ही है। उस की चिन्ता मत करो। तुम अपना ध्यान रखो। मुझे तुम्हारी तरफ से पत्र आता रहता है।

तुम लोगों की याद तो आती ही
रहती है। हर बात पर तुम्हारा
ही ध्यान आता है।

तुम को English में letter
लिखना ही ठीक है। इस से
English की आदत और प्रैक्टिस
हो जावेगी। शुरू में गलतियां तो
होती ही हैं।

पहले स्कूल में तो तुम्हारे
कुछ friends हो गए थे।
पर इस स्कूल में फिर से तुम
को सब बच्चे अजनबी
लगते होंगे। पर थोड़े दिनों
में उन से भी जान पहचान हो
जावेगी।

तुम्हारा बाबा
Dadda

२

मामा शादी में गए थे अब कैलाश की लड़की
शिमला से हुआ है और [illegible] की शशी की
वाली गुड्डी की शादी भी मेरठ से ही होगी। ऐसा
लगता है यह पत्र तुम्हारे पास पहुँचा नहीं है
और इसने [illegible] में पत्रों में कुछ नहीं लिखा है
मतलब याद तो होगी ही लेकिन वह खुशी नहीं रही
यदि शादी यहां भी रह जाती तो बड़ी रौनक रहती
तो रहता। गुड्डी तो अच्छा ही होता है उसको तो अच्छा ही
प्यार करती थी उसको शादी का बहुत ही चाव था
लेकिन इस मामले में किसी की नहीं चलती है।
२१ ता. को [illegible] के लिए [illegible] को
शादी की पक्की भी शादी में जाना है और [illegible] जायेगा
मेरठ से। मैं तो २१ ता. को हो गई थी फिर २२ ता.
को पार्टी थी। लेकिन फिर मैं ले आती। २२ ता. को
तो नौबत [illegible] सुबह ही चली गई थी और रात को
आई थी।
यह अच्छा हुआ तुमने दिवाली पर भी याद आया
बना लिया मैंने सोचा कि दिवाली पूजन का कागज इस
लिये भेज दिया था कि वह सुन्दर न बना हुआ था
घर या ऐसा न बनता। अब तो पूजन को बाजार
मैं फिर उसी में बना कर भेज दूंगी। तुमने कागज पर
बनाया होगा यादगार के भी तुमने बना लिया ठीक है
इसको भी हम सब भी बहुत ही याद आती रही। पूजा
करने में भी अच्छा नहीं लगा। बस तुम्हारी बनाई
हुई सीनरी वाला अशोक [illegible] में बैठी है वही रख
ली थी

तो पत्र नहीं आया कि लिखता है करनाटो(?) को ए
वैसी रहा करो लिख। आशा है कि सरोज ठीक होगी
तुमको ओर से चिन्ता होती है बिचारी घर पर अकेली
बैठी रह रहती है। तुम वहां पर कई दिन की जब
टेलिफोन(?) देखोगी २० नवम्बर को तुम्हारी सालगिरह है
तुमको हमारी शुभ कामनाएं। तुमने अपने जन्म दिन पर
क्या २ बनाया था। हम दोनों की ओर से भी तुम मिठाई
बगैरा खा लेना। क्या होता तुम्हारे घर पर ही लग
जावेगा हो। जो आ जावेगा तो फिर तो ओर भी अच्छा
रहेगा। फोन तो लग ही गया है। इस गुड्डे तो सरोज
बहुत अच्छे बताती है शायद कुछ फोन नहीं होगा।
तुम लोग खूब बगैरा खूब किया तो यह पढ़ कर प्रसन्नता
होती है कि पोते बड़े वहां के अच्छे होकर आ जाएंगे। तुम
लोगों को यह चीजें मिल जाती हैं इसको बहुत ही
प्रसन्नता होती है। एक पत्र इसने सुशील व तुम
दोनों को लिखा है। मिल गया होगा। अगर होया
श्री भी यह कहती है कि मैंने शान्ति को पत्र लिखे
दिन हुए लिखा है उसने उत्तर नहीं दिया है। शायद उसको
इतना पत्र नहीं मिला है।

तुम क्या अब भी स्कूल जाती हो वैसे शायद
तुमने ऐसा लिखा था कि अब मेरा रेजिडेन्सी में दाखिला
हो गया है तो अब मैं स्कूल नहीं जा सकूंगी। तुम बस से
ही जाती होगी। पिछला नवीनाबाद(?) है तो तो आज
पत्र आया है वह कानपुर है। अब शायद जल्द ही लखनऊ
पहुंच गया होगा। प्रिय सरोज को हमारा आशीर्वाद
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारा पत्र देख कर ऐसा
मन होता है कि बार २ पढ़ती रहूं।

तुम्हारी अम्माजी
अम्बा नन्दो(?)

से यही प्रार्थना है कि यह लोग सब शीघ्र ही
बाद में और दिल दहिले ... जा रहे हैं। सब कुछ
लोग ने यहां पर भी सब बने रहें। ईश्वर से यही
प्रार्थना है। जैसा कि तुमने लिखा है कि पापा जी जो
एन्ट्रेन्स (?) टैस्ट से बहार बनाना चाहते हैं तो प्रसन्नता की
बात अपने सब्जी से इधर आना पड़ेगा यह विचार
ठीक रखना सही होगा। इतना पैसा यहां से
आवेगा। और जैसा कुसाल ने सोचा होगा।

यहां पर आवेगा तो इधर से मिलेगा ही।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। यह जानकर
प्रसन्नता हुई कि तुम्हारा हैल्गिया (?) अब ठीक है

प्रिय कुसाल व सरोज को प्यार जैसी और

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। गोपाल का भी पता
लिख रही हूँ। कुसाल गोपाल को पत्र लिख देंगे
पैसे पहिले भी गोपाल का पता लिखा था। तुम्हारी

तुम्हारी ~~मौसी~~
प्रकाशवती

श्रीमती आशा देवी जी
रा० मकान (?) लाल जी के मन्दिर के सामने
मोती महल कुम्हार (?) गेट

श्री गोपाल प्रसाद जी बन्सल
२५८ नं. मकान
मोहल्ला स्वामी ~~पाड़ा~~ पाड़ा
मेरठ शहर

१

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२३।११।६९

प्रिय बिटिया गुडिया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा १२ ता० का लिखा हुआ पत्र २२ को मिला है सब घर का सब समाचार ज्ञात हुए हैं। तुम्हारे पत्र से पता चलता है वहां पर नारीयल जैसे लिखी जाती है यदि वे तो हम सब [illegible] गुडिया ने शायद भूल से लिख दिया है। ऐसा लगता है कि तुमको हमारे सारे पत्र नहीं मिलते हैं। पता नहीं कहां रह जाते हैं मैंने नोवी का पता हो पत्रों में लिखा है लेकिन तुमको दोनों पत्र नहीं मिले हैं। तुम्हारे पास १३ पत्र कहां २६ बाद हैं। अब हम इतने पत्र देख कर तो [illegible] होगी। सब पढ़ने में मन लगता होगा।

बहुत दुख से लिखता हूं कि २२ ता० को गोपाली नारायण की बहू की सुबह ५ बजे मृत्यु हो गई है। बीमार तो कितने दिन से थी लेकिन ऐसा नहीं था कि इतनी जल्दी खतम हो जायेगी। ५८ साल की हो रही है। बिचारी सब छोड़ कर चली गई उस समय सुधीर की बहू व लड़के मेरठ में थे [illegible] ही थे [illegible] बहू शशि वगैरा की मरने पर ही आये ज्यादह हालत खराब नहीं थी वर्ना किसी को पहले से बुला लेते। २१ ता० को सुबह को तो मैं देख कर आया था बहुत हिम्मत वाली थी पढ़ी २ मरी सब बतलाती रहती थी बहू व लड़के वगैरा बहुत ही रोते हैं। सब को तड़पते छोड़ कर चली गई।

मैंने तुमको पहिले भी पत्र में लिखा था कि २८ नवम्बर को शारदा के लड़का हुआ है और १८ दिसम्बर को सावित्री के लड़के [illegible] की शादी है सावित्री मेरठ ही

और नडील के बारे में तो सोचा ही गई थी वह
लगा लो भी उसने सब अच्छा लिया पोप बच्चों
बोरा देगा लो भी त्योहार बौप बच्चों के साथ में
ही अच्छे लगते हैं अब तो नार साल बन तो ऐसे ही
बोले हैं देखना है उपयोगिता है कि यह नार साल शौक
हो जाये और फिर हम सब मिल कर रहें और फिर वहीं
बहार जाये। चिट्ठियां उसको मैंने तो ऐसा लिख दिया
था कि जब उस पलने में लग जाओगी तो इसको अपने
याद करने का समय मिलेगा लेकिन ऐसा लगता है
कि उसको बहुत ही दुख हुआ है यह पत्र देखते ही समझो
है कि हम उसको भूल जायेंगे उस बच्चे पत्र में ऐसा मत
सोचो। हमारा तुम्हारा प्यार तो अटल ही रहेगा। लेकिन
अब मैं दो दिन से देख रही हूं। कि शशांक की गुड्डी जो
उसकी दादी बहुत ही प्यार करती थी। तो वह बहुत
ही याद करके रोती है। जितना ज्यादह प्यार होता
है उतना ही दुख होता है। जब जाओगे कि वहां पर इतना
जाड़ा है तो पता नहीं जाड़ों में कैसा जाना पड़ेगा। खूब
मोटे २ कपड़े बगैरा सिलवाने याद रख ला गए तो फिर
क्या होगा। वहां जाने पर खूब मोटे २ कपड़े पहनना
जाड़ा को वहां पर तो लोगों से बर्फ गिरने लगी है उनको
स्वेटर बगैरा भी सब छोड़ गए। वहां पर सब बनाने पड़ेंगे
क्यों मैं ऐसा लगता है कपड़ों में तो इतना जाड़ा नहीं
होगा लेकिन स्वेटर तो कपड़ों में भी पहनने पड़ते होंगे
खूब मोटे कपड़े पहनना और अदरक की चाय पिया

मेरठ सिटी
२३।११।

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा ११ता० का लिखा हुआ पत्र हमको
२२ता० को मिल गया है। तुम्हारे पत्र से सब समाचार
मालूम हुए। बेटे तुमने मकान का नक्शा तो बहुत ही सुन्दर
बनाया है लेकिन नक्शा देख कर तो बस यही प्रसन्नता
होती है कि तुमने मकान बहुत सुन्दर बनवा लिया है और
ईश्वर की कृपा से आराम भी सब ही होगा। तुम को
पसन्द है तो हमको भी बहुत ही प्रसन्नता होती है। ईश्वर
से प्रार्थना है कि तुमको मकान माफिक आती हो। हम सब
बहुत से याद करते हो यह अच्छा है तुमने यह नहीं लिखा है
इस स्कूल में दाखिला कैसा मिलता है। पुष्प [illegible]
रोपा अन्नु अनूपमा के [illegible] रहते हैं।
देखने को तबियत खराब है यह तो विचार ऊपर
नहीं आ सके है किन्तु दीवाली है हमको बाहर
लोग देहरादून से आये है यह भी जो घर है उसका
छत [illegible] खराब हो गया है इससे भी खराब होने वाला
है उसकी और चिन्ता है। नीचे सब ठीक है
मैंने पुष्पा रवि नगर का पता तुमको दो बार लिखा है
ऐसा लगता है तुमको यह मेरे पत्र नहीं मिले हैं
मैं अब पता लिख दूँगी।

बेटे यह तो याद आना हमारा तुम्हारा स्वाभाविक
ही है लेकिन बस कुछ नहीं चलता है कब तो ईश्वर

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

23.11.77

My dear Sushil

Received yours of 15/11. The book and also the "Dewali Poojans" were sent through Shri Ram Kirpal who had personally delivered the same in the office. The person in charge of despatch says that he had place the book in full cover as I had sent it in a packet. He says that he feared the book could be removed in open packet at Washington as people there are "hungry" for such things. The packet of "Dewali Poojans" was also sent personally by him. He is sure these were removed at the destination.

I will try the procedure suggested by you in future despatch. I am sorry to find you left warm clothes here and had to purchase there. You did not expect such cold there.

Please take care of children. I am very anxious about their health and safety. They have to go a long way in a foreign land ~~[illegible]~~

How is Sarup?

with love
Yours affly
O R [illegible]

मेरठ सिटी
२१२२ मई ६६

प्रिय निरुपमा तुमको हमारा बहुत सा ही प्यार

तुम्हारा रश्मि का लिखा हुआ पत्र हमको आज मिला है और हम आज ही पत्र लिख रहे हैं। निरुपमा तुम्हारा पत्र न आने से तुम्हारे बाबाजी बहुत ही चिन्ता कर रहे थे। मैं कहती थी कि डाकखाने की लापरवाही से देर हो ही जाती है लेकिन कहते थे कि बच्चे कभी भी पत्र लिखने में देर नहीं करते हैं इसलिये निरुपमा पत्र जल्दी ही लिखती रहना अब तुम्हारे पास लिफाफे भी थोड़े से ही रह गये होंगे हम यहां से और टिकट लगा देंगे। आज यहां पर [illegible] मजूमदार के यहां [illegible] उतनी तेज गरमी भी रहती है ज्यादातर बैठी रहती [illegible] अच्छा लगता [illegible] तीन दिन हुए [illegible] थी। [illegible] ने पास की [illegible] स्कूल में [illegible] भी मिल गई होगी लेकिन उसने [illegible] तो नहीं लिखा। [illegible] स्कूल तो जाता है लेकिन परेशानी बहुत होती है। यहां पर तो कभी कभी [illegible] जाती थी वहां पर नई जगह में जाना पड़ता है जब यहां पर आओगी तो एक होशियार व चेतन हो जाओगी अपनी [illegible] देखकर [illegible] लगा है अभी तो [illegible] तीन बजे भी नहीं हुए हैं। आज तुम्हारे बाबाजी ने दादी को साथ [illegible] दिन है इसने तो कुछ [illegible] नहीं है। तुम्हारा जो [illegible] रश्मि ताई का लिखा आया है। यह लिफाफा [illegible] से चिपका हुआ था तुमने चिपका [illegible] है या [illegible] के रास्ते में खोल कर चिपकाया है कुछ लिखना। [illegible] ने तुमने लिखा है अब स्कूल जाओगी या नहीं। जो जाओ तो अच्छा है क्योंकि वहां पर झगड़े वगैरा हो रहे हैं। इतने पत्र [illegible] यह सब है [illegible] टेलीफोन से जो बात करने को लिखा है इसका तो

उसे पसंद करते हैं। यहाँ की सब बातें तुमको
लोगों के पत्र से पता चल जायेगा। यदि मार्च में
बहुत ही सफलता हुई कि सब इस बार साथ मिल के बातें
कर लेंगे। बड़ा अच्छा लगेगा जब अपने बच्चों को कई
दिन बाद प्यार की आवाज सुनेंगे।

तुमने हरिश्चन्द्र को पत्र दिया होगा। यहाँ की
पैसे रहीं पर पाई थी इन्होंने जल्दी ही भेज दिया था
जो पैसा मालूम नहीं था वह तो पहुँच गया इधर तो
मैंने ही भेज दिया था कि पहुँचेगा थोड़े ही ये ही
ध्यान नहीं देते हैं। यहाँ पर रोज की पढ़ाई का
उसने तो लिखा था कि मेरी तबियत पहले से अच्छी रहती
है पता नहीं बेचारा होस्टल में अकेला रहता है। निर्मल
और रजा गाजियाबाद ही है २ दिसम्बर को उसकी भतीजी की
शादी है। अब सोना आ गया होगा। तुमने अपने
स्कूल के पैसा दे दिया या कोशिश कर रहे हो।
दोनों आने से मन लग जायेगा। तुम जयपुर को जाकर
जो हालचाल लिखा करो। पता तो बताने का मन नहीं
करता है तुम्हारे कहने से तो बता देते थे। अब घर
पे अकेले में कोई बात बताने को मन नहीं करता है

बस ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सब बच्चों
पर कृपा रखे हमें इससे ही शान्ति है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

मेरठ सिटी
१/१२।१९६६

प्रिय सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो
तुम्हारा १८ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको आज २१ नवम्बर
को मिला है। यहां पर १३ ता० को गुड़िया का पत्र लिखा हुआ यहां पर २० ता०
को आया था हमने २३ ता० को उसका उत्तर दे दिया था। इसके बाद में तुम्हारा
कोई पत्र ना आने से तुम्हारे बाबूजी बहुत ही चिन्ता कर रहे थे
वह कहते थे कि बच्चे का पत्र जल्दी ही लिखते हैं पता नहीं क्या
बात है जो पत्र नहीं आया है मैं समझाती थी कि पत्र लिखने में
कभी देर तो हो ही जाती है ऐसी क्या चिन्ता की बात है सब लोग
प्रसन्न रहते हुए हैं। हमारा २३ ता० का लिखा हुआ पत्र भी
तो तुमको मिल गया होगा। और ज्ञात हो गया होगा कि २२ ता०
को सुबह ५ बजे नाना की मृत्यु हो गई है उनकी मृत्यु से
सबको बहुत ही दुख है। ५ ता० को तेरहवीं है
सावित्री के लड़के की २८ दिसम्बर की शादी है वह बिचारा कल
२ ता० को आ रहा है और २५ दिसम्बर की शादी की लड़की की
शादी है बिचारे दोनों शादी से पहिले ही चल बसे। ऐसा
हाल नहीं था कि इतनी जल्दी चले जायेंगे यहां पर कुमार
की बहू शशी की दोनों लड़की कालिज को जाती लड़की और
नौकर थे। बिचारे नाना अपने मृत्यु होने पर हो जाये
मैंने पहिले पत्र में भी लिखा था कि १४ नवम्बर को कालेज
ने अपना उसको नौकरी पर ही रखा है ऐसा लगता है
किन्तु वह तुमको मिला नहीं है अगर यदि तुमको पत्र
मिलता तो बच्चे के विषय में कुछ लिखती उसी पत्र में
शादी की भी लिखा था। और २ पत्र बीच में लग जाते हैं
मैंने २३ ता० को जो पत्र लिखा है उसमें भी लिख के पता

जो लिखा है कुशाल पहिले लोगों को दफ्तर में भेज दिए,
शादी का पत्र कौशल को लिख देगा। मैं गीता व प्रवा
गीता को लिख चुकी हूं। लेकिन इनों का पत्र भी नहीं मिला
है। यहां पर भी दिवाली पर बहुत दिवाली होने से कुमार को
कुमार ने रुपया आया था और कुछ ७ बजे चला भी गया इसलिए
बहुत हल्ला सा ही रहा लेकिन कुमार भैया ने रुपया पाकर इसको
भी अच्छी रही। अब दिवाली का जागना क्या पहुँचेगा। किसी ने
निकाल लिया होगा क्योंकि बजार का बना हुआ सुन्दर सा था
मैं लिए भी बना का दिया हूंगी। अब तो बहुत साल की बात
गई है। तुम्हारे पत्र का पढ़ कर बड़ा अच्छा लगता है कि
तुम लोग एक चीज बनाती रहती हो। हमें इसके में शान्ता है
इसको तो जेवन में कुछ भी बनाने का मन नहीं करता है।
बस रोटी पराठे कोनो शायद बना लेती हूं। सब्जी तो
कुमार ही बना लेती हूं। तुम एक चीज बनाया करो
इसको यहां पर स्वाद आ जाता है।

अब इन्द्रा के उपेन्द्र आये थे। उपेन्द्र के साले की
शादी हो गई है पिन्कू अभी नहीं आई है इन्द्रा शादी को
पिछले यहां पर भी आई थी। गुड्डी बोल है और
बोलना जाने लगी है। पता नहीं है तुम रोज क्या देती होगी
गुड्डा को रोज अच्छे लगते हैं। अब तुम बच्चा गाती होगी तुम्हारे
ने बच्चे ने पास को नोट कैसा भी नहीं है बहुत अच्छा लगता होगा।
अभी मन रहना वहां पर निपट लेना। यहां पर तो तुम्हारा
शादी का रुपया इधर नहीं देखा है वह रुपया तो शायद तुम्हारे
पति ने भी यहां पर गीता जी ने लिखा हुआ है उसमें शादी का
रुपया नहीं लिखा है। वह तो तुम ने वहां पर खेतान को दिया
या लिखना लिखा है या नहीं। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। मेरा व इन्द्रा
दोनों कुशाल को आशीर्वाद। प्यार देना। तुम्हारी अम्मा ज्ञानवती

नैरोबी
२१.१.७६

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

प्रिय बेटे मौक तुमको हमारा बहुत प्यार

तुम्हारा पत्र आज हमको मिला है जिसने अपने पत्र में नैरोबी पहुंचने की तिथि लिखी है। बेटे हम तो पत्र जल्दी जल्दी लिख देते हैं पता नहीं तुम्हारे पास क्यों नहीं पहुंचते हैं ऐसा लगता है कि नहीं बीच में गायब हो जाते हैं। पत्र मैंने २२ ता० को तुमको लिखा है वह मिल गया होगा

तुम लोगों का पत्र पढ़ कर बड़ा अच्छा लगता है और आनन्द सा होता है। तुम्हारे माताजी जब भी तुम्हारे पत्र में देर होती है तो चिन्ता करने लगते हैं। इस लिये जरा पत्र जल्दी जल्दी लिखते रहा करो। नैलेश को तुम्हारे पत्र की इंतजार रहती है इसी तरह से तुमको भी रहता होगा। हमारे पास आज ५ पत्र आये १ तुम्हारा १ राजो का १ बाला का १ सुबोध का और १ रेनाशा को ज्यादह पत्र पढ़ने में बड़ा अच्छा लगता है।

बेटे तुम इतना लिखते हो अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना इसको रखेंगे ही। लेकिन तुम भी तो अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना। यदि तुम लोग वहां पर ठीक रहोगे तो हमारा स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा।

यहां पर जो मेरे भाई इन्द्र मोहन हैं जिनसे उनसे कई बार कि वहां पर नैरोबी में जूते भी बहुत ही सस्ते में मिलते हैं। वह तुमको १ जूता व एक साबुन की टिकिया दे गये हैं। वहां का जूता अच्छा है साबुन इस्तेमाल करने का पता चलेगा कैसा है।

तुम्हारा स्कूल जाने में बहुत मजा लगता होगा खूब
अच्छी तरह से बड़े घर से पढ़ कर आया करो शाम को
मोटर बस में आते हो या चल कर आते होंगे। नाश्ता को तुमने स्कूल
से मिलता होगा तुमने नहीं लिखा है इस स्कूल में कैसा
नाश्ता मिलता है। आज ~~कल~~ तुम्हारे बाबाजी के
दादी की शादी का दिन है इधर तो कुछ करना नहीं
है बस तुम लोग होते तो कुछ करने का मन होता।

तुम्हारा टेलीफोन ठीक होगा। अब तो तुमने कुछ
परेशानी नहीं है। तुमने नहीं पढ़ाई ज्यादा करनी
पड़ती होगी।

मैं मुजफ्फर नगर वाली बीबी का पता लिखता हूँ।

शिव लोचन के सुनील को प्यार आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

श्रीमती आशा देवी जी
श्री गंगा राम सिंह जी
२६० पटेल नगर
मुजफ्फर नगर

श्री कैलाश प्रसाद जी
वकील
२६९ का मकान
मोहल्ला कालीवाड़ा
मेरठ शहर

चन्द्र का पता (चन्द्र वीर का)
श्री चन्द्र वीर जी गुप्ता
१५६ महती खन्दक
लखनऊ १
हीवेट रोड

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

1.12.77

बेटी गुडिया बेरा रहो

तुम्हारा पत्र मिला। जिस में 16.11.77 ता: पडी है। यह आज ही मिला है। तुमने लिखा है स्कूल जाने के बस बदलने में दिक्कत होती है। यह तो रोजाना का काम होगा। वहां की हालत जो मैं अखबारों में पढ़ता हूं उस से बहुत चिन्ता होती है। तुम सब लोगों को वहां पर बहुत सावधानी से चलना फिरना है। सारे रास्ते [illegible] दूर से बिना हिफाजत आना ठीक नहीं होगा। कुछ ना कुछ इस का इन्तजाम

करना पड़ेगा। जो कुछ रे-
साजी वहां हुई वह मैंने
परवेशान में पढ़ लिया है। इस
से पहले भी New York
की खबर पढ़ी थी।
मैं यहां हूं और तुम सब
लोग वहां खतरे में हो
क्या करूं समझ में नहीं
आरहा।

इस से पहले तुम लोगों
की चिट्ठी 22.11.77 को मिली थी
कई दिन से इन्तजार थी। आज
भी यह पत्र मिले है तुम
लोगों को।

तुम्हारा बाप

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

1.12.77

My dear Sushil

we have just received your letter along with children's letter dated 20.11.77 & 18.11.77.

Yes we shall wait at the Phone no. 74745 at 6 P.M (I.S.T) we shall be glad to hear you on 18.12.77 at 6 pm though on this date the marriage of Berhals' ~~Shal~~ daughter's son at Meerut will be performed. We shall not be required to attend the marriage as ~~we~~ shall give 'Bhat' on 17.12.77. Anyway we shall be on the phone at the appointed time and date.

Mr Anand told me three days ago that he had deposited your interest in my S.B. a/c but today I looked into the

Bank's a/c and find that he
has not done so. He had
sent Agarwal to me
two weeks back to ask my
a/c number.

I have not yet received
the L.I.C. intimation for
your Premium falling due on
24.12.77 but I shall make
payment as I have the
Policy number.

I am sorry to read in
our papers about the stabbing
of the Supply Branch officer of the Indian
Embassy at Washington.
Please take care of yourself &
Saroj & children. Children
have to go to educational institutions
and require protection. How it
can be possible I wonder.

With love
Yours aff'ly
D P Gupta

1.12.77

बेटा शैलू (विशारद)

तुम्हारा 20.11.77 का पत्र मिला है अभी। कल दिल्ली से बेटा जाने का दिन है। यह पत्र किसी के साथ के जो दिल्ली भेजूगा। तुम्हारा यह पत्र देर से पाया। कई दिन से फिक्र था।

वहां डाक के लिफाफे पैर (टिकट) रखकर पर होंगे। पापा से कह देना मैं अगले पत्र में कुछ डाक के टिकट भेजूगा। और हर पत्र के साथ अगले पत्र के वास्ते भेज दिया करूंगा। मैं तुम्हारे पापा के पत्र में यह लिखना भूल गया हूं। स्कूल जाने, आने

1.12.77

मैं बहुत देखभाल के जाना,
मैं यह पढ़ रहा हूं अखबारों
में वहां का हाल। इसवास्ते
परेशानी होती है।

तुम्हारे पापा ने तो यह
लिखा था कि तुम्हारा दाखला
स्कूल में हो गया है और
तुमने लिखा है अभी नहीं
हुआ। समझ में नहीं आया
क्या बात है। तुमने भी
लिखा था मकान के सामने ही
बस आती है जिस में स्कूल
जाते हो।

तुम्हारा बाबा
[signature]

मेरठ सिटी
३।१२।६०

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

यहां पर सकुशल हैं तुम सबकी ओर से चिन्ता परमात्मा तुम सबको कुशल रक्खे ये सदैव मनाती रहती हूं। तुम्हारा २३ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको गुरुवार को सवेरे मिला तुम्हारे पत्र से ज्ञात हुआ कि तुम्हारे पास हमारा पत्र नहीं पहुंचा है ऐसा लगता है बीच में कहीं पत्र गुम हो जाते हैं हम तो पत्र बराबर भेजते रहते हैं।

तुम्हारे बाबूजी २५-२५ पैसे के २० टिकट भेज रहे हैं आशा है कि तुमको मिल गये होंगे अब तुम्हारे पास लिफाफे खत्म हो गये होंगे। अब तुमको ठीक मिल जायें।

हमने तुमको एक पत्र २३ नोम्बर को लिखा था और एक पत्र २ता० को डाला है तुमको मिल गये होंगे यह दोनो पत्र हमने तुमको [illegible] से । और २३ ता० के पत्र में लिखा था कि लाला जी २२ नोम्बर को सुबह स्वर्ग [illegible] हैं बिचारे कितने दिन से बीमार थे। उनकी मृत्यु से हम सबको तो बहुत ही दुख हुआ है। ४ दिसम्बर को तेरहीं है

१२ दिसम्बर को सावित्री के लड़के की शादी है वह मेरठ से ही होगी कल २ ता० को मेरठ आ गये हैं और २५ दिसम्बर को शादी

को अपनी गुड्डी की शादी है लिखते तो दोनों शादी
का बहुत ही चाव था सब छोड़ के चले गए
तुम भी नोबेल को पत्र लिख देना मेरे
पीछे भी तुमने नोबेल का पता लिखा और
नन्हे को पत्र लिखा है उसमें भी नोबेल का
पता लिख दिया है।

प्रिय सरोज गुड़िया शैल के लिए पत्र
लिखूंगी। यह अच्छा है तुमने शैल के लिए कोट
खरीद दिया है रास्ते में जाने में तो बहुत ठंड
लगता होगा। अब इसने मुसकाना सीखा है कि
अपने बच्चों को बात पहिन बाद फोन पर बोलना
सुनेगा।

प्रिय सरोज को प्यार आशीर्वाद। प्रिय गुड़िया
शैल को हमारा बहुत सा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम अपना
ओवर कोट तो ले गये होंगे। जाड़े में पहनना
अपना ध्यान रखना।

अभी पद्मु का कुछ नहीं हुआ है।
पता नहीं क्या होगा।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

3.12.77

My dear Gudia,

I am well here and hope you are well there. I am glad to know again from Susheel that your admission to the college has been confirmed. But please take care. I hope matters are not going on well there for Indians. You have no protection

in the way and
have to take care
of you in way.
Sushil must be taken
steps in that connection
also but I am
worried. Please
write regularly.

with love
Yours affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

3.12.77

बेटा सैम शुभाशीष।

दो दिन हुए तुम्हारा पत्र मिला था। मैंने भी उस दिन ही लिखा था। आज प्रशान्त का पत्र 23.11.77 का लिखा हुआ मिला है जो शायद दफ्तर से जल्दी में लिखा है क्योंकि उस के साथ और किसी का पत्र नहीं था। यहां तो सब तुम लोगों को याद करते रहते हैं। हम तो हर बात पर ही तुम्हारा

ही बातें सोचते रहते हैं। अभी
तो तीन महीने ही कटे हैं।
तीन साल मिनमिन कर काटने
हैं। वहां की Indians की
खतरे की बातें सुन कर
और भी चिन्ता होती है।
तीन लोग वहां हिरोशिमा से
रहे तो पर सम्भाले गए।
अखबारों में वहां की बातें
आती हैं उन से फिक्र
हो जाता है

तुम्हारा [illegible]

[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

7.12.77

बेटी गुडिया। खुश रहो।

सुशील ने लिखा है

तुम्हारे दाखले की पूरी
बात हो गई है। इस से तो
बेहतर है। दूर जाना होगा।
रोजाना आना जाना होगा।
इस में बहुत देख भाल
करना पड़ेगा तुम को।
वहां की हालत अच्छी ही
मालूम हो रही है। पर रहना
तो है ही। यहां तो खिल्ली ही
रहती है। तुम को तो रोजाना
10
की जाने आने का ~~[illegible]~~

मैं 6 फरवरी को भी डालती
हूँ। अभी 2 पत्र मिलवा रहे
तो पता लगता रहेगा।
डाकवाले पत्र भी देर से लेते
में ठीक करा जाने लगे हैं। क्या
बात हो रही है पता नहीं।
हम यहां ठीक ही हैं। हमारी
कोई चिन्ता न करना।

तुम्हारा बाबा

[signature]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

7.12.77

My dear Sushil

Your last letter received here a week ago was dated 23.12.77. Since then there is no letter from you. I have written to you on 1.12.77 & then on 3.12.77. I had enclosed postage stamps 20 in number of the value 1-25 N. Paise each. On receipt of information that you have received the same I shall be sending more. I have received the W.C. intimation in your name & shall

make the deposit - before the due date

What about the situation there? I am worried to know the details in papers. Mr. Gupta had sent the documents to you in the third week of November. He is anxious to know if they reached there.

with love -
Yours affly
OR [illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

7.12.77

बेटा सैंडू। खुशरहो

बहुत दिनों से तुम्हारा पत्र नहीं मिला। एक हफ्ते पहले मिला था। लेकिन बहुत इन्तजार रहा पर कोई भी नहीं मिला। शायद हमारे पत्र कुछ रास्ते में रह जाते हैं। खैर पत्र तो लिखते ही रहना कोई तो मिल जाता। तुम्हारा क्या हाल है। हम तो यहां ठीक ही हैं। तुम्हारा क्या

ठीक है पुत्र। वहां की
हवा से केवल फ़ायदा मिलता है
या नहीं। पराग का क्या हाल
है। अब तो वहां काफ़ी ठंड
होगी। स्कूल जाते आते में
बहुत हिफ़ाजत से जाना है।
तुम को यहां से किसी
भी चीज की जरूरत हो तो
लिखना मैं भेजने की
कोशिश करूंगा। अभी
"हरिश्चन्द्र" दूसरा नया आया
है। फ़ोन पर भेज दूंगा

तुम्हारा
बाबा
[illegible]

Meerut
10-12-77

My dear Sushil

There is no letter from any of you for the last ten days. This has been causing anxieties. I cannot believe that any of you could not write for such a long time. Previously also we did not receive any letter for a week. We have been regularly

writing to you twice a week. You had in your previous letter complained that you did not receive our letters for a week or so. There must be something wrong.

I have written in two previous letters that I shall wait

at 6 p.m. on 18.12.77 for

your Phone Call on no.

74745 of Shri J.K. Bhatnagar

Advocate.

with love

Yours affly

[illegible]

पहला मोड FIRST FOLD

मेरठ सिटी
२३।१२।१९६८

प्रिय निर्मला गुड़िया तुम्हें ढेर सारा प्यार

तुम्हारा २६ नवम्बर का व [illegible] नवम्बर का लिखा का दोनों पत्र इकट्ठे कल मिले हैं। बीच में काफी दिनों से पत्र न आने से बहुत ही चिन्ता हो रही थी। और तुम्हारे बाबाजी को जरा भी पत्र आने में देर हो जाती है तो बड़ी तरह से परेशान हो जाते हैं मैं समझाती हूँ कि पत्र तो लिखा होगा लेकिन आने में देर हो गई होगी। लेकिन यही कहते रहते हैं कि बच्चे पत्र लिखने में कभी भी देर नहीं करते हैं कुछ बात अवश्य है अब कल तुम्हारे पत्र [illegible] का [illegible] मिले हैं। अब तो केवल पत्रों का ही सहारा है। वैसे तो मिलने को बहुत लम्बा समय लगता है पता नहीं इतना लम्बा समय कैसे बीतेगा। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वहां पर तुम सब ठीक रहोगे तो यह इतना लम्बा समय भी शीघ्र ही बीते। यह जान कर बहुत ही प्रसन्नता हुई कि तुम्हारे [illegible] बगैरा सब ठीक हो गये हैं। वहां पर तो [illegible] में भी पूरी ठंड है। सभी शरीर का [illegible] होता है। ईश्वर की दया से वहां की डाक्टरनी भी बहुत ही अच्छी मिल गई थी तुम्हारी आंखों की वजह से बड़ी चिन्ता होती है। यहां पर तो आंखों की कोई शिकायत नहीं थी पता नहीं वहां पर की हवा पानी से तुम्हारी आंखों को कुछ नुकसान पहुंचता है तुम अपनी आंखों का ठीक से इलाज कराओ। आंखों की बड़ी चिन्ता है। विपिन तुम दोनों को भी बहुत ही याद किया करते हैं तुम्हारी आंखें ठीक हों यहां पर तो दोनों रेडियो खराब पड़े हैं और ट्रांजिस्टर की बैटरी भी खतम हो गई है। ठीक करवाएंगे। इस महीने में यहां पर बहुत शादी बगैरा हो रही हैं वैसे ही खर्चा बहुत हो रहा है यह तो तुम को ज्ञात हो गया है कि [illegible] की लड़की [illegible] के लड़के की शादी १२ जनवरी को है और शशी की लड़की गुड्डी

को २५ता० को है। मैं कल शोभल के घर पर गई थी
गुड्डी कल चली रही थी कि यहां से इनके पास वाले पत्र
आये हैं गुड़िया ने गुड्डो शादी की विदाई को लिखा है
रतन की बहू बतला तो रही थी कि ऊषा रानी को पत्र आया
था और इसने उसे दे दिया है। पता नहीं कौन सही थी या
झूठ बोलती थी। तोता का पत्र यहां पर भी आया है अब
उसकी तबियत पहिले से ठीक है उसने लिखा था कि पत्र लोग
हास्पिटल में खोल लेते हैं और गायब भी कर देते हैं। इसी
लिये उसे तुम्हारे पत्र नहीं मिले होंगे। निर्मला नवाबगंज
की शायद अब लखनऊ पहुंच गई होगी। छुट्टियों में देहली से
अशोक देहली में जो रजिस्ट्रेशन था रहा था आज २२ता० तक को
थी। यहां पर भी बहुत बार दिवाली लेकिन आया था अब तो
नहीं आया है। बिटिया हम भी १७ तारीख को तुम्हें बहुत ही
याद करते रहे कि आज गुड़िया को बर्थडे है अब आज उसको
उठ भी नहीं दे सके हैं लिए इसकी शुभ कामनाओं को पत्र
तुम्हें साल गिरह से पहिले मिल गया होगा। बिटिया कहां
या तो पर्स मौसा में बच्चों व परेशानी बहुत ही है जो हमारे
१ है ऐसे आराम से पल्ले थे सो अब तक रहे थे पर यहां
पर तुम्हें इतना परेशान देख कर बड़ा दुःख होता है और
अब बच्चा कौन गोदी अब तो इतवार नियम डाकिया है कि यह
सब परेशानियां थोड़े ही दिन की हैं गोदी तुम्हारा तोलिया भी
बड़ा हो गया होगा बाल से मजा आयेगी। अब तो बिटिया
२२ता० की बहुत ही खुशी लग रही है उस दिन साल भर
पहिले बाद अपने बच्चों की आवाज सुनेंगे। लेकिन
तेरे टेलीफोन का समय बहुत ही कम है। कम अपने बारे
सोने से ही बात करोगी। मैंने तो इतवार की छुट्टी से यहां
या तस्वीर भेजी है यह देखकर तो बड़ी खुशी होती है।

भगवान यह हमारी इच्छा जल्दी ही पूरी करे।
यहां के पानी में बहुत ही परेशानी है इसलिये अब
कुछ बालों में तेल लगाना अच्छी तरह से जला लो रात में
तेल बालों में लगा लिया करो पता नहीं इतना परेशान क्यों
रहते हो तो बालों में कुछ नहीं होता है। गुड्डी बहन की
कि पैर जलना तो थोड़ा पेन हो भी लेकिन उसने कुछ
जवाब नहीं दिया है। मेरे पास पोस्टकार्ड गुड्डी ने कोई नहीं
भेजी है अब यह मेरठ में ही नौकरी ज्वाइन करनी है या ही रहेगी
है। जब गुड्डी मिलेगी तो उससे थोड़ा के लिये कहूंगा
जलना के किताब मेरठ में बहुत ही खर्चा कर दिया है इतना
भी तुम्हारे बहुत ही ज्यादा है। अनु के गलने का दुख हुआ
इसका तो तुम्हारे पत्र से ही पता चला है। यहां भी परेशानी है
यदि लेना है किताब आदि तुम्हारा मेरठ का मिलता नहीं है
और मैं तो मेरठ में खर्चा बहुत होता है।

प्रिय तुम इतना दुखी भी बहुत रहो हो और
हमारा मन भी बहुत लगता है। किसी तरह से तुम्हारे पास
आयें लेकिन [illegible] इतना खर्चा कैसे करें सब बच्चा
तो [illegible] ही हालत है। बस मन मारकर ही बैठना
पड़ता है। बस अब तो यही है आशा है कि तुम यहां के
[illegible] शान्ति के पत्र शीघ्र ही आते रहें और [illegible] शीघ्र ही
आयें और यहां पर [illegible] शान्ति से रहो इतना भी इच्छा में
शान्ती है। तुम्हारे पत्र को देख कर इतना प्रसन्नता होता है
कि लिख नहीं सकते बार २ पत्र पढ़ने पर भी मन नहीं होता
है कि पत्र खत्म हो जाते हैं। प्रिये तुमने यहां पर
नौकरी करने में [illegible] पढ़ने में परेशानी तो बहुत ही होगी
लेकिन हिम्मत रखना जब हमारे [illegible] से आप बहुत
हिम्मतवार हो जायेंगे। तुमने जो कहा था आज है। पत्रोत्तर शीघ्र ही
देना। ढेर सारी अम्मा को प्रणाम कहना

मेरठ सिटी
२३।११।६८

प्रिय बेटे कुशाल सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा इतवार को व शुक्रवार शैल को २७ ता० का दोनों पत्र कल मिले और दिनेश के पत्र न आने से बड़ी चिन्ता लगी थी। बेटे पत्र जल्दी २ ही लिखते रहा करो। वहां पर बहुत ही ठंड पड़ती है खूब अच्छा नाश्ते के बाद कैसा भोजन कर आया करो। शैल से पता चला कि तुम कार चलाना सीख रहे हो बेटा खूब अच्छा तरह से सीख कर ही चलाना। शुरू करो कार तब सीख होगा कार खरीद कर पहिला बार जब चलाओगे ईश्वर ने चाहा तो प्रसाद अवश्य देना तो चढ़ा देना यदि मन्दिर जाओ तो किसी गरीब को दे देना। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि कार तुमको ठीक रहे। १२ ता० को फोन पर बातें करने की बड़ी खुशी लग रही है। रतन की बहू कहती थी कि कुशाल का पत्र आया है और इसने उत्तर दे दिया है पता नहीं वहां सब ठीक है। तुमको पता चल गया होगा कि २२ नवम्बर को लाला की मृत्यु हो गई है। शायद तुमको यह पत्र मिला नहीं है क्योंकि कल का पत्र आया है उसमें अवश्य लिखना। रतन की बहू लाला की तेरहवीं पर आये थे गाजियाबाद को तेरहवीं की इनकी मृत्यु से सबको बहुत ही दुःख हुआ। अपने शरीर का ध्यान रखना आग से बचे रहना और तुम भी वहां के पहनने के गरम कपड़े खरीद लो। दिनों का बोलो मुजफ्फरनगर से दो पार्सल आये हैं। जवाब शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाशवती

22-12-77

बेटी गुडिया खुश रहो।

तुम्हारा mark sheet भेज रहा हूं। वह असली से reduced-किया है। तुम्हारा दाखिला Maryland में ही ठीक होगा। जाने आने में परेशानी ज़ियादा नहीं होगी। दिया जाए तो रखना ही होगी।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

मेरठ सिटी
13/12/1968

SHANTI RAI GUPTA
B.L., PLEADER
MEERUT

प्रिय निधिया गुड़िया तुम्हें हमारा ढेर सारा प्यार

तुम्हारा 26 नवम्बर का व 5 दिसम्बर का दोनों पत्र इकट्ठे एक साथ मिले हैं। कई दिनों से पत्र न आने से बहुत ही चिन्ता हो रही थी। और तुम्हारे नानाजी का तो जब भी पत्र आने में देर हो जाती है तो बड़ी तरह से परेशान हो जाते हैं मैं समझाती हूं कि पत्र तो लिखा होगा लेकिन आने में देर हो गई होगी। लेकिन यही कहते रहते हैं कि बच्चे पत्र लिखने में कभी भी देर नहीं करते हैं कुछ बात तो अवश्य है अब जब तुम्हारे पत्र साथ का चैन मिला है। अब तो केवल पत्रों का ही सहारा है। वैसे तो मिलने को बहुत लम्बा समय लगता है पता नहीं इतना लम्बा समय कैसे बीतेगा। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वहां पर तुम सब ठीक रहोगे तो यह इतना लम्बा समय भी शीघ्र ही बीते। यह जान कर बहुत ही प्रसन्नता हुई कि तुम्हारे टेस्ट वगैरह सब ठीक हो गये हैं। वहां पर तो कालिज वगैरह में भी पूरी झंझट है। सभी बातों का टेस्ट होता है। ईश्वर की दया से वहां की डाक्टरनी भी बहुत ही अच्छी मिल गई थी तुम्हारी आंखों की वजह से बड़ी चिन्ता होती है। यहां पर तो आंख की कोई शिकायत नहीं थी पता नहीं वहां पर की हवा पानी से तुम्हारी आंखों को कुछ नुकसान पहुंचता है तुम अपनी आंखों का ठीक से इलाज कराओ। आंखों की बड़ी चिन्ता है। निधिया तुम [illegible] बहुत ही [illegible] देखना कि इतने तुम्हारी आंखें ठीक हों यहां पर तो दोनों रेडियो खराब पड़े हैं और ट्रांजिस्टर की बैटरी भी खतम हो गई है। ठीक कराऊंगी। इस महीने में यहां पर बहुत शादी वगैरह हो रही हैं वैसे ही सर्दी बहुत हो रही है यह तो तुम को ज्ञात हो गया है कि कौशल की लल्ली ललिता के लड़के की शादी 12 [illegible] को है और शशी की लड़की गुड्डी

को २५ता की है। मैं कल कोमल के घर पर गई थी
गुड्डी बता रही थी कि वहाँ से हमारे पास वालों के पत्र
आये हैं गुड़िया ने तुम्हारी शादी की बधाई को लिखा है
रतन की बहू बतला तो रही थी। कैलाश का पत्र आया
था और इधर उधर दे दिया है। पता नहीं कौन कहती थी या
झूठ बोलती थी। नीता का पत्र यहाँ पर भी आया है अब
उसकी तबियत पहिले से ठीक है उसने लिखा था कि मेरे पत्र लोग
होस्टिल में खोल लेते हैं और गायब भी कर देते हैं। इसी
लिए उसको तुम्हारे पत्र नहीं मिले होंगे। निर्मला फैजाबाद
की शायद अब लखनऊ पहुँच गई होगी। इतवार हैदराबाद
आज दिल्ली में जो एजिटेशन लग रही थी आज २२ता बन्द की
थी। यहाँ पर भी बन्द बस रिक्शा लेकिन आया था बस से
नहीं आया है। बिटिया हम भी २७ नवम्बर को तुम्हें बहुत ही
याद करते रहे कि आज गुड़िया की बर्थ डे है अब आज उसको
उठ भी नहीं दे सकते हैं लेकिन हमारी शुभ कामनाओं का पत्र
तुम्हारी सालगिरह से पहिले मिल गया होगा। बिटिया वहाँ
या तो यहाँ कोटा में बच्चों से परेशानी बहुत ही है जो हमारे
१ है छोटे आराम से पलते थे और अब बन रहे थे अब वहाँ
पर तुम्हें इतना परेशान देख कर बड़ा दुख होता है लेकिन
अब क्या करा जाये अब तो ईश्वर से यही प्रार्थना है कि यह
सब परेशानियाँ शीघ्र ही खत्म हो जायें तुम्हारा बोझा भी
थोड़ा हो दूर होगा बच्चे से जाया करेगी। अब तो बिटिया
१२ता की बहुत ही खुशी लग रही है इस दिन सालभर
पीछे बाद अपने बच्चों की आवाज भी आवाज सुनेंगे। लेकिन
बात फोन पर की उम्मीद बहुत ही कम है। जब अपने घर के
फोन से ही बात करोगी। वैसे तो ईश्वर की कृपा से यहाँ
पर सब ठीक चल रहा है यह देख कर तो बड़ी खुशी होती है।

पश्चात यह हमारी ऐसी हालत हो गयी है।
यहां के पानी से बहुत ही परेशानी है इसलिये अब
तुम बालों में तेल लगाना अच्छा नहीं है जाना को रात में
तेल बालों में लगा लिया करो पता रहे इतना परेशानी को
बाद में तो बालों में [illegible] नहीं होता है। गुड्डी नहाने की
[illegible] जलता को [illegible] हो भी लेकिन उसके कुछ
प्रभाव नहीं दिया है। मेरे पास [illegible] के बारे रहे
भेजी है अब यह देश में ही बोलिन्ग [illegible] लगी है या ही रही
है। अब गुड्डी मिलेगी तो उसको [illegible] के लिये कहूंगा
सबका के हिसाब बंगले में बहुत ही खर्चा कर दिया है सबका
भी तुम्हारे बहुत हो जाते हैं। अनु के [illegible] तो कुछ हुआ
इसको तो तुम्हारे पत्र से ही पता चला है। यह तो बड़ी परेशानी है
यदि [illegible] के हिसाब करते तुमको [illegible] तो मिलता नहीं है
और [illegible] बंगले में खर्चा बहुत होता है।

बिटिया तुम इसको [illegible] भी बहुत रही हो और
हमारा मन भी बहुत लगता है किसी तरह से तुम्हारा [illegible]
और [illegible] इतना खर्चा [illegible] बच्चा
को [illegible] हो जाता है। बस मन मार कर ही बैठना
पड़ता है। बस अब तो यही है आशा है कि तुम यहां के
[illegible] के पत्र शीघ्र ही जाते रहें और [illegible] शीघ्र ही
आवे और यहां पर [illegible] से ही इसको भी [illegible] में
[illegible] है। तुम्हारे पत्र को [illegible] इतना [illegible] होता है
कि [illegible] नहीं [illegible] पत्र पढ़ने पर भी मन नहीं होता
है कि पत्र [illegible] ही जाते रहें। बिटिया तुमको यहां पर
[illegible] में [illegible] तो बहुत ही होगा
लेकिन [illegible] इतना [illegible] से [illegible] बहुत
[illegible] हो जावेगा। तुमको [illegible] है। पत्रोत्तर शीघ्र ही
देना। [illegible] को [illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
१३।१२।६६

प्रिय चिरंजीवी सुपुत्री [illegible] सौभाग्यवती रहो।

कल गुड़िया कौशल व सुशील के पत्र मिले पढ़कर सब समाचार ज्ञात हुए। इससे पहले २७ नवम्बर व ४ दिसम्बर के पत्र संलग्न हो कर मिले हैं पत्र के आने से तुमको पता ही है तुम्हारे बाबूजी बड़े परेशान हो जाते हैं) नाना जी रही विचार मन में आते रहते हैं।

बड़े दुःख के साथ लिख रहा हूँ। कि तुम्हारी बहिन उषा की मृत्यु १० ता० को हो गई है। कल उपेन्द्र ने आकर बतलाया था तब से बहुत ही दुःख हो रहा है। तुमसे भी इतवार से नहीं मिला था। यह कहते हैं कि धुम्मल लाने में नहा रही थी वहीं से पाइप लीक होता था उसकी गैस हीटर पर पड़ गई इसलिये वहीं पर मृत्यु हो गई है पहुंचकर उसकी ससुराल में प्रमोद को फोन आया था बच्चे बिचारे से बच्चे बिना मां के हो गये हैं। बिचारे इतवार से भूखे हुये थे। अब बिचारों का क्या होगा कैसे जीवन बीतेगा। बड़ा ही दुःख हो रहा है। मैं आज उसकी ससुराल जा सकूँगा। तुम ज्यादा परेशान मत होना ईश्वर के आगे किसी की नहीं चलती है जो होनहार है वह टलता नहीं है। आशा है कि तुम ज्यादा दुःखी नहीं होगी तुमको बड़ा दुःख होता है कि वहां पर ऐसे समय में तुम अकेली हो कोई भी समझाने वाला नहीं है। वैसे तुम होशियार समझदार हो अब तो सिवाय धीरज बांधने के कुछ चारा नहीं है वैसे तुमको भी प्रमोद बाबू से पता तो चल ही गया होगा

मैंने तुमको २३ नवम्बर को पत्र लिखा था कि लाला गोपाल जी की बहू की २२ नवम्बर को मृत्यु हो गई है ऐसा लगता है कि वह पत्र ४ दिसम्बर तक तुमको नहीं मिला है क्योंकि यदि पत्र मिल जाता तो तुम लोग लिखते ही। लाला जी की मृत्यु से सब घर वालों को बहुत ही दुःख है

पूरे घर को संभाल रखा था मधुला ही घर चलाते थे होशियार थी अब सावित्री के लड़के ने शादी की लड़की भी शादी दिखला दी है ही है आप तो सब होंगे ही लेकिन वह खुशी नहीं रही। ईश्वर ने आगे लिखा जो नहीं चलती है तुम्हें तो वहां पर लगता है आप आशीष ने बच्चे ने होने का पत्र लिखा है वह तुम्हारे पत्र आने से पहिले ही संसार से चल बसी।

तुम अपना ख्याल रखना। तुम्हारा बच्चे जैसा देखे ही प्रेमलता से बढ़ जाता है। आशा है कि तुम ठीक रहोगी इतनी दूर पर हैं अजय बाबू। वहां पर आना भी बड़ा कठिन है और अब आकर देखना भी क्या है। संसार सच्चा ही है

अब तो तो बहार पहले जोता चले गया लेकिन तुम अकेली ही रहोगी।

रीता को बाकी कुछ दिन के लिये पेटे पालकी है उसे पर लगा रहता है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा

प्रकाशवती

मेरठ सिटी
१३।११।८६

प्रिय बेटे सुशील सहित सुमन चिरंजीव रहो

तुम्हारा इन्दु का व सुधिया शैल का २७ ता० का दोनो पत्र कल मिले बहुत दिनों से पत्र न आने से बड़ी चिन्ता लगी थी। बेटे पत्र जल्दी २ ही लिखते रहा करो। वहां पर बहुत ही ठंड पड़ती है खूब अच्छी तरह से कपड़े पहना। सुमन का आया था। शैल से पता चला कि तुम कार चलाना सीख रहे हो बेटा खूब अच्छी तरह से सीख कर तभी चलाना। शुरू करना कार जब सीख लोगे कार खरीद कर पहिले कार जब चलाओगे मेरा ने आप का प्रसाद अवश्य देगा तो चढ़ा देना यदि मन्दिर नहीं तो किसी गरीब को देदेना। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि कार तुमको फल दे। १२ ता० को फोन पर बातें करने की बड़ी खुशी लग रही है। रतन की बहू कहती थी कि सुशील का पत्र आया है और इसने उत्तर दे दिया है पता नहीं क्या बात ठीक है। तुमको पता चल गया होगा कि २२ नवम्बर को लाला की मृत्यु हो गई है। शायद तुमको यह पत्र मिला नहीं है क्योंकि कल को पत्र आया है उत्तर अवश्य लिखना। रतन की बहू लाला की तेरहवीं पर आये थे लालाजी की तेरहवीं की इनकी मृत्यु से सबको बहुत ही दुख हुआ। अपने शरीर का ध्यान रखना आगे से बचे रहना और तुम भी वहां के पहनावे के कपड़े खरीद लो। दिनों को बोनी मुज़फ्फर नगर से पैदा हुआ है। मकान शीघ्र ही देना। तुम्हारी अभागी

प्रकाशवती

तुम्हारे जन्मदिन के अवसर पर है हमारे दोनों की   मेरठ सिटी
तुमको शुभ कामनाये तुम्हारा २३वां वर्ष भाग्यशाली १३।१२।९८
हो।

प्रिय मेरे शैल तुमको हमारा ढेर सा प्यार

तुम्हारे दोनों पत्र एक साथ ही कल दिन एक २८ वां को
मिला है और दूसरा ५ ता० को लिखा हुआ प्रत्येक बार पत्र
तुम्हारे अगैरह के दिन पत्र ना आने से बड़ी चिन्ता लगी थी पता
नहीं क्यों पत्र कहाँ पर रुक जाते हैं २० ता० का पत्र भी कल ही मिला
मेरा मता पत्र जल्दी ही लिखा करो तुम्हारे मामा जी तो यूँ ही बहुत
परेशान हो जाते हैं। इतनी सहन शक्ति कम हो जाती है मेरे मत्थे पर भी पड़ी
रहती है कि बच्चे इतनी दूर रहते हैं बस परेशानी है
इसलिये अपना जल्दी ही लिख दिया करो लिखते तो जल्दी ही हो लेकिन
पोस्ट वाले देर से जाते हैं। मेरा तुमको इतना ही लिखना रहता है तो
कि रोना मत अब तुम क्यों रोते हो। तुम्हारा पत्र पढ़ कर अबकी
बार तो मुझको बहुत ही हंसी आई है मुझको यह नहीं पता था कि
मेरा बेटा इतना समझदार हो गया है जो हमको भी समझाता
रहता है तुम पत्र बहुत अच्छा लिखते हो ऐसा मन होता है कि
पत्र बार २ पढ़ती ही रहूं। तुम क्या रोते हो तुम तो हमको ही
समझाते रहते थे। जाने से पहिले हमको समझाते रहे और फिर
जाते समय फिर तुम रोये परेशान हुये। फिर वह समय तो ऐसा ही था
मन को रोकना बड़ा कठिन था। तुम्हारी फोटो देखकर तो
बड़ी हंसी आई लेकिन मेरा बेटा तो ऐसा नहीं है।
पेट देखा मोटा सा २ पेट हो रहा अपने भी ठीक नहीं
लग रहा होता है तुम्हारी असली फोटो देख लेवें हैं
हम तो यहाँ पर खुश रहेंगे ही लेकिन तुम सब भी
वहाँ पर खुश रहना। हम भी तभी खुश रहेंगे जब

तुम सब वहां पर ठीक रहोगे। हम तो अपने स्वास्थ्य का ख्याल पूरी तरह से रख रहे हैं क्योंकि तुम्हारे आने पर तो ठीक रहना ही है जिससे कि हम तुम सबको लेकर सब अम्बाजी की जोत पर जाने का बड़ा चाव लग रहा है। तुम नीचे वालों के मकान के बारे में पत्र में कुछ मत लिखना। उन्होंने एक रहट मकान के बारे में कुछ नहीं कहा है अच्छा है ऐसा ही चलता रहे।

पुष्पाकर बार बारी अम्माजी भी तुम्हारा पत्र सुनकर खूब हंसी। तुम्हारी शरारत तो हमेशा याद रहेगी। बेटे यह तो ठीक समझाएं लेकिन त्योहारों पर बिना बच्चों के क्या अच्छा लगता है लेकिन क्या करते थे ऐसी रौनक शादी भी जब के बाद किसी तरह से चुप रूप चलना होता है।

एक एक दिन मैं सोच जाएगा तो तुम सबको बाल की पेजोरी से बिल्कुल कितना अच्छा लगता था एक तुम्हारे जैसे बना कर खिलाऊं क्योंकि तुम यहां थे तो मैं बनाती नहीं थी एक दिन को याद होता है अब तो मिलने के दिन नजदीक होते जा रहे हैं तीन साल के करीब हो रहे हैं ईश्वर करेंगे यह दिन भी शीघ्र ही बीतेंगे। मार फिर सब एक साथ रहेंगे। अब ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वहां पर तुम सब ठीक रहो और यहां पर हम सब ठीक रहें। अपना अपने का ध्यान रखना। वहां पर बर्फ जमी हुई देखकर तो बड़ा अच्छा लगता होगा। तुम थोड़ी सी ही उम्र में सब कुछ देख लोगे। यह भी एक प्रकार तुम्हारा सौभाग्य ही है। अच्छा है यह प्रेम सदैव बना रहे पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी माताजी
प्रकाश वती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

ओं   मेरठ

प्रिय बहू रानी सौभाग्यवती रहो

मैं यहाँ ८ ता. को भाई जी मिलने को लिये
यहाँ तुम सबों को न देख कर घर पर बड़ी
बेचैनी सी रहा होता है तुम्हारे कमरे में सोती हूँ
तब तुम्हारी बहुत ही याद आती रहती है
मेरे आने पर तुम सबों के पत्र आने पर तुम सबों
की कुशल समाचार मालूम होकर प्रसन्नता हुई
बच्चों के पत्र पढ़ कर बहुत खुशी हुई
यह बहुत खुशी है तुम जगह की सैर कर रही हो
इसी तरह से मेरे पास मुजफ्फरनगर अपनी
कुशल भेजती रहा करोगी तुम्हारी कुशल व
पत्र मिलने से हमारी तरफ से बेफिकरी रहेगी
आने में बहुत कम दिन रहा है मुश्किल से
पर [illegible] लिखा जाता है
४-५ दिन में मुजफ्फरनगर चली जाऊंगी
वहाँ पत्र पता डाला करियेगा
चि. सुशील को आशीर्वाद
चिरंजीव बच्चों को प्यार   आशा देवी

13.12.77

बेटे प्रिय मा/सुरेश शरद।।

तुम्हारे 29 नवम्बर और 5-12.77 के दोनों पत्र एक साथ कल शाम मिले हैं। 29-11-77 को हम तुम्हारी याद करते रहे Birth day की याद में। तुम्हारी प्रांत की तकलीफ से चिन्ता है। लिखना क्या हाल है उसका। वहां इतना ठण्ड है इसका यहां ख्याल नहीं था नहीं तो यहां से ही इन्तजाम करते और gloves वगैरा को कर के जाते तुम लोग। भारी कपड़े भी यहां छोड़ दिये थे तुमने। दुकानों को चीजा भेजे हैं इस लिफाफे से। शायद

पहुंच जावें। अब तो हमारी
चिट्ठियां बहुत देर में आता
जाती है। हम लोग हफ्ते में
दो बार जरूर लिखते हैं। ना
जाने रास्ते में कहां रह जाती
हैं। अब की बार तुम लोगों
की लिखी हुई दो मिली। पहली
दिसम्बर के बाद 12.12.77
को पत्र मिला। हम को बहुत
चिन्ता थी क्या बात है।

हम यहां ठीक हैं अभी
तो। तुम्हारी तरफ से बहुत
चिन्ता हो जाती है।

तुम्हारा बाबा
[signature]

SHANTI RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

13.12.77

My dear Sushil

I received your letter of 6.12.77 last evening along with two letters from our children. The two letters of 28th Nov. & 6th Dec. reached together.

Yes, we shall wait for the call at 6 P.M on 18th Dec.

I have received the notice in your name regarding the Premium for Insurance due on 24th Dec. I shall pay the same in time. You need not worry.

Mr. Gupta had sent certain document per Reg. post to you about the education of children

The papers were the
certificates from the
three institutions in
which Indira has studied.
I am not sure if they
reached you. I had asked
Mr Gupta to send the papers
to you in place of the University
there as I had learnt that
Indira had been admitted &
the big expences in sending
the papers separately to the
institutions would be costly.
I had sent stamps worth Rs 5/-
for postage to you but it seems
they have not reached yet.

with love
yours affly

[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

13.12.77

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारे पत्र मिले। तुम्हारी तस्वीर नाम के साथ बहुत अच्छी थी तुम ने लिखा था हंसना मत पर हंसी आ ही गई। यहां तुम्हारे जाने के बाद मकान में वैसे ही है जैसा तुम ने छोड़ा था। बस रसोई में गैस वहां से हटा कर रसोई के दरवाजे के पास रखा है। तुम्हारी अम्मा ने तुम्हारी कमरों के बीच की अलमारी नीचे की हटादी दरवाजा बीच का खुला रखने को। इस से मुझे बहुत दुख हुआ मैं नहीं चाहता था कि तुम्हारे पीछे

तुम्हारी ~~अ~~ अलमारी मे कुछ भी
तबदीली हो फिर खैर
मैं ने उस अलमारी के ऊपर
का परदा जिस से ऊपर
का खाना बनाया हुवा
है हटाने नहीं दिया वह
वैसा ही है। उस के नीचे
से आते जाते हैं उस पर
तुम्हारी कुछ चीजें रखी हैं।
दोनो रेडियो खराब पड़े
हैं। ट्रांजिस्टर भी बेकार
हो रहा है क्योंकि उस की
बैटरी खतम है। हम कुछ
समने मैं जी नहीं लगता पर
तुम लोगों के आने पर ही
मन लगेगा।

तुम्हारे ~~बाबा~~
[illegible]

एक फोटो भेजा है

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

15.12.77

प्रिय गुड़िया

तुम्हारा पत्र कल मिला।

तुम को Indira Gandhi और Sanjay के बारे में क्या हाल रहा है यह जानने की इच्छा है। मैं स्वयं कुछ नहीं कह सकता हूँ। मैं कल के Hindustan Times की cutting भेजता हूँ इस से कुछ मालूम हो जावेगा यह क्या 2 हुआ है।

तुम्हारा दाखला Maryland में हो जावे तो बहुत ठीक होगा। यह बहुत जल्दी में लिखा है

तुम्हारा बाबा

D R Gupta

मेरठ सिटी
२२।१२।१९७६

प्रिय चिरंजीव सुशील सौभाग्यवती प्रिये

कई दिनों से तुम लोगों का पत्र ना आने से चिन्ता है १४ता० को तुम लोगों ने फोन किया था। तब से कोई पत्र नहीं आया है। हां आठ तार पिछले बाद अपने चारों बच्चों की फोन पर आवाज सुनकर बड़ा ही अच्छा लगा सबकी आवाज से खुश हो गये हैं। लेकिन तुमको तो ठीक से आवाज भी नहीं सुनाई दी है और फोन का कुछ अपना ही था। ऐसा कि सुशील ने लिखा था कि अपने शाम के छः बजे हमारा फोन १२ता० को मिलेगा। सुशील ने तो १२ता० को हम फोन के छः बजे से ही स्टेशन पर चले गये थे आठ बजे तक जब फोन नहीं आया तो हम घर पर आ गये। तुम्हारे बाबूजी बहुत ही परेशान थे कि जब इतने दिनों से सुशील लिख रहा था तो पता नहीं क्यों नहीं फोन आए है पता नहीं क्या बात है लेकिन रात को फोन २ बजे इनको यह बुलाने आये कि आपका फोन आया है हम दोनों तभी गये और सबकी ही आवाज सुनकर बड़ा ही अच्छा लगा यदि फोन का साथ तो हमको बड़ी परेशानी होती। ऐसे ईश्वर की दया रही कि हम दोनों बात करने के लिये उठ रहे थे तो बात हम लोग अन्दर चले गये थे और यह सब पाइये थे उधर बादल से हो रहे थे इस लिये आठ बजे का रहे थे तभी फोनवाले ने लड़के से ऐसी खबर भेजी कि आपका फोन आया है यदि सोते होते तो पता नहीं ऐसी आवाज भी नहीं सुन पाते फिर भी आवाज ही सुन पाये है

इतनी देर से फोन मिला होगा यह अच्छा हुआ तुमने
जो फोन न किया नहीं तो बहुत ही परेशानी होती और
तुम्हारी कुशल की । फिर गर तुम लोग भी सारे दिन
परेशान होगे । मैं १२ता को ऊषा को अस्पताल गई थी [illegible]
बहुत ही दुबली हो रही थी । फिर २१ता को उनके यहां फोन
था उनके तुम्हारा बाबूजी गये थे क्योंकि २१ता को मैं
शशी के घर पर गई थी गुड्डी से जो लगा रही थी
बाहर है तो मोहल्ले में गुड्डी के स्कूल गये थे
तो थोड़ी देर बाद सुनील बाहर अपने स्कूल पर
लगा था वहां से पैर फिसल कर नीचे सड़क पर गिरा
सुनील को नई ऊषा को अन्दर ले गये और
डॉक्टर [illegible] के पास गये तो उनको टांग के पास की
हड्डी टूट गई है उनका ऑपरेशन होगा तब हड्डी ठीक
होगी पता नहीं अस्पताल में तो पाँच या कितने दिन
लग जायें [illegible] तो वैसे ही बोला है तो [illegible]
उनको या सब और यह परेशानी होगी है शायद
[illegible] ने [illegible] नहीं रख दी है । मामा जी बड़े
परेशान है । मेरा १२ता का पत्र मिला हुआ तुमको
मिल गया होगा ऊषा की चल न बहुत ही दुख हुआ
बच्चे तो यहाँ खूब हैं उसको क्या पता है बाद में जो
होने पर पता चलेगा । इधर में तुम्हारे बाबूजी गये थे

यहाँ से नरेन्द्र भी भी इनके साथ ही पढ़ पर आगये
थे नए नवलने थे कि हमारे पास गुड्डा का पत्र
आया है उसने उन का पूरा समाचार लिखा है फिर
पड़ी है। बिचारे अपने बच्चो से नफरत पलगये है
अजय तो वो बच्चा भी है ही नहीं।

मैं इस समय जल्दी में पत्र लिख रही हूँ
गुड्डा ठीक तो फिर पत्र लिखूँगी। तुम पत्र जल्दी
ही लिखते रहो क्यो पत्र का आने से बहुत ही
चिन्ता हो जाती है।

लालजी ने अपनी ठीक हो गए है शादी पे
तुम्हारी याद आती है।

यहाँ पर सब ठीक हैं तुम सब की कुशल
ईश्वर से सदैव मनाती रहती हूँ।

फिर ज़ुकाम व गुड्डा ठीक तो आप
भेजना और व बहुत सा प्यार। इसने हरिश्चन्द्र
भेजा है पता नहीं मिलेगा भी।

तुम्हारी तानपुरा ठीक होगा अपना सब
गाने का ध्यान रखना।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तु[illegible]री अम्मा
[illegible]जी

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

22.12.77

बेटा शैलू। खुश रहो

बहुत दिन बाद तुम्हारी आवाज सुनाई दी। हम तो आवाज को भी तरस जाते। फिर ज़रा देर को सुन ली।

Mr. R.S. Gupta कभी २ आ जाते हैं। आप तो काफी दिन से नहीं मिले। हम भी कभी शादी कभी मौत कभी किसी मौत की वजह से नहीं जा सके।

तुम्हारी रिपोर्ट कार्ड देखवा ली का ही है।

3-2-78 को तुम्हारा Birthday है। उस के लिये प्रेम का प्यार तो दूर से

ही खाना बंधवा देता
हूं। उस दिन ही जायेगा
University join करेगा।
पूछना होगा कितने दिन रहेगा।
कुछ लोग मिल जाते
हैं तो शान्ति मिल जाती
है। मन की बात [illegible]
से कोई पत्र नहीं मिला।
बाबा
तुम्हारा
[illegible]

यह जानकर तो प्रसन्नता हुई कि तुम्हारा दाखिला वहीं
पास में ही हो गया है यह बहुत ही अच्छा हुआ है
इन्दौर में किराया भी होता और समय भी बहुत
लगता। अब तीन [illegible] [illegible] लगोगे। किराया
तुम्हारे यहाँ बहुत महंगा है इसलिये तुमको कुछ
[illegible] भी पड़ेगा [illegible] किराया [illegible] करोगे और
पढ़ोगे। कब जाया करोगे वहां पर जाकर तुम्हारी
तबियत ठीक भी हुई है अब तो तुम्हारे [illegible] में
दर्द नहीं होता है। हमने नये वर्ष की तुमको
शुभ कामनाओं का पत्र लिखा है मिल गया होगा
ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको मिला नया वर्ष
मंगल मय हो। तुम सबों की याद तो बहुत ही आती
रहती है रोज ही याद करते रहते हैं। पता नहीं
अब कितने दिन साल में आओगे। यह सोच
कर तो प्रसन्नता होती है वहां पर तुम खूब [illegible]
हो जाओगे। अपने खाने पीने का ध्यान रखना
तुम होशियार हो बेकार खर्चा ज्यादा करो। [illegible] की
ओर से बड़ी चिन्ता होती है आशा है कि वह अब
ठीक होगी तुम उसका ध्यान रखना खाना पीना
समय से करा देना। [illegible] से
पत्र आया था चित्रा २१ता. को जा रही है २२ता.
को दिनेश लेने जायेंगे। यहां पर भी तुम सबों
को याद करते हैं। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।
मेरे पास [illegible] ने फोटो नहीं
भेजी हैं [illegible] गई होगी

तुम्हारी शुभकांक्षी
प्रकाश [illegible]

ॐ चि० ललिता सपेन्द्र सदैव सौभाग्यवती रहो

बेटे तुम्हारा एक पत्र ऊषा को प्रभुनाथ

होकर लिखा है वह तुम्हें मिल गया होगा।

बहिन का प्रभाव तो होता ही है लेकिन प्रभु के
आगे किसी का बस नहीं चलता है तुम लोग परेशान
न हो यदि तबियत खराब हो गई तो परेशानी होगी और
ऊषा के पत्र से पता चला है कि तुम्हारी तबियत खराब
हो गई थी ब्लड प्रेशर बढ़ गया था और आँख भी लाल
हो गई थी उससे तुम्हारी ओर से बहुत चिन्ता लगी
है यहाँ पर भाभी ब्लड प्रेशर बढ़ता था और रवि से
लो हो जाता था तो तुम्हारे बाबूजी डाक्टर रवि दे देते थे
अब यदि ब्लड प्रेशर ज्यादा हो तो डाक्टर को अवश्य ही
दिखला लेना। यहाँ पर तो डाक्टरों को दिखलाना
भी बड़ा खर्चीला है। और डाक्टर भी दूर रहते होंगे
खर्चा भी होता होगा। यहाँ पर भी रहते तो तुम्हारा
दिल घबराता होगा। लेकिन पता नहीं तुम्हारा मकान
से कितनी दूर पर होगा ये बच्चों को रखकर ऊषा को
साथ ले पास गई थी बच्चे तो खूब रहते खेलते पढ़ते
खुश रहे थे पता नहीं उन बिचारों को पहिले से ही ईश्वर
ने इतना सदमा क्यों दे दिया भी ऊषा के बच्चों की ही चिन्ता
भी अब पता नहीं बिचारे बच्चों का क्या होगा। भाभी यहाँ से
रविवार को चली गई हैं। भाभी का पत्र आया है उन्होंने
लिखा है कि सपेन्द्र का पत्र मेरे पास आया है। इसलिए गोविन्द
रविवार को लिखा हुआ रखता नौकरी है यहाँ पर इधर ने नौकर
न मिलता है। अब भी गैस में होशियारी से काम करना। क्योंकि

नये वर्ष की ढेरों बधाई — २४।१२।७६

दोनों को शुभ कामनायें

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

ईश्वर से प्रार्थना है कि सुशील सोना तुम्हारे व शैल के लिए नया वर्ष मंगल कारी हो।

हमारा एक पत्र २२ता० को तुमको लिखा है आशा है कि मिल गया होगा। [illegible] के बाद [illegible] से १८ ता० आई और अपने प्यारे बच्चों को [illegible] सुनी है लेकिन कुछ [illegible] नहीं [illegible] बहुत ही [illegible] होते हैं और [illegible] को [illegible] मिली हम शाम के [illegible] जैसे ही फोन पर [illegible] बैठ गये थे सारे समय तक जब फोन नहीं आया तो घबरा गये थे बड़ी चिन्ता थी कि पता नहीं तुम लोगों ने फोन क्यों नहीं किया है लेकिन रात के थोड़े दो बजे तुम्हारा फोन आया हम दोनों [illegible] बहुत ही प्रसन्नता हुई उनमें बच्चों ने [illegible] कर ली। तुम्हारा बहुत दिन से पत्र ना आने से चिन्ता लगी है [illegible] की [illegible] के सम्बन्ध में हमने २२ता० को [illegible] कि तुम्हारा पत्र नहीं था लिखा था कि [illegible] मृत्यु हुई है उनकी मृत्यु से बहुत ही दुख है। तुम्हारे [illegible] में २५ दिसम्बर [illegible] मिल गये हैं और [illegible] होगी। आजकल यहाँ पर जाड़ा खूब पड़ रहा था यहाँ पर भी बहुत ही [illegible]। अपना खूब ध्यान रखना। [illegible] २२ता० [illegible] यहाँ पर आया था कुछ चले गया अब २८ता० को [illegible] की गुड्डी की शादी की वजह से [illegible] शादी की [illegible] हो रही है लेकिन २१ता० को [illegible] गिर गया है। और उनके [illegible] हड्डी टूट गई है [illegible] होस्पिटल में हैं पता नहीं महीना दो महीना [illegible] इसकी वजह से [illegible] परेशान हैं। [illegible] मैंने एक पत्र २२ता० [illegible] को लिखा है। हमारी [illegible] २८ दिसम्बर को [illegible] हो गई थी उसी दिन तुम्हारे नानाजी [illegible] लेकिन अभी तक नहीं मिला है सुनते हैं कि [illegible] में मिल रही है। [illegible] वाली [illegible] १८ता० को [illegible] चली गई हैं। शायद [illegible] शादी में [illegible] आयेगा। शादी के मौके पर तुम्हारी बड़ी याद आ रही है। बिटिया पत्र जल्दी ही लिखती रहा करो। सुशील सोना को हमारा आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार — तुमको इतवार को तुम्हारा जन्म दिन है हम दोनों की हमारी जन्म दिन की शुभ कामनायें ईश्वर से प्रार्थना है कि यह साल तुमको मंगल कारी हो और नया वर्ष भी मंगल कारी हो हमारी दोनों की तुम सबको नये वर्ष की शुभ कामनायें। तुम्हारी [illegible] होगी बेटे [illegible] से १८ता० आई लेकिन मैं तो तुम्हारा [illegible] नहीं कर सकी हूँ। अब तो अपने बच्चों को [illegible] गये हैं पता नहीं वह दिन कब आयेगा जब हम अपने प्यारे बच्चों को देखेंगे [illegible] गुड्डी की आदत [illegible] जितने पास तुम [illegible] जाते थे वह [illegible] कि [illegible] उतने पास नहीं आता है। हमारे पास बहुत दिनों से तुम्हारा कोई पत्र न आने से चिन्ता है रोज पत्र की इंतजार [illegible] हो जाते हैं। [illegible] रोज ही [illegible] रहता है [illegible] २५ दिसम्बर की छुट्टी है। आज कल तो यहाँ पर [illegible] की वजह से [illegible] होगा। [illegible] में भी [illegible] रहता है। तुम अपना [illegible] ध्यान रखना। तुम्हारा [illegible] होगा। तुम्हारे नानाजी की तुम सबको आशीर्वाद कहा है। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

Meerut
26.12.77

My dear Sushil

Mr. Gupta says that you have not replied to any of his letters. He has however, received a Greeting Card.

Sukumar came here for a few hours on 22.12.77 and may come [illegible] for the marriage of Shashi's daughter.

With good wishes for the new year to all

Yours affly
[illegible]

बेटा शैलू। खुश रहो

तुम्हारी हालत है, बोलना, खाना, समझना ... [illegible] देख कर मजा आता है। तेरा [illegible] [illegible] बड़ी आशा है।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

बेटा [illegible]

Prospectus [illegible] नहीं मिला है। गुप्ता जी कहते हैं। उसके syllabus [illegible] [illegible] [illegible] हैं। [illegible] [illegible] में [illegible]।

तुम्हारा [illegible]
[illegible]

24.12.77

बेटी गुडिया खुश रहो

तुम्हारे २१ ता: और २४ ता० के दोनों पत्र और Greeting card सब एक साथ आज ही मिले हैं। मवाने तुम्हारा २१ ता० का पत्र चार दिन हवे मिल गया था। Greeting card गुप्ता जी को दो दिन पहले मिल गया था। पता नहीं हमारी डाक में क्यों देर होती है। उषा को बहुत दर्द है। उस को बारे में मुझ को तो बहुत शक है। किसी जगह कुछ किसी जगह कुछ वह बताते हैं। जो भी हवा बहुत दर्द की बात है। बच्चे यहां है

अपने दादी बाबा के पास।
वह कुछ नहीं कहते। इस
तरह रहते हैं जैसे कुछ
हुवा ही नहीं है। उन से
बात करते हैं और पूछते
हैं कि तुम्हें मालूम है क्या
होगया तो कहदेते हैं हां हमें
मालूम है अब तो पापा
बाजार में रवाना होते होंगे।
गाड़ी से मालूम हुवा
था कि उन्होंने फोटो तुम्हें
और अलबम को भेजदिया था।
क्यों नहीं पहुंचा पता नहीं।
शादी की लड़की का
कल शादी
होगई है।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Marksheet मैंने
भेजदी है

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

24.12.77

My dear Sachit,

I have posted a letter this morning. We have received your letters of 11th & 15th and also Greeting Card all together this afternoon.

I sorry to know that Saroj is ill. Naturally she must be feeling the death of Usha and particularly under the mysterious circumstances.

I have deposited your Insurance Premium yesterday.

At this moment I am alone in the house only your mother has gone

to Birshal's place as the
marriage of Shastri's daughter
is tomorrow. Ratan, his wife
and his daughters are
with us as they have come
for the ceremony.

Aditya s/o Birshal fell
down from the platform
on 21st December and has
sustained very bad fracture
near the hip. He is in Dr.
S.P. Gupta's nursing home
& will take at least
two months to be discharged
and even then we don't
know whether he would be
able to walk properly.

With Love
Yours affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

24.12.77

बेटा शैलू / खुश रहो

आज एक पत्र दुबई तुम लोगों को लिखने के बाद तुम्हारे दो पत्र और Greeting Card मिले हैं। हम यहां से हफ्ते में दो बार तो जरूर ही लिखते हैं मालूम नहीं डाक को क्या रुकावट है।

मकान के बारे में तुम्हारे सामने ही जो बात हुई थी उस के बाद कुछ नहीं हुई। बिल्कुल ठीक चल रहा है सुनो। इन लोगों की मकान की बातें हो रही हैं चार हिस्सों में। तुम पत्र में मकान को कुछ मत लिखो कारण

हो सकता है यह लोग पहले
कहें कि डाक में गलती भी
हो सकती है।

हम तो यहां ठीक ही
हैं तुम लोगों का लिखना
हर समय रहती है।

मैं ने कुछ दिन पहले
एक अखबार की cuttings
गुड़िया के लिये भेजी थी
पता नहीं मिली हैं या नहीं।

अपना हाल लिखते रहना।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
LL.B. PLEADER

मेरठ सिटी
२०।१२।६८

प्रिय निधिया, गुड़िया, तुमको ढेर सा बहुत सा प्यार

निधिया तुम्हारे दोनों पत्र २२ व २५ ता० के लिखे हुवे एक साथ ही मिले पत्र आने में ज़रा सी भी देर हो जाती है तो बहुत ही चिन्ता हो जाती है इसका तुम्हारे दोनों पत्र २८ ता को मिले २७ ता० को गुड्डी की छुट्टी थी मैं तुरन्त से खाना खाके बैठी तो तुम्हारे बाबाजी ने बतलाया कि बच्चों के पत्र आये हैं पढ़ो तो देखकर बहुत ही प्रसन्नता हुई और मन होता था कि बार बार पत्र पढ़ें। रंजू गुड्डी की शादी ठीक प्रकार से हो गई है। शादी में उधार देहली से ज्यादा था और रतन लल्ला व सीरी भाई के उधार का तार तुरन्त ही चला गया है और रतन बाबू आज गाजियाबाद गये हैं शादी के सामान के इधर घर पर ही आ गये थे

आशा की तबियत के बारे में बड़ी चिन्ता लगी है। इसको दुख तो बहुत ही अपनी बहिन का हुआ होगा अब लिखना लोगों को तकलीफ देते हैं। उमा का इम्तहान भी बहुत ही अच्छा हुआ बिचारी घर पर इसको में एक बार तो अवश्य ही आ जाना था मैं तो २२ता० से उमा के साथ के पास गई थी बच्चे अभी छोटे हैं अभी क्या समझते हैं कि अपनी माँ का कितना प्यार होता है बड़े होने पर इनको ध्यान आएगा। अभी तो मस्त हैं खूब खेलते रहते हैं उनकी दादी कहती थी कि मैं तो ज़रा भी नहीं रो पे कहती थी कि कैसे बच्चों से पूछा कि तुमको पता है सारे घर में क्या हो गया तो गुड्डू कहने लगा हमको सब पता है और छुटिया कहने लगी कि अब तो हम पापा होस्टल में खाना खाया करेंगे। अभी तो कुछ कुछ पता नहीं है बाद में बड़े होने पर पता चलेगा। लाला बिचारी बड़ी दुखी हो रही थी। वहाँ जाने पर बिचारी उमा ने कुछ भी फिर जवाब नहीं दिया। बिचारी शुभ रही। चक्कर शादी में

हो रही ग्रेजुएशन में ही सब खर्च हो गये होंगे
गए थे जब इन्द्रा ने उषा के लिये सिल्क की साड़ी लिया
कर दी थी किशोर ने पता नहीं पहनी थी है। वैसे यह
सुनते हैं कि वो पीहर से पहिले उषा ने पाये थे उषा के नाम से
१ लाख का बीमा रुपया था और १२००) उषा ने अपने बच्चों
को देते थे और बच्चों को ४ मास के लिये स्वेटर जोड़ा
देते थे बाकी खा रहे थे। किशोर ने उसको फोन नहीं
किया सोचकर रुपयों को यहां का कल में आये थे तब घर
पर भी आये थे तुम्हारे बाबाजी की इस ... में गये थे वे
था या नहीं किसी भी लोगों रुपया को पूछा तो ज़ाहिर ना
होकर भी ये यहाँ पर गये थे॥ बाकी जोड़ा के बारे में बाहर
के ये पत्र गल्ती नहीं लिख सकी हूँ। तुम्हारे बाबाजी ने
पत्र लिख दिया है पर तुमको भेज गया होगा। लिखिया
तुम सिर्फ पल भर को कोई पत्र गल्ती नहीं
लिख पाती हूँ। तुम्हारे बाबाजी तो पत्र लिख ही देते हैं
पेट तबियत खराब तो हो गई थी लेकिन अब बिल्कुल
ठीक है पता नहीं इन्होंने राज को भी क्या लिख दिया
और उसको झूठ तुमको लिख का परेशान करके बेकार क्या
रखे तुमको पता चलता वाजिब खाना भी हो जाता वैसे
न होती तो बीमारी को क्या लिखे तुम परेशान हो जाओ
लिखिया इसके फोन के बाद में एक पत्र तुमको लिखा है
मिल गया होगा। अशोक जी ने तो बहुत इस तरह खुश रहता
था लेकिन फोन पर बात करके मन गया तो अच्छा ही
सुन पाते हैं जैसे अपने बच्चों की तरह पढ़ने के बाद प्यार
की आवाज़ आती हो तो ... लगी है। अब तो ... २
फोन पर बातें ... हो जाएगी रात को समय था
फिर भी आवाज़ ... ही थी।

मेरठ सिटी
२०।१२।८६

प्रिय बेटे सुशील सरिता प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा १५ता० का लिखा हुआ पत्र हमको २४ ता० को मिल गया है उसको पढ़ कर हम लोगों बहुत ही दुःख हुआ है। बिचारी छोटी सी उम्र में ही अपने छोटे २ बच्चों को छोड़ कर चली गई है। तीन महीने से बच्चों से अलग हो गई थी। तुम्हें तो फोन से सभी पता चल गया था लेकिन हुआ इतनी होनी सबको जाना भी जरूर ही था। सरोज की तबियत खराब होने से चिन्ता है आशा है कि वह जल्द ठीक होगी। तुमको उसकी ओर से यही डर था कि कहीं तबियत खराब ना हो जाये। तुम हमको हमारे सरोज ठीक नहीं दिखा। वैसे तो यहां पर लोग का ब्लड प्रेशर ठीक ही चल रहा था लेकिन छोटी बहिन चली जाने का दुःख तो होता ही है। तुम लोग भी अपना ब्लड प्रेशर टेस्ट कराते रहा करो ऐसे आगे में भी ऐसा हो जायेगा यह तो बहुत ही बुरा हुआ।

यह तुमने बहुत ही अच्छा काम गुड़िया को दाखिला पाल्म में ही करा दिया है वहां भी सबके दाखिले का रुपये के १ हजार लिए गये होंगे। अब बिचारी को ७ दिन बाद ही जाना पड़ेगा। नयी पढ़ाई का लिखा चलेगा। १८ता० के फोन का इंतजार रात ९ बजे तक बैठे रहे फिर साढ़े १० बजे यहां से आये तब तक तुम्हारा फोन नहीं आया था बहुत ही निराश रहे

और तुम्हारे बाबूजी को चिन्ता रहती है पर वह तो

पर ज्यादा हुआ रात को पौने 2 बजे तुम्हारा

फोन आया इसने मन खुश होने आपसे फोन तो

गये। बाबू ने चिन्ता दूर हुई। लेकिन फोन

पे उस को बात नहीं कर सके बस गया तीन

पहिले बाद आप हो जयपुर चाचे बच्चो को देखना

भर रहते हैं ठीक गये काफी तो भरी है।

तुम अपना पूरा ध्यान रखना अब तुम बाहर

के रहे हो। इसने तुम्हारे चाचा को नये बच्चे को

भी दिखा गया है। हमारी भी इच्छा है जानना

है कि तुम चाचा को नया बच्चे आगम लाओ हो हमारी

शुभकामनाएं हैं। मेरी तबियत ठीक है थोड़ी सी

थकावट लगती है तुम्हारे बाबा में परेशान रहते हैं

पटना जाने को रहे हैं। आजकल वहां पर बहोत ठंड

है और आज पानी होना है। शशी ने शादी बाद

बनारस से हो गयी है लेकिन 21 दिसम्बर को जोधपुर

विकास बहार स्कूटर पर जा रहा था उसका पैर फिसल

गया और सड़क पर गिरा। गिरना उसको गोडे से पावली

हड्डी टूट गई है विकास उसी दिन से सुरेन्द्र डाक्टर

डाक्टर के हॉस्पिटल में है विकास को पता नहीं फिर

या से पहिले ठीक जग जायेंगे सब को परेशान है

तुम गाड़ी का ध्यान रखना। तुम्हारे बाबूजी का

आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्माजी

अनपा वली

DHANPAT RAI GUPTA

मेरठ सिटी
२६।१२।५६.

प्रिय बेटे शैल गुप्ता हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा १२ता० का व १५ता० का लिखा हुआ दोनों पत्र इकट्ठे एक साथ २४ता० को मिले हैं। तुम्हारे पत्र को देख कर बहुत ही प्रसन्नता होती है कई दिन से तुम्हारे पत्र की इन्तजार कर रहे थे मन तो यही होता है कि तुम्हारे रोज ही पत्र आते रहें लेकिन यह कैसे सम्भव हो सकता है। क्रिसमिस डेला १८ता० को दिन फोन का आया और वह भी शायद ने इकट्ठे के इन्तजार देखकर रात को पौने दो बजे पैदा किए थे क्रिसमिस के बड़ेदिन पर बच्चे को आते लोजमान है जिन करे हैं ईश्वर को यही धन्यवाद है कि इतने दूर होते हुए भी हमने गाना की आवाज़ तो सुनी है। तुम्हारे बाबाजी को सुनके बोलने में घबराहट हो गये हैं। तुम्हारे यहां ठंड कम रही होगी। आज कल दो दिन से वर्षा भी बहुत हो रही है इससे जाड़ा खूब हो गया है।

बेटे उषा की मृत्यु से सबको बहुत ही दुख हुआ है लेकिन ईश्वर के सामने किसी का वश नहीं है बिचारी अपने छोटे २ बच्चों को छोड़ कर चली गई है अभी तो बच्चे छोटे हैं बड़े होने पर पता चलेगा इनकी मां भी थी। ईश्वर से प्रार्थना है कि सब बच्चों के माता पिता भी बने रहें। वहां पर २५ दिसम्बर को खूब रौनक हो रही होगी यहां पर भी रेडियो से आया था

कि तुमने खूब मौज की है और कालपरे देखने
योग्य है कि जिसे देखा दिखलता है। तुमको भी
वहां पर बड़ा अच्छा लगा होगा तुमको पैलेस के
समान वहां भी देखने गये होंगे तुमने कुछ वहां की
लोग भी लीये हैं तुम्हारी छुट्टियें भी नहीं दिन की
रह होगी। तुमने गाजियाबाद वाली अम्मा जी पास
रही थी वह लोग बोबिल के शादी में आये थे
हमसे सोचे वालो के लिये रुपये में कुछ नहीं
रहा है वही १८०) लिये के लेहटे हैं हमने तुमको
एक पत्र में लिखा भी था। तुमको इतनी बड़ी चिन्ता
लगी है। और एक पत्र तुम्हारे बाबाजी ने तो लिख दिया
था तुमको पत्र लिखने को कुछ समय नहीं मिला था
यही तबीयत बिल्कुल ठीक है और हम भी तो ठीक है
और तत्ती कि दिवाली को तुमको लिख के जवाब नहीं आये
हमको यहां पर तुम्हारे सबकी याद में बिल्कुल ठीक
होगी लेकिन बेटे तुम भी चाहे खूब ठीक रहोगे तो
हमको तो बड़ी अच्छा लगेगा। हम तो बेटे जल्दी मिलने
नीरज रह ही सोने लगी थे तुम्हारा रूपा देखना तुम्हारी
बड़ी याद आती है तुम भी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना
तुम्हारी तो बेटे समय भी बहुत कम मिलता होगा पढ़ने में
लगे रहते होंगे। हमको तो समय ही समय रहता है
घर में समय मिलने की वजह से ताश खेल लेते हैं
बड़ी खुशहाल होता है अपने बच्चो होते हुये भी हम मन ले हैं
उत्तर देना जल्दी ही पत्र लिखा है तुम्हारे बाबा जी को प्यार
नमस्कार शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B. PLEADER

मेरठ सिटी
२२।१२।६८

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

हमारा एक पत्र तुमको १८-२० ता. को लिखा था मिल गया होगा। तुम्हारा १८ ता. का लिखा हुआ पत्र हमको कल रविवार को मिला है पत्र पढ़ कर बहुत ही प्रसन्नता होती है जैसे मान पत्र आये हैं और दूसरे दिन से फिर पत्र की इन्तजार देखने लगते हैं लेकिन यह रोज सम्भव न हो सकता है। तुमारे बाद अपने बच्चों की प्यारी सी आवाज सुनी है उस समय तो ऐसा लगता था कि बोलती ही रहे यह तो तुमने न लिखा कि पहले फोन पहली बार होने का डर सा लगा रहा था कि कैसे बात करें इसलिये मैं ठीक से बात भी नहीं सकी इस लिये हमको ऐसा था कि यह बात तो कर लेंगे समय कुल दुपहरी का ही था। हम तो शाम को फोन पांच बजे से ही पटनागर सहाय के चले गये थे और साढे छः बजे वहां से निराश होकर आ गये थे वहां पर तो चिन्ता लगी रही कि पता नहीं क्या बात है जो फोन नहीं आया है यह तो अच्छा हुआ कि तुमने उसी दिन फोन कर दिया नहीं तो इतने तुम्हारा पत्र न आता चिन्ता ही रहती। फिर जब घंटी बजी तो हम समझ गये कि अब फोन आया है उस समय रात के पौने दो बजे थे पर अच्छा हुआ कि उसी समय हम दोनों बात करने के लिये बाहर आये थे। वैसे तो शायद घंटी की आवाज सोते में सुनाई न पड़ती अब कभी २ ऐसे ही बात कर लिया करेंगे।

तुम्हारे बाबाजी हरिश्चन्द्र और तुम्हारा पासपोर्ट पूरी बिल्डिंग को भेजा था मिल गया होगा और उससे पहले १५-१६ ता. मैं एक लिफाफे में गुलाबी के बोल भेजे थे पता नहीं तुमको मिले हैं या नहीं। तुम चिन्ता मत करना जो कभी २ तुमको शादी वगैरा में जाने का समय नहीं मिलता था इसी लिये तुमको पत्र नहीं लिख सकी होगी वैसे मेरी तबियत बिल्कुल ठीक है। शादी वगैरा की इतनी फिकर नहीं लेकिन तुम कुछ भी नहीं खा सकी हो। हमारा तो मन बौरा को मन ही नहीं करता है तुम्हारे आने पर केवल उन दिन पूरनमासी पर

इन्होंने बनाये थे और उस दिन के अपरूप (अपरूप) ले
पर तुम्हारी बहुत ही याद आती रही जो चीज़ बनाते हैं वह पड़ी ही
रहती है। हां नल थोड़े से इन्होंने आटे के व बेसन के लड्डू बनाये हैं
तुमलोग वहां पर क्रिसमस कैसे रहा होगा इसको रखा में जानता
है तुम लोग भी वहां पर सब चीजें लाये तो मिले और सब लोग
ठीक रहे इसको खबर दुआ है। उसको पत्र से मालूम है इसके
इसके बाद मैं तुमको पत्र लिख दिया था उस पत्र को २२ता को
ही लिखा था वह पत्र भी तुमको मिल गया होगा। लिटिया कुछ बोरा
तो देर भीता अलमारी है हां तुम्हारे बाबाजी को देखी देती हूं।
इस बार लिखा लिफाफा बोस ज्यादा गाड़ा लगेगा कुछ नहीं लगा यह खुशी
है मगर ही ही चलते गये पत्र का तालमेल भी बन नहीं क्या
पर पता नहीं तुम्हारे पत्रों के हिसाब लिखने शुरू किया यह तो
उन्होंने ही बता ही बात होगई है लिटिया अब स्टेटसमैन (की
कलकत्ता पहुंची है पहले से स्टेशनबाद में देहली ही चपरासी
पोस्टिंग के लिए ही था उसने यह अच्छा किया मुझ को लिखे हैं
लेकिन भारी होने से बातों के चलते में पैर भी दुखने लगेंगे अब
तो तुम इतना के बोलिंग आने लगेगी यह अच्छा है वह पत्रों के
पास के ही आयेगी। तुम्हारा बोलिंग सिखने वालो के लिखने का तब
तो होगा। जब तुम लोग अपना फोटो खिंचवाओगे तो इसको अवश्य
भेजना अभी के मन में रहा है कि पता नहीं अब कैसे लगते
होंगे। अभी तो स्कूल के २० दिन हैं शायद। तुमको लिखने भेजा ही
तो बहुत ही शौक था जब बनाऊंगी तो तुम्हारी बड़ी याद आयेगी
यहां पर भी तीन चार दिन बादल होते रहे और अब जाड़ा भी
ज्यादा हो गया है। लिटिया इस मौसम में तुम्हारे बाबाजी साथ
मिलकर मूंग फली लाते थे अभी बन रही है अब सब चीजें लाते
है तो अच्छी भी लगती है। रोज धूप में नीचे जाती आ जाती है
पर अभी बोतल से पानी आ गई कोई तो शायद ठीक हो गई हैं। विमला
यहीं पर है अभी तो छुट्टी भी है शायद बोर्ड में पता को
जायेगी। विमला यहीं पर रहेगी क्योंकि शायद १६ता के ठहर
देखा है। गुड्डी ससुराल है दो दिन को आई थी। शशि को लेकर
मजा इलाहाबाद चली गई है। अभी नहीं आ रहा है इसको बहुत
पसंद पर रहेगी। पाठिका लिखा है कि स्टेटसमैन (की पैर को

...ो छूट गई है वह तो जैनेन्द्र के कालेज ग्रुप में पास हुआ है
२७) तारीख को प्राइवेट वजह से रखा है और वो २ महीने में
प्लास्टर चलेगा लेकिन वो घर पे आयेगा। प्लास्टर भी ६ हफ्ते
में चलेगा बिचारे ने शादी का भी कुछ तमाशा नहीं देखा है
और पैसा भी पूरा ही लगेगा मैं फिर उसके पास से ही आई हूं
छोटे बच्चे के साथ में बिचारी बहू भी परेशान है। यह अच्छा है
मजदूर रख रखा है ऊपर बच्चों के पास तो रहेगी। बच्चे विपिन
आ गये हैं दया तो फिर आना नहीं हुआ है मौका आने पर बच्चों
को देखने जाऊंगी बहुत दिन ही बाद बच्चों को देखकर २२ता० को
गई थी। मन्नु ने अनुपमा को आदि ढ़ेर सब तो कभी दिन होगये
है इतनी देर तो वह कभी नहीं करती थी।

तुम्हारी मेडिकल बारे में तो बहुत ही झंझट है पढ़ने में
भी परेशानी है और फिर कुछ बाद भी करना पड़ेगा। ईश्वर
से प्रार्थना है कि तुमको सफलता प्राप्त हो। सुनीता तो गाव के
कुछ गई हो आई नहीं है वह अब गांव में रहने लगी है।

सरोज को तो बड़ी ही चिन्ता है आशा है कि अब ठीक होगी
उसकी खाने पीने का ध्यान रखना यहां पर तो गाय भी बेकिफल
साफ होती थी तो तुम्हारे बाबाजी दवाई दे देते थे। यदि तुम
बस लेकर नाश्ते का सोच लोगी तो अच्छा है। फिर नहीं आना
ही पड़ेगा यह अच्छा है अनार अच्छा है और पास में ही है
कुछ दिन रह ली हुई है। और निर्मला के पास लाभता है
चीज का नाम है। पिछला यहां पर २४ता० को आया था और
२६ता० को कुछ को चला गया शादी को पक्का कर आया था
सुमन ने बड़े बच्चे को हिन्दुस्तानी स्कूल देखी होगी। तुम सब को
प्यार बहुत याद आती हो। चिट्ठियां पर तो यह लेता है कि
लिखती ही रहूं। तुम्हारे बाबाजी को आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

अब तो तुम पातन से कुछ नहीं होता है वैसे ही तुम्हारा ब्लडप्रेशर तो बढ़ा है गुसलखाने में गिर गये कहीं चोट तो नहीं आई है। हिम्मत ही काम देगा यदि तबियत खराब हो गई तो घर में कोई करनेवाला भी नहीं है यह तो बिचारे सब अपने स्वाद पराये के गाते हैं। हिम्मत हिम्मत से काम लो। तुम्हारी तरफ और बड़ी चिन्ता लगी है।

प्रिय कुशाल को हमारा आशीर्वाद।

दोनों शब्द ठीक प्रकार से हो गये हैं। लालजी के पुत्र को पहुँचा कर चलने आदमी शशी की बहू हरद्वार चली गई है। यहाँ पर कुमार की बहू व आदित्य की बहू है जैसा कि मैंने पिछले पत्र में लिखा था कि आरती की पैर की हड्डी टूट गई है वह २२ता से हॉस्पिटल में है। अभी तो उसके हड्डी ठीक करने के लिये नेट लटका रखा है जब हड्डी ठीक जगह पर आ जायेगी तब ६ हफ्ते को पलस्टर चढ़ेगा। वैसे ही बिचारे के बहुत खर्चे हो रहा था यह खर्चे और ज्यादा और हो गये हैं।

जवाब शीघ्र ही देना।

तुम्हारी मम्मीजी
प्रकाशवती

मेरठ सिटी
३१।१२।६०

BHAGWAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

प्रिय शोभा सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुआ नव
नया वर्ष शुभ हो जायेगा। हमारी ओर सबको शुभकामनायें
ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम सबको नया वर्ष भाग्यशाली हो

तुमको जब देखे हुआ तो पता था पहिले ही तुम्हारा
और किसी ने लिखा था कि सरोज को बहुत ही दुख होगा। कहीं
तबियत खराब न हो जावे। निर्मला को धोखा था हो गया
अब तो कुछ होता नहीं है विचारी को छुट्टी है। मोहनलाल
की बात यह जरा समझो कि अपने पति के पास ही थी
बड़ी अच्छी लड़की थी। घर पर तो सबको रखती थी
है तो केवल २२ वर्ष की होगई थी साल की विवाह भी हुआ
हो रही थी और बच्चे का पति के क्या करना क्या पता है
कि पालन किसका क्या होगा यह होने का पता चलेगा

अजय का दिल भी कैसा जाता है क्या। सुरेश ने लिखा
है कि वह पास आ रहे हैं पार आ रहे हैं तो अच्छा है
अपने बच्चों के पास आ जायेंगे। दादी बाबा को भी कुछ
जिम्मेदारी कम होगी यह लोग भी बिचारे बिल्कुल
थक गये हैं।

कुछ अपना ठीक से रहो परेशान होने से
एक कुछ फायदा नहीं है स्वभाव शरीर भी ऐसा रहा
है और घर में काम करना भी करना पड़ता है

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
३१/१२/१९८६

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार।
तुम्हारा १८ता. को लिखा हुआ पत्र हमको २८ता. को मिला है इससे भी एक पत्र तुमको २०ता. को लिखा है मिल गया होगा बेटा पत्रको देखा है कि तुम्हारे और हमारे दोनो ही पत्र आने देर जाते है। सो देर पत्र आने में होजाती है तो चिन्ता हो जाती है और परेशानी सी लगने लगती है। वैसे तो तुम्हारे व हमारे जल्दी २ ही पत्र आते रहते है। पत्र पढ़ कर बड़ा अच्छा लगता है। बेटे फोन पर तुम लोगो की आवाज सुन कर तो बड़ा अच्छा लगा लेकिन मैं तो फोन से बोल भी नहीं सकी आवाज भी मुश्किल से फोन से नहीं सुन पाई हूं। पता नहीं फोन पर बोलने में डर सा लगने लगा। रीटा अभी पहली बार ही फोन को मिला रहा था। बेटा अब तो तुम्हें भी उजाला होगया है। कहने को विधायी अब आती नहीं है हम लोगो से तो गई हो। फिर भी अजय बाबू का फोन सुशील के पास आया है क्या अपने बच्चो के ही गए उनको तो कुछ ज्यादा फर्क नहीं पड़ा होगा। मुझको तो बहुत याद आती है। घर पर जल्दी २ आती रहती थी अभी तो बच्चे क्या समझते है बड़े होकर पता चलेगा हमारी माँ थी। अब तो यहां पर रहने वालो को आना बेकार था उनके रहते थे। इतना रुपया मैं उनके पास आने में लगाऊँगा मैं अब आकर भी क्या देखना है यदि वह रुपया बच्चो पर लगायेगा तो अच्छा है।

बेटे लौटकर मैं पत्र नहीं लिख पाती हूं तो तुम्हारे नानाजी ही लिख देते हैं यदि कोई पत्र देरी से आये तो आप चिन्ता मत करना

चले गया बड़े हैं। हम दोनों भी तुम चारों को बहुत
शुभकामनाये भेजते हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि सदा बढ़ तुम
सबों को याद आते हो। इतवार को तुम्हारा जन्मदिन भी
है। तुमने अपना जन्मदिन मनाया होगा। तुम्हारे लिये पपा ने
प्यार भेजा था और रुपये भी हैं मो तुम को एक पत्र लिखा
था वैसे उस दिन तुम्हारी याद तो आती ही रहेगी।

आजकल यहाँ पर भी गर्मी खूब पड़ रही है
लेकिन कल बारिश भी होती रही। तुम्हारे उधर का मौसम
बिल्कुल ठीक होगा दिवाली तो ले ही रहे होगे।

वहाँ पर तो आजकल बहुत ही जाड़ा होगा
कपड़े वगैरह ठीक पहन कर स्कूल वगैरह जाया करना

आजकल लोगों की तबियत ठीक नहीं चल रही
है इसलिये और क्या लिखना है तुम भी अपनी पढ़ाई का
ध्यान रखना। तुम्हारे बाबा माँ को सबको याद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारा शुभाकांक्षी

प्रकाशवती

बेटी गुड़िया खुश रहो। 31.12.77

तुम्हारी आवाज़ ट्रंककाल पुरानी ही आवाज़ मालूम हुई। बहुत इन्तजार के बाद बात हुई तुम लोगों से। हां सरोज बेचारी को तो Usha की वजह से बहुत ही रंज होगा। हम लोग जब इतना दर्द मान रहे हैं उस को तो बहन थी।

Syllabus तलाश कर रहा हूं पर अभी नहीं मिला out of Print हो सब के पास खतम हो गए है। आज

जितनी भी university

ऐसा है तुम्हारा लिखना

लेकर। शायद वह देखे

पहले उन्होंने ने भी कहा

था नकल करने वैसे

हमारे पास वतन है।

मिलते हैं जेजूआ। मैं

ने और जगह भी कहा है।

तुम्हारा Maryland में

admission हो जा रहा है

कहीं काम तुमको करना

पड़ेगा। कुल का बहुत बल

है।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

Syllabus भी आई (मिलना)

है। भेज रहा हूँ। तुम्हारा बाबा

[illegible]

BHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

31.12.77

My dear Sushil

Recd your letter of 18/20.12.77. Yes we were glad to have a direct talk after 3½ months. The sound was not very clear here but it served our purpose. We had gone to Bhatnagar's house at 6.30 PM and came back at about 7.45 PM. disappointed. We feared there was some thing wrong with any of you and so could not talk. It was at 1.45 AM when we received the call.

It must have been very costly affair. I had sent of "Harishchandra" again and the mark sheet of India was redirected to you.

Mr. R. S. Gupta is complaining that you have not replied any of his letters though he has received a greeting card he has not received any letter from any of you.

I am trying to get a copy of syllabus but have not received yet. I shall send as soon as received.

With love
yours affly
[illegible]

Recd Syllabus just now & sending separately [illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

31.12.77

बेटा शैलू ! खुश रहो।

तुम्हारा 18.12.77 का पत्र मिला था। उस समय यहां रात के पौने दो बजे थे। हम छः बजे शाम को भटनागर के घर पहुंचे थे और करीब ढाई घंटा बैठ कर आ गए थे। फिर पौने दो बजे भटनागर ने फोन लगाया तो हम समझ गए थे कि अब फोन मिला होगा। हां बेटा मैं तुम्हारी आवाज सुनकर अपने को संभाल नहीं सका था। इतने दिन में आवाज सुनी थी।

हम तो ठीक ही हैं खाने पीने को ठीक ही है।

तुम लोग यहां ठीक रहो

यही प्रार्थना है।

हां Usha को इन लोगों

को खबर सुनते ही बहुत हो गया

था। फिर नरेन्द्र और उपेन्द्र ने

बहुत समझाया था। Usha

की जिठानी वाले रुपये पर इन्दु को

उन को मिली थी जिस मे

कहा था कि उसने कहीं

इतना रुपया प्रथम सुरेश की बहुओं

के वास्ते रखे थे। और 2200 रु:

एक ने जो थे। पर वे सब यह

पसन्द नहीं करते होंगे। खैर

जो भी हो बहुत बुरा हुआ।

मैं ठीक ही हूं। हां दो

बार लिख चुका हूं तुम्हें पीछे पर

ठीक हूं।

तुम्हारा बाबा

[signature]

CHHATRAPATI RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
५।१।१९६८

प्रिय बिटिया गुडिया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २८ता० का लिखा हुआ पत्र हमको कल ४ता० को मिला है पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुए। हमारा भी ३१ता० का पत्र तुमको मिल गया होगा। अब तो यहां पर भी जाड़ा खूब पड़ रहा है और वहां पर तो जाड़ा है ही बहुत। यह अच्छा है कि मकान में जाड़ा नहीं लगता है बाहर जाने पर ही जाड़े का पता चलता है। तुम जब बाहर जाया करो तो खूब गरम कपड़े पहन कर जाया करो। लोकेश के पत्र से यह पढ़ कर प्रसन्नता हुई कि तुम दोनों बच्चों ने अपने पापा मम्मी की शादी का दिन खूब खुशी से मनाया है हम तो यहां पर याद करते ही बैठे रहे। अब तुम शायद १७-१८ता० से कालिज जाया करोगी यह अच्छा है कि वह भी तुम्हारे मकान के पास से ही जाया करोगी। तुम्हारे कालिज आने और जाने का क्या समय होगा। जैसा कि सुशील ने लिखा है कि सुशील ने कोई पिक्चर मैगजीन(?) के मंगाने का आर्डर दिया है यदि तुमको कुछ मंगाना हो तो निःसंकोच के लिख देना और हमको तुम्हारा पत्र उनके जाने से पहिले(?) मिल जाये।
तुमको पढ़ने के साथ साथ(?) काम भी करना पड़ेगा पता नहीं वहां पर और क्या काम मिलेगा कहीं पास में ही मिल जाये तो अच्छा है जब हमारी बिटिया को काम भी करना पड़ेगा। सोच का बड़ा दुःख(?) होता है। लेकिन वहां पर तो सभी लोग पढ़ते हुए(?) काम करते हैं। यह जान कर प्रसन्नता हुई कि तुम लोकेश का बहुत ध्यान रखती हो और घर के सारे काम भी करती हो ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम्हारे मम्मी पापा दोनों बने रहें और ठीक रहें। यहां पर तो दोपहर को नौकरी वालों की

ऊपर-चूड़ में आ जाती है इसलिये समय बीत जाता है
बहुत दिनों से मन्नू के अनुपमा नहीं आये हैं पता नहीं
क्या बात है कि इतने दिन तो कभी भी नहीं होते थे
सुनीता तो जब से गई है एक बार भी नहीं आई है
कितने दिन हुए अब उसका भाई कुशाल का पता लिखा
कर ले गया था यदि पत्र लिखती तो उसको मिल गया हो।
उसका भी उसको पत्र लिखा है मिल गया होगा। यह बात
कर कलकत्ता इंदु तुम्हारा ही भी आ गया है यह तो तुमने
अपने वैसा से ही लिखा होगा। तुम्हारे फोन करने पर पैसे
भी बहुत ही लगते हैं और दिन मिलवा डिसीजन है कि और
तीन मिनट में तुम भी तो बात नहीं कर सकते हैं। तुमने
तस्वीर बहुत अच्छी बनाई है क्या तस्वीर बनाई है इसके
बनाने में तो बहुत ही मेहनत की आप है। रतन बंसला
२४ दिसम्बर को गुड्डी की शादी पर आये थे यहीं पर रहे थे
तीन चार दिन में गये हैं उन्होंने तो कुशाल के पत्र का उत्तर
भी नहीं दिया है अपने आप तो क्या पत्र लिखेंगे। उनको तो
बहुत बुरा लगा। गुड्डी की शादी ठीक हो गई है। शिखा की
शादी पर हम सावित्री के घर पर गये थे और बुढ़ापा होनेपर
नोरजी [illegible] पूछने घर पर आये थे।

कितना ठीक ही तुम सबको याद कर लेते हैं
ऐसा लगता है कि महीने भी बहुत ही छोटे २ बीत रहे हैं
अभी तो केवल ५ ही महीने बीते हैं। इसका अपना ख्याल रखेंगे
ही तुम लोग भी अपना स्वास्थ्य का ध्यान रखना। कल मैं
अपना दांत डॉक्टर से निकलवा कर आई हूँ लेकिन अभी
तक दर्द चल रहा है गोल ट्रोवन ले रही हूँ।

तुम सब बहुत खुश रहो इसका भी तो खुशी है।
तुम्हारे बाबाजी का आशीर्वाद व प्यार।

तुम्हारी अम्माजी
पुनीता की

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम सबको भी हमारी नये वर्ष की शुभकामनायें

मेरठ सिटी
६।१।१९६८

प्रिय सौ० [illegible] सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा २७ का पत्र लिखा हुआ हमको कल ५ तारीख को मिला है हमने भी तुमको ३१ तारीख को पत्र लिखा था मिल गया होगा यह जानकर चिन्ता होती है कि तुम्हारी तबियत खराब चल रही है मन पर बहुत दुःखी होता है कि तुमको दुःख का बहुत ही दुःख हुआ है। और होना भी स्वाभाविक ही है। और सब सालों में पास मैं भी जाती रहती थी अपने मन की बात कह लेती थी। लेकिन अब तो तुमको शान्ती होनी चाहिये दुःखी होने से तो सिवाय इसके कि तुम्हारी ही तन्दुरुस्ती खराब हो और कोई फायदा नहीं है। जब से तुम गई थी तुम्हारी तबियत ठीक सी ही थी चित्त को बड़ी शान्ती थी। लेकिन इस दुःख के कारण तुम्हारी तबियत खराब हो गई है। अब तुम अपने मन को सम्भालो यदि तुम बीमार रहने लगी तो घर गृहस्थी की गाड़ी कैसे चलेगा। तुमको परेशान देख कर बच्चे भी बिचारे परेशान होते होंगे। यहां पर रहकर दोनों पर मेरे पास होती तो शायद इतनी तबियत खराब ना होता। अब के तो गुड्डा भी बिचारी घर पर ही रहती थी अब यह भी कॉलिज जाने लगेगी घर पर अकेली भी रहोगी और घर का सारा काम भी करना पड़ेगा। सब बिचारी गुड्डा ने सारा काम सम्भाल रखा है। यह पढ़ कर तुमने बड़ी खुशी हुई कि गुड्डा तुम्हारा बहुत ही ध्यान रखता है और सारे काम भी करती रहती है। यहां पर कोई भी यह विशेष परेशानी [illegible] काम की भी चिन्ता नहीं थी वहां पर सारे काम करने पड़ते हैं।

आशा है कि तुम अपने चित्त को सम्भालोगी और दवाई बराबर लेती रहोगी।

हम भी २५ दिसम्बर को याद करते रहे कि आज सुशील
सोना की शादी का दिन है। यह जानकर प्रसन्नता हुई
कि बच्चों ने तुम दोनों की शादी का दिन खूब मनाया है। ईश्वर
भी तुम दोनों को शादी की शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि
तुम दोनों की जोड़ी बनी रहे। और अगले बर्ष भी ऐसी ही
शादी की खुशी मनाये। तुमने रसगुल्ले और ढोकला बना कर खाया
हमको भी बहुत ही प्रसन्नता हुई और ऐसा लगा कि मानो हम भी
साथ में खा रहे हैं तुम्हारी शादी की खुशी का दिन तो पूरी
अमेरिका में मनाया गया है। वहां पर भी तुम्हारे पास आने
वालों का तांता रहता होगा। तुम्हारे घर तो लोग रहते हैं।
तुम अपनी तबियत का पूरा ध्यान रखना।

ये तो बस मुन्ना के प्यार पर पिछले महीने की १२ता
को हो गई थी २१ ता को हवन का बहाने वह गये थे
वह तो कल भी बच्चों को देखने गये थे बच्चे ठीक हैं
जमाई तो मिले नहीं थे उनके पिताजी बतला रहे थे कि
वह देहली छुट्टी बढ़ाने गये हैं। अब वो और होना था
हो गया असली रहस्य का पता तो वहीं ईश्वर ही जानता है
पर मैंने सुना है कि अब वह यहां नहीं आयेंगे। पता नहीं कहां रहें
ठीक है बेकार ने दोनों बच्चों की शादी ठीक हो गई है बस विचार
शारदा की ही पैर की हड्डी टूट गई है अपने मकान के चबूतरे पर
से सड़क पर गिर गया था वह तब से ही खोन्के ने ताड़िग रख
दें है और अभी पता नहीं कहां पर कब तक का रहना होगा
बिचारों को रुपये पर खर्चा हो रहा है। अभी तक पढ़ाई-लिखाई
का कुछ नहीं हुआ है सबकी वाले तो चुप बैठे हैं रानी भी
अपनी तरफ से कुछ नहीं कर रहे हैं। पता नहीं क्या होगा यह भी
बड़ी चिन्ता लगी है। बीबी का पत्र आया था उन्होंने लिखा है
कि सोना का पत्र आया है वह १८ ता को चली गई थी। दिसम्बर में
तुमने उनको अपना पता वगैरा तो लिख ही दिया होगा। शुभाकांक्षिणी
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
५।१।१९६२

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा २८ ता० का पत्र हमको कल ४ ता० को
मिला है पत्र को पढ़ कर समाचार ज्ञात हुवे और
प्रसन्नता हुई और मन यही करता है कि तुम रोज
के रोज ही पत्र आवें कि जैसे तुम हमेशा के पास में
थे वैसे ही सब के पास होगये हो। लेकिन जी और है
चिन्ता होती है जब से उषा का पता है उसकी
तबियत खराब चल रही है तुम उसकी स्वास्थ्य की
की पूरी तरह से ध्यान रखना। अब जो होगया है
वह तो अब आ नहीं सकता है इसकी सदमया लेकर
भी अपने दिल को नहीं संभालती है। यदि इसकी
तबियत खराब रही तो सारे घर को परेशानी है

रतन ने तुम्हारे पत्र का भी उत्तर नहीं दिया
है अपने आप तो क्या लिखेगा जब यहां पर शादी
में आया था तो मैंने उससे पूछा था कहता था कि
सुशील का पत्र तो आया था लेकिन उत्तर नहीं दिया है
पता नहीं कैसा पागल बनता है।

लाला की मृत्यु से सब को अधिक ही परेशानी
होगई है वह तो सबके बच्चों को संभाले हुए थी अब तो
अपने बच्चों के पढ़ने लिखाने की तरफ से तौर तो यहां पर
रहेगी होलीकोटे ओरिएन्ट को कोनसी गांव में है वहां

पर बच्चे बड़े वालों का स्कूल रहा है और ऐसेही मुरादनगर के बच्चों को वहां पर परेशानी है।

आदित्य की चोट से बड़ी परेशानी होगई है उसकी शरीर सम्बल को अपने मकान के चबूतरे पर खड़े हुए पैर फिसल कर सड़क पर गिर कर टांग के पास की हड्डी टूट गई है बिचारा तब से ही सुरेन्द्र के नरसिंह सदन में है। वह लेटे पैर पर लटका रहे हैं शायद हड्डी जब अपनी जगह पर आ जायेगी तब प्लास्टर चढ़ेगा। बस बिचारे की हड्डी ठीक जुड़ जावे।

शादी का पत्र भी तुम्हारा मोतीलाल के घर पर गया था।

तुम्हारे बाबूजी का आशीर्वाद।

कल गुड्डा की भी जो [illegible] शैल को पढ़ाते थे वह आये थे वह कहते थे कि [illegible] भी [illegible] का पत्र नहीं आया है।

जो तुम्हारे मित्र कृष्णलाल आये हैं उनको भी [illegible] तुम्हारे बाबूजी ने पत्र लिखा है यदि वह कुछ सामान लेजाये तो भेज देंगे।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी माताजी

प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
५।१२।६८

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत प्यार
तुम्हारा २७ ता० का पत्र हमको कल परसों को मिला है
पढ़कर काफी प्रसन्नता हुई। तुम्हारे बाबाजी तो अपनी आदत के
अनुसार ज़रा भी पत्र में देर होती है तो चिन्ता करने लगते हैं वैसे
तो तुम लोग पत्र जल्दी ही लिख देते हो लेकिन पत्र आने में
दस दिन तो अवश्य ही लग जाते हैं इनसे इतना सब्र नहीं होता है
कल यही कहने लगते हैं कि पता नहीं क्या बात है जो पत्र
नहीं आया है। बेटे हमको भी तुम सबकी बहुत ही याद आती
रहती है रोज ही याद करते रहते हैं और त्यौहार पर तो बहुत
ही याद आती है अब सन्त आयेगा तुम सब लिखकर व खेल
की पेंसिलें लेकर कुरसी ले जाते थे अब मुझको दुख होता है
कि क्यों २ तुम्हारे कहने पर मैं बनाती भी नहीं थी। यह अच्छा
है वहां पर खिल खिल तो गये हैं लेकिन यहां पर भी अच्छा है
गेंदे के पेड़ों पर खूब फूल आ रहे हैं अबकी बहुत खूबसूरत लगते
हैं। यह जान कर तो बड़ा आश्चर्य हुआ कि तुम सुबह को
सवा ८ बजे सो कर उठते हो और रात में भी १२ बजे से
पहिले नहीं सोते हो। तो तुम स्कूल सुबह को कितने
बजे जाते हो और खाना कितने बजे खाते हो। रात में तुम शायद
अपने स्कूल का काम करके सोते होगे। वहां पर सरोज
शायद चाय वगैरह ही बनाती होगी। तुमको स्कूल में
नाश्ता क्या मिलता है। तुमने कुछ लिखा नहीं है
हम तो बिस्तर पर रात को साढ़े ६ बजे बैठ जाते हैं
और सवा आठ बजे तक ताश में समय बिता कर तब
९ बजे से पहिले सो भी जाते हैं। यदि ताश ना खेलें
तो समय नहीं कटता है और नींद जल्दी आ जाती है

लिए सोचने का दरवाजा भी बन्द करने की चिन्ता
रहती है। उनके बाद तुम्हें तुम्हारा रानीजी आदि से मिलाएंगे
बसन्त का त्योहार तो २७ जनवरी दिन शुक्रवार का है
तुमने ३ जनवरी कैसे लिखा है। यह बड़ा दुख होता है
कुछ भी सामान तुम्हारे पास नहीं भेज सके हैं।

हम तो अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते ही हैं
लेकिन तुम भी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना
हमको तो तुम लोगों की बहुत ही याद आती
रहती है पता नहीं इतने लम्बे दिन कैसे बीतेंगे

तुम्हारे बाबा जी का आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

इसके बाद तुमने (दादीजी) कैसे लिखा है
कभी २ दादीजी कहने को मन करता होगा।

प्रिय बेटे तुम्हारा व गुड़िया का
२२ ता० का पत्र भी हमको व तुम्हारी अम्मा को
कल मिल गया है इसका तो प्रकाशवती
उत्तर दिए देंगे। हम तुम्हारी शादी की लिस्ट बनी रखी
थी तुम्हारे बाबाजी ने तुम्हारे आने पर संभाल कर रख दी
थी वह हम तुमको भेज रहे हैं। तुम पत्र में नीचे वाला
के मकान के बारे में कुछ पत्र में तो लिखना। उन्होंने इसके
कुछ नहीं कहा है। और बातें दूसरे पत्र में लिखूंगी

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

6.1.78

बेटी गुड़िया / खुश रहो

तुम्हारा 27.12.78 का पत्र कल मिला और आज 28.12.77 का Inland मिला है। मुजफ्फरनगर वाली बीबी कई दिन हुवे चली गई थी। इस से पहले मैं ने Syllabus भेजा था वह नहीं पहुंचा तो मैं और भेजने की कोशिश करूंगा।

Ajey मेरठ से 27.12.77 को आया है आज दिन वह दिल्ली चला गया और कल तक तो वापिस नहीं आया। मालूम हुवा वह परेशान है कुछ London में परेशानी हुई है शायद क्यों कि नेहरू ने वहां के High Commissioner को कुछ लिखा था और उन का

उनको श्री नरेन्द्र को पास आया है कि वह Usha को बाद में देख जाया करते हैं।

मीना यहां कभी नहीं आई। अन्नू को आती थी पर अब तो वह भी एक महीने से नहीं आई है। तुम्हारे लिए Wax मैं भेजूंगा कोई भी आने जाने वाला जब भी मिलेगा।

मैं ने transistor ले लिया है और उस से कुछ देर मन लग जाता है। Radio भी ठीक करा लिया।

Satya आई थी वह कहती थी कि प्रेम तारीखों का ऊपर लिख रहा हो रहा।

तुम्हारा
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

6.1.78

My dear Sushil

I have received your letter of 27.12.78. I have not yet received any information from Shri A.N. Gupta. I have today written to him at his Ar. nagar address about his programme & have asked him if he is coming here. We shall be glad to see him here and will ask him if he can take just a little weight from me.

I have sent a copy of Syllabus and the

Same must have been despatched by the bag on 3.1.78. let us see if this reaches you. I shall try to get another if this does not reach you. I have today received another Inland letter from children and wonder why the 'Harish Chandra' has not reached there. The letter intimating its despatch and "Harish chandra" were sent together. we are well here.

with love
Yours affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

6.1.78

बेटा शैलू! खुश रहो

तुम्हारा 29 ता० का पत्र कल मिला और आज तुम्हारा एक Inland letter मिला है। डाक में कुछ गड़बड़ चलती रहती है इस से आगे पीछे पत्र आते हैं और कुछ गुम हो जाते हैं। तुलसी और फूल के बीज जब कहो तो और भेज दूंगा।

दा London से अजय मेरठ आए हुवे हैं। वह कई दिन से Delhi गए हुवे हैं। सुना है उन को London में इस मामले में कुछ परेशानी भी हुई है और वह शायद वहां जाना नहीं चाहता है। कम से कम कुछ दिन तो जाना चाहता ही नहीं। वैसे Visa उन का

बस ६-१-७८ तक का है और
छुट्टी भी ६-१-७८ तक की
हो है।

वहां जाकर तुम को रात
के एक बजे तक जागने और
सुबह को ८ बजे उठने की
आदत क्यों पड़ी। इस से तो
तुम्हारी health पर असर पड़ेगा।

यहां सुनीता या सुशील
या उस का भाई वगैरह कोई
भी नहीं आते हैं।

3.1.78 को तुम्हारा Birthday
था मैं यहां से कुछ भी नहीं
कर सका। बस उस दिन यहां
ही आशीर्वाद दे कर रह गया

तुम्हारा बाबा

GANPAT RAI GUPTA
B.A., PLEADER

मेरठ सिटी
२२।२।१९६८

प्रिय मिहिरा गुप्ता हमारा बहुत सा प्यार

हमको तुम्हारा २८ का लिखा हुआ पत्र हमको ७ ता० को मिल गया था। हमने भी तुमको ७ ता० को पत्र लिखा है मिल गया होगा। तुम्हारा एक पत्र हमको १० ता० को कल मिला है दोनों पत्रों से सब समाचार ज्ञात हुवे। पत्र पढ़ कर बहुत ही प्रसन्नता होती है। जब हमें ही जल्दी २ पत्र आते रहें यही मन करता है।

आदित्य की तबियत अभी तो ऐसी ही है अभी तो बिचारे को महीना भी अस्पताल में रहना ही पड़ेगा फिर प्लास्टर चढ़ जायेगा तो घर पर आ जायेगा। और उपरवाला [?] लोगों को रोज अस्पताल जाने में परेशानी ही है आदित्य तो बिल्कुल उकता रहा है उसके पैर पर बेड लगा हुआ है बिचारे को पता नहीं कब तक परेशानी [?] है और फिर भी चिन्ता ही है हड्डी ठीक भी जुड़ जायेगी और ठीक चल भी सकेगा। राकेश [?] की शादी को यहां पर बोपल [?] के मकान से ही हुई है रोहिला [?] का अभी मेरठ ही रहेगी क्योंकि उसको पीलिया भी हो गया है और उसका भी तो रोज देखने जाता है कुन्दन [?] को आया है शायद को जाता है [illegible] कुशल आया थी। यह देहली आज कल में है। नरेन्द्र [?] आस्टिन [?] क्या मिलेगा पहिला पहुंच गया था तो यहां सोचा था कि मेरे पास मकान [?] तो मिल ही जायेगा पता नहीं बाद में कहां पर गायब हो जाते हैं। निर्मला के पापा तो पिछले महीने की २२ ता० को लखनऊ चले गये हैं। वहां पर भी उनका आठ दिवस से पत्र नहीं आया है। नीरज का कानपुर से पत्र आया था। कल राजेश का पत्र आया था वहां पर ठीक है अभी तक लड़के का कुछ भी नहीं हुआ है लड़की वाले भी चुप बैठे हैं और राजेश वगैरा भी पता नहीं क्या होगा बड़ी चिन्ता रहती है।

२० जनवरी को नन्दू की बरात है उसको शायद १२ दिन को
जायेगा शायद नाना भी जावे। गजेन्द्र बाबू तो यहां आ गये हैं
इलाहाबाद से और छुट्टी बढ़ाई भी पता नहीं कितने दिन की बढ़ाई है
और यह भी पता नहीं कि आवेंगे भी नहीं। यह तो यहां सब कहते हैं।
बच्चों को भूल रहे थे यदि बुलाते तो इतना ठहराते क्यों। लिखता
नरेन्द्र के पास पत्र आया था उसमें उन्होंने लिखा था कि अब
बच्चों के बुलाने का समय देखते हैं। तो गुरुजी के पास जाते हैं
बिचारे बच्चे आये। सो इनके ही लिये यह हो गये हैं।
सोना तो यहां पर आई नहीं है और गुलाब भी नहीं आई है
किशोर बाबा है उसको ही यहां का सबका भार सौंपा हुआ है
कृष्णा ने तुम्हारे पत्र का उत्तर तक भी नहीं दिया है उसके
सबको ओर से परेशान है। मन्नू व मधुबाला तो अपनी
पढ़ाई की वजह से नहीं आ पाई हैं। वे अपनी नौकरी की
वजह से परेशान हो रहे हैं नौकर नया नहीं पाता है कि आते तो
नाना और इसी जाने को दिन में ही घर पर आ गया था
वहां पर रह कर तुमको पढ़ने के साथ २ नौकरी भी करनी
होगी। जब ही कुछ होता है। छोटी बिटिया इतना प्यार से
पली और अब वहां पर नौकरी करने के लिये परेशान है उसकी
बिटिया तुम परेशान मत होना। हिम्मत और होशियारी से
रहना। तुमको वहां पर रह कर हिम्मत तो बहुत हो जायेगी
और वहां पर सब लोग आप ही करते ही हैं इसलिये कुछ
भी नहीं लगता होगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको
सफलता प्राप्त हो। और आप लोगों के कोई परेशानी न हो
लेकिन वहीं कुछ तो नौकरी मत करना चाहते हैं सो फिर
आगे तो अच्छा है इसको तो तुम्हारी ओर से बड़ी चिन्ता
रहती है पर ईश्वर सब ठीक करेंगे।

तुमने इन पत्रों में नहीं लिखा है लोग की तबियत अब
कैसी है। यदि तुम लोगों का आने में देर हो जायेगी
तो लोग की बिचारी परेशान हो जायेगी। यह अच्छा
है तुम्हारे घर पर फ़ोन है। उस दिन तो तुम्हारे बाबाजी
ने स्वप्न देखा कि गुड़िया का फ़ोन आया है और कहती है कि
बाबाजी तुमको याद किया गया है और घर पर आने पहुँचेगी
तब हो जायेगी मैं बड़ी परेशान सी हूँ। और आपको मैं ज्यादा
से सोचकर ही हूँ। बस यह तो दिन रात याद नहीं
सोये और परेशान रहे है। तब मैंने कहा कि यह तो
आपको स्वप्न ही तो होता है कोई फ़ोन थोड़े ही है

गुड़िया अभी तो चार महीने की हुई है पता
नहीं इतना लम्बा समय कैसे बीतेगा। पता नहीं
दिन भी अब बड़े होने लगे है यहाँ। लेट इधर कुछ
दिन ठंड थी और यहाँ पर एक दम ठंड है पर कि
भी ठंड ही और जल्दी ही बीत जायेगी इसमें के
दिन जल्दी नहीं बीतते है।

वहाँ पर तो बहुत ही आग है घर पर तो
पता नहीं चलता है लेकिन सड़क पर तो बहुत ही
आग लगता होगा। तुम लोग खूब सारे कपड़े पहनकर
बाहर जाया करो। कितने दिन से पत्र नहीं
नहीं आया है बस पिछले महीने २२ता को यहाँ पर
आये थे तब से ठंडा में घर पर होगा था। गुड्डो का
कुछ पता नहीं है। गुड़िया के पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्माजी प्रकाशवती

मेरठ सिटी
२२।९।१९७२

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

हमने एक पत्र तुमको ७ ता॰ को लिखा है। मिल गया होगा। तुम्हारा एक पत्र ७ ता॰ को और दूसरा पत्र कल २० ता॰ को मिला है। दोनों पत्र पढ़ कर बड़ी प्रसन्नता हुई और समाचार ज्ञात हुए। तुम्हारे २० ता॰ के पत्र का इन्तजार बाद में [illegible]। मैं तुमको शायद पत्र नहीं लिख सकी हूँगी इन्होंने ही लिख कर डाल दिया होगा तुम मेरा पत्र ना आने से चिन्ता मत करा करो मैं तो यहां पर बिल्कुल ठीक ही हूँ। बस जरा सी चिन्ता तुम लोगों की आती रहती है और कभी इतनी मन बड़ा दुःखी सा होता है कि पर पता नहीं था कि हमारे बच्चे इतनी दूर हो जायेंगे और हम देखने को भी तरस जायेंगे। वैसे तो यहां पर भी और बच्चों के रहते हुए काफी दिन हो जाते हैं लेकिन सूना सा रहता है। तुम लोग तो इतनी दूर चले गये हो हम जा सकते हैं और ना तुम आ सकते हो।

बेटे तुम्हारे २ ता॰ के पत्र को देख कर तो बहुत ही हंसी आई तुमने अपने पत्र में अपनी क्लास का कागज लगा कर भेजा है बड़ा ही अच्छा लगा। तुम सब स्कूल जाने लगे होगे अब तुम्हारा इस स्कूल में मन लगने लगा होगा और दोस्त वगैरा भी बन गये होंगे। बेटे शैल तुम दिन आने के गिनते रहते हो वैसे ही हम गिनते रहते हैं ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम सब जल्दी ही और ठीक से आ जाओ

तुम लोग वहां पर खुश रहोगे तो हमको भी यहां पर खुशी होगी और खुशी से दिन जल्दी ही आ जाते हैं।
तुम लोग वहां होली [illegible] में ले के आते होंगे यदि गाने में शामिल हो जाये तो है और भी अच्छा है। सुशील की गाड़ी आ जायेगी तब तो आराम हो जायेगा। लेकिन पता नहीं गाड़ी कब तक आयेगी। निर्मला व मधु तो लखनऊ ही है राजन कानपुर है मधु तो बहुत दिनों से यहां पर नहीं आया है जब तब से तुम गये हो एक दिन ही आया था। देहली में राजीव का खूब स्वागत हुआ है वह यहां से खूब खुश गये हैं। अब तो बिचारी इन्दिरा गांधी का ही पेपर में आता रहता है बिचारी को अदालत में [illegible] जाना पड़ता है। उस समय कैसा बुरा लगता होगा।

यहां पर तो खूब धूप में बैठे रहते हैं वहां पर तो धूप तो देखने को भी नहीं मिलती होगी। [illegible] हफ्ते में एक बार आया किसी की पगार भी खत्म हुए सबको [illegible] ही याद आती है। तुम [illegible] आते हो और [illegible] चले जाते हो। सुशील जी ऑफिस से ले के आते हैं [illegible] में तो बहुत ही मजा लगता होगा। शेष सुशील व सरोज को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी याद में तुम्हारी अम्मा

प्रकाश वती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

11.1.78

बेटे गिरिजा खुश रहो।

यहां तुम्हारे नाम Vidya Sinha
का Bombay से Printed letter
और Vidya Sinha का फोटो
आया है। मैं वह तुम्हें envelope
में भेजता हूँ। मैंने एक
Syllabus भेजा है वह गा
पढ़ोगे तो लिखना मैं दूसरा
मंगाने की कोशिश करूंगा।
कुछ प्राइवेटों से काई
रखना है। वैसे आजकल
मिल नहीं रहे हैं।

तुम वहां क्या तलाश
कर रही हो मुझे बताइए

मैं बहुत परेशान हो रही हूँ।
यहां तो मैं ने तुम को कुछ
भी नहीं करने दिया था।
वहां तुम को जो काम करना
पड़ रहा है। बेटा यहां
पास ही काम देखना दूर
तो तुम को बहुत ही परेशानी
होगी।
यहां बिजली वगैरा कुछ
नहीं पाते हैं। उन को
लिखना कब तक है।
जब बहू उठ नहीं देता।
बन्द करो।

तुम्हारा बाबा
[signature]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

11.1.78

My dear Sushil

A letter from the U.P. 'Awas Vikas' was received per Reg. Post here. I am sending the same to you. They want you to pay the balance by March 3rd. I wonder why 'Harish Chandra' did not reach them. It was sent through Mr Vijay Gupta to Delhi. I have sent a copy of Uni. Syllabus to you. It must have been sent by the way leaving Delhi on 3.1.78.

Aditya is still in the

Nursing Home of S. P. Gupta.
He will take a month
more. What results
is not certain.
The cold wave is very
severe here and
according to papers
it has claimed 101 lives
in Bihar. It must
be very cold there.
I am anxious about
Indira's prospects.
She is trying to get some
job there. It should be
carefully arranged. With love to you all
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

11-1-78

प्रिय मनु। खुश रहो।

तुम्हारा नव वर्ष का पत्र तो पिछले सप्ताह में मिल था जैसे वहाँ बाहर से windows खोलकर पढ़ना नजर आता है।

मैं australia के test- की 4th test के तीन दिन की Score की cutting भेज रहा हूँ जो तुमने मुझे लिखने को लिखा था। आज चौथा दिन खेल ~~हो~~ रहा है। Lunch तक उन के बाद Batsman सिर्फ

122 rooms तक छत
हो चुकी है।

तुम्हारा परचा जो तुम
यहाँ छोड़ गए थे
Birth date का वह मैंने
पिछले पत्र के साथ भेजा
था।

हम यहाँ ठीक हैं। कोई
फिकर बात नहीं है।
तुम लोग वहाँ ठीक
रहो यही मेरे लिए खुशी
की बात है

तुम्हारा बाबा
[signature]

DHANPAT RAI GUPTA
B.Sc., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२४/२/१९५८

प्रिय सुशीला तुमको हमारा बहुत सा प्यार

सबसे पहले तुम्हारे जल्दी जल्दी दो पत्र मिले। यह बात पत्र जल्दी जल्दी आते हैं अच्छा लगता है और पता होता है कि वैसे ही पत्र जल्दी जल्दी आते रहें। वैसे तो तुम्हारे और हमारे पत्र जल्दी ही आते रहते हैं कभी कभी ऐसा हो जाता होगा जो पत्र लिखने में कुछ समय लग जाता होगा।

विपिन के पास भी उषा की फोटो है। अपनी [illegible] से यहीं पर मिल गया है यह तो स्पष्ट है पता चल सकता है कि वह भी जल्दी हम से तो सदैव के लिये ही विदा हो गई है अब तो ईश्वर से यही प्रार्थना है कि उसके बच्चे बने रहें यही उसकी निशानी है। अब तो सब्र ही करना है।

आशा है कि अब लोग ठीक हो गए अब अपने घर को सम्भाले अब बेकार परेशान होने से कुछ फायदा नहीं है अपनी तबियत खराब होने पर वहां पर बहुत परेशानी होती है उसकी बीमारी से सारा घर परेशान हो जाता है।

११ ता० को सबको ले कुछ दिन पास ऊपर आए बहुत से लोग आए थे उसको देख कर तुम्हारी याद आई। बाद और मैंने तो [illegible] होती ही पर लेकिन पिक्चर आगरा यही बहुत है और देर बाद उन बच्चों का मन भी लगता। [illegible] को उनके चाचा जी ले गये थे अभी है वह फिर आवेगा। सब तो कहते थे कि वे बाजार के चलो [illegible]। वह [illegible] भी कि देर [illegible] उनको भेजा है बाजार में वह इतना [illegible] रहती है पता नहीं अभी तुम्हारे पास किताबें पहुंची हैं या नहीं।

जैसा कि तुमने लिखा है कि उषा को [illegible] और यह लोग रोते हैं [illegible] बाजार में [illegible] को खाना खाने घर पर जाते थे

गेसी नहाने चली गई यह जयपुर में नहीं जानती है कि वह
रात में क्यों नहाने गई और अजलाल शायद जयपुर बाबू चले
गये हैं। नव॰ उपेन्द्र मोडीया के मकान में जलपान है
गड्डी देर हो रही है अब उसका फैसला होने वाला है। फिर उसका
जे पूछा था उसको तुम्हारी नौकरी हुई की कोई नहीं मिल
है वैसे इन्द्रा तो वह रही थी कि उसके मन में है शायद
रास्ते में ही रही रह गई होगी। इसका पता भी नहीं आई है
नाग ने ~~[illegible]~~ अखबार में आया है कि ७-१९-१२ता
में ~~[illegible]~~ जापान में बहुत ही ठण्ड पड़ी है २२ आदमी तो
ठण्ड से मर गये हैं लिखा है कि ऐसा जाड़ा कभी नहीं था है।
इसको तो तुम्हारी ओर से बड़ी चिन्ता होती है वहां के
लोगों को तो आदत पड़ी हुई है। लेकिन तुम सब लोग
भारत से जाकर मोटा ऊन वाला रखा करो वहां के लोग
तो मोटा ऊनी कपड़े रखते हैं वहां पर मक्के वगैरा भी मिलते
होंगे तुम सब खाते रहा करो और तुम को अचार भी खाते हैं
अपना ख्याल को खूब ध्यान रखना। घर पर तो जाड़े का
कुछ पता नहीं चलता है लेकिन बाहर जाने पर तो बहुत जाड़ा
लगता होगा। तुम तो टी.वी. पर सबको देखता रहता हो
इसको तो कुछ पता नहीं चलता है। दुकान को पता है कि
बेबी को तुम्हारी इच्छा थी कि घर में फ्रिज टी.वी. व
फोन सब हो वहां पर तुमको सभी चीज़ मिल गई है
इसको भी यहां पर बहुत ही प्रसन्नता होती है। बच्चे की इच्छा
के यही मालूम है कि तुम सब वहां पर ठीक रहो और इसको
सब कुशल लिखते रहना तुम लोग को ठीक से रहेंगे
पता नहीं वह दिन कब आवेगा। और किसको प्रसन्नता होगी

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

नीचे सब ठीक हैं। इधर रहती थी कि मैंने गुड़िया को पत्र लिखा है शायद अब पहुंच गया होगा। पहिली बार तो हरिश्चन्द्र मिल गया था इसकी बार वह भी नहीं मिला है पता नहीं डाक में कौन निकाल लेता है

सावित्री अब ससुराल चली गई है उसकी सास के लड़की ने दोनों लड़के लड़की हैं। शिक्षा के मकान यहीं पर है शिक्षा परीक्षा दे रही है। मदनलाल जी की अस्पताल में ही है।

मेरी तबियत कुछ ठीक के ठीक सी नहीं चल रही है पहिले तो दाढ़ निकल आई थी वह अभी तक उसका ठीक हो रही है और अब बुखार आ गया था। लेकिन अब ठीक है तुम कुछ चिन्ता मत करना। मौसम की वजह से बुखार हो गया था यह मौसम है यहां किसी के बुखार भी हो जाती है। ऐसे समय में स्वास्थ्य की बहुत याद आती है। तुम लोग कुछ चिन्ता मत करना हम यहाँ पर बिल्कुल ठीक हैं। आज कल यहां पर भी ज्यादा ठंड पड़ रही है आज बादल भी हो रहे हैं।

प्रिय हर्षवर्धन लेपज को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
१।१२।६२

प्रिय बेटे शैल तुमको स्नेह बहुत बहुत प्यार

तुम्हारे सप्ताह बाद २ पत्र तो जल्दी जल्दी देखकर बहुत ही प्रसन्नता होती है। ऐसा मन होता है कि बस बार २ पत्र पढ़ता ही रहूं।

बेटे हम तो अपना ध्यान रखते ही हैं लेकिन तुम भी अपना ध्यान रखना बेटे आजकल वहां पर आग अधिक पड़ती है तुम्हारा स्कूल इधर कालेज है या बेला ही है स्कूल आते हैं तुम तुमको बहुत आना जाना होगा। तुम अपने मोटा खूब खाते रहो बेटे अब तुम्हारे एक्जामिनेशन ठीक होगा कि शाम हैं या ठीक हो गये हैं।

बल पहिला के बाबाजी का पत्र आया है वह बलवन्त के पहिला पुत्री ने पास अपना कोर्स बनवारे सरि हैं उनका कोर्स ठीक बन गये हैं उन्होंने लिखा है कि कुशाल का बड़े भाई का बाड़ पर पास आया है बलवन्त के दोनों ने पेट पास पेज दिया है इससे बहुत ही प्रसन्नता हुई कि इतनी दूर पर भी इतना ध्यान रखा। लिखा था कि लोग ने अपना पता उसको लिखा था पहले लोग को पत्र लिखा था फिर कुशाल ने उसका पता लिखा है शायद पहिला वाला पत्र नहीं पहुंचा होगा अब फिर कुशाल वाला ~~पत्र~~ पता लिखा है।

मेरा मन पहिला आने को बहुत करता है लेकिन अकेले आ नहीं सकता हूं।

तुमको हमारे तीन पत्र एक साथ मिले पता नहीं बीच में कहाँ रुक जाते हैं।

तुम्हारे पत्र से हाल हुए कि कुशाल से मिलने गई और कुमकुमदान हैं जाते हैं तुम बराबर हमारे लिये व सेर कमाना के लिये भेज रहे हो। हमको यह चीजें तब मिलती हैं।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी और तुम्हारे साथ वाले भी चले गये होंगे। अब तो तुम अंग्रेजी बोलने में खूब होशियार हो गये होंगे। जब यहाँ पर आओगे तो तुम से बात करने में तो हमको सोच कर बोलना पड़ा करेगा। अच्छा है हमारे बच्चे वहाँ पर खूब अच्छे होकर आयेंगे। अपना खूब ध्यान रखना कपड़े खूब पहन कर जाया करो वहाँ पर बहुत जाड़ा पड़ रहा है। हमको यहाँ ठीक रही है।

प्रिय कुशाल व सरोज को हमारा आशीर्वाद पहुँचा [illegible] देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

॥ श्री ॥ 14.1.78

बेटी गुड़िया रेणु खुश रहो

तुम्हारा 4.1.78 का पत्र मिला था।

हाँ प्रजोय यहाँ से 26 से 27.12.77 को प्रातः से पूर्व फिर दिल्ली चले गए थे। मुझ को वह मिले ही नहीं। मैं उन के मकान पर गया था। उस के बाद तो बच्चे भी बिलकुल नहीं बोले। शायद उन को कह दिया होगा कि किसी से कुछ न कहें।

Syllabus मैं ने 2.1.78 को Telephone ~~करके~~ [illegible]

के हाथ दिल्ली भेजा था
और कहा था कि 3.1.78
के बेग में पिंडी- में रखना
कर कर भिजवादें। वह तुम
को मिला या नहीं। न
मिला होगा तो मैं दूसरा
मंगाने की कोशिश कर
रहा हूं फिर भेज दूंगा।
रास्ते में चीजें गुम होने से
तो किसी बात का भरोसा
ही नहीं रहा है। फिर भी
जो ~~का~~ चीज़ पहुंच जावे
ठीक है। जो रह जावे उस
का सबर करना चाहिये

तुम्हारा बाबा
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

14.1.78

My dear Sushil

The address of Deepa is :- Deepa Goel
Box 2900
Grantville Pa 17028
U.S.A.

Ushas husband, Ajay came to Meerut on 27.12.77 and was due to return on 9.1.78. But he was trying not to go. I don't know whether he has gone or not. He had some harsh words with Upendra. He wanted Upendra to deposit Rupees one lac

in a fixed deposit
in the name of Usha's
children so that
the expenses of the
education of children
could be met out
of the interest of
the deposit. Upendra
refused to make the
payment for deposit.
Upendra asked Ajay
to hand over children
to him if Ajay did
not want to spend for
them and wanted Ajay
to give in writing that
Ajay will not interfere
in their matter. This was
refused by Ajay. yours affly
[illegible]

14.1.78

बेटा शैलजू ! (खुश रहो)

तुम्हारा 4.1.78 का पत्र मिला।
Sallahuddin नाम है उनका
जो तुम्हारे पापा के पास जा रहे थे।
वह जावड़ के रहने वाले हैं।
वह यहां साल में 1 या
दो बार आते रहते हैं अपने
काम को। वह रज़ी वकील
के बड़े भाई के लड़के हैं।

पिछले लिफाफे में मैं ने
Austria के 4th test का कुछ
score भेजा था। उसका पूरा
बाकी score भेज रहा हूं।
5th Test - 28.1.78 से होगा।
यहां Newspapers में तो
वहां तुम्हारे आसपास का

ठण्ड का बुरा हाल लिखा
है। लिखते हैं बहुत से
आदमी ठण्ड से मर गए हैं।
तुम लोगों को तो वहां की
ठण्ड की आदत भी नहीं है।

अपना ख्याल रखना।
जाने आने में काफी ठण्ड
होगी।

सुधीर जी से कहना
उन के friend जो मुजफ्फरनगर
आते है उन को मैं ने letter
लिखा था लेकिन दस दिन
होगये उत्तर नहीं आया है।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

मेरठ सिटी
२५।२।१९६८

प्रिय सरोज सस्नेह सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा पत्र आया था देरे उत्तर इतना देरी से था आशा है कि तुमको मिल गया होगा। वैसे दोनों बच्चों के पत्र तो आते ही रहते हैं कुशल तो मिल ही जाती है।

तुम्हारी ओर से चिन्ता है लिखना अब तुम्हारी कैसी तबियत है। अब तुम अपना चित्त संभालो जो होना था हो गया है अब तो केवल भुलाना ही पड़ेगा। मैं भी बच्चों को देखने नहीं जा सकी हूँ। क्योंकि कितने दिन से मेरी तबियत भी ठीक सी नहीं चल रही है जरा बुखार आ गया था अब ठीक सी ही हूँ। चिन्ता की कोई बात नहीं है।

पूर्णिमा अब २९ता को है और सकट २० जनवरी को है आशा है कि तुम त्योहार तो मनाओगी। ही मैंने पुत्राप की जगह पर तो रुपये ही भगवान को नाम कैसे राय देना कैसे कि मैं कहती हूँ। त्योहार मनाओगी बिलकुल मनाओगी लेकिन तुम्हारी तो बच्चों की बहुत ही याद आयेगा कहते रहते थे कि हलवा बिलकुल बनाना अब उनके कौन कहेगा। तुम चाय जरा सा बनाना पड़ेगा दिल की मेरी बड़े शौक से खाते थे याद तो जो भी चीज बनाओ याद तो आते ही हैं। अब आज जरा सा मन को हलवा बनाया है। तुम अपने यहां पर एक चीज़ बना को खाया करो इससे मुझे प्रसन्नता होगी।

खुद अपने शरीर का ध्यान रखना। तुम्हारे ठीक रहने से ही सारा घर ठीक रहेगा।

आज दिवस से मैं आदित्य को भी देखने नहीं गई हूँ वैसे भी तो बिचारा होसपिटल में ही रहेगा। बैठे बैठाए को परेशानी होगई है।

यहां पर उपेन्द्र चार दिन हुवे आये थे पलाने में सब ठीक हैं। उपेन्द्र से उषा के ससुर कहते थे कि खुद बच्चों के नाम २ लाख रुपया जमा करदो उसके ब्याज से १०००) आवेगा ब्याज का उस रुपये से बच्चों का खर्च पढ़ाई का चलता रहेगा। लेकिन ऐसे लोग इतने रुपये देने को तय्यार हो जावेगा उपेन्द्र ने कहा है कि क्या यह आवश्यक है कि १०००) रुपया चाहिता बच्चों की पढ़ाई पर लगाया जावे थोड़े से रुपये से भी तो पढ़ाई चल सकता है। कहते हैं कि दोनों बच्चों को अपने पास रखकर पढ़ाओ। उपेन्द्र ने कहा कि हम दोनों बच्चों को रखने को तय्यार हैं लेकिन यह लिखदो कि हमारा बच्चों से कुछ मतलब नहीं है। इस पर सास ने कहा कि हम गरीब हैं लेकिन अपने बच्चों को नहीं देंगे। यह अच्छा है उपेन्द्र ने साफ २ कह दिया। सब का मतलब ही बच्चों की नेती परेशानी हो गई है सब रुपये का फेर है।

प्रिय कुशाल को हमारा आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

मेरठ सिटी
२२।१२।१९६८

प्रिय बिटिया गुड्डा तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारे १० व ११ को के लिखे हुए दोनों पत्र हमको १२ को को मिले हैं। दोनों पत्रों को देख कर बहुत ही प्रसन्नता हुई। बिटिया हमको यहां पर ठंड रही है और अब तो हम को और भी अपना ध्यान रखना पड़ता है कि यदि बीमार हो गये तो कोई करने वाला भी नहीं है। तुम हमारी ओर से कुछ चिन्ता मत करो अपना ध्यान रखना क्यों वहां पर जाड़ा बहुत पड़ रहा है कपड़े खूब पहना करो और बड़े कोट खूब ओढ़ा करो यहां पर तो इसको [illegible] को तरसेंगे वे यहां पर तुमको रोज ही [illegible] को मिलता है अभी तक तो तुम घर पर ही रहती थी। लेकिन अब तो कॉलिज जाने लगी होगी। तुम्हारे कॉलिज जाने का क्या समय है मोटरिक्शा से जाती हो बस स्टैण्ड से कितनी दूर पर जाता है खूब सारे कपड़े पहन कर जाया करना। सरोज की ओर से चिन्ता रहती है अभी तक तो तुम सब लोग गौरव को याद करती रहती थी अब अकेली सरोज को ही करना पड़ा करेगा। उसका इस बार गौरव का ध्यान रखना। और जो होना था हो गया अब तो अपने चित्त को संभालना चाहिये। गुड्डी मेरठ अपनी नानी के पास आ रही है उसको नाना के लिए मैं [illegible] था लेकिन [illegible] गये थे मैं और तुम्हारे नाना जी इन्द्रा के पास गये थे मकान में [illegible] सब [illegible] हैं

मैं कल नन्हें जी के घर पर गई थी [illegible] नन्हें जी की बातों की [illegible] अनुपमा हुई थी तुमको जाने पर पता चला बड़ा बुरा लगा कितने दिन में वह दिखाई और भी [illegible] मैं दिल भी नहीं लगता उनका [illegible] चल रहा है [illegible] अब यहां पर नहीं रहता है उसने पढ़ना छोड़ दिया है

और गांव में रहती है यहां या तो उनके पिताजी य भाई
मौत रहते है तुम नहीं पर सबर लिये प्रेशान क्यों होवो हो
यदि पत्र नहीं लिखती है तो ठीक है तुमको ही लिखने की रहती
क्या आवश्यकता है। और बेटी एक बात और मैं तुमको कहना
दूं। तुम अब येदोली शादी के मधु की चोखे नौरा को पत्र लिखना
और अब इन लोगो को चोरो फकर में आप भी अच्छा नहीं लगता
है जब टिकता ही नहीं रहा तो चोखा रेल का ही क्या खुशी
होती है अब यह लोग बान को नहीं बुलवेगे। यदि यह लोग
भेजेंगे तब भी नहीं रखेंगे। जो लडकी अबर बात को होले २
शब्द लिखती है यह कैसे जान रह रही है। अब तो बस
राजी खुशी रहता है कि आपो बास ही करेंगे। दुख तो बहुत होता
है लेकिन चारा भी क्या है। अलवा यह या आई भी अब यह
१२ कलीसी जो अपने चाचा गोले लड़के की शादी में बुलवेमा।
यदि तब तक लेन को पैलिट आया को उत्तर मिलना देग
इसके तुमने रवि कोट के बारे में नहीं लिखा था क्योंकि
किसी चोर वो डिना लगाता ही रहता है और ग्यारह तोलगा
वही भी पैर में अधाव्द में गया सो गायब हो गया था। तुम
को लिख कर बेकार में प्रेशान करे। और मैं नहीं
नहीं लिखा था तुम अपना ध्यान रखो जरे हम तो
अपना बहुत ध्यान रखते हैं। और यही की लाता हुआ
है यदि बेपार होगये तो ठीक रहेगा। इसके मंगिल्ल में
भेजी कडलवा ली है और तुम्हारा कुशल वाला रेडियो भी
ठीक होवे को दे रखा है। तुमको तो बुध्या टेलिस्टर
रेल का बहुत ही जाय होता है तुमको लिखना आता था
हर समय अपने पास रखती थी जब छोड कर चलीगई

गन्न चलाती हूं। नशा उतर सा जाता है खैर यहां
पर तुमको ये तो दिक्त गया है लेकिन उनमें तो अंग्रेजी
की दिक्कत आती होगी अब तो तुम्हारी कुछ जरूरतें पूरी
होगी मैंने तो तुम्हारे आने के बाद में कोई दिक्कत नहीं देखी
है मन भी नहीं लगता है। आज यहां पर भी गाड़ी हो रहा
है मानसून हो रहे हैं। अभी सुशील को कार नहीं मिली है
बिचारे को परेशानी हो रही होगी। पता नहीं कब मिलेगी
कार आने पर तो फिर आराम हो जावेगा। उषा के लड़का
पैदा हुआ है अच्छा हो गया है। रचे तो वो ही उषा के पास रहे
तुम्हारा पत्र आया है। नीता का पत्र आया था रहती है
उसको पढ़ाई करनी पड़ रही है। फिर कही है कि कहीं अच्छी
जगह नौकरी मिल जावे। पप्पू भी करण डिवीजन के पास
हुआ है उसकी भी इसाल को पढ़ाई हो है अनुपार इलाहाबाद
वापस देखने भी गया है फिर अगले महीने रखने के लिये
नैनपुरा बार जावेगा। वह तो बिचारा घूमता ही रहता है
सुशील का भी यहां पर रविवार में पत्र आया है। उसने नये
बर्थ का नाई देगा। यहां पर आया नहीं है उसके पत्र से
बात हुआ कि हमारा कोई भी पत्र भी उसके पास नहीं पहुंचा है
योगेन्द्र को पता लग गया है इन बिचारों को भी आप
लोक है परेशानी ही है। मिल कार का डेमांजमेन्ट हुआ
है वह तो बेकार हो गई होगी मोटर पार्ट कार छूट
जाती है तो यहां पर कोई नहीं होता है फिर कई न
ही लेटर की पड़ती है। सुशील कार लेंगे तो लेकिन
पुरानी का काम हो रहा है। रविवार के यहां आयेंगे

है कि इतने भार से ठीक रहे और खाद्य सोली हो
फिर तो तुम भी चलने लोगे योगी। वहां पर तो
भार भी बहुत ही तेज चलाने पड़ते हैं। मिश्रा २ बजे को
शोभा चली गई है उसका ... पास पत्र आया था तो अच्छा
नागपुर है। यह मालूम है पप्पु तो बहुत दिन से
पत्र नहीं आया है। राजो १६ ता को आया था और २० ता
को शायद को बेचलो चला गया है। तुम्हारे बाबा जी योग
व्यायाम देखने बिल्कुल भूल गये हैं तुम्हारा पत्र आने पर ध्यान
आया है। यह जानकर चिन्ता दूर हुई कि तुमको हॉस्टल
मिल गया है। इन्होंने नई से बहुत रखना था फिर
गीता ने यूनिवर्सिटी से मालूम किया था यदि तुमको
मकान मिल जाता नहीं तो बेचारा देना होगा।

गल्ला को देख कर तुम्हारी बड़ी याद आई। विद्यार्थियों
का ही मैटी की इनाम यही बहुत है और घर से
ज्यादा घर विद्यार्थी का मन भी नहीं लगता।

तुम्हारे बाबा जी का शुभाशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
बनारसी

CHA[illegible] RAI GUPTA
PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२२।२।१९७२

प्रिय विद्या सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा २० ता० का पत्र लिखा हुआ इसको १९ ता० को
मिल गया है इसका १९ ता० को बच्चों के व तुम्हारा २०–२१ ता०
के लिखे हुए १९ ता० को दोनों पत्र १ साथ मिले हैं दो पत्रों को
देख कर बड़ी प्रसन्नता हुई। २० जनवरी को बल्देव जी को बहनोई जी
रात्रे १९ ता० को यहां पर आ गया था चेकोस्लोवाकिया में [illegible] हैं वैसे
बालक तो ऐसे ही रहते हैं। लड़की से कोई मिला नहीं आई है अब
तो रात्रे ने निश्चय कर लिया है कि अब तो वापिस ही लेंगे।
ऐसी लड़की को बुलाना ठीक नहीं है यही चिन्ता है कि पता नहीं
भविष्य कैसा होगा या किसी [illegible] लग जायेगा। यह परेशानी बेहद
बेहद ही हो गई है। मुझको बहुत दुख होता है कि तुम्हारी तबियत
ठीक नहीं चल रही है और उमा की मृत्यु से बहुत दुख हुआ है
तेरा बहन का दुख होना तो स्वाभाविक ही है लेकिन अब कितना ही
दुख मानती रहो कोई फायदा नहीं है अब तो सबर ही करना है
चाहे जैसे भी मृत्यु हुई है तुम लोगों से तो बहन गई है ही
यह दुख हुआ होता है यदि अपनी मौत से मरती तो सब्र आ जाता
जाता है तो इससे बहुत ही दुख होता है। वह लोग तो पूछते नहीं हैं
जैसा कि इसने फोन पर बतलाया था। और [illegible] सजाय बाबू
यहीं पर है। [illegible] उमा का ख्याल है। कहते हैं कि [illegible] में
जेवर नहीं है बस चिट्ठियां ही रखी हुई थी शायद जेवर
उनके लोगों को दे गई होगी। [illegible] ने [illegible] कहते थे कि
तुम लिखती इसमें जेवर नहीं निकला है। [illegible] कहता है लिखते
सामान रखा नहीं है इस लिये मैं कैसे लिख सकता हूँ कि इसमें
जेवर नहीं था। अलबत्ता यही इन लोगों ने निकाल कर झूठ
कह दिया है कि जेवर नहीं निकला है।

मैंने तो समझा कि उषा को भी शंकर ने भी लिखा होगा।
अबकी यही परेशानी सुनने को मिल रही है। उपेन्द्र यहां पर आये
थे उनसे पता चला था कि गुड्डी की तबियत खराब है और इन्द्रा
बैठ आई हुई हैं। मैं और तुम्हारे बाबूजी १२ ता को इन्द्रा के
पास गये थे। दिखाई बहुत ही उषा को और रहे होती थी वैसे
भी तुम लिखा को सब इसलिए है प्यार भी बहुत है। गुड्डी को बुखार
था लेकिन १२ ता को पेपर देने गई थी। उस दिन उपेन्द्र की
बहू भी ~~उषा~~ गुड्डी को देखने आई थी इसलिए सामने ही शयन
को चलाने चली गई थी। उषा का लिखना बहुत ही खूब है
लेकिन अब तो तुम अपने शरीर का भी तो ध्यान रखो यदि तुम
ठीक नहीं रहोगी तो घर का कैसे होगा तुम सफल यार हो
अपना उस वक्त नहीं लगेगा मुझको अब तुम्हारे लिए ही बड़ी
चिन्ता रहती है। आशा है कि तुम हमारे और को देखते हुए
अपना पूरा ध्यान रखोगी यदि थोड़ा बराबर बैठा रहा करो
बैठ सको और ता को ध्यान रखना बहुत ज्यादा करो। ऐसा अब
अपने पत्र को संभालो अपनी गृहस्थी का भी तो तुमको रखना है
मीना गुड्डा अब भोजन गाने लगा होगा इसका नौकरी
का क्या चक्कर हो गया है पता नहीं यहां पर इसको नौकरी
मिलेगी नहीं पास में ही नौकरी दिलवाना दूर से आना
जाना कैसे ज्यादा लगेगा। यदि यह पता होता कि गुड्डू
को यहां पर इतनी परेशानी होगी तो इसको हम कभी भी न
भेजते। वैसे प्यार में बच्ची पली हुई है और अब नौकरी के
लिए परेशान है। ईश्वर से प्रार्थना है कि इसको काम में
सफलता प्राप्त हो। बाबूजी ने घर पर लिखाई की वजह से परेशान
हैं इसलिए पत्र नहीं लिखा होगा सुधीर के साथ बहू लोग
की शादी के बाद में चले गये हैं। यहां पर सुधीर की बहू व
आदित्य की बहू है। आदित्य अभी अस्पताल में ही हैं अभी तक
फ्लास्टर नहीं चढ़ा है फ्लास्टर चढ़ने पर घर पर आ जायेगा

[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
LL.B., PLEADER
MEERUT

तुम आशा है कि अपना पूरा ध्यान रखोगी। यहां पर तोतू भी आये थे। उन्होंने कहा कि [illegible] का पत्र नहीं मिला है वह लिखते हैं कि मैंने पत्र लिखा था और वह बड़ी को भी डाला था लेकिन उनको यहां पर मिल रहा है नहीं रहने से रुक गया है। सावित्री यहां से चली गई है शिखा यहीं पर है और सावित्री को [illegible] देहली [illegible] से तोल है तोता कुशल को तरह से देहली जाता है।

और तोचे और सब जगह ठीक हैं। तुम्हारे बाबूजी को आशीर्वाद। [illegible] शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

प्रिय बेटे कुशल सहित [illegible] चिरंजीव रहो
यहां पर सब ठीक है। तुम सबको [illegible] से [illegible] करती हूं।

तुम्हारा [illegible] द्वारा आया हुआ पत्र टेलीफोन वाले गुप्ता जी से मिला है। यहां पर इन लोगों को छुट्टी नहीं रही थी इसलिए जब यह देहली गये तब तुम्हारा पत्र लाये। [illegible] की तबियत अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है तुम इसकी दवाई [illegible] को [illegible] रखना

इसका पत्र तुम्हारा २० ता का लिखा हुआ मिला है रात्रि ने [illegible] ही तुम्हारा पत्र मिला है यह १९ ता को आया था और २० ता को [illegible] वाली भी [illegible] १८ ता को ही तुम्हारा १० ता का लिखा हुआ पत्र मिला है।

तुम्हारी [illegible] को [illegible] नहीं हुआ है यह तुम [illegible]

तो सिवाय ऐसे ही उसकी याद से चलने की सोच
गये हो तब पहिले भी चार चलाओगे किसी के साथ
के जाना तो चार दिन। स्कूल से पेटी यहां आयेगा है
कि तुमको और हम सबको चार याद वाली हो।

आज कल यहां पर भी काफी जाड़ा पड़ रहा
है और वहां पर तो जाड़ा बहुत ही है यह अच्छा है
तुम्हारे पास जाने के कपड़े हैं तुम अपना ओवरकोट भी
ले गये होंगे। तुम जो होली नाके वाले अपने बापू जी
के ले गये हो यदि वहां पर तुम्हारे पास होती तो
बहुत काम देती फिर अपनी आंखों का पूरा ध्यान
रखना पेट खाना व ठन्डी बेत रहना वहां के लोग
तो यह भीतरे खूब खेते होंगे। उन लोगों को तो सर्दी
की आदत है।

गुड़िया को कोशिश नहीं ऐसी जगह दिलवाए
जो घर से ज्यादा दूर ना हो अकेली जाना को गये हम को
तो बड़ी चिन्ता होती है। पता नहीं इस बिचारी को कैसी
परेशान होगी तुम इतना रही अच्छी जगह ही बाप
दिलवाना। यहां पर सब ठीक है पत्र जल्दी ही देना

हमारे सामने जो वकील साहब (बलिराम) रहते हैं वह स्कूटर से आ रहे थे
बाड़े से टकरा लगा कर गिर गये और
सीधे हाथ की कुहनी से हड्डी टूट गई है चार दिन हो गये हैं
अभी तक प्लास्टर चढ़ा है। दो मास चढ़ेगा। आजकल
जरा गिरने पर ही हड्डी टूट जाती है। बताओ लगता है

तुम्हारी अम्माजी
&
प्रभावती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
22/11/62

प्रिय बेटे शैल, तुमको हमारा बहुत सा प्यार।

तुम्हारे दोनों पत्र एक 7 ता० का और एक 22 ता० का लिखा हुआ इकट्ठे 26 ता० को मिले। दो पत्र इकट्ठे देखकर बहुत ही प्रसन्नता हुई। ऐसा मन होता है कि अब पत्र पढ़ती ही रहूं। अब तो पत्र का ही एक सहारा हो गया है यह पता नहीं था कि ऐसा समय भी आयेगा जो प्यारे बच्चे इतने दूर चले जायेंगे जो देखने के भी तरस जायेंगे। अब तो बस दिन गिनने वाली बात हो गई है एक एक दिन कम होता है तो यही लगता है कि चलो तीन साल में ... दिन तो कम हुए हैं।

आज अग्रवाल घर पर आये थे तुम सुशील से यह कहना सुशील ने प्रेशर कूकर की रबड़ को मंगाने के लिये तुम्हारे बाबूजी के पास लिखा था। तुम्हारे बाबा जी ने उनसे जिक्र किया था कि तुम जरा ज्ञात करना कि कहां से रबड़ का सम्बन्ध(?) या नहीं। अग्रवाल कहने लगे कि मैं कुछ दिनों में ज्ञात करूंगा यदि मिल सकेगा तो मैं रबड़ लेकर बनारस से उनको दे दूंगा आप लिखना ना करें। और यदि ना मिल सकेगा(?) होगा तो यह अवश्य ही भेज देंगे। इस तुमको जी ने आज पत्र में लिखने भूल गये थे आज के पत्र में रख कर भेज रहे हैं आशा है कि तुमको ठीक मिल जायेगा। क्या तुमको वहां पर यह लगाने के लिये चिट्ठी मिल जायेगा। वैसे तो तुमने लिखा था कि दूध की खाली बोतल में लगा लेंगे।

सुबह को कल्लन(?) में पानी पकाने लगाया था यह ठीक

चल रहा है तुम्हारे बाबा की उतना बहुत ध्यान रखते हैं
क्योंकि तुम अपने हाथ से लगा कर गये हो यदि कोई
पूछता है तो कहते हैं कि यह मेरे नहीं होगा यह तो शैल
अपने हाथ से लगा कर गया है। मैं इसको मोर मैं देगा।

यहाँ पर अब बाल बहुत कम गिर रही है बहुत ही
ठंड है यदि बाहर रहते हैं कि ऐसी सर्दी में हमारे
बच्चे स्कूल कैसे जाते होंगे। तुम्हारी बस तो हयर कन्डिशन
होगी। तुमको स्कूल में नाश्ता क्या मिलता है। तुम दूध और
सूप लिया करो। मौजे और कैसे बांधना पर सब पहिनते होंगे
तुम सब ठीक रहा करो कि जिससे जाड़ा इतना नुकसान न करे

तुम्हारा मकान इसकी मंजिल है या कौनसी मंजिल पर
है तुमको ऊपर जाने में ओर से जाना पड़ता है या ऊपर
जाने में लिफ्ट से ऊपर जाते हो। तुमने जो बड़ा फोटो
भेजा है उसको तो मिला नहीं है यह लोग जब आयेंगे तभी
मिलेगा। अभी तो आये नहीं होंगे

नीरज को पत्र आया था कानपुर में भी सब ठीक है
तुम जब से गये हो बच्चू तो बस एक बार ही आया है
१६ ता को शादी आये थे और २० ता को चले गये हैं
वैसे सब आप ठीक हैं।

बेटे तुमने फोन किया थी लेकिन मैं तो तुमसे कुछ
भी नहीं बोल पाई हूँ। तुमको तो कुछ भी आवाज भी
ठीक सुनने से भी कुछ तसल्ली नहीं हुई है मैं तो
पकड़ सी गई। पता नहीं क्यों तुमको तो कुछ सबको भी
आवाज ही नहीं ठीक सुन पाई हूँ। अब पता नहीं अपने
बच्चों की प्यारी सी आवाज कब सुन पाऊँगी। फोन करना

को आराम नहीं है क्योंकि सबका ही दिमाग में घूमता
लगता है और सबको भी बहुत लगते हैं। बस अब
तो एक पत्र का ही सहारा है पत्र आजाता है तो
ज़रा चैन सी हो जाती है। आज तुम्हारे बाबाजी लिख
रहे हैं रंजना का सन्देश है तुम्हारी बड़ी याद आएगी
तुम कहते थे कि अबकी दफे लिखे बूटे भी बहुत साथ बनाना
गुड़िया कहती थी अबकी बार गुड्डे को बनाना जब तो पुकारते
बोलेगा। बस याद ही करते रह जायेंगे।

प्रमोद बाबू अभी ताखीं पर है। बच्चे दोनों ठीक हैं
इनको भी तुम्हारे जन्मदिन पर याद आती रही।
हमारे तो तुमसे यही कहना है कि अपना ध्यान रखना
लोग भी और से बड़ी चिन्ता रहती है उनकी तबियत भी
ठीक नहीं हुई है। वह अब भूल जाये क्योंकि अब याद
करने से कुछ भी फायदा नहीं है। उधर आज कल
इलाहाबाद है। तुमको मालूम होगया होगा कि पप्पू
कॉलेज करके डिप्लोमा से पास हुआ है उनका सब इलाज
रह गया है लोग तो पढ़ाई करते में पूरी हो जायेगा।

इनको सुनीता के बारे कुछ पता नहीं है
क्योंकि अब उनके घर से कोई नहीं आता है सुनीता तो
गांव में ही रहती है।

तुम्हारा गुड्डा जंगल भी आते रहते हैं बिचारे सभी
लोग हमारा बहुत ही ध्यान रखते हैं

वहतो ठीक है पेडाबी। वह इतनी रुपये की न लगती

मिठाई देहली से ला देते हैं वहाँपर साढ़े ३६) की

मिलती है और यहाँ पर ४२ या १० पैसे की मिलती है

नीचे वाले भी बहुत अच्छी बात से रह रहे हैं।

इसलिये ऐसे तो कोई ऐसा परेशानी नहीं है वह

तुम्हारी याद हो जाती है।

तुम लोग जो यहाँ से प्यारे बगीचा का सामान

लेगये थे उस बगीचा वह है अभी या खतम हो गए हैं

और सामान तो नहीं हुई थी।

गुड्डा ने पत्र से पता चला कि अभी नाटक था यहाँ

हुआ है वह जो नाटक के लिये सपने लेगये थे वापस

कर गये हैं। फिर और ठीक हो जायेगा।

अबतो तुम लोग पढ़ने बगीचा जाने लगे होंगे

घर पर मिठाई सोना ही रहता होगा।

तुम्हारे बाबाजी को आशीर्वाद।

पत्रोत्तर और जल्दी ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

कुन्ता वती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

बेटी गुड़िया। खुश रहो 22.1.78

हाँ बेटी मैं Congress को
भूल ही गया। पूरा ही लाकर
इस के साथ भेजूँगा। Usha
के letter में तुमने Inter
का Physics का Syllabus
मांगा है उस कॉलेज में ?
Suresh जो Lab assistant है
उस से कहा है। वह कल
शाम पूरा था कहता था
कुछ नया ही लिखवाया है Principal
से पूछ कर दिन में शायद
पूरा जाएगा। आने पर भेजूँगा।
सुनीता मीरा को तुम क्यों बार २
लिखती हो वह लोग कभी भी
नहीं लिखना चाहते हैं।
रोज Chandausi से पूरा आ

कहता था तुम Madhu से
बार 2 शादी के Photos को
लिखवाती हो। Madhu को इस
से बहुत दुख होता है जब
उन से मांगता ही नहीं रहा।
पूछ तुम कुछ तो लिखना
Photo के बारे में।

यहां तो हम ठीक ही चल
रहे हैं। तुम्हारा ही फ़िक्र
रहता है। वहां का हाल का
तो Papers में बहुत है।
बुरा हाल बताते हैं। तुम
लोग इस के ज्यादा न
नहीं हो।

तुम्हारा बाबा
अशोक

तुम्हारा पत्र मिल गया है
चार गाना चौथा दिन

22.1.78

बेटा शैलू । खुश रहो

हां बेटा मैं तुलसी के बीज भेजना भूल ही गया था फिर भेजता हूं ।

मेरे गिरने का क्या फिक्र करते हो । यह तो होता ही रहता है । यहां घर में ही पैर फिसल कर गिर गया था । एक बार रास्ते में गिरा था कुछ ज्यादा परेशानी नहीं हुई, दूध तो सुबह ही लाता हूं । मैं चाहता हूं तुम लोगों को वापिस आने ~~के~~ वैसे ही

काम करता हूँ।

सलाहउद्दीन जिस को तुम लोगों ने लिखा है कि वह वहाँ तुम लोगों के पास जाते थे अभी आया नहीं था। है। वह तो जब से India आते हैं मेरे पास ही रहते हैं जाते हैं। वह शायद को ही हैं। पुत्र वह American हसबाद है। साल में एक बार वह इधर आते हैं और कहीं कहीं चक्कर लगा कर वापस जाते हैं।

तुम्हारा बाबा
ORC [illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२६।१२।६८

प्रिय चि॰ चिदा सौभाग्य सदैव सौभाग्यवती रहो

तुमने गुप चारों को पत्र लिखे हैं मिल गये होंगे सुशील का २८ता का पत्र आया है इसके पत्र से पता चला है कि तुमने लिखा कि हमने पत्र नहीं दिये हैं हम तो पत्र बराबर ही लिखते रहते हैं पहुंचने में देर हो जाती होगी। अब तो केवल पत्र का ही सहारा है

२७ता को सन्त का तुम्हारी बहुत ही याद आती रही अब तो हाथ पर अकेले मैं बनाने में तुम्हारी बड़ी याद आ जाती है तुमने कुछ बना लिया होगा वहां पर तो बाटा भी शायद नहीं दिखलाई दिया होगा

मैं तुमको सन्त तुम्हारी देना भूल गई थी वैसे पहले पत्र में भी लिख दिया था कि २७ता को सन्त है। मैंने गुप पत्र में देख लिया था रहे बहू का पत्र आने पर तुमको मालूम हो जायेगी।

बिचारे नरेन्द्र व उपेन्द्र आदि भी बहुत बिचारे नौकर चाकरों के चक्कर में ही परेशान रहते हैं पानी वाला तो पार गया है ऊपर वालों को परेशानी हो जाती है। देहरादून से मित्रा का पत्र आया था उसने लिखा था कि शील का हरीश सुरीत के पास पत्र आया है।

अब तुम्हारी तबियत कैसी है। तुम्हारा और

से बड़ी चिन्ता रहती है तुम अपना पूरा ध्यान रखना दवाई वगैरा लेती रहना अब तुम्हारा ब्लड प्रेशर कितना है। अब तुम अपने घर को संभालो यदि तुम्हारी तबियत खराब रही तो सारे घर को परेशानी हो जाती है। अब तो गुड़िया भी नौकरी करने लगी होगी। उसका [illegible] मिला है या नहीं तुम्हारे बाबूजी ने दवाई लिफाफे में भेजी थी तुमने जो गुड़िया के लिये लिखा था पता नहीं पहुँची है या नहीं।

[illegible] अभी तो अस्पताल में ही है शायद २ ता. को उनके प्लास्टर चढ़ेगा तब घर पर आ जायेगा। यह लोग सब परेशान से रहते हैं इस लिये पत्र वगैरा नहीं लिख रहे हैं। अब कुमार २२ ता. को १५-२० दिन की छुट्टी लेकर आया है यहाँ पर कुमार की बहू व [illegible] की बहू है

शैल को [illegible] होगा। गुड़िया शैल को अवकाश बाद पत्र लिखेगी।

प्रिय गुड़िया शैल को हमारा बहुत सा प्यार [illegible] दे देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

मेरठ सिटी
२९/१२/६८

प्रिय बेटे कुशल सैव सकल वांछित गौव रहो

तुम्हारा २६ता० का लिखा हुआ पत्र इसको
२६ता० को मिल गया है। इस तो पत्र बराबर लिखते
रहते हैं पता नहीं कहीं डाक खाना में देर हो जाती
होगी। तुम्हारा शौक से पत्र का इंतजार है। पत्र
आने से जरा शान्ति सी हो जाती है।

कुलदीप २७ता० की रात को साढ़े ७ बजे
देहली से आया था वह इलाहाबाद गया था
और २८ता० को चंदौसी गया है दोपहर २ बजे की
बस से २९ता० को चंदौसी से लखनऊ चला गया
होगा यह विचार आता तो थोड़ी देर के लिए ही
है। लेकिन जब देहली जाता है तो दिल जाता है
२७ता० को सकट भी था जरा त्योहार पर कुलदीप
आगया तो अच्छा लगा। सकट के दिन तुम चारों
की बहुत ही याद आती रही। इतना तो पता
है कमोरी को बहुत ही शौक था वहां पर इतनी
पतों का भाता नहीं मिलता होगा।

चंदौसी का हाल भी नहीं हुआ है लड़के
वाले भी चुप बैठे हैं और हम भी। सबको तो
का विचार डाइवोर्स लेने का ही है। अब देखो

कैसे और क्या होता है। बड़ी चिन्ता रहती है।

अभी तुमको कार मिली है या नहीं। मोटर कार

लेने पर अच्छी तरह से सोच कर चलाना।

शायद अब कॉलिज जाने लगी होगी

उसका अभी [illegible] तो कालेज का [illegible] हुआ है या नहीं

यहां पर गर्मी बहुत पड़ रही है। तुम सब

अपना [illegible] ध्यान [illegible]।

शायद सोम को बाद में पत्र लिखूंगी।

जवाब शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

29.1.78

प्रिय

बरोगडिया लिख रहे हो

तुम्हारा कोई पत्र बहुत दिनों से नहीं मिला। हम यहां से जल्दी लिखते हैं पर सुशील के पत्र से पता चला वहां हमारा पत्र बहुत दिनों से नहीं मिला। क्या होता है पता नहीं। मैं ने पिछले पत्र में दवा और Corners भेजे थे। पहले मैं जिस में शालू को पत्र भेजा था उस में तुम्हारी के बीच में पता नहीं वहां पहुंचा या नहीं। Physics की Inter की Syllabus भी भेजा था। लिखना यह पढ़ाते भी या नहीं। थोड़े Corners और भेज रहा हूं और भी भेजता रहूंगा। तुम्हारा

University का कायदा।

पूरा हाल लिखना। मैंने तो

तुम्हारा बहुत दिनों से खत

नहीं है। कुछ हम यहां से

कर नहीं सकते। तुम हमारे

पास रहती तो अच्छा था।

मैं तो यही समझता हूं

कि तुम लोगों का वहां जाना

कुछ ठीक नहीं रहा। वहां

किसी को भी कुछ आराम

नहीं मिल रहा है। पैसे (परेशानी)

सारी ही है। पर कुछ भी

हो भी नहीं सकता है। अपना

पूरा ख्याल रखना

तुम्हारा बाबा

[signature]

CHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

29.1.78

My dear Sushil

I have received your letter of 16th Jan. But not of children. I had sent only one syllabus of University and had written to you that I had secured one more and would send the same if the previous one would not reach you. I can send the other one if you request. I have also sent Inter syllabus for physics. The original printed was in Hindi while English copy was in the hand of the Principal and signed by her. I don't know if they reach you. I sent these as Usha told me that Vindya required the Physics Inter syllabus.

Usha could not get that syllabus.

I had written to your friend who had come from your place but he did not reply nor he came here. I had written to him at his Mr-nagar address 152 C new mandi as given by you.

Ajay had lodged a report alleging that Manwana people and Yogendra in conspiracy with Bank people removed Usha's ornaments from the Bank locker. However the police did not believe all this. He feared that the police might take action for giving wrong information & wanted to leave Muzaffar on 28.1.78.

Yours affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., B. PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
३१।१२।१९७२

प्रिय मिसिदा तुमको हमारा बहुत सा प्यार

सुशील का पत्र २५ ता को हमको मिला था उसके

मतलब उत्तर दे दिया है वह पत्र ३२ ता तारीख वाले बैठे

बेग से मिलेगा। हमने टेलीफोन वाले गुप्ता जी को डालने

के लिये दे दिया था। हमने सुशील के सतोग को ही लिखा है

विशिष्ट हम तो पत्र बराबर डालते रहते हैं पर

बेग में ही कुछ गड़बड़ हो जाती है अब तुम देखो

तुमको तीन पत्र हमारे एक साथ ही मिले हैं। कभी कभी

देर हो जाती है वैसे तो हमारे व तुम्हारे पत्र आते जाते

ही रहते हैं। लेकिन पत्र मिलने में देर हो जाती है तो

चिन्ता तो हो ही जाती है।

अच्छा वह जो मुसलमान लड़के हैं वह घर

पर आदि के बराबर का फैसिट व दो तीन की शीशी

दे गये हैं तीन शीशी अब करवाते से कलकत्ता

भेजेगा उसको वह दोनों शीशी दे देंगे। तुम ओवल्टीन

को पत्र में लिख देना कि मेरठ जाकर घर से शीशी लेना

होगी। क्योंकि बहनों जी कि मैं शहर को मेरठ आऊंगा

सबके पास आना नहीं होगा। वैसे अब तक बहुत बार भी

तो तुमसे मिलने आये थी। वह जो तुम्हारे पास से आये हैं

उनको देख कर बहुत ही प्रसन्नता हुई है ५ महिने के बाद

होने को हो गये हैं अब उन्हीं अपने बच्चों का समाचार मिला है

वह तुम लोगों की बहुत ही तारीफ कर रहे थे कि हमको

खाना खाना सोना बहुत अच्छा मिलता है। बहुत ही

डेढ़ से लिखे हैं। हम वहाँ पर जाते थे। नवाब हैदर का
बहुत ही प्रसन्नता हुई है नवाब बहुत ही अच्छे हैं और
बहुत मोटे हो गये हैं। हमने भी उनसे पूछा था कि युद्ध
के मौके पर क्या तो कहने लगे। कि वे तो खुदा [illegible] आयेगा
और सुशील से तो हमारे मील पर बतलाते थे। बहुत से
आप लोगों से मदद करेंगे और मेरे व उनके दोनों के पास रहेंगे
कहते थे कि वह सब आप लोगों को बहुत ही याद करते हैं
हमारी तुम्हारी याद तो सब जगह पहाड़ ही है। इसलिए
मैं तुम्हारे भेजे हुए नवाब हैदर के पत्र पर लगाए।

तुम अब कोलिज जाने लगी होगी। वहाँ पर
कैसा लगता है। तुमको बस की जगह है वहाँ पर जाने
पर अलग पता लगेगा। वहाँ की होस्टल भी कैसी है
यहाँ से जो तुम्हारे बाबाजी ने टेलीग्राम भेजा था वह तो
तुमको मिल ही गया है। यह अच्छा है प्रमोद मेडिकल
में इन्डिया टिकट मिलने लगे हैं। लेकिन अबको तुमको
रहीम ही नहीं मिला लेकिन अबकी बार तो तुम्हारी
भी तकलीफ होती होगी। सतर रेखनानी को भी तुम्हारी
बहुत ही याद आती रही। सतर के दिन शायद आ गई
थी उसको मैंने अपना पुरस्कार दे दिया था और खाना। लिख
दिया था कि अब तो बच्चा खाना खाने वाला हो। फिर तो
रात को आठ साढ़े बजे सुधाकर भी देहली से आ
गया था। और दूसरे दिन दो बजे देहरादून चला गया
वहीं से लखनऊ चला गया होगा। लखनऊ में सब
ठीक हैं तुमको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि बाबू जी
लखनऊ में जलसे में उस दिन भी २०) रोज की जगह मिल
रहे हैं। रोज आयेगा तो २०) रोज देते देंगे।

और पहला मौटेगा इतना जो १ लाख जो कि
गया है। नीरज की तो यहीं पे पढ़ाई समाप्त हो
जावेगी। गाजियाबाद में रवि भौन है दोपहर से
पैसा होता दिल्ली जाते आते है। यह लोग अपने
आप तो पत्र क्या डालते इन्होंने पत्र का उत्तर भी नहीं
दिया है। मैंने पिछले सप्ताह ही पूछा था यह नरेश
को कि पत्र लिखा है वह तो वैसे भी झूठ ही बोलता
है अब रवन रहते ऐसे कि हमने कोई पत्र नहीं लिखा
है। कुसुम का तबादला इलाहाबाद है उसका तबादला
इलाहाबाद का हो गया है उसने लिखा था कि सुशील
का पता लिखना मैं वहां पर पत्र लिखूंगी लेकिन
मैं पता तुम्हारा लिखना भूल गई। नीरज के पेट
जरूर तो त्योहार मनाया होगा। वहां पर बिस्कुट
दुकान पर बनते हैं क्या। यदि बनते होंगे तो
बनवा लेना। १ किलो आटे में १० छटांक चीनी
५ छटांक घी और १ पाव दूध होता है।

यह जान कर चिन्ता हो रही है कि नीरज
की तबियत फिर खराब हो गई है पता नहीं
क्या हो गया है। हमारी बोरा तो आ रही होगी
उसको मेहन मत देना। अब तो छुप पढ़ने जाने
लगी हो उसका घर का भी सारा काम करना
पड़ेगा। मेरा मन तो उमा के बच्चों को देखने को
मन तो बहुत करता है। लेकिन ठा ज्यादा है कहीं

अदेन पूछ के कोई बात ना निकले। अच्छा नहीं
लगता रोज़ कि ऐसे ही चल रहा है। इस
की विचारी को परेशान हो रहे हैं। उनका भी एक
पेपर ३१ता को ~~हो गया है~~ होगा अच्छा।
सिन्धु अनुपमा के लिए अभी भी मैं घबरा
रही। पिन्नी की विचारी इतना घबराती है सभी
बहुत है। तुम्हारे व शैल ने कोविल बोरा कोई है तुम
रख गई थी वैसे ही रखे हैं। पिपला सुरक्षा बोरा
आते तो हैं लेकिन सोचे समझ नहीं आते हैं जिनको
देनेवाले पर अभी भी ठेरा कहां से रुपया भाव होता है
गई है। इसका कहना था कि इनको पेशाब बोरा
रहो पे बेच देते हैं क्योंकि चूहे काट देते हैं। और
स्वर्ग इस पीरज मे है हमारे पास ही है कोई परेशानी
नहीं है। यदि कहीं जाना पड़ा तो देखा जायेगा। और
वैसे तुम कहोगी वैसे ही करेंगे।

यहां पर भी सब लोग तुम सबको ही पूछते
रहते है। विष कुशल व सलोग को हमारा
आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अभागी
प्रकाशवती

31.1.78

बेटा गुड़िया ।।।

तुम्हारा पत्र 18.1.78 का मिला।
बेटी हम तो letters लिखते रहते
हैं पर ना जाने क्यों तुमको
पहुँचते हैं। कुछ तो नहीं पहुँचते।
मैंने कल दूसरा letter जो
है उस में कुछ corners
हैं पहला भी एक letter
साथ corners पर रख भेजा
था एक तुम्हारा का बीज था।
कुछ corners इनके साथ
हैं। मुकन्द दो दिन हुए यहाँ आया
था यहाँ। वह Ahmedabad गया
था Fair लगाने का इन्तजाम
करने वहाँ से वापसी में यहाँ आया
था शायद March में वहाँ फिर
एक महीने को जावेगा आजकल

Allahabad से आदमी भेजा जा रहा है।

आज Salahuddin आया था और वो श्रीमती Lohia वगैरह को ले गये हैं। Alka के आने पर श्रीमती दोनों उस को देखेंगे। Salahuddin यहाँ से America जाने वाले हैं लिखते हैं। मुसीबतों में होकर जावेंगे इस लिए कोई चीज़ उन को नहीं दे सके।

मकान में ठीक है गुड़िया। और Indra गई थी उसने कहा कि Guddi की तबियत ठीक नहीं है। मुझे ठीक लग रहा है।

तुम्हारे आने के समय में Flu का डर रहेगा पर बस तो जाना ही है।

तुम्हारा बाबा
D R Gupta

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
NAERVIT

31.1.78

My dear Sushie

I have received the articles sent by you through Salahuddin who came here.

I understand that there is some "Urgent-Bag" system for Diplomats. Can you tell me about this. I am told that a letter per Urgent-Bag can reach there within two days. Our letters are delayed in transit and letters sent at

internals are collected and despatched together.

We sometimes receive several letters together from you written at intervals of weeks. How it happens is not known.

With love
Yours affly
O.R. Gupta

I enquired from Mrs Gulati & Agarwal and the reply was that the rubber piece for cooker would not be sent per Bag. O.R.G.

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२।२।१९६२

प्रिय बेटे कैलाश तुमको हमारा बहुत प्यार

बेटे तुम्हारा पत्र आया था हमने उत्तर दे दिया था आशा है कि अब तुमको हमारा पत्र मिल गया होगा। हमने तुमको पत्र २६ ता० को लिखा था अब तुम्हारे पत्र की इन्तजार लग रही है

इस साल मनोज गया है कि हैं बहिन के लड़के मुन्ना की शादी में आते जाते में। शायद तो अगले तुम्हारे बाबा जी आ जायेंगे। होली होने पर तुम्हारी याद आ रही है।

अब तो तुम्हारे पापा मामा कोयला लेने चले होंगे। तुम लोग भी एक छुट्टी में गाड़ी में जाते होंगे। तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। अब तो यहां पर बड़ी सर्दी पड़ रही है।

बेटे तुम सबको ... बहुत याद आती रहती है। अब तो इन्दिरा के तीन बच्चे पैदा हो गये हैं उन्हें फिर वह भी आयेगा तब कि हम सब देखेंगे कि तुम लोग यहां पर आ रहे हो। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। प्रिय सुशील शोभा को हमारा आशीर्वाद।

तुम्हारी अम्मा जी
चन्द्रावती

मेरी गुडिया लक्ष्मी बच्ची। 4.2.78

तुम्हारा Flu का सुन कर चिन्ता है। कुशाल और शीला के letters के साथ तुम्हारा letter नहीं है। यह तो कल तुम्हारी तकलीफ़ की ही वजह से हो सकता है। अब पता नहीं क्या हाल है। यहाँ तो weather भी बहुत दिनों से ख़राब है।

मैं पिछले कई letters के साथ corners भेजता हूँ अभी पता नहीं वहाँ पहुँच रहे हैं या नहीं। इस के साथ भी है।

मैं ने Inter की Physics

को छपा हुआ हिन्दी का
Syllabus और उस के
साथ English का copy
Principal के Signature
को भेजा था। तुम्हें पता
नहीं मिला। पहुँची है
या नहीं।

Salahuddin आते थे।
रोज़ मिलता है। Alka
अभी हमें मिली नहीं है।
बेटे तुम्हारा क्या हाल है?
कल सबके Flu से हालत
कमज़ोर होगा।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

4.2.78

बेटा शैलू खुश रहो

तुम्हारा पत्र परसों मिला
है। तुम लोगों को flu के पश्चात
कठिनाई। मुझे इस की चिन्ता
थी। शायद गुड़िया पत्र लिख के
के समय में ठीक नहीं थी कुछ
जो उस का कोई पत्र नहीं आया
है इस बार। Score भेज रहा हूं
India इस बार 47 रनों से
हार गया।
तुम लोगों को वहां की ठंड
की आदत नहीं और इस
साल वहां cold बहुत
ज़्यादा है। इस से तुम लोगों
को बहुत मुश्किल का
सामना है। बहुत हिफाज़त

से रहना है तुम को। यहां
इस बात की ही खबरें
Paris में आती रहती हैं
कि वहां बहुत cold है
बरफ जमी है। मकान के
बाहर तो जाना पड़ता ही है
Flu तो हो ही जाता है इस
हालत में। लिखना अब
क्या हाल है तुम लोगों का
वहां तो आस पास में। कोई
खबर लेने वाला नहीं है।
तुम लोग। हमारा चिन्ता मत
करो यहां [illegible] ठीक ही हैं और
सब तरह की मदद भी है।
तुम्हारा बाबा
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
५।२।१९६२

प्रिय गिरिजा गुड्डा तुमको हमारा बहुत प्यार।

कुशल व शैलू का पता तो कल पत्र मिला। इनके पत्र से समाचार साफ हुए हैं और यह जान कर बड़ी ही चिन्ता है कि लोगों ने अपनी शैलू को [illegible] हो गया है। आशा है कि अब सब ठीक होगी। ईश्वर से प्रार्थना है कि वहां पर तुम सब ठीक होगे। २७ ता. का [illegible] था लोगों ने बिचारे ने [illegible] बेहद बुरा होगा है तो यहां पर बस याद ही आती रही। तुम लोग अपना पूरी तरह से ध्यान रखना। अब तुम कौनसा गाना गाती होगी।

मनुष्यका व उनका बड़ा बालक व एक लड़की कौन [illegible] जो मेरे पास आये थे। [illegible] तो अपने भाभा जी ने [illegible] गये हुए हैं इस लिये रह नहीं पाये थे। बिचारे यह लड़कियों से जाते ही रहते हैं। [illegible] से बड़ा देर हो गई थी। मुझको इन लोगों को देख कर तुम्हारी बड़ी याद आती है। फिर भी यह बिचारी हमारा सबका ध्यान रखती है।

इसको बदाम ~~के~~ से शीशी लेना थी
मिल गई है। जलना गेल देने आएगा उनको
शीशी दे देंगे। बदाम बहुत अच्छे हैं
तुम लोग भी रोज बदाम खाया करो। इनको
तोड़कर बदाम खाने दिन को हो जाएंगे। फिर
यहाँ पर पेरिस वहाँ पर बदामों का निकला
निकले में मिलता है। सवाल निकला है कि
बदाम और मूंगफली एक ही चीज हैं। फिर इनको
मूंगफली मंगाई थी लेकिन ~~बदाम~~ दांत
निकलने से जकड़ के लिए नहीं जाती हैं।

सब जगह ठंड है। रोज ना भी
आग ही जब आया है। तुम अब कोलेज
जाने लगी होगी।

प्रिय सोना को प्यार इन्हें बाद
नमस्कार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

मेरठ सिटी
५/२/१९६२

प्रिय बेटे कुशल रहो प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा २३ ता० को लिखा हुआ पत्र आज कल ४ ता० को मिला है। पढ़कर सब समाचार ज्ञात हुए। तुम्हारे पत्र से यह ज्ञात होकर चिन्ता हुई कि शैलू व गुड़िया रोग को [illegible] हो गया है। इसकी बड़ी चिन्ता थी। आशा है कि अब सब ठीक होंगे लोग गुड़िया के बिमार होने से खाना वगैरह की भी परेशानी हुई होगी। तुम सब अपना ख्याल रखना। आजकल यहाँ पर बड़ी [illegible] बहुत पड़ रही है। तुम को तो वैसे भी ही खाना पड़ता होगा। इच्छा थी सब ठीक हो। इतना [illegible] भी [illegible] रहा था। सब गये लोग साथ रहा करो।

उधर तो [illegible] देहली [illegible] इलाहाबाद हैदराबाद वगैरा जाता रहता है उसको तो तुम्हारा पत्र नहीं मिला होगा। और [illegible] लोग जब उधर नहीं रहते हैं तो बार [illegible] देना है। उधार २० ता० को यहाँ पर

देहली से आना था अहमदाबाद से जाना था
रवाना तो चला गया है। अब बेटे क्या करें
मन तो अब लगाना ही है लेकिन याद तो तुम
लोगों की रोज ही आती है। तुम्हारे बच्चे को
देखने को बड़ा जी लगता है। अब तो खूब
रौनक रहती होगी।

टेलीफोन आये गुड़गांव से रामपाल ठीक
है रामपाल ने दिवाली (विनोद यादव) की
हाथ की हड्डी टूट गई है पलस्तर चढ़ रहा है
बिचारे लड़के से आ रहे थे ये रिक्शा से
एक्सीडेन्ट हो गया था। ओमपाल के भी पैर
पलस्तर चढ़ा है और घर पर आ गया है

तुम्हारे भेजे हुए कपड़े व सैन्डलें
व शीशी मिल गई हैं कपड़े बहुत अच्छे
हैं। देख कर बहुत ही प्रसन्नता हुई इनको
तो बहुत दिन को हो गये हैं। तुम्हारे बाबूजी
ठीक हैं। एक ही लिफाफा चल रहा है यह तीनों
रुपया 150) दोनों भेज रहे हैं। 50-50 रुपये
लेना। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाशवती

मेरठ सिटी
५।२।६८

प्रिय बेटे शैल तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा रञ्जना को लिखा हुआ पत्र इतने कल मिल गया था पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुए हम तुम्हारे पत्र की इन्तजार कर ही रहे थे

पढ़कर बड़ी चिन्ता है कि तुमको मलेरिया सोम को फिर हो गया था। बेटे तुम खानपान का खूब ध्यान रखा करो इसका ही डर था कि कहीं हमारे बच्चों को ना हो जाये। आशा है कि तुम लोग स्वस्थ होगे अपनी रख हिफाज़त रखा करो

हम तो अपना ध्यान रखते ही हैं लेकिन तुम सब लोग रहो यहाँ आकर वापिस से अकेले में परेशानी हो जाती है खास मोहन को भी परेशानी हुई होगी। अब तुम्हें कुलसानी के बाग मिल गये होंगे।

बेटे तुम सब की याद बहुत आती है रोज ही तुम सबकी बात करते रहते हैं।

यहां तो जब से तुम गये हो बहुत कम ही बाहर जाता है। लोग कानपुर है और अब लखनऊ है

आज उपेन्द्र आये थे उनसे पता चला है

ये प्रयाग वाले नेपाल गये हैं। उन्होंने देखने को मन करता है लेकिन जाने कुछ डर लगता है पता नहीं वह लोग क्या समझेंगे सबसे ज्यादा परेशानी तो बिचारे बच्चों की है सर्दी मारे बच्चे हैं।

तुम ऊन के कपड़े जरूर पहनना और अपना ख्याल रखना। वहाँ पर नल में गरम पानी आता है या गैस पर गर्म पानी नहाने के लिये करना पड़ता है। अब तुम स्कूल जाने लगे होंगे।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
८।२।१९८२

प्रिय बेटे कुशल रहो प्रसन्न रहो चिरंजीव रहो
तुम्हारा २३ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको
२६ ता० को मिला था हमने इसका उत्तर ६ ता० को दे दिया
था आशा है कि तुमको हमारा पत्र मिल गया होगा
तुमने पत्र में लिखा था कि शैल व गुड़िया
लोगों को फ्लू हो गया है। तब से हमको तुम्हारी ओर से
बहुत ही चिन्ता लगी है यहाँ पर तो बिमारी होने पर भी
बड़ी परेशानी है। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम सब जल्द ठीक हो
तुम्हारे बाबूजी भी बहुत परेशान हैं।

रात मुझको स्वप्न होता है कि लोगों
की तबियत ज्यादा खराब है और बहुत कमजोर
हो गये है तब से मुझको बहुत ही चिन्ता लगी है
और स्वप्न भी सुबह ४ बजे होता है इस लिए
नींद भी नहीं आई है मैंने अपना स्वप्न तुम्हारे
बाबूजी से भी नहीं बतलाया है क्योंकि वह भी
चिन्ता करते लेकिन मुझको
बहुत ही चिन्ता हो रही है
जब तुम्हारे पत्र आने पर चिन्ता दूर होगी।
डर के मारे कुछ भी नहीं कहते हैं बस चिन्ता हो
रहती है। आशा है कि तुम सब ठीक होंगे।

तुम अपना पूरा ध्यान रखना तुम ठीक होंगे तो
हम सबको चैन तो होगा। रेडियो में भी आता रहता है
कि ~~अमेरिका~~ इंग्लैण्ड में बहुत ठंड पड़ रही है और
बड़ी तूफानी हवा चल रही है तुम लोगों को तो इतनी
हवा सहन करने ~~की~~ की भी आदत नहीं है। ईश्वर
से रात दिन यही प्रार्थना करते रहते हैं कि सब लोग
तुम कुशल से आये यहाँ पर आओ ईश्वर वह दिन
शीघ्र ही लावे।

गुड़िया मौसा को फिर पत्र लिखेगी।
क्योंकि इतना नमकीन खाने का स्वाद हो गया है

प्रिय सरोज को हमारा आशीर्वाद। प्रिय गुड़िया
मौसा को हमारा बहुत सा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA

8.2.78

बेटे गुडिया ! खुश रहो !

कैसी हो तुम बेटे। क्या हाल है पैरों का। Flue ने तुम लोगों को परेशान कर दिया। शायद पैर की परेशानी की बात न हो पर जब तक खबर नहीं मिलती, यही परेशानी रहेगी।

अपना हाल लिखना

तुम्हारा बाबा

[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

8.2.78

My dear Sushil,

I hear sorrowful Tales of the heavy storm and Snowfall in America. B.B.C. gives information that the Military had to be called to assist in rescue work. How are you all. Your last letter received here is dated 4.2.78 was 23rd Jan. Since then there is no information about you all. In that letter you said all the others there had their share had written the same.

Afeared if Baba also
gets flu what would
happen. We are afraid
flu affects all in a house.
There is no one to look
after you people. As with
the previous letter there
was no letter from
Gudiya we fear she was
unable even to write.
Please intimate what
the situation is.
There was a theft committed
at the house of Dr. S.P. Rastogi
medical officer in charge Cantt.
General Hospital. The loss is
estimated 12 ~~thou~~ thousands including
case three thousand cash.

with love to all
yours
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

8.2.78

बेटा शैलू । प्रसन्न रहो ।

23.1.78 के बाद कोई
तेरा आया। कोई खबर नहीं
मिली तुम्हें। शायद कोई
परेशानी न हो जाए पर
लिखता हूँ यहाँ ।

Dr. Salendra Rastogi
के बाद दोनों दिन होंगे बारी
होगी सुबह 8 बजे ।
3000/- नकद फीस 2000/-
को लेकर कहते हैं चारा
होगया । यह मैं ने तुम्हें
प्रभात पत्र वाले से पढ़ा है ।

कैसे हुआ ~~क~~, प्रभात ने
लिखा है कि consultation
कमरे में से सोफ़े तोड़कर
ऊपर भी पहुँच गया। चोरों का
पकड़ा नहीं जाता है। Police
ने कुत्ते भी छोड़कर कुछ
नहीं पता मिला।

तुम्हारा बाबा
चम्पत

मेरठ सिटी
११।२।१९६८

प्रिय बिटिया गुडिया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा १ ता॰ का लिखा हुआ पत्र हमको ८ ता॰ को मिल गया है यह पत्र तो बहुत जल्दी आ गया है पता नहीं कभी कभी पत्र पहुँचने में क्यों देर हो जाती है। तुम्हारे पत्र से यह जान कर बहुत बड़ी चिन्ता दूर हुई कि तुम ठीक ठाक हो। हमने एक पत्र और लिखा है मिल गया होगा उस पत्र में है तुमको वे शेर भी नहीं लिख पाई थी अब तुम कालिज जाने लगी हो लेकिन जेशाना भी बहुत ही है। समय बहुत लगता है कालिज में रोजाना समय में कार हो जाती होगी। जब तुम को कहीं नौकरी मिल जायेगी तब तो तुमको समय भी नहीं मिला करेगा हमको भी तुम्हारी लेने के दिन बहुत ही याद आ रही थी मैंने तिलकी लौज बनाए तो तुम लोगो की बहुत ही याद आई गुड़ की व चीनी की बनाई थी। बना तो अब के आप ही लोग रहे हैं लेकिन यह कोई कहने वाला नहीं है कि बुआ जी इसको अच्छी लगती है और बनाओ।

तुम्हारा एक पत्र हमको २२ ता॰ को लिखा हुआ आज मिला है वैसे तुमको पत्र लिख ही रही थी और २ फरवरी को ८ ता॰ को। मिल गया का पता नहीं यह कैसे गड़बड़ हो जाती है। पर तुम्हारे दोनो पत्र देख कर बहुत ही प्रसन्नता हुई है। पत्रों को देख कर बहुत ही अच्छा लगता है अब तो बस तीन वर्ष तक पत्रों का ही सहारा है इधर के तीन दिन हुए तुमको पत्र लिखा है तुमको अब अगला पत्र मिल गया होगा। तुम सुनीता

के लिये क्यों परेशान सी होती हो ~~तब~~ जब यह पत्र
लिखना नहीं चाहती है तो तुमको ही ऐसा क्या पड़ी है
सुशील ने तो उसको पत्र दे दिया था क्योंकि सुशील तुम्हारा
पता लिखकर न ले गया था। जब तुमने घर में ढूंढा
देखा होगा बहुत ही परेशानी क्यों होगी कि पता नहीं
क्या क्या होगा। तुम लोग भी गेस्ट एकोमोडेशन के
गलाया थी। यहां पर तो सैकड़ों रुपये में आ रहा
था लेकिन सब आदमियों ने शिकायत की तो अब तो
दूसरे दिन ही आ जाता है पहिले तो जो १०) देते था
उनको ज्यादा देते थे।

और इनको बचेगा मैं उपेन्द्र मित्र ओवरह रहे
थे कि अभी प्रताप बाबू यहीं पर है। उपेन्द्र बाबू के
मिल के लड्डू ले गये थे। बिचारे सब भी हमारा
बहुत ही ध्यान रखते हैं। हमको और तो भी बहुत
कहते रहते हैं अब तो गुड्डी के कुल्हा पकाते ही है
आज गीता भी आई थी संगीता का दाखिला भी पटना
में प्रीनर्सरी में एम. एल. सी. में हो गया है
रहेगी तो गीता नेपाल और पटने वहां पर जाया करेगी

अब अरविन्द चाचा आ गया है ४ बजे को उसका
डेढ़ महिने के लिये प्लास्टर चढ़ा है। मैं तो
बिल्कुल ठीक हूं। तुम हमारे और से ( ) की चिन्ता
मत करो बस अपना पूरी तरह से ध्यान रखो। क्यों
वहां पर इतना जाड़ा पड़ रहा है हमको तुम्हारे
बहुत ही चिन्ता रहती है अब तो तुम वहां पर
मैक्सी ऊन पहनती होगी। सोनाग के भी बैल बोटम
ज्यादा पहनना शुरू की है या नहीं।

बिटिया हम तो अब बूढ़े हो गये हैं यह तो सभी
समधन लोग तो तुमको लेने बहुत गयी हैं।
अब तो हमारी कुल थोड़ी सी ही ज़िन्दगी है तुम लोगों को
तो अभी बहुत से काम करने हैं। जी से तुम सबको
देखने को बहुत ही मन करता है लेकिन अभी तो
कुछ भी दिन नहीं होते हैं। अब तुम्हारे बाबाजी
दूध नीचे से ही ले रहे हैं। लेकिन पानी नौकर
से ऊपर तो मंगाते ही हैं। यह तो पानी का रहा
बोरा से लिपट कर बस ले जाते हैं। और मेरे [illegible]
को रामायण लगा रखी है। मैं यहाँ कर रामायण
पढ़ कर चाय बना कर पी लेते हैं और फिर आराम
से अन्दर कमरे में बिस्तर पर बैठे रहते हैं हम
फिर सवेरे बजे उठ कर बाहर आते हैं। इतने
बाहर में धूप भी अभी शुरु हो जाती है
केवल तेरी समधन तो आ ही रहे हैं। बिटिया
जैसे तुमको हमारे पास से देख जाता है वैसा ही
हमको भी तुम्हारे पास से यहाँ पर देख आयेगा
इस लिये तुम खूब रसगुल्ले समोसे बनवा कर
खाया करो। मैंने हमने यह चीज़ें बनानी भी नहीं है
और यदि बनाओ भी तो अकेले में खाने में मज़ा भी
अच्छा नहीं लगता है। और तुम्हारी याद आती रहती है
यहाँ पर रेडियो पर आया था कि अमरीका में
सब नोटिस ने तुफान आया है। जब यह चिट्ठी

है तो इसको चिन्ता हो जाती है। भगवान से यही प्रार्थना करते रहते हैं कि वहां पर सब ठीक रहे। और हम सब फिर ठीक से रहें। सब जगह ठीक है। स्वीटी की कोई नौकरी का है नहीं लिखती क्योंकि इसको बहुत ही चिन्ता हो रही है। यह जानकर तो बहुत ही प्रसन्नता हो रही है कि अब कुशाल ने कार खरीद ली है और अब घर पर आ भी गई होगी तुम लोग भी बैठकर घूमने गये होंगे शुरू में कुशाल ने ही चलाई होगी बड़ा अच्छा लगा होगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम सबको कार आराम वाली हो लोगों की लोकल अब ठीक होगा। मन तो होता है कि लिखती ही रहूं लेकिन बहुत लम्बा पत्र हो जायेगा। प्रिय कुशाल लोग को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

मेरठ सिटी
१२।२।१९६२

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

बेटे तुम्हारे दोनों पत्र मिले हैं एक पत्र तो २ ता॰ का लिखा हुआ हमको ६ ता॰ को मिल गया था और एक पत्र २० ता॰ का लिखा हुआ हमको २१ ता॰ को मिला है पता नहीं यह पत्रों में कैसी गड़बड़ हो जाती है २ ता॰ का पत्र तो जल्दी ही मिल गया दोनों पत्रों को जल्दी [illegible] अच्छा अब आगे का समाचार ज्ञात हुए। बेटे बस तुम बच्चो रहो पत्र लिखते रहा करो आज बसन्त पंचमी है तुम्हारे बाबाजी तुमको याद कर रहे हैं कि शैलू मुझसे पतंग मंगवाता।

बेटे तुमने कार खरीद ली है हमको बहुत ही खुशी हो रही है अब हमारे बच्चे कार में घूमा करेंगे। हम तो यहीं पर ही खुश होते रहेंगे। बस बेटा ईश्वर से प्रार्थना है कि कार तुम सबों को माफिक हो अब तो घर पर कार आ गई होगी और दादी बाबाजी को भी याद करके खुश होना। वैसे तो ईश्वर की दया से ठीक होगी सभी चीज़ें हैं बस हमसे दूर हो गये हो और तुम सब वहां पर ठीक रहोगे तो हमको भी यहां पर खुशी ही है। हां बेटे बस अब तो ३ साल भर होने में ४ महीने हो गये हैं। ऐसे ही बस होते २ ही एक दिन भी आवेगा जब हम सुनेंगे कि हमारे बच्चे अब वापस आ रहे हैं।

यहां पर दुकानें ज्यादा दूर नहीं हैं यह अच्छा है
एक दुकान पर ही सब चीज मिल जाती है। मैंने तो
काफी दिन हुए दिये थे वह लिफाफा तो नहीं हुए हैं
अचार कैसा तो थोड़े से ही थे खतम हो गया होंगे। वहां
पर अचार भी मिल जाते होंगे। अब तो तुम्हारे
बाबाजी सुबह के दूध लेने वहीं जाते हैं। बलसाड के
सुबह को नीचे से सामने वाली दुकान से ले लेते हैं
जल्दी चाय बनाने के लिये हम रात में दूध रख लेते हैं
अब दो बार तुम्हारे बाबा जी गिर गये थे तो बायां कोला
हाथ के पैर में फ्रैक्चर हो गया था दो चार दिन में ठीक
हो गया था लेकिन घुटने में दर्द हो रहा था यही
समझते रहे कि गठिये के कारण का दर्द है। पेनकिलर
की गोली खाते रहे उससे भी दर्द तो कुछ
ज्यादा नहीं हुआ और दर्द बढ़ता ही रहा और घर में
चलना भी कठिन हो गया दर्द की जगह से बांधते
नहीं जाती थी और कहते थे कि देती तो पैर की हड्डी
टूट गई है और मैं कहती थी कि डाक्टर को दिखलाओ
तो कहते थे कि डाक्टर तो पलास्टर चढ़ा देगा और
मुझको खाट पर पड़ा रहना पड़ेगा यह मेरे बस की
नहीं है ऐसे ही ठीक हो जायेगा। गोली की इतनी
आदत है। यह तो रविवार की रात को बुखार ज्यादा
रहा इनको सुबह को डा. ओमप्रकाश गोयल के पास
ले गया उन्होंने कहा कि हड्डी तो बिल्कुल ठीक है
नहीं गिरने से घुटने के पट्ठे चढ़ गये हैं उन्होंने

दवाई खाने के लिये गोलियां की और मलने
के लिये जो ट्यूब की दवा है उससे 7 ही दिन में
इतना फायदा ठीक होगया है जैसे बस जरा
उछलन सी है वह भी 7 ही दिन में ठीक हो जायेगी
इसलिए उन्हें कचहरी नहीं गये और न नीचे उन्हें
उतर सके थे अब तो वह लोग विचारे इधर
बहुत ध्यान रखते हैं। रामकुमार के बच्चे लगभग
बुखार ही सब रहा जोर व फुंसी भी रहती थी
उनको आठ दिन से कचहरी भेजा जा रहा है
और सारे काम भी करने लगे हैं। अब तो कोई
परेशानी नहीं है सिर्फ बच्चों को लिख दिया था कि
आने की कोई आवश्यकता नहीं है और न कुशल से
इस बारे में 7 ही लिखना। तुमको लिख कर बेकार
में परेशान होते इधर तुम्हारे पास पत्र पहुंचता
इधर ठीक भी हो जाते और दूर में और परेशानी
हो जाती है। इसलिये तुमको अब लिख रही हूं।
यदि और किसी से पता चलता तो बेकार ही परेशानी
होती। तुमने गुप्ता के भाइयों बड़ा अच्छा
बनाया है। हमको देख कर बड़ा अच्छा लगा।
अब तो तुम्हारे बाबाजी दिन भर आराम से बैठे रहते
हैं और तुम लोगों को बहुत ही याद करते रहते हैं
यह अच्छा है तुमने जाड़े के बचाव के लिये कोट
और कोट आदि खरीद लिये हैं

सुशील ने भी खबर दिए होंगे।

यह जान कर खुशी होती है कि आप व मनमन

गोत सकते हैं और तुम सब एक जगह रहो

इसमें भी बड़ी खुशी होगी। अब तो सब छूट ही

गए हैं। ऐसी चीजें तुम लोगों को बहुत ही

जरूरी हैं तुम लोगों को तो बहुत से काम करने

हैं। सुशील कैसे तो बना जाता है वो खाना वो

खाना तुम लोग नहीं जाते होंगे। तुमको तो स्कूल

में नाश्ता मिलता है या नहीं। सुशील के बारे में

कैसे होता होगा। क्योंकि इसको जल्दी तो

खाना नहीं खाया जाता होगा। अब तो सब

काम लोग को ही करना पड़ता होगा पहिले

तो बिचारी [illegible] देती थी [illegible]

अपना पूरा ध्यान रखे। आशा है कि बढ़िया

होगी। सुशील के दांत नए निकले हैं या

अपने हैं और रिकेट में खेलते हैं।

अभी तो मोहन गोपाल ही पढ़ लेता है अभी

सरिता जल्दी लिख जावेगी।

प्रिय लेखा व सुशील को प्यार

आशीर्वाद। समाचार शीघ्र ही देना। पत्र भी

बहुत ही लम्बा हो गया है।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

12. 2.78

बेटी गुड़िया। खुश रहो।
है।

तुम्हारा पत्र मिला। है
मैंने Papers में पढ़ा (Radio
में भी सुना था वहाँ का
तूफान वगैरा का हाल।
मुझे बहुत चिन्ता थी।
यह जान कर खुशी हुई
कि तुम लोगों ठीक हो।

Cosman तुम्हारा पसन्द का
नहीं है। खैर, अब तुम
लिखो. कैसा चाहती हो
वैसा भेज दूंगा। मुझे कोई
परेशानी नहीं होगी।

Inter का Syllabus तुम्हें
मिल गया होगा कि मैं समझता
था और चीजों की तरह
वह भी रह जावे कहीं।

यह Syllabus और उन की
English copy भेजा तुम्हारे
मेरे ख्यालों के बस का नहीं
था। Anupma यहां आई
थी वह तो कहती थी उन
ने Syllabus नहीं भेजा
है।

और जिस चीज की
जरूरत हो लिखना।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA

12.2.78

बेटा शैलू खुश रहो।

तुम्हारे letters 28 January और 2nd Feb. को मिले। 2.2.78 का पत्र दो दिन पहले मिला था उस के दो दिन बाद पहला letter 28.1.78 को मिला है। हां तुम्हारे letter में तो शैलू एक dog से खेलता दिखाई दिया है। खूब बनाया है तुमने।

मैं तो ठीक हूं

शिमला वालों को तो यहां
चमरा ही रहता है।
वहां खाने पीने की चीजें
ठीक मिल जाती हैं तुम
को यह तो पता ही है।
यहां तो सब चलता
ही रहता है। आज तो यहां
बसन्त पंचमी है। खेल पतंग
उड़ा रहे हैं लोग। तुम्हारी
याद और भी आती है यह
देख कर। तुम यहां होते तो
उन बच्चों में खेलते।

तुम्हारा बाबा
[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 15-2-1979

My dear Sushil
Sending some articles.
Papad, Rewri and
Namkin through the
person going to your
place. Stamps be also
sent herewith

with love
Yours affly
[illegible]

[illegible] मेरठ सिटी

१८।२।१९६८

[illegible]

[illegible]

प्रियविदिया गुडिया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा ५ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको १५ ता० को मिल गया है तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुवे अलका का भाई अनु २३ ता० को [illegible] लैन्ड को [illegible] शादी करने गया है अलका के मेरे पास आने का समय नहीं मिला है और वह १३ ता० को ही देहली चली गई है।

सुनीता - [illegible] को भी आश्चर्य हुआ कि ५ महीने बाद उसको तुम्हारे पास पत्र लिखने का ध्यान तो आया है उषा के [illegible] दिन हुवे जब तुमको पत्र लिखा है अब शायद तुमको उषा का पत्र मिल गया होगा। और हमारे पत्र से उसको तुम्हारे सब समाचार ज्ञात हो ही जाते हैं। [illegible] भेजा है पता नहीं यह भी तुमको मिला या नहीं। अब गाजियाबाद से संगीता भी मेरठ आगई है और [illegible] से उसने एम.एस.सी में दाखिला ले लिया है इस साल के लिये भी जल्दी का नहीं हुआ है लेकिन गीता ने उसके यह कुरते संगीता को ला दिया है यह आजकल बहुत ही चलता है। हमने जो तुम्हारे लिये किताब को लिखा था वह भी गीता ने हौजखास से ला दी है। अब [illegible] टेलीफोन वाले गुप्ता जी [illegible] है कि वह देहली [illegible] आवेंगे उनके हाथ भेजना चाहिये जो तुम्हारे पास पहुंच जाये। संगीता आने पर तो गीता के पास ही रहेगी [illegible] लिखी [illegible] जायगा [illegible] तुमको [illegible] रहती थी। यहां [illegible] एक किताब [illegible] का ज्ञान होने [illegible] ही चिन्ता होती है तुम दोनों को बहार

से ही जाने वाले हो इसलिये चले गये थे। सोच में क्यों
हो जाती होगी इसलिये थोड़े बचाव से जाते होंगे
अब तो कार आ गई होगी अपनी कार में बैठकर बड़ा
अच्छा लगता होगा अब तो रूमाल चलाने लगा होगा
कुछ दिन में कुछ भी सीख ही जायेगा। सरोज ने लिखा है
कि मैं चलानी सीखूंगी। मई जून में तो गाड़ी चलाने से
डर लगता है। फिर सब ईश्वर मर्जी करेंगे। चार महीने दिन
देखने ही लायक हो गये और अच्छे दिन नहीं चलाये होंगे
हम पत्र तो बराबर लिखते ही रहते हैं क्योंकि ऐसा होता है कि
तुम्हारा पत्र आता है और डाक का टाइम निकल जाता है
क्योंकि जब दो दिन लग जाता है तभी पत्र पहुंचता है
तुम हमारे पत्र की इतनी चिन्ता मत किया करो। हम तो
यहाँ पर ठीक ठाक हैं तुम्हारे पास तो अपना कोई
नहीं है। अभी अखबारों पर हैं पता नहीं कई दिन से कोई
समाचार नहीं मिला है। तुमको नौकरी मिलने की बड़ी
बेसब्री हो रही है। सुनते तो यही थे कि वहां पर सब
को नौकरी जल्दी ही मिल जाती हैं वैसे पढ़ाई का अच्छा
तो हो ही रहा होगा। पर भी अपने आराम की बात
हो जाती है। होली २४ मार्च दिन शुक्रवार की है रंग
की होली २५ तारीख है तुमको तो अबकी बार रंग कौन
डालेगा। तुमको तो रंग से खेलना वैसे भी अच्छा नहीं
लगता था। यहां पर बच्चों के पत्र आते रहते हैं वह २५
फरवरी को लखनऊ गया होगा क्योंकि पप्पू का जन्म
दिन था। जब राकेश रत्ना किसी पिक्चर में होते
हैं तो तुम्हारी याद आती है मैंने भी तुम्हारे जाने
पर कोई नहीं देखी है वैसे भी अब अच्छा नहीं
लगता है। जब तो तुम्हारे साथ चला जाता था
अब तो घर में नहीं पता चलता है कौन सी पिक्चर अच्छी है

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

मेरठ सिटी
२८।२।१९६८

प्रिय चिरंजीव सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो।

२५ फरवरी को तुम्हारा ६ता० का पत्र लिखा हुआ मिला समाचार ज्ञात हुए। यह जान कर चिन्ता दूर हुई कि अब तुम्हारी तबियत ठीक है। यहां पर तो अब मौसम इतना ठंडा नहीं रहा है लेकिन वहां पर बहुत ही सर्दी है बाहर तो जाना ही पड़ता है। कैसे रहती हवा में सर्दी माफिक आती होगी और बर्फ भी रोज ही पड़ रही है देखकर ये बोर हो गई होगी यहां के लोग बर्फ पड़ता हुआ देखने को तरसते हैं यहां पर तुम रोज देखती हो पता नहीं इतनी ठंड कब तक रहेगी। कुछ समझ नहीं आता है लड़की का केस यह समस्या हल होगा यह नहीं पूरी परेशानी की बात हो गई है। यह समस्या कैसे सुलझेगी। अब तो सब गजट बहुत लोगों को पता चल गया है इतने दिन होगये हैं यहां तक छिपाये। देवकी को गाजियाबाद के मकान बनने का तहसील होगया है लेकिन शायद किराये पर देंगे और आप पेट रहेंगे क्योंकि देवकी की तबियत ठीक नहीं चल रही है वैसे अभी ठीक से इच्छा भी नहीं है। उपेन्द्र ने अपना यहीं स्कूटर बिल्कुल नया बदल लिया है रुपये तो बहुत लग गये हैं बनाने वाले भी बिचारे परेशान ही हैं। कितने दिन से कोई बनाने से नहीं आया है इसलिये कुछ पता नहीं है। तुम तो बिचारी इतनी दूर पर सिवाय दुःख पाने और क्या भी क्या सकती हो। पास में क्या बात करके कुछ तसल्ली सी हो जाती है।

तुमने वहां पर गुड़िया के बाद भी बहुत ही परेशानी हो रही है क्योंकि पढ़ाई तो शुरू होगई है रहना पैसों को होता ही होगा। पता नहीं इस बिचारी को कब चाय मिलेगा।

अब तुम्हारी गाड़ी आ गई होगी गाड़ी आने पर तुम सबों को बहुत आसानी हो जायेगा। ईश्वर से हमारी प्रार्थना है कि तुम जल्दी से गाड़ी चलाना सीख लो तो हां अच्छे दिन देख

कोई गाड़ी लेलो। ये तो कि यहां का आदमी लोग कहते हैं
कि सेकिण्ड हैण्ड को नहीं लेना चाहिये नई ही लेते हैं और
इसका तो खर्च लेना गाड़ी चलाये फिर गाड़ी घर पर आ जायेगा।
फिर तो खर्च और शर्मा को चलानी सीख ही जायेगा। इसका
को खरीदने को गाड़ी बहुत ही अच्छी रहे। लेकिन कहते हैं
कि इतना इन्श्योरेन्स अवश्य करा लेना चाहिये। यह भी
मुसलमान करके आये थे यह भी यही कहते थे कि इतना [illegible]
देना इन्श्योरेन्स अवश्य करा लें। तुम्हारी गाड़ी देखने को इच्छा
भी बन जाता है। लेकिन अभी तक अपने यहां कोई नहीं आते हैं
को गाड़ी का तो सवाल ही क्या है। सावित्री के शादी में कल
सावित्री के ससुराल वाले ही थे और तो भी रिश्तेदार यहां पर हैं
यह आये थे। सावित्री का तबादला देहली को हो रहा है
दाखिल [illegible] आ जायेगी उसको [illegible] के बाद [illegible]
जायेगा और सावित्री को [illegible] के [illegible] में ही
देहली [illegible] में है। सब पास में ही रहेंगे। अभी तो [illegible]
[illegible] से घर पर ही है [illegible] लोग देहली से आता जाता है
गुड्डी की शादी में [illegible] नहीं आई हैं और तो [illegible]
को [illegible] पर [illegible] को [illegible] तो दोनों चार ही होना [illegible] पर
[illegible] थे लेकिन [illegible] और तो [illegible] जवाब ही [illegible] यह
भी पता नहीं कहां पर है। मैंने तो अपनी ओर से [illegible] नहीं
दिया था [illegible] मैंने और [illegible] ५-५ रुपये [illegible] के [illegible]
दिये थे। [illegible] चारों [illegible] को और से १०१) रुपया
दिया है इन [illegible] रुपये दे दिये हैं। और सावित्री के
[illegible] के [illegible] को और से ५१) दे दिये थे। दिसम्बर में [illegible]
को [illegible] हो गया।

इसको तो मनाप बाबू का कुछ पता नहीं है क्या हो रहा है
लेकिन अभी तो वह यहीं पर है उनको तो उनके घर पर
आने को सब मना करते हैं कि पता नहीं वह लोग क्या करेंगे
और मेरे से देखता नहीं कुछ बात निकल जाये वैसे बच्चों से
खेलने को तो मन करता है। यह तुमने अच्छा किया कि पुराना
स्कोलर उठा कर रख लिया है। और यह जान कर प्रसन्नता हुई
कि वहाँ पर भी मनी की कचौरी तुमने बनाई थी वे तो यहाँ
पर याद ही करती रही कि सुशील को तो मनी की कचौरी
व परांठे अच्छे लगते हैं। मेरे पीछे से तो थोड़ी रसवई
नाइ को पूरी खोता बना ली थी। मित्रा ने भी सब पुजारी
के रुपये तुमको भेजे हैं। वहांपर यहां की तरह के मिठाई
कौन तो मिलती नहीं है इस लिये घर पर ही कुछ
मिठाई बना लिया करो वहां पर खाना मिल जाता होगा
मेरे दिल को लोगा करारे थे तुम सबको तो बहुत ही याद
आती रही। बच्चों को बहुत अच्छा लगता था। यह अच्छा
है तुम्हारे पास फ्रिज है चीजें खराब नहीं होती होंगी
वहाँ तो बहुत गर्मी है लेकिन अभी गरम तो हैं इस लिये
बिना फ्रिज के चीजें खराब हो जाती होंगी। वैसे तो
ईश्वर की कृपा से तुम्हारे पास सब ही चीजें हैं यहां
पर सबको बतलाते हुये बड़ा अच्छा लगता है। बस
ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सब आये ठीक रहो
और तीन वर्ष बाद फिर सब ठीक से मिलें। और
यहां पर तुम सबको को कोई परेशानी न हो।

तुम्हारी पुड़ी ठीक पहुँच गई होगी। अखबार से
तुम्हारा समाधान हो गया होगा।

जितने तुमने फोटो भिजाई थी वह हिन्दुस्तान
को या प्रयोजन थी। वह लोग ऐसी चीजें बनाते नहीं
जानते होंगे।

तुम्हारे बाबूजी ठीक हैं कलकत्ता कोर्ट में जाना
रहा चल रहा है चिन्ता की कोई बात नहीं है सबको
नौकर के सब लेकर काम कर रहे हैं। तुम लोगों के जाने
से बहार के घर में कुछ काम ही नहीं रहा है रोना
ले रहते हैं।

शिक्षा को तुमको तो पता नहीं है मौडेशन कब
होगा और किस चीज़ को होगा। इसको अभी एक पार्टी
से लोग की लिपाटी चल रही है अब चार राज्य की
रही है उससे इतनी ज्यादा फायदा है।

कामरूप से मिथिला को पत्र आया है उसका
तबियत ठीक नहीं चल रही है। यहाँ से देखने
जायेंगे। प्रिय सुशील को हमारा आशीर्वाद
। तुमको तुम्हारे बाबूजी का आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

देहली
२२।२।६२

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

१५ता० को बच्चों ने व सन्तोष ने पत्र डाला था और १७ को आज शैल का पत्र आया है इनके पत्रों से सब समाचार ज्ञात हुए।

यह जानकर तो बहुत ही प्रसन्नता हुई कि तुमने कार खरीद ली है और घर पर आ गई है और अब तुम चलाने लगे होगे। बस बेटा गाड़ी अच्छी तरह से चलानी आजाये तभी चलाना। बड़ी होशियारी से चलाया करना वैसे तो तुम स्वयं ही समझदार हो यही समझा करोगे। मैंने देखा कि तुमने मोटर साइकिल चलाने में होशियारी दिखलाई थी आशा है कि ऐसी ही होशियारी से कार चलाया करोगे। बहन स्वरूप से मेरी यही प्रार्थना है कि यह गाड़ी तुम सबों को भाग्य वाली हो और तुम सबों के लिए बहुत ही अच्छी रहे। लोग भी चलानी सीख जायेंगे क्यों कर तो मोटर खूब चलाती है फिर तो सन्तोष को बाजार वगैरा जाने में बहुत ही आसानी हो जायेगी तुमने कार नई खरीदी है या सेकिन्ड हैंड है।

तुम अपना पूरा ध्यान रखा करो। तुम्हारे बाबूजी के पैर में जरा सी चोट पैर में लगी ज्यादह हो गया था शुक्रवार २६ को जनवरी को मेरठ पर आया था वह इनको ओमप्रकाश गोयल के पास ले गया था

उन्होंने गोली खोरा के [illegible] पलने को ही कहे

सब ठीक है बस आराम करने की है उस दिन तक तो

नीचे भी नहीं उतरे थे नीचे आके लिखाई थी सब काम

बजार खोरा का कर देते थे कोई परेशानी नहीं हुई

है अब तो कल्लेगा खोरा के बजार खोरा ने सब काम

कर रहे हैं। सब से [illegible] को पढ़ जाते है [illegible]

लेटे भी अब वहां का रहा जाते हैं बस नीचे ही

रह जाते हैं और आराम से ७ बजे तक बिस्तर पर

लेटे रहते हैं तुम को पत्र इस लिये नहीं लिखा

क्योंकि तुम परेशान होंगे इतने तुम्हारे पास पत्र पहुंचे

तो सब ठीक हो ही जावे। अब सब ओर से बिल्कुल

ठीक है चिन्ता की बिल्कुल कोई बात नहीं है।

तुम्हारे बाबूजी को तुमको आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

देहली / दिल्ली
२८/२/१९६८

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सारा प्यार

तुम्हारा एक पत्र २ तारीख को लिखा हुआ हमको २५ तारीख को मिला और एक पत्र ८ तारीख का लिखा हुआ आज मिला तुम्हारे पत्र पढ़ कर सब समाचार मालूम हुए। यह पत्र तुम्हारा अकेले का ही आया है अच्छा तो है इस बात से तुम्हारा हमको और समाचार मिल गए हैं। तुम्हारे पत्र से यह मालूम होकर तो बहुत ही प्रसन्नता हुई कि बाहर घर पर आ गए हैं तुम सब को बाहर में बैठ कर घूमने गए होगे अब तो शैल ने ही बाहर चलाई होगी। बेटा वहां पर पानी तो तुम लिखते हो बहुत दूर है लेकिन किसी गांव को ही कुछ दान करने देना सब बाहर तुम सबको तो बहुत ही अच्छा है और एक कूपा बस बेटा अपनी अम्मांजी बाबाजी का नाम लेकर जो बढ़ी २ बेटा दादा नाना हम तो यहां पर ही खुश होते रहेंगे कि अब तो हमारे बच्चों के पास जो बाहर हो गए हैं बेटे तो ईश्वर की दया से वहां पर तुम्हारे पास सभी चीजें हो गई हैं बस बात यही ठीक है कि हमसे दूर हो गए हो लेकिन वहां पर तुम सब खुश रहोगे हमको भी बड़ी खुशी है। यहां पर जाड़ा के बाद बोरा बहुत पड़ता रहता है बस खाना पीना सोना तो बहुत ही [illegible] है घर पर तो कुछ पता नहीं चलता है। शायद कुछ दिन में यहां का जाड़ा शायद खत्म हो जायेगा। यहां पर भी दो दिन से बादल हो रहे हैं

बेटे हमारे तुम्हारे सब लोग बड़े जल्दी ही आवेंगे बस तुम सब वहां पर ठीक रहो और इधर हम सब यहां पर ठीक रहें। क्योंकि तो ५ महीने ही बीते हैं जब २ तारीख आती है तो यह प्रसन्नता होती है कि चलो १ महीना खत्म हुआ है

लेकिन ही एक दिन बाद की आ जायेगा जबकि यह
कहेंगे कि इस महीने में घर पर आ रहे हैं। पलासीन
में शुरू करने की जरूरत नहीं होगी। जब तुम्हारा
[illegible] हो जायेगा तो हमको लिखना। [illegible] लिखा
लखनऊ ही है। नीरजा का पत्र कल आया तुम्हारे पत्र के साथ ही
आया है वह १२-१३ ता० को लखनऊ जायेगा १५ ता० को
कानपुर जायगा दिन का वक्त तो वह था नहीं लगता है इस
यहां पर बिल्कुल ठीक है बस तुम लोग अपना ध्यान
रखना। तुम्हारे बाबाजी जब कचेहरी जाते हैं तो अकेले तो
रहना ही पड़ता है लेकिन तुम्हारे बाबाजी ११ बजे के करीब
जाते हैं और दो बजे तक घर पर आ जाते हैं पहले तो
जाड़ों तक यह बात थी कि नीचे वाली छत की जगह से
धूप में ऊपर आ जाती थी तो समय बीत जाता था
लेकिन अब गर्मी आ रही है अब चिन्ता है कि कैसे
समय बीतेगा गर्मियों के दिन बड़े लम्बे होते
हैं। मेरी तबियत भी पहले की नहीं होती है अभी तो
तुम्हारी ये गुड़िया की सब किताबें यहां पर रखी हुई हैं
और लखनऊ से यह लोग आते हैं तो यहां से सीधे
लखनऊ नहीं जाते हैं फिर जब तक हम यहां पर हैं कोई
बात नहीं है। तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी
अब तो बेटे तुम खूब अंग्रेजी में बातें करने लगोगे
मकान का काफी दिन से कुछ पता नहीं चला है आप
बाबू कैसे हैं अभी यहीं पर हैं अच्छा है यहां पर रहेंगे तो
बच्चों को अपने दादा को दो लिखेंगे। पत्रोत्तर शीघ्र ही
देना।

तुम्हारी अम्माजी
इन्द्रावती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

19.2.78

बेटी गुड़िया! खुश रहो।

तुम्हारे लिए मैंने दोनों Calculus की किताबें खरीद कर Gupta जी को दे दी हैं। किसी न किसी तरह तुम्हारे पास भेज देंगे। और भी जो चीज़ की ज़रूरत हो लिखना मैं भेज दूंगा। कुछ भी फिक्र मत करना।

कल पूजा भी आई थी वह कुछ पेपर के लिए बाहर गई थी।

यहां तो हम ठीक ही हैं। papers में वहां की परेशानियों की बातें आती रहती हैं

जिससे परेशानी हो जाती
है। Car के पुर्जों की
खुशी हुई पर यहां लगाना
मुनासिब नहीं है पहले माल
का लगाना होगा।
जो दोनों Calculus हैं उन
जानने को लिखा है वह पुस्तकें
बताते हैं। तुम देखकर फिर
ऐसा जैसे लिखोगे भेज दूंगा।
Mr. Sikka के दिन से Delhi नहीं
गए। आज वह यहां पहुंचे वार पर
उस पुस्तकों के पास जाकर बात
करेंगे।

तुम्हारा बाबा
[signature]

Books in separate covers are also sent. Sushil's name is written on & inside the books as a safeguard. Dad—

DHANPAT RAI GUPTA

[illegible] 26.2.78

19.2.78

My dear Sachi

I have recd your letter of 6th Feb. I have purchased the two books The Integral Calculus and the other Differential Calculus. I had given the two books to Mr Vijay Gupta to enquire from the person concerned regarding the despatch of the same.

Ajay is still here and is trying everything to cause any trouble to persons here at Meerut. He

appears to be after
money and his father
is helping him in
his attempts. His
father has even denied
the receipt of Rs 2000/-
as written in Usha's
letter to Narendra
received by him from
London. She had specifically
written that she had sent
the amount by cheque to Ajay's father
and also Rs 120/-.

with love
yours affly

I am sending the two
books in separate covers.
I have written your name
in many places on & inside the book.

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

19.2.78

बेटा शैलू। सदा खुश रहो।

तुम्हारे दो letters मिले। हम तो health का ध्यान रखते हैं। पर तुम भी तो वहां दुःखी रहोगे तो हम भी यहां तुम्हारी तरफ से परेशान से रहेंगे। Mrs Gupta जो तुम को पढ़ाते थे बहुत दिनों से यहां नहीं आए हैं। उन को भी time नहीं मिलता होगा। वैसे वह बड़े जानकार हैं बहुत पढ़ाई वगैरह की बात करते हैं। हर काम को वह

पूछते रहते हैं।

मैं ने Score का cutting तो भेजा था वो बाद पहोंचा होगा।

तुम्हारे letters में तुम्हारे नाम के साथ तुम्हारा बनाया हुवा तुम्हारा ही फोटो होता है कभी २। बहुत पसन्द होता है वह तो।

तुम्हारे जाने के बाद तो सुनीता के घर वालों में से भी कोई नहीं आता है। तुम लोग भी क्यों उन के बारे में पूछते रहते हो जब उन को ही कोई परवा नहीं है।

तुम्हारा बाबा

प्राप्त १३।३।५८

[illegible]

मेरठ सिटी
२१/३/[illegible]

[illegible]

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा १२ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको कल २० ता० को मिल गया है। पत्र को देखकर बहुत ही प्रसन्नता हुई और समाचार भी ज्ञात हुए। हम दोनों सुबह को कह ही रहे थे कि आज तो शायद ही पत्र आवे। लेकिन पत्र आया बहुत ही प्रसन्नता हुई ये पत्र भी रही थी कि यह भी नये ढंग से उसी तरह जवाब और तुम्हारा पत्र पढ़ा। अच्छा है कि हमें ही [illegible] पत्र मिलते रहे तो लिखते रहा करो तो अच्छी रहे। ये बातें तो लेकर भी इन्हीं की आदत से लिखकर आ ही जाते हैं। अभी तक अनन्द बाबू यहीं पर हैं शायद बहुत जल्द इंग्लैंड नहीं जायेंगे यहीं पर कुछ काम देख रहे हैं। यह लोग तो बहुत ही खराब हैं हमारे वालों को तो कुछ भी नहीं समझते हैं अब तो यह विचार बच्चों को देखकर भी लगते गये हैं यदि यहां पर आयें तो यह इनकी लोभी बातें करते हैं इन्होंने तो अबकी २५) लगाकर गुड़िया की फ्रीज व टेलीफोन के लिये [illegible] पुनवाया था लेकिन इन लोगों की बातों को देखते हुए हमें तो मन नहीं करता है अच्छा है हमारे बालक [illegible] ले पर कुछ सबका ही खायेंगे। १ हफ्ता हुआ ये महेन्द्र के पत्र हमको शादी में बुलाने का आया है। २६ तारीख को मुन्ना की शादी है देखो यदि गये तो चले जायेंगे।

सुशील ने भी तुम्हारे लिये किताब को लिखा था इन्होंने दो किताबें बेगम की ओर गुप्ता जी को डाकखाने को दे दी थी लेकिन दोनों किताब वह दे गये हैं और कहा कि अब नगर से आना बन्द हो गई है। अब तो पार्सल से ही भेजेंगे इन्होंने कि बाबा के अन्दर जगह २ सुशील को याद करे

लिख दिया था इस लिये दाखिल होने का सवाल ही नहीं
है अच्छा है यदि तुमको मिल गई तो शायद इन किताबों से तुमको
पढ़ने में कुछ मदद मिलेगा। यहां तो तुम जो हम बातें लिखते
हो रहते हैं लेकिन लोग के देश में पहुंचने के बाद से देर हो
जाती है अब तो नहीं कुछ पत्र का ही सहारा है। तुम्हारा पेपर
ठीक ही हुआ होगा तुम चिन्ता मत करो।

यह जान कर प्रसन्नता होती है कि अब मुकुल जाने
लगा है। ऐसे ही चलने से दिमाग बढ़ेगा। कल जाना
ध्यान से ही चलाये। यहां पर तो सब अपने २ काम में जुटे
रहते हैं एक दूसरे को कुछ भी पता नहीं चलता है यह लोग
एक दूसरे की सहायता भी क्या करते होंगे। क्योंकि यहां पर
जितने लोग हैं सब अपने काम में लगे रहते हैं। तुम को अब
तो उषा का पत्र मिल गया होगा। यह भी तो हमेशा
लिखा करती रहती है। इस बार तो शायद लखनऊ ही होगा
निर्मला का पत्र आया था उसकी तबियत कुछ ठीक नहीं चल
रही थी। यहां पर जाड़ा बहुत पड़ेगा है अभी तो मेरे तुम्हारे
पास होंगे लेकिन ३ साल तक रहने पर खरीदने को पड़ेंगे ही
यह जगह बड़ी बहुत है और लन्दन इस बड़ा है यहां पर भी
कमरे में पूरा रखना है और गरम की चीजें तो ज्यादा ही आयेगा
तुमने लिखा है क्या। यहां फिल्म ११ डालर की हैं तुम्हारे अखबार
जो यहां से लेकर के खतम हो गये होंगे। क्या उसे तो कोई ही।
जब तक हम यहां रहेंगे तब तक तो तुम्हारे मिलने नहीं भेजने
का सवाल ही नहीं है। मैंने अब यहां आया था वो उठाके नहीं
थी लेकिन यह सोचो लखनऊ नहीं गया था और मैं कहता था कि
हम तो मैं गर्मीन कपड़ा भेज देते हैं क्योंकि चूहे काट देते हैं
और यदि आलमारी में रखे तो चली जायेगी यह भी जब हमको
मेरठ छोड़ना पड़ेगा। अभी तो छोटे का कुछ सवाल ही नहीं है

तुमको तो दिल्ली देखने का बहुत ही शौक रहता था
तुम्हारे बहाने से और भी सब देख लेते थे। अब तो
पता नहीं कब देख सकोगी। तुम्हारे पोस्टकार्ड को
देख कर तुम्हारी बहुत ही याद आती है तुम लिखती हो कि
हमारे जैसा कुत्ता भी अब यहां पर छोड़ कर चली गई
हो बहुत ही दुख होता है। हमने सुशील को [illegible]
का लिखा है लेकिन बहुत काम कर रहे हैं चलते हैं तुमको तो
प्यार भेज रही है और सबको नमस्ते ही है।

तुम अपनी सेहत का ख्याल रखो इतनी चिन्ता नहीं ही
करेगी तो अच्छा है और 1 1/2 महीने में तो मिलेंगे
यहां पर सिलाई का तो काम ही नहीं है [illegible] से
खरीदने होंगे तुम लोगों ने तो कभी कुछ कपड़ा
खरीदा नहीं होगा केवल [illegible] के पहनने के [illegible]
बच्चे ने ही कपड़े खरीदे होंगे। वैसे यहां पर [illegible]
कपड़े मिलने तो बहुत अच्छे होंगे। कभी तो [illegible]
परीक्षा भी नहीं [illegible] होगी। और [illegible] बहुत हो रहे
हैं अब पता नहीं [illegible] भी लिखने [illegible] होगी पढ़
पढ़ कर तो [illegible] ले तुम [illegible] पर बैठता
जाता है तुम को तो [illegible] में बड़ा खुश लगा होगा [illegible]
घोड़े पर भी [illegible] अब खुशी कर होगी। [illegible]
भी नौकर [illegible] हैं इन लोगों को इतना [illegible]
रहता है कि [illegible] है तो [illegible] अब तो [illegible]
तुम्हारा पता लिखना [illegible] गई है।

[illegible] याद तो हमको भी तुम सबकी बहुत
ही आती रहती है रोज ही तुम्हारी बातें होती रहते
रहते हैं। यहाँ [illegible] रहते हैं अब तो [illegible]

मदद नहीं देते होंगे। ऐसा लगता है कि उनके स्वभाव
भी अब देर से बोलने लगा है। क्योंकि इतने समय
में केवल दो ही महीने होते हैं पता नहीं इतना जल्दी
समय में वे बोलेगा। तुम्हारी इच्छा से चाहिता है
कि उधर कुछ सब ठीक रहो और इधर हम सब
ठीक रहें। देखो दुनिया के किन जल्दी ही बीत जाते
हैं अब तो नौकरी ठीक होगी अब तो उनको ही घर
के सारे काम करने पड़ते होंगे। क्योंकि अब कुछ
समय भी नहीं मिलता होगा। कभी तो उसे मौसम भी
आपुन से ही आती होगी उसे पाने में पहचान
होने पर फिर तो मुश्किल हो जायेगी। यहाँ पर
उनकी जैसा है पता मैंने सोप सब मिल ही जाती
होगी। कुछ यहाँ पर बहुत ज्यादा भी नहीं पर उस
भोजन खाया करो। क्योंकि वहाँ पर कुछ करने
के अलावा और भी तो काम करते हैं यदि ज्यादा
रहोगी तो इतनी मेहनत कैसे कर सकोगी
मन तो यह होता है कि पत्र लिखती ही रहूँ लेकिन
पत्र लम्बा हो जाता है पर बातें समाप्त नहीं होती
अभी २ रोज को अरविन्द का पत्र व नोटा को
आया है नौकरी रखवाने को नहीं गया है लिखा है
२२-२६ को में लालकुआं जायेगा। चि० सुरेन्द्र कुशल
से होगा उसको याद।
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।
तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

[illegible]

[illegible]

[illegible]

देहरा लिखी
२१।२।१९६८

प्रिय चिरंजीव सदा सौभाग्यवती रहो
२६ ता. को बच्चों के पत्र से तुम सबों का कुशल
समाचार होकर प्रसन्नता हुई। अब तो बहुत मन तो यही चाहता
है कि हमारे तुम्हारे पत्र रोज रहें आते रहा करें। फिर ऐसे
तो हमारे और तुम्हारे पत्र जल्दी रहें आते रहते हैं और
बेग में देर हो जाती है। आपने यहाँ रामदयाल की बहू
प्रमिला के जो दो जोड़िया बच्चे हुए थे उनमें से लड़के की मृत्यु हो
गया है। देखो कौन वाले गुप्ता जी की बहू को पांचवा
महीना है बच्चा होगा। और रामदयाल के जो छोटे भाई है
उनके अब चौथी लड़की हुई है लड़का बहुत छोटा सा है
आशा है कि तुम्हारी तबियत ठीक हो गई होगी पहिले
बेग में मैंने तुमको पत्र लिखा था बच्चों को ही ज्यादा कर
पत्र लिख देती हूं। क्योंकि इधर तो सब बच्चे लिखते रहते
है। तुमने नए प्लॉट जो है बहुत ही प्रसन्नता हुई ईश्वर
करे तुम सबों के भाग्य खुले हो। नए घर बनाने के लिए
गैरेज बना हुआ होगा। नए बहुत सुन्दर होगी देखने को जी
मन चाहता है फिर तुम सब बैठोगे हम को वहीं पर खुशी
होगी। तुम भी कार चलाना सीख लोगी। जब सुशील
अच्छी तरह से चलाने लगेगा तब सीखना। इधर सब के
दोनों लड़कों व दोनों बहुओं के पास कार हैं। क्योंकि बहुएं भी
नौकरी करती है। तुमको गुड़िया की नौकरी ना मिलने से बड़ी
परेशानी हो रही होगी खर्चे की भी परेशानी लगती होगी।
दोनों बच्चों की व तुम दोनों की तबियत ठीक भी होगई है
गुड़िया अब स्टेशन मिलनसार नहीं है। याद करती होगी
नाप लेके आओगी। तुम्हारे बाबूजी का तुमको आशीर्वाद

CHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

मेरठ सिटी
२१।२।१९७२

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा १२ ता का लिखा हुआ पत्र १९ ता को मिला समाचार ज्ञात हुये। वहां पर नया प्लेन पड़ रहा है यह अच्छा है तुम लोगों ने अपने एक कार खरीद ली है। और यह बात जानकर बहुत ही प्रसन्नता हुई कि तुमने कार खरीद भी ली है। बस मेरा ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम लोगों को कार एक ही अच्छी रहे और माफिक आती रहे। बस बेटा मेरी तुम से यही प्रार्थना है कि कार बहुत ही सावधानी से चलाया करना कहीं जल्दी ना करना। जैसे कि तुमने मोटर साइकिल चलाई थी ईश्वर की कृपा ही तुमको ठीक ही रहे।

मकान में सब ठीक हैं १६ ता को इन्दु व नरेन्द्र भी आये थे दोनों लोगों को देख कर बहुत ही प्रसन्नता होती है कि चारों इतना ध्यान रखते हैं आते रहते हैं।
तुम अपनी सेहत का ध्यान रखना खराब मौसम लगते रहा करो। हम भी अब तुम्हारे भेजे हुये खराब ही कार में जा रहे हैं यहां पर सबको विश्वास है कि वहां पर हैल खराब होते हैं।

यह थोड़ी देर के लिये आया था वहां पर सब ठीक हैं लड़की का अभी कुछ नहीं हुआ है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभचिन्तक
प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२२।२।५८

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २२ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको २८ ता० को मिल गया है पत्र को देख कर बहुत ही प्रसन्नता होती है और यह मन होता है कि बस जल्दी से खोल कर पढ़ूं। तुम्हारे पत्र को देख कर बहुत ही हंसी आती है और तुम कितना अच्छा पत्र लिखने लगे हो। हमको तो इस बात का ध्यान भी नहीं था कि तीन आना का पत्र नहीं लिखते हैं तुमको इस बात का बहुत ही ध्यान आ गया है। हां यह तो ठीक ही है तीन लिफाफे से तो याद बिगड़ने का डर होता ही है। तुमको गये हुए कि ज्यादा बच्चा अब इतना ~~सा~~ होशियार हो गया है। यहां से तीन साल बाद आने पर तो बहुत ही होशियार हो जाओगे। हम भी यही चाहते हैं कि तुम्हारे आने पर हम ठीक रहें और यह भी ठीक है इधर हम ठीक रहें उधर तुम ठीक रहो बस तीन बरस जल्दी ही बीत जावेंगे। फरवरी महीने से तो उकताना हुई कि रात्रि को रेल मौसम ने बन्द हुये हैं

आशा है कि अब कुशल कार ठीक चलाने लगा होगा बेटा शुरू रूप में तो सभी अनाड़ी होते हैं यह पढ़ कर बड़ी हंसी आई तुमने लिखा है कि अभी पापा अनाड़ी तो हैं ही फिर तुम थोड़े दिन में देखना मेरा बेटा कार कितनी होशियारी से चलाया करेगा इतने थोड़े टाइम में चलाने का तो लाइसेन्स मिल गया है ईश्वर से हमारी यही प्रार्थना है कि बस कार भी ठीक ही चलाता रहे। फिर तो तुम मेरे बेटे को अनाड़ी नहीं बतलाओगे।

सुशील ने अपने नंबर न आने की बात ली है इस लिये चलने

को भी याद ही लगता होगा। तुम्हारे बाबाजी निशान जाने

की दवाई ले कर देते तुम्हारे निशान ठीक हो जाते लेकिन

दवाई ले कर तो मुझे यही डर लगता है कहीं इतना और कुछ

असर ना हो जाय सुशील के तो यहां पर आकर तुम्हारा

तेल लगाया ठीक हुआ है। लोग नागपुर की है उसकी बहन

बहु की बात भी है फिर पता नहीं उसका रोकना कब

मिलेगा। आज निर्मला का पत्र भी आया है उसका पत्र को

अभी डेलिगेशन में जगह नहीं मिली है। यदि मिल जाय

तो बहुत ही अच्छा होगा रु०) रोज मिला करेंगे। पत्र

तो लापता ही है। तुम्हारे गुप्ता अंकल तो अब बहुत

दिनों से नहीं आये हैं। नीचे वालों ने मकान के बारे में

कुछ नहीं कहा है। तुमको मैंने पहिले भी लिखा था

नीलू ने मुझको भी लिखा था कि जयपुर में बहुत गर्मी

पड़ने लगी है मैं समझी कि शायद यह भूल से लिख गया

है मैंने उसको लिखा कि तुम भूल से लिख गये होंगे। जाड़ा

पड़ता होगा। नीलू ने लिखा है कि मैंने सच ही लिखा था

यहां पर गर्मी जल्दी पड़ने लगी है। यहां पर [illegible] को

जाड़ा ही पड़ रहा है पर हवा बहुत तेज चल रही है जैसे

तुम को पता जो ही आया है। रविवार को नरेन्द्र व इन्दु

आये थे यहां पर सब ठीक है गुड्डी भी यहीं पर पढ़ती है

रविवार को सलोनी के बच्चे के जन्म दिन की बधाई ले आये

थे। ममता [illegible] के बच्चे का पता नहीं उसको लिखो रहता है

क्या। जब कोई आता है तो बोलते भी नहीं हैं। इस को

अपना ध्यान रखने ही है तुम भी अपना ध्यान रखना।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाश वती

22.2.78

मेरी गुड़िया रानी रेखा।

तुम्हारा जो कि Bag के नहीं जा सकी। इसको भेज रहा हूँ book post registered फिर अब में भेज रहा हूँ। इस को तुम्हारे पापा के नाम Maryland के apartment का पता पर। वह जरूर पहुँचा जायेगा। प्रोजेक्ट किताब को जरूरत हो तो उसको डाक से इस ही तरह भेज दूँगा। मेरी किसी परेशानी का ख्याल न करना।

मुझे कोई परेशानी भेजने
में नहीं होगी। तुम्हारे वहाँ
की जरूरत ना पूरी होने में
मुझे बेहतर पता होगा।
Ajay यहाँ ही हैं। वह
शायद London जाने वाले
रहे हैं।
26.2.78 को तुम्हारे मामा
महेन्द्र जी के लड़के की शादी
है। बारात Moradabad जावेगी।
तुम्हारा बाबा

DHANPAT RAI GUPTA
B. A., LL.B., PLEADER
MEERUT

22.2.78

My dear Sushil
I have recd your letter of 14 Feb.
The books could not be sent by Bag. I am sending the books per Reg. Book-Post again. I hope they will reach you. They are sent at your home address. If the books do not suit Gudya I shall send bigger books which would be for all universities. These are meant for BSc standard of Meerut University; You need not mind

for expenses. When a thing is required for children there is no consideration for any costs. welfare of children is the primary consideration. I had sent "Harish chandra" about two weeks ago. I have not heard from you if that has reached there.

with love & affs
yours
[illegible]

22.2.78

बेटा श्री जी खुश रहो

तुम्हारा 12.2.78 का पत्र कल मिला। तुम्हारे Car के चलान की पढ़कर खुशी हुई पर इससे ज्यादा तो जाना तुम सब लोग तुम्हारे पापा "पुनाडी हैं" तो। कहीं फिर किसी जगह चला दें। तुम्हारे पापा का प्रेम दिलेजान से ही चलाना होगा। वहाँ Car चलाना आसान नहीं है। हम तो यहाँ ठीक ही हैं। तुम लोग वहाँ हो या खुशी से खातापीते रहो तो यहाँ हमारे वास्ते बहुत खुशी।

को बात हुआ होगा। मैंने
एक महीने से सुबह को
वहां से दफ्तर जाना बंद
कर दिया हैं। पहले और
[illegible] जाने के बाद से। एक
यहीं मोहल्ले की दुकान से
दफ्तर ले जाते हैं। Mr Gupta
जो तुम्हें पढ़ाते थे बहुत दिनों
से नहीं आये हैं। जब भी
कभी आते हैं बहुत पक्का।
तबीयत बात करते हैं। हम
भी उन की तरफ नहीं जा सके।

तुम्हारा बाबा
[signature]

मेरठ सिटी
२।३।१९६२

प्रिय दिदिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत
प्यार

हमने तुमको २८ ता० को पत्र लिखा है मिल गया होगा। तुम्हारे पत्र की इन्तजार लगी है। पता नहीं क्यों नहीं पत्र आया है।

तुमको ज्ञात होगया होगा मकान में पहलू को के छोटे पुत्र की शादी २६ फरवरी को थी और मार्च १ ता० को प्रीतिभोज है। तुम्हारे बाबाजी और मै आज साढ़े आठ बजे प्रातः योग से मकान जा रहे हैं इसलिये यह पत्र हम तुमको जल्दी जल्दी लिख रहे हैं अगर आज ना लिखा तो इसकी डाक से जाने में देर हो जायेगी। वैसे लिखने को हम २ ता० को मकान से आकर। हम मकान से शाम को आ जायेंगे। इस शादी पर लोग के तुम सबको [illegible] याद आ रही है यदि तुम लोग यहां पर होते तो हमको इसके जाने की आवश्यकता भी नहीं थी।

आशा है कि तुम सब ठीक होंगे पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

1.3.78

श्रद्धेय गुरुदेव। नमस्ते।

मैंने किताबें 22.2.78 को भेजी है। डाक से Regist-Post- मकान के पते पर। उम्मीद है जल्द ही पहुँच जावेगी। यदि पसन्द न हो तो पैसे न भेजना। लिखना। मैं इन Books को लेकर मन में रहा था क्योंकि इसमें Best Standard को ही लिखा था। मुझे मालूम हुआ है कि इन से बड़ा पैर

भी है जो पी.एच.डी.
universities के लिए
भी काम होगी। वह चाहें
तो भेज दूंगा। कुछ
भी संकोच मत करना।
तुम्हारे लिए जिस किताब
या चीज़ की ज़रूरत
हो भेज दूंगा।

तुम्हारा चाचा।

1.3.78

My dear Sushil,

No letter from any of you for the last ten days. There must have arrived three bags during this time. I had sent two back per Reg. Post on the 22nd & hope may reach you in time. They were sent at your home address. Today we are going to Mawana as invited by Mahendra for a party at 11 AM in

SHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

connection with the marriage of his son. We shall come back by evening.

I am having pain in my leg & have not been going for milk for five or six weeks. I am well otherwise. I have again commenced going to courts for about two hours.

With love -
Yours affly
[signature]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

1.3.78

बेटा रीनू ! खुश रहो।

तुम्हारे Mr. Gupta जो तुम को पढ़ाते थे प्रयाग में। कहते थे मुझ को खबर नहीं करा घर में छोटे को बहुत दुख मान रहे थे इस बात का। पर कोई ऐसी बात नहीं थी।

अब वहां तो हाल कैसा होगया। तुम्हारे पापा अब तो Car चलाने लगे होंगे पर ध्यान रखना अभी वह "अनाड़ी" हैं ना।

अभी तो पूजनीय यहां ही
हैं वह अभी तो नहीं जा
रहे कहीं।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B. PLEADER

मेरठ सिटी
3।3।1972

प्रिय गिरिया रेखा तुमको हमारा बहुत सा प्यार

अति विलम्ब से तुम्हारा पत्र न आने से चिन्ता थी इससे तुम्हारे पत्र की इन्तजार देख कर एक पत्र २ मार्च को लिख कर जल्द डाक में डाल कर तब हम जल्द सोर आठ बजे मकान गये थे क्योंकि वहां पर पुत्री की शादी का प्रीति भोज था वहां से हम शाम को पांच बजे आ गये थे यहां पर आनन्द सुशील लोगों का पत्र मिला जब तुम्हारा शान्ति की हुई फिर रमा को तुम्हारे दो पत्र एक साथ मिले एक पत्र २६ ता. को लिखा हुआ और १ पत्र २९ ता. को लिखा हुआ। दोनो पत्रों को एक साथ पढ़ कर बहुत ही अच्छा लगा पर पत्रो में बेग बीच में क्यों देर हो जाती है बैठे तो हम लोग पत्र लिखते ही रहते हैं। पता नहीं मकान पर क्यों नहीं पहुंचते हैं मकान में आनन्द मिला था वह कहता था कि शान्ति का पत्र तो मेरे पास ज्यादा था मैने उत्तर नहीं दिया है। बहुत से ज्यादा ऐसे होते हैं जो पत्र आने पर भी उत्तर नहीं देते हैं मकान पे गुड्डी के शादी पर बहुत सी तकलीफ बता रखी है उसको बनी बहुत तकलीफ इन्हो ने मुझको सब दिखलाई थी। गिरिया इसने तुम्हारे बाबा को भी चोट को इसलिये नहीं लिखा था कि इससे चिन्ता और भी ज्यादा भी हो यहां तुमको लिखते और वहां पर तुम लोग परेशान हो जाते इसके तुम्हारे पास पत्र पहुंचता इसके बीच भी हो जाते और तुम चिन्ता ही करते रहते। हां इसके पैर में दर्द तो ज्यादा हो गया था लेकिन बाद में कोई ऐसी परेशानी नहीं हुई इसलिये बताया आराम तो ज्यादा हो गया है पर और कुछ दिन और रखने से तो बिल्कुल आराम हो जायेगा लेकिन आठ दस

दिन बाद ही स्कूल खोल दी कैसे तो इसकी आदत है
थोड़ा रहते तो सब भी चल ही रहा है कैसे तेल मालिश
करते रहते हैं। और सबेरे घूमना भी जा रहे हैं कोई
खास परेशानी की बात नहीं है तुम कुछ फिक्र मत करना
शरीर के साथ में कुछ न कुछ तो लगा ही रहता है और इस उम्र में
तो शरीर ऐसा रहता ही है। तुम सब यहाँ पर खुश होंगे हम
लोगों को बहुत खुशी है। आज पूरे छः महीने हो गये हैं आज रवि
है आज के दिन तो हमारे जहाज में थे। नये साल की
मिले २ बहुत दिनों तुम सबको त्योहार भी आ जायेगा।

बिटिया तुम्हारे नम्बर तो परीक्षा में काफी अच्छे आये हैं
और रवि के लगे थोड़ी भी अच्छे आयेंगे। वैसे यहाँ की और वहाँ
की पढ़ाई में कुछ फर्क तो होगा ही। हम भी सबेरे रात का खाना
हो जाते हैं लेकिन मत रहो क्योंकि पकौड़ी खाना बनाते हैं तो वह
स्वाद का नहीं आता है सबके साथ में खाने ज्यादा अच्छी
लगती है और खाना भी बनाते हुए आलस भी आता है तुम्हारे
बाबाजी तो सभी चीजें बहुत ही कम खाते हैं। तुमने भी
कई की तस्वीर बनाई भी अच्छी बन गई होगी अबतो
तुमको यह चीजें बनाने का समय ही नहीं मिलता होगा

अबकी बार तो सोचा की तबियत ठीक ही नहीं हो रही है
यह अच्छा किया तुमने जो। जी सामने की पढ़ाई लेकर
है तुम देखना भी सीख गई होंगी। अब बहुत ज्यादा की
परेशानी भी नहीं रही है। इतनी समझदार होकर भी पता
नहीं सोचा क्यों इतना ज्यादा सोच के परेशान रहती है अब
तो परेशान होने से कोई लाभ नहीं है अपना शरीर ही खराब
होता है। इतनी बिमारी के बारे में हमने सबने। लिखा दिया था कि
उसको मत लिखना बेकार में परेशान होगी। और इतने पत्र उसका
मिलेगा यह ठीक भी हो जायेगा। बिटिया तुम हमारी ओर से
इतना परेशान मत हुआ करो। इस शरीर में कुछ न कुछ तो लगे
ही रहता है और अबतो हमारा शरीर भी ऐसा ही है।

२ [illegible]

ऐसा हुआ इतने दर्द होने से आराम हो गया कि
यह लगेगा गये थे और इतना पैर बिल्कुल ठीक था नहीं
पर [illegible] में एक क्लीनिक से उन्होंने इस इलाज बताया कि क्लीनिक
लगभग आपको कुछ से ८-१० बजे खुले हैं और आपको [illegible] को बहुत
ही अच्छा है इसलिए जितना जल्दी चाहिए करवा लिए हैं और मैं तो
आपसे बातें करता हूँ लेकिन मैं तो [illegible] नहीं रहता हूँ। कल
भी बात नहीं यह घर पर बिल्कुल [illegible] पैर में [illegible]
भी दर्द नहीं था कल रुपया बाद पैर में बहुत दर्द होने लगा और
बदला ही गया और कि अभी तक भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुआ है
असली आराम तो इतने दर्द का कष्ट लगता है। लेकिन विश्वास तो नहीं
होता है कि बगल से ऐसा भी हो रहा है। तो डाक्टर [illegible] शायद
साथ में लगे ही रहते हैं। अब बात से तुम सबको [illegible] ज्यादा हो गया
है हां अभी अकेले में नहीं छुट्टी ले जाया करो क्योंकि [illegible] लिखता
है कि यहाँ बार नहीं गलत रास्ते पर ले जाये तो वहां से मोड़ नहीं
सके हैं अब तक भी पूरी सड़क [illegible] यह तो वहां पर पूरी
परेशानी है इसमें तो पेट्रोल भी काफी खर्च हो जाता होगा
इसे तो क्यों भी बातों से बहुत परेशानी हो जाती है जो
आजकल इंडिया में है वह और नहीं नहीं फिर तुम लोग भी सब
धीरे धीरे उसी में ही रहने लगोगे सब जगह। यहां पर आकर सबको
बतलाया तो लोगों। [illegible] तो देखने को प्रशंसित है हो
मिलते हैं तुमको गर्व होता है कि मेरे बच्चे थोड़े उम्र में ही सब
आगे चल लोगों ईश्वर से प्रार्थना है कि ऐसा ही आगे सदैव
बना रहे। और तुम सबको ये सफलता प्राप्त हो।

अभी मन्जु अनुपमा पद्म व रेखा यह चारों लड़कियां

मेरे पास आई थी उनको मैंने चाय पिलाई
और प्रकाश को मिठाई व कचौरी खिलाई थी रेखा
दो चार बैठी रही १ घंटे के लिये मैं गई है आफिस
मे रेखा बोर लगता रही तुम्हारी बड़ी याद आती है जब
यह लोग आती हैं बड़ा अच्छा लगता है। अलका तो अबकी
बार नहीं आ पाई है उतना यदि अनु आया था उतना ही
होने के नर को शैतानी देखी थी। यहां पर तो अब
मौसम बदल गया है अब होली का त्योहार आ रहा है मैं
इतनी गलती कर गई तुमको बड़ा दुख हो रहा है मैं तुमको
पहुंची देनी भूल गई तुम्हारे लोगों को बेसन लगाने का
शौक तो नहीं है लेकिन होली त्यौहार पर तो याद मे रहा
होली को तुम दोनों क्या ही करते तुमको बिल्कुल भी
और वहीं रहे वहां पर तो पहुंची क्या मिलता होगा।
अलका के लिये कपड़े हुए तो मां के लिये गये है पता नहीं
तुम्हारे पास अभी तक क्यों नहीं पहुंचा है। तुम्हारे बाबाजी ने
भी तुम्हारे लिये कौशल्या को लिफाफा दे भेजी हैं वह भी पता
नहीं कितने दिन में पहुंचेगा। कल तुम्हारा पत्र उमा के
पास भी पहुंच गया है। विपिन अब तो तुम्हें पहले जैसा तो
समय भी नहीं मिलता होगा यदि नौकरी करने लगोगी तो
बहुत ही कम ज्यादा करोगी तुम अपनी तन्दुरुस्ती का ध्यान
रखना तभी तो इतने ये काम करने जाओगी। तुम इधर
और को तो लिखती रहती हो और हमारा मन भी होता है कि
तुमको देखने आयें लेकिन यह तो बहुत ही असम्भव है
अच्छा पत्र भी बहुत ही बड़ा हो गया है

प्रत्युत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाश वती

मेरठ सिटी
२/३/१९६२

प्रिय गिरिजा योग्य सदैव सौभाग्यवती रहो।

तुम्हारा पत्र इसको 2 मार्च को मिला। तुमको यह ज्ञात होगा कि महेन्द्र जी ने लड़के मुन्ना की शादी २६ फरवरी को की थी और 2 मार्च को विदा होना था। मैं और तुम्हारे बाबूजी 1ला को मकान मिलि भोग में गये थे। बहू वैसे तो मामूली घर की है लाई तो कुछ नहीं है लेकिन बहू सुन्दर है। इसको देख कर सब बहुत खुश हुवे यहां पर आकर तुम्हारी बहुत ही याद आती रही ऐसे मौके पर तुम ना हुई उन्होंने बच्चों ने। विमला हमारे साथ तो थी लेकिन तुम लोग कुछ भी नहीं रहा यदि प्रबन्ध करें शादी पर भी कुछ नहीं थी। वैसे तो बहू को दोनों बहुवों ने 11-11 रुपये दिये थे मिठाई का डिब्बा ले गई थी लेकिन उन्होंने तो बहुत रुपये दे दिये। 22-22 रुपये तो दोनों बहुओं ने देखी पड़ाई ने दिये और (52) महेन्द्र की बहू ने दिये और 25-25 रुपये इन्दु व मन्नू ने दिये देख बहुत ही मन लिये लेकिन कहने लगी कि हमारे मायके का आई है मुझको बुरा भी बहुत लगा। फिर मुझको बड़ा बुरा लगा कि यदि मुझको पता होता तो मैं सब बच्चों को 5-5 रुपये ही दे देता। आज कल के रुपये उन्होंने दे दिये तो मुझको 11 रुपये बच्चों को देते हुवे अच्छा नहीं लगा। फिर किसी मौके पर देखा जायेगा। मथुरा से विमला व उनकी लड़की गुड्डी आई थी मनोरमा की मां शीला के लाला जितेन्द्र पाल आया था तुम्हारी बुवा थी। ऊषा के घर से ससुराल से अजय बाबू व बच्चे कोई नहीं आये थे। बड़ा बुरा लगा ऐसे मौके पर तो आना चाहिये था। वैसे तो अजय यहीं पर है। इस शाम को पहुंचे मकान से आगये थे वहां से आकर तुम्हारा व कुशल को

पत्र मिला पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुऐ इस बार
दिन से पत्र की इंतजार कर रहे थे १ मार्च को हमारे
आपने ही कुशल को पत्र भी मकान में मिला।

तुम्हारे बालपन अवस्था का पढ़कर जी ठीक ही नहीं हो
रहा है हमारे जैसा तो रोते ही रही होगी। अब तुम ज्यादा जो
जोर में इतना मत सोचा करो। उसका और तुम्हारा इतने
दिनों का ही सम्बन्ध था यहां पर अकेले में और भी सोचती
रहती हो यदि तुम्हारा शरीर ठीक नहीं रहेगा तो तुम्हारे
गृहस्थी कैसे चलेगी अब तो यही सोच कर सबर करे
इन्का नहीं थी कि बच्चे भी ऐसे होगये है अब हम से
बिल्कुल नहीं बोलते है। उनका भी सिलसिला ऐसा होगा
ऐसा लगता है कि वह रिश्ता नहीं रखना चाहते हैं। आप
बच्चों की ओर से दुख होता है। लोग ने भी उनके इच्छा
इन लोगों से तो दिल को दुख अपने ही आयेगा।

इनके यह जो अब परिवार के नाते आया है
वैसे ठीक जगह पलते रहते हैं चिन्ता की कोई बात नहीं
है इधर पूजा इस लिये नहीं लिखाया कि जी परेशान
हो जाते। तुमने यह अच्छा किया सबको जाकर रखवा दी
हैं वहां पर तो बहुत ही जाड़ा पड़ता है। यह जान कर
अच्छा रहे खुशी हुई तुमने कार खरीद ली है देखकर
तुम सबको कार चलाती हो। तुम सब बैठोगे इतना
यहीं पर बड़ी खुशी है। तुमने अच्छा किया मान को रख दिया
है वहां पर भी सबको गौर से देखना। यह अच्छा है
वहां नींबू आलू सिर्फ सब चीज मिल जाती है। तुम्हारे
बच्चों को हमारा आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।
आदित्य ने अभी तक पता नहीं चला हुआ है कहे का पर आ गया है

तुम्हारी अम्मा जी प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
३।३।१९८२

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

हम यहां पर ठीक हैं तुम सबको भी कुशल ईश्वर से सदैव मनाती रहती हूँ। तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुआ। हम २ता. को मकान प्रीति नगर में गये थे वहाँ पर भी तुम्हारा पत्र हमारे सामने ही पहुँचा था फिर हमको यहाँ पर आकर पहिला पत्र २ता. को मिला तुम्हारा व सोनू का पत्र था मेरा आना बेकार था।

तुम्हारे बाबाजी ने अग्रवाल को भी बुलाया है मकान के बारे में उनसे भी पूछ लेंगे। शायद वह इतवार को आयेंगे इन पास वालों से कहा है कि अग्रवाल से कहना हम से बात कर लेंगे।

तुम्हारे बाबूजी अब ठीक हैं लेकिन अभी ज़रा कुछ चल रहा है वह भी आहिस्ता से ठीक हो जायेगा चिन्ता की कोई बात नहीं है इसको पहिले इसलिये नहीं लिखा था कि बच्चे बुरी तरह से परेशान हो जाते हैं और कुछ ऐसी चिन्ता की बात नहीं थी

तुमने कार खरीद ली है बड़ी प्रसन्नता होती है ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको कार भाग्यवान हो और खूब घूमो बेटे जब तक तुमको रास्ता का ठीक पता न हो तब तक अकेले कार लेकर मत जाना क्योंकि है कि यदि रास्ता भूल जायें तो मीलों का चक्कर पड़ जाता है अभी तो किसी के साथ ही जाया करना

यदि तुमको ~~बस~~ से जाना पड़े बेटे तुम अपना
बहुत ही ख्याल रखना मेरी तुमसे यही प्रार्थना है

सोना की तबियत बिगड़े दिन हो गये
खराब ही चल रही है पता नहीं इसको क्या हो
गया है इतनी समझदार होकर भी परेशान करती
है अब तो यदि किसी को परेशान हो और ज्यादा नहीं है

पवार गौर पर तुम सबको भी बहुत ही याद
किये अनूप बाबू ने बच्चों को वहां से शादी पर
पवार भेजे नहीं गये हैं बड़ा ही बुरा लगा
उषा तो थी ही नहीं यह लोग ऐसा लगता है
मिलना ही नहीं चाहते हैं। पवार वाले तो विचार
बहुत समझते हैं इसका असर तो आप नहीं
चलता है। और इन लोगों को समझ है।

हम १ तारीख को प्रीति योग में आठ नौ बजे सुबह
को पवार पहुँच गये थे वहां से फिर हम बारात में
चार पर चले गये थे और १२ बजे से ठीक उसके
बाद घर आ गये थे फिर हम ५ बजे आ गये थे

शादी का सब काम ठीक हो गया है तुम सबको तो
बहुत लोग भी याद करते रहे।

बस बेटे अपना ख्याल रखना। और
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

मेरठ सिटी
३।२।१९७८

BHAGWAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार
यहां पर हम ठीक हैं। तुम सबको भी कुशल ईश्वर से
सदैव भली चाहती हूँ। तुम्हारे २० व २२ ता० के पत्र दोनों इकट्ठे
कल २ ता० को एक साथ ही मिले। दोनों पत्रों को एक साथ देख
कर बहुत ही खुशी हुई। और चिन्ता दूर हुई। जरा देरी भी जब
तुम्हारे पत्र आने में हो जाती है तो तुम्हारे नाना जी बेचैन से हो
जाते हैं वैसे तो तुम भी और हम भी पत्र जल्दी २ ही लिखते रहते हैं
कभी २ बीच में कुछ गड़बड़ हो जाती है। तुम्हारे नाना जी अब ठीक हैं
बस हल्का सा दर्द अभी पैर में है। हमने तुमको इस लिये नहीं
लिखा था कि इधर तुम्हारे पास पत्र पहुंचेगा ठीक भी हो जायेंगे
और इधर ठीक होने का पत्र नहीं पहुंचेगा तुमको चिन्ता रहेगी
इसी लिये नहीं लिखा था ठीक होने पर तुमको लिख ही दिया
है बेटे तुम लोग ज्यादा कोई ऐसी इतनी चिन्ता ना करना नये देश
ठण्ड में तो शरीर में कुछ न कुछ बिमारी चलती ही रहती है
अब ज्यादा मौसम बदल रहा है। तुम लोग अपना वहां पर
ध्यान रखो। तुम लोग वहां पर ठीक रहोगे तो हम भी ठीक ही
रहेंगे। अब तो कुशल को कार चलानी ठीक आ गई होगी
अब तो अनाड़ी भी कहनी नहीं मिलेगा। यह जान कर बड़ी
प्रसन्नता होती है कि अब ठीक से कुशल चलाने लगा है और
कुछ दिन में अभ्यास हो जायेगा। तुम लोग भी रविवार में
बैठ कर घूमते होगे हम तो यहीं पर खुश हो लेते हैं अच्छा है
तुम सब ठीक रहो और खूब घूमो हमको भी प्रसन्नता है। उस
ईश्वर को बहुत ही धन्यवाद है कि हमारा बच्चा इस पदवी पर है
जिसका कि स्वप्न में भी ध्यान नहीं था वह बेटे आज आठ महीने
तुमको गये हुए हो गये हैं आज के दिन तो तुम लोग हवाई जहाज
से सफर कर जा रहे थे। तीन वर्ष में अब महीने

ठीक हो गये हैं। ईश्वर करेगा तो बच्चे भी ठीक से शीघ्र ही
ठीक हो जायेंगे। वहां पर सिर्दी भी बहुत पड़ती है। हम तो ऐसा
कि सुना करते थे कि लन्दन भी यहां की तरह साफ सुथरी रहती
है होते कि मने लिखा हुआ है कि गुड़िया के नीचे बैठकर के
कपड़े मैले गन्दे हो जाते हैं। तुमने मेरा स्वेटर लिया है
अब फोटो खिंचवाना पर इसको भेजना जहां के कपड़े हैं तो
रंगीन फोटो आयेगी। यदि इसने फोटो खिंचवाई तो तुमको
अवश्य भेजेंगे। अब मौसम में यहां पर कुछ फर्क हो गया है
लेकिन अभी तो कपड़े में ही सोते हैं। तुम्हारे कपड़े में रात को
खाना खाते हैं जिससे बिगड़ी गल जाये। दो पलंग भी
बिछा रखे हैं तुम्हारी ही चादर व तकिया लगा है लेकिन
तुम लोग कपड़े में नहीं दिखाई देते हो कपड़े को देखकर
हम सबका बहुत ही ध्यान आता है कि तुम्हारे रहने की
रौनक भरा रहता था। अब तो पता नहीं वह दिन कब आयेंगे
तुम सबको होली पर खूब याद आयेगी अब त्यौहार पर
मैं तो कुछ भी अच्छा नहीं लगेगा। वहां पर तुम लोग
भी रंग से तो नहीं खेलोगे। तुम सब खुशी से होली का
त्योहार मनाना हम भी मनायेंगे ही बस तुम सबको याद में

बेटे मैंने तुमको कल कार्ड भेजा है जो इस लिये खोल
के लिये लिखा है तुमने तो अपने बहुत ही बड़े काम वाले
हैं इस लिये तुम्हारा स्वास्थ्य ठीक रहना बहुत ही
आवश्यक है हम लोग तो अब बूढ़े हो गये हैं अब तो
बच्चों की ही जिन्दगी है। फिर भी ईश्वर से प्रार्थना
है कि इतने जिन्दगी है शरीर ठीक रहे। अच्छा बेटा बस
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

3.3.78

बेटी गुड़िया । विशाखा ।

तुम्हारा पत्र कल मिला कई पर काफी दिनों में । कई बार को डाक टिकट ही bag में पड़ी । इस ही तरह मेरा भी इन letters जल्दी ही लिखते हैं पर कहीं एक कर टिकट का भेजते हैं ।

मैंने 22.2.78 को दोनों Calculus भेजे हैं तुम्हारा Maryland के मकान को पते पर Registered Book post से हवाई जहाज़ से भेजे हैं । पता नहीं कि वे पहुंच जावेंगे

तुमने लिखा है कि Alka

को नैनीताल से भी 23.2.78

तक नहीं पहुँची। लिफ़ाफ़े में

महीना पहला का है।

Usha नीचे वाली को letter

से पता लगा तुम Russland

पर सरदी से तड़प रहे हो।

एक चन्दा मैंने भर पहले पर

भी ठीक न निकला। वहीं कैसे

मैं समझूँ कि कागज़ से जान पाना

आदर। शैलू ने लिखा है तुम्हारी

car नैनी गया पर तुम को नहीं

देख पाया।

मैं तो ठीक ही हूँ। मेरा

क्यों फ़िक्र करती हो। हम तो

यहाँ ठीक ही हैं। तुम लोग ठीक

रहो तो ठीक है।

तुम्हारा बाबा

[signature]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

3.3.78

My dear Sushil,

Received your three letters yesterday along with papers. I have realised Rs 2990/= from the Bandhu Motor Finance. Rs 10/= were deducted by Mr Anand for the interest for the last week of January 78 as they had paid interest for the whole of January in anticipation of renewal of the deposit.

Narendra says that he will give me Rs 3000/= on 9-3-78. I shall do the needful.

For your information I tell you that the postal rates are proposed to be amended. This will have effect on our correspondance only as to the weight of the envelope.

The proposals are that

That under the revised rates
the envelope will require
25 Paisa postage if the same
is upto 10 grams in weight.
The additional 10 grams will
require 15 paisa more. At
present the weight was 15 grams
and 15 paisa for additional 15 grams.
I shall send you some stamps
of 15 paisa as they may be required
by you from next month.
My right leg is not in proper
condition. I have pain in
the knee joint and also below
the knee. Going to Latrine is a
problem as the leg is not easy
to fold. I donot like to live
as a liability to anyone but
why it is I don't know that I wish
to live to see you all back again.

with love —
yours affly
O P Gupta

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

3.3-78

बेटा गौरी! खुश रहो।

तुम्हारे letters कल मिले।
मैं तो ठीक ही हूं बेटा। तुम क्यों
मेरी वजह से परेशान होते हो।
चोटें तो मुझे लगती रहती हैं।
यहां सड़कों पर गढ़े हो रहे हैं।
जगह जगह sewers के लिये
खोदा जा रहा है। उस से चोट आई
थी। पर उस के कई दिन बाद
एक दिन pain हो गया था।
अब भी pain कुछ है ठीक हो जायगा,
यह तो बुढ़ापे के pain हो जाते हैं।
मैं नहीं चाहता था तुम लोग
वहां परदेश में परेशान हो इस
लिये मैं ने सब को कहा था
तुम लोगों को ना पता दें।
अब तो कोई ज़ियादा।

तकलीफ़ नहीं है।

मुझे खुशी है तुम वहाँ ठीक
हो। गरमी प्रान्त पर भी ठीक
रहो तो ठीक है। हम तो यहाँ
खाने पीने में कुछ भी कमी
नहीं करते। यहाँ ध्यान रहता
है वहाँ सब चीज़ें आसानी
से नहीं मिलती होंगी जैसा मिठाई
भी खरीदना आसान नहीं है।
तुम लोग वहाँ ठीक रहो तो
मुझे खुशी है। हमको जाने
प्लान में हमारा बनाना है
बेटा। परदेस है वहाँ सब ही
बातों का ध्यान रख कर रहना है
तुम लोगों को।

तुम्हारा बाबा

[signature]

मेरठ सिटी
२२/३/१९६२

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २८ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको कल मिल गया है। पत्र पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुये। हमारा पत्र के दस दिन पहुँच गया सो तो देर से मिला। किताब तुमको मिल गई चिन्ता हुई हुई कैसे पैसे भेजे तो कोई बात नहीं है लेकिन तुम्हारी जो आवश्यकता के लिये भेजी थी उस में वह काम नहीं हुई इस से दुःख हुआ। यह जान कर प्रसन्नता हुई कि तुम्हारे पेपर ठीक हो गये हैं ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम्हारे पेपर सफल हो जायें हमने तुमको एक पत्र ११ ता० को लिखा है उस पत्र में हमने भेजी भेजी है पता नहीं ठीक पहुँच जायेगी इस पत्र के साथ [illegible] भेज रहे हैं होली के दिन सगुन को तुम अपने मुंह पर मल लेना। होली पर कैसे हमको तुम्हारी याद तो बहुत आयेगी हो तुम खूब सजा के बनवाती थीं बड़ा अच्छा लगता था लेकिन भी यहां पर तुम्हारे लिये बनाईगी है लेकिन वहां पर होली का क्या पता चलेगा। उधर तो विद्यार्थी जाने को विचार तो था गई नहीं है यदि घर गई और विद्यार्थी अच्छे हुई तो तुम लिख रही हो तो हम आयेंगी कैसे मन तो नहीं मानता है अपने सहेलियों के साथ में हो अच्छा लगता है।

परसों यहां पर मेरे पास जुगेन्दा आई थी वह बच्चो बहुत हो रही है जिसका रहती है और अब वह गांव में रहती है। उसने तुमने पत्र लिख दिया होगा। यहां पर २० ता० को सुबह ६ बजे खूब ओला पड़ा बड़े बेर के बराबर। और दोनों दिनों [illegible] में गिरे। इस वजह से गरम जाड़ा हो गया है

तुम्हारे नानाजी के पेट में दर्द अभी चल ही रहा है वैसे
नानीमत भी कुछ ठीक रहती है नवल गोवा में रहते हैं। कल
डाक्टर बोस उनका आपरेशन की सोच रहे हैं नहीं हम दोनों
जा रहे हैं और चिन्ता की कोई बात नहीं है। ठीक हो
जायेगा। इस उम्र में कुछ न कुछ तो चलता ही रहता है
अब हमारी दोनों की उम्र भी तो ज्यादा हो गई है।

चिड़िया तुम सब प्यार में बैठ कर गाते हो तो
हमको तो सब जान बहुत ही खुशी होती है। ईश्वर ने
यह कृपा है कि हमारे बच्चों के पास भी प्यार है बस
ईश्वर करे आप तुम सबको को प्रसन्न रखें हो।

तुम्हारी चिट्ठियां तो बहुत ही कम होती हैं
चार दिन हुए राजा ने भी अपना पत्र लिखा है। लिख
गया होगा। वैसे यह लोग हमारे पास आते रहते हैं
अभी तो सब ठीक ही चल रहा है गर्मियों में आयेगा तब
कि दिन भी बड़े रहेंगे।

तुम कुछ अपने शरीर से ठीक भी हो गये हो
केवल कुछ मलमल मोटा लिया को क्योंकि तुमको
पहनना भी ठीक लगता पड़ता है। तुम वहां पर
मैक्सि खूब पहनती होगी। पहनने में ठीक होते हैं

हम लोग पवन मुन्ना की शादी पर चलते में
गये थे। प्रिय कुशल को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

हमने तुम्हारे सब पत्र रख रखे हैं।
अब तक तुम्हारे 22 पत्र आये हैं
तुमने भी हमारे पत्र रख रखे होंगे
हमारे पत्र मिलते पहुंचे हैं।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

[illegible]
[illegible]

प्रिय निर्मला योग्य निर्मल सौभाग्यवती रहो

तुम्हारे पत्र से यह ज्ञात होकर चिन्ता होती है कि तुम्हारा आठ दिवस से ब्लड प्रेशर ठीक नहीं हो रहा है पता नहीं क्यों ऐसे दवाई भी बराबर ले रही होगी नर्स भी रोज चेक किया करती। विनोद के [illegible] से बाद आने में भी परेशानी होती होगी।। मामी जी के देहली से पत्र आया था वह लिखती थी कि आठ दिवस से कुशल बोरा का समाचार नहीं मिला है लिखा है कि उनको पत्र अशोक बाद लिख देना। उन्होंने लिखा था कि जीजा को लिख देना पत्र के लिये एक साड़ी भेज देंगी। मैंने उनको लिख दिया है कि वहां पर सभी चीजें [illegible] बहुत बढ़िया ही पहनता है। फिर उनका पत्र आया है कि [illegible] पहनेगा बहुत है तो उसको साड़ी के लिये पत लिखना।

तुम ने होली पर क्या बनाया था हम तो तुमको यहां पर बहुत याद ही करते रहेंगे। तुम परदेश में नहीं हो। होली पर पहन लेना पता नहीं पहनेगी। विधान में भेज तो रहे हैं। मिल भी जायेगी। अब तो सन्ध्या को गुड्डी की शादी की लग रही है। नहीं अच्छा लड़का कब मिल जावे।

पहिले पत्र में तुमने जो सन्ध्या को पत्र के पत्र लिखा होगा वह छोटे पत्र में रखा हुआ था शायद तुम भूल से रख गई होगी। यहां पर सन्ध्या आई थी उसको वह पत्र सन्ध्या को दे दिया था। तुम अपने शरीर का ध्यान रखना।

कुशल को व बच्चों मेरा व तुम्हारे बाबूजी का आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

[illegible] मेरठ सिटी

२२।३।१९७२

[illegible]

[illegible]

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको कल १२ बजे को मिल गया है पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए हैं।

बेटे तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी तुम अब कमरे में ठीक भी हो गये हो और कुछ सामान भी लिये हो अभी से ही तुम सबको को देखकर बहुत ही मन करता है लेकिन अभी तो तुमको देखने में काफी दिन हैं। यहां पर अभी तो गर्मी पड़नी नहीं शुरू हुई है १० ता० को ओला पड़ गया था उससे अच्छा जाड़ा हो गया है। मुन्ना की शादी ठीक प्रकार से हो गई है बहू काफी सुन्दर है हम भी [illegible] योग में बुलाने गये थे। यहां पर खाना तुम सबको को बहुत ही याद आती रही अबकी बार तुमने पत्र में लिखा नहीं क्या बात है पत्र इन्तजार सा लग रहा है। सुशील से कहना कि अम्मा जी कहती हैं जब रास्ता ठीक याद हो जाये तभी अकेले बाहर से जाया करे नहीं तो किसी के साथ में जाया करे। यहां पर यह बहुत डरती है। तुमने तुलसा जी के बीज बो दिये हैं लेकिन शुरू में होने में काफी दिन लग जाते हैं तुम तो पांच दिन से ही इन्तजार देखने लगे। हम यहां पर सब ठीक से ही हैं तुम लोग सब वहां पर ठीक रहो। अपने को तो [illegible] जरूरी है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

[illegible] २० ता० को नागपुर से पत्र आया है ठीक है।

तुम्हारी अम्मा जी (दादीजी)

प्रकाशवती

CHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

12.3.78

बेटा गुडिया खुश रहो

किताब भेजने में मुझे
पैसे की तो कोई परेशानी नहीं।
जब तक को चीज की जरूरत हो
भेजी जावेगी। पर मुझे परेशानी
यह हुई कि वह तुम्हारे काम की
नहीं है। लिखो किस तरह
के सवाल की किताब चाहिये।
बडी किताबें खुद भी हैं इन
में से वह हिस्सा निकाल कर
भेजूंगा थोड़ा थोड़ा करके।
तुम को वहां परेशानी हो रही
है। मैं जो भी सहायता कर
सकता हूं वह तो करूंगा ही।

मुझे पता चला है वहां कुछ
Educational foundations
है जैसे Full Bright और
Ford-Foundation जहां से
students को Scholarship
मिल जाता है। वहां university
में students benefit के वास्ते
consultants भी रखते हैं
जो इस काम में help देते हैं।
हो सके तो इसलिये कोशिश
करो। Consultants की मदद
से libraries में से source
इक्ट्ठे करके काम की मिल जाती
है। ऐसा मालूम हुआ है।

तुम्हारा बा(बा)

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

12.3.78

My dear Sushil

Agarwala told me that you had asked for time to deposit money and after talks we decided not to deposit the money at present in view of the affidavits required. In case you get time we shall be able to think over the matter again. The rate also is high enough. I am trying to get for you a plot in Mansarovar which is nearer than

Arasvikas. I am told
Arasvikas land is only
on lease and will not
give full ownership inspite
of full price. However,
we can think again if
time is allowed. At present
I could not go here
and there because of my
leg and so could not
get full informations.
I did not like to see you
involved in any matter
by acting in a hurry.

with love
Yours aff
[illegible signature]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

12.3.78

बेटा शैलू चिरंजीव रहो

तुम्हारा पत्र मिला था जिसमें
Picture हरे रंग की भी बनी थी।
प्रकृति की हाथ की Picture
पूरी बनाई गई है।
कल तुम्हारा दूसरा letter 1-3-78
को भी मिला। तुम्हारे के बारे
बात के लिए हम पता चाहते वह
उड़ाते है। पर शायद उड़
जायेगा।

पूजा पूरी मेरठ में है।
कुछ नहीं कर रहा है। पता
लगा है कहीं Service की
तलाश में है।
किस गलती से मेरा

letter 8-2-78 का वहाँ को
बजाय London पहोंच गया।
कुछ समझ में नहीं आता।
यहां आजकल ठंड है। दो दिन हुवे
बहुत ही पाला पड़ा। हम मुन्ना
की शादी में दावत को दिन
मनाना गये थे। बारात में नहीं गए।
थे। बहू बहुत सुन्दर है।
मैं फूल के बीज मगाना बाद
भेजूंगा। आज तो जरा सा गुलाब
की वजह से भेजना चाहता
हूंगा
हूं।

तुम्हारा बाबा

अभी गुलाब नहीं मिला है। इस लिये
फूल के बीज उस घास के जो
तुम उगाना चाहते थे कहा। उस
का एक फूल भी भेज दिया हूं - इस
का नाम Pink है

मेरठ सिटी
१५।३।१९७२

चि० विमला गुड्डो को इन्दिरा का बहुत सा प्यार

तुम्हारा रचना का लिखा हुआ पत्र हमको मार्च १२ तारीख को मिल गया है पढ़कर सब समाचार ज्ञात हुए। काफी तुम्हारा पत्र आने की हमको बहुत ही आशा लगी हुई थी हम तो पत्र तो जल्दी नहीं डालते रहते हैं क्योंकि रोज़ रोज़ देखने में देर हो जाती होगी हमको भी यही रहता है कि यदि इधर पत्र रोज़ से नहीं मिलेगा तो बच्चे निराश हो जायेंगे।

तुम्हारे पत्र से यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि अब तुमको काम मिल गया है कुछ तो मेरा काम मिला है वहां पर ज्यादा काम करना पड़ेगा। और जाने का किराये भी से कितना आने को खर्च लगेगा और काम पर किस जगह से जाना होगी सब बातें लिखना। और किराया देकर मिलेंगे। विदेश काम इतना है तो होगा लेकिन कुछ पता तो जाना होगी अच्छा बिटिया प्रकाश परेशान होते व ज्यादा मानने से तो कुछ नहीं बनता है। वहां पर काम तो करना ही होगा। अच्छा ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको अपने काम में सफलता प्राप्त हो और अपने शरीर से ठीक रहो एवं कुछ अपने खाने का ध्यान रखना क्योंकि अब तुमको इस शरीर से काम भी बहुत करने हैं।

और अब वहां पर क्या मौसम पड़ रही है। यह भी परेशानी सी लगती होगी और बच्चों को बाहर से आकर भी अधिक हो जाता है। बिटिया बाहर जाने पर कपड़े खूब पहन कर जाया करो। अपने शरीर से ठीक रहोगी तो तभी तो परिवार का काम को सम्भालेगी।

अभी तो इतने पैर में दर्द चल ही रहा है जैसे दवाई
खाना ले रहे हैं और सेक भी चल रहे हैं ठीक हो जायेगा
लिखती हो तो जाती है एक दम और बाद में सबक तो
लगता ही है। आज कल पैरों नमक में भी दर्द हो रहा है
इसकी चिन्ता न करो। ठीक हो जायेगा। और परेशानी की
कोई बात नहीं है। आज सफलता को आये थे तुम्हारे रहेलो
पूनम के पिताजी। कहते थे कि उनकी लड़की गुड़िया का पत्र
आया है पूनम के पास लेकिन उसने अपना पता नहीं लिखा है
इसलिए वापस भी एक पता पूछने का लिखना कहते गये हैं
मैंने कहा थे कि मैं आपको भी अपना भिजवा दूंगा देखो
मिजाज है या नहीं। मैंने इस एक को लगने में परेशानी तो सेवा
ही है इसने तो उसके बच्चों के लिये कहा नहीं था उसकी ने
समझ हो रहा है इसने कह दिया है कि यहाँ अपना कार
परेशानी का हो तो मिजाज देख ऐसे परेशान मत होना।
शिवाजी पर सरोज ने रही की सोहू की पकोड़े बनाये हो गये
अब तो यहाँ पर तुमको याद करते रहे। और तुम सब साथ
आने वाला कर ज्यादा करो इसको वो यहीं पर ही खुशी होगा
रहेगी लेकिन सरोज को तबियत भी ठीक नहीं रहती है
और उसके बच्चों को घर के काम भी करने पड़ते हैं
उषा तो मेरे पास दिनभर रोज ही आकर बैठ जाती है
इन्हीं लोगों से मन लगा रहता है। आज दो पानी लेकिन
गुड्डी के पिताजी बोलते जाती हुई आज भी गुड्डी को बुखार हो
रहा है रूपेन्द्र अपना ख्याल रखना लेकिन पापा को उनके सबको ऐसा
को। प्रिय मुकेश कल को सरोज को ढेर सा आशीर्वाद
पत्र का उत्तर जल्दी ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

मेरठ सिटी
१५/३/१९६२

प्रिय बेटे शेखर तुम्हारा ह.ता० का लिखा हुआ पत्र हमने आज १५ता० को मिल गया है तुम्हारे पत्र को देख कर खुशी हुई और समाचार ज्ञात हुवे।

प्रिय बेटे तुमको हमारा बहुत सा प्यार।

यह जान कर प्रसन्नता हुई कि थीसिस को [illegible] मिल गया है। बेटे तुमने तुलसा के बाल लगाये हैं और उनके पौदे निकलने की खुशी भी हो रही होगी। लेकिन शुरू में क्या रूप लगता है शायद कुछ दिन में पौदे निकल आवेंगे। यदि पौदे निकल आवेंगे तो सबको लिखना हम यहाँ पर खुश होते रहेंगे। तुमने पिछले पत्र में भी लिखा था कि पापा की याद में रहे हैं हमारे लोग सोच रहे थे लेकिन हम हमारे [illegible] भूल गये और सोचा था कि अब तो दर्द ठीक हो गया होगा लेकिन तुम्हारे पत्र से ज्ञात हुआ कि अभी तक दर्द चल ही रहा है। खाना खाने की भी परेशानी होती होगी।

बेटे हमलोग यहाँ पर दोनों ठीक से ही है लेकिन तुम लोग वहाँ पर अपना पूरी तरह से ध्यान रखना और खूब खाना खा लेना। अब तो तुम सबको देखने को बहुत ही मन कर रहा है। लेकिन अभी तो बहुत ही दिन है। पता नहीं वह दिन भी कब आवेगा।

सुधीर ने पेपर चले दिये है। गाजियाबाद वाली बुआ

को ननदिल्ल देखा हुए तो होगया है अप्रैल में देखा

हम चले आवेंगे। छोटीबहिन वाले बेबू ले ताऊजी को

छोड़ आये पड़ गया है २२ दिन से बिस्तर पर ही हैं

बैठे से पाईल्स से ठीक हैं। मैं नल जुन्ना देखन

आशीर्वाद गई थी। जुलाईल ने पलास्टर भी १९ता. को

खुल जावेगा। सुलभ का पता चलेगा वैसे तो लिखा

है। २४ ता. की होली है उसके बाद गुरुवार वाले

बावाजी से पैगाम ले लेंगा। तुम्हारी बड़ी याद आती

है। तुम्हारे लड़कों को तेल लगाते तो बड़ी रोती है

मेरे तुम्हारी बड़ी बहिन है दोना चार बाहर लेन के हो

रहते हैं। तुम्हारा परिवार ठीक चल रहा होगा।

और तुम एक कुछ लम्बे भी होगये हो। गर्म पानी से

ही नहाते होंगे। यहाँ पर अब भी ठंड पड़ती रहती है

खूब सार लपेट पहन कर आया करो।

होली पर सोच ने समोसे बनाये होंगे

हम तो यहीं पर याद करते रहेंगे और स्वाद लेते

रहेंगे। ललोजा की तबियत ठीक होगा।

पत्रोत्तर जल्दी ही देना।

नरेश ले बजार में रावड़ी है

लेकिन कहीं नहीं पर गुलाल नहीं

मिला है एक की बजार में खोजने गये हैं

तुम्हारे बालों को कोशिश पता नहीं मिलेगा भी नहीं इसलिये

अभी तक भेजा नहीं है पहले तो पहुँच गई होगी।

तुम्हारी शुभाकांक्षी

प्रकाश वती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

15.3.78

बेटा गुड़िया खुश रहो।

तुम्हारा 6.3.78 का पत्र मिला। यह तो अच्छी है कि तुम को काम मिल गया है। तुम कर सकोगी यह काम? कितनी दूर जाना होगा? Service का मामला है जहां पैर जमा कर काम करना होगा।

तुम्हारी किताबों को लिखो 2 का भेज देता। तुम लिखना कि कौन Natural के Parts भेजूं। यह न हो जावे कि जो तुमको भेजी किताबें हैं वही पहले।

कोई idea मिल जावे
तो मैं फौरन भेज दूंगा।
पैसे की किसी तरह की
किताब जरूरत हो लिखना,
भेज दूंगा।

मेरी फिक्र ना करो मैं तो
यहाँ हूं और यहाँ हर प्रकार
की मदद हो सकती है। तुम
को वहाँ हर काम में परेशानी
है।

तुम्हारा [illegible]
ओम्

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

15.3.78

My dear Susheel

Recd yours of 6.3.78. I shall send the Portion of the Differential calculus & of Integral Calculus piece meal. It would be better if Sudha give just a little idea of the chapters or of the type of questions. I may not like to send the same again. I shall do the needful as soon as I get an idea.

I am informed of your gum pain. It must be in the nerve of the tooth. I am sending medicine. This should be taken 4 globules thrice a day

Meanwhile I shall try to acquaint myself with the details in the books (Calculus) myself. If I get an idea myself I shall send; otherwise I shall wait for an idea from India.

Yours ffly
Oscar

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

15.3.78

बेटा शैला (व श्रेया)

गुलाल कुंभी यहां बाजार में नहीं रखा है। हरे रंग का मिला है। जरा ले भेज रहा हूँ।

तुलसी पूजन लेकर उगने लगी होगी। सदाबहार और गुलमेहंदी और गेंदे के बीज भेज रहे हैं। एक और ... के बीज हैं। कोई ही ही जावे, पानी ज्यादा नहीं चाहिए रहने को, मैं तो ठीक हूँ। पैर में कुछ तकलीफ है सो ठीक

हो जावेगी। यहां अब

मौसम ठीक है। ना कुछ

ठण्ड ना गर्मी है। पर मेरे

लिये यह मौसम ठीक नहीं

रहता है।

तुम्हारा बाबा।

[illegible]

दो श्लोक

भेज रहा हूँ

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२५।३।१९६२

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

लोकेश और सुशील से पत्र हमने २४वीं को लिखे हैं। लेकिन चार इन पत्रों में तुम्हारा पत्र नहीं था क्यों इसका ख्याल था कि बिटिया तुमको पत्र लिखने का समय नहीं मिला होगा क्योंकि अब तुमको काम बहुत ही करना पड़ता है। रोज बिटिया कब जाती होगी सुबह की गई रात को १०बजे से स्कूल घर पर आती हो। इतने समय में सारे काम का कैसे करती हो क्या खाना बनाकर भी होता नहीं है कुछ काम भी कर लेती हो। तुमको शायद इन्टरव्यू से स्टोर में जॉब मिला होगा। अब तो कुछ सब समझने लगी होगी। यह जानकर बहुत खुशी होती है कि अब हमारी बिटिया इंग्लिश बोलना सीख जायेगी। जैसा कि यहां पर जब बोलती थी उस प्रकार सारे बोलो का सब ध्यान रखना तभी तो इतनी मेहनत कर सकोगी इसका प्रसन्नता है कि ईश्वर तुमको यह सब काम करने की शक्ति दे। बस जरा होशियारी से काम करना। तुम्हारा [illegible] को एक पत्र हमको २०ता० का लिखा हुआ मिला है सुशील को भी पत्र था। उस पत्र से भी सब समाचार ज्ञात हुये हमारे पत्र भी तुमको मिल गये होंगे। लखनऊ से पत्र आया था वहां का सब ठीक है। सुधीर कहता है कि हमने गुड़िया जीजी को तीन पत्र लिखे हैं लेकिन उत्तर नहीं आया है चिन्ता है क्योंकि वह तो उत्तर जल्दी दे देती है।

तुम अपने काम पर आ रही होगी अब तो तुम्हारा
मन लखनऊ में अच्छा लग गया होगा अब इतनी परेशानी
नहीं होती होगी लेकिन तुम्हें मेहनत बहुत करनी पड़ती है
अच्छा है जिससे तुम्हें अपने काम में सफलता प्राप्त हो

अब तो दीपा बहुत दिन से पत्र नहीं है उसकी
तबियत लेकिन ठीक होगी भी जाना नहीं हुआ है

यहाँ पर अब भी कभी बढ़ जाती है यहाँ पर तो मौसम
अच्छा हो गया है। होली पर तुम सबका [illegible] होगा याद
आती रही अबकी बार तुमने यहाँ पर लोगों से होली
पर त्योहार मनवाये हैं या नहीं हमलोग सब याद ही करते
रहे। यहाँ पर बच्चों व बड़ों ने आने से रौनक ही
गई है। तुम्हें तो पता ही है सबका काम करना पड़ता है
अब तनख्वाह पर बनाया करो। जो हर साल मिलता
भी है वह तनख्वाह बनाने में निकल जाता होगा।

इतने दिन से [illegible] हो रहा है इसकी भी
रहे हैं चिन्ता की कोई बात नहीं है अच्छा है
यह देख जाना पर [illegible] होता है। उसके भी
दिखलाते नहीं हैं। बच्चों ने बहुत कहा लेकिन यही
इसकी आदत ने फिजूल [illegible] रहा है। उषा व ओम
ठीक तरह ठीक हैं उसने तुम्हें पत्र तो लिखा है मिल गया
होगा। अब तो गीता संगीता बहुत दिन से आई नहीं है
अब तो कल उन छुट्टी में लखनऊ में [illegible] हो जायेंगे
सब जल्दी [illegible] बोले और तुम सब [illegible] ठीक हैं
कुछ दिन तो तुम्हारे आने के दिन भी जल्दी आ जायेंगे

बच्चा बच्चों को तुम्हें प्यार। समीर दिनेश की [illegible]
समीर की इसकी भी परीक्षा समाप्त हो गई है। तुम्हारी मम्मी
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। प्रकाश बाबू

प्रिय बिटिया सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो।

अति दिनन से तुम्हारा पत्र नहीं आया है वैसे मेरे बच्चे बिचारे पत्र लिखते ही रहते हैं। कुशल तो मिलती जाती है होली पर तुम्हारी याद आती रही। तुमने भी खाना बनाया होगा वहां पर तो होली का क्या पता चला होगा। अब तुम्हारी तबियत ठीक होगी। यहां पर सब ठीक हैं। तुम सबकी कुशल ईश्वर से सदैव भली चाहती हूं। कल गाजियाबाद से ललिता के ससुर आये थे ललिता को डाक्टर को दिखलाने के लिये लाये थे ललिता के पैर के घोंटे में बहुत दर्द है ऐसा ही दर्द बतलाते हैं जैसा कि तुम्हारे पैर में है उसका बदन बढ़ने के कारण से ज्यादा परेशानी लगती है। यह भी बहुत ही दिन से ऐसा ही चल रही है अभी शोभा की दीपन गीता की शादी का कुछ तय नहीं किया है। तुमने होली पर मेहंदी लगा ली होगी और गुलाल भी शगुन के लिये लगाया होगा यहां पे बैठे मेरा तो जाता सा ही है। अब कुशल की तबियत ठीक हो गई होगी। अभी तक लड़की का कुछ नहीं लगा है पता नहीं क्या होगा गुड़िया बिचारी को बहुत ही मेहनत करनी पड़ रही है अब इसका बदन कुछ ठीक भी हो गया है। अब तो शैल का रंग साफ हो गया होगा और कुछ लम्बा हो गया होगा।

मैंने भी होली पर गुंजिया सेव व शक्कर पारे मीठा नमक के बनाया होली मिलन वाली आरती आये थे व पड़ोसी की भी बहुत मीठा भी तक आई थी। तुम्हारी तबियत ठीक होगी यह अच्छा है तुमने मसाला पीसने की मशीन खरीद ली है अभी कपड़े धोने की मशीन तो नहीं ली होगी तुमने टी.वी. व फ्रिज पलंग ~~[illegible]~~ ले साथ में लिया है या तुमने खरीदा है फ्रिज से बड़ा आराम रहता होगा। प्रिय कुशल को व तुमको हमारा आशीर्वाद।

तुम्हारी मम्मी
प्रकाशवती

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

जाता है। अब तो कभी २ मन ऐसा बेचैन सा होता है कि
किसी तरह से अपने बच्चों को देखलें। लेकिन मनुष्य का
सपना कैसे हो सकता है। अब तीन वर्ष पूरे होने में
३ता. को ७ महीने बाद हो जायेंगे। तुमने बचपन वाला पिक्चर
जरूर देखी होगी और वैसे भी यह राजेश देखा भी है

सुबोध मित्रा और मैं यशवन्त सिनेमा में पिक्चर देखने
२२ता. को गये थे। पिक्चर तो ठीक था। दुल्हन वही जो पिया
मन भाये। पिक्चर अच्छी थी। मैंने होली से कई दिन पहिले
अन्नू अनुपमा छोटी लड़कियां जो थी वह बड़ बड़ कर भी कि हम सबको
इस पिक्चर में ले जायेंगे। लेकिन अब तो सुबोध ने दिखला
दी दी है। इधर तो बड़ी लगाई नहीं होगी। तुम लोग तो
होली क्या खेली होगी इधर तो होली पर तुम सबको भी बहुत
ही याद आती रही। मेरा हम बिलकुल भी कमजोर नहीं हुये हैं
खूब खाते पीते हैं मैंने परेशानी की ठीक नहीं है। जरा गया
परेशानी यही है कि तुम सबकी याद बहुत परेशान से होजाते
है वैसे हम बिलकुल ठीक हैं तुम इधर की ओर से जरा भी चिन्ता
मत करना बेटे। तुमने सपोले बनाने को लिखा है फिर मिलके
बना लेंगे। सरोज ने तो तुम्हारे लिये बनाये होंगे। अब मैंने और
पढ़ी लगा रक्खी है यह लक्ष्मी है जो पाप की अच्छा करती है दो
महीने से पाठ कर रही है एक दिन भी नागा नहीं करती है सुबोध
ने जेल पर तो तीन टाइप आती थी। तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल
रही होगी। नीचे सब ठीक है। रात मैं और उषा १०बजे
तक सब्जियां लाये और तुम्हारे बाबाजी ताश खेल थे।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

मेरठ सिटी
२५।३।१९७२

प्रिय बिटिया सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा २४ ता० का लिखा हुआ पत्र इतवार २६ ता० को मिल गया है। पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुए। तुम्हारा पत्र भी भाभी दिनेश में आया है और वैसे बच्चे तो लिखते ही रहते हैं। सुभाष का प्रिय सुधा ने पत्र नहीं लिखा है। शायद उसने पत्र लिखने का समय नहीं मिला होगा। अब तो बिमारी बहुत ही ठीक रहता होगा। दिन भर काम में लगी रहती होगी। हमारी बिटिया ने सारा काम से पहले ही और यहां पर तिलक आराम से रहती थी। यदि इसको यह पता होता कि इतना वहां पर इतनी परेशानी उठाना पड़ेगी तो हम ना भेजते। इसका काम भी बहुत होता है लेकिन मजबूरी है क्योंकि बिना नौकरी के काम नहीं चलता। अब अपने शरीर से ठीक रहे इसलिये बालक ने इतना [illegible] यहां पर बहुत मना था। तुम्हारे पत्र से यह बात होकर चिन्ता होती है पता नहीं तुम्हारा ब्लडप्रेशर क्यों ठीक नहीं होता है इसका कोई परवाह ले रही हो। यहां पर २४ ता० को होली थी तुम सबको भी बहुत ही याद आती रही। यह अच्छा हुआ कि २३ ता० को मुकेश किशा बच्चे आगये थे इनके आने पर रौनक होगई यह भी २ ता० से पहिले ही चले जायेंगे। यहां पर इनके मिलने की प्रसन्नता सभी आपस [illegible] है। इस लिये होली बुलन्दशहर [illegible] सब ही बन्द हो गई। तुमने तो वहां पर होली क्या खेली होगी। उसने यहां दो पैसे [illegible] पता नहीं तुमको मिला है या नहीं गुलाल बाद में भेजा था क्योंकि [illegible] पर गलती गुलाल मिला नहीं था इस लिये शायद समय पर तुमको मिला नहीं होगा। खैर शगुन सा तो हो गया होगा यदि समय पर मिल गया होगा।

तुम्हारे बाबूजी को उषा ने [illegible] बजार में मिल गये थे

बच्चे ठीक हैं और रघु जनेरी को जगद बाबू लंदन चले गये हैं
बतान शादी ठीक हो गई है यह बहुत अच्छा हुआ है पत्र से
जाने पर भी मैंने तुमको पत्र लिखा था उस पत्र में इतवार
की सब बातें लिखी थीं वह पत्र भी तुमको मिल गया होगा
पनारे वालों के शादी के पत्र तो अवश्य आया होगा तुमको मिला
नहीं होगा। आपके वाली सुनीता के अब दो लड़कियाँ हैं सुनीता
के ४ दिन के की लड़की है। सुशीला की लड़की रेखा के लड़का हुआ
है। तुमने लिखा है कि गुप्ता जी को इसकी बधाई दे देना। लेकिन
यदि लड़का हो गया तो बधाई देना ठीक है लड़की तो बिचारे
के वैसे ही पाँच हैं। आदित्य का [illegible] हुआ है पर
पर ही है लेकिन अभी पैर पूरा नहीं है क्योंकि बहुत दिन
सोया जो रहा। बिचारे ने बहुत ही कष्ट उठाया है। [illegible]
तो वो बहुत यहीं पर है। तुमने अच्छा किया [illegible] होगी
बनाई थी। मैंने तुम्हारी बनी हुई [illegible] तो बनती ही हैं
[illegible] में बढ़िया हो गई। यह जान कर बहुत ही प्रसन्नता हुई
कि तुमने पहला पोशाक की [illegible] ली है उससे [illegible]
मिलता होगा। [illegible] पोशाक में तो बहुत [illegible] थी
अच्छा है [illegible] सब चीजें हो जायेंगी। [illegible] भी
[illegible] भी खरीद लेना। मेरे यहाँ पर [illegible] के लिए सब
ने गुझिया [illegible] बनाई थी। [illegible] ने आनन्द
बना दी थी। यह सब लोग अब इसे बहुत अच्छी तरह से
होती है। यहाँ इन लोगों में [illegible] ही [illegible] बोल रहा है
लेकिन तुम लोगों की याद तो हर मौके पर आती ही है
यह अच्छा है वहाँ के सब लोग अच्छे हैं और फोन पर भी
सब बातें कर लेती हो। [illegible] दोनों [illegible] के लाइफ में
ही बिके हैं या तुमने अपने पैसे से खरीदे हैं

प्रिय बेटे सुशील सौ० [illegible] को चिरंजीव रहो

प्यार [illegible] स्वीकार है। तुम सबको मैं ईश्वर से सदैव भली चाहती हूँ। तुम्हारे दोनों १४ ता० के लिखे हुये पत्र एक साथ ही २३ ता० को मिले हैं। तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुये। इनके पैर में [illegible] रही तो [illegible] है डाक्टर ने कहे हैं और कहा है कि [illegible] आवश्यकता से ही ठीक होता है। सुशील ने बहुत कहा कि चलिये मैं आपको डाक्टर को दिखलाता हूँ। लेकिन यह किसी की सुनते क्यों है मैं भी इनकी आदत से अभ्यस्त हो ही गई। मेरे से सब [illegible] बहुत कम [illegible] हैं तुम [illegible] चिन्ता मत करना। तुम अपना ध्यान रखना। सब तुम्हारी [illegible] कह रहे हैं इन्होंने तुम्हारी [illegible] की दवाई को भेजी है पता नहीं उसे तुमको मिली है या नहीं। यह जान कर अजीब खुशी होती है कि तुम [illegible] चला लेते हो बस बेटे ठीक से चलाते रहो यही ईश्वर से प्रार्थना है।

[illegible] [illegible] को नवीन के बारे में तुम्हारे बाबूजी ने तुमको लिख ही दिया है नरेन्द्र ने तो तुम्हारा पत्र आने पर ही रुपये [illegible] के [illegible] रखे हुए हैं। इनके पत्र से तुमको सब बातों का पता चल गया होगा।

तुम हमारी ओर से चिन्ता मत करना बस अपना ध्यान रखना। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

मधु दिवाली को कैसे हो सकता है पता नहीं क्या होगा
बड़ा दुख होता है हमारे सामने एक लड़के की शादी हुई है
जो, उसकी भी ओर से दुख है। लड़की वाले भी बिल्कुल चुप
बैठे हैं पता नहीं उन्होंने क्या सोच रखा है। मित्रा की
बाहर निशा के तीन महीने की लगती है प्रवीन के रमाकांत को
लगता है। आज सामने पर नवीन ने मधु को बुलाया है। निशा
को क उनके आदमी को होने से दिन खाना मिलाया था

गुड़िया को नौकरी मिल ही गई है। शायद रवीन्द्र ने
स्टोर में लगवा दिया है।

तुम अपना खूब ध्यान रखना हमारे लोगों जैसे
रहना। अब तुम लोग अपने स्वास्थ्य में रहना। विजय ही
बड़े घर में ही दिखलाई देते हो। तुम लोगों का रिश्ता
को। इस उम्र में हो रहे हैं।

तुम्हारे बाबूजी का तुमको आशीर्वाद। मित्रा को
उसकी चाची बच्चों को नमस्ते।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

देहली

२६।३।१९६८

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत प्यार

तुम्हारा २४ ता० का और २७ ता० का दोनों

पत्र मिला। समाचार मालूम हुए। पत्र को देख कर बड़ा
अचरज लगता है। मेरा भेजे भी तो पत्र २ हफ्ते में ही आ जाते हैं
और और दस ग्यारह दिन में आते हैं। तुम्हारी बुलबुल की
अभी हो गई हैं या नहीं यदि अभी नहीं हुई होगी तो फिर तो शायद
अब नहीं होगी तुम्हारे बाबा जी ने फूल वाले कौन भेजे हैं पता
नहीं तुमको मिलेंगे भी। नोट तो होली पर नागपुर गया था
अब शायद नागपुर आ गया होगा। पप्पू तो आराम से ही है
तुमको तो अब स्कूल भी नया मिला होगा पहले का ज्यादा
रहता होगा। अब तो तुम अंग्रेजी में सब बोलने लगे होगे।
ऐसा लगता है कि तुम अब उर्दू लिखने लगे होंगे। क्योंकि
तुम्हारे पत्र से ऐसा ही लगता है। मेरा मन तो रहता है में
३ साल ये ८ महीने कब हो जायेंगे बस देख रहे हैं कह लाल लाल
की जल्दी ही पूरे हो ही जायेंगे। बस वहां पर तुम सब
जब खुश रहोगे तो हमको भी यहां पर खुशी है
अभी वहां पर गर्मी पड़ती रहती है। क्या बात हो गई जो
बबला ने मेरा लिखा भी तक नहीं पहुँचा है। क्या किताब
पानी ने बहा के दी हैं।

अपनी फोटो जब खिंचवा लोगे तब हवाई पोस्ट
अवश्य भेजना। अब तुम सब को देखने को बहुत ही मन
कर रहा है।

२३ ता० को देहरा दून से बुआ जी व बच्चे

आये हैं होली पर जो इनके आने से खूब रौनक
हो गई लेकिन होली का कुछ [illegible] याद आती
रही यह बात लिखे थे कि बाबाजी 4 बजे उठा देना
गुब्बारे से पानी फेंकूंगा वैसे तो सिर्फ गुलाल था। यही
विचार लिखा रहा। वैसे मोहल्ले में होली इस साल
वैसी ही मिली है। इधर ऊपर भी बहुत से आदमी
तुम्हारे बाबाजी से मिलने आये थे। मैंने भी
गुझिया वगैरह होली पर बनाई थी। तुम लोग तो
वहाँ पर होली का कुछ पता नहीं चला होगा
लिखना तुमको गुलाल मिल भी गया है।

सोना की तबियत ठीक होगा।

तुमको सबका प्यार व आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

26.3.78

बेटी गुड़िया। खुश रहो।

तुम्हारा letter मिला कि। खास नहीं था। शायद service की वजह से time नहीं मिला। तुम service करने लगी तो ठी ही है। पर वह भी तो service में दूसरों से दब कर रहना पड़ेगा। मैं ने तो तुम को अपने सामने किसी से भी दब कर नहीं रहने दिया था। लेकिन मजबूरी है।

तुमने अपने letter में

लिखा था कि किताबें
जो मैं ने भेजी थीं वह अच्छी
हैं। पर किताबें पढ़ चुके
हो जो रामू ने लिखा था
वह इश्तहार था वह तुमको
पसन्द नहीं आई और बेकार
हैं। लिखना मैं और
भेजूंगा बड़ी किताबें
पाठ करो। कोई सा किस्सा हो
जो पहली में ना हो यह पता
हो जावे तो अच्छा है। मंगाने
को मैं ने कहदिया है बड़ी
जो हर जगह काम आवेंगी।
तुम्हारे इम्तहान पर थोड़ा २
करके भेजूंगा।

तुम्हारा [illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

26.3.78

my dear Sashi

Recd your letter of 14.3.78. Yes, my leg is troubling me but it is better now and I shall see to it. It is now only Arthritis and sometimes at my age it causes trouble. You need not worry.

We remembered you all during the last two days because of Holi festival. I had sent a little

'gulal' and before
that - a little of
'Mandhi'. I do not
know it. They
started them in
time or at all.

Subodh with his
family is here
for the two days.

with love -
yrs affly -
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

26.3.78

बेटा शैजू! खुश रहो।

तुम्हारा letter मिला।
तुमने उस में उर्दू को
[illegible]कर सा कर लिखा है।
तुमने कैसे सीखा?
उस में तुमने लिखा था
بابا (बाबा)। पर यह गलत
लिखा है। बाबा में बिन्दी
नीचे लगाती है। मैं लिख रहा
हूँ (बाबा) بابا। जो तुमने
लिखा है वह नाना (نانا) है।
बिन्दी के ऊपर नीचे से फरक
हो जाता है। बिन्दी को

चिन्हों से भी होता है
जैसे पापा लिखना हो तो
बिन्दी नीचे लगेगी लेकिन
तीन बिन्दी जैसे मैं बताता
हूँ [illegible] (पापा).

तुम नमस्ते लिखना चाहते हो
वह येह है [illegible] । इसमें
(न) पर ऊपर एक बिन्दी और
(त) पर ऊपर दो बिन्दी होती हैं।

होली पर तुम्हारी तो बहुत
ही याद आती रही। वहाँ
क्या हाल रहा। लिखना

तुम्हारा बाबा
(..)
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
५। ४।१९७८

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार
यहां पर हम ठीक हैं। तुम सबकी कुशल ईश्वर
से सदैव मनाती चाहती हूँ। तुम्हारा २८ ता० का लिखा हुआ पत्र
हमको कल ४ ता० को मिल गया है। पत्र से सब समाचार
ज्ञात हुये और प्रसन्नता हुई। पत्र की रोज ही इन्तजार लगी रहती
है। मन ऐसा होता है कि तुम्हारे हमारे रोज ही पत्र आते रहें
बिटिया तुमको होली का क्या पता चलता। क्योंकि तुम तो
सारे दिन बाहर ही रहीं तुमको बहुत ही काम करना पड़ रहा है
एक तो पढ़ना और दूसरे नौकरी करनी सुबह को जाना
रात को दस बजे तक आती हो मेरी बिटिया थक जाती होगी
कैसे भी मजबूर सी हो यदि हमको यह पता होता कि तुमको वहां
पर इतनी परेशानी उठानी पड़ेगी तो हम तुमको कभी नहीं भेजते
तुम्हारे बाबाजी भी तुम्हारी ओर से बहुत ही दुख मानते हैं। लेकिन
अच्छा है ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको सब कामों के लिये
शक्ति दें। और शरीर से ठीक रहो। यह पढ़कर प्रसन्नता हुई
कि तुम ने पिक्चर देखने भी गई। कि मैंने तुमको पहिले पत्र
में भी लिखा है जिसमें सिवा के साथ में मैंने भी देखा हुआ
पिक्चर होल में - कुन्दन यदि तो पिया मन भावे - देखी है
पिक्चर अच्छी थी। तुम तो सोनी बाबे के अफसर बाद में
बड़ा मजा आता है। [illegible] अपने मन का को छाप दिया। यदि
उतना हाथ फेल हो जाता। तुम्हारी अंगूठी सबको पसन्द आती है
वही अंगूठी जो उसमें हल्का सा नग लगा हुआ है। तुम सब को
ठीक ही बतलाना होवे तो पता बतलाना। क्योंकि शायद कुछ
सस्ता ना हो जाय। (मैंने तुम्हारे होने के बाबत में कहे)
अभी २ अप्रैल से सिवा आठ बजे हैं। (इन्दु) के एक लड़की पैदा

नौकरी जाती हुई अच्छा अपनी खातिर [illegible] प्राप्त की उनके
बाद सिकंद होते जा रहे हैं वह बतलाती थी कि मेरे पास
की शालिनी का [illegible] आया है। यह लगभग पूरनो बर्ष
प्यारी लगती है। यह जान कर प्रसन्नता हुई कि सोना ने सफेद
बनाये थे गाय तो तुम खा नहीं सकी होगी तुम इतना बनाने
के लिये बहुत मेहनत की होगी किसी दिन बना लेना लेकिन
अकेले में बनाने का तो खाने में अच्छा नहीं लगता है। तुम्हारे
नम्बर बहुत अच्छे आये हैं। अब तुमको समय नहीं मिलता है
यह शायद जल्दी उत्तर नहीं लिख सकी थी। लेकिन मैं रोज़
देखती थी कि लिखती ही रहना जरा भी पत्र आने में देर
हो जाती है तो चिन्ता लग जाती है। सोना के पत्र मेरे पास
भी बराबर आते रहते हैं वह होली पर लखनऊ गया था
उसका [illegible] लिखा है। [illegible] याद तो तुम अपना
ही इतना भी बढ़ा जाती है। लेकिन क्या करें। अब तो
यही ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम इसी तरह ठीक रहो और
वहां पर तुम सब ठीक रहो और तुम्हारे आने के दिन
जल्दी रही बीतें। यहां पर अब मौसम गर्म होने लगा
है अब बरामदे में सोना शुरू करेंगे यहां पर मच्छर
बहुत लगते हैं वहां पर तो मच्छर नहीं होंगे यहां पर
तो ऐसा माल लगाए बिना नींद ही नहीं आती है।

तुम अपनी तन्दुरुस्ती का ध्यान रखना। रोज़
[illegible] खाना खाया करो [illegible]
[illegible] कर सको।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभाकांक्षी
प्रकाश वती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
५/४/१९७२

प्रिय चिरंजीवि सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा २२ का चला हुआ पत्र हमको ४ता को मिल गया है। पत्र को पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुये और प्रसन्नता हुई। यहां पर सब ठीक हैं। तुम सबकी कुशल ईश्वर से सदैव भली चाहती हूं। यह जान कर अति प्रसन्नता हुई कि तुमने मैं हल्दी लगायी थी। और पूड़ी पकवान भी भी होली को त्योहार को तुम्हारा खूब अच्छा रहा हम तो यहां पर याद ही करते रहे। यहां पर देहरादून से मुन्नी व बच्चो के आने से आज रौनक सी हो गई थी। जितना तुमने होली पर आप ने लिये बुलाया था वह क्या होगया के ही है। और जो तुम्हारे मिलने वाले हैं वह इन्दिया ने ही होंगे क्योंकि वहां के लो तो सब अंग्रेजी में ही बोलते होंगे।

नवधं लिखा सदा ने ही आप कुछ लगवाता सा चलता है कैसे हमको उसने अपना पेट दिखलाया था पेट में खराब सी थी। यह जान कर मन को बड़ा दुख होता है गुड़िया को बहुत ही मेहनत करनी पड़ती है जैसा कि तुमने लिखा है कि होली से पहले दिन रात को ११ बजे लेकर आये यह अच्छा है कि सुशील ने गाड़ी लिवा दी है नहीं तो गुड़िया के लिये इतनी रात में आने में बहुत ही परेशानी थी। यह भी गुड़िया की तौर से बड़ा दुख मानते हैं कहते हैं कि मैंने इतने प्यार से बच्चो को पाला है और मेरे सामने ही यह इतनी परेशान है। और लाचारी में क्या करें वहां पर तो सबको ही काम करना पड़ता है। तुमने होली के दिन-दिन में ही खाना बना लिया होगा।

जैसे सुविधा हो वैसे ही काम कर लेना चाहिये। यह जान
कर प्रसन्नता हुई कि तुमने भी गुड़िया मोटा बनाई थी
तुमने तो अकेले ने ही बनाई होगी। मैंने भी गुड़िया बेल
व रबर कोट बनाये थे गुड़िया बनवाने यहाँ की लोगों
ने उनका उधार की थी। लेकिन उनकी पसन्द की
बनाई थी। क्योंकि चित्रा की २२ता को शादी को आई थी

तुम्हारे बाबूजी के पेट में दर्द आजकल ही रहा है
लेकिन चिन्ता करने की ऐसी कोई बात नहीं है पर
दर्द पेट में ही जाता है। यह तो तुमको पता ही है इसको
डाक्टर दवाई है कोयपीतल कायम नहीं आती है उनके
से कमजोरी ही व चक्कर से आने को अब बन्द करती
है। आहिस्ता ठीक हो जायेगा। तुम लोग चिन्ता मत करना
पेट दर्द का दर्द अब ठीक है। कौशल्या का कोई नया समाचार
नहीं है। बाला बिचारी बहुत ही परेशान सी रहती है पता नहीं
यह समस्या कैसे हल होगी। आरिफ का एक्सीडेन्ट तो ठीक
गया है लेकिन चला नहीं जाता है। डाक्टर कहते हैं कि पैर
बिल्कुल ठीक तो नहीं चल सकेगा। बिचारे की बड़ी परेशानी है
भाभी जी ने लिये सभी स्थापन में यह भी परेशानी है कि पता
नहीं उनको पसन्द भी आयेगी और फिर देखने की भी परेशानी है
क्योंकि कोई अपने वाला नहीं मिलता है और दूसरे लोग किसी
का सामान करते तो नहीं लड़का होता है। और तुम्हारी भी तो
बैठे ही बैठे की परेशानी है। क्योंकि गुड़िया की पढ़ाई की सबकी
की कामी हो रहा है। तुम्हारी तबियत ठीक होगी। तुम अपना पूरा
ध्यान रखना। तुम्हारे बाबूजी का तुमको आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

[illegible]

[illegible]

[illegible]

प्रिय बेटा कुशल सदैव प्रसन्न व निरोग रहो

२८ का तुम्हारा पत्र मिला इसका ४ता को मिल गया है

यह जान कर चिन्ता हुई कि अब तबियत ठीक है

तुम्हारी डाढ़ ठीक हो गई होगी। अब तुम्हारे पेट में दर्द रहता है

गए बुखार भी अब १८ मार्च से रोज देहली जाने लगा है

उतना देहली का हो गया है। इतना मैं पहिले से कुछ

ठीक है। यह हरि इच्छा से जाता है वास्ते बहुत लगता है

मैं बिल्कुल ठीक हूं। तुमने [illegible] के बारे

मैं हो गये के परमीशन [illegible] मिली है या नहीं

यदि मिल गई होगी तो तुम्हारी [illegible] के लिए रुपये [illegible]

भी देंगे।

गुडिया के बारे में आप बहुत [illegible] पड़ता है

बिचारी अब जाती होगी कैसे ही कमजोर है लेकिन इसके

बिना तो आप भी तो नहीं चलेगा। आप बारे में भी

पढ़ाई का इसका बुरा नहीं पड़ेगा। विनोद का पत्र आया था

मुताबिक बिल्कुल दिल्ली में कन्वोकेशन में गया हुआ था

४ता को आ गया होगा। फिर १२ता को हैदराबाद आवेगा

२२ता को वहां उसकी कन्वोकेशन है यह तो बिचारा

घर पर बहुत ही कम रहता है। सुलोचना व बच्चे होली पर

आये थे सारा सामान ठीक हो गई थी। उसके बारे में फिर

रहना सब हो गया है। समय बिताना बड़ा कठिन होता है

तुम्हारे बच्चों के अब [illegible] के बारे में अपना आप [illegible]

दिया है और अब मैं भी [illegible] के [illegible] भी होती है

अब यहाँ पर यहीं पर महीने में चार दिन जाऊंगा मैं

[illegible] के दिन तीन घंटे आप [illegible] के बाद आ गया है

मेरठ सिटी
२१।८।१९७८

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत प्यार। ईश्वर से
यहां पर सब ठीक है। तुम सबकी कुशल ईश्वर से सदैव मनाती हूं। तुम्हारा २८ ता. लिखा हुआ पत्र हमको
कल ४ बजे को मिल गया है। पत्र पढ़ कर बड़ी प्रसन्नता हुई और
सब समाचार ज्ञात हुए। तुम्हारे बाबाजी के पैर का दर्द अब कम है तुम
चिन्ता मत करना सेकने से ही आहिस्ता से ठीक हो जायेगा। यह जान
कर बहुत ही प्रसन्नता हुई कि तुम्हारे क्लास में पाठ होने शुरू हो
गये हैं तुम देख कर बहुत ही प्रसन्न होते होंगे और तुमको
इन बातों का चाव है। मेरा तुमपर ठीक लिखा है तुम्हारे बाबाजी ने
दोनों आंख पट्टी लगाते हैं इसलिये उनको गायत्री को लिखा है
और तुमको यहीं से पत्रोत्तर को लिखा है हमको तो तुम्हारे लिखने
पर यहीं पर ख्याल आ गया है। यह जानकर प्रसन्नता हुई कि
गुलाल तुमको समय पर मिल गया था और उसने सावन को होली
का त्योहार मना लिया था। मेरा हमारा तुम्हारा त्योहार पर तो
अवश्य ही याद आना स्वाभाविक ही है। तुम्हारी पढ़ाई ठीक
चल रही होगी तुमको स्कूल में क्या नाश्ता मिलता है। सुबह
को तुम खाना खाकर तो आते नहीं होंगे। बेटा मैंने भी सुबोध
चिंचा के साथ में दुल्हन वाद का सिपाहन आये पिक्चर
देहरादून में देखी है तुमको तो बहुत दिनों में पिक्चर देखने
को मिली है तुम्हारे टी.वी. में तो हिन्दी पिक्चर आती नहीं
होंगी। यहां पर मास्टर जी को लगना कुशल समाचार लेना जेल
रही रुपया रहता है इसके पढ़ता था कि रोज गायत्री की छुट्टियों
में आयेगा कल। तुम कुछ लम्बे भी हो गये हो। अभी से ही
तुम सबको देखने को मन बहुत करता है। तुम्हारे बाबाजी का
प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

5.4.78

बेटी गुड़िया। खुश रहो

तुम्हारा letter मिला।

पूरा हाल Service का तुम

ने लिखा तो खुशी हुई।

पर तुम्हारा मन कुछ

में लगने लगा होगा।

परेशानी तो बहुत ही है।

सारे दिन काम ही रहता

है दिन को तो। रात को

भी University का काम

रहता होगा। अच्छा हो

मैं समझता हूं कि तो

तुम को letter लिखने
का समय कम ही मिलता
सा ठीक है। शेनू को
letters से काम मिल जा
रहेगा। शनू प्रायः पुराने
रहती है। पढ़ाई तरह
मिलती है नहीं। मुझे तो
तो बहुत कम ही मिलती
है क्या कि उन कोठियों
पर मैं घर पर कहाँ होता।
मैं तो कोई कुछ खास नहीं
को बड़ा मेरा।
तुम्हारा ...

मैं भी ठीक हूँ।
शालिनी का पत्र मुझे प्राप्त हो गया
अपका

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

5.4.78

My dear Sushil

Received your letter of 28.3.78.

Jai Kumar is now working on deputation. He has to go to Delhi every morning as you had been doing and comes back in the night. I have, however, conveyed your case to Dharmendra through Davender. He has told him at home & hope the necessary will be done. You have not yet given me the information whether you have been allowed time for deposit of

money for Avas Vikas.
I shall deposit it
time is allowed otherwise
the money may be
locked for some time,
and you will get it
back after a long
time.

You need not worry about
my leg. It is now Arthritis
of old age & has to be
tolerated, I think, for life.
I had to give up Survey
work for this.

with love
Yrs affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

5.4.78

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा पत्र 26.3.78 को मिला।
तुम्हारे हालात के हाल भी
मिले। तुम इसी तरह
सब हाल लिखते रहा
करो। तुम्हारे सब हाल
जानने को कुछ तसल्ली
हो जाती है।
मैं ने एक letter 2.4.78
को लिखा था उस में एक
पैकट मे मिठाई मैं कुछ
चाटेर दोनों तरह को
स्याही के भेजे हैं। शायद

पहुँचा जाने पर ठीक
पहुँचाने का तो प्रश्न
है नहीं। ऐसा तो मतलब
को कुछ पौंड पौंड निकल
प्राप्त होंगे। जो बाकी
मेरे हैं वहाँ में लगाना
कर देना। शायद
उन पाउंड पर समय लगेगा।
पानी ज्यादा नहीं पड़ता
है वहाँ। मैं ठीक हूँ।
बता Dr. Om Prakash को बहुत
दिनों से बजाते रहा। पर
Dr Scoki ने बताया कि मेरे
तो 20 दिन से ज्यादा नहीं लगेंगे
था।

तुम्हारा
[illegible]

मेरठ सिटी
दि/ ५/१९६८

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

प्रिय बिटिया गुड्डिया प्रिय बेटे शील एवं सोना को
हमारा बहुत सा प्यार

हमने जब पत्र तुमको २ तारीख को लिखा है वह हवा ने बेग से निकला होगा। तुमने देख लिया होगा
अब तो तुम्हारे पत्र का इन्तजार लग रहा है शायद २-३ दिन में आ जायेगा। बिटिया - व बेटे हमने जब तुम्हारे लिखने के अनुसार समोसे बनाने का चाव के साथ लाये हैं अब शाम के चार बज रहे हैं व तुमको पत्र लिख रहा हूं। हमने इसलिये बनाये तुमने लिखा था कि यदि आप नहीं बनायेंगी तो हमको बहुत दुख होगा लेकिन समोसे बनाते में तुम्हारी याद और भी ज्यादा होगई हैं खाते समय तुम्हारी बहुत ही याद आती रही। अपने पास २ तुम्हारे बाबाजी ने और ४ अपने रखे हैं व बाकी उनको दे कर आए। जब बनाता हूं तो कुछ ज्यादा बन ही जाते हैं यह सोचा ऐसा नहीं है कि फिर दूसरे दिन ला सकें क्योंकि खराब होजाते हैं। इस समय तुम सबको बहुत ही याद आ रही है तुम तो बहुत चाव से खाते थे। तुम लोग तो बनवा कर खाते रहा करो। लेकिन अब तो तुम्हारा समय ही कहां मिलता है इतवार को

दिन भी आप पर आना पड़ता है क्या। जैसे
कालेज वालों को इतना भी दुःख होता होगा

शीला का पत्र आया है नागपुर आ गई है
और [illegible] २ ता० को अहमदाबाद जा रहा है
वहां पर २२ ता० को इनॉगरेशन है।

रमावती बोली को अपना पुत्र के २५ मार्च को
आलों ने जन्म लिया है इलाहाबाद में।

सरोज की तबियत ठीक होगी। वहां पर तुम
सब ठीक होगे। यहां पर हम भी ठीक हैं। तुम सबों
की कुशल ईश्वर से सदैव भली चाहती हूं।

लंदन में बहुत जोर का झगड़ा हुआ है परन्तु
उस समय वहीं पर था प्रोमिल से बच कर आया
है वह ईश्वर ही रक्षा करने वाले हैं।

इनके पैर में दर्द अभी तक ही रहा है कहते
हैं कि यह दर्द आर्थराइटिस से हो जाता है। वैसे
रोज सेंक लगाते रहते हैं। विदिया तुम्हें यह जान
कर प्रसन्नता होगी कि हमने ५०) में स्टील की अलमारी
और ३५) में दो पलंग लिये हैं हमने [illegible] का पलंग
दो पलंग और पीतल की [illegible] ७५) में बेचा है
तुम्हारे जाने पर चौकी की दो अलमारी टूट गई थी और मेरी
अलमारी लेने की बहुत ही इच्छा थी। चि० सुशील
सरोज को हमारा आशीर्वाद   तुम दोनों को प्यार
समाचार शीघ्र ही देना।   प्रकाश वती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

9.4.78

बेटी सुशीला रिंकू स्नेह

अब तो तुम्हारी Service को कम्पलीशन होगा। हैं एक कैसा लगता है काम काज? मुश्किल पड़ता होगा। यह कहो। Cashier का काम बड़ा सावधानी से करना होगा। पैसे का मामला है। गलती हो जाने से नुकसान भी

हिसाब है पर यह तो
काम में होता ही है।
सब देव नाम कर काटती
रहना।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

9.4.78

बेटा शैलू। खुश रहो।

आज कल यहां नौचन्दी
मेला चल रहा है। हम तो जा
नहीं रहे पर तुम्हारी याद आती
है। तुम यहां होते तो हम
ले जाते। वहां क्या हाल
है। मैंने दो letters भेजे
थे पहुंचे होंगे। एक तो
तुम्हारे तुलसी के पौदे कुछ
बड़े हो गये होंगे। और
फूलों के भी बीज बो दिये
होंगे। लिखना उनमें से

भी कोई उपाय है या नहीं।

वहां भी एक प्रश्न गारमी

हो जायेगी। एक लोगों को

बीज बोने का मौसम

ठीक होता इस समय।

सुविधा भी एक Time कम

मिलेगा। उस में हाल

लिखते रहना।

तुम्हारा बाबा

विनोबा

CHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

12.4.78

My dear Sushil
I have received your letter of 4.4.78 alongwith the draft. I am glad rather overwhelmed with tears of joy to receive a remittance from my own children from a far off foreign land. The very hard earned money from Gudya! She has not forgotten to send a share of the first income to me and to his Amma. We shall see what to do with it.
I am sending a copy of the new [illegible] of the festivals and other days. I shall send another one when received as it is still in the

press. I have on
10.4.78 got the money
deposited for the Avas Vikas
for your plot. You have
to send the original
allotment-letter. You
may send the same direct
to Agarwal as all the
papers are with him
now. He shall do the
needful in the matter.
You need not send the
money for your premiums.
I shall go on paying for
you in time. I wanted to
pay of the remaining premiums
in advance but they refused
to accept in advance.

with love,
yours affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२२/४/१९७८

प्रिय बेटे सुशील शुभ आशीष सदैव प्रसन्न बने रहो

तुम्हारा एक पत्र २२ ता. को मिला मो: रुपये
१३५) का ड्राफ्ट भी मिला। तुमने शुरुआत में पहिली
नौकरी के मिले हुये रुपये भेजे हैं दिल को बहुत ही खुशी
हुई कि हमारे पोते को इतनी ऊंची जगह पर नौकरी मिली
है। अच्छा है इसकी पढ़ाई में तुम्हें पैसों का सहारा भी मिल
जायेगा। लेकिन विचार से बहुत ही मेहनत करनी पड़ रही है
अच्छा भी पढ़ना है। अब तो शुरुआत बहुत बेकार हो गई होगी
तुम सबको देखने को आते कि बहुत ही मन कर रहा है।

तुम्हारा परचा कल ही डाक्टर उस्मान के बारे में
तुम्हारे बाबूजी दे आये हैं। और रोज ही डाक पत्र
आने में देर हो जाती होगी। तुम उसकी चिन्ता मत करना क्योंकि
उधर आजकल हड़ताल आदि ज्यादा होगा। रेता के नोचे हो
पर रही है लेकिन हम लोग ये नहीं है बच्चों के साथ में
ही नोचेंगे अच्छा लगता है।

तुम्हारी कार ठीक चल रही होगी मतलब
तुमको ड्राइव चलाने का अभ्यास हो गया होगा।

देवी जो हलवाई का मित्र है उसने भी अपना मकान
बनवाना शुरू कर दिया है मोहन नगर में बनवा रहे हैं।

सभी भी तुम सबको ही बहुत ही याद आती है

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारा शुभाकांक्षी
प्यारी दादी

[illegible]

प्रिय चिरंजीवा सरोज ढेर सा आशीर्वाद।

आशा है कि तुम ठीक होगी। हम यहाँ पर ठीक है हमारी ओर से इतनी चिन्ता मत किया करो। तुम लोग अपना ध्यान रखा करो। आज उपेन्द्र व पुष्पा आदि के छोटे विवेक सोमेश की बात करने आये थे। वहां पर सब ठीक हैं। मैंने तो कहा था कि बच्चों को यहां पर छोड़ जाओ कोठरी पर। पुष्पा को बहुत पसन्द ही है। उपेन्द्र ने तुम्हारे बाबूजी से कहा है कि आप नेपाल बाग जाकर बच्चों को देख आना हम किसी दिन आयेंगे। वैसे आप इनके घर पर आते हुए डर सा लगता है। तुम अपना ध्यान रखना। यदि कोई जाने वाला होगा तो किसी से कुछ सामान भेज दूंगी लेकिन किसी के जाने का पता ही नहीं चलता है। अच्छा भाभी जी का पत्र आया है वह ४ महीने से दिल्ली में रिंकू के पास। अब कानपुर चली गई हैं वहां से कुछ दिन में बड़ी रानी के पास आयेंगी अब छोटी रानी के पास हैं गुड्डो के छोटे रानी का बच्चा कमजोर हो गया है। भाभी जी ने लिखा है कि कलकत्ता से बड़ी रानी का पत्र आया है कि सरोज का पत्र आपके पास आया है। लेकिन उनको तुम्हारा पत्र मिला नहीं है पता नहीं उसने देहली भेजा हो और उनको मिला नहीं है। अब तुम पत्र लिखोगी तो कलकत्ता ही लिखना। बाला कि चारों बच्चे को छोड़ के बहुत ही याद करती है। बहुत ही दूर गई है प्यार नहीं क्या होगा। तुम दिन क्या करती रहती हो। दिन चले जाते हैं सबको ही रहना होगा। हमने १४ तारीख के रोज में रजाई का गिलाफ में रख कर भेजा है। पता नहीं तुमको मिलेगा या। आज ऐसा ही आठ को तुम्हारी याद आती रहे। बनाना तो पड़ता ही है लेकिन अच्छा नहीं लगता है। सबका रोजगार ही ऐसा

SHARFAT RAI GUPTA
B.A., LL.B. PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२६/४/१९५८

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २४ ता० को लिखा हुआ पत्र हमको कल २८ ता० को मिल गया है। पत्र पढ़ कर प्रसन्नता हुई और सब समाचार ज्ञात हुये। हमने भी एक पत्र रवि ने बैग में डाला है। तुमको मिल गया होगा।

आज इतवार है मम्मी ने मीठे आलू का हलवा बनाया है तुम्हारी बहुत याद आ रही है उषा को भी कुछ को नमक का हलवा ले लाया है यह कहती थी कि मेरे ~~[illegible]~~ नमक का आलू का हलवा नहीं खाया है इसको भी बहुत अच्छा लगा तुम भी कभी २ शौक से बनवा कर खा लिया करो तुम्हारी तरह से मैं भी बना लेती थी। आज मञ्जु ने एक नयी पद्य रचाई मैंने सुबह कालिज जाती हुई आज पहिये ने बोल लिखे होने लगे हैं। मकान भी आजकल लगता है तो बिचारा तुम्हारे पीछे भी आती ही रहती है लोभी रतो बहुत ही ऊब हो जाता है एक तुम ही नहीं दिखलाई देती हो और तो सब दीख ही जाते हैं।

तुमको तो आजकल बहुत ही काम करना पड़ रहा है पढ़ना व अपनी नौकरी पर जाना। सोना भी पता नहीं कब सोती होगी। तुम घर से तो सुबह को चली जाती हो और रात को घर पर आती हो इतने लम्बे समय में सोना कैसे सोती होगी। बिटिया अपने सारे कामों का ध्यान रखना करोगी तो इतने लम्बे स्वाद न सकोगी। तुम खूब उधर मोटी भी हो गई हो यही मन करता है कि

किसी तरह से तुम हमको एक बार तो देखलो लेकिन
असम्भव है। पैसे से ही आदमी हर तरह से
लाचार हो जाता है। [illegible] तुम हमको ये हालत से तो
पैसा भेज रही हो और हमको बहुत सारे रुपये भेज दिये हैं
लेकिन तुम्हारे भेजे हुये रुपये देख कर बहुत ही प्रसन्नता
हुई कि हमारे पोती की नौकरी से है तब से बतलाती हूँ कि
हमारी गुड़िया ने हमारे लिये रुपये भेजे हैं। अच्छा है ईश्वर से
प्रार्थना है कि तुम्हारी तरक्की हो और तुमको अपने
सभी कार्यों में सफलता प्राप्त हो। इतना पैसा [illegible] तो
ही है तुम चिन्ता मत करो सब ठीक हो जायेगा। मैं तो बिल्कुल
ठीक हूँ। [illegible] ही दिन में ठीक हो गया है मैंने
तुमको लिख तो दिया था शायद तुम्हारे पास वह पत्र नहीं
पहुँचा होगा। यहां पर तो अब गर्मी काफी पड़ने लगी है
यह अच्छा है अब यहां पर मौसम अच्छा हो गया है। तुमको मैं
पत्र लिखने का काफी याद रहा है। अब तो तुमको रुपये [illegible]
ही मिलता होगा। तुम [illegible] देखने गई होगी मैंने
तुमको [illegible] पत्र में लिखा था कि [illegible] लिखा हो [illegible]
जाये थे उनके साथ मैं - [illegible] नहीं तो [illegible] - [illegible]
गई थी [illegible] अच्छी थी [illegible] में लग रही है। [illegible]
तुम्हारे पत्र का उत्तर नहीं दिया हूँ। तुम्हारा [illegible]
[illegible] ठीक हो गया या नहीं। [illegible] देने में यही
तो डर लगता है। तुम्हारा पत्र तुम्हारे नानाजी ही पढ़कर
सुनाते हैं। क्योंकि [illegible] में अंग्रेजी में लिखा हुआ होता है
[illegible] ठीक होगी। तुम अपना खूब ध्यान रखना अब
तुम्हारा [illegible] ठीक हो गया होगा। [illegible] के पत्र मेरे पास
आते रहते हैं [illegible] है यह [illegible] दे रहे हैं
[illegible]। पत्र का उत्तर शीघ्र ही देना।
तुम्हारी [illegible] प्रकाशवती

मेरठ सिटी
२९/५/१९७२

प्रियवर बेटे शैल (आशीष) तुमको हमारा बहुत सा प्यार
तुम्हारा २० ता. का लिखा हुआ पत्र हमको कल २८ ता.
को मिल गया है पढ़ कर समाचार ज्ञात हुये बड़ी प्रसन्नता
हुई। मेरे तुम्हारा पत्र पढ़ कर शान्ती सी मिल जाती है यह
पता नहीं था कि कभी यह समय भी आयेगा जो अपने बच्चों
को देखने के तरस जायेंगे। जैसा तुम्हारे पास रहने का प्यार
ज्यादा था वैसे ही अब सब से दूर चले गये हो अच्छा
अब तो ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वहां पर तुम सब
ठीक रहो और हम तुम सबको ठीक देखें अब तो बस
अपनी जिन्दगी में तुम सबको देखने की इच्छा रह गई है
ईश्वर जैसे हमारी यह इच्छा पूरी ही होगी और तीन
वर्ष बाद तुम आओगे तो हम ठीक प्रकार से देख सकेंगे।
हम पत्र का तुमको बराबर ही लिखते रहते हैं पता नहीं
इतनी देर कैसे हो जाती है अधिकतर हर सनीचर को
ही पत्र डालते रहते हैं। यहां पर हमीश बोरा के भी
इसकी भी परीक्षा चल रही है उषा के तो ए.म. के पेपर
पूरे हो गये होंगे। तुम हमारे पत्र की ओर से चिन्ता मत
करा करो इतने परेशान मत हुआ करो। कभी-कभी पत्र
में देर हो जाती होगी। पेट में जो दर्द चल ही रहा है
लेकिन चिन्ता की कोई बात नहीं है। तुम इतने परेशान
क्यों होते हो सब ठीक हो जायेगा। अब तो यहां पर खूब
गर्मी पड़ने लगी है हम भी छत पर ही पलंग डाल कर
सो जाते हैं क्योंकि मच्छर बहुत हैं। वहां पर तो मच्छर
नहीं होंगे। पैसेओं से राजू व बाला को पत्र ज्यादा
का शौक है। नाना जी के पत्र भी आते रहते हैं। सुधार
१५ ता. को अहमदाबाद गया है वहां पर ऐडमीशन

का ही है शायद यही में आयेगा। नीचे सब
ठीक हैं बहुत दिन से तुम्हारे गृह जेनरल भी नहीं
आये हैं। तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। आज
दिनस से सरोज ने हाथ का लिखा हुआ और पत्र
नहीं आया है उससे कहना कि पत्र लिखे। वैसे
तो तुम पत्र लिखते ही रहते हो। लेकिन कभी २
मन होता है कि सरोज का भी पत्र आये।

हमारे सामने की होकर दयाल की जगह पड़ी
थी वहाँ पर राम हेस वालो की बहिन का
मकान बन रहा है। स्कूल में तुम्हारे दोस्त
बन गये होंगे। मैंने पहिले भी लिखा था
कि गय कुमार का देहली का तबादला हो गया
है। रोज सुबह को आते हैं और शाम को जाते
है मैंने कि हमारा कुशाल आता था अब तो तुम्हारे
पापा और देव चलानी अपनी होगा अब तो
घुमाओ नहीं कहलाते है। हाथ सबो को [illegible] कर
हैं मैच का बड़ा अच्छा लगता होगा हम तो यहीं
पर खुश हो लेते हैं। अब सरोज बिल्कुल ठीक
होगी। प्रिय कुशाल व सरोज को हमारा
आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

19.4.78

बेटी गुड्डिया खुश रहो

तुम्हारा खत मिला

तुम्हारी सहेलियां जाती हैं

रहती हैं। मिजाज भी थोड़ा

भी बहुत है। पहला

तरह बात करता है यार

बताया।

तुम्हारा सब हाल

मालूम होवे। इस ही

तरह पूरा हाल करती २

लिखा करो [illegible] समय

निकल जाता। [illegible] जैसे

डौली को कहा है तुम्हारा
हाल वह ही लिखेगा
रहेगा। तुम ने अपने
letter में बैंक के चैक
को check लिखा है। यह
गलत है। वह cheque
लिखा जाता है। check के
माने रोकना है। डौली ने
helth लिखा है health को
ऐसे बता देना।

तुम्हारा बाबा



DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

19.4.78

My dear Sushil
Received yours of 11.4.78. I think some of our letters are not reaching there. I remember to have written to you long ago that Jaikumar is now on deputation in Delhi & has to go to Delhi every morning as you were doing. I had communicated your case to Dharmendra through Ravindra. They are related. Dharmendra had told him that he would do the needful. I have also sent a letter to Dharmendra today giving the details. I had written to you about Anarvikas & you must have known the facts now.

I am well. The small complaint in my leg has to be tolerated. It was for those trouble

that I had to give up
Survey work though I
was much in interest
in that line. Now

I have secured Oath
Commission work &
have to work on Tuesday
from 12-30 to 4.30 P.M.

with love
Yours affly
[illegible]



DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

19.4.78

बेटा शैलू। खुश रहो

तुम्हारा letter 10-4-78 का
मिला। हम तो letters बराबर
लिखते रहते हैं। शायद रास्ते में
कहीं गुम हो जाते हैं। और बाकी
फोन के बारे में ने कह रखा
है। पास आवे तो भेजूंगा।
शायद अब तो तुम्हारे के
पेपर शुरू हो गए।
होंगे। पेपर पांच में
ठीक ठाक हुए होंगे।
आज हम प्रजय के यहां
जाते हैं। प्रजय की mother

ते बहुत ही नाराज हैं

सब मकान वालों को

बच्चे भी बिलकुल हम

लोगों से नहीं बोले।

शायद वह भी सिखा

रक्खे होंगे। जब तक

हम दोनों वहां रहे पूज्य

को भी खबर तो होगी। मैंने

बात करता रहा क्योंकि

कोई बात करने का

समय ही नहीं दिया।

तुम्हारी

[illegible]



प्रिय लिदिया ~~[illegible]~~ सौभाग्यवती रहो।

आशा है कि सुख से होंगी। बहुत दिनों से तुम्हारे
हाथ का पत्र लिखा हुआ नहीं आया है वैसे तो बच्चे बराबर
लिखते ही रहते हैं। लेकिन मन होता है कि कभी तुम्हारा भी
पत्र आये। अजय पूछता रहता है। नीचे दरवाजे की आवाज
आती है उमा की दादी की। इस बार भी तार पर बुलाया है
इनके एक बच्चे का पत्र भेज दिया है मिल गया होगा।

आशीष अब आया चला गया है वे लोगों का बल
सैलानी के देखा बगैरा को ही शामिल से जाता है।

मीरा ने रेवा ने अपने गले रात सितारे के लड़के की
शादी २२ अप्रैल की है। मैं २२ता को आऊँगी और
२४ता को उधर को आ जाऊँगी। इस बहाने सेवा
से भी मिलना हो जायेगा।

एक दिन यह क्या आराम रहता हो। वैसे भी
अपने घर का याद ही आती रहता होगा क्योंकि सब
अकेला को ही करना पड़ता है। मेरा तो यहाँ भी मन नहीं
लगता है इतना बड़ा दिन रहता है काटना भी मुश्किल
होता है। कभी कभी मन को बहुत ही दुख होता है कि इधर
इतने बच्चे हैं और हम अकेले पड़े हैं। बाद इस उम्र में उनको
तो अकेले ही समय काटना पड़ता है। ऐसी गर्मी में
दोपहर में आये थी लेकिन। कल अकेले मन को दुख बहुत
लगता है। तुम्हारे बच्चों को हमारा आशीर्वाद

पत्रोत्तर जल्दी ही देना। तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाशवती

मेरठ सिटी
२२।८।२०१८

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

हम यहां पर ठीक हैं। तुम सबकी कुशल ईश्वर से सदैव भली चाहती हूँ। गुड़िया शैल का २२ता० का लिखा हुआ पत्र और तुम्हारा सुशील के दोनों पत्र एक साथ मिले हैं। तुम्हारे चरणों ने मगाया है तुम्हारे बाबूजी ने राधे प्रसाद से रुपया बदलने को कह रखा है जब रुपया आ जायेगा तो तुरन्त डाक से भेज देंगे लेकिन डाक से भेजने में कुछ थोड़ा लगता है यदि [illegible] जो तुमने लिखा है वह लेकर को पूछा है टेलिफोन वाले गुप्ता जी को उनके मकान का पता लिख कर दिया है वह वहां जाकर सब कुछ [illegible] कि वह कब आयेगा और जो भी आवश्यक यदि जानकार लेकर तो दे देंगे और तुमने लिखा चाकू की आवश्यकता हो तो लिखना भेज देंगे। गुड़िया शैल को कुछ भेजना हो बस यही लगता है [illegible] और कुछ चाहे लेकिन तो जरूरत नहीं होता है। यह जान कर प्रसन्नता होती है अब तुम ठीक से पढ़ना करते हो। गुड़िया का [illegible] दिया गया है विचार [illegible] से तो बात करती है फिर भी [illegible] लिये रुपये भेज दिये बहुत ही प्रसन्नता हुई है। ईश्वर से प्रार्थना है कि इतनी अपने कार्यों में सफलता प्राप्त हो।
तुम्हारे बाबूजी के पैर में दर्द पहले ही रहा है लेकिन चिन्ता की कोई बात नहीं है बस जरा ज्यादा दूर पैदल जाने में परेशानी सी होती है।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

22.4.78

बेटी गुड़िया सदा खुश रहो।

तुम्हारा letter मिला।
तुम्हारी तो खूब काम में
तबियत लग रही होगी।
पर बहुत मेहनत करना पड़ता
है। कोई भी Tonic प्रारंभ
की नहीं है। तुम्हारा बदन
तो पहले ही बहुत कमजोर
था। जो भी हो अब तो खूब
सार पड़ हो गया है। मैं
तुमसे बहुत दूर हूँ कुछ
मदद भी नहीं कर
सकता। शान्ति नहीं है

है कि तुम पवन [illegible]
के पास हो। जो भी चीज
की जरूरत हो लिख देना।
भेज देंगे। तुम्हारी मम्मी
की तबियत वहां भी
ठीक नहीं रहती। वहां
blood pressure वहां भी
परेशान करता रहता है।
उस को पेट की भी
कोई तकलीफ नहीं। प्यारे
तुम आराम से लिखते
रहना।

तुम्हारा
पापा

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

22.4.78

My dear Sushil
Recd yours of 13.4.78.
I had called Dharmendra. He came to me and has informed me that the necessary will be done but these entries will take some time as the ACCR has been wounded up and their records are locked up. He says that he had asked for credit of entry, about 2/75, 3/75 and 6/76 but no reply has been received. He says he will send a reminder once again and then on the basis of confirmation which he has already

second account. The deductions from External affairs ministry, he shall be entitled to make the entries.

I am trying to contact your friends daughter at Delhi through Dr Vijay Gupta and will send your effects with her. Otherwise I shall send the same by post.

Your mother has to go to Dr. Nagar in the marriage of Jagat Swarup's grandson tomorrow.

with love
Yours affly
[illegible]



22.4.78

बेटा श्री बबू। खुश रहो।

तुम्हारा letter मिला। खूब
यहां भी गरमी काफी है। पर
बाहर सोने में रात को काफी
ठण्ड हो जाती है। रात को बाहर
रजाई लेकर सोना होता है।
तुम्हारे इम्तहान हो रहे होंगे।
फिर छुट्टी में तो खाली होगे।
तुम्हारे लिये दवा जो तुमने
मंगाई भेज रहा हूं। एक शीशी के
में चार गोली प्रातःकाल बाद
खाना है बालों के लिये। तुम्हारे
बदन के दाने तो गरमी में
ठीक रहेंगे शायद। फुरसत
कोई बात हो तो लिखना।

मैं तो ठीक ही हूं। पर
कुछ काम नहीं कर रहा
बस चलने फिरने में कुछ
परेशानी होती है। कुछ
बातें तो इस उम्र में हो ही
जाती हैं। इन बातों को
बर्दाश्त करना ही पड़ता
है। तुम लोग इस की
चिन्ता न करो। ठीक भी
होगा या चलता रहेगा।

तुम्हारा बापू

१३ मार्च १९७७ मेरठ सिटी

[illegible] २३) [illegible]

[illegible]

प्रिय बिटिया तुम्हारा प्यारा सा पत्र मिला -

तुमको हमारा बहुत सा प्यार। तुम्हारे पत्र से पढ़कर सब समाचार ज्ञात हुए। हमने एक पत्र तुमको १८ता मंगल के भेजा व डाला है और एक पत्र २२ता शुक्रवार के रोज़ के डाला है मिल गया होगा। तुम्हारा १२ ता. का लिखा हुआ पत्र हमको २० ता. को मिल गया है। हम भी २६ता को उषा की ससुराल में बच्चों को देखने गये थे हम से सुरेन्द्र ने कहा था कि आप जरा वहां पर हो आना इधर वहां पर जाकर यही कहा कि अशोक का पत्र आया है कि अम्मा जी बच्चों को देख आना आजकल के उनको कोई ख्याल नहीं किया है। दोनों बच्चे ठीक हैं और सबको कुछ लायक हो गये हैं। हमने अपने पास बहुत बुलाया लेकिन हमारे पास नहीं आया। सास ससुर वालों से बहुत नाराज़ है कहती है कि ससुर वालों ने जेवर को रख लिया और अशोक को छोड़ दिया है। हमने ३००) का ऑर्डर [illegible] ने दिये और ५५) डेढ़ साल का दिया। और उसके कुछ नातियों (?) ने और गहना एक भी नहीं निकला है हम तो चुप चाप सुनते रहे। और हमने कहा कि हमको तो कुछ पता नहीं है। २८ फरवरी को प्रकाश बाबू तो चले ही गये हैं विमला (?) लैटर के लिये उषा तो अपने बच्चों से लड़कर ही चली गई। हमारा होली का लिखा हुआ पत्र तुमको अब मिला है। लगुन के लिये भात (?) की पहुंचा (?) और गुलाल भेज दिया था तो तुमने होली मनाली। इस ता. होली के दिन नहीं थे (?) रही उस दिन तो रात को ११ बजे घर पर आए (?) हो

बिटिया तुमको नादू (?) बहुत आनन्द पड़ता है दिनभर अपने पालने के साथ में ही खिलते रहती हो।

निमिषा इतना याद करते तुम सब की आती ही
होगी वैसे ही मजबूर भी हो। बच्चों के सबको खूब
दिया करो प्रयत्न को जहाँ पर मिलते ही हैं।

इसको यहां पर ठीक ही हैं लेकिन कभी २ तुम लोगो
को याद आने पर बड़ा परेशान सा हो जाता है। जब
जब याद आती है तुम्हारी बातें ही सोचा करते रहते हैं

निमिषा इसने उस पत्र में तुमने लिखा था कि इस
अपोलोबना नहीं लिये हैं वह पत्र तुमसे मिल गया होगा
तुमने भी बहुत लिखा था इस लिये बता दिया है
लेकिन अपोलो जाते समय तुम्हारी याद और भी सताने
लगी अलका की चिट्ठी तुमने बहुत दिन बाद भेजी है
सो मिल गई है। तुमने [illegible] लिखवा देना है या
अब कोई पुनः [illegible] जायेगा इसके बाद [illegible]
[illegible] कुछ शान्ति भी होगी। तुमको लिखकर
अब ठीक भी हो गयी है।

मन्जु बहिन आती रहती है ठाकुर के [illegible]
सेवा की [illegible] उद्यापन करना है २२ता० को। इधर
लिये भी खूब [illegible] गलती न [illegible] दे गए हैं
यह सब इसमें बहुत ही अच्छी तरह से [illegible]
है बस ऐसे ही इधर दिन बीत रहे हैं।

अब तो तुम्हारा पत्र लिखने का समय भी बहुत ही
कम मिलता होगा। बस तुम अपना स्वास्थ्य ठीक
रखो हो सके तो [illegible] बच्चों का फोटोग्राफ
भेजती रहो हूँ। ऐसे ही समय बिताना पड़ता है अब
दिन बहुत बड़े २ होने लगे हैं समय मुश्किल से बीतता
है मन जरा भी नहीं लगता है। अच्छा चिट्ठी/पत्र का उत्तर
शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभचिंतक
[illegible]

[illegible] मेरठ सिटी

[illegible] २३।४।१९६८

[illegible]

प्रिय बेटे शैल तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार।

बेटे तुम्हारा १०ता० का लिखा हुआ पत्र हमको २०ता० को मिल गया है तुम्हारे पत्र के सब जवाबात हाल हुऐ हमने भी तुमको एक पत्र १८ता० को भेजा एक २१ता० को भेज दिया है दोनों पत्र भी मिल गये होंगे बेटा हमको थोड़ी [illegible] होती है कि तुमको हर बेग में हमारा पत्र मिल जाया करे और ऐसे ही हमको भी तुम्हारे पत्र लगातार मिलते रहें। लिफाफे को खोल कर हमको इच्छा होती है कि जल्दी से खोल कर अपने प्यारे बच्चों के पत्र को पढ़ूं। तुम्हारे बाबाजी को बड़ी खुशी होती है जबकि तुम्हारे पत्र ही पढ़ते हैं पत्र को पढ़ कर बड़ा चैन सा मिलता है। तुमने बार बार लिखे हैं कि इस [illegible] हमने [illegible] को बना कर खा लिये हैं लेकिन पहचानते नहीं तुम को स्वाद भी आया है या नहीं हमने पत्र में तुमने लिख दिया था यह जवाब वाला पत्र भी तुमको मिल गया होगा। लेकिन बेटा तुम्हारे लिखने पर हमने [illegible] बना कर खाये तो मजेदार हैं। लेकिन तुम्हारी याद ताजी होगई। तुम्हारे भेजे हुए फूलों ने [illegible] दिये हैं [illegible] हमारे बेटे ने हमारे लिये इतनी दूर से [illegible] भेजे हैं। हमारे तीन पत्र तुमको एक साथ मिले हैं ऐसे ही पत्र [illegible] हो जाती है पहला पत्र जल्दी ही लिख देते हैं [illegible] पर [illegible] हो जाया करे तो तुम इतनी चिन्ता मत किया करो।

हम तो यहाँ पर बिल्कुल ठीक हैं बस तुम्हारा
ही वहाँ पर ठीक रहे तुम्हारे सिर में इतनी खुजली
क्यों है शायद वहाँ का पानी ठीक नहीं है जवाहर
गुड़िया ने भी लिखा था वहाँ का पानी से बाल जल्दी
हो जाता है तुम सिर में रोज तेल लगाया करो
क्या अब तुम्हारे निशान ठीक हो गये होंगे यहाँ
लिखा है अब गर्मी आ रही है नहीं तो बिचारी
गर्मियों में तो परेशान करे अब तुम्हारे छुट्टियाँ
कितने दिन की हो जायेगी तुम छुट्टियों में क्या
काम होगे वहाँ पर तो पढ़ने को देश गांव की
हिन्दी की नहीं मिलती होंगी। यह जान कर बहुत
प्रसन्नता होती है कि तुम्हारे पोते अब बोलने लगे हैं
अमन के नाना आदित्य जैसे ही बोलते हैं। सब मजे
ठीक हैं। इसका सब ठीक ही है कि तुम सब
समझ कर रखना सबका ठीक होगा। कुशल
से लिखना तो हमारा सबको याद।

इसका तो बेटा देवर नहीं गये हैं रमा के शुरू
जो थी अब २२ को समाप्त हो जायेगा। बच्चों को
बीन कर और घर तो तुम्हारे बाबाजी चलाते ही
थे वह मैंने इतना कहा था कि कुशल तो न
बच्चों को बीन कर बहुत अच्छा लगती थी। फिर
अब तो ठीक पता नहीं रहना है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी मम्मी
प्रकाशवती

मेरठ सिटी
२५।४।१९६८

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारी मां का लिखा हुआ पत्र हमको कल २४ता.को मिल गया है। पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। हम लोग तुम्हारे पत्र की इन्तजार ही देख रहे थे। यह जान कर खुशी हुई तुम्हारा मैं ये साइकिल को पैदल स्वाब हो गया है लेकिन यह अभी भी ठीक नहीं हुआ है। इसलिए शायद तुम स्कूल नहीं पढ़ोगी वहां पर तो शायद ऐसा ही मौसम होता है कभी ठंड हो जाता होगा तो ठंडा हो जाता है क्या वहां पर इतनी गर्मी भी पड़ती है जो पंखों की आवश्यकता पड़ेगी हम तो समझते थे कि वहां पर तो मौसम ठंडा ही रहता होगा वहां पर पहले मिल जाते होंगे जैसा कि तुमने लिखा है उन पेड़ों को आ गया होगा। लीचियां कैसे पैदा हो गये होंगे। अब तो बिटिया तुम स्कूल भी जाती होगी यह जान कर बड़ी प्रसन्नता होती है कि तुम्हारे अपने पढ़ने बाद गोटा में खूब मन लगाते जाते हैं। और स्कूल पढ़ना इतना रहता हो। लेकिन तुम्हारी यह शिकायत लोगों के पत्र से ज्ञात हुई है कि तुम स्कूल में बहुत शैतानी करती हो अब तुमको अपने शरीर से बहुत काम करने पड़ते हैं इसलिए खूब खाया पिया करो तभी तो शरीर ठीक रहेगा और काम कर सकोगी। वहां पर खाना तो मिलता ही नहीं है इसलिए यह अच्छा है कि दूध फल और खिचड़ी जो तुम्हारी तन्दुरुस्ती ठीक रखे तो होगा। अभी से ही तुमको इतना तो पढ़ना पड़ता है पता नहीं अब ये बच्चे कैसे लगते होंगे।

३ता. से हमने पत्र लिख दिया है और आज यह भी पहुंच गया होगा है। मैंने तुमको पहले पत्र में भी लिखा था कि अपना ख्याल पर खूब भी रखना तो ठीक थी लेकिन तुम्हारे को ज़िगर लगी हो रहा है कैसे यह सब लिख बोलने लगी है। और प्यारी लगती है

इतने दिन तो ठीक काम चल ही रहा है बाकर ख्याल तो

हिमाचल शिमला के बारे में बहुत अच्छे हैं कि आप

डलहौजी जाते तो इसलिये ठीक ही और [illegible] हो जायेगा

यह विचार इस उम्र में [illegible] हो जाता है। ऐसा लगता है

कि इतना नशा लग गया है बम्बई में एक कमरा रहने को [illegible]

अशोक साहब आप तो हम से २० वर्ष बड़े हैं और फिर भी [illegible]

पहाड़ पर [illegible] चलते हैं इस समय इतना [illegible] बिल्कुल ठीक था

[illegible] घर पर [illegible] २ घंटे बाद ही एक [illegible] में [illegible]

लगा। [illegible] बातें [illegible] हैं [illegible] रही हो रहा है

[illegible] की नज़र लग जाती है। [illegible] कहते हैं कि

यदि आप चलते रहेंगे तो [illegible] नहीं तो फिर नहीं चला

जायेगा। [illegible] परेशानी तो होती ही है [illegible] ही

जाते हैं और जहां जाते हैं तो [illegible] हो जाते हैं। [illegible]

तो कोई बात नहीं है। इतनी [illegible] परेशानी नहीं है

[illegible] परेशानी यही है कि [illegible] नहीं लगता है और

[illegible] की याद आती है। यहां पर सब लोग ठीक ही [illegible]

[illegible] है [illegible] लिया [illegible] दिन में [illegible]

आदत पड़ जायेगी। यह आश्चर्य है कि यहां पर पानी भी [illegible] है

यहां पर [illegible] सब आता रहता है [illegible]

सब आ ही रहे हैं इतने [illegible] पर बड़ा अच्छा लगता है और

[illegible] बैठ जाते हैं। [illegible] तो बहुत [illegible] नहीं

है पता नहीं कैसा है मैं [illegible] पर [illegible] नहीं पाई हूं।

अब [illegible] पर [illegible] देंगी। गुड्डी ने [illegible]

[illegible] नहीं है [illegible] बार [illegible] सी [illegible] लगता है

सब [illegible] ठीक है। अपने शरीर का ध्यान रखना।

अब यहां पर भी गर्मी पड़ने लगी है लेकिन अभी इतना

ज़्यादा गर्मी नहीं पड़ी है। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

मेरठ सिटी
२५।४।१९६२

चि० प्रिय [illegible] योग्य सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा १० तारीख का लिखा हुआ पत्र जिनको कल २४ता को मिल गया है। पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। यहां पर सब ठीक है। तुम सबों की कुशल ईश्वर से सदैव भली चाहती हूं। मुजफ्फरनगर में [illegible] देवर के लड़के गजराज सिंह के लड़के की २२ अप्रैल को शादी थी कुन्ती की कुन्दन का पत्र आया शादी का नहीं आया और न ही कोई भी [illegible] इस लिये मैं २४ता को सुबह [illegible] की मोटर से २४ता को सुबह ११ बजे वापस आ गई हूं। शादी मुजफ्फरनगर से ही नहीं है बिल्कुल दीवाना में बारी वालों का मकान है वहां पर [illegible] को लड़की से शादी हुई है। जिसकी दादा [illegible] के साथ में आई थी। शादी बहुत अच्छी हुई है। वैसे तो बड़े पत्र लिखने ही रहते हैं लेकिन तोर २ तुम पत्र लिख दिया तो यह तो तुमको पता है तुमको पत्र लिखने का आलस्य भी है और अब तो [illegible] लम्बा लिख दिया। यह जान कर प्रसन्नता हुई कि [illegible] कुन्दन को वहां पर नौकरी लगी हुई है इस लिये तुमको कुछ परेशानी नहीं होती होगी यह जान कर बड़ा ही अच्छा लगता है कि तुम्हारे पास ईश्वर की दया से सभी चीजें हैं। और छोटे २ सभी चीजों का [illegible] आयेगा तुमको बड़ा गर्व होता है ईश्वर से प्रार्थना है कि वह ऐसे सदैव ही अपर रहें। तुम्हारे ऐसे पत्र [illegible] लिखा होगा वह हमारे लिखने में भी शायद ऐसा लगता है तुम यह पत्र हमारे लिखने में भूल से रख गई होगी। इसने यह पत्र सबके निकाल दिया था। कुन्दन ठीक होगा।

हो गये हैं। [illegible] देती रहा करो
गयी है उसको चिन्ता है। और यहां पर
सबको ही। बीबी जी ठीक हो जायेगी ही।
शेष समाचार ठीक ही देना। तुम्हारी अम्मा का आशीर्वाद

अपने शरीर का खूब ध्यान रखा करो। दूध भी दूध व फल
और लेती रहा करो। फिर जानकर प्रसन्नता होती है कि
तुम्हारा भी घुटने का ऑपरेशन ठीक तरह से हो गया है। तुमने
भी सड़को पर अब लिया वोडेका पर जाना बताया। मैं तो यही
सोचती रही कि लोगों को तो पता नहीं चला होगा। क्योंकि
पत्र तो जाना होगया था अब हमने तुमको नये पते का पत्र
भेजा है शायद मिल गया होगा। अब तुम्हारी तबियत ठीक
होगी इसलिए नौकरी करती रहा करो। अब तुम्हारे बाबूजी
क्लीनिक में नहीं जाते हैं वहां से अपना नाम कटवा दिया है
क्योंकि पैर को लगने से वहां पर काम करने में परेशानी सी
होती है 1 हफ्ते में एक दिन 2 घंटे घर से जाते थे यही
पर कुछ काम मिल गया है 1 महीने में जो रुपया जो जिसमें
रुपया आप ने मिल जाते हैं। (15) बीते बच्चे भेज रहे है
वह ठीक ही चल रहा है। अपने घर पर तुम्हारी याद आती रही लेकिन
तुमने जानकारी लिखाया। यहां का भी कुछ रेडियो का पता
चल जाता है और कुछ अखबार भी मिल जाता है। वैसे यह अच्छा
है जहां आवश्यकता हो आओ वहां पर मिल जाती है। अब तो
गुड़िया बहुत ही अच्छा रहती है और यह जान कर प्रसन्नता होती है
पढ़ना अच्छा लगता है और पढ़ा रहती है पर लड़कियों में तो
सदैव से ही होता है लेकिन अब तो पैसा बहुत से काम करते हैं
इस लिए अपनी जरूरतों का ध्यान रखना चाहिये। तुमको
सिर को पकड़ना के बिना परेशानी लगती होगी वैसे वहां पर
पहाड़ तो बहुत सुन्दर दिखती होगी। अब पैर का फोटो देखकर
भी लगे होगी। वहां पर पहाड़ को रास्ते बहुत ही है इसलिए आप
परेशानी भी होती होगी इसलिए हम जानते हैं कि उसका यह सब
काम ठीक हो जाए। वैसे यहां पर बहुत कम बोलने की आदत
तो चलती पर गांव में खूब बोलना पड़ता है। बड़ा ही मन होता
है कि गांव देखने जाकर बोलना है। लेकिन हम यहीं पर भूरा

[illegible]

[illegible]

मेरठ सिटी
२६।४।१९७२

प्रिय बेटे शैल [illegible] बहुत बहुत प्यार

तुम्हारा १० ता० को लिखा हुआ पत्र हमको कल २५ ता० को मिल गया है पत्र को देख कर बहुत ही प्रसन्नता होती है हम तो तुम्हारे पत्र की इंतजार ही थे। हम अपने पत्र तो जल्दी ही लिख देते हैं लेकिन [illegible] में कुछ देर हो जाती है [illegible] अब तो [illegible] होने में [illegible] हो जायेगा [illegible] होते ही वह आने वाला दिन भी शीघ्र ही आ जायेगा। ईश्वर सब ठीक रखे। यह जान कर प्रसन्नता होती है वहां पर भी पौधे होने लगे हैं उनको देख कर बहुत ही खुश होते होंगे और फूल सब्जियों का चाव भी बढ़ा है अब बुढ़ापे में क्या करते रहोगे अभी तो तुमको ताश खेलने को शायद नहीं मिलता होगा तुम्हारा परीक्षा अब शुरू होगा ईश्वर से प्रार्थना है कि अच्छे नम्बरों से पास हो जाओ। यह पढ़ कर तो बहुत ही आश्चर्य हुआ कि इतने ही दिन निकल आया शायद वहां तो दिन ही बहुत अच्छा होता होगा। यह बात लिखी थी इस लिए तुम्हारे चाचा जी [illegible] को दिखलाने ले गये थे उन्होंने बतलाया है कि [illegible] को [illegible] हो गये [illegible] देगा इस लिए [illegible] [illegible] हो जायेगा [illegible] तो ठीक ही चलता रहता है। अब कुछ लिख कर पत्र बन्द। इस [illegible] में [illegible] में कुछ न कुछ तो चलता ही रहता है और तुम सबको प्यार से [illegible] ठीक ही रहेंगे तुम्हारे यहां [illegible] बहुत इच्छा है कि हम ठीक रहें और तुम सब लोग ठीक रहें। मैंने एक [illegible] और २ [illegible] को [illegible] ही [illegible] लिये [illegible] तुम्हारे आने पर [illegible] को

ने तलो छूट गई थी मैंने तोसी भायालय को
दो पत्रिकाएँ और आडवाल दीवान ७५) में भेजा है
अब मुखिया ने ७५) भेजे हैं मैंने सोचा कि रुपये को
किसी भी काम में लगा दिये इतने रुपये में ४ भाग
और देगा लेकिन तो अच्छा होगा। यह चार) मैंने
अपर ही हो जाती है। जिसको इतने पारिश्रमिक के तौ
रुपये लगी है और इसके लिये इतने ज्यादा रुपये
भेज दिये हैं इतने रुपये को देख कर बहुत हौसला
हो और तुम्हारे लड़कों को खुशी ने [illegible]
लो ले कर के सपना को [illegible] लिया! बड़ा अच्छा
लगता है हमारे यों भी हिन्दुस्तान में सब ही बड़े
मुल्क में [illegible] कर रहे हैं ईश्वर करे इनको
सफलता प्राप्त हो। जिससे इतनी मेहनत कर रहे हैं
फिर भी इतने रुपया से कुछ ही सहायता पढ़ने में
मिलेगी यहां पर पढ़ाई बहुत ही महंगी है।
५०) तो केवल आई है और २८) का बिल आया है
[illegible] की सैलरी [illegible] को बहुत कर रहा था
बैंक का गाड़ियों का बहुत ही [illegible] है यह लिख
बगैर अब तो लिखा करो ईश्वर करे यह ठीक रहे
शुक्रवार २४ तारीख को अहमदाबाद गया है २८-२९ तारीख तक
लौटेगा। निर्मला का पत्र आता रहता है। [illegible] की
तरह की समस्या हल नहीं हुई है। पता नहीं क्या होगा
इन लोगों ने क्या सोच रखा है।
समाचार भेजती रहना। [illegible] को हमारा आशीर्वाद।

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

26.4.78

बेटी गुड़िया ! खुश रहो ।

तुम्हारा सब हाल तुम्हारे 17.4.78 के letter से मिला ।
तुम्हारा मन काम में लग चला है तो ठीक ही है । Maths के Papers शायद किसी गलती से Course से बाहर आ गया होगा । Examiners को भी कुछ का ख्याल तो करना ही पड़ेगा । जब सब के ही Papers ठीक नहीं हुवे हैं ।

मेरठ की चिन्ता की जरूरत नहीं है । यह तो

अब इस ही तरह चलेगा।
साहब का कमीशन तो
काम इस की वजह से बन्द
करना पड़ा। अब oath Commn
का काम हफ्तों में एक दिन
वह भी तीन घन्टे करना है
कचहरी में बैठके। इस से
महीने में करीब एक सौ रुपय
मिल जायेगा। तो साहब के
Commission के बराबर ही
होगा।

तुमने examinations का
हाल लिखना।

तुम्हारा बाबा।
[signature]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

26.4.78

My dear Sushil

I have enquired about the daughter of your friend at Delhi. Her examination are in June. She shall go about examination. So I don't think she will go there before July. The spectacles are with me I shall send the same by Reg. Parcel by Air tomorrow. I may send a few tablets of Novalgin and some seeds of flowers for Shalloo. The spectacles may not be liked by you as Dr Rajendra has got the classes prepared of

ordinary type. I had asked him to get the lenses of the dot type of invisible joints. I don't know how he forgot it. I shall get the other type ready after some time and then I shall send again. Meanwhile you may use the present one. I personally like this but I know your taste so I think you may not like this.

with love
Yours affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

26.4.78

बेटा शैलू! खुश रहो।

तुम्हारा letter 17.4.78 का मिला। तुलसी के पौधे शायद खूब बड़े हो गए होंगे। और बड़े बड़े हो जावेंगे। मैं दुशाले का पार्सल डाक से हवाई जहाज से भेजूंगा। शायद कल उसमें मैं Monalgin की टिकियें भेजूंगा। और थोड़े बीज फूलों के भेजूंगा। Holy hock के पौधे सफ़ेद Pink (खास) के भेजूंगा। पूरा हो सका तो खास की जड़ें भी भेज दूंगा। कुत्ते वाले फूल के बीज पूरे नहीं मिले हैं।

तुम लोग मेरे पैसे का
फिक्र मत करो। वैसे
कोई बात नहीं है। बस
बदन में ज़रा चलने मे
तकलीफ होती है। शायद
यह तो एक बार इसे
बरदाश्त करना ही पड़ेगा।
इस वजह से ही मैं ने एक
कमीशन बाहर के ले नाम
कटवा लिया और Oath Commission
का काम लिया है। इस में सिर्फ
हफ्ते में एक दिन दो तीन घन्टे
काम करना है। पहले Thursday
को हुआ करता इस Tuesday को था।

तुम्हारा बाबा
[signature]

[illegible]

[illegible] देहली
२६।८।१९६८

प्रिय [illegible] आपको हमारा बहुत सा प्यार
२६ ता. का लिखा हुआ तेरा व [illegible]
का पत्र मिला समाचार ज्ञात हुये। इधर भी एक पत्र
२० ता. को डाला है उसको मिल गया होगा। उसको
शायद पत्र लिखने का समय नहीं मिलता होगा।
फिर कोई बात नहीं है इन दोनों के पत्र से कुशल
मिल गयी है। [illegible] को गई कई साल को
घर पर [illegible] होगी। [illegible]
[illegible] लिया [illegible] यहां पर [illegible]
पता नहीं [illegible] कैसी लगती होगी। [illegible] के पत्र
आते रहते हैं। कुमार अहमदाबाद से लौट कर
२० ता. को देहली आया था और २७ ता. को रात को
साढ़े ११ बजे यहां पर आया था [illegible] शाम की ट्रेन से
यहां से लखनऊ चला गया है/ पप्पू की परीक्षा तो
शायद अक्टूबर [illegible] तक होगी। [illegible] को यहां
समाप्त हो जायेगा फिर [illegible] ट्रेनिंग होगा
तब कहीं [illegible] तब नौकरी मिलती है।

कुमार मेरे लिये अहमदाबाद से धोती
लाया है बहुत तो अच्छी है। शायद [illegible] की है
अच्छी है। [illegible] धोती [illegible]
है शादी में गई थी उनको मिली है [illegible] ता
[illegible] वाली है।

कुछ पत्र लिखना। प्रिय स्नेहा को प्यार देना आदि। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

प्रिय बेटे कुशल रहें सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो
तुम्हारा २-४-७० का पत्र मिला समाचार ज्ञात
हुए। अब आगरा मिलाप की तुम्हारी मकान का पक्का
हो गया है। कुंवारों को भी मकान के लिये लोन मिल
गया है यह भी मकान लेने की कोशिश में है यह
मकान देहरादून ही लेगा। राजी ने विजयनगर में
मकान ले रखी है। बड़ी प्रसन्नता होती है अभी तो
ईश्वर तुम्हें [illegible] हमारे बच्चों ने भी मकान बनवा लेंगे
यहां नहीं हमारी जिन्दगी में बना भी लोगे।

यह अच्छा है अब वहां का मौसम ठीक हो गया है यहां
पर तो अब गर्मी पड़ने लगी है हम अब बाहर छत पर
सोते हैं। यह जान कर खुशी होती है कि गुड़िया का काम
ठीक चल रहा है और उसको कोई परेशानी नहीं है। बेटे
धीरे २ सब सहूलियत हो जायेगी। तुम्हारे बाबूजी ने
रुपया भेज दिया है उन से पता है। बस ठीक पहुंच जाये

कुमार परसों रात को आया था इलाहाबाद
से १४ दिन में आया है और कल ही लखनऊ चला गया
है वह तो ऐसा ही फिरता रहता है। बेटा मैं तो कुछ भी
नहीं करती हूं। कुछ याद ही नहीं है बस मन का लगाने का
कुल है बेटे सदा प्रसन्नचित्त रहो। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी प्रकाश वती

मेरठ/सिटी
२६/११/६२

प्रिय बेटे मोहन अपनी दादी का बहुत सा प्यार

तुम्हारा लिखा पत्र हमको २८ ता० को
मिल गया है पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुवे। हम यहां
पर ठीक हैं। तुम सबों की कुशल ईश्वर से सदैव चाहती
चाहता हूं। बेटे अपने घर की बहुत याद करते है और
पता चल गया है तुमने जिस समय हमको पत्र लिखा है
और पत्र में भूल कर दुखी होकर न तो पत्र खुद ही
आप सा लगता है। तुम सारे घर की इतनी चिन्ता न करो
करो हम तो पत्र जल्दी २ ही लिखते रहते हैं हमारा एक पत्र
२० ता० को लिखा हुआ तुमको मिल गया होगा।

यह जान कर प्रसन्नता होती है कि तुम्हारे पौर
होने लगे हैं पता नहीं कुलसुम क्यों नहीं है।
हमने पिछले पत्र में तुमको लिखने वाले को स्वेटर
भेजा ही है। आशा है कि तुमको मिल गये होंगे।
यदि कुछ जरूरत होगी तो लिख देना हम और स्वेटर
भेज देंगे। तुम्हारे बाबा जी के पैर में दर्द तो अभी
बढ़ रहा है पता नहीं क्यों ज्यादा ही बढ़ रहा है
मेरी तबियत तो बड़ा ठीक ही है। तुम हमारी इतनी चिन्ता
क्यों करते हो। अपनी तन्दुरुस्ती का ध्यान रखा करो
यहां या तो या भगवान को कुछ तकलीफ देना चाहे
तो उसके आगे सब बेकार है अब यदि यहां या रहे
को तो तुम्हारे सिर में तकलीफ है। मोहन रुपये
रेखा ठीक हो जाय तो लिखना कि हम यहां
से स्वेटर भेजें २ पहिने के ज्यादा लग जाते है

अब हमारे तुम्हारे बाबा जी ने बन्द नहीं है क्योंकि
ज्यादह खराब है लिये लेकिन इससे नुकसान होता है
अब इसके डाक्टर जो दिलवायेंगे। बेटे हम चीजें बना
तो लेते हैं लेकिन ब्रेकफ़ास्ट में बनाने के लाने में जाना
भी अच्छा नहीं लगता है। और बनाने को भी मन नहीं
करता है। बेटे ऐसे ही दिन ईश्वर ने चाहा तो जल्दी
ही निकल जावेंगे अब [illegible] साल में चल दी जायेंगे
बस तुम सब वहां पर ठीक रहो ईश्वर से हमारी यही
प्रार्थना है। तुम्हारी फोटो खुल कर आ गई होगी इसको
भेज देना। जब फोटो खिंचवावेंगे तो तुमको अवश्य
भेजेंगे। अब तो तुम्हारी छुट्टियां होने वाली होगी
तुम छुट्टियों में क्या करते होगे। तुम हमारी ओर से
कोई चिन्ता बिल्कुल मत करो। हम तो यहांपर
बिल्कुल ठीक हैं और परेशानी नहीं है। बस अब
यहां परेशानी ज्यादह लगती है। तुम लोगों की याद बहुत
आती है। फिर तुम वहां पर खुश रहोगे तो हम भी
यहां पर खुश ही हैं।

यह जान कर प्रसन्नता होती है तबियत
ठीक है।

पत्रोत्तर (शीघ्र ही देना)

३० ता० को दिन भटनागर जी
४ बीघे [illegible] जो रहते हैं
उन्होंने भाग अचानक रायाधरा।
२४ घंटे की खबर नहीं है।

तुम्हारी अम्माजी (मम्मी)
प्रकाश वती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

29.4.78

बेटी गुड़िया। खुश रहो।

तुम्हारा letter पहले हफ्ते में मिला था। time ना मिलने की वजह से तुम पिछले हफ्ते से नहीं लिख पाई। [illegible] ही मैंने [illegible] और शीनू से कह दिया है कि वह तुम्हारा सब हाल लिखते रहेंगे। तुम्हारे पास इतना time नहीं है। तुम को अब शायद काम पसन्द आ गया होगा।

और अब काम लिया है तो
करना ही है। तुम्हारे Meerut-
University का marks sheet
आया है। उस ही cover में
इस के साथ है, भेज रहा हूँ।
शायद वहाँ कुछ काम
आसके। और जिस को
किताब वगैरह की ज़रूरत
हो लिखना भेज दूंगा।
इस में कुछ सोचने की
ज़रूरत नहीं है। मुझे तो
तुम्हारे काम में खुशी होगी

तुम्हारा बाबा
Daddy

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

29.4.78

My dear Sushil

I received your letter of 19.4.78. Aggarwal has informed me that he had received the papers from you and that he has filed the papers and that the work is now complete.

I have received the mark sheet of Gudiya from the Registrar Meerut University and the same is sent in the same cover redirected to your address. I have sent your spectacle by post-parcel by Air on .4.78 hope

you will receive the
same in time. Dr
Raghu Pd tells me
that the specs are
of the same quality
as you had asked
him when you
were here. I was
under the impression
that you had the
specs of invisible
Bifocal dots. However
if you want I shall
ask him to prepare
another one.

yours affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

29.4.78

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा letter मिला। तुमने
तो time बताने के लिए घड़ी
भी letter में बना दी।
बहुत सुन्दर थी वह।
तुम्हारे सर की खुश्की
के लिए दवा भेजी थी
और भेज रहा हूं। चार
गोली हफ्ते में एक बार
खानी है। गरमी में तुम
को गरमी से बचना ठीक
रहेगा। और जो बात हो तो
लिखना दवा भेजदूगा।
तुलसी के पौदे बड़े नहीं रहे
मालूम नहीं वहां क्या

बात है। वह तो एक बात के
पूछे बड़े हो जाने थे।
तेरे घर में से बयाना पूछा
होगा। यहां तो बहुत प्रकार
तरह के पौदे लगा है जिन्हे गुलाब
सदा बहार तुलसी वहां लाल
पुराने और Pink. रंग का
Pink (वह लाल) सफेद और
लगाया है उस का फूल सफेद
है। उस के बीज मैं ने एक बोतल
के बाहर के साथ भेजे हैं।
तुम मेरे पैर की चिन्ता छोड़ दो
एक तो यह केवल हिसाब
तकलीफ को देता था। थोड़ा
तो चलना ही है।

तुम्हारा [illegible]

मेरठ सिटी
६।५।१९६८

प्रिय चिरंजीव गुड्डू तुमको हमारा बहुत सा प्यार
तुम्हारा २२ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको
४ ता० को मिला है। पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए।
यह जान कर तुम्हारे पत्र से बड़ा दुख होता है
कि तुमको वहां पर पढ़ने में बड़ी परेशानी होती है वहां
की पढ़ाई बहुत ही कठिन है। खैर अब क्या करा जावे।
धीरे धीरे तुमको वहां की आदत पड़ जावेगी। यहां पर
बी. ए. के की परीक्षा १२ अप्रैल से शुरू होगी
तुम्हारे पास नीरज का पत्र आया होगा वह शायद परीक्षा
देकर शुरू मई में लखनऊ आ जावेगा। फिर देखो
कब नौकरी मिल जाती है। पप्पू की परीक्षा शायद अक्टूबर
तक होगी। मैंने तुमको शायद पिछले पत्र में लिखा था
कि इलाहाबाद वालों की लड़की जया ने कलहेड़ा से बिना
जाने ने अपना लिया है इस हालत में ही। तुम हिम्मत
करके अपना पढ़ाई करते रहो सब ठीक ही होगा इतना
चिन्ता क्यों करते हो। जैसा कि तुमने लिखा है हम लोग घर
से क्या करना कर सोचा ने घर पर आवेंगे तुम गए थे
क्या और घर से क्या करना कर लेंगे थे। ऊषा ने तुमको पत्र
तो लिखा था मिल गया होगा वह तो बिचारी ऐसे ही रहती है
अभी परीक्षा का निश्चय नहीं हुआ है कब होगी। कल तुम्हारे
नाना जी चिन्तू आदि से बताते थे कि कल तुम्हारी याद
आती रही तुमको बहुत अच्छा लगते हैं। पता नहीं कहां पर भी
मिलते हैं। यहां पर सब्जी लेने जाना पड़ता है या घर पर

ही बेचैन आ जाती है। सरोज ही घर का सामान लाती होगी

कुशल को तो कुछ ही दिन ही बाजार जाने का समय मिलता

होगा। अब हमारे पास स्कूल की नेकलें और ... लिये

लिये हैं तुम्हारे लिये कुछ रुपयों से स्वेटर सील के

पास रखकर लिये हैं। यहां पर सील से भवन मिलते

होंगे इसलिए वो नहीं है। ऐसे तो नाव चलाना लिये

नौका तुम्हारे पास है ही। तुम्हारा टी. बी. में तो किताबें

भी मिलकर नहीं जाती होगी। और तुमने तो बी. बी.

देखने को समय ही नहीं मिलता होगा। अब दूसरे

बालों की हालत ठीक नहीं थी। ये दोनों वे

आजकल से पक्ष जाता है यहां पर सब ठीक है। कल किसी

बाल को तो नहीं मांगने और से बहुत कुछ है पता नहीं

क्यों होता। अब तो नल चलाना भी है नहीं। ... ही होगा

पर लड़की बहुत ही तेज निकली है। यहां पर सब ठीक

रहते हैं रे तुमको लाल रंग पिटवाली थी। और डालती थी

लेकर मदन घर को जाते हैं। सब काम भी चलते हैं। बहुत ही

ठंड होता है। अब तो यहां पर भी गर्मी पड़ने लगी होगी

लिखने दिन से कोई मकान का समाचार नहीं मिला है

और सबको शुभ पता होना किस्मत ... पहले

ही सब ठीक नहीं होगा। नई जगह में परेशानी हो रही

है। सो ठीक होगी।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। कुशल लोगों को

हमारा आशीर्वाद।

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाश वती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
६।५।१९६८

प्रिय बेटे शैल, तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार
तुम्हारा २४ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको ४ तारीख को
मिला है। कल सुशील का पत्र भी तुम्हारे बाबूजी के
पास आया है। यह जानकर चिन्ता हुई है कि पत्रा [illegible]
गया है। रोजा [illegible] आरम्भ होती है। उसकी परीक्षा वालों पर
कर समाप्त हो जायेंगी। फिर ६ हफ्ते की छुट्टियां होती है फिर
पता नहीं उसको कब तक नौकरी मिलेगी। तुम्हारे बाबाजी
का पैर जो टूटा था ऐसा ठीक रहा है पर अगर ज्यादा पैदल
चलते हैं तो पैर दुखने लगता है। साइकिल पर तो पता
नहीं चलता है। मेरी तबियत तो बिल्कुल ठीक है। तुम्हारे
सिर के लिये दवाई भेजी थी दिन गर्मी होगी दवाई से अब
कुछ फायदा भी है। तुम रात में [illegible] में बैठ की पालिश
कर लिया करो अब गर्मी आ गई है ठीक रहो यही चिन्ता
है। बाबा का चेहरा [illegible] से पत्र आया था। चित्रा बहन का २५ को
ने पेपर हो रहा है। [illegible] है तो तुम्हारा रोल नं०
लिख कर ४ ही थी लेकिन [illegible] हो गई अब पता नहीं
फिर कितने दिन का जायेंगे तुमने ऐसा नहीं पर
खरीदा होगा। अब तो तुम्हारी स्कूल की छुट्टियां होने
वाली होंगी। यदि हमने फोटो खिंचवाई तो तुमको अवश्य
भेजेंगे और फोटो [illegible] क्या [illegible] तुम्हारे पास हमारा फोटो
तो है ही) जब तुम्हारी फोटो ठीक होकर आ जायेगी हमको
भेजना। तुम्हारी सबकी फोटो देखने को बहुत मन कर रहा है

पता नहीं अब कैसे लगते होंगे।

तुम्हारे नम्बर तो अच्छे ही आते हैं ख्याल तो नहीं है। वहां पर ड्रेस कुन्द वगैरा मिलते हैं या नहीं मैंने ते ड्रेसिंग के ड्रेसर कुन्द की बेड को लिया था वहां पर मिलती है या नहीं। यहां पर तो ले जाने को पैसे न दिया था और नीलम ने नीलम वगैरा यहां से कैसे मिलते हैं। अब तो तुम कश्मीर वगैरा भी घूमने गये होंगे। यहां पर दसवीं की परीक्षा समाप्त हो गई हैं।

मुकेश की बहू के जो नाना जी (ओमप्रकाश जी) की मृत्यु हो गई है। कल से तेरही है शायद देहरादून से आज कोई आये। तुम अपना ध्यान रखना।

मेरे तुम लोगों की बहुत ही याद आती है वहाँ तुम्हारा कमरा है वो पंखा भी चिढ़े हैं देखा करती भी है लेकिन तुम्हारे ना होने से बड़ा सूना सा लगता है। अभी तो आठ महीने ही बीते हैं। हमने कहार को ताली रखी थी वह सोना और दो जोड़ बालियां ३०) में बेचदी है आराम बालियां सब टूट गई थी कुछ लाली ओढ़क तुम्हारी दो बालियां बहार रख ली हैं।

तुम पत्र जल्दी ही लिखते रहना।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

तुम स्वेटर से जेबें कटवा लेना होगा लेकिन जो नहीं तो अच्छे लगते होंगे और अब रहनाम भी हो गये होंगे। देहरादून से कोई नहीं आये हैं।

CHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

6.6.78

बेटी गुड्डो खुश रहो

तुम्हारा पत्र मिला
तुम्हारी पढ़ाई तो
चलती जाती है। History
व Geography वाला मैं
यहाँ नहीं पढ़ा था बहुत
दिनों में। वहाँ
तो किताबें मिलती
होंगी। लिखना,
कोई किताब यहाँ
से जरूरत हो तो
भेज दूंगा। तुम

वहाँ हो पर मैं यहां से
जो भी तुम्हारे वास्ते
कर सकता हूं करूंगा
है । है मुझे कुछ
परेशानी नहीं होगी ।
इस में हिचकिचाया
करना ।

तुम्हारा बाबा

तुम्हारे भेजे हुवे
रुपैय के स्टाम्प के
बदले मंगा लिये हैं

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

6.5.78

My dear Sushil

Recd. your letter of 25.4.78. I have already sent the sheets by post by Air. After receipt of yours yesterday I am trying to contact him daily to see if he can take something from me.

Yes I have taken up oath Commission very reluctantly. I liked the Survey work which was independent

but because of my leg I could not continue. The Oath Commission work is only for three hour in a week. It can give monthly Rs.100/- near about. I don't like this but have to do something.

with love
yours affly
Dad

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

6.5.78

बेटा शैला, खुश रहो।

तुम्हारा पत्र मिला था। आम के पौधों का कुछ भी नहीं लिखा। तुलसा कुछ बड़ी हुई या नहीं। और पौधे कैसे चल रहे हैं।

यहां धूप व गरमी काफी हो गई है। बारिश बिलकुल नहीं हुई। लू चलती है। वहां तो कुछ ठीक होगा। यहां कुछ दिन हुवे जुकाम र

अहमदाबाद से वापस

मैं आया था। रात को

खाया अगले दिन शाम

को खाया गया था।

मेरे पेट का तो खूब

यही हाल रहता है

उस की कुछ चिन्ता

क्यों करते हो। अब

तो यह बरदाश्त करना

ही पड़ेगा

तुम्हारा

बाबा

जयपुर

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२०।५।१९५८

प्रिय बिटिया गुड्डो तथा बुन्नो इमरत बहुत बहुत प्यार

तुम्हारा पत्र आया था इसका उत्तर मैं इतने दिनों न भेज सका क्योंकि रोग में रहा था। तुम्हारी एक चिन्ता मिल गया होगा। अब तुम्हारा पत्र इतने रोग से इतने नहीं लिखा है देखकर प्यार करके हम पत्र लिख रहे हैं। हम यहाँ पर सकुशल हैं आशा है कि तुम सब भी सकुशल होगे। हम लोग श्री ईश्वर से सदैव भला चाहते हैं। तुम्हारी पढ़ाई व लोगों की बात सब ठीक चल रहा होगा। यहाँ मंजु अनुपमा भी। उनको कहने और उनके की जब आ जाती है तो उनके टेर को घर में रौनक हो जाती है। मैंने उनको तुम्हारे कपड़ों के जो पलंग लगाए हैं उन्हीं में उनको बाद मिला है जो बिल्कुल बड़ी खुश रहती है। उषा की परीक्षा अब इतवार से शुरू होगा। सबकी परीक्षाएं पीछे को हट गई हैं।

यह बात को अलबत्ता होती है कि जब तुम्हारा मन अपने काम में लगने लगता है। तब जगह ठीक है सोमवार को भी अभी चार दिन हुए पत्र आया है। लड़की मिली। १५ मई को चेहरा लगा रही है। और चेहरा को ठीक तथा समाचार रहे हैं।

तुम्हारे बाबा जी ने अभी दर चल ही रहे हैं।

अब तो यहां पर काफी गर्मी पड़ने लगी है
वहां पर भी अब गर्मी पड़ने लगी होगी लेकिन
वहां पर पंखा तो शायद नहीं होता होगा तो पंखा
चलाना पड़े। तुमने लिखा था प्रमोद ने दो पंखे मंगवाये हैं
लगाए होंगे। लेकिन तुम लोगों को तो अन्दर ही सोना
पड़ता है। इधर अभी तो इतनी गर्मी नहीं पड़ी बाहर
होगा पार्क वाले लोगों को तो सब खराब ही होगा।

बच्चों में तो उपेन्द्र नगीना आते रहते हैं
घर पर बहुत दिन से नहीं आये हैं।

तुम अपने खाने पीने का ध्यान रखना।
इधर भी उन लोगों ने बच्चों को शायद कर देते
के पैसा है वही गांधीनगर है वही विचार की लोगों
को जनसंख्या देखते हैं तो देते हैं वहां पर यह लोग
रूप पैसे में बिक जाते हैं। और तो कोई पेशा तो
नहीं है कहीं मन नहीं लगता है। रोज रात ने कुछ पेपर
को मुश्किल से बिताती हूं। और फिर तुम लोगों
की याद आती रहती है।

लोग कुशल होंगे। इन दोनों को
स्नेह आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
इन्द्रावती

[illegible] RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२०।५।१९६८

प्रिय बेटे शैल तुम्हें [illegible] बहुत सा प्यार

तुम्हारा [illegible] आ इससे ऊपर [illegible]
पत्र में तुमने अपने नम्बर लिखे थे। अब नहीं लिखे
तुम्हारा पत्र नहीं आया है इसलिए मैं यह पत्र लिख
रहा हूं। तुम इम्तिहान पास हो गये होगे। तुम्हारा रिजल्ट
आ गया होगा और अब तुम्हारी छुट्टियां होने वाली होंगी
तुम्हारे नम्बर तो बहुत अच्छे आये हैं। [illegible]
है कि हमारा बेटा खूब अच्छे नम्बर से पास हो जावे
[illegible] सुबोध का पत्र भी आया है संतोष भी बहुत अच्छे
नम्बर से पास हो गया है ७५ परसेन्ट हैं [illegible]
है सुरेश का अभी रिजल्ट नहीं आया है।

तुम अपने शरीर का ध्यान रखना अब गर्मी
आ गई हैं यहां डर है कि कहीं गर्मियों में [illegible]
हो जावे इसलिए थोड़ा [illegible] रहना। तुम्हारे चाचा जी ने
[illegible] तुम्हारे [illegible] उनके तुम्हें
[illegible] है। तुम दिन में [illegible] थोड़ा
सो लिया करो।

अब तो गर्मी में खूब घूमने जाते रहते होंगे
अब तो तुम्हारे पापा [illegible] नहीं रहे होंगे। हम तो
यहां पर [illegible] होते रहते हैं। [illegible] हमारे बच्चे गर्मी

लोगों में खूब घूमते हैं। अब तुम्हारे यहां भी

खूब बढ़ने लगे होंगे और अब ~~[illegible]~~ गुलजारी

कुछ बड़ी भी है। यहां पर भी खूब फूल हो रहे हैं

और गुलजारी भी खूब हो रही है। यहां पर शायद

पौधे तो खूब लोगों को लगाती नहीं होगी।

गुड़िया को बिचारी को बहुत ही याद रहती है

इसके तो बड़े दिन में ही लिखा होगा।

तुम्हें तो गुड़िया की पढ़ाई के बारे में अब

बहुत चिंता रहती है, ऐसा ही है अबतक

सब लिखते रहते हैं और यहां पर कुछ बात भी नहीं

है।

अब पत्र जल्दी लिखना [illegible] तुम्हारे

पत्र [illegible] [illegible] [illegible] लिखता है [illegible]

तो [illegible] ही [illegible] रहते हो।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

10.5.78

आशीषु प्रिय खुश रहो।

तुम्हारे exams खत्म हो गये होंगे तुम्हारी पढ़ाई वहाँ की काफी कठिन मालूम होती है। Subjects भी बहुत हैं। तुम्हारा जो maths का paper कुछ गलत हो गया था उस का क्या रहा। यहाँ तो exams का बहुत झगड़ा चल रहा है। University के सब ही exams

स्कूल बन्द पड़े हैं। शायद
१ जुलाई से होंगे। कभी
२९ मई से होने को लिखा
था पर Teachers ने कहा
कि छुट्टियां नहीं जावेंगी जो
हमें ५·८·७८ से हैं। एक
लाड़के झगड़ा करते हैं कि
इस में उन का नुकसान
होगा। मास्टर को
तो तो बात आई students
और teachers में।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

10.5.78

My dear Sushil

No letter from any of you for a week. I hope you are all well & that the delay is due to bag service. You must have recd the Spectacles by now. I enquired about Mrs Jolly who was going to your place. Mrs Julian & Mrs Goelware

of the view that
Mr. Jolly should
not be contacted.
They convey to me
the information that
Som Sio is to go
to your place in
the next month &
he would take some
things from me for
you. With love
Yours affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

10-5-78

बेटा हेमू रेखा खुश रहो

अब की बार तो हम तुम लोगों के letters की इन्तज़ार करते ही रह गये तीन दिन से इन्तज़ार था पर नहीं आया। Dak में शायद देर हुई हो पर फिक्र हो जाता है तुम लोगों का। आशा है सब ठीक ही होगा। गुड़िया के तो exams चल रहे होंगे इस लिये तुम ही सब को

ठीक से खाते रहना।
अब तो काफी गरमी
हो गई होगी वहां भी।
तुम्हारे दोनों का क्या हाल
है। कुछ दिन पहले सरोज
ने लिखा था गुड्डू परेशान
है तुम्हारे। दवा मैंने भेजी
थी। अब जो हाल हो
लिखना। तुम्हारे लिए
शेर जैसे गुड्डू वाले फूल
के बीज भेज रहा हूं थोड़े से

तुम्हारा बाबा
[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 5.11.1978

बेटा शन्नू। खुश रहो

तुम्हारा 23.10.78 का

लैटर मिला। उसमें सोनू की

लिखे गये भोजन हमने

यहां नहीं अपनाया। वहां के खाने

का मेला रहा। यहां तो

हमने जो ~~खा~~ खाया घर

बनाते थे वह वैसा ही

कागज का एक तस्वीर

की तरह शीशे में

जड़ कालिमा है वह ही

रख कर पूजन करो निता।

नीरज यहां प्रयाग आया था

कल। यहां से दो दिन

हुए वह Delhi चला

गया है यहां से Lucknow

जावेगा। तुम्हारी पढ़ाई

का क्या हाल चल रहा

है? कुछ परमानंद तो होगी

हो। तुम्हारा बाबा

[illegible]

मेरठ सिटी
२४/५/१९६८

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

प्रिय बिटिया। सुखिया तुमको हमारा बहुत सा प्यार।
हम यहां पर ठीक हैं। तुम सबकी कुशल
ईश्वर से सदैव भली चाहती हूं।

तुम्हारा ३०ता० का लिखा हुआ पत्र हमको १२ ता० को
मिला है पत्र पढ़ कर प्रसन्नता हुई और सब समाचार मालूम
हुए। हमने एक पत्र तुमको २२ता० को बैग से डाला है
मिल गया होगा। बिटिया तुम्हारे बड़े २ पत्रों को देख कर हमको
तो बड़ा अच्छा लगता है और यह लिखना तुम्हारा बिल्कुल ठीक
है तुम्हारा पत्र लिखना भी हमको बहुत ही अच्छा है यह तो
तुमको जरूर निश्चय कर लिखना ही पड़ेगा। क्योंकि अब तो उन
पत्रों का ही सहारा रह गया है मगर भी पत्र आने में देर हो जाता है
तो बड़ी परेशानी सी लगती है। मेरा ख्याल है कि तुम जल्दी २
पत्र लिखती होगी। यहां पर छोटे [illegible] देते हैं
मैं तुम्हारा पत्र तुम्हारे बाबा जी से सुन लेती हूं। क्योंकि
अंग्रेजी में बीच बीच में लिखा हुआ जो होता है। और तुम्हारी
अम्मा जी अंग्रेजी जानती नहीं है। अब तो तुमको खूब बोलने
का अभ्यास हो गया होगा क्योंकि वहां पर तो खूब बोलना
पड़ता होगा। फिर अब तुम खूब चतुर हो जाओगी। हमको
तो बहुत ही मन करता है पता नहीं अब कब सब कैसे
लगते होंगे लेकिन अभी तो बहुत ही दिन हैं पता नहीं यह
दिन कितने दिन में बीतेंगे। देखने में तो बहुत ही अच्छा
जरूर लगता है।

अनिरुद्ध अच्छा है घर पर आना जाना लगा रहता होगा पर
जाती हो। कल से तो बहुत मेले लगते होंगे। वहां पर
रास्ते में दूसरे लोगों को मिल जाता है तुमने लिखा
कोई भी अच्छा तो नहीं लगता होगा। लेकिन उनको
फायदा होता है। सातों दिन पर नहाकर लोग रहते हैं
होगा। बहुत भाई ने अनिल जी को पत्र लिखा
है उसका नहीं आया है सोमेश सुशील ने उनके पत्र का
उत्तर दे दिया होगा। तुम अपने स्कूल वालों को सब
कोई लिखती हो या नहीं। उषा मौसी तो ठीक है पत्र देते हैं
नहीं मिला होगा उन लोगों को पत्र लिखने को इतना
नहीं है। यदि हिन्दी की पिक्चर आती है तो तुमको देखने
का समय नहीं मिलता है। जैसा कि यहां पर तुमको
पिक्चर देखने का शौक था वह सब वहां जाकर खतम
हो गया है। अच्छा है निशा तुम्हारी पढ़ाई ठीक हो गई
और सब अच्छे नम्बरों से पास हो जाओ। तीसरे नम्बर
यहां पर भी आया है उसको भी आज पत्र लिखते हैं। तुम्हारा
नौकर लोग सब अच्छे हैं और तुम्हारा बहुत ध्यान रखते हैं
सुशील गया देर से गया तो वह तुम्हारी मदद से रहे ही
वहां से [illegible] में भी रहा बढ़ गया है। अब तो यहां पर
खूब गर्मी पड़ रही है। वहां पर भी देखो [illegible]
पड़ती है क्या। आज लोग पहुंचे भी नहीं भी निकले
पास भी गुड़िया का पत्र आया है। प्रिय सुशील नरेश को
ढेर सारा प्यार।

जवाब शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्मा जी
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२७।५।१९६८

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २०।४ का लिखा हुआ पत्र हमको २४।५
को मिल गया था पत्र से सब समाचार मालूम हुए
हमारा पत्र भी तुमको मिल गया होगा। हां बेटे तुम ठीक
ही लिखते हो शैल कि जब हम हमेशा पास में ही रहते
थे कभी भी अलग नहीं होते थे बहुत ... से बहुत
ज्यादा रहते को चले जाते थे तो सारे को देखना
देखती रहती थी। ऐसा प्यार बनाया था कि जैसे अब
इतने लम्बे समय के लिये हमसे बिछड़ गये हो। अब तो
ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सब वहां पर ठीक रहो
और फिर वह दिन शीघ्र ही आवे जब फिर हम सब पास में
रहें। अभी तो तुम्हारे आने को बहुत ही लम्बा समय है
पता नहीं कैसे बीतेगा। मेरा तो ज़रा भी मन नहीं
लगता है तुम्हारे बाबाजी साढ़े दस बजे कचहरी चले जाते हैं
उनको तब का समय बड़ी मुश्किल से बिताती हूँ। बाहर
भी तो कोई जाने को नहीं होता है। मैं ईश्वर से यही प्रार्थना
है कि वहां पर तुम सब खुश रहो और वह दिन भी
तुम्हारे आने का शीघ्र ही आवे लेकिन अभी तो चार साल
में लगता है। पता नहीं कैसा लम्बा समय बीतेगा

सुशील का परचा मिल गया होगा तुम्हारे बाबाजी
ने आज ही भेज दिया है पता नहीं कौन सी पहुंचा है।
अभी दिनेश के सुशील के कालेज का पत्र नहीं आया है—

तुम्हें स्टेशनों पर पैदल चलाने की आदत
पड़ने वाली होगी। तुम अपना गर्मी का ध्यान
रखना। जल ज्यादा पीते रहना। यहाँ पर तो अब
बहुत गर्मी पड़ रही है। यहाँ के लोगों को कुछ करने के
मिलने का समय ही नहीं। जितना है सब अपने काम में
लगे रहते हैं। यहाँ पर घड़ी एक आगे पीछे कर
देते हैं। यह तो हमने यहाँ पर सुना है।

तुम्हारे पास क्यों नहीं आते हैं अब तो लगभग छः
माह बहुत दिन हो गये हैं। हम दोनों की तबियत बिल्कुल
ठीक है। तुम हमारी ओर से चिन्ता मत करना।
तुम अपना ध्यान रखना क्योंकि अब तो तुम्हारे स्कूल
बन्द होने वाले होंगे। मेरे स्वामी हाल तक पत्र आया
जो पत्र लिखने की जगह से कपड़े और जागना पड़ता है
और पत्र लिखने का समय कुछ रात में ही मिलता है।

अब हम पजामी लगा कर नहीं सोते हैं पजामी से
गर्मी सी लगती है जैसे पसीना बहुत है। तुम लोगों को
तो अन्दर ही सोना पड़ता है। बाहर तो सोने की
जगह ही नहीं होगी। सरोज की तबियत ठीक होगी
यदि सरोज वहाँ है तो उनको पत्र भेज देंगे।

प्रिय सुशील सरोज को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती
(दादी माँ)

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

14.5.78

बेटी गुड्डी व प्यारे बच्चों खुश रहो।

30.4.78 का तुम्हारा letter मिला। तुम
ने अपनी anniversary को
पूरा होने लिखा था। इसकी
तरह लिखना ठीक था कि हम
को सब हाल मालूम होता
रहेगा। मालूम नहीं वह
manage कैसे इस तरह
रुपया २ का करता है।
इस को भी लिखना।
तुम होशियारी से काम करती
हो सो करती रहना।

Usha ने कुछ दिन हुवे
तुम को letter लिखा था
मुझसे पता भी लिखा
था शायद पहुंचने में देर
होगई होगी। अब तक
पहुंच गया होगा। यह
लोग ज्यादा letters तो लिखते
हैं नहीं पर तुम को जरूर
लिखते रहते हैं वह। Alka
के जाने और शादी का यहां
हमारे पास कोई कार्ड नहीं
आया था तो हम नहीं गये
थे।

तुम्हारा ताऊ
चनपत

CHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

14.5.78

My dear Sushil

We have recd letters from children and are glad to know you are alright. We have received an acknowledgment in your name from Awas Vikas Lucknow. This appears to me for some letter sent by you. I keep it here and can send the same to you

if required there
we have not recd
any information regarding
the progress of your
case concerning the
plot. I hope
Agarwala will be
doing the needful
in the matter, though
he has not come
to us since the
time of the paying
of money. with love
yours
[illegible]

14.5.78

बेटा बैजू ! खुश रहो

तुम्हारा letter 1.5.78 को
मिला। तुम ने अपना कुछ
भी हाल नहीं लिखा। अब
गरमी हो गई है तुम्हारा क्या
हाल रहता है गरमी में? वहां
तो ज्यादा ही लगना होता
है। क्या हाल रहता है?
बेटा मेरे पैर की फ़िक्र छोड़ो
यह तो अब इस तरह ही
रहेगा शायद। अब तो
धीरे 2 लंगड़ा सा ही चलना
है। वह चाल जो तुम देखते

GHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

से सुख नहीं होगी। इतना
ही काफी है अगर तुम्हारे
वापिस आने तक इतना भी
चलता रहे। हां इस की वजह
से ही बाहु को कमीशन का
काम छोड़ना पड़ा। देखना
है Oath Commission का काम
कब तक कर सकूंगा। यह
एक साल के लिये ही है।
हफ्ते में एक दिन तीन छः
का काम होता है। कुछ तो
करना होगा इस वास्ते यह
लिया था। वैसे इस हालत में
कचहरी का काम भी मुश्किल
है।

तुम्हारा बा.बा.
[illegible]

प्रिय चि० शुभदा तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

श्रीमान सतेन्द्र सक्सेना ने दो पत्र १५ता० को एक साथ दिये हैं। इन पत्रों में तुम्हारा पत्र नहीं था शायद तुमको समय नहीं मिला होगा। फिर कोई बात नहीं है सबको के पत्र से हाल तो मिल ही गये हैं।

१५ता० को चिंटू का भी पत्र आया है उसने लिखा है कि उसको १०-१२ दिन से बुखार आ रहा है इसलिये शुभदा का पत्र आया था उसके पत्र का भी जवाब नहीं दे सकी हूँ आशु मेरठ से पास हो गये हैं। और २०ता० तक लखनऊ पहुँचने को लिखा है। और लखनऊ का पता भी नहीं दिया है। बड़ी चिन्ता लगी रहती है।

तुम्हारा बेटा मेरे बाल भी पकड़ लेता होगा अमर बाबा पर कुछ ज्यादा रोता है या नहीं। अब तो तुम्हें अकेले रहने की आदत पड़ गई होगी क्योंकि साथ पढ़ाई को नहीं बाहर जाना पड़ता है। अम्मा ने पत्र डाले रहते होंगे। उनको लखनऊ से निगाह रखने का पता नहीं जब मेला है। अनन्त लिखाई भोगना बाकी है दिन कट ही जाते हैं।

चिंता कुछ लोगों को बहुत ही याद आती है पर नहीं वह दिन कब आयेगा जब सब मिलेंगे कि एक साथ रहना था रहे हैं। बहुत दिनों पर कुछ लिख रही हो और यहाँ पर देखो सुबह से दिन जल्दी ही बीत जाते हैं। तुम्हारा पता ठीक चल रही होगी। शुभदा व बालों पोते होंगे सोचो इस ओर से तुम्हें बहुत ही याद करते हैं। हम यहाँ पर ठीक हैं।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

मेरठ सिटी
२७।५।१९६८

।३

प्रिय सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा १ मई का लिखा हुआ पत्र हमको १५ ता को मिल गया है पत्र को देख कर बड़ी प्रसन्नता हुई कि तुम्हारा भी ठीक समय से पत्र आया है। हम यहाँ पर ठीक हैं। तुम सबों की कुशल ईश्वर से सदैव भली चाहती हूँ। हमारा पत्र भी तुमको मिल गया होगा १५ को तो एक पत्र तुम्हारा व शेखर का और दूसरा कुशल शेखर का दोनों एक साथ २२ ता को मिले हैं कभी कभी पहले ही कम में गड़बड़ हो जाती है पता नहीं और कभी कभी पत्र आने में देर हो जाती है तो चिन्ता हो जाती है

मैं तुम्हारे पत्र से यह सोच होकर बहुत चिन्ता में उलझ हो रहा है कि शेखर के फिर निमोनिया शुरू होने लगा है अभी तो वहाँ पर ऐसी गर्मी भी नहीं थी वहाँ पर भी गर्मी पड़ती होगी हम तो सोचते थे कि वहाँ पर तो मौसम ठंडा ही रहता होगा लेकिन यदि वहाँ पर अधिक गर्मी पड़ी तो नहीं शेखर को निमोनिया ना फिर बढ़ जावे यहाँ पर तो यह देखते रहते थे मौसम बदल कर बुखार होता रहता है बार बार के बुखार से उसके कलेजे में चोट लगता है बिना देखे इलाज देने का डर लगता है। यहाँ का डाक्टर ने [illegible] दवाई दी तो दो ही में कैसा एक दम बढ़ गया था और तुम्हारे बाबूजी तो बहुत ही परेशान से हो रहे हैं। यही कहते रहते हैं कि पता नहीं वहाँ कैसा होगा बड़ी चिन्ता लगी है अपने शेखर वहाँ पर किसी को दिखलाया है या नहीं

[illegible]

क्योंकि शीघ्र ही देना। यहाँ पर तो अब गर्मी पड़ने लगी है।

तुम्हारी माताजी

२७।५।१९६८

[illegible]

प्रकाशवती

विनोद को पत्र लिखा यह लिखा कि [illegible] लग गई है

यह भी लिखा कि [illegible] बहुत ठंडा रहा है वहां पर तो

डाक्टर को दिखलाना [illegible] देखना पड़ता है। [illegible]

जाते हैं कि तुम्हारा बच्चा ठीक रहे यह लिखा [illegible]

तुम्हारे [illegible] से ही पत्र जल्दी ही [illegible] देगा है

और तुमको तो [illegible] से ही [illegible] का पता चलेगा

एक पत्र और देना [illegible]। [illegible] ने [illegible] वहां पर भी

[illegible] हो गया है। [illegible] में [illegible] को

[illegible] जायेगा तुम पत्र में [illegible] कर लेना। तुम्हारे

बाबूजी ने दिवाल में तो गल्ती बहुत रहती है इस लिये [illegible]

खुशी का [illegible] से ही [illegible] दिया है [illegible] है कि [illegible] ठीक

पहुंच गया होगा। और सुनिल का [illegible] ऐसा

[illegible] को [illegible] को भिजवा देंगे। उनके

[illegible] को ठीक पता चल जावे। [illegible] तुम्हारा जी

लग रहा है यह दिल्ली में उनके [illegible] का [illegible] पूछो

कि यह [illegible] जायेगा [illegible] तो यह चीज़ [illegible] ही है

तुमने [illegible] ऊपर [illegible] को [illegible] लिखा था [illegible]

से वहीं [illegible] रही होगी। वहां पर यह चीजें नहीं मिलती

है। [illegible] और [illegible] ने [illegible] वहां पर

मिलते हैं या नहीं। तुमने यह अच्छा किया है कि यहां से

अपने सब [illegible] ले गई हो। तुम्हारा [illegible]

हो [illegible] जाता है [illegible] को

[illegible] पड़ता है। कभी कभी मन ऐसा होता है कि एक बार

[illegible] देखें [illegible] है अपने बच्चों [illegible] रहते हैं लेकिन

मन मार कर ही बैठ जाते हैं फिर तुम सब वहां पर खुश

रहोगे तो हमको भी खुशी है।

गुड्डा की आंख पता नहीं क्यों यहां पर आकर कमजोर
क्यों हो गई है उसको टैस्ट करवा ही लेना चाहिये
तुम्हारे भाभीजी यहां से उसके लिये चश्मे का प्रबंध करवा
देंगे। गुड्डा तो बिचारा बहुत ही सीधा रहता है। अब तो
इसको इंग्लिश बोलने का अभ्यास हो गया होगा। दिसम्बर में
छुट्टियां हैं। यदि आप सब नेपाल हो आवें और उसके बाद
से कलकत्ता दिल्ली यहां पर तो चारों कोना भी बहुत ही पहुंचेंगे
हैं। इस अच्छी तरह मोटर से यहां की दिखाई हो सकती है
हो सकता है वे पिताजी के साथ पहुंच गए जब बहुत कुछ देखें
हैं सिर्फ देखा ना है। तुमने यह अच्छा किया है गुड्डा
के स्कूल का पढ़ाई की पढ़ाई लिखना छोड़ी हो। यहां पर
गुड्डा के स्कूल पहले तो बहुत ही लगनशील है फिर भी
इसके स्कूल में उसको ऐसा लगे है कि उसको भी पढ़ने की
ही पड़ी है अब अच्छा हो गया है सब से बढ़कर है।
यह बातें गुड्डा के स्कूल से पता चले हैं।

तुमने यह अच्छा किया साथ जाने की मशीन खरीद ली
है कपड़े में सलाई सिल रही हैं बड़ा अच्छा लगता होगा
यहां पर कपड़े की ज्यादा जरूरत नहीं होती होगी। तुमने तो
फिर भी याद रखा हुई है बहिन लोगों को अपने आप ही
सीने पड़ते हैं सिलाई का सब ही अपने आप हो जाते हैं
इस लिये बुरा नहीं लगता है। तुम्हारा समय तो सब काम
में ही निकल जाता है। क्या वहां पर भी पैसे बचाने की
आवश्यकता पड़ने लगी है। यहां पर तो बिजली की तकलीफ
रहती होगी शायद गर्मी में ठंडक को रहने लगे से थकावट
की तकलीफ ना रहे।

बीबी कमजोर ज्यादा हो गई है उनकी वजह से ही शादी में
नहीं गई थी इस बहाने से उनको भी देख आई हो।
बीबी ने देखा की दोनों गजेन्द्र की अच्छी सेवा की
वो अमेरिका में ही है शायद वाशिंगटन में ही उनका स्टोर है
इसीलिये आई नहीं पर है। पत्र पर इन्वीटेशन पर सब
होते हैं क्या पता चलता है सब अपने नाम में लिखा
रहते हैं। तुम्हारे बाबूजी ने यह नाम इसलिये लिखा है
क्योंकि पुराने लोगों को देख ही जाते हैं इस नाम से
को सब को समय दिल जाते हैं और अपना समय भी बीत
जाता है वैसे इतना शायद ऐसा ही चलता रहेगा। अब इनको
लोग भी कहते हैं रवि के शादी में बहुत ही कमजोर
हो गई थी इसलिये छोड़ दी है। मामी जी का पत्र आया है
वह लिखती है कि मैंने सुहाग को लिए कर आमी ने
लिये शाल लिया है यहां पर मैंने लिखा है और मंगाने
में कितना खर्चा पड़ जावेगा। उनको पुष्प लिख दिया
होगा मैंने तो मंगाने में तकलीफ होगी लिख देना
आदित्य अब रविवार 8 को अपनी नौकरी पर चला गया
है मेरा ख्याल वहां पर अपना काम भी देखता रहेगा। उमर
की बहू भी उधर के पास आ रही है क्योंकि अब बच्चे भी
बड़े हो गए हैं। नीलू की पढ़ाई के लिए सब तो बहुत
ही परेशान हो गए हैं। पहले पेन्शन आया था वहां पर सब
ठीक है। अभी दवाई गोली लेती तो ठीक रहा हुआ है
इतनी चिन्ता भी नहीं होती है सब अपनी बात कहने वाले
अपने आप ही जान लें। ठीक जा सकेगा। पत्र बहुत ही लम्बा
हो गया है तुम्हारे बाबूजी को आशीर्वाद।

मेरठ सिटी
१७।५।१९६८

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न रहो चिरंजीव रहो

तुम्हारा ४ ता० का पत्र हमको १५ ता० को मिल गया है

पत्र पढ़कर सब समाचार ज्ञात हुए। तुम्हारे भेजे हुए रुपयों को
पैसे देखकर बहुत प्रसन्नता हुई है लेकिन अभी तो तुम्हारा
अपना ही ठीक से ढंग नहीं बैठा है अभी तो वहां पर खर्चा ही
खर्चा हो रहा है। जब से गये हो अभी तक तुम्हारा ठीक से ढंग
नहीं बैठा है। तुम्हारा चश्मा तुम्हारे बाबूजी ने रजिस्टर्ड पार्सल से
डाक से भेज दिया है पता नहीं पहुंचा है या नहीं बस आ पहुंचने का
डर लगता है लिफाफा कृष्णचन्द्र को आ गया है उसने लिखा है तो
वैसे भोपाल जल्दी ही रहा है जब कलकत्ते का हाल ना हो है
यदि वह गुड़िया ने कपड़े का झोला वगैरह लगाई तो अच्छा है यदि
ले गई तो आप से छिन हुए बोझ रहेगा। उसने भी बताया यह है

रुपया पर बिल्कुल ठीक है जब तुम्हें चिन्ता पड़ गई
चौक देहली में नया ऑफिस शुरू हो गया है बड़ी चिन्ता लगी है
रहो उसको ... पैसे लिख दिया फायदा होगा वहां पर तो
है या पैसे ठीक रहे होंगे। अभी तो यहां पर गर्मी भी नहीं
होगी। लिखना चिट्ठी ज्ञात होता होगा। [illegible] ध्यान रखना
मैंने कि बहुत [illegible] साल बाद [illegible] आ रहे हैं। आ रहे हैं यहां
लेकिन जब आये तब भेज डालो है और सपना आदमी तक भी
रहने लिखाई [illegible] भेज देंगे। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्माजी
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A. LL.B. PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२०।४।६८

प्रिय बेटे रोब तुमको प्यार बहुत सा प्यार।

बेटे तुम्हारे दोनों पत्र एक ३ ता० का और एक ४ ता० का इधर २५ ता० को मिले हैं दोनों पत्र एक साथ देखकर बड़ी उलझन होती है जाने क्यों तुम्हारा पत्र आने में देर हो जाती है तो चिन्ता हो जाती है वैसे पत्र तो बराबर आते ही रहते हैं लगभग में देर हो जाती है। यह जानकर बहुत ही चिन्ता व दुख हो रहा है कि तुम्हारे लिए [illegible] बड़ा शुरू हो गया है इसके कारण से ही तुमको इतना कष्ट होता है। तुम इसके बारे में रहना तुम्हारे बाबाजी बहुत ही दुख पा रहे हैं कहा है कि यहां पर तो मैं देख रखता इसके देखा रहता क्या करूं मैं इतनी दूर हूं तुम भी अपने बच्चे के लिए कुछ भी नहीं कर सकता हूं। तुम अपने सेहत का ध्यान रखना। अप्रैल आ गई अब तो वहां पर तो बच्चा ठीक रहेगा लेकिन गर्मी भी गर्मी बाद फिर शुरू हो गया वहां पर गर्मी भी पड़ती है तुमने यह लिखा है कि अब गर्मी है ईश्वर से प्रार्थना है कि ठीक रहो। मेरे तुम बाबाजी ने बेटा का दर्द भी इतनी चिन्ता मत करना ऐसी ही कोई बात नहीं है सब ठीक ही है। हम तो दोनों सब बिल्कुल ठीक हैं। सब तुम लोग वहां पर ठीक रहोगे तो हम भी यहां पर ठीक ही रहेंगे। तुम्हारी बिमारी से बड़ी चिन्ता होती है। मेरे ऐसा लगता है कि विदेशों में वहां पर खाद मिली हुई होगी इस लिए तुमको गलत खाने से नहीं बच रहा है क्योंकि तुमको बीमार भी नहीं होने देता है और फिर तो हो ही रहे हैं। इसलिए अपना ध्यान रखना तो ठीक रहेगा था यह कहते हैं कि ऐनक बनवाना चाहिए इसी से ठीक रहेगा।

तुम्हारा पोस्ट नहीं पर पत्र लिखने को मन हुआ होगा
इसलिये इसी पर लिख दिया है। मेरा पद ठीक हो
बहुत जल्दी ही नौकरी बदल देने को याद सब ठीक रहें और
पर मेरा जल्दी रहो आते रहें।

मेरा नागपुर ही है पर पास होने के बाद में
लखनऊ जायेगा वह ईमान से चाहता है कि वह पास
हो जाए और नौकरी भी जल्दी ही मिल जाए।

घर में सब ठीक हैं। बहुत दिन से घर पर
रहो सायद हैं वह बगीचे में तुम्हारे बाबा जी को
मिल जाते हैं।

मेरी भी तबियत ठीक है तुम हमारी इतनी
चिन्ता मत करो बल्कि अपनी पढ़ाई पर ध्यान
रखना अब तो तुम्हारी छुट्टियाँ भी थोड़े ही दिन
रह गये होंगे छुट्टियों में क्या करोगी। यहाँ पर तो
मौसम बदल रहा है बड़ा अच्छा लगता था।

समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी जयपाली
प्रकाश नाथ

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

17.5.78

बेटा गुडिया खुश रहो

तुम्हारी stores के काम में और university के काम में लगे रहने की वजह से फुरसत नहीं मिला होगा। इसलिये तुम्हारा चिट्ठी नहीं मिला। समाचार तो पता चल गया औरों के letters से। सो ठीक ही है। तुम्हारा प्रैक्टिकल पूरा test- कब की है। तो अपने पढ़ने का नक्शा भेज देना

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मैं चाहता हूँ अपना कोट
भेजदूंगा। वहां तो बहुत
दिनों से [illegible] होगी बनवाने
को।

यहां काफी गरमी पड़ने
लगी है। दिन में तो लू
चलती है। रात को तो
कुछ चैन रहता है। इस
साल बारिश नहीं हुई है तो
लू बहुत चलती है। धूप
भी तेज रहती है।

तुम्हारा बाबा,
धनपत

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

17.5.78

My dear Sushil

Recd your letter dt

3-5-78 along with a draft. I shall send sweets to Mawana as you have desired. I am writing to the girl at Delhi. She was to appear in Exams in June. I will ask her to take some articles for you. I have already sent the specs on 27.4.78 by air mail and

The same should have been received by you by now.

I am informed Shadoo has again got the trouble. Please take immediate steps and inform me. I am anxious. I am at a distance and am of no help to him.

Yours affly

[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

17.5.78

बेटा शैलू खुश रहो
तुम्हारा letter मिला।
तुम को फिकर गई है पर
पहले वाला होगा। यह आज कल
लिखता है। जो भी इलाज वहां
नेचुरो हो सके करते रहना
है। मुझे भी पता दे देना।
यहां तो जो भी हो सकता
था मैं करता रहता था। वहां
कौन करा सकेगा। सब ही
इस काम में कुछ कर नहीं
सकेंगे। अपना हाल पूरा

प्रिय लली

अब की बार गुड़िया का letter नहीं आया बेचारी अपने stove और university के काम में लगा होगा। तुम ही उस का हाल लिखते हो सो काफी है।

मैं तो ठीक ही हूं मेरी चिन्ता मत करना।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

SHANTI RAJ GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी.
२०।५।१९६८

प्रिय बेटे शैल कृष्ण साहब बहुत प्यार

तुम्हारा तो पत्र दिन हुए २८ ता. को उन्हें [illegible] को और एक पत्र कुशल का २० ता. को मिले। तेरा [illegible] के आने पर बहुत ही प्रसन्नता होती है वह ऐसे ही जल्दी पत्र आते रहा करें। यह जानकर चिन्ता दूर हुई कि [illegible] पहुंच गया है। तुम्हारे पोस्ट पता नहीं क्यों नहीं बदल रहे हैं शायद यहां से बीच वहां की हवा पानी में नहीं होते होंगे। यह जानकर बहुत प्रसन्नता होती है कि वहां की पढ़ाई तुमको पसन्द आ गई है वह ईश्वर से प्रार्थना है कि मेरे दोनों बच्चे वहां पर [illegible] से पास हो जावें। तुमने वहां पर दो चार दिन [illegible] में बड़ा अभाव सा लगता होगा। [illegible] मेरी भी [illegible] होने हैं तो [illegible] का आज ही पत्र आया है उसकी परीक्षा २७ मई से शुरू होगी। और २० जून को खतम होगी। उसके बाद [illegible] है फिर [illegible] के पश्चात [illegible] परीक्षा [illegible] हो [illegible] पश्चात की परीक्षा [illegible] में शुरू होगी। [illegible] लिखा है कि गुड़िया का [illegible] पास बहुत [illegible] नहीं [illegible] है शायद २० [illegible] हो गये हैं।

मेरे हम दोनों तो अपनी तबियत का बहुत ही ध्यान रखते हैं मेरे इस उम्र में तो शरीर में जो रोग लग जाता है उसका बड़ा कठिन होता है [illegible] तुम्हारे नाना जी को [illegible] रोग ऐसा लग गया है उसका बड़ा कठिन हो गया है सब [illegible] को [illegible] कोई फायदा नहीं हुआ है।

पहिले इन्डोमेन्ट पॉलिसी की ली है अब तो इसे लगवा
दिये हैं कि चलो ऐसे ही चलता रहेगा। अब तो तुम्हारे बाबाजी
की आदत ऐसी पड़ गई है कि कहीं नहीं जाना आता है किसी
की देख रेख करनी आती है कि को ही कह दिया है। नहीं तो पहले
जरूर जाया करते थे। बेटा तुम इतनी चिन्ता मत करना कभी
जब तुम ठीक होगे तो हम भी ठीक होंगे ही। अब तुम्हारे पैर
पर दाने कैसे हैं डाक्टर की भी दवाई बताई कुछ लगाने से
नहीं जाते हैं? उनको दवाई जरा देख कर लेना। तुम भी
जरूर लोगों से कहा दूध पीना हो तो जरूर ले लिया
पीया करो। अब तुम कहां रहे कैसे रहते होगे। कुछ काम
हो गये होंगे। उनको कुछ दिन के बाद तो ठीक लगने लगे
रहे हैं। अब तुम्हारे लिखने वालों को कुछ फायदा सो लगा है कि
बाप दादों को हमारे जैसे पढ़ाने की)। यह जान कर प्रसन्नता हुई
तुमने बेटा लिखा है फोटो खींचने पर भेजना और जब
अपने सब की फोटो खींचोगे भेज देना बेटा हमारी यादें अमर
रखोगे तो यहाँ तुम यह रहे हो तो जब तक आओगे तो
हमें भेज देगें। तुम्हारे सब की फोटो देखने को बहुत जी कर
रहा है। उनको केवल पढ़ोगा के फोटो को ही लगा दिया है
जानते हो कभी तुम लोग पढ़ाने जाते थे उसी से जिस रोज कर
रखता देखो थी। कि अब आ रहे होगे यह पता नहीं था
कि तुम कब को देखे हुये इतने दिन हो जायेंगे जो सात
आठ साल बेटा था मैंने ही इतने समझाये गये थे
ठीक रहना लड़कियां है कि तुम सब खुश रहो।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

[illegible] बरार सिटी
[illegible] २०।५।१९७२
[illegible]
[illegible]

प्रिय निर्मला तुमको हमारा बहुत प्यार।

तुम्हारा एक पत्र २२ता को मिला है यह पत्र जता को लिखा हुआ है और दूसरा अन्तर्देशीय पत्र २४ता को लिखा हुआ हमको २६ता को मिला है दोनों दिन बाद पत्रों को देख कर बड़ा ही प्रसन्नता होती है मन होता है कि बस ऐसे ही चार रोज तुम्हारे पत्र आते रहें तो कैसा अच्छा हो। बस ऐसे तो तुम सब हमको जल्दी २ ही पत्र लिखती रहती हो कभी २ जरा देर में पत्रों में देर हो जाती है तो चिन्ता हो जाती है। हम भी चाहते तो यही हैं कि तुमको हमारा पत्र हर एक वेग में मिलता रहे। अभी तो तुम्हारे और हमारे पत्र जल्दी जल्दी ही रहे हैं। तुम्हारे बाबा जी को देख ऐसा लगता है कि शरीर के साथ साथ ही चलता रहेगा वैसे तो ज्यादा नहीं ऊबता है लेकिन ज्यादा पैदल जल्दी जल्दी चल रहे हैं। और तुम कुछ चिन्ता मत करो इस उम्र में तो शरीर में कुछ न कुछ रोग तो हो ही जाता है। बस यहां पर तुम सब ठीक होगी तो हम भी ठीक ही रहेंगे। तुम ख्वाम इतनी चिन्ता क्यों करती रहती हो।

तुमको भी याद करके भी खूब अच्छा पढ़ रही है लिखती होगी २० दिन की छुट्टियां होगी

तो वे नोट छोड़ जाएंगी अच्छा है उन्होंने तो
आराम तो मिलेगा। तुम्हारे पत्र से ऐसा लगता
है कि हमारे मित्र अपने बच्चों में इतनी तकलीफ
रहती है। अपने यहाँ पर कितनी नौकरानी रखी
हैं। मुन्ना तो पढ़ाई ही है और अब उसको
पैसा शायद पूरी तरह से होगा। रात दिन की
मदद के साथ रहते थे और वो मुन्ना भी
में अच्छा काम पाती निकल रही थी। मेरे विचार में सब
ठीक है। वहाँ पर मिलाकर बहुत दूर लगता है। अब
जब नौकरी में आगे गए तो उनका भी नया
बैठा रहा होगा आगे भी लग रहा होगा वहाँ पर
बातें करना नहीं चलता है तब बोले याद।
अब तुम्हारा हिन्दी लिखना देखने को होता है कभी
उनका कुछ उलझन हो जाती है पर तो मेरे ही नहीं
देख पाती हो यहाँ पर ऐसा अपना देखने का शौक
था वह सब खत्म हो गया। योगेश ने पास भी ठीक से
लोगों को पत्र आ गया है। तब मुन्ना मिली और वह
बताती थी कि शालिनी को बड़े पास बहुत पत्र आता है।

यह अच्छा है पानी पर मिलता है तो अब कुछ दूध वगैरा
भी मिला होगा यहाँ भी तो पानी से ज्यादा ही फायदा होगा
लेकिन दोनों दूध तो अच्छा नहीं लगता होगा। वहाँ पर तुमने यह
मशीन वगैरा रखने देखी होगी। घर पर मशीन देखने को मिलेगी। अच्छा
योगेश का पत्र आया है उसने लिखा है कि बहुत दिन से मुन्ना का कोई

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२०/५/१९६८

प्रिय बेटा सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा ८ मई का लिखा हुआ पत्र हमको १४ता॥ को मिला है पढ़कर सब समाचार ज्ञात हुए। तुम्हारा एक पत्र इस पत्र के पहिले भी आया था उसका उत्तर भी दे दिया है। तुमको मेरा पत्र मिल गया होगा। पत्र को देख कर बहुत ही प्रसन्नता होती है। मैं तुमको केवल आज २०वीं को पत्र लिख रहा हूँ। लेकिन यह पत्र २३वीं के रोज से निकलेगा

ऊपर को लिख रहा हूँ कि [illegible] वाला के नौकर रवि के भाई सुरेश की मृत्यु हो गई है वह कलकत्ता में था उसका हार्ट फेल हो गया है। रवि देहली में रहता था। सुरेश की मृत्यु की खबर में रेल का उसी रोज से २१ता॥ को हैं रोते वाला आज शाम को यहाँ पर आवेंगे और कल शाम को चले जावेंगे। मेरठ में बहुत [illegible] है

उषा को स्कूल में बच्चों को देखना तो पड़ता बहुत जाता है लेकिन बच्चे तो चाहते हैं कि पढ़ना ही आता है और उनसे कहना बड़ी पढ़ाने वाली को खुशी होती है इसलिये आने को मन नहीं करता है। पढ़ाने वाले बच्चों को बहुत ही समझाते थे लेकिन उनका भी अब आने को मन नहीं करता है। उषा के आने से सारा वातावरण ही बदल गया है। रमेश तो प्रताप बाबू [illegible] ही होंगे। इधर तो इस बारे में कुछ पूछा नहीं [illegible]

उधर दोनों पर तुम्हारे पत्र लिखे पता नहीं क्यों
नहीं मिले ने उत्तर नहीं दिया है। यहां पर तो
पत्र बराबर समय से आते रहते हैं। और सब आनंद
मंगल है। मुन्नाजी को मकान का लोन लेने के
लिये रुपया मिल गया है वह अब मकान रिपेयर
में ही लगे रहते हैं। बच्चों को नहीं परेशान सी रहती है

अम्माजी-बाबूजी के पैर का दर्द ऐसा लगता है
कि कल [illegible] पर के लिये ही हो गया है।
हमारे लोग तो शरीर से बहुत ही कमजोर हो गए हैं
उठकर पर काम करते हाथ आवे कि तो बड़ी गन्दी रहती
थी और अब इतनी तकलीफ से चल पाते हैं। मैं आज
गन्दगी में चल लेती हूं। पैर चलने में परेशानी होती
है तो कोशिश पर चलने में इतनी नहीं होती है।
शरीर में भी हमारे से कमजोर आ गई है इतनी डिप्रेशन
हमारे नुकसान हो जाता है। मैं भी बहुत रहती थी कि
हम लोग ही लेकिन हमारे ने नुकसान हो दिया है
और यही है कि शरीर के हाथ में नहीं बीन रहे।
बैंक ने दाने [illegible] है इतनी और से बड़ा मिला
होता है [illegible] है कि इतनी [illegible]।
बच्चे तो लिखते हैं कि यहां पर गर्मी पड़ने लगी है और
तुम लिखती हो कि पता नहीं गर्मी पड़ेगी या नहीं
यहां पर तो आज कल काफी गर्मी पड़ने लगी है।
चि॰ सुशील को हमारा आशीर्वाद। तुम्हारी अम्माजी
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। प्रकाशवती

मेरठ। [illegible]
२२।५।१९७८

प्रिय बेटे कुशाल सदैव प्रसन्न व निरोग रहो
तुम्हारा पत्र कल मिला समाचार ज्ञात हुए
हम यहां प्रसन्न हैं। तुम सबको [illegible] प्रसन्न व
सदैव सुखी चाहता हूं। यह जानकर चिन्ता हुई है। कि
तुम्हारा स्वास्थ्य ठीक [illegible] गया है और तुम्हें [illegible]
गया है। [illegible] को सुरेश [illegible] ने [illegible] - [illegible]
को [illegible] के दिन [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] हो रहे
हैं [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] मेरठ में [illegible] थी। [illegible] रात यहां पर
[illegible] था और [illegible] ५ बजे शाम को [illegible] चला गया है
[illegible] नहीं [illegible] है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] है [illegible] को [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
ने [illegible] [illegible] [illegible] है। [illegible] और [illegible] चिन्ता है
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] हो गये हैं। [illegible] [illegible] [illegible]
को [illegible] [illegible] [illegible] लोग [illegible] हैं मैं भी [illegible] घर
पर गई थी ४ बजे शाम को यहां [illegible] हूं।
तुम्हारी तबियत ठीक होगी पर [illegible] ठीक
होगा। और सब को [illegible] में [illegible] नहीं होवे है।
[illegible] [illegible] अपना [illegible] [illegible] का [illegible] रखा करो।
बेटे तुम्हारी [illegible] [illegible] याद आती है। [illegible]
नहीं आना [illegible] जरूर [illegible] [illegible]।

तुम अब इतने देर से मिला पत्र को। ऐसा
लगता है कि अब तो इतने दिन लगा है कि ऐसा
ही चलता रहेगा। बिचारे सूरज को स्कूल से अब
तो बड़ी मुश्किल रहते चलते हैं।

यहाँ पर गोलबाला बाज़ार के बाज़ार में
शंकर दयाल की बगिया बड़ी हुई थी। रहमान
सिकन्दर लाल के बाजार में रसोईघर थे। इन्होंने
बहुत सुन्दर मकान बनवा लिया है। उस मकान को
पहले था। इतना बोरा नकद था। हम भी गए थे।

तुम्हारी गाड़ी ठीक चल रही होगी। अब तो
तुम्हें बरसातें याद हो गए होंगे।

रंजो बतलाता था कि मधु की याद बिल्कुल
नहीं चल रहा है और अपने घर की मस्ती
अलग से मिला हो रहा है। सब याद आ ही
जाता है।

बच्चों को दुलार देना।

तुम्हारी प्यारी

प्रकाशवती

मेरठ सिटी
२९।६।१९७२

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

तुम्हारा पत्र ना मिला। इस पत्र पहला रहता तो मिला था उसके इस पत्र का उत्तर भी लिखा था उसके बाद से तुम्हारा पत्र का आने से भी मिला नहीं है तुम तो पत्र भेजना ही भूल गये हो।

अब तो १५ जून से तुम्हारे स्कूल की छुट्टियां हो गई होंगी। तुम आज कल ~~क्या~~ क्या करते रहते हो। और तुम्हारा रिजल्ट कब आ रहा है। ईश्वर से प्रार्थना है कि अच्छे नम्बरों से पास हो जाओ।

तुम्हारे नाना जी का पेट का दर्द तो अब ठीक हो रहा है शायद ऐसा लगता है उन्हें इलाज से आराम हो गये हैं कई बार कह चुका हूं कि जाकर डाक्टर को दिखला कर इलाज करा लें लेकिन यह किसकी सुनते हैं इलाज करा कर पता चल जाता कि इन्हें तो कोई तकलीफ नहीं है ऐसे पागल लोगों को बरबाद कर रहे हैं खतौली में सुधीर सिविल डिप्लोमा से पास हो गया है

तुम्हारी माँ ने पुराने स्कूल की किताबें भी वह रेलवे स्टेशन वाले गुप्ता जी के बड़े पोंगरे आदि को शैल की आदतों की किताबें इसको दे दी। फिर तुम्हारी १२ किताबें रखी थी वह सब आदतों को सफाई कर

देखी थी लेकिन उन्होंने कुछ पढ़ के सिवाय नहीं
विषय तो समझी भी है इनके आवश्यकों की तोबल
२-४ किताबें हैं। लेकिन उन्होंने यह सेठीजी किताब
रख ली है। यह तो अच्छा है उनके साथ में आ
जायेगा   यहां पर तो बेकार ही रखी हुई थी

तुम लोगो की बहुत ही याद आती है विनय भी
नहीं बोलता है। पता नहीं इतना लम्बा विनय कैसे
बोलेगा। पवन से बहुत दिनो से कोई नहीं आया है

तुम्हारे पौधों का क्या हाल है वह घास का
फूल अब तो पूरा खिल गया होगा। लाल फूल वाला
खिला है या बड़ा है। और कोई पौधा भी उगा है
या नहीं। यहां पर तो बहुत सुन्दर तुम्हारे पापा के
फूल ही हैं। लाल गुलाब के फूल खोर हो रहे हैं

जिस रोज तुम्हारे पत्र भेजा बहुत ही आशा थी
कि पत्र अवश्य आयेगा। लेकिन पत्र आजकल से
बड़ी चिन्ता लगी है पता नहीं क्या बात है आज
मनोज का पत्र आया है जल्दी परीक्षा रखवाने को
तैयार होगी और वह लौटने आ रहा है इसलिए कलकत्ता
नौकरी ने पहिले इसमें ये होगे तब आ जायेगा वैसे वह ठीक
है। आज रतन का पत्र भी आया है नोटों के संयोग
से पत्र में लिखा था कि गीता लिखाई हो गई थी सब पहिले
से ठीक है और अभ्यास ही है। ज्यादा क्या लिखूं देना
तुम्हारी मम्मी आशीर्वाद

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

21.5.78

बेटी पूर्णिमा ! खुश रहो।

तुम्हारा 20 ता० का letter
मिला।

चश्मा मैंने इस लिए
भेजा था कि यहां अभी
exam० का पता हो गई।
बात है और Miss Shirodkar
exams के बाद जावेगी।
यहां का अभी पता नहीं।
तुम को यहां cake का
शौक था वहां cake ही
ज्यादा मिलता है। यह तो
ठीक ही है। परन्तु ज्यादा कलना
तो नुकसान भी दे सकता है।
शायद ज्यादा कलको जाए

ठण्डा करके मत खाता
होगा। पानी को
मीठे के तो पीकर गुज़ारा
होगा।

यह जून गरमी बहुत
है। लू चलती है जोरों से।
अखबार वाले कहते हैं
कि यह गरमी पिछले
सौ सालों से अधिक है।
Papers हर रोज़ hottest-
day लिख रहे हैं। बारिश
हुई नहीं है। वहां पर तो
कुछ मौसम ठीक होगा,

तुम्हारा बाबा
Dhanpat

मेरठ सिटी
३१/५/१९८०

पुत्र ईश्वर
पुत्रवधू [illegible]

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार
बिटिया हमने एक पत्र तुमको २० ता मंगलवार को
मेरठ से डाला है मिल गया होगा।
[illegible] को यहाँ आने से [illegible]
ने लिखा था उनके हमने तुम्हारे लिये [illegible] को [illegible]
देखा है और थोड़ा सा सामान है [illegible] बहुत ही [illegible]
छोटा सामान देगा हूँ लेकिन [illegible] हो जाता और ले जाने वाले
को भी [illegible] होती है। लिखना और तुमको पसन्द [illegible]
गया है और ठीक भी है। [illegible] ता को [illegible]
सामान वालों ने [illegible] तुम्हारे वाला [illegible] बतलाया है
तुम्हारी [illegible] २० दिन की छुट्टियाँ [illegible] की समाप्त
हो गई होगी अब तो समय की पढ़ाई चल रही होगी। और
तुम्हारा काम ठीक चल रहा होगा। अब तो तुम्हारा [illegible]
की [illegible] है। बिटिया [illegible] नहीं लगता है तुम्हारी
की बहुत ही याद आती है और [illegible]
होता है [illegible] वाली [illegible] ([illegible]) [illegible]
[illegible] हो गया है और वहाँ पर पहुँच गई हैं।
[illegible] पढ़ने में लगी रहती है [illegible]
[illegible] है। [illegible] का ध्यान रखना
बिटिया मैं तुमको पत्र लिख ही रही थी
कि 22 ता का लिखा हुआ तुम्हारा पत्र हमको
आज 31 ता को मिल गया है। तुम्हारे पत्र से

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

21. 5. 78

बेटा शैलू खुश रहो।

तुम्हारा 8 और 20 ता: को letters मिले। bag रस्ते में खो जाना? यह तो नई बात हुई देर से bag प्राप्त होते थे पर खो जाना यह जानकर तो ताज्जुब हुआ।

तुम ने birth date और marriage date मांगी है वह भेज रहा हूं।

वहां पौधे नहीं लग रहे यह शायद मिट्टी की या मौसम की वजह से होगा।

शायद थोड़े दिनों में
कुछ बड़े हो जावें।

Teachers और students
को वहां का माहौल का
बरताव यहां से पुराना ही
होगा। पर यहां भी शायद
वहां की देखादेख कुछ
बदल जावे। यहां तो
एक teachers और students
में मारपीट भी होने
लगी है।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

मेरठ सिटी
२६।५।१९६८

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारे दो पत्र मिले एक पत्र २५ ता को और दूसरा पत्र २६ ता. को मिला दोनों पत्रों से सब समाचार ज्ञात हुये और इनके बाद तो तुम्हारा जल्दी २ पत्र आये तो बिटिया बड़ा ही अच्छा लगा यदि ऐसे ही पत्र आते रहें तो कितना अच्छा हो हमको पत्र तो जल्दी २ ही लिखते रहते हैं। लेकिन डाक के आने जाने में देर हो जाती है। इस पत्र से पहिले भी हमने तुमको पत्र लिखा है वह देर से मिला होगा क्योंकि तीन दिन लगातार का त्योहार था इस दिन डाकघर से कोई नहीं गये थे। इसलिये वह पत्र तुमको देर से मिला होगा। यदि पत्र देर से पहुँचा करे तो तुम कोई चिन्ता मत करा करो। हम तो ठीक ही हैं बस ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम सब भी वहां पर ठीक रहो। हम हमारे आने की इच्छा तो नहीं थी क्योंकि अब यहां रहा नहीं चलता है और हम भी कमजोर हो गये हैं। लेकिन अब तो यही चाहते हैं कि तुम्हारे आने तक ठीक रहें। और तुम चाहो तो देख लें। २५ ता को तुम्हारे १० ता व १२ ता. के लिखे हुये पत्र एक ही लिफाफे में आये हैं और दूसरा पत्र १६ ता का लिखा हुआ हमको २६ ता को मिला है। तुम्हारी आजकल छुट्टियां हो रही होंगी केवल १० दिन की हैं तो छुट्टियां भी खतम भी हो गई होंगी। तुम वहां पर १० दिन की छुट्टियों में ही बोर हो गई हो क्योंकि बाद पर तो जाना ही पड़ता है। अब तुम्हारा पढ़ने में बहुत मन लगने लगा है जानकर प्रसन्नता होती है। तुम्हारी छुट्टी में सिलोंग की तो जाना अच्छा लगा होगा। यहां तो बिचारी अकेली रहती है अब तो शैल की भी छुट्टियां हो गई होंगी। गीता निर्मला को तो यहां पर आये हुये ५ महिने के लगभग हो गये हैं।

वहां पर कुतुब तरह इमारतें देखने को मिलती हैं। उन्हें बोलने की
तुम्हारे समय में नहीं आती होगी वहां पर कॉलिज में आजकल में
तुम्हें अंग्रेजी में ही पढ़ाते हैं न? बात करते हैं या हिन्दी में।
उसके बाद भी रखा था तो तुम्हारा पत्र आया है। तुम अच्छी तरह से
पास हुए हो के गई थी पता। यह जान कर प्रसन्नता हुई कि
तुमने हिन्दी फिल्म देखी है इससे सोचकर मन से ही राम जाने
आदमी तो कब तक फिल्म देखते थे। (कुलदीप भाई तो फिल्म पसंद करते हैं
मोर कोई नहीं देखता है मन ही नहीं लगता है और दूसरे
तुम्हारे नाना जी को तो फिल्म देखने का शौक नहीं है। तुम्हारे
जाने को मैं जब ही देखती थी। वहां यह अच्छा है शनिवार को चार
फिल्म दिखलाते हैं चार फिल्म देखने में तो बहुत समय जाता
होगा सोच खुशाल भी गये होंगे। यह जान कर प्रसन्नता होती है
तुम्हारे पैर ठीक हो गये हैं। तुम्हारे नाना जी अब पैर की रक्षा
देखते भी रहे हैं तब से ही जब समय आयेगा ठीक हो
जायेगा तुम लोग इतनी चिन्ता मत करो करो इस उम्र में तो
शरीर ऐसा ही चलता है। यह वहां पर अच्छा है वहां के सिवाय
और अच्छा तालाब नहीं हैं यहां तो तरह के बहुत नहीं हैं।
वहां पर इतने बड़े इमारतें और इतने देखने वाले होने पर भी
बच्चे छोटे बड़े पोशाक पहनते हैं तुमको तो देखकर बड़ा ~~आश्चर्य~~
आश्चर्य हो जायेगा यह तो यह सोचते थे कि वहां पर तो सब
लोग बहुत ही अच्छे कपड़े पहनते होंगे। वहां का मौसम तो
ऐसा ही है गर्मी तो यहां ज्यादा नहीं होती होगी। क्योंकि बर्फ
होती रहती है। बिटिया मेरा तो जरा भी ~~कहीं~~ मन नहीं लगता है
बड़ी मुश्किल से समय बीतता है जब यह अकेले चले जाते हैं तो
समय ही नहीं बीतता है और रात को बड़ा डर होता है कि हमारे
सारे बच्चे हैं और हम यहां पर अकेले हैं। इस शरीर से अब
और काम भी नहीं होता है। बस तुम्हारी बड़ी याद आती है
और रुलाई आती है तुम्हारे सामने समय का पता नहीं चलता था

मेरठ सिटी
२६।२।१९७२

प्रिय बेटे शैलू तुमको सदा बहुत सा प्यार

तुम्हारा एक पत्र २५ ता० को मिला और एक २६ ता० को मिला तुम्हारे दोनों पत्रों से सब समाचार ज्ञात हुये। बेटा जब तुम्हारे जल्दी २ पत्र मिलते हैं तो बड़ा ही अच्छा लगता है वैसे तो पत्र हमारे व तुम्हारे जल्दी २ ही आते रहते हैं। अब तो पत्रों का ही सहारा है अभी तो १ साल भी नहीं बीता है। तुम हमारी ओर से ज़रा भी चिन्ता मत करना तुम हर एक पत्र में लिखते हो कि ठंड मालूम नहीं होती। पीछे तो खूब मालूम नहीं। तुम्हें नहीं ठंड लगे हमारे यहाँ तो सर्दी ही रहे हैं। बस होली हो ही आयेगा जब बदल जाता है तो कुछ गर्म होता है। लेकिन विचारे पहाड़ों के बेचारे से तो है ही। अब तो जल्दी कभी नहीं चला जाता है वैसे सब काम करने ही पड़ते हैं। अब यहाँ से तो इस साल जब से पौधे रहे हुए हैं बन्द कर दिया है। यहीं नीचे से ही ले जाते हैं लेकिन इधर बहुत ही सस्ता पानी का जाता है पीना भी बेकार ही है। कहते हैं कि सारे बच्चे यहाँ पर होते तो है नहीं के दूध वाला। अब मेला भी दिख गया सब ठीक है। तुम्हारे घोर पता नहीं क्यों नहीं कहता है ऐसा लगता है कि यहाँ के लोग यहाँ पर नहीं होते होंगे यहाँ पर तो कोई नई चीजों के पौधे नहीं हैं नहीं उगाते हैं।

यह जान कर प्रसन्नता हुई कि अनिल की शादी हो गई है उन्होंने शादी का पत्र भी नहीं लिखा है बड़े आश्चर्य की बात है। अब तुम्हारा स्कूल बन्द होने वाला होगा अपने को यह लिखकर देखो है। शायद यह ठीक

चिन्ता तो तुम्हारी रहती ही होगी। पत्र चार
चिन्ता लिखने बैठो से मतलब हुए हैं बहुत दिनों से
तुमको चिट्ठी लिखना सोचने को मिला है। मैं तो मेरा
बहुत मन हो चिन्ता रहती थी गर तुम्हें अपना घर जाने
पर देखा थी दुल्हन बहिन गो मिया मन भावे। उन को
तुमको देखने का ज्यादा शौक भी नहीं है और हम
लिखने आप देख तुम्हारे माना गो तो जाते ही रहते हैं

तुम्हारे बालों को अभी मालूम नहीं हुआ है
रमाद तो अब मतलब हो गई होगी। तुम्हारा हैमन्ती
तो नहीं मना है। अच्छा है वहां पर ज्यादा गर्मी
ना हो। बेटा हम दोनों ठीक ही हैं तुम हमारी ओर से
कुछ भी चिन्ता मत करना बस तुम ठीक रहोगे हम
भी ठीक ही रहेंगे। नई बार से तुम्हारा पत्र मिला
जो हालात आप बताते बार में तो गोल्डन तो बहुत
हुआ जाता है बड़ा अच्छा है तुमको वहां में नहीं
देखना नहीं पड़ता होगा। कुछ रात में बहुत देर तक
जागते रहते हो ज्यादा जागते रहते हो।

मेरा तो दिन भर जाता भी मन नहीं लगता है
दोपहर का समय बड़ी मुश्किल से बिताता हूँ।
अकेला बैठा रहता हूँ। बस तुम सबको ही बहुत ही याद
आती रहती है। प्रिय सुशान्त को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारा शुभाकांक्षी
प्रकाश नानी

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

28.5.78

बेटी गुड़िया ख़ुश रहो

तुम्हारा 16 मई का letter मिला है। हाँ Alka तो बेवकूफ़ है ही। तुम मनाही करती हो फिर वह किताबें भेजती है।

तुम्हारे exams और वहाँ की Universities का हाल भी मिला। वहाँ University में एक Room से दूसरे Subject के लिये जाने को तो सवारी का इन्तज़ाम

होना ज़रूरी है। गरमी में
सरदी में आरम्भ में वहां
इतनी दूर जाना तो बहुत
कठिन है। काफी समय में
लेकर स्वस्थ होता है।
वहां के पढ़ाने वाले पुराने
हैं। सादा रहन सहन और
Standards के साथ इतना
सहयोग यहां के Professors
नहीं देते। एक दस दिन
बाद होगी। काम पर तो
जाना होगा ही। तुम को

तुम्हारा बाबा

[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

28.5.78

My dear Sushil

I wrote a letter to Miss Shirodkar but I have not received any reply yet. Tomorrow I will send a frame of spectacle for Gudya, a rubber piece for cooker, a little रोली and some खटखूड़ा की गोली to the girl at the address given by you. These

articles will be sent
through Ram Kripal
who will go to Delhi.
I shall ask him
to deliver the articles
to the girl for you. Let
us see what happens.
Mr. Vijay Gupta had
informed me some time
ago that some S. O was
to go to you in June
I shall see to it &
send more articles
if I can.

with love
Yrs affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

28.5.78

बेटा शैलू । खुश रहो

तुम्हारा 16.5.78 का पत्र मिला । एक तुम्हारी छुट्टियां हैं । क्या करते हो छुट्टियों में? वहां तो स्कूल भी नहीं है । तुम ने पूछा गुड़िया पेट के दांतों का एवं क्या हाल है नहीं लिखा ।

पीछे वहां की ठण्ड या बाद की मिट्टी की वजह से नहीं बैठे हो । थोड़े दिन चलने दो पता चल जाय । तुम ने जो चीजें सामान को

गोजे से हम ने गोभी
नहीं बोयी हैं। यहाँ तो
बेला, गेन्दा, सदाबहार
तुलसी, मोतिया वगैरा
लगे हैं। घास तो है
ही। घास तो जड़ को
बजाय डालो तोड़कर
लोगान से पूछना। बढ़ती
है, पेड़ जल्दी बड़ा होता
है। यहाँ तो सब ठीक
ही है।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

सब समाचार ज्ञात हुये। तुम्हारी छुट्टियां भी
१० दिन की ही समाप्त हो गई हैं। अब तो सभी
विद्या सब होशियार होगई है अकेली सब
जगह चली जाती है और फोन वगैरा भी कर लेती है
तुमने अपने घर पर ही बनाये होंगे। तुम्हारे पास भी
नौकर डिक्की चलील का ही दिन है उसमें अपने के
ले गई थी क्या। यहाँ पर सिर्फ विलियम फार्म का बहुत
ही लगी है बस ईश्वर से प्रार्थना है कि यही सब
अच्छी तरह रहेंगे। तुम्हें काम पर बहुत ही दूर जाना
पड़ता है यदि वहाँ पास में मिल जाये तो ठीक है।
मैंने तुम्हें पहले पत्र में भी लिखा है कि चित्रा २० मई को
चण्डीगढ़ गई है इसके अलावा में १५ दिन के लिये
सामान भी तुम्हारा रहा था। शायद अब ठीक होगा।
तुम्हारा पत्र उषा के पास आ गया है अंजु का अब कोविन
बन्द है इस लिये नहीं आई है। तुम्हारे मेरे को मां अब
नाम नहीं है उसकी शादी हुई होगी तुम्हारे पास भी
आई थी क्या। विद्या तुम्हारी ओर से चिन्ता न
करना। अब तो ठीक ही है यदि किसी बात से बेग
बोलते हुये में देर होजाये तो चिन्ता की कोई बात
नहीं है यदि कोई परेशानी हो तो अब तुम्हें लिखें ही
वैसे इस उम्र में बोल सकती बोलता तो चलता ही रहता है
अब तुम चारों ठीक रहोगे तो यहाँ पर हम भी ठीक ही हैं।
बस तुम सबों की याद तो आती ही रहती है। यह तो भूलाई नहीं जाती
है। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। यदि तुम्हारे बाल कमजोर हो तो
देकर आ लेना।

([illegible]) [illegible]

[illegible]

यदि किसी बच्चे को कुछ भी है तो बिचारों का हमारे पास मन भी नहीं लगेगा। यासाल नोरा को तुम सबों से बहुत मन लग गया था। इसलिये बच्चों को बुलाकर भी कभी [illegible] किया। २० तारीख को ये दोनों आये हैं उनको लिये दिल्ली बुलाया था रहा था पता नहीं अब कैसी है। उनके दोनों बच्चे पास हो गये हैं हम तो तुमको बराबर पत्र लिखते रहते हैं पता नहीं पत्र नहीं पा रहे हैं तुम इनको लिखा पता बता दो। तुम तो बिचारी पत्र जल्दी ही लिख देती हो और हम भी उधर जल्दी ही दे देते हैं क्योंकि हमारा पत्र नहीं जाता है तो तुमको चिन्ता हो जाती है। वहाँ पर बारिश खूब होती रहती है। राजेश लल्ला को पिक्चर देखकर तो तुमको बड़ा अच्छा लगा होगा। वहाँ की प्रैक्टिस भी बहुत ही बड़ी होगी जो तुमको पत्र लिखा सो दूसरों से आने में इतना फर्क पड़ता है यह अच्छा है तुम अपने पढ़ने की सब बातें लिख देती हो पढ़ने में बड़ा अच्छा लगता है।

आदर प्यार भी अच्छा नहीं होता है पर तो अपना बिचारा को तुमसे इतना प्रेम है कि तुम्हारे लिये किताब वगैरह भेजती रहती है तुम उनको पत्र भी लिखती रहती हो और तुम उनको कुछ तो पढ़ना देती हो और हाँ यह तो ठीक है उनके भेजने में बहुत सारे रुपये खर्च हो जाते हैं तो अच्छा नहीं लगता है। लिखिया अब तुम चली गई हो तो रुपये तो जैसे तैसे बिताना ही है। तुम्हारा तो मन आने का नहीं था। लेकिन ऐसा अगर वहाँ देखने को मिलता है यह तो खुशी की बात है तो हो गई है तो वहीं का सब देख लोगी। फिर यह फिर शीघ्र ही मिलेंगे। तुम खूब मन लगा कर रहो क्योंकि याद तो हमको व तुमको आती ही रहेगी। अब बच्चे स्कूल को जाने ही लगेंगे तो तुम बैठे बैठे बोलते जाया करोगी। इतना बस है आने में डेढ़ साल हुआ होगी। सब बातें ठीक हैं। अच्छा पत्रोत्तर शीघ्र देना

तुम्हारी अम्मा का आशीर्वाद

प्रिय [illegible] सौभाग्यवती रहो

गुड़िया शैल के पत्र आते रहते हैं इनसे पता से कुशल हाल हो जाता है। मेरा पत्र भी तुमको मिल गया होगा। आशा है कि तुम्हारी तबियत ठीक होगी। कल [illegible] के छापेखाने वाले [illegible] दिवाली के लिये रुपये दे दिये हैं इतने [illegible] नहीं दी है कि मैं लेकर चला जाऊँगा। [illegible] तीन [illegible] दिवाली देनी चाहिये थी। इधर [illegible] कि यह गुड़िया की [illegible] है। इनके पैर के [illegible] आराम नहीं हो रहा है यह [illegible] गलती हो गई जब [illegible] ने [illegible] दिखलाने के लिये ले गया था तो उन्होंने [illegible] को [illegible] के लिये थी और उन [illegible] से [illegible] ही [illegible] फायदा था लेकिन [illegible] ही [illegible] हम [illegible] नहीं कि जब आपको इन गोलियों [illegible] है [illegible] और [illegible] हो [illegible] गोली [illegible] और तीन [illegible] इन गोलियों के [illegible] में [illegible] और [illegible] तब फिर [illegible] उन्होंने [illegible] कि यह [illegible] नहीं [illegible] चाहिये थी [illegible] तीन [illegible] को वहाँ [illegible] यह [illegible] हड्डी [illegible] देती है। फिर [illegible] ने दिखलाया [illegible] कि [illegible] हड्डी [illegible] लगती है। [illegible] दिन फिर [illegible] को दिखलाया [illegible] हड्डी [illegible] हैं [illegible] गोली [illegible] दिन [illegible] हैं [illegible] दिया है अब फिर [illegible] को [illegible] रहे हैं। [illegible] तब तक ठीक होते हैं [illegible] ऐसा नहीं होता है लेकिन चलने में [illegible] है। यह तो [illegible] ही है जब [illegible] जाता है तब [illegible] हैं। [illegible] चिन्ता की कोई ऐसी बात नहीं है [illegible] को [illegible] ने [illegible] में [illegible] हो रहा है। [illegible] चिन्ता मत करना। अब तो [illegible] घर पर आते ही रहते हैं। [illegible] बच्चे भी [illegible] हो गये हैं। [illegible] [illegible] हो गई है [illegible] की [illegible] थी। [illegible] है [illegible] देखने [illegible]। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी मम्माजी

प्रकाशवती

[illegible]

[illegible]

मेरठ सिटी
22। 5। 1958

[illegible]

[illegible]

चि॰ प्रिय [illegible] सदैव खुश रहो

मैंने तुमको पत्र लिखा है मिल गया होगा
हम यहां पर ठीक से ही हैं। तुम सबको कुशल ईश्वर से
सदैव मनाता हूँ। इसने कुछ सामान बहू और बच्चों
देहली से तुम्हारे पास आवेगा जो कि कुशल ने [illegible]
है उसने लिखा है। ऐसा कि कुशल ने लिखा था।
पहिले तो तुम्हारे बाबूजी ने उस लड़की के पास पत्र लिखा था
कि हम कुछ सामान देंगे लेकिन उसका उत्तर नहीं आया
था। इसलिए अबकी बार तो ख्याल आया कि उस लड़की को
[illegible] है तो हमने आधा [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] है [illegible] है कि तुमको [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] है कि यह लड़की 4 जून को आवेगी। [illegible]
[illegible] [illegible] बहुत सी चीजें [illegible] थी लेकिन [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] होता है पर बहुत [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]। लेकिन फिर यही सोचा
कि [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] हो जावेगा।
[illegible] [illegible] [illegible] था। [illegible] यह [illegible] है [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] है। [illegible] [illegible] [illegible]
रही है। तुम्हारे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] हो गये
होंगे। यह [illegible] [illegible] सभी लोग [illegible] बहुत हैं

सकते हैं। हमारा बहुत ही ध्यान रखते हैं।

शायद मैंने पिछले पत्र में तुम्हें लिखा था कि १४ दिसम्बर को मुझको बम्बई में जाना हुआ है। रवीन्द्र ने इधर मैं से गये थे। यहाँ पर तो आज कल बहुत ही गर्मी पड़ रही है। पुरानी तो अकेला मन बहुत ही ऊबता है मन नहीं लगता है। दिन भर अकेले बैठी रहती हूँ समय भी बहुत ही लम्बा लगता है समय काटना बड़ा मुश्किल सा होता है।

तुम्हारी तबियत ठीक होगी। अपना ध्यान रखना। इधर उपेन्द्र को रु.) किराये के लिये सोहिनी ने दे दिये थे और कह दिया था कि उन्हें यहाँ के यहाँ से किराया ले आना। क्योंकि उन तो इन लोगों से आज के व्यवहार नहीं चलता है और इसमें उपेन्द्र ने इनको बताये नहीं थे कि मैं किराया भर ले आऊँगा। लेकिन यह समय थोड़ा हो गया कि नहीं है किराया लेना क्योंकि मैंने तो किराया बताया था है। इन लोगों ने तुम्हें ९०) भी किराये दिया है कि नहीं [illegible] को इतना किराया नहीं होता है और (२०) इनको इसने दिन लौटा दिये हैं। इनको बहुत ही बुरा लग रहा है यहाँ से कोई आने वाला नहीं था और इन ही किराया भर दिया होता। यदि मौका लगा तो फिर और भेज देंगे। इन दिनों [illegible] हो रहा है। मेरे आपरेशन के बाद का शायद मैंने लिखा था उसके बाद मेरा गला बहुत ठीक हो गया है लेकिन बढ़ा है ९०-१२ दिन हो गये हैं। इसमें भी बताती हूँ लेकिन अभी तो कोई कुछ फायदा नहीं है।

मेरठ सिटी
३१।५।१९७८

प्रिय बेटे शैल तुमको आशीष बहुत प्यार

इधर तुमने ३०ता० को बेग से पत्र डाला है मिल गया होगा। हम यहां पर ठीक से ही हैं। तुम लोगों की उत्तम स्वास्थ्य से सदैव भगवान चाहती हूँ।

यहां से नई देहली वाली बात [illegible] पता चला है ४ बार [illegible] रही है [illegible] [illegible] [illegible] होगा है बहुत ही मन होता था कि तुम्हारे भी चार पेज [illegible] [illegible] होने की वजह से [illegible] करने की वजह से तुमको भी नहीं भेज सके। आज भेज दिया तब बाद में ध्यान आया कि थोड़ी सी [illegible] ही भेज देते बच्चे [illegible] [illegible] कि हमारे दादी बाबा जी ने तुमको [illegible] को चीज नहीं भेजी है। अब तो तुम्हारी छुट्टियां हो रही होंगी [illegible] [illegible] करते रहते हो। आज हैदराबाद बहुत दूर नहीं है और [illegible] में [illegible] [illegible] भी है। रेल गाड़ी में घूमते होंगे। जब जब गाड़ी में बैठा करो तो यह सोच लिया करो कि [illegible] बाबा भी गाड़ी में बैठे हैं। यहां पर बहुत तेज से बहुत ही गर्मी पड़ रही है। और तुमको तो पता ही है ऊपर [illegible] पें कैसी गर्मी पड़ती है।

आज ३१ता० को गुड़िया का २२ता० का लिखा

तुम्हारा पत्र आया है इस पत्र में तुम्हारा पत्र नहीं आया है। खैर तुमने वैसे ही नहीं लिखा होगा गुड्डा के पत्र से सब समाचार ज्ञात हो गये हैं।

आजकल तो तुम पहलों में होगे क्योंकि स्कूल की तो छुट्टियां हो रही हैं तुम्हारी कितने दिन की छुट्टिया हैं। खैर [illegible] तो मन लगाते रहोगे। हम अब रात में ताश नहीं खेलते हैं क्योंकि अब तो खूब गर्मी है [illegible] जाते हैं पर दिन में किसी समय मन नहीं लगता है तो कभी [illegible] खेल लेते हैं। ~~[illegible]~~ [illegible] से तुम्हारे नानाजी की भी १ महीने के लिये जून में छुट्टिया हो रही हैं।

तुम्हें नाना जी का प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

प्रकाशवती

रक्षन तो बड़ पावन का त्योहार है पता नहीं जीजा को ध्यान भी होगा। [illegible] को पत्र में देकर भेजना चाहिये। इस त्योहार पर [illegible] को [illegible] बनता है

31.5.78

बेटी गुड़िया खुश रहो

तुम्हारा 22.5.78 का letter आज मिला है। हम तो हर week से letters भेज रहे हैं। week वाले कुछ गड़बड़ करते मालूम होते हैं जो letters नहीं पहुंचा रहे हैं।

यहां गरमी बहुत है। दिन का टेम्प १११४ तक हो जाता है। इस साल की गरमी कहते हैं सब सालों से ज्यादा है। लू चलती है। रात को आधी रात के बाद कुछ चैन मिलती

है।

Miss Shirodkar के पास तुम्हारे
वास्ते पशमीने का कपड़े Case
में। Cooker का rubber,
जरासी मेहंदी रोली और थोड़े
खरबूजे की गिरी भेजी है।
वह 4-6-78 को Delhi से
Washington जावेगी।

तुमको पढ़ाई के साथ
काम पर जाना पड़ता है।
time काम में लगता है।
गरमी में बैठ भी
जाना मुश्किल होता
मैं ठीक ठीक हूँ

तुम्हारा बा
बा। [illegible]

31.5.78

बेटा मीनू। खुश रहो

पत्र को और तुम्हारा था सुयोग का letter नहीं आया केवल गुड़िया का है। हाल तो मिल हो जाता है। यहां से letters बराबर भेजते रहे हैं। बच्चों के पढ़ने के diary में। यहां इन लोगों के हाथ भेजते हैं जिस से जल्दी पहुंच जावे।

तुम्हारे दोनों का हाल मालूम नहीं हुवा।

गरमी से ठीक रहे तो
ठीक है। यहां मैं इतने
लोगों के देखभाल कर लेता
था। वहां का फ़िकर रहता
है। सबको वहां पहुंचाने
हो जावेगा।

सरोज के Abroad Passage
का कोई हाल नहीं मिल रहा
उस की क्या हालत रहती
है

तुम्हारा शुभाकांक्ष
[illegible]

मेरठ सिटी
४।६।१९६२

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार।

तुम्हारा पत्र आया था हमने तुम्हारा दीदी को तुमको मिल गया होगा। २८ता को जमील का पत्र तुम्हारे बाबूजी ने पास आया था और इसका पत्र जमील को डाकखाने में पास आया था उसके शेष ने भी लिखा हुआ था।

अब मंजु अनुपमा मधु शोभा व एल्वीर सभी पांचों बड़ी थी। बिचारी तुम्हारे गाने पर भी [illegible] जाती रहती हैं बड़ा ही अच्छा लगता है और [illegible] खुश होती हैं तुमको भी उनसे [illegible] से बड़ी खुशी होती है इन्होंने भी [illegible] [illegible] लगी है [illegible] शुरू कर रही है यहां से [illegible] आ जाती है। तुम्हारा नाम [illegible] चल रहा है पर [illegible] होती है। [illegible] [illegible] जाती होगी। [illegible] है अब तुम [illegible] हो गई हो [illegible] जाती हो अच्छा है [illegible] पर [illegible] ही [illegible] पड़ता है ऐसा मन होता है कि किसी तरह से आ कर तुमको देख लें। लेकिन मन मार कर ही रहना पड़ता है।

आपके लोगों का पत्र आया है लिखा था

बुखार आ रहा है और नाक में तकलीफ है पता

नहीं किस दिन से बीमार चल रही है उनको

डॉक्टर को दिखाना है।

सावित्री का तबादला देहली तो हो गया है लेकिन देहली आ गई है और शीला भी सावित्री के पास देहली चली गई है और उसका भी देहली के किसी विद्यालय में है। और चारिस भी अमेरिका से बहू के अपने नौके पर है और बच्चों की छुट्टियां हो रही हैं पर यहां तो बच्चे बबल के शशी के पास गये हैं।

उषा के बारे में तुम्हारा पत्र आया था उसकी परीक्षा फरवरी से होगी।

मिनिया तुम सबको बहुत ही प्यार करता है सब ठीक होगा। आगे अपना पत्र लिखें। अभी तो 3 साल व 2 महीने ही बड़ हुवे हैं।

सबको मेरा प्यार कहिये।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हें उस बनी से सामान मिल गया होगा। तुम्हें पहले भेजे पसन्द आ गया है। और ठीक भी बैठ गया है।

तुम्हारी अम्मा

प्रकाश वती

मेरठ सिटी
४।६।१९७८

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न चिरंजीव रहो

तुम्हारा एक पत्र २४ ता० का लिखा हुआ तुम्हारे बाबूजी ने कल यहां पर २ जून को दिया और दूसरा पत्र तुम्हारा व मेरे का लिखा हुआ यहां पर हमको २ ता० को मिला यह पत्र तुम्हारा २६ ता० का लिखा हुआ है। दोनों पत्रों से तुम्हारे समाचार ज्ञात हुवे। २ ता० को तुम लोगो की बहुत ही याद आती रही वहाँ जितेन्द्र की २ ता० आसीन वालो ने सामान आना रहा है वे पहिले हो गये है।

पहिले और बातो लगाने यहां से ४ जून को गर्मी होगी हमने थोड़ा सा सामान उनके पास १ जून को भिजवा दिया है। जेवर कपड़े बर्तन गोदरेज अलमारी का फ्रेम और नीचे दिये हुए और पहले होता रहा थी इच्छा तो बहुत थी कि कुछ और भी सामान भिजवा दूँ लेकिन सामान होने की वजह से और फिर पता नहीं वह ज्यादा सामान का क्या करेंगे इसी लिये बस थोड़ा सा ही सामान भिजवाया है

यहां पर भी सब लोगो ने पत्र भेज दिये है। जीजाजी ने देहरादून में मकान खरीदा है। अभी बनाया नहीं हुआ है।

राजेश का पत्र आया है वह लिखता है कि मैं
वह मकान बेचना चाहता हूं वह भी मकान
तुम्हारे साथ में खरीदा है। राजेश ने मकान
७ किरायों में खरीद ~~के~~ भी है। तुम्हारा विचार
भी वह मकान बेचने का है क्या। अभी तो यहां
पण्डितजी ने मकान बनाने नहीं शुरू किये हैं।

जैसा कि कहते थे कि रिटायर बाद
यहां पर रह जा सकेंगे। लिखना जा सकोगे
क्या और कौन जा सकेगा। वैसे तुम दोनों
में से तो भी यहां पर आवेगा। यहां पर परेशान
हो जायेगा।

वैसे तुम्हारे बालकों की पढ़ाई ठीक
नहीं हो रही है ऐसा लगता है कि यह वैसे तो
रोज ऐसा ही चलता रहेगा। बिचारे वे भी
कार से परेशान है। पैदल तो चलते है तो
रह जाता है वैसे साइकल पर गांव में
गत(?) बंद ढलता है। रमेश(?) ने लिखे आज(?)
कल इतनी ठंड हो रही है। यहां का अखबार
रहता नहीं पड रही है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारा सम्बन्धी(?)

प्रकाश शर्मा(?)

मेरठ सिटी
४/५/१९७२

प्रिय बेटे शैल तुमको आशीर्वाद व प्यार

तुम्हारा २५ता॰ का लिखा हुआ पत्र हमको यहां पर २ ता॰ को मिला है। तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। इससे भी पहले एक पत्र तुमको लिखा है मिल गया होगा। मेरा पत्र तो हमारे व तुम्हारे जाने से रहीं आते रहते हैं कभी अकेला होता होगा तो पत्र लिखने से मन हल्का हो जाता होगा। और अब तो बस पत्रों का ही सहारा है। पत्र आता है तो ज़रा चैन सी रहती है। २ जून को तो तुम सबों को बहुत ही याद आती रही। रविवार को घर पर रहा था वहीं दिन भर आलोक ने याद किया था। सुशील ने लिखा था कि छुट्टियों में शैल को ७ दिनों के लिये स्कूल में जाना पड़ेगा। इसलिये अपने हाथ से टिफिन चलता रहा तुम पास हो गये होगे। और अब तुम्हारी छुट्टियां हो गई होंगी। तुम्हारे बाबाजी की भी २ ता॰ से १ तारीख तक छुट्टियां हो रही हैं। छुट्टियों में कहीं भी जाने का विचार नहीं है क्योंकि इनको पेट की तकलीफ से परेशानी है और दूसरे घर भी अकेला नहीं छोड़ा जाता है।

तेरे नाना के सुशील के पत्र आ रहे हैं लेकिन इधर आने का अभी भी विचार नहीं है।

यहाँ पर तो ~~अभी~~ गर्मी बहुत है पड़ रही है और
बिजली और पर तो बहुत ही परेशान लगती है
कल जून इसको बिताके गई थी और शायद वे
इसको जारी हैं। अब यहाँ पर भी गर्मी पड़ने वाली होगी
यह अच्छा है तुम्हारे मकान में गर्मी नहीं है।
यदि गर्मी वहाँ पर होजाती है तो तुम्हारे पास भी
हो जाते हैं। यही अच्छा है कि गर्मी वहाँ पर कम है

नहा तुम रावत लिखते रहते हो कि पालिश
नहीं है लेकिन पालिश कुछ नहीं होता है यह
है तो बस भला लगता है कि जिनकी के साथ
हो जायेगा।

तुम्हारा पत्र योगेश के पास १४ दिन होगये
हैं पहुँच गया है।

नीलम की परीक्षा चल रही है इसलिये उसने
पत्र नहीं लिखा होगा। तुम्हारे गुप्ता फ्रेन्ड भी घर
पर भी बहुत दिनों से नहीं आये हैं।

तुम्हारे पत्र में फोटो रखी हुई देख कर
बड़ी प्रसन्नता होती है जब कभी तुम कुछ नहीं
रखते हो तो पत्र सूना सा लगता है।

सबको मेरा प्यार आशीर्वाद।
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

4.6.78

बेटी प्रिया खुश रहो

तुम्हारा लैटर 27.5.78
का मिला। तुमने बहुत
पङ्कु का पूरा हाल लिखा
तो सब हाल मालूम हुवा।
तुम्हारे जिम्मे परेशानी अधिक
है पर करना पड़ता है सब
काम तुम को।

कल तुम्हारा सहेलियां
रेनू वगैरा पूछ आई थी
बड़ी अच्छी तरह से

मिलता है वो चारो । 30

जून को जाना बन्द थी

तो गरमी में ही उन को

बैठना पड़ा - उन का घर

में जाना भी बन्द था ।

यहां सब ठीक ही है

मेरी छुट्टी एक महीने

की खत्म हो रही है 10th Common

का कमपढ़ ही जाना पड़ेगा

सो मैंने 21-22, 23 जून

लगातार बनवा लिया है

जब तक नहीं जाना है

तुम्हारा शुभचिन्तक

[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

4.6.78

बेटा शेलू खुश रहो

तुम्हारा 23.5.78 को letter
मिला। तुम ने पौधों का हाल
नहीं लिखा कुछ बड़े हुए
या नहीं। शायद मिट्टी का
फरक हो या दवा का।
गुप्ता जी तुम को पढ़ाते
थे तीन महीने से नहीं
आया है मैं मोपेड की
वजह से जा नहीं सका
उन के पास।
तुम ने पूछने Lilac के

शैलू का eczema तो
दुरुस्त सा बना था है। वहां
जाकर यह चीजें बनानी
तो भूल गई हैं। यहां तो
इस सालगिरह भी बहुत ही
है। कल तो रात को भी
१२ बजे तक लू थी।
कल १५० में सुबह
६ बजे से शाम को
३ बजे तक बिजली
बन्द रही तो बुरा हाल
था।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

[illegible] RAI GUPT[illegible]
[illegible] PLEADER

नई दिल्ली
२०/५/१९८२

प्रिय मेरे [illegible] तुमको प्यार बहुत सारा

तुम्हारा रचिता का पत्र मिला [illegible] ने लिखा है। रचिता
का लिखा हुआ पत्र [illegible] का [illegible] ने लिखा है।
पढ़ने से [illegible] बड़ी [illegible] होता है। ऐसा पता होता है
कि बस तुम्हारे रोज ही पत्र आते रहें। ऐसे तो लिखो। तुम सब
पत्र जल्दी ही लिखते रहते हो। और आशा है कि ऐसे ही पत्र
जल्दी जल्दी लिखते रहा करोगे। तुम्हारे इम्तिहान तो नहीं
हो रहे हैं तुम अपना स्कूल [illegible] का ध्यान रखना। हर [illegible]
से तो बड़ा डर लगता है। ईश्वर से प्रार्थना है कि यहां पर ठीक रहो

नेहा की [illegible] परीक्षा चल रही है इसलिए उसको
समय से यह तुमको पत्र नहीं लिख सकता होगा। उसकी
परीक्षा शुरू होने से पहले ही समाप्त होगी।

तुमने यह अच्छा किया गुलाब को पौधा लगाया है लेकिन
इसको ठीक होने [illegible] दिन लग जावेंगे और तुम
लिखना कि अब तो बड़ा ही नहीं हुआ है। ऐसा
लगता है कि यहां के पौधे यहां पर होवे नहीं हैं।

मेरा तुम्हारा [illegible] पैर तो वैसा ही चल
रहा है एक पैर का घाव पूरी तरह से दुखता रही है
मैंने इलाज भी किए थे लेकिन कुछ फायदा नहीं होता है
तुम लिखना पत्र को। इस उम्र में कोई बिमारी ऐसा
आ ही जाती है जो ठीक नहीं होती है। [illegible]
[illegible] रहे हैं। इस दुनिया में नहीं [illegible] रहे हैं

क्योंकि उन्हें तो आराम नहीं रहता नहीं है
इसलिये रास्ता लोगों में आने से डरते ही हैं
दिन भर घर पर ही रहते हैं। समय इतना बड़ा लगता
है कि बड़ी मुश्किल से बीतता है। जब तुम सबको
तो समय का पता ही नहीं चलता था। अब तो तुम्हारी
छुट्टियां हो गई होंगी अब कुछ क्या करते रहते हो
भगवान ने लिखा था कि कुछ दिन के लिये शौक को
छुट्टियों में सफल है अच्छे दिन बितेंगे। इसलिये
आज के लिये अच्छे चलो। कुछ पास हो गये होंगे।
यही ताकत तो ठीक रही ही है।

पता नहीं रिजल्ट हो गये हैं। तुम लोग
अब कैसे लगते होंगे तुमने फोटो क्यों खिंचवाई
है या नहीं। यदि इस अपनी फोटो खिंचवाओगे तो
मुझे अवश्य भेजोगे। तुम्हारे बाल तो क्या हाल है

योगश्री ऊंचा होता है उसने पाठ भी
तुम्हारा पत्र आया है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी प्रभाता

ज्ञानदेवी नानी

[illegible] मेरठ लिदी
[illegible] २०/६/१९६२
[illegible]

प्रिय बेटे कुशाल सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो
तुम्हारा [illegible] का लिखा हुआ पत्र हमको मिला
तो दिल गदगद हो गया है तुम्हारे समाचार ज्ञात हुये हैं
शेष गुड्डियों का पत्र कोलकत्ता से आया तो मिल गया है
पत्र से बड़ा सहारा सा लगता है। नया और कुछ भी
खास होता नहीं है लेकिन मन नहीं लगता है सदैव
आशीर्वाद दे बोलता है स्नेह से तुम्हारा बाबूजी को
दफ्तर की छुट्टियां हो रही हैं लेकिन वहां पर नहीं रहे
हैं। मेरे को इतनी सच्चा मेरठ ही अच्छा लगता है
और दूसरे घर की जगह ही नहीं। मेरठ के
देहात के विचार कुछ तो रहे ही हैं। उन के
इतने कारण को जानते ही थे इसलिये नहीं जाने
दे को वीराना सा लगता है। नया तुम्हारा
नहीं याद आती है। पता नहीं कब देखेगा आंखों
को [illegible] दिन पड़े हैं। नहीं मालूम इतना लम्बा
समय कैसे बीतेगा। अब तो यह पत्र ही पर
रहते हैं नहीं तो गुड्डो तो दोपहर को सदा
आशीर्वाद दे बोलता था।

देखो तो ऑन चाचा कभी यहां के

८ ता० को [illegible] हो गये हमने २ बजे तो उनके पास भोज का सामान भिजवा दिया था वह अब तो तुम्हें मिल गया होगा। और किसी चीज की तुम्हें आवश्यकता हो तो लिखना कोई भी सामान भेजना होगा तो भेज देंगे।

[illegible] कर [illegible] हो गया है अब तुम लोग अच्छी तरह से चला लेते हो। गुड़िया बिमारी से ठीक हुआ ही बहुत कम होती है उनकी तरह से नहीं जा नहीं सके हो। गुड़िया को अपने बाप में [illegible] पहले पैर [illegible] लगता है मकान पर बड़ा अच्छा लगता है।

वहां गोरखपुर गये थे मकान के पीछे शंकर [illegible] की जगह पड़ी थी उसमें फोटोग्राफर वालों ने बहुत ही अच्छा सुन्दर मकान बनवा लिया है और [illegible] मकान में आ गये हैं। सब ही और [illegible] लग गया है।

तुम्हारे बापूजी को तुम्हारे लोगों को आशीर्वाद। समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]
[illegible]

मेरठ सिटी

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

प्रिय दिदिया/गुड़िया तुमको हमारा बहुत प्यार

तुम्हारा २९ ता० का लिखा हुआ पत्र [illegible] ता० को
मिला समाचार ज्ञात हुए। यहां पर सब ठीक है। तुम लोगों की
कुशल ईश्वर से [illegible] चाहते हैं। यहां पर नानीमाँ
को लेकिन रात में [illegible] होने से [illegible] हो गया
है। [illegible] गर्मी में [illegible] रात ही [illegible] हुई है।
और तुमने लिखा है कि [illegible] पत्र की [illegible] रहे हैं
लेकिन [illegible] पत्र में तो [illegible] नहीं था शायद तुम [illegible]
[illegible] नहीं होगी। तुम्हारे [illegible] है [illegible]
[illegible] होती है। [illegible] से [illegible]
है [illegible] से पास हो गया है
[illegible] में आया है। तुम्हारा [illegible] बहुत अच्छा
है यहां पर तो [illegible] शायद [illegible]
है। लेकिन [illegible] घंटे [illegible] रहा। वहां पर
[illegible] नहीं [illegible] मिलता है
[illegible] अच्छा [illegible] होता है। [illegible] में नहीं
[illegible] तुमको [illegible]
[illegible] तुमको यहां पर [illegible] नहीं थी। [illegible] वहां पर
[illegible] होगी तो [illegible] है [illegible]
[illegible] है। [illegible]
[illegible] तुम्हारे [illegible] को [illegible]
[illegible] शायद [illegible] होगा
[illegible] यहां से गए है। और [illegible]
[illegible] है या नहीं। और [illegible] तो नहीं मिलता है

यहाँ पर भी गर्मी पड़ती है अब तो सोचने से है यहाँ पर
तो गर्मी पड़ना ही नहीं होगा लेकिन ज्योतिषियों ने
है बेहद गर्मी की।

बिटिया तुम तो तीनों ही बड़े हो गये होंगे लेकिन
तुम्हारे बाबा तो यहाँ आ नहीं रहे हैं। अब तो घर छोड़ते
दुख सा लगता है और बेहद तो समझदार रहते ये रहते हैं
ज्यादा तो कुछ भी पता नहीं चलता है। डॉक्टर लोग आते हैं
सभी भी हो जाता है थोड़ी देर आप तो रहते हैं ज्यादह
रहेंगे नहीं। मैं। सबका पेट तो बाहर है भी नहीं ठीक है
और ये उबाले। सो लाती है अपना तो किसी तरह से चले
जाते हैं। यह सब बिचारी ने पेट का ऊपर ऐसा हो गया है
कि और तो ही नहीं लगता है। नहीं तो आठ आठ में भी रोशनी
हो जाती है तुम देखती थी गल भी किसी समय और बात
होता था सोच के आते थे। अभी चप्पल टूट गई थी
तो उन रुपये बाल से पैसा यह बिचारा आप भी आप से नहीं
भुलभुलाते थे। पैसा तो पास ही नहीं रहते हैं सिर्फ दिखाई
भी जब आते कुछ ऊपर हैं। सारे लोग भी ला रहे थे लेकिन
उस फायदा नहीं होता है अब आई डॉक्टर भी [illegible] पता रहे
है। पता नहीं पेट में नसें तक लोग हो गये हैं जो ठीक ही
नहीं होता है। फिर बिटिया तुम लोग। कुछ खुल पता चलता
रहता यदि है तो आराम हो जाता है [illegible] से हो जाता
है। अब बिटिया तुम लोग यहाँ पर जरा को [illegible]
के यही पता है। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]
बड़ी माँ

मेरठ सिटी
२०। ८।१९६८

[illegible]
[illegible]

प्रिय चिरंजीव सपौत्र सहित सौभाग्यवती रहो

मैंने तुमको पत्र लिखा है मिल गया होगा
गुड़िया शील व सुशील के पत्र से तुम्हारे समाचार ज्ञात हुए।
यह जान कर चिन्ता दूर हुई कि अब तुम्हारी तबियत ठीक रहती
है ५ जून को जब यहाँ से आये थे शायद तुमने इस त्योहार का ध्यान
होगा और तुमने क्या होगा [illegible] बहुत होगा
अपनी तो मैंने तो बस दृष्टि ही बनाली थी। बच्चे देता थी हमारे
पिताजी को १ वर्ष हो गया है। आज सिनेमा से उपेन्द्र यहाँ आये हैं
मकान का कुछ समाचार नहीं मिला है। २२ ता. को तुम्हारे बाबूजी
देवकी को [illegible] दिखलाने के लिये गये थे। देवकी से इनको
पता चला है कि १९ मई को गीता ने भूल से जहर पी लिया था
ऐसा हुआ कि उसने किसी जानवर के लिये जहर बनाया था पता
नहीं उसने किसी काम में आता होगा जो बचा उसने गिलास होने
के बाद से एक तरफ को रख दिया था। और उसका ध्यान नहीं
रहा वह भूल से पानी की जगह पी गई जब उल्टी किया तो
उसको पता चला उसने अपने बाप से कहा इन लोगों ने
एक बार अस्पताल में दाखिल कर दिया। मेरा लोगों का यों
कहना है कि दाल दिखाई उसने बच्चे को ले आया आज लोग
वहां रहकर को बुलाया रात और दोपहर लौट के आये हुआ
देवकी को [illegible] गीता [illegible] ले गई रात [illegible] उसको देहली के
अस्पताल में ले गये हैं। वहां पर उसका इलाज चल रहा है। इसको
किसी बात का कुछ पता नहीं चला [illegible] से इनको
[illegible] सब बातों का पता चला है देवकी ने कहा था कि [illegible]

से खबर नहीं मिली उनके कहा कि भारी कठिन को आशिल
सकते हैं बहुत परेशान होंगे। इसके बाद से गुरदे खराब हो जाते
हैं। उसके हाल लेकिन क्या भोग होता है गुरदा से बहुत बड़ा
रही है कहते हैं कि उनके लगाने में २ हजार से ज्यादा रुपये
लगते हैं। कहते हैं कि ७ हजार रुपया लग जायेगा।
मैंने कि देहली से शुरू हुआ है। अब पता नहीं यह
बात कहाँ तक ठीक है। यहाँ पर इसके किसी से बड़ी
रहा है कि पता नहीं क्या समझें। २२वां। तो वो उनको
जयपुर से लाने वाले टिकट के लिये आ रहे थे। उनको
सोमवार दिया। मैंने बाद यह परेशानी व विचार होगया
है और उनको बिल्कुल ठीक हो जाये। मेरे लड़का को पत्र
लिखा है लेकिन उत्तर नहीं आया है। यदि सीतागामिनीबार घर
तो हम देख आते रिश्ता कुल खर्च बहुत है और
मैं अकेली गामिनीबार भी नहीं जा सकी हूँ। यदि गामिनीबार
आते तो हम जाकर देख आते। यह पढ़ लिखकर थोड़ा
बहुत परेशान रहे हैं। हालत में साइकिल या ... में उतर लगते हैं
उन डाईबिटीस चढ़ा रहता है मैंने कि। मैंने कि जयप्रकाश जी ने
गुरदा का पता था। तुम यदि पत्र लिखो तो कुछ बाद में तुम
पत्र लिखना। तुम्हारे पास सोने की मशीन ना होने से सोने में
तुम परेशान होती होगी। अब तो बीज को छुट्टियां होजायेंगी
... अभी बालक को पढ़ा जाता है। ... २१ से उनको
... लिखा चल रहे हैं ... हो गया है लेकिन तुम ...
रहे हैं पता नहीं क्या बीमारी है उनको और से बड़ी चिन्ता है।
तुमको तुम्हारे ... को याद। ... सहित ही देना

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

11.6.78

बेटी गुड़िया । खुश रहो ।

तुम्हारा 29.5.78 को letter मिला । तुम ने लिखा था उषा को भी उस में letter रखा है । यहां उस में वह letter नहीं निकला शायद रखना भूल गई होगी ।

तुम ने लिखा है मुझे किसी के पास जाने को । यह मुश्किल है । मेरा पेट पचाने वाला काम नहीं कर रहा । घुटना नहीं मुड़ता । चला नहीं जाता । बाद में तो

थोड़ा थोड़ा चल कर काम
करने लगा हूँ। सहारा लेकर
जीना उतर जाता हूँ पर बाहर
कहीं भी पैदल नहीं चल
सकता। रिक्शा से जाना होता
है। पुत्र बाहर से कचहरी
छोड़ूं। कार से जा सकता हूँ
थोड़ा पैर चला कर पर इस
भी accident का डर रहता है।
कई बार बाल बाल बच गया
हूँ। Lalram ने सीधा पैर
नीचे वाली पैडी पर रखकर
हाथ से दीवार या जंगला
पकड़कर मुश्किल से बैठता
हूँ। कहीं जाकर तो Lalram
से भी मुश्किल होगी

तुम्हारा बाबा
धनपत

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

11.6.78

बेटा शैलू! खुश रहो

तुम्हारा 29.5.78 का letter मिला।

यहां गरमी बहुत रही। कल हलका बारिश हुई तो कुछ कम रही। यहां तो इस साल मसूरी देहरादून और शिमला की भी यहां रेकार्ड रही। इस बहुत गर्मी है। Lucknow और चन्दौसी का बुरा हाल रहा। कल की बारिश से शायद चैन मिले।

यहां तो पुराने पौधे रहे गेन्दा, गुलाब, बेला, तुलसा सदा बहार वगैरा चल रहे

रहे हैं। वहां जाता नहीं
क्यों पौदे नहीं बढ़ रहे।
इस मौसम में तो बड़े
होने थे। शायद मिट्टी
का फरक हो। तुम्हारे
भेजे हुवे बीज भी लगा
नहीं, वह शायद जाड़े के
मौसम के होंगे।
गुप्ता जी तुम का फोटो थे
कोई नहीं के से नहीं
मिला। शायद कामों
फुरसत ना हुई हो।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

मेरठ सिटी
२४।६।१९७२

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

हम यहाँ पर ठीक हैं। तुम सबकी भी कुशल ईश्वर से सदैव ही मनाती चाहती हूँ।

तुम्हारा ५ ~~जून~~ जून का लिखा हुआ पत्र हमको १३ जून को मिला पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुए।

तुम विनीता का पत्र न आने से चिन्ता मत करना वह नीरज की तो २२ मई से परीक्षा चल रही हैं ~~जून~~ जौलाई के पहिले हफ्ते में समाप्त होगी इसी लिये तुमको पत्र नहीं लिख सका होगा। यहाँ पर भी उसका कोई हिसाब से पत्र नहीं आया है। लेकिन बालक की ओर से अवश्य चिन्ता है उसने पत्र क्यों नहीं लिखा है। शायद कोई कारण पत्र का जवाब न हो गया होगा।

मेरी तबियत तो ठीक सी ही है लेकिन तुम्हारे बाबाजी के पैर का दर्द तो अभी चल ही रहा है ऐसा लगता है यह दर्द तो जिन्दगी के साथ ही रहेगा। बिचारे को पैर की वजह से चलने में बड़ी परेशानी सी होती है। इसी कारण से कहीं जा भी नहीं रहे हैं ऐसी गर्मी में नहीं और गाँव में परेशानी बहुत ही होता है। अच्छा जब तो नरेश के उन महिने की छुट्टियां हो रही हैं घर पर ही रहते हैं। हम तो ईश्वर से यही मनाते हैं कि तुम्हारे बालक और सब लोग ठीक रहें और तुम सब बालकों बच्चों को देख लें। अभी तो कई महिने ही बाकी हैं पता नहीं इतना लम्बा समय कैसे कटेगा कब इधर हम ठीक रहें और उधर तुम ठीक रहो समय ऐसी खुशी से बीत ही जायेगा।

तुमको वहां पर पढ़ाई की बहुत परेशानी है और दो-चार
मन में बड़ी चिन्ता रहती है लेकिन अब तो तुमको रहते
हुए अच्छा लगने लगा है १० दिन की छुट्टियां होने वाली
थीं वो हो गई थीं। यह अच्छा है तुम मदन चाचा को
सब बातें लिख देती हो इससे तुम्हारा पत्र मिल तो
है तब सब समाचार में आता है। [illegible] सोचा है तुमने
और पर बात की थी यह अब तुमको घर पर पढ़ाने आने
लगे हैं या नहीं। लेकिन घर पर आने में तो पैसे भी
ज्यादा ही लेते होंगे। फिर किसी तरह से तुम्हारी
पढ़ाई ठीक हो जाये। और ट्यूशन से हमारी यही इच्छा
है कि खूब अच्छी तरह से पास हो जाओ। तुम २४ ता
को गई थीं सदा याद गई थीं तो तुमने वहां पर त्योहार
देखा है।

तुम्हारी शायद सुशील की पार्टी आ रही है
सरोज भी गई होगी। सरोज की तबियत अब
ठीक होगी। [illegible] परेशानी ही है यह लिखते रहते कि
व्यापार चल रहा है उसकी ओर से बड़ी चिन्ता होती
है यहां पर बहुत ही तेज गर्मी थी लेकिन दो दिन
बारिश होने से अब ज्यादा गर्मी कम हो गई है।

बस मन नहीं लगता है जयपुर भी सुशील के
ही लौटता है।

सरोज को सुशील को प्यार अपनी ओर
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

मेरठ सिटी
२४/ ६।१९६२

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा ५ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको
कल १३ ता० को मिला है पत्र को देख कर बहुत
ही प्रसन्नता होती है। दोपहर से ही पत्र की इन्तजार
होय रही थी लेकिन आज ४ बजे शाम को आये तब
तुम्हारा पत्र मिला है। नीरा अपनी परीक्षा की वजह से
उधर नहीं से आया होगा और पप्पू भी तो प्रसन्न है।
मैंने तुमको पहिले पत्र में भी लिखा है सितार बजाने में
सोमेन्द्र डिविज़न से पास हो गया है संगीत की फाइनल
बाकी है यह छुट्टी में आया है। सितार आज कल रोज़
सीख रहा है। बेटा अब तुम अपने बाबा जी से मेरे बेटे
को लिखना वाना छोड़ दो ऐसा लगता है यह तो रहे
अब सैल को ही हो गया है १० दिन से आरडिनन्स की भी
मालिश दिन में नहीं कर पाते हैं लेकिन तुम्हें भी
तो लिखा था कि असर नहीं होता है सितार तो सीखो
अब छोड़ा है और ज्यादा सितार की जानकारी है देखो
हैं। गला-सितार गलत-गलत चलाते थे अब सितार बड़ा
आसानी से चलाते हैं। रजाई में जो शाम में आज
हो जाता है प्रोग्रेस से ही आता है। बेटा मेरी तबियत
तो ठीक सी ही रहती है। अब तुम्हारे पास यह फूल
शौक से लिख गया होगा पता नहीं यहां पर क्यों
नहीं होते हैं।

तुम अपने होना के लिये कोई स्थान ले रहे हो
क्या गोले को केवल पढ़ते रहेला कल पढ़ोगा है
कि ज्यादह ना बढ़े। अब तुम्हारी स्कूल भी १५ ता
से छुट्टियां हो गई होगी और अब तो घर पर ही
रहो होगे।

मेरा इधर पत्र के बाद कोई चिन्ता पत्र
आने से पहले हो ज्यादा लेको तुम चिन्ता पत्र
बताको बैठे तो हम गल्दा नहीं लिख देते
हैं। यह पता नहीं था कि कोई ऐसा सपद भी
आवेगा कि केवल पत्रों पर ही सहारा होगा।
मिलने को और सब ही जल्दी नहीं होते हैं लेकिन
यह मालूम रहता है कि अब फिर कोई मिल लेंगे
लेकिन तुम लोगो से तो तीन मिल लेने का अब कि यहां
पर आओगे ईश्वर ने यह दिन शीघ्र ही लाये
जो सब जगह ठीक रहे।

हम तो अपना पूरा ख्याल रखते हैं
क्योंकि तुम्हारे आने तक जीने की बड़ी इच्छा है
यहां पर सब जगह ठीक हैं।
समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

14.6.78

बेटी प्रिय खुश रहो।

तुम्हारा पत्र मिला। सब हाल मालूम हुए।

बेटी तुम मुझे यहां से कोई भेजना चाहती हो? यहां तो तुम लोगों का हाल प्रायः मिलता रहता है।

और अशोक के साथ जगह यानी Anas Vcka और Insurance में पता तो यहां का ही दिया

हवा है। सब काम यहाँ
पाखानों से हो जाते हैं।
कहीं जाकर कुछ भी
प्राप्त नहीं मिलता।
और यहाँ के कामों से
भी अभ्यास पड़ता। जो भी
यहाँ प्राप्त है। कहीं भी
जाने से परेशानी ही होगी।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B. A., LL.B., PLEADER
MEERUT

11.6.78

My dear Sushil
Received yours of 1.6.78. I am trying to Contact Shri D. R. Raju S.O. & will see if I can find him.

Mr. Aggarwal has not Come here since the Day the money for your A. Vikas plot was paid. I don't know the position at present.

Raju wants to sell off the plot on the Mawana Road.

I think you will also not like to keep that plot. I will see if the two plots can be sold or rented.

I am glad Lindya & Shalloo are keeping well. I am anxious to know the condition of Shalloo about his skin.

With love
Yours affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

14.6.78

मेरा शैलु बच्ची रेखा

तुम्हारा letter 5.6.78

का मिला। तुम्हारे बाल

एकदम ठीक नहीं हुए मालूम

होता है। मुझे इसका ख्याल

है।

मैं तो पैर की मालिश

आजकल याद नहीं करता

कई बार कर चुका हूँ।

देहाती डाक्टरों का

tubes की मालिश की

फिर कोई बन्द करके तेल

की दोनों पैरों की।

अब दस दिन से Iodex
की मालिश कर रहा हूं
कोई खास बात तुम इस की
चिन्ता मत करो। यह तो
शायद अब कुछ ना
कुछ रहेगा और इस को
तो बरदाश्त करना है।
किसी ना किसी तरह से
जो भी दिन कट रहे हैं
लूंगा। तुम लोगों के
लौटने तक किसी तरह
काम चला लेना चाहता हूं।

तुम्हारा [illegible]
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२२।९।१९६२

प्रिय चिरंजीव गुड़िया तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

तुम्हारा ५ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको २३ ता० को मिल गया था और हमने उसका उत्तर दे दिया था लेकिन तब से तुम्हारा कोई पत्र ना आने से चिन्ता है कि [illegible] गये हैं। पत्र ना आने से बड़ी चिन्ता है रोज पत्र की इन्तजार करके निराश हो जाते हैं क्योंकि तुम्हारे पत्र में इतनी देर नहीं होती है।

हम यहां पर ठीक हैं। तुम सबकी कुशल ईश्वर से सदैव भली चाहते हैं। अब बर्षा हो जाने से यहां का मौसम कुछ अच्छा हो गया है। तुम्हारा काम व पढ़ाई ठीक चल रही होगी। सोना ठीक होगी। हम तो तुम सबको रोज ही याद करते रहते हैं। सब से बड़ा दुख यह है कि मन नहीं लगता है समय बड़ी मुश्किल से कटता है। अब तो इतनी अंग्रेजी की छुट्टियां भी हैं घर पर ही रहते हैं। इतने बच्चे आने पर दिन भर अकेले पड़े रहने से बड़ी मुश्किल से समय कटता है। हम लोग तो अपनी जिन्दगी में अकेले बार हो अकेले रहे हैं। कुछ याद भी नहीं है तुम्हारे सामने तो समय का पता ही नहीं चलता था।

जितने दिन से [illegible] वगैरा भी नहीं आए हैं। यह पढ़ाई की वजह से नहीं आ सके होंगे। आजकल उषा भी अपनी पढ़ाई में लगी हुई है

तुम्हें देहली वाली बहनों के जो सामान देना है
मिल गया होगा।

मैंने सुबह पत्र लिखकर रख दिया था कि
आज शाम बच्चों का पत्र आवेगा और बाकी
अन्त पत्र पढ़ कर लिखूंगी। लेकिन आज भी
तुम्हारा पत्र का आने से बड़ी निराशा होगई है
और तुम्हारे बाबाजी को तो बहुत ही परेशानी है
पता नहीं है क्या बात है बच्चों का
पत्र लिखने में इतनी देरी [illegible] नहीं
नहीं करते थे। यदि कल भी तुम्हारा पत्र
नहीं आवेगा तो बड़ी चिन्ता होगी। अब तो
जरा भी पत्र आने में देर होजाती है तो बहुत
ही चिन्ता हो जाती है। बस ईश्वर से यही
प्रार्थना है कि तुम सकुशल रहो।

प्रिय कमल लोगों को हमारा
आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभचिन्तक
प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
PLEADER

22.6.78

My dear Sushil

The last letter from children was dated 5th June and was recd here on 12th or 13th June. Since then there was no letter from any of you. We are worried on this account as this has never happened since you went there. Agarwala was to see me on 18.6.78

but he also did
not come.
I hope you are
all well but
naturally worry
is there.
Please inform
Yours aff
[illegible]

[illegible] मेरठ सिटी ३ जून
[illegible]
[illegible]

प्रिय बेटे सौरभ तुमको ढेर सारा बहुत सा प्यार।

तुम्हारे दोनों पत्र हमको कल एक साथ मिले एक पत्र २२ता
ता० और एक २४ ता० का लिखा हुआ था। पत्र नहीं आने से बड़ी चिन्ता
होती। अब हमारा पत्र भी तुमको मिल गया होगा तुम्हारा भी पत्र
जल्दी से दे दिया करो तो बहुत ही चिन्ता हो जाती है और
तुम्हारे बाबा जी तो बहुत ही परेशान से हो जाते हैं
अब तो तुम्हारा स्कूल बन्द हो गया होगा। अब तुम क्या क्या
काम करते रहते हो। अब यहां तो भी गर्मी होती है वैसे
तुम्हारे शहर पर ज्यादा हो जाती है। तुम ने डाक्टर को दिखलाया
है अब दवाई से तुम्हारे दांत ठीक हैं। तुमने लिखा है कि
नारायणपुर में भी गर्मी लगती है इसका यह मतलब है कि
वहां पर भी गर्मी पड़ती है। पर मैं तो गर्मी लगती रहती
होगी बाहर जाने पर न हो गर्मी बहुत ज्यादा चलता
होगा। यह जान कर खुशी हुआ कि तुम मोटर गाड़ी को
देखने गये थे। गुड़िया भी अच्छी तरह से है? भी नहीं।

मेरा हमारा हाल चाल तो ठीक से ही है बाकी यहां पर
जरा भी नहीं लगता है। सिर्फ ट्रांजिस्टर से बोलता है
व गुड्डू दोपहर को ताश खेल लेते हैं [illegible]
समय बीत जाता है। इतना बड़ा दिन काटना है कि ट्रांजिस्टर से
ही बोलता है अब वो तुम्हारे बाबा जी भी [illegible] हैं
इतनी कमजोरी [illegible] पर तो बैठ भी [illegible] में समय नहीं

होते गा तुम्हारे स्वेटर [illegible] का पता भी नहीं चलता
था। यह जानकर प्रसन्नता हुई कि तुम्हारे पैर अब
ठीक होने लगे हैं। अब तो घाव पर पूरा भी छिल
गया होगा। वैसे हम अपनी तबियत का ध्यान तो बहुत
रखते ही हैं लेकिन इस शरीर के साथ में कुछ कुछ तो
लगा ही रहता है। तुम हमारी ओर से इतनी चिन्ता न
करो क्योंकि जब तुम लोग यहां पर ठीक रहोगे तो हम भी
ठीक ही रहेंगे।

वैसे तुम्हारे बाबाजी विशेष कोशिश तो अपने
पैर की बराबर ही कर रहे हैं। लेकिन जब समय आता है
तो कुछ जाता है। पैर में दर्द चल ही रहा है।
और तुम बराबर लिखते रहते हो इस लिये तुम्हारा
कहना भी मानना ही है।

यहां पर आजकल मौसम अच्छा हो रहा है
इसलिये गर्मी कम हो गई है। और सब जगह ठीक हैं
तुम भी अपना खूब ध्यान रखना। और पत्र जल्दी २ ही
लिखते रहना। ईश्वर से प्रार्थना है कि वहां पर तुम
लोग खुश रहो।

सुशील को हमारा आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही
देना। अमर मास्टर जी का लड़का
योगेश आया था वह कहता था कि
मैंने शेर को एक पत्र लिखा था
और उन पत्र [illegible] अम्माजी
को लिखी है

तुम्हारी अम्माजी
[illegible]

BHAGAT RAI GUPTA
B. A., LL. B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२५। ८।१९६२

प्रिय ललिता गुड़िया तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

शैल के लोग सुशील के पत्र से यहां के सब समाचार ज्ञात हुवे हैं। तुम शायद आजकल से पत्र नहीं लिख सकी होगी और कोई बात नहीं है। तुम बहुत बाहर के पत्र से मिल हो गई है। एक पत्र मैने तुम्हारे पत्र कोई जवाब देख के डाला है मिल गया होगा तब जो भी इस लोगो के पत्र पढ़ने में हो जाती है वो बहुत ही अच्छा हो जाती है। और कितने तुम्हारे बाबा जी तो भी बहुत ही परेशान से हो जाते हैं।

तुम्हारी पढ़ाई के बाद ठीक चल रहा होगा अब तो उसको बाद करने का खूब अभ्यास हो गया होगा। इसी दिनों से मन्नु बोलता नहीं हुवे हैं तुम्हारे पास जाना का पत्र आया होगा जो। बहुत ठीक होगी।

हमारी तो तबियत नहीं लगती है समय इतना बड़ा लगता है कि मुश्किल से बीतता है इसलिये कुछ काम करता भी नहीं है।

बस तुम सबको तो बहुत ही याद आती है

अभी तो बहुत लम्बा समय है पता नहीं कैसे बीतेगा।

इधर जो नई हिन्दी पिक्चर देखी है वो रही। मैं तो उषा के साथ 'अपना पन' पिक्चर देखने गई थी। पिक्चर अच्छी थी।

अनिल भाई तो कानपुर से मकान ले आये नहीं हैं क्योंकि अनिल का साथ बिल्कुल नहीं छूटा है अनिल भाई तो बिल्कुल भी चले भी नहीं है।

ऊषा पर तो अच्छा ही हुआ है इसमें तो चिन्ता थी कि इसकी पढ़ाई कैसे होगी। [illegible] लोग के सामने तो कुछ पता नहीं चलता था बाद यहां से आने तो डालना ही पड़ता। अच्छा इस बार बच्चों। यहां पर भी आम आते हैं पर नहीं। आजकल तो हम लोग [illegible] आपस में बड़ा [illegible] होंगे। इधर [illegible] भी पानी आता है। तुम्हारे नानाजी का प्यार

समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

[illegible] RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२५।६।१९७२

चिरंजीविता सौभाग्यवती [illegible] प्रेमो

तुम्हारा २४ ता॰ का लिखा हुआ पत्र हमको कल मिला है इस पत्र [illegible] का भी कल २२ ता॰ को मिला है जवाब का पत्र आया देर से आने के कारण से बड़ी चिन्ता हो रही थी अब से यह जान कर चिन्ता दूर हुई कि सब वहाँ पर ठीक है।

रतन का पत्र आया था गीता [illegible] को घर पर बुखार है उनको फिर रेलवे अस्पताल में दिखलाने गये थे। जैसा कि मैंने तुमको इससे पहिले पत्र में लिखा था मेरे स्वास्थ्य ठीक हो गया है चार चार गोली में [illegible] डाइलेंटिन [illegible] है ४ इंजेक्शन लेना जरूरी है। पता नहीं [illegible] चक्कर है मतलब [illegible] दवा नहीं है। मैं अकेला जा नहीं सकता हूँ और यह अपने पैर से एक भी कदम से जा नहीं सकते हैं। तुम्हारे जाने से तुमको नहीं अपने जाने की बहुत ही उदासी हो गई है। मित्रा भी परेशान थी [illegible] उनको वापस [illegible] और उनका इलाज भी नहीं गई हूँ। अब तो वह चली गई होगी। कल [illegible] का भी पत्र आया है। बाकी [illegible] पत्र आया है उन्होंने लिखा है कि मैंने लोगों इन [illegible] के लिये लिखा है तुमको उनका पत्र मिल गया होगा जैसा ठीक समझोगी उत्तर दे देना।

अब तुमको इस [illegible] के सामान मिल गया होगा। मेरा ही मन करता रहा कि खुद ले जाऊं लेकिन [illegible] नहीं देखो कि पता नहीं [illegible] भी जायेगा और कि सब पर [illegible] से होती है।

शेष पत्र [illegible] के मकान चला गया है एवं नहीं वह

[illegible] की बात [illegible] के [illegible] ने और मेरी मकान के

नहीं आये हैं। उमा ने [illegible] भी पता नहीं भेजे [illegible]

हैं। [illegible] के हाथ ठीक हो गये हैं। तुम उनसे [illegible]

लगा रही होगी अब उनके हाथ [illegible] हैं [illegible]

तो भी यह बहुत [illegible] बिमारी लग गई है।

सुशील ने [illegible] में भी [illegible] होते ही रहते हैं।

तुम सब लोग [illegible] को [illegible] की [illegible]

गई होगी। गुड़िया भी आ गई है पर नहीं वह तो

बिमारी बहुत ही [illegible] रहती है अब तो [illegible]

[illegible] सब भूल गई है। [illegible] तो [illegible] ही

रहा है [illegible] भी बहुत [illegible] हो रहा है [illegible]

[illegible] के [illegible] भी हो जाता है यह तो तुम्हें पता ही है

[illegible] होने पर [illegible] नहीं जाता है [illegible]

[illegible] के [illegible] को [illegible] अब [illegible] हो गई है

[illegible] को [illegible] दे गई है। तुम्हारी तबियत

ठीक होगी। तुम सब की बहुत ही याद आती है [illegible]

[illegible] है बहुत ही बड़ा दिन लगता है अब

[illegible] भी [illegible] है। प्रिय सुशील को हमारा

आशीर्वाद। पत्र जल्दी ही देना।

तुम्हारी अम्मा

[illegible]

26.6.78

बेटी गुड़िया खुश रहो।

तुम्हारी पढ़ाई और

काम ठीक चल रहा होगा।

अब तुम को फुरसत कम

मिलती। जब भी time

मिले अपना पूरा हाल

लिखना क्योंकि यहां

चिन्ता हो जाती है। वैसे

शालू और शीतल तो

लिख देते हैं। तुम्हारे letter

से पूरे details मिल जाते

है। सुनीता का भाई Yogesh
आया था। कहता था
कि शैलू को उसने letter
लिखा था उत्तर नहीं मिला एक
फिर सारा जवाब लिखा है।
यहाँ एक मौसम अच्छा
है। बारिश भी हो जाती
है। गर्मी भी ज्यादा
नहीं है। शैलू ने
लिखा है वहाँ ठंड भी
है कि बनयान भी पहनना
पड़ता है।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

26.6.78

My dear Sushil

Recd yours of 15.6.78. This was recd after a long time. I had asked Agarwal to do the needful in your Awas Vikas matter. I conveyed to him the details through Mr. Vijay Gupta. He had sent a message (oral) through Mr. Gupta that he would see me 18.6.78

but he has not

Come even upto

this time.

You may also write

to him to do the

needful in the

matter, so that

the authorities may

take further steps

in the matter.

with love

yours affly

[illegible]

26.6.78

श्री हरिश्चंद्र जी (विश्व देव)

तुम्हारा letter 25.6.78 को मिला। फूल वाली घास की शक्ल है न कोई तरह की न जाने था। एक orange एक white और एक लाल फूल वाली। orange और white फूल भी जो है पिछले वाला वह भी जो है लाल Dehradun से लाया था यह पौधे बहुत थोड़े 2 होते हैं पौधों पर [illegible] हुआ नहीं रहा Red फूलवाला घास बड़ा।

फूल बढ़ते हैं और कभी २
फलती हैं। इन डालों को
इतना तोड़ काट न जावे तो
जल्दी फैलती हैं और फूल
भी आते हैं। पुरानी जड़
से जल्दी नहीं फैलती।
मैं तो पेड़ को मालूम था
बराबर काट ही रहा हूँ
शायद ठीक है पेड़ को बन्द
करना था। तुम्हारा ख्याल
काटने को जरूरत नहीं है।
जैसा होगा करवा रहे के लो
है

तुम्हारा बाबा

मेरठ सिटी
२२।६।६२

प्रिय बेटे शैल तुम्हें प्यार। शिव का प्यार [illegible]

तुम्हारा २० ता. का पत्र हमें कल २७ ता. को मिल गया है यह पत्र तो बस हफ्ते में ही आ गया है इससे पहले के लेकर लगभग सात दिन। इससे पहले पत्र तुमको लिखा है मिल गया होगा। अब कई बार से शैलजा का पत्र नहीं आ रहा है पता नहीं क्या बात है उसको पत्र लिखने का समय नहीं मिलता है या इतने नाराज हो गये हैं। पिताजी को पत्र लिखने का समय ही नहीं मिलता होगा। इस तरह तुम लोग नाराज तो नहीं हो रहे हो। यह तो झूठा विश्वास है।

यह जान कर प्रसन्नता हुई कि कॉलेज में तुमने स्कूल में दाखिला ले लिया है अच्छा है यदि पास हो गये तो फिर साथ लग जायेगा। लेकिन मेरा यही अनुभव होता है कि तुमको कालेज जीवन से परेशानी बहुत उठानी पड़ती है। और बेश परेशानी उठाकर ही सफलता प्राप्त होती है तुम हिम्मत मत हारना। मेरा तेरा ही आशीर्वाद है। तुम्हारे बाबा जी तो कुछ चाहते हैं कहते हैं कि शैल के यहां पर होता तो उसको छोड़ने के लिये जाया जाता। मैं तो यही उसको कैनेडा नहीं भेजता। लेकिन यहां पर तो सभी

लोगों को देखते ही ऐसा लगता होता है तुम्हारा

~~[illegible]~~ मकान है और [illegible] जाता है या तुम ही

अकेले जाते हो वहां पर जाकर, लोगों [illegible] पढ़ी

लिखा करो तो बहुत हो जाओगे।

मकान वाले ने अभी पैसा पत्र नहीं भेजा है

तुम लोग कुशल से सुख पूर्वक गये होगे

वहां पर तुमको कैसा लगा और क्या देखा

मेरा पत्र जाने में तुम्हारा देर हो गया होगा

तुम [illegible] पत्र [illegible]। इसके भी तुमको पत्र लिख

है लिख गया होगा। [illegible] में देर हो जाती है

तुम्हारे बाबा जी तो [illegible] लेता ही है मेरा

तुम्हारे बाबाजी चिट्ठी रविवार लेते हैं ही पर डाक्टर

तो दिखाना [illegible] जब लेवे तो पता चल जाता है

क्या बात है इससे तो फायदा नहीं है लेकिन तुरन्त नहीं

है नहीं तो ऐसा लेख रहे हैं और केवल मालिश करता

करते रहते हैं [illegible] नहीं हो रहा है। मैं तो ठीक से

ही चल रही हूं। मेरा अब तो २ [illegible] ~~[illegible]~~

[illegible] में इस महीने तक हो जायेंगे। बहुत से

ही [illegible] २ बार तुम्हारे [illegible] लिख [illegible] हो

जायेगा। अब २ ता० को [illegible] जायेगा

दोपहर को [illegible] के लिये समय निकाल के लिये [illegible]

[illegible] हैं। बहुत दिन से गुड्डा ने पत्र नहीं लिखा

है। [illegible] ने गुड्डा को हमारा [illegible] ने

प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र देना।

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

मेरठ सिटी
२८।५।१९६८

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा २०वीं का पत्र लिखा हुआ हमको कल २६वीं को मिल गया है पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए।

हम यहां पर ठीक हैं। तुम सबको श्री कुशल ईश्वर से सदैव मनाती रहती हूं। हम तो पत्र बेग से हिसाब से ही गलत हैं पता नहीं रेल से से हो जाता है जो दोनों पत्र एक ही बेग से पहुंचे हैं शायद यह बेग रोक लेते होंगे

यह जानकर चिन्ता हुई कि सौरभ ने दांत मलवाने है तुमने उसको फिर २६वीं को दिखलाया होगा। डाक्टर ने क्या दवाई दी है या नहीं इतना यहां डर रहता है कि बहू बेटा यहां पर एक बार तो ठीक चले हैं इस लिये बहुत डर लगता है

तुमने यह अच्छा किया कि उनको स्कूल में छुट्टियों में दाखिल करा दिया है अच्छा है जल्दी में जमा देगा तो एक साल बच जायेगा लेकिन बाहर को भेजने में बच्चों को बोलना में परेशानी नहीं होगी। फिर वहां पर तो यह परेशानी तो होती ही है।

तुम सब २४वीं को घूमने गये होंगे बढ़िया जगह देखी है वहां पर क्या रखा है। उसी दिन लौट आये होंगे या रात खाना खाकर के गये होंगे। आशा है कि वहां से ठीक-ठाक से आ गये होंगे।

मेरा ख्याल है आप थक गये हो पर गये होंगे अब तो आप को काम चलाने का ठीक अभ्यास हो गया होगा।

तुम्हारे बाबूजी का पैर जो टूटा था वह ही ठीक है पर वो शायद अब ऐसा ही चलता रहेगा।

तुम अपना ठीक ख्याल रखना। अब तो तुम सबको देखने को बहुत ही मन कर रहा है लेकिन आने को बहुत ही दिन हैं। बस ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वहाँ पर सब ठीक हो।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी मम्मीजी
प्रकाश वती

28.6.74

बेटी गुडिया चिरंजीव रहो।

तुम्हारी खबर Sushil और अनु के letters से मिलजाती है। ठीक ही होगा सब। पिछले तीन letters में तुम्हारे हाथ का letter नहीं था। शायद फुरसत न मिली होगी। पर इतने दिन बाद दूसरों के letters से ही मिलने से यह चिन्ता

हो जाती है कि तुम्हारी
तबियत ठीक है या
नहीं। मुझे आशा है ठीक
ही होगा।

अब तो तुम्हारे
friends भी। बहुत
दिनों से नहीं आये हैं।
शायद पढ़ाई की वजह
से हो।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

28.6.78

My dear Sushil

Received your letter of 20.6.78.

Sattoo will have to come back from his Summer School alone! He says this will take about two & a half hours and change of buses. Will he be able to do this? I am worried about this

vention of this. Please keep me informed of this.

You have to write to the Vikas authorities that the interest was paid. Perhaps the papers sent to your Agarwal contains the receipt of the amount of interest.

We have not heard anything from Lindgren for a long time. Is she really well?

Yours affly
OPG

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

28.6.78

बेटा शैलू। खुश रहो

तुम्हारा 19.6.78 का letter मिला। तुम को Summer Studies से वापिस अकेला आना होगा। इतनी दूर से तो Plane बदल कर। बड़ा जाल। होशियारी से काम करना। मैं ने तो तुम को कहीं भी बिना किसी साथी के नहीं जाने दिया था। मुझ को तो बहुत डर लगा रहा है। अपना खबर देते रहना।

तुम्हारा पिता और

पौधे पर फूल नहीं खिले अभी। शायद देर से खिलें।

गुड़िया को शायद एक फ्रैंड नहीं मिलती है उस का हाल लिखना।

मुझे यह जानकर तो खुशी है कि तुम्हारे पास एक डॉग है। सधाने की कोशिश करते रहना कभी किसी को कोई परेशानी हो।

तुम्हारा
नाना

DHANPAT RAI GUPTA
B.A. LL.B. PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२/७/१९६८

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको ढेर बहुत सा प्यार

तुम्हारा २० ता० को लिखा हुआ पत्र व शैल का एक पत्र दोनों लिफाफे कल ९ ता० को मिले हैं। तुम्हारे पैनों के पत्र देख कर बहुत ही प्रसन्नता हुई और समाचार ज्ञात हुए। तुम्हारा पत्र तो मुझे बार कितने दिन में आया है। तुम्हारे बाबा जी तो चिन्ता करते थे कि तुम्हारी बाबा आनन्दपत फोन नहीं होगा नहीं तो वह पत्र जरूर लिखता रहता देखो तो शैल व सुशील के पत्र से तुम्हारा मन लगा होगा। इस समय दोपहर के १२ बजने वाले हैं। आज तुम लोगों को गये हुए पूरे १० महीने हो गये हैं दो तीन रोज़ तक दिन को सारा याद आ जाता है इस समय तो घर सब पर हो गये और आज हम दोनों अकेले बैठे हैं। यहां पर पढ़ाई में भी फीस बहुत ही देनी पड़ती है तुमको तो स्कूल की फीस ही देनी बहुत पड़ती है इसलिये यदि घर पर पढ़ाने के लिये गुलाब जी तो वहां से इतनी फीस होगी। चिट्ठियां वहां पर तुमको कितना डेढ़ सौ उठाना पड़ रहा है यदि यह पता होता कि वहां पर जाकर तुमको इतना परेशान होना पड़ेगा तो हम तुमको कभी भी ना भेजते। अब यह सोच कर शान्ति कर लेते हैं कि वहां पर जाकर तुम सब जगह घूम आओगे। और यहां की सब बातें भूल जाओगे। नहीं तो इतनी जगह कौन जाता है। वहां पर तुम जाकर इस उम्र ही घूम आओगी। देखो अबकी तीन साल बाद होने में १० महीने तो कम हो गये हैं।

तुम्हारा पत्र पढ़ने में बड़ा मज़ा आया। है तुम्हारे बालकों को
तुम्हारा पत्र पढ़कर क्या जानती हूँ। क्योंकि तुम्हारी अम्माजी जैसी
तो आलसी हो नहीं है। बिटिया अब तुम अपने बाबाजी के पैर
की चिन्ता ना करो यह बिमारी तो ऐसा लगता है। इतनी
जिन्दगी में साथ ही जायेगी बिचारे घर के सारे काम करते ही
हैं क्या करें जिन्दगी तो ऐसे बैठ बिताना ही है तुम लोग
अब यहाँ और से इतना दूर से चिन्ता मत करा करो। बस
वहां पर तुम सब ठीक रहोगे हमें यही खुशी है। रिक्शा से
आने में पैसे बहुत लगते हैं आज कल रिक्शा वाले पैसे
बहुत लेते हैं। लेकिन जो बहुत ही जरूरी काम होता है
तभी जाते हैं या किसी इतवार वाले से कुछ काम करा लेते
हैं। इधर तो जरा भी मन नहीं लगता है समय बड़ी मुश्किल
से बीतता है। किसी दिन से मधु न अनुपमा नहीं आई हैं
शायद अब उनकी परीक्षा भी पास हो आई है इसी लिये
नहीं आई होंगी। उषा की परीक्षा भी 6 अप्रैल से है
सारे बच्चे घर में बैठे हैं सब किसीका इधर बहुत ही खुशी
होती है तुम्हें सिनेमा जाने का शौक था लेकिन वहां पर नहीं
देखा है। कितना बुरा लगता है यदि वहां पर हिन्दी सिनेमा आती हैं
तो तुम देख नहीं पाती हो लेकिन यहां पर अब आयेगा। खूब
सिनेमा जाया देखना। अब तो ईश्वर से प्रार्थना है कि यहांपर
तुम्हें अपना घर है न बाद में खूब सफलता प्राप्त हो।
और जब मन लगा कर रहो हमारी बिल्कुल भी चिन्ता मत करा करो
इतना यहां पर किसी तरह परेशानी नहीं है। बस तुम लोग खुश
रहो और सब तुम सबको भगवान खुश रखें। तुम सब खूब
खुश रहोगे तो हमको भी यहां पर अच्छा लगेगा। पत्रोत्तर
शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्माजी प्रकाशवती

आज योगेश आया था
इसके पास तुम्हारा पत्र पहुंच गया
है।

।२

मेरठ सिटी
२१।७।१९६८

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार।

तुम्हारा [illegible] का भेजा रजिस्ट्रीशुदा पत्र हमको कल ९ ता० को मिले हैं तुम्हारी चिट्ठी से सब समाचार ज्ञात हुए हैं। हमने एक पत्र २० ता० को बैग से भेजा है तुमको मिल गया होगा। बेटा [illegible] पत्र आने से अच्छा तो बहुत लगता है लेकिन हम भी [illegible] तो [illegible] ही हैं और यही चाहते हैं कि हर एक बैग से तुम्हारे व हमारे पत्र आते रहें और जहां तक होता है हर बैग से ही पत्र डालते रहते हैं। गीता अभी बीमार ही है बहुत कमजोर भी हो गई है और इसके इलाज [illegible] है व कुछ फायदा लग गया है। मेरा भी उसको देखने आने को मन कर रहा है यदि कोई साथ आने को मिला तो आऊंगा तुम्हारे बाबाजी [illegible] से आ नहीं सके हैं। और तो बेटा तुम्हारे बाबा जी ने [illegible] चल ही रहा है अब तो बस अपनी [illegible] ले रहे हैं [illegible] [illegible] भी [illegible] नुकसान ही देती है अब तो ऐसा लगता है कि अब समय आयेगा तभी ठीक होगा। [illegible] रोग ही [illegible] रहते हैं। यह तो अपने [illegible] नहीं जाते थे लेकिन [illegible] को विचार [illegible] कर ही रहे हैं क्योंकि करने में नहीं परेशानी सी होती है और बाप भी [illegible] हो जाते हैं। [illegible] अब जितना [illegible] मानते थे उतना नहीं होता है जो ज्यादा [illegible] हो जाता है सहना ही पड़ता है। बेटा मैं तो ठीक ही हूं। बस [illegible] हो रही है तुम लोग हमारी ओर से ज़रा भी चिन्ता मत करना हम सब यहां पर बिल्कुल ठीक ही हैं बस तुम लोग वहां पर ठीक रहोगे तो हमको अपना [illegible] नहीं ज्ञात होगा।

यह जान कर तो बहुत ही खुशी हुई कि वह डाक्टर की
दवाई से तुमको बहुत फायदा हुआ है और रोग
भी साफ होगया है जब तक वह डाक्टर कहे उसको
दवाई लगाते रहो। अब तुम उसको दिखलाने गये होगे डाक्टर
ने बीमारी की है क्या। तुम वहां पर खूब अच्छे भी हुए हो
आराम से हो। विमला इन्दु सरोज ने जो पत्र तुमको लिखा
था वह मकान पर चला गया था इन लोगों ने वह पत्र नहीं
देखा है। अभी मिलन से कोई वहां से ज्यादा नहीं है
आजकल वहां पर बर्फ होने से मौसम बड़ा अच्छा होगया
है। मेरा अब तुम स्कूल जाने लग होगये हो। कलकत्ता
होने से नवम्बर में होगी गैस। कि तुम हर रविवार पत्र दे दिया
करो कि तो वहां रहकर पढ़ोगी और खाने में समय बहुत ध्यान
रखना हिम्मत रखना। खाने जाने के खातिर भी पड़ेगी। अपनी
तुम वहां पर तुम्हें जगह घूमने जाने वाले बड़े खुशवन्त मिले
है और लोग भी जाते हैं तुम लोग भी गये होगे वहां पर
तुमने क्या क्या देखा है। यहां पर तो आज कल सब बड़े स्कूल
जाते हैं। वहां पर सिर्फ छोटे स्कूल खुले हैं अच्छा तो दर्शन
का तुमको अच्छा लगता होगा। यहां पर सब ने पत्र भेज रखे
हैं सब आराम से हैं। तुमने योगेश ने पत्र का उत्तर दे दिया
होगा। जब इतना तो इतनी छुट्टी मिल जायेगी तब तो मैं घर
में बिल्कुल अकेली रहूंगी सब का आना बड़ा अच्छा लगता है
इस समय तुम्हारे कमरे में बैठी हूं तुम्हारी बड़ी याद आ रही है उस कमरे
को देखती हूं सब समय ठीक हो रहा है। वैसे बात समझ नहीं होती है
लेकिन जरा पत्र में नहीं लिखा है ऐसा मन होता है कि बस
लिखती ही रहूं। हरीश व सरोज को प्यार दोनों का अच्छा बात
तुमने अपनी कापी ले ली है या नहीं। फोटो खिंचवाकर
हमको भेजना पता नहीं मेरे बच्चे कब देखे आवे घर में।
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्माजी (आशीष) [illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

2.7.78

बेटी गुड़िया। खुश रहो

तुम्हारा 20.6.78 का letter कल मिला है। 20.6.78 का सुशील का letter तो चार पांच दिन हुए जब आया था। पर तुम्हारा letter देर से आया। बेटी तुम लोगों को देखने को तो मन चाहता ही रहता है। पर मजबूरी है। अभी 20 महीने ही हुए हैं अभी बहुत दिन बाकी हैं। अगर यह पूरे कर

सभा तो तुम्हारी या पत्नी
पर निर्भर है तो
वैसे ही चल रहा है। मौसम
खराब हो रहा है पर कुछ
काम नहीं बनता। कुछ
दिन हुए मौसम अच्छा
[illegible]
था पर फिर [illegible] है। बांयां
तो पढ़ता ही है। बिना पढ़ें
बांये कुछ नहीं पता चल
जाता है।
तुम्हारा A से ठीक काम
चल रहा है। प्रसन्नता है।
तुम्हारा बालक
[illegible]

2.7.78

बेटा शैलू! खुश रहो।

तुम्हारा letter मिला। तब पता चला। तुम लोग Summer की किलास से आते होंगे। परदेश में तो खाली होगा। मुझे तो वहां बड़े लोग काट्टी डर लगता है। बेटा होशियारी से जाना आना।

तुमने Birth और सब को marriage date पहले मांगा था। मुझे याद है कि एक महीने से ज्यादा हुआ मैंने भेजा था। आशीर्वाद

letter नहीं पहोंचा है।
अब फिर भेज रहा हूं
दोनों तरह की date
फूल वाली बात मैं ने
सब तरह की भेजी थीं।
नाम फूल की बात कोकी
जमना मानती है और
उस की शादी भी होनी
है। अगर वह यहां न
पहुंचा हो तो लिखना.
मैं और भेज दूंगा। यहां
ता आजकल वह बहुत
बड़े और ज़ियादा फूल दे
रहा है।

तुम्हारा बाबा।

[illegible]

मेरठ सिटी
५।७।१९७२

प्रिय चिड़िया गुड़िया हमारा बहुत सा प्यार
तुम्हारा २७ ता का लिखा हुआ पत्र हमको
४ता को मिला समाचार ज्ञात हुये। इससे पिछले [illegible]
मैं हमने उस पत्र तुमको व शैल को डाला है [illegible] है
कि मिल गया होगा। दो बार में तुम्हारा पत्र नहीं आया
था तो तुम्हारे बाबाजी चिन्ता करने लगे कि गुड़िया की तबियत
ठीक नहीं होगी जो उसका पत्र नहीं आया है शैल [illegible]
भी हमको लिखा नहीं है और करीब २५ दिन हो गया है
शैल के कुशल के पत्र से तो समाचार ज्ञात हो ही
गये थे। तुमको इतना याद रहता है लेकिन पत्र हमको
बराबर लिखती रहती हो। हम लोग तो हर वक्त से तुम्हारे
पत्र की इन्तजार रहते है। यह अच्छा किया [illegible] जोग
खूब याद हो। तुमने लिखा है कि [illegible] जल्दी [illegible]
जल्द रहने वाले यह हमारी समझ में नहीं आया है।
शायद तुम गलती से लिख गई हो। राजे ने क्या अभी तक तुमको
सवाल लिख कर नहीं भेजे है। इस बात को तो काफी
दिन हो गये हैं शायद वह भूल गया है।
[illegible] का पता आया है उसके पैर [illegible] हो गये
हैं और ठीक हो गये हैं वह लखनऊ चला गया है
१८-१९-२० ता को उसके [illegible] होंगे वह
वह १८ता को कानपुर आयेगा। [illegible] ने लिखा
है कि इस महिने से गुड़िया का कोई पत्र मेरे पास

नहीं आया है पता नहीं क्या बात है।

घर आने पर बेसब्री होती है तुम्हारे सबके
बाद में अच्छा लगता है इसलिए भी पत्र देता है
कि हम भी देखेंगे वहां पर तुम ने ले बाद नहीं
हो सकेगा तो तुमसे बात करते कुछ देखा होगा

प्रोफेसर से यहां पर परीक्षायें शुरू होगई
है। पढ़ाने से छुट्टी को परीक्षा देने अधिक जानकारी
के घर पर आ गए है। अब तुम अपने पेपर ठीक लिखा
करो छोड़ दो ऐसा लगता है यह यहाँ तो इतना
टैस्ट के लिए ही हो गया है। तुम्हारे सामने निकल
बाहर कोई भी बात करके ये सब भी। [illegible]
आप भी मालूम नहीं चलता था लेकिन अब तो
रिपोर्ट [illegible] ही सामने पर [illegible] से
आते हैं और पैदल गए भी चलते हैं तो रह
कर आता है कैसे इनके भी खा देते हैं और मालूम
भी करते रहते हैं। सबका कुशल होगा
सबका भी [illegible] होगा अब तो उतना पर क्या नया होगा
और विचार तो बाद को समझना पड़ता है लेकिन
भी नहीं मिलता होगा। तुम सबको [illegible] याद
आता है दिन भर अकेला बैठा रहता हूं लेकिन लिखना
बड़ा [illegible] सा होता है।

पत्रोत्तर शीघ्र देना।

तुम्हारा [illegible]
[illegible]

मेरठ सिटी
५।७।१९६८

प्रिय बेटे शैल तुमको दोनों बच्चों को प्यार।
रानी ने बम्बई में तुम्हारा पत्र डाला है मिल गया होगा
सुषमा का पत्र भी ४ ता० को मिला है। उसके
पत्र से भी सब समाचार ज्ञात हुए।
सुषमा के पत्र से ज्ञात हुआ कि तुम लोग
घूमकर आये हो. वहां पर तुमको बड़ा अच्छा लगा होगा
और क्या देखा है। तुम अब स्कूल भी जाने
लगे होंगे। आठ बजे खाना [illegible] [illegible]
[illegible] हो और घर पर [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] हो तुम तो [illegible] [illegible] जाते हैं लेकिन
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] पढ़ना होगा [illegible]
नहीं लगता है। कि पता नहीं बच्चा [illegible] घर
आता होगा और तुमको तो [illegible] [illegible]
आदत पड़ गई होगी। तुम्हारा स्कूल अब तक
खुलेगा। यहां पर [illegible] [illegible] [illegible] बड़ी हो
रही है तुम्हारे नाना श्री [illegible] गये हैं घर
पर मैं अकेली बैठी हूं। बस [illegible] में मन
नहीं लगता है। [illegible] [illegible] [illegible] था वह
नहीं था [illegible] [illegible] को पत्र लिखा है और
उसका पत्र भी आया है। [illegible] [illegible]
के पत्र नहीं लिख सकता था

सामनेवाले विजयगुप्ता जो हैं वो दोनों भाई
ऊपर के मकान में रहते थे। उन्होंने अबके
मकान छोड़ दिया है और यहां से हापुड़ चले
गये हैं। उनके जाने से हमारा मोहल्ला सूना हो गया
है उनका बहुत सहारा था हरेक काम [illegible]
को वो विचार कर देते थे। उनकी बहू के
प्रयाग जाने में बच्चा होने वाला है।
तुम स्कूल जा रहे होगे तुम्हारा एक्जाम
पेपर बिल्कुल ठीक होगा। पता नहीं अब छोटे
बच्चे कैसे जाते होंगे रिक्शा तो बहुत [illegible]
करता है। रेवती ने भी यह मकान पासवाला
छोड़ दिया है और यहीं पर मेरठ में कैलाशपुरी
में नोकरों के पास मकान ले लिया है किराये
को। अपना मकान गाजियाबाद में किराये को
दे दिया है क्योंकि [illegible] होता है उन
लिये वहां पर नहीं रहे हैं और मकान के पास
कोई किसी का मकान नहीं बना है। रेवती भी दूर
चले गये उससे तो [illegible] अकेला नहीं दिखता
देना जो जरूरत पड़े तो किसी को बुलावें।
प्रिय सतीश मनोज को हमारा आशीर्वाद
मनोज को शीघ्र ही देना।
तुम्हारी दादी अम्मा
ज्ञानवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

5.7.78

बेटी गुड़िया खुश रहो

तुम्हारा 26.6.78 का letter मिला। सब हाल मालूम हुवा। वहां तुम लोग Park पर गए थे पर तुम्हें वहां कुछ पसन्द नहीं आया। वहां यही ride वगैरा होते हैं।

रूपक के हाल यहां ज्ञात नहीं हुवा। शायद वे तो किसी को भी साथ में लिख कर पुत्र

हवा ही वहां पर यहां

मरसों भी युग-युग वाला

युगल धाना पता युगल

तो है ही नहीं। दशहरा

युगल यहां मिल जाता है

लोगों पांच रुपये किलो

है।

यहां से विजयगुप्ता मकान

छोड़ कर हापुड़ चले गए।

उन की मकान मालकिन ने

पहले तो 90/- से 133/- किया

फिर 200/- चाहती थीं।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., PLEADER

5-7-78

My dear Sushil

Please Take special care for Shailo's return from summer school. It is a long journey back alone and he has to change buses.

Mrs. Vijay Gupta (telephone) had to leave ~~the~~ house from

here. He has gone
to Hapur. He
was of great
help to us here
for all purposes.
What about
the matter of
Avas Vikas? Agarwal
has not come
to us.

with love
Yours affly
[illegible]

5.7.78

बेटे शैलू खुश रहो।

आज पत्र तो आये। 19 को
से summer classes का
प्रोग्राम शुरू होगा।
होशियारी से पढ़ना क्योंकि
मुझे तो डर लगा रहा
है कि ये प्रोग्राम शुरू
होगा। टैक्सी मे बस मे
से उतरना फिर दूसरी बस
से चलना। बड़ा मुश्किल
होगा।

वैसे आगमोत्सव तक महोगा।

मेरे पैर का फ़िकर करने की कोई बात नहीं है। वैसे ही चल रहा है और चलता रहेगा। कोई परेशानी की बात नहीं है। अब तो इस तरह चलते हुए आदत पड़ गई है।

तुम्हारा आशीर्वाद

[illegible]

मेरठ सिटी
८।७।१९६८

... RAI GUPTA
B. A., LL. B., PLEADER
MEERUT

प्रिय चिरंजीवी सुपुत्री सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा २८ ता० का लिखा हुआ पत्र रविवार ७ ता० को मिल गया है। पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। मेरठ आन कर हमें खुशी हुई कि इस समय वहाँ पर ठीक हो रहा है यहाँ पर सब ठीक है। श्री रमेश अग्रवाल यहाँ पर आये थे उनका तबादला लखनऊ को हो गया है अकेले ही जा रहे हैं बच्चे कि बेटियों में रहेंगे जुलाई तक। यह अभी लखनऊ हो आ रहे हैं बच्चों को बाद में ले जायेंगे। क्योंकि मकान छोड़ने पर ऐसा अच्छा मकान यहाँ पर नहीं मिलेगा इतना बड़ा सामान का होना यह भी जरूरी है और मिलना मुश्किल है किराये वाले मकान छोड़ कर हापुड़ चले गये हैं। वह जाते समय कहते थे कि मैं लखनऊ से मिल कर सब ठीक कर लूँगा फिर मिलता रहूँगा।

यशोदा के बाबा पोस्टमास्टर परेशान ही हैं उनको पथरी का दर्द है। श्री दूसरे मिश्रा यहाँ पर आये थे ऑपरेशन करवाने के लिए हॉस्पिटल में ही बुलाया था वहाँ पर भी हालत रही और बाद में तकलीफ थी। उनको अस्पताल से बाहर आने पर लखनऊ में डाक्टरों को दिखाया बाद दिखलाया डाक्टर ने बतलाया है कि बुखार में खाँसी होने से अब बलगम से हालत ठीक हो गया है बाबा जी उनके बाद से बहुत ही ज्यादा फिकर देते हैं। क्या अभी बिचारी गई है वह मेरठ आवेगी अभी कहा है लखनऊ के डाक्टर को दिखला कर रहो है देखो क्या होता है या नहीं जैसे कहते हैं कि सब ठीक हो जाय कठिन है।

उन्होंने कुनाल को रोज लेख भी आ गई है इस भूल
गये तो पत्र देते। यदि रहे तो अब एक और
भेजदूंगी यह भी कोई इन्द्रनाथ के आगे वाले है
और किसी चीज की आवश्यकता हो तो लिखना
पहिले भी कुछ चीज कोई भी यह तो खतम हो गये होंगे
रुपया से नहीं डाला क्या चीज भेजे पत्र आने तो भेज दी
देंगे लेकिन किताब तो भेजना बेकार है क्योंकि
खराब हो जायेगी और पढ़ने की किताब अभी बन
रही है। गीता की असलियत का मुझे पता चल
रहा है कोई कहता है कि उसका कोई संबंध था और
इसलिए कि उसको देखने दिल्ली वाले गड़बड़ किया है
वे इसलिए भी किया। लेकिन लड़की तो खिलाड़ी होशियार
है लेकिन विश्वास नहीं होता है और यह भी है कि यह
तो गांव पर पहुंचने ही पता चल जायगा। कुंवर मुझे
भी गई है। आप पर बहुत परेशान हो गया था और
रुपया भी नहीं इधर का चुका है मुझे कल तो है
लेकिन बिल्कुल ठीक है घबराये गये हैं अब तो शादी
करेंगे पर भी अड़चन होगी पैसा तो पास नहीं ही
रहा है कि आनन्द देख आये लेकिन किसके साथ
जाये यह तो उनके पैर में दर्द की वजह से जा सकते
नहीं हैं। मैं बेकार की परेशानी हो गई है। बच्चों की
रक्षा भी इसको तो गीता की शादी की चिन्ता नहीं है
इसको तो योग आ गये है।

मोहनजी यहां से गई थी अब उनका ठीक होता जा रहा
है क्या वह दिल्ली में ही रहती है। यदि वह

उस सामान को रखे तो देखेगा। जितना हमने
सामान भेजा था वह हम लोगों के पलंग के पास में
ही रखते हैं। उसी से यह देंगे यहाँ ले आयेंगे यह
पेटी रोज खोले जाते हैं [illegible] उनका बदला
देंगे। तुम्हारे बाबूजी का पैर [illegible] तो [illegible]
रहेगा क्योंकि ऐसा लगता है कि हड्डी [illegible] है
जल्दी तो पलास्टर चढ़ा देंगे बस दवा यही लिख
दिन खाट पर पड़े रहना पड़ेगा। यहाँ पेशाब को भी
बड़ी परेशानी है और फिर पैर सीधा ही रहेगा। मुझसे तो
यही अच्छा है कि इतना काम तो कर ही लेते हैं। पैदल
चलने से दर्द होता है और दर्द बढ़ जाता है। साइकिल पर
भी बहुत ज्यादा नहीं जाते हैं बस [illegible]
पे जाते हैं। और इधर उधर के काम किसी रख के करा
लेते हैं बस ऐसे ही काम चल रहा है। तुम देखना भी
कैसे [illegible] खाने कपड़े में जरा भी लापरवाह नहीं
करता है अब [illegible] बहुत ठीक मानते हैं। कहते भी
रात [illegible] में जो ठण्ड हो जाता है जाना ठीक ही हो
जाता है। छोटी मोटी बिमारी तो उनको भी चलती ही
रहती है अब चिन्ता करने से क्या होता है।

बनारस के घर पर [illegible] बहुत ही
दिन हो गए हैं कुछ [illegible] दिन बाद से यह बताया है
कि गुड्डी को छोड़ने इन्दिरा [illegible] और [illegible] दिन ही
चली गई क्योंकि गुड्डी के पेपर चल रहे हैं
उपेन्द्र को [illegible] कपड़े [illegible] गई है।

४

गत रवि लोगों को आ पर आते हुवे मालूम । जि हो
जाते हैं तो हमको भी याद आती रहती है । रमेश उपेन्द्र
नरेन्द्र के इनको मिल लेते हैं । मेरा पत्र गोपाल को
लिखा था वह भूल के पवन के पत्र में रखा गया
था वह भी उन्होंने नहीं भेजा है । मधु विचार को
कुछ कुछ नहीं हुआ है वह ठीक लगता है । किन्तु
नरेन्द्र के ही कुछ होगा । बड़ी चिन्ता रहती है ।

१ साल के गये हुवे बाबा ९ को हो गया है ।

भाभी जी का तुम्हारे वाला पत्र आया था
तुमने उनके पत्र का उत्तर दे दिया होगा उन्होंने
लोगों को लिखा था । वह सब बालकों भी
तनों ने पाल है ।

यह जान कर खुशी प्रसन्नता हुई कि
तुम पिकनिक में पढ़ने गई थी तुमने यह
नहीं लिखा वहां पर क्या २ देखा । घर से खाना
बना कर ले गई होगी सब के साथ में अच्छा तो
लगा ही होगा ।

तुम्हारे बाबूजी का तुमको आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना ।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

मेरठ सिटी
८/७/१९६२

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २७ तारीख का लिखा हुआ पत्र हमको ६ तारीख को मिल गया है। पिछले पत्र में तुम्हारा पत्र न आने से तुम्हारी [illegible] लग गई है। लेकिन अब कोई बात नहीं है गुड्डा के पत्र से तुम्हारी खबर मिल गई थी

अब डाक्टर ने टैस्ट करके क्या बतलाया है। यह तो [illegible] ही है बस [illegible]। और अब तुम स्कूल के [illegible] लगी होगी तुम्हें कुछ परेशानी तो नहीं होती है और अब तो आदत भी पड़ गई होगी तुमको [illegible] के बाद में घर पर [illegible] लगता है यहां पर तो सब आराम हो रही है। [illegible] है। तुम्हारे टैस्ट ठीक हो गये होंगे। यह जान कर खुशी हुई [illegible] तुम्हारी तबियत अब काफी ठीक है [illegible] मेरा ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम्हारी यह बिमारी वहां पर ठीक हो जावें। और यहां पर बिल्कुल ठीक [illegible]। यदि तुमको कुछ [illegible] चाहिये तो लिखना यहां से जो आने वाले हैं यदि वह ले गये तो भेज देंगे। सुशील ने लिखा है कि [illegible] का पत्र सुशील के पास आया है। बस [illegible] ही हो जाता है। तुम चिन्ता [illegible] [illegible] का पत्र आया था उसने लिखा था कि वहां के

मेरे पास नहीं पत्र रहे ज्यादा है। तीन अप्रैल तक
लखनऊ में रहे हैं उनकी परीक्षा तो हो चुकी है
यह अब तो प्रेक्टिकल होंगे - १८-१९-२० तारीखों
फिर वह २२ ता० को नानपुर आवेगा।

मेरा मन उनके आना जी से पैर की चिन्ता
छोड़ दो इतना रहे तो अब ऐसा लगता है
कि शरीर से साथ ही जावेगा। यह डूगोनाल
के रूलेगी जाने लगा है तब कोई नहीं रहीं
जाते हैं। मालिश भी दिन मे दो बार करवाते
रहते हैं और अब अपनी दवाई खा रहे हैं।

मैंने तुमसे पहिले पत्र मे लिखा था कि
रमेश दसवीं मे सेकिन्ड डिविजन से पास हो
गया है और लिगोव पांचवी मे फस्ट पास हो
कर छठी मे आया है।

अच्छा बेटा पत्र जल्दी ही लिखना
और ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम जल्द ठीक
हो।

तुम्हारी दादी अम्मा
प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
६/१२/७८

प्रिय बिटिया गुड़िया तुम्हें हमारा बहुत प्यार

तुम्हारा पत्र आया था मैंने उत्तर दे दिया था तुमको मिल गया होगा। तारो से कुशल क्षेम मालूम होती रही पर बिना समाचार ज्ञात हुए। तुम शायद नहीं लिख सकी होगी नहीं तो इतने दिन के समाचार ज्ञात हो गये हैं मैं अब तक पत्र लिख रहा था। ता. २२ नवं. सोमवार को प्रकाश देहरादून से मिलने देने आया था और अभी चला गया है। इसके पेट में दर्द की वजह से उसकी चिन्ता लगी थी। [illegible] रहता था वहीं जाता है पर कभी आने में देर भी हो जाती है।

प्रकाश तुम्हारे नानाजी ने कोई डाक्टर को दिखाने गया था। उन्होंने कहा है कि हड्डी तो ठीक है घुटने के पुट्ठे में ही खराबी हो गई है इसी वजह से पैर में दर्द होता है और चलने में परेशानी होती है। और इतना तो ज्यादा चिन्ता थी। उन्होंने गोली खाने के लिए दी हैं और कहा है कि २० दिन बाद फिर दिखाना

लेकिन तुम्हारे नानाजी २० दिन के बाद [illegible] की सवारी कर रहे हैं इस से इतना [illegible] फायदा तो नहीं हुआ है। इसलिए [illegible] सवार हो जायेंगे। [illegible] से [illegible] फिर पत्र लिखता रहूंगा। [illegible] बात नहीं है। तुम लोग परेशान बिल्कुल मत होना

[illegible] लखनऊ नहीं भेजे इस उम्र में तो [illegible] रोग
तो इलाज तो शरीर में हो ही जाता है।

तुम्हारी पढ़ाई के [illegible] ठीक चल रही
होगा। [illegible] यहां पर [illegible] होता है तो
मौसम अच्छा हो जाता है। [illegible] की परीक्षायें
चल रही हैं इसके बाद में बी.एस.सी. की परीक्षायें शुरू
हो जायेगी इसलिए [illegible] से [illegible] नहीं आ पाये होंगे।

इसके बाद तुम्हारे जाने पर गांव से [illegible]
बिल्कुल नहीं आये हैं। बजार भी बिल्कुल नहीं आता है
[illegible] दो तीन बार [illegible] के [illegible] बाद ही बजार
से [illegible] लिये हैं। पता नहीं यहां पर आम मिलते हैं या
नहीं। और बजार [illegible] भी बजार में मिल जाता है या
नहीं। [illegible] चली गई है [illegible] ठीक
नहीं चल रही है [illegible] को [illegible]
चल रहा है।

तुम्हारे बाबाजी को आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

[illegible] का रिजल्ट आ गया है
[illegible] सुधीर [illegible]
[illegible] में [illegible] ~~[illegible]~~
डिविजन ~~[illegible]~~ से पास हो
गये हैं। मास्टर जी का
[illegible] सुशील
[illegible] डिविजन से पास हुआ है

तुम्हारी दादी अम्माजी
[illegible]

मेरठ सिटी
२।११।५८

चि. बेटे सुशील सहित प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा पत्र ७ ता. को लिखा समाचार ज्ञात हुये वहां तक होगा उन बातों का ध्यान रखकर कमजोर अवश्य करोगे। बच्चों ने अपने लिये लिखा चीज तो नहीं मिला है। सुबोध सब जाता था वह अब तुम्हारे बाबूजी को [illegible] को दिखलाने को गया था उन्होंने देखा और परेशानी की बात नहीं बतलाई है यहीं तो मैंने बतलाई है मुझे में ही कुछ कमजोरी सी गई है इसी कारण से परेशानी होती है। तुम लोग किसी मिनट बात करना उनकी सवारी ले रहे हैं जबसे इतना कुछ फायदा सा लगता है इसी लिये सब अपनी सवारी से कुछ फायदा है तो कुछ दिन अपनी सवारी ही लेकर देखते हैं वैसे डाक्टर साहब ने अपनी गोली भी खाने को दी है फिर अपनी सवारी से कुछ फायदा न हुआ तो फिर वह गोली खा कर देखेंगे।

अब [illegible] कहते थे कि फिर लिखवा देंगे। सुशील और [illegible] का [illegible] हो गया है [illegible] से। [illegible] (पहले लिखा) कुछ बात बतलाते हैं कहते थे कि ५०) [illegible] रहे हैं।

तुम्हारी तबियत ठीक होगयी होगी है हम ठीक
होंगे खाना खाकर बहुत सी खुशी हो लिया करो

देहरादून से टेलीफोन है उनका कार्यक्रम बना
गया है। तुम बहुत दूर दिनदिन पर गाड़ी चला
कर बेगाय से अब गये होंगे पहिली बार ही इतनी
लम्बी दूर गाड़ी चलाई है। और सबके साथ में बड़ा
अच्छा लगा होगा।

देहली में लोग ताबेंगे यह किसका सामान ले
जायेंगे। भगवान की भी तबादला कलकत्ता तो
हो गया है वह उधर चले गये होंगे। ... होगये
है ... होकर गये है। विजय गुप्ता देहली वालो
ने भी पेटर छोड़ दिया है वह ... चले गये हैं
और लोगों के भी इतना बड़ा सहारा था और विजय गुप्ता
भी पास में ही थे इनके तो ... ने देहली ...
तो नाम बना लेते थे। और ... लोग भी ...
हमारे नाम तो पूरे नहीं पड़ते है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

9. 7. 78

बेटी गुड़िआ। खूब खुश रहो

आशीर्वाद। हुवे तुम्हारा

लेटर प्राप्त था। तुम्हारी

तबियत काम में लगने लगी

है यह जान कर खुशी

है। अब तो Summer classes

चल रही हैं उस में जाना

प्रान के कारण हम बहुत

जल्दी में रहना पड़ता

होगा।

समाचार मिला था कि

तुम लेटर हमारा भवाने

को पता नलेकर वहाँ

जवाब पहुंचाया है।
पर मैं ने उन लोगों
से मालूम किया था तो
उन्हों ने बताया कि वहां
कोई भी letter नहीं पहुंचा।
टेलीफ़ोन है और तो
letter पहुंची नहीं उनको
हाल मालूम होजाता है। उस
ही letter की तो ज़रूरत नहीं
है।

तुम्हारा बाबा

D.R.

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

9. 7. 1978

My dear Sushil
Recd. your letter
of 29th June.
I am trying to contact
Mr. Raju and send some
thing if he can take
it. I shall arrange
yes, I
to take the delivery
of any thing you send
through the girl.
Mr. Agarwal
has gone to Lucknow
on promotion but
I am making inquiry
through Ramkripal.
Today Viju came

to me asking for sweets. I am glad to know from him that since 1st June you have been graded as Accounts officer & that the balance of the difference in your pay shall be credited to you every month until you come back to receive the same.

Yrs affly
[illegible]

I shall deposit the draft in your acct. as I have got the number of a/c
Odl

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

9.7.78

बेटा श्री [illegible] मेरा
तुम्हारा 30.6.78 का letter
मिला - यह जान कर
प्रसन्नता हुई कि तुम्हारा इरादा
तो कहीं रहा है शायद
पूना तक पोस्टिंग हो जाए
इत्यादि इत्यादि।
तुम को पूना का Summer
class से वापस होने में कुछ
परेशानी ही तय होगा।
दो दिन बाद का रास्ता है।
पूना तो शायद यहाँ से 46
घंटे होगी। सुशील को नौ
मजबूरी ही है जो तुम को

इस तरह आना पड़ रहा है।
और तुम्हारी हिम्मत नहीं है।
यहां तो सब ठीक ही
है। तुम लोगों के वापिस
आने का समय कुछ तो
कहा है कुछ यों भी कहे
आवे तो फिर मिलेंगे। तो
लोग यहां ठीक रहे। इस
में ही हम खुश हैं।
यहां कोई दुख तकलीफ
में देखने वाला भी तो
कहां है ना।

तुम्हारा बाबा
[signature]

मेरठ सिटी

प्रिय लिपिका गुड़िया शुभ्रा। हमारा बहुत-सा प्यार

हम यहाँ पर ठीक हैं। तुम सबको भी ईश्वर

से ठीक चाहते हैं। कल 23 ता० को तुम्हारे दो पत्र

एक साथ ही मिले एक 7 ता० का लिखा हुआ और दूसरा

9 ता० का लिखा हुआ। दो पत्र एक साथ देख कर प्रसन्नता

तो बहुत हुई कभी 2 पहले दो पत्र एक साथ आते हैं। इसके पहिले

रोग में हम तुमको पत्र नहीं लिख सके हैं तुमको इन्तजार

तो रहेगी ही। उमा का पत्र उसको लिखा है। उसको

पीलिया रोग समाप्त हो गई है। कल से उसको शुगर से

बुखार सा हो गया है। वह निखिल छोड़ पास जाती भी

जाती है कल देखे ही मन लग जाता है। लेकिन होस्टल

का समय अभी प्रिंसिपल से मिलता है। समय बीतता

बहुत मुश्किल सा होता है तुम्हारे नाना जी भी उसके से

कहने आने लगे हैं। एक दिन पर उसको देखा

रहता हूँ। कभी पढ़ता का बहुत मन होता है। वो पढ़ रहे सबके

साथ हैं फिर भी उसको देखा हूँ। लेकिन निखिल सबको

भी ध्यान रहे यह तो बहुत ही रहता है। मैं तुम्हारे सामने भी

बड़ी इच्छा रहती थी। मैं एक तो हमारे बच्चे सब ईश्वर

की कृपा से ठीक हैं और अब हमको किसी बात की इच्छा

नहीं है। ईश्वर सारे काम पूरे करे। लेकिन जब से

तुम लोग गये हो तो फिर अब यही इच्छा होती है कि

तुम्हारे बच्चे सब हम देख रहे हैं। ज़िन्दगी भी के तो इच्छा हो

गई है। तुम्हारे लिये हमारे ढोलक तो तेज रहे हैं
पता नहीं हमारा [illegible] हो गया है यहाँ डर लगता है नहीं
[illegible] के [illegible] का सब [illegible] को ठीक नहीं है और
तुम लिखना पत्र जल्दी हमारे लिखना ठीक हो जायेगा

यहाँ पर तुम्हारी पढ़ाई अच्छी ही चल रही है और ज्यादा
भी बहुत है। और आप भी काम करता है। दिनभर काम
होता है कभी रहता हो शायद [illegible] नहीं लिखता
है पर लिटिया बन जाती होगी। अब तो पता नहीं तुम
लोगों ने सब देख लिया। इतनी दूर से तुम चली गई
हो [illegible] जाती थी तो [illegible] के इंतजार रहती थी अब तो
सब इंतजार रखने में भी सब जायेंगे। अब तो हमारे दिवाली
पोशाक भी [illegible] से नहीं आई है। [illegible] पर भी
नहीं हो जाता है। तुम सबके [illegible] रहा करो
लेकिन अब तो समय ही तुमको नहीं मिलता होगा।
तुम्हारी [illegible] ७ फ. ठीक भी हो गई है। [illegible]
लोगों का ध्यान रखना और अपने तुमको काम भी बहुत
करना पड़ता है। तुमको हमारी याद तो आती ही होगी। क्योंकि
हमेशा से पास में ही रही थी लेकिन अब तो तुम इतनी दूर
चली गई हो। अब तो इंतजार है कि छुट्टियाँ शीघ्र ही आये [illegible]
[illegible] याद आ रहे हैं। [illegible] लखनऊ ही है। २६-२७-२०
तारीख को [illegible] है तब २८ तारीख को नागपुर आयेगा
तुमने कोई पिक्चर देखी है या नहीं। यदि हिन्दी पिक्चर
आती है तो तुमको देखने का समय नहीं मिलता है।

लिखिया पत्रोत्तर जल्दी ही देना।

तुम्हारी दादी जी
मम्मी जी
प्रकाश [illegible]

मेरठ सिटी

नरेन्द्र और मां ने यह बताया था कि मकान में गीता के बारे में [illegible] आने वाली हैं। इनको [illegible] पता चल जाता है [illegible] २२/७/१९६८ पता नहीं [illegible] है कि [illegible] [illegible] शायद है कि [illegible] तो नहीं होता है।

प्रिय सुरेन्द्र मोहन सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा पत्र आया था मैंने उत्तर दे दिया था

तुमको मिल गया होगा। २२ता० को नरेन्द्र घर पर आये

थे यह पत्र आने से पहले थे। सतीश ने [illegible] के

पते पर भेज दिया है और २२ता० को रवाना ही यह

पत्र आया है पता नहीं रवाना होने से यह पत्र कहां पहुंचा है

पहले थे तो सतीश को लिख दिया है और पता भी पत्र नहीं

आया है। मुन्नी ठीक ही है उसकी पढ़ाई चल रही है। नरेन्द्र

के बच्चे सब ठीक हैं। नरेन्द्र तो वहां [illegible] गाड़ी से

गये वह शायद २३ता० को आ गये होंगे।

मैं तो यहां समझती हूं तुमने मुनिया को [illegible]

रुपया भेजे हैं दो [illegible] के लिये भिजवाये हैं यदि

तुम लिख देती तो मैं उनसे यह न कहती। और उन्होंने

२०) के टिकट के लिये दे दिये थे क्योंकि [illegible] का पता

तो रहता नहीं है कब आयेगा और यह चीज पहिले ही भेजा

कर रखो नहीं चाहती है नरेन्द्र बाबू से उनको रुपये दे दिये

थे लेकिन उन्होंने २०) टिकट के रखे हैं और बाकी [illegible]

दिये इनको थे [illegible] हुआ। मैं तो कुछ सोच रही

थी कि यह जो रेलवे से जाने वाले हैं उनका कुछ खर्चा

होगा लेकिन तुमने मने लिख दिया है। तुम्हारी [illegible] पर

[illegible] पूरा पहन लेना और मेहंदी लगा लेना मेहंदी तो

तुम्हारे पास होगी ही। सब लोग ठीक भी रहे हैं।

यदि आ सके तो ए- और पेज दूंगी। अब यह ध्यान
रहे रखनो दो पेज देती। कैसे लोग इस लिये पेज
लिखते हैं कि कल को यह जानो जा रहे थे और यह लोग
वहां पर मिलती नहीं है अब तो कुछ देख नहीं नाव में
जाती होंगी अब और पहुंच गये तो कुछ बनता तो लोगों
जल्दी खबर पर कुछ बता देना। लोगों ने जल्दी खबरों
के पत्र में देख लेना। मेरु का आया तो यहां मिलती
थी है। आज इतवार आये हैं गीता को भी लाये हैं
वह कॉलेज में है उनको फिर अब गाजियाबाद ही ले
जायेंगे। वैसे तो यह ठीक है लेकिन कमजोर काफी हो
गई है। इतवार बताते हैं कि उनको सिविल लोगों पास
में शहर का कुछ जोर जाना पड़ता है जिस पर रतौलास में
तो शहर बना हुआ रखा था और वहां पर एक गिलास में
पानी रखा था दोनों गिलास एक ही से और रंग भी
दोनों का सफेद था गीता जल्दी में थी और जल्दी भूल
के पानी के बजाय शहर वाला गिलास उठा कर एक
घूंट पी लिया पीने पर उनको पता चला तब गले में
जलन हुई फौरन ही डबल रोटी ले आकर उनको
फौरन ब्याट कर हॉस्पिटल में ले गये और उनको
ठीक किया। वहां के डाक्टरों का कहना था इस
लिये हिम्मती नहीं जल्दी यहीं ले है ही आ ले गये
रविवार इतवार को ले गये और वहां से हमें वापस भी
इतवार को लाये हैं वैसे तो यह ठीक है लेकिन बोलना
तो इशारे से रहे हैं। सचमुच भी बहुत अच्छी हो गया।

और खांसी भी बहुत होगई थी वह निकल [illegible]
है लेकिन बच गई है। ये उनके आज नौकरी में
देखने जाएंगे। यहां पर तो गर्मी भी बहुत ही तेज
पड़ती है जो ख्याल भी बदल सा हो जाती है शेष
लगता है बस यह ठीक रहे वैसे पर अच्छा है
बाकी भी जल्दी ही हो जाती हैं। तुम्हारी तबियत ठीक
होगी। इस बार बाबूजी ने पैर की चिन्ता अब
बचपन छोड़ दिया था, तो रहते हैं कि अब गए मैं तो
इस ना इस परेशानी शरीर में हो ही जाती है। मालिश
रोज कर देते हैं और अब दवाइयां से उनको आराम
दे देते हैं उनको आराम से रह बस नहीं है और इस
मायका सा भी लगता है। इतनी तो भी दिखाई हो
जाती थी उनके शरीर की कुछ भी पता नहीं
चलते थे लेकिन अब तो हो गए [illegible] और
तो मालिश करते रहते हैं। बस बच्चे ही हो गए हैं
अब और बाहर थोड़ा भाग में जाने की हिम्मत नहीं
होती है तुम्हारे आने को अब और थोड़ा इंतजार
लगा देते थे। कुसुम भी ८-१० दिन तो इतना
देखने आया था लेकिन तो आया था और इतवार
को चला गया है। यह लिखाई भी [illegible] मैं
जाने में बड़ा मौका मैं अच्छा लगता हो जाता है
और [illegible] रह नहीं सकते हैं ८-१० दिन को बाहर

नरेश। पोजना लिखे हैं उनमें इतनी गलती
लड़की को रिक्शावाले ने लिये ले गया। और उन्होंने
रहा है कि एकदम नहीं देखा है। पद टूट गेल
होगया वो ठीक है नहीं तो देखा ही चलता होगा

बाबा का पत्र आया था रहे लिखायी जो बड़ी
परेशान सी रहती है। नीता को गये हुए पौने साल हो
गया है लेकिन अभी तक नहीं हुआ है। बाबा ने लिखा
है कि वे उनके पास मौका ने बाबोरा दिखते देखा
शुरू मंगलवार में आयेगी। यदि यहाँ पर आवे तो
घर पर ही रहते हैं वहाँ पर परेशानी हो जाये। निपाती
ने अपनी सिपाही ने नारायण के दिखलाने लगा रहा है

इतना चित्र अच्छी की तबियत खराब अब
रही है उनका ऑपरेशन में बुलाए जाता जो डाक्टर ने
उनको नोटिस देकर मिलने नारायण के बोधपुर के
अस्पताल पर बुखार देता है और परेशानी सी रही
लगती है आजकल के डाक्टर को देखना बन रहा है
पता नहीं क्या देखा है। अब इतना ध्यान रखना
कि तुम्हारे दांत जोरन खराब हो गए होंगे।

प्रिय सुशील को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। ... महीपर गीता कोलेज
रतन आदि के नोटिस में।

नई बात्री अच्छी हो गई है
वैसे तो आ गये अच्छे गये हैं
नये और पद नहीं लगी है।

तुम्हारी अम्माजी
कमलावती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., L.L.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी

२५।१०।१९६२

प्रिय मेरे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारे दो पत्र कल २३ ता० को मिले, एक पत्र २८ ता० का और दूसरा ४ ता० का लिखा हुआ मिला। दोनों पत्रों के मिलने [illegible] लगातार प्राप्त हुए। और दो पत्र एक साथ देख कर बहुत ही प्रसन्नता हुई। वह [illegible] पत्र आते रहें बेटा हमारा भी आज भी मन नहीं लगता है सदैव [illegible] [illegible] सा रहता है। इतना [illegible] होता है तुम्हारे सामने सदैव का पता भी नहीं चलता था। तुम्हारे नाना जी दूना ले [illegible] आने लगे हैं कल योगेश आया था वह कहता था कि शैल के बड़ी दी को पत्र भेज पास आया है। यह जान कर प्रसन्नता होती है कि तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही है। तुम पास हो गये होंगे। यह जान कर भी चिन्ता दूर हुई कि तुमको वहां [illegible] में कोई परेशानी नहीं होती है मेरा बेटा खूब होशियार हो गया है अब यहां पर आयेगा तो पता नहीं कैसा लगेगा। कल यहां पर मकान के दूसरे भाग की मरम्मत हो गई है। यहां पर गुड्डी ने कालिज में परीक्षायें दे कर [illegible] पड़ रही हैं उनके होते हैं पर दो चार लोग होते हैं जो पढ़ते हैं। इसलिये अभी बी. ए. से पहले की परीक्षायें भी पूरी नहीं हुई है गुड्डी का कल एक पेपर रह गया था पता नहीं उसका होगा या नहीं। प्रिंसिपल से तो परीक्षा शुरु हुई थी। तुम्हारे पौधे आहिस्ता से ही बढ़ रहे हैं यहां पर तो सदा बहार पर खूब फूल आ रहे हैं।

तुम्हारे बाबाजी फूफो को देख कर तुम्हारी याद करते रहते हैं। बड़े फूफा भी आज तुम्हारी ओर देख रहे हैं।

तुम्हें देख के बाबाजी बड़ा अच्छा बताते हैं देखने से सब समझ में आती है। बहुत ही अच्छा लगा तुम वहां पर सब देख आये हो। वहां पर देखने की तो बहुत सी चीजें होंगी लेकिन सब के आने का समय ही नहीं मिलता है। तुम्हारे पेपर होने होंगे। बेटा तुम्हारे बाबाजी अपने पैर में रोज ही [illegible] मालिश करा रहे हैं इस से ही ठीक हो जावेगा तुम लोग चिन्ता मत करो इसी लिये हम तुम्हारा लिखना नहीं चाहते थे कि वहां पर तुम लोगों को चिन्ता हो जाती है। वैसे बरसात से कोई तकलीफ नहीं है मगर लोग भी परेशान रहते हैं। वैसे घर में तो सब ठीक ही रहते हैं कल पानी बहुत हुआ है कोई सामान बेकार हो गया है तो किसी से देख लेते हैं सब कोई भी सम्भाल रखते हैं इस लिये कोई परेशानी की बात नहीं है। पर क्या तुम कोन लिखते हो हिम्मत नहीं हारनी चाहिये तुम्हारे बाबाजी पढ़ पढ़ कर के खुश हुए कि देखो बेटा ने कैसे [illegible] लिखने लगा है। तुम रात में बहुत देर से सोते हो।

वहां पर ~~[illegible]~~ तुम्हारा पढ़ाई भी ज्यादह है। कठिन पड़ता है। अपनी पढ़ाई खूब करते रहना। हमने पहिले पत्र में भी लिखा है नीचे वाला सुधीर दसवीं में व ओमी दसवीं में फस्ट डिविजन से पास हो गये हैं। [illegible] जी का सुशील बस पास हो गया है डिविजन नहीं आई है।

तुम सबों को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्माजी

[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

16.7.78

बेटी गुड्डी रीता, ख़ुश रहो।

तुम्हारा letter मिला।
तुम को पढ़ाई और घर के
कामों में बहुत busy रहता
होगा। तुम्हारा हाथ हाथ
ख़ूब लिखता है।
तुमने stamps के लिये
लिखा है। मैं मंगा कर
भेजूंगा। मैं आजकल
Head Post office नहीं जाना होता
है। कहीं से मंगा कर

आशीर्वाद

16-7-78

यहां तो सब ठीक ही है। यहां की चिन्ता मत करो।

तुम्हारा फ्रान्सू वगैरा शायद exams की ही वजह से बहुत दिनसे नहीं लिखा है। खैर तो शायद exams खतम हो गया है।

तुम्हारा बाबा
2 Photo

फोटो की दवा भेज रहा हूं ताकि इसके मैं सारा जानते हो हैं
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

16.7.78

My dear Subhil

I had received your letter. I have been informed that Mr. Raju is on leave and will join tomorrow the 17th July. It is said that he shall be going to Washington about the end of this month.

I had got the draft credited to your account.

Why should you worry about my leg. Some things have

to be tolerated for life.

I had paid the premium of your policy and shall be doing this in time. You need not worry on this account. I am writing this so that you may not pay the insurance company from there. It shall be double payment.

with love
yours affly
Oscar

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

16.7.78

बेटा शैलू । [illegible] रहो ।
तुम्हारा letter मिला ।
मैंने खास लाल लिफाफे
और envelope सब तरह
के फूलों को भेजी थी ।
फिर [illegible] के [illegible]
के साथ भी लाल [illegible]
फूल वाला । और भी
भेजी थी । शायद वहां
तक पहुंच गई हो । मैं
और [illegible] हूं । लिफाफे

और orange वाली घास
तो बहुत बढ़िया रहती
है। देर से भी होती है।
तुम्हारी पढ़ाई ठीक
चल रही है ठीक ही
है। Summer classes
से वापिस पूना में गये
तो तुम्हारी फिक्र रहती है।
पूरा तो शायद time
खतम हो रहा होगा।

तुम्हारा पापा

प्रिय बिटिया [illegible] हमारा बहुत आशीष

तुम्हारा ५ मई के [illegible] पत्र ८ तारीख [illegible] से

हमने तुम्हारे [illegible] उत्तर २८ ता. के [illegible] है

तुमको मिल गया होगा। आज मञ्जु अनुपमा व चार

लड़कियें और आई थी। इन लड़कियों की [illegible]

बड़ा अच्छा लगा [illegible] के लिये [illegible] हो

गई थी [illegible] परीक्षा समाप्त हो गई है। [illegible] की

परीक्षा की तैयारी कर रही है। बिटिया तुमने लिखा

है कि तुमको [illegible] पर जाना भी अच्छा नहीं लगता है

मैं नहीं रह पाऊंगी। लेकिन तुम [illegible]

हो [illegible] और

[illegible] लगेगी। क्योंकि [illegible] हो तो

[illegible] जायेगी [illegible] यहां पर [illegible]

यहां आ सकती हो। [illegible]

मिलता है। [illegible] तुम्हारी इच्छा हो।

हम यहां पर ठीक हैं व हमारे [illegible]

चिन्ता मत करना। तुम्हारी [illegible]

तुम्हारे नाना जी ने २८ ता. [illegible] है मिल

गई होगी। [illegible] कुछ ज्यादा भी हुआ है। प्रिय शैल

के लिए पत्र लिखेगी। प्रिय शैल को हमारा प्यार

[illegible] शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

[illegible] वती

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

यह जानकर बड़ी प्रसन्नता होती है कि शैल अब नवीं
कक्षा में आ जायेगा अच्छा है उसका एक साल खराब
नहीं होगा और अच्छी तरह से पास हो जाये।

यह तो ठीक है वहां पर जाकर दोनों बच्चे खूब
होशियार हो जायेंगे। मेरा पता बदल गया है। [illegible]
यहां का [illegible] था। यहां पर आज और
तो होशियारी की पढ़ाई [illegible] होगा। अब [illegible]
के यही चाहिये है कि तीन साल बाद यहां पर
तुम सब तीन चार से आ जाओ।

आज पुष्पमाली को ज्वर है [illegible]
पर [illegible] आ जाती है। [illegible]
[illegible] होगा। अब तो लोगों को व्यवहार [illegible]
अपने पत्र में [illegible]

[illegible] इस [illegible] कुछ दिनों [illegible]
यह तो [illegible] होगा। [illegible]
[illegible] हैं और [illegible] करते हैं [illegible]
[illegible] नहीं है। [illegible] नहीं
[illegible] कि [illegible] जोड़ों को
[illegible] देते हैं [illegible] दवाई भी जाते में रहते
हैं। तुम [illegible] का ध्यान रखना।
[illegible] को [illegible] को [illegible]।
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। [illegible]

मेरठ सिटी
२६/७/१९६८

चिरंजीविनी [illegible] सौभाग्यवती जी

यहां पर सकुशल हैं। तुम सबों की कुशलता [illegible] के लिये [illegible] चाहती हूँ। तुम्हारा २० ता॰ का लिखा हुआ पत्र [illegible] २८ ता॰ को मिला है पढ़ कर [illegible] समाचार ज्ञात हुये। [illegible] २८ ता॰ [illegible] गया होगा [illegible] पत्र लिखा है। [illegible] के लिये [illegible] नौकरी [illegible] थी [illegible] नौकरी में [illegible] गई थी वह [illegible] नहीं हो गई है [illegible] नहीं [illegible] है इस लिये [illegible] है [illegible] में [illegible] के लिये [illegible] अपने साथ नौकरी में [illegible] लेंगे। [illegible] का पता तो [illegible] है यह तो यही कहते हैं कि [illegible] के भी लिखा है [illegible] भी है [illegible] हो गई है [illegible] हो गये थे। [illegible] है [illegible] नहीं होता है कि यह [illegible] होंगे। [illegible] तो यहां [illegible] की [illegible] में [illegible] के बात [illegible] रही है। [illegible] भी [illegible] दिलाई। यह जो [illegible] है [illegible] का यह समाचार ज्ञात हुआ है।

तुम्हारे [illegible] के मिलने की [illegible] लिखा है यदि वह [illegible] गये तो हम [illegible] देंगे। [illegible] के [illegible] से यह [illegible] है कि तुम [illegible] पता लगाना [illegible] तो यही कहते हैं कि वह [illegible] है [illegible] देने की [illegible] वह यहां से हापुड़ चले गये हैं [illegible] होगा [illegible]

अवश्य भेजोगे ऐसा [illegible] तो नहीं। [illegible] से लिखता है
[illegible] पर यहां पर प्रचार से आप बिल्कुल नहीं
डरते हैं और मेरठ में भाई दिल्ली [illegible] जायेंगे तो [illegible]
[illegible] तुम्हारे बाबूजी तो [illegible] अपने पैर [illegible]
[illegible] नहीं जाने से लाचार से हो गये हैं। यदि
[illegible] [illegible] [illegible] तो मैं 5 [illegible]
[illegible] दिन [illegible] प्रचार [illegible] भी नहीं [illegible]
है यदि पहले [illegible] होता तो यह [illegible] से
[illegible] [illegible] घटना की [illegible] हो [illegible]
लिखो [illegible] [illegible] पहुँच जाये [illegible]
अच्छा है यदि [illegible] [illegible] को इतना
बहुत [illegible] होगा। [illegible] [illegible] की [illegible]
नहीं हो भी कि अभी [illegible] हो जाये [illegible] 4 ता। [illegible]
[illegible] और [illegible] 14 ता। को गये यदि [illegible] की [illegible]
होती तो [illegible] हो जाती। पता नहीं [illegible] ने पत्र का
उत्तर क्यों नहीं दिया है शायद उनको तुम्हारा पत्र नहीं
मिला होगा। उन्हें पत्र भेजना बहुत रुपया लग
जायेगा और कुछ फायदा नहीं। [illegible] पर प्रसन्नता होती
है कि तुम्हारे [illegible] शौक की तादाद ठीक है। तुमने यह
अच्छा किया [illegible] पर [illegible] गई भी [illegible] भूल
गई हो तो [illegible] [illegible] खुद [illegible] लेकिन सुविधा
होगी तब आना ठीक था। [illegible] नहीं जाने का [illegible]
हो [illegible] है यह तो [illegible] [illegible] भी [illegible] लिखा
रहता है।

[illegible] 1198 1076/42 122 151/273

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

मेरठ सिटी
२१।७।१९७८

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो
तुम्हारा पत्र कल २८वाँ को मिला तुम्हारा
२२वाँ का लिखा कार्ड। तुम्हारे पत्र से सब समाचार
ज्ञात हुये। तुमने यह नहीं लिखा गुड्डा ने कौनसी
नौकरी किस की ढूंढ़ा है यह तो तुमने लिखा है कि २४
वाँ से ढूंढ़ा हैं अच्छा है निर्मल को होना जगह जाने
में बड़ी परेशानी सी रहती थी अच्छे दिन भी तो गये
आराम मिल जायेगा।

इधर राधेश्याम के पाँव गुसार से दि. राजो
ने हाथ लगाया है लेकिन अभी तो वह छुट्टी पर थे
कम कहते यह तो रखा है कि इसके सब काम
खुद कर लेगा यदि बाजार के जायेंगे तो बहुत ही
अच्छा रहेगा। इसके अच्छा होना मिलना मुश्किल
है यहाँ किराया बहुत दिन कर देते थे लेकिन
यह मेरठ का मकान छोड़ कर अब हापुड़ चले गये हैं
मकान मालिक मकान को लिपवा बहुत बना रहे थे
और बाबूलाल लखनऊ चले गये हैं उनके बच्चे
मोदीनगर पढ़ते पर ही रहेंगे वहाँ पर वह अकेले
ही रहेंगे।

हम दोनों की तबियत ठीक है तुम चिन्ता
मत करना।

यहां का सब समाचार ठीक है सब जगह से पत्र आते रहते हैं।

आजकल यहां पर वर्षा होने से मौसम अच्छा हो रहा है कई दिन से वर्षा हो रही है। यहां पर तो वर्षा ज्यादा होती रहती है।

तुम्हारे बापूजी का आशीर्वाद।

प्रिय सुशीला शैल को हमारा प्यार

पढ़कर शीघ्र ही देना।

जब सुभाजी व उनकी मासूम के दोनों बच्चे भी आये थे जो कि शैल को पसन्द थे

कई रोज पहले से अपनी ससुराल (तुम्हारी भाभी व प्रभावती) चली गये हुये थे इसलिये यहां पर नहीं आये थे। लिखो कि हमारे यहां कुशल का पत्र आया था उसने यहां पर आकर दिल्ली से उसके पत्र का उत्तर दिया है।

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

19.7.78

बेटी गुड़िया। खुश रहो।

तीन दिन हुवे तेरे

लिफाफे में तुम्हारे लिये

प्राईवेट कापियां भेजी है।

आशा पहुंच जावे। प्राइवेट

पहुंच जावे तो फिर प्राईवेट

को हाथ लिखना। बैंक

प्राईवेट को नकल कर रखना

पानी से बचाना जो है न

होगा। पुराने प्राईवेट में

पानी में दुकान पैदा

हो जावे तो डरना नहीं

है। दुकान पैदा हो जावे

तो फिर जल्दी ठीक होगी।
आजकल यहां बरसात
खूब हो रही है।
तुम्हारी पढ़ाई ठीक
चल रही होगी।
Store में क्या goods
काम छोड़ना है। यह क्या
हुआ। तुम को भी
क्या परेशानी तो होती
ही होगी। काम भी
ज्यादा करना होगा। पर
जब काम करना है तो
ठीक ही है। क्योंकि
काम का छोड़ना ठीक
नहीं होगा।

तुम्हारा बाबा

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

19.7.78

My dear Sushil

Received yours of 11th July.

I have asked Ramkirpal and Jai Kumar to contact Mr. Raju. They will give me their report tonight and I shall do the needful after their report.

As informed earlier Mr. V.K. Gupta has gone to Hapur as he had some difficulty with the landlady here. Mr. Agarwal has gone to Lucknow

Received information from Mr. Raju. He says he will not be able to carry more than one & a half kilo. I will see to it.

[signature]
20.7.78

on promotion as
L.A.O. His family
is here. He told
me before going
to Lucknow that
on reaching Lucknow
he shall try to get
retransfer to Meerut.

We have not yet
received any letter
for you from the
Awas Vikas

with love
yrs affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

19.7.78

बेटा शैलू। चिरंजीव रहो।

मैंने तीन दिन हुवे letter के साथ तुम्हारे लिये लाल गुलाब फूल वाली प्यास के टुकड़े बोने को भेजे हैं। उन में [illegible] लगा है मालूम नहीं वहां पहुंचेगी भी या नहीं।

पिछला letter मैं ने [illegible] व [illegible] को ही letter भी तुम्हारे summer studies के खतम होने के बाद पत्र थोड़े ही दिन रह गया है।

प्यार तुम्हारा। दादाजी

Ninth class में हो जावे तो ठीक ही होगा। तुम को Ninth class में मेहनत तो ज्यादा करनी होगी पर तुम्हारा एक साल जो बेकार हो रहा था बच जावेगा। यहां तो हम ठीक ही हैं। कोई परेशानी की बात नहीं है। एक हफ्ते से यहां बारिश बहुत हो रही है। पूरब में तो Rivers के चढ़ जाने से बहुत आदमी मरे और खेती का नुकसान हुआ है।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

23.7.78

बेटी प्रिया! खुश रहो।

तुम्हारी Summer classes
अभी चल रही होंगी।
Store में आजकल काम
भी ज्यादा होगा वहां
girls कम हो जाने से।
तुमने यहां के stamps
को लिखा था। मैं बड़े
Post-office अभी नहीं
जा सका। दूर है और
पैर काम नहीं दे रहा।
कचहरी भी जाना था।

बहुत देख आज कल होता
है। किसी से नए
stamp मंगवाना पुरानी
कोई निकला हुवा रहे
है। कई stamp लगे
हुवे मिले जो एक दवाई
के पारसल पर थे। वह
भेज रहा हूं इस वक़्त तो।

तुम्हारा भाई







DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

23.7.78

My dear Sushil

Recd your letter. I have been contacting Mr Raju through Shri R.K. Gupta and Jaikumar. Mr Raju has told them that he would carry some thing for you but not more than 1½ kilo, and that too in a small packet. He has also told them that this may be sent to him only when he asks for it. He has however not yet asked for it. It appears

he is not going within
a few days. I have
also asked Vij to
look to it and he
had told me that Raju
would be going about
the end of July.

Your mother is
not well today. It
appear she may get
fever, so she is not
fit to write to any
of you.

with love
yours aff.
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

23.7.78

बेटा शैलु खुश रहो

तुम्हारा letter मिला। तेने blade से ब्रुश बनाया है।

तुमने summer session को खूब धाड़ हेडिंग रख्या है। जानकर अच्छा रहा।

तुम्हारे summer classes का।

मैं ने एक छिपा हुआ letter के साथ लाल फूल की घास की शाख भेजी थी। पता नहीं पहुंची या नहीं। बड़ा आनन्द

मिट्टी ठीक नहीं है या

हवा का कारण है जो पौदे

बड़े नहीं हुवे। पौदों को

कुछ धुप का हवा की भी

जरूरत होती है।

मैं पेट का Index को

मालिश दो महीनों से करा

रहा हूं। करवा रहूंगा। जैसा

भी है तुम को फिक्र की कोई

जरूरत नहीं है। अब तो

आदत पड़ गई है।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

CHAMPAT RAM GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER

मेरठ सिटी
२५।१०।१९८२

प्रिय बिटिया शालिनी तुमको हमारा बहुत प्यार

तुम्हारा ८ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको कल २५ ता० को मिल गया है। पढ़कर सब समाचार ज्ञात हुए तब तुम्हारे बाबाजी ने परसों मंगल को डाक से तुमको पत्र लिखा है मैंने तुमको पत्र नहीं लिखा था क्योंकि मेरी तबियत ज्यादा ठीक नहीं चल रही है गला व बुखार व खांसी आ गये हैं अब ठीक है चिन्ता करने की कोई बात नहीं है।

तुम्हारे चारों अपने बच्चों के फोटो देखकर बड़ी ही प्रसन्नता हुई ११ महीने से चीन में अपने प्यारे बच्चों के फोटो देखने को मिले हैं। पता नहीं फोटो में तुम चारों कमजोर से ज्यादा लगते हो। क्या कमजोर हो गये हो अब और फोटो खिंचवाओगे भेजना। यह बात का पता होता है तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही है नवल भी अच्छे आ गये हैं यहां पर तो कुछ दिनों से सरदी से मौसम थोड़ा ठण्डा रहता था नहीं पर यह चीजें कहां पढ़ने को मिलती हैं अखबार आता है और सब भी तुमको पूछते रहते हैं।

मेरा तो अकेले में मन नहीं लगता है दिन भर अकेली बैठी रहती हूं। ऊषा की परीक्षा नजदीक हो गयी है अतः वो दोपहर को ३ बजे तक ऊषा मेरे पास बैठी रहती है रोज ही शाम को आती जाती हैं इन लोगों से भी मेरा मन लग जाता है। तुम्हारा काम भी ठीक ही चल रहा होगा।

पता नहीं तुम्हारे पास नीरजा के पोस्ट पत्र क्यों नहीं

पहुंच रहे हैं अब तो वह शायद लखनऊ आ गया

होगा उसकी परीक्षा तो समाप्त हो गई है अब तो

शायद कानपुर से अपना सामान भी ले आया होगा।

वह पास होने पर नहीं पर उसकी तो ट्रेनिंग लगी

होगी। तब कहीं नौकरी मिलेगी।

मेरी चिट्ठी से ललित लाल चन्द्र जी मिले

उसको पत्र लिखा था उत्तर नहीं दिया लिखा है। उसके दोनों

बच्चे पास हो गये हैं। गीता गाजियाबाद ही है और ठीक ही

होगी

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा

प्रकाश वती

आज लखनऊ से निर्मला के

नीरजा का पत्र आया है। नीरजा

लखनऊ आ गया है। नीरज को लखनऊ में ही कैमिस्ट्री

ट्रेनिंग (लेकिन) पीलीभीत में हो गई है नौ महीने की

ट्रेनिंग होगी। और ~~[illegible]~~ रिजल्ट भी शायद

अगस्त के पहिले हफ्ते में आ जायेगा। पहिले कहा

है इसको लखनऊ में ही ट्रेनिंग मिल गई है

नीरजा ने इतना अपनी सास के दो पत्र भी भेजे हैं

[illegible] की तबियत कुछ ठीक नहीं चल रही है।

नई दिल्ली
२६/१०/१९८२

प्रिय [illegible] सौभाग्यवती [illegible]

[illegible]

[illegible] की चिट्ठी है [illegible] हुई है

१२ दिन [illegible] दिये हैं

यह [illegible] ने [illegible] भी गये है

उन्होंने बहुत ही [illegible] दिया। [illegible] रहा है [illegible]

[illegible] नहीं [illegible] हैं। [illegible]

[illegible] था। [illegible]

[illegible] दिये। [illegible]

[illegible] है [illegible]

[illegible]

[illegible] नहीं [illegible]। [illegible]

ही [illegible] [illegible] लोगों के

[illegible] है तो [illegible] हूँ

[illegible] गया है। [illegible]

हैं। [illegible] सकता है

२४ दिन [illegible] ही [illegible] जाता है। [illegible]

[illegible] जायेंगे

[illegible] ही [illegible] हुआ। [illegible] नहीं

चाहिये [illegible] ही [illegible] ही

[illegible] चाहिये। यह [illegible] होगे ही।

तुम्हारे बाबूजी इन लोगों से रोज ही इनके बारे में पूछते
रहते थे इधर किसी से भी वह रहा था वह ही मिलते
लोग कि वे अब की छुट्टी लेकर आयेगा सम्भवतः उनको
ले जायेगा। लेकिन उस की तो का तत्ना ऐसा होना तो
प्राइवेट से ही मिलता है। वह भी अपनी यहाँ से गई थी
अभी देखना जरूर है या नहीं।
नरेन्द्र के छुट्टी पर पहुँचने से उन्हें
मेरी मैं उस बाद भी यहाँ पर निकले हैं।
गीता अभी परसों मदद ही रही है वह बहुत
मेरे पैसा भी नाहीं खर्च होगया है और उसका भी
ही जाने की जल्दी ही हुई है। यह तो इसको नहीं लगता है
इसलिये होशियार अभी गाने से ऐसा लगा। लेकिन मैंने
अखबार का भी पता चल सकता है। उसको भी लिखना
है जरूर ही है। इतना जरूरी और फिर बाद में तो यही
बात से सफल लेकर रहा है। यह तो बिल्कुल ही गलत है
छसाल के बाद जो पत्र लिखा है या नहीं। यदि जो लिखे
तो अच्छा है क्योंकि अभी यह कहें कि यहाँ पर भी लिख
दिया है मैंने तो बहुत जल्दी ही लिखा है। ये दोनों बातों और
यहाँ नहीं लिखा है। आशा है कि तुम्हारे बालबच्चे ठीक होंगे
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारे बाबूजी की ओर से
आशीर्वाद।
तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

मेरठ सिटी
२२।७।१९७८

प्रिय बेटे आशीर्वाद तुमको हमारा बहुत सा प्यार।

तुम्हारा १६ का पत्र व फोटो हमको कल मिल गई है। तुम सबों की फोटो देखकर जी बहुत ही प्रसन्न हुआ। उधर पहाड़ बच्चों की स्पोर्ट्स के स्टॉल में शाम देखने को मिली है। अब और फोटो खिंचवाओगे हमको भेजना।

सुबोध २ दिन के लिये हमको देखने आया था। उसने यहां से इसके लिये दवाइयां भेजी हैं जो स्वदेशी यह हरद्वार से आ रहे हैं स्वदेश ६५) के लगभग की कीमत हमारे होमियोपैथी से भेजी हैं। तुम्हारे बाबा जी इलाज पालिश बाबा बराबर कर रहे हैं केवल दो दिन से सिगरेट पीने लगे हैं क्योंकि डाक्टर लोग कहते हैं कि सिगरेट पीने से पेशाब ठीक आयेगा। देखो अब की ठीक होता है या नहीं। उस लोग उसके लिखा था कि इस उम्र में कोई न कोई सा उपद्रव होता ही रहता है। फिर भी तुम्हारे बाबा जी इस उम्र में ठीक ही चल रहे हैं।

यह जानकर बहुत ही प्रसन्नता हुई कि तुम हायर सैकिण्ड से पास हो गये हो। अब तो तुम पढ़ने रहे हो इसलिये लेकर आये हो। अच्छा है तभी में आ जाओगे तो १ साल बच जायेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि हमारे बच्चे खूब तरक्की करते रहें।

अब तुम्हारे बोर्ड १८२ बदने शुरू हुए हैं।

गुड़िया के लिये कोमल ने हार की स्लाइड भेजी थी पता नहीं मिल भी गई है तुम्हारे लिये शायद दाल भी भेजी है।

उनको २८वां से तुम्हारी छुट्टियां हो जायेंगी अब तुम घर पर क्या करते होगे।

हमारा मन तो लगता नहीं है चार दस बजे से और शाम ने तीन बजे तक का समय तो बहुत होशियारी से कटता है। वह तो बिचारी गुड़िया अपना होस्टिल छोड़ गई है उसको भी तुम पर बदल जाता है।

तुम अपने पैन्सीलों का ध्यान रखना। इनको ठीक बराबर बैठे रहना। यहां पर तो अब गरमी नहीं होने पर नल होजाती है धूप निकलने पर फिर गर्मी हो जाती है।

प्रिय बेटा परीक्षा जल्दी ही देना

तुम्हारी अम्मा जी

छनारानी

प्यार, प्यार, प्यार

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

26.8.78

बेटी गुड़िया। खुश रहो

तुम्हारा letter 17.7.78 का
मिला। मुझ को तुम्हारे B
class पास की खुशी है।
तुमने महनत की और
उस का ही फल है। आगे
भी ईश्वर ठीक ही करेंगे
तुम्हारा नक्शा भी मिला
उस में तुम सब ही कुछ
कमजोर दिखते हो।
बहुत दिन में वहां

की तुम लोगों का
Picture मिला है।
यहां सब ठीक है।
तुम्हारा प्रेमा का
पत्र आया था। सब ठीक
है। मैं भी ठीक
हूँ।

तुम्हारा बाबा
दादा

CHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

26.7.78

My dear Sushil

Mr. Raju left India on 25th. He kept his movements strictly secret. I had deputed V.G to keep in contact with him. R.K Gupta & Jai Kumar were daily touching him on the point. He had declared that he would go on 31.7.78 and would ask for the articles to be sent. As a matter of fact he was not inclined to take anything.

upto Saturday the 22-7-78
he told these persons
that 31st July was the
date and he would
ask for articles a day
or so in advance;
but on Monday the 24th he
abruptly told them
that he was leaving
next morning & that
all the luggage had been
booked.

I am sorry I could
not send any thing.

With love
Yours affly
[illegible]

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

26.7.78

बेटा शैलू खुश रहो

तुम्हारा letter 17.7.78 का
मिला। मुझे तुम्हारे A class
में पास होने की खुशी है।
तुम्हारे [illegible] कालेज में दाखिला
होने में मदद मिलेगी।
तुम एक फोटो [illegible]-
कराओ। फोटो मिला
तुम्हारा picture तुम को
कमजोर बताती है।
बहुत दिनों में तुम लोगों
की सूरत देखने को मिली
है तसवीर में ही सही।

वहां की तुम्हारी Picture
देखकर बहुत खुशी
हुई।
मेरा पैर ठीक हो
है उसकी कोई फिक्र
नहीं है। यहां मौसम
ऐसा बढ़िया है कि न तो ठण्ड
कभी गरमी। बहुत
जगह तो बाढ़ आई
कई लोग आदमी मरे
पर इधर सब ठीक
है। समीर की Birthday 22nd April है
मैंने सबको Date तुम्हारा बाबा
भेजी थी 20 दिन हुवे O.P.
शायद वह नहीं पहुंची

DHANPAT RAI GUPTA
B.A., LL.B., PLEADER
MEERUT

30.7.78

My dear Sushil

You must have been waiting to see some thing I would send through Raju. I am sorry he did not take any thing. V.G. says he had taken leave for two days to make Raju agree to take some thing but me Raju flatly refused to take any thing

for you. Mrs. Raja told
Viq that although
R. K. Gupta and a
Mohommadan had
also requested to
take the articles
from me to you
but that he would
not do so. He had not
plainly refused Ram Kapoor
but only placed a game
of hide & seek informing the
wrongdoer & then abruptly
said he was sorry. with love
yours
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............................197

प्रिय निरुपा शैलजा तुमको हमारा बहुत प्यार।

हम यहां पर ठीक है आशा है कि वहां पर तुम सब भी ठीक होंगी। अबकी बार तुम्हारा पत्र आने में बहुत देर होगई है यदि पत्र नहीं आता है तो चिन्ता हो जाती है। शायद इन्हीं दिनों में आजावे। बच्चों पर लोग [illegible] लगाये होंगे तुम तो वहां पर लगाती नहीं होंगी क्योंकि बाहर जाना पड़ता है।

[illegible] नानी [illegible] है तुम सबको भी बहुत ही याद आ रही है।

पिछला शुक्रवार यहां पर आये थे [illegible] क्योंकि [illegible] के बदले इन्होंने गुड़िया से [illegible] है यहां पर भी उन्होंने बोया नहीं है यह सब बाहर से आ गया है और [illegible] के लिए उनको फ्रिज़ [illegible] में ही लगाते है उस बार में देखा गोभी बिकती है। अभी [illegible] नहीं आया है।

तुम्हारी पढ़ाई के बाद कौन चल रहा होगा
तुम्हारा कॉलेज खोलने जल्दी होगी और यह
दिन भर रहे होगी। तुम्हारे कॉलेज का रोजाना
हैं अपने इतवार छोड़ होगी जवाब।

निरंजन से गीता को पढ़ाई चला है
ठीक ही होगी। अब तक उसको गोदी भी पहले
दें फिर गीता को लेकर आयेगा। लेकिन
जो घर लाजवाब नहीं है इसलिए कुछ पता
नहीं चलती है।

यहां सब व देहरादून में सब ठीक हैं
समाचार जल्दी ही देना।

तुम्हारी शुभकामनाएं
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ३-८-197८

प्रिय निर्मला सप्रेम सस्नेह सौभाग्यवती रहो।
हम यहां पर ठीक हैं। तुम सबों की कुशलता
से सदैव मनाती चाहती हूं।
कई दिन हुए तुम लोगों का पत्र आया था जब
पत्र का इन्तजार देख कर तुमको पत्र लिख रही हूं।
चिन्ता है पता नहीं पत्र क्यों नहीं आया है।
बहुत तो रात यहां से जाने वाले भी पहुंच गये होंगे
यहां से रवाना हुआ है कि २५ ता० को गये हैं। बड़ा ठीक सफ़र रहा
तुमको तो आशा लगी होगी कि बाबूजी अम्मा जी हमारे लिये
कुछ ले भेजेंगे ही। लेकिन बहुत कुछ भी लेकर
नहीं गये यहां से तो बहुत सोचे कि अब मनोरम
बताना हुआ अब मेरे वाले दिन ही बताया कि मैं
जब मैं आ रहा हूं। देखा उन सब हो गया बहु गया है
ऐसे तो यहीं कहते रहे कि २३ तारीख से ग्यारह यहाँ
से आयेगा इधर यही सोचा था कि सच्चा तो भी ले
जायेंगे अच्छा है लेकिन इसको बड़ा ही दुख हुआ
बहुत तो सबको वहां से आने वालों का पता
नहीं रहेगा लगा है या नहीं।
सुनार को कुछ देहरादून में गये थे बद
२० ता० को देहरादून जाना था साथ में निर्मला भी और

थी। और २१ता० को दोनों यहां पर आये थे और
फिर १ ता० को गाजियाबाद चले गये हैं लेकिन
तो गाजियाबाद से वापस आद आयेगी और उनका
सारा सामान चला गया होगा। बस गाड़ी रोक
लिया।

आज २ ता० है बच्चे शनिवार वाला
तीन याद आ रहा है अब तीन बजे हैं इस समय
को २ता० को खूब रोशन हो रही थी तुम लोगों को
बहुत ही याद आ रही है पत्र स्वप्न में भी यही
होता कि तुम लोग आ रहे थे और मैं कहती हूँ
कि आओ तुम लोग कभी आओगे। और बस जोर
से रोने लगी हूँ। सोना सुबह पड़ोसियों में पानी आ

आज यहां पर सुबह से बर्फ पड़ रही है
यह बच्चे पढ़ने बैठे रहे लेकिन स्वेटर भी
नहीं आ पाये हैं।

बच्चों को फिर पत्र लिखूंगी।

प्रिय प्रमोद को हमारा आशीर्वाद। प्रिय गुड़िया
रोज को हमारा बहुत सा प्यार

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 3-8-1978

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार
बेटे हम ठीक हैं। आशा है कि वहां पर
तुम सब भी ठीक होगे।

कितने बार तुम्हारा पत्र आये कई दिन हो
गये हैं रोज इन्तजार रहता है। पता नहीं क्यों नहीं
आया है चिन्ता लगी है। तुम्हारी तो आजकल
छुट्टियां चल रही होगी क्या करते रहते हो।

बेटे 7 अगस्त को राखी है सोमवार को
राखी के दिन खाना ज्योति के घर पर बनाई होगी।
त्योहार पर तुम सबको तो बहुत ही याद आती है
तुमने फूल गुलाब भी लगाये रखे थे। इस पर
तो तुम्हारी याद आ रही है आज तुमने गमले
कुछ दिन पहिले हो गये हैं अब तो बहुत ही याद
आ रही है नहीं उसी दिन को तीन गमलों में
रख रहा है। तुम्हारी तबियत ठीक होगी।
तुम सारे मौसम मजा रहे होगे।

तुम्हारे स्कूल कब तक खुलेंगे।

Dhanpat Rai Gupta

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

तुम बच्चों के फोटो दिलो फोटो देखकर
बहुत ही अच्छा लगा है।

तुम्हें हमारी ओर से चिन्ता करने की
आवश्यकता है। सब तुम लोग भी यहां प्रसन्न
रहो यही ईश्वर से प्रार्थना है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाशवती

आज योगेश अंकल का बड़ा लम्बा पत्र है उत्तर
को देखना। [illegible] का शायद तुम्हें उनके पत्र
का उत्तर तो देदिया होगा।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR
MEERUT

Dated 2-8-197

प्यारी गुड़िया खुश रहो।

तुम्हारा कोई खत काफी दिनों से नहीं मिला।

Store और University का काम ठीक चल रहा होगा।

मालूम हुआ है तुम सूरज को भी वहां बुला रही हो। शायद वहां पैसा ज्यादा मिलता है पर वह तो Engineer हो रहा है जिसको Store वगैरह उस के लिये काम नहीं मिलेगा।

बड़ा ख्याल करना Lucknow
है।

कुछ दिन हुए वहां R.G. College
में girls की वार्डन के
सिलसिले में लड़कियां line
में थीं। फिर लड़कियों ने line
तोड़ने पर खूब मारपीट हुई
कुछ बेहोश हुए। College
को अनिश्चित बन्द करना
पड़ा। Police भी आई।
यह बात boys के colleges
में था यहां भी होगई।

तुम्हारा बाबा
दादाजी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 2-8 1978

My dear Sushil

There is no letter from any of you for the last ten days. The last letter received was dated 17-7-78. However, I hope everything is alright there. Sukumar & Nirmala came here in the afternoon on 31-7-78 and went back yesterday morning. He told me

that Mr. Agarwal had
seen him at Lucknow
and had informed him
that the Awas Vikas authorities
were now satisfied that
in your case the amount
paid was full & complete.

with love
yours affly
DRG

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 2-8-197

बेटा शैलू। खुश रहो।

कुछ दिनों से तुम लोगों की कोई खबर नहीं मिली। अब तो तुम्हारे छुट्टियां हो रही होंगी। यहां बारिश खूब हो रही है। आज तो सुबह तीन बजे से बारिश हो रही है। इस समय शाम के तीन बजे हैं पर बारिश कम या ज्यादा होती रही है। इस वजह से आज मैं कचहरी भी नहीं गया। और जगह तो कहीं इंचेस चढ़ हैं कहीं ज्यादा ~~है~~

कई बहुत से गावों को
बरबाद कर रहे हैं। पर
इधर कोई परेशानी नहीं
है। हां रसोई में बरसात
टप टप हो रही है बाथ में
पानी हो रहा है।

मैं ठीक हूं। घर में
चल फिर लेता हूं। कभी
साइकिल से जा सकता हूं
पैदल घर से बाहर जाने
में परेशानी होती है
पर इतना भी ठीक ही है।
आज तुम लोगों को गए
लगभग 22 महीने हो गये हैं

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 5 ... 2 ... 1972

प्रिय लिटिया तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

तुम्हारा २५ता का लिखा हुआ पत्र हमको ४ तार को मिल गया है तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए जब तुम्हारा पत्र नहीं आता है तो बड़ा सूना सा लगता है

जब तुम्हारा पत्र आया था उसी समय सन्तु मधूपता आये थे मेरे पास बैठी थी उन्होंने भी तुम्हारा पत्र पढ़ा और कहती थी कि मेरे पास भी आता हो शायद ही कभी पत्र आया है। तुमको हमको हिन्दी पत्र लिखने में परेशानी तो बहुत होती है क्योंकि बाहर से पढ़ी हुई आती हो और फिर आकर हमको पत्र लिखना पड़ता है।। लिटिया कल तो नाना है तुम्हारी ... लोग भी सबको बहुत ही याद आ रहे हैं पता नहीं लोग यहाँ भी लगायेगे। यहाँ पर तो तुमको क्या रहना भी। खाना वगैरा तो बनाया होगा। शौक तो खूब उबलना की आदि रहती थी जब हम लोग बड़े बात यही सब बातें तुम्हारी याद आ कर याद होता है। तुम्हारे सब बहुत ही अच्छे होते हैं बहुत ही प्रसन्नता हुई। ईश्वर से गुड लक नमस्ते कहती रहो। अब तो तुमको ... लिखे दिन बाद बहुत होगये हैं। ... पर भी लग गया है बाहर और हैं सब लोगों को ... में परेशानी तो होगी ही यह समझ है तुम्हारा यह पत्र ... चला गया है।

तुम्हारा पाता बिना दवाई के ही ठीक होगया है यह अच्छा
हुआ वरना तो यहाँ चिन्ता थी। ये कहीं और न बदनाम [illegible]
गन बारिश होती है तो [illegible] रहेगी [illegible] है
मैंने कि तुम्हारे लायक थे कुछ बीमार भी ज्यादा होगए
है मेरे गेहूँ की दवाई से फसल ही [illegible] रही है छोटे
तो इस पर कहाँ पर भी आते हैं लेकिन क्या करें यह
लोग तो ठीक ही नहीं करते हैं छोटे बच्चे में भी
बोर के घर आता है। इन लोगों से ज्यादा बहुत
हुए भी डर लगता है। बिटिया तुमको तो पेट का होने से
गर्मी तो बहुत लगती होगी। एक तो [illegible] और ऊपर
से गर्मी। परेशान हो जाती होगी। इस बार [illegible]
यहाँ पर आई थी तो तुम्हारे बाबा जी ने भी इसको
[illegible] के लिए [illegible] का [illegible] में [illegible]
बहुत जाना चाहिये। पता नहीं जाती है या नहीं।
ऊषा के पास भी तुम्हारा पत्र इसी पत्र के साथ में
आया है। बिटिया याद तो तुम्हारी भी [illegible] बहुत ही
आती है लेकिन क्या करें अब इतना [illegible]
पर ही तुम सबको भी बहुत ही याद आयेगी। [illegible]
लोग जितना अच्छा [illegible] [illegible]
पता नहीं लोग के पास [illegible] भी है। [illegible]
भी नहीं है। [illegible] है। [illegible]
[illegible] रहे हैं। [illegible]
[illegible] हैं। [illegible] प्यार [illegible]
परिवार [illegible] देना।

तुम्हारी अम्मा जी
धनपत वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ६ – ८ – 197२

प्रिय बेटे सौरु तुमको ढेर बहुत सा प्यार
तुम्हारा २४ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको २ अगस्त
को मिला है तुम्हारे पत्र का बहुत ही इंतजार था पत्र से सब
समाचार मालूम हुए। और यह जानकर चिन्ता हुई है कि दिल्ली में
क्या है तुम इतना बोर हो जाते हो जो पत्र में देर हो जाती है तो
तुम्हारे बाबाजी को बहुत ही चिन्ता होने लगती है। २४ ता० को
तुम्हारा तो भी पत्र मिल गया है। कभी तो तो भेजे पत्र जल्दी
मिल जाते हैं और कभी बहुत ही देर हो जाती है।
आज कल तुम्हारे स्कूल बन्द हो गये होंगे अब तो
तुम क्या पार्टी रहते होंगे जरा सोचा तो भी रौनक रहेगी
मिलाते रहना पर अकेला रहना था। बेटे अब तो तुम जरा
नगर के रास्ते जान गये होंगे। हमको यह पता नहीं था कि वहाँ
पर भी गर्मी बहुत पड़ती है हम तो यही सोचते थे कि वहाँ
पर तो मौसम ठंडा ही रहता होगा। अब तो बसों की हड़ताल
खुल गई होगी। पिछली हड़ताल से बहुत परेशानी उठानी पड़ती
थी। तुम अपने दांतों का इलाज कराते रहना कम बढ़ने का यही डर है
योगेश ने तुमको पत्र तो लिखा है वह मिल गया होगा
बेटा हम दोनों तो तुम्हारी याद से मिलना बहुत ही
याद करते हैं किसी तरह से तुम्हारे आने के समय तक
हम ठीक ही रहें। अभी से तुम सबों को देखने को तरस रहे
दिन गिन रहे हैं। बाकी सब ठीक ठाक सब अच्छा है।

आशा है तबियत ठीक होगी। पूज्य पिताजी माताजी को प्रणाम कहना। यहां पर आज ~~[illegible]~~ कई दिन से रोज ही वर्षा हो रही है।

[illegible] में एक जगह ठीक है वहां से ही पत्र नहीं लिख सके होंगे [illegible] [illegible] [illegible] नहीं होगा [illegible] नहीं [illegible] [illegible] नहीं हुआ है।

कमला नरेन्द्र और योगेन्द्र आये थे नरेन्द्र [illegible] में उषा ने बच्चों ने [illegible] [illegible] और उनको [illegible] को [illegible] [illegible] [illegible] है [illegible] [illegible] है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] बच्चों को [illegible] [illegible]। उषा का [illegible] [illegible] हो गया है [illegible] [illegible] हो गए हैं। [illegible] [illegible] [illegible] रहा है।

प्रिय सतीश व सुशील को प्यार आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 6.8 1978

बेटी प्रतिमा। खुश रहो

तुम्हारा 24/7 का letter मिला। मुझे खुशी है तुम Studies में Satisfactory काम करती रही हो। इस से ही तुम्हारी average पूरी रही। तुम को तो उस से और हिम्मत होगी और आगे को और ठीक चलाओगी।

तुम्हारा नया वाला मैनेजर तो शायद ठीक ही है। तुम को पुराना Job छोड़ के

क्या नहीं लेना चाहिये। प्रमाना
Job ना छोड़ने से वहाँ का
पूरा Experience होने का
वजह से काम Satisfactory
होगा और मन भी लगेगा।
हाँ कोटा में के सुधीर
और जीजी के इनके पास
होने का मिठाई खिलाई थी
पहले सुधीर का खिलाई जीजी
बाहर गयी था उस के बाहर से
और पटेल को भी खिलाई।
यहाँ पर सब लोग हैं। बाकी सब
ध्यान रखते हैं और सब काम
को तैयार रहते हैं। तुम्हारा Unnecessary
Confuse बहुत करते हैं। तुम्हारा बाबा
नमस्ते।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 6 : 8 1978

My dear Sushil
Recd your letter of 24/7 along with the two drafts. I have handed over the two drafts to Narendra and Yogendra. Narendra will get your draft to be credited to your account. It must have been given to the Bank on 4th.

I am sorry to know that you had to run to

the university, Store and
Shalees Institution to
leave them there and
to take them back
home in time. I hope
the Bus Stands must
have been removed.
My leg complaint is
a bit improved or I
have become accustomed
to it. However, I cannot
fold the leg nor can I
walk for a short distance

with love
yours affly
Bal

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

**152, VIJAY NAGAR,
MEERUT**

Dated 6-8-1978

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा 24/7 का letter मिला।

अब तुम्हारी छुट्टी हो रही होंगी। क्या करते रहते हो अब तुम? पौधे अब तुम्हारी देखभाल से ठीक हो गए हैं। छुट्टी में time तुम को उन की देखभाल के लिये और भी मिलेगा। एक महीने तुम्हारी देखभाल से और भी

निकल जाओगे। वहाँ के मौसम
या मिट्टी की खराबी से
कम चल रहे हैं। पर तुमने
लिखा है कुछ बड़े होने लगे हैं।
शायद गर्मी में बड़े होंगे।
तुमने अपना प्रोग्राम को
letter में danger cross
बनाया है। बहुत अच्छा है।
इन को बनाने में तुम्हारा मन
खूब लगता है।

तुम्हारा बाबा

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २३-८-197२

प्रिय बेटा सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा व गुड़िया शैल का पत्र दोनों २२ ता॰ को मिले दोनों पत्र एकसाथ देख कर प्रसन्नता हुई

तुम्हारा लिफाफा तो बैंक मिल गया है। फोटोग्राफ से लिफाफे देख कर बहुत ही प्रसन्नता हुई। देखकर तो लगता जैसे ही फोटोग्राफ से तस्वीर लगता है। आज तक तुम स्कूल शादियों में लगे हुए थे। यहां पर भी तुम्हारा सब लोगों से प्यार हो गया है

अजय अग्रवाल भी 6 हफ्ते मिलने आये थे वह लखनऊ से १९ ता॰ को आये थे और २६ ता॰ को लखनऊ जायेंगे। सुकुमार के पास भी गये थे एक बार सुकुमार ने घर पर खाना भी खिलाया था

बेटा २८ ता॰ को रक्षाबन्धन है तुम सबको तो उस दिन बहुत ही याद आवेगा। जब अकेले बैठ कर पढ़ोगे तो बहुत ही दुख होगा पहिली बार ही ऐसा होगा जो अकेले पढ़ोगे।

शैले बेटे ने दोनों परीक्षाओं में पास होने
की बहुत ही प्रसन्नता हुई। ईश्वर ने चाहा सब
ही उन्नति करता रहे।

सुबोध ने भी देहरादून में मकान बनाने
के लिये ज़मीन ले ली है और वह शायद
जल्दी ही बनवाना शुरू कर देगा। अच्छा है
पहिले छोटे मोटे से ही शुरूआत होगी।

यहां पर इनकी सबको बहुत ही याद
आती है। एक तो २ सितम्बर को पूरा एक
वर्ष बीत जायेगा।

गुड़िया के यहां तो बहुत ही बरसात
तो पड़ रही है। यहां पर भी कई दिन में
आज धूप निकली है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभाकांक्षी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 13 . 8 . 1978

My dear Sushil
Recd yours of 3/8 along with the draft. You need not have sent the Draft. I know you people are not yet properly settled there.

Yes, I am informed that Babli has come here. I will see if & when she goes back to Washington.

I am glad to know from Shailoo that he has very creditably gone through. I hope he will have a

good place in 9th class too, though ~~the~~ he will have to work hard for every so. He is laborious but sometimes requires a little help in studies.

The house in which Vijay Gupta was living has now gone for Rs 250/- a month and another house behind Bali Ram has gone for 300/-. This is the situation here.

with love

Yours affly

[signature]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 23-8-1978

प्रिय बेटे रौनक तुमको हमारा बहुत सा प्यार

बेटा तुम्हारा २ता का पत्र मिला समाचार ज्ञात हुऐ

सुशील का पत्र भी २२ता को ही मिला।

बेटा यह जान करके बहुत ही प्रसन्नता हुई कि

तुम दोनों परीक्षाओं में ए ग्रेड में [illegible] हो

तरक्की करते रहो तुम बड़ी क्लास में आ गए हो तुम्हारा [illegible]

बच गया है पर तो ऐसा होता है कि तुमको दिखाई लगने के लिये

तुम [illegible] लेकर के [illegible]। अच्छा तुम घर पर ही रहते हो

तुम दिन को स्कूल को भी [illegible] रहेगा। वहां पर तो हिन्दी

की मैगजीन नहीं मिलती होंगी। तुम लिखते हो कि [illegible]

हो गया हूं। लेकिन बोलने में तो बहुत ही [illegible] अच्छा है

अच्छा है तुम्हारी [illegible] ठीक रहे। जब यह लोग [illegible]

लोग चले जाते हैं तो [illegible] जाते हैं इतना [illegible]

[illegible] से बोलता है। [illegible] में तो [illegible] जाते

हैं। [illegible] पर तुम्हारे बाबा [illegible] तो [illegible]

नहीं [illegible] परेशानी होती है इस लिये [illegible]

[illegible] से बोलता है। आज कल तो [illegible] रहती है

तुम तो [illegible] अच्छे [illegible] हैं [illegible]

[illegible] तो [illegible] हो गये होंगे। अब [illegible] है

तुम [illegible] बहुत ही याद आयेगी [illegible] तो [illegible]

[illegible] पुत्रों [illegible]। तुम्हारे बाबा तो तुम्हारे

[illegible] कौन [illegible] विचारा [illegible] पेट को

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 13. 8. 1978

बेटे गुड़िया खुश रहो।

तुम्हारा letter मिला। तुम्हारे Job का हाल मालूम हुआ। अब तुम को बहुत होशियारी से काम करना होगा। नहीं तो यह नया वाला manager परेशान कर सकता है। तुम्हारा [illegible] पैसे का हिसाब में तो देख भाल कर ही करना होगा।

तुम्हारा university work भी अब शुरू होने वाला

है। दिन काम साथ साथ
चलाने में परेशानी तो
होती ही है पर मुझे
hope है तुम अपनी मेहनत
से सब ठीक संभाल
लोगी।
यहाँ आजकल मौसम
बहुत खराब है।
तुम्हारा बाबा

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 13-8-1978

भैया शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा पत्र 3/8 का मिला। मुझे बड़ी खुशी है कि तुमने मेहनत करके दोनों exams में A क्लास पाई। मैं यहाँ से तुम्हारी इस खुशी के लिए कुछ भी नहीं कर सकता। चाहता था कुछ इनाम दूँ। एक दर्जे ऊँचे क्लास में तुमको मेहनत बहुत करनी होगी।

यहां तो ठीक ही है इन।
पर तो मेरा एक शायद
इस तरह ही थोड़ा बहुत
काम देता रहेगा। इस लिए
कुछ लिखना नहीं करना।
इनका भी काम पर देता
रह तो ठीक है। एक
मैं मकान से कहीं और
वहां से मकान जाता हूं और
कहीं भी जा नहीं रहा।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २४ | २ | 197८

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत प्यार

तुम्हारा लोन का लिखा हुआ पत्र हमको यहां पर २२ता. को मिला है तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। तुम वहां पर कविता की शादी देखने गई थी तुमको वहां की शादी कैसी लगी है। आना जाना तो वहीं की तरह का होगा या यहां की तरह का। हम तो तुमको बराबर पत्र लिखते रहते हैं लेकिन यहां ही देर हो जाती है। तुम्हारे पत्र भी आते ही रहते हैं लेकिन मन ऐसा होता है कि रोज ही पत्र आते रहें। तुम्हारे फोटो हमको मिल गई हैं जब मन करता है तो तुम्हारा फोटो देख लेते हैं। तुम्हारा यह फोटो बहुत ही अच्छा है तुम्हारा अपना बायोडाटा से नहीं लगता। यह लोग बदलते रहते होंगे। २२ता. को तुम्हारा स्कूल खुल गया होगा। २२ता. को डैडी के पास भी तुम्हारा पत्र आया है। सुनीता का पत्र गांव से ही रहता है। दोनों को बीना को तुम सबको याद करती है।
तुमने पेन्सिल से क्या चीज बनाई है जो गुड़िया की बनाई होगी। वहां पर गुड़िया के लिए कपड़े और पिन लाते होंगे।

यहां पर नौकर का पत्र आया है लखनऊ से। वहां पर सब ठीक हैं। रवीन्द्र के लिए लखनऊ में ही कोशिश कर रहा है उसका रिजल्ट शीघ्र आने वाला होगा। वह तुम्हारे पत्र को लिखता रहता है कि गुड़िया का पत्र नहीं आया है क्या नहीं पत्र वहां पर रह जाते हैं।

चिन्ता न करना। [illegible] ज्यादा है इसलिये [illegible] पहनी

[illegible] ठीक हैं। [illegible] २५ तारीख को फिर [illegible]

[illegible] लिये जायेंगे। [illegible] ने खाना के

पता नहीं बुखार में [illegible] खाना दे दिया है [illegible]

[illegible] बिल्कुल बुखार नहीं [illegible] है और [illegible]

होती रहती है बिचारे बड़े परेशान हैं। [illegible] की ओर

से चिन्ता रहती है इसलिये [illegible] शान्ती [illegible]

[illegible] बिचारी [illegible] परेशान रहती ही है

यह जानकर तो प्रसन्नता हुई कि तुम अब मोटी हो

गई हो अब यहां पर [illegible] कि [illegible] तो

नहीं होगा। अभी तो [illegible] ही दिखेगा।

मन्जू अनुपमा ने [illegible] परीक्षा समाप्त हो

गई है [illegible] बिचारी [illegible]

बिचारे [illegible] हो जाती हैं। बड़ी [illegible] हैं

[illegible] जाने से बड़ा अच्छा लगता है। [illegible]

तो रोनक हो जाती है।

तुम अपना ध्यान रखना। हमको तुम लोगों की

बहुत ही याद आती है हम दोनों यहां पर बिल्कुल अकेले

हैं याद [illegible] पत्र तो लिख लेना मैं तुम चिन्ता मत

करना।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 1972

प्रिय निदिया तुमको प्यार बहुत सा जाए।

तुम्हारा ३ ता. का लिखा हुआ पत्र हमको १२ ता. को मिल गया है पढ़ कर सब समाचार मालूम हुए। हम यहां पर ठीक हैं। तुम सबों की कुशलक्षेम ईश्वर से नित्य मनाते हैं। २० ता. को रक्षा बन्धन को त्योहार शौक से राखी बांधी होगी। हमको भी तुम्हारी बहुत ही याद आती रही चिन्ना की भी राखी शौक से पहनाई होगी। उसने भी तब आप राखी देनी होगी। सब गांव वाले वाली मुन्नी भी देहरादून हो आ गई है लेके सुबोध के मकान से बहुत दूर उसका मकान है वह २० ता. को सुबोध को राखी देने गई थी तब तक तो तुम्हारी राखी वहां पर पहुंची नहीं थी। पता नहीं २१ ता. को मिल गई होगी। मुन्नी रक्षा बन्धन को आकर यहां भी २१ ता. को यहां पर आ पहुंचाई थी। सुबोध अपनी नौकरी में २४ ता. को जा सकता है दिन तीन रहकर बहेगा उसका सुमन आवेगा। हम भी जायेंगे २४ ता. को आगरा और २६ ता. को आ जायेंगे। पहले ने इतनी तानपता को ठीक है। बस इस बार तुम्हारे नाना जी ने सुशील को ही पत्र लिख दिया था। यदि इसका पत्र नहीं पहुंचेगा तो बच्चों को चिन्ता हो जायेगी पहले पेज ही नहीं लिखा था। यह पत्र में देर हो गई थी

तुम चिन्ता मत ना करो। हम तो अपना बहुत ध्यान रखते हैं लेकिन [illegible] को तुम्हारी भाभी जी अपना बड़ा ध्यान रखना पड़ता है। और यहां सर्दी है — तुम्हारे और तन हम बिल्कुल ठीक रहे हैं। अब जल्द [illegible] पर खूब याद आयेगी। वहां रहते थे तो [illegible] पोस्ता का हलवा और गोंद बनाना। वहां पर तो पोस्त और पिस्ता वहीं होंगे कुछ लोग भी वहां पर अब क्या होगा या नहीं और [illegible] से गोंद बनाया होगा या नहीं। हर एक लोहड़ी पर याद आते रहते थे।

लेकिन पिछले साल यहां पर अपना [illegible] को इन्होंने उनके [illegible] का पेट दिखलाया था इन्होंने डाक्टर मिश्र बतलाया था। पता नहीं वह [illegible] पायेगा भी आती है या नहीं लेकिन मिश्र जी इलाज तो कोई होगा।

पप्पू का पत्र भेजो के बहुत दिनों में आया है।

हमारा राजो का पप्पू अब स्कूल में बाकायदा जाने लगा है अब तंग नहीं करता है। यहां भी और [illegible] मन बुरा लगता है बीना तो चली गई है और [illegible] ठहरना [illegible] भी [illegible] याद हो गया है।

नीचे सब ठीक है। शायद ऊषा का पता भी छपवा दिया होगा। अब उधर तो [illegible] [illegible] हो गया है [illegible] में [illegible] है लेकिन मैं [illegible] अच्छा लगता है। [illegible] जाड़ों में शादी होगा।

निर्मला पत्रोत्तर जल्दी ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR
MEERUT

Dated 20-8-197

प्रिय [illegible] सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा ७ ता० का पत्र लिखा हुआ हमको १९ ता० को मिला है। तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। [illegible] दिन गुजरने और तुम्हारी बहुत याद आती रही और १८ ता० का रक्षाबन्धन को इस दिन तो अकेले के [illegible] पूजा नहीं [illegible] ही सूना लगा। जब सब बैठ बैठ कर पूजा करते थे कितना अच्छा लगता था तुमको भी ध्यान आता रहा तुमको तो बहुत ही ध्यान ज्यादा होगा क्या तो तुम [illegible] [illegible] [illegible] जाती थी या [illegible] [illegible] के साथ थे। [illegible] को पता नहीं दयानन्द [illegible] को भी [illegible] नहीं [illegible] है। कर तो हमेशा देखता था। फिर तुमको शायद लिखा था होने पर दयानन्द [illegible] को [illegible] गुर्दे में [illegible] हुई है। यहां पर जो रेलवे लाइन वाले [illegible] गुप्ता रहते थे [illegible] [illegible] हापुड़ चले गये हैं ~~उनके~~ उनके [illegible] हुआ है

बच्चे ठीक हैं [illegible] तुम्हारा [illegible] [illegible] तुमने [illegible] पर कर लिया अकेले ही तो सारा काम करना पड़ता है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ० बजे [illegible] है गुड़िया [illegible] को [illegible] तो [illegible] [illegible] जाती है। गुड़िया को [illegible] से [illegible] होता है [illegible] को [illegible] [illegible] [illegible] पड़ रही है। इतने [illegible] [illegible] से [illegible] [illegible] यहां पर रहती थी। [illegible] एक [illegible] से [illegible] [illegible] है वहां पर रह कर [illegible] [illegible] से होशियार हो जायेगी।

तुमको यह जान कर प्रसन्नता होगी कि [illegible] का पत्र आया है उनका [illegible] का पक्का हो गया है। और वह [illegible] [illegible] की पूजा २५ वां [illegible] [illegible] [illegible] रहा है। इसका [illegible]

बुलाया है। हम २४ तारीख को देहरादून जायेंगे और २६ ता० को

आ जायेंगे। पहिले मकान बनवाने को सोचते थे ये ही शुरू हुआ है

मकान में सब ठीक है। इसका बगीचे में लिली ने

बहुत अच्छा लिया है। उसका बगीचे में आम थे। गमलों ने

मकान के बहुत खिला दिया है। नहीं तो इसको और

रिपेयरिंग करना। अब २२ ता० को जन्मदिन था है बच्चों को

बहुत ही याद आती है। इन दिनों में तो तुम्हारे आने की

तैयारियाँ हो रही थीं। तुम्हारे पास जाने को होगे नहीं तुम्हारे

रसगुल्ला बनवाने के लिए कहा बताया था।

अपनी सबका ख्याल रखना। मैंने तुमको एक पत्र

और लिखा है मिल गया होगा। गोपाल के घर पर सब

ठीक है।

कल तो हमारे घर पर गोपाल से बच्चू को अस्पताल

मिलने आये थे। उनकी भी तबियत ठीक हुई है ऐसा लगा है

रसगुल्ला बनवाने की बात के लिए आये थे। बच्चू का

तबियत भी। जहां का होगया है वहां पर बच्चों को प्यार का

ठीक रहा है। इसलिये बच्चू को बहू ने बच्चे आना बाद में

ही आ गये हैं। उनको उनके के घर पर जाना रहता है।

तुम्हारे बाबूजी का तुमको आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 2-8-1978

प्रिय बेटे शैल बच्चों तुम्हारा ढेर सा प्यार

तुम्हारा ७ ता. का लिखा हुआ पत्र हमको १८ ता. को मिला है और दूसरा २० ता. का लिखा हुआ पत्र हमको २६ ता. को मिला है दोनों पत्रों से सब समाचार ज्ञात हुये। हम यहां पर बिल्कुल ठीक हैं। तुम हमारी ओर से कुछ भी चिन्ता मत किया करो। बस तुम लोग ठीक रहोगे तो हम भी यहां पर ठीक ही रहेंगे। अब तो हम तो तुमको देखने की वजह से यही चाहते हैं कि हमारे तुम लोग अच्छे, हम ठीक ही रहें। आगे ईश्वर की इच्छा है। तुमने [illegible] को छोड़कर रूम अच्छी तरह से सजाया होगा [illegible] [illegible] होगी तुमने अपनी भाभी को क्या दिया है यहां पर तो तुम्हारी बड़ी याद आती रहती। तुम्हारे बाबाजी ने [illegible] बार ही ऐसा हुआ है और [illegible] बैठ कर पूछा भी है जब तुम लोग यहां पर थे तो बिल्कुल अच्छा लगता था। इतना दूर तो होता ही चला गया है। अब तुम चिन्ता मत करो हम तो शायद अब ऐसे ही चलता रहेगा। बस अब बाहर का काम नहीं कर सकते हैं क्योंकि अब तो सीढ़ियों पर [illegible] जाते हैं। और बैठे ज्यादा तो ठीक नहीं है।

यहां पर यह लोग शिकार खेल नाच करते को तैय्यार रहते हैं

शिकार में मालिक लोग बकरा ले रहे हैं। अब तो तुम

भी काफी रहते हो सकता है भी अच्छा लगता होगा। यहां पर

तो मेरा रोजाना ही कालेज होती रहती है इसलिये इसका बराबर ये

ही होते हैं। योगेश भी आता रहता था कहता था कि मैंने भाई टीना

को पत्र लिखा है शीघ्र ही पत्र का उत्तर देगा।

शायद तुमको ध्यान नहीं होगा या यह पत्र तुम्हारे

पास पहुंचा नहीं होगा। मैंने तुमको लिखा था कि

१२ मार्च से अब कुमार भी देहली जाने लगे हैं

अब यहां से राय बहादुर के आप कुमार योगी आते हैं इन्हीं

को छोड़ देते हैं। अब तुम्हारे कोठे वाले शुरू हो गये

हैं। तुमको अच्छा लगता होगा। यहां पर भी खूब खूब

जोरों के चौर हो रहे हैं यही कहते रहते हैं कि मौके तो

देख कर बहुत बुरा होता था।

यहां पर तो बर्फ भी खूब होती रहती है अब

तक तो यहां पर भी रोज ही बरफ आता है।

शेष कुशल तो हमारा तुम्हारे को

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभचिन्तक (दादी जी)

कुन्दनवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 20.8. 1978

बेटी गुडिया लन्दन में।

तुम्हारा letter 9.8-78 को
मिला। तुम्हारा store
का काम एक नैका वाला
देखा होगा। वहाँ का काम
निकलती रहना।

तुम्हारी studies का
क्या हाल है? एक
तो university में
काम होगा। एक का काम
दोनों को मेहनत करनी
करनी होगी।

मेरा स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन
खराब होता जा रहा है।
बीमारी दूर करने का कोई
पर ध्यान कर रहे हैं। कोई
समय नहीं जब बीमारी
का असर हो कि नहीं पावे।
यहाँ मेरठ में कोई भी
कुछ भी करने में जाई
तो बहुत पावन मैं है।
पुन हे बन्द हो रहा है।

तुम्हारा बाबा
धनप

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 20.8. 1978

My dear Sushil

I was glad to know that Shaloo has done very well in his exams. I could not send any thing for him as a gesture of my happiness to see this. He shall have to work hard in 9th class but I am sure he shall be

able to do so.

I am waiting to see somebody going to your place from Delhi. If you find any person leaving Delhi for Washington please tell me. I shall see if I can send something from here.

With love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 20-8-1978

बेटा शैलू । रेखा रहो ।

तुम्हारे 7-8-78 के और 10-8-78 के letters एक दिन को आगे पीछे मिले हैं ।

मैं तुम्हारे letters Ramkishore को भी जो कुमार को तुम्हारे पास भेजने को देता हूँ । मैं ने पहले भी लिखा था कि जो कुमार भी कई महीनों से Delhi काम कर रहे हैं Deputation पर और रोजाना

पिछला सप्ताह जाते रहते हैं।

मैं ने तुम्हारा ने तारीख letter

सुशील को Raju का वास्ते

लिखवा था कि वापस।

पर ऊपर को नहीं लिखा कि

पता था। कि ... को

को कहां था

बोला मैं ... बात हो रहा।

सब ... और मामला

है। मकान ... है।

हो रहा है।

तुम्हारा

शुभचिन्तक

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 23. 8. 1978

my dear Sushil

I have just received your two letters dated 14th & 17th instt. I shall do the needful in the matter. I have to go to Dehradun this evening so I am in a hurry and cannot write to children.

Shri K. G. Gupta S.E at Dehradun came to me for medical advice

on 21st Aug. He is the
person who showed
us the underground
works near Dehradun.
He has gone to Delhi
and may be coming
back this afternoon
to take us to Dehradun
in his car. In case he
does not come we shall
go tomorrow morning.
with love
Yrs affly
O.P. Gupta

Dhanpat Rai Gupta
प्रकाश वती
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 31-8-197८

प्रिय गिरिजा गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा 20 ता. का लिखा हुआ पत्र हमको 28 ता. को मिल गया है। पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। गिरिजा हमको भी तुम्हारी रक्षा बन्धन व जन्म अष्टमी पर बहुत ही याद आती रही। इससे इस से पहिले तुमको एक पत्र में लिखा है कि हम 24 ता. को देहरादून जा रहे हैं वह पत्र तुमको मिल गया होगा। सुबोध का पत्र आया था। कि देहरा जमीन की रजिस्टरी होगई है और हम 25 ता. चौधरी को नीव का पूजन करेंगे इसको बुलाया था हम 24 ता. को वहां पर गये थे और 26 ता. को वहां से वापिस आ गये हैं। सुबोध की जमीन बहुत अच्छी जगह पर है 222 गज जमीन है। 25 ता. को सुबह वहां पर पूजन हो गई थी देहरादून वे ही लोग ने करीब आदमी औरतें व बच्चे हो गये थे। जमीन की पेशीस ने पूजन कराया और आने वालों को लड्डू बैठे दिये गये। मलाई नार तो जन्म अष्टमी देहरादून ही मनाई गई थी।

तुम्हारी राखी रक्षा बन्धन से दूसरे दिन सवेरे संगीता को मिल गई थी बच्चों ने तुम्हारी राखी दिखलाई थी बड़ी अच्छी राखी तुमने बनाई थी।

पंकज को भी तुम्हारी राखी मिल गई है

तुमको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि मनोज पोलिटे
में पास होगया है। अभी डिप्लोमा की फल नहीं
चला है कल ही मनोज का स्पेशल पद बढ़ाया है
लिटिया तुम लोग यहाँ को हर समय ही आती रहती हो
सब बच्चे भोग-हास है यह नहीं लगता कि इस त्योहार
को ध्यान भी होगा इस त्योहार पर केवल मीरा आये हैं
रविन में तुमने गये बुड्ढे पूत उन बड़े हो जायेगा
अभी तो डिप्लोमा से एक बड़ा बोलेगा अभी तो पूरे दो
बड़े भोर पड़े हैं। कल रघु ला को रामकृपाल जी के घर
पर चाहे सात तीन के बीच में रात को चोर भाग गये
थे। उनके की सिटकी गली में पड़कर के सामने वाले मकान
पर सुनते हैं मोलक 5 ताड़ का अन्दर घुस गये बस
घड़ी नं 20) ही लेजाना पाये जाग हो गई तो भाग
गये पकड़े नहीं गये। सब तो बड़ा डर लगता है।
तुम रजनी से कोशिश जाने कभी होगी।
तुम्हारा क्या खेल गया था है। हम भी यहां पर याद
करते रहे कि 14 अगस्त को यहां पर झंडा फहराया गया
होगा सुशील भी सफेद कोट पहन कर गया होगा
सोन रखने पर तुम्हारी बड़ी याद आती रही हर बार तुम ही
बहुत अच्छे सोन रखती थी। तुमने यह अच्छा किया
कागज पर सोन बना कर पूजा करली थी। [illegible]
पर सब ताह को गोंद लगाया लेकिन वह तुम्हारे
को याद करते ही रहे और तब गोंद रखा हुआ है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

तुम्हारे लोगों के पोस्ट का बहुत अच्छा लगता है
कालेज में भी वहां पर अच्छे अच्छे दवाई होगी और
बड़ा अस्पताल होगा वहां पर इन त्योहार की छुट्टियों
तो नहीं होती होगी इस लिये त्योहार करने में
अच्छा भी क्या लगता है।

लिखिया अब अपने नाना जी से पैसे लेकर की
चिन्ता करना छोड़ दो। क्योंकि जब पढ़ेगी तो अपनी
जिन्दगी में साथ ही आवेगा वैसे विचारवान लोग
तो अपने ही रहते हैं नस अब तो सब होगये हैं।
लोग चले जाते हैं और घर पर ही रहते हैं। यदि कुछ
पैसा होता है तो किसी से पैसा लेते हैं वैसे तो
सब तो उधार पास में ही है वहां से तो तारीख
पर लेही आते हैं। इस लिये पैसा और ऐशाने
की बात भी नहीं है। तुम इसकी चिन्ता अब मत
करा करो अब तो रोज का ही धन्धा होगया है।

अपनी लोग से चिन्ता होती है इस कमी में
कभी खर्च लग जाता है। बस परदेश की बहुत
ही आवश्यकता है। पता नहीं परदेश जाता है
या नहीं।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.........197

प्रदीप तो और हैं अलका के पत्र लिख दिया होगा
वह विचारी अभी पढ़ना नहीं जानती है।

२३ता० को अम्मू अपनी अम्मा को साथ लेकर
घर पर आई थी विचारी अभी कठिनाई [illegible] है
अच्छी है। ऊषा ने तुमको पत्र लिखा है मिल गया
होगा। पता नहीं अरोड़ा के पत्र क्यों नहीं आया है
मेरे पास तो बाला का अभी पत्र आया है बाला
लिखती थी परेशान है पप्पू की ओर से तो परेशानी
थी ही इधर बिजली भी ठीक नहीं रहती है। बालाने उन्होंने
वहां पर अपने को लिखा है पता नहीं कब आयेगा
पप्पू अब किताबों में कमाल कर रहा है। वहीं पर
रहता है। पता नहीं तुम्हारे पत्र आज तो क्यों नहीं
मिलते हैं।

प्रिय प्रवीण व आलोक को प्यार
आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रकाश जी

Dated ३०।८।1972

प्रिय बेटा शैल मुन्ने तुमको हमारा बहुत प्यार

तुम्हारा २०ता का लिखा हुआ पत्र हमको २८
२६ ता को मिल गया है। पत्र से सब समाचार ज्ञात
हुए। पत्र पढ़कर बड़ा ही अच्छा लगता है। ऐसा पता
होता है कि सब सबको ने पत्र पढ़ते ही रहे। तुम्हारे पत्र
से पता ही नीलम का पत्र आया है वह पास हो गया है
अभी डिविजन का पता नहीं चला है यह चिन्ता भी बड़ी
भारी छूट गई है। हम २४ ता को देहरादून गये थे
और २९ ता को आ गये हैं। वहां पर सब ठीक है। पहले
सड़क गरा रास्ते में परेशानी सी हो गई थी। [illegible]
पर [illegible] देहरादून के चक्कर पर [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ।

देहरा दून में सब ठीक है यहां पर सब काम ठीक
प्रकार से हो गया है। यह बात पर तो बहुत ही
आश्चर्य हुआ कि यहां की सड़कें भी बहुत गन्दी दिखती हैं
हमने तो सुना था कि यहां की सड़कें हमेशा साफ होती हैं
मैला कि नाली निकलती हैं और बिजली भी चली जाती है
बिजली जोर से जाए तो डेमानिये जाती होगी और
पानी भी बन्द ही है। यहां पर आजकल बड़ी गर्मी पड़ रही है
जब धूप निकलती है कई दिन से वर्षा नहीं हुई है।
यहां पर तुमको दिनभर में आप करते वाले सब दोस्त को
मिलते रहते हैं। आज ऐसा बन्धन पर सतोष ने पुरान
ही बताया होगा और वह तो तोड़ती नहीं है। इसको भी
तुम्हारी बहुत ही याद आती रही है बोहार पर याद आते
रहते हो अब तो चित्रा की यादों तुमको मिल गई होगी
उसकी दादी देहरादून तो पहुंच गई थी। चित्रा का पता नहीं
है वह अब कैसी है उसका पत्र नहीं आया है। नेपाल जाने
दिन बाकी हैं तो तुमको अवश्य मिलेंगे। अब इनको बोला नहीं
जाते आते आजकल आने लगा है और पैर में दर्द
भी ज्यादा जो बाद आवाज से हो गये हैं। इनके पैरों
दर्द तो अभी ऐसा ही है। ज्यादा है और कम है बस
अब तुम लोग इनके पैर की चिन्ता करनी छोड़ दो
और यह बात तो इनको जिन्दगी के साथ रहने के
लिये ही हो गया है। वैसे हमारे बच्चे तो खाते
ही रहते हैं।

श्री [?]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

यह जानकर तो बहुत ही
प्रसन्नता होती है कि अब बेटा बहुत ही बातें
बनाने में होशियार हो गया है। तुमने हमको स्वप्न में
तो देख लिया है और बात भी करती है लेकिन
हमने तो तुम स्वप्न में भी नहीं दिखलाई देते हो
अभी तो ८ बजे ही बोलेगा अभी तो पूरे २ बजे पड़े हैं
ईश्वर करे सब जगह ठीक रहें और वह दिन तुम्हारे
आने का जल्दी ही आवे। यहाँ पर भी तुम सबको
सब याद करते रहते हैं। संगीत बहुत खुश हो रहा
था कि मरियम ने मेरे लिये आठ कापड़ [?] भेजे हैं
उनको सभी अच्छे लगे हैं। मैं तो बिल्कुल ठीक हूँ बस
गला भर तो खाने की परेशानी है स्वाद भी नहीं
है इस लिये समय बिताना बड़ा मुश्किल सा होता
है। तुम्हारे आपके समय का पता भी नहीं चलता था

बेटा तुम्हारा पत्र पढ़ कर बड़ा हर्ष होता है
कि हमारा बेटा कितना होशियार हो गया है और
कैसा अच्छा पत्र लिखता है। और अब यहाँ

पर जानोगे बहुत ही होशियार होकर

आओगे। डर लगता है क्योंकि हम तो तुम्हारे

सामने बिल्कुल बुद्धू लगेंगे।

तुम्हारी तरफ़ से हम बराबर अपना बहुत

ध्यान रख रहे हैं क्योंकि तुम्हारे अपने पर[illegible]

देखना न बातें भी करती हैं। इसलिए यही

ईश्वर से मनाती हैं कि तुम्हारे बारे बस हम

ठीक रहें। तुम्हारे पीछे सब ठीक ही रहे हैं

तुम जल्दी ठीक देखने रहना होगे।

तुम्हारे बाबा जी का नमस्ते। सुशील के

अमृत को प्यार याद।

समाचार जल्दी ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 30-8-1978

आयुष्मती प्रिया प्रसन्न रहो।

तुम्हारा letter मिला।

Dehradun में हम ने तुम्हारा आना

हुई रातें काटीं। बहुत पसन्द

अनुभव तुमने। वहां जब का

बहुत पसन्द आई।

अब तो तुम्हारे college

में कामकाज रहा होगा।

Slow को काम को तो ठीक

चल रहा होगा। वह नया

वाला मैनेजर पूरा ही है या
नहीं? एक तुम्हारे Employees
को membership देन करा दे।
यह तो ठीक है। इस से
सब Employees मिलना को
बोलो, प्यार मन भी होगा।
वहाँ का सब हाल लिखती
रहना। यहाँ इस साल बारिश ने काफी
की है।
जगह बहुत बरबादी
कई पहाड़ टूटे। कई इमारत
मकान बह गए। पाकिस्तान में
बहुत मरे हैं। तुम्हारा
पापा

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 30.8. 1978

My dear Sachin

We had gone to D. Dun and returned on Sunday. It was not easy to travel. We had to stop in the hills for about one hour when going and for about three hours when returning because of the road

breakage because of
rains which were
heavy there. It was
deep near about Indrest.
I am doing the
needful in your case.
Niraj has passed in
his engineering exam.
Subodh has purchased a
plot in Dehra Dun. It is
very well situated and
measures 311 S. yards.

with love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 30. 8. 1978

[illegible]

[illegible] letter [illegible]

24th [illegible] 29th [illegible]

Meerut [illegible] Pin Code 250001

[illegible]

[illegible]

Dehra Dun [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पूरा कर सकते थे।

हां कोशिश हम तो यहां

हर त्यौहार पर याद करके ही

रह जाते हैं। जो है भी यहां

नहीं होता। बस हम दोनों

एक जैसे रहते हैं।

तुम्हारा स्वपना सच्चा होगा?

मुझे तो ठीक नहीं लगता

ये तो ठीक होने का

यकीन नहीं आता। हो तुम

लोग हमारे सामने आजाओ

यही काफी है।

तुम्हारा बाबा।

[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ३।८। 1972

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा ढेर सारा प्यार
हमने तुमको एक पत्र देहरादून से डाल दिया था
है मिल गया होगा। बिटिया कल राजेन्द्र को
तुम सबको गये हुये पूरा एक वर्ष हो गया है कल से
तुम सबकी बहुत ही याद आ रही है। एक वर्ष पूरा
हो गया है राजेन्द्र को मिलनी घर में आरोग्य हो
रही थी और वही आज राजेन्द्र को मिलना शुरू
लग रहा है शायद से तो उनको बस रोना ही
आया रहा। बहुत ही याद आती है।

अच्छा अब तो इन्तजार है कहाँ जायेगा
है कि यह २ वर्ष भी कौन गुजार दे बीत जाये
आज के दिन तो तुम रास्ते में हवाई जहाज
में सफर कर रहे होगे।

तुम्हारी पढ़ाई के बारे में ठीक चल रहा
होगा। हम तो यहां पर ठीक ही हैं बस
[illegible] तुम्हारी याद आकर बहुत परेशानी
हो जाती है।

मन नहीं लगता है सपन प्रमीलिज से बोलता
है मैंने ~~तुम्हारे~~ पहिले पत्र में भी लिखा है
नीरज बालक हो गया है।

तुम्हारे लाला जी भी ठीक हैं।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]
प्रकाश भाभी

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 2.9.1978

बेटी गुड़िया रक्षा खुश रहो

आज तो तुम लोग भी
हमारी तरह पिछले साल
को इस दिन को याद कर
रहे होगे। एक साल बीत
गया है अभी। इस से देखना समय
और कितना है। ईश्वर कर
इस तरह वह भी करे।

तुम्हारा पत्र ... मैं कल रात
रही होगी। Store पर क्या
हाल चाल रहा है अब?

इन लोगों Dehradun जाते थे

वहाँ भी बारिश का जोर था। जाने आने में भी काफी परेशानी रही। Time भी बहुत लगा। पानी तो बहुत जगह के सारे रास्ते बन्द पड़े हैं। कहीं रेल की line टूटी कहीं सड़क टूटी। Delhi का रास्ता भी सड़क टूटने से बन्द है। शायद आजकल बाद खोल दिया जा रहा है।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 2.9. 1978

My dear Sushil

This is one year today since you left us for Washington. Your mother is much moved to remember how you all were making preparation of the long journey. She feels the separation and many times since the morning she is saying how all the

relations had gathered this day last year and that we are only two here today. This is the completion of one third of the period you are scheduled to live there. Let us see if the rest of the two third also passes as the $\frac{1}{3}$ has passed.

I am doing the needful in your matter.

with love
yrs affly
papa

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 2.9.1978

बेटा शैलू [illegible] खुश रहो

आज तुम लोगों को इस से
आशा है ठीकठाक होगा।
आज तुम्हारी याद सारे दिन
ही आती रही है। पिछले
साल इस दिन तो तुम मेरे
ही साथ इधर उधर घूम
रहे थे।

अभी कोई मैच नहीं हो रहा
है। इस महीने के तीसरे हफ्ते
में India की क्रिकेट टीम,
पाकिस्तान जावेगी। Bishen Singh Bedi
उस के Captain होंगे।

मैं यहां का हाल मैं भेजता रहूंगा,
अब तो तुम्हारे भी स्कूल
खुल गए हैं। इस साल
तुम को बहुत मेहनत करनी
होगी। पैसा यहां से कुछ
मंगाने हो तो
लिखना मैं भेज दूंगा।

वहां के सब हाल लिखना,
यहां तो बारिश से हालत
बहुत खराब है मेरठ में
ही 200 मकान गिर गये हैं
लोग Colleges के होस्टल में
पड़े हैं

तुम्हारा बाबा
ठाकुर

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 6.9.1978

My dear Sushil,

We have not received any letter for some time from any of you. I believe it is due to flood situations here. I don't know when & how this letter reaches you. We are not therefore writing to children.

With love
Yrs affly
D R Gupta

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 2.1.78...1978

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT.

Dated 197

रोग अस्पताल में आता रहता है लेकिन जो
देखती है भगवान की नहीं आ पाता है
इस पेट के बाबत नहीं गोरस जो पानी के दवा बदल
ही लोग को पानी बाबत उन ही हलवाई से वास्ता
रहा मुझको तो बड़ा डर लगता रहा। डर की
वजह से रात में नींद भी नहीं आई। मैं ते यहां
पर तो ईश्वर की कृपा से ठीक ही रहा बस
खांसी खांसी के थोड़ा कपड़ा चूना रहा बाकी हर
मलेरिया के रोग को बस लाना रोका हुआ है
आज नीचे से आप कुमार के बच्चे को
कुमार तुम्हारे बालों गाँव के अपने अपने जीवन
की मनचाहा तुम्हारे अपने में रखवाए हैं। यहां से
ईश्वर भगवान को बारम्बार धन्यवाद है। मिल गए थाना।
लेकिन दिन से तुम्हारा खतो की कुशल तो
मिलने से चिन्ता है। तुम्हारा काम ठीक चल
रहा होगा।
पत्र शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ... 197

प्रिय बेटे सौ० सुमन ढेर सा बहुत सा प्यार

हम यहां पर ठीक हैं। तुम सबों की कुशल ईश्वर से नेक चाहती हूँ। काफी दिनों से तुम्हारा पत्र न आने से चिन्ता है [illegible] से [illegible] देहली का टेलीफोन बन्द हो गया था इसी कारण से तुम्हारे पत्र नहीं आये हैं अब टेलीफोन ठीक हो गया है शायद अब एक दो दिन में तुम्हारा पत्र हमको मिलेगा और हमारे पत्र भी इसी कारण से देर होगए होंगे। तुमको हमारे पत्र से पता हो गया होगा [illegible] ने [illegible] है और [illegible] आगरा वाली की [illegible] और हम [illegible] गये थे और [illegible] भी आगये हैं यहां से [illegible] तुम्हारा [illegible] को पत्र मिला था हमने उसको तो फोन किया था लेकिन शायद तुमको हमारे पत्र देर से मिले होंगे। यहां तो मौसम [illegible] है तुम सब कुशल [illegible] से होगे। [illegible] हमारा [illegible] दो दिन [illegible] नया [illegible] गया है [illegible] की [illegible] को [illegible] [illegible] ने [illegible]। [illegible] की [illegible] हो गई है और [illegible] पास हो गया है। [illegible]

२१) [illegible] [illegible] भेजे हैं [illegible]

व्यापारियों ही है रैल ने डाकलेयजब

अच्छी तरह से पालन होता है। आपको ने मौजक

विचारों में अपनी वकालत शुरु नहीं है समय में

लोगियों को कुछ चलो नहीं थी। तुम्हारा पास

किया को सादी भारी होगा। अब किया जो लोकप्रिय

पहिने से लेना है।

पहले स्थान के पेलना धाये को गीता ने

लेगल से मिलन यहां पर सब ठीक है सब चलेगा

है। साला जो लोकप्रिय ख्याल हो गई और अब कुछ ठीक

बैठे चेहरा के लखनऊ में भी सब ठीक है

यहां पाकिस्तान में रोग नहीं रहा लोग ज्यादा

रहता है लड़को ने किये तो ग्राम पहले ही हो गए है

तुम्हारा प्यार ठीक चल रहा होगा।

प्रिय लोगो के उपेल को प्यार आशीर्वाद।

मेरा मन तो तुम्हारे गए कुछ उदास [illegible] रहता

उठे हैं रविवार को कुछ लोगो को बहुत ही याद आता

रहो। पर बड़ा परेशान सा रहा। पत्रोत्तर जल्दी देना

देव प्रकाश [illegible]।

तुम्हारी प्यारी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 10-9-1978

बेटी गुड़िया [illegible]।

क्या हाल है तुम्हारा?
कोई भी खबर नहीं आ रही।
तुम्हारी पढ़ाई और Store
का काम ठीक चल रहा होगा।
यहाँ से भी शायद letters
वहाँ ना जा रहे हों क्योंकि
External affairs के काम
करने वाले जो Delhi से
बाहर हैं वह काम पर नहीं
जा सके हैं। शायद कल जावें
इस लिए वहाँ की डाक भी

प्रिय Bapu जी पुस्तक

तो कल ना जा रहे हैं। डाक

ना पहुंचने से इनको भी चिन्ता

होती है। यहां के क्या

हाल हैं लिखना। नीरजा

Chemical engineering में

पास हो गया है। पप्पू के

Exam ही नहीं हो रहे अभी।

पिछले मार्च में होने थे पर

अभी तक नहीं हो रहे।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 10-9-1978

my dear Sushil

we have not received any letter from any of you for more than Ten days. I believe it is due to the flood situation here as the transport from Delhi has been cut-off for several days. The Employee of central Govt. living out-side Delhi are not going

to Delhi from the 4th Sept,
And it has been announced
that they will be
treated on leave.
Even the Radio Stations
were ~~under~~ were also stopped.
We are well here and
you need not worry. I
think our letters also
are not being received by
you because of the
situation.

With love
Yours affly-
D R G

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 10 : 9 : 1978

प्रिय शैलू खुश रहो

बहुत दिनों से तुम लोगों
का कोई letter नहीं मिला।
तुम्हारी पढ़ाई का भी हाल
नहीं मिला। वहां सब ठीक
होंगे यह मैं समझता हूं पर
दिल तो हर जाती है। यहां
पुत्र कल्याण के पास जाने
में परेशानी है शायद इसलिये
कोई letter ना आया हो।
तुम लोगों का प्राप्ती letter

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

29 या 30 अगस्त को मिला
था उस के बाद हम ने
तीन letters लिखे हैं। पता
नहीं वह भी वहां पहुंचते हैं
या नहीं। यहां जगह जगह
पुल टूटे सड़कें टूटी रेल
की पटरियां बह गईं। गांवों के
गांव बह गये। यहां पर खाना
शायद काफी नहीं हुआ। Delhi
में भी पानी से रास्ते बन्द।

तुम्हारा बाबा
Daddy

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

[illegible]

Dated 21.6.1972

प्रिय निदिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

काफी दिनों से तुम्हारा कोई पत्र नहीं आया है सो कोई बात नहीं है। शायद सुशील के पत्र से तुम्हारा [illegible] हो जाती है। निदिया यह जान कर बड़ा दुख सा होता है कि तुमको वहाँ पर बहुत ही परिश्रम करना पड़ रहा है ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको सफलता प्राप्त हो। अब हमारी निदिया को बहुत ही मेहनत करनी पड़ रही है। बहुत ही [illegible] होगा [illegible] निदिया [illegible] होगा। निदिया [illegible] ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको जीवन भर में सफलता प्राप्त हो।

सुशील ने लिखा है कि गुड़िया नौकरी के बारे में [illegible] सोच रही है यहाँ पर भी हम सब सोच रहे हैं कि यदि यह चीज़ मिलती है तो बहुत ही अच्छा है [illegible] में रहना बहुत ही फायदेमन्द है अब तुमने क्या सोचा है सुशील ने लिखा था कि अब तो निश्चय नहीं [illegible] होंगे। अब [illegible] के [illegible] [illegible] चले गये हैं [illegible] से [illegible] गीता व संगीता भी [illegible] [illegible] हैं। नाना जी [illegible] हैं दो चार दिन में चले जायेंगे। कोई आ जाता है तो [illegible] समय बीत जाता है। [illegible] मन सा लग जाता है।

तुम्हें यह आज का मतलब होगा। है गोद

वाली डॉक्टर का रिश्ता पक्का सा ही है। पता

चलो [illegible] उषा को देख गया है [illegible] पसन्द आ

गया है उषा का इन्टरव्यू तीन हो गया है लड़का

बैंक में मिलता है। वैसे देखने में अच्छा लगता है

विशेष तुम्हारे नाम से [illegible]

सब [illegible] तीन ही जायेंगे। इसमें भी तुम्हारी

को बहुत ही याद आती है [illegible]

बच्चे ही [illegible] है [illegible]

यह [illegible] तीन ही [illegible] आये।

बच्चों को [illegible] को [illegible] शुभ आशीर्वाद

[illegible] बच्चों को [illegible]

[illegible]

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

मेरठ नं० ८

Dated ९।६।1972

[illegible] बेटे सुशील [illegible] एवं [illegible] प्रसन्न रहो

तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुये।

हम यहां पर राजी हैं। तुम कुछ चिन्ता मत करना। तुमने जो लिखा है कि [illegible] को [illegible] ने बजाय [illegible] आराम दिखवा रहे हैं जो तुमने अच्छा सोचा है। हमने यहां पर [illegible] को [illegible] सबने यही कहा कि यह तो बहुत ही अच्छी बात है यदि दिखवा रहे हैं तो बहुत ही अच्छा रहेगा। [illegible] ये जो [illegible] ने पहले भी यह [illegible] थे हमने उनसे [illegible] रहे थे उन्होंने [illegible] कि अच्छा है यदि यह [illegible] दिखाते हैं तो बहुत ही [illegible] रहेगा। [illegible] यहां पर [illegible] थे इसको देखा [illegible] थे [illegible] रहीं थे [illegible] बहुत ही [illegible] रहा है कि [illegible] [illegible] [illegible] बाद [illegible]। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] हो रही

पता है जो उन विचारों को बदलवाते। मेरे यहां पर

हमारे यहां पर सब लोग अच्छे हैं ध्यान रखना

है। आशा है कि हरप्रेम ठीक होगा। उसका ध्यान

हमारे लोगों का बहुत ही ध्यान रखता होगा

तुमको उसकी ओर से चिन्ता होती है

बीबी दिनेश के लोग का पत्र आया था

आया है उसने कहा कि पत्र लिखना। मैंने

तो कुलवन्त के पत्र लिखवा देते हैं लेकिन

मोहे मोहन होता है कि सबको जो भी पत्र

लिखा हुआ जाये।

कुछ अपना सब ध्यान रखना

समाचार शीघ्र ही देना।

बाकी कुमार व लोग ने आशीर्वाद लिखाते हैं

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रकाशवती -

Dated २६—६— 197८

प्रिय शैलू, तुमको हमारा बहुत सा प्यार।

तुम्हारे दोनों पत्र इतने दिन तक पत्र तो तुम्हारा देहली का लिखा हुआ इतने दिन और एक पत्र कलकत्ता का लिखा हुआ मिला दोनों पत्र कई दिन के आगे पीछे मिले। पत्र न आने से चिन्ता नहीं थी बाढ़ के कारण से देहली व मेरठ का रास्ता कुछ दिन तो बन्द हो गया था इसलिये तुम्हारे पत्र आने में देर हो गई और इसी कारण से हम ने भी तुमको पत्र नहीं लिखा था यहां से देहली-सहारनपुर जाने की बस कई दिन तक नहीं गये। तुम्हारे बाबूजी ने डाक द्वारा पत्र ~~[illegible]~~ भेजा था मिल गया होगा।

इसी पत्र से यह जानकर तो बहुत ही चिन्ता हो रही है कि जिन लोगों का ब्लड प्रेशर बहुत ही लो हो गया था आशा है कि अब उनका ब्लड प्रेशर नॉर्मल हो गया है वह कुछ दूध ध्यान रखना तो इनके [illegible] अपने पास रखना तो यहां पर तो [illegible] आदि का [illegible] होता था तुम्हारे बाबाजी इनके दे देते थे। अब तुम्हारा स्वास्थ्य कैसा है आशा है कि ठीक होगा इनके [illegible] छोड़ दिया होगा ही है। तुम्हारा स्कूल खुल गया होगा यह तो बहुत ही प्रसन्नता होती है कि आप [illegible]

आ गये हो। कुछ दिन तो तुमको ये [illegible] लगेगा

पडेगा। फिर बाद में तुमको सफलता चाहिए है।

तुम अब इतनी बेकार की चिन्ता करना छोड़ दो

क्योंकि यह [illegible] तो इतनी जिन्दगी भर के लिए हो

गई है। और पेटी [illegible] को बिल्कुल [illegible] है तुम लोग [illegible]

मैं है उस चिन्ता मत करना। तुम सब अपना ध्यान रखना

मेरा तुमको पत्र लिखने में समय नहीं मिल रहा था तुम

रहना ठीक [illegible] अपना पत्र मत लिखा करो।

चुनावों की प्रदीप पवार से ज्यादा हो रही है

गजेन्द्र बहुत अच्छा लगा यह है। बिल्कुल ठीक भी गया है नहीं

है और बीच बजार में भी रही है। आज काल मैं भी मेरा

ने प्रचार करते हुए हैं। नये सेक्रेटरी से मिला को पत्र

आया है उसने लिखा है कि यह प्रीतम की हुई लोग और

नौकरी को सब उबर गये है बस अब जब नौकर पहुंचेगा।

सब गजेन्द्र को पूजन पोशाक ने बनाया था और जो लोग

यहां पर आये थे उनको लड्डुओं का भोग दिये चावल

समय बड़ा अच्छा लगा [illegible] [illegible] से [illegible] ने यह

दिन दिखलाया है। यह मौका बड़ा ही दुख का है तुम

अपने [illegible] पर [illegible] गये थे हम [illegible] तो नहीं

रहा गया। गोपाल [illegible] ने बताये होंगे। हम तो

तुमको याद ही करते रहे।

जिस [illegible] ने [illegible] को [illegible] दिया था

छोड़ ही देना।

तुम्हारी
अम्माजी
शुभाशीर्वाद

हाल ही में [illegible] का [illegible]
[illegible] ने [illegible] तुम्हारा पत्र आया है

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 17.9.1978

बेटी गुड़िया। खुश रहो।

Sushil से मालूम हुआ तुम
Computer-Science की तरफ जाना
चाहती थी। क्या सोचा तुमने?
यह तो बहुत अच्छा होगा
अगर तुम ने इस तरफ change
किया होगा। यहाँ तो यह
सब से अच्छा समझते हैं
इस का मांग भी बहुत है।
अब तुमको काम का तो
बहुत [illegible] होगा। पर तुम से

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

——197

प्रकाशित है तब से व केवल
से जान सकोगी।
तुम ने अपने पाँव
का हाल नहीं लिखा। साइज़
लेना चाहिये थी पूरा। number
भेजो तो यहाँ से बनवाकर
भेजूंगा। वहां से तो बहुत
मिलना होगा और महंगा होगा।
इन दिनों ठण्ड हो रही है।

आज यहाँ Ratan उस की
wife और मुजफ्फरनगर वाली
बीबी आई हुई हैं। कल से हैं।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 12.9.1978

My dear Sushil

Received yours of 5.9.78. We had also received your letter of 29th.

Subodh's foundation ceremony was performed through a Pandit. His plot measures 311 S. yards. It is 32' × 87'. It costs him about Rs.45/- per Sq. meter. It was a good bargain in the sense of materials recovered from the plot. The plot had old barracks. On dismantling the ruins big 'Sal' beams were recovered. The carpenter

says that the wood will be
enough for all building purposes,
Old bricks in good condition
about six or seven truck-
loads and the same quantity
of stones have also been received,
along with an iron gate complete.
Yes, Madhu has commenced
work at Bijnore, but we have
to see if he succeeds in having
a good practice in Incometax there.
He has contracted a joint work
with a topmost income tax
practitioner there.

I shall be glad if Gudia chooses
one to Computer Science which
I think will be the **best**.

with love
Yrs affly
[signature]

Baryta mur 30
twice a day for low
blood pressure of Saroj

Vijay Kumar Gupta's address :- 7, Gandhi Ganj Hapur

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 17-9-1978

बेटा शैलू। खुश रहो।

अब तुम्हारी छुट्टियाँ खत्म हो गई और तुम school जाने लगे होगे। तुम ने लिखा है क्या क्या चीजें पढ़ाई जावेगी। इन में तो तुम को बहुत मेहनत करनी पड़ेगी पर परेशानी की बात नहीं है। तुम सब चालाको ई वी क्लास मे तो महनत करना होहगा।

यहां तो अभी तक लगातार floods चल रहे है। बहुत

प्रियवर मरे। नमस्कार जी

बहुत दिना है लोगों का। जैसे

मेरठ में सब ठीक है। मौसम

भी ठीक है। एक दिन में धूप

तेज और रात को ठण्ड है। पर

यहां Malaria बड़ी तरह चल

रहा है घर२ में लोग पड़े हैं।

वहां तो सब मौसम ठीक होगा।

तुम ने अपने पौधों का नहीं

लिखा क्या हाल है। कोई

पौधा फूल देता है या नहीं।

तुम्हारा बाबा,

[illegible]

२

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

दुबारा बती

Dated ३।६।......197२

प्रिय सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा पत्र २० तारीख का लिखा हुआ [illegible] यहां पर
२८ता० को मिला है गत दिवस में तुम्हारा पत्र देखने को प्रसन्नता हुई और
समाचार ज्ञात हुए। आज कल बारिश के कारण से पत्र भी देर से आ रहे हैं
तुम्हारा यह पत्र ४ दिन देर में मिला है। इसी लिये हमारे पत्रों में भी
पहुंचने में गड़बड़ हो जाती है। तुम्हारे पास जब रहते थे तो कभी कभी
जब यह आयेगा दिल्ली से गाड़ी थी तो [illegible] रहे दिन [illegible]
भी देना हुई लेकिन यह कुछ बदल हो नहीं गये और यह समय पर
गये कभी तो खाना बना लिया अच्छा किया तुम यहां इतना समय कर लेता
हो जाये पत्र में देर लगती हो गये। लेकिन तो गुड़िया ने खाना पकाना
है लिये थे इनको साथ रखते समय गुड़िया को बहुत ही याद आई होगी
नहीं बनाया जाता था। यहां पर सब बैठ कर पूजा करते थे बिलकुल अच्छा
लगता था। अब तो यह समय मौज में काटते दिन हैं। यहां पर पूजा
का सामान ले ही जाती थी इनका तो कुछ ध्यान ही नहीं रहता था
और इतना कर लेती हो यही बहुत है। बाहर जाकर तो ऐसा ही होता है
जगह-जगह पर तुम मन्दिर देखने गई थी वहां बाबा मन्दिर
देखने जाते हैं। इनको [illegible] पर [illegible] होगा
रखा होगा यह भी मन्दिर में चढ़ाया होगा। गुड़िया बिचारी तो
मन्दिर नहीं जा पाई होगी। इसके देहरादून के [illegible]
लिखा। और यहां पर भी होते तो अब रात में मन्दिर जाना [illegible]
है। वहां मोहल्ला मिल गई होगी। इनको तो यही हो रहा था। [illegible] बच्चों को
मोहल्ला की [illegible] अच्छी लगती है वहां पर [illegible] नहीं होगी। लेकिन
वहां पर [illegible] मिल ही जाती है।

गुड्डन को गोंद बनाना पहिली बार ही बनाया होगा। वहां पर खाने
को बढ़ा मिलता होगा। गुड़िया की बजह से इन लोगों ने रात को
देर से मिलना आया। गुड़िया बिचारी को तो बहुत ही परिश्रम
करना पड़ता है मेरी बिटिया बन गयी होगी। बिटिया ने यहां पर तो
इतना परिश्रम कभी करा ही नहीं था अब तो बिचारी को
आदत पड़ गयी होगी इतने सारे लोगों का ध्यान रखना और
ऊपर यह मेरी भी कमजोर सी है पता नहीं अब कैसी लगती
होगी। लेकिन तो बच्चों का बहुत ही मन करता है। देहरादून से
मिश्रा का पत्र आया था नींव तो पूरी खुद गयी है अब भरती
शुरु होगी सुबोध रुपयों का [illegible] करेगा। मकान बनाने में
तो पूरी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ईश्वर ने चाहा
तो शायद जल्दी बन जायेगा। वैसे उसको मजदूर बहुत
अच्छे मिल गये हैं। बस ईश्वर से यही प्रार्थना है कि सब को
सफल करे। बहुत अच्छी बारिश हो गया था थोड़ी सरदी उस
समय इकट्ठे हो गये थे। गाजियाबाद वाली कुन्नी को बताइना भी
देहरादून का हो गया है यह तो अनिल के पास ही मकान मिला है
इसलिये सुबोध के मकान से बहुत ही दूर है।

गुड़िया की राखी भी समय से मिल गयी थी
और दोनों मैंने अपने हाथ में बांध ली थी पुष्पा ने रविवार को
गुड़िया ने अच्छा बना कर भेजी है। बच्चे खुश हो रहे थे

जब से बच्चू को बहू मिल गयी है। तब से बच्चू ने
नौकरी न मिलने से कुछ घबरा सा रहता है इसलिये
बच्चू ने नौकरी और किराये का मकान ले रहे हैं
यह पहले ही से साथ में ही रहेंगे क्योंकि रतनेश के घर पर
चले गये हैं। मिश्रा से रहते हुए। यह भी अब यह घर छोड़
देंगे। इसने अच्छे समय में यह मकान छोड़ दिया था।

३

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated……………197

मुकुन्द स्वीडन गये हैं तो क्या
मैं आ जाऊँगा तीन महीने के लिये गये हैं। तीन महीने बाद फिर
आयेंगे। इसकी बार तो शायद अकेले ही जायेंगे तीन महीने के लिये
निशु ने अपनी अम्मा को लिखा था कि दिसम्बर जनवरी के
महीने में वहाँ पर बहुत ही ठंड पड़ती है और [illegible] के बाद
जमती है। ऐसी ही ठंड होगी जहाँ पर तुम हो वहाँ पर भी ऐसा
मौसम पड़ता है। मुकुन्द को तो सभी गलतफहमी हो गई है
निशु के लड़के का सभी इनको सब अपने पास से ही लाना पड़ेगा
निशु अपनी अम्मा को वहाँ की सब बातें लिखती रहती हैं पापा को
ने अपनी साड़ी के बारे में तुमको पत्र लिखा है पता नहीं उनका पत्र
तुमको नहीं मिलता है क्या। लिखा था साड़ी के कुछ सवाल नहीं
आया है जैसा तुम ठीक समझो उनको लिख देना। मेरे पास भी उन्होंने
लिखा था कैसे बदले से उनको लिखा इसका कागज [illegible] पर तुमको
भेज दिया था वह पत्र तुमको मिल गया होगा। उनकी साड़ी
[illegible] मंगानी है सो जैसा तुम समझो उनको लिख देना यह बड़ी
दानी के पास [illegible] ही हैं। [illegible] रही है डाक्टरों को [illegible]
पर [illegible] का डर है। और डाक्टरों को भी दिखलाया है अभी ठीक
निश्चय नहीं है क्या बात है लाला जी भी बड़ी मुश्किल से हाल
[illegible] मुश्किल से हो पाता है।

यदि उपेन्द्र का [illegible] तो [illegible] लिखना तो पड़ता
है [illegible] भी [illegible] ध्यान रखते हैं उपेन्द्र तो [illegible]
[illegible] बहुत ही [illegible] रहता है लेकिन [illegible] ही [illegible]
लगता है। अब तो [illegible] के [illegible]

* ४

बम्बई को याद करते हैं जो भी बम्बई का नाम लेता है
किसी रहे जाते हैं जैसे सब लोग। इनको याद करके तो रहते
रहते हैं। गुप्ता जी जब आते हैं तभी बहुत जल्दी हैं आप कमल को
धन्यवाद बतलाते ही नहीं हैं। गोल्फ शौक तो पसंद थे। विजय
गुप्ता को हापुड़ चले गये थे उन दिन बोगी दो तो घर पर बहुत बड़े
तो लेकर आई भी लगता बहुत ही अच्छा है। देखें उनका पता
हुसैन को दिल्ली भेज दिया है। रतन ने सत्या उन दिनों
यहां पर आये थे इसलिए दिन चले गये ~~माला~~ गीता लगी वा सब
ठीक है। रोहन पैदा होने वाला। देखना भी ही है लोग
देखने आते जाते हैं। अब तो रतन रोहन ने गीता की शादी के
बारे में है लगता न लगती हम रहे हैं। लिया तो यहीं साल
रहा है शरद अरुण का गया है इमाद ने ठीक गये कुछ हो गये हैं
यदि गुड़िया के लिये यहां पर अच्छा लड़का मिल जाता है
तो शादी कर देना हमें भी बहुत खुशी होगी मैंने और यह तो
ठीक है सामान भी यहां पर खूब अच्छा दे सकेगा। बस उन आगे
यही लगता है कि लड़की हम लोगों से अलग हो जायेगी। लेकिन
यदि गुड़िया की भी इच्छा हो तो कर ही देना चाहिये। अब रतन की
भी लड़की यहां पर है यह लोग कितने खुश हैं अपने लड़का घर पर
भी रहे खुश रहें हमको भी खुशी है। और हम हैं ही कितने
दिनों के हैं। ऐसा गुप ठीक समझो बहुत और लड़की की इच्छा
पर है यहां पर तो लड़का अच्छा बड़ी मुश्किल से मिलता है और
खर्चा भी बहुत होता है। यदि गुड़िया यहां पर खुश रहेगी तो हमको
भी खुशी है। और अब तो यहां पर सबको यह भी होगा। लड़का
बाहर रह आये है। यहां पर कैसे रहेगी। ऐसा गुप ठीक समझो
वैसा करना तो पत्रिका ठीक रहे हम इसी में खुश हैं।

५

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.................197

यदि गुड़िया का वहां पर हो गया तो
शैल को भी वहीं पर छोड़ो री अच्छा है बच्चों को मालिश कर
जायेगा अपने प्यार से तारता बच्चे को मालिश रोज़ करना
चाहिये। पिन्नु भी बहुत ही लम्बा हो गया है। विनोद चार दिन से
मेरे पास हैं २२ता. से कालेज बंद रही हैं। कमजोर काफ़ी हो गए हैं।

अब तुम्हारी तबियत ठीक होगी अपना खूब ध्यान रखना क्यों
शैल के लिये था उस बार तो तुम्हारा ब्लडप्रेशर बहुत ही लो
हो गया था। आशा है कि अब ठीक होगी।

तुमको व कुशाल को प्यार व इच्छा व बीबी को
आशीर्वाद। समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
[illegible]वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २०।८।197८

प्रिय बेटा सुशील सहित सकलजन को चिरंजीव रहो
तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए।

बेटा २८ अक्टूबर को तुम्हारा जन्म दिन है। बड़ी खुशी है। उस दिन हम दोनों की बहुत बहुत शुभकामनायें ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम्हें यह वर्ष मंगलकारी हो

हम यहां पर बिल्कुल ठीक है तुम हमारी ओर से कुछ चिन्ता मत करना। बाबा को जब देहली से लाया था तो भी तबियत कुछ ठीक नहीं चल रही थी। पिछले दिन से पेट में दर्द चल रहा है शायद डाक्टर की वजह से ठीक होने में देर हो रही है। बेटे बिचारे को मधु की ओर से परेशानी तो है ही पता नहीं ईश्वर उनकी परेशानी कैसे दूर करेंगे। देहली तो मैं पहला आना पड़ा था। कुमार ने पिछले दो दिन को देहली गये थे।

सुबोध का मकान ईश्वर ने चाहा तो ईसान से पहिले ही बन जायेगा ~~से~~ औफिस से लोन लिया है अब भगवान से प्रार्थना है कि लोन मकान से बन जाय

मेरे मकान बनाने में परेशानी तो बहुत भारी है पहिले हमारे छोटे बेटे ने ही मकान बनवाया हुआ है उस दिन यहां पर खूब रौनक रही [illegible] आदमी आ गये थे।

दोनों बहिन जी मेरे पास हैं २२ता. को जा रही हैं वह तुमको अपना आशीर्वाद लिखती हैं मेरे विचार बस ऐसा ही रहता है कमजोर सभी हो गये हैं।

यहां पर सब जगह ठीक है।

समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 20/9/1978

प्रिय बेटा शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा 3-10 का लिखा हुआ पत्र हमको 18 तारीख को मिला है अब पत्र देर से आ रहे हैं तुम्हारा यह पत्र 15 दिन में मिला है। तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। गुड़िया बिचारी को समय पत्र लिखने का नहीं मिलता है तो [illegible] तुम्हारे पत्र से तो सब समाचार मिल ही जाते हैं उसे लिखने को अब समय ही नहीं मिलता है। सवेरे सात से दस साढ़े दस बजे तक घर पर आती है। तुम्हारा स्कूल भी खुल गया होगा और मेहनत तो तुमको भी बहुत करनी पड़ेगी क्योंकि इनके भी क्लास शुरू होती हैं ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम दोनों भाई बहिन को सफलता प्राप्त हो। इस पत्र से पहिले हमने तुमको एक पत्र लिखा है मिल गया होगा। बेटा अब तो केवल पत्रों का ही सहारा हो गया है पत्र देख कर बहुत ही प्रसन्नता होती है। उस समय तो मेला लगता है। [illegible]

छोटे पत्र पहुंचने में देर हो जाया करे तो तुम कुछ चिन्ता मत करना क्यों यह डाक की गड़बड़ हो जाती है वैसे हम तो पत्र जल्दी ही लिखते रहते हैं। योगेश आया था वह कहता था कि शैल का पत्र मेरे व हरीश के पास एक ही दिन में आया है। वह भी भोपाल में इन्टरव्यू देने गया था वहां पर जाकर वह काफी बीमार हो गया था इस लिये वह

लिखा। इलाहाबाद ठीक नहीं है ज्यादा है। तुम्हें दिखाने के वास्ते
जाते हैं यदि दिखाई आती हैं तो क्या अच्छा लगेगा।

अब तुम अपने नानाजी के पैर की चिन्ता करते हो
अब तो तुम्हारे नानाजी का पैर बल खाने के लिये ही ऐसा
हो गया है वैसे तो नहीं दुखता है लेकिन चलने में दुखन
होती है जब गाय पर परेशानी है वे यहीं नगर को नाप
करने में परेशानी होती है वैसे कि सब पैर नाप को रहते हैं
सब जल्दी ठीक हो जाते हैं इस लिये कोई चिन्ता की बात नहीं है
बुढ़ापा बोला तो आते ही हैं। नीता पास हो गया है
मैंने तुम्हें पहिले पत्र में भी लिखा था और सब अच्छा
ठीक हैं तुम चिन्ता मत करना तुमने यह अच्छा किया
कि ड्राइंग रूम लिया लिया है इसमें गाने व गीत सुनते रहते
होगे और जो बातें इधर होती हैं या नहीं। अब तुम्हारा
स्कूल अच्छे समय का हो गया है चार बजे या पांच बजे आते होगे
मेरा तुम्हारे नानाजी ने कमेंट्री पर मेरा समय तो बीत जाये
जाता ही है लेकिन क्या करें। कल अम्मा की याद आती है। या थोड़ा
देर गुड़िया को ड्राइंग रूम चला लेती हूँ। तुम हमारी ओर से
बिल्कुल चिन्ता मत करना। हम अपने शरीर का ख्याल
रखते हैं क्योंकि दो बच्चे बाद तुम लोगों को जो देखना है।
जब तुम लोग यहाँ पर छोन रहोगे तो हम फिर ठीक हो जायेंगे
तब क्योंकि तुम सबको बहुत ही याद आती है।

यह जानकर प्रसन्नता हुई तुम ठीक ठाक हो गये हो तुम्हारा
है कमरा भी ठीक होगा दवाई बराबर तो लेते ही रहोगे

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 20. 9. 1978

बेटा गुड्डिया। खुश रहो।

तुम ने Computer-Science में दाखला या नहीं। मैं तो इस को सब से अच्छा समझता हूं। दाखले में परेशानी का पता नहीं वहां क्या rules हैं। तुम काम में busy रहती हो कुछ letters तुम्हारे आते ही हैं और शैलू भी और Sushil भी तुम्हारा हालचाल लिखते ही रहते हैं। letters ना लिखने

मैं कोई बात नहीं है।

एक को बाद तुम्हारी friends

नहीं काफी दिनों से नहीं एक

है शायद काम की वजह से

ना time मिला होगा।

6.10.78 को तुम्हारे पापा का

birth day है हम तो यहां से

ही blessings दे सकेंगे।

तुम्हारा बाबा

धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 20.9.1978

My dear Sushil

Recd yours of 31.8.78 on 18.9.78. You have not written if Gudia has changed over to Computer Science.

I am sending 10 postage stamps and will be sending the same in every subsequent letter.

Saroj's blood pressure must be set right by Baupta Churn 30.

Gudia is nowadays very busy. Her poor health should not be overtaxed. We are as usual here and feel we shall not be personally with you to bless

on your birth day falling on Oct-6th last- our hearts are with you.

The delivery of letters from you is very irregular here. This can be judged by the fact that your letter of 31.8.78 was delivered here on 18.9.78 and some times Some of your letters are recd together as you receive ours.

with love
Yours affly
[illegible]

P.S. Anasvikas letter recd just now. Enclosed. Plot confirmed. Possession to be within a month. Look to it.

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 20-9-1978

बेटा शैजू। विशदेवा,

तुम्हारा 30-8-78 का letter मिला। मुझे खुशी है कि तुम्हारा काम ठीक चल रहा है।

वहाँ का मौसम शायद बड़े फूल वाली घास को ठीक नहीं है। फिर, शायद फिर फूल निकल आवें। मिर्च के पौधे काफी बड़े होने पर सींच देते हैं। जल्दी नहीं।

गुड़िया काम में रहती है उस को कहना हम को उस का हाल मालूम होता रहता है काम में हरजा कर के चिट्ठी लिखने की

ज़रूरत नहीं है।

मेरे पैर अभी वैसे ही चल
रहे हैं दवा और मालिश चालू
हो रही है। कोई तुम चिन्ता
करने की ज़रूरत नहीं है। बहुत
सी बातें इस उम्र में होती जाती
हैं।

अब तो तुम्हारा Pocket-radio
हिन्दी के गाने वगैरा सुनाता
रहता होगा। मगर यह चीज़
School में ले जाने की नहीं हैं।

तुम्हारा बाबा।
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रकाशवती

Dated २४ / ६ / 197८

प्रियचिरंजीव गुड़िया (शालिनी) तुमको ढेरसा बहुत प्यार
आशा है कि तुम सब वहां पर ठीकठाक से
होंगी। हम भी यहां पर ठीक हैं। आजकल तुम को समय
नहीं मिलता है कोई बात नहीं है शीघ्र आप ने पत्र से सब
समाचार मिल हो जाते हैं। तुम आजकल बहुत ही लिखती
रहती हो। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको सफलतप्राप्त हो।

उषा को देखकर लड़का आया था उषा पसन्द आ
गई है और ५ तारीख को लड़के को देखने जायेंगे। और
फिर सब लोग तारीख में ही गोद भरने उषा को आयेंगे।
अभी तक उषा के फेरों की शादी हो जायेगी। फेरों
की गोद भरने की तारीख में आयेंगे।

सतीश नौकरी को देगा आज तथा प्रेम ने
अगले दिन नौकरी जाते हैं। वह तेरा पत्र में देख
लेगी।

यहां पर सिन्धी की तबियत का पता नहीं है ठीक
है क्योंकि आज दिनसे पत्र नहीं आया है।

मैं व तुम्हारे नाना जी ठीक हैं।

तुम हमारी ओर से कुछ चिन्ता मत करना तो
शैल को फिर दूसरे पत्र में लिखूंगा। अब
पत्र पैसे शैल के लोग को मिला है मिल गया
होगा। बिटिया तुम लोगों को देखने को बहुत ही मन
करता है अब नहीं अपने बच्चों को देखे हुए हो गया है
पता नहीं सब तुम लोग कैसे लगते होंगे।
कितने दिन से अन्नू भैया नहीं आये हैं
पता नहीं क्या बात है। तुम्हारे पास अनमा के पत्र
आते रहते होंगे पता नहीं उन का कुशल कैसा है।
बाल बच्चों के पास रहते होंगे।
सब कुशल लोग को हमारा प्यार बाद। शेष
शैल को व तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार।
पत्र का उत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभचिन्तक
मम्मी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25. 9. 1978

My dear Sushil
The last letter of yours was dated 31.8.78 and was received here on or about 18.9.78 the same was replied. Since then no letter from any of you. In our last letter I had enclosed a letter from Awas Vikas dated 16.9.78 asking you to take possession of the plot with a month of the letter after which you would not be entitled to the plot. I hope you will deal with the letter. I had enclosed ten stamps also. I am sending 10 stamps

more here with.

We hope you are all well there & that the non receipt of any letter of yours after the date 31.8.78 must be due to mail irregularities.

I would be glad if Gudia has changed over to Computer science but we have not heard anything if this was done.

with love
yours affly
D R Gupta

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25. 9. 1978

के शैलेनू विशवेश्वरा

हम यहाँ ठीक ही हैं। आज कल शायद डाक ठीक नहीं आ रही। तुम्हारी आखिरी letter जो हम को मिला वह 30.8.78 का था। उस के बाद की कोई खबर नहीं मिली। चिन्ता तो होती ही है। पर यही ख्याल है शायद डाक में bag का चलना हो।

अब तुम्हारी पढ़ाई का काम शुरु हो गया होगा।

तुम्हारे पापा का birth day

6.10.78 को है। उन का

ख्याल तो होगा ही।

बाकी का हाल लिखना।

तुम्हारा बाबा

धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २०।८।197८

प्रिय बिटिया लोचन सहित सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा रक्षिता का लिखा हुआ पत्र अपनों आज ही मिला है। तुम्हारे सब समाचार पत्र से ज्ञात हुए हैं। हम यहां पर ठीक हैं। प्रभु सबों की कुशल ईश्वर से सदैव मनाता रहता हूँ।

इधर पोस्टल से पहिले बच्चों को कई पत्र लिखे हैं पहुंच ही गये होंगे। पता नहीं क्यों पत्र बड़ी देर से आ रहे हैं। रोहन के जन्मदिन को १८ ता० को यहां पर पत्र आया था। अब तुम्हारा पत्र महीने से या अगले के बारात से मिलता लगी थी अब तो बस केवल पत्र का ही सहारा रह गया है। यदि पत्र आने में जरा भी देर हो जाती है तो परेशानी सी होने लगती है। यह डाक व्यवस्था की देर होजाती है।

आज ही आनन्द के छुट्टियों का पत्र मेरे नरेन्द्र के पास आया है जुम्मेदार रिक्शा से गिर गया था उसने हाथ की हड्डी टूट गई है और की हड्डी टूटी है। २० ता० को चोट लगी है बायें हाथ की हड्डी टूटी है। इधार परेशान होने की वजह से विचार ने हम दोनों को अपने बायें हाथ से ही पत्र लिखा है और पहिले तक प्लास्टर चढ़ा रहेगा। गया डाक्टरों की राय है बताया है हड्डी जुड़ने में समय लगेगा। बच्चों को परेशान देखकर इतना बड़ी परेशानी होती है टूट इतना है रुपया भी पानी जाता है और पैसा भी खर्च होता है। ईश्वर को हड्डी ठीक जुड जावे।

यह जानकर चिन्ता हुई शैल अपसेट हो गया है सोते में भी
बच्चे अपसेट ही लगते थे। शायद कुछ बड़ा है तब दिल अपसेट
हो गया होगा। वैसे स्कूल में तो अपसेट नहीं लगता है
गुड़िया तो बिल्कुल अपने पहले नम्बरों में ही आ रही है। इसी है
जब स्कूल में नाम नाम है तो उनको पैसे भी बढ़ ही दिये होंगे
और बेटों ने हिसाब से पैसे दिये हैं। मैं उन्हें याद करे
भी बेटे पीछे मन्जु ने अनुपमा आई थी।

तुमको भी वहां पर जाकर सारा ही काम करना पड़
रहा है अब आदत होगी क्योंकि तुमने इतना काम तो
अकेले ने कभी नहीं करा था। कल अपना शरीर का ध्यान
इतना ज्यादा जोर नहीं देना अभी। अब दशहरे पर
तुम लोगों को याद आती होगी पापाजी तो हर बरस की
दशहरे पर चले गये थे अबकी बार तो जाने की विचार
नहीं है। चित्रा का खत ही पत्र आया है। उनकी
तबियत ठीक नहीं है बांये कान से तो बिल्कुल सुनाई नहीं
देता है दायां कान भी ठीक नहीं है लखनऊ में उनका
इलाज चल रहा है लेकिन कुछ फायदा नहीं है
इन्दौर हेमा ने [illegible] दवाई लिखी है देखो कुछ
फायदा होता है या नहीं। ये तो [illegible] [illegible]
बच्चे आ रहे हैं वहां पर [illegible] [illegible]
पर इन लोगों की ओर से [illegible] शान्ति [illegible]
लेकिन यह भी ठीक नहीं रहता है। [illegible]
[illegible] नहीं हुआ है पता नहीं क्या होगा
यह [illegible] [illegible] चिन्ता लगी है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

बाबा बिचारा परेशान हो रहा है

Dated.................197

इसी लिये उसका यहाँ का बोल लिखने को मन नहीं करता है

बाकी मोदी के साथ की बात तो ठीक है लेकिन उनके को मन भेजना जितने की साड़ी नहीं होगी उससे ज्यादा खर्च लग जावेगा यदि कोई आने वाला होगा तो भेज देना। जितने काम मिल रहे हैं लेकिन यहाँ हॉस्पिटल रहते रहते एक महीने से ऊपर हो गया [illegible] लिख दिया है। और [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] को इसका [illegible] नहीं होता है। और यदि कोई [illegible] तो उनके [illegible] [illegible] [illegible] चाहता है भेज देना और [illegible] अपनी [illegible] [illegible] [illegible]। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] रहा नहीं [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है।

[illegible] [illegible] पिछले पत्र में लिखा था कि [illegible] [illegible] है [illegible] [illegible] की शादी यदि [illegible] यदि यहाँ पर [illegible] मिलता है और [illegible] चाहता है तो कर देना [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] में शान्ती है।

कल [illegible] को [illegible] [illegible] को [illegible] दिन की [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] सब लोग [illegible] [illegible] [illegible]। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

६ नवम्बर को प्रवीण का जन्म दिन है इन दोनों को
प्रवीण के जन्म दिन की (२) शुभकामनायें हैं। ईश्वर
करे इनकी उम्र लम्बी होवे। इसके पहिले दिवाली के पत्र में भी
लिखा है।

२४ नवम्बर को आदित्य के लड़के का
जन्मदिन है और २२ नवम्बर को [illegible] की बरसी है
[illegible] छोड़ कर बरसी कर रहे हैं। नीलम की नौकरी
छूट गई है आजकल घर पर ही रहती है। यहां पर
बच्चों की पढ़ाई की वजह से आदित्य की बहू ही रहती
है आदित्य दिल्ली अकेले नौकरी पर रहता है।

यहां पर नीचे एक गार्ड रखा है। उषा का
रिश्ता हो गया है नोएडा में उषा का [illegible] होगा
यदि आयेंगी और जाड़ों में दोनों की शादी हो जायेगी
जिसको नौकरी लगना लिखा है वह तो मोतिया से [illegible] है
और उषा को नौकरी है वह [illegible] में निकला है।

प्रिय रीना को प्यार। फिर पत्र लिखूंगी

प्रिय प्रवीण को हमारा आशीर्वाद। व प्रिय गुड़िया
रीना को प्यार बहुत सा प्यार। तुम्हारे बच्चों को तुम्हारा
आशीर्वाद उत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 27. 9. 1978

My dear Sushil

Just now I received your letter of 19.9.78. Your previous letter was dated 31.8.78. You must have written between 31.8.78 & 19.9.78. What happened to those letters, I don't know. We have been writing regular twice a week.

I shall try to get the glasses ~~for~~ Gudi a preferred to her choice and will send the same by Air as soon as I get it.

Narendra has not come here for about two months.

I am sorry Shailoo is weak in health. Why is it so? He should not be worried for his school work. It may be difficult but he should pull on calmly with the work.

I have sent a letter from Avas Vikas dated 16-9-78 asking you to take possession within a month. I had enclosed stamps in the last two letters & am doing so herewith

with love
Yours affly
D R Gupta

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 27-9-1978

बेटा शानू। (आशीर्वाद)

मुझे मालूम हुआ तुम काफी कमज़ोर होगए हो। क्या बात है। अब School की पढ़ाई का भार आना है क्या। तुम को तो पहले health को का ख्याल रखना है।

गुड़िया का हाल भी तुम ही लिखना। उस को शायद time नहीं मिलेगा।

वहां मौसम खूब ठीक होगा।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

काफी दिनों से यहां डाक ठीक
नहीं पहुंची मालूम देती है।
वहां का हाल न मिलने से
चिन्ता हो गई है। इन दो
हफ्तों में दो बार letters भेज चुके
हैं पता नहीं वहां क्यों नहीं
पहुंच रहे। यहां 31.8.78 का
letter के बाद Sushil का
letter 19.9.78 का पहुंचा है।
बीच का कोई letter भी
तुम लोगों का नहीं पहुंचा है।

तुम्हारे बाबा
[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ३।२०।१ 197८

प्रियप्रिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा १४ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको कल २० ता० को मिल गया है यह पत्र तो बहुत ही जल्दी आ गया है यदि ऐसा ही जल्दी २ पत्र आते रहें तो बड़ा ही अच्छा हो।

हम तुम्हारे बाबाजी के जन्मदिन पर तुम सबको बहुत ही याद करते रहे। मैंने इसे मिठाई मंगा ली थी और ४-५ जगह खिलाया ही था। और रुहेला को तुम्हारा भेजा हुआ जन्म दिन का कार्ड भी मिल गया है कार्ड तो बहुत ही सुन्दर है और ऐसे भी बाबा लोगों के लिये ही बना हुआ है तुम सबको हमारा बहुत ही प्यार रहता है। अबकी बार तुम्हारा हाथका लिखा हुआ पत्र बहुत दिनों में आया है लेकिन शैल बेबीका के पत्र से सबकी कुशल तो मिल ही जाती है तुमको अपने पढ़ने के कारण कोई जगह से समय बहुत कम मिलता है इसलिये तुम पत्र लिखने में परेशान मत हुआ करो। तुमको समय ही कहां मिलता है। यदि पप्पू ने पत्र नहीं लिखा है तो तुम अपने मन में इतना दुख मत माना। तुम तो उसकी आदत को जानती ही हो। वह इस बात में बहुत का पक्का है। नानी बिचारी भी परेशान सी ही रहती है मेरा चित्त कोई से शान्ति सी थी लेकिन उसकी ओर से चौंकता रहने लगी है। उसका कांपाकान तो खराब हो ही गया है। और सीधा कान भी ठीक नहीं चलता

है कमरू ने डाक्टर को इलाज करा रहा था। अब तुम्हारे बाबाजी
के हैदराबाद [illegible] देगए हैं। वैसे ४ तारीख को वह लोग कलकत्ता
जा रहे हैं वहाँ के डाक्टर से दिखवायेंगे।

तेरा कि तुमने अपनी पढ़ाई में इतनी [illegible] कैसे [illegible] लिखा
है यहाँ पर सब लोग इसको बहुत अच्छा बतलाते हैं
कहते हैं कि इसको तो बहुत योग है। अब तुमने क्या सोचा है
तुमको वहाँ पर पढ़ाई के बाद को जगह से बहुत ही किसी
रहती हो वैसी लिखना कैसी चल जाती होगी यहाँ पर तो
कभी भी इतना काम नहीं करना पड़ता था तुम सब बाबाजी
अपने शरीर का ध्यान रखना नहीं तो सबके काम करने लगोगी।

उषा ही तुम्हारा पत्र लेकर [illegible] आई थी [illegible] उनके
[illegible] तो उनको अच्छा पत्र दे दिया था। अब तो उषा के
उषा के [illegible] को गोद [illegible] पाने को [illegible] हो जायेगी तुम्हारे
[illegible] शादी हो जायेगी। तीन दिन से [illegible]
[illegible] हुए हैं। गीता के [illegible]
रहते हैं [illegible] तो निश्चित नहीं हुआ है। पिछले दिन [illegible]
[illegible] थी। [illegible] बोली भी तुम सबको तो बहुत याद करती
थी वह [illegible] दिन में ही चली गई थी।

सोच तो लिया होगे दिन भर काम में लगी रहती
होगी क्योंकि सब घर का काम अकेले को ही करना
पड़ता है वहाँ इतनी तकलीफ [illegible] रहे। यहाँ पर भी सब
लोग तुम सबको पूछते रहते हैं।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी मम्मीजी

[illegible] वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रकाश वती

Dated 3.2.1 1978

प्रिय भाई सुशील जी व प्रफुल्ल को चिरंजीव रहो

तुम्हारा २४ ता. का लिखा हुआ पत्र हमको ३० ता. को मिल गया समाचार ज्ञात हुए। २ अक्टूबर है गांधी जयन्ती है वहां पर [illegible] इसका मनाया गया होगा और तुमने अपना लेक्चर जोर पढ़ा होगा।

सुषमा ने घर के नक्शे वाला कागज मिल गया है और बनने को तुम्हारे बाबूजी ने दे दिया है।

पुस्तकों को बनाने की अभी तो नींव ही खुदी है रहा ६-७ महीने तो बनने में लग ही जायेंगे। [illegible] का पत्र आया था उसने लिखा था कि यह बड़े मिलते रहते हैं और बहुत खुश रहते हैं। वैसे मकान बनाने में देखना तो पूरी होती ही है। सब इच्छा है यहीं आ जाना है कि कौन तरह से बने गाये। यह सब आप तुम्हारे पीछे ही हो जायेगा।

सुषमा को कुछ नयपूरा मालूम दिखता है थे इसके चौधरी पर [illegible] वहां सब कहते हैं कि यह बात बहुत अच्छी है। इसलिये यहां पर बहुत कीमत है। अब तुमने क्या निश्चय किया है।

ऐसे इसके पहिले पत्र में भी लिखा है कि अजमेर [illegible] में दिलवा [illegible] गया था और उसने

बांए हाथ के गट्टे की हड्डी टूट गई है रमला के
गिरा था प्लास्टर चढ़ा हुआ है। और हड्डी जुड़ रही है
लेकिन कठिनता यह है कि डाक्टर लोग कहते हैं कि इस
उमर की हड्डी बच्चों की तो जुड़ जाती है। बड़ों की जुड़नी
मुश्किल होती है। अब देखो क्या होता है।

रोशन लाल तो ठीक हो गया है लेकिन अभी नौकरी
पता नहीं कब मिलेगी। मकान के बाबत दिल्ली से
सुरेन्द्र अभी नहीं आये हैं।

रतन जीजा जी रिश्ते के बारे में आये थे कल
चले गये हैं।

प्रिय लोगों को हमारा आशीर्वाद। बच्चों को
बहुत सा प्यार। तुम्हारा पता लिख कर रतन ले गये हैं।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २१ . १० . 197८

प्रिय बेटे शैल, तुमको हमारा बहुत सा प्यार

एक पत्र तुम्हारा पिता जी को लिखा हुआ सपना व रचना को मिला और एक पत्र २६ ता. को लिखा हुआ हमको कल १.१० को मिल गया है यह पत्र तो बहुत ही जल्दी मिल गया है यदि ऐसा ही जल्दी २ पत्र आते रहें तो कितना अच्छा हो। और बेटा तुम्हारे बाबा जी के जन्मदिन को कोई भी मिला नहीं तो सचमुच में बहुत ही सुन्दर है बड़ा अच्छा लगा है। २८ता. को तुम सबकी बहुत ही याद आती रही अगर होते तो बहुत बाबा जी खुश क्या होते रहते लेकिन फिर भी हमने इतना इन्तजाम किया कर ५-६ घरों में निमन्त्रण दिया था। लेकिन याद तो सब तुम्हारी आती ही रही। और इस पत्र में तुमने इतना सुन्दर वर्णन बताकर भेजा है। बाकी सबने हमारा सबको बताया है देश के बारे और इतना आदमी से बहुत पता रहा कहां पर कहां से इकट्ठा कर लिया है। हां तुम्हारे बाबाजी को तो स्वाद आ ही गया होगा लेकिन मैं कहूं सारी चीजों का स्वाद ठंडे पड़ा हुआ होगा। ऐसे तुमने बनाने में कितनी मेहनत की है यहीं बैठे तो तुम्हारी याद आ गई है इतनी तुम्हारे आने तक और की इच्छा हो रही है कि तुमको अब यहां पर जल्दी से हम देख लें। आगे ईश्वर की इच्छा पर है।

बेटे यहां की हवा में तो अब कुछ बढ़ गया है। लेकिन अभी तो पंखे ही चलाने पड़ते हैं।

बेटा अब अपने बाबा जी से पैसों की चिन्ता करना छोड़ दो

और यह यदि तो मन जिन्दगी मे साथ ही देगा। तेल पालिश ने लिखाई जाता है यह फायदा नहीं हुआ है इसलिये अब लिखाई आफिस जाना उसने छोड़ दी है। वैसे ऐसी चिन्ता की कोई बात नहीं है यदि तो वैसे नहीं होता है लेकिन चलते हैं तो जरा डरता है। कुमार बेटा ने बाप कोई परेशानी नहीं है जितने भी रहते हैं सब लोग हमारा काम कर देते हैं। तुम हमारी ओर से बिल्कुल भी चिन्ता मत करना नये १ बजे न्यारिना तो शुरू हो गया है। यह दो बजे भी बहुत ही जल्दी खोल जायेंगे। मिश्रा जी तालेपर सिलाई चल रही है इतना सस्ता के डाक्टर को इलाज चल रहा है लेकिन यह फायदा नहीं है। बतो जो यह लोग बलवा रहे हैं वहाँ के डाक्टर को भी दिखलायेंगे। तुमने जो लिखा है बोल रहे हैं अच्छा है यदि लिखे आयेंगे तो लेकिन समय बहुत लगेगा। सब आराम से हैं सुभाष तो अपने मकान बनाने में लगा हुआ है अभी तो बनना ही शुरू है। तुम्हारे बाबाजी के जनेऊ आने पर तो मेरा ४-५ घंटे का समय आसानी से बीतता है। बस यह याद भी नहीं है बहुत ही बड़ा दिन लगता है। यह जान कर चिन्ता हुई हुई कि तुम सब वहाँ पर बीमार हो।

प्रिय सरोज को हमारा आशीर्वाद। समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा

इन्द्रा रानी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 1.10.1978

बेटा गुड़िया। खुश रहो।

तुम्हारा 25.9.78 का letter मिला। तुम्हें मालूम हो कर खुशी हुई कि तुम्हारी पढ़ाई ठीक हो चल रही है। मैं तो Computer Science को अच्छा ही समझता हूं। विषय change करने में परेशानी ना हो तो।

Store में तुम को एक कम दिन क्यों जाना होता है जब वहां और girls काम है?

मधु एक बिजनौर रहता है शायद उसने तुम को वहां से

तो लिखना हो। वैसे तुम उस
को जानती ही हो।

हम एक दिन यहां Sinesh Kansal
के गए थे हमारे पीछे यहां
पुन्नू वैगरा आए थे। वह हम
को ना मिले। वैसे काफी दिन
से नहीं मिली थी। शायद एक
किसी दिन फिर आवे। यह
बेचारी बहुत प्यार से आती है
और बातें करती है।

तुम्हारा चाचा
धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 1.10. 1978

My dear Sushil

Received your letter of 24.9.78. Your case should have been done by now. I shall see to it again.

I have asked Dr. Ragho Prasad to prepare the spectacles for Gudia. I shall send the same as soon as ready.

Rakesh is not in Meerut. At present he is somewhere out and is working as a Contractor. His mother here does not give his correct address.

I am sending stamps
along with this also.
I am glad children
and Saroj are in good
health now. I am worried
however, about the eyes
of Indira. She has to
work hard in store +
in University. This requires
good eye sight.

with love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 1.10.1978

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा 26.9.78 का लेटर मिला। वहां का मौसम अब तो ठीक होगा पर कुछ दिन में काफी ठन्डा हो जायेगा। तुम लोगों को फिर परेशानी होगी।

लाल फूल वाले पौधे काफी बड़े हो कर फूल देते हैं। जब वह बड़े हो रहे हैं तो शायद फूल भी देंगे। यहां तो पौधे ठीक ही हैं कोई नया नहीं लगाया है। तुमने जो बीज भेजे थे वह नहीं बोते थे गमला कोई खाली नहीं था और नया गमला लाना

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT
Dated ... 1978

पड़ता। तुम्हारे सामने तो इन चीजों में मन लगाता था। एक तो नया पौधा लगाने में जी नहीं लगता

तुम्हारा केक तो बड़ा ही मजेदार रहा। इस में किसे क्यों ना खाता यह तो बेटा के हाथ का है ना। ऐसा केक में इतना जायका कहां आ सकता है भला। और फिर तुमने इतने प्यार से बना कर भेजा है इतनी दूर से। तुमने इतने पापड़ी रखवाये हैं इस में। इतना तो काफी नहीं आ सकते हैं

मेरा पैर एक कुछ ठीक है। कुछ तो रहना ही है।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 4.10. 1978

बेटी गुड़िया! खुश रहो।

तुम्हारा स्वेटर अभी बना नहीं है। बन जावे तो भेज देना। मैं देहली नहीं जा सका था पेट की वजह से। पर मैंने सब ठीक कह दिया था कि अच्छा बने। आ जाने पर मैं भी देख लूंगा प्यार

मुझे जो होना था न मालूम
होगा तो बदल कर
लेकर काट दूंगा।
तुम को जानकर से भी
तकलीफ होते देखकर
काम पर जाना होता है मुझे
इसलिए पत्र लेकर बनवा
कर भेजने को जा रहा हूँ।
मोहल्ले से [illegible] लिया
है काम लेकर जाऊंगा।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 4.10.1978

My dear Sushil

Gudia's spectacles have not yet been received from Dr. Rajho Prasada. I shall send the same to you as soon as I receive. I shall also send a copy of Printed 'Diwali Poojan' along with the same.

I have been sending postage for you with the last four letters. I hope

You are receiving the
Same

The season here at
present is now well.
In Bengal it is still
under floods. Today
there is another storm
warning for Bengal.
I have today received a letter
from Sukumar. He says that
X'Ray report indicate that
his bone is correctly rejoining.

with love
yrs affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 4 . 10 . 1978

बेटा शैलू खुश रहो।

तुम्हारा दशहरे का Birthday Card मिला। तुम को बाबा के 80th years पूरे हो जाने की बड़ी खुशी लगी है।

हम लोग ठीक ठीक हैं। तुम्हारी पत्नी भी ठीक है। बहुत दिनों से आज letter नहीं लिख सका हूँ। क्योंकि यहाँ नीचे वालों का कब्जा

काम था।

एक तुम्हारे school की classes ठीक चल रही होंगी। अगर वहां कोई किताब तुम्हारी पसन्द की ना मिलती हो तो लिखना मैं यहां से भेज दूंगा। यहां तो books ठीक मिल जावेंगी।

तुम्हारा बाबा,

[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ५।१०।1978

प्रिय शोभा सदैव सौभाग्यवती रहो।

हम यहां पर ठीक हैं। तुम सबकी कुशल ईश्वर से सदैव मनाते रहते हैं। हमारा पत्र तुम्हारे पास पहुंच गया होगा।

११ ता. का दशहरा है। तुमने [illegible] तो [illegible] ही [illegible] दशहरा पूजन तो [illegible] होगा [illegible] गुड़िया ने [illegible] लिया होगा। दशहरे पर तुम सब को बहुत ही याद आवेगा।

गुड़िया को [illegible] रहे हैं पता नहीं यह गुड़िया को पसन्द भी आ आवेगा। [illegible] ठीक से पहुंच भी गया है।

अब [illegible] पत्र भी आया है उसने लिखा है [illegible] लोगों ने [illegible] लिखा है। इतनी दूर से तो पार्सल के भेजने में रुपये भी बहुत ही लगते हैं।

आज ऊषा की गोद भी भर गई है [illegible] हो रही है उसके [illegible] से ६ महीने [illegible] ८-१० आदमी लोग आते हैं [illegible] जावेंगे। [illegible] आवेंगे। [illegible] है [illegible] १० [illegible] लोग [illegible] का [illegible] और [illegible] हैं [illegible] है।

इन लोगों ने भी [illegible] ने [illegible] रुपये दिये हैं और [illegible] को [illegible] के [illegible] दिये ही हैं। [illegible]

लोगों का हमदोनों ने भी सोचे ही साथ आया है।

गुड़िया के लिये होली में मोटर की स्कूटर देना है
है व गौना आठवे दिन होना है।

तुम्हारी तबियत ठीक होगी यहाँ का मौसम तो
अब बदल गया होगा अब तो गरम कपड़े पहनने लगे होगे
यद्यपि हवा ने फर्क तो हो गया है लेकिन पंखा तो
चलाना ही पड़ता है। अच्छा गाना लौटा भी दिया था।

प्रिय कुशल को व सुमन को हमारा आशीर्वाद।

चि० गुड़िया शेखर को हमारा बहुत सा प्यार होली बाद
को फिर पत्र लिखूंगा।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 6.10 1978

My dear Sushil

I am sending the spectacles for Gudia. Dr. Raghallo says that the frame he has given is much liked in America and that he has been sending spects there in that frame. However, if Gudia does not like, she may use these spects and I shall get another one of my own choice prepared and

Then send the same. This one can be kept for emergency.

With love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 7.10. 1978

My dear Sushil

I have sent today per Air mail packets of Indira, a few letters & medicine for Indira's eyes. Medicine to be taken 4 globules per week.

Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रकाशवती

Dated २२।१०। 197८

प्रिय बेटे सौरभ तुमको हमारा बहुत सा प्यार
यहां पर हम ठीक हैं। तुम सबको भी कुशल ईश्वर से सैदव भली चाहती हूं।
तुम्हारा २० ता० का पत्र लिखा हुआ मिला। पढ़कर सब समाचार ज्ञात हुए। अबकी बार तो बहुत जल्दी ही पत्र आया है
बेटा आज दशहरा है। दशहरे आज तुम सबकी भी बहुत ही याद आ रही है। अपनी जिन्दगी में पहली बार अकेले ऐसा हुआ है कि अकेले बैठ कर तुम्हारे बाबा जी ने पूजा की है हमेशा सब तुम्हारे बाबा जी बहुत धूमधाम से पूजा करते ऐसे ही करते हैं। हर त्योहार पर तुम्हारी याद तो आती ही है लेकिन आप लोग सभी याद पड़ते हैं। आशा है तुमने भी पूजा की होगी गुड़िया ने आज पहनावा किया होगा। जब गुड़िया यहां थी नहीं मनाती थी। हमने इस बार दशहरे पर आने को लिखा था लेकिन वे भी नहीं आ सके हैं। पि० पिछले दशहरे पर तो हम [illegible] [illegible] चले गये थे। तुम हमारी ओर से कुछ चिन्ता मत करना हम तो यहां पर बिल्कुल ठीक हैं बस तुम लोगों की याद आकर किसी समय उदास सी हो जाती है। फिर मन को समझा लेते हैं।
शायद एक दिन में यहां पर [illegible] आयेगा। उसको

अभी गर्मी पड़नी तो नहीं शुरू हुई है। अब यहाँ तो मौसम भी कुछ ठंडा सा होने लगा है। यह जानकर चिन्ता सी हुई कि तुम सब वहां पर ठीक हो। बेटा तुमको वहाँ पर काम बहुत करना पड़ता है। मेरे बेटे को नींद आ रही है। सत्यपाल ठीक है। तुमको वहाँ पर काम बहुत मिलता है अच्छा है बेटा तुम्हारी मेहनत से सफलता प्राप्त हो

सुशील सरिता व गुड़िया ठीक होंगे। उनको मैं पत्र फिर लिखूंगी। आज मैं दोपहर को तुमको पत्र लिखना चाह रही थी। लेकिन पानलता आ गई थी मेरी भतीजी। वह अपने घर गई है। और अब उसके बेटा पैदा हो गया है।

प्रत्युत्तर शीघ्र ही देना।

प्रिय सुशील व सरिता को हमारा आशीर्वाद। प्रिय गुड़िया लिटिया को हमारा बहुत सा प्यार।

अच्छा मैं पत्र को बन्द करती हूँ।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 11. 10. 1978

बेटी गुड़िया। खुश रहो

आज तो यहां दशहरे पर तुम्हारी याद ही आ रही है। मैं ने तो दशहरा आंसुओं से ही पूजा है। बहुत मन को रोका पर ना रुक सका।

तुम्हारी पढ़ाई और Stone का काम ज्यादा होने की वजह से time नहीं मिलता होगा।

तुम्हारा रेशम भेजा है

पसन्द न हो तो इस
समय काम में ले लेना मैं
और बनवाकर भेज दूंगा। तुम्हें
कुछ भी परेशानी न
समझना। मुझे तुम लोगों
के काम में कुछ भी परेशानी
नहीं होगी। कुछ मन लगा जाता
है अगर तुम्हारा कोई काम
आ जाता है मैं घर पर
बैठा हुआ भी सब काम कर
सकता हूं। यहां यह नीचे वाले
लड़के हर समय हर काम को तैयार
रहते हैं।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 11.10. 1978

My dear Sushil
I sent a parcel for Reg. Air Mail on 7.10.78. It contains the spectacles for Indira, some stamps & a few Toffees. I shall reach you before this letter reaches them. I had also enclosed a copy of 'Durgh Poojan'.

I daily Know of.

the Effects and to the taste of India. In any case this may be used for the time. I shall get another prepared if this does not suit her.

Today is Dasehra.

We are missing you very much. I am alone with your Uncle on this Dasehra.

with love —
Yrs affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 11.10.1978

बेटा शैलू। खुश रहो।

आज यहाँ दशहरा मेला
रहा है। तुम लोगों की याद
ही आ रही है अपनी। पिछले
दशहरे को तो हम लोग चन्दौसी
चले गए थे।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही
होगी। ~~[illegible]~~ इस की class में
मेहनत बहुत करनी पड़ेगी।
मैंने लिखा था कोई किताब
यहाँ से मंगानी हो तो भेजदूँ
लिखना। जरूरत हो तो तुम

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT.

Dated 197

परेशानी न उठाना। मुझे
यहां से भेजने में कोई भी
परेशानी नहीं होगी। पिछले
अब ठण्ड होने लगी है। खासकर
Calcutta में तो काफी पड़
रही है।

गुड़िया के पसन्द के साथ
जरा सी टोपी रखदी थी। वजन
ज्यादा होजाने की वजह से कुछ
ज्यादा न रख सका।

तुम्हारा बाबा
धनपत

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

[illegible]

Dated 15/10/1978

प्रिय गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २ ता० का लिखा हुआ पत्र हमने २४ ता० को पढ़ा है। पत्र से सब समाचार ज्ञात हुये [illegible] तुम्हारे हाथ का लिखा हुआ पत्र बहुत दिनों में मिला है। अब तुमको समय ही कहां मिलता है अपने पढ़ने के काम में [illegible] रहती हो। [illegible] मौज कर रहे हैं। यहां पर भी सब ठीक चलता है। [illegible] में हलकी ठंड लगेगी तो और भी अच्छा है। यह जानकर प्रसन्नता हुई कि वहां पर तुम्हारी जो सहेली बनी है वह बहुत अच्छी है [illegible]। जहां पर तुम काम कर रही हो वह [illegible] नहीं है [illegible] और [illegible] अच्छा है और [illegible] अच्छा है, यह [illegible] भी बहुत है। [illegible] आए कुछ दिन [illegible] लगेगी ही। अब यहां पर [illegible] बहुत [illegible] आती है। अभी कुछ दिन हुये [illegible] थी। अब यह सब [illegible] हो गये हैं। [illegible] जाती है। पहिले तो सब [illegible] में हो [illegible] में जाती थीं और हमारे मकान के सामने को हो जाती थी। इसलिये आ जाती थी। और अब तो [illegible] कोने में [illegible] ही होती है। [illegible] नहीं आ सकता है। फिर भी सब [illegible] बहुत ही प्यार है

यहाँ का मौसम अब मौसम बदल गया है। अब ठंड और
ऐसा महसूस होता है कि अभी गरम कपड़ा पहनना है।

शायद तोशा यहाँ पर आके ठहरना अभी तक नहीं
नौकरी नहीं मिली है। तुम को हाल हो गया होगा मैंने
पिछले पत्र में लिखा था कि सुधीर लखनऊ में फिसल
के गिर गया था उसके बाएं हाथ की गद्दी की हड्डी टूट गई
है प्लास्टर चढ़ा हुआ है २० दिन तक को गया था
सुधीर को पत्र जरूर था लिखा था कि मैंने ऐक्सरे कराया
था हड्डी जुड़ने लगी है।

चिड़िया तुमको रात में बहुत देर तक पढ़ना
पड़ता है फिर सुबह को भी जल्दी ही उठती होगी।
तुमने शायद दिव्या को तो पत्र लिख दिया होगा मैंने
शेखर व सुशील ने पत्र में उसका पता लिख भेजा है।

दादा इन्दौर को बाई जी सुषमा की तबियत
खराब चल रही है। कहती थी कि शशि को पत्र लिखूँगी

नीचे बाकी सब जगह ठीक है। कल माहेश्वरी के बच्चे
को जन्म दिन था हम दोनों का वहीं पर खाना था।
रवीन्द्र को खाना भी बनाता है। आशा है कि सुशील
व तोशा ठीक होंगे। तुम दोनों को हमारा आशीर्वाद

पवन (शीघ्र) देना।

हम बिल्कुल ठीक हैं।   तुम्हारी माताजी

तुम्हारा पहला पार्सल मैंने भेजा है।   सरला नहीं
लगता है कि मिल गया होगा बाद भी पहुँच गया होगा।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

**152, VIJAY NAGAR,
MEERUT**

प्रनारा बनी

Dated २१।१०।1972

प्रिय बेटे शील तुमको हमारा बहुत आशीर्वाद
तुम्हारा दो तारीख का पत्र हमको २४ तारीख को मिला है
पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुए। मेरा भाग्य पुरुषार्थ को ना कहा है
कमाल का चमत्कृत बनाया है लेकिन यह भाग्य नहीं निकम्मों को भी
लाख चमत्कृत बनाता। कुछ लोगों की याद आती रहती है इसलिए
पर तुम सबको तो बहुत ही याद करते। जिन्दगी में अजीब बात ही
देखा हुआ है कि जो बिल्कुल अकेले बैठ कर पूजा करते हैं। यह तो
पूजा के समय बहुत ही उत्साह से हुए। मेरा अब अपने नाना जी
के पैर की चिन्ता नहीं छोड़ते माचिस सिगरेट तक छोड़ते हैं
क्योंकि डाक्टर ने कहा कि नहीं पड़ा है। अब तो यह पहले जैसे
जिन्दगी में शरीर के साथ ही जायेगा। यह बात की चिन्ता
रहती है कि तुम्हारा है जमाना के भोजन का क्या ठीक हाल
ही चल रहा है। खाने पीने का खूब ध्यान रखना। कई दिन हुए
हमने बच्चे के दोनों [illegible] भिज गये थे। [illegible] बहुत ही अच्छे
लगते हैं। और बेटा [illegible] तो बहुत ही सुन्दर के स्वाद [illegible] थी
लेकिन अब रहा नहीं सब कहाँ रही। तुम्हारी पढ़ाई कैसी
चल रही है।

योगेश ने मकान बदल लिया है। यह मकान भी हमारे
मकान के पास ही है।

सब आराम ठीक हैं। चित्रा के बारे में अभी पत्र आया
नहीं है। दिनेश आज बलकारा(?) में पहुँच जावेगी
बाद का इसलिये १२ता को दिनेश के पिता
बच्चे बलकारा(?) गये हैं शायद २ हफ्ते में आजायेंगे।

हम तो अपना बहुत ही ध्यान रख रहे हैं क्योंकि
दो वर्ष बाद में तुम लोगों को देखना जो है। अब
तुम सब भी अपना पूरा ध्यान रखना। तभी तो अच्छा
लगेगा। सोमिल ने घर पर बनगोला(?) ने लगेला की
खाना खाने जाए भी सोना ठीक और।

मेरा सब तुम्हारे बाबा जी कपड़े पहनावे
हैं तो ऐसा लगता अमेरिका से बोलता है। बहुत अच्छे
बैठी रहती हूं। कुछ काम भी तो नहीं है।

प्रिय सुशील के लोग को हमारा आशीर्वाद

तुम्हारे बाबूजी ने सुशील के पत्र को इन्तजार थी
क्योंकि सुशील की आवाज़ निकाल(?) के कागज साथ
थे वह इन्होंने सुशील के पास भिजवा दिया था। पता
नहीं सुशील को वह मिल भी गया है और वह लिफाफा
में टिकिट भी लगे हैं। तुम ने कुछ नहीं लिखा कि
मिले हैं या नहीं।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी(?)
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 15.10.1978

बेटी गुड्डी प्यार व आशीर्वाद।

तुम्हारा letter तो काफी दिन बाद आया। काम व पढ़ाई में इतना भी ठीक है। मैनू तो लिखता ही है। तुम अपना course को change करो तो ठीक है रहेगा। यहां तो सब लोग यही कहते है। बाकी तुम को देखना है उसको चला सकोगी या course पर आनी होगी। सुनीता दिर ने मकान बदला

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ...10...197_

है पास ही आने पर करके
काबुलवाल ने जो मकान है
उन ने लिया है। इस का
पता अभी हम को भी मालूम
नहीं हुआ। Yogesh आवेगा
तो उस से डाक का पता
मालूम करके तुम को भी
भेजावेगा। गली के सामने
जो मन्दिर है उस के पीछे
को है कहीं। हम लोग उन
के मकान पर गए नहीं हैं।

तुम्हारा बाबा
धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 12-10-1978

My dear Sushil
I had sent a letter which was received from Awas Vikas. It was dated 16.9.78 and they wanted you take possession of the plot allotted to you within a month of the letter. I don't know if you received that. There is no acknowledgment from you. I had been sending stamps also but letters from children dated 2-10-78 do not speak of the reaching of the stamps also.
I had sent Gudeys spots

by Reg. Air mail on 7-10-78
along with stamps & a copy
of Deewali Poojan. We
have not received any letter
from you for a long time
and the letters from children
dated 2-10-78 were received
after a long interval. There
appears to be something
wrong in delivery of Posts.

with love
Yours affly
D. R. Gupta

P.S.
I shall send more stamps
when I know they are
reaching there.

DRG

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 15-10-1978

बेटा शैलू चिरंजीव रहो

तुम्हारा 2-10-78 का letter
कल मिला। मुझे खुशी है तुम
लोग ठीक हो। तुम ने letter
में अपने letter को नाम को
साथ ठीक शैलू को Prelims
बताई है ना। ठीक है। पर
हम को तो तुम को ही देखना
को मन करता रहता है Prelims
से मन नहीं भरता।
मैं ने तो खूब पैट को
मालिश करवाई सब कर्म
करदी है। इन में किसी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ..12.. 1978

से भी कोई लाभ नहीं
मिलता था। एक बार केवल
घटने और पेट पर पट्टियां
ही बान्धे रखता हूं इस से
चलने फिरने में परेशानी कम
हो रही है। तुम मेरी चिन्ता
न करो मुझे कोई ज्यादा
तकलीफ नहीं है इस उमर में।
मैं फिर भी अपनी उमरवालों
से अच्छा ही चल रहा
हूं और तुम लोगों के
वापिस आने तक इसी तरह
रहें तो भी ठीक है।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated [illegible] 1978

चि० ज्योत्स्ना सदैव सौभाग्यवती रहो

बहुत दिनों से तुम्हारा पत्र नहीं आया है लेकिन
प्रमोद व शैल का आया ही पत्र आया है इनके पत्र से सब
समाचार मालूम हुये। चि० [illegible] ने भी दिया है।

मुझे तो बहुत याद है तुम्हारी याद आ रही है
तुमने पूरा नया होगा और सब बातें भी याद से लिख के
लिखे होगे। मेरी याद तो तुम्हारी हर एक त्योहार पर आती ही है
आनन्द को कल दीवाली पर लिखा था। उसके बाद
तो सब त्योहार पर बैठे ही हैं।

आज के कुशल के पत्र से पता चला कि गुड्डा को
काले रंग का चरखा गया भी पसन्द नहीं है प्रदीप के बाद प्रमोद
ने चरखे को लिखा था तो यह नहीं लिखा कि काला पसन्द नहीं
तुम्हारे बाबूजी ने अबकी बार भी काला ही भेज दिया है शायद
पहिला काला भी इसी कारण से उनको पसन्द नहीं आया होगा
यदि यह पता होता कि गुड्डा को काले रंग का पसन्द नहीं है
तो भेजते ना। तुम्हारे बाबूजी तो कहते ही उलटे रहे हैं कि अब भी क्या
कहेगा कि अबकी बार भी काला ही भेज दिया। यदि इसको यह
पसन्द ना हो तो लिखना और भेज देंगे। मेरे तुमको
चरखा मिल तो गया ही होगा।

चीन देखी थी और वहाँ की पसन्द न आये बहुत दुख होता है। यहाँ का चाँद की दिवाली से आता होगा।

इधर मेरी आँखों के मतलब पुनवाने के लिये लगभग दो साल पूरे हुये हो गये हैं। पता नहीं दिवाली तक भी पुनवाऊँगा नहीं बाद दिन बाद में पुनवाऊँ। वैसे पुनवाने में डॉक्टरों की बहुत होती है लेकिन दो साल पूरे हो गये हैं लाभ भी हो रहा है।

तुम्हारी तबियत ठीक होगी। हम भी ठीक हैं।

चि॰ [illegible] को आशीर्वाद। चि॰ [illegible] को प्यार प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रकाश बेटी वत्सल

Dated 23/12/1978

प्रिय बेटे गौरव तुमको हमारा बहुत-बहुत प्यार।
तुम्हारा २ ता. का लिखा हुआ पत्र हमको मिला।
दिये समाचार ज्ञात हुवे।

हम यहाँ पर बिल्कुल ठीक हैं। तुम सबको भी भगवान ईश्वर से सदैव मनाते रहते हैं। यह जानकर प्रसन्नता हुई कि तुम सब स्वस्थ हो गये हो। [illegible] से स्वस्थ हो गये हो। और तुमको शीत से तो याद करते हैं कुछ कमजोरी नहीं लगती है। अबकी बार तो यहाँ पर दिल्ली में खूब गर्मी आये हैं। गुड़िया तो बिचारी नहीं घूम सकी होगी। यहाँ पर तो अभी कुछ इतनी सी सर्दी बहुत ज्यादा ही देर से लिये कुछ तो लगती है। यहाँ पर तो अभी से ही थोड़ा पड़ने लगा है। अब तो सब जगह याद बड़ा सब ठीक हो हो गये हैं।

मैंने तुमको पत्र में लिखा था कि कुमार ने ~~उनके~~ उनके हाथ की गट्टे की हड्डी टूट गई है पलास्टर चढ़ा हुआ है कुमार का पत्र आया था उसने लिखा था कि पैर मैं नाचा था हड्डी जुड़ने लगी है। सुबोध के बच्चे २ ता. को ~~रतलाम~~ मेंगील जालन्धर गये थे और इन छुट्टियों में आ गये हैं। ~~[illegible]~~ को नानी दीलिया हो गया है दवाई ले रहे हैं। पता नहीं इन दिनों ऐसे कैसे बढ़ गया है। उसकी माँ ने लिखा है।

तुम लोग अपना ध्यान रखना। हम भी अपना बहुत ही
ध्यान रखते हैं क्योंकि तुम्हारा हर बैठे ही लगा रहता है
हर एक पत्र में यही लिखते रहते हो। कुछ तुम्हारे बारे में
मेरे भी जानने की इच्छा है। उस दिन तो तुम आते
तुमने स्वप्न में देखा के बारे में तुमने लिखा बहुत ही
प्यार का रही हो। कुछ दिन आँख खुल गई।

तुम्हारा पत्र तीन चार रहते हैं। अच्छा होता
है उसका है। तुम सबको यहाँ पर सफलता प्राप्त हो

प्रिय सुशील व गुड़िया को हमारा आशीर्वाद व प्यार

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

१६ ता० को अनुपमा व उसकी बहिन रजनी भी उसके
उत्साह पूर्णिमासी का मिलाया था

तुम्हारा शुभचिन्तक
प्रकाश वती

पहले योगेश भाभा का रहता
मेरा घर पर रहता था। मिले
मकान का पता लिख दिया है
मेरे हमारे मकान के बाहर ऊपर नहीं है।
यह किराया जाता रहता है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 18.10.1978

बेटी गुड़िया (वृशंरदा)

तुम्हारा मातोश्री का भेजा पत्र प्राप्त प्रकाश जी के letter से मालूम हुआ। तुम black frame नहीं चाहती। मैंने black ही भेजा है। तुम अपनी पसन्द का हो तमाम होने का मैं और बनवा कर भेजदूंगा। कुछ परेशानी नहीं होगी। तुम्हारे वास्ते कुछ भी काम करने में।

तुम्हारा friends आई थी। तीन चार दिन हुए

[illegible]

friend guide से [illegible]

[illegible]

Indians को Indians से

[illegible]

[illegible] है।

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 18.10. 1978

My dear Sushil

I have just received your letter of 2-10-78 along with the draft. I had sent a letter from Avas Vikas dated 16-9-78. You have not acknowledged the receipt of the same. I worried what happened to that letter. They wanted you to take possession within a month i.e by 16-10-78.

I have received your instructions about the

frame for Gudia's specs.
I have already sent
the specs on 7.10.78 &
that was in black
frame which you say
Gudia will not like.
However, I shall get
another one prepared &
then send. Narendra etc.
have not come for some months.

With love
Yrs affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 18.10.1978

बेटा शैलू खुश रहो।

तुम्हारा 2.10.78 का लैटर आज मिला है।

मैं तुलसी के बीज भेज रहा हूँ। तुलसी के बीज बोने का मौसम जाड़े उतरते मौसम का है।

मुझे खुशी है तुम लोग ठीक हो। इधर भी हम ठीक हैं। पेट में कुछ तकलीफ चली जाती है।

तुम्हारे essay भी तमीज़ी है।

भी। इस का कवर हवा लिफाफा।
इस का मजमून तो पसन्द था
तुम्हारे नाम के साथ Cartoon
पसन्द लगते हैं। इस बार
तिरंगा झण्डा और Gudia व
Shanoo उस के नीचे
कैसे पसन्द लगते हैं यह हम
ही जानते हैं।
यहाँ का मौसम अब
ठीक है। ना ज्यादा गरम ना
ठण्डा है। दिवाली आती है उस
पर काफी ठण्डा हो जायेगा।
तुम्हारा बाबा
धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २५-५-1978

प्रिय बेटे खुशाल रहो प्रसन्न व चिरंजीव रहो
हम यहां पर ठीक हैं। आप सबकी कुशल
ईश्वर से सदैव चाहती हूं। मकान का बच्चों ने
पता नहीं लिखा है। तुम्हारा २२ का लिखा हुआ पत्र
हमको २४ को कल मिला है। तुम्हारे पत्र से समाचार
ज्ञात हुए। पता नहीं गुड़िया को चश्मा अभी पहनना है या नहीं
और इसको तो पसन्द भी नहीं लगेगा क्योंकि अबकी बार भी
स्कूल वाले फ्रेम का ही चश्मा बना है इसलिए पता नहीं
कि गुड़िया को काले फ्रेम का पसन्द नहीं है पहले तुमने लिखा
नहीं था। गुड़िया के ठीक से पढ़ाई के बाद ठीक चल रहा
होगा। २२ अप्रैल को लाला की बरसी थी। इन महीनों
मोहिनी गई है। उमेश रतन व सरला व कैलाश मौसाद थे
रतन व सरला तो चल गये हैं कैलाश उसी दिन
चला गया है। बहुत दुख होता है कि रमोहिने हो गये
शादी को गर्मियों में कैन्सिलेशन होगया है। जब इन्दिरा
के यहां पर था। तो इसके साथ में इतना होहल्ला
इसको तो वहीं पर मृत्यु होगई है। लेकिन यह विचार
किसी तरह से बच तो गया है। लेकिन साहिब

दिल्ली को बोलना है लगान नीचे मन की रह गयी है
हड्डी टूट गयी है। डाक्टर ने अस्पताल में ही रखते हैं
कि २१ हजार रुपया वहां वालों का खर्च हो गया है। और यह
तो कुछ पता नहीं है ठीक होने में कितना समय लग
जायेगा। यादव को पता नहीं है कि ऊपर चोट रखा
है। कैलाश बिचारा बड़ा परेशान सा है। इतनी दूर
जाने आने में पैसा भी खूब ही लगता है।

इतनी दूर को यहाँ तो बड़ी परेशानी लगती है
भगवान से मेरी रात दिन यही प्रार्थना रहती है कि
तुम लोग वहां पर ठीक रहो। तुम भी कैलाश को
पत्र लिख देना।

सरोज की तबियत ठीक होगी। [illegible] के
[illegible] का जन्म हुआ है। उनकी तबियत काफी ठीक
चल रही है। बच्चों को फिर पत्र लिखेंगे।

तुम्हारे पास टिकटों रखने का पूजन की नागा
पहुंच गया होगा अशोक ने साथ में ही रखा हुआ था

तुम्हारे बाबूजी का पैर तो बस वैसा ही है
तुम लोग को हमारा आशीर्वाद। प्रिय दीपू शैल
व गुड़िया को हमारा बहुत सा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25.10. 1978

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

खुश रहो।

तुम्हारा काम और पढ़ाई ठीक चल रही होगी। तुम्हारी कोई letter काफ़ी दिनों से आया नहीं। काम की वजह से फुरसत नहीं मिलती है ताऊ को पत्र Sushil व Shailao ही लिख दिया करते हैं।

तुम्हारा चाचा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25.10. 1978

My dear Sushil

Recd yours d/- 12-10-78.
I had sent the specs on
7-10-78 & must have reached
by now. They are in black
frame which as you
say Sudha will not like.
I shall get another
prepared. Meanwhile
she can use the same.
You have not even
now acknowledged

The receipt of Avasvikas' letter of 16-8-78. I don't know if that had reached there. It was important letter.

With love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25.10.1978

[illegible]

[illegible] letter [illegible]

[illegible]

[illegible] letter [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] है

[illegible]

[illegible]

प्रमोद पत्र ठीक है
वह पहली चिट्ठी यानि 13 ता॰
पारसल में 10 stamps
थे। प्रमोद केवल 25 पैसे
वाले stamps नहीं मिलते हैं
20 + 5 पैसे के stamps
भेज रहा था। बाद में
में 25 पैसे वाले मिलेंगे
तो और भेजूंगा

तुम्हारा बाबा
धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २६।१०।197८

प्रिय शिरीष गुड़िया तुमको हमारा बहुत प्यार

प्रियवर लोकेश शैलू ने पत्र लिखे समाचार ज्ञात हुए तुमको तो समय नहीं मिलता है वैसे शिरीष कितनी मिनी होती है। कितना तुम सबको देखने को बहुत ही मन करता है। लेकिन अभी तो बहुत से ही दिन पड़े हैं ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम सब यहां पर जल्दी आओ लड़का हुआ तो होना भी जरूरी है।

इलाहाबाद के रमाकान्त मामा की शिकायत है कि तुम्हारे पास आया है वह भेज रहे हैं उनको तो तुम्हारे घर का पता है फिर पता नहीं चलता ये यहां पर तुमको क्या ~~बात~~ बात जाना है ऐसा लगता है उनको तुम्हारा पता मालूम नहीं है तुम उनको पत्र लिख देना और अपना पता भी लिख देना। उनके ~~[illegible]~~ दोनों ने दिन बच्चा ने जन्म दिया है। यहां पर भी नहीं गये हैं। जगदम्बा ने उनको बहुत बधाई दी।

प्रिय मन्जिता आशा है तुम्हारी चोट ठीक हो गई होगी इंडिया नहीं आना चाहती है अब तुमको चिट्ठी मिली होगी यह वहां पर भेजा जा रहा है। तुमने यह बात अरुणा ने बतलाई थी।

तुमको चश्मा मिल गया होगा। और पसन्द भी आ गया है अबकी बार पोइन्टेड नोकेदार ही भेज दिया है तुमको पहिले वाला भी पसन्द नहीं आया था हमको यह पता नहीं था कि तुमको काले रंग का पसन्द नहीं है। वैसे कोई बात नहीं है यदि तुमको पसन्द ना हो तो निःसंकोच लिख देना इसलिए तुमको जैसा रंग का लिखोगी वैसा ही भेज देंगे। आज कल जैसे तो चश्मा भी पसन्द का ही होना चाहिए। तुम्हारी पढ़ाई व काम ठीक चल रहा होगा तुम्हारे मामा जी का तुमको ढेरों प्यार पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

[illegible]

Dated २६।१०। 1978

श्रीमती चिरंजीवी [illegible] सदैव सौभाग्यवती रहो
तुम्हारा २२ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको कल मिला। तुम्हारे घर का पत्र [illegible] दिल्ली में आया है पढ़कर सब समाचार ज्ञात हुए। हम यहां पर ठीक हैं। तुम किसी भी ख्याल [illegible] से सदैव [illegible] चाहता हूं। [illegible] की शादी [illegible] है और उषा की शादी फरवरी में है अभी शादी की तारीख निश्चय नहीं हुई है। हम दिवाली पर कहीं नहीं जावेंगे। लाला का पत्र आया है कि वह दिवाली पर देहरादून जावेगा और नीरजा का भी पत्र आया है वह २४ ता० को देहली [illegible] से [illegible] आवेगा और दिवाली पर हमारे पास आवेगा। [illegible] बच्चों के [illegible] त्योहार पर [illegible] हो जावेंगे। अकेले में त्योहार [illegible] में [illegible] अच्छा नहीं लगता है। [illegible] तो तुम्हारे [illegible] बच्चों को प्यार करने [illegible] लगे। यहां पर [illegible] में [illegible] और बच्चों [illegible] होता है [illegible] इतना नहीं पर [illegible] में [illegible] होती है। पता नहीं [illegible] का [illegible] है [illegible] पता चलेगा। [illegible] नहीं हुई है और [illegible] मिलते है। [illegible] मिल [illegible]

भी कुछ चैन सी मिले। पता नहीं पप्पू का पाप है या चल
रहा है इसको तो कुछ पता नहीं है। पहले इसको था कि हमेशा-
होने वाले को कुछ ज्यादती होती है। अब अपने आप से ही
पैसा होता है और शादी करने यह बेशर्मी करते हो। गई है
चिन्ता तो क्या। हे भगवान शान्ति सी रहे। अब मेरे पास भी उसका
पत्र आया है। यह २२ ता. को देहरादून से जगदीश दिनेश व
निशा कहे कलकत्ता गये थे वहां पर डाक्टर उसने उनको कमरा
कान दिखलाया था उस कान को बिल्कुल खराब ही होगया
है यह तो ठीक होना बहुत मुश्किल है दूसरे कान में भी
तकलीफ है अब ऐलोपैथिक इलाज से कुछ फायदा नहीं
हुआ तो उसने होम्योपैथिक इलाज शुरू किया है देखो
इस इलाज से भी कुछ फायदा होता है या नहीं
२८ ता. को इन्द्रा जीजी भी मकान में सब ठीक है
गुड्डो को लेने आई है। आज मकान चली गई होगी।
गीता ने लिखे लड़का तो देख रहे हैं लेकिन अभी कहीं का
तय नहीं हुआ है। राजन व सन्ध्या २२ता. को बेबी की
शादी पर आये थे तीन दिन रहे गये हैं। शारदा पाहुने
वहीं पर ही है। बबीर का तो तुम्हारे पास दिवाली
का कागज पहुंच गया है। शशी की लड़की गुड्डी व मुन्ना
दोनों का कागज बना हुआ उसने पहले इसको भी भेजो
दीदिया है पैसे यह कागज शशी ने भेजा दिया है
उन्होंने दिवाली पर रोग का पूजन कर लेगें और
बनाने पर ऐसी दिक्कत दिवाली पर मकान का नहीं

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.................197

हो रही है। तुमने दिमागी फ़िकर खूब अच्छी तरह से
समझा होगा उस दिन के बच्चों की छुट्टी तो होगी ही।
अब लोहड़ी पर तुम्हारी बहुत ही याद आती है।

मामी जी ने तुमको साड़ी के लिये लिखा होगा
उनका कहना और सारे काले वो पिल जाते हैं लेकिन साधारण
मौसी नहीं ले जाने को नहीं इस्तमाल होता है। और इनका
तो किसी काम की ऐसी आवश्यकता भी नहीं है। तुमको
स्वाद पेड़ों के बहुत अब समाप्त हो गये हैं। यदि गोरखपुर
वाला हो और आसानी से ला सके तो भेज देना। पापा तो
कहते हैं कि वहीं उनको पता लिखना। रेलवे स्टेशन पता
होगा। लेकिन भेजते हैं सामान भी अपने साथ वाले नहीं
देते हैं। तब तो और परेशानी होता है। तुमने नाना जी के
पर उनका आता होगा बैठे लेके पत्र भेजा तो के लिये होंगे
कोई दिक्कत नहीं दे गया होगा। तुम अपना ध्यान रखना

शायद तुमको ऊषा से पता चल गया होगा।

रविवार से दो दिन पहिले बनाने में पापा ने दिन में समय
भी बड़ा होना पड़ गया है। और उनके हैं कि इलाज का
बुखार हो गया है। बेटे चिन्ता की बात नहीं।

तुम्हारे बाबूजी का तुमको आशीर्वाद। तुम्हारी मम्मी
समाचार शीघ्र ही देना।

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

प्रिय बेटे सुरेश तुम सदैव प्रसन्न चिरंजीव रहो

तुम्हारा पिता का लिखा हुआ पत्र इधर का मिल गया है। तुम्हारे पत्र से समाचार ज्ञात हुये।

गुड़िया को चश्मा पसन्द भी आ गया है।

तुमने यह अच्छा किया पत्र पर इसको लिख दिया था वहां पर तो बहुत ही रुपये लगते हैं। और किसी चीज की आवश्यकता हो तो लिख देना। चीज तो इतने दाम की नहीं होती है लेकिन क्या करा सब सामान का बेचने में ही यहीं तो आप के ५.०) आ लग गये हैं लेकिन जितने वहां से बेचने पर यहां से बताते बहुत ही सस्ता है तुम्हारा चश्मा ठीक चल रहा होगा। अब तो तुम खूब गाड़ी चला लेते होगे। सुधाकर ने भी स्कूटर खरीदा है ५८००) का लिया है ओढ़िन से लोन लेकर लिया है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रभावती नन्दन

Dated २८।१०।197८

प्रिय बेटे शैल तुमको ढेर लम्बा सा ही प्यार
तुम्हारा १८ता० का लिखा हुआ पत्र हमको कल मिल गया है
तुम्हारे पत्र की रोज ही इन्तजार रहती है लेकिन रोज कैसे
पत्र आवे। मन तो यही करता है कि तुम लोगों के रोज ही
पत्र आते रहें। तेरा पहले को २२ता० को लिखा है उसमें
हमको पटाखे फुलझड़ी छुड़ाने को लिखा है। लेकिन हमारे
बेटे ने तो पत्र में फुलझड़ी व अनार वगैरा सब ही चीजें
छुड़ा दी हैं फिर हमको और छुड़ाने की क्या आवश्यकता है
हम तो इनको देख कर ही बड़े खुश हो रहे हैं।
शायद मधु व नाती दिवाली पर आवेंगे। यदि वह
आगये तो दिवाली पर रौनक हो जावेगी। और फुलझ-
ड़ी भी छुड़ा ही लेंगे बच्चे। शायद कल आ जावेंगे।
तेरी याद तो हम भी हर एक त्योहार पर करते ही रहते हैं
लेकिन सिवाय याद करने के और चारा भी क्या है।
अभी तो तुम्हारे आने में बहुत ही समय है पता नहीं कैसे बीतेगा
यह ईश्वर से यही प्रार्थना है कि सब आनन्द से रहें
समय हंसी खुशी में शीघ्र ही अच्छी तरह से बीत
जाता है।

यहां पर नौकरी के तुमने लिखा है काफी देर पड़ने लगी है यहां पर नौकरी बिल्कुल नहीं है, क्या बात है इस नौकरी बाबत यूं ही लिखे है। शायद दिवाली बाद पक्का लेदेंगे। तुम्हारा पलंग ठीक चल रहा होगा।

योगेश काम रहता है उसने तुमको पत्र लिखा था और अपना पता भी लिखा है। और दिवाली पे उसने तुमको कार्ड भी भेजा है। इसलिये दोनों भी ओर से तुम सबको भी दिवाली की शुभकामनाये।

तुम अपना ध्यान रखना। तुमने यहां पर और अपना कोट बनाया है या नहीं या यहां से जो ले गये थे वही पहन रहे हो।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी मम्माजी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 29.10.1978

प्यारी प्रिया। खुश रहो।

तुम्हारा पत्र मिला तो है।

मुझे मालूम नहीं था तुम

black frame नहीं पसन्द करती

हो। मैं उन को ... हिन्दी

के letter मालूम न हुआ था

कि black नहीं लगाऊँगा।

देखा तो थोड़ा दिल में आराम

मिला है और तुम्हारा कल

मैं तुमको। मैं ठीक नहीं।

आशा था मैं ठीक पहुँचे

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ..12..1978

पर मैं खेद है कुछ रखो
मैं जा कर पसन्द कर लूंगा।
पुराने पत्र भी एक कनस्तर में
बाहर जीना पर हो गया था। बहुत
पुराना पड़ा था कब तक
रखता। पुस्तकें मैं ने यह
बहुत कापियाँ है पर यह २०
मील पहले का पड़ा था १९५२
का मामला था वापस भी
नहीं करना चाहता था।
झगड़ा लगड़ा। जंगलों को
मांग कर ही ~~[illegible]~~ पर छोड़
रहा हूं। तुम को प्यार हूं

शायद

तुम्हारे बाबा
[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 29 : 10 : 1978

My dear Sushil

Your letter of 19.10.78 was received yesterday. I am surprised to know that letters of 6th, 7th & 11th October were received there in one bag.

You have not yet informed me whether you had received the Awas Vikas letter of 16th August. This was for taking possession of the plot within a month of the letter.

I don't know if India has discarded the Speedsam they wear in a black frame. I shall send another if she does not like this one.

With love

Yours affly

DRGupta

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ३१ . १२ . 197८

प्रिय चिड़िया सप्रेम स्नेह सौभाग्यवती रहो।

गुड़िया शैल ने पत्र लिखा तो तेरे समाचार ज्ञात हुए।

तुमने भी दिवाली मनाई होगी। पता नहीं दिवाली पर भी कुशल से गुड़िया शैल की [illegible] होगी या नहीं यह तो दिवाली पूजन का सामान भेजा था उसी से हवन कर पूजा करली होगी। उस सामान को डाक द्वारा [illegible] भेजने [illegible] भेजा तो होंगे फिर भी पता नहीं पहुँचा भी नहीं क्योंकि पार्सल तो पहुँचा नहीं था। वैसे भी शायद [illegible] गुड्डी ने दिवाली पूजन का सामान बना कर उनको दे दिया था वैसे यह सामान शीशे में गढ़वा लिया है उसी से हवन कर पूजा करली थी अब तो हर साल इसी से हवन कर पूजा कर लिया करेंगे। [illegible] रिवाज पर [illegible] की हिम्मत नहीं हुई है। [illegible] बहुत ही [illegible] आयी थी। दिवाली पर तुम सबों की बहुत ही याद आती रही। वैसे [illegible] को नौकर आ गया था उनके साथ पूजा करके मैं [illegible] नौकर [illegible] तो चला गया है।

दिवाली का प्रसाद [illegible] का पूजा। [illegible] नरेन्द्र उनको दे गये थे। चावल बताशे व २४) [illegible] थे

विचार इतना जानते हैं। बहुत ही खुशी हुई। इनको भी
दिवाली के पहिले दिये पास सारी भी। अब तक भी
बात से देर हो जाती है तो इन्हें याद करते रहते हैं
देखे भी गोपाल के यहां की दिवाली के नवनीत
देख ही थी। इन्द्र भी यह तो दिवाली तक नहीं
रहे थी शायद अब आ गये हो। यहां पर जोर
ज्यादा दिन गये होंगे। दिवाली पर दिवाली थोरा
मैं बच्चों को याद करते रहे। सुशील तो जब
रात को कोलिज से आता था तो टिकट देखता
रहता था। अब तो पता नहीं कब फिर दिन
तब आयेंगे अभी तो काफी दिन पड़े हैं।

तुम्हारी तबियत ठीक होगी।

नरेन्द्र बतला रहे थे कि ~~तीनों नैहरे~~
दोनों चावल आ गये हैं।

हमारे यहां विमला का यहां के प्रकाश की
शादी का कार्ड आया है ६ दिसम्बर १९७८ को
शादी है लिखा है रविवार जाना। उन्होंने हमको
भी लिखा है बहुत ही खुशी है। तुम्हारे पास भी यह
शादी का आ गया होगा। इनको भी पत्र लिखेंगी।

शेष सुशील को हमारा आशीर्वाद। तुम्हारे
बाबूजी को आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ५।११।197८

प्रिय दिदिया गुडिया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तारीख २८ के बाद तुम्हारे हाथ का लिखा हुआ पत्र हमको २ ता को मिला। समाचार ज्ञात हुए।

मोहन देहली अपने किसी काम से आया था वह ३० ता को शाम को हमारे पास भी आया था। और २ ता को देहली चला गया है। उसके सामने ही २ ता को तुम्हारा पत्र मिला और उसने भी तुम्हारा पत्र पढ़ा। अभी उसको नौकरी नहीं मिली है वैसे कोशिश कर रहा है। इसके आने पर दिवाली पूजन पर बड़ा अच्छा सा लगा पूजन के समय एक बच्चा [illegible] उस बच्चे को भी याद करता रहा। शायद ~~[illegible]~~ २-३ दिन के [illegible] चला जायेगा। तुम गलती समझ गई हो तुम्हारी के पैर में नहीं चोट लगी है। बायें हाथ में गड्ढे में गिर कर लग कर हड्डी टूट गई है प्लास्टर चढ़ा हुआ है। वैसे सब कामों में एक का हाथ से काम में परेशानी तो होती ही है डेढ़ महीने में प्लास्टर खुलेगा तब हड्डी ठीक जुड़ जावे

तुम्हारे बहुत अच्छे नम्बर आये हैं। १५० में से १४४ बहुत ही खुशी हुई। अभी तुमने यह निश्चय नहीं किया है क्या चीज ले रही हो। जो तुम ठीक समझो और तौर साथ में ही होजाय वही लेना। और कोई जिस चीज के लेने में तुमको सहूलियत हो।

यहाँ पर तो अभी से ठंड आ गई है यहाँ पर तो अभी से स्वेटर कोट नहीं पहना जाता है। यहाँ पर जाड़ा भी बहुत होता है और गर्मी भी। तुमको चरखा पसन्द भी आ गया है और ठीक भी है। शायद जल्द खराब होने से तुमको पसन्द नहीं होगा। अब तुम बराबर कातती रहना तभी भारत भी बढ़ेगा शुरू रहे तो तुमको [illegible] लगाने में आराम सा ही लगेगा।

कोई अक्सर जो पत्र तुम्हारे पास आया है या नहीं पता नहीं उसको आगे भेजा है।

मैंने उषा से पत्र के लिये कह दिया था।

सबसे [illegible] भी योगेश के पास यहीं पर है मैंने उसको देने के लिये लिखा था लेकिन अभी तो उत्तर नहीं है अब इसका मकान [illegible] मकान से ज्यादा दूर हो गया है।

दिवाली पर तुम सबकी भी बहुत ही याद आती रही। तुम्हारे पहाड़ के नज़ारे से सफ़र बहुत अच्छा लगता है फिर कोई बात नहीं है शौक सुशील लोगों से तरीका तो सीख ही जाती है।

समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभकांक्षी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

[illegible]
[illegible]

Dated ५।११। 197८

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार
तुम्हारा पत्र इतवार को मिला। समाचार
ज्ञात हुए। यहां पर इतवार को नीता आ गया था उसके
आने से दिवाली पूजा करने में बड़ा अच्छा लगा
मैंने नीता से बहुत कहा कि फुलझड़ी वगैरा छुड़ाने के
लिये [illegible] बाजार से लेना लेकिन उसकी आदत तो
पहले जाने की नहीं हुई कि ये मेला क्या हो जायेगा
मोमबत्ती दिये वगैरा तो जला ही दिये थे। लेकिन
उसने तो अपने लिये बहुत सारे दीपक व फुलझड़ी जला
कर देखा है अपने तो जलाकर भी इतनी खुशी नहीं होती
जितनी कि घर में तुम्हारी चली ६२ होटल पर हुआ
हुई है और ४२ ने भी भी। उसने तो यहीं पर मेरे
हुए भी हमारा इतना ध्यान रखा। ईश्वर करे तुम्हारा बहुत
ही ध्यान रखे हो। नीता इतवार को चला गया है। उसके
जाने से ही तुम्हारा पत्र आया था। मेरा ध्यान पढ़ने की
आदत से दोनों तुम्हारे बालकों अपने ही मेरा साथ थे
यहां पर तुम्हारी दिवाली ने तो रही मेरे पास तो
अपने तुम सबको भी याद ही आती रही। तुम्हारे [illegible]

ने स्कूल की जमा किये हैं और वह याद करते हैं
जितनी कोशिश करते तुम्हारी याद आती रही।
यह जानकर प्रसन्नता हुई कि गुड़िया को चश्मा
पसन्द आ गया है और उससे ठीक दिखाई देता है।
लेकिन गुड़िया ने अपने लेटर में कुछ नहीं लिखा है
पता नहीं उसको पसन्द भी आया होगा। तुमने मोहनलाल जी का
शादी की क्या उस दिन की गप सप तो खुशी होगी।
तुमने यह अच्छा किया रंगीन कागज़ पसन्द किया
था। और गोबर की जगह पेन्सिल से बना लिया वहां पर तो
सब बोतल पर ही करने पड़ते हैं क्योंकि वहां पर तो इन
चीज़ों की छुट्टी नहीं होती होगी। अब तो दिन पर दिन
सजावट होती होगी। यहां पर भानुबेन ने बाग मुख पर
फूल पौधे की सजावट करी थी हम लोगों ने नहीं है क्योंकि तुम्हारा
बाबा जी तो नहीं आते ही नहीं है। कहते हैं कि इतनी लागत
की मौज की नौकरी से भी ज्यादा स्कूल जाकर काम कर
कर रही थी। मेरा याद तो इतना भी करते रहते हैं। लेकिन अपने
मेरा दिन भी तुम गिनते रहते हो। पता नहीं यह दिन कब तक
पूरे होंगे वह ईश्वर से यही प्रार्थना है कि सब आराम से रहें।
यहां पर तो अभी स्वेटर नहीं पहने जाते हैं। वहां पर तो अभी से ही
गरम कपड़े आते हैं। तुम्हारे और टेस्ट हुए होंगे ठीक हो गये होंगे
पढ़ाई से खाना तो अब ही पता आता है बाबा की तबियत ख्याल
ही रखना ही है यहां दिल्ली से पढ़ाई दिनों के पहले था
गुड्डू ने हाथ में प्लास्टर चढ़ा हुआ है अभी तो डेढ़ महीना और
यह प्लास्टर खुलने पर पता चलेगा। तुम्हारे बाबा की
माखन वगैरह याद कर रहे हैं। मैं तो ठीक ही हूं। पत्र का
जवाब शीघ्र ही देना। कुसुम की तबियत ठीक है

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 5 : 11 ... 1978

My dear Subhash
You have not informed me if Gudico would like the frame & the specks sent by me. I am inclined to get another prepared if she has not liked the one sent.
You have not also informed me if you had received the Awas Vikas letter sent by me

long ago. That was an important letter and you had to take some steps in that matter.

With love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 15. 11 1978

चि० सुशीला। [illegible]।

तुम्हारा letter 20.10.78
का मिला। तुम ने [illegible]
को कुछ नहीं लिखा है
इस से मालूम होता है वह
तुम को काम frame की
वजह से पसन्द नहीं होगा।
अगर यह बात है तो मैं दूसरा
बनवाकर भेजूँगा। तुम्हारे
लिखने का इन्तजार करूँगा

मुझे था।

यहां हमारे मकान में
नीचे जो Saxena रहते
हैं उन्होंने अपना T.V.
लगवाया है। यहां तो
करीब करीब सब के ही घरों में
T.V. लगा गया है।

तुम को अपना Computer Science
में change करवाना
चाहिये यहां तो इस की
बहुत ही मांग है

तुम्हारा बाबा
D. Rai

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रिय बिटिया गुड़िया २० तारीख को तुम्हारा
जन्मदिन है हम सब की ओर से तुमको
जन्मदिन की शुभ कामनायें। ईश्वर से तुमको सब कुछ शुभ है।

Dated 23.12.1972

प्रिय बिटिया तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

काफी दिनों से तुम्हारे हाथ का लिखा हुआ पत्र नहीं
आया है तुमको अब समय भी नहीं मिलता है वैसे [illegible] तो
[illegible] के पत्रों से मिल ही जाती है। [illegible]
[illegible] थी। [illegible]
[illegible] बड़ा अच्छा लगने लगा है। और [illegible]
[illegible] है सब [illegible] है। और [illegible] पैर भी [illegible]
[illegible] है। कहती थी कि [illegible] भी [illegible]

[illegible] पर यहाँ पर [illegible]
यहाँ से चला गया था और [illegible] को [illegible] चला गया है
[illegible] यहीं पर [illegible] नहीं [illegible] है। [illegible] का हाथ
[illegible] है और [illegible] को [illegible] हुआ है।
[illegible] उतरने पर पता चलेगा हड्डी [illegible] गई है।

[illegible] में ही है। [illegible] मिला था [illegible]
कहता था कि गुड़िया को [illegible] में उसका [illegible]
तो [illegible] नहीं है [illegible] हूँ। [illegible] उसका पता [illegible] है
[illegible] से पता पूछकर [illegible] पत्र लिख देना
[illegible] कह रहा था कि गुड़िया नाराज हो रही

होगी कि मेरे पत्र का उत्तर नहीं दिया है। सुनते हैं
कि पप्पू के ससुर का तबादला नजीबाबाद का हो
गया है। पता नहीं यह समस्या कैसे हल होगा बहुत ही
चिन्ता होती है।

वैसे तुम्हारे चश्मा तो ठीक लग गया है लेकिन यह
जान कर दुख हुआ कि तुमको काले फ्रेम का चश्मा बिल्कुल भी
पसन्द नहीं है तुमने किसी से भी यह लिखा कहीं
कि गुड़िया को काले फ्रेम का पसन्द नहीं है नहीं तो हम
ब्राउन रंग का ही भेज देते खुद के मन से ही लगाती
होगी यदि [illegible] काला होगा तो हम तुमको ब्राउन
रंग का भेज देंगे। यह लिखो तो जरूर भेज दें।

बिटिया को तुमने इतना अपनी नौकरी के समय
भेजे थे हमने उन सपनों के [illegible] स्टेशन के पेंग
किये हैं। जो भी उन में चाहे पावे हैं यह बात का बड़े
खुश होते हैं कि गुड़िया ने भेजे हुए सपनों के हैं।

तुम्हारी पढ़ाई के बाद ठीक सब रहा होगा
तुमको बहुत ही चिन्ता रहती हो देखने को मन करता है
कि चश्मा लगा कर हमारी बिटिया कैसी लगती है।

अच्छा [illegible] यदि समय मिले तो लिख देना
तुम्हारे बाबाजी ठीक हैं।

तुम्हारी मम्मीजी

तुमने अपने 18 जन्म दिन पर क्या बनाया
था हम तो यहीं पर याद करते रहेंगे। [illegible]

प्रकाश वती

(पप्पू) अनुपमा को यहां पर आने को पत्र लिखना क्योंकि वह अब अलग
मकान ले ली है। यहां पर आने में बिल्कुल भी शर्म होती है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २५-११-१९७८

प्रिय चिरंजीवा सुपुत्री सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा व सुशील का २ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको २२ ता० को मिल गया है। तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए हैं। याद तो हमको व सुधा को आती ही है और बच्चे भी सब याद रहे हम भी दोनों [illegible] को भी बातें याद करके खुश होते रहते हैं। वैसे तो इतनी जल्दी अमरीका पर भी कहां किसी से मिलना होता है जब तुम लोग गये थे तो और बात थी। बस अब यह सन्तोष सा रहता है कि अब पत्र होगा मिल जायेंगे और तुम लोगों से मिलना असम्भव है। बस ईश्वर से यही प्रार्थना है कि यह दो वर्ष भी ठीक से बीत जायें। वहां पर तुम सब ठीक रहो और यहां पर हम सब।

कल फिर पढ़ना है विमला का पत्र हमको शादी में बुलाने का आया है। उनके भी शादी दिसम्बर में है हमारे पास यह शादी में बुलाने का इकला पत्र आया है तुम्हारे पास भी पत्र आया होगा यह विमल बिहारी का [illegible] है वहां तो सास [illegible] पूछता है [illegible] पत्र [illegible] का अब इस पत्र को भेज देंगी। इन्द्रा को कई दिन पहिले आदेश को जाता यदि तुम यहां पर होती तो जाती ही।

वहां पर तो यहां के त्योहारों का कुछ भी नहीं होता है। [illegible] मिलता है त्योहार का वैसे ही ठीक है। तुम को तो अपने पत्र में [illegible] पता चलता होगा कल गंगा स्नान [illegible] दीपावली भी अपने भी [illegible]

रहा होगा। तुमको याद है कि तुमने १२ बजे खाना
खाया पर अच्छा किया चाय के साथ कुछ ले लिया था
वैसे भी चाय के साथ लेने के लिये थे तुमको यही [illegible]
था पता नहीं कहानी भी लोगों को याद होगी या नहीं लेकिन
तुम्हारे पत्र से ज्ञात हुआ तुमने कहानी कही थी। लेकिन याद
तुम्हारी बातों पर आती ही रहती है। वैसे तो दिवाली पर
दिवाली पूजन का कागज भेजा था उसी को देख कर
पूजा कर लेते तुमने लिखा है कि गुड़िया शौक से
खाली बनवाऊंगी। और तुमने यदि खाली बनवा कर पूजा
नहीं होगी तो और भी अच्छा रहा। यहां पर दिवाली पर दो
दिन को नौकर आ गया था इसलिये हमारा दिवाली पर इतना कुछ
नहीं लगा। अब हमारे घर में भी नीचे सक्सेना के रोगी
लग गया है। अब शौक देखा है अब तो बदला नहीं है
इलाहाबाद से रहा है क्या। अबकी बार उसने पत्र नहीं लिखा है
पत्र बड़े अच्छी तरह से लिखता है। दिवाली का पत्र आया था
खूब सारे रुपये ले कुछ खड़ी बना रखी थी। हम लोगों को पैसे
बच्चे कितना ध्यान रखते हैं। हम भी यही चाहते हैं कि सब
तक बच्चे ठाठ हम भी ठीक ही रहें। वहां [illegible] के बच्चे
आने लगी है यहां पर तो अब सरदी शुरू हुई है [illegible]
[illegible] [illegible] हल्का सा बुखार न [illegible] नहीं लगती थी
लेकिन अब मैं दो दिन से बिल्कुल ठीक हूं। [illegible] भी
लगने लगी है। तुम अपना ध्यान रखना। तुम्हारे बाबूजी का
तुमको आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २५।११। 197८

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा यह पत्र हमको मिला था जिसमें तुमने दिवाली की फुलझड़ियां बाहर बनाई थी। उसके बाद में कुशल का पत्र आया और रजनी को कुशल व सरोज का पत्र मिला लेकिन तुम्हारा पत्र नहीं आया। वैसे तो कोई बात नहीं है तुमको लिखने का समय नहीं मिला होगा लेकिन तुम्हारे बाबा जी रोने की अपनी आदत है यही कहने लगते हैं जरूर शैल की तबियत ठीक नहीं है जो उसने पत्र नहीं लिखा है। तब मैं उनको समझाती हूं कि वैसे ही उसने पत्र नहीं लिखा होगा यदि कुछ खराब होता तो सरोज जरूर लिखते। तुमने दिवाली कैसी मनाई है मोमबत्ती जलाई थी क्या यहां पर तो रोशनी देखकर के जाता दिवाली पर अच्छा लगा। हमने दिवाली के बाद में तुमको पत्र लिखा है मिल गया होगा।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी तुमने अपना विद्यालय के टेस्ट सारे बताए थे ठीक आये होंगे और तुम ठीक होंगे। यहां पर योगेश आता रहता है वह कहता था कि बहुत दिनों से शैल का कोई पत्र

नहीं आया है।

यहां पर तो अभी से जाड़ा पड़ना शुरू हो गया है और बड़े भी गलने लगे हैं यहां पर तो जब स्वेटर पहनने शुरू करे हैं अभी धूप दें तो बैठा नहीं जाता है। तुम अपने जाड़े का ध्यान रखना कपड़े थोड़ा देख पहना करो।

मेरा पत्र का उत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

पत्र तो पीछे इतवार को दिया [illegible] दोनों काम को हम लिख दिये थे [illegible] लिखवा चुके थे। इससे इतवार को मैं देखने नहीं गई थी।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 15.11.1978

बेटी गुड़िया। सदा खुश रहो।

२१.११.७८ को तुम्हारा Birthday है। मैं तो यहां से ही तुमको good wishes लिख रहा हूँ। [illegible] इस ही ने लिखी है। तुम्हारा हाल Sushil और सरोज के letters से मालूम होता रहा है। तुम को time कम मिल रहा है। कोई letters की बात नहीं है हाल तो मालूम हो जाता रहा है।

तुम्हारा चश्मा केवल तुम को ही खास पसन्द नहीं।

पूरा हो गया। वैसे मैं कुछ
दिन बाद दूसरा कमरा
ले लूंगा। पर मेरी कुछ
तबियत ठीक नहीं है।
कमज़ोरी थोड़ी दूर जा ही
रही है और कहीं नहीं
जा रहा हूं। पर कुछ
ठीक ही है तुम को
कोई चिन्ता नहीं होनी
चाहिये

तुम्हारा बापू

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 19.11.1978

बेटी गुड़िया। खुश रहो

कुछ दिन हुवे Alka और

उस की माँ हमारे पास आई

थीं बताती थी तुम को

Time बहुत कम मिल

रहा है। Study और

University का काम और

आने जाने में काफी देर

लग जाती है। रात को भी

तुम को University का काम

रहता होगा पढ़ पढ़ा।

तुम्हारी आंख को कोई

यह हाल किसी ने नहीं
लिखा है। इस लेकिन
यहीं है। मैं ने दवा भेजी
थी पता नहीं तुम्हें मिली
या नहीं। तुम्हारी पांव
का घाव का हाल मिल
तो जैसा हो वैद्य और दवा
का इन्तजाम करेगा।
तुम्हारी प्रशंसा युवकों के
है। वैद्य ही काम में शायद
उनका लिखने का time
नहीं मिला है।

तुम्हारा बाबा
धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

**152, VIJAY NAGAR,
MEERUT**

Dated 19-11-1978

प्रिय [illegible]

कल योगेश आया था
बता रहा था तुम्हारा letter
उस को मिला है। एक तो
वहां ठंड बहुत हो गयी
होगी। दूसरा ख्याल रखना
तन पहले ही बहुत ही
कमजोर हो रहा है। कमजोरी
में थोड़ी भी काम में ठंड
लग जाती है तो नुकसान
करती है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL.
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ...-...-197...

तुम्हारे स्कूल में आजकल छुट्टियाँ
हैं। काकी परेशानी का काम
है। वो house बदलना पड़ेगी
है और आजकल सरदी
मौसम खराब रहता है और
उस समय ही तुमको जाना
पड़ता है। यहां पर धूप नहीं
ठंड है तो पर ज्यादा नहीं
है। दिन में धूप में
अच्छी नहीं लग रही है।

तुम्हारा [illegible]
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 22.11. 1978

प्रिय प्रिया श्रेया तुमको हमारा बहुत प्यार

मैंने तुमको पत्र लिखा है मिल गया होगा।
अभी मिनल के तुम्हारा व शैल का कोई पत्र नहीं आया
है। और सेले सुशील के पत्र से समाचार मिल जाते हैं

हम यहां पर ठीक हैं। तुम सबको भी भगवान
इच्छा से सदैव भली चाहते हैं। कल मधुरपुर के
उसकी बहन आई थी। बिचारी बहुत घबरा जाती है
मधुपा बताती थी कि मैंने श्रेया को उसके जन्म दिन
का कार्ड भेजा है शायद तुमको उसका कार्ड व हमारा पत्र
तुम्हारे जन्म दिन के शुभकामनाओं का ठीक समय पर
पहुंच जावेगा। २७ नवम्बर को तुम्हारा जन्म दिन है
हम तो यहां पर याद करते रहेंगे। तुमने वहां पर अपने
जन्म दिन पर क्या करना का सोचा है। बहुत सारी
तो यहां से तुम्हारे जन्म दिन की शुभ कामनाएं हैं

ऊषा ने भी तुमको पत्र लिखा है। मैंने तुमको
पिछले पत्र में भी लिखा था मकान यहां पर अभी
भी मकान के मुताबिक ठीक हैं छोटी बड़ी जायदाद लेती
लगती है।

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

तुम्हारी पढ़ाई के बाद ठीक चल रहा होगा
अब तो वहाँ पर खूब जाड़ा पड़ने लगा होगा जब
बाहर जाया करो तो खूब सारे कपड़े पहन कर जाया
करो खाना खाने का बहुत ही ध्यान रखना।

सोना ठीक होगी वह घर पर क्या करती
रहती है। बिटिया तुम्हारे बिना रहना बड़ा मुश्किल
लगता है बहुत ही बुरा दिन लगता है यही समय तुम्हारे
साथ में पता भी नहीं चलता था। अब सोना का पत्र
न उसकी फोटो हमारे पास आई थी न ही लिखता रहा
है गुड़िया का भी पत्र मेरे पास आया है
उसने कहीं अभी नौकरी नहीं मिली है इसलिए
बड़ा परेशान सा है।

प्रिय सुशील व सोना को हमारा आशीर्वाद
समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २२।११।197८

प्रिय बेटे शैल ढेरों हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा एक पत्र १८ नवम्बर का लिखा हुआ हमारे पास २ दिसम्बर को आया था जिस पत्र में तुमने दिवाली के दिन से फुलझड़ी जला रही थी। इस पत्र के बाद से तुम्हारा हाथ का लिखा हुआ कोई भी पत्र नहीं आया है। तुम्हारा पत्र न आने से बड़ी चिन्ता लगी है तुम तो कभी भी पत्र लिखने में इतनी देर नहीं करते थे। तुम्हारे नानाजी तुम्हारी ओर से बहुत ही चिन्तित हैं गुड़िया तो बिचारी [illegible] के कारण से नहीं लिख पाती थी वैसे तो लोकेश व सुशील के पत्र तो तीन चार आ चुके हैं वह भी लिखते हैं कि गुड़िया शैल ठीक है क्या तुमने पढ़ाई के कारण से समय नहीं मिला है या पत्र न लिखने का कोई कारण है। पत्र शीघ्र ही लिखना [illegible] करो। और अब जाड़े आ गये हैं। स्वेटर कपड़े पहन कर स्कूल जाया करना। तुम्हारे डैडी कोटा हुए थे तेरे मिलने। तुम्हारी पढ़ाई भी ज्यादा ही करनी पड़ती होगी क्योंकि आजकल सभी को पढ़ाई करनी पड़ रही है।

को, तुम्हें गुप्ता जी पढ़ाते थे वह यहाँ पर पहले से
चले आये थे। उनसे तुम्हारे बाबाजी ने स्कूल
ट्यूशन के बयान के बारे में कुछ बतलाया था
वह बात करते जाते थे।

सरोज की तबियत ठीक होगी। मैंने
सरोज को पत्र लिखा था उसको मिल गया होगा।

यहाँ पर सब तरह ठीक है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ~~22~~ 26 . 11 . 1978

बेटी शैलू, ढेर सा स्नेह।

बहुत दिन से तुम्हारा कोई letter नहीं मिला। क्या तुम ठीक हो? मुझे तो चिन्ता है। एक महीने से तुम नहीं लिख सके कुछ तो कारण है। अगर time नहीं मिला तो ठीक है पर एक महीने time नहीं मिला यकीन नहीं पड़ता। कैसी हो तुम बेटा? तुम्हारी मम्मी ने लिखा था तुम को school वालों ने भी कहा डाक्टर को दिखाने को। पर किसी ने

मैं ठीक नहीं साधारण
डाक्टरों ने क्या बताया है।
तुम लोग दूर हो मुझे कोई
कहीं से खबर नहीं मिल
रही तुम लोगों की।

तुम्हारा बाबा
धनपत

पूज्य [illegible]
पूज्यनीय पिताजी

२६।११।१९७८

प्रिय [illegible]

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा दिवाली का पत्र आया था जिसमें दिवाली के
दिन बीमार रहते हुवे थे। इसके बाद से तुम्हारा हाथ का कोई
भी पत्र नहीं आया है। तुम तो पत्र लिखने में कभी भी देरी
नहीं करते थे। अब पता नहीं क्या बात हो गई है। तुम्हारे बाबाजी
तो कहते ही बेकार हैं मैं इनको समझाती हूँ तो कहते हैं कि
जरूर कोई बात है इसको लिख नहीं रहे हैं और पत्र नहीं लिख
रहे हैं। आशा है कि तुम सब वहां पर ठीक होंगे। अब से
इतनी देर पत्र लिखने में कभी मत करना। हमारी तुम से बहुत
यही प्रार्थना है। अब तो केवल पत्रों का ही सहारा रह गया है
पत्र आ जाता है। तो बड़ी शान्ती सी हो जाती है। पत्रोत्तर लौटन देना।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 22.11.1978

बेटी गुड़िया । कृ॰ श्री [illegible] । 26

आज कल शायद तुम को Store और University के काम से time नहीं मिल रहा। कल अनुपमा आई थी वह भी कह रही थी बहुत दिनों से तुम्हारा कोई letter उस को भी नहीं मिला है। तुम्हारी eyes का हाल भी किसी ने नहीं लिखा। मैं ने दवा भेजी थी। पता नहीं वह कोई या कुछ

और ८ बजादु खाना।
एक बजे ठंड बहुत
होगी। तुमको ज्यादा टहलना
होगा। रात को १२ से ३ बजे
से घूमना पड़ेगा। वहाँ तो Snow
पड़ने लगा होगा।

तुम्हारा बाबा
[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25.12. 1978

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा 13.12.78 का letter मिला। Christmas और New year के flag तो बहुत अच्छे बने हैं। यह art तो बहुत अच्छा है। अगर वहां कोई सिखाने वाला हो तो अच्छे Artist बन सकोगे। आज कल Christmas की छुट्टियां हैं अब 1.1.79 को कचहरी खुलेगी।

तुम्हारे लिए सर की खुश्की की दवाई भेज रहा हूं। चार गोली पांच दिन खाना है। सर को

खुश्की में तेल से ठीक नहीं होगा।

3.1.79 को तुम्हें last day है

इस के लिए मैं यहां से ही

शुभाशीर्वाद लिखकर भेज रहा हूं।

तुम्हारा मम्मी का पत्र मेरे

पास आ रखा है। उन ने

लिखा है Air Mail से

न भेजूं इस लिए मैं नहीं

भेज रहा था। कुछ दिन कोई

जाने वाला न मिला तो फिर

Air Mail से ही भेज रहा हूं।

तुम्हारा बाबा

धनपत

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २८/११/197८

प्रिय चिरंजीव सुशील तथा सौभाग्यवती प्रेम

मैंने तुमको पत्र लिखा था मिल गया होगा

पत्र के सिलसिले में लिखा है [illegible] की शादी है

जिसमें हमारे बुलाने के तीन पत्र आ चुके हैं। निर्मला

[illegible] ध्यान रखती है मैंने उसके पत्र का उत्तर भी

दे दिया था लेकिन अब फिर पत्र आया है और

लिखा है कि तैयारी करिये। तुम्हारे पास भी निर्मला की

शादी का पत्र गया होगा तुम यहाँ पर होते तो अच्छा

होता। बहुत सी शादियां तुम्हारे पीछे हो जायेंगी।

तुम्हारी बहुत ही याद आती रहती है इसलिए

से मेरी तबियत कुछ ठीक नहीं चल रही है पीलिया का

बुखार आया था अब [illegible] [illegible] नहीं लगाते हैं

शरीर में कमजोरी सी रहती है।

तुमने यह अच्छा किया भाभी जी के लिए

साड़ी भेजी है सुशील ने लिखा है कि [illegible]

देहली भेजेंगी बस उनके पसन्द आ जाये। तुम्हारी

बहुत इच्छा थी कि तुमने उनका इतना ध्यान रखा है

तुम्हारी तबियत ठीक होगी। सुशील [illegible]

गुड़िया तो फिर पत्र लिखेगी। इस हफ्ते जरा बारिश
बंद तो होने से ७ दिन अब खिलने में शान्ति
सी लग रही है।

यहाँ पर सब आनन्द चैन हैं।

आज तो देखा इन में प्रताप की जो कि चन्द्र
गुप्त जग को लिखाई है। १८ वर्ष को चन्द्र गुप्त
की शादी देख होकर पूरी हो गई है आज अनन्तलक
के पत्नी में वे ५ लड़कियाँ छोड़ी हैं लड़का कोई
नहीं है अभी दो लड़कियों की शादी करनी बाकी
रहा भोग लीं हुई हैं बड़ा उल्टा हुआ है।

तुम अपना सब ध्यान करते रहना हो।

प्रिय गुड़िया शेखु को हमारा आशीर्वाद। प्रिय
मुनाल को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २६।१२।1978

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

बहुत ही इन्तजार के बाद में तुम्हारा पत्र २७ नवम्बर को मिला है बस तुम्हारा एक पत्र दिवाली के पहिले १७ ता० को मिला हम यहां पर २ ता० को आया था इसके बाद में तुमने कोई पत्र नहीं लिखा था। तुम्हारे इस पत्र को देख कर बहुत ही चिन्ता दूर हुई कि तुम सब वहां पर ठीक हो। तुम्हारे बाबा जी तो रोती सी इतनी परेशान हैं बहुत ही ज्यादह परेशान रहे थे। बस यही कहते रहते थे कि शैल ने इसी लिये पत्र नहीं लिखा है उसको या और किसी को तकलीफ सताता है। वैसे बीच में कुशल क्षेम के टेलीफोन से भी पत्र आये हैं। लेकिन इनको कैसे समझावें। कभी ये बात पूछते थे तो कभी ना बोलते से निराश हो जाते थे। चिन्ता तो मुझको भी थी लेकिन इनको बताके मैं भी परेशान हो जाऊं तो कैसे आप बच्चे के समझाती कि वहां पर सब लोग बिल्कुल ठीक हैं शैल के पत्र तो आते ही रहते हैं शैल ने वैसे ही नहीं लिखा होगा। जब २७ ता० को तुम्हारा पत्र आया तो सबने पूछा कि क्या पत्र आया मैंने कहा कि शैल का भी पत्र है पर जब देंगे जब मिठाई लिवाओगे तो उन्होंने १०) दिये और तुम्हारा पत्र पढ़ कर तब इनकी चिन्ता दूर हुई। लेकिन बेटा तुम सब से पत्र लिखने में इतनी देर मत करना बाबा बाबीजी को जल्दी जवाब दिलेगा। चिन्ता तो तुमको भी लेकिन मैं फिर भी हिम्मत रखती हूँ। बस ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सब वहां पर ठीक रहो।

तुम्हारे पास पता नहीं वह आने का कागज कैसे चला गया। उन
दिन बच्चों ने होमगार्ड में आने का दिये थे मैंने गन्दी र
द्दी कागज पर इतवार लिखे थे और [illegible] [illegible] में पद
दिमाग बहुत रखते हैं उसी में वह कागज रख दिया था
सब तुम्हारे नाना जी ने यह सोचा होगा कि यह बढ़िया ने लिखे
लिखा है इन्होंने भेज दिया। मैं यहाँ पर उस कागज को
ढूंढती रही सोचा कि इन्होंने नहीं गिरा दिया होगा अब
तुम्हारे पत्र से पता चला कि वह तुम्हारे पास पहुंच गया है

इसने तो दिवाली पर घर पर कुछ नहीं बनाया था सब पूजा के
लिये यह बाजार से मिठाई ले आये थे फिर तो दूसरे दिन
बहुत जगह से मिठाई आ गई थी जो कि अब तो [illegible] है
यह अच्छा नहीं लगेगा कि रसगुल्ले के डिब्बे बहुत आये थे
वहाँ पर [illegible] दिन ज्यादा होगा। मैं सोचती तो तुम्हारे जाने के
बहुत दिन हो गये हैं सब दिन ही गिनते रहे [illegible] [illegible]
अभी तो वह [illegible] का दिन भी आयेगा ही।

तुम अब लड़के हो गये हो पैन्ट कमीज तो हो ही गई होगी
वहाँ पर सिली हुई अच्छी मिल जाती होगी। अब तो नीकर
बहुत भी छोटी हो गई होगी। तुम्हारे नाना जी ने पैर की जगह
के ऑपरेशन से अपना नाम कटवा दिया है वैसे आने से तो फायदा ही
था [illegible] [illegible] जगह से अब नहीं आते हैं। यह आराम
[illegible] है [illegible] [illegible] [illegible] ने [illegible] से [illegible] [illegible] है
इसको भी [illegible] पड़ेगा। अब तो [illegible] [illegible] लिया होगा।

मेरा तुम अपना ध्यान रखना। और पत्र जल्दी [illegible]
रहो करना। पत्र का उत्तर जल्दी ही देना।

तुम्हारी अम्मा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 29.11.1978

बेटी गुड़िया। खुश रहो।

आज कल यहाँ बहुत
ठण्ड होगी। तुम्हारे लन्दन प्रान्त
में तो परेशानी होगी। पर
क्या करें। यहाँ मैं कुछ
भी मदद नहीं कर सकता हूँ।
जब तुम लोगों को ठण्ड
नहीं लगती बड़ी परेशानी होती
है। एक बात तो
Shelley को लिखें और
Sushil को भी बहुत

दिनों से बीमार हैं तो

बहुत परेशान हो रहे थे।

लोग को Chance नहीं मिलता

है मुझे मालूम है। और न

ही इन्होंने की letters

से पता मिल सका है। उन

की letters को पढ़ कर

यहाँ (?) का हाल पता चलता।

परेशानी से बचाना चाहते

थे।

तुम्हारा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 29.11 1978

My dear Sushil

Received your letters of 16th and 21st November. I was anxiously waiting. It was after a long lapse.

I have not yet sent any letter to Awas Vikas as I had no plot number with me. You may write direct through your Embassy for time. If you send the plot number I shall also write.

You have written that Mr D.P. Bhatnagar brother in law of Shri J.K. Bhatnagar is coming back. I think his brother in law is J.M. Bhatnagar & not J.K. Bhatnagar. J.M. Bhatnagar's father Brijmohan Bhatnagar is also an advocate. I shall see to it.

You may send the number

of the spectacles of Sr aj. I shall do the needful. She says two. One distance and the other bifocal (invisible joint). I shall see to it. I shall select suitable frames. Indira & Narendra have not come for long & they may be going to Patna for the marriage there fixed for 8.12.78. Your mother & father got fever with cold again & may be alright within a few days. The mysterious & fatal decease encephalitis as they call it is still claiming many lives. It takes only a few hours to do the end.

with love
yrs affly
D R G

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 28.11.1978

बेटा मैनू! (वेंकटेश)

तुम्हारे दो लिफाफे 23 और 20 नव. को मिले। जानकर बहुत ही खुशी हो रही थी यहाँ।

News की cuttings मिला। ठीक ही लिखते हैं वह। राजा लोक दूसरी जगह का Samastipur का चुनाव का result मिला है उस में तो Indira को पार्टी वालों बुरी तरह हारा है।

1.12.78 से west-Indies और Indies का test cricket match शुरू है Bombay में। उस को

हाल में जाद गया। America
मैं इस देश का कोई भी
शौक नहीं रखता है।

तुमने letter जो 13.11.78 को
लिखा वह तो 23.10.78 को
आया है। तब से रोज दिन
तक कोई नहीं लिखा गया तो
परेशानी होजाती है तुम्हारा
इतनी खामोशी से।

मैं तो पैर की मालिश और
हो रहा हूँ पर यह तकलीफ तो
शायद तुम्हारे हाथ की मालिश
से ही ठीक होगा। प्यार इतना
तो।

तुम्हारा बाबा
[signature]

२)

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ३।१२।३१ 197८

प्रिय चिड़िया गुड़िया तुमको ढेरों बहुत सा प्यार

चिड़िया बहुत दिनों के बाद तुम्हारा पत्र के लिखे हुए दो पत्र लिखे हुए एक लिफाफे में रख दिये। दोनों पत्रों को देख कर बहुत ही प्रसन्नता हुई। एक पत्र तुम्हारा हाथ का लिखा हुआ है एक पिछले बार का है। ऐसा लगता है तुमने लिख कर रख दिया होगा प्रशान्त को देना भूल गई होगी। क्योंकि जून के समय तुम सबका आने का मौका रहता है इस मौसम को तो जून के समय बहुत ही याद रहता होगा। तुम सबों के लिये नाश्ता खाना बनाती होगी।

चिड़िया अबकी बार तो इतना अच्छा लग रहा है कि चार दिन से तुम्हारे पास से बराबर पत्र आ रहे हैं। ये पत्र तो मौसू के और दो पत्र प्रशान्त के आये हैं। यदि ऐसे ही रोज पत्र आते रहें तो कितना अच्छा रहे। पिछली बार क्या ठंड के बारे में पत्र में हाल होगा भी प्रशान्त के तो आ ही रहे थे। अब तुम्हारे नाना जी तो बहुत ही ज्यादा बहुत ही परेशान से हो गये थे। अब तो केवल पत्रों का ही सहारा रह गया है तुम्हारे तो वहां पर पढ़ाई के बाद के बारे में समय नहीं मिलता है वहां पर पढ़ाई भी बहुत ही ज्यादा है। हम तो यहां बहुत रहते हैं। चिड़िया यहां पर कितने आराम से पढ़ती थी यहां पर आकर कितनी परेशान सी रहती है

दुख तो होता ही है लेकिन क्या करें। अब तो मैं यही सोचता
हूं। हमको तुमसे इतना प्यार नहीं करना चाहिये था क्योंकि
प्यार के कारण से ही हमको व तुमको इतना दुख होता है
वैसे तो अब हमारी बिल्कुल आने की इच्छा नहीं है लेकिन
तुम लोगों के प्यार के कारण से ही यही इच्छा होती है
कि तुम्हारे आने पर हम दोनों ठीक रहें और एक बार
फिर तुम सबको देखलें। आगे ईश्वर की इच्छा है।

यहां पर अलका भी आई थी और अनुपमा व उसका
बड़ा लड़का भी आई थी। हमको उसकी लड़की की विदाई
का पता नहीं चला है। अनु तो कहता कि वे यहीं
आये हैं जब हम लोगों के बाहिर चले गये हैं
पहिले तो रघुनाथ बालिका पर आती थी हमारे मकान के
आगे से विवाह भी आता थी। उषा की शादी का फरवरी
में होगी। अभी तारीख निश्चय नहीं करी है। आजकल
ब्लेयर कोर्स करती रहती हैं। यहां पर तो दादी बाबा का
प्यार पड़ा हुआ था ही। तुमने वहां पर भी कर लिया है
ईश्वर से प्रार्थना है कि हमारा यह प्यार सदैव बना रहे
२६ नवम्बर को तुम्हारा जन्म दिन था तुमने क्या खाया
हम तो यहां पर याद ही करते रहें। अजुभाई नोकलाल
जी मधु जापा का रक्षाबन्धन का उसका हाल-चाल
सुनेगा तब पता चलेगा रुचि ठीक चुटते ना।

हम दोनों ठीक हैं। वहां पर अब जाड़ा बहुत
पड़ने लगा है अपना एक ध्यान रखना एक कोट
कपड़े पहिन कर बाहर जाया करो। यहां पर भी

२)

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

दो दिन से घटा बादल हो रहे हैं। हल्की सी वर्षा भी हुई है इस लिये जाड़ा भी अब हो रहा है। पहले सेवाराम भी ठीक है। तुमने समय दिया नट को पत्र लिख दिया नहीं तो कैसे ठीक नौकर से पैसा तो मिल ही जाता है। नन्द के तो तुम्हारे दोनों पत्र देख कर बड़ा ही अच्छा लगा।

तुमने मेरे लिये पेन्शन के बारे में जानने के लिये लिखा है यदि न मिले तो परेशान मत होना तुम्हें मालूम रहा कि तुमको यह पसन्द है। और अभी यहाँ पर करीब नौ पन्द्रह रुपये भी नहीं हो रहा है। तुम हमारे लिये इतना परेशान मत हुआ करो। अब तक साल तो तीन साल से बन्द हो ही गये हैं। यह पोते दो साल भी शीघ्र ही हो जायेंगे। मन ईश्वर से यही प्रार्थना है कि सब आराम से रहें।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अभागी
प्रकाशवती

प्रिय बेटे सुरेश सदैव प्रसन्न चिरंजीव रहो।

तुम्हारा पत्र आदि समाचार ज्ञात हुये।

तुमने जो लिखा है कि मुसलमान ५ बजे से ही हल्ला कर रहे हैं इसका उत्तर जानते नहीं हैं। वैसे तुमने ज्ञान का पता तो दे ही दिया होगा।

१५ दिन के लिये दिसम्बर में ही तब कपड़ा [illegible] के साथ १५ दिन के लिये नन्दा तुम्हारी मौसी घूमने जा रहे हैं। वह तो चार साल में कॉलेज से घूमने के लिये समय मिलता है।

शेष आजकल यहाँ पर जाड़ा बहुत पड़ने लगा है। एक कपड़ा ओढ़ना। खूब अच्छी तरह से पहन कर जाना। आजकल यहाँ पर भी एक जाड़ा पड़ रहा है।

और तो तुम्हारी याद बहुत ही मन करता है लेकिन अभी तो बहुत ही दिन हैं। [illegible] यहाँ पर खुश होंगे इसको देखते से खुशी है।

समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ३।१२।197८

प्रिय बेटे शैल सदैव प्रसन्न रहो। तुमको हमारा बहुत सा प्यार
हमने तुमको पत्र लिखा है मिल गया होगा।

अबकि बार तो तुम्हारा पत्र जल्दी २ आ गये हैं। अबकि बार तो
चार दिन बाद लगातार तुम्हारे व कुशाल गुडिया के साथ के पत्र
रोज आये बहुत ही प्रसन्नता हुई है। जब से तुम गये हो पहिला
बार ही ऐसा हुआ है जो रोज ही चार दिन बराबर पत्र आये हैं
वैसे पिछले दिनों हम तुम्हारा पत्र ना आने से उदास भी
बहुत ही हुए थे और तुम्हारे बाबा जी तो बहुत ही ज्यादह
परेशान थे। जब तुम्हारा पत्र आया तब जाकर इनको चैन
मिली बेटे अब बस पत्र जल्दी २ ही लिखते रहा करना
इतनी देर पत्र लिखने में मत किया करना।

तुम्हारे पौधे बगैरा कैसे हो रहे हैं। वह जो तुमने मिर्ची
का पौधा लगाया था वह कुछ बढ़ा भी है। और पौधे कैसे
हो रहे हैं। यहां पर तो आजकल गेंदे के फूल खूब हो रहे हैं

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। तुम्हारी बोर्डिंग
से क्रिसमस की छुट्टियां कितने दिन की होंगी।

आजकल तो वहां पर ठण्ड ज्यादा पड़ने लगा होगा वहां अधिक
नहीं होगी। तुम खूब सारे कपड़े पहन कर बाहर जाया करो
यहां पर भी काफी सर्दी पड़ने लगी है।

शेष यहां सब ठीक है। मिलेंगे अभी तो तुम्हारे आने में
काफी दिन हैं। वह अभी तो कम नहीं हो जाता है।
आज कल तुम्हें ज्यादा पढ़ना पड़ रहा होगा क्योंकि तुम्हारी
देहली में तुम्हारी नानी पढ़ रही है। मेरी तबियत बीच में खराब
हो गई थी अब तो ठीक है वह गला पर ठीक नहीं है
इन दिनों ठीक नहीं आती है गले में जलन सी रहती है
और कोई चिन्ता की बिल्कुल भी बात नहीं है।

आज कल मैं पत्र लिख रही थी पहले से
देवेन्द्र के एकदम आ जाने के लिए इतने बैठे हुए
लोगों के इतना ओढ़ना आ गए थे वह एक
साथ इतने रात को गए हैं। इस लिए मैं और
कुछ नहीं लिख रही हूं।

प्रिय सरोज को हमारा आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 3.12 1978

बेटा शैलू खुश रहो।

तुम्हारा letter कुछ दिन हुए आया था जिस का उत्तर मैं लिखता हूं। तुम को आजकल वहां की ठण्ड में school जाना पड़ता है जब कि दो buses बदलनी होती हैं। वहां तो snow fall का मौसम है। तुम को बहुत सम्भल कर जाना होगा। हम लोग यहां की ठण्ड को ही मुश्किल से बर्दाश्त कर रहे हैं। वहां का हाल तो

बड़ा होगा।

पूजा आजकल यहां Bombay में West-Indies और India का Test हो रहा है। पूजा वहीं? India ने 424 runs बना कर declare किया है। अब West-Indies ने खेलना शुरू किया है।

तुम्हारा बाबा

[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 3.12. 1978

My dear Gudia, खुश रहो।

तुम्हारे 6.11.78 और 16.11.78 के letters 1.12.78 को मिले हैं। Sushil के letters 21.11.78 और 22.11.78 को उस से पहले ही आ गये थे। पता ही नहीं चलता डाक कैसे चल रही है। पहली December तक चार दिन तक रोज़ एक letter आया है। इस तरह यह एक ही तो bag से आये होंगे पर यह रोज़ एक 2 कर के मिले हैं। बेटी तुम्हारे T.A. को शायद उन के grandparents से लेते हैं।

प्यार नहीं है। इस लिये

उन को grandparents भी

शायद प्यार नहीं रखते हैं।

वैसे भी इन लोगों से बदला

की क्या ज़रूरत है। उन का

वास्ता grandparents से कैसा

भी हो। हमारा तो जैसा है

नहीं रहेगा। हम तो तुम लोगों

के लौटने तक जिन्दा रहने की

कोशिश कर रहे हैं। यही उमीद

है कि एक का प्यार भी तुम को

परखलोगे।

तुम्हारा बाबा

[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 3.12.1978

My dear Sushil

Recd yours of 22.11.78 along with the prescription stat- copy of the specs of Saroj. I am getting the spectacles prepared. I have noted that she likes invisible joint bifocal, and one distance pair of specs. I shall send the same as soon as ready. It is very cold here these days. It must be awfully cold there. We don't know how you all manage to meet

The icy winds and
Snowfall of washington
you were not accustomed
to such weather and
Shello has to go to
School changing buses
in such weather.

with love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ...१.२.३१... 197२

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

तुम्हारा २२ता० का लिखा हुआ पत्र हमको ५ ता० को मिल गया है। क्योंकि बार तो तुम्हारे दो पत्र नहीं आये थे। बहुत ही अच्छा लगा। बिटिया तुमको पत्र लिखने का समय नहीं मिलता है इसलिये इतनी परेशान मत हुआ करो। वैसे [illegible] के पत्र से हाल तो मिलता ही रहता है। लेकिन मन तो यही करता है कि तुम्हारे हाथ के भी लिखे पत्र हमको मिलते रहें।

गुड्डे को उषा ने शादी में देने के लिये भेजा है हम अपनी शादी के समय तुम्हारी ओर से देदेंगे। उषा की शादी १८ फरवरी की है। और पंकज की परीक्षा भी है। बब्बू उसे देखने के लिये मुज़फ्फर आया था वह देहली किसी काम से आया था यहां पर भी मुश्किल साढ़े ग्यारह बजे आया था और रात को ९ बजे की गाड़ी से लखनऊ चला गया है। उसके हाथ में प्लास्टर चढ़ा हुआ है। १४ दिन बाद जब खुलेगा तब पता चलेगा हड्डी ठीक भी जुड़ी है उस हाथ से काम करने में परेशानी तो होती ही है। [illegible] ने रख लिया है।

हमारी दोनों की तबियत अब बिल्कुल ठीक है। तुम हमारी ओर से कुछ चिन्ता मत करना हम तेरी बिटिया [illegible] का बहुत ही ध्यान रखते हैं।

बिटिया याद तो तुमको भी आती होगी यह तो स्वाभाविक ही है। अब तो यही सोचते हैं कि इसको इतना प्यार नहीं करना चाहिए था। लेकिन इसका तुम्हारा प्यार गौरव ही बना रहे।

नई पड़ताल शायद तक आ गये होंगे। पता नहीं कब तक आयेंगे। तुमने जो स्वेटर भेजी है। जिसको चाहेगा। तुम्हें लिये भेजोगी तो क्यों इतनी चिन्ता करती हो तुमने तो अभी पैसों की कोई भी जरूरत हो उसका ले लेती है। और जब मौका देखो तो भेज देना। ऐसा लगता है इस लड़के को भी तुम्हारा असर हो गया है जो अपने देश में अच्छा लगता है वह वहां पर कहां अच्छा लगता होगा। और इस बहाने से तुम लोग ऐसा क्या विचार [illegible] को बहलाते घूम आओगी। नहीं तो ऐसी जगह कहां जा सकते हैं। आज कल यहां पर भी ठंड शुरू हो गई है वहां पर अबकी बार जल्दी जाड़ा शुरू हो गया है और बर्फ गिरने लगी है। बिटिया अपना सेहत का ठीक ध्यान रखना। ठंड में कपड़े पहन कर बाहर जाया करो। तुम्हारे एक पत्र का उत्तर भी इसमें लिखा है वह पत्र तुमको मिल गया होगा।

यह जानकर प्रसन्नता हुई तुम्हारा यह नया मकान अच्छा है। बिटिया तुम रात में बहुत देर से सोती हो इतना मत जागा करो नहीं सोने से तन्दुरुस्ती भी ठीक नहीं रहेगी सुबह को भी जल्दी ही जाग जाती होगी। अपना ठीक ध्यान रखना। चि० विशाल व आलोक को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभाकांक्षी

चन्द्रावती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ६। १२। 197८

प्रिय बेटे शैल, तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा पत्र आया था हमने उत्तर दे दिया था तुमको मिल गया होगा। गुड़िया का पत्र ४ ता० को आया है उसके पत्र से भी सब समाचार ज्ञात हुए हैं। योगेश इस समय यहाँ पर ही बैठा है कहता है कि मैंने शैल को पत्र लिखा था उत्तर नहीं दिया है। पता नहीं क्या बात है।

परसों से विनोद की शादी के हमारे पास तीन चार पत्र बुलाने के आये हैं और छपा हुआ भी कार्ड आया है। लगता है इन्द्रा नरेन्द्र के मौसी के पुत्र की शादी में पहुंच रहे हैं। शादी का पत्र तो सरोज के पास भी आया होगा

तुम्हारा प्रवास ठीक चल रहा होगा तुम्हारी क्रिसमस की छुट्टियां कितने दिन की होंगी। तुम्हारी तबियत ठीक होगी अब कमजोर तो नहीं हो रहे हो।

सरोज का चरखा तुम्हारे बाबा जी ने योगेश को दे दिया है अब कर कर आ जायेगा भेज देंगे। बस यह डर है उसको पसन्द भी आ जायेगा।

हम दोनों की तबियत अब बिल्कुल ठीक है। आप हमारी ओर से इतनी चिन्ता मत किया करो। इस उम्र

मैं तो शरीर से तो ठीक हूँ ना कोई रोग लगा ही रहता है

तुम्हारे बाबाजी तो वैसे ठीक हैं तेल वगैरा तो मलते ही रहते हैं। कहते हैं कि जब शरीर ऊपर खूब से घिसे तेल मलेगा तभी ठीक होगा। शायद इसी लिए जल्दी ठीक नहीं हो रहा है।

यहाँ पर अब बहुत जाड़ा पड़ने लगा है। जब तुम यहाँ आया करो तो खूब सारे कपड़े पहन कर आया करो।

प्रिय सुभाष लोगों को हमारा आशीर्वाद जयकुमार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभचिंतक

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 6.12.1978

चि० गोविन्दा। शुभाशीष।

तुम्हारा 27.11.78 का letter मिला। तुम्हारे birth day पर तुम्हारी याद तो सारे दिन आती रही। वहां तुम को तो सारे दिन काम करना ही रहा होगा।

तुम्हारी friend के तो India आने का मन होने लगा है, पर तुम्हारे manager को तो पूछो। वहां weather होगा। मुझे भी सर्दी है

उसको सुमन Grandparents
से प्यार नहीं है। इससे उस
को यही विश्वास है कि सब
इस ही तरह होंगे।

पूनी वहां से आना था
Mr Bhatnagar नहीं आये हैं अरुण
को। तुम मेरे वास्ते रुपये,
भेज रहे हो। तुम को तो बड़ी
पैसे की बहुत ही जरूरत है
फीस के लिए। मुझे तो रुपये
की कोई जरूरत भी नहीं
थी। पर तुम्हारे प्यार से मुझे
रंज भी है

तुम्हारे बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 6.12 1978

My dear Sushil

I had a talk with Mr. J. M. Bhatnagar. It is he whose brother in law Shri O. P. Bhatnagar is coming. He must have come to Delhi yesterday.

I have asked for the specs for Saroj. As not yet ready I shall send the same as soon as ready.

It is now extremely
cold here these days.
A cold wave is sweeping
& some deaths are
reported.

with love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 6.12.1978

बेटा प्रेम जी। रक्षित रहो।

तुम्हारा letter पाया था बहुत चैन हुआ। तुम्हारा समय कैसा चल रहा है?

West-Indies से test-का पूरा प्रसारण टी वी पर है पहले test का। दूसरे में हार जीत फैसला कोई नहीं होना है।

यहाँ ठण्ड बहुत है। जब यहाँ इतनी है वहाँ का तो हाल बहुत बेहाल हो गया होगा।

तन की कमजोरी में बहुत सम्भाल कर रहना है।

तुम्हारे School जाने में

तो lunch बनाने की पड़ती

है। इस मौसम में तो तानो

को काफी परेशानी होती

होगी। हम को यहाँ

की ठण्ड देखकर तुम्हारी

परेशानी होती है। हम को

तुम लोगों का ही ख्याल

बना रहता है इस ठण्ड

को देखकर।

तुम्हारा बाबा

[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २॰।१२। 1972

चि॰ लिपिका गुड़िया तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

हम यहां पर ठीक हैं। आशा है कि वहां पर भी प्रसन्न ठीक होगी।

तुम्हारा दोनों फोटो देख कर बड़ा ही अच्छा लगा और मन यह होता है कि बस देखते ही रहें। ऐसा लगता है कि तुम ठीक बना रही हो। लेकिन फोटो में तो बड़ी कमजोर सी लग रही हो। सुशील साहब की फोटो तो बहुत साफ आई है पर तुम्हारी फोटो इतनी साफ नहीं आई है शायद दो जगह पर खींची है। ऐसा लगता है फोटो में टेलीविजन के कैमरे लगाए जा रहे हैं। हम तो बस इतनी चीज देख कर ही खुश हो रहे हैं पता नहीं वहां पर तुम्हारे कैसे ठाठ हैं। बस उस ईश्वर को धन्यवाद है जिसकी कृपा से यह सब मिला है

पिछले तुम्हारे तीन पत्र आये थे हमने उत्तर दे दिया था। शायद एक दो दिन में तुम्हारा पत्र उसका जवाब आ जायेगा।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ___ 197

उषा की शादी पर कैमरे की शीशी उसको तुम्हारी ओर से देदेंगे। उषा कहती है कि मैंने गुड़िया को पत्र लिखा था उसने उत्तर नहीं दिया है। मन्नु गुड्डा कौशल ने सी.पी.एम.टी की परीक्षा दी थी उसका रिजल्ट तो आगया है लेकिन पता नहीं पास हुई है या नहीं। वैसे इसने आशा तो बहुत ही कठिन है।

रवि रमेश का पत्र भी आया है उसको अभी नहीं या नौकरी नहीं मिली है। इसके लिहाज़ा ज़रा परेशान सा है।

हमारा यहाँ पर सब ठीक चल रहा है और हम बिल्कुल ठीक हैं। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी शुभाकांक्षी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २०।१२। 197८

प्रिय बहू रानी सरिता सौभाग्यवती रहो

कल कुशल का पत्र आया है समाचार ज्ञात हुए तुम्हारा पत्र आया था मैंने उत्तर दे दिया था तुमको मिल गया होगा। जो सामान तुमने भेजा है मिल ही जायेगा तुमने यह अच्छा किया है मार्की के लिए साड़ी भेजी है यह उसके पसन्द आने पर है वैसे किसन पसन्द की होगी गुड़िया ने उषा के लिए सेन्ट की शीशी भेजी है उसको शादी पर गुड़िया की ओर से प्रेजेन्ट में दे दूंगा उषा कहती है मैंने गुड़िया को पत्र लिखा था उसने मेरे पत्र का उत्तर नहीं दिया है। योगेश भी अपने पत्र के उत्तर की इंतजार में हैं।

फोटो देख कर बहुत ही अच्छा लगा है सब फोटो में भी अपने बच्चों को देख कर खुश हो जाते हैं। तुम्हारा फोटो तो बहुत ही सुन्दर आया है। फोटो से ऐसा लगता है तुमने बाल कहीं कटवा रखे हैं चोटी कर रखी है। तुम तो वहां पर स्वेटर व बेलबाटम भी पहनती होगी। उस देश में भी हमारे

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated [illegible] 197

पास कोटो भेजना। कोटो से ही अब तो आप
पत्र लिखवा लेते हैं। तुम्हारी तबियत ठीक होगी
अपना ध्यान रखना नहन कोशा आदा अब ही खाना
उसको यहां पर काम में ही लगी रहती होगी
सारा काम अकेली को ही करना पड़ता है।

तुम्हारे बाबूजी का तुमको आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 2.12.71 197–

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा २० ता० का लिखा हुआ पत्र इतवार दिनांक को मिल गया है तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुये। दोनों फोटो देख कर और फोटो में अपने सब बच्चों को देख कर बड़ा अच्छा लगता है।

तुम्हारे पत्र से ज्ञात हुआ है कि श्रीपतराय और २ ता० को आये हैं वह देहली आ गये होंगे पेठ के धर्मशाला में उनके मेरी किस्तवार हैं वहीं कल तुम्हारे ~~बाबाजी~~ बाबूजी से कह रहे थे। वह ठीक है।

यहां पर भी आजकल काफी ठण्ड पड़ रही है और वहां पर तो ठण्ड ही ज्यादा पर होगा। वहां और पर ठण्ड सारे कपड़े पहन कर जाया करो तुम्हारा तो सारा समय बाहर ही बीतता है। तुम दोनों ने यह अच्छा किया है कैलाश को पत्र लिख दिया है

उन पैसों के लिये मुझपर यहां पर रुपया था वह देहली का आया था यहां पर भी मिलने के लिए भी गया था जिससे उनके हाथ में

Dhanpat Rai Gupta
132, Vijay Nagar,
MEERUT
VAKIL

Dated 197

पत्रोत्तर आपका मिला है शायद ये तो तब स्कूल
जावेगा तब पता चलेगा छुट्टी ठीक ही गुजरी है
२३-२४ ता० में मुजफ्फरनगर जिले का देहरादून जावेंगे
इसवार है मित्र की लड़की की २० दिसम्बर की शादी है
वहां से आकर फिर २२-२३ ता० में हरिद्वार के लिये
जल्दी जावेगा वहां पर है नागपाल रतन लोगा।
जनाबे ने पवन का युद्ध व्यवस्था में
परेशानी हो रही है इसी लिये ज्ञापन बन्द पड़ा है
यहां पर पटवारी जी व और सब लोग
ठीक हैं। और हमारा यह लोग सब बहुत ध्यान रखते हैं
वैसे हमको यहां पर कोई परेशानी नहीं है मिलने की
जितना आप को कहते हैं वही कर देते हैं। हम
दोनों बिल्कुल ठीक हैं। ईश्वर से प्रार्थना है
कि वहां पर तुम सब भी ठीक रहो। बहू को गुड्डा की
शैलजा बबलू के विचार घर पर आते रहते हैं।
और बहुत ही कहते रहते हैं कि यह लेना बना रहे।
राम दयाल जोशी २-३ दिसम्बर को बहुत पहले
अपनी ये पत्नी के साथ आवेंगे।
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारा शुभचिन्तक
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २०।१२।७८ 1978

प्रिय बेटे शैलू तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा पत्र आया था हमने उत्तर दिया था तुमको मिल गया होगा। कल कुशाल का पत्र से तुम्हारे दोनों फोटो भी मिल गए हैं। फोटो दोनों बहुत ही अच्छे हैं और मन तो यह होता है कि बस फोटो देखते ही रहें। तुमने अपने कैमरे से फोटो खींचा है या खिंचवाये हैं यदि अपने कैमरे से खींचा है तो फोटो बहुत ही अच्छा है। तुम हमारा फोटो देखने को लिखते रहते हो लेकिन कल फोटो खिंचवाने जाते तो तुम्हारे बाबा जी टालमटोल करते रहते हैं कभी खिंचवायेंगे तो भेजेंगे।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी अपना खूब ध्यान रखना कपड़े वगैरा खूब पहन कर बाहर जाया करो। सेहत का भी ध्यान रखा करो। तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी।

तुम्हारे रिजल्ट से छुट्टियां तब से होगी यहां
पर तो आज तक खूब सख्त गर्मी हो रही होगी

तुम्हारे बाबाजी का पैर ठीक है। बस
तुम्हारे बाबाजी को तो यही चिन्ता होगई पिछले
दिनों में बड़े कमजोर हो गए हैं। दादी से
क्या ठीक पता चलता है। यहां पर गरम बहुत
होता है कुछ दिन पहले गर्मी खूब ज्यादा रही

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्मा (दादीजी)
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 11.12. 1978

बेटे जुडिथा / [illegible] खुश रहो

तुम्हारा Photo देखा जाता है तुम को Painting का time मिल ही जाता है। यहां तो आजकल भी रखना ही जाना था!

तुम्हारे western Culture के manager कैसे यह Grand Parents की बात करते हैं। यह भाषा कभी। Indian Culture को।

नहीं समझाते हैं इसलिये
उन को grand parents
से न प्यार हो सकता है न
वह इस प्यार को समझते
हैं। तुम उन से इस प्यार के
बारे में न बोलना।

तुम्हारी सहेलियाँ भी कुछ
दिन से नहीं मिली हैं। शायद
उन को time न मिलता हो।
वह सब अलग अलग
पढ़ने जाती है कोई university
में कोई college में।

तुम्हारे बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 11.12. 1978

My dear Sushil
Recd your letter of 30th November along with his photo copies. If there was nothing wrong with the Camera used for the purpose your right-arm shows you had some trouble with it as it appears to be very thin. Shallow though not clear in the picture it shows his lower jaw

drawn down. Why this
is so I can't understand.
Mr. O. P. Bhatnagar was
expected on 9.12.78
but has not come by
now. At least I have
no information of his
arrival. Mr. J. M. Bhatnagar
and myself are opponents
in a case coming on 14th.
We shall have full opportunity
then to talk about
this.

with love
Yrs affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 11.12. 1978

मेरा मौनू (विशरद)

तुम्हारा Photo मिला है। देखने से तुम्हारा नीचे का होंठ काफी लटका दिखता है। क्या हुआ है? फोटो तो कुछ साफ नहीं है पर यह जरूर बतलाता है कि होंठ में कुछ खराबी हुई है। चोट है या कुछ और हुआ है।

यहां आजकल कुछ ठंड ज्यादा है। फिर हमारी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

प्रिय मीनू खुश है। दिल

लगा ठंड बरदाश्त भी

नहीं हो रही है। वैसे

दिन में धूप रख करदेता

है पर धूप के बाद

बहुत ठंड है। वहाँ तो बरसा

हाल होगा। आज कल ठंड के

होगा। वहाँ की ठंड पैदा

हुआ तुम को परेशान करेगी

ख्याल रखना है।

तुम्हारा बाबा

[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 9.1.72 197

प्रिय चिरंजीव गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम सबको को नया वर्ष सुख शान्ति हो हमारी दोनों की नये वर्ष की शुभ कामनायें।

तुम्हारी पढ़ाई के काम ठीक चल रहा होगा तुम्हारा यह नया [illegible] ठीक होगा। यह तो इतना परेशान नहीं करता होगा।

तुम्हारे पास उषा का पत्र पहुँच गया होगा उसने अपने उत्तर की इंतज़ार है। शायद तुमको लिखने का समय नहीं मिला होगा।

और दिनेश से अनुपमा कोटा नहीं आये हैं पता नहीं पी.एच.डी में आये हैं या नहीं रिजल्ट तो आ गया है।

हम यहां पर बिल्कुल ठीक हैं बस तुम सबको की याद आकर ही परेशानी सी हो जाती है वैसे बस ठीक ही हैं।

तुम लिख रहे [illegible] पड़ने लगा जाड़ा [illegible] वहाँ
पर तो बहुत ही जाड़ा होगा।

यहाँ पर [illegible] गरम होते हैं उनका [illegible]
शादी २८ फरवरी की है और मंगनी की
[illegible] की है।

समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

शुभ सेवा श्री बड़े भैया जी
शुभ आशीर्वाद

Dated २६।१२।197८

प्रिय गिरिजा सपुत्र सदैव सौभाग्यवती रहो।
ईश्वर से प्रार्थना है कि शुभ सेवा श्री बड़े भैया [illegible] हो। मैंने तुम्हारा पत्र लिखा था मिल गया होगा। बहुत दिन से तुम्हारा चिट्ठी का पत्र नहीं आया है। उधर की फ़िक्र लगी है।

परसों इन्द्रा नरेन्द्र पटना से आ गये हैं। सब घर वाले इन्द्रा आई थी। उनसे पटना की शादी के सब समाचार ज्ञात हुए कहती है कि शादी बहुत ही बढ़िया रही है और बहू भी बहुत ही सुन्दर आई है। विमला ने भी बिट्टू की शादी का डिब्बा व एक साड़ी भेजी है साड़ी सस्ती है अच्छी है। बिचारी ने हमारा भी ख्याल रखा है। और शादी में [illegible] ने भी [illegible] पत्र आये थे [illegible] इन्द्रा को टाइम से [illegible] अब बहू इधर से ही ढूँढ़ने जाने पर आवेगी [illegible] इन्द्रा ने भी कह दिया है कि तुमको अवश्य कहूँगी [illegible] और विमला को धोखा दिया था। अब एक पत्र और लिखूँगी उसमें भी लिख दूँगी कि बहू को मेरे पास अवश्य भेजना तब उसको मुँह दिखाई के रुपये दे दूँगी।

हेल्थ मेले पर तुम्हारी बहुत याद आती रही तुम होते

तो शादी पर अवश्य ~~आते~~ आती। तुम्हारे पापा ही

ने शादी हो जायेगी।

यहां पर देवकी ने लड़की कुछ कुछ अपनी

तीन लड़कियों को लेकर आई है एक इसकी

देखकर देवकी ने घर पर गये थे तीनों लड़कियां खूब

मेहनत चलाती हैं और तीनों एक ही शहर में लगती हैं

मेरा देवकी ने मोटी गोयेदी पर लेता है इसके

पनान से बहुत खुश है। विवाह तो लो है।

हम यहां पर बिल्कुल ठीक हैं इधर तुम्हारा

चश्मा बनने को दिया है अभी बन कर नहीं

आया है। बहू गोयर नाग बालकृष्ण के आये हैं

अभी तक तो उन्होंने सामान भिजवाया नहीं है शायद

अभी उनका पैर ठीक करने का मौका नहीं लगा होगा

बब्बू उपेन्द्र उषा को आशीर्वाद गये थे दोनों

बच्चे ठीक हैं। यहां पर तो अब गर्मी नहीं कम्बल छोड़

पड़ती होगी ~~और~~ जाड़ा लगता होगा।

अशोक को व पुष्पा बेटी को हमारा आशीर्वाद

प्रिय गौड़ी शैल को बहुत सा प्यार

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा

प्रभावती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

नये वर्ष की हार्दिक
की शुभ कामनायें

Dated ३१ । १२ । 197२

प्रिय बेटे कुशल सदैव जगदीश से चिरंजीव रखो
ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको सदा सर्व
भाग्यशाली हो।

हम यहां पर ठीक हैं। तुम्हारे बड़े भाई रामनगर
देहली तो आ गये होंगे लेकिन अभी उन्होंने
सामान नहीं भिजवाया है शायद अभी उनको पैकिंग करने
का समय नहीं मिला होगा।

तुम्हारे तो बड़े दिन की छुट्टियां नहीं हैं दिन भी
होती होंगी आज कल तो वहां पर खूब सजावट
रौनक हो रही होगी। बड़ा अच्छा लगता होगा

बेटा वहां पर बहुत ही ठण्ड होगा अपना
खूब ध्यान रखना कपड़े बगैरा पहने रहना बेटे
तुम्हारा पेट ठीक होगा।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २६।१२।197८

प्रिय बेटे शैलू तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

तुम्हारा पत्र आये हुए अब कई दिन होगये हैं
बेटा तुम तीनों को नये वर्ष की हमारी शुभकामनायें
२ जनवरी को तुम्हारा जन्म दिन होगा। दादी
बाबाजी का तुमको जन्म दिन का हमारा आशीर्वाद
ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम्हें यह वर्ष शुभकारी
हो। तुमने जन्म दिन पर क्या रखना कर
लिया है हमतो यहां पर याद करते रहेंगे।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी
जरूर जब तो वहां पर बहुत जाड़ा होगा। यहां
पर तो इतना जाड़ा नहीं है और दूसरे जल्द
ही धूप आ जाती है।

हम यहां पर बिल्कुल ठीक हैं तुम हमारी
ओर से बिल्कुल चिन्ता ना किया करो।

योगेश के पास भी तुम्हारा पत्र आया है
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 17.12.1978

My dear Sushil

It 6 P.m. and I have just returned from an old Survey Commission in a distant village and am naturally exhausted. This letter has to be handed over tonight and I can't write to children. I have not yet contacted Sri O.P. Bhatnagar and I don't know where he is. His brother in law

J. M. Bhatnagar is
not coming to courts
for the last week
as some child in
his house is ill. I
shall try to contact
him tomorrow.
We are well.

Yrs affly
D. R. Gupta

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 2.1.[illegible] 1978

इन दोनों को गले बड़ों को
तुम दोनों को शुभ आशीर्वाद

स्नेह विनीता मोहिता तुम्हारा प्यारा बहुत बहुत प्यार

विनीता बहन शेरू खुशाल व लोकेश ने दो पत्र सब साथ लिखे हैं। दोनों पत्रों से तुम सबों की कुशल मंगल का बहुत ही प्रसन्नता हुई। ईश्वर से हमारी यही प्रार्थना है कि तुम सब वहाँ पर ठीक रहो। तब के पत्र में तुम्हारी सबकी की फोटो भी मिली है फोटो को तो देख कर बहुत ही खुशी हुई है फोटो बहुत ही सुन्दर है जैसा यहाँ पर भी बिल्कुल वैसा ही फोटो आई है ज़रा भी नहीं फरक आया है। यह स्वेटर तुमने वहाँ पर बनाया है या यहीं का बुना हुआ है फोटो बहुत ही साफ है घर पर ही खींचा है या बाहर खिंचवाई है ऐसा मन होता है कि बस फोटो देखते ही रहें।

लोगों के पत्र से पता चला कि तुम अपने जन्म दिन पर इतनी बिज़ी रहीं। कि [illegible] भी नहीं

का पाई हो रहो उसी हौसला को सुधारना चाहिये
नहीं तब ठीक जाते हैं। इस तो दो० कोमल ने
याद करते रहे कि उनका चिटिया को जवाब दिन है

तुम ने तो वहाँ पर बहुत ही नाम रखा है
अब तो सब चतुर हो गए होंगे खूब बोलने लगा
होंगा देखने को बहुत ही मन करता है।

उषा ने पत्र का उत्तर तुम वहाँ से पाए होंगी
उसने उत्तर को हेतगार है २२ फरवरी को उषा की
शादी है तुम्हारी और से उसको लेने को शीशी
शादी पर प्रेजेन्ट दे देंगे।

तुम अपना सब ध्यान रखना खूब सब
नये पहन कर बाहर आया करो यहाँ पर तो
बहुत ही जाड़ा पड़ रहा है। यहां पर सब लोग
ठीक हैं।

पत्र का उत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

बड़े बच्चों को [illegible] को हम दोनों की

Dated २।२३। 197८

शुभ कामनायें

प्रिय बेटी सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो

कल ही लिफाफे हमको तुम्हारे एक साथ मिले एक पत्र तुम्हारा [illegible] का लिखा हुआ और दूसरा पत्र [illegible] का लिखा हुआ [illegible] के कुशल का मिला है दोनों पत्रों को एक साथ देख कर बहुत ही प्रसन्नता हुई है। कई दिन से तुम्हारे पत्रों की इंतजार लगी थी अब तो बस पत्रों का ही सहारा रह गया है अगर भी पत्रों में देर हो जाती है तो चिन्ता हो जाती है। यह तो कभी स्वप्न में भी ध्यान नहीं था कि [illegible] के लिये हमसे अलग हो जाओगी। [illegible] बस खुशी भी बहुत है और गर्व भी है कि मेरे बच्चे एक नई जगह पर गये हैं बस ईश्वर से मेरी प्रार्थना है कि [illegible] हम से [illegible] से मिलो। तुम्हारा पत्र आने से पहले मैंने उन पत्रों में तुम्हें पढ़ने की सब बातें लिखी हैं वह पत्र तुमको मिल गया होगा। हमारा [illegible] आना कहां बनता है पैसा भी पूरा चाहिए और मैं अकेला जाता तो [illegible] को इतना [illegible] बात की परेशानी भी रहेगी तो होना तो अच्छा है [illegible] के साथ जाता और [illegible] में [illegible] से मैं मिल लेता [illegible] [illegible] भी [illegible]

गई थी। उन्का लगता है कि निर्मल ने शादी नहीं की

जिदिया की है और वह भी नहीं ही जुन्द गई है।

इसलिये वादिवाले को डिब्बा व साड़ी तरती दी है

साड़ी अच्छी है। निकालो ने हमारा इतना ख्याल रखा है

देखे उन्का को २२) देने के हैं दिये थे गम नहीं दिखेगी

उसको दूं रिवार दे दूंगी। तुम्हारी शादी पर बहुत याद

आती रही। बहुत ही शादी तुम्हारे पीछे ही हो जायेगी।

अभी तो पटनागर जी ने सामान नहीं भिजवाया है जब उनका

मौका लगेगा भेज देंगे। मेरी साड़ी की कोई बात नहीं है तुम्हें

मालीजी ने जिये साड़ी भेजी है उसको बहुत ही खुशी हुई है

साड़ी जितर की है। यदि कोई रुपये को डेरने पैसे को लो

तो अच्छा है और वैसा जब कोई लगाओ। तुम ने इतना

सामान भेजा है यही बहुत है। कोई सामान लाने को नहीं

जरूरत होते हैं और अपना सामान ही ज्यादा हो जाता है

टैक्स भेजा मतलब सामान के बाद कौन है रुपये को तो यहां

के जिले में आने का पता ही नहीं चलता है बहुत ही

जल्द होता है। कि तुम्हें इतने दिन हो गये हैं रुपये तो

अच्छी भी सामान नहीं भेज सकते है। हमारा भी मन होता है

कि अपने बच्चों के लिये कुछ भेजें।

तुम्हारे दोनों बच्चे बड़े आ गये हैं जब ही

बड़े हो जाये हैं मैंने दोनों बच्चे लगा कर देख लिये हैं

दोनों ही बहुत प्यार लगते हैं पता नहीं उनको पसन्द

भी आ जायेगा और कौन भी लायेंगे।

२)

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated................197

प्रवीण बार यह चश्मे राधा कुमार ने नहीं बनवाये हैं
कोई आदि बनवाये हैं। तुमने लिखा है कि कोई जाने वाला
होगा तो भेज देना पता नहीं जाने वाला कोई तो कब
होगा लगेगा। महीना लग जायेंगे। तुम लिखना इस
डाक से भेज देंगे डाक से भेजने में पैसे तो जरूर
लगेंगे लेकिन तुमको १५ दिन से पहिले ही मिल
जायेगा। यह जान कर बड़ा बुरा लगा कि तुमने अब तक
न तुम कुछ भी नहीं कर पाये हो मौका हो ऐसा
हो गया लिखती अब इतना लिखा रहता है समय ही नहीं
मिलता है। इस तो यहां पर याद आती रहे कि डाक
लिखिया तो अब दिन है पता नहीं क्या २ बनाया होगा
और तुमने यह अच्छा नहीं है कि कैलाश को पत्र खावो
से लिख दिये हैं वह चाहे उत्तर दे या न दें। वह तो
ठीक है अनवार यहां पर पत्र लिखने में केवल २५) पैसे में
२० पैसे में पत्र चले जाते हैं। अब शरद को ताक्यत आती
ठीक है बन रतन गीता संगीता को देखने जायें के छन
रात यहां पर रह गये हैं। यहां पर सब ठीक हैं।

सत्या रीता कैलाश के पास है सत्या को दुनिया की
सोचती है रीता व कैलाश के घर पर रहेगी
इलाज करा रही है उन बच्चों को खांसी है
गाजियाबाद में उनके सास ससुर रविवार से
आये हुये हैं इसलिए सारे लोगों को परेशानी
रही है। सुशील के बच्चे को दर्द रहता है जिसका
खाना छोड़ कर ठीक कर लेगा।

तुम्हारे बच्चे के फ्रेम पलंग ही है और शीशा
भी बड़े हैं फ्रेम पता नहीं तुम्हारे मन को लगेंगे
और पसन्द भी आयेगे। फ्रेम दो रंग के हैं उनको
आकार में सिन्दूर को मलमल खाता है और इसका फ्रेम
लाल रंग का है। यहाँ था है अपनी पसन्द की
आयेगा। गुड्डो का सेट कार मकान से आयेगा तब
पहुँचेंगे और उषा को उसकी शादी पर याद की
और सेटमेन्ट में दे देंगे।

प्रिय सुशील व तुम्हें पेरा व ढेर आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा

प्रकाश वती

गुड्डे सन्नी को हम दोनों की तरफ से बहुत सी शुभ आशीर्वाद।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

देवयानी को ग्यारहवां जन्म दिन है।
उसको हम दोनों की शुभ आशीर्वाद।

Dated 2-12-1978

प्रिय बेटे शेखर, तुमको हमारा बहुत सा प्यार,
तेरा तुम्हारे दोनों पत्र तथा इसके उन साथ दिये हैं
उन [illegible] को लिखा हुआ और उन [illegible] का लिखा हुआ
दोनों पत्रों को देख कर पढ़ने में बड़ा ही अच्छा लगा।
यह जान कर तो बहुत ही प्रसन्नता हुई कि तुम अब
में कुछ अच्छे हो गये हो और कुछ लम्बे भी हो गये हो
तुम्हारी ओर से हमको बहुत ही चिन्ता लगी थी। अब पता नहीं
कैसे लगते होंगे फोटो में तो ऐसे यहां पर लगते थे
वैसे ही लगते हो। तुम्हारे बाबा जी तुम्हारी ओर से बहुत
ही परेशान थे अब बहुत खुश हैं। हम दोनों बिल्कुल ठीक हैं
तुम हमारी ओर से कुछ चिन्ता मत करो बल्कि अपना
बहुत ध्यान रखा करो क्योंकि वहां पर जाड़ा तक बहुत ही
जाड़ा पड़ रहा है। यहां पर तो जाड़ा बहुत नहीं है हम तो
दिवाली से बाद में अन्दर सोने लगे हैं। तुमने [illegible] यहां
पिक्चर देखी है यह पिक्चर तो बहुत दिन हुये जब मैंने
देखी थी इसमें गाने वगैरा बहुत अच्छे हैं। तुम्हारे टी. वी.
में तो हिन्दी पिक्चर कम ही आती होगी। अब तो हमारे
मकान में भी टी. वी. लग गया है। नीचे हमारे मकान में [illegible]

मैं जो लनलेना रहते हैं उसके लगभग है नीचे जो मैं
यदि कहीं लिखा आता है तो देख जाती हूँ। वैसे
लिखा होने में तो मैं देखने नहीं जाती हूँ। जब से तुम
गए हो बहुत कम कुमार्थ आये थे होला पर तभी उनके
साथ देखने गए और वैसे मेरी ऐसी देखने की इच्छा भी
नहीं होती है। अब एक बार उषा के साथ जाकर देखी थी

इस बिमारी से तुमको वहाँ पर भी पता चल गया है यह
बिमारी तो यहाँ पर बहुत ज्यादा फैल रही है बड़ी खराब
बिमारी है इस बिमारी का अभी कोई इलाज नहीं पाया है

मेरा तुम्हारे बालकों से पीछे कुछ भी नहीं बताती
रहती हूँ। अब यह अच्छा है सब लोगों की जगह के ऊपर
में नीचे के रोगहर को आ जाती हैं इस से समय बीत
जाता है। लोग किसका स्वेटर बुन रही है तुम्हारा भी
कोई स्वेटर बुना है या नहीं। बिचारा अकेला रह जाता
है। तुम सब तो चले जाते हो।

इन्दिरा गांधी को कल जेल हो गई है। देखो
अब क्या होता है।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी तुमको
स्कूल में क्या नाश्ता मिलता है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि तुमने
अपने पैसों से टाइपराइटर खरीद लिया है
तुम टाइप करना भी सीख लोगे।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 20.12.1978

बेटी गुडिया खुश रहो।

तुम्हारा फोटो मिला। यह ठीक बना है और बिलकुल जैसी यहां थी वैसी ही लग रही है उस में।

मैं जानता हूं तुम को समय नहीं मिलता है। Sushil और शैलू तुम्हारा हाल लिख देते हैं तुम को तकलीफ़ नहीं होगी।

यहां का मौसम आज कल ठीक है। अगले महीने में ठंड काफ़ी होगी।

पर अब निकल ही

जावेगा। पिछले दिनों में

काफी ठंड थी जो यहां

के मौसम को देखते हुवे

ज्यादा थी वह cold wave

खतम नहीं है। हां हवा है

मगर दिन का भी [illegible]

है धूप की वजह से।

तुम्हारा [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 20. 12. 1978

My dear Sushil

Recd your letter of 7.12.78.

I have got the spectacles for Saroj ready with me. She has written that they should be sent through some person. I shall wait for a few days if I don't find any body going to you I shall send by post as before.

I am glad children & you are well there.

I am informed that spectacles

Sent for you are loose fit.
You may press the hinges
near the ears and I hope
they may fit you. In case
they are not workable
you may return the glasses
or write to me & I shall
get another one for you
also. Returning the glasses
will cost more than
new ones here and there;
so you just write to
me as I have the
prescription with me & I shall
have the needful done.

Yrs affly
[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 20.12.1978

बेटा मंजू एवं रवी

तुम्हारे letters 4.12.78 और 6.12.78 को ठीक समय मिल गये है।
यह जान कर खुशी हुई तुम ठीक हो और weight और इन्दु भी ठीक बढ़ रहा है।
तुम्हारे तक कोशों से कुछ होते गलत लगते थे जिससे मैं डर गया था कि तुम को चोट लगी है कहीं।

यह जान कर और भी खुशी हुई कि तुमने पहले का मकान खरीदा था और एक Tye को

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 2-12-197[illegible]

न भी न खरीदी है। और मैं
गलती तो होगी ही पर थोड़े
दिनों में ठीक होगा। spelling
में कुछ गलत हैं वह भी
ठीक कर लोगे थोड़े दिनों में।
जैसे तुम ने "worries" लिखा है
वह "worry" है axema लिखा
है वह Eczema है। तुम्हारे पास
dictionary है उस में भी देख सकते
हो।

हम तो ठीक हैं। पर तो यह
रुपिन इस ही तरह रहता है।

तुम्हारा बाबा
[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

नये वर्ष की तुम सबों को
हमारी ओर से शुभ कामनायें

Dated 22/12/1978

प्रिय बेटा शैल तुमको बहुत बहुत प्यार

तुम्हारा 22 तारीख का लिखा हुआ पत्र हमको 26 तारीख को
मिल गया है। पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए।

हम यहां पर ठीक हैं। हमारी ईश्वर से प्रार्थना है
कि तुम सबों को नया वर्ष आराम वाला हो।

डॉली व शान्ता मिले। आजकल तो वहां पर ठण्ड
शुरू हो रही होगी। गुड़िया को भी आजकल
स्कूल में बहुत काम हो रहा होगा। तुम्हारे भी
स्कूल की छुट्टियां हो रही होंगी। छुट्टियों में क्या
करते रहते हो। यहां के हिसाब से आजकल यहां
पर भी ठण्डा ही है हमलोग दिवाली के बाद में अन्दर
कमरे में सोते हैं। वहां पर तो ठण्ड बहुत पड़ रही होगी
बेटा बाहर जाने पर ठण्ड से कपड़े पहन कर जाया करो
अपना सब ध्यान रखना।

बेटोसी कोठी में सब आराम ठीक हैं।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated

सकल पत्र आते रहते हैं। आज कल देवी मानको
तुम्हारी इलाहाबाद में हैं। यह पहले मेरे पास आई थीं
तुम्हारे ये बड़े लड़के योगेश का रिश्ता मुजफ्फरनगर
में निश्चय होगया है हमारे बड़े दादा जी ने पोते की लड़की से
हुआ है तुम्हारी गोद भराई करने के लिये आई थीं
एक शोक भी थी। शादी शायद फरवरी में हो
होगा। योगेश नजफगढ़ में उपाध्याय के पास है। वहीं
पर सर्विस करता है।

सविता के गहना तैयार होना वह आ गये हैं
लेकिन पता नहीं उनको पसन्द भी आवेंगे और ठीक भी
बैठेंगे। पता नहीं कौन छपने वाला बन जावेगा यदि
लोग लिखें तो अन्त में पत्र देंगे पैसे तो लगेंगे
लेकिन जल्दी पहुँच जावेगा। तुम ने जो सामान मंगवाया
था वो दिया है वह अभी हमको मिला नहीं है।

प्रिय सुशील सपत्नीक को हमारा आशीर्वाद। प्रिय गुड्डू
को प्यार प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25.12.1978

बेटी गुड़िया चिरंजीव रहो

हम यहां ठीक ही हैं।
एक तुम्हारी सहेलियों में
बहुत दिनों से कोई नहीं
आई है। वह भी सब अपनी अपनी
जगह पहुंच गयी हैं।
वह प्रायः ये भी एक तो
कम ही मिलती हैं।
तुम्हारे western culture
के management का क्या हाल
है अथवा उन से Parents को

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्यार की बात मत करो

यह लोग बाप बेटे भी

एक दूसरे से बात नहीं

रखते।

तुम्हारी पढ़ाई भी ठीक

होगी तुम ने बताया नहीं।

कि course change करना है

या नहीं।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25.12.1978

My dear Sushil

Shri O. P Bhatnagar has still not contacted me. He has not come to Meerut yet.

The sheets for Saroj are ready with me. She has written that we should not send the same by airmail and shallow

has also written that.

I shall therefore wait for a short time to see if I find somebody going to your place & then I shall send by Air if I don't find anybody.

We are well here & you need not worry.

with love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 21 . 7 . 197

प्रिय तेजानन्द बच्चे जी
सब दोनों को शुभ आशीर्वाद।

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

२० ता० को तुम्हारा पत्र व फोटो और बड़े बच्चे का नाम नहीं मिला। फोटो बहुत अच्छी है। लेकिन पता नहीं। जितनी तुम्हारे व कैलाश की फोटो इतनी साफ नहीं है। सुशील के लोगों की साफ हैं। बड़े बच्चे का नाम भी बहुत सुन्दर है। उसका जो भी बड़े बच्चे का नाम मिल गया है। अभी तो तुम्हारा भेजा हुआ वह सामान पटनागर जी से नहीं मिला है।

मेरी तबियत अब बिल्कुल ठीक है पर तो मौसम की वजह से कभी बुखार जैसा हो जाता है वैसे ऐसी कोई बात नहीं है। तुम्हारे नाना जी भी ठीक हैं।

२० ता० को सुधीर यहाँ पर आया है। और २२ को चला गया है पर पहले किसी तारीख को परीक्षा देने जाना था पर कहता है कि मैंने गुड़िया जीजी को कई पत्र लिखे हैं पता नहीं उनको मेरे पत्र क्यों नहीं मिलते। पता भी सुबोध से ही लिखवाता है।

यह जान कर बहुत ही प्रसन्नता हुई कि तुम्हारे नम्बर
बहुत अच्छे आए हैं। और यह जान कर प्रसन्नता होती है
कि तुम अब हिन्दी बोलने लगी हो। तुम्हें अब याद करने
में बहुत मन लगने लगा है कुछ ही दिन और हो जाती हो
तुम तो याद में बहुत ही छोटी रहती हो।

सुना है कि तुम अब ठीक होंगी। ऊषा ने तुमको
पत्र तो लिखा है पता नहीं तुमको क्यों नहीं मिला है।

यहां पर तो गर्मी ने अबकी बहुत दिन से नहीं
छोड़ी है। उन को अब यहां पर आने में परेशानी सी होती है
पिछली छुट्टियों तो हमारे घर के नजदीक रहे ही रघुनाथ जी
जाती थी आ जाती थी। इतने दिन बाकी ठीक है।

यदि तुमको पत्र लिखने के समय नहीं मिलता है तो
कोई बात नहीं है जैसे कलम से तो पत्र आ ही जाते हैं
वैसे कभी २ तो पत्र लिखती ही रहना।

प्रिय छोटा प्रकाश को प्यार बहुतसा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभकामना
प्रकाश नवी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 31..12..1978

प्रिय बेटे शैल तुम्हें बहुत बहुत सा प्यार

तुम्हारा पत्र २० ता० को मिला और तुम्हारी फोटो के नये वर्ष का कार्ड भी मिला। फोटो बहुत बढ़िया अच्छी है।

हम दोनों की ही नये वर्ष की व तुम्हारे जन्म दिन की शुभकामनायें। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको नया वर्ष माफ़िक आता हो।

सब यहां पर बिल्कुल ठीक हैं। मेरे से मौसम की वजह से कभी तबियत कुछ खराब सी हो जाती है चिन्ता की कोई बात नहीं है। तुम सब अपना खूब ध्यान रखना बेटी। यहां पर तो जाड़ा भी अधिक पड़ता है। अब २ ता० से तुम्हारे स्कूल खुल जायेंगे इसी भी १ दिनों की छुट्टियां में घर पर ही रहते थे

मनोज से उपेन्द्र आये थे यहां पर सब ठीक हैं तुम्हारे पास केरोसीन के लायसन्स देहरादून के पत्र

आये होंगे। सुधीर देहली से दिल्ली नरेन्द्र का इम्तहान देने गया था वहां पर ~~[illegible]~~ २०ता॰ को शाम को आया था और २१ता॰ को दोपहर को देहरादून चला गया है।

सुशील ने लिखा था कि जो लड़का चाहिये सामान ले गई थी वह देहली चली गई है और कुछ दिन में आवेगा। उसने इस बात चाहे सरोज ने बोला चश्मे और कुन्दन के टेस्ट देख रहे हैं इसने चाहिये पहले टेस्ट देखें और वह ठीक हो जावेगी तो इलाज होगा तो आप को लग जावेगी चाहिये इसने कल ही देखी थी उसके बाद चाहे चाहे पापड़ व बादाम ले गये तो देख रहे और तुम लिखे नहीं दे रहे जो वह ना लगाने के लिए हम क्या लेंगे चाहे उन्होंने लेबोरेटरी को कह दिया था देख रहे हैं।

पता नहीं सरोज ने चश्मे पसन्द भी आ जावेंगे और ठीक भी रहेंगे। आज कल यहां पर भी जाड़ा पड़ रहा है।

प्रिय सुशील सरोज को हमारा आशीर्वाद। प्रिय बेटा कुछ तक ठीक हो हम सब भी ठीक रहेंगे।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्माजी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 31.12.1978

बेटी गुड़िया खुश रहो

तुम्हारा 20.12.78 का letter मिला। मुझे खुशी हुई तुम्हारा रिजल्ट देख कर। तुम्हारी मेहनत का रिजल्ट है।

तुमने अपने ऑफिस का हाल नहीं लिखा है। पता नहीं ऑफिस कैसा चल रहा है। लिखना।

समीर कल आया था प्रसन्न जाता है। वह कहता था

वह बराबर तुम को letters
लिखता रहा है पर उस की
कोई letter तुम्हारे पास
नहीं पहुंचा रहे हैं। Address
भी वह Subodh से ही
लिखवाता है, पता नहीं क्या
बात है उसकी letters में।
तुम्हारा Physics T.A. की
Sessions talks नहीं थीं
यह बात कह चुकी हैं
कि वह भी jealous/ कर
सकता है।

तुम्हारे बाबा
दद्दी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 31.12. 1978

My dear Sushil

Recd your letter of 21.12.78. I shall try to contact Mr Bhatnagar at Delhi through someone.

I shall also try to send articles to Kr Shraddha.

Ramkripal is on leave and shall resume duties from 8.1.79. I shall send the spectacles and the cooker kitchen piece

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ___ 197 ___

through him to Km Sharadha
and he shall through
some person ask them
whether they shall be
able to take something
else. If so I shall send
papers at least if
they are not willing
to take more. Jaikumar
shall not be able
to contact them. If
I find Vig serviceable
in the matter I shall
contact them through him.

yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 31.12.1978

बेटा शैलू, खुश रहो।

तुम्हारा letter मिला। तुम्हारा
birth day 3.1.79 को आ रहा
है उस के लिये यहां से
अनेक बधाई। यहां होते तो
कुछ मैं भी देता।

आज कल Calcutta में
West-Indies और India का
Third test-match हो रहा है। आज
तीसरा दिन है। भारत ने पहले
इनिंग में 300 runs बनाये
और अभी West-Indies ने
327 Runs बनाये हैं। आगे

भारत देश न रहो है दुबारा
ढूँढेगा। पहले तो किसी
मे किसी को इजाजत नहीं हुई
थी।

मेरे पेट का बड़ा हाल
खराब रहा है। अब तो खतरा
हो रहेगा। दिल को तो बहलाये
करना ही है। तुम्हारे प्यार पर
शायद तुम्हारे हाथ की मालिश
से ठीक हो जाय।

तुम्हारा आत्मा

[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ३१.९.197६

चिर संयोग सहित सौभाग्यवती रहो

तुम फलो फूलो तथा बड़ी भाग्यशाली हो।

हमारी ईश्वर से यही प्रार्थना है।

मैंने तुमको पत्र लिखा था मिल गया होगा उधर को इतवार है। उमा के बच्चे २०-२२ दिन से पढ़ने गये हुए हैं। वहां पर इतना मन लग गया है अब स्कूल खुलने पर आ जायेंगे।

१६ता॰ दिन मंगलवार को करवा चौथ का त्योहार है मैंने तुम अपने पत्रे में तो देख ही लोगी। तिल बोरा तो वहां पर मिल ही जाते हैं। पारसाल तो तुमने यहां की करवाचौथी करवाई थी। इस को लोगी ही मैंने बहुत बार कराया तब से खा लेना त्योहार पर तुम्हारी याद आती है। अब तो बस अकेले रही त्योहार करने पड़ते हैं।

तुम्हारे बच्चों का उधर ठीक होगा। सुशील को पेट अब तो खराब नहीं रहता है।

सुबोध का मकान तो अभी नहीं बना है बस नींव

ही भरी गई है। पता नहीं उसको कुछ रुपया

पैसा की परेशानी भी हो रही है।

सुधीर देहली किसी जॉब का ~~[illegible]~~ इन्टरव्यू देने

गया था जहां पर कई उन दिन के लिये जाना था

उन कैम्पों के लिये जिनका सिलेक्शन हो गये थे

सफल हो गये होंगे। पप्पू की परेशानी पता नहीं

कैसे सुलझेगी। बड़ी चिन्ता की बात है। सुनते

हैं कि अब तो पप्पू के लड़के का नजीबाबाद का तबादला

हो गया है और वो पास में आ गया है। पता नहीं

और कुछ बात का [illegible] हो जाये।

अभी तक तुम्हारा भेजा हुआ सामान नहीं मिला है

इसमें तुम्हारा खर्चा होगा। और जो कुछ [illegible]

जितना जवाब के लिये था पत्र तो दी है। किसको

दी है इनसे पता चलेगा वह उनको याद है या नहीं

और उनके पास है निवार भोग सब सामान [illegible] मेरठ

के जायें तो देंगे। अभी इस लिये नहीं दिये हैं क्योंकि

अभी पता नहीं वह कब तक जायेगा। यह चीज तो

कुछ खास होने वाली नहीं है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.................197

पता नहीं यह तुमको पसन्द
भी आ जायेंगे और तुम्हारे ठीक भी लगेंगे।
२ता. को शैल का पत्र मिला था।
यहां पर एक जगह ठीक है। अब तक तो यहां
पर दोपहर को एक घन्टा रहता है नीचे से एक
धूप में आ जाती है। मैंने केसर के लड्डू
बनाये थे न सभी के साथ मिला कर भी बनाये थे
तेरे बर्थ पर यह एक बैठी भी एक को लड्डू
तेरे बर्थ के खिलाये थे। १२ लड्डू एक को
खिलाये थे।
तुम्हारे व कुशाल की फोटो तो साफ
आती है पता नहीं गुड़िया शैल की इतनी साफ
क्यों नहीं आती है।
तुम्हारे बाबूजी का तुमको आशीर्वाद
समाचार शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्माजी
प्रसन्नवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 3/2/1978

प्रिय बेटे गौरव, तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार।

आज तुम्हारा जन्मदिन है। हम दोनों की तुम्हारे जन्मदिन पर शुभ आशीर्वाद। ईश्वर से प्रार्थना है कि यह वर्ष तुमको प्रसन्न रखने वाला हो।

तुम्हारा पत्र १ जनवरी को मिला समाचार ज्ञात हुए। मेरा हमेशा पत्र डालने का मन रहता है। डालते भी हैं लेकिन कभी नहीं भी डाल पाते हैं। तुम हमारी ओर से बिल्कुल चिन्ता मत करो हम तो यहां पर बिल्कुल ठीक हैं। बस एक परेशानी यही है कि तुम लोगों की याद आती है। तुम्हारा स्कूल अब खुल गया होगा

यह जान कर बहुत ही प्रसन्नता हुई कि गुड़िया ने नम्बर बहुत अच्छे पाये हैं। बिचारी को कितनी मेहनत करनी पड़ती है पढ़ती भी है और सर्विस भी करती है। वैसे कि तुम्हारा बहुत ही कमजोर से गला सा हो गया था निशान से हो गये थे। अब तो ठीक हो गया होगा।

तुम अपने चाचा जी ने मेरी चिन्ता कम कर लेना

यह पत्र तो [illegible] लिखना था लेकिन देर ही हो गया है स्कूल लगे २ दिनों से
तुम्हारे आज से ही ठीक रहते से
वैसे [illegible] तो आते ही रहते हैं।

यहाँ का मौसम तो ठीक ही चल रहा है धूप के कारण ऐसा जाड़ा नहीं लगता है। हां वर्षा [illegible] होने पर जाड़ा अधिक हो जायेगा। वैसे जाड़ा तो है ही।

[illegible] देहरादून में सब ठीक हैं। [illegible] का बराबर उन लोगों के पत्र आते रहते हैं। [illegible] का [illegible] से [illegible] गया है। उसका हाथ का प्लास्टर भी खुल गया है। लिखा था कि हड्डी तो ठीक से ही जुड़ गई है डाक्टर ने [illegible] के लिये [illegible] बताई है। [illegible] योगेन्द्र दादा का [illegible] कि पिछले साल भी [illegible] का पत्र [illegible] का [illegible] है। यह विचार अच्छा लगता है [illegible] है। इसका पत्र भी तुमको मिल गया होगा।

प्रिय प्रवीण को आशीर्वाद। व प्रिय गुड़िया को हमारा बहुत सा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारे दादा जी

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 3.1.1979

बेटी गुड़िया। खुश रहो

तुम्हारे exams का Result बहुत अच्छा रहा। मुझे तो खुशी है। आगे भी इस तरह रहे तो अच्छा है। एक साल और चार महीने हो चुके हैं तुम लोगों को यहां से गए। तुम लोगों की याद आती है रोज़ ही। सोचते रहते हैं

Dhanpat Rai Gupta
वकील
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 1979

अब क्या करोगे तो
लोग यही ... में सोचते
रहे हैं नानू का birth day
है ना आज

इस यहां ठीक कागज
हो रहे हैं यहां का तन
का कोई बनता की ज़रूरत
नहीं है।

तुम्हारा बाबा
धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 3.1.1979

My dear Sushil

I have sent the specs of Saroj and a rather price for the Hawkins cooker did through VCG to Km Shirodkar on 1.1.79. We shall ask them if they can accept a little more for you. If so I shall send at least some Papads. Let us see if this can be

done.

Today is the birth
Day of ~~dear~~ Shalloo!
We are only wondering
what you all do for
him on this day.

with love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 3.1. 1979

बेटा शैलू चिरंजीव रहो

आज तुम्हारा birthday है।
सुबह से ही तुम्हारी याद
आ रही है। हम यहां
तुम्हारे लिए कुछ भी नहीं
कर सकते हैं।

तुम्हारी अम्मा दो दिन
से फिर बुखार में पड़ी
है। उस हालत में ही तुम
लोगों को letter लिख रहे
है।

यहा का मौसम पुगर्मी
साफ है पर प्राज कुछ
ज्यादा मालूम हो रहा है।
यह १५ दिन अद्दा कोहम
को होते हैं। सब से ठण्डा
मौसम होता है यह।
मेरा पेट ठीक ही है
लगडार सब काम कर
ही लेता हूं। तुम्हारे प्राण
तक इस तरह भी रहे तो
ठीक ही है।
तुम्हारे बाबा

anpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

आज West Indies और
India के III test का आखिरी
दिन है। कल India ने
6 wicket पर 381 runs
बना कर West Indies को
खिलाना शुरू किया था।
West Indies को जीतने के
लिए 335 runs बनाने थे
अभी match चल रहा है।
आखिरी घण्टा बाकी है। अब
तक 3 रन को 2 खिलाड़ी
out हो चुके हैं और

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

Dated 197

180 रन्स हुए बना पाए
है। इधर इस पारी दौरान
में India ने दो खिलाड़ी
और out कर लिए तो जीत
जावेंगे नहीं तो बराबर ही
रहेगा। पहले दो Tests में
भी बराबर ही रहे हैं क्योंकि
कोई फैसला जीत नहीं हुई
है। अभी 2 एक और out
हो गया है। एक और out होना है।
Time कम रह गया है। खिलाड़ियों को
objection है कि अंधेरा होने लगा है।
है। umpires ने match बन्द
कर दिया इस लिये यह Test
भी बराबरी में रहे।

तुम्हारा
बाबा

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ६।११। 197६

प्रिय बेटे सुशील सौ० व पुष्पा व चिरंजीव रहो

तुम्हारे दोनों पत्र इसको ५ ता० को मिले हैं एक पत्र २९ ता० का लिखा हुआ और एक २८ ता० का लिखा हुआ पर दोनों पत्र ५ ता० को ही मिले हैं

तुमने लिखा था कि गुड्डा को बुखार लगातार रहता हो रहा है चिन्ता है। आशा है कि वह ठीक हो गई होगा। अखबार से पता चला है कि वहां पर ज्यादा ठंड बढ़ती जाती है बर्फ पड़ रही है।

परमानन्द भी देहली तो आ ही गये होंगे लेकिन अभी वह मेरठ नहीं आये हैं। जब वह आयेंगे तभी सामान मिलेगा।

सुन्दर का प्लास्टर तो खुल गया है उसने [illegible] बतलाई है। वह ५ ता० को बम्बई है जाग पासपोर्ट दे गया है तो उसने उस साथ ले गया है क्योंकि अभी तो उस हाथ से काम नहीं कर सकेगा। १२ ता० को बम्बई से आ जावेगे।

और फिर इलाज होवेगा।

दोनों के ट्रेनिंग स्कूल के लिये पेपर दे हो गये हैं गुनवती के यहां पर आ जावेगा अच्छा है इसके आने से इतना अकेला पन नहीं लगेगा।

तुम्हारी तबियत ठीक होगी अब अपना स्कूल ध्यान रखना जैसे बताया वैसे रहो खाओ और इसके बाद में बहार का याद रहता है।

प्रिय सरोज को हमारा आशीर्वाद। प्रिय गुड्डा गुड्डा मोन को हमारा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

अब इधर से पता चला है कि श्री रिसालदार पं अग्रवाल की तबादला देहली को हो गया है और आ गये हैं। और नरेन्द्र घर आये हैं। हमारे पास तो बहुत दिनों से नहीं आये हैं। शायद तुमको भी पता चल गया होगा। कुछ ही दिन लखनऊ रहे हैं।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated [illegible] 197

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत आशीर्वाद

तुम्हारा पत्र आया था इसका उत्तर दे दिया था तुमको मिल गया होगा।

आज कल यहाँ पर भी बहुत जाड़ा पड़ रहा है आज कल यहाँ पर गैस भी नहीं है समस्या हो रही है। बिजली पर या चौके के अंगीठी में बन रही है। और मिट्टी का तेल भी मुश्किल से मिल रहा है। तेरी गैस २५ दिसम्बर को खतम हुई थी मैंने २५ तारीख को लिखवाई है। अब पता नहीं कितने दिन में मिलेगी। इससे पहले मैंने पहले लिखवाकर नहीं थी। क्योंकि पहिले लिखवाने पर जल्दी ही देनी पड़ती थी एक साथ में लेना चाहती हूँ। खैर इतनी कोई परेशानी नहीं है।

तेरा शुभ पत्र मिलती रही लिखते रहा करना

तुमने लिखा है कि नानाजी अपना रावे पोहिणी से

४ पत्रों के २०) ~~रुपये~~ देंगे। तुम्हारे नानाजी पहले

यहाँ जयपुर दिवाल हैं। यह तो पहले हो ली

याद से दे दिये थे।

तुमको यह जान कर प्रसन्नता होगी कि

१२ वीं के बोर्ड इम्तहान के लिये ट्रेनिंग में

मेरा मन रहा है। इसके बाद हो जाय लेकिन

तो हो जायेगा।

यह तो फैसला शायद जनवरी में ही हो

जायेगा। सपत्र ठीक होगा मेरा आज कल

क्या आता रहता है। गुड्डा अब ठीक

होगा। और कोलिज के स्टोर पर जाना शुरू

होगा।

तुम अपना खूब ध्यान रखना। हम यहां पर

ठीक हैं।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 2.1. 1979

बेटी गुड़िया खुश रहो।

आज कल तुम्हारी छुट्टियां चल रही होंगी। Store तो अभी हो ही तो होगा। पर कुछ तो आराम मिल गया थोड़े दिनों।

तुम ने अपने मकान और आफिस का हाल नहीं लिखा। आफिस में तकलीफ से काम करना कठिन होता होगा। Store में तो आफिस का काम बढ़ा पड़ता है।

पूरा हाल मिलने पर
मैं दवाई भेज दूंगा। पूरा
हाल लिखो।
यहां पर प्रायः सभी
और तुम को बहुत हाल
कहा है। यह पन्द्रह दिन
यहां बूंदा बांदी ही
होते हैं। हमें तो प्रायः
है यहां के मौसम को ठंड
से कोई शिकायत नहीं है।
वहां के मौसम का हाल
पुस्तकालय में पूछा था।
बहुत खराब है इस से
चिन्ता है
शुभाशीर्वाद
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 7-1-1979

My dear Sushil

I have sent the sheets of Saroj and a piece of cooker rubber to Km Shirodkar to be sent to you. Vig had personally gone to deliver the thing. He asked her of just a little weight not more than two kilos could be taken. She had declined to accept that saying that the weight that the person is taking is much more. Vig

Says that on insisting
She told him that she
would ask her brother
and would let Viz
know by post by 6th January
if he could take any
thing. No letter has yet
been received & the person
has to go on 12th January.
So I am sorry I could not
send anything else.
I had written to Mr O.P Bhatnagar
but no reply has yet been
received. He may [illegible]
have as you had written to me.
However there is no hurry.

Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 7.1.1979

प्यारी मंजू खुश रहो।

तुम्हारे birth day पर क्या दिया कुछ भी पता नहीं लगा है। कल मैं ने यहां अखबार में पढ़ा है कि Washington D.C. में हद से ज्यादा cold है। बाहर जाने हैं। कार भी start नहीं हो रही थी और [illegible] से दूध लिया linses में दूध freeze है कि बाहर नहीं आ रहा है। यह भी लिखा है कुछ जानें भी गई हैं!

तुम लोगों को तो बड़ा

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT
Dated 1977

को बेन्टू को पुरस्कार मिल
रहा है और तुम को School
आना जाना पड़ता है। तुम्हारे
letter का इन्तजार कर रहे
हैं क्या हाल रहा लिखना।
यहां तो ठीक हो रहा है।
हम ठीक-ठाक हैं यहां।
घर काम से हो रहा है। उस
को सोना नहीं है।

तुम्हारा बाबा

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 3.1.2 1978

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो।

तुम्हारा पत्र ६ ता। को मिला समाचार ज्ञात हुए

अभी तो परनागर देखने नहीं आये हैं। इनके रिश्तेदार जो यहां पर रहते हैं उनसे पता चला है कि इन्होंने वहां पर मकान बदला है इस वजह से देखने नहीं आ सके हैं।

अग्रवाल के देखने आने को कुछ उधर से पता चला था कैसे अग्रवाल तो घर पर नहीं आये हैं।

यह जानकर चिन्ता हुई कि तुम्हारा पेट ठीक चल रहा है। वहां पर तो जाड़ा बहुत ही ज्यादा पड़ रहा होगा बल्कि भी रजाई गयी होगी। इस मौसम ध्यान रखना। स्वेटर आदि कपड़े गर्म पहनकर बाहर जाया करो।

गुड़िया को गला अब ठीक होगा। और इतना जाड़ के पढ़ाई भी ठीक चल रही होगी।

नौकरी भी यहां पर २ साल के लिये हैं किन्तु देखें में होगी इस लिये यह २२ता। को यहां परसों आवेगा

इतने ओर से भेजना पत्र नहीं लगेगा

प्रिय लोगों को हमारा आशीर्वाद।

प्रिय गुड़िया शैल को हमारा बहुत प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 10-1-1979

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Agarwala [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] transfer [illegible]

[illegible]

इतना पता कि वह शुरू

December में होगा

पूरा मामला है।

तुम्हारे Store का तो

काम खतम होगया था।

तुम्हें कामयाबियों की

खबर नहीं मिली है।

तुम्हारा पापा

आशीष

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 10.1. 1979

My dear Sushil

As I have written to you previously the person did not take to you any the article. They have taken only the objects and a better piece.

Mr O.P. Bhatnagar could not be contacted now. Mr. J. M. Bhatnagar advocate tells me that Mr O.P. Bhatnagar

has changed his
residence and so
could not come by
now as he was busy
in setting up his new
accommodation at
Delhi. Perhaps my letter
could not reach him
because of the change.
I am told he shall
come here about the
end of January.

with love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 10.6. 1979

बेटा शैलू। चिरंजीव रहो।

तुम्हारे birth day का
कार्ड हाल में ही मिला है
खुशी। यहां सब ठीक ठाक
ही है। वहां Washington D.C
का papers में तो बुरा
हाल लिखा है। कहते हैं
वहां theft बहुत है गोली
कभी नहीं रुकती।
Cars theft की वारदातें

Start नहीं हो पा रहा है
से buses में बहुत
rush रहता है। जगह
नहीं मिलती है। मुझे
चिन्ता हो रही है। तुम्हारा
क्या हालत होगा।
यहां मौसम ठंडक का है।

तुम्हारा बाबा

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २८.१२.197

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

काफी दिनों से तुम्हारा कोई पत्र नहीं आया है और तुम्हारा समाचार ही नहीं मिलता है वैसे शैल व सुशील से तुम्हारा हाल मिल ही जाता है।

अब उषा को बी.एड में दाखिला हो गया है और लोग कोशिश करते हैं २८ फरवरी को इसकी शादी है। शादी पर तुम्हारा [illegible] इस लिए उसको तुम्हारी ओर से दे देंगे। नये वर्ष का कार्ड हमको व उषा को मिल गया था। सुनीता भी एक दिन आई थी अब इसका मकान हमारे मकान से दूर हो गया है। योगेश तो आता रहता है सुनीता व योगेश नाविल पढ़ाई [illegible] रहे हैं।

तुम्हारा पढ़ाई का काम ठीक चल रहा होगा बिटिया बहार जाने पर ऊन लाकर बच्चे पहन कर आया था नहीं।

सब मजे में हैं। तुम्हारी बड़ी याद आ रही

है तुमको गुड़गाँव की भीतर की पहाड़ी बहुत
अच्छी लगती है। वहाँ पर तो चील कौवे बहुत
ही पहुँचे हैं वहाँ अन्न पानी होगा।

चि० कुशाल ठीक होगा उसको हमारा
आशीर्वाद। ऐसा ही देखा इन सैनिकों के
पथप्रदर्शन देते हैं वहाँ पर एक बोर्ड है।

नीता १२ ता० को यहाँ पर आ रही है उसको
यहाँ पर स्कूल के लिये मेरठ में ट्रेनिंग है
यह अच्छा है हमारे पास रहेगा हमारा भी
मन लगा रहेगा।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २५/२/1976

प्रिय [illegible] सहित सौभाग्यवती रहो

मैंने तुमको पत्र लिखा था मिल गया होगा उत्तर की प्रतीक्षा है। हम यहां पर कुशल हैं। आशा है कि वहां पर सब लोग सकुशल होंगे।

मुजफ्फर नगर में लोगों को [illegible] चल रही है। तुम्हारे चाचाजी और मैं १८ ता० को उनको देखने मुजफ्फर नगर गये थे आप भी आ गये थे। वहां के [illegible] पर [illegible] हुआ है मकान से [illegible] छत पर [illegible] इस गांव का बड़ा बुरा लगा हम मिले भी नहीं।

पता नहीं [illegible] की बहू के बच्चा हुआ है या नहीं। अबकी बार तो पता लगना हो जाये। मुझे भी बहू के भी बच्चा होने वाला है।

आजकल यहां पर [illegible] की [illegible] हो रही है। [illegible] दिन में आ रही है। मेरी [illegible] भी [illegible] से [illegible] होगई है पर पता नहीं कब तक [illegible]। मैंने यह [illegible] है [illegible] से लिखवाई नहीं थी। [illegible] में [illegible]

जैसा इन्होंने पहले भी सोचा था कि यदि यहाँ से
बाद मिलना होगा लेकिन अकाल का हाल सा
स्थायी ही चला है जैसे नहान का पानी भी
भी होता है। अब पता नहीं कब तक जायेगा।

तुम्हारा तो वहां पर यह परेशानी नहीं है।

इधर तुम्हारे चरण तो मेरा दिल है। पता चला
है कि वह यहाँ से २२ता. को चले गये हैं। और
सामान लेकर के इस्तेमाल पहले कर दिया है कि इधर
अपना ही सामान बहुत है बहुत ही अच्छा होता है
कोई चीज भी नहीं मेरा साथ है। अब तुम्हारी
पसन्द भी आ गये हैं। उन पुराने की रवाड़ भी है।
जब मैंने देख लिए तब ध्यान आया कि दो
बार रंगीन चूड़ी डिब्बे में रख देती इसलिए तो
० के अगर भी नहीं था डिब्बे में अच्छा चलो
जाती लेकिन ऐसे तो मज़ भी बहुत ही खराब है

अब तेरहवीं है २६ता. को सावन है इसलिए भी
सावन मनाया होगा यहाँ पर सैकड़ों लोग मिल
जाते ही हैं। यही सोच रहे थे कि यदि वह ले गये
तो उनके लिए लिख देंगे दूँगी। इस बार का धोखा
गये हैं। तुम्हारे बच्चों को तुम्हारा प्यार बोलना।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी प्यारी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २५।१।१९७८

प्रिय बेटे [illegible] तुमको हमारा बहुत सा प्यार।
हम यहाँ पर ठीक हैं। तुम सबों की कुशल ईश्वर से सदैव भली चाहती हूँ। तुम्हारा पत्र २२ता० को मिला है पत्र से सब समाचार ज्ञात हुऐ। बेटा तुम सबों की बहुत ही याद आती है पता नहीं कितने दिन में लौटोगे। बस ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सब वहाँ पर ठीक रहो।

जो सामान तुमने भटनागर की [illegible] का अभी तो इस्तेमाल किया नहीं है। [illegible] कोई खराब होने वाली चीज तो है नहीं।

आज कल तो वहाँ पर बहुत ही जाड़ा पड़ रहा होगा। यहाँ पर भी ठण्ड बहुत हो रही है इस वजह से जाड़ा भी ज्यादा ही है।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। तुम अपना सब ध्यान रखना खासकर [illegible] पहन कर बाहर जाया करो।

तुम्हारे लिये लोग ने कोई स्वेटर बुना है या नहीं। तुम्हारे पौधे कैसे हो रहे हैं।

हम तो मेरा पत्र गर्मी तक भी होता है हम एक बेर बेगा ले ही जाते हैं लेकिन कुछ डॉन बातों में ही गड़बड़ हो जाती होगी।

तुमने अपने जन्मदिन पर क्या मनाया हम तो यहाँ पर याद ही करते रहे। लेकिन ने अपने जन्मदिन पर फोटो खिंचवाया होगा उन फोटो हमारे पास भी भेजना है।

अब पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 14 : 1 : 1979

बेटी गाडिआ चिरंजीव रहो।

तुम्हारे हलक का क्या हाल है बेटी। अब की बार तुम को throat में परेशान कठिनाइयां। मैं दवा भेज रहा हूं चार गोली को तीसरे दिन खाना शायद ठीक होजावे। तुम्हारी पीठ को भी ठीक करेगी यह दवाई। और जो हाल हो लिखवा देना बेटी

दवाई भेज दूंगा। रात सोते
समय नमक के गरम पानी से
गरारे करो तो और फायदा
होगा।

तुम्हारी इच्छाशक्ति भी प्रबल
[illegible] पर होगी। हेतु भी
काफी होगा वहां तुम को
तो हेतु से अलावा ही
मुश्किल है कि भी [illegible]
कभी [illegible] जाना
होता है।

तुम्हारे बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 14 : 1 ... 1979

My dear Sushil

As I have already written Shri O P Bhatnagar has not yet come to Meerut as he was busy in changing his residence. He may come after some days.

I had sent the specs through the person to you. It was through Vig that the specs were delivered to Km Sharodkar. She could

N.B. Take any other articles.

I could have got some thing delivered to her. Think Vig. Vig is working in the Central Audit office known as D.C.D.A. at the Palam Delhi. Though at a distance he was ready to go to her any time. However, I shall be on the look out to see if any other person going to you.

With love
yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 14.1.1979

बेटा अन्नू चिरंजीव रहो।

तुम्हारा 1.1.79 का letter मिला। मुझे खुशी है तुम लोग ठीक हो।

आजकल West-Indies और India का IV test मैच रहा है Madras में। आज ~~[illegible]~~ तीसरा दिन खेल रहा है। West-Indies पहली innings में 228 Run बना कर out हुई। India ने पहली innings में 255 run बनाए। इस समय West-Indies दूसरी Innings खेल रहे है।

इस वक्त तक उन के
8 खिलाड़ी out हो गये हैं
और 2 और out होने रहे
हैं। उन के अब तक दूसरी
innings के 151 runs
बने हैं। अब उन का चाय
का समय हो रहा है। थोड़ी
देर में फिर खेल होगा।
India को यह test जीतने
की बहुत उम्मीद है।

तुम्हारा बाबा

Tea के बाद दो मिनट में ही
दोनों और players भी out हो गये।
कुल runs उन के 151 हुए।
जिस में से पहली innings के 27 runs
कम करके 124 runs होते हैं
over

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रकाश वती

Dated २९-२-197८

चिरंजीव गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

कल तुम्हारा रेखा का लिखा हुआ प्यारा सा पत्र मिला है। देख कर प्रसन्नता हुई। और सब समाचार ज्ञात हुए। आशा है कि अब तुम्हारी खांसी को आराम होगा। मेरा भी कई दिन से गला खराब हो रहा है जुकाम खांसी चल रहा है।

मौसम यहां पर ठंड का आ गया है। इसलिये यहां पर बैठे तो उन सब के लिये ठीक ही है। वैसे इसने और गाड़ी को इन्टरसिटी किया है। यदि और गाड़ी अच्छी मिल गई तो वहां पर चला जावेगा। इसलिये [illegible] सब जगह अच्छा सा लगता है। वैसे यह दिनभर [illegible] चला जाता है और आप को साथ [illegible] घर पर आता है।

जैसे यह अच्छा किया अपना पढ़ाई में [illegible] लेना है यह पढ़ाई सब अच्छा बताता है तुमको कैसा लगता है।

तुमको याद नहीं [illegible] है हो स्टेशन में गाड़ी मिल

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २५ । २ । 197८

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

आशा है कि तुम ठीक होंगी। तुम्हारा पत्र आया था लेकिन मैं उत्तर नहीं दे सका था। घर पर कोई आ गये थे तुम्हारी फोटो बहुत अच्छी आई है। बिल्कुल अपनी माँ पर जाती सी वैसी ही लगती हो। [illegible] भी इतने दिन से यहाँ नहीं आया है।

[illegible] तो [illegible] से अच्छा आई थी। अब उन बिचारी को समय नहीं मिलता है बिचारी बहुत ही रह गई थी कि घर को बहुत काम करने को रखा है लेकिन समय ही नहीं मिलता है। उषा की शादी भी २८ फरवरी की है और गुजराती के लड़के की शादी भी २८ फरवरी की है वह हमारी तरफ से है। इलाहाबाद से आकर मुजफ्फरनगर की शादी हमारी तरफ से है। [illegible] और हमने बहुत है। शादी में बुलाया है इस लिये दो दिन को तो शादी में जाना ही पड़ेगा। लेकिन बड़ा बुरा सा लगता है क्योंकि घर में ही शादी होगी और हम नहीं देख सकेंगे।

दो दिन को उषा का तिलक रक्खा हुआ है बाद

जाड़े तो अच्छा है बहुत दूर जाना पड़ता है।

तुम्हारा लिखा लिफाफा ठीक रहता है। जितने कागज़ [illegible]
फुलझड़ी में रख गई थी उतने कागज़ रखवा दिये हैं और
जो निकला वो मैंने २ अलमारियों में रख दी है।

उज्ज्वला आज कल इलाहाबाद है। उसके बड़े
लड़के योगेश की शादी २२ मार्च की है। वह मुज़फ्फर
नगर जाकर ही शादी करेगी। २४ या २५ मार्च को
मुज़फ्फर आ जायेगी। योगेश का रिश्ता भी इधर
के दादा जी ने बहन की पोती से
हुआ है। इसको शादी में मुज़फ्फर नगर जाने को
बहुत ही कहा है और इसलिए बजाय के ही मुज़फ्फर नगर
जाकर शादी कर रहे हैं। वैसे तो आगे वाले इलाहाबाद
से ही शादी करने को आ रहे थे।

आज मैं बहुत खुश हो रही हूँ। क्योंकि आज गीता (?) के
इतना के दिनों की लोग कहते है। तुम्हारी सबकी
बहुत ही याद आ रही है। तुम्हें दिन को आगे
बहुत अच्छा लगता था।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT
DATE

बापू जी २६ तारीख की शाम को आये और २८ ता
की सुबह को चले गये हैं। ललना अच्छा है। उसका
बहुत खुश है और सामान बांधने में पीछे बाले हैं।

तुम्हारी तबियत अब बिल्कुल ठीक हो गई होगी अपने
अपना सेहत ध्यान रखना।

तुम्हारी पढ़ाई के बाद ठीक ही चल रहा होगा
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

~~उसका~~
अनुपमा ने अपनी तुम्हारी
फोटो के लिये चिट्ठी भी
है उस उस फोटो इसको
भी भेज देंगे।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रकाश जी

Dated २९।१।197८

प्रिय बेटे शेखर तुम्हारी ४ता० का पत्र कल मिला और हे पत्र को पढ़ कर बड़ी प्रसन्नता होती है इस पत्र को हैदराबाद ही देख रहे थे।। तुम्हारे पास अब तक १२-१३ पत्र पहुंचे हैं इतने सारे पत्र कहां कहां से आते हैं। इतने पत्रों को देख कर अच्छा तो लगता ही होगा।

नीता रचिता को यहां पर आ गया है। ऐसे मौके पर तुम सब यहां पर होते तो कितना अच्छा होता। इस विषय का भी हम से क्या मतलब [illegible] मैं तो छुट्टी के दिन ही घर पर रहता है उनका इतवार है घर पर ही है। नहीं तो बिचारा सुबह सवेरे चला जाता है। और आप को सवेरे चले ही घर पर आता है। इतने जाड़े में गला [illegible] ही हो गये है।

हमेशा के लोग ठीक होंगे।

इन दोनों को प्यार आशीर्वाद।

आज हलवा के लिये भी लोग गये हैं
तुम्हारी बहुत ही याद आती है।
तुमने सफर पर खाना खाया होगा।
लोग ने बनाया होगा।

लोग से कहना तुमको पत्र लिखे।

अभी भटनागर साहब के पास से सामान नहीं आया है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारा शुभाकांक्षी
प्रकाश नानी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 21-1-1979

बेटी गुड़िया। सुखी रहो

तुम्हारा 1.1.79 का letter कल मिला है। Pushpa का 9.1.79 का letter कई दिन पहले मिल गया था यह डाक का हाल है।

मुझे खुशी है तुम ठीक हो। तुम्हारा जाना तो बराबर होता रहता है मैंने कई दिन हुवे दवा भेजी थी पहुँचा होगी।

तीन लिखना क्या हाल रहा

उससे भी अच्छी
दवा होती तो मैं भेज
देता। पूरा हाल लिखना
जो दवा भेजा था वह
आपके लिए भी काम
करती है।

तुम्हारे manager
से कैसे काम चलता है
बताना यह तो बदलते
रहते हैं। तुम लोगों को
हर manager का मिजाज
देखना पड़ता है।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Pat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 21.1.1979

बेटा सैनु खुश रहो।

तुम्हारा 1.1.79 का लिखा letter पहले आ गया था दूसरा 1.4.79 का कल मिला है। तुमने stamp को लिखा है आज Sunday है इसलिए नहीं मिले हैं अगले letters में थोड़े थोड़े करके भेजता रहूँगा। तुम को stamp की दिक्कत नहीं होगी।

यहाँ का मौसम कुछ दिनों से बहुत ठंडा था बारिश भी आज तो खुला हुआ है। धूप की वजह से मौसम ठीक है।

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

मैं ने papers में पढ़ा
Washington में मौसम
ठंडा है। सब लोग
परेशान हैं। Car भी
Start नहीं हो रही है
इस से houses में बहुत
भीड़ हो जाती है। लिखना
घर का क्या हाल है। हम
ठीक रहते हैं।

तुम्हारा बाबा।

West-Indies को 1st Test
India जीता है। Score Board
भेजता हूं। दूसरा Test Delhi
में 24.1.79 से होगा।

NEER
programme.
ill head a team
in the Machi
l be responsi
nd quality of
ciency, discip
linates;

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 24.1.1979

बेटा गुडिया चिरंजीव रहो

आपका पत्र न हुवे 3 महीने
बाद मिला। आपने
Subject change करवाया
है ठीक है। बदलना है
तब तो आपका परेशान
तो नहीं होगा। यहाँ
सब लोग यही कहते
हैं कि Computer Science
ठीक रहेगा। पुत्र तो
पढ़ाई शुरू हो रही होगी।

यहां का मौसम अब
ठीक है। दिन में तो
धूप है गरम। रात को
ठण्ड काफी हो जाती है
शायद १५ दिन में और
भी ठीक हो जायेगा।
वहां तो अभी काफी
ठण्ड होगी।

तुम्हारा बाबा।

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 24.1.1979

My dear Sushil

I have still no contact with Mr O. P. Bhatnagar. However, I shall have an opportunity to have a talk with Mr. Bhatnagar on 27th in a case where we oppose each other.

I am trying to contact the External Affairs person. I shall try

to send some thing
through him.

We hope you are
all well though there
is no letter this week
from any of you.

I am sending
40 stamps herewith &
shall be sending
more next.

with love
Yrs affly
D R Gupta

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 24.1.1979

बेटा संजू चिरंजीव रहो।

इस हफ्ते कोई letter नहीं आया है। डाक की हालत गलत होती रहती है। कभी यहां का letter गुम या रुक जाता है।

आज Delhi में पांचवां Test चल रहा है। India Lead कर रहा है। इस समय India का Team out हो गया है 150 runs बना चुके हैं। तीन घण्टे में।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक-चल रही होगी।

तुम ने Stamp को लिखा था और मैं भेज रहा हूँ और भेज दूंगा।

शायद 26 जनवरी को वहां भी कुछ function होगा। लिखना क्या हुआ।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 28.1.1979

बेटी गुड़िया! चिरंजीव रहो

बाबा सुशील के कार्ड के साथ तुम्हारा फोटो मिला। उस में तो तुम जैसी पहले थी बिल्कुल वही हो। केवल और पतला कुछ नहीं पाया मालूम होता है।

हम तो ठीक ही हैं। आज यहाँ [illegible] affianced वालों को प्राप्त हुये हैं। पूरा मौका मिला तो

तुम्हारी पुस्तकें मैं letter

ला देवेगा। बा. बा. के

भाभ उन का देहान्त

गी है। शायद रात तक

आवेगा।

तुम्हारा व हेमया Ajay

व Anupama, 26 January

का पुत्री पर मैं उस

समय आ रहा था। तुम्हारी

पुस्तकों से ही बात करके

धन्नीराम था।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 28.1. 1979

My dear Sushil

I have received your letter of 16.1.79 along with the Bank draft.

I am glad to know that you are all well. Gudia was suffering from some throat trouble and I had sent some medicine for her. I hope she is taking the same.

I had enclosed 40 stamps along with the letter

on 24.1.79. I don't
know whether the
stamps will be recd [received]
there. I shall be
enclosing some more
stamps with the letter
next time as it is Sunday today

I had sent the specs
& you have recd
the same. It will take a
few days to accustom
Sanjay to same.

I shall try to contact
the persons going there

with love
yours [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 28.1.1979

बेटा शैलू खुश रहो।

तुम्हारा letter मिला। Sunil का photo भी मिला है। तुम लोग ठीक से हो इस की खुशी है।

आज कल ठंड की वजह से फूलों के पौधे सूख जाते हैं। और फूलों वाली घास तो बिलकुल सूख जाती है। गर्मी आने पर [illegible] के बाद बड़ी होगी। यहां की घास

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 2 ... 1979

सूरज का रोशन हो गया है। धागों के पौधे कुछ जैसे गेंदा व गुलाब के फूल रोपे है। आशा है इनके बाद हो जावेंगे।

आज Delhi में West Indies व India का 5th test का 4th day था। India ने पहली innings में 6 wickets पर 566 run बना कर West-Indies को खिलाया। वह 172 रन बनाकर out हो गया। दूसरा innings चल रहा था। आज बारिश की वजह से खेल बन्द हो गया,

तुम्हारा बाबा
धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 31. 1. 1978

प्रिय बेटे सौन तुमको हमारा बहुत सा प्यार

बेटे तुम्हारा पत्र आया था लेकिन मैं तुम्हें पिछले पत्र का उत्तर नहीं दे सकी थी क्योंकि मेरे आगये थे पत्र लिखने का समय नहीं मिला। वैसे तुम्हारे बाबा जी ने तो पत्र लिख ही दिया था। हम यहां पर बिल्कुल ठीक हैं तुम लोगों की उन्नति ईश्वर से सदैव भली चाहती हूं।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी यहां पर तो आज कल बर्फ पड़ रही होगी। पता नहीं तुम्हारे पैर क्यों सूज गये हैं शायद जूते की वजह से छील गये होंगे।

तुम [illegible] [illegible] अपने पहनने का नहाने आपका बेटो ज्यादा ठीक ध्यान रखना। मोटे [illegible] [illegible] करो। यहां पर भी जब बर्फ होजाती है तो काफी ठंड हो जाती है

प्रिय कुशाल को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 31.1.1979

[illegible] खुश रहो।

प्रो॰ O.P. Bhatnagar से भेंट नहीं हुई। कुछ जल्दी भी नहीं है।

तुम्हारी सहेलियाँ आई थी। उस दिन मेरी तबियत ठीक नहीं था। मैं सो रहा था और जगाने पर भी नहीं उठ सका। मेरी उन से बात नहीं हुई और वह चली गई।

तुम्हारे काम का क्या हाल है। तुम ने लिखा था पास ही काम देखने को। प्रयाग पास ही

हो जाता है तो कुछ आराम
मिल जावेगा । जाने आने
में भी परेशानी कम होगी ।
पढ़ाई का भी हाल लिखना ।
क्या चलरहा है ।

तुम्हारा बाबा
[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 31.1. 1979

बेटा संजू, खुश रहो

West-Indies का मैच तो बेकार हुआ जो कि बन्द हो गया दो दिन बराबर बारिश रही। India 394 runs बनाये था West-Indies को एक Innings की हार से बचाने को follow on होकर खेलना था। वह एक ही दिन में out हो जाते पर बारिश ने उन को हार से बचा लिया। एक आखिरी Test 2.2.79 को Kanpur में होगा। तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। हम ठीक ठाक हैं। पेट तो इस तरह चलता ही है। यहां हवा बहुत ही ठण्डी चल रही है। आज बारिश तो नहीं है पर ठण्ड है।

कल तो बसन्त है। वहां तो कुछ

भी कहा। — हो गया। फरवरी

वहाँ भी ठंड बहुत होगी।

फरवरी तो January है वहाँ तो

यह महीना बहुत खराब होता

है। लेकिन तुम सब ठीक

हो।

तुम्हारा बाबा

[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ८।३। 197६

प्रिय बिटिया गुड्डा तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा पत्र रेखा का पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए हम यहां पर ठीक हैं। तुम सबों की कुशल ईश्वर से सदैव चाहती हूं। रेखा ने तुमको यहां पर आकर पत्र लिखा है मिल गया होगा। यह यहां पर २६ जनवरी को आ गया था इन दिनों तुम लोग यहां पर होते तो कितने खुश होते।

उनको तो पत्र उन लोगों के मिलते हैं हम तो रोज २ हर एक आदमी से ही पत्र इन लोगों को डालने को देते हैं। यह लोग ही पत्र डालने में कुछ गड़बड़ कर देते होंगे। तुम हमारी ओर से चिन्ता मत करना हम सब यहां पर ठीक से ही हैं। सब तुम लोग वहां पर ठीक रहो

अब तुम चश्मा बराबर लगाती रहना तभी तुमको आराम की मालूम होगी। यह जानने की उत्सुकता होती है तुम्हारा पढ़ाई का सिलसिला ठीक चल रहा है।

अब ऊषा को तुम्हारे पत्र का उत्तर देने का इरादा है। नहीं मिलता है क्योंकि लोग गप्प भी जन

इसको पत्र लिखने पड़ते हैं। और फिर बी. एड में भी दाखिला ले लिया है कालिज भी जाती है। अब मुन्नी भी स्कूल जाने लगी है। इसका तो मौका ही नहीं लगा नहीं तो आती अवश्य।

तुम स्वयं तो जानते ही हो इतना अपना बहुत ध्यान रखना पड़ता है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभचिन्तका
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ५।३।197६

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा पत्र कल मिला जो पहले लिखा है हम यहां पर बिल्कुल ठीक हैं। आशा है कि तुम सब भी ठीक होगे।

आज बोरा का जन्म दिन है इसके लिये मैंने आलू की टिकिया बनाई हैं। तुम हमारी ओर से इतना चिन्ता क्यों करते हो जब तो हम बराबर ही लिखते रहते हैं। यह लिखा है अबकी बार बड़ा जाड़ा पड़ा है यहां का मौसम भी अभी ऐसा ही चल रहा है कभी घटा से कभी तेज हवा और कभी धूप निकल ही रहता है

मेरा समय भी बस ऐसे ही बीत जाता है। किताब वगैरा बोरा लाता रहता है वह पढ़ लेता हूं तुम्हारी किताबें ठीक रखी हैं अलमारी में बन्द करके रख दी हैं।

तुम्हारे बाबा को टिकिट भेज रहे हैं। शायद तुमको मिल गये होंगे।

प्रिय सुशील को हमारा आशीर्वाद।

आज के युद्ध बन्दी ही हो रही हूँ। इस लिये पत्र जल्दी ही बन्द कर रही हूँ।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मांजी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 4.2.1979

बेटा शैलू। खुश रहो।

West Indies का VI test चला है। India ने आज सुबह 7 wickets पर 644 runs बना कर तीन wickets और होते भी declare कर के West Indies को खेलना शुरू कर दिया। West Indies ने अब तक 1 wicket खो कर 116 runs बना लिये हैं। आज के खेल का score board कल के अखबार में आ जायेगा। कल तक का score board भेज रहा हूँ

20 stamps भेज रहा हूँ।

और भेज दूंगा। 40 stamps

एक बार पहिले भी 32 भेजे

थे। थोड़े 2 कर के ही

भेज दूंगा।

पुराना भेजा लिफाफा कुछ

ठीक नहीं है। अब इतना ही

लिखना है।

तुम्हारा बाबा

[signature]

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT
.......197

चि० निलिमा गुड़िया बुन्नी ज्ञान बहुत बहुत प्यार

छोटी लोग के मेल से पत्रों के रूप में सब समाचार ज्ञात हुये। आज दिसम्बर है तुम्हारा कोई पत्र नहीं आया है और कोई बात नहीं है। तुम सबके पत्रों के इंतजार में दिन ही बीता है।

आज कल यहाँ पर सुबह से शाम तक पानी [illegible] कर फिर रात में ही आता है ऊपर के मकान में पानी की परेशानी तो होती ही है।

तुम्हारी पढ़ाई के बाद [illegible] पूरा होगा उस दिन पर [illegible] घर पर [illegible] विद्यार्थियों को समय नहीं मिलता है [illegible] को जवाब है

आज कल यहाँ पर गर्मी पड़ने लगी है वहाँ पर भी गर्मी शुरू हो गई होगी। तुम अपना खाने पीने का ध्यान रखना। सब लोग ठीक ठाक हैं

[illegible] कल यहीं पर है तो [illegible] से महीना बाद [illegible] जायेगी [illegible] को [illegible] [illegible] को देती है। तुम्हारे [illegible] आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी माताजी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ५।२।197८

प्रिय [illegible] सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा शुभ पत्र इतवार को मिला समाचार

ज्ञात हुए इस पत्र २ दिन पहिले मिला था यह पैसे

पत्र तो जल्दी ही मिल गये हैं पिछली बार तो २४ दिन

में तुम्हारा पत्र आया था बहुत ही चिन्ता [illegible]

इतनी देर तो चलते गये हो और अब नहीं हटे पर यह

उन सब में गड़बड़ हो गई होगी। बहुत पत्र जल्दी २

ही डालती रहा करो। उन पत्र का ही सहारा है।

माता जी की आंखें [illegible] हो रही है वह

कानपुर सन्तु के पास देख देगा और सन्तु उनको

के पास भिजवा देगा क्योंकि उनको भी कानपुर ही है

और उनको सर्दी के पहिले इलाज में आजी जी के पास

भेजेगी माता जी [illegible] [illegible] माता पिता बहू

में गुड्डन के पास हैं। गुड्डन बहुत दिनों से बीमार चल

रही है माता जी [illegible] पर पता करोगे उनको

बड़ी परेशानी हो रही है।

सुबोध के बारे में सब [illegible] तुमने

पिछले पत्र में हाल लिख दिया है। [illegible] है

[illegible] होगा। मकान प्रेमचन्द का
गया है। अब दूसरा ख़्याल का है आशा है कि यहां से
शान्ति वतन जोगे कोशिश होते ही होंगे नम्बर लगा है
ख़्याल व सौरभ को फ़ोटो भी दिखी है
फ़ोटो अच्छी है। शशी की लड़की गुड्डी के लड़का हुआ
है अभी तो अस्पताल में ही है आज रह के आने वाली
है। आदित्य की बहू आदित्य के पास अभी चली गई है
यहां पर मुख्तार की बहू है, वह भी बच्चों की परीक्षा
होने पर मुख्तार के पास चली जायेगी। स्कूल
खुलने पर फिर आदित्य की बहू यहां पर आ जायेगी
उनके लोन पत्र भेजे हैं मालूम भी मिल गया
होगा। राजे ने मिश्रा के घर पर जाकर कहलवा के
रुपया भेजा है दिनेश ने उनका बच्चों के कपड़ों का
और साथ की साड़ी का। और सबुर का सूट व
मिश्रा की लड़की रचना साथ ही और अपने की
साहिल का रुपया भेज (७००) दे दी है और सब
सारे नगीन का सामान था। पप्पू की बात से बड़ा ही
चिन्ता रहती है पता नहीं क्या होगा मिताली शादी
करानी पड़ेगी। बड़ी चिन्ता लगी है।

तुम्हारे नानूजी का स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा
है जब से दिसम्बर में टाइफाइड २ बार हुआ आया
था तब से ऐसे ही चल रहे हैं।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

अभ्यासियों को पढ़ रहे हैं
और खूब मेहनत करने नहीं लगते हैं कई बार
यहाँ लोग आते रहते हैं। कोई रुपये देकर भी
यह भी नहीं। लेकिन कॉलेज लोग तो कक्षा बैठे
रहे हैं। क्योंकि कॉलेज जाते रहते हैं। लेकिन कुछ
लोग चिन्ता पता करना। चिन्ता की कोई बात नहीं
है शायद गर्मी की वजह से खूब लोग थक जाते हैं
और तो ऐसा ही चल रहा है। यह तो अब बिल्कुल ठीक
तो क्या ही होगा। और आप तो अपने सब जानते ही हैं

किया शायद सोचा है अब फिर से गाने
वाले होंगे। तुम्हारी तबियत कैसी रहती है कुछ अपना
खूब ध्यान रखना। रानी लोग कैसी रहा करे।

शेष को आशीर्वाद पर कहीं थोड़ लोग दे पत्र
भेजना बस यहाँ पे ही सब लिख लेगा। कोई
उनके जरा भी नहीं दिखते हैं।

तुम्हारे बाबूजी को आशीर्वाद। नाती को
नमस्ते। समाचार शीघ्र ही देना। तुम्हारी शुभकांक्षी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 3/5/ 197

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा प्यारा सा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुये। तुम्हारी व उमेश की फोटो भी मिली है फोटो बहुत अच्छी है बस मन को यही लगता है कि हम फोटो देखते ही रहें।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। तुम पत्र जल्दी नहीं लिखते हो तो मेरा भी पत्र में देर हो जाती है तो इससे बहुत ही चिन्ता हो जाती है। अब तो तुम सामयिक [illegible] चला लेते होगे लेकिन. मेरा अभी थोड़ा [illegible] में पत्र [illegible] जाता है कि तुम मेरे लिखने का ध्यान रखोगे

इसके तो आज [illegible] से [illegible] बिल्कुल नहीं देखी है बस अखबार से। तो पर देख लेती हूँ अब सोचे [illegible] ने [illegible] के होश को [illegible] गया है। [illegible] ठीक विचार देखो थी।

पापा तो आजकल में ही है। देहरादून में [illegible] उधार रिश्तेदार ने [illegible] के [illegible] ने

वाला गृह प्रवेश में आने से पहले बनवाने
में तकलीफ़ ने ही बहुत परेशान नहीं है

तुम अपना खूब ध्यान रखना।

रोज़ की रपत्तो। प्रिय सुशील को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।
कितने दिन से पत्र है नहीं कहीं आया है।

तुम्हारी शुभचिन्तका
प्रकाश वती

तुमने जो यह सुशील को अजयन्ता मोटी भेजी
है यह जिल्द गत्ते पर ओढ कर भेजी है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 21/4/1978

My dear Sushil

Received yours of 17/4.
Yes, I shall send the claim form when the policy matures & then will do the needful. In 'it' will not be proper to leave the money without interest.
I had touched the matter of your promotion but they are doing

nothing. I find they
are busy in their own
politics & find little
time to do what
is necessary. We
are well though my
leg is as usual &
may remain so for
the small period left.
I am only interested
in seeing you back &
hope so.

with love
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 2.5.1979

[illegible]

तुम्हारा 17/4 का letter

[illegible]

बहुत दिन बाद letter

[illegible]

[illegible]

तुम्हारा cycle [illegible] है। [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

यहां मौसम गरम है। यहां
तो मच्छर भी बहुत हैं।
तुम्हारे यहां का क्या
हाल है। यहां तो पेड़
पौधों पर खूब फूल आ
रहे हैं। बेला में एक
तो खूब फूल दे रहा
है। गुड़िया का हाल तो मैं
लिखना भूल गई। बेचारी को
तो बहुत परेशानी रही है।

Yogesh ने मेरठ
छोड़ दिया एक
माह से मेरठ में है

तुम्हारी मां
O.K.

प्यार आशीष जी हम लोग अभी यहां
हैं। बस अब सबको नमस्ते और
तुमको प्यार।

तुम्हारी मौसी
योगेश।

Dhanpat Rai Gupta
प्रकाश वती
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २३/२/197२

प्रिय राधिका तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार।

तुम्हारा लम्बा पत्र आये हुये कितने दिन होगये हैं। पत्र न आने से चिन्ता है। यहां पर सब ठीक हैं तुम सबों की कुशल ईश्वर से सदैव मनाती हूं।

तुम्हारे बाबाजी को २८ जनवरी को बुखार आ गया था और बुखार १०२ डिग्री को पहुंचते ना था बैठे तो। लेकिन बुखार तो उतर गया है कमजोर ज्यादा होगये हैं। और अभी भूख भी ठीक से नहीं लगती है। वैसे अब चिन्ता की बिल्कुल ही बात नहीं है। थोड़ा देर के लिये बगीची भी अब जाने लगे हैं। तुमको इसलिये लिखा है यदि और कहीं से पता चलता तो तुमको चिन्ता हो जाती।

यहां पर २८ फरवरी को देवकी के लड़के संजीव की शादी यहां पर मेरठ में ही होगी तिलक भी मेरठ में ही हुआ है। और जयपाल के लड़के योगेश की शादी भी जयपाल मुज़फ्फर नगर में ही कर रहे है। इसका तिलक भी मुज़फ्फर नगर में ही हुआ है वैसे जयपाल इलाहाबाद में रहता है। वैसे तो तिलक वगैरा लड़की वालों से यह तय होगया था कि आपको शादी लड़को को इलाहाबाद जाकर होकर होगी

लक्ष्मी वाले इलाहाबाद से शादी करके तो नमस्कार हो गये थे। अब कुमुदनी रिश्ता करके और तो इनसे भी मिली थी। और इनको इलाहाबाद शादी में आने को बहुत कह रही थी लेकिन वहां पर औरत को इनके घर पे कर दिया था। फिर इनकी वजह से ही वह किसी प्रोग्राम नहीं बना शादी करेगी अब वह इनकी वजह से यहां पर अगर शादी करेंगे तो फिर इनको प्रोग्राम बनाकर शरीक होने आना ही पड़ेगा। वैसे तो वह भी उनके शादी में जाते। लेकिन उसी दिन भी देवला के भाभी की शादी है। इसलिये वह तो देवला के जायेंगे और ये प्रोग्राम बना जायेंगी। वैसे यहां पर इनके भी सोजत की बार बाला की खुशामद तो होगी ही। लेकिन आना तो पड़ेगा ही। वैसे रश्मिजी की उषा की शादी है। इसलिये शादी नहीं देख सकूंगी। उषा व प्रेमचन्द की शादी रिश्ते में ही होगी और उसी दिन शाम को विदा हो जायेगी। प्रेमचन्द की शादी पूना में है। यदि शादी पर तुम्हारा भेजा हुआ सामान आ गया तो उषा को दे दूंगी नहीं तो फिर बाद में दे दूंगी। अभी तो सामान नहीं आया है

शुभ सब वहां पर ठीक होगा। तुम्हारी पढ़ाई व [illegible] चल रहा होगा। प्रिय लोग व कुशल को हमारा आशीर्वाद। नाती को प्यार। पत्र का उत्तर जल्दी ही देना।

तुम्हारी अम्मा

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २२।३।197८

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

२ ता० को तुम्हारा पत्र आगरा से मिला समाचार ज्ञात हुए। तुम्हारा पत्र न आने से बड़ी चिन्ता लगी थी

मजा अग्रवाल भी आये थे लेकिन तुम्हारे बाबूजी इनको नहीं मिले वह कचहरी चले गये थे

तुमने जो लिखा है १० ता० को नोटिस आ रहे हैं लेकिन इसका पता नहीं चला। बहुत ही दुख होता है इतने दिन तुमको गये हुए हो गये हैं और हम तुम्हें भी नहीं देख सके हैं। यदि कोई आने वाला होता है तो खबर नहीं होती और यदि पता भी चलता है तो कोई ले जाने को तय्यार नहीं होता है। यहां पर तो जाड़ा खत्म हो गया है। वहां पर जाड़ा अधिक है तुमलोग खूब सारे कपड़े पहना करो बहार जाया करो और अपनी सेहत हिफाजत रखना।

तुम्हारे बाबूजी को बुखार आ गया था लेकिन अब ठीक है। बस ज़रा कमज़ोरी हो गये हैं। यह भी धीरे २ ठीक हो जाये गी।

स्कूल ठीक होगा। उनको हमारा आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी प्रभावती

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 23.3.197[illegible]

प्रिय मेरे [illegible] तुमको ढेरसा बहुत प्यार

[illegible] दिनसे तुम्हारा पत्र ना आने से चिन्ता है

आशा है कि तुम सब ठीक होगे। हम भी यहां पर ठीक हैं

तुम्हारे नाना को गोकुलदास अस्पताल में [illegible] अब ठीक हैं

[illegible] कमजोरी है [illegible] के लिये [illegible] भी

आने लगे हैं। तुम लोग बिल्कुल चिन्ता मत करना।

तुम्हारे नाना जी तीन चार बार से पत्र में टिकट

भेज चुके हैं। तुमको सब कुछ तो मिल ही गये होंगे

और भी भेजते रहेंगे। टिकट ना होने से तुमको परेशानी तो

हो ही रही होगी। राजा प्रेमलाल भी घर पर आये थे

लेकिन तुम्हारे नानाजी उनसे नहीं मिले। वह आगरा चले

गये थे। प्रेमलाल फिर आने को कह गये हैं। [illegible] थे

कि [illegible] दिन हुए सब कुशल [illegible] पत्र उनके पास आया था

तुम्हारा [illegible] ठीक चल रहा होगा। आज तो

यहां पर [illegible] है धूप भी नहीं [illegible] आ रहा है।

वहां का मौसम कैसा है। [illegible] तो वहां पर [illegible]

पड़ी है ऐसा कि तुमने लिखा था।

योगेश आता रहता है। अब तो तुम्हें गये हुए २ साल तो
डेढ़ वर्ष हो जायेगा और सर्विस के बाद फिर तो
लौट आओगे। इच्छा होगी पर और डेढ़ वर्ष भी देखते
खुशी से बीत जायेगा।

यहां पर अब तो हुमा लोगों की शादी की
तैयारियां हो रही हैं। लेकिन जोर है कि आज कल
सुबह के दिन ही घर पर शिलनार रहता है इतनी सुबह
कल इतवार को ही होती है। बेटे सुरेन्द्र लगभग आठ
बजे घर से जाता है और शाम को सवा छः बजे घर पर
आता है। और यह तो है ही कि बच्चा रहता है।

कल इतवार था सो मैं और मैं इनके तुम्हारे —
पिक्चर देखने गुलमर्ग में गये थे पिक्चर हटाने की
थी। दोपहर को १२ बजे वाली शो में गये थे।

तुम्हारे पौधे लगे हो रहे हैं। यहां पर भी आज
कल गर्मी की वजह से ऐसे ही हो रहे हैं।

१० फरवरी से सुबोध ने अपना मकान बनाना
शुरू कर दिया है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

तुम्हारा पत्र आज ही मिला है।
सब समाचार ज्ञात हुए।

Dhanpat Rai Gupta NAGAR,
VAKIL [illegible]RUT

Dated 11 : 2 1979

My dear Sushil

we have not received any letter from any of you for more than a week. It may be because of the shortage of stamps.

I had sent 40 stamps on or about 24.1.79 & then 32 after a week and again 20 about a week ago.

I have not received any letter whether any of the stamps have reached you. I shall send

more stamps as soon as

I know that they are

reaching there.

Mr. O.P. Bhatnagar has

not yet contacted us.

However there is no hurry

for any thing.

with love

Yours aff'ly –

[illegible]

12.2.79

Recd your letter of 1.2.79. I shall
try to contact Hapur person. Mr Vijay
had informed me that his brother who
will go to your place in the last week
of Feb. However, I shall see to it [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 11 : 2 1979

बेटा शैल । खुश रहो

मेरी तबियत कुछ दिन
से ठीक नहीं थी। मामूली
बुखार हो गया था जो ३ दिन
का था अब मैं ठीक हूँ कोई
परेशानी की बात नहीं है।
दो दिन से बाजार गया हूँ।
काम भी कर रहा हूँ।
तुम लोगों का भी कोई
letter कुछ दिनों से नहीं
मिला है।

कुछ Stamps भेजे थे मैंने उनमें से किसी को बड़ा पहचान का देखा निशानी पर और भेज दूंगा बहुत थोड़े काम के।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

12.2.79

तुम्हारा 30.1.79 का letter मिला है। इस पत्र के साथ कुछ Stamps पहचानने होगा। और भेजूंगा। तुम्हारा इस letter पर 20 N.Paise का ही Stamp लगाना था पर ज्यादा हो गया।

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 14.2.1979

my dear Sushil

I had received your letter of 1.2.79. The Hapur man is going to your place on 19.2.79. He was scheduled to go on 10.2.79 but because of the marriage of his brother the date is changed to 19.2.79 as 17.2.79 is the date of marriage.

I am sending 1½ K.G. Papad specially prepared, 1 K.G. 'Rewari'. 1 K.G. →

Narmekin through him.
I am also sending
60 stamps with a letter
along with the articles.
I am better now though
weak. I shall be
O.K. within a few
days. You need not
worry.

with love
Yours affly,
Dach

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 27-3-1978

चिरंजीविनी सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो

तेरा पत्र तुम्हारे पास पहुँचा होगा उत्तर की प्रतीक्षा है। हम दोनों यहां पर ठीक हैं। तुम सबों की खैर ईश्वर से सदैव भली चाहती हूं। शायद तुम्हारा हाल ठीक हो गया होगा। २१ फरवरी को उपेन्द्र की बहू ने दोबारा कन्या ने जन्म लिया है। क्योंकि बार तो लड़का होने की बहुत ही आशा थी। आज कल यहां पर शादी की दोनों तरफ खूब तैयारियां हो रही हैं। हमारा भी बहार का रिश्ता और [illegible] है। इतवार है [illegible] अपने पुते हुए तीन साल हो जायेंगे। [illegible] रक्खा है।

तुम्हारे बाबूजी को बुखार हो गया लेकिन बिल्कुल ठीक हैं। लेकिन अभी कमजोरी ज्यादा मालूम होती है। विनय गुप्ता के रिश्तेदार हैं तो लेकर जायेंगे। विनय विचार का पर बतलाना भी आप [illegible]। और सामान को बढ़ ले गये हैं। इसने डेढ़ किलो पापड़ १ किलो बड़ा १ किलो नमकीन भेजा है।

यह चित्र देखो तो अच्छा ही लगते हैं लेकिन पता
नहीं तुम्हें पसन्द भी आ जायेगा। यदि तुमको लगता हो
इसे पहले बनवा कर देते हैं यदि सुशील को
पसन्द हो तो और कोई अपने वाला होगा तो भेज देंगे
तुम्हें और कोई चीज़ चाहिये हो तो अवश्य लिख देना
इस बार मन बहुत ही दुखी हो रहा था कि इतने दिन बच्चों
को गये हुए हो गया है लेकिन तुम भी नहीं भेज
सके हैं केवल कोई पत्र से उसी दिन नियम तुम्हारे
अपना बतलाया कि वापस देना और बाल बाद तीन
दिनों के ज़्यादा तो हो। तो बहुत ही प्रसन्नता हुई।

यदि सुविधा को मेरा कुछ सेन्ट उषा की शादी के
लिये आ गया तो अच्छा है। नहीं तो बाद में दे दूंगा

मेरा विचार तो उषा के अगले की शादी में
सहायता देने का भी है। मैं जुलाई के शादी में
२० ता० को जाऊंगा और ७ ता० को आ जाऊंगा। रचना
की शादी है व देवकी के लड़के की शादी की सम्भावना
भी है तुम्हारे बाबूजी व नीरज इनकी शादी में जायेंगे
शादियों पर तुम लोगों की बहुत याद आती है।

प्रिय सुशील को हमारा आशीर्वाद। प्रिय गुड़िया के
शीघ्र ही हमारा प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 18.2.1979

बेटी गुड्डी [illegible] रहो

पूजा काम खूब करती हो

busy रहती हो। समाचार मिले

Sem/100 का ग्रो ही ठीक

रहा है। लेकिन तुम्हारी मेहनत

सफल करो। तुम्हारा तो

health भी कमजोर हो है।

इस से चिन्ता रहती है

मेरी तबियत कोल प ना ख

दिनों से खराब की ज्यादा खराब

था अब ठीक हूं। अब कमजोरी

है सो भी ठीक हो जावेगी

धीरे धीरे। मेरी तरफ से

कुशलपूर्वक [illegible] । [illegible]

[illegible] उगाने में कमजोरियाँ [illegible] देर से जाता है। वे सब मैं [illegible] सब भगवान करते रहते हैं [illegible] [illegible] की जाती है।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 18 : 2 1979

My dear Sushil
Recd yours 1/- 6.2.79.

I am glad you are all well.
I have sent 1½ K.G. Papad,
1 K.G. Rewri and 1 K.G. Namkin
through the Hapur person along
with a letter containing 60 stamps.
You have written that 40 stamps
would be enough for a few
months. I wonder how it could
be so. You must have recd
by now stamps 40 + 32 + 20 &
when the 60 stamps reach you
then the stock may be enough
for some months. I shall
therefore wait for your

letter before sending more.
You should write at least
a month before the stock
finishes as when you write
it will take at least a
month to reach the fresh
stock.

Mr O P Bhatnagar has
not yet contacted us.
I shall see if ~~[illegible]~~ Mansukhi
of Ext. Affairs ministry can
take some thing from us to
you.

I am better now though
weak after the attack of
fever.

With love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २६।३।197८

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २ता० का लिखा हुआ पत्र और कुशपाल के ६ता० का लिखा हुआ पत्र हमको ९ता० को दोनों दिन पत्रों से सब समाचार ज्ञात हुए। योगेश के पास भी तुम्हारा ८ ता० को ही पत्र मिला है। योगेश कहता है कि मैंने शैल को पत्र लिखा था पता नहीं उसको क्यों नहीं मिला है। योगेश घर पर आता रहता है। तुम्हारे बाबाजी को बुखार आ गया था लेकिन अब बिल्कुल ठीक है बस ज़रा कमजोरी है। वैसे थोड़ी देर के लिये बच्चे भी आते रहते हैं चिन्ता की कोई बात नहीं है पैर का दर्द भी ठीक है। बस जब साइकिल पर जाते हुए डरते हैं फिर नहीं जाते हैं तो रिक्शा ले जाते हैं। बस बच्चे ही साइकिल ले ही जाते हैं। यह अच्छा है इस बार यहाँ पर बहुत ठंड नहीं पड़ी है। यहाँ पर भी अब जाड़ा बहुत कम हो गया है। हवा या बादल हो जाता है तो ज़रा जाड़ा हो जाता है।

तुम्हारी पढ़ाई व रुपया की पढ़ाई के बाद

ठीक चल रहा होगा। श्री. गुप्तसल महोदय ठीक प्रकार से होंगे।

बेटा तेरी इतनी तुम सबों की बहुत ही याद आती है यदि तुमको या गुड़िया को यहां से कोई चीज़ मंगानी हो तो लिखना। लाने की या और किसी आप की। यदि आ सकी तो भेज देंगे।

नीरज को तुमको व गुड़िया को प्यार सुशील को सौरभ को [illegible] को नमस्ते। [illegible] कुशल को हमारा आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मांजी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

प्रकाश वती

Dated २९।२। 197८

प्रिय चिरंजीव गुड़िया तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

चिरंजीव तुम्हारा 12 ता० का लिखा हुआ पत्र हमको कल 20 ता० को मिल गया है। तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। तुम हमारी ओर से बिल्कुल भी चिन्ता मत करना हम यहां पर बिल्कुल ठीक हैं। कभी ऐसा हो जाता है कि मैं पत्र नहीं लिख पाती हूं। क्योंकि पत्र लिखने के समय कोई आ जाता है तो नहीं लिख पाती हूं। वैसे तुम्हारे बाबा जी को पत्र बराबर लिखते ही रहते हैं। आजकल उषा को अपना पत्र लिखने का समय नहीं मिलता है क्योंकि अपनी शादी की तैयारी में बहुत व्यस्त हो रही है और जिसमें बी.ए. की पढ़ाई के नाते से कालेज भी जाना पड़ता है मैं उषा के मंझले की शादी में डेगौन में राधासला दे रही हूं। यदि तुम्हारा टिकट की शीशी जब तक कमरे तो दे दूंगा। नहीं तो फिर बाद में दे दूंगी अभी तक वह सामान नहीं भेजा गया है

यह जान कर प्रसन्नता होती है तुम्हारा प्यारा के स्कूटर का काम ठीक चल रहा है। अपना पत्र लिखने को भी समय नहीं कम मिलता है। फिर शैल बीता के पत्र से हाल तो मिल ही जाते हैं। तुम परेशान मत हुआ करो। लेकिन मैंने इंतजार तो हमको तुम्हारे पत्र की भी रहता है

तुम्हारे ने बड़े लाल योगेश की शादी है अशोक तो
नौकर नहीं गया है। तुम्हारी २५ता० को मुजफ्फरनगर
जाना होगा उसने तुमको बुलाया तो २५ता० को ही है लेकिन मैं
इतने दिन पहिले तो जा नहीं सकता हूँ। क्योंकि यहां पर इन
दोनों की भी शादी हो जायेगा मैं २६ता० को जाऊंगा और
१ मार्च को आ जाऊंगा। तुम्हारे बाबा जी तो जा नहीं सकेंगे
क्योंकि २८ मार्च को ही देवकी के बड़े लड़के सतीश की
शादी भी देहली से ही कर रहे हैं वहां पर भी जाना जरूरी ही है
इसलिये तुम्हारे बाबा जी तो वहां पर जायेंगे।
मैं तो उषा की शादी भी नहीं देख पाऊंगा। मेरे उषा
के जेठ की शादी दिल्ली ही है २८ता० को ही शाम को
विदा हो जायेंगी। तुम हमारी ओर से चिन्ता मत करना।
तुम्हारे बाबा जी बिल्कुल ठीक है मगर [illegible] कुछ लगता है
और दूध भी ज्यादा कम ही लग रहा है। आज कल यहां पर बहुत ही
सर्दी व जाड़ा पड़ रहा है अपना जरूर ध्यान रखना बहुत मोटे
कपड़े पहन कर बाहर जाया करो कल रेडियो में [illegible]
को सूचना दी कि [illegible] तक [illegible] और भी पड़
रही है इसलिये जहाज व बस [illegible] सब बन्द है। बड़ी चिन्ता
होती है। कल रेडियो से पता चला है कि [illegible] सब ठीक रहो
तुमको तो क्या होगया है यदि चलना यहां पर आवे तो हमारे पास
आ जाना ही। प्रत्युत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

इलाहाबाद

Dated २९।२।197८

प्रिय बेटे शैलू तुमको हमारा बहुत सा प्यार।

तुम्हारा २२ता. का लिखा हुआ पत्र हमको कल मिला पढ़ कर सब समाचार ज्ञात हुए हैं। यह जान कर चिन्ता होती है कि वहां पर आजकल बहुत बर्फ पड़ रही है। और पहले ठन्ड की तुमको आदत है कि बर्फ की वजह से स्कूल की छुट्टी हो गयी है। तुम अपना बहुत ही ध्यान रखना बहुत सारे कपड़े पहन कर बाहर जाया करो सुशील भी अपना पूरा ध्यान रखेगा। आजकल यहां पर भी काफी जाड़ा ज्यादह पड़ रहा है परसों तो हल्की तेज के रफतारवाली देहली में व यहां पर हवा चली कि बहुत ही बुरा लगता रहा यहां पर बिजली के तार और पेड़ टूट गये जैसे की ताज़ा। और देहली में तो पचासियों टीन उड़ गये।

परसों नरेन्द्र भी घर पर आये थे और दो पहर काफी देर तक बैठे रहे। तुमको ज्ञात हो गया होगा कि मन्जू ने बनारस में तीसरी कन्या ने जन्म लिया है ११ता. को पैदा हुई थी बनारस में सब ठीक हैं। तुम हमारी ओर से चिन्ता मत करना जरूर मैं पत्र नहीं लिख पाती हूं। वैसे तुम्हारे बाबा जी तो पत्र बराबर लिखते ही रहते हैं। हम यहां पर बिल्कुल ठीक हैं कभी कभी तुम्हारी याद आकर उदास से हो जाते हैं।

मेरा तो बहुत दिल होता कि हम अपनी लेटर लिखना को तुमको भेजें। लेकिन तब तो तुम्हारे

बालाजी से इन नदियों पर आते हुए जालन्धर बहुत
आनन्द आता है इन साइकिल पर तो थोड़े समय में आप
भी यहाँ आ सके हैं फेर भी आया हो। बस यहीं बहुत ही
गरमी होता है तो निकला के आते हैं। साइकिल पर
तो बस पसीना ही आता है। यह भी यहाँ आता थोड़े दिन
तो तारीख से इधर चल आते हैं। अब भी बालकों के
घोड़े सिंचाई कर तुमको अवश्य देखोगे। अब तो तुम्हें
दादा नाना जी सोच लिया होगा।
बेटो सी के लखनऊ में सब ठीक हैं पप्पू की परीक्षा
समाप्त हो गई है योगेश ठीक स्कूल ही जाता रहता है
और पूछता रहता है कि कोई चाचा हो तो बतलाइये
लिखावट अच्छा लगता है तुम्हारा पत्र भी उसने पहले पढ़ लिया था
तुम्हारे पत्र में बड़े बहुत ही सुन्दर बनाया है
जो तुम नहीं बना होता है तो तुम्हारा पत्र सूना सा
लगता है। तुम बहुत ही प्यार से बनाते हो।
प्रिय कुशाल के सारा को हमारा आशीर्वाद
इसके जो सामान देना है वह १५ ता॰ को गये हैं
शायद तुम्हें अब मिल जायेगा।
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।
तुम्हारी शुभाकांक्षी
[illegible] बड़ी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 21.2.1979

बेटा मोनिका। खुश रहो

तुम्हारा 12.2.79 का letter मिला। मुझे खुशी है तुम्हारा Manager एक Supervisor पुरुष है। पुरुष बड़ा ही काम लेता लगा रहा है तो थोड़े दिन के बाद कहीं पै जाना तो ठीक रहता है। जब कि वहाँ ही पुराना होगा। ठीक तो नहीं है लिख दो तसल्ली

काजल बेटी। तुम को Physics से डर लगता है क्यों? मुझे तो Physics से कभी वास्ता नहीं रहा पर मैं ने देखा है Science side वाले Math. से डरते थे। मैं ने तो Arts में होते हुवे भी Math लिया था college में।

तुम्हारा बाबा

ध० रा० गु०

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 21.2. 1979

My dear Sushil

Recd your letter of 13.2.79. I am sorry to know that the [illegible] reading lense of Saroj is not working well. If you have got it examined let me know what is wrong. If there is some thing wrong with the lense I shall ask

The dealer here who

"d" was so.

Yes, I have heard

the news of Washington D.C.

on Radio on 19.2.79. They

say that the snowfall there

is so bad that the Air, bus

railways all means of

conveyance are stopped;

you must be feeling

the cold. Take good

care of children & your

wife.

With love

Yours affly

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 21.2.1979

बेटा शैल, रविन्द्र खुश रहो।

मेरा तबियत खूब ठीक ही है। कमजोरी तो है ही। फिर भी यहां तीन दिन से बहुत ही ठण्ड हो रही है। आज तो बरदाश्त से भी ज्यादा सर्दी है। फिर भी कोट नहीं बनवा सका। कुछ दिन बाद बनवा सकूंगा।

तुम्हारी अम्मा को तो पे

पेन को ठीक करवाना
जाना है। आगरा में। यहाँ
भी दो आदमी हैं जो
ना। थोड़ी देर को जाना
ही पड़ेगा।

तुम्हारे Platinum Chrome
Blade तो बहुत पसन्द आते
हैं। इतना आसान काम है।

तुम्हारा बाबा का
प्यार

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25-2-1979

[illegible]

Usha की शादी की
बात चीत हो रही है यहाँ
22-2-79 को शादी है।
पत्र [illegible] को [illegible] का
मालूम पड़े उस को
[illegible] मिले तो उस को
चाहिए कोई letter का
लिखना बस इतना ही
ठीक था।

यहां का मौसम एकदम
बदल गया है। ठण्ड
है पर दिन में धूप
रहती है।

तुम्हारा स्कूल और
[illegible]ों का क्या
हाल चाल रहा है।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25-2-1979

My dear Sushil

I had sent some articles through the Hapur person who went to your place on 19.2.79.
I will see if the same reach there.
Mr. O. P. Bhatnagar has not yet contacted us.
Your mother will be

going to Dr. nagar

for the marriage

There. I have to remain

there because of the

marriage of Deoki's

son which also

falls on the same date

28.2.79.

I am sending a

little present for Holi

festival.

with love

Yours affly

D R Gupta

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25.2.1979

बेटा शैला, खुश रहो।

वहां के हाल तो अखबार बताते थे ठीक नहीं थे अब क्या हाल है। तुम ने भी लिखा था कि school वगैरा भी बन्द थे। इससे तुम लोगों की परेशानी मालूम हो कर चिन्ता होती है पर कुछ भी कर नहीं सकते यहां से।

[illegible]

हाल लिखना [illegible]

[illegible] है।

[illegible] है

जो पढ़ा हो आ जाए। वहां

तो कोई बाधा न पढ़ावेगी

मुझे [illegible] होता है

[illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 1.3 1979

My dear Sushil
we have not recevd any letter from any of you for a week
I had sent a little Janam for Holi with my previous letter but I am not sure if that reaches you. So I am sending a little more.
This is to inform you that Postage on inland

and envelopes are
enhanced. These will
require 5 N.P more
each. So I shall
send you some
5 N.P stamps because
you shall need them.

With love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ९/३/197८

प्रिय विनोदिया सौभाग्य सदैव सौभाग्यवती रहो

सुशील के पत्र से सब समाचार ज्ञात हुये। और यह पता चला कि २ हफ्ते से वहां पर बहुत जोर की बर्फ से बंद गया हुआ है। आशा है कि अब तक मौसम ठीक हो गया होगा। और आने जाने के रास्ते ठीक हो गये हुए होंगे

बड़े दुख से लिख रहा हूँ कि मेरी बीबी का ४ मार्च को सुबह ४ बजे मुजफ्फर नगर में पटेल नगर में अपने देवर के लड़के के पास स्वर्गवास हो गया है। सुबह ६ बजे हमारे पास टेलिग्राम आया था मैं और यह गये थे और रात को आठ बजे आ गये हैं उनका शरीर बड़ी शान्ति के साथ छूटा है। पहले रोज की तरह सुबह को शौच से जाकर नहा कर पूजा करती थी पूजा की। और रात में खाना खाया पान खाकर सोई। पास में उनकी देवरानी सोती थी। उनको भी पता नहीं चला सुबह ४ बजे देखा तो बिस्तर पर मरी हुई पड़ी थी। ऐसा लगता है उनके शरीर में तो कुछ था ही नहीं' हार्ट फेल हो गया। बिल्कुल शान्त

कहता था यहीं पेशाब निकल पड़ा उसे नहीं था।
बिल्कुल साफ निकल गया जब उनकी मृत्यु हो गई
पर जो यहाँ शान्ति है कि अपने चलते शब्द पैदा हो गए
है। जैसा कि अपना साथ जाना था निश्चय था। शब्द जो
अपने मैं ज्ञान है। वो देखा। जब ईश्वर के यहाँ
जाना है कि उनकी आत्मा को शान्ति है। होली के पहिले
बहुत हो जायेगा तब भी मैं घर पर जायेंगे।

१ पहिला हुआ तब तो २ घंटे को मेरे पास आए थी
उस समय को पूछ रही थी।

शैल के गुड़िया के स्कूल खुल गये होंगे। अब तो
तबियत ठीक हो गया होगा। यहाँ पर भी जब तक वर्षा ने
बोला पड़ा है। उषा के अंग्रेजी की शादी तय हो गई है
जैसे तो इन दोनों की शादी मैं उनके में तय पक्की हो है।
उधर तो सामान भेजा था वह तो अभी तक पहुँचा नहीं
मिला है। गुड़िया के जो उषा के लिए उनके में भेज
देने को हैं न की शादी हो थी। जब वह शादी के मौके
पर नहीं हो गई है और अभी तक नहीं मिला है तो अब
तो उषा को देने जेवर ही है पता नहीं वह कब
भेजेंगे। यदि गुड़िया कहे तो लिखना जब वह मिल
जायेगी तो हम उषा को दे देंगे। जैसा गुड़िया लिखेगी
वैसे मञ्जु बाबा की शादी पर देंगे। गुड़िया जैसा लिखेगी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.................197

कुमुदनी ने अपने योगेश की शादी २२ जनवरी को की
थी और लड़की वालों ने कुमुदनी योगेश की ओर से शादी के
लिये जो सब सामान दे दिये गये थे। मैं अकेला ही रहता
था। सुबह जो कुमुदनी ने शादी में मुजफ्फरनगर धर्मशाला
में गई थी मुश्किल से तो उनको धर्मशाला मिली। वहां पर
जाकर पता चला कि कुमुदनी इलाहाबाद से नहीं आई है
इन्दु शेखर जी को २२ जनवरी को हार्ट फेल हो गया है
और शादी कैन्सिल हो गई है। इस पर बहुत ही शोर लगा
बड़ी उदासी रही थी। अब तो उनके ठीक होने पर ही शादी
होगी। और ऐसा लगता है वह शादी अब इलाहाबाद से ही
करेंगे। वह ईश्वर से यही चाहता है कि इन्दु शेखर
जी ठीक रहें और अपने हाथ से शादी करें। फिर मैं
थोड़ी देर लड़की वालों के घर पर जाकर इन्दु शेखर जी की
बिमारी का सब हाल बता आये शाम को घर पर अपनी
जानी मानी थी इधर पापा जी के पोते की लड़की है।
दीदी को भी कुमुदनी के मुजफ्फरनगर आने में शादी
होने का बहुत ही चाव लग रहा था। वहीं भी अपने

इस पर तुम्हारी सब के साथ फोटो खिंचे गए केवल के बाद फोटो सब से मिलना हो ~~सकता~~ । जाता ।

यदि इलाहाबाद में शादी होगी तो यहां पर तो हम नहीं आयेंगे ।

नीरू शायद होली पर लखनऊ आयेगा । तुम्हारे पास गुलाल पहुँच गया होगा और जो सामान इसके थे आनन्द को भेज दिया गया होगा साथ की चीज़ लाल तो नहीं हुई है गुलाल होली पर शगुन पर लगा दिया होगा । २२ ता० को होली है

तुम सब यहां पर ठीक होंगे ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम सब ठीक हो । हम भी यहां पर ठीक हैं ।

कितने दिन से बेटा गुड़िया का पत्र नहीं आया है

प्रिय सुशील को व पुष्पा को हमारा आशीर्वाद

प्रिय गुड़िया बेटा को बहुत सा प्यार

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना ।

पुष्पा ने तुम्हें टेलिग्राम तो दे दिया था लेकिन वह २६ ता. को दोपहर को मिला जब मैं चली गई थी और तो फिर पत्र मिला ।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

my dear Sushil Dated 7.3. 1979

Recd your letter of 27.2.79. I am glad to know that you have recd the articles and more so because you have liked these.

I shall try to contact the girl when she goes to Washington and I shall see if she agrees to take some thing for you. I am sorry nothing has been done by now in your case. I had

asked Mohanlal Kapoor several times and he promised to do the needful but I find no results by now. I shall try again.

Your mother went to Shinagar on 27.2.79 to join the marriage celebrations but came back disappointed as Indushekhar didn't come there. The marriage was postponed as he had a heart attack at Allahabad.

Bibi Asa Devi died on 4-3-79 & we had to go there for the occasion. Antim is on 11.3.79 & we shall go again

with love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 7.3.1979

बेटा शैलू ! खुश रहो।

तुम्हारा 23-2-79 का पत्र मिला। मुझे समाचार जानकर हिमाचल का पता पूछ कर के दू कागज़ात तो उस को थोड़े दिन रहेगी होंगे।

1.4.1979 से यहाँ का डाक को टिकट 5 नये पैसे ज़्यादा हो रहे हैं 25 पैसे के लिफाफे पर 5 NP यानी कुल 30 पैसे। Inland पर 20 के बजाय 25 पैसे होंगे। क्या टिकट की परेशानी होगी मैं 5 N.P के 20 stamps भेज रहा हूँ लगाने को ज़रूरत

डाली । जैसा तुम चाहोगे ।

पुस्तक का लिफाफा पहले तो

लोगों ने केवल 5 N.P.

का ही stamp लगा कर

भेजा है पर ना जाने क्यों

check नहीं हुआ । शायद

American Lung association

का label stamp लगा कर

और [illegible] हुआ हुआ ।

पत्रिका में Photo नहीं दिखाया

है । [illegible]

तुम्हारा बाबा

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 11.3 1979

My dear Sushil

we had recd your letter of 27th month.

We have just come back from M. nagar where we had gone for the 'Arishti' of Bibi Asa Devi.

We have no contact yet with Shri O. P. Bhatnagar. I am informed he is at Bombay these days.

It was extreamly cold here for the last four days. These are Holi days but a very strong cold wave is on for three days.

with love

Yours affly

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २४।३।197८

डियर बिटिया गुड़िया तुमको ढेरा बहुत सा प्यार।

लोगों का पत्र हमको २२ता० को मिला है इसके पत्र से तुम सबों के सब समाचार ज्ञात हुए हैं।

आज होली मिलन भी होली है तुमने गुलाल तो सबके लगा ही दिया होगा। सबको तुम्हारी बहुत याद आ रही है तुम यहां पर होती तो बधाइयां लेने को मिलतीं। तुमने वहां पर मनाई होगी।

यह जानकर हमको बहुत ही दुख हो रहा है कि तुम अपने नये नौकर की वजह से बहुत परेशान सी रहती हो बिटिया इतना नरवस ही क्यों होती हो ऐसा रहा करो। और रोज खाना पीना करो यदि खाना नौकर ठीक से नहीं खिलावेगा तो इतनी मेहनत कैसे कर पाओगी और तन्दुरुस्ती के लिये खाना भी बहुत ही जरूरी है अच्छा बिटिया आशा है कि तुम मेरा कहना मानोगी। क्यों बिटिया ठीक है ना।

अबकी बार तुम्हारे बाबाजी ने पत्र तुमको लिखा तो नहीं लिखा है। तुम लोग चिन्तायुक्त

लाला। तुम्हारे नानाजी बिल्कुल ठीक हैं

रोहित २६ ता० को लखनऊ गया है और
२८ या २९ ता० को यहां पर आ जायेगा।

हम २२ ता० को आये हैं और २५ ता० को जा रहे हैं
जल्द ही चले जायेंगे।

मैं शील को भी पत्र जल्दी ही लिखूंगा

प्रिय सुशील को हमारा आशीर्वाद। प्रिय शील
को हमारा बहुत सा प्यार।

समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25. 3. 197

चिरंजीविता सौभाग्यवती [illegible] सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा शुभ पत्र ४ता० का लिखा हुआ इसको
१२ता० को मिला समाचार ज्ञात हुये। हम यहां पर तीन हैं
तुम सबको कुशल ईश्वर से सदैव भली चाहते हैं।
रंग तो होली है। तुमको गुलाल मिल गया
होगा और शगुन के लिये तथा रसम टीका लगा लिया
होगा। [illegible] अकेला ही यहां पर होली पर १२ता० [illegible]
में आगया है तो देखने आने से इसको भी होली पर अच्छा
लगा है यह कल १४ता० को [illegible] आयेगा
वाला नहीं आ सकता है क्योंकि [illegible]
[illegible] में ही बच्चा होने वाला है और उसके बच्चा [illegible]
सब बातों तो ही करता है। मधु [illegible] के
पास गया है १४ता० को [illegible] था
[illegible] १३ता० को लखनऊ गया है और २८ या [illegible]
में आजायेगा। इससे पहिले पत्र में मैंने तुमको
लिखा है कि मेरी [illegible] को [illegible] फ्लू हो गया
है ११ता० को [illegible] पर हम लोग गये थे। ४ता०
को भी गये थे। [illegible] आया था।

नानी की मृत्यु का उनको बहुत दुख हुआ है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शान्ति दे। बड़ी शान्ति से उनकी मृत्यु हुई है हार्ट फेल हो गया था।

तुम्हारे बाबूजी ठीक हैं। लेकिन अभी बहुत ठीक नहीं है। आप कुछ चिन्ता मत करना।

यहां पर उषा व शैलजा की शादी ठीक हो गई हैं। तुम्हारा के लड़के की शादी कैन्सिल हो गई है रामस्वरूप के लड़के की शादी थी लेकिन रामस्वरूप का एक लड़का था जिसका हार्ट फेल इलाहाबाद में हो गया है जिससे बिचारे अभी तो मुसीबत में ही हैं। अब तो पता नहीं शादी कब होगी सबके ठीक होने पर ही होगी और यह भी पता नहीं इलाहाबाद से ही करेंगे या मुजफ्फरनगर आकर करेंगे। सब लोगों ने कहा था कि तुम्हारी शादी मुजफ्फरनगर आकर करेंगे तो उनकी शादी देखने का बहुत ही चाव लग रहा था। लेकिन अब भाग्य में शादी देखना नहीं थी। देखो ये लड़के की शादी भी ठीक होगई है।

यह जानकर तो बहुत ही चिन्ता हुई कि तुम्हारा ब्लड प्रेशर ठीक नहीं चल रहा है यह बिमारी भी चिन्ता पर तो हो जाती है। अब ख्याल रखना तो लेती रहती होगी नमक खाना भी बहुत कम ही किया करो। वहां पर तो यह भी नहीं कि चाय कोई बनाकर ले आवे। चाय भी ज्यादा पीपाते में मना ही

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

पड़ता है। कुछ इलाज वगैरा करो Dated.................197
दवा करो और अपना शरीर ध्यान रखा करो। यह बिमारी ऐसे
भी जाती नहीं है। कुछ दिन हो जाने पर खाना बनाया होगा
इन लोगों को तो कुछ होगा नहीं।

तुम्हारे पत्र से यह जान कर बहुत ही चिन्ता
हुई कि फिर गुड़िया बहुत ही परेशान सी रहती है उसके
बाद बहुत काम पड़ रहा है। जरा भी शरीर को आराम
नहीं मिलता है। यहाँ पर १२ बजे तक आराम से रहो
अब बिचारी को बिलकुल बाद काम पड़ रहा है। दिन भर
काम करने में अब भी तो ज्यादा होती। खाना वगैरा और
में भी यह तो रहती ही है। जब तुम थे तो गुड़िया भी
याद आ रही थी। कि यहाँ पर तो होली पर गुड़िया
त्यौहार वगैरा बनवाती थी। इसका इन लोगों को बहुत
ही शौक है अब तो बिचारी का खाना वगैरा भी ऐसा ही
हो गया है।

फरनागर अब सामान देखेंगे ठीक है कोई ख्याल
होने वाली चीज तो है नहीं। रात डेढ़ बजे तक किशन
पिक्चर देखने बम्बई गये हुए थे।

हमको तुम्हारे कपड़े पसन्द आगए हैं। अच्छा है तुमको
पसन्द आगए हैं इसकी हर चीज़ भेजो और पसन्द न
आवे तो बड़ा बुरा लगता है। और सारे कपड़ों की चीजें भी
तुमको मिल गई हैं। ज्ञात हुआ है कि वह कमरा अब
खाली करके चला जावेगा यदि किसी ने उसके पास
पहुंचा दिया और वह आगए तो कुछ थोड़ा सा सामान
भेज देंगे। वह लड़का तो आजकल पूना में रहता है।
और तुमको किसी चीज़ की आवश्यकता हो तो लिखना
यदि तुम्हारा पत्र मिलने पर सामान तो भेज देंगे

तुम अपनी बिमारी से क्यों इतना बेहाल होते हो
यह बिमारी तो सब को आती है। पीछा ही नहीं छोड़ती है
सब परहेज़ करके से ही रहना पड़ता है। मकान में सब
ठीक हैं।

चि. सुशील को हमारा आशीर्वाद। इनका तुमको
आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 14.3.1979

बेटा शैलू । खुश रहो ।

अब की बार तो यहां होली पर बहुत ठण्ड रही । हवा भी तेज़ी और बादल रहे । एक दो पहर बाद कुछ धूप लगती है । रंग तो यहां चला ही नहीं । मोहल्ले के लड़के हाथ काले सफेद करके फिरते रहे । मैंने ज़रा सा गुलाल भेजा था दो बार लिफाफे में पता नहीं वहां पहुंचा ।

या नहीं

कामों देखने में मेरी

दिलचस्पी नहीं थी

Typhoid हो गया था एक तो

ठीक हूं कोई भी परेशानी

नहीं है। जरा कमज़ोरी है

ठीक हो जायेगा। वहां

का क्या हाल है। लेकिन

दुनिया वालों की तरफ से

तुम भी चिन्ता रखते हो। वह

बहुत busy हैं परेशान हैं।

शुभकामनाओं

Oscar

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 18.3 1979

बेटी गुड्डिया खुश रहो

तुम्हारी तरफ़ से तो

मुझे आशा पर आना है।

मैं जानता हूँ तुम को आजकल

time नहीं मिलता है store

और University की वजह

से। पर कई दिनों से

तुम ने कुछ भी नहीं लिखा

है। Time ना मिलने पर

भी तुम अपने बाबा को

कुछ लिखते ही रहते थे।
कभी कभी। शायद महीनों
से तुमने कुछ नहीं लिखा।
यह ठीक है [illegible] और
मैं जो लिखता हूँ रुचिकर
हो पर मैं नहीं समझता तुम
मुझे क्यों बिलकुल नहीं
लिख सकते हो।

तुम्हारे बाबा
रघुवर

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 18-3 1979

My dear Sushil

I sent Vig to the girl Shrivastava at Janak Puri Delhi. She says that she may be going to Washington about the end of April or some time in May. I had enquired from her through Vig if she can take some article for you.

She has replied that she cannot at present say anything as she has not yet received the list of articles from her mother. She has got the address of Vij & she says she will inform him by post. You may ask her mother to write to her to take some thing. I want to send at least some नान खताई. You may write to me if you want anything else.

I sending 20 stamps of 5 n.P.

with love

Yours affly

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 18-3-1979

बेटा शैजू। शुभाशीष
बहुत दिनों से तुम लोगों का कोई
पत्र नहीं आया है। हम लोग
ठीक हैं। नीरज Lucknow
गया है शायद कल आवेगा।
यहां इस साल हैजे की
वजह से होली बिना रंग
के हो रही। 2 बजे से
ही चली। इस तरह ही
होना भी चाहिये। वहां तो
होली पर केवल Indians
में होता ही होगा। लिखना

बेटा हुमा।

तुम्हारे Exams भी अब पास ही होंगे। पढ़ाई का हाल भी लिखना।

तुम्हारी पुष्पा बुआ ठीक है। मैं लिख ही रहा हूँ। इस वजह से तुम्हारी अम्मा ने नहीं लिखा है

तुम्हारा बाबा

[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 23/3/7[illegible] 1978

प्रिय बिटिया [illegible] तुमको हमारा बहुत सा प्यार।

तुम्हारा काफी दिनों से पत्र नहीं आया है पता नहीं क्या बात है। मेरी बिटिया तुमको पत्र लिखने का समय तो बहुत कम मिलता है। लेकिन मन हमारा होता है कि कभी २ तुम्हारा भी पत्र आता रहे।

कल तुम्हारा भेजा हुआ एक सामान मिल गया है राजू के मौसी जी के मकान के पास पर भेज देंगे कल उमेश सुबह को आये थे और सामान हमको रात को मिला है। अब उषा की शादी तो हो चुकी है। यदि तुम यहां तो उसको तुम्हारी भेजी हुई शीशा दे दूंगी मैंने तुमको पहिले भी पत्र में लिखा था। लेकिन तुमने उत्तर नहीं दिया है। जो तुम लिखोगी तो हम भेज देंगे। कल ~~जुकाम~~ जुकाम की बीमारी चल रही है उषा तो चौपड़ कर रही है इस लिये इसको तो इनके यहां पर रहना ही है। यह मौसी लाडली हैं मैंने भी इनको आने दिये है। मन्जुल मनुपमा

रक्षाबन्धन को आई थी। तब से नहीं आई हैं।

तुम्हारा पढ़ाई का काम ठीक चल रहा होगा।

तुम खूब खुश रहा करो और खूब खाया करो क्योंकि तुमको तो काम भी तो बहुत करने हैं।

हमने गुलाल भेजा था तुमको लिफाफे पर मिल ही गया होगा और शगुन के लिये सब ने लगा लिया होगा।

भाभी जी को साड़ी मिली के बारे पर भेज दूंगी या कहेंगी तो पारसल से भेज दूंगी।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। सरोज ने पूछा था यदि कोई आने वाला हो तो सिले हुए बाग भेज दूंगी।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। भाभा जी को नमस्ते व तुम दोनों को आशीर्वाद। तुम्हारे बालकों को शुभ स्नेह आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २१।३। 197६

प्रिय बेटे को शैल तुमको दादा बहुत सा प्यार

१२ ता० को केवल सोमा का पत्र आया था उसके बाद से तुम्हारा किसी का पत्र नहीं आया है। पत्र की इंतजार रहती है। तुम्हारे बाबाजी ने कैसे ही पत्र नहीं लिखा है वैसे ठीक हैं। हम दोनों भी यहां पर ठीक हैं। यहां पर १२ मार्च की रात को छोटे चेदोली से होली पर आया था और १४ ता० को सुबह को चला गया है। नाना भी १३ ता० को होली पर लखनऊ गया था और १८ ता० को आ गया है लखनऊ में सब ठीक है। चेदोली में भी सब ठीक है।

अब तो वहां पर जाड़ा कम हो गया होगा यहां पर भी अब तो जाड़ा बहुत कम है कुछ दिन में ही बरामदे में सोने लगेंगे। लेकिन अब मच्छर बहुत लगने लगे हैं।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी।

नूपुर को सादर प्यार व आ०। कल तुम्हारा [illegible]
मिल गया है। मनमोहन लिफाफा तो भेजे नहीं थे उन्होंने
दिल्ली से दे दिया था।

सोना की तबियत कैसी है। उसकी ओर से चिन्ता
रहती है तुम लोग उसका खूब ध्यान रखा करो।

प्रमोद के सब ठीक हैं। प्रमोद व सोना की बाहर
सालगिरह आई हुई हैं कल यहां पर अपने और
सालियों ने करने आदि थे। ओर उपेन्द्र आज दे
गये हैं कहते हैं कि प्रवीन का मन नहीं ही
हुआ है।

प्रिय कुशाल व सोना को ढेर सारा
आशीर्वाद।

समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश लता

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25/3/1976

प्रिय निर्मला सोमा सेरव सौभाग्यवती रहो

यहां पर हम सब ठीक हैं। तुम सबों की कुशल ईश्वर से सदैव नेक चाहता हूं।

तुम्हारा लिखा २४ का पत्र मिल समाचार ज्ञात हुए। मैं भी उसी दिन से पत्र लिखने की सोच रहा था लेकिन शील नन्द की तबियत और कुशला के नेह पुकारा था। कारण थे। इस विषय अब तक मैं लिख रहा हूं। यह लोगबागों की पहुंच से गुजर गए पेट पाल जार थे।

कुमुदनी को मैं दो पत्र लिख चुका हूं लेकिन उधर नहीं जाता है पता नहीं इन्दु रोशन की कैसी तबियत है। अब तो शायद वह शायद इलाहाबाद से ही लौटेंगे। उनकी तबियत के लिये डाक्टर ने अस्पताल में रहने को बतलाया था अबकी शायद वह अस्पताल में ही भरती होंगे। निर्मला आदि

मैं सब को खुशी लग रही थी। बीनी को वो शादी

भी बहुत ही खुशी लग रही थी। लेकिन इसके मुकाबले

बहुत ही अच्छी याद के हुए हैं। मैं तो वह साल

रहता थी उसको ही बिल्कुल साफ सुथरी रहते हैं

केवल इतना ज्यादा को मालूम है। अब गुड़िया कुछ

अच्छी भी हो गई है या बेटी ही कमज़ोर सी दुबली

पतली है लेकिन इतनी मेहनत कर रही है। पढ़ाई

कर बहुत ही खुश लगता है केवल कर इसको मेहनत

जरूर हो। बीनी का हार्ट फेल हो गया था मैं बैठी मैंने

गई थी २२ता० को बैठी थी।

ऊपर होने पर सिधो के बनाये थे बड़ा गुड़िया

को मेरे सब चीजों का दिखना शौक था मतलब दिखाई

को बड़ा जाना रह गया है। शरीर की सेहत ज्यादा

असाद नहीं मिलता है।

इस बात का अफसोस हुई कि शेर ने

सारिका स्वाद ली है कि जब यह गेव बादे वक

अच्छी याद से चलाती मा बाप। इसकी जाट पेता की

सब ठीक हो गए हैं। इस रतो को देखने को बहुत ही

पड़ जाता है। गुड्डा पेशा इसका साधार आ गया है

मैं सोचता हूं कि जब सेहत की आशा इसका को

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 28.3 *197*9

चि॰ प्रिय [illegible],

Sushil और Sanjay के letters से मालूम होता रहता है कि तुम पूरे वक्त ही busy रहते हो। [illegible] तक का ख्याल भी रहता होगा। लेन देन का भी हिसाब करना है जो करना है। मैं जानता हूं यहां और store से time नहीं मिलता है। पर health

का भी ध्यान रखना

है। तुम पहले से ही

कमजोर रहती हो। तुमको

तो तुम को बहुत भेजकर

देखा नहीं होरहा है। मैंने

तो यहां तुमको इतना परेशान

कभी नहीं देखा था।

देखो थोड़ा time करा है

बाकी बात टगादो। तुम्हारे पत्र

का इन्तजार करता रहूँगा।

तुम्हारा बाबा

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25.3. 1979

My dear Sakshi

Recd your letter of 15.3.79.
This was after a long lapse.
14 days. I fear the letters in
between the period are missing.
I sent "Gulal" in two envelopes
before Holi. I don't know if
it reached there.

I have sent "[illegible]" to a
girl of External affairs ministry
who is about to go to Washington.
This is for you and is in two packs
of 1/2 k.g each. Inform me whether
the thing reached there safe.

I shall send something to you

through Shirodkar when she goes to your place. People are reluctant to take the articles. The quiet of external affairs ministry was persuaded to take something in a very limited quantity. You may write anything you want to be sent through Shirodkar.

with love -
Yrs affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 25-3-1979

बेटा शैलेन्द्र खुश रहो

तुम्हारा 12.3.79 का letter कल
मिला है। Sushma का letter भी
साथ ही था। दोनों letters पढ़कर
ही दिल खिल गये हैं।

मुझे खुशी है तुम ने cycle
सीखी है। पर जरा देख भाल कर
चलाना। तुम ने Typewriter
मंगाया था पर type का letters तो
पूरा नहीं आता। सब ठीक हो
letter जब Typewriter खरीदो
था तब भेजा गया था।

Cycle तुम को छोटी रहेगी क्योंकि जैसी मेरी मर्ज़ी है मँगाई थी। मेरी cycle 22 इंच की है।

मुझे अफसोस है कि हमारी डाक कुछ रास्ते में ही गुम हो जाती है। तुम्हारे letters बीच में दो हफ्ते से कोई नहीं पहुँचा था। कल दो हफ्ते बाद पहुँचा है।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 27.3. 1979

चि. प्रि. गोविन्द विमला खुश रहो।

यहां दोनों आयीं Usha

और Anjli का। ठीक हो गई।

आज कल तो बहुत busy हो।

यहां का मौसम खराब सा ही

चल रहा है। दूसरे तीसरे दिन

बारिश चल रहे हैं। कल

तो बहुत ही ओला पड़ा।

आगे ध्यान से ठंड पड़ा होगा

ज़रा जरा रुक रुक करते। ठण्ड

भी है उस ओर बहुत।

जरा धूप होती है और
फिर से बारिश यही हाल
रहा है।

तुम्हारा हाल Sushil
और कोजू से मालूम हो
जाता है।

पहले 1.4.79 से Inland
और envelope पर 5 नये
पैसे ज्यादा लगेंगे इस वास्ते
20 stamps पांच पैसे वाले
भेज रहा हूं और [illegible]
काम में परेशानी ना होगी

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २५/१२/197६

प्रियवर चिरंजीवी प्रिया गुप्ता ढेर सारा बहुत प्यार

चिरंजीवी काफ़ी दिनों से तुम्हारा पत्र नहीं आया है आप तो बहुत ही बिज़ी रहती हो शायद फिर भी नहीं लिखना है। लेकिन चि० प्रिया तो अपना विचार करे मगर अपने आप को पत्र लिख ही दिया करो।

अब सर्दी आ रही थी। इधर इतनी [illegible] लिए बोर्डरों की नाकाबन्दी देखी है लेकिन पता नहीं तुमने कितने दिन में मिलेगा। और सिवाय को नहीं हो जायेगी।

तुम्हारा भेजा हुआ सामान मिल गया है। मैं सोचती हूँ कि यह लेटर की शीशी मम्मी उषा को ना दूँ। यदि सुनीता जोशी की शादी होगी तो उतना तुम्हारे तरफ़ से दे दूँगा। उषा को तुमने अब पत्र भी नहीं लिखा है और यदि तुम कहोगी तो मैं उषा को दे दूँगी

तुम अपने आने जोर का बहुत है। ध्यान रखा करो क्योंकि तुमने अपने शरीर से बहुत ही लाभ लाते हैं।

मन पता नहीं इधर बच्चे कैसे आते हैं। [illegible] बहुत

मन जाता है वह सारा फोटो देख कर ही मन बहला
लेते हैं। [illegible] [illegible] यहाँ पर [illegible] हो जाय [illegible]
पड़ रहा है। लेकिन आप ने [illegible] अपने [illegible]
[illegible] [illegible] ध्यान रखना होगा।

यहाँ पर हम सब ठीक हैं। बाबा भी ठीक हैं उनको
इलाज के लिये इनको रात को ड्यूटी करनी है। [illegible]
पै। रात को आठ बजे से सुबह के ५ बजे तक भी २
इलाज के लिये। इनका [illegible] भी [illegible] [illegible] ठीक
नहीं चल रहा है। [illegible] दिन से गला खराब हो
रहा है।

तुम्हारे बाबा जी का आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 22 . 3 . 1976

प्रिय बेटे सौरभ तुमको हमारा बहुत प्यार

बेटे तुम्हारा पत्र आया था समाचार ज्ञात हुए हमने भी तुम्हारे पत्र का उत्तर दे दिया है तुमको हमारा पत्र भी मिल गया होगा। तुमको तुम सबकी बहुत ही याद आती है। सौरभ के पत्र से पता चला था कि तुम लोग ने स्कूल में काम में सहायता दे देते हो अच्छा है इसलिये कि तबियत भी तो ठीक नहीं रहती है। बाल बच्चे वहां पर तो उसको ही करना पड़ता है।

अब वहां का मौसम कैसा है? यहां पर तो अब हम बरामदे में सोने लगे हैं। दो चार दिन में पंखे भी निकाल लेंगे। आजकल यहां पर इतना के [illegible] शुरू हो गए हैं क्योंकि तो हम लोग जाते नहीं हैं हम तो जायेंगे नहीं। नीरज ही जायेगा।

तुमको यह जान कर प्रसन्नता होगी कि शायद 22 अप्रैल को मुरादाबाद अपने मकान का गृह प्रवेश करेंगे तब तो हम भी जायेंगे।

सोना के लिये १ पत्र लोहारी का भेज रहे हैं
दूसरा पत्र अगले पत्र में भेज देंगे। वहांपर
पेपरों की जगह से जल्दी ही भेजा है। पढ़कर
पत्र लिखना।

अब तो तुम खूब सर्दियों का मजा लेते होगे
कहो क्या ध्यान से पढ़ाया करो। तुम्हारी छुट्टियां भी
खत्म हो गई होंगी। तुम घर में ही रहते हो
या कहीं बाहर घूमने भी ले जाते हो। वहांपर भी
बाहर बगीचा में घूम आदि होता होगा।

प्रिय कुशाल व सोना को हमारा आशीर्वाद
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २।८।197८

प्रिय सिसिया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

सिसिया तुम्हारे दो पत्र इलाहाबाद में मिले जो कि तुमने बहुत पहिले लिखे होंगे। इतनी देरसे मिले हैं तुम्हारे दोनों पत्रों से पिछला सब हाल हुए

हम सब यहां पर ठीक हैं। तुम सबको भी कुशल ईश्वर से सदैव भली चाहती हूँ। तुम्हारी वहां का पढ़ाई बहुत ज्यादह है। बहुत ही मेहनत करनी पड़ रही है ईश्वर से हमारी प्रार्थना है कि तुम्हारी मेहनत सफल करे। तुम अपने खाने पीने का ख्याल रखना जो तुमको बहुत है। परिश्रम करना पड़ता है। अलका के पत्र आते रहते होंगे तबीयत ठीक होगी। आज कल यहां पर तो सर्दी शुरू हो गई है। अभी तो कोट भी पहनना नहीं गया है हम तो आयेंगे नहीं। सोनू की तबियत ठीक होगी। अंजली मौसी चली गई है ऊषा यहीं पर है अब तो हम उतने तुम्हारे देखी हुई सेन्टर की शादी नहीं देंगे तब तो शादी को भी काफी दिन होगये हैं और दूसरे वह भी तुमको पत्र भी नहीं लिखती है। अब तो इतना बड़ा कागज ही पत्र लिखने का आप

हो गया है। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी शुभकांक्षी
प्रकाशवती

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा पत्र आया था हमने उत्तर दे दिया था तुमको मिल गया होगा। हमने सपेश के लिये नया पता [illegible] का भेजा है मिल गया होगा अब पता और इस पत्र में पढ़ रहे हैं। वह ठीक से पहुँच गये

हमने तुम सबों के लिये मनीआर्डर भेजा है पता नहीं तुमको अभी मिले हैं या नहीं। और पता नहीं ख्याल तो नहीं हुए हैं।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। और तुम्हारा [illegible] भी बिल्कुल ठीक होगा।

बाबा ठीक है। और सब जगह ठीक है

२४ मार्च को मित्रा ने दोनों बच्चों के [illegible] में कान छिदे हैं पप्पु मामा को सामान ले कर गया था

प्रिय कुशाल सपेश को हमारा आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभकांक्षी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 1.4 1979

My dear Sushil

Gudia has posted the last envelope containing two letters, one dated two months back and another more than two weeks. She appears to be extremely busy these days. You have to take care of her.

I have sent Nankhatais in two packets of $\frac{1}{2}$ K.G. each. I hope these will reach you in good condition,

think I fear these could be spoiled because of closed packing which was necessary.

Km. Shraddha is likely to go to Washington about the end of April. I will try to send something through her.

with love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 4.4. 1979

मेरे प्यारे प्रिय दिव्यप्रकाश।

तुम्हारे दो letters एक
ही envelope में मिले थे
अद्भुत प्रमाण था एकता
महीने को और एक कुछ
ईश्वर को लिखवाया। और
पाया गया तुम्हारे हाथ का
letter। मैं तुम्हारी परेशानी
जानता हूँ Slow और
university के कारण
time नहीं मिलता है।

पढ़ाई में तुमको मेहनत
बहुत करनी पड़ती है।
तुम्हारा हाल पैरा के
सिलसिले से मिल ही जाता
है। पर कोशिश रखना
हो जाता है तुम्हारा परिवार
को नमस्कार करना।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 4.4. 1979

बेटा शैलू । रविप्रकाश

तुम्हारा letter नहीं मिला कुछ
दिनों से। Sudhir का letter
तो 22.3.79 का आज ही मिला
है। तुम ने लिखा कि बार Cycle
खरीदी है। बार बार चोरी
होती है। गाड़ी पहले आज
कल चलाना। cycle जहाँ
तो परेशान हो जाओगे।
जगह जगह चोर घूमते हैं।
तुम्हारे Type writer का
क्या हुआ? Type का

letter शायद ठीक
ही भेजा था। उस
के बाद letter पर
पता तो लिख दिया बाद
type को भेजा था पर
letter नहीं। टेप यह तो
ठीक है। तुम्हारे हाथ को
letter भेजा है।

तुम्हारा बाबा
Dada

प्रिय बिटिया गुड्डी, तुम्हें हमारा बहुत बहुत प्यार।

आशा है बिटिया तुम सब प्रकार से होगी और
तुम्हारी पढ़ाई के बाद काम चल रहा होगा। बिटिया पत्र
पाकर तो बहुत ही प्रसन्नता हुई कि हमारी बिटिया
ने फिजिक्स में १०० में ९० नम्बर प्राप्त किये हैं। भगवान से
कहते हैं इस तरह तरक्की करती रहो।

सब बिटियाएं अच्छी हैं। नीता आर भी
अब बिटियाएं कालेज को समय नहीं मिलता है
ऐसे बिटियाएं बड़ी प्यारी लगती हैं। इनके कारण
तुम्हारी बड़ी याद आती है। आज एकादशी है
चावल की खिचड़ी बनाऊंगा तुम्हारी याद आ रही है
तुम्हें इन चीजों का बहुत ही शौक था। एक बात आप
से बचपन में इतनी बिगड़ी होगई हो खाने का
भी समय और समय पर नहीं मिलता होगा। हम
दोनों यहां पर बिल्कुल ठीक हैं। बस कभी-२ तुम
लोगों की याद आकर परेशानी सी होने लगती है

बिटिया अपने खाने पीने का बहुत ही ध्यान
रखना। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी भाभी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

**152, VIJAY NAGAR,
MEERUT**

Dated 197

[illegible] सौभाग्यवती रहो।

हम यहाँ पर ठीक हैं। आशा है कि वहाँ पर
भी तुम सब ठीक होंगे और तुम्हारी तबियत ठीक
होगी। अब हमारे पास इन्दु ने सावित्री तुम्हारी
बहिन जबलपुर वाली [illegible] होना सब [illegible]
[illegible] बैठा रहीं। [illegible] सावित्री [illegible] है
प्रसन्नता हुई उनके मिलने के लिए और इन
सबों को तुम से बहुत ही प्रेम है।

मैंने इन्दु को [illegible] की शीशी
देदी है उसका शीशा [illegible] नहीं देंगे। यहाँ
पर [illegible] आ जायगी। तुम्हारे पास तो भी
[illegible] की मशीन है [illegible] तो [illegible] के लिए
जल्दी [illegible] मशीन के तो [illegible] अच्छे
लगते हैं। [illegible] है।

तुम्हारे बाबूजी को तुम्हें आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। [illegible] ठीक हैं।

अब सावित्री जबलपुर जाने वाली है।

तुम्हारा [illegible]
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ८ । ४ । 197८

शैल

प्रिय बेटे ~~सुशील~~ तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २६ ता० का लिखा हुआ पत्र और सुशील का २८ ता० का पत्र होता पढ़ा हमको ७ ता० को मिल साथ ही दिन पत्रों का ऐसा ही हो रहा है। आज कल तो पत्र एक अन लेते ही आते जाते हैं।

आज कल यहाँ पर बेरोजगारी बहुत है इस को देखते जाएँगे नहीं। लोग तो बाहर अपने सब मित्र साथ गया है। जो भी आते हैं सब यहाँ कहते हैं कि बाजार से सिवाय चोर के गुण्डा गर्दी के और कुछ नहीं है और हमारे हमारा सब का यहाँ आना है देखा छोड़ दें। इस भी गुलाब भेजा था पता नहीं उसने लिख ही गया था।

लखनऊ के बच्चों हमारा है सब ठीक हैं तुम इतनी चिन्ता क्यों करते हो।

योगेश अच्छा रहता है। उसने जो योगेश को अपनी घड़ी दे दी थी। वह हमसे रिक्शा को ५ लाया था अक्टूबर दिन हम नहीं गये हुए थे

कहता था कि कोठे में कुछ काम करके आता हो

अब लड़के तो हो ही गये होंगे

तुम्हारा है कराया बिल्कुल ठीक होगा

अब तो शायद कि शाल भी नहीं होगे।

हम भी तुम्हारी तरह से अपना कहता है

ध्यान रखते हैं। अब यही इच्छा है कि एक

बार तुमको सबको हम देख लें [illegible]

वह दिन शीघ्र ही आये।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभचिन्तिका

प्रकाशवती

हमने तुम सबको के लिए तीन चार पत्र भेजे हैं। आशा है कि अब तो तुमको मिल ही गये होंगे और साथ तो नहीं डरे हैं। एक लड़की देहली के बाल-अस्पताल आई थी।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 8.4. 1979

आयुष्मान् विवेक बेटा,

Sushma के letter से पता चला तुम्हारे Physics के marks cent per cent है। बहुत खुशी हुई। तुम्हारी मेहनत का फल है। इधर Rakesh के result से तुम परेशान हो गए थे। तुम्हारा हाल तुम लोगों के letters से मिल जाता है। मैं जानता हूं तुम को time नहीं मिलता है। काम और University

से Time से उतरना तो
मुश्किल हो गया है। इनसे
तो हाल मालूम करके
तसल्ली हो जाती है।

यहाँ आज कल ठंड तो
है ही नहीं गरमी भी कम
पड़ रही है। कपड़े में
ही सोता हूँ इस पर मच्छर
बहुत है यहां। आराम नहीं
मिलता।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 8.4.1979

My dear Sushil

As usual two letters from your place of 26th & 29th March were received here together yesterday.

The articles received through Sri Bhatnagar were in good condition. I am glad to know that Indira got cent percent marks in Physics. She was not satisfied with the marking of the other subject. When she works so hard and gets

no time for rest. It is natural that she would get irritated on some occasions. You people need not mind of such moments.

I had sent some namkeens some days ago. I don't know if they reach there in good condition as such things are spoiled in the way.

The radio have reported that there was a huge storm in America yesterday. I hope you are well and not affected.

with love
your affectionate

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 8.4.1979

बेटा अनु/खुशमा,

तुम्हारा 26.3.79 का letter आज Sushma का 29.3.79 का letter के साथ ही मिला। वहाँ भी दो दो letters एक साथ पहुँचते हैं। यहाँ मालूम करने पर कहा कि वह तो इकट्ठा, पलाता है bags में भेजते हैं। क्या होता है पता नहीं चल सका।

यदि यहाँ तो एक बहुत प्रचण्ड चल रहे हैं। वहाँ भी शायद मौसम बदलने पर ठीक चले। हम ठीक ही हैं।

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 1979

तुम्हारी cycle ठीक चल
रही होगी पर हमें तुम्हारे cycle
चलाने में फिक्र रहता है।
पूरी ठीक नहीं चलती होगी
कहीं धूल नहीं आने पर भी
cycle को Saraj को निकला
था तुम्हारे दांगी छूटने चोट
लगी हुई है। अब क्या हाल
है?

यहां का मौसम ठीक है।
गरमागरमी भी नहीं है और
ठंड तो है ही नहीं अब। धूप
तेज रहती है।

तुम्हारे बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २५।४।197८

प्रिय चिरंजीव गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुये
तुम्हारा पत्र देख कर बड़ी प्रसन्नता होती है।
यह जान कर प्रसन्नता होती है। कि सब तुम्हारे बच्चे
अच्छे आ रहे हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि सब तुम्हारा
परिवार के काम ठीक चलता रहे। लेकिन तुमको काम
बहुत रहता है। फिर पर काम ही काम। हमने पहिले
लिखा था कि तो घर आती होगी तुम सबको और
ने रख और जवाबदेह नहीं। सिलसिले कि ईश्वर में
काम करने की शक्ति रहे। जरा सा समय मिलने पर
पत्र लिख ही दिया करो। उस दिन मंजु जब थी
तेरे तुमने पहिले पत्र में भी लिखा था।

उषा ७ ता० को अपनी ससुराल गई है शायद
२५ ता० तक आ जायेगी अभी उसके बोलना भी
उद्दिग्न हो रही है। यह ससुराल वालों से बहुत
ही डरती है। आगे रहने पर पता चलेगा। वैसे
इसके ससुराल वाले पैसे वाले हैं हावी दिखता
चौका होता है। बच्चा बेन से मिलके है।

ज़्यादा बाद में पास गाँव में हैं यह ज़हानाबाद
के बचाव के लिए कोशिश कर रहे हैं। अभी तो छः
दिन रात यहाँ पर शोर रहता है। कोई एक बजे रात तो
फिर होता है। रहा करेगी। जंगलों में बोलता है अपना
मकान है। तुम्हारे लिए भी शादी सोच रहे हैं
क्योंकि तुमने लिखा था और हम करके भी क्या।

अंग्रेज़ों ने बलात्कार नगरों में सब ठौर है बड़ा
बिचारों को पशु की ओर से बड़ा ही परेशान है। पता
नहीं यह झगड़ा कैसे निपटेगा अभी तक तो ○ इन्हीं
रहीं हो रहा है ऐसे और से चुप बैठे हैं। चाहते हैं
कि बीता बेकार कर रही है।

अब तो यहाँ पर भी गर्मी पड़ने लगी है
वहाँ पर भी मौसम ठीक हो रहा होगा।

समाचार शीघ्र ही देना।

२५) का चैक भी मिल गया है
लोगों को बिचारों इतना तुम्हारा अम्मा का
ध्यान रहता है पूरा के सब पता। इनारा बग़ा
ऊपर यहाँ पर देख रेखा है यह बोलो बहुत भी
पैसा के सबसे पहले पास ही देख देते हैं
जो ज़रूरत होती है।

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

[illegible]

[illegible]

Dated २५।७।197६

प्रिय बिटिया सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो।

तुम्हारा पत्र मिला था इसका उत्तर दे दिया है मिल ही गया होगा। पता नहीं अभी तक तुमको नमकपारे मिले हैं या नहीं। यदि मिल भी गये होंगे तो खतम हो गये होंगे। इधर तो आप गुप्ता। सन्ध्या चाहे वह डिब्बा उनके देगा तो हम और खरीद कर देदेंगे लेकिन ज्यादा नहीं है। कल विजय गुप्ता के उनको नौकर आये थे वह तो गुप्ता की लोता राय जी के ऊपर रहते थे जो हापुड़ चले गये हैं। वह कहते थे कि हमारे कुछ आदमी का आना जाने वाला है। आपको जो देना होगा उनको देदेना। यदि वह ले गये तो उनके नमकपारे और कुछ पापड़ बोरा भेज देंगे।

मन तो जी होता है कि कुछ भेजते रहें। लेकिन ले जाने वाले आसानी से नहीं ले जाते हैं। तुमने जो सामान श्री. भटनागर जी को दिया था इसका वह सब मिल गया है। अभी चाची जो की साड़ी रखी है पता नहीं कैसे उनके पास जायेगी।

भाभी जी ने दवा खाना भी उनकी तबियत ठीक नहीं
रहती है। कल पीहर से यहीं रह गई हैं।
यह जान कर प्रसन्नता हुई कि तुम्हारा पत्र मिल
गया है और दूसरा पत्र भी मिल गया होगा यदि
न मिला हो तो लिख देना हम और भेज देंगे।

हम 20 ता० को देहरादून जायेंगे और 22 ता०
को आ जायेंगे वहां पर बोल का चलेगा देखो
देखना। तुम्हारी सेवा की याद आयेगी क्योंकि
देख लोग पहले घर के सब होंगे ही।
तुमने कुशवाहा को पत्र लिख दिया होगा। जब
साहब से कुछ रोला की बात है। पोस्ट होना है
तो किन के लिए इतनी डिपुटी रात लगती है
यह भी शायद देहरादून जायेगा।

तुम्हारा फोटो मिल गए हैं साहब। तो
फोटो मिल गए जो फोटो बहुत अच्छा है ऐसा
लगता है बहुत जाड़े के समय में तुमने फोटो खिंचवाए
है और अपनी कार के पास खड़े होकर खिंचवाए हैं
और कार भी तो कुछ कमाल देखनी है। पता
नहीं कैसी है। और सब तो कुशल क्षेम चलता
आया होगा।

गुड़िया कुछ बदन में अच्छी भी हो गई है।
वैसी ही है। तुम्हारे बाबूजी को अपना आशीर्वाद

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २५।८। 1976

प्रिय बेटे शैल तुम्हारा समाचार बहुत ना आया।

हम सब यहां पर ठीक हैं आशा है कि वहां पर तुम सब भी ठीक ही होंगे।

अबतो तुम साइकिल खूब चलाना सीख गये होंगे लेकिन जब तक तुम्हारे पैर ना पहुंचे तब तक सिंगल से आगे मत बढ़ाना। और ज्यादह मोटरों में भी मत चलाना। वहां से एक नया नाप तो सीख कर आओगे। तुमने जो साइकिल की मशीन सीखी है अब तो तुम्हें खूब साइकिल चलाना ही आ गया होगा और अब तो तुम्हारा चोट लगा सब ठीक हो गया होगा। और पढ़ाई भी ठीक चल रही होगी। अब तुम्हारा सालाना परीक्षा नजदीक होगा।

जब से तुम्हारे नाना जी को बुखार आया है बहुत कमजोर से चल रहे हैं। इस उम्र में कमजोरी आने पर बहुत मुश्किल से ठीक होती है वैसे रोजाना नौकर बाजार लेके रहते हैं। बस ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम लोगों ने यहां पर

कल हम लोग ही रहें रहते लिये हम
इतना अपना ध्यान भी रखते हैं और तुम
भी हर पत्र में यही लिखते रहते हो। अपने
देखने की इच्छा कर रहे हैं।

हम २० तारीख को देहरादून जिनोवां के मकान
के गृहप्रवेश में आवेंगे। वहां से २२ ता० को
आजावेंगे आने पर वहां के समाचार लिखेंगे।

जिनोवां ने तुम्हारे पास भी गृह प्रवेश
का नहीं भेजा होगा। शायद तुमको मिल भी
गया होगा। यहां हमारे बाग से अपनाये हैं।

आज कल यहां पर गुलाब के सदा बहार के
खूब फूल खिल रहे हैं फूलों को देख कर
तुम्हारी याद आती है। प्रिय ज्योति को हमारा
आशीर्वाद। बेटा तुमको नानकलाल मिल गयी है
और ज्यादा तो नहीं हुई हैं। यदि और कोई ले गये तो
हम और तुम्हारे लिये नानकलाल भेज देंगे और
किसी चीज की आवश्यकता हो तो लिख देना

तुम्हारे नाना जी का आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्माजी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 15.4. 1979

My dear Sushil
I had to go to Sarwat this morning & have just come back. The "Nankhatai" sent by me must have become useless by now as the person did not go before 15.4.79. I wanted to change the same but could not contact the girl who was on leave. I shall send "Nankhatai" again. Mr Vijay Gupta (Teleshow) told me that one of his relatives is shortly going there. He shall inform me about his date & I shall send the articles along with some

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

other things. One of the
world bank person is
also expected here and I
have arranged to get information
about his return. I shall
see what I can send
through these persons.
I have received the
Draft of 125/-

We are going to
D. Dun on 20.4.79 for
the house ceremony of
Subodh's new house. We
shall return on 22.4.79.

with love
yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २६/४/197६

प्रिय बिटिया सुहाग सदैव सौभाग्यवती रहो

२ ता० का लिखा हुआ कुशल का पत्र कल
२२ ता० को आया है और इस से पहिले ४ ता० का लिखा
हुआ पत्र कुशल का १२ ता० को आया था। ५ ता० से
बाद में तुम लोगों का पत्र न आने से बहुत ही चिन्ता
लगी थी मन बहुत ही परेशान था। अब तो तुम लोगों
को पता है कि हम तुम्हारे पत्रों के सहारे से ही
जी रहे हैं। २४ दिन से तुम्हारी कोई कुशल का
मिलने से बहुत ही चिन्ता लगी थी और न जाने [illegible]
तुम गई हो इतने दिन तो अभी भी नहीं हुए थे
मन में बहुत ही बुरे २ विचार आते थे। कल रेखा
का लिखा हुआ पत्र देख कर मन को बड़ी शान्ति
सी हुई है। कल [illegible] के + यहाँ आयेगा है
तुम सब वहाँ पर ठीक रहो वो हम भी यहां पर
ठीक हैं। तुम्हारे पास भी सुनीता का गृह प्रवेश
का कार्ड आया होगा २१ अप्रैल को गृह प्रवेश
था हम दोनों और [illegible] २० ता० को सुबह को

देहरादून गये थे और २२ता को शाम को आ
गये हैं। वहां पर सब लोग ठीक प्रकार से हो गये हैं
२२ता को ही पूरे सामान के साथ मैं सुबोध
ऊपर नये मकान में पहुंच गये हैं। मकान अच्छा
बना है। सब सुख सुविधा का ध्यान रखा है। पैखाने
के टंकी व बाला के लगाने के मुजफ्फर नगरिया
ने मुराद बाद से लिखा के दोनों चाहिये भावना
मार पी नाक भी की कहानी पापु ने दीन दाज के
मकान से उठानी पड़ी। यह सब २१ता को ही
आये थे और २२ता को सब चले गये हैं
पहिले तो गृह प्रवेश के बाद में हवन
हुआ था फिर घर वालों का खाना खाना और
शाम को ४ बजे सब बाहर वालों की चाय पार्टी थी
मकान में ३ रूम बने हैं एक बेडरूम रूम और
डाइनिंग रूम के अतिरिक्त रूम है। ऊपर अच्छा छत
बना मिलता है स्टोर है और दो लैट्रिन्स व
बाथ रूम है। एक कमरे के बराबर में एक स्टोर
बनवा दी है। यदि किराये को देना चाहें तो दे
सकते हैं। इस समय तो इतना कहना ही याद आता
है उनके मैं पर उम्मीद ही नहीं थे

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

मकान पूरा बन गया है सिर्फ पानी रह गया
गया है अब खिड़की कोठरी के दरवाज़े बनने रहे
जो बंद कर रहे हैं। अभी इसमें मिस्त्री ने अब
नीचे का मकान तो बन गया है। बाहर कमरे खूब
हैं। और जगह भी अच्छी है [illegible] पास में [illegible]
के मकान बन रहे हैं छोटा सा बगीचा भी
बिल्कुल पास ही है। ईश्वर से प्रार्थना है कि
मकान सबको पसंद आयेगा हो।

उसी दिन [illegible] था भी [illegible] दिन
था। तुम लोगों की [illegible] मिला है। आशा है
कि सब ठीक ठाक से होंगे। इनके तुमको [illegible]
पहुँच गये हैं [illegible] लिख गये होंगे।

इनके [illegible] [illegible] [illegible] भी [illegible]
लड़के को [illegible] भी [illegible] का [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] है [illegible] का [illegible] को [illegible] [illegible] उस [illegible]
के [illegible] [illegible] से [illegible] है [illegible]
[illegible] [illegible] को [illegible] के गये थे।

गोविन्द महाराज का पत्र भी कई मंगलवार मिले
से नहीं आया है रघुवंश का गंगे की (हो) को
मंगलवार जनवरी और रवि वादशा
बाबू को गोकुल का डुबान से दिखलाई की
था पत्र को देख दुःख हुआ। अब पता नहीं वह
कितने नर आयेगा। जाने को योग को लिखा
होने का डर हो रहा है। बिचारा शील बहादुर
का जाने आगे को मिला भी नहीं।

गुड़िया ने जो हाल चाल है उनको पढ़ाकर
जाप होल चल रहा होगा तुम्हारी बीबी का
ठीक होगी। अब पत्र आया ही लिखता हूं
को ऐसा लगता है कुछ डाक में देर होगई
है।

प्रिय कुशल को इधर आशीर्वाद प्रिय
गुड़िया। शील को इधर प्यार।

सबको भी बधाई। मंगोत्री शीघ्र ही देना
गुजराती के लड़के की शादी
अभी तो है वह इलाहाबाद — तुम्हारा शुभचिंतक
में ही शादी कर रही है और — धनपतराय
रघु शेखर को जो वीसपलता में भी तोड़ के हाल बड़ी
है जाने नल इलाहाबाद ही शादी करने जायेगा।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २६।४।197८

प्रिय बेटे शैल, तुमको हमारा बहुत सा प्यार
बेटा काफी दिनों से तुम्हारा भी हमारे
पास कोई पत्र नहीं आया है क्या बात हो गई है
इतना देर तो तुम पत्र में नहीं लगाते थे तुम्हारे
बाबाजी ने भी तुम्हारा लिखा को पत्र का जवाब दे
बहुत ही परेशान थे वह अमेरिका का पता तो
लिखा हुआ पत्र आया है वह भी बेन की लिखी
है यह तो बेटा तुमने पता ही है अब तो बस
पत्रों का ही सहारा है पत्रों के सहारे से ही जी
रहे हैं। और तुम लोगों के आने की उम्मीद
लगा रखी है ईश्वर ने चाहा तो दिन
भी शीघ्र ही आयेंगे। तुम्हारे बाबा जी तो पत्र का
आने से बहुत ही परेशान थे। बस तुमसे हमारा
यही कहना है कि पत्र शीघ्र ही लिखते
रहा करो। गुडिया बिचारी को तो समय नहीं
मिलता है वह तो वैसे ही परेशान है।
चार पांच दिन हुए यहां पर अनुपमा और

थे जब इन लोगों को लड़ना नहीं मिलता है

गुड़िया ने पता होना चाहिये हैं। हमारी
पढ़ाई ठीक चल रही होगी। अब तो तुम
एक साइकिल चलाना आ गये होंगे लेकिन
मेरा कहना मोड़े लोगों के बच्चों पर चलाना
स्कूल तो जाते ही आने होंगे।

अब तो वहां पर भी गर्मी पड़ने लगी
होगी। योगेश ने पढ़ाई शुरू कर के पढ़ना
छोड़ दिया है इसका पढ़ने में मन नहीं था
योगेश और भी गाता है। अब इन लोगों ने
मेरठ का मकान छोड़ दिया है। रोज ही गांव
से स्कूल मोटर के लिये जाते हैं। तिक मोटर
पर ठीक है। बस तुम लोग को बहुत ही प्यार
आता है। अब तो तुम लोगों ने इसे का लगा
साल ही दे जायेगा। प्रिय गुड़िया को प्यार
प्यार मीरा को नमस्ते। समाचार शीघ्र ही
देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 29·4 1979

My dear Sushil

Your letter of 9·4·79 was received yesterday. It took twenty days to come here!

I have got the cheque deposited in your a/c.

We were very much worried as we did not get any information about you for 20 days.

Even now the period 9th April to now is still not accounted. There was no such delay in the delivery of

letters. Let us see
when we get the
next letter.
we are well
and hope you all
are well and safe.
I am not writing
to Children and will
write to them in the
next bag.
with love
Yours affly
Oscar

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 9.5.1979

My dear Sushil

Recd yours of 1.5.79.
Km Shraddhakar had told
Vig that she would
inform him by post if
She could take any thing
for you. She did not inform
Vig & you say she was
to reach there on 3/5.
These people are not
inclined to take any thing.
I am waiting for the
World Bank person.
He will come here
and I shall know
his arrival & departure

If you want anything particular you should inform me.

I am informed that a cheque from your a/c for about 3000/- has been cashed by Swan Finance Co. Is it in order? The draft was deposited in your a/c.

The address of Subodh is:-

44, East Canal Road
Dehradun

with love to all
yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

४४ ईस्ट कैनाल रोड
देहरा दून

Dated 22-5-1976

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको ढेरों बहुत सा प्यार।

बिटिया तुम्हारा पत्र आया था लेकिन हम ऐसे झमेले में उत्तर नहीं दे सके थे। यहाँ पर एक विवाह में तुम्हारे दो पत्र हुआ तो आपसे ये एक पत्र तो तुम्हारा बहुत ही दुख को लिखा हुआ था वह पत्र तो तुम्हारे बाबा जी ने जवाब भी नहीं क्योंकि हम तो बहुत ही परेशान हो जाते। हम सबको तो याद आते रहते हैं और घबराते बहुत हैं कमजोर भी काफी हो गये हैं। तुमको बिटिया का पता तो चल ही गया होगा। स्वामी जी बीमार ही रहा है ईश्वर लेकिन ठीक हो जायेंगे। हम कल १० तारीख को देहरादून घर लौट कर आ गये हैं घर छोड़कर के उसे तो बहुत ही दुःख है

लेकिन [illegible] है अनुपमा और श्री बाबा जी के
मिल गए हैं अन्नू बहुत गोरी है। सब
लड़कियों को तुमसे बहुत ही प्यार था।

कुछ दिन बाद श्री [illegible] पता होगा यार
तुम परेशान होगी तो तुम्हारे बाबा जी ने बहुत
ही दुख होगा। अपना केवल तीन पाठ में
२ वर्ष तुम्हारे साथ से प्राप्त न रह जायेगा
ईश्वर देंगे तुम अपने बाबाजी से अवश्य
मिलोगी। अपने पढ़ने के साथ में खूब ही
ध्यान लगाना। यहां पर आकर [illegible]
नहीं मिला है। आशा है कि तुम खुश होगी
और अपने पढ़ने के साथ में खूब ध्यान लगाओगी
गी। तुम्हारे बाबाजी का आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी [illegible]

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

७७ ईस्ट कैनाल रोड
देहरा दून

Dated 22.[illegible] 197

प्रिय बेटे शैल व कृष्णा छाया बहुत आशीर्वाद

तुम्हारे दो तीन पत्र पा चुके हैं लेकिन तुम्हारे बाबा जी की बिमारी के ~~कारण~~ कारण से उत्तर नहीं दे सके थे।

तुम्हारे बाबाजी को लकवा [illegible] है कमजोर ज्यादा हो गये हैं बैठे ही रहते हैं थोड़ा सा तो धूप भी लेते हैं लेकिन अब [illegible]

रमेश ने [illegible] [illegible], [illegible] अच्छी तरह से दे रहे हैं। अब ईश्वर [illegible] कुछ लोग अपने बाबा जी से [illegible] दिखेंगे तुम्हारे बाबाजी को भी बड़ी इच्छा है।

अब आप भी [illegible] होगा [illegible] तुम्हारा बच्चा हो गया होगा [illegible] रखते हो हमारे [illegible] के [illegible] [illegible] [illegible] से [illegible]

ने पीछे हो दिये सब छोड जावे फेरह होगे
पर बहुत ही ठंड हो रहा है। लेकिन मौविचार
अकेला हो गया है उनके लाल बीमार की परेशानी
हो गये है जोकि वो उनी मकान में है अब इनके यहाँ
पर बच्चा मिल जावेगा तो चला जावेगा इस
मकान में अकेला नहीं रहेगा। इनके पीछे
छोड रहिया है। लेकिन मैं जोर से भी बड़ा
डर होता है। खैर ईश्वर (भोगे) जब कुछ
अभ्यास तुम्हारे नाना की अवश्य ही मिलेगे।
ईश्वर तेरे इनकी इच्छा पूरी करें बस यदि
कुछ परेशान ना होंगे तो तुम्हारे बाबा भी जल्दी
ठीक हो जावेगे। अच्छा बेटा अपनी दादी
अम्मा से कहना मानोगे ना।

तुम्हारे नाना नानी का आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 11.6. 1979

बेटी गुड़िया। शुभाशीष।

बहुत दिनों से ना लिख पाया। हाल मिल गया होगा। मैं तुम्हारा दिल जानता हूं। जो भी है दिल को संभालना। रोने के दिन को भी। तुम्हारा पढ़ाई बीच में छोड़ना ठीक नहीं होगा। कल मुझे यहां लाते हैं। देखो क्या होता है, प्यार।

तुम्हारा बाबा

D R Gupta

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY~~ NAGAR,
~~MEERUT~~
44, E.C. Road
Dehra Dun

Dated 11-6-79

My dear Sushil

I could not write to any of you for some weeks. Much has happened during this period. What is to happen is uncertain. God knows all. You keep up your heart. Take care of children & console them. The details must have reached you.

With love to all
Your father
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
44. E.C Road
Dehra Dun

Dated 11.8.79

बेटा शैलू। इतवार तुम्हें [illegible]
कुछ दिनों बाद लिख रहा हूँ।
मुझे D.Dun लाया गया है।
तुम चिन्ता मत करना। दिल
को संभालना। क्या लिखूँ
समझ नहीं पा रहा। कैसा
लिखा जा रहा है पता भी ~~जोवर~~
सब हाल मालूम हो गया
होगा। मैं ~~[illegible]~~ पहले से
ठीक हूँ।

तुम्हारा बाबा
D R Gupta

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 197

चि० चिरंजीव गुड़िया तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

लिखा तुम्हारा ४ ता० का पत्र लिखा हुआ हमको यहां पर आज १४ ता० को मिला है। तुम्हारा यह पत्र मेरठ भेज गया था वहां से रोशन ने डाक द्वारा यहां पर भेज दिया है।

बेटा हम तुमको बाबा जी के लिखाई का लिखना तो नहीं चाहता है कि मेरठ मिल जाना भी नहीं हो गया है। मैंने देहरा दून आकर तुमको एक पत्र ४ ता० को लिखा है उस पत्र में तुम्हारे बाबा जी की ओर से तुमको [illegible] जो लिखा है तुमको मिल गया होगा

तुम्हारे बाबा जी स्वस्थ बहुत ही हो गये हैं हम तुम्हारे बाबा जी को [illegible] को देहरा दून ले आये हैं। यहां पर डाक्टर हमको [illegible] मिला है। मेरठ यहां की मौसम भी अच्छा है। और घर में [illegible] है। मेरठ में तो गर्मी भी ज्यादा थी और [illegible] भी हो रहा था [illegible]

ऐसा स्वप्न दे दिया है कोनसा रूप न जाने कैसे
लगा हुआ था रूप के मैं सोचा है इस लिये
गया जी की परेशानी नहीं है और सब पहले यहाँ पर
नीरज डाक्टर को दिखाया तो इलाज चल रहा है यह लड़के
बिचारे बहुत ही अच्छी तरह से रक्षा व सेवा कर
रहे हैं आगे ईश्वर की इच्छा है। तुम्हारे बाबा जी
तुम लोगों की ओर से बहुत ही चिन्तित हैं और यही कहते
हैं कि मैं सब चारों बच्चों को देखना चाहूँ ऐसी उनकी
इच्छा है। और हम सबको भी यही आशा है कि गर्मी में
तुम लोग आओगे पर फोन ही देंगे। मेरे ख्याल
शायद थोड़ी देर को कुछ भी लेते हैं। बिटिया तुम
परेशान मत होना यदि तुम परेशान होगी तो तुम्हारे
बाबा जी को बहुत ही दुख होगा। फोन तो देंगे ही
और तुम सबको से अवश्य ही मिलेंगे। जब तुम लोग
खुश होगे तो इनको भी शान्ति ही होगी और ईश्वर
चाहेगा तो फिर पहिले की तरह से स्वस्थ हो जायेंगे।
बच्चा किरण अपने बाबा जी का ध्यान रखना पसन्द करेगा तो
सब बच्चों को प्यार व ईश्वर जल्दी ठीक ही करेंगे

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated [illegible] 24 [illegible] 197[illegible]

प्रिय चिरंजीवी सोना सौभाग्यवती रहो।

तुम्हारा पत्र मेरठ से पहुंचा यहां से [illegible] ने
हमारे पास भेज दिया था। हमको आज २४ ता. को मिल
गया है। हमने यहां पहुंच कर तुमको एक पत्र लिखा है उसमें
तुम्हारे बाबा जी ने जो लिखा था लिख गया होगा। मेरठ में तो
[illegible] था जब तुम्हारे [illegible] के लिए [illegible]
से यहां [illegible] तो [illegible] भेजने पड़ेंगे। इसकी [illegible]
[illegible] वे तुमको पत्र नहीं लिख सके थे तुम्हारे बाबूजी के घर
[illegible] से पत्र लिखते रहते थे। इसलिए [illegible]
[illegible] हो [illegible] तो [illegible] लिखा है [illegible]
बन्द कर दिया है इसलिए [illegible] तो [illegible] हो रही है
[illegible] है। अब हमारी [illegible]
यही इच्छा है कि तुम्हारे [illegible] और [illegible]
बच्चों को देखने [illegible] है [illegible]
कि हम [illegible] जरूर [illegible]
[illegible] है। [illegible]
गये हैं [illegible]
[illegible] रहे हैं। [illegible]
में [illegible] हैं [illegible]
[illegible] गये हैं [illegible]
यही इच्छा है कि [illegible] रहो।

चिठिया तुम्हें तो पता ही है मेरे लिये यह लिखना कितने
कठिन है फिर भी अपने मन को रोक सका नहीं क्या
कहने को [struck through] पता नहीं मेरे भाग्य में क्या लिखा है
मेरी आँखें तो बहुत ही ठाली होते हैं। और आपने भी
बहुत ही हो गये हैं अब भीतर नहीं पता था कि इतने यह
निभाने होगा। हमारे भाग्य से ही विचार लगा रहे हैं मैं तो
ईश्वर निश्चय से मेरे बेटे ऐसे नहीं हैं जो तुम्हें ठालेंगे
मेरी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि इतने तुम [illegible]
रखो तो उस बात देखने पत्र आने में [illegible] ही घबराता
थी तो परेशान न हो जाते थे। तुम गुड्डी का [illegible]
वह परेशान था तो ईश्वर [illegible] पत्र रखो [illegible]
यदि गुड्डी परेशान रहेगा तो इतने बाल भी [illegible] बहुत ही
उदास होगा। हम तो यहां पर २० तारीख से निर्भय बल पूरा करके
तेरे भाग्य से लाभ आये हैं यह पर [illegible] को [illegible] के
हमारे मनोरथ रहे हैं। तुम लोग भी परेशान मत होना यदि
मेरा पत्र आने में देर हो जाये तो चिन्ता मत करना यदि
इतना के तुम्हारे भाग्य में इतना देखना होगा तो ईश्वर
नहीं देखने [illegible] ही। तुमने भी यह आशा नहीं थी कि इतना यह
निभानी होगी हमारे भाग्य से ही लगा रहे हैं। ईश्वर से
यही प्रार्थना है कि एक बार तुम लोगों को अपनी आँखों से
देख लूँ। तुम सब भी परेशान मत होना। मैंने इतना मेरा
तो मकान के पेट छोड़कर पर [illegible] को बड़ा हुआ है
लेकिन [illegible] के विचार क्या करते। तुम्हारे [illegible]
बहुत अच्छा लगा है। इतने यहां पर [illegible] बहुत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E. C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated ……………… 197

आराम मिला है यहां का मौसम भी
अच्छा हो रहा है और शान्ति भी रहती है
[illegible] लोगों की भीड़ आ जाती है। कल यहां देहरा में २२ वर्ष
को आ गया था और हमारे मकान के पास इन [illegible] २२ तारीख को
इतनी [illegible] को [illegible] बरसात चला गया है क्योंकि इतनी
[illegible] भी सब [illegible] हो गए हैं। [illegible] को [illegible] लिखा व [illegible]
[illegible] को हमारे आने से पहिले दिन छोड़े थे और १० तारीख को [illegible]
से [illegible] चले गये हैं। [illegible] पर [illegible] पर [illegible]
[illegible] छोड़ की और कोई [illegible] होगा [illegible]
[illegible]। सामान की [illegible] को पानी से [illegible]
है यहां पर [illegible] सामान रेता को [illegible]
बनाने के गये हैं। [illegible] हो रहा है। [illegible]
[illegible] पहिले ही हुई थी वह भी एक [illegible] लिखे
देख रहा है [illegible] बड़ा मकान [illegible] लगेगा। इसको
भी हमारे आने से परेशानी हो गई है। इनको [illegible]
[illegible] हो रहा है और [illegible] मिला [illegible]
के [illegible] है। इसलिये इनको [illegible] को इतनी याद भी नहीं
आती है। अब तो यहां पर [illegible] है नहीं मन लग जाता है।
अच्छा [illegible] को परेशान मत होना [illegible]
का सहारा है। तुम्हारे बच्चों को शुभ [illegible] को आशीर्वाद
समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]
[illegible]

प्रिय बेटे सुशील तेरे बहुत बहुत आशीर्वाद ले।

रचना ने [illegible] गुड़िया शैल ने तुमको जो पत्र लिखा है वह पत्र यहाँ से [illegible] ने डाक में पोस्ट कर दिया था।

मेरा तुम सबको [illegible] नानाजी की बिदाई से [illegible] परेशान पर होना पड़ [illegible] ही अच्छे [illegible] बहुत प्रकार बात से [illegible] रहे हैं। ईश्वर [illegible] तुम्हारे [illegible] ही रहेंगी। इतनी [illegible] तुम लोगों को देखकर [illegible] बहुत [illegible] हो रही है। [illegible] हिसाब से [illegible] तुम्हारे [illegible] पहुँचा जायेगा।

जगदीश कहता है कि [illegible] सुशील [illegible] कुछ बातें पूछनी हों तो [illegible] [illegible] रहे हैं [illegible] बहुत अच्छा है। यह आशा [illegible] रहते हैं।

और बेटा तुम लोग बिल्कुल भी परेशान मत होना। [illegible] तुम लोग दुःखी होगे तो हमको बहुत दुःख होगा। [illegible] तो चले ही रहे हैं [illegible] ईश्वर की इच्छा के [illegible] है। जब [illegible] होता है [illegible] पास [illegible] पर इतना [illegible] था। तुम्हारे [illegible] तुम लोगों के [illegible] लिखा है।

[illegible] तुम लोगों को [illegible]। [illegible] देना। [illegible] को बहुत ही प्यार है।

[illegible]।

तुम्हारी [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated............197

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा ७ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको आज हमको १७ ता० को मिला है यह तुम्हारा पत्र पहिले मेरठ गया था वहां से लोगों ने उसको डाक पोस्ट कर दिया था।

हमने यहां पर आकर तुमको एक पत्र लिखा है उसमें तुम्हारे नाना जी ने भी तुमको अपने हाथ से आगे कुछ लिखा था हम यहां पर २ ता० को आगये हैं मकान हमारा मेरठ हमको बहुत ही पसन्द था क्योंकि जब हम मेरठ में वहां रहते थे और हमारे पास भी मकान के ऐसे ही बने हैं इसके सिवा में ही किरायेदारों ने भी मकान लगे क्योंकि उन रुपयों से मकान रहता और कोई नहीं था इसलिये नाना ही आने जाते थे देहरादून की आब हवा भी अच्छी है यहां पर आकर तुम्हारे नाना जी को आराम सा मिला है वैसे मेरठ का घर व छोड़ने में हम लोगों को बहुत ही दुख हुआ है मिल मिलन हम घर से चले बहुत से आदमी व औरतें थी। कार वाले होंगे जिनको आंखों में आंसू आ गये। सारा सामान भी हमने ही इधर उधर ही

देना पड़ा है यहां पर भी इतना घर का लगाव नहीं
बन सका।
मेरी इच्छा है कि यहां मकान और हम सब भी यहां
बसते हैं कि इससे तुम लोग अच्छी तुम्हारे नाना जी
तुम को कितनी अच्छी जो यों है देश के बड़े-बड़े शहरों
में इतना हम सभी इच्छा है ऐसे पर तुम सबसे भी
याद भी बहुत हो जाते रहते हैं। आगे ईश्वर की
इच्छा पर है। तुम रतन पर ध्यान भी रखना और।
तुम्हारे नाना जी के पत्र यों मिलते हैं खुशी
ही होती है। आशा है कि तुम सब वहां पर खुश
रहोगे। तो हम भी यहां पर खुश रहेंगे।

अलीगढ़ यहां पर बहुत अच्छा बाग के साथ
इलाज चल रहा है।

तुम्हारे नाना जी को तुम सबने जो आशीर्वाद
कहना मुझसे प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी शुभचिंतका
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 14-6-1979

प्रिय [illegible]

रब खुश रखे।

तुम्हारा 4.6.79 का letter आज मिला है। यह लिखा है कि तुम दुख को [illegible] कर करो। अहा यह भाव जो भी हो सकता है कर ही रहे हैं। हाँ तुम्हारी याद आती है। आती ही रहेगी। मैं तुम्हारे दिल को जानता हूँ। दुख को दुख तो है ही। शायद तुम को कभी देख सकूं। भगवान करे ऐसा हो। दिल को शान्ति दे।

तुम्हारा [illegible]

(P.T.O.)

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, E.C. Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 14-6-1979

My dear Sushil

Shifted here, New Blood test & X'Rays are being taken for investigation. Let us see what happens. There is uncertainty for any change. You are far away but in my mind every moment. Be calm & control yourself. Love to all.

With loving blessings
Yours
D R Gupta

[P.T.O.]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated 14.6.1979

बेटा शैलू। चिरंजीव रहो

तुम्हारा 4.6.79 का letter यहाँ आज मिला है। तुम मत घबराना बेटा। तुम सब को देखने को मन करता है। भगवान चाहेंगे मिलेंगे। यहाँ मुझे सब ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। तीन हफ्ते में कलम भी ना लिख सका था। अब विस्तार से लिख रहा हूँ।

तुम्हारा बाबा
DR Gupta

My dear brother,

There is not much to add to what respected Ammaji and Babuji have written except that there is some difference of opinion amongst doctors here and at Meerut about the possibility of initial cancer infection being in bladder or prostate. If it is prostate then Babuji has got more time but if it is bladder then the time will be much less. However, it is yet to be confirmed. Medical facilities as best as possible are being given.

I have telex in my Office (Indian Institute of Petroleum, Dehradun) the number of which is 0595-217. In case you ever want to convey anything on telex you can do so without any difficulty.

There is a telephone also near our house the no. of which is 7533 (Shri S. B. Lal). But it can be used only when unavoidable because of the distance between the houses and the inconvenience to Shri Lal.

My brother-in-law (साढू) Shri Rajiv Gupta, A-11 Adarsh Nagar Meerut can be of any help that you may like to get at Meerut. He has phone at his residence, the no. is 72343. I have already told him about you.

The best that we can do for Babuji is to pray that he may have a peaceful and comfortable time, and try to keep him happy. One request - please see that letters written to Babuji and Ammaji by any one of you are (contd. on back of next page)

not very sentimental as these upset them badly. I can understand feelings of all of you but please express feelings in a controlled way. You are, however, free to correspond with me in any way you like at the following address:

S.K Bansal
Scientist, COIN Division,
Indian Institute of Petroleum
Dehradun 248005.

Your letters received by me at this address will not be shown to Babuji or Ammaji and if need be only very relevant contents will be disclosed to them.

I will keep on informing you about Babuji's health.

Regards to self and respected Bhabhiji, and love to children.

yours
Subodh

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, E.C. Road ~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated............197

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

कल हम सब [illegible] से प्रिय कुशाल को देख कर हमको प्रसन्नता हुई कि ये लिख रहा हूँ। कुशाल से तुम लोगों के भी समाचार ज्ञात हुए। मैंने कुशाल से [illegible] को पत्र लिख दिया था लेकिन वह हमको मिला नहीं है शायद आज आ जाये। यह जान कर बहुत ही प्रसन्नता हुई कि तुमने अपने पैसों से अपने लिये घड़ी खरीद कर ली है। तुमने घड़ी की इच्छा की थी तुमको घड़ी पसन्द आ गई है कब से ही बाहर पहन रही हो। बिटिया कितनी मेहनत से तो तुम पैसा कमाती हो। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम अपने काम में बहुत ही उन्नति करो।

कुशाल से यहां के सब समाचार ज्ञात हुए हैं लेकिन यह जान कर दुख होता है कि तुम [illegible] में बहुत अकेली हो लेकिन [illegible] बहुत [illegible] हो बिटिया तुम [illegible] आया करो लोगों को [illegible] कर लेना।

तुम्हारे नाना जी ने [illegible] बहुत है लोग भी आते हैं चले जाते हैं। मैंने तुम्हारी [illegible] को बहुत थोड़ा ही छोड़ देते हैं लेकिन फिर आते हैं। ईश्वर से चाहता हूँ तुम्हारे सब काम ठीक ही होंगे।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated [illegible] 197

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

(१) मेरी बिल्ली बड़ी मोटी होकर घर में घूमती [illegible]
टहलती हुई है पर मोटे का ही स्वभाव ही
देखने में [illegible]।

यहां पर इतनी गर्मी नहीं है। मौसम
अच्छा रहता है। और इस बार का आराम का
देश में तो पानी चारों ओर नहीं ही उपलब्ध भी
[illegible] सब चीजों का उपाय।

[illegible] लोगों को इनाम अच्छा चाहिए।

समाचार शीघ्र ही देना।

मोहन की यहां पर रहने की बात के बारे में
मोहन अब चला गया है (इसने २०५) मोहल्ले पर किराया पर
ले ली एक नया निवास ले लिया है और यह काम
छोड़ दिया है। इस निवास को भी इसके पास से
बहुत ही उपयोगी हो गये हैं। अपने तन को सुन्दर रख
कर देखा ही था रहे से लेकिन देहरादून को पहाड़ियों
के यहां पर पैसे देता था

सबको नमस्ते कहना। तुम्हारा शुभचिन्तक

समाचार शीघ्र ही देना। [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated 18.6.1979

प्रिय गुड़िया। खुश रहो

कल Sushil यहां आ गया। तुम्हारे भेजे हुए पेन से ही यह लिख रहा हूं। तुमको मेरा बहुत ख्याल रहता है। तुम्हारा मेरा वापिस आने तक शायद रहेगा। तुम बीच में पढ़ाई छोड़ मत देना। बड़ी सारी मेहनत और रुपया बेकार बरबाद हो जावेगा। तुम्हारी मेहनत बरबाद होगी। किस मुश्किल से काम करके पास की है।

तुम्हारा बाबा।
DR Gupta

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated 18.6.79

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा फोटो मिला। खुशी हुई। बेटा तुम बहुत प्यार से लिखते रहते हो। तुम्हारे प्यार से मुझे भी ऐसा ही मिलता। तुम चिन्ता मत करो। भगवान का ही भरोसा है। इसलिए मिलेंगे। तुम्हारे पापा हमारे लिये बहुत चीजें लाये हैं। उन्हें देख कर खुशी हुई।

तुम्हारा बाबा
[signature]

भी मिला, पर मुझे विश्वास है कि आपने मनोज से अवश्य

ही मिलेंगे। इनकी चिट्ठियाँ तुम हिम्मत से काम लेना

ऊपर वाले पर मुझे बहुत ही ज्यादा भरोसा है

जो हुआ है और भविष्य को मुझे भास पड़ता है

अब बातें सोच समझ कर ही करनी चाहिये। आशा है

कि तुम सब काम समझ कर ही करोगे। यह तो हम भी

जानते हैं कि तुम्हारा हृदय कितना अच्छा है। आशा है कि तुम

कोई गलती नहीं करोगे। यही ईश्वर से प्रार्थना है

कि हम सब फिर पहिले की तरह से एक साथ होंगे

प्रिय सरोज को हमारा आशीर्वाद। हर एक

इसने तुम दोनों को लिखा था मिल गया होगा

प्रिय प्रभात का तुम दोनों को प्यार सहित कहे

कहना। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारा शुभाकांक्षी

धनपत राय

S. K. Bansal
C/o Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E. C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated 197
20/6/79

My dear Guriya & Shalloo,

As already stated in my letters to Saroj, I reached here on 17th June quite safe and without any problem.

Respected Babuji is slightly better but he is still ill and remembering you both very much. But he did not want to disturb you and to come here to see him. He says that you should continue your studies and this is his love. You should write to him regularly. He has

taken Homeopathic
medicine also after
consulting other Homeopathic
doctors. He is very weak
and is in bed. But he
goes to Bathroom etc
and a very little outside
the house himself.
Ammaji is quite well.
Pl. let me know what
you need from here.
Please take care of
your self, your sister &
brother and Mummy.
Have you got any
problem?
With best wishes &
love.
Yours
Papa.

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~
44-E.C. Road
Dehradun

Dated 23-8-197

प्रिय लिडिया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

लिडिया सुशील के बारे पर हमने एक पत्र सुशील के पत्र के साथ ही भेजा है। मिल गया होगा तुमको अपने बाबा जी के समाचार भी मिलते न हाल हो गया होगा। तुम्हारे बाबा जी ठीक हैं हमारे बच्चे ठीक ठीक चल रहे हैं यह सब कुछ बहुत ही अच्छी तरह से हमारे बच्चे भर रहे हैं और खेलना भी सब बहुत ही कर रहे हैं यह ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सबको के साथ सब तुम्हारे बाबा जी ठीक रहें यह इतना अपनी जिन्दगी में एक यही इच्छा है कि एक बार तुम अपने बच्चों को देख लें। बैठे बड़े निराश से रहते हैं। बहुत ही दुख मानते रहते हैं कि हमने सब बच्चों को परेशान कर दिया है और हमारे बारे में सबको बहुत हो रहा है। क्योंकि अपनी जिन्दगी में यह पहिला ही अवसर है कि जो अपने रूपए पैसों के बाद भरा रहे हैं

प्रिय लिडिया रूबिया के प्रेम भरे मौन के साथ को गीत चाहे को भी आवश्यकता हो तो निःसंकोच

लिख देना इस बार होंगे कैसे बोर्ड नहीं चैक
भेजनी प्रोग्राम होते है।

शेष मेरा स्वस्थ पत्र नहीं लिख पा रही हूँ
और अब तो स्वस्थ हो गया है।

सब लोगों से हमारा आशीर्वाद। वे जिद
शेष को हमारा बहुत सा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

लिखिए एक बोतल रस्ना और ले वह चालिस दवा की
बिल पढ़ पाना। वहाँ इसमें ही ठीक होगे।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 22.6. 1979

बेटे गुड़िया। खुश रहो।

तुम्हारे भेजे हुए पेन से लिख रहा हूं। तुम्हारे पापा कहते हैं तुम मेरे पास आने की ज़िद कर रही हो। बेटी यह न करना। तुम्हारे वास्ते यही ठीक है वहां पढ़ाई जारी करो। यहां आने से सब मेहनत बरबाद होगा। मैं तुम्हारे वापिस आने तक रहने की कोशिश करूंगा। शायद ममाजी – उनके सोचा

जितना ज़्यादा है पिछले से
पहले आना होगा। बाकी
हाल पोतों के letters से
मिल ही जायेगा।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 22.6.1979

बेटा शैलू। खुश रहो

तुम्हारा पत्र मिला है। तुम लोगों
को तो बहुत परेशानी हो गई
होगी। कैसे गाड़ी का पता
होगा। तुम्हारी सब की
देख भाल कैसे होगा।

सब को संभाल कर रहना
है। मैं कुछ ठीक हूं। तुम
परेशान न होना।

तुम्हारा बाबा
[signature]

44, E.C. Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~
Dehra Dun

Dated २८।१।197८

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

बिटिया तुम्हारा ~~[illegible]~~ पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए। तुम्हारे पत्र से ज्ञात हुआ है कि तुमको हमारे पत्र नहीं मिले हैं। पोस्टल से तो उनके समय नहीं मिलता था और तुम्हारे नानाजी तो तब लिख भी नहीं सके थे लेकिन यहां पर हम २० जनवरी को आ गये थे और १२ जून व १४ जून को हमने तुमको पत्र लिखे हैं। मिल गये होंगे। तुम्हारा यह पत्र पोस्ट होना हुआ लगता है। धीरेन्द्र ने घर पर बड़ा अच्छा लगा रहा है। लेकिन डर इतना है कि समय सारा बड़ा असमंजस है। अब इन्दर को तुम्हारी प्रतीक्षा अवश्य करेंगे। और आशा है कि तुम्हारे और तुम्हारे नाना भी ठीक ही होंगे। बिटिया तुम कुछ चिन्ता मत करना तुम यहां पर अपार बचने वाला गये तो अवश्य होयेगा यह भी यहां रहते होते हैं कि अब इन्दर बच्चों ने घर का ठीक है। तुम इस पर ध्यान मत करना। इतनी चिन्ता मत करना। कुछ हो तो आता है लेकिन आता तो कभी ही है। और सरदी भी लगता है। अब तो दिसम्बर के तुम्हारा भी रहे हैं अपना यह पोस्ट नानाजी के पास आ गये

होंगे। नीरज १९७२ई० से विजय नगर में है। ५-६ साल
१०-१२) विवाह को हो गया है [illegible]
नौकरी कर रहा है लेकिन ज्यादा [illegible]
बड़ी परवाह [illegible] रह गये थे।
अब तो तुम्हारे जाने से केवल [illegible] ही रह गया है
पर दिन की [illegible] से [illegible] बहुत याद [illegible]
आयेगा। [illegible]
है [illegible] ही। पर [illegible] है [illegible]
[illegible] हैं कि [illegible] परेशान हो
रहा है। लेकिन [illegible]
[illegible] ही रहे हैं। [illegible]
रहा है। [illegible] हैं तो [illegible] है।
यहां [illegible] है यहां पर तो
[illegible] नहीं है [illegible]
[illegible] परेशानी नहीं है। [illegible]
पर [illegible] परेशानी बहुत होती
होगी। [illegible] नमस्कार
[illegible] यहां पर [illegible] है और
[illegible] दो दिन में [illegible] जायेगा।
[illegible] देना। तुम्हारा [illegible]
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, E. C. Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehra Dun

Dated .... 197 .

प्रिय [illegible] सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा २८ मई का लिखा हुआ पत्र हमको आज मिला है यह पत्र मेरठ होता हुआ आया है। तुमको हमारे पत्र से पता चल गया होगा हम २० जून को यहां आ गये हैं और यहां पर आकर हम दोनों ने तुमको एक पत्र २२ जून को और एक २५ जून को अलग अलग लिख गया होगा। सुशील यहां पर २६ जून को आया है। प्रिय सुशील को देख कर बहुत ही प्रसन्नता हुई है और तुम्हारे समाचार प्राप्त हुए हैं। अब तो आने के दिन भी नज़दीक ही आ रहे हैं। तुम्हारे बाबूजी पहिले से ठीक हैं, बस [illegible] शाम को ज़रा बाहर लॉन में थोड़ी देर को घूम लेते हैं। ज़रा सा भी चलते हैं तो थक जाते हैं। कमज़ोरी अभी काफी हो रही है [illegible] को सुधार भी काफी हो ही रहे हैं। तुम लोगों से मिलने को इतनी जोर से रहती ही होगी [illegible] तो देखते रहने से कोई चिन्ता नहीं होती है। [illegible] बहुत हैं और याद करते हैं कि तुम लोग [illegible] ठीक रहें। देखो ईश्वर की क्या इच्छा है। यह तो ज़रा भी पता नहीं था कि इनको यह बीमारी हो जायेगी। [illegible] हर समय [illegible] या ही रहते हैं और कि [illegible] भी घूमते फिरते थे। लेकिन अब [illegible] रहे हैं। हमारे भाग्य से कुछ भी ऐसा हो गया है। अब तो ईश्वर से यही प्रार्थना है कि इनको कष्ट ना हो। [illegible] ने [illegible] मेरठ आ गये होंगे यहां पर मेरठ से [illegible] आ रहे हैं। तुम्हारे बाबूजी का तुमको बहुत बहुत आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

प्रिय शैल बेटे तुम्हारा दुलारा ढेर सा प्यार

तुम्हारा चौदह ता. का लिखा हुआ पत्र इतने लम्बे
रस्ता से मेरठ घूमता हुआ आया है इतने यहाँ [illegible]
तुमको जो पत्र लिखे हैं मिल गये होंगे। ईशान ने अपने पर
भी इतने सब पत्र तुमको लिखे हैं मिल गया होगा। पत्र तो
हम लिखते ही रहते हैं। लेकिन देर से पहुँचने पर चिन्ता तो
हो ही जाती है। सबको इस बार ही देहरादून जाने पर
लिख रहे हैं। मेरठ से तो मैं तुमको पत्र नहीं लिख सकी
थी क्योंकि तुमको इतनी जल्दी से जाना से अस्पताल वालों
के बारे में समय नहीं मिलता था। तुम्हारे बाबाजी तो बहुत याद
रहते हैं कि अब तक तुम लोग कहाँ होंगे और तुम दिल्ली
को इन्तजार देख लो। यहाँ ईश्वर के पनाह ले रखे हैं और
तुमको ईश्वर के यहाँ पनाह ले रखे हो बच्चों की प्रार्थना ईश्वर
अवश्य सुनते हैं तुम कुछ चिन्ता मत करना तुम्हारे बाबा भी
जल्दी ही ठीक हो जायेंगे। हमारे जाने बाबत पत्र लिखा है
सेहत का ध्यान रखना। तुम्हारी तो अब कुछ ठीक हो गई होगी
बहुत रोते रहते हो ईशान ने अपने पर बड़ा गुस्सा लगा रखा है
लेकिन आँखों में दिन भर आँसू रहते आ रहे हैं। ईशान
तो अपने बाबूजी के पास रहने को वहीं भी मन नहीं लगता है
ऐसे समय में तुम लोग इतनी दूर हो गये हो हमेशा [illegible]
[illegible] ईश्वर [illegible] बच्चों की पुकार अवश्य सुनेंगे। फिर हम
सब मिलेंगे। तुम लोग उदास बिल्कुल मत होना। अपना
स्वास्थ्य ध्यान रखना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

सबको प्यार राजू ही देना।

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 28.6.1979

१०

नरेश, अनिमा एवं श्रद्धा

तुम्हारा २८-६-७९ का letter आज यहां मेरठ हो कर पहुंचा। मैं यहां से तीन letters भेज चुका हूं जो पहुंच चुके होंगे - उस से पहले तो मैं लिख नहीं सका था। तुम चिन्ता न करो। पहले से काफी ठीक हूं। Sushil यहां २१ जून को ठीक पहुंच गया था। तुम लोगों को जो परेशानी होगी उस के यहां होने से। तुम

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 2-8-6 1979

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 28.6. 1979

प्रिय शैलू। शुभ रहो।

तुम्हारा 18/6 का लिखा पत्र
यहां मिला। और पहले
letters यहां वाले तीन
मिले हैं। मैं बिल्कुल ठीक हो
रहा हूं। और भी लगता है कि
देर को। तुम को
नहीं आना चाहिये। यहां
सब लोग प्यार करते हैं और
परमात्मा की दया रहती है। तुम

वह आजकल के नाटकों से
परेशान होंगे। Lucknow
से भी प्रायः जाते रहते हैं
तीन चार/आजकल हैं। उनके घर
पुराने वाले हैं। सब को
परेशानी होगी ऐसे कई
सो।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 E.C. Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~
MEERUT

Dehradun

Dated 30.6 197

बेटी [illegible] खुश रहो।

तुम्हारा store + [illegible]

पूरा काम है तो [illegible]

Sushil का जो हाल है [illegible]

पर आना होगा। मुझे [illegible]

[illegible] है। [illegible]

[illegible] जायगा [illegible]

पर आना होगा। तुम्हें

पहाड़ पर store [illegible]

[illegible] होगा।

वहां [illegible] पत्र बारह [illegible]

वाले का होगा। प्रयत्न

होता स्वास्थ्य ठीक रखना। कुछ

[illegible] ही हो कुछ

हो [illegible] कारण [illegible]

नहीं है।

शुभकामना

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun
Dated 30.6 1979

प्रिय शैलू व सुषमा।

Sushil के यहाँ जाने के बाद तुम लोगों का क्या हाल चल रहा है इसका कुछ पता नहीं चला। यहाँ का मौसम ज्यादा ठीक है रात को बारिश से। मैं कुछ ठीक हूँ। यह मैं बिस्तर से ही लेटा हुवा लिख रहा हूँ। वैसे मैं ज्यादा देर उठ जाता हूँ पर बैठकर कुछ काम नहीं कर

सकता हूँ। तुम्हारे

तो प्रश्न छुट्टियां होगई होगी।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

प्रिय निर्मला सरोज गौरव तो मनभावती रहो

चिरंजीविता मुदिता। प्रिय केश शैल

तुम दोनों को मेरा बहुत बहुत प्यार

व आशीर्वाद। तुम्हारे बाबाजी सब

प्रकार से ठीक हैं तुम चिन्ता मत करना

आनन्द से उदयपुर के निर्मला परीक्षा पास की है

उदयपुर के पत्र सबको मिल गये हैं। निर्मला

पत्र देना। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी [illegible]

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
देहरादून

Dated 5.10.1 197

प्रिय बिटिया गुड़िया तुम्हें ढेर सारा प्यार

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~ [illegible]

Dated ४/[illegible]/197[illegible]

प्रिय [illegible] सदैव सौभाग्यवती रहो।

बहुत दिनों से तुम्हारा कोई पत्र नहीं आया है [illegible] रोज़ इन्तज़ार रहता है पत्र न आने से चिन्ता लगी है।

इसके बनिस्बत पहिले से कुछ ठीक है। लेकिन दो दिन से हल्का सा बुखार हो जाता है [illegible] तो ठीक हो रहे हैं। [illegible] लेते हैं। [illegible] से [illegible] है।

अशोक के यहां पर आने पर तुम लोगों को भी बहुत ही परेशानी हो रही होगी। अशोक को देखकर बहुत ही खुशी हुई लेकिन [illegible] हो रहे हैं [illegible] मिलता है। इतना [illegible] है। और अपने बच्चों को [illegible] तो परेशानी ही रहती है और चिन्ता ही रहती है इतना पर यही होता है कि अपने बच्चों के पास ही [illegible] रहे। [illegible] परेशान हैं और पैसा [illegible] हो रहा है। [illegible] पैसा नहीं [illegible]

गया है। नवम्बर का महीना है कि इससे ज्यादा ठंड तो होगी। दिल्ली में ठंड [illegible] ज्यादा होता है

रश्मि को बुखार ने निढाल कर दिया है। बुखार तो उतरने को चला गया है लेकिन बुखार ने बदन को कमज़ोर बना गया है। निर्बल पहले था है और ज्यादा रश्मि [illegible] आयेगा। [illegible] दो दिन से बुखार आ रहा है।

आशा है कि तुम सब लोग प्रसन्न होंगे।

तुम्हारे बाबूजी को [illegible] आशीर्वाद। प्रिय गुड़िया [illegible] को प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभकामना

[illegible]

प्रिय बेटे शैल, तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार।

नरेश से तुम्हारा पत्र न मिलने से बहुत चिन्ता लगी है। तुम्हारे मामाजी पहिले से ठीक हैं परन्तु थोड़ा बुखार अब भी है। आजकल यहां का मौसम भी ठीक हो गया है। तुम्हारे मामा जी तुम बच्चों को याद करते रहते हैं। पहिले पत्र में भी लिखा है कि तुम्हें लिखें [illegible] से लिखना हम भेजेंगे।

अब तो तुम्हारे [illegible] से भी १५ दिन से बहुत हो गए हैं। अब तो तुम्हारी छुट्टियां हो गई होंगी तुम सब खेलते होगे। तुम लोग अपनी सेहत का ध्यान रखना। [illegible] देते रहना।

तुम्हारे मामाजी तुम सबको याद करते रहते हैं मैंने पहिले पत्र में भी लिखा था कि तुम्हें गुड़िया के लिये चीज की ज़रूरत हो तो लिखना हम भेजेंगे। जल्दी लिखना। तुम लिखोगे तो हमको अच्छा लगेगा [illegible] होगी।

सबको तुमको हमारा आशीर्वाद प्यार।

[illegible]

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, E.C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 4-7-1979

बेटी ज्योत्सना / विशाखा

सुशान के जन्म पाने के बाद का तुम लोगों का 18.6.79 का एक letter आया था उस के बाद का हाल मालूम नहीं हुवा। तुम लोग वहाँ कैसे काम चलाते हो जब वहाँ (पानी है) मैं बिस्तर से ही ~~उनको~~ लेटा लिख रहा हूँ। कमर ठीक है। तुम चिन्ता ना करना।

मैं तो एक दूसरा के ही सहारे

पर डोगरा से । विशाल को
कोयला डोगरा पड़ेगा
होगा है ।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR, MEERUT~~ 44-E.C Road Dehra Dun

Dated 4-7-79

बेटा श्री [illegible] खुश रहो।

काफी दिनों से तबियत

नहीं मिला। कैसा काम

चल रहे होंगे।

मैं कुछ ठीक हूं। लिखने

का काम। तुम्हारी तबियत

से फिक्र [illegible] है तुम्हारी

छुट्टियां खत्म पर Sushil

को यहां से [illegible] का काम

का आना [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] Smita [illegible]

[illegible] time [illegible]

[illegible]

[illegible]

Gupta

44, E.C. Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated 7.7.1979

प्यारी गुड़िया / खुश रहो।

तुम्हारा 27/6 का letter कल
मिला। उस ने तो मुझे बहुत
ही परेशान कर दिया है। तुम
यहां आना चाहती हो। इतनी
मेहनत का पैसा! यहां मेरा
वजह से ध्यान को बरबाद
करोगी। तुम्हारा पढ़ाई का
क्या होगा। ना इधर की
ना उधर की रहोगी। अब
मुझे तुम को पत्र कर

इतने वर्षों मेरी छाती
जितना रंज होगा। मैं एक
मुश्किल में हूँ। एक हद आग
घूमने को जाता है। पैदल को
ढूंढ़ता। मुझे पता है जब
तुमने उस लालबाग, पावती
मिला था। बेटी मेरी यह
बात मान लो। इस समय का
आना फिर, आना जो कि साइकिल
Delhi तक, आकर जो जाए
आना कैसे। कौन जाना।

[illegible]

७४ ईस्ट कैनाल

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
देहरादून

Dated २८।१ 197८

चिरंजीव गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

चिट्ठी २६ता० की कुशल तुम्हारे पास आ गया होगा

यहां के सब समाचार तुमको कुशलता से पता चल जायेंगे
अब तुम्हारे नानाजी पहिले से अच्छे ठीक हैं। और आशा
है कि तुम्हारे आने तक बिल्कुल ठीक हो जायेंगे। बस ईश्वर
की दया चाहिये है। चिट्ठी देखी तो उससे तुम्हारा
जाना हुआ तो सच में बहुत ही अच्छा लगा है सौ बार
से बोलते तुम्हारी चाची जो आजकल कुछ है चिट्ठी तुमको
बिल्कुल ठीक है। बताओ तो कैसी लगी शौक से
बोलती थी। ऐसे ही बोलती हो। मैं सोचता था वह
गया शौक की आवाज बहुत है।

तुम्हारा पत्र ने आप तो ठीक ही चल
रहा है। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम्हारा काम ठीक
ही हो जाये। तुम बराबर पत्र लिखती रहना। तुम्हारा
पत्र देखकर तो बहुत ही खुश होते हैं

तुम्हारे को ख्याल ने पत्र का प्रोग्राम बदला
है ~~क्या~~ होगा लेकिन इसको तो बदल ही नहीं
सकते हैं। मेरे ख्याल से पत्र पर तुम्हारे नाम के
साथ चलते में कुशल तो बहुत ही हो जायगा।

अब तुमने पहली जगह के साथ छोड़ कर
दूसरी जगह ले लिया है यहाँ का नाम तुमने
लेता बदला है लेकिन लिखना पर तुम्हारा नाम ने
रखने का जो पता पर ठीक नहीं है। लिए
मेरे को तुम ठीक लिखो ही लगा।

तुम्हारे बच्चों को बहुत प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारा शुभचिंतक

प्रकाश नाथ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

६४ ईस्ट कैनाल रोड
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
देहरा दून

Dated ~~[illegible]~~ 197८

प्रिय चिरंजीव गुड्डा तुमको हमारा बहुत सा प्यार

चिरंजीव तुम्हारा पत्र आया था उत्तर देने देरी हो गया था। अब सुशील [illegible] तुम्हारे पास लौट के पहुँच गया है। तुमको यहाँ के सब समाचार और अपने नाना जी की बीमारी का सब हाल सुशील से विदित हो गया होगा। अब तुम इतना और से अधिक चिन्ता मत करना और अपने पढ़ने के काम में खूब ध्यान लगाना। वैसे सुशील के आने पर तुमको बहुत खुशी हुई होगी। लेकिन यहाँ पर तो सूना सा हो गया है। सुशील के तो बहुत ही अच्छा लग रहा था। और सुशील ने आने के आगे जाने वालों को [illegible] एक [illegible] रहती थी

अब तो [illegible] ऑफिस चला जाता है बच्चे स्कूल चले जाते हैं बस [illegible] के इस सोते ही सुबह ४ बजे शाम तक अकेले रहते हैं।

दिखता ही बड़ा सा लगता है।

तुमने घड़ी बहुत अच्छी भेजी है मैं गले में पहने रहती हूँ। तुमने बहुत ही पैसे खर्च कर दिये हैं। इतनी मेहनत से तो पैसा आता हो। तुम रात के १ बजे तक घर पर आते हो किसी ऐसे स्टोर में काम लेलो जो रात में जल्दी आजाया करो।

तुम्हारे ख़्याल से पीछे तो शान्ता बोलकर ही रही होगी। तुम्हारे पत्र के बाद भेज ही चल दिया होगा।

कृष्णा सुलोचना का तुमने ख्याल रखना। गौतम को प्यार। यहाँ गुरु आता रहा है तुम से व शेखर से भी टेलीफोन पर बात करते हैं। अब गांव से ज़्यादा आया था लेकिन पहुँचा नहीं था। अच्छा चिट्ठी का पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated [illegible] 197[illegible]

[illegible]

देते हो बना पाए थे। क्योंकि यहां का रूप तो ऐसा
ही बताता लोनगर से निकलता है फिर लोहार
है जिसे तो तुमने हो ही जाओगे। मनोहर को
सामानभी पहुंच गया होगा।

यहां पर सब ठीक है। तुम्हें हो विचार
इतना ख्याल मौसा के सेवा की रख रहे
रहे हो। सब ईश्वर से यही प्रार्थना है
कि तुम्हारे बाबूजी तुम लोगों के ऊपर बनाये
ही रहे।

इसको तुमको आशीर्वाद।

किशा को प्यार दुलार। दिनेश को
नमस्ते। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभाकांक्षी
प्रकाश वती

45 ईस्ट कैनाल रोड

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

देहरा दून

Dated २८।२।७। 197

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा भेजा हवाई पत्र जो पत्र लिखा पढ़ कर बहुत प्रसन्नता हुई कि तुम वहां पर आसानी से सकुशल ठीक प्रकार से पहुँच गये हो। आशा है कि घर पर भी ठीक प्रकार से पहुँच गये होंगे। यंत्रागार साहब की भी यात्रा तुम्हारे पहुँचने का पत्र आया है।

बेटे तुम्हारे जाने से तो घर तो बहुत ही लगता है। हर समय तुम्हारी याद आती रहती है। कमरा तो बिल्कुल ही सूना सा हो गया है। खैर रोजी के लिये जाना पड़ता है ईश्वर करेगा यह डेढ़ वर्ष भी ठीक से ही बीत जायेगा और फिर सब मिलेंगे

तुम्हारे बाबूजी ठीक हैं तुम इनकी ओर से कुछ चिन्ता मत करना सरोज व बच्चों को समझाते रहना। बेटे किशोर तुमको याद भी करते हैं। रहते हैं

मनमोहन का भी पत्र आया है उसके पत्र से भी तुम्हारा सब समाचार ज्ञात हुआ। लिखता था कि दोपहर के 2 बजे से शाम के 4 बजे तक खूब ही रौनक रही।

जो सामान अचार वगैरा इन्द्रा मिठाईयां ले गई वह कल
तुमको मिल गये होंगे तुम्हारे बच्चों ने सब सामान
खा ही गया होगा उनको मिठाई और ना अचार होवे
समय नहीं मिला होगा। यहां पर गांव भी सब
सामान पहुंच गया होगा ठीक से। भूपाल के माया
आया होगा। किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हुई
है। बच्चे तो तुमसे देखन बहुत ही खुश हो
रहे होंगे आपने बाद मिले हो। कोई चीज
खराब तो नहीं हुई है। सब चीजें ठीक से
पहुंच गई होंगी। तुमने पेट में बाला गोकुल
को जन्म देना बर लोगा है जो तो लिखना था

अच्छा बेटे और सब खुश रहोगे तो
हम भी यहां पर खुश ही हैं। यहां पर सब
ठीक है। तुम्हारे ~~मूछ~~ बाबू जी ने तुमको आशीर्वाद
मनोज को आशीर्वाद। बच्चों को प्यार

पत्र का उत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी जननी
प्रकाश वती

४४ ईस्ट कैनाल रोड

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
देहरादून

Dated 197

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

बेटा तुम्हारा पत्र अच्छा था इसका उत्तर तो देरी दिया था तुमको मिल गया होगा।

और अब तुम्हारे पापा जी अमेरिका पहुँच गये होंगे कल पर मिल लेकर पहुँचने से तुमको देख कर बहुत ही प्रसन्नता हो रही होगी और यहां से बाबा जी ने सब समाचारों का पता चल गया होगा। कुछ कुछ हिन्दुस्तानी पता करना तुम्हारे बाबा जी ठीक ही है। और वे सब तुम सबको याद करते ही रहते हैं। और रूप में तुम्हारे बाबा जी से कुछ तो बातें भी की हैं तुमको इतनी बातें सुनके मैं तो बड़ा अच्छा लगा होगा। बेटा तुम रूपवती क्यों नहीं बोलते हो तुम्हारी आवाज तो बहुत अच्छी है। मेरी इच्छा तो बहुत थी कि इधर वे तुमसे भी बातें करेंगी लेकिन भेजने को

समय ही नहीं मिला है। फिर इसका मैंने
डेढ़ वर्ष बाद फिर कुल बातें जान लेंगे।
तुम्हारे बाबाजी को इसका जवाब चाहेंगा तब ही
देंगे। मैंने यहां बैठा अभ्यास के पत्र में उत्तर
लिखा था कि मैं पास हो गया हूं और कुछ
दसवां मैं आ गया हूं। मैं इसके लिये कि पास हो
गये हो यह जान कर तो बहुत ही खुशी हो रही है
लेकिन बेटा दिमाग लगाकर पढ़ना।
जितने ज्यादा दिल से मिलाओगे उतना ही ज्यादा
दिमाग मिलाते रहोगे। अभी तो तुम्हारी दुनिया
ही बन रही होगी। सब घर पर क्या बातें
रहते हो। ~~बाबा~~ बाद कोरा तो ऐसा लगता है
बना ही बैठे होंगे।

सबको सप्रेम प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E. C Road
Dehra Dun

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 18-7-1979

बेटे गुड़िया एवं मेरा

अब तो तुम्हारे पापा पास पहुँच
गए होंगे। यहां का सब हाल
तुम्हें मिल गया होगा। इसलिए
महीने में तुमने तो बहुत ही
पढ़ाई की होगी। पता
नहीं कैसे काम चलता था
होगा। परन्तु तुम्हारे पास कोई
दिन वह रह गए। हर समय
मेरे ही पास रात को भी
जाया। बारह बजे तक

Dhanpat Rai Gupta
PANIC

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~ 44 EC Road
~~MEERUT~~ Dehradun

Dated 18.7.74

My dear Sushil

Recd your letter of 16/7 from Palam along with a letter of Mr Bhatnagar today. ~~Further~~ details of the journey are awaited.

We miss you very much as you were always by my side & had been taking care of me

in all respects

Please write how
Saroj & children fared
in your absence. I
feel a lot better in health
but the actual trouble
is known to the Doctors.
You have spent a lot
here & I don't know how
you will manage to
pass the month
without any
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E. S. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 18.7 1979

बेटा शैलू खुश रहो

तुम्हारे पापा से सब हाल मालूम हो
गया होगा। [illegible]। मैं ठीक
हो रहा हूँ। टाँगों को
काफी परेशानी रही और इन
दिनों मैं यहाँ को Sushil
के मकान की देखभाल में
तब तक परेशानी रहेगी।
[illegible] ठीक [illegible]
[illegible]
होंगे। मैं लिखने में
[illegible] आगे को
पड़ा हूँ [illegible]

मित्र मुझे [illegible] में [illegible]

नहीं समझा। इस का

मुझे अद्भुत दुःख है।

[illegible]

तुम [illegible] [illegible] pan

होगा ही इस को [illegible] में

है। [illegible] में इस [illegible]

चला गया

[illegible]

५४ ईस्ट कैनाल रोड

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

देहरादून

Dated ~~[illegible]~~ 197८

प्रिय चिरंजीवी गुड़िया तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

तुम्हारा १२ता० का लिखा हुआ पत्र हमको कल मिला है यह तुम्हारा पन्तद्वीप से पत्र था। तुम्हारे पत्र आगे पीछे आ रहे हैं तो सब गये हैं लेकिन आप भी तुम्हारे पत्र आने में देर हो जाती है तो तुम्हारे बाबा जी बहुत ही चिन्ता करने लगते हैं। तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। तुम्हारे बाबा जी कैसे [illegible] ने [illegible] चल रहे [illegible] वैसे ही चल रहे हैं उन्हें चिन्ता यह कि गुड़िया [illegible] तब तो ऐसा ही है कि हमारे [illegible] होने में समय तो लगेगा ही उन्हें चिन्ता यह करनी है उनको [illegible] तो [illegible] देते ही रहेंगे। बस फिर भी ईश्वर से हमारी यही प्रार्थना है कि तुम्हारे [illegible] तुम्हारे बाबा जी ठीक हो रहे। और [illegible] सब बच्चों को [illegible] [illegible] ठीक [illegible] होंगे। ईश्वर [illegible] यह प्रार्थना अवश्य करेंगे हो। तुमको [illegible] के यहां से सब समाचार ज्ञात हो गये होंगे। उन्हें किसी चिन्ता मत करना और अपने पढ़ने में और [illegible] में ध्यान लगाती रहना। यही ईश्वर से हम सबको प्यार तो [illegible]।

तुम्हें तो पत्र लिखने में भी समय निकालना पड़ता होगा
क्योंकि तुमको वैसे ही बहुत किताबें लिखना होता है।

बिटिया को अपने बच्चों की चिन्ता बराबर रहती है
लेकिन सब भूल जाती है। इसलिए तो तुम्हारा नाम बार-बार
तो लगा लेती थी। अब तो यह लोग बड़े हैं क्योंकि
उन सबको छुट्टी है। बिटिया हमारी तो यही इच्छा है कि तुम
सबको यही पढ़ाई समाप्त करके ही एक साथ में आना।
क्योंकि पढ़ाई बीच में नहीं छोड़नी चाहिए। जो होना होगा
वह तो होता ही है लेकिन फिर भी तो सोचना पड़ता है
उन्हें अपना भविष्य बनाना है। और तुमको पता ही है अब
हम ही इन लोगों के आधार हैं। आशा है कि तुम पढ़ने
में और काम में मन लगाओगी। आज यह बहुत अब
जानते हैं कि मेरी वजह से सब परेशान हैं क्योंकि हमारे
ऊपर बच्चों ने कोई ध्यान नहीं दिया है और न कभी कुछ
बात ही बताया है। आशा है कि तुम अब इतनी परेशान ना
होगी। वैसे यह सब तुम ही कर रही हो बातें बोलते
चलते ही नहीं है [illegible] निकल दिन बाद मिला था
लेकिन कुछ नहीं बोलते थे। सब बच्चों को हमारा
प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

अरुणा को जब [illegible] ज्यादा था
पैरों उतार दिया है

तुम्हारी अम्माजी
तुम्हारा बाबा

चि॰ बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो।

बेटा यहाँ आने पर तो अब यही चिन्ता है

है कि तुम ठीक प्रकार से पहुँच गये हो। पत्र आने

पता चलता है। लेकिन अपना तुम्हारा पत्र आने पर

पता चलेगा।

बेटा याद तो तुम्हारी बहुत आती ही है

तुम्हारे बाबूजी तो हर दम तुम्हारे सामने से रहते ही हैं।

[illegible] हर दिन ही याद करते हैं। [illegible] ही

[illegible] आता है। कुछ चिन्ता मत करना

और तुम्हारी [illegible]

[illegible] है।

तुम्हारे बाबूजी को तुम्हें प्यार व आशीर्वाद

[illegible]

[illegible] हैं।

तुम्हारी माताजी

प्रकाश वती

चि॰ सतीश को फिर पत्र लिखूँगी। चि॰ सतीश को

हमारा दोनों का आशीर्वाद।

४४ [illegible] रोड
देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २८/७/1978

प्रिय बेटे मोनू तुमको हमारा बहुत २ प्यार

तुम्हारा पत्र आया था इसके उत्तर देरी से आया। जब २२ता० का लिखा हुआ पत्र मिला तो हमारे पास आया ~~था~~ है इसके पत्र से तो सब समाचार ज्ञात हुए हैं सबको तुमने पत्र लिखा है। मिल गया होगा। सुशील भी [illegible] से पहुंच गये हैं उनको यहां से और उनके बाबाजी ने सब समाचार ज्ञात हो ही गये होंगे। बेटा तुम बहुत समझदार हो बाबा जी और [illegible] जैसे पत्र लिखाये अच्छी तो है ही इसके लिखने में समय तो लगता ही। लेकिन तुम होशियार होते हो तो तुमको बहुत ही दुख होता है इनके पढ़ने में [illegible] ध्यान लगाना और तुम्हारे बाबाजी तो तुम्हारे [illegible] ही रहेंगे। यह तो तुम जानते ही हो तुम्हारे बाबाजी तुम लोगों से [illegible] नहीं रह सकते हैं। अच्छा बेटा तुम हमारा कहना मानोगे और फिर डेढ़ वर्ष बाद ईश्वर ने चाहा तो फिर वैसे ही [illegible] से ही रहेंगे। [illegible] लिखो ताकि यह डेढ़ वर्ष [illegible] ही बीत जायेगा। सबको तुमको आशीर्वाद [illegible] तुम्हारे स्कूल खुल गये होंगे।

पत्र का उत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी दादीजी
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
44 E.C. Road
Dehra Dun

Dated 24.7.77

बेटी भइया एवं शारदा

तुम्हारा Aerogramme 12/7 को कल मिला। पहले letter भी पोस्टकार्ड, प्राप्त हो रहे हैं। बेटी मुझे मालूम है तुम को मुझ से कितना प्यार है पर तुम को अपने future का भी ख्याल रखना होगा। मुझे बहुत ही दुख होगा तुम्हारी पढ़ाई बीच में रहने का। किस

मेहनत से पढ़ाई के लिए
पैसे जाता है वह मेरे पास
मैं लगा जाऊँगा तो ~~मेरा~~
नहीं होगा। मुझे आशा
है इस मिलोगे। डेढ़ साल
किसी तरह कट जाएगा।
मेरी बात मान लोगे।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E.C. Road
~~152~~, VIJAY NAGAR,
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated 24.7.79

My dear Sashi

You should have reached Washington some time in the night of 16/7. How did children pass the period of one month? I am afraid they had troubles which they did not mind for my sake. I am as usual. This is from my bed. Please caress children. A letter from India

dated 12/7 was received

yesterday. She seems

to be still desirous

to come here. This

will pain me very

much. Her life is

at stake. Please

persuade her not to

risk her life

Yours

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated 24-7-77

प्रिय रेणु चिरंजीवी रहो।

तुम सहारनपुर से

पहुँच गये होंगे। तुमको

पीछे काफी परेशानियों

को मुकाबला करना

पड़ा होगा। लेकिन

कोई लाभ नहीं हुआ।

मैं अच्छी तरह से

हूँ। कैसे उपचार

हो जाये। अब लोगों
को शिक्षा आ रही है।
हम फिर मिलेंगे। मैं
जानता हूं तुम लोगों को
दिल को। पर परेशान
की जरूरत नहीं है। ईश्वर
ने चाहा फिर मिलेंगे

तुम्हारा बाबा

58 ईस्ट कैनाल रोड

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

देहरादून
Dated 197

प्रिय विपिन गुड़िया तुमको प्यार बहुत आशीर्वाद

तुम्हारा 18 ता० का लिखा हुआ पत्र देहरादून पता से [illegible] को मिल गया है। यह जानकर खुशी हुई कि प्रमोद [illegible] घर पर पहुंच गये हैं [illegible]

[illegible]

[illegible] है। [illegible]

[illegible] है [illegible]

[illegible]

[illegible] है। [illegible]

[illegible] है [illegible]

[illegible]

[illegible] है। [illegible]

[illegible] है। [illegible]

[illegible] है। [illegible] है कि [illegible]

[illegible] हो। [illegible]

[illegible]

अब तेरी कुछदिन बाद में और पढ़ाई में मन ठीक लगाना

ईश्वर ने चाहा तो तुम्हारे बाबूजी तुम्हें जरूर दिलेंगे

बच्चों की शादियाँ ईश्वर अच्छी ही करते हैं। हम भी तेरे

लिए हैं। तुम जल्दी अच्छी हो और हम तुमको प्रेम से लिखे

मैंने लिखते हैं। चित्रा पढ़ भी तुम्हारी भलाई के लिये ही

लिख दिये हैं। अपनी पढ़ाई पूरी करके जाओगी तो रिश्ता

अच्छा होगा। और इतने अब तुम्हारे बाबा जी तो कुछ भी

रही न रहे हैं उन को हर तरह से परेशान हो गये हैं

चाहिये वो तो भी कुछ नाम होता था लिखे रहे नाम लेकर

तुम्हारे बाबा जी ठीक से ही चल रहे हैं। रक्षाबंधन

तब ठीक ही चल रहे हैं। कमजोर तो हो ही रहे हैं।

चित्रा जैसे यह लिखके लिख दिया है कि मैं

कमजोर हो रही हूँ। मैं तो बिल्कुल ठीक हूँ। जरा भी कमजोर

नहीं हूँ। तुमको सुशील ने तो बता ही दिया होगा।

मुझे इनके विवाह के चिन्ता तो होती ही है।

कुछ चिन्ता मत करना जब अपने घर जाओ पत्र

जरूर लिखती रहना। तुम्हारा पत्र नहीं आता है तो चिन्ता

हो जाती है यह जान कर खुशी हुआ कि पापा ने भेजा हुआ

था। उनका पत्र आया है। ठीक भी आता है। अभी २

... आया है ... आया था।

४४ ईस्ट कैनाल रोड

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

देहरादून

Dated [illegible] 197

प्रिय [illegible]

गुडिया ने पहले पत्र लिखा था उसके पत्र से

सब समाचार ज्ञात हुए हैं। [illegible] ने पत्र पढ़ते ही

[illegible] लिखा है। [illegible]

भी हुई। [illegible] पहुँच गये हैं और [illegible]

सामान भी [illegible] पहुँच गया होगा। [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] गुडिया [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] लिखा है

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

प्रमोद ने ज़ोर से हाथ को बदल लिया। लेकिन
रूपा [illegible] जानते हो कि वह कैसे थे
उनको पता। आज लोगों को क्या हार है कि उनके भीतर
चुड़ैल पद्मा बनाए होंगे और खाना बनाया होगा
बच्चे को लेकर सुबह ही चले गये होंगे। रोया
[illegible] होगा होगी। उनको कुछ लोगों ने पूछा था
होशियार होगा। तुम्हारे बाबूजी पहिले से कुछ
ठीक रहे हैं। और मैं तो बिल्कुल ठीक हूँ। यहाँ पर
पुराने [illegible] अब कोई जगह नहीं है बल्कि बाक़ी
इतना बिगाड़ दी है। क्योंकि नाप तौल को बिगाड़
चित्त हो जाता है मैं तो इतना आप ही
रहता हूँ। प्रमोद ने याद किया है वे लोग
आज ही पता चल गया था। तुम्हारे बाबूजी को
आशीर्वाद। चित्रा को प्यार देना। बच्चों को
[illegible] अनुपमा ने पत्र लिख दिया है। उनको
आज पत्र लिखा है लिखती हैं कि मेरी उनको
[illegible] जाये। यह बच्चों के लिए आज
[illegible] है। प्रिय प्रमोद को प्यार आशीर्वाद
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। गाजियाबाद वालों
पुनः पत्र लोग करते रहते हैं। पत्रोत्तर शीघ्र
ही देना।
शुभाशीष [illegible]

४४ ईस्ट कैनाल रोड
देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 26|8| 197६

प्रिय बेटे शैलू तुम्हारा [illegible] बहुत दिनों बाद
तुम्हारा [illegible] के पहुँचने का पत्र आया
आशा है [illegible] दोपहर को तुम्हें मिल गया होगा
[illegible] तुम्हारे लिए कुछ [illegible] भेजा
है [illegible] में वहीं [illegible] ले लेगे। तुमने
भी तो कुछ नहीं लिखा।
अब तुम्हारे स्कूल खुल गये होंगे।
[illegible] के [illegible] पर [illegible] में [illegible] का [illegible]
होगा। अब [illegible] में भी [illegible] तुम्हारा ऊपर
तुम्हारे बाबा जी ठीक हैं। [illegible] तुमको याद
जो करते हैं [illegible] हैं। [illegible] अपनी [illegible] के
बच्चों [illegible] हैं। ईश्वर ने [illegible]
भी तो [illegible] देती है। मेरा [illegible] ईश्वर [illegible]
करते हैं। चिन्ता [illegible] नहीं होता है
[illegible] ईश्वर [illegible] है [illegible]
[illegible] ही [illegible]। [illegible]
ईश्वर ने चाहा तो ठीक ही होगा।

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

कुछ दिन हुए मिला पता आता। पहिले पत्र के

मिलने से पूर्व पत्र लिखा था।

यहाँ तो आपके पुस्तकें अब रखी है बच्चे

खेलने रहते हैं। बीजा ने पूना से पत्र

भेजा है सब ठीक है। उस लिफाफे में

हमारे घर के बेशक ही हो गए हैं।

सब बच्चों को बधाई प्यार व शुभाशीर्वाद

पत्रावल साथ ही देना।

कोई यार पत्र लिखने से रो हो जाया करे तो

लिखा पत्र आता

तुम्हारा शुभचिंतक

कृष्ण बाबा

मोहि तुम्हारे भाभी

र पुस्तकें लेकर पत्र

लिख जाते हैं।

44, E.C. Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 27.7.1979

बेटी [illegible] । चि.

तुम्हारा 18/7 का letter मिला। बेटी

यह ठीक है मुझे तुम से बहुत ही

मोह है। मैं जानता हूँ तुमको भी

है। मगर समय को देखकर

ही मैंने कहा है तुम पर भी ना

पाका। मुझे कोई पैसे

की परवा नहीं है। मैं चाहता

था पैसे वाला कमाता था। पर

जानो कि मैं पेन्शनयाफ्ता हूँ और

पैसा आना बन्द हो गया है इस

लिए मुझे पैसे की परवा है

तुम को भी मेरा आशीर्वाद है

कि तुम्हें मिलाप में पढ़ना नहीं

पढ़ाई के लिए पैसा मत ~~[illegible]~~

मंगाना। पढ़ाई की बात पूछनी।

बड़ा मुझ को तुम्हारे future का

और ख्याल है जी। मेरी Computer

का Course नहीं है इसलिए

Delhi या Kanpur में ही

तुम नहीं कर सकोगी। बहुत

अच्छा होगा।।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 27.7.79

My dear Sushil

Recd your letter. You must have been put to great trouble for the whole night bus journey. It is as usual with me. Hope you have recovered from the strain of long & arduous return journey. You have

not informed me
how Indira could manage
to reach ~~when~~ home at
about 1.30 in the night.
I am very anxious to
know this. How can she
find time for sleep or
studies.

with love
Yr
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 27.7.79

प्रिय शोभु खुश रहो

तुम्हारे letter से पता

चला कि तुम्हारे पापा वहाँ

पहुँच गये। पर वह बहुत

परेशानी से journey करके

आये। उन्हें पापा से ज्यादा

Palam के बाहर पानी पीने

को [illegible] पी लिया? Plane

में खाना। [illegible]

रात भर डाक्टर का इन्तजार

पेडल चलाया। मैं तो एक बिल्कुल

कोई इस्तेमाल है। थोड़ी देर

उठ के लाई हूँ। मालूम है $1\frac{1}{2}$ साल

पैर इस तरह कार का हो

मगर [illegible]

कहो।

[illegible]

४४ ई.सी. नेशनल रोड
देहरादून
Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 2-2-1978

प्रिय बिटिया सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो।

तुम्हारा रक्षा का लिखा हुआ पत्र हमको आज २ ता. को मिल गया है। पत्र पढ़कर सब समाचार ज्ञात हुए। हां बिटिया जब तो टेप से तुम्हारी आवाज बहुत ही प्यारी प्यारी और ऐसा पता चलता है कि बस सामने ही हो। जब ऐसा लगता है कि यह आवाज़ तो सुनी ही नहीं है। शुक्रवार अपना टेप रिकार्डर पुराना वाला नीरज के पास छोड़ गया है सुशील ने जो लिया है वह पक्का आनन्द ले गया है जब जितेन्द्र का नीरज आया था वह टेप रेकार्डर अपना भूल गया था यदि वह आता तो उसके लिए तुम्हारे भाव सुन लेते सुशील वह टेप नया हुआ नीरज को दे गया है। पेन्ट ले गए दिया है अब तुम ज्यादा नहीं तो अपने साथ टेप ले के आना जिसमें हम सुन लिया करेंगे। तुम्हारी फोटो भेजी हुई दोनों आगए हैं बहुत ही सुन्दर फोटो आए हैं। और भी फोटो हमारे पास भेजना। और ऐसे गृहस्थ की ही हुई पढ़ाई भी देखी फोटो में बहुत ही याद आती है।। अब तो तुम्हारे सारे याद ही आते होंगे वे तो अब तक तुम लोग आस्ट्रेलिया नहीं रहो जाते हो है। अब गाता की चिन्ता यही है कि तुम्हारे ताऊजी तुम्हारे

मारे बन-ठन रहे हैं। गुड़िया ने जो चीज़े भेजी हैं सब ही अच्छी हैं
और तुम्हारे भतीजे को तो ही खूब सारा सामान भेज दिया है
तुम्हारे तो थोड़े रह गये सामान में ही। बाकी रुपये खर्च हो गये
होंगे। वैसे यहां पर तो तुम्हारी चीजें सब को ही पसन्द आई
हैं। लेकिन यह हर लोगों की गलत बात तो है ही जो चीजों के
बारे में कुछ भी नहीं लिखा है। जो भी उन सब के लिये उर्मिल
के मिलने को आ गया था उसको भी उसका सामान दे दिया था
उर्मिल ने तुमको ज़ाहिर तो कर दिया [illegible] ही था पैसे [illegible] जो
ना और उन लिफ़ाफ़ा के सामान में रख दी थी। मैं बड़ी [illegible]
ही पहन लेती हूँ। पहन कर बड़ा अच्छा लगता है विदिया ने इतना
प्यार दिया। इसे भी यहां पर बुड्ढी ने पहनी [illegible] थी।

तुम्हारे बाबूजी बन-ठन के ही चल रहे हैं और वैसे
बच्चों को बहुत ही हो गये हैं। जब भी चलते हैं तो बन के जाते
हैं। मैं तो सब बोरा बनाती रहती हूँ। क्योंकि [illegible] बाद का ने
[illegible] नहीं लगता है खाना बनाने को दोनों वक्त का किया हो
बनाता है। और अब तो इतना बाद [illegible] होता है वह बनाता रहता
है। अब तुम लोगों की [illegible] कैसे यहां मनाते हैं कि अब तुम्हारे
बारे बन-ठन ही रहे और फिर बस यही देखते [illegible] उर्मिल की
उर्मिल ने [illegible] पर [illegible] का हो गया तो बताना। अच्छा रहेगा
[illegible] के बाद से ही ठीक रहेगा। बैठे तो बिचारा [illegible] भी ख्याल
बहुत ही ध्यान रखता है। अब अकेला रह गये हैं और कोई नहीं है
[illegible] को [illegible] हर ओर [illegible] ही रहते हैं [illegible] बाद तो
आती ही है। अब [illegible] ही आये थे [illegible] को यहां पर नहीं आये हैं शायद
उन्हें समय नहीं मिला होगा। तुम्हारे बाबूजी का व मेरा उर्मिल को
आशीर्वाद व प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
44, E.C. Road
Dehradun

Dated 1.8.1979

बेटी गुड़िया, खुश रहो

तुम्हारा 22/7 का letter मुझे मिला है। बेटी तुम ने तो कभी मुझे परेशान नहीं किया। तुम ने वह दिन याद दिला दिये जब तुम बाबा की गोद में बैठकर मस्ती किया करती थी। तुम जब बाबा का टेलीफोन की इस में पहचानती नहीं थी। अब मैं बेकार होगया किसी के लिये कुछ नहीं कर सकता। हां तुम लोगों की याद आती रहती है। फिर मिलेंगे। भगवान ने चाहा। हंसी खुशी भी मिलेंगे ही। तुम ठीक हो इस की खुशी है। यहां कहीं Computer Course

का पता नहीं चला। शायद
Bombay में हो। मेरे पास
तुम्हारा greeting कोई नहीं आया
या मुझे परेशानियों में याद
नहीं रहा। मेरे लिए तुम्हारा
हर letter greeting ही है।
तुम्हारे letters का इन्तजार
लगा रहता है।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~
44, EC Road
D. Dun

Dated 1.8.1979

बेटी सरोज। ईश्वर तुम्हें स्वस्थ रखे। तुम्हारा letter मिला। बेटी तुम से बातें हो कर खुशी हुई। शायद आमने सामने भी बात होगी। मुझे डाँटना नहीं आता बेटी प्यार किया तुम्हें। मैं अब तो तुम लोगों के ही ऊपर रह गया हूं बेटी।

तुम्हारा शुभचिंतक
[signature]

पांच stamps भेज रहा हूं।

44, E.C. Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated 2.8 1979

My dear Sushil

Nowadays, five doctors are jointly looking to my treatment. Blood tests & X-Rays were again carried out. These doctors are of the view that this may not be a case of cancer as the tests do not confirm the view. whatever it is the treatments are going on. On the day you left this place I had developed some chest pain with short breathing. It lasted for a week but was cured by doctor.

The mind sensations are

now troubling me. The

Doctors cannot explain

why it is.

I hope your absence

from Washington did not

cause much trouble except

Gudia's coming back from

the Store.

I have written to children

yesterday & will write to

them again.

5 stamps enclosed

with love to all

Yours affly

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, EC Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehra Dun

Dated 1-8-1979

बेटा श्रीगुरु खुश रहो

तुम्हारा 23/7 का letter मिला

खुश हुई यह जान कर कि

तुम लोग ठीक हो। ठीक ही

रहना बेटा चिन्ता मत करो।

मेरा हाथ ठीक नहीं चल

रहा उलटा सीधा लिख

रहा हूं। हां कुछ कमजोरी है ना

लेटे लेटे ही लिख रहा हूं।

तुम्हारी याद आती है आशा है

फिर मिलेंगे। तुम्हारे letters

से तसल्ली हो जाती है

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated..........1979

नहीं तो तुम लोगों की

तरफ से चिन्ता रहती है

न मुझे [illegible]

84

बेटी - बेटा ये तुम लोगों को कब मिलेंगे

और अब उन का पता हो गया है।

अच्छा तुमको आशीर्वाद व प्यार

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
44, E.C. Road
Dehra Dun

Dated 31. [illegible] 197[illegible]

प्रिय बेटे सोनू तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा प्यारा सा 23 ता॰ का लिखा हुआ पत्र हमको कल मिल गया है पत्र से सब समाचार भी ज्ञात हो गये हैं। फोटो भी हमको मिल गए हैं। फोटो तो बहुत ही अच्छी और साफ आये हैं। बेटा तुम्हारे बाबा भी कमजोर तो बहुत हो ही गये हैं उनको पता नहीं [illegible] [illegible]। [illegible] भी चलते हैं तो [illegible] हैं। कुछ दिन पहिले [illegible] साइकिल पर भी [illegible] घूमते थे। ऑपरेशन होने के बाद इतने कमजोर हो गए हैं [illegible] [illegible] सब [illegible] हो रहे हैं [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] यहां पर होने के बाद से भी [illegible] के बुखार के [illegible] नहीं आये हैं। अब तुम्हारे सामने ही [illegible] आये थे। पिछला सोमवार को यहां पर आया था [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] हमारे [illegible] [illegible] [illegible] के बाद से हो गया है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] 2-4 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

के लिये बाबूजी आने को कह रहे थे शायद आ गया

होगा आजकल तो बहुत ही हो गया है। इसके उनके

इस लिये तो भी बहुत ही परेशान हो गए हैं।

अब योगेश का पत्र भी नागपुर से आया है उसने

यहां। वह वहां पर लिखने ट्रेनिंग पे गया है। बिचारा

पत्र लिखता बहुत ही रहता है। बेटा तुम्हारे बाबाजी की

तबियत ठीक नहीं है कि उनकी वजह से परेशान हैं

इस लोगों को उन बताते रहते हैं। अब यहां बहुत

रहते हैं। हम उन पर उनके बच्चों को देखने उनको

ऐसा लगता है कि बहुत प्यार लगा करता होता है

गुड्डी को अब तक उन पत्र रहा होगा क्या कहते रहते

हो। गुड्डा बिचारी बहुत ही परेशान है। उसके इतने

होने की बहुत ही इच्छा थी पर रुपये पे मिलते रहते

थे लेकिन उसके ऐसे कम मिलता ही रहा है उन को

सुशील बिचारा बहुत ही भोले सोचें कर लेता है

बेटा तुम्हारे लोगों को सुशील आते हैं कि उनके ही

बच्चे ही लगते हैं। शायद वो होने पर कुछ बहुत के

गये होंगे। बच्चे तो इतने शुरू से ही देखने वाले ही

रहे थे है। पत्र नहीं देना अच्छा समय से ही भेजना

बेटे सुशील को प्यार आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा

छाया रानी

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, E.C. Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehra Dun

Dated ~~.................~~ *197* 6

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] होगा [illegible] ।

[illegible]

[illegible] है।

[illegible] होगा [illegible]

[illegible] होगा [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] होता है। [illegible]

[illegible] । [illegible]

[illegible]

[illegible] है।

[illegible]

[illegible]

[illegible] है [illegible]

राखी बांधी होगी और मिठाई भी खिलाई होगी और न कम्मो भाभी को रुपये दिये होंगे

गुड़िया को बोल राखी पहुंच गई भेजती है।

तुम्हारे बाबूजी ने शुभ आशीष को लिखवाया।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी शुभचिन्तक

प्रकाश वती

नीला को वालिदा दिवाली के लिए पत्र लिखे पहले यहां नयना [illegible] हो गया है इस लिए [illegible] दिन की छुट्टी लेकर [illegible] चला गया है वहां पर उसका इलाज हो रहा है यह [illegible] तो बहुत ही हो गया है। [illegible] दिन से बुखार आ रहा था। ठीक होने पर आ कर ही उसका [illegible] देख लेना।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated 6.8.1979

बेटी गुड़िया / [illegible] रहो

कुछ दिनों से कोई letter नहीं मिला।
यहां सब ठीक ही है। चिन्ता की बात
नहीं। तुम्हारे store के काम का
क्या रहा? मुझे तुम लोगों की
चिन्ता रहती ही है। बिस्तर से
ही लिख रहा हूं। यहां मंजू और
अनुपमा के letters आए थे।
नीरज बीमार है। वह एक कुछ
दिनों को Lucknow ~~[illegible]~~
चला गया है। इलाज हो रहा है।
मैं इस लिए लिख रहा हूं
कभी तुम उस को letter भी
लिख ~~कर [illegible]~~ कहो

[illegible]
Papa

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Aug. 6 1979

बेटा शैलू। खुश रहो

क्या हाल है तुम्हारा। ठीक हो ना? कुछ दिनों से letter नहीं मिला। शायद पूजा का काम में लगे। क्या करते रहते हो? पूजा छुट्टियाँ होंगी। तुम ठीक होगे। आशीर्वाद।

5 stamps enclosed.

तुम्हारा पिता,
बापू

Dehradun 5-8-79

My dear Brother,

Hope you all are well.

There is no change in Babuji's health except that he is having acute pain in the bladder/prostate region very frequently. And when this pain happens he really feels very miserable. Doctors are not able to prescribe any particular medicine for this except analgesics. There is, however, no cause of any alarm or worry. Deoki Bhaisahab had also told him about it at Meerut and he had said that nothing except giving pain killing drugs can be given to relieve him.

The two photos received here are good. We are eagerly waiting for the rest.

Regards

Yours
Subodh

आदरणीय भाभीजी,

देहरादून dry होने की बात के बारे में जो आपने लिखा वह कुछ समझ में नहीं आया। मेरा मतलब तो यह था कि यहाँ domestic [illegible] बन्द हो गये हैं।

आपकी साड़ी भेजी है इससे बड़ी खुशी हुई — आशा है मन पसन्द मिल गयी होगी। इसको पहनकर फोटो खिंचवाना और भेजना।

भाई के जाने के बाद ख्याल आया, वरना उनके साथ गुड़िया को इतना [illegible] के रुपये अथवा कोई चीज भेज देते। बहुत अफसोस हुआ। गुड़िया से कहना [illegible]

भाई सबके लिये इतना सामान लेकर आये और वह भी तब जबकि एकदम आने का [illegible] गया और फिर आये भी बिमारी के चक्कर में थे। सभी को सामान और चीजें बहुत पसन्द आयीं। बच्चे तो अधिकतर [illegible] [illegible] से पहन रहे हैं। मैं सिगरेटें सब [illegible] [illegible] दी हैं, lighter अभी चल रहा है। भाई को तो [illegible] लिये धन्यवाद कह ही दिया था, आपको भी [illegible]

आज बाहर की तबीयत [illegible] होगी। आपने जो [illegible] भेजा था उसमें आपके बात [illegible] का बहुत [illegible] [illegible] आ गया था, वह ही natural था।

आदर

आपका सुबोध

Dear Son (Indra),

Your letter writing is excellent as you write letters in so many details and so nicely. I have seen your letters to Babuji. The way you have written to him is worth praising.

Babuji has a very strong will power. And it is due to this only that his health is not at all that bad as it would have been in case of any other person. If his will power remains the same

for which there is every hope, there is no reason that when you all return here you will find him with us in satisfactory health. Your coming here will not serve any purpose. Donot come. He will wait for you. Understand? Devote all your time and energy to your studies and career.

Why had you been so shy that you did not record any message in the tap for Babuji? DO so and send a tap with your message whenever some body comes here. Babuji will love to listen to it.

Our love to you   Yours Subodh

Dear Shailoo,

I have to write some words to you also. Because if I donot do so then you will feel that you have been neglected.

You too did not send any message to Babuji? Why? Were you also shy?

We are happy that you are doing well there. You appear to have grown taller. Is it so?

Our love to you   Yours Subodh

स्नेहमयी भाभी जी

चरण स्पर्श

आपका पत्र मिला सब समाचार ज्ञात हुए। आपका भेजा हुआ सब सामान पसन्द आ गया था। अब रक्षा बंधन व जन्माष्टमी भी आ रही है आपने तीजों करी होगी। यह बहुत अच्छा किया कि साड़ी खरीद ली अपने मन पसन्द की चीज हो गई। हमारी फोटो बहुत अच्छी आई है। आगे के लिये इन्तजार है। आपको लड्डू पसंद आये उसके लिये बहुत २ धन्यवाद।

शेष सब ठीक है। पत्रोत्तर शीघ्र दीजियेगा। भाई साहब को नमस्ते कहियेगा।

आपकी पिगा

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, ~~VIJAY NAGAR,~~
MEERUT

Dated ६ । ८ । 197८

प्रिय बेटे शैल गुड्डो दुलार बहुत सा प्यार

तेरा तुम्हारा २८ता० को लिखा हुआ पत्र देहरादून ३ता० को मिल गया है। तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुये तुम्हारे सबों के पत्रों को देख कर बहुत ही खुशी होती है सबको केवल पत्रों का ही सहारा है। पता नहीं अब कुछ दिन तक आवोगे गर्मियों [illegible] कुछ सब मिलोगे। कुशाल को [illegible] रखाने के लिये आ गये थे [illegible] अब तो तेरा बड़ा [illegible] दिन भी जल्दी ही आयेगा। सब यहाँ ईश्वर से प्रार्थना है कि ईश्वर इस सब और उधर कुछ सब ठीक होवे। यही ईश्वर से प्रार्थना है।

कोठियों के बीचों के बगल और [illegible] है बगल के सामने को फल [illegible] लगा रखे हैं और पीछे की तरफ निम्बी के बगीचे में चीकू के पेड़ लगाये हैं बना [illegible] निम्बों [illegible] को [illegible] कर रहे और निम्बों में डाल को बनाये है। और अब निम्बों के पेड़ भर आ रहे हैं। बैंगन तो अभी पाये नहीं हैं चीकों के पेड़ पर भी फल आ रहे हैं।

तुम सब स्कूल जाने लगे होगे। कालेज शुरू हो

गई होंगी। सुमन लिखा था कि वे अब दूसरे स्कूल में

जाने लगा है। वह स्कूल को छोड़ दिया है यह स्कूल ऐसा

है और घर से कितनी दूर है जैसे स्कूल में चल जाती

होगी। तुम बेटा अपने लिये खाने का ठीक ध्यान

रखना पता चला है कि तुम भी दूध नहीं पीते हो

दूध रोज जरूर पिया करो और (अपनी तन्दुरुस्ती)

का ध्यान रखना क्योंकि आगे जाकर तो अपनी सेहत

से ही काम चलते हैं।

वेद सुशील के सालगिरह होगी।

उन दोनों को हमारा आशीर्वाद

मिश्रा सुभाष को सुशील सालगिरह की बधाई। प्रिय

को। तुम दोनों को प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

४४ ईस्ट कैनाल रोड
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
देहरादून

Dated [illegible] 197८

प्रिय चिरंजीव [illegible] निर्मल सौभाग्यवती रहो।

इधर तुमको इससे पहिले [illegible] के जो पत्र लिखा था मिल गया होगा। [illegible] का पत्र आया था उसने लिखा था कि वह २२ता को [illegible] जायेगे। उनके [illegible] कुछ लोग वहां से आ गए होंगे। तुम्हारी [illegible] की [illegible] भी नहीं हुई होगी क्योंकि पहले से [illegible] होली [illegible] को इसके [illegible] करनी थी। तुमने वहां पर [illegible] देखा है। [illegible] भी गई होगी। कुछ लोग वहां पर [illegible] हो गये हो या [illegible] गये थे।

इनकी [illegible] अब काफी ठीक है। पहले [illegible] चले गये हैं। बीच में इनको फिर [illegible] काफी रहा और [illegible] से [illegible] परेशान थे लेकिन २२ता से फिर [illegible] रही है और काफी ठीक चल रहे हैं। इनका [illegible] तक चल ही रही है।

देहली को भी इन्होंने [illegible] था [illegible] हो भी इनको काफी [illegible] हुआ है। [illegible] होगा और वहां लोग ठीक होंगे। [illegible] नगर में [illegible] को [illegible] था [illegible] जो [illegible] का

[illegible] तक जब पुत्र को हो गया है और वह आज [illegible] है

अपनी ससुराल में। जब [illegible] को पत्र [illegible]

पढ़ने को बुलाया गया था अब ठीक है। वह भी बहुत ही

बिगाड़ रखा है।

आशा है कि तुम सब यहां पर ठीक होगे

तुम्हारे को ख्याल रखना [illegible] शुभ चाहते हूं।

[illegible] तुम लोगों को गये हुए [illegible]

से यहीं से हो गये हैं। यहां पर सब ठीक है।

पिता को तुम्हारे [illegible] तुम्हारे बाबूजी का

तुम्हें व सुशील को आशीर्वाद। बच्चों को प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT
Date 197

प्रिय बेटा सौरभ तुम्हें हमारा बहुत बहुत प्यार

तुम्हारा पत्र आया था इससे पहले उत्तर दे दिया था। तुम्हें हमारा पत्र मिल गया होगा और तुम लोग [illegible] पूरा न कर पाए होंगे [illegible] तुमने [illegible] लिखना। तुम वहां पर कहीं पर गए थे (वह जगह कैसी है। वहां पर तुम लोगों को [illegible]।

यहाँ पर तो लगभग रोज [illegible] हो रही है। [illegible] का पत्र आया था उसमें [illegible] हम [illegible] रहे हैं। यह [illegible] गया है। शायद तुम्हारे पास भी उनका पत्र आया हो [illegible] जिसमें [illegible] (३२४) में लिखा था [illegible] है।

तुम्हारा स्कूल और [illegible] कैसा [illegible]। [illegible] रहते हो।

तुम्हारे [illegible] हैं। [illegible] हो रहे हैं। [illegible] यहां पर [illegible] है [illegible] नहीं है। [illegible] हो। [illegible] गया हुआ है [illegible] है [illegible] लिखोगे।

[illegible] को तुम्हें प्यार। [illegible] शीघ्र ही देना।

तुम्हारे [illegible]
[illegible]

44 EC Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

D. Dun

Dated Aug 15 1979

बेटी [illegible] चिरंजीव रहो।

पिताजी शायद वहां गये।

15th Aug. को [illegible]

में हुआ होगा। [illegible] क्या

हुआ। किसने store छोड़ दिया

क्यों? शायद university से

time नहीं मिलता होगा। इस समय

मैं ठीक ही चल रहा हूँ। सब

लोग मेरा ख्याल रखते हैं।

कोई चिन्ता की बात नहीं है।

तुम्हारा बाबा

[illegible signature]

पिछले चार letters के
से stamps भेजे हैं। पर भी
किसी के पहोचने की खबर
नहीं पाई। खबर पाकर पत्र
जरूर भेजेगा।

धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Aug 15. 79

My dear Arshil

I hope you will be back from Canada before this reaches you. I am feeling a bit better. You need not worry. Here I am being well looked after by Subodh & children here. They are doing all for me.

How are you all. I hope you are all well.

with love
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun

Dated Aug 13 1979

बेटा शैलू प्रसन्न रहो

तुम शायद Canada से वापिस आने वाले होगे और इस के पहुंचने से पहले वापिस आ जाओगे। क्या देखा कहां? मैं तो वैसा ही चल रहा हूं। यहां सब ठीक। मेरी देखभाल भी काफी हो रही है। तुम सीमा को कहना अपना हाल लिखते रहना। तुम्हारे letters से तसल्ली होती है देर से परेशानी हो जाती है

तुम्हारा बाबा
धनपत

Dear Brother,

Babuji is not having that pain for the last six-seven days and as such he is feeling much better. Deeki Bhaisahab had also from Meerut and he was satisfied with the condition. Infact, he found Babuji is health better than that at Meerut. The treatment suggested by him is being continued.

Regards

Yours

Subodh

15/8

[illegible]
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 3/8/197[illegible]

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा पत्र नहीं आया है और हम लोगों के पत्रों से समाचार तो मिल ही जाते हैं। और तुमको पत्र लिखने का समय भी नहीं मिलता है।

बिटिया यदि तुम्हारी आने की बहुत ही इच्छा हो रही है तो आ जाना वरना तो तुम्हारे पढ़ने वाले डेढ़ महीने की पढ़ाई का नुकसान और समय की बरबादी ही होगी इसलिये बार बार तुमको मना कर देते रहे। हमको पता है तुम्हें पत्र लिखने में इतना समय नहीं मिलता है क्योंकि तुम्हारी [illegible] को ही काम चलता है जब समय को तुम अपने घर आने में खर्च करोगी तो तुमको अपने पढ़ने में कितनी दिक्कत होगी और पढ़ाई का नुकसान भी होगा। और ज्यादा मन अपने नाना जी को देख आओगी तो तुमको तसल्ली सी हो जायेगी। वैसे तुम्हारे नाना जी ठीक ही चल रहे हैं अभी तो कोई खास परेशानी की बात नहीं है। [illegible] तो ठीक हो गये हैं। पर [illegible] है [illegible] चिन्ता तो रहती ही है देखते रहने से [illegible] सा रहता है। लेकिन [illegible] पता [illegible] से [illegible]। तुम्हारे नाना जी तो यही चिन्ता करते

हैं कि बच्चे लड़की ले के यहां पर आयेगी। यदि तुम
जाड़ों में यहाँ आ जाओ। ज़्यादा शीत की सावधानी रखना
नींद अवश्य लेना। उनके लिखा अपने बच्चों की
आवाज़ से भी कम गये हैं।

तुम्हारी पढ़ाई के बाद कोई काम देखा होगा

मोना पेपर से २ महीना को कलकत्ता गया है उनके
२ महीने से पेट में बुखार था। वह बहुत
कमज़ोर हो गया है क्योंकि उनके सारे मोना का पेट
में नहीं ख्याल नहीं है फिर मोना भी [illegible] जाते
पाते हैं उनके इलाज नहीं होती है। अब कलकत्ता से
शायद ठीक आ के पेट ठीक हो गया होगा कि बुखार को
उनको छोड़ गया था निर्मला को पत्र आया था कि यह
कमज़ोर बहुत हो गया है। इनके बाद से इसके भी बहुत
कम होता है लेकिन इस का जो कुछ नहीं रहे हैं।

सब बच्चों को तुम्हें आशीर्वाद देना।

सब [illegible] को नमस्ते। [illegible] ने पत्र भेज दिया है

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारे बच्चे ठीक आये रहें हैं
और मैं ठीक पढ़कर देता हूँ।

तुम्हारा शुभचिन्तक

[illegible]

मैं अभी देखा होगा मेरी [illegible] के
को बड़ा याद आते हैं।

४४ ईस्ट कैनाल रोड
देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २९।८।197७

प्रिय सरोज सौख्य सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा ७ ता० का पत्र परसों मिला समाचार ज्ञात हुए। हम सब यहां पर ठीक हैं। तुम सबों की कुशल ईश्वर से सदैव भली चाहता हूं। तुम्हारे बाबूजी की तबियत ठीक होती चल रही है। केवल थोड़ी कमजोरी की बात रही है। सबके [illegible] ठीक होती चल रही है बस यही बहुत होता है कि ईश्वर तुम्हारे बच्चों से [illegible] ठीक रखें इसका [illegible] किन्हीं के यही इच्छा है अब देखो ईश्वर इनकी इच्छा पूरी करते हैं या नहीं। होगा वही जो ईश्वर ने रच रखा है। तुम्हारा पहिला पत्र भी मिल गया था अभी तक उत्तर [illegible] था तुम्हें मिल गया होगा। यह जान कर प्रसन्नता हुई कि तुमने देहरा [illegible] भी [illegible] किया तो [illegible] पूछे तो बहुत अच्छे बनाती हो। तुमने तो तुम्हारे [illegible] बनाते हुए भी डर लगता था। हमने भी [illegible] लाना बनाया था जितना ने तो तुमने ज्यादा [illegible] था और मैं तो [illegible] हूं। बेटी [illegible] को [illegible] रहे हैं यह [illegible] गाजियाबाद है।

यदि [illegible] की बहुत ही इच्छा है तो [illegible] [illegible] भी बहुत ही जरूरी है। उनके बच्चों को

देखेंगे ७ दिन बाबा जी के पास भेज दें लोग उनको
और ले जाना ही इच्छा है तो कहीं भी ले जायें उनको
बस तो जल्दी से और पहले वो बतायें ही दें मरने का डर से
ही पद तो काम है उनका ऊपर बाबा जी ने देख कर
जल्दी ही हो जायेगा। यह ज्यादा प्यार मोहब्बत ही
उत्पात होता है। लेकिन अकेला तो आप लिखते हो सब
से मुझे तो डोग्राह बन जाने की इच्छा है फिर देखेंगे कि
देहावसान को प्रभावित करता है। दो साल तो कोई भी
रही है लिखित देना होगी। अब उनके कर्म का असर
बाद में इलाज हो जायेगा कोई मतलब। अब एक यही
डर है कि उनका यहां पर मन नहीं लगेगा। क्योंकि अब तो
उनके यहां पर एक नियम आप से पता भी नहीं चलता है
गुड्डा की दादी भी बिमार निमोनिया को ठीक हो गई थी।
जो पहले बोलती थी है सब ठीक हो है बोला बहुत ही
साथ आई है। पर दो बोतों ही अब जरा हल्का भी है
है। अजय के भी पत्र आते रहते हैं। शायद २४-२५ को वे
गुजार यहां पर आयेंगे। देवोत्तर के पापू को दोबारा
उसका भी पूरा है कुछ विचार कर के ही ~~[illegible]~~ उसका ले
रहते हैं। पता नहीं यह उमाजी को कैसे हर होगा
यहां पर अभी पत्र बाबा जी को बहुत ही नव अच्छा है।

तुम्हारे बाबूजी का तुमको आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी मम्मीजी
[illegible] वर्मा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dated 29-1-197[illegible]

[illegible]

और छपवाने रहता ही बड़ा लिखा है
लिखाई भी छपवाई जाती है। अब मुझे उस
होना है पर बड़ी देर का देखो और सब देखो
हो गए हैं।

मातो गोली बालिका जीवन चल रहा है और
अजायबघर देखो मित्र के पास से है इतना गोल पर
देखता है शायद उसने बताया नहीं होगा है
बाग नये को लिखे बोला है सीमित्र की उदास
है सोना कम हो रहा है और दल पड़ा हुआ है लोग
बोलते नहीं ला रहा है। लिखाई बहुत ही उदास
की है। आप बाद में उदासी ही है। इसको
देखकर तो पता लिखना। नमस्ते

यहां पर सब ठीक है। सब को हमारी आशीर्वाद
तुम्हारे बापूजी को आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभकांक्षी
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २९।८।197६

प्रिय बेटे शील, तुमको हमारा बहुत सा प्यार

[illegible] का पत्र मिला समाचार ज्ञात

हुए और फोटो भी मिली है फोटो तो बहुत ही सुन्दर आए हैं

[illegible]

[illegible]

तुम्हारे बाबा जी [illegible] हैं जब जब [illegible] बहुत ही

प्रसन्नता होती है कि तुम बहुत ही समझदार हो गए हो

[illegible]

[illegible] नहीं रहे हो। [illegible]

[illegible] बहुत ही [illegible] होता है [illegible]

[illegible] हैं। तुम बहुत ही समझदार हो। ईश्वर ने

चाहा तो डेढ़ वर्ष बाद तुम्हारे बाबा जी तुम सब से

मिलेंगे ही ईश्वर हमारी तुम्हारी भावना पूरी करेंगे ही।

[illegible] बाद [illegible] ही [illegible] है।

[illegible]। [illegible] डेढ़ वर्ष [illegible]

है ईश्वर [illegible] डेढ़ वर्ष भी [illegible]

जाएगा। और तुम्हारे बाबा जी [illegible]

बाद में ही मिलेंगे। देंगे।

तुम्हारे [illegible] को [illegible] हो जाएगा।

इस बार मेरा तुम्हारे कहने से इलाज कराना ही
उचित रहता है। अब इस तरह चिट्ठियों पर ध्यान
रखना। सब बड़ों को हमारा आशीर्वाद। पत्रोत्तर
शीघ्र ही देना।

इसके पहिले तब के बाद में
4 पत्रों में 30-30 रुपये दिये
~~30 रिजि~~ 20 4 पत्रों में भेजे

तुम्हारा शुभचिंतक
धनपत राय

गये हैं उनको मिल गये होंगे लेकिन उनके बाद
तुम्हारे किसी पत्र से भी पता नहीं चलता है
कि उनको मिले हैं या नहीं। यदि वह मिल
गये होंगे तो तब और लिख देंगे।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun

Dated Aug. 21 1979

बेटी सुप्रिया शुभाशीष।
तुम्हारे exams हो चुके होंगे।
अब किस stream में काम
का इरादा है। मैं ठीक हो
हूँ चिन्ता की बात नहीं
है। treatment चल रहा
रहा है। तुम्हारी सहेलियों
के letters तुम्हारी प्रेमा
के पास आते रहते हैं।
मुझे ख्याल था तुम

और ये विस्तृत जाते
होंगे। यह पुस्तक प्रकाशित
किया नहीं जा रहा है।
तुम्हारा अभिन्न
धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun

Dated 21.8. 1979

My dear Sushil

Your letter to Subodh dated 10.8.79 was received here on 17/8 while yours dated 7/8 to me was received on 18/8. We were under the impression that you had gone to Canada but now I find you did not go. In four letters we sent 5 stamps each. I don't know if those reached there. We shall send more when we know. The draft in your mother's name has been received

My general health is better. The doctors here and also Deoki who came here for a day have stopped the medicine prescribed by Sudhir from America. They say that this should not be taken for more than 6 weeks. I don't know if Sudhir also agrees.

With love to all
Yrs affly
D R Gupta

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~ 44 E C Road
~~MEERUT~~
D. Dun

Dated Aug. 21 1979

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा letter मिला। मैं जानता हूं तुम्हारे सब प्रश्नों में मुश्किल है। पर तुम क्यों चिन्ता करते हो। तुम्हारे कोमल प्राण तक मुझे पहुंचा है। मैं पहले से ठीक हूं। थोड़ा कम लगता है।

एक तुम्हारे School रुकावट वाले होंगे।

Photos जो प्यारे हैं, सुन्दर

बने हैं। नीरज जी बीमार
हो कर Lucknow चला गया
था 30 July को अब 18/8
को लौट आया है। उस
को हमारे न होने से खाना
ठीक नहीं मिला उस से
बहुत बीमार हुआ था।
अब भी कमजोर है।

तुम्हारा पिताजी
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २५।८।197६

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

१६ता० का लिखा हुआ पत्र हमको कल २४ता० को मिला है। पत्र से तुम लोगो के सब समाचार ज्ञात हुए।

बिटिया तुमको बड़ा दुःख होता है कि तुम पत्र लिखती लगभग सभी तो हमको मिलते हो। ईश्वर करे हमारी बिटिया बड़ा ही अच्छी हो तुम्हारा पत्र पढ़ कर बड़ी प्रसन्नता मिलती है। कोई ऐसा लगता है कि हम सब बैठे हुए आपस में ही बातें कर रहे हैं। यह जान कर खुशी है पत्र से कि हमारे कि अब तुम यहाँ पर रहने आ रही हो। बिटिया यदि तुम अब अपनी पढ़ाई छोड़ कर आती हो तो फिर तुमको अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए एक साल और रुकना पड़ेगा। अब तो डेढ़ वर्ष भी हो गये तुमको लखनऊ रहते हैं फिर तो चार वर्ष तुम लोगो कैम्पस में आ जायेगा अब यहाँ अच्छा है तुम कुशाल जब आवेंगे तब तुम्हारी पढ़ाई भी पूरी हो जायेगी। और अब तो जल्दी इतना समय होता है कि यह डेढ़ वर्ष भी तो जल्द ही जायेगा। ईश्वर करेगा तुम्हारे बाबा जी इनके ठीक हो रहेंगे।

और आशा है कि तुम उसको देख लोगी। तुम्हारे

नानाजी को दो चार दिन से [illegible] है। [illegible] तो [illegible]

धूप भी गर्म है। साथ में मैं चला जाता हूँ। मैं न [illegible]

चले जाते हैं। और [illegible] ठीक ही चल रही

है। अब तो छुट्टियाँ हैं दो पेपर [illegible] हो रहे हैं।

मिलना तो कोई एक्ज़ामिनेशन नहीं है बस तुम लोग भी

अपनी पढ़ाई की याद में मन लगाना। मेरे [illegible] चाहिये

तुमने पत्र लिखा है मिल गया होगा।

इसमें पत्र में तो 20 फोटो भेजी हैं। फोटो

सब अच्छी ही हैं। [illegible] बड़ा अच्छा लगता है

अब तो तुम लोगों की हमारे [illegible] फोटो [illegible]

मिल गये हैं।

आज 22 ता को [illegible] आ गया है

मेरे [illegible] भी हो रहा है लेकिन बुखार तो

उतर गया है [illegible] ही रहा है [illegible]

[illegible]। [illegible] ही रहती है।

[illegible] तो [illegible] आती है। [illegible] तो

कुछ भी नहीं लेते हैं। तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही

होगी तुमने [illegible] का [illegible] छोड़ दिया है [illegible] की

[illegible]। सबको तुम्हें प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारे [illegible] की प्रतीक्षा रहेगी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated २१।११।197८

प्रिय बेटे सौरभ तुमको ढेर सा प्यार

हम सब यहाँ पर ठीक हैं। तुम सबों की कुशल ईश्वर से सदैव मनाती हूँ। तुम्हारा २ अक्तूबर का पत्र हमें कल २८ता को मिला है समाचार ज्ञात हुए। [illegible] ने गन्दे कपड़ों की छुट्टी कर दी। तुम लोगों ने भी गन्दे कपड़ों का कुछ क्या होगा कुछ दे [illegible] यहाँ तो फ्लोरीडेशन भी बन्द होगी यहाँ पर तो मैं शिक्षा के प्रोग्राम [illegible] शुरू किया था। दशहरे में कुछ लोगों को पार्टी दी। सब लोग खुश लौटे थे। [illegible] सामान बनाती थी। बनारस से यहाँ पर भी था।

तुम्हारे बाबाजी ठीक ही चल रहे हैं [illegible] सब ठीक ही हो जा रही है। और मेरा बहुत याद तो तुम सबों की हमेशा आती ही रहती है। और अब तो तुम लोगों के आने के दिन पास ही होते जा रहे हैं।

[illegible] ने पत्र में तो [illegible] फोटो हम सबको भेजे हैं सब फोटो देखकर बहुत ही खुश हैं [illegible] हम सबको फोटो देखने को मिल गए हैं। अब तो तुम बहुत खुश होते होंगे। और तुम्हारे बाबा जी को

[illegible]

[illegible]

[illegible]

रुपये तो बहुत ही ज्यादह हैं। मेरा हम लोगों पर

बहुत ही ध्यान रखते हैं यही चाहते हैं कि अब आप

हम लोग ज्यादः खर्च न करें। और मुझको भी

भी यही उचित है कि तुम्हारा खाना पीना भी ठीक

रहे उतना आराम [illegible] न हो। और मैं केवल [illegible]

तरह [illegible] नहीं हो रहा हूँ यहां [illegible] शुरू में

इतना [illegible] ज्यादा होनेपर तरह [illegible] ने [illegible]

[illegible] के शादी [illegible] भी सब को [illegible]

पहिले तरह से परेशानी नहीं है।

तुम्हारा स्कूल [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] को [illegible] [illegible] पत्र रखते होगे। हम लोग

तुम्हारे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] देख लेते हैं

[illegible] ने तो तुम्हारा दो पत्र लिखे हैं और [illegible]

पत्र में ही [illegible] [illegible] [illegible] पता नहीं [illegible] पत्र

तुम्हारे मिल रहे हैं क्या। [illegible] ने भी पत्र लिखा था

उनको [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

[illegible] [illegible] ही देना।

तुम्हारा [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT.~~
D. Dun

Dated ~~Aug 27~~ 1979

बेटी गुड़िया खुश रहो

तुम्हारा 16th Aug का letter मिला।

तुम्हारी पढ़ाई अब ठीक चल रही होगी। हाँ बेटी घबराने की कोई बात नहीं है। मैं ठीक हो सकता हूँ। जो भी तकलीफ है हो जाती है। तुम्हारे इस वक्त यहाँ आने से और middle of year 1981 तक वहाँ रहना होगा उधर से Sushil का काम Sept 80 में खतम होना है। जब सब लोग आवेंगे मैं मिलूँगा

उस समय विमला को लिखा होगा।
पूर्ण [illegible] जो लम्बा काट पूर्व पत्र
पत्र लिखना करो। इस के
है। तबियत ठीक है। सबको आशीर्वाद
है
तुम्हारा पिता
धनपत

chest-pain एक नहीं है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D-Dun

Dated Aug 27 1979

My dear Sushil

Recd your letter of 16/8.
Glad to know you are all well. I am feeling better in health. Rest the doctor's know. Occasional without sensations with pain were stopped for more than a week but they re occur when bladder is washed of ~~[illegible]~~ catheter is changed.
I am glad Indira is not coming. It would

be difficult for her to

remain there upto

middle of 1981 to complete

her studies. I have

asked Subodh to give you

full details.

Yours affly

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 E Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

D. Dun

Dated Aug. 27 1979

प्रिय [illegible]!

तुम्हारा 15 Aug का letter मिला।

हो बड़े मैं नहीं था [illegible]

तकलीफ तो है आती है। ठीक

ही चलाना है। सब को कोई इलाज

कर रहे हैं। कोई चिन्ता की

बात नहीं है। तुम सब लोग भी

चिन्ता ना करो। पर तुम्हारे

School खुलने वाले हैं। जा

जाकर पढ़ाई करो। इस

में ही भलाई है। यहाँ भी

इस में ही शान्ति मिलेगी

अपना हाल लिखते रहना।
मैंने यहां college के तीस २
पैसे वाले पांच २ stamps
भेजे। पता नहीं वहां पहुंचे
या नहीं। पता होने पर और
भेजूंगा।

आशीर्वाद
डैडी

प्रिय चिरंजीव गुड्डा तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २२ तारीख का लिखा पत्र मिला समाचार मालूम हुए

तुम्हारे नानाजी ठीक हो चल रहे हैं लेकिन कमजोरी [illegible]

जा रही है। [illegible] [illegible] कमजोरी

तो रह जाती है थोड़ी देर में ठीक हो जाते हैं। तुम्हारी [illegible]

के बाद इम्तहान के बाद गुड्डा अकेली जायेगी। लेकिन यह

[illegible] [illegible] हो रहा हूँ। इतनी कमजोरी [illegible]

कम हो रही है लिखना अपनी पढ़ाई में खूब मन लगाना

नानाजी की ओर से चिन्ता मत करना। और जब तुम्हारे

[illegible] [illegible] तो [illegible] हो गया है [illegible]

यह [illegible] बाद में [illegible] जायेगा। और तुम्हारी

पढ़ाई [illegible] भी पूरी हो जायेगी। [illegible]

[illegible] तुम्हारा [illegible] नहीं [illegible] हैं

लिखना [illegible] [illegible] बात सोचते पड़ते हैं।

आशा है कि तुम सब [illegible] पर [illegible] और

यहाँ की [illegible] चिन्ता मत करना और [illegible]

[illegible] बात [illegible] रही है आशा है कि तुम [illegible] होगे

[illegible] पर [illegible] अपनी पढ़ाई [illegible] लोगी।

यहाँ पर सब ठीक है [illegible] बहुत अच्छे हैं

[illegible] के [illegible] रहते हैं। [illegible]

[illegible] [illegible] तुम्हारा [illegible] प्यार

पत्र का उत्तर जल्दी ही देना

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.................197

आ रहे हैं। ईश्वर ने इनको पढ़ने वाली होगये।
अब तो बड़े लोगों में इतना बहुत होता है और इनके बारे
में गुलशन बाबू ने अधिकारियों से भी सोचते रहते हैं
इधर लिखा है कि अब इनको शिक्षा पढ़ाने की भावी
मोती बच्चों नहीं रहा है बहुत खुशी हुई। बच्चे लोग पढ़ाई
लिखने ही होशियार हो जायेंगे लेकिन देर किये तो यह
देखते ही पावेगी पासली आवेगी। ईश्वर ने इनको सब
लायक दे। तुम्हारी तबियत ठीक रहती होगी अब तो कोई-
डेढ़ नहीं होता है। समाचार के पत्र डाले रहते होंगे लेकिन
तो सोमवार पर पत्र आया था। यहां पर सब ठीक है
वहां पर सब लोग ठीक हैं। समाचार शीघ्र ही देना
मिक्की को प्यार दुलार बच्चों को नमस्ते। गोपी की
बहुत ही प्रशंसा करते हैं।

तुम्हारी अम्माजी
[illegible] बाई

Dharampal Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT
Dated 197

प्रिय बेटे शैलेन्द्र तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तेरा तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुये।

तेरा बबला तुमको बहुत ही सारी फोटो मिल गई हैं
तुमने हमको फोटो भी बहुत ही अच्छा भेजी। तुम्हारे बाबाजी
की नई पोशाक में फोटो देखकर तो मिली है कुशाल सिखाते
ने [illegible] तब भी फोटो देखकर भी थी। तुम्हारे बाबाजी के
का लगातार बहुत है। [illegible] [illegible] नहीं होता
है। बेटा अच्छा है पर लिखा ना हो।

मैंने जब उसी [illegible] में [illegible] बोरा निकाल
दी बस रहे है [illegible] पता लगा। ईश्वर [illegible]
को डेढ़ बजे बाद फिर तुम्हारे बाबूजी मिलेंगे ही।

पढ़ना नहीं जा रहा है अच्छा है उसके पास ही
मेरे [illegible] मिलता है। तुम्हारा स्कूल खुल जाओ
जाओगे। तुम्हारे पास टिकिट पहुँच गये हैं।

ताजा देखा है शायद २ दिसम्बर को वहाँ पर
[illegible] हमको [illegible] बहुत ही रहे हैं
[illegible] हो रहा है [illegible] के लिये [illegible] नहीं
है। प्रिय कुशाल को हमारा आशीर्वाद।

पत्र शीघ्र ही देना।

तुम्हारा [illegible]
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
MEERUT
D. Dun

Dated Aug 29 1979

बेटी गुड्डी, शुभाशीर्वाद

तुम्हारा 29 ता: का लिखा मिला

अब तुम्हारी पढ़ाई ठीक होगी।
तन को पढ़ाई मुश्किल लगती है
पर जब मेहनत करोगी तब
आसान हो जावेगा। ठीक है
store का काम बन्द कर दिया
time भी पढ़ाई में मिलेगा।
मैं तो ठीक ही चल रहा हूँ।
थोड़ी बहोत बेचैनी तो हो ही
जाती है। कोई चिन्ता ना करना
मैं आज प्यार भेजता हूँ

तुम्हारा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun

Dated Aug 29 1979

My dear Sushil
Recd your letter of 21/8.9.
am glad to know you are all
well. I am as usual now.
A little sensation & pain is
frequently felt for five or six
minutes. Doctors here are not
sure why it is. I know it is
from bladder irritation and without
inflammation and have suggested
this to the doctors. There is no
worry however.

Sukmar came here last
night & is going today to Lucknow.
Ten stamps enclosed. with love

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun

Dated Aug 29 1979

[illegible]

तुम्हारा letter था 8 का लिखा
देखा है तुम लोग ठीक हो। मैं ठीक
हूँ चिन्ता न करो। [illegible] है
ठीक रहेगा। [illegible] school
29 को खुल रहे हैं। ठीक से
मेहनत करना चिन्ता न करो।
अपना हाल लिखना।

तुम्हारा बाबा
D R Gupta

[illegible] 5 पैसे का
टिकट लगा कर ही letter भेजा था
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun

Dated Sept. 1 197*9*

बेटी गुडिया। चिरंजीव रहो

[illegible] हैं तुम ठीक

हो। मैं भी ठीक हूं। विश्व

तुम्हारी Universal [illegible]

हो गया। तुम्हारे [illegible] ज्यादा

नहीं लिख सकता।

वैसे ठीक हैं।

तुम्हारा
दादा

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun

Dated 1-9-1979

My dear Sushil

I am as usual.

Subodh's uncle-in-law Shri Om Prakash, his son Naresh and Naresh's wife came here from Rishikesh yesterday & went back last evening. Neeraj, Bala & Madhu also came yesterday & are here. Under these circumstances your mother will not be able to write to any of you today. Bala & Madhu will go back

This evening & Neeraj
will go tomorrow.
Neeraj is still unwell.
He could not get
proper food in our
absence & went to
Lucknow for treatment
for three weeks and
came back to Meerut
on 18/8.

will love to all
[illegible]
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 [illegible] Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
1, D[illegible]

Dated Sept 1 1979

My dear [illegible] खुश रहो

तुम ठीक होओगे मैं भी ठीक

हूं। अम्मा की बात

कही है। क्या हाल है तेरे

[illegible] को [illegible] school

खुलने वाले होंगे। छुट्टियों

में तुमने क्या किया?

5 stamps enclosed

तुम्हारा बाप

[signature]

ईस्ट कैनाल रोड
देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ... 197

प्रिय बिटिया गुड़िया तुम्हें ढेर सा बहुत सा प्यार

हम यहां सानन्द कुशल हैं। तुम सबको नववर्ष की
ईश्वर से निरंतर मंगल चाहती हूं। तुमने अब पत्र में
लिखा था कि तुम्हारे नौकर बहुत सताते हैं। नौकर की
वजह से पढ़ाई भी नहीं होती है। हम तुमको स्वेटर
भेजना भूल गये थे अब तो काफी दिन हो गये हैं
शायद अब तुमको नौकर ठीक मिल गये होंगे यदि
अभी भी नौकर ना ज्यादह जाते हो गये तो लिखना
हम स्वेटर भेज देंगे। पिछले पत्र में हम भेजना भूल
गये थे। तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी।
अब तो तुम याद पर भी नहीं आती हो। पढ़ाई की
वजह से नहीं आता होगा तो तो तुम्हारा जवाब मिलना
होगा मैं पत्र तुमको लिख रही हूं। और [illegible]
[illegible] को पता क्या है वह भी इतना बहुत याद
करती है और लिखा है कि बहुत दिनों से [illegible]
को पत्र पास नहीं आया है। [illegible]

पहिला दिमाग रहा रहे है जोबलन की कोशिश 6
लिखकर तो है लिखाते रहे जान पकड़ के ताला
के नहीं बहार चले रहा था जाती है जोग नये
पहिलाबो का बेला रहे रहता है।

तुम्हारी तबियत ठीक होगी। तुम्हारे
बाबाजी ठीक चल रहे हैं। लेकिन कमरा ले रहे हैं
और सबने ले डा. उनका लिखाते को हैमोपेतिक की
दवाई पढ़ ले रहे हैं। डेखाने को बेलो कोई बात
रही है। कल गया बैठक में डेखाने को लगाते
है कैसे कुर्सी पर तो बैठ रहे सकते है।

सब को तुम्हारे प्यार। अपनी तबियत को
रखना। पत्रोत्तर जल्दी रहे देना।

तुम्हारी शुभाकांक्षी
प्रकाश वती

प्रिय दिलीप [illegible] [illegible] सौभाग्यवती [illegible]

बहुत दिनों से तुम्हारा पत्र नहीं आया है

इससे पहले पत्र का उत्तर दिया था मिल गया होगा

तुम्हारे बाबूजी ठीक ही चल रहे हैं उनके [illegible]

सब ही ठीक से रहे हैं। [illegible] मैं से पास [illegible] [illegible]

[illegible] रहते हैं। [illegible] [illegible] दिन [illegible] [illegible]

अब देश से [illegible] [illegible] को [illegible] का [illegible]

पत्र आया है। वह लिखती है कि उंगली ने [illegible]

लिया है कि चिट्ठी का [illegible] [illegible] से [illegible] को

हो गया है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] पर [illegible]

शायद [illegible] [illegible] पता नहीं चला होगा [illegible] [illegible]

हो गया होगा तो अच्छा है [illegible] के पास ही हो

जायेगी। [illegible] तो [illegible] है।

तुम्हारी तबियत ठीक होगी। २४ जुलाई का

[illegible] [illegible] है और [illegible] को [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] पता नहीं लगेगी।

इंडिया में [illegible] का [illegible] ठीक ही चल रहा होगा

हम यहां पर सब ठीक हैं कई दिन से यहां पर वर्षा

नहीं हुई है। चिट्ठी का उत्तर [illegible] तुम्हारे बाबूजी को

[illegible] [illegible] [illegible]। [illegible] [illegible] ही रहे॥

तुम्हारी अम्माजी आशीर्वाद

४४ ईस्ट कैनाल रोड

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

देहरादून

Dated २०।२।197६

प्रिय बेटे सुशील और सरला को आशीर्वाद हो

तुम्हारा पत्र २२ तारीख का लिखा हुआ यहाँ पर

२४ तारीख को मिल गया है आप के और बच्चों की खैर

जान कर हौसला होता है बच्चे चोट खा गये हैं और उन

बच्चे हैदराबाद में आप भी हैं पर चोटें अच्छी नहीं लगे

है इतनी चोटों में उन को आराम हो होते जाती है

बैठे आराम कर बच्चे तब ही अच्छे होते हैं

तुम्हारे बच्चे जल्दी ठीक हो जाते हैं। अब

हम सब डॉक्टर साहब से हो आये हैं और

को बताते हैं गरम करो कर धूपने चले जाते हैं। आप

में भी चली जाती हूँ।

देहली से डा. ओम प्रकाश जी ने पहिले की इनको एक पत्र

दिया था कि आप पूर्वी डा. को डाक्टर बतावें आते हैं

और कहा था कि वह देहरादून के बच्चे अच्छे हैं। इनके

नाम को दिखलाया नहीं थे लेकिन इनका अब रिपोर्ट

से पता आता है और उन पत्र डा. पूर्वी जी को लिखा है

इसलिये अब उनको भी दिखलायेंगे।

मेरे हिस्से कोई काम बाकी तो नहीं है लेकिन वह कहेंगे कि हमने किसी को दिखलाया नहीं है इसलिए वह कुछ बतलाते हैं।

इंडिया बुक पर काम कर रहा। इसी प्रकार इस विषय में बातचीत करना होगा। यहाँ सब ठीक ठीक है। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

[illegible]

[illegible]

[illegible] रोड
देहरा दून
Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~

Dated [illegible] 197

प्रिय बेटे शेखर तुम्हें दादाजी का बहुत सा प्यार

तुम्हारा पत्र आया था इसका उत्तर दे दिया था मिल गया होगा। इसके बाद की बहुत खुशी का पत्र व कल फोटो आये है बहुत अच्छी फोटो देखने का बहुत ही अच्छा लग रहा है। बेटा अब तो तुम खुब चलते बोलते लगते होगे बहुत दिन होगये है। जब तुम देखोगे हमारे पास भी फोटो अपनी खींच भेजोगे ना। तुम्हारे सब स्कूल खुल गये होंगे। तुम्हारे नाना जी ठीक है। और हमारे यहाँ सब ठीक ही चल रहा है। यहां पर अब [illegible] तो नाना के पास जाते थे और [illegible] ही [illegible] पेट के आपरेशन का [illegible] अब ठीक है वे तो स्कूल जाता आजकल तो सब चल ही रहा है। और [illegible] का [illegible] ही हो रहा है। जवाब तो शीघ्र ही देना।

सब बड़ों को हमारा प्यार।

तुम्हारे [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Sept 4 (?) 1979

बेटी गुड़िया । खुश रहो

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी । मैं ठीक हूँ । फिक्र की बात नहीं है । तुम्हारा हाल मालूम करने को इन्तजार letters का रहता है ।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun
Dated Sept. 4 1979

My dear Sushil

The last letter of yours contained photocopies which were not recognisable.

How are you all? I am every day anxious to know.

Neeraj had fallen seriously ill as he could not get satisfactory diet in our absence. He went to Lucknow on 31.7.79 & came back on 18.8.79 but he is still unwell & may go to Lucknow again after some time if he does not

I am going on as usual. no worry. Treatment is going on. They are giving only Tonics etc. I am taking my own medicine also now.

with love to all

yours affly

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Sept 4 197

बेटा शैलू । शुभाशीष

तुम्हारे School 5th Sept से खुल जावेंगे। कल से ही तो तुम अपना हाल लिखते रहना। मेरा जी हाल मालूम करने को करता रहता है। मैं ठीक ही हूँ।

10 Stamps enclosed

Your affly.
तुम्हारा [illegible]

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ८ । ६ । 1976

प्रिय चिन्निदा गुड्डो हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २८ ता का लिखा हुआ पत्र हमको इतवार को मिल गया है। इस बार तुम बहुत दिनों में बहुत थोड़ा सा पत्र लिख पाई हो पढ़ने में भी तुम्हें कठिन सा लगता है और बच्चों के कारण से ज्यादा नहीं लिख सकी हो। समाचार तो सब ज्ञात ही हो गये हैं।

तुम्हारे बाबा जी ठीक हो चल रहे हैं। [illegible] से [illegible] मैं, इनके [illegible] के साथ दिया तो आशा है कि जल्दी ठीक हो जायेंगे। यह जान कर प्रसन्नता हुई कि तुम्हारे बच्चे बहुत [illegible] रहते हैं और [illegible] ज्यादा पढ़ने की वजह से [illegible] पर भी नहीं जा रही हूँ। और अब पहले तुम्हारी ठीक हो जायेंगे। और दोनों बच्चे [illegible] से चिट्ठियाँ [illegible] रोज़ [illegible]। लेकिन चिन्निदा इनको तुमसे एक बहुत बड़ी शिकायत है कि तुम उनके [illegible] को [illegible] भी ध्यान नहीं रखती हो और [illegible] में तुम्हारे बिना [illegible] ही [illegible] है। आशा है कि तुम इनका [illegible] तुमने इनको [illegible] को छोड़ दिया है तुमको तो अब यहां से

मैंने भी लिखा था कि यहां का मौसम ज्यादा मालूम है कि अब पीना छोड़ दिया है इन दिनों से लोग रहे हैं। आगे को शरीर चलता है। लगता है कि कुछ रोज पर पड़ना तो भोगना पड़ेगा है। मैं भी मौन ही चल रही हूँ।

नीलम का पत्र आया था वह मौन है मेरे उनका इलाज कीया तो बालक भी चल ही रही है। सिखाते तो दौड़ना का मिला लेना पड़ता है इसको बहुत ही दुख होता है लेकिन इसको भी लाचार होकर ही करना पड़ा है

यहां का मौसम अब कुछ बदल गया है। मेरे उधर पर यहां पर वर्षा बहुत कम हुई है।

सब बच्चों का शुभ आशीर्वाद और नमस्कार। नियमित रूप से पत्र लिखा करेंगे।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

आपकी कृपा की

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 EC Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

D. Dun

Dated Sept 8 1979

बेटी [illegible] व विक्टर रैना

तुम्हारा letter 28.8.79 का मिला था। यह जानकर खुशी है तुम लोग ठीक हो। मैं भी पहले से ठीक हूं। चिन्ता मत करना। तुम लोग भगवान से प्रार्थना करते रहते हो उस का असर तो होगा ही यह मुझे मालूम है। तुम लोगों की चिन्ता रहती ही है।

तुम्हारा बाबा

DRGupta

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~
44 East Road
D. Dun

Dated Sept 8 1979

प्यारे बेटे [illegible]

तुम्हारा letter 27.7-79 का मिला। [illegible] है। मैं ठीक हो रहा हूँ। अब शाम [illegible] होता है। नींद भी आती है। अब मैं खाना भी ले रहा हूँ। तुम्हारा हाल मालूम होता रहे तो कोई चिन्ता नहीं रहती। कभी letters में देर हो जाती है तो परेशानी हो जाती है।

तुम्हारा [illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
MEERUT

Dated 23-6-1976

प्रिय बेटे शैल [illegible] बहुत सा प्यार

तुम्हारा 16 ता. का लिखा हुआ पत्र हमको कल 22 ता. को मिल गया है समाचार ज्ञात हुये।

तुम्हारे बाबा जी की तबियत ठीक ही चल रही है और हमारी डायबीटीज की बात नहीं है स्वाद व भोजन सोते तक ठीक ही चल रहे हैं। जो हम सब कहते हैं बेटा वे तो बिल्कुल ठीक हैं। तुम बेटा मेरी ओर से खूब चिन्ता क्यों करते हो। हां बेटा अब तो तुम्हारे आने के बाद जब बच्चे भी बड़ रहे गये हैं ईश्वर ने चाहा तो यह दिन भी जल्दी ही देखो। तुम्हारी बेबी बोल जायेगी। अब तो तुम स्कूल जाने लगे होगे।

तुम्हारे कपड़े और जूते सिलवाकर होंगे वो तुम्हारे पास पहुँच गये। गुड़िया की पढ़ाई ठीक चल रही होगी। वहां पर तुम्हारे स्कूल वगैरा भी होंगे अब सर्दियों पर भी नहीं चले जाते होंगे।

मेरठ में हमेशा से ज्यादा गरमी पड़ी और

ने बुलाया था तो वे तब छोड़ने चले। बड़ा दुख हुआ

परिवार को लकड़ी से देखा। उनको तो छह

महीने पेरिस में बिताने जाने से पहिले उनके चले वे तो

पहुंच गये थे कि सामान से लदे थे जो घर

परिवारों को सब देना था उस दिन सबका दुख

गये थे वहां दुख हुआ बहुत सोच बाते राजकुमार ने

बड़े मजे बातें करते रहे। फिर ही तब थोड़े पल

रही ... गये। बहुत सा सामान बरबाद हुआ।

... बहुत ही याद आती है।

मैं यह पत्र इसलिये लिख रहा हूँ। दिलचस्प

होगा। सब बड़ों को प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी शुभचिंतक

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun

Dated Sept 12 1979

बेटी राधिका खुश रहो

तुम्हारा 4-9-79 का लैटर मिला

नया स्कूल है तुम ठीक हो।

अब तो School का पढाई

ठीक चलती होगी।

मैं ठीक हूँ कोई चिन्ता

की बात नहीं है। मैं

दोनों समय घूमता हूँ।

नींद भी ठीक है। अपने

चेतनताई भी पहले से

पुरस्कृत हैं। इन लोगों

की तरफ से विज्ञान और

मरती है। विज्ञान को

इनकार करती है

शुभकामनाओं सहित

धर्मपाल

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun
Dated Sept. 12 1979

My dear Sushil

Recd your letter of Sept. 4. Subodh is contacting the optician for your specs. Had I been at Meerut it would not be difficult nor so costly. I am sorry every thing has changed by my falling ill.

I have commenced my own medicine also as the doctors here also advised me to do so. There was no pain for two days but it recurred after that though not so much as before. You need not worry. So far as general health is

Concerned to feel better.

I hope you are all well there as I am always praying for that.

with love to all

Yrs affly

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 EC Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehra Dun

Dated 23-1-1972

[illegible]

अब की दिवाली से पहला ही सूचना मिली की दिल्ली
बन्द हो गया है और दिवाली पर बैठे स्कूल से ले आया
रहा है इस बार की दिवाली बहुत ही फ़रक नज़र आ रहे
बैठे तो हमारा मुहल्ले में किन्तु नहीं ही चमक रहती है
इसने ब्रेशन्स भी लिखे उधर भी रहा है। लेकिन पता
नहीं क्या देश को इसके पार खोया कि बाकी ही है
अब हम कब का क्या होगया। अब हम चलेगा परन्तु
होगये इसके कन्फ़िडेन्स से। दिवाली इसने पहिले से
होगई थी लेकिन इसके बाद आठ दिन बाद ही
पता चला। फिर इनकी आंखों उस दिन ही चल रही हैं
उन को ही हो जाता है। ईश्वर करेंगे कुछ दिन में
ठीक हो जायेंगे। फिर इनको चिन्ता ही क्या है। साथ
साथ उस उन को तो ही रहता है। इस पत्र को लिख
के बाद ही पता आता है फिर उस की बहुत तबियत है
इसलिए पत्र को रह गया है। अब दोनों खुशी से रह
दिन भी बीत गये। इधर से इनके काम कुछ उनका
भी बहुत लिखा है लेकिन अभी यह नहीं जा रहे हैं
अब तो यहां पर मन्दिर बना है जो बहुत ही लाभदायक है
मन चाहे उस लेते हैं आदमी दिन भर कुछ न कुछ तो जाते हैं
और गाड़ी तो ड्राइविंग में ही बहुत मजा आ जायेगा।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated.................197

और यदि कदाचित इतनी जगह बदल जाय तो शायद आगे से
बरसातों में यदि गये तो यहाँ पर तो ठीक रहता है
धूप [illegible] ठीक जाती है उसका घर तो पूरे देखा ही है
सब बन्द ही है बस हम यहाँ पर बैठे रहे। फिर यदि इतनी
इच्छा होगी तो [illegible] देखा जायेगा।

मैंने [illegible] [illegible] पत्र में [illegible] को लिखा
के इन्दु ने तीनों भी उसके पहिले दिन [illegible] से [illegible]
बाद को और [illegible] दिन रक्षाबंधन को चले गये। मिश्रा
जी उम्मा के विवाह में इनके रिश्तेदारों की और [illegible]
दिन रह कर बाद को सब चले गये हैं। [illegible] [illegible]
आते ही रहते हैं। और पत्र तो [illegible] ने [illegible] जाते हैं कि
मैं उनके देखते रहना भी जाती हूँ। इन्द्रा मिलने को
चली [illegible] दिवाई [illegible] नहीं थी। विचारे बहुत ही ख्याल
रखते हैं।

मिश्रा जी का तबादला [illegible] से इटावा को हो
गया है यह पता नहीं है कौन इटावा गई है या नहीं
[illegible] के [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] जो

अच्छा होगा गुरुदेव के जुलाई के सप्ताह के बाद

आना शुरू नहीं करना होगा। आज मनु का पत्र पोस्ट

से आया है वह लिखती है कि शायद वे स्कूल फीस

के अलावा और पत्र नहीं भेजा है। अनुपमा ने मनु के

पत्र दो बार बराबर भेज रखे हैं।

वास्तव में काफी ज्यादा ने केवल जो

पेरिस में इन्होंने जो कई ने बच्चा के काम लिए हैं

इसलिए २ बालकों की फिर जरूरत हो गई है। इन

लोगों को भी बड़े भारी सीमेन्ट हो रहे हैं इसलिए

फिर बालक रखनी पड़ेंगे ठीक थे।

प्रिय हर्षवर्धन को हमारा शुभाशीर्वाद। प्रिय गुड़िया

मीनू को हमारा बहुत-बहुत प्यार। चिरंजीव हनोदय के

दोनों बच्चों को अपनी ममता। आदरणीय बाबू जी का

शुभाशीर्वाद पत्रोत्तर शीघ्र ही दीजियेगा।

आपकी [illegible]

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, E.C. Road ~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Sept 15 1979

[illegible]

तुम्हारा लिफाफा कल आया। लिखा

है तुम काम ठीक हो। मैं भी

ठीक हूँ [illegible] हूँ।

है ठीक हो जावेगा [illegible]

शाम को [illegible] करता। मैं दोनों

समय घूमता हूँ। खाना भी

ठीक से [illegible] रहा

खाता हूँ। तुम को मेहनत

बहुत करनी पड़ रही है। मुझे

पता नहीं था कि Computer scien

मैं इतनी मेहनत करता
रहा। मैं ने ही बार बार
कई बार उधार से ले कर चलाया।
फिर, खुद तो करना ही है।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Sept. 15 1979

My dear Sushil

Received your letter of Sept. 6th.

Yes I am getting pain frequently. There was no pains for two days but they reoccurred. The frequency has increased after bladder wash. Bladder washing always increases the frequency since I got the pain. We shall consult Sudhir when he comes to India. However there is no worry. I am taking my own medicine also and feel that at least the intensity and duration of pain is less. Previously the duration was about 7 or 8 minutes

Now it is three or four months.
I have to rub & press at
the urethral region during the
pain to get relief. I write
this as you are in consultation
with Sudhir.

The specs for you are
being prepared & will be
sent soon. I shall send
the stamps of 10 N. Paise &
5 N. Paise required by you.
5 stamps of 30 N. P. each have
enclosed.

with love
Yrs affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Sept 15 1979

बेटा राजू। नमस्ते।

मैं ठीक ही चल रहा हूँ। कोई चिन्ता मत करना। कुछ पहले दिन में थोड़ा २ देर में हो जाता है वह ठीक हो जायेगा। यहां अब ठण्ड काफी हो गई है वहां भी होगी। तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही है ना? तुम पढ़ाई में मन लगा रहे हो इस से खुशी है।

तुम्हारा बाबा,
DR Gupta

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २२।१।197६

प्रिय बेटे सुशील गौरव प्रसन्न व चिरंजीव रहो।

तुम्हारा पत्र तुम्हारे बाबूजी ने ~~पढ़~~ पढ़कर सारा समाचार बता दिये। तुम्हारे बाबूजी ठीक हो रहे हैं। किसी परेशानी की कोई परेशानी नहीं है।

१०-जनवरी को तुम्हारा जन्म दिन है। ईश्वर से प्रार्थना है कि यह वर्ष तुम्हारा भाग्यशाली हो एवं वर्षों तक तुम्हें जन्म दिन की शुभ कामनायें हैं। ईश्वर करे तुम्हें यह वर्ष बहुत अच्छा रहे हमारी ओर से जन्म दिन पर मिठाई मंगा लेना। हम तो यहाँ घर से ही तुम्हारी जिन्दगी की मनोकामना करते रहेंगे।

इधर अब यहाँ पर भी बड़ी सर्दी पड़ रही है वहाँ पर तो बर्फ होती रहती होगी।

२६ जनवरी को तुम्हारे बाबूजी का भी जन्मदिन है। तुम्हारा १००) का ड्राफ्ट आ गया था।

तुम्हारी चाचीजी ठीक होंगी उन को पूछ दे रहे बताते रहे हैं।

सब लोगों को प्रेम व नमस्ते।
पत्रोत्तर शीघ्र देते रहना।

तुम्हारा शुभचिन्तक
धनपत राय

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २२।१२।197६

प्रियवर मोना तुम्हें दादा का बहुत सा प्यार

तेरा १२ ता० का पत्र लिखा हुआ हमको १८ ता० को मिल गया था तुम्हारे पत्र की लिखावट साफ हुई है। तुम्हारे बाबा जी ठीक से ही हैं। मौ हाँ तुम लो ये याद तो हमको आती ही रहती है।

४ जनवरी को तुम्हारा जन्म दिन है तुम्हें तुम्हारे पापा ने जन्मदिन पर क्या मनाया था। इस तो सब पास ही जाते होंगे। तुम्हारा स्कूल खुल हो गया है पढ़ाई शुरू हो ही गई है। अब तो तुमको बहुत सा सबक स्कूल में ही मिल जाता होगा। लेकिन पहले खूब जाते होंगे। इस स्कूल में भी अच्छा मौका मिलता होगा। गुड़िया के पापा ठीक हो गये होंगे गुड़िया अभी याद कर तो आती नहीं होगी।

तुम्हारे दादा जी को गोश ने उन सबों के पत्र भेजे रहते होंगे यहाँ पर तो उनके नाम्बू है हो पत्र तुम्हारे

बाबा प्रीते प्यार भेजते हैं। मेरठ से भी खबर है कि लोग

उनके बाबा जी से मिलने वाले [illegible] रहते हैं।

शिव कुमार निगम नगर वाले को बड़ा [illegible] को

[illegible] भेजता है इधर ही [illegible] से [illegible] को

हो गया है नरेन्द्र नगर में पास है। [illegible]

को [illegible] पास आया है। [illegible] को [illegible] भेजता

है [illegible] को हो गया है [illegible] [illegible] पद

[illegible] [illegible] आयेगा। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] होगे। ईश्वर से प्रार्थना है

कि [illegible] [illegible] [illegible] दो। [illegible] [illegible] [illegible] को

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

[illegible] शांति ही देता।

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

इतनी मेहनत करने पर

कमज़ोर तो होनी ही है।

मैं ठीक हो चला हूँ। कोई

चिन्ता ना करना।

तुम्हारा पापा

[illegible]

P.S.

तुम्हारे [illegible]

letter मिला। पीछे

पुराने letters में लिखते थे

[illegible]

प्रिय बिटिया [illegible] तुम्हें [illegible] बहुत सा प्यार

तुम्हारा पत्र पढ़ कर पत्र लिखने [illegible]

है इस तुम्हारे पत्र का उत्तर तुम्हें पत्र दे रही [illegible]

[illegible] हो गया है। तुम्हारे पत्र से [illegible]

सब [illegible] तुम्हारा पत्र पढ़ कर [illegible] खुशी होती है

तुम्हारी [illegible]

44 E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

D-Dun

Dated Sept 21 1979

बेटी सुषमा प्रसन्न रहो

मुझे यह मालूम हुआ है कि
तुम सुबह से शाम तक वहां
College में रहती हो। तुम्हारा
परेशानी पैदा सी होती जो
Store में काम करती।
यह बात जरूर है कि
उस से तुम्हारा फीस का
बोझ हलका हो जाता था।
तुम्हारी तबियत ठीक होगी

44, EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

Dated Sept 21 1979

My dear Sushil

My blessings for your birth day falling on 6th Oct. It is only verbal from a distance but from the bottoms of my heart. May God bless you with such days year after year.

Your specs shall have reached there before this reaches you. Let me know if this fits you. I have paid for this & you need not worry.

I am going on as

As desired in my last letter

Stamps valued 10 N.P & 5 N.P are enclosed herewith.

Nivas informs me that your premium has been paid. I have asked him to send the receipt to you

with love to all
Yours affly
[illegible]

P.S.
Just recd your letter of 13.9.79.
I have already given the details
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D.Dun

Dated Sept 21 1979

बेटा शैलू चिरंजीव रहो

तुम्हारी चिट्ठी मिल कर खुशी हुई कि तुम लोग ठीक हो। यहां भी सब ठीक है। मैं भी ठीक हो चला हूं कमजोरी की बात नहीं है।

Oct 6th को तुम्हारे पापा का जनम दिन है। प्यारा है उस दिन टेलीफोन से मनाओगे।

यहां का मौसम अब रात को ठंडा हो जाता है। जिससे

तो, पुत्री ठीक है। है मुझे
कमजोरी की वजह से
पैर में दर्द लगता है। वैसे
पूरब का हाल यह सुनते ही
रहा है। बरसात जो ना यहां
होती थी नहीं हुई है। यहां
हाल यहां प्राय पास का
भी रहा है

तुम्हारा बाबा
धनपत

प्रभो सुशील को
२३-६-७९ का कार्ड
मिला। तुम्हारा कार्ड
उस के नहीं आ
जय

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 3 [illegible] 197

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

बिटिया, तुम्हारा २३ता० का लिखा हुआ पत्र हमको २२ता० को मिला था उत्तर जल्दी देने से रह गया। [illegible] हमने [illegible] से [illegible] लोगों को [illegible] लिखे थे [illegible] गये होंगे।

तुम्हारा पत्र जल्दी का आने से जवाब देर से जाता है लेकिन देर से बहुत ही [illegible] होता है और तुमको पत्र लिखने का समय ही मिलता है। तुमको पढ़ाई बहुत करनी पड़ती है। [illegible] का भी [illegible] का समय नहीं मिलता है। तुम्हारी वहां का [illegible] की बहुत ही इच्छा हो रही थी इस लिये मेरे तुमको वहां पर आने के लिये लिख दिया था लेकिन तुमने यह लिखा था कि तुमको यहां पर आने में कितनी [illegible] से समय लगे होता [illegible] मैंने [illegible] को और बिटिया यहां पर [illegible] हो [illegible] [illegible] वालों [illegible] [illegible] भी [illegible] हो गये हैं और वे भी [illegible] यहां आ जाती है। [illegible] समय यहां में [illegible] ही होगी। यहां पर इन लोगों को भी इतना नहीं समय मिलता है कि तुमको यहां पर [illegible] [illegible] लिये इस [illegible] बार २ [illegible] को [illegible] [illegible] लेकिन [illegible] बहुत होता था कि बिटिया का हमारे पास आने को कितना मन है और। इस [illegible] [illegible] [illegible] ही [illegible] रहे हैं [illegible]

बच्चों के भविष्य के लिये भी तो सोचना पड़ता है और
अब तो कुछ दिनों से आने का [illegible] हो रहा है
[illegible] लोग [illegible] हो [illegible]। [illegible] तो यहां पर [illegible]
[illegible] नहीं मिलता है। [illegible]
रहता है [illegible] सोचता है कि यह लोग यहां से [illegible]
नहीं [illegible] लेकिन [illegible] पता नहीं है कि [illegible]
[illegible] के लिये [illegible] बेचैन है। [illegible]
[illegible] हो रहा है। [illegible]
[illegible] है [illegible]
[illegible] है। [illegible] हो रहा है।
[illegible] है। [illegible]
[illegible] नहीं है [illegible]
है। [illegible] हो जाते हैं। [illegible]
[illegible] रहा है [illegible] रहे हैं
[illegible] हो रहा है। [illegible] लोग [illegible]
[illegible]
[illegible] गया है [illegible]
[illegible] नहीं [illegible] है। [illegible] है
[illegible]
[illegible] हो [illegible]
[illegible] हैं। [illegible]
[illegible]
[illegible]। [illegible] होगा [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.............197

उसे कुर्ता काफी पसन्द आ गया होगा। जब तुम लोगों की याद आती है तो तुम लोगों की फोटो देख लेते हैं अब तो तुम्हारी भी हमारी बहुत सी फोटो देखने को मिल गई हैं। पिछला सप्ताह तो तुम्हारा पत्र मिल गया था। नितिन बहुत ही दिल्ली आते हैं तुम्हें उनको अपना ले लेट कर दिया है क्या। हां बोलने में पहले जैसे यही सोचना पड़ता है कि क्या बात करें सोना ने तो बहुत ही अच्छी तरह से सब से बात करती हैं

चि० सुनील सोना को हमारा आशीर्वाद। हमने तो तुम्हारे से मिलने के बाद से उनका बहुत ही ध्यान रहता है। और कल मेरी याद तो आती ही रहती हो। अनुपमा ने बतलाया पत्र आते रहते हैं। तुम्हारा पत्र भी अनुपमा ने पढ़ कर रहे होंगे। अनुपमा के दूसरा बच्चा होना हुआ है। क्योंकि उस पत्र में तुमने लिखा था कि तुम अनुपमा मिलती है कि तुम लोगों बहुत याद आती हो।

सब बच्चों को तुम्हारे प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी मम्मी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun
Dated Sept 25 1979

बेटा गिरीश ख़ुश रहो

तुम को खूब बहुत मेहनत करनी पड़ रही है पर मुझे यकीन है तुम पढ़ाई ठीक से चला लोगे। नौकरी का letter आया है। वह कहता है तुम्हारे Inter का certificate ले वाले letter आया था college से पर नौकरी को उन्होंने लिखा नहीं। शायद उनको वे पते पर भेज देंगे। यहां आया तो हम वहां भेज देंगे ही नहीं तो तुम्हें घर पर शायद मिल ही जायेगा।

~~152, VIJAY NAGAR, MEERUT~~

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

Dated 197

मैं सोचता हूं कि आप इसलिये परेशान हो। फिक्र मत करना। तुम्हारे teacher तुम को पसंद करते यही समझते हैं कि यही नहीं आने की है। उन लोगों का culture इस तरह का ही है।

हिम्मत रखना।
पिता जी

तुम्हारा 17th Sept का letter परसों मिला है। हां बेटे तुम्हारा पेन ठीक काम नहीं करता था मैं लेटर लिखता हूं इस वजह से। तुम्हारी पुरानी कुछ काम ने लगी है इस वक्त निर्मल वाले letter को वह लिखेगी
माता

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun

Dated Sept 25 1979

[illegible] जी। नमस्ते

Sushil का 13-9-79 का letter के साथ तुम्हारा letter नहीं आया था शायद तुम को time नहीं मिला होगा। मैं ठीक हूं। पहले से बेहतर और ठीक हूं। चिन्ता न करना। तुम्हारे पापा की birth date 6th Oct. को है। 18 को दशहरा है पर मैं तो दिल से ही आशीर्वाद दे सकता हूं। दुनिया की लायक है और इतना दूर हूं।

तुम्हारा क्या हाल है [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

तुम्हारे letter का इन्तजार रहती है। यहां पर ठंड होने लगा है। वहां क्या हाल है। कोई परेशानी की बात तो नहीं है। मैं तुम लोगों को देखना चाहता हूँ।

शेष कुशल।
तुम्हारा
पापा

पु. नं. 2 तुम्हारा पत्र मिला जो शायद 18th Sept का है। तुमने date नहीं लिखी है। मैं ठीक हूँ।

पापा

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~

Dated 28/6 197

प्रिय दीपा गुड्डा गुड्डो हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा १६ ता. का लिखा हुआ पत्र मिला। दिल

गया था इसको आज जल्दी देखने से हो गया।

तुम्हारे बाबा जी को तकलीफ बहुत ही चल रही है

लेकिन बच्चे के लिखने से बहुत खुश हो जाता है। इसलिए

बाद के पत्र इंतजार से हो जाते हैं और अच्छी लिखावट की

मानते रहो है। इस दर्द को कम करो ही रहते के पढ़े हैं।

लेकिन चिन्ता की कोई जरूरत नहीं है। अब बहुत सारी

कुछ अच्छी हो गई है। जब तक तुम लोग आओगे और भी

ठीक हो जायेगा। अब तो ऐसा लगता है कि तुम लोग देखने

में आजकल ही बड़े हो गया है। तुम्हें अच्छी तरह लेकर पता

नहीं था। वैसे तो तुम्हारे सब फोटो में बहुत ही

अच्छे लगते जाते हैं। लिखना कहां जयपुर की तो बहुत ही

गर्मी है और तुम्हें बाहर जाने में भी बहुत दिक्कत लगता है और

नल जाने वाले हो सकते भी होता ही है। याद तो तुम बाबा

तुम्हें लेकर आते होंगे। तुम रात का खाना भी छोड़ दो

बहुत ध्यान रखना। रोज पढ़ाई करके

आया करो। अब तुम्हारे पास आके रहने की जल्दी

भले ही बना रहना लगे भी। मैं तो अब बताते रहते हैं।

यह बात ठीक लिखी है। लेकिन यदि यहाँ पर भी आ जाओगे तो
बच्चे को साथ ले आओगे। लेकिन आज कल [illegible] है
देख रहे हो कि स्कूल पर ज़ोर [illegible] बहुत [illegible]
[illegible] बच्चे ने [illegible] के बोलने में आना अच्छा
नहीं लगता है। यदि तुम और दोनों चिट्ठी लिखा करो तो
पढ़ने में ज्यादा मज़ा आता है क्योंकि तुम कोई चिट्ठी लिखते हो तो
पढ़ने में अच्छा लगता है।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] पहले [illegible]
को [illegible] [illegible] को [illegible] [illegible] यहाँ पर बच्चों ने
पसन्द है [illegible] [illegible] [illegible] और इन बच्चों ने [illegible]
में [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] दे दिये हैं। और उसी दिन [illegible] [illegible] ने
[illegible] के दो पेड़ लगाये हैं [illegible] [illegible] है [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] है और [illegible] [illegible] है। [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] होने वाले हैं [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] को यहाँ पर भी [illegible] है।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है [illegible] [illegible] [illegible] को
[illegible] [illegible] है और [illegible] [illegible] को [illegible] [illegible]।

[illegible] [illegible] हैं कि [illegible] [illegible] बच्चे [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] क्योंकि
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] रहती है [illegible] [illegible]
जाता है [illegible] [illegible] [illegible] लिखते हैं [illegible] [illegible] रहते हैं

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २८।६।197

डियर भैया शेखर तुम्हारा खत बहुत ही प्यारा

तुम्हारा प्यारा सा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए।
पत्र को देख कर बहुत ही अच्छा लगता है। शायद तुमने
[illegible] तुम्हारे बच्चों को [illegible] दिन
[illegible] इन बच्चों ने बनाया है। जो सब [illegible]
[illegible] बहुत याद आते
हैं। [illegible] और तुम्हारे [illegible]
[illegible] दिन हो [illegible] बच्चे [illegible] हैं पर [illegible]
[illegible] है और [illegible] है। [illegible] शायद
[illegible] लेंगे। लेकिन तुम लोग तो [illegible]
[illegible] लोगे तो [illegible]
हो [illegible]। [illegible] जाते
है। तुम्हारे [illegible] में बिल्कुल [illegible] हैं तुम्हारे
[illegible] और [illegible] बनाकर
[illegible] है इसलिए [illegible]
[illegible] हैं। [illegible] हो जाता है [illegible]
[illegible] परेशान से हो जाते हैं।

तुम्हारे प्यारे [illegible] हो [illegible] होंगे।

गुड्डिया के बच्चा होना। गुड्डी ने स्कूल के

टेस्ट में नीरजा के पास [illegible] को साठ मिल(?) [illegible]

दस ज़्यादा थे लेकिन स्कूल में ले गया था लेकिन

नीता ने स्कूल वालों से लिया नहीं है। नीरजा ने

ट्यूशन का पता निकला दिया था। लोकल लोगों से

कहा था कि हम [illegible] ट्यूशन [illegible]

[illegible] लेकिन अभी तो ज्यादा नहीं है। शायद हो

जाये। रघुनाथ [illegible] में जो [illegible] है [illegible]

यहां पर ज़्यादा [illegible] गई है उनके [illegible]

[illegible] कहते थे कि हम [illegible]

पास निकला होगे। [illegible]

हो गये हैं तो बिल्कुल ठीक रही हूँ। अब सब लोग यहाँ

[illegible] लोग [illegible] यहाँ [illegible] ठीक रही है

गुड्डिया ने लिखा था कि [illegible] फोटो भेज

देंगे लेकिन अब दिन नहीं [illegible] है जब तो [illegible]

होगी भेज देना।

[illegible] लोग [illegible]। इन

[illegible] दोनों [illegible]

[illegible] देना।

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~ 44 E C Road
~~MEERUT~~ Dehra Dun

Dated ~~Sept 28~~ 1979

प्रिय गुड़िया चि. खुश रहो

तुम्हारा Sept 17th का letter मिला था। आज मैं तुम्हारे ही भाग के पैन से लिख रहा हूँ। ठीक है यह पैन मोटे हैं लिखने में पर ठीक से नहीं लिखता है। वैसे ठीक है। तुम्हारी पढ़ाई की परेशानी मालूम हुई इस को तुम्हें बरदाश्त करना पड़ रहा है। उधर Store का काम बन्द है। बापस जाने में और College खुल गये हैं। काम यहां Dehra Dun में Meerut R. G. Inter College

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~

Dated 197

प्रिय पाठक जी, नमस्ते। पत्र प्राप्त हुआ।

Suresh के लिए Medical Asstt.

मेरे पास आया था। मैंने उससे

कहा है वह तुम्हारा Certificate

लेकर मेरे पास भेज देगा।

हो सके तो तुम Marks सब

Subject के time बता देना

तुम्हारी मर्जी जैसे भी हो पूरा देख

लो काफी है।

शुभाकांक्षी

D R Gupta

~~A cutting from~~

~~Papers encls~~

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Sept 28 1979

My dear Sushil

Yes I am taking my own medicine & am in consultation with Dr [illegible] Behrady also. I am better in health. The withdrawal pain however, is there though not so frequent & severe. The duration also is less. The doctors could not say why it is. I am now convinced that it is due to some stretch in the top of urethra caused at the time of passing catheter in Hospital by doctors there. The sensation and

pain starts from that
point. When I have
located the cause I hope
I shall be able to
control it. I have told
the Doctors also about
my view of the cause. The
tonics and small doses advised
by Doctors are also continuing
& should continue.

I hope this will find
you all in good health

with love to you
yours affly
[illegible]

PS
a cutting from
papers

44, ईस्ट रोड

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Sept 28 1979

बेटा शैलू / प्रवेश

हां बेटा मैं health का ध्यान
रखता हूं और पहले से ठीक भी हूं
तुम चिन्ता ना करो। यहां तुम लोगों
के letters के देर हो जाने से
डाक का ही पहले देर हो जाती
है। इसार भी letters यहां
दो 2 बार के एक ही bag
में पहुंचते हैं कभी। यहां
तुम लोग तो परदेश में हो और यहां
कोई नहीं है दूर तक हम तो यहां
है न बाकि रिश्तेदार आते रहते हैं
फिर भी तुम लोगों की याद

प्रायः ही रहते हैं कभी
letters में देर हो जाने से
चिन्ता हो जाती है मुझे। यहां
अब मौसम ठन्डा लगा है पर
दिन में ठीक है। गुड़िया
को time ना मिले पढ़ाई की
वजह से तो तुम उसका हाल
लिखते रहना।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated [illegible] 197[illegible]

प्रिय [illegible] सदा सौभाग्यवती रहो।

[illegible]

[illegible] होगा।

[illegible] है। [illegible]

[illegible] होगा।

[illegible] है

[illegible] है। [illegible]

[illegible] है।

[illegible]

[illegible] गये हैं)

प्रिय [illegible] ने [illegible] के पत्र बराबर पहुंचा हो

प्यार भरे जाते रहते हैं। तुम्हारे हमने शेष [illegible] को

याद है ही प्यार करते हैं। जो लिखते रहते हैं कि आप

मेरठ कब आवेंगे हम उनको यही लिखते रहते हैं। [illegible]

[illegible] [illegible] से आकर मेरठ रहेंगे तभी हम भी मेरठ [illegible]

[illegible] [illegible] भी नहीं रहा है [illegible] हालत में [illegible] [illegible]

[illegible] है। [illegible] तुम्हारे [illegible] के [illegible] से [illegible] [illegible]

के [illegible] [illegible] [illegible] बात [illegible] के [illegible] [illegible] [illegible]

आते रहते हैं। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] को

मेरठ आ गया होगा [illegible] में [illegible] [illegible] भी

वहां पर आवेंगे। [illegible] पत्र [illegible] [illegible] भी आते रहते हैं

[illegible] [illegible] रहा है [illegible] [illegible] हो रहा है। [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] रहते हैं। तुम्हारी [illegible] [illegible] होगा

[illegible] [illegible] को हमारा आशीर्वाद। [illegible] [illegible]

को हमारा [illegible] से प्यार [illegible] लिखा [illegible] पत्र में

[illegible] ही [illegible] होगी। [illegible] [illegible] के दोनों बच्चों को

नमस्ते। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारे बाबाजी का

सबको आशीर्वाद।

तुम्हारे [illegible]

[illegible]

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ६।२।१ 197८

प्रिय बेटे शैलू तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २४ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको
२ता० को मिल गया था। पत्र के साथ में तुमने बाबा जी के
जन्मदिन का शुभ कामनाओं का कार्ड भी भेजा है कार्ड बहुत
ही सुन्दर है तुम बातों को शुभ कामना इतना भेजा इस
को इंतजार ही कर रहे थे यही सोच रहे थे कि देहरादून
गये हैं बच्चे। कई दिन से तुम्हारे पत्र का इंतजार और पत्र
न होने से चिन्ता थी। हमारा पत्र भी तुम्हें मिल गया
होगा। गुड़िया ने लिखा था कि हम अपने वोट दे गये हैं
लेकिन तुमने वोट नहीं दिये हैं। जब गुड़िया का पत्र आया
था तो उसने लिखा था कि हम सबका वोट दिया नहीं
रही है। यह जानकर अफसोस होता है कि तुम साइकिल
तेज चला लेते हो लेकिन मेरा ऐसा ख्याल है थोड़े दिन
साइकिल के कारण ज्यादा सम्भलो। अपनी साइकिल को
लेकर तुम यहां पर आओगे ही। कार तो शायद यहां पर
रहे तो आ जायेगा।

हमारे पत्र पहला नहीं [illegible] दो पत्र [illegible]

[illegible] पहुँचते हैं। तुम्हारे [illegible]

[illegible] हैं। [illegible]

[illegible] जाते हैं

[illegible]

हैं। [illegible] हैं।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] हैं [illegible]

[illegible] हैं। [illegible]

[illegible]

तुम्हारा [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Oct 6 1979

बेटी गुड़िया। चिरंजीव

तुम्हारा पत्र [illegible] ठीक होगा

मुझे खुशी है तुम लोग

ठीक होगे। सब लोग यहां

ठीक रहे मुझे खुशी होती है

और यही मुझे अपना [illegible]

भुलाती है। मुझे मालूम है तुम

को time नहीं मिलता। [illegible]

[illegible] लिखते ही रहता है

तुम यहां को [illegible]

करना। [illegible] है इस

तुम्हारा [illegible]

[illegible]

44 E C Road

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

D- Dun

Dated Oct 6 1979

My dear Sushil

Today is your birth day & we remember you much today but only verbal greetings.

Your specks were sent long ago but there is no information yet if you received the same.

While writing this I had pain attack & had to stop writing for five minutes. During this

break for Sam we have received your letter of 27-9-78. This also does not show that the Specs have reach there.

With love to all

Yours affly

D.L. Jhunjhunwala

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Oct. 6 1979

बेटा शैला। खुश रहो

तुम्हारा 24.9.79 का letter और card मिला

पढ़ के खुशी है तुम लोग ठीक हो।

बेटा मैं सोचा नहीं करता हूँ

पर तो याद यहाँ के सिवाय

हो गई है समय काट ही रहा हूँ

तुम लोगों को याद करता रहता

हूँ। ठीक ही हूँ दरद चलते ही रहते

है मगर कम है। विश्वास और

लेता हूँ। तुम लोग भी कोई

चिन्ता न करना। हम और

यहां दो दो letters एक दिन

में क्यों पढ़वाते हैं और एक

bag रखना होता है। जहां ले तो इस bag में धोती व सीन पहले जाते हैं। लेकिन पहचानते जाते हैं।

तुम्हारा बाबा
[illegible]

मैं तो तुम्हारा 27.9.79 को letter भी मिला है।

[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ३-१-१९७८

चिरंजीविनी सरोज सहित सौभाग्यवती रीता

सुशील व शैलू के पत्र से सब लिखे से सब समाचार ज्ञात हुए हैं। मैंने तुम्हें पत्र लिखा था मिल गया होगा। तुम्हारे बाबूजी ठीक से ही हैं। तुमने ८ अक्टूबर को बाबा जी को खत लिख दिया होगा। र० बाबू को जल्दी ख़बर दिलानी है। पता नहीं तुम्हारे पास पूजा को जाना है या नहीं देहरादून से तो इधर से गाड़ियां बस यहां पर तो रहते हैं कि अपनी ख़बर से निकलते भी हैं और इसलिए तुम्हारे बाबूजी ठीक होते भी लगते ही सब तो विचार बदल हो गए हैं। देहरादून गए बाद से मिलने बाद रहते थे सब का विचार बदला जाय ही मुश्किल से कर पाते हैं। बहुत ही ध्यान रखते हैं। अभी दिल के दौरे का कोई समाचार नहीं मिला है। यहां से आकर इन्दु का पत्र आया था मैंने उसका उत्तर दे दिया था लेकिन उसका तब से पत्र

[illegible] नहीं आता है। पता नहीं क्या बात है

और [illegible] से [illegible] होगा

होगा। [illegible] होगा। और [illegible]

[illegible] होगा [illegible] से [illegible]

नहीं मिलता है [illegible]

[illegible]

[illegible] है। [illegible]

[illegible] होता हो। [illegible]

[illegible] होगा। [illegible]

[illegible] रहा है। [illegible] हो गया हो

गए हैं।

[illegible] नहीं [illegible] रहा है

[illegible] हो जाता है [illegible]

[illegible] रहा है [illegible]

[illegible] रहा है [illegible]

[illegible]। [illegible]। [illegible]

[illegible] प्यार। [illegible]

[illegible]।

[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 23.1. 197[illegible]

प्रिय बेटे कुशल सहित प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा ४ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको २२ ता०
को मिल गया है। तुम्हारे पत्र से पता चला कि तुम्हारा बस्ता
मिल गया है और ठीक भी है। आजकल तो [illegible] में
दुकानदार से एक अच्छी तरह [illegible] था
और तुमको ठीक लगा है। तुम्हारे बाबूजी ने दर्द को
बाकायदा होता ही रहता है दिन में ५ या ६ बार तो हो
ही जाता है लेकिन दर्द की वजह से बहुत परेशान हैं
जब दर्द होता है तो तड़प से जाते हैं। हमारे [illegible] एक
अच्छी रह रहे हैं। लेकिन दर्द में कुछ भी फायदा नहीं
है। होम्योपैथिक दवाई ले रहे हैं। २२ ता० को डा. गुप्ता [illegible]
को भी उनके [illegible] ने लिये आये थे। उनकी सलाह से
भी दवाई चल रही है। वैसे कमजोर तो अब [illegible] में
रहने नहीं लगते हैं लेकिन [illegible] दर्द तो हो तो लिखना।
को [illegible] [illegible] [illegible] भी लिखाती रहती
एक अच्छी तरह से चल ही रहा है।

अब तक यहां पर सब ठीक होंगे। गुड़िया
की पढ़ाई ठीक ही चल रही होगी।

शायद तुम्हें ध्यान होगा वह जो [illegible] थे जिन्हों

ने हनुमान जी के [illegible] पर कुछ मकान

बनवाया है और जो [illegible] को [illegible] बनवाने थे

उनकी [illegible] को [illegible] से मृत्यु होगई है

बिचारे के चार बच्चे हैं दो लड़के और दो लड़कियां।

बड़ा लड़का कुल 20 साल का होगा शायद।

बड़ी [illegible] अपना [illegible] से यहां

पर बड़े आराम से पहुंचा गये थे। और [illegible]

[illegible] इतना [illegible] भी आये थे। इनकी भी इनकी

मृत्यु से बहुत दुख हुआ। इनकी बिचारी ने [illegible] से

[illegible] रही है [illegible] है [illegible]

है। [illegible] है [illegible]

रही है।

चित्रा सुबोध बच्चों को प्यार देना

[illegible] दे देना।

तुम्हारी शुभचिन्तक

प्रकाशवती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २१।१०।...197६

सिरदर्द और जुकाम ज्यादा बढ़ता न जाए।

मेरा तुम्हारा पत्ता न मिलने पर तुम्हारा पत्र १२ता ने लिख गया था उसका जवाब देने में देर हो गई। मेरा पहिले हमारे पत्र मिलने पर जवाब देर हो जाया करे तो तुम चिन्ता मत किया करो। तुम्हारे बाबा जी भी जवाब देने में देर कर देते हैं लिखाने में आलस्य से थोड़ी देर हो जाती है। वैसे चिन्ता की तो कोई बात नहीं है वैसे तो तुम्हारे बाबा जी ठीक ही चल रहे हैं कभी कभार बुखार सा होता है उससे आलस्य से जरा परेशान से हो जाते हैं।

तुमने अपने ~~बाबा~~ बाबा जी के जन्मदिन का तो कार्ड भेजा है और जो पत्र भेजा है दोनों ही बहुत ही सुन्दर हैं। यहां पर सब को बहुत अच्छे लगे हैं। तुमने कार्ड जो भेजा है तुम्हारे बाबा जी को २५-२६ दिसम्बर को तुम्हारे कार्ड भी बहुत ही देर से मिले शायद तुम घबरा गये होंगे। यहां पर भी इस बार ने शीशे के गमला को इन्हीं लोगों ने जन्म दिन पर दिया था। और मेरठ से लड्डू ...

लेकिन मेरा जब कभी से पता तो अच्छा ही रहा
पर तुम्हारे [illegible] पता नहीं। [illegible]
जानते न कहना रहा जाता है। और [illegible]
रहते हैं [illegible] ही हैं। अब [illegible]
[illegible] हैं अब [illegible] ही होता है। [illegible]
[illegible] बात नहीं है।
[illegible] बहुत ही [illegible]
[illegible] है। [illegible]
[illegible] हैं। [illegible] बहुत ही [illegible]
सब शायद जुलाई के [illegible]।
वह [illegible] हुए हैं।
तुम्हारे [illegible] ठीक चल रहा
होगा। यहाँ पर तो सब [illegible] हो चुका
हुआ है। सबको हमारा आशीर्वाद। नमस्कार
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारा शुभचिन्तक
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun

Dated Oct 15 1979

बेटे पीयूष या विश्वदीप

तुम्हारा Letter मिला था। देखता हूँ तुम लोग ठीक हो। ठीक ही रहो। यहाँ सब कुशल पूर्वक है। पुरानी निकालने को Time आया है पर यह भी निकल जावेगा। निकालना है इसे। पुराना भी है उसे भी निकाल लूँगा। तुम लिखना तो अपनी पढ़ाई में ध्यान लगाना अपना काम करना।

मैं जानता हूं कि तुम को
(time नहीं मिलता है)
शैला तुम्हारा हाल लिखवाता
रहे तो काफी है।

तुम्हारा बाबा
धनपत

44, E.C. Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Oct 15 1979

My dear Sushil

Recd your letter of 4th Oct. Glad to know the spects suit you. I daily think of you people. How we lived together! Now separated and a very distance apart. We hope we shall meet again though the period in between is still a long enough. However

I received your letters & they are the only source of some comfort for me – Shaloo & Gudia are always in my memory. Every moment, every time.

I am as usual. The pain is still there but I feel a little better in health.

With love
Yours affly
D R Gupta

44 E C Road

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dehradun

Dated Oct. 15 1979

बेटा शैलू। खुश रहो।

तुम्हारा letter मिला। यह

जानकर बड़ी खुशी कि

तुम doctors की बात नहीं

मानती हैं तो इन लोगों के

कहने पर इलाज करवाइए। यदि पता

है कि जो उन का है

कहने से किया। कोई

पर आराम का ख्याल नहीं

है। ईश्वर चाहता है कि

मैं कई बार 15 या 6

मिनट का ध्यान और का

[illegible] हूं। पर अब बारबार

कर रहा हूं। देखा

शायद कम हो जावे। स्पन्दन

मन को। थोड़ा Time मैं

Pain कम होता है। दूसरा [illegible]

के लिए सो कर [illegible] पर

मैं प्रयोग करता हूं।

[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~

Dated 3-12-197

प्रिय बिटिया शोभिता तुमको हमारा बहुत सा प्यार

आज दिनन बाद तुम्हारे दो पत्र एक ही लिफाफे में बन्द रखे तो मिले हैं। और दोनों फोटो भी मिले हैं। फोटो देख कर तो बहुत बड़ा अच्छा लगता है जैसा मन होता है कि देखते ही रहें

वहाँ पर आज दिवाली पर है उधर दिवाली पर लगाने इन्हें ने लिये बोर्ड बनवाए बहुत अच्छी भी बनी होगी तुम्हारी तबियत तो बहुत ही याद आती है। सबको तो इसकी बातों तो तुमसे ही तुमको पहिले पत्र में लिखा था ... पर गया था बतलाता है कि अपनी फोटो भी सुन्दर है

यहाँ पर जाड़ा शुरू आया है उसी पर इतना तबियत ठीक रही चल रही है बुखार बहुत ज्यादा हो गया है बुखार भी ... हो गया है इसलिए ... इसको बहुत ही दिन चलेगा। इसको ... बहुत ही चिन्ता होती है इसलिए ... नहीं होता है। शुक्रवार ने बिटिया को याद करते हैं

इस बार के चुनाव पर सारी इच्छा जब थी
है। २९ तारीख को यहां चले जायेंगे। पत्र देहली
निश्चय से चला गया हुआ है। निर्णय यहीं रोका
पर इलाहाबाद जायेंगे उन्नाव लखनऊ और रोजा
पटना चला जायेगा। यहीं कोई आ जाता है तो मन
लग जाता है। अन्य अनुभव से पत्र जरूर रखते
हैं यह भी निश्चय रखते हैं कि आज दिन की
शान्ति तो हमारे पास बहुत रहती ज्यादा है।
तुम्हारे बाबा को इस समय सब ठीक ही रहते
हैं और चार दिन से रात भी सोते रहते हैं इसके
विचार जरा खराब से हैं लेकिन कुछ लोग तो
याद करते रहते हैं। मैं इनको समझाती रहती हूँ
कि उनका ध्यान बहुत चलता ही रहेगा।
तुम किसी की और से बेचैन से हो
जाते हैं। यदि ईश्वर ने चाहा तो मिलेगा ही
तुम्हें प्यार बहुत मालूम पड़ रहा है लेकिन
पत्र लिख के तो नहीं मिलता है। सबको तुम्हारा
आशीर्वाद देना।
मनोहर शादी ही देना।
तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, ~~VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २०।१०।197६

चिरंजीविता सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो।

तुम्हारा ६ ता० का पत्र लिखा ८-१०-७६ का तो मिल गया है पत्र से सब समाचार प्राप्त हुए। पत्र तो बच्चों के आते ही रहते है लेकिन तुम्हारे पत्र की प्रतीक्षा रहती ही है। अच्छा दिवाली है। यहां पर निर्मला व कुसुम व बेबी दोनों ही आये हुए है। इसलिये त्योहार पर अच्छा लग रहा है। लेकिन याद तो तुम सबों की आती ही रहती है। बच्चे पटाखे वगैरा खूब सारे लाये है।

तुम्हारे दिवाली पर क्या प्रोग्राम था। दिवाली की गणेश लक्ष्मी तो अवश्य ही बनाई होगी। क्योंकि वहाँ पर बाजार में तो यहां की तरह दिवाली नहीं मिलती है। वैसे तो तुमने इस लिये नहीं लिखा था कि त्योहारों का तुमको याद ही होगा क्या मतलब है नाना जी याद था तो बूढे हुए जाते हैं और दिवालीपर चावल के २४ बताशे रुपये सेर के भाव लाये थे उनको रस को छोड़ देते है और दुकान से नया नहीं होते

लगा देते हैं। महादेवी दत्त को तुमने लिखने

से बाद में ही मिलेगा। लेकिन मैंने उनको

लिख दिया है। मैं उनका यहां पर सिर्फ हो

पूछती हो कोई पत्र तो मिलना हो। अपना लेकर

दीपा को देखकर रहेगी होगा। कोई दिन के

अपने दीपा को कुछ नहीं मिलता है बस जाता रहता

होगी और ठीक होगी। तुम्हारे मामाजी ने इलाज के

बाद से प्रतिदिन के लो रहे नहीं उठा है इसके

लिखाने को आया और लाई है मैंने घूमने लोगों को

बढ़े हुए आते हैं रोग में से आता हूं। इसी आपका

सारे रोकर जीवन ही।

तुम्हारा तो सब लोगों का पत्र देखकर रहता है और लगता ... को लेती हो लोगों पर यही ठीक है। पता नहीं किसानों पापा की बच्चों के उठी हुई होगी या नहीं।

तुम्हारी तबियत ठीक होगा। इसका उनको आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

लोगों में इधर तुम्हारे नाम यही ठीक भी है। नया उनका लेगा

तुम्हारा बाबा

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २०।१०। 1976

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

कल गुड़िया के लोगों ने पत्र दिये थे और
एक पत्र १० ता० को तुम्हारा लिखा हुआ हमारे पास से
लौट कर निर्मल के पास आया है। पत्र से तुम्हारे सब
समाचार मालूम हुए। आज दिवाली है तुम लोग भी
मनाही रहे होगे [illegible] आ रही है यहां पर तो खूब रौनक
हो रही है लेकिन [illegible] के नोट बन्द हुए हैं
तो पैसा कम रहा है लेकिन फिर भी तुम
लोग त्यौहार तो मनाते ही हैं खूब बच्चे
पटाखे चलाते हैं तुमने दिवाली पर क्या क्या
किया वो होगा ही क्योंकि बेटे अभी सवेरा भी
दिवाली थी। तुमने लिखा है वहां पर तो खूब बर्फ
गिरा करता है वह पढ़ना शुरू हो गया है बस
बेटा तुम अपना ध्यान रखना [illegible] सब नये
कपड़े बनवा लेना। तुम्हारा कैंसर का [illegible]
ठीक ही होगा। तुम हमारी ओर से इतनी चिन्ता

पत्र तेरा इस बार तो जल्दी ही है। और मैं तो बिल्कुल
ठीक ही हूँ। तुम्हारे नाना जी तो रहे और अब ठीक
है। सोच के हिसाब से रहे उनका भी बल सब
रहे न होने के विचार का आभास का पाते हैं
बाकि फिर रहे का होगा जान है। यहां पर तो
अभी ज्यादा जोर पड़ रहा है बाल-बच्चों को स्वेटर
मैं नहीं पहन जाते हैं। तुम भी अपना खूब
ध्यान रखना। तुम्हारा पता ठीक ही चल रहा
होगा। इस साल के बालक देना इस साल को
भेजा हुआ 100) का ड्राफ्ट मिल गया है।
जिस जमीन को हमारा बहुत प्यार
रहा तुम हमारे और के इतना चिन्ता मत
करो। हम तो बराबर ठीक ही हैं। लेकिन
लेकिन तुम्हारे पत्र का इन्तजार किया करेंगे।
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। सबों को बच्चों
को आशीर्वाद व प्यार।

तुम्हारा पिताजी

प्रकाश चन्द

44 E Road

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

D. 11 [illegible]

Dated Oct 10 197[illegible]

[illegible]

तुम्हारे दो letters 24 व 30 सितम्बर को मुझको मिल गये थे। [illegible] जानता हूँ तुम [illegible] नहीं मिलता। किसी को भी letter [illegible] पता चल जाता है। मैं पहले से ठीक हूँ। दोनों का pain भी नहीं है। तुम्हारी मोटर का certificate [illegible] है। [illegible] पास है।

तुम्हारा [illegible]

नोटिस को कल भेजा

२२।६ [illegible] विवरण

[illegible] को दिखाना है

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~
D. Dun

Dated Oct 20 1979

My dear Sushil

Your draft recd [illegible] the letter. Hope you are well. Letters from children of Saroj received. I am feeling better though weak. No pain for two days. Subodh is doing all that is possible. Let us hope to meet again

Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E Chona
~~152, VIJAY~~ NAGAR,
~~MEER~~UT
Dehradun

Dated Oct 20 1979

बेटा कैलाश खुश रहो

तुम्हारा 10.10.79 का letter मुझे मिला है। मैं ठीक हूँ। दर्द भी दो दिन से नहीं है। शायद ठीक रहे। तुमने पापा का letter नहीं भेजा उन का draft भेजा। वह ठीक होगा। यहां भी ठण्ड होने लगी है। वहां तो बुरा हाल होगा।

तुम्हारा ~~[illegible]~~

Dad

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dated २९।१०।197८

प्रिय चिरंजीव सुभाष दयाल नरेश को प्यार

२९ तारीख को लिखा हुआ मेरे के प्रमोद के पत्र से

सब समाचार ज्ञात हुये। चिरंजीव सुभाष पढ़ाई बहुत मेहनत

पड़ती है इस लिये पत्र लिखने का समय नहीं मिलता है

कोई बात नहीं समाचार तो ज्ञात हो ही जाते हैं। सुभाष

अपनी पढ़ाई के लिये कोचिंग कराते हुये लिख

दिये होगा होंगे कोई सुभाष पढ़ाई भी करते समय

ही नहीं लिखा है यहां पर तो किसन पाल के ही लिखा

न लोग कहना भी कहते हैं जब मन होता है तो पत्र

लेते हैं। वैसे तो मेरा इतना यहां पर किसी प्रकार कोई भी

परेशानी नहीं है। लेकिन मेरी २ पेट की खराबी ही पड़ गया

है। अब तो पेट से बहुत ठीक हो गये हैं। सुभाष बालक को

अब कोई डर हैं उस लिये डर नहीं होता है और

उसके तो बातें ज्यादा मानते हैं। लाल पानी के डर से

ज्यादा के बाकी परेशान के है बड़ा इलाज के पढ़ाई करता

है कि उस डर से ही बैठे रहते कोई सब ठीक ही

मन रहा है। बड़ा शुभ कामना को पार करने बाद।

होते हैं। कल महेश देखने हैं अब कुछ आराम मगर
बहुत ज्यादा बातचीत से उन्हें थकावट हो जाती है
कल दिल्ली से पत्र आया है कि तुम्हारे ठीक ठाक
होने हो रहे हैं। रोज ही याद करते हैं तुम्हें तो
सब बच्चे याद करते होंगे देश में [illegible]
होगी। इन्दु का पत्र आया है उसमें भी उसका
पत्र लिखना बहुत परेशानी है कि [illegible] को
बहुत दिन से पत्र नहीं आया है। इधर तुम्हारा
[illegible] का [illegible] भी दफ्तर निकालने में लगे भी
दिन भी होगी। अब यहां पर गर्मी शुरू होगया
है अब तक जवाब देना। तुम्हारी पढ़ाई
ठीक चल रही होगी। तुम्हें पत्र लिखने का
समय नहीं मिलता है। तुम्हारी सेहत भी अच्छी
ठीक चल रही है।

चित्रा कुमारी को शुभ आशीर्वाद [illegible]
प्यार [illegible] नहीं रखना। अनुपमा का और पत्र
आया है उसने लिखा है

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। कि शालिनी को
आप लिख देना एक छोटा सा
पत्र तो मुझको लिख दिया करे।
जिससे पत्र आता रहता है।

तुम्हारा शुभचिन्तक
[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dated 24.12-1 1978

प्रिय [illegible] |

मैंने तुम्हें पत्र लिखा था मिल गया होगा

यहां पर [illegible] पत्र [illegible]

दिन समाचार आये हैं। तुमने दिवाली पर [illegible]

[illegible] होंगे और क्या [illegible] था। गुड़िया को पता

नहीं उस दिन कहां थी [illegible] मैंने गुड़िया को

[illegible] होगी। अब तो [illegible]

शुरू हो गया होगा [illegible]

[illegible]। [illegible]

[illegible] है [illegible]

[illegible] है। [illegible]

[illegible] है। [illegible]

[illegible] हो गया है। अब

[illegible]

[illegible] हैं। [illegible]

[illegible] हैं। [illegible] पर [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]।

इधर कई दिनों से हम [illegible] आप से

[illegible] है। [illegible] की

[illegible] लिखा करता है।

[illegible] चल रहा है इसका

दुबला हो गया है डाक्टर कहता है। [illegible]

[illegible] चल रहा है

कमजोर भी हो गया है। इसका [illegible] हाथ

नहीं होता है। इसका [illegible] होता है।

[illegible] से [illegible] के [illegible]

[illegible] पर गए थे [illegible] हो गई है

[illegible] होगा। तुम क्या [illegible]

रहते हो। तुम्हारा [illegible] होगा

होगा। [illegible] रहता होगा। तुम्हारा [illegible]

[illegible] के [illegible] भी होगा

[illegible] के [illegible] नहीं

दिन है। यहाँ पर तो गर्मी [illegible]

पानी में जा रहे हैं। यह अच्छा है तुम्हारे यहाँ पर

[illegible] रहा है। तुम्हारे बाबूजी का तुमको आशीर्वाद

[illegible] को मेरा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारा शुभचिंतक

[illegible] भाई

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 2-5-78 1978

प्रिय बेटे सौरभ तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २२ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको २६ ता० को मिल गया है। तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए हैं। तुमने लिखा है वहाँ पर तो बर्फ पड़ने लगी हैं यहाँ पर तो अभी गरमी ज्यादा नहीं है सब हवन से बच्चों ने स्वेटर निकाले हैं। यह अच्छा है तुम्हारी दिवाली पर छुट्टी हो गई थी। लेकिन वहाँ पर तुम लोगों को त्योहार का क्या मालूम होगा। यहाँ पर तो दिवाली पर [illegible] तुम्हारे [illegible] आ गये थे [illegible] दो। [illegible] को [illegible] पद तो दिवाली के पीछे [illegible] चले गये थे। [illegible] के [illegible] बहुत ही

अच्छा लगा

तुम्हें [illegible] की बात लिखता हूँ कि तुम्हारे बाबा जी ने जो [illegible] होता था यह सब [illegible] से निकल नहीं हो रहा है अब यह [illegible]

तो रहता ही [illegible] का ख्याल रखते हैं बच्चा

दोपहर को १ बजे से [illegible] [illegible] हो जाता है

तो इसकी भी कोई चिन्ता की बात नहीं है

तुम्हारा चाचा इतने नजदीक में [illegible] ही रहते

हैं [illegible] [illegible] [illegible] होते हैं और फिर बड़ा [illegible]

रहते हैं। तुम लोगों को बहुत ही याद करते हैं

बस ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम सबों को

देखने [illegible] इच्छा [illegible] [illegible] है। और [illegible]

ने तो बिल्कुल [illegible] [illegible] कुछ [illegible]

रही है। [illegible] को बस इस [illegible] [illegible]

ही [illegible] हैं [illegible] [illegible] को [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] हूँ। बस [illegible] ही

[illegible] [illegible] गया है। [illegible] [illegible] यहाँ से तुम्हारा

[illegible] [illegible] चिट्ठी को [illegible] तो तुम [illegible]

[illegible] होते ही इस को तुमको लिखते ही रहते हैं

और [illegible] नहीं डालता है तो तुम लोग [illegible]

[illegible] करो। इस [illegible] लिखते ही रहते हैं [illegible]

[illegible] [illegible] को तुम्हारे पत्र के [illegible] [illegible]।

हमारा प्यार। [illegible] [illegible] देना। तुम्हारा शुभचिन्तक

[illegible] चाची

44 E C Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR, MEERUT~~
Dehradun

Dated Oct-26 1979

[illegible] खुश रहो

यह मालूम करके खुशी हुई तुम ठीक हो। मैं इनसे तो मुश्किल करके पढ़ रही है पर तुम्हारे future के बारे है। तुम उस लड़की मत फिक्र लेना करके काम करना। भगवान तुम्हारी मदद करेंगे। तुम्हारे दो पत्र पुराने मिले मिले पर मिले तो। इतना ही काफी है। तुम्हारे लिये यह

मिलना कहाँ है कहाँ रहेगा

इस मिलने में संकोच है

समय तो काफी है पर

सब कुछ ग जायेगा होगा

तुम्हारा [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 E.C. Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dehradun

Dated Oct 26 1979

My Dear Sushil

Your letter of Oct 14th was received. The Insurance premium receipt for the last payment was with me and is enclosed herewith.

I have no pain for the last week. Let us see. It had happened sometime back that there was no pain but it again began. I am getting a little fever about 99° in the noon + afternoon for a week or so. It also causes a little dull headache. However I think it will go. The terrible pain that disturbed even the neighbours because of my shrieks many

times in the day was not tolerable. This temperature is no trouble. I do walk but very slowly with stick.

I am taking my own medicines - Dr Kunj Behari also came here for a few hours to see me. You need not worry. Now Deoki also feels this may not be a case of cancer. How are you all.

with love
Yours affly
D R Gupta

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 [illegible] Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehradun

Dated ~~Oct 26~~ 197[illegible]

बेटा शैलू ! (पहुँचे [illegible])

तुम्हारा Oct-13 का letter मिला

मुझे खुशी है तुम ठीक हो। हां मुझे

भी याद आती है। रहती है।

पर बेटी तुम्हारा वह बाबा

जो तुम्हें गाना [illegible] सब

काम करता छोड़ कर जाते थे

पर उस की जगह एक अपाहिजा जो

पानी भी पीने को दूसरों का सहारा

चाहता है वह है। वह भी है तो

पर उस को पांवों के सिवाए, पांव

की बात की और कहीं
नहीं। हाँ तुम्हारे लिए वहीं
क्या मुश्किल तुम को एक बार
फिर देखने की उम्मीद
रखता है। मैं ठीक हूँ
घरद भी पूछ रहीं हैं तुम्हारी
मत करना। इन दिनों मैं
मैं ~~क~~ कौन कर रहा हूँ।

तुम्हारा बाबा
धनपत

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~

Dated २८ । १२ । 197८

चिरंजीवी गुड्डा तुमको बाबा का बहुत बहुत प्यार व आशीर्वाद

मिला तुम्हारा २२ ता० का लिखा हुआ पत्र इतवार २७ ता० को मिल गया है। पत्र के सब समाचार मालूम हुये। और प्रसन्नता हुई। रोज ही डाक से तुम्हारे पत्र की इंतजार रहती है क्योंकि रोज़ तो तुम्हारा पत्र आना असम्भव ही है। मैंने तो लिख भी दिया था कि तुम लोग जल्दी २ ही पत्र लिखती रहा करो।

यह जान कर दुख होता है कि तुमको पढ़ाई यहां पर बहुत करनी पड़ती है रात में भी एक डेढ़ बजे तक पढ़ती हो इसलिये तुमको [illegible] जाते होगे। तुम्हारी भी सारी रात [illegible] होगा और [illegible]। बस मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको परीक्षा में सफलता प्राप्त हो।

तुमको यह जान कर प्रसन्नता होगी कि अब तुम्हारे बाबाजी ने यहीं [illegible] से बिल्कुल रहा होता है क्योंकि जगह के [illegible] बहुत ही ज्यादा [illegible] हैं। यहीं के [illegible] बहुत ही शान से रहते और इस बार के [illegible] जाते हैं। सारा वक्त तो [illegible] में लगा रहता था। [illegible] के [illegible] इतना [illegible] रहता है [illegible] ईश्वर से यही प्रार्थना है कि रहें ना हो।

और तुम्हारे भाई का होना ही रहे हैं। अब इनको आप लोगों
के देखने की बहुत ही इच्छा हो रही है। लेकिन इनकी
यह इच्छा पूरी कैसे होगी। वैसे आप लोगों को बहुत ही याद
करते रहते हैं। लेकिन अब तो इस बात सोचते हैं कि अकेला
बाहर नहीं जाना चाहिये। आखिर आप उनका हित ही होता है
ओम का सबद निकलने के विशेषा पत्र को इतने लिख
ही दिया करो। अब तुम्हें कहीं पर काफी दिन गये हो गये वहाँ
पर तो फिलहाल को आई है व्यापार शुरू हो गये होंगे वहाँ पर
यह त्योहार बड़ी धूम धाम से मनाया जाता है। यदि हमारा
पत्र आने में देर हो जाया करे तो आप चिन्ता मत किया करो
कभी-२ पत्र लिखने में आलस्य हो जाता है।
इस होली की तुम्हारे को दिखाना के लिए याद करते रहे
वहाँ पर तो रंग खेलना होगा ही आखिर तुम्हारा दिवाली के
साथ आ गये थे इन सारे पटाखे (?) ने चौक में ने धूप बच्चा
काम से रंग से रंगी को बच्चे ने पकवान को स्वाद से और
भी मान के लिया। होली की तरह आनन्द की बात यह रही
हैं उसमें अपना हो जाता है होली की राख उनके इतना नहीं होता है
गजब की बात तो इतना ही पैदा हो रहता है देखो फिर नहीं जाता है
सतीश ने पत्र आना देखिये थे यदि यह पत्र ले कर
आ दिया करें तो आप उस पत्र लिखा करो यदि पत्र लिखें तो
आप देखा करो। इतना पत्र लिखने में आज सच्चा भी नहीं है।
सब बच्चों को हमारी आशीर्वाद व प्यार पहुँचाना चिट्ठी देना

तुम्हारी मम्मी
प्रकाश वती

देहरा दून

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

Dated 3-12-197 5

प्रिय मेरा दुलारा सौरभ उत्तम चिरंजीव रहो

तुम्हारा पत्र तुम्हारे नानी के पास आया समाचार मालूम हुए। हम यहां पर बिल्कुल ठीक हैं और अब तुम्हारे नानाजी भी ठीक हैं अब वे २-३ दिन से घर बिल्कुल ठीक हुए हैं इसलिये तुमको ज्यादा सा याद कर रहे हैं।

मेरा तुमने बहुत ही ध्यान रखा है तुमने अपने नानाजी के लिये रजाई बनवा भेजी है। मुजफ्फरनगर के मोहल्ला रहे होगे। अब पर अच्छा वर गजेन्द्र का पता मकान को बदला दिया है। यदि वह उस मकान पर पहुंचा होगा तो अच्छा है। फिर अब ही मैंने गजराज सिंह को उनका गोपाल पता लिखा है और जो भी मुजफ्फरनगर जाते हैं उनका पता भी लिख दिया है कि यदि उनके तुम्हारा मकान का मिले तो तुम उसे या पर किसी को देना या बदल देना भेजना। तीसरा मैंने होगा यहां पर देख देना क्योंकि यहां बहुत जोर सर्दी पड़ रही है। तुम अपना खान-पान रखना हो सके तो तुम अपने हो ज्यादह वर तुम्हारे भेजे हुए ही बराबर काम में आ रहे हैं उनके बहुत काम दे गये हैं।

अभी भी तुम्हारे बारे डैडी जी सोचते हैं [illegible] बरबाद रहते हैं। यहां पर तो [illegible] हैं बरसात से बड़ा जाड़ा है।

सरोज ने तुम्हारा ही भेजा था उन ने लेना है। उसका कोई डेहरा उन लेता रहता है। सरोज ने फिर पत्र लिखेगी।

मेरा भाई भी तुम लोगों की बहुत ही याद आती है [illegible] लोग हम करते हैं कब [illegible] ईश्वर ने [illegible] मिलवायें और [illegible] की तरह से सब दिन [illegible] यही ईश्वर से प्रार्थना है। [illegible] आयें।

दिन में तो [illegible] ही निकल जाता है उनके [illegible] रहते हैं। [illegible] हूं या [illegible] तो जाती हूं।

सब लोगों को मेरा व [illegible] आशीर्वाद [illegible] शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्मा जी

[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ३।१२।197

प्रिय [illegible] चिरंजीव रहो

तुम्हारा २२ ता० का पत्र इधर [illegible] २६ ता० को मिल गया था। तुम्हारे पत्र को देख कर बहुत ही प्रसन्नता होती है मन तो यह होता है कि यह रोज ही तुम्हारे पत्र आते रहें लेकिन [illegible] है [illegible] तो तुम लोग जल्दी [illegible] पत्र लिखते रहो।

मेरा मन तो बिल्कुल ठीक है। तुम मेरी ओर से [illegible] चिन्ता मत करना। और एक तो तुम्हारे [illegible] भी [illegible] है १० दिन से [illegible] हुआ है इस लिए [illegible] हैं। अब तो [illegible] है [illegible] में [illegible] गये थे। [illegible] मिल रही है। तुम्हारा [illegible] होगा [illegible] पर तुम्हें [illegible] याद [illegible] ही होगा [illegible] होते हैं [illegible] पर [illegible] होगई थी। [illegible] है।। [illegible] नहीं रहे।

नई जगह में ऐसे ही नया चाव सा लगता है मुझे
भी यहाँ पर लोग तो इस गले से तो कोई भी
नहीं होगी लेकिन मेरा पानी की हवा कुछ ले रही
जा रहा है। घर की याद आती रही यहाँ पर तो सब
तरह के फल मिलते लिचि आती था रिश्ते भी ठहरे
सब ने मिलती थीं। मेरापन तो यहाँ रिश्तेदार सब
पास ही रहते थे अगर तो घर की याद आती ही
है। जीजाजी का जी ठीक हो गया है होस्टल की पेटी
कल से उनकी अनुमति की लालच हो गई है और तो
आजकल की तोड़ कर रही है इसका गुजारा हो जाता
है। पापा जी लिखना पर रहेगा मिजाज के पास पर था

देहली में तो बेगमों से बेगम व शुरू को बेग आते हैं
उसे तो पता नहीं है जैतान रहन जाते हैं। घर के लोग
गए गुजार के सिलसिले व रईसों से रिश्ता पड़ता लिखना
रहते थे रिश्ते भी नहीं लगाने पड़ते थे। सदा रहीम
को प्यार तो कर रहा है वह इतना गुजारा पता नहीं
निकर रहे हैं। यह आज तो लिखा है कि पिछले लोग तो गुलाम
हो गया है आशा है लिखना ठीक होगा। तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही
होगी। यहाँ पर लोगों की आजादी भी रही है जो तो कुछ तो
इतना तो सम्हाले ही पहन लेते हैं। सब लोगों को हमारा
आशीर्वाद। पत्र का जवाब शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Oct 30 1979

[illegible] [illegible] सुखी रहो

तुम्हारा पत्र मिला। तुम

को चिन्ता नहीं मिलता है

जानता हूँ। तुम ठीक रहो।

पढ़ता हूँ। इतनी मेहनत

करनी पड़ती है।

मैं ठीक हूं। चलता हूं।

हूं कोई परेशानी की बात

नहीं है चिन्ता मत करना।

वहां से तुम्हारा खत

आ जाता है तो चैन मिलता

है। मन कैसे लगता

है, तुम को बेटी। मैं

जानता हूं तुम को और याद

आती है ऐसे पर सब को

काम को। मुझे भी काम है

तुम्हारे यहां आने पर मैं

मिलूंगा। काम में मन लगाना

और education पूरी करो

इसमें मुझे खुशी होगी

तुम्हारा

नानाजी

44 E C Road

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehradun

Dated 29-10-1979

My dear Sushil

Received your letter of 23.10.79. We are writing to Shri Gajraj Singh of Taksa at Muzaffarnagar to collect the almonds. They will send here.

Your letter was received here open and the packets of scents had been removed by some one of the postoffice employees.

I am better now. No pain for about 10 days or more. You need not worry.

I hope to be able to pass the period though it looks long. Every day every moment you all are in my mind naturally as we had lived together for so long. I want to wait for the day when it happens again. There is no cause of worry.

With love
Yours affly
D R Gupta

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 E.C. Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dehradun

Dated Oct 30 1979

[illegible]

इलाहाबाद से पत्र आया है। पुत्री
में इलाज चल रहा है।
अपनी दवा भी चल रही है।
तनख्वाहों का आना। पढ़ाई
में कुछ जाना। मैं काफी
ठीक चल रहा हूँ। यहाँ
अभी ठंड शुरू नहीं हुई है।
तेरा weather का spelling
देखा गलत whether
लिखा है। ठीक करो
शुभाशीर्वाद
[illegible]

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ६। ११। 197८

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार। आशीर्वाद

तुम्हारा पत्र आया था इसका उत्तर देरी [illegible]

तुमको [illegible] होगा। तुम्हारे नाना जी [illegible] दिन से

[illegible] ही चल रहे थे लेकिन इस [illegible] से

घबराते हैं। दर्द तो कम नहीं होता है लेकिन बुखार

रहने लगा है ९९-१०० हो जाता था। [illegible]

है [illegible] हो [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] नहीं

हैं। इसके अलावा [illegible] ही चल रहा है।

दिवाली पर तुम सबको की बहुत ही याद आती रही

इस दिवाली [illegible] के लिए पार [illegible] होगा तो

जल्दी [illegible] होगा। तुमको तो [illegible]

[illegible] [illegible] के [illegible] पर [illegible] [illegible] हैं

दिवाली पर [illegible] [illegible] दे दिया था मैंने यह

[illegible] [illegible] से [illegible] लिया था [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] लिया था यहां पर तो [illegible]

[illegible] के [illegible] [illegible] हो गई थी।

[illegible] [illegible] [illegible] होने से पहले मेरे पास

नाराज होते हैं कि तुमने लिखा था कि

शानता का पत्र न डालो जरूर है। अनुपमा को भी

तुमने पत्र लिख दिया होगा निर्मला के पास बहुत

प्यार भरा लिखा रहता है। हम लोग के पत्र नहीं

मिलता तो गम होगा। शकुन्तला का भी पत्र तुम्हारे पास

आया होगा। तोता का पत्र आया था वह ठीक हैं

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। तुमने सविता

खूब भारी होगी वह आराम से लिखी है।

तुम लोग को तुम्हारे मामा जी बहुत याद करके

ही करते रहते हैं। अब तुम लोग हो गये बड़े

बहुत अच्छा है। अब तुम तो तुम्हारे बड़े हो के

रह गया है।

सब लोगों को हमारी तरफ से आशीर्वाद

लोगों को आशीर्वाद ठीक होगी। दिन में बच्चों का

ध्यान व छोटे को प्यार। तबियत ठीक से रखना।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभचिन्तक

तुम्हारा भाई

देहरा दून
५।२२।७८

प्रिय बेटे [illegible] ने [illegible]

बताया है कि अब सब ठीक होगा। हम भी यहाँ पर
सब ठीक हैं। तुम्हारे बाबूजी वैसे तो ठीक से ही चल रहे थे
लेकिन इनको इतना [illegible] होगा [illegible] हो जायेगा ये
रहा कि पूरा [illegible] ठहर जाये। डाक्टर ने बताया है तो [illegible]
है यह बात है [illegible] के ऊपर इन्जेक्शन लगाते
हैं। रोज २ इन्जेक्शन लगते हैं ५ दिन बाद [illegible]
गया रहे [illegible] तो तुम्हारे [illegible] हो गया
[illegible] ही चल रहे हैं, वैसे चिन्ता की कोई
बात नहीं है।

[illegible] निशान [illegible] बाते [illegible]
थे। [illegible] थे और बतलाते थे कि इन्होंने
[illegible] लगाये हैं। और [illegible] भी इनको देखने
गये थे। [illegible] भी बहुत ही [illegible] रहा है इसलिए
[illegible] भी सब [illegible] रहा है वैसे तो [illegible] बहुत ही
[illegible] रहे हैं। लेकिन यहाँ पर इतनी [illegible] नहीं है और
[illegible] है वहाँ पर तो यह [illegible] हो
[illegible] से हो जायेगा। यहाँ पर तो [illegible] से [illegible]
[illegible] है। [illegible] बच्चों को प्यार। यहाँ पर सब ठीक हैं।
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ५/११/१97६

प्रिय बेटे रौनक तुमको हमारा बहुत सा प्यार आशीर्वाद

हमें तुम्हारे पत्र का उत्तर देरी से लिख रहा

होगा इन्तजार तो रहता है। तुम्हारा बाबा भी ठीक हो रहा है

तुम्हारे फोटो देख रहते हैं याद करते रहते हैं। फोटो से बहुत

रहते हैं मेरा खुद मुन्ने से मिलेगा। बस याद करते रहते ही रहते

रहते हैं। [illegible] है [illegible] तो [illegible] नहीं होता है

बस [illegible] बहुत [illegible] सा हो जाता है किन्तु [illegible]

[illegible] है। तुम्हारा [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

पर भी आज शुरू [illegible] होगा स्कूल [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] आता [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] नहीं शुरू हुआ है। [illegible] है कि [illegible] [illegible]

[illegible] पड़ता है लेकिन [illegible] [illegible] का पता [illegible]। [illegible]

[illegible] तो [illegible] [illegible] में [illegible] [illegible] जाता है। [illegible] में तो

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] में [illegible] [illegible]

थे। [illegible] तो [illegible] [illegible] [illegible] ही [illegible] है।

[illegible] [illegible] तो [illegible] प्यार [illegible] [illegible] ही देना।

[illegible] [illegible] तुम्हारी [illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~132, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

44, ई. C. Road
Dehradun

Dated Nov. 6 1979

चिरायुष्मान देवव्रत रहो। तुम्हारा पढ़ाई का काम सुचारु रूप से होगा। मेहनत तो करनी ही है। और फिर Service का भी तकाजा कर रहा है। यहां ज्यादा ठण्ड नहीं है पड़ी। मेरी तबियत ठीक ही है कुछ कमजोरी जरूर रहा है सो ठीक हो जायेगा चिन्ता की कोई बात नहीं

है। हाल के [illegible] मेरा पूरा

ख्याल रखते हैं। केवल

का केवल पहचानें हो जाना

मायूसी की बात है। ठीक

इलाज चल रहा है और doctor

की [illegible] हो रहा है।

शुभकामनाओं

[illegible]

44, E. C. Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Nov. 6 1979

My dear Sushil

Your letter of 23/10 was recd. The pain which was not troubling me has restarted but not of that intensity. I am keeping temperature for the last two weeks. The doctors advised urine test which showed Pus cell + + + +. Then they advised urine culture & medicine & injections are going on. I have stopped my own medicine. There is no cause for worry. Subodh is doing his best to do the needful.

Hope you are all well.

The medicine you brought under the advice of Sudhir has been recommend.

It must be very cold there these days. Here the weather is not yet very cold.

With love to all

Yours affly [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E.C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Nov-6 1979

प्रिय शैलू, खुश रहो

तुम्हारा letter मिला पढ़कर खुशी हुई
तुम ठीक हो। पढ़ाई भी ठीक चल
रही होगी। कुछ दिनों से मेरी
तबियत कुछ ठीक नहीं है बुखार
चल रहा है। इलाज हो रहा
है फिक्र मत करना। थोड़ा
परेशानी तो इस हालत में
चलती ही रहती है। पर यहाँ
का weather ठीक ही है कुछ
खास ठण्डा नहीं है। क्या तुम

इतने में बचपन का ख्याल

दूसरा विचार आया फिर ठंडा होना

घनश्याम एक दिवाली का कोई
पांचा था हाथ का बना। बेठ

पतंग का खिलाड़ी बैठा

पगली था

घनश्याम आविष्कार
[illegible]

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २.११.१९७२

प्रिय चिरंजीव [illegible] बहुत बहुत प्यार व आशीर्वाद

तुम्हारा २० ता० का पत्र इधर ? ता० को मिला।

पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। और इस पत्र [illegible]

के [illegible] इधर [illegible] ८ ता० को मिला है दोनों पत्रों से

सब समाचार भी ज्ञात हुए और जल्दी २ पत्रों को देख

कर बहुत ही प्रसन्नता होती है। तुम्हारे [illegible]

[illegible] से [illegible] है। तुम्हारा पत्र [illegible] को

[illegible] लिखता है फिर भी इधर को पत्र लिखते

ही रहते हो। अब तो अब नहीं [illegible] है

[illegible] नहीं जहां [illegible] बाद [illegible] वहां पर तो अब

शायद बाद नहीं लगेगा [illegible] जो तुम्हारे [illegible]

[illegible] चले गये हैं और [illegible] है

नहीं [illegible] में ही [illegible] तो ठीक है। अब

तो [illegible] से [illegible] पर बाद [illegible] हो

होगा। तुम्हारे बाबा जी [illegible] ठीक नहीं

चल रही है [illegible] दिन से [illegible] रहता है

[illegible] कर दिए है। वैसे चिन्ता की तो कोई

ऐसी बात नहीं है थोड़ा बहुत तो चलता ही रहता है

लिखा याद तो आना स्वाभाविक ही है इतने दिन तुम लोगों को बहुत ही याद आती है। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि यह प्यार सदैव बना रहे और मिलने के दिन शीघ्र ही बीत जावें। कभी यह स्वप्न में भी ख्याल नहीं था कि इतने बच्चे इतनी दूर चले जावेंगे।

तुम्हारे पापा जी ने एक रहे तो होता नहीं है लेकिन बुखार की वजह से बड़ा परेशान रहे हैं इन्जेक्शन लग रहे हैं ठीक हो जावेंगे। तुम इतना पत्र तो लिखती ही रहना ही किसी पत्र में यही लिख पाती हो सो सौरभ व सुशील ने पत्र के उत्तर तो लिखे ही जाती है। तुम्हारी दोनों फोटो भी मिल गई थी। और यह दोनों फोटो भी मिल गई हैं एक तो सुशील के जन्म दिन की केक काटते हुए की बहुत ही अच्छी फोटो आई है और इसमें सौरभ की मुस्कान काटते हुए की। मन होता है कि देखते ही रहो। तुमने यह अच्छा किया होटल में खाना खिलाया था इस तो बस यहां का याद ही करते रहे। सौरभ की तबियत ठीक है वैसे इधर तो अभी उतनी ठण्ड ने जोर की पकड़ ही रही है। क्या तुम्हारे उधर सौरभ को पता नहीं क्या है। अच्छा आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

सौरभ प्यार सहित

ही रतो मकान - विजय नगर

मेरठ शहर

तुम्हारी मम्मी

प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ८।११।197८

चिरंजीविया रेखा सदा सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा ७ ता० का प्यारा सा पत्र मिला और फोनो
फोटो भी मिले हैं दोनों फोटो तो बहुत ही सुन्दर आई हैं
ऐसा पता होता है कि बस देखते ही रहें। इनमें भी सुशील
ने गोद दिनेश को चाहते हुए सुशील की फोटो खींची है
और दूसरी फोटो पर लेफ्ट से नहीं आई है पर दिवाली की
पूजा करते हुए की तस्वीर है या गोवा खोल कौन दिख रही है
जैसे दिवाली की पूजा पर तो सुशील ने बहुत ही धोक।
वैसे दोनों फोटो बहुत ही अच्छी हैं इसको सुशील के
गोद दिन पर सब बात याद ही करते हैं मैंने इसकी भी
सुशील को गोद करते हुए की फोटो तो देख ही ली है
वैसे सुदिया ने गोद दिन पर देखा था दिवाली पर देखा तो
२६ नवम्बर को देखना पड़ता है। जितना कुछ ले तो कुछ
भी नहीं हो पायेगा। तुम्हारे बाबूजी को अब कुछ दर्द तो होता
नहीं है लेकिन तीसरे दिन से बुखार रहता था।
योगी डा० ने प्रीतम टैस्ट करने को कहा था उन्होंने
प्रीतम टैस्ट बताया है कि पेशाब से पस आ रही है इसी वजह
से बुखार हो जाता है। अब इन्होंने दो इन्जेक्शन लगाने
शुरू किए हैं। ७ दिन तक बराबर लगेंगे। कल बच्चों

१४ इन्जेक्शन पूरे हो जावेंगे एक इन्जेक्शन रोज
१२ का आता है। वहीं इन्जेक्शन लगवाते तो रिक्शे को थोड़ी
डा. की बजाय तो पुखराज को लगवाये हैं परेशानी बहुत
होती थी क्योंकि पुखराज को पेनिसिलिन दी जाती होता
था इसलिये पुखराज ने ही लगाना सीख लिये हैं
और ६ इन्जेक्शन तो यह अपने हाथ से लगा चुका है
इससे यह परेशानी दूर हो गई है। सिवाय इसके बहुत
ही ठीक रहा है। अब बुखार की बाद से घूमने नहीं
नहीं जा रहे हैं हर समय बिस्तर पर ही बैठे
रहते हैं और बुखार से कमजोरी तो हो ही जाती है
वैसे चिन्ता की तो कोई ऐसी बात नहीं है। ठीक
ठीक हो जावेंगे। पुखराज आ तो गए हैं लेकिन अभी
यहां पर नहीं आये हैं वैसे इतने रोज़ में आवेंगे
तो जरूर ही। देखो देखकर क्या बतलाते हैं।

यहां पर तो दिवाली पर एक रौनक ही
पुखराज निर्मला के नाना आ गये थे जिससे तो
बगैर से ही मेरा की थी। वैसे तो सभी के परान
कौन एक छोड़े। पुखराज ने पूनमचंद जी गृह प्रवेश
पर १००) दिये थे मैंने उन रुपयों की एक साड़ी चिन्ता
से बगैर ले के गाती है १४४) की आई है वहां पहुंच

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

पहले नार दिवाली पर पूजा
नहीं की। मांपर को शौक है ही घर के आगन
मोता लगा कर लगा दिया। ऐसा लगता है कोटा
लेकिन एक शौक है जाता कुछ बड़ा सा लगने लगा है

तुमने यह अच्छा किया घरपर इस गुच्छे के लोग
नावों को नई पानी तो हमारे देखे दें भी जा रहा है
तुमने सपेद इस गुच्छे के गाने बनाये होंगे
कोटो भी बहुत ही सुन्दर और हो जुमारी जो पूजा
नोले कुछ भी मोटा है उसमें तो सब बहुत ही
सुन्दर और हो बल्कि नहीं देखी नज़र ना ला
गाने सभी भी बहुत ही अच्छी है। ईश्वर से प्रार्थना
है कि सदैव सौभाग्यवती रहो। मैंने इन्द्राणी को
पत्र लिखा था क्योंकि बहुत दिन से उसका कोई
पत्र नहीं आया था लेकिन नरेन्द्र जी ने उसके
पास पत्र आया है कि बहुत दिन से उसको कोई
उत्तर नहीं मिला है। पता नहीं उसने मेरा
पत्र नहीं मिला है क्या।

करणजी को नहीं भाये हैं कैसे क्या तो

जायेंगे हैं। मैंने लिखा नहीं लिखा तो सो पत्र
लिख दिये हैं कि प्रभूदयाल जी ने एक बार
में वह इनकम पैसा देंगी। या ही जायेंगे वैसे
यह चीज ऐसी सबक होने वाली तो है ही नहीं
रीता की मानना बोला यहां पर जबकि पीछे में
भी हुई है अब उनको लेने जायेंगे शायद तब ही
महावदी आयेंगे। मैंने पत्र में उन गुप्ता जी का पता
भी लिख दिया है कि यदि वह ना देना चाहे तो आप
लिखो तो मैं कर इस पते पर बराबर पैसा देना
है लेकिन रहीं भी कि अब बराबर जमा हो गये हैं इन
की चिन्ता ही रहती है बहुत दिन से सुधार करके कुछ
ही बराबर चल रहे हैं। ध्यान बहुत रखती हो।

रीता बिल्ली रही होगी। उसका जापान ठीक ही
चल रहा होगा। चिन्ता बहुत बढ़ रही गोली खाती
रहती हैं जिस दिन नहीं खाती है उस दिन तबियत
खराब सी हो जाती है। अशोक की और लेख की चिन्ता ही
रहती है पता नहीं क्या होगा।

प्रिय सुशील को हमारा आशीर्वाद। वहां पर तो बर्फ
पड़ने लगी है यहां पर तो अभी ऐसा जाड़ा नहीं है। इतना
सबको आशीर्वाद। सुबोध व चित्रा बच्चों को देखते
समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ८/१२/197८

प्रिय बेटे शैल तुम्हें ढेरों बहुत सा प्यार व आशीर्वाद
तुम्हारे दोनों पत्र मिले हैं ७ ता. को और
इस पत्र में तो दोनों पत्रों के लिए धन्यवाद। जन्मदिन
साथ हुई। गर्मी इतनी पाकर तो बहुत ही खुशी होती है जब
पत्रों में ही लगता है आ गया है। तुम्हारे बाबा जी ने बुला भेजा
गया है इलेक्शन आ रहे हैं। तब ही जायेंगे वैसे
चिन्ता की तो कोई बात नहीं है बस बुखार से जरा
कमज़ोर से हो गये हैं। वैसे सब ठीक तो बिल्कुल
नहीं उठता है। अब ईश्वर करे शीघ्र ही ठीक होवेंगे
और तुम सबों के लिये ईश्वर तुम्हारी सब इच्छा
अवश्य पूरी करेगा। तुम तो हर पत्र में लिखती रहती
हो कि दादा अपना ध्यान रखना इसलिये हम दोनों
ही अपना ध्यान तो बहुत ही रखते हैं। और ध्यान तो
रखना ही है अपने प्यारे बच्चों के जो लिखता है मेरे
भी प्यारी व तुम्हारी इच्छा ईश्वर अवश्य पूरी करेंगे
बस अब थोड़ा ही तो रह गया है। अपने दोनों पोते
मिल गये हैं और बहुत ही सुन्दर प्यारे हैं।

यहाँ पर तो अभी तक भी सर्दियों के मौसम की

लगाकर दोनों शुरू होगए होगे। तुम्हारी पढ़ाई
ठीक चल रही होगी। नीरज तो फर्स्ट में ही है
उसकी गलती करके फर्स्ट में से बदली में ट्रेनिंग है
फिर पता नहीं कहां पर जावेगा नीरज के पत्र नहीं
आया था ठीक है वैसे खबर तो ला ही रहा है योगेश
के तो बहुत दिनों से पत्र नहीं आया है पता नहीं
कहां पर है अभी तिलक कुछ गल कानपुर से पत्र आया था
वह वहां पर ट्रेनिंग पर गया था।

यह जानकर चिन्ता हुई कि तुम्हारा हैल्थ अभी
अभी ठीक नहीं रहा है इसको जल्द से जल्द कहीं
पर ठीक हो गया होगा। यहां पर आजकल ठीक रहेगा
गया है। कुछ खबर भेजते आते रहो इतनी जल्दी
करने जाने को इच्छा है। लोग भी खबर बोलते
रहे। जो रोग हो जाता है वह शारीरिक ही हो जाता है

इस तो बहुत पढ़ना बहुत ही ध्यान रख रहे हैं
रोपड़ में बोतल लगा दिया भी शारीरिक हो
जाता है और आप भी कुछ नहीं है।

चित्रा आलोक को आशीर्वाद। सभी ... को
नमस्ते। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
64 E C Road
D. Dun

Dated Nov 9 1979

श्री पूज्य भाई साहिब

तुम्हारा कार्ड 1.11.79 का मिला

तुम को महनत बहुत करनी

पड़ रही है पर तुम्हारा काम

होवेगा। मैं तो बुढ़ापा

इलाज से फ़र्क आता है

इसका पूरा असर नहीं है। चिन्ता

की बात नहीं है। थोड़ा लाभ

होता है सो ठीक है।

पद बनवालिए हुए हैं

(गिरधारीलाल)

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun

Dated Nov 9 1979

My dear Sushil
Recd yours of 1.11.79. I have
to fair but certain other complexities
is there & I am completely in bed
for five days. I was keeping fever.
Blood examined & pus cells in large
number found. Urine cultured & injections
and medicine going on for the
same. fever was from 99 & 100
for two weeks. Suddenly on 5.11.79
I had three time severe cold with
rigor & high fever. Temperature
went up to 102 or more. Doctors
were called twice in the night &
had to remain near all the night.
Since then I am in bed. Blood examination: no malaria. now temperature
does not go above 100 & today it
is below 99°. no cause of worry.

As for the Homoeopathic medicine
I have to stop the same because

of injections luck I were

What I had taken.

Before operation:

Sabal serr Q + Stigmata madis 1x

After operation when cancer suspected

Carcinosin 1000 once a month

For pain

Hydrastis 1x

Hydrargia 3x

Tribulus Q

I had taken a dose of Thuja 10M.

There is no worry. I am well

because of fuss which is s already

With love

yours

[illegible signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E-C Ra...
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D-Dun

Dated Nov-9-1979

बेटा मीनू शुभाशीष

तुम्हारा पत्र 1.11.79 का
मिला। तुमने तबियत पूछी
है। मैं ठीक हो रहा हूँ। बुखार
होगया था पर कम है।
चिन्ता की बात नहीं
है। शेष फिर -

शुभाशीष सहित

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 23.11.1978

प्रिय गिरिजा तुमको हमारा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद

तुम्हारा ५ का लिखा हुआ पत्र हमको कल १२ का रोज़ ही मिल गया है और पत्र के साथ में दोनों फोटो भी मिले हैं फोटो बहुत ही साफ और अच्छा है। मन तो होता है कि सब फोटो में तुमको देखते ही रहें। अब तो फोटो में ही तुम लोगों को देख कर अपना मन बहला लेते हैं। तुमने साड़ी पहन रखा है। इसमें तो हमने तुमको पहली बार ही पहने हुए देखा है।

तुम्हारे बाबा जी को बुखार आ गया था इसके साथ कमजोर से हो गये हैं। वैसे बीच में तो अच्छे हो गये थे अब बुखार तो उतर गया है और कमजोरी की वजह से घूमने भी नहीं जा रहे हैं साथ बाद में ताकत आने पर तब घूमने जाने लगेंगे।

गिरिजा तुम्हारी यह शिकायत सुनकर हमको डर होता है कि तुम कमजोर भी हो और खाती कुछ नहीं हो। तुमको अपने सेहत वगैरा का ठीक ध्यान रखना चाहिए। यदि इस उम्र में तुम अपने सेहत का ध्यान नहीं रखोगी तो फिर यह कमजोरी हमेशा बने के लिये शायद

में हो जाती है। तुमको तो अब अपना इलाज तो
करवाना ही पड़ेगा और वहाँ होने पर तुम इस
शौर से बहुत से [illegible] के बाद बचे होंगे।
और अभी तो तुमको पहले में ही बहुत रियाज़ का काम
है। अब इधर बोलना और पैदा होना अवश्य होता
होगा। आशा है कि तुम हर हाल बात मानोगी
बच्चा के अपनी इस लड़की का यह क्या काम रहा है वो
लड़की का तुम्हारे काम तो अच्छा है। इसका पता नहीं था
तुमको आजकल नीता के बारे का पता नहीं होता है
मैं तुमको पिछले पत्र में भी उसका पता लिखना भूल
गई थी। उस के मकान का पता यह है देहरादून मकान
किशन नगर-पटेल। नीता कुमार [illegible]। नीता के
पत्र आते रहते हैं। हमारे आज पर उसका पत्र देर से मेरी
का रहा है अभी हर पिछले तो उसने यहाँ पर रहना
ही है। [illegible] [illegible] से उसको [illegible]
पीछे नहीं रहता है हमारे बोलना चल ही रहे हैं
हमारा पत्र में ये होगा तो तुम चिन्ता मत करना
[illegible] हम [illegible] तो रही हैं कि [illegible] में ही तुमको
पत्र लिखते रहें। लेकिन [illegible] जल्द आ जाता
है। [illegible] तुम्हारे चाचा जी यही कहते रहते हैं कि मैं

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

लगाया और जलसा हो गया है

Dated..................197

और गाना भी कुछ बतलाना होता है तो कृपाराम से
मिलने के लिए बेचैन से हो जाते हैं। बस ईश्वर से
यही प्रार्थना है कि कृपा राम को लेकर ईश्वर से
प्रार्थना है कि इनकी यह इच्छा पूरी करे। और अब
बाकी जिन्दगी है सिर्फ ही चलते रहें। वह ऊपर
पर चलते रहें तो यह भी ठीक ही है। बाकी जैसा
ईश्वर ने क्या होगा वही होगा। आशा है कि कृपा
राम से अवश्य मिलेंगे। आनन्द के भी लिखा था
पत्र आया था वह लोग इधर बहुत खुश रहे हैं लेकिन
उनको उतना भर बहुत ज्यादा है बस गाना की जगह में
ही पाते रहो और कुछ [illegible] वहाँ का काम
रहता है। यद्यपि लोग पहले लोगों का काम है ही फिर
[illegible] जिनकी प्रेक्टिस चला रहे हैं। यहाँ पर तो
गुलाबाद है और डा. लोगों का बहुत ही झगड़ा है
उन दिन रात में आज कल कर कुमार कोई लेख
हो गया था तभी [illegible] लोगों डा. को रखते

कुछ कर लाया उन्होंने बहन मनमोहन
लाया और माथे पर केवल पानी की रबड़ की थैली
रखी तब जाकर बुखार बन्द हुआ और डॉक्टर बोला
के बदन में भी वहाँ पर कोई खराबी नहीं है
वैसे कुछ भी होता है कि बिचारे गुलाब के
ऊपर ही सारी बिमारी का वार होगया है। लेकिन
तबियत को देखकर कुछ नहीं जान को फरक नहीं आता
है। अब देखो यहाँ से जाड़े में यह कैसे रहेंगे
कुछ तो ही बढ़ते रहते हैं जाड़ा २। इतना जाड़े की
जगह के बिमारी शिकायतें बुखार ही सभी क्योंकि यहाँ
पर इतना जाड़ा नहीं होता है। यह जान कर प्रसन्नता
होती है कि तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही है। सुना यह
अच्छा किया इम्तहान खोल कर लिखे हैं वहाँ से लिख यह
बहुत जरूरी है। आशा है कि खूब मेहनत करके परीक्षा को
बहुत ही ध्यान लगाओगी। २६ नवम्बर को तुम्हारा जन्म
दिन भी होगा हम सबकी तुमको शुभकामनायें। ईश्वर
को तुमसे यह सबसे अच्छा लगता हो। लिखना तुमने
जन्म दिन पर क्या करोगी कैसे तो पता दिन मंगल
वार दिन होगा तुम्हारी छुट्टी भी नहीं होगी। जवाब
शीघ्र देते रहना। सबका आशीर्वाद। तुम्हारी शुभाकांक्षी
प्रकाशवती

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २३।१।७६ 197६

प्रिय बेटे शैल तुम्हें सदा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद

गुड़िया व सुशील को ढेर सारा प्यार लिखा

एक हफ्ते बाद मिला है। इस पत्र से पहला पत्र नहीं
आया है शायद तुमने लिखा तो डाक नहीं मिला होगा
वैसे कोई बात नहीं है मकान तो मिल ही गया है

दोनों फोटो भी मिले हैं एक फोटो में तो लोकेश
गुड़िया है और दूसरी फोटो में सुशील व गुड़िया है
तुम्हारी फोटो नहीं है वैसे फोटो दोनों बहुत साफ
आई है। हमको तुम्हारी वो फोटो सुशील के साथ
की बड़ी से उनको पसन्द करते हैं क्योंकि तुम्हारे
बाबा जी ने पलंग के पास में ही रखी है। तुम्हारी
पढ़ाई ठीक चल रही होगी। तुम्हारे बाबा जी
एकदम ठीक हैं बुखार आ गया था। अब तो बस
थोड़ी सी कमजोरी ही है। वैसे चिन्ता की कोई बात
नहीं है बेटा तुमने हर एक पत्र में यही लिखा रहता है
कि आप दोनों अपना ध्यान रखना। हम ध्यान तो
अपना सही तरह से रखते ही हैं। तुमको तो इतनी

नहीं होता है कि तुम्हारे बाबा जी [illegible] है

जरा सी चिन्ता हो जाती है। वैसे चिन्ता की

कुछ ऐसी बात ही नहीं है जरा बुखार आ गया

था उस से कमजोर हैं कि जरा सी कमजोरी है

तुम अपने सेहत व कपड़ों लत्तों का ठीक ध्यान

रखना। कुछ भी होवे, बहुत जल्दी इलाज

शुरू कर देते हैं। तुम्हारा पैर अब तो ठीक होगा

और रोहित को तुम्हारे पत्र से ठीक से पता

कुछ अगर ना है तो तुम कुछ लिखना पत्र बैठे

और पत्रों से हाल का पता ही जाता है।

अभी भी धीमे [illegible] से बहुत कमजोर रहती है

और [illegible] से इलाज चल रहा है लेकिन अभी कुछ

फायदा नहीं है। इस बिमारी को पता भी परेशानी

होती है। अच्छा ठीक होगी। फिर तुम्हें व

लाला को हमारा आशीर्वाद।

तुम्हारे बाबा जी के और रिश्ते का ध्यान सौ

[illegible] ठीक ही रहना। तुम्हारे अपने ध्यान में

[illegible] कुछ नहीं आया है कि सब कपड़े [illegible]

है और [illegible] में भी पैसा लग गया है।

वैसे [illegible] नहीं [illegible] नहीं कर है

[illegible] और कुछ बात [illegible] ही हो जाता है

इतना कर गया है फिर भी बहुत है। तुम्हारे [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
44 E C Road
D. Dun

Dated Nov. 13 1979

बेटी प्रिया। खुश रहो

तुम्हारा 5th Nov. का letter मिला खुशी हुई कि तुम ठीक हो। पर Photo देखकर तो तुम बहुत कमजोर मालूम हो रही हो। तुम जैसी पहले थी उस से कुछ भी नहीं Health में ठीक हुई।

मेरी तबियत कमर में काफी खराब हो गई थी बुखार से जो पेशाब की खराबी की वजह से था। अब तीन दिन से ठीक हूं। कमजोरी है सो कुछ दिन में ठीक हो जायेगी

मन को कोई चिन्ता नहीं
करना है। अपना health
को ठीक करो ये जरूरी है।
मेहनत कर रहे हो। खाना
पीने का भी ख्याल रखना है
तो मेहनत कर सकोगे।

तुम्हारा बाबा
धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 EC Road
1~~52, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Nov. 13 1979

My dear Sushil

Received yours of Nov. 6. I am better now. There is no cause of worry. The temperature is normal for the last three days & I hope to improve my health again within a short time. Please inform me if postage stamps are required as the stocks must be about to be exhausted. I shall send more as soon as you write. Sudhir has not yet come to Dehradun. I am glad to know that you all are well there. The draft was received along with the last letter.

It must be very cold there now and you have to take proper care of the children

+ yourself. copies of the photographs received with the letter show Indira to be very weak & she has to work hard & has to remain out of the house for long time.

I again repeat I am in not in any dangerous condition & hope to be able to pass the period.

with love
your affe.
DRGupta

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~ 44 E C Road
~~MEERUT~~ Dehra Dun

Dated Nov. 13 1979

बेटा शैंकू। नमस्ते।

तुम ठीक होंगे। पिछला
लिफाफे में तुम्हारा letter
नहीं था।

मैं अब ठीक हूँ। बुखार
नहीं है। उठने बैठने में लगा
हूँ। कुछ दिन बुखार रहा काफी
उससे कमजोरी हो गई सो कुछ
ही दिनों में ठीक हो जावेगी
तुम किसी बात की चिन्ता ना

करुणा।

5 अगस्त को जरूर होते हैं
जिलकोष प्रोजेक्ट देगा रहा
फरवाना को रहाना चाहिए।

शुभाशीष
माता
प्रकाश

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated १५। ११। 197८

प्रिय विदिशा गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद
हम सब यहां पर ठीक हैं तुम सबकी भी कुशल
ईश्वर से सदैव शुभ चाहती हूँ।

विदिशा २७ नवम्बर को तुम्हारा जन्मदिन है
हम सबकी ओर से जन्म दिन पर शुभकामनायें
ईश्वर से कामना है कि तुमको यह वर्ष मंगलमय
हो उस दिन तुम्हारी छुट्टी तो नहीं होगी क्योंकि
मंगल का दिन पड़ेगा। फिर भी तुम्हारे जन्मदिन
पर क्या २ हुआ और कैसा जन्मदिन मनाया है पत्र में
लिखना। सुशील के जन्म दिन पर तो सबको
छुट्टी थी इसलिये खूब अच्छी तरह से खाना बनाया
गया है मोजे दोनों सिल गये भी बेन बनाते हुए
सुशील बहुत ही अच्छे बना रहे हैं। मोजे भी बहुत
ही साफ बने हैं और दो मोजे और भी सिल गये हैं
तुम्हारी पढ़ाई ठीक ही चल रही होगी।
वहां पर तो खूब ज्यादा ठण्ड पड़ने लगा होगा तुम

बच्चों को खूब पढ़ने लगाया करो। मैंने

पिछले पत्र में भी नीरा को पता लिखा दिया

था और इस पत्र में भी शैल ने पत्र में नीरा का

पता लिख दिया है। नीरा को पत्र डाला था

ठीक है। तुम एक सर्विस करने लगे हो या नहीं

तुम्हारे बाबा जी ठीक हैं पेट दर्द नहीं होता है

मेरे पर बुखार भी नहीं है।

सब बच्चों को हमारा आशीर्वाद व प्यार

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी माताजी

प्रकाशवती

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, ~~VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २५।११।197८

प्रिय शैल तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद

तुम्हारा ८ ता० का पत्र हमको कल १२ ता० को मिल गया है तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए।

हमने भी एक पत्र तुमको १३ ता० को लिखा है मिल गया होगा। बेटा हम पत्र तो तुमको जल्दी २ ही लिखते रहते हैं कभी ऐसा होता होगा जो किसी वजह से जाने से रह जाता होगा। और बेटा यदि हमको बिमारी के कारण से पत्र लिखने में ज़रा देर भी हो जाया करे तो तुम चिन्ता मत करा करो। तुम्हारे नाना जी अब ठीक हैं अब दर्द भी नहीं होता है और बुखार भी नहीं है। लेकिन बुखार होने से अब फिर ज़रा कमज़ोर से हो गये हैं। अब घूमने भी नहीं जा रहे हैं घर पे ही घूम लेते हैं ज़रा ताकत आने पर फिर घूमने जाने लगेंगे।

सरोज व गुड़िया ठीक होगी। तुम्हारी व गुड़िया की पढ़ाई ठीक चल रही होगी। यहां पर मकान में धूप भी निकल आती है शाम तक हमारे कमरे में धूप आती है इस लिये अभी तो यहां पर ऐसा ज्यादह जाड़ा भी नहीं पड़ा है। वहां पर तो जाड़ा निकल पड़ने लगा होगा और

शायद वह भी पढ़ने लगी होगी। " एक दिन मेरे कपड़े पहन कर आया था।

तुम्हारे भैया कल इलाहाबाद में हैं। शीलाजी के लड़के राकेश की शादी २२ नौम्बर को है। इस बार शादी का बड़ा जोर है। यहां से कोई भी तो नहीं रहे हैं। सब मदद ही कर रहे हैं। आने वाले भी इलाहाबाद में ही हैं।

प्रिय गुड्डा को पत्र फिर लिखूंगी।

प्रिय अशोक को व सुशील को हमारा आशीर्वाद

प्रिय गुड्डा को हमलोगों का बहुत प्यार।

इसके पहिले पत्र में योगेश बन्सल का पता लिख दिया था अब भी लिख रही हूँ।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

योगेश बन्सल
२२ का मकान
विजय नगर
मेरठ शहर

योगेश को तो बहुत दिन से पता नहीं है कहां पर है। इसलिये पता भी नहीं ज्ञात है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~
44, EC Road
D. Dun

Dated Nov. 16 1979

बेटा गुड़िया। खुश रहो

तुम्हारा Birth date 27th Nov को है। उस के लिये, आशिर्वाद ही भेज रहा हूं। भगवान तुम को खुश रखे। तुम्हारे बाबा को तुम्हें खुश देख कर खुशी होगी। तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी।

मेरा temperature अब normal चल रहा है। इलाज हो ही रहा है। तुम को कोई

निराश नहीं होना चाहिये।
पढ़ाई में मन लगा कर
काम करो। इसी में ही
तुम्हारी भलाई है।

तुम्हारा बाबा,

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Nov. 16 1979

बेटा श्रीनु खुश रहो

तुम्हारा Nov. 8 का letter मिला। मुझे खुशी है तुम लोग ठीक हो और पढ़ाई भी ठीक चल रही है।

मुझे अब बुखार नहीं है। कमजोरी है सो ठीक हो जावेगा। चिन्ता की बात नहीं है।

यहां अभी ज़ियादा ठण्ड नहीं है पर अब होने वाली है।

वहाँ तो Snow शुरू हो गया होगा।

सेहत को अपना ख्याल रखना

दोनों ठन्ड से बचने का।

तुम्हारा बाबा

पापा।

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २०।११।197८

प्रिय चिरंजीवा [illegible] सहित सौभाग्यवती रहो।

हमने शायद २६ ता० को गुड़िया [illegible] पत्र
लिखा था मिल गया होगा। हम सब यहां पर ठीक हैं
तुम सबकी कुशल ईश्वर से सदैव मनाती हूँ।

तुम्हारे बाबूजी वैसे तो ठीक से ही हैं लेकिन
पिछले दिनों बुखार आने से जरा कमजोर से हो गये हैं
अब घूमने भी नहीं जा रहे हैं। कुछ दिन में ताकत
आने पर फिर घूमने [illegible] लगेंगे। [illegible]
कि जिस जगह पर यह दिखाते हैं उस जगह का
[illegible] लेंगे तो उससे पता चलेगा क्या बात है
ऊपर बाहर से तो पता नहीं चलता है लेकिन कुछ
होगा तो [illegible] हो जायेगा तो डाक्टरों ने २० ता०
को इतना [illegible] बताया है डा० [illegible] हैं यहां पर
[illegible] में डा० ओमप्रकाश जी ने बतलाया था
उनके वह मित्र हैं। इन्हीं से डाक्टरों ने इतना
[illegible] बताया है [illegible] रिपोर्ट नहीं आई है
लेकिन डाक्टरों ने [illegible] डा० को दिखलाई है वह तो

एकान्त में उनके ऐसा ख्याल नहीं बदलते हैं
बैठे को गोदी पर भी नहीं बदलता है मुन्ना भी बिचारा
वैसे ही पड़ रहा है इसको बहुत ही अखरता है।
यह ख्याल तो ओषधि से छुट्टी भी लेनी पड़ जाती है
अब क्यों नहीं उसके विचार इधर उधर भी और से परेशान
है और उनका को ज्यादह तर दूर को बाद वहां को
रहता है और कुछ लोग वहां पर हो इस लिये यही
विचार तब कर रहा है। तुम्हारे बाबू जी वैसे तो ठीक
हैं लेकिन ऐकला कोरा होने से जरा नाराज से हो
गये हैं। जब जब भी जरा सी परेशानी होती है तो बस
यही कहते हैं मैं अपने बच्चों से मिलूं। ईश्वर
इतनी बस यह इच्छा अवश्य पूरी करेगा। मैंने लिखा
तुम्हारे इतने गुन तो बहुत रहे हैं लेकिन मकानों को
तो रु डाक्टरों का जितना यहां पर आराम है इतना वहां
पर नहीं होगा। इस लिये वहां पर जाने को तइयार ही
नहीं होते हैं। तुम्हारी तबियत ठीक होगी। अपना
ध्यान रखना सुशील के पेट में तो छाले का ही रहते ही
रहते हैं। प्रिय गिरीश को हमारा आशीर्वाद अपने इतना
आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ३०।१२।197८

प्रिय बेटे शैल तुमको ढेर सा बहुत सा प्यार व स्नेह
खुश रहो

इससे तुमको २ दफा को पत्र लिखा था मिल गया होगा। तुम्हारे बाबा जी ठीक हैं चिन्ता की कोई ऐसी बात नहीं है। ज्यादा वक्त बगीचा में देखते रहे हैं इसलिए थोड़ा तक ठीक ही रहे हैं। तुम कुछ भी चिन्ता मत करना। तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी।

नीरजा को पत्र आया था वह ठीक है वह रवि को देहली गया था वहां पर उसको तीनों दिन तक खांसी लगी बुखार ज्यादा रहा जैसे ही पहुंचा था विनय ने घर पर आ गया बुखार उतरा तब देखता जाता। पता नहीं क्यों इसको बुखार बहुत ही जोर से आता है। इसको लाना थोड़ा मुश्किल नहीं जाता है अभी तो दो महीने उसको अभी मेरठ में रहना ही है। मैंने पिछले पत्र में नीरजा को पता लिख दिया था।

अब तो यहां पर भी जाड़ा पड़ना शुरू हो गया है

लेकिन अभी हल्का सा ही है।

गुड्डा को प्यार कीजियेगा अब तो बड़ी होगी उनसे कहिए पत्र लिखेगा। वह गांव पर जाने वाले होंगे

अशोक व सुशील के इम्तहान भी ठीक होंगे यहां पर भी सब ठीक है।

मकान से नरेन्द्र जी का पत्र आया था उनके पत्र का उत्तर भी तुम्हारे बाबा जी ने दे दिया है।

प्रिय सुशील व अशोक को हमारा आशीर्वाद। प्रिय गुड्डा को हमारा बहुत सा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

मोहिनी को पता फिर भी लिख रही हूं।

मोहिनी कुमार बन्सल

हेड पो. मकान विजय नगर मोहल्ला

मीनाक्षी मीनाक्षी 8 पोस्ट शहर

पत्र आया है अभी तक तो उत्तर बालकराम नहीं भेजे हैं लिखवा भी दि इस उत्तर का लगा देगे। पोता ठीक होगा अभी रहती होगी।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Nov 20 1979

बेटी गुडिया। खुश रहो

अब तो वहां Christmas की तैयारी हो रही होगी।
तुम्हारी पढाई का क्या हाल है। Service कहीं मिली या नहीं अभी? तुम्हारी परेशानी की चिन्ता है

प्रभो।

मैं ठीक ही चल रहा हूं अब मेरी तरफ से कोई चिन्ता ना करना

नया साल सब ठीक
करेगा।

शुभकामना सहित
धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Nov. 20 1979

My dear Sushil

I had some complications but as I have written in my previous letter the condition at present is better. weakness caused by these weeks complications is being removed slowly and there is no cause of any worry.

Letter from Gajraj Singh (Talcatwala) dated 17-11-79 shows that the person

has not delivered the

almonds by that date.

They are trying to contact

him at the address

given by you.

with love to all

Yours affly

Deepa

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, E C Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehradun

Dated Nov. 20 1979

बेटा शैलू, [illegible] खुश रहो

हम तो करीब करीब हर रोज ही letters लिखते हैं वहां पहुंचने में देर हो जाती है। मैं ठीक हूं कि मजबूरी तो जाने में [illegible] होगी ही परेशानी की बात नहीं है। यहां सब ठीक है। हम लोग तो letters लिख ही देते हैं राम सखी वगैरह को letters तो लिखने की शिकायत

ना किया करो। इनसे

होगा और पढ़ाई भी ठीक

चलती रहेगी।

शुभाकांक्षी

धनपत

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २३।११। 197८

प्रिय चिरंजीव गुड्डा तुमको बहुत बहुत प्यार व आशीर्वाद

चिरंजीव तुम्हारा १२ता० का लिखा हुआ पत्र हमको
२१ता० को मिल गया था और एक पत्र सुशील से शैलू को इसी
तरह मिल गया है पत्र को देख कर तो बहुत ही प्रसन्नता होती
है और तुम्हारा पढ़ कर भी तसल्ली नहीं होती है।

तुम्हारे बाबा जी ठीक हैं केवल चिन्ता की कोई बात
नहीं है मैंने कहा कि कोई बिमारी तो हो ही जाती है
मोतियाबिन्द आपरेशन से जब इनको बुखार भी नहीं है और इनका
ऑपरेशन हुआ था उसमें भी ठीक हो जाता है वैसे वैसलीन से तो
भी उसमें नहीं जाता है। और वैसे ठीक तो पता तब ही
चल सकता है जबकि दुबारा ऑपरेशन होकर पहले टेस्ट करवाया
जावे। लेकिन अब इनमें दुबारा ऑपरेशन कराने की ताकत भी नहीं
है डा० लोग तो कहते हैं लेकिन अब इनकी हिम्मत नहीं होती
है पहिले ऑपरेशन से ही बहुत कमजोर हो गये थे नहीं तब तो
इनमें ताकत थी। और हमारे कोठी तो सब ठीक ही चल रहा है
चिन्ता की तो कोई बात नहीं है। आशा तो यही है कि तुम जल्दी
से अवश्य ही मिलोगे। बस एक इनको जिन्दगी में यही
इच्छा है कि इनका भी बोलेंगे हो। यही इच्छा से प्रार्थना
है कि जब तक भी जिन्दगी है ठीक ही रहे। यही जिन्दगी

भी अच्छी लगती है। अन्नू प्रतिभा ने पत्र लिखना भूले
रहते हैं विद्यावति बड़ा प्यार भरा पत्र लिखती है। तुम्हारी दीदी
भी विद्यावति तुम्हारे जैसा ही प्यार भरा पत्र लिखती रहती है
प्रतिभा लिखती आई है मेरे पास शालिनी का पत्र नहीं आया है
अन्नू के पास में गई थी वहाँ पर मैंने शालिनी का पत्र पढ़ा था
शायद तुम ठीक नहीं पढ़ पाओगी।

निर्मला तुम सबों से मिलने के नाते से तुम्हारे
नाना जी अपना बहुत ही ध्यान रखते हैं और दवाई थोड़ा
सब ठीक खाते रहते हैं बस अब तो इतना पड़ी है कि मैं
जल्दी से ठीक हो जाऊं और अपने बच्चों से मिलूं। और
खुश ही रहते हैं। बीमार क्या जो अपने दुख से उदास से
हो गये हैं अपनी जिन्दगी में कभी भी ऐसा कोई दुख नहीं
उठा था और तो कभी लेटते थे इसलिए और भी दुखी से
होते हैं। अब तुम्हारे नगर में व पूरे में आने जैसे हैं कपड़ा
लाद में काला होगा तो और भी रई धोता होगा। और पता
नहीं तुमने नींद जो इतनी और आती है तुमको बचपन
से पहिले नींद ही नहीं आती थी इतनी खोई से भी कुछ
अच्छा नहीं हुआ है क्या। नीता तो बीच में फिर बुखार आ गया
था अब ठीक है मैंने तुमको इतना पता लिख दिया था तुमको यह
पत्र मिल गया होगा। यह तो बीमार बहुत रहने लगा है इसको
होटल वाला भी रोटी हजम नहीं होती है।

सब बच्चों को तुमको आशीर्वाद। अपनी सेहत का
ध्यान रखना। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाशवती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 23/11/197६

प्रिय चिरंजीवी सोना सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा एक पत्र १३ ता. का लिखा हुआ हमको २० ता
को मिला और एक पत्र सुशील के हाथ का हमको १८ ता को
लिखा हुआ २२ ता को मिला है दोनों पत्रों से सब समाचार
ज्ञात हुए। पत्र जल्दी २ आने से बहुत ही प्रसन्नता होती है
बस पत्र नहीं रवाना करता हूं। जब तुम्हारी याद
आती है तो पत्र पढ़ लेती हूं। या फोटो देख लेती हूं।
अब तो यही एक सहारा रह गया है वह शुभ्या को पता
नहीं जवाब हम लोगों से सब दिन की बात करेगा।

तुम्हारा बाबूजी का ठीक से ही चल रहे हैं
ही तो नहीं होता है लेकिन बुखार से ज्यादा हो गये
हैं। अब तो घूमने भी नहीं जाते हैं एक तो बुखार की
वजह से और इतने बड़े की वजह से। बीच में तो इतना
तानपत बातें बन्द हो गई थी। फिर यह तो लगा ही
रहता है ज्यादा कम। वैसे चिन्ता की कोई बात नहीं है

परसों डा. जोशी ६ घंटे के बाद बैठे रहे सब बातें
करते रहे बिचारे स्वभाव के बहुत ही अच्छे हैं। इतना सब
तसल्ली देते रहते हैं। उस दिन उनका खाना शायद मिल
गया था। इतना अपने साथ सब लोग में घुमाते रहे।

और इतना डेवलैप भी ठीक ही निकला है जैसा
जाने कोई बात नहीं ख्याल होती है। मेरे ऐसी हालत
में गया था कुछ उलटी हो ही जाता है। कोई रहने से
आराम से खूब भोजन ही जाती है। ऐसा न होकर
कोशकोनी कोई देते हैं जब निकले दिन से कुराक
भी बाई कुछ होकर की गोली भी चल रही है।
ज्यादा विचार किया इतना कर तो बहुत ही रहा है सारा
कोर्स इसमें ज्यादा ही आ गया है लेकिन यहां पर सहूलियत
डाक्टरों की न घर की बहुत है। मैंने गुजारा जिसका
किया बहुत ही खुश रहे हैं लेकिन यहां पर डाक्टरों की
इतनी सहूलियत नहीं है और इसके मकान भी सब कच्चे ही
है यहीं स्पेशल कोर्स की जगह भी नहीं है और इसके
गुजारे का काम बहार को रहता है घर पर तो बहुत ही कम
रहता है। मेरठ में भी डाक्टरों की सहूलियत नहीं है
और इसके उन्ने तो विचार पहले की जगह से ज्यादा ही बहुत
परेशान था है। उनको तकलीफ दिखाने होने लायक हो गए
थी उनके कुछ पोलिटिकल हो गई थी इलाज की वजह से
ठीक हो गया वह इस वक्त तबियत ठीक रही। और
कमजोरी भी काफी हो गई थी।

अब इतना परेशानी की बात है और कुछ खास भी
नहीं होता है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated................197

यह सच्चा बात हो तो रावण का [illegible] रैना हो [illegible] किसे को कि [illegible] तो [illegible] यही जाती हैं चित्रा मेरे पास होने पर [illegible] का पूछता है। नहीं तो यह भी [illegible] पूछता और

चित्रा की तबियत ठीक सी ही चल रही है वैसे विचारी रोज स्कूल जाती है कभी कुछ [illegible] है इतना नहीं पुरानी बिमारी खांसी की चलती रहती है। इतना [illegible] फिकर ही रहता है घर का सारा काम यही करती है कुछ तो तो बहुत ही गन्दी रखती है ये तो कुछ भी नहीं करती हूँ क्योंकि कुछ को [illegible] इतना ही काम रहता है कम ये तो इनके लिए [illegible] भोजन का बना देती हूँ और पीने को पानी पकाती हूँ। बाबुजी का पानी पका का इनके लगता रहता है।

अभी तो हमारे पास [illegible] भी नहीं आये हैं [illegible] बीबी का पत्र आया है उन्होंने लिखा है कि वे जुलाई के पहले [illegible] देंगी। और [illegible] कोई यहां का जाने वाला होगा तब भी भेजेंगे। [illegible] कोई लायक होने वाली चीज तो है नहीं और अभी तो पहिले वाले [illegible] भी चल ही रहे हैं। यदि [illegible] कार [illegible] भेजोगे तो [illegible]

भेजना जिससे दिल ही जायेगा।

सुधीर की पढ़ाई नहीं अच्छा है लिखे हिसाब से जितना ही उतना लाइन भी नहीं पढ़े है। इसने स्लेट बनाने की प्रोटोप्लास्टिक मशीन खरीद ली है वह स्लेट बोली बनाकर बेच ही देता है।

इतना सबको आशीर्वाद।

पिता मुन्नालाल की नमस्ते। बच्चों की नमस्ते

जवाब शीघ्र ही देना।

तुम्हारी माताजी
प्रकाशवती

देहरा दून

152, ~~VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

Dated २३। ११। 1978

प्रिय बेटे शैल तुमको स्नेहभरा प्यार व आशीर्वाद

तुम्हारे दोनों पत्र मिले और एक २० का तो और एक
२२ता को मिले गलती रुपये-जा है तो बड़ा ही अफ़सोस
होता है और मन तो यही होता है कि अपने प्यारे बच्चों के पास रहें
पर क्या करें। बेटा तुम्हारा बाबा तो ठीक ही है और खाना-पीना
पीते भी डा. लोग बताते हैं वही लेते रहते हैं तुमने लिखा गलत
पता चला कि डा. को बहुत नहीं मानते हैं और खाना-पीना नहीं
लेते हैं। यह तो बिचारे अब यही रहते [illegible] हैं
यही पे खाना-पीना ठीक लेता रहेगा तो [illegible] ठीक हो
जायेगा। और अपने बच्चों के पास तक ठीक ही रहना चाहता
हूं। अब ईश्वर की इच्छा है बेटे ईश्वर के आधीन तो यही
है कि ठीक ही रहें और अपने बच्चों के मिलें। अभी तो बेटा
हारा एक वर्ष पड़ा है सोचने से तो ऐसा लगता है कि बहुत
बीतेगा। यह पिछला डेढ़ वर्ष तो खुशी खत्म गया था और ये
पीछे रहने निकाली में थोड़ा ठीक ही बीत गये हैं आशा तो यही
लगा रही है कि तुम्हारे अगले वर्ष ठीक ही रहेंगे। और बेटा तुम
यह क्यों लिखती हो कि अब डा. का बहुत पाना चाहिए
खाना-पीना लेते रहेंगे। बिचारे तो जो भी डा. कहते हैं
वैसे ही करते हैं। अब बेटे रहूं नहीं लगती है इस लिये
रोटी-पानी [illegible] कर लेते हैं बैठे रोटी को यह

इम न ही जाते थे। तुम्हारी पढ़ाई कैसी चल रही
होगी। तुमने कोटपेंट सिल लिये हैं या नहीं।
यहां पर अब जाड़ा थोड़ा कुछ पड़ना शुरू हुआ है।
लेकिन दिन को अभी से ही बहुत जाड़ा लगता है पता
नहीं जाड़ा में कैसे रहेंगे। क्योंकि कहते हैं कि
यहां पर जाड़ा काफी पड़ता है लेकिन तो
बन्द ही है जो लोग काम करते ही होते हैं और धूप
में अपने कमरा में जाते हैं। मेरा इरादा तो यहां पर
का हो गया है लेकिन यहां कभी इधर की बहुत ही याद
आ जाती है। मैं तो कुछ भी नहीं लगी हूं बस इतना
इधर कौन [illegible] है या फिर कोई किताब कैसा पढ़
लेता हूं। क्योंकि के जाती थी
है। वैसे दिन भर बस किताब आदि में कोई
काम ही नहीं है सब काम मिल किसी दिन ही
जाती है। बस आराम से काम तो इतना यहां है। तुम
सबको भी याद करते रहते हैं। तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल
रही होगी। तुम अपना सब ध्यान रखना अपने कोट
गरम पहनना करो क्योंकि यहां पर तो जाड़ा भी खूब ही
पड़ता है। आशीष ठीक होंगे। चि आशीष को हमारा
प्यार। सब को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

55 E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Nov. 23 1979

बेटी सुप्रिया। खुश रहो

तुम्हारा letter 13.11.79 का
मिला। तुम्हारी मोटाई के
लिये मैं कोई और दवा
सोच कर भेजूंगा। तुम्हारा
घर आना मुझे मालूम है।
हाँ मैं तुम्हारे वास्ते सब
काम करता था और तुम्हारे
आने पर जो भी मुझसे हो
सकेगा करूंगा। इस समय
तो मैं अपने काम के लिये
भी दूसरों का मोहताज हूँ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
142, VIJAY NAGAR,
MEERUT

पर उम्मीद है तुम्हारे आने
तक काम करने के काबिल
हो जाऊगा। चिन्ता ना करना।
27.11.79 को तुम्हारा
Birth day है इस के लिये
मेरी good wishes हैं।

तुम्हारा बाबा

पत्र मैंने बाबा लिखा
है तुम्हारे दोनों, और नीरू को
दवा भेज रहा हूँ। चार गोली
तीसरे दिन खानी है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Nov. 23 1979

My dear Sushil

Received your letters of 13th & 15th Nov.

There is no information yet about Almonds. Sudhir also has not yet come to Dehradun, at least he has not seen me. His brother Kishan has also not come to us for about three weeks.

As perhaps I had written to you I had serious complications on account of urinal infection since the middle of Oct. I developed fever. Urine examination showed infection and infections & medicine began. The climax came on Nov-5 when I had three

attacks of very severe rigors in one day and fever went up above 104°. In the night doctors were called twice who remained with me practically even upto 2 AM giving injections and applying ice cap. I was in delirious state but I saw them when I came to senses. But now I am well and indisposition is going on. X' Rays of Bladder pain & with dye were taken on 17th Nov & I am told there is nothing to worry. You need not worry as I feel better & the temperature is normal.

Hope you are all well

with love
yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E.C. Road
1~~52, VIJAY NAGAR~~,
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Nov. 23 1979

मेरा शैलू [illegible] रहो।

तुम्हारा 15 Nov. का letter मिला। मैं ठीक हूं कोई परेशानी की बात नहीं है। थोड़ा बहुत कष्ट हो जाता है सो उस की चिन्ता ना करो। मैं तो Doctors की बात पर ही चल रहा हूं। दोनों तरह की दवा ठीक नहीं इस लिये मैं ने एक बन्द कर दी है। दर्द थोड़ा कभी 2 फिर होने लगा है पर वह

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

इतना जोर का नहीं है
जो पहले था।
हां थोड़ा इसने जरूर
लोगों की याद आती ही
रहती है पर मुझे तो
आशा है हम मिलेंगे।
मैं कुछ दिन पहले थोड़ा
कमजोर हो गया था पर
फिर चल फिर लेता हूं।
तुम लोग ठीक रहो तो मुझे
खुशी है

तुम्हारा बाबा
[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ३०।११। 197६

प्रिय लिलिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार
पिछले पत्र से पहले तुम्हारा पत्र मिला है मिल गया
होगा। दिसम्बर मास २० तारीख है। तुम्हारा जन्मदिन है
इसलिए आज तुम्हारी बहुत ही याद आ रही है ईश्वर से प्रार्थना
है। कि हमारी गुड़िया का जन्मदिन बार बार आये। तुम्हारा
बड़े भाग्य वाली हो। किसका तुम्हारा जन्मदिन है सब अपना
वैसे आज तो किसी की छुट्टी नहीं है जल्दी से तुम्हारा अपना
मनाया होगा बहुत सा केक ला दी ना लिया होगा
तुम्हारे स्कूल ठीक चल रहे होंगे। तुम्हारे बाबू
अंकित से मिलते हैं या नहीं। मैंने तब अनुपमा के जन्म मौके
दोनों ने पत्र लिखे हैं। दिव्यांशी का प्यार भरा पत्र लिखती हैं
और बराबर पत्र का उत्तर देते रहते हैं।
तुम्हारे नाना और मौसी ठीक हैं। किसी की कोई बात
नहीं है हमारे बीमार सब चलते ही रहते हैं। आज ईश्वर की
इच्छा या है। पिछले पत्र से तुम्हारे नाना जी ने तुम्हारे लिये
मोहनजी के नाम से दोनों को चित्र भेजे हैं मिल गये
होंगे। किताब जब तुम्हारी बेटी बालपन है मौसी को पूरे
मन की बात है।

यहाँ पर सब कुशल हैं। सब बड़ों को हमारी नमस्ते
छोटों को आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभाकांक्षी
प्रकाशवती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ३०।१२।७६ 1976

प्रिय बिटिया सरोज चिरंजीव सौभाग्यवती रहो।

हमने तुमको पत्र लिखा है मिल गया होगा। यहां पर सब ठीक है। तुम सबको भी कुशल क्षेम से सदैव शुभ चाहता हूं

तुम्हारे बच्चों की तबियत अब तुम्हारी ठीक चल रही है। २४ दिसम्बर को सुधीर भी इतना देखने के लिये आये थे इसके बाद बाजी देर तक बड़ी प्यारी बात से बातें करते हैं। लेकिन तुमको तो पता नहीं है क्या बतलाया है सम्भव है सुशील ने पत्र में कुछ लिखा होगा। और सुशील यहां पर सुधीर से फोन द्वारा या पत्र द्वारा बातें कर लेंगे।

आज बिटिया (गुड़िया) का जन्म दिन है लेकिन उसको तो ज्ञान कुछ भी नहीं होगा और सुशील के शौक भी अब कुछ नहीं है इस लिये क्या ठीक से मनाए होगी। हम तो यहां पर सब याद ही करते रहते हैं।

सुधीर ने साथ में उसकी उपहारों के लिफाफे भी भेजे थे यह लोग विनयनगर से अपनी कार से आये थे। सुधीर को देख कर प्रसन्नता हुई।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT
Dated [illegible]

तुम्हारा [illegible] ठीक चल रहा होगा। अपना सेहत का
ध्यान रखना। [illegible] के [illegible] भी [illegible] को
कहां पर ठीक होते हैं। [illegible] का उसको [illegible]
न रहो तो लिखना। तुम्हारे बापूजी का उसको [illegible]
[illegible] भी मिला है तुम्हारे पत्र लिखा था इसलिए
से साथ में लिख गया होगा।

कभी [illegible] पर [illegible] सा होता है पर होता है
कि [illegible] लेकिन [illegible] भी [illegible]
नहीं रहा है [illegible] घर पर भी नहीं रहा है। अब तो [illegible]
कभी तुम लोग आवोगी और [illegible] रहना होगा [illegible]
लेंगे। कुछ [illegible] नहीं होता है लेकिन अच्छा
[illegible] दिन [illegible] थे। यह [illegible] था कि [illegible]
दिन भी [illegible]। [illegible] तो कुछ भी नहीं होता है
[illegible] भी [illegible] होता है। सब दिन तो [illegible] नहीं रहते हैं

यह लिखाई मैंने अपने शरीर से परेशान होके है।
सब [illegible] ही [illegible] है। अच्छा लिखना [illegible] ~~[illegible]~~
[illegible] होता है। [illegible] में भी [illegible] भी बहुत
[illegible] है। [illegible] से [illegible] राम राम(?)।
[illegible] लाल तुम्हारे [illegible]। अच्छा लिखना
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]
[illegible]वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated [illegible] 197[illegible]

प्रिय बेटे शैल [illegible] प्यार बहुत सा प्यार

मेरा तुम्हारा पत्र आया था इससे उपर लिखा था
तुमको मिल गया होगा। शायद अब तक मैं तुम लोगों से
पत्र आया होगा पत्र से देख कर बहुत ही प्रसन्नता होती है

तुम्हारे बच्चा भी ठीक से ही पल रहे हैं हमारे
बच्चे भी ठीक ही चल रहे हैं जो भी हमारे डा. लोग
बताते हैं विचार वही करते रहते हैं। इस विचार में
है [illegible] हमारे [illegible] जिन्दगी में नहीं हमारे भी उन की
[illegible] से बाहर आ ही रहे हैं। अब तो [illegible]
[illegible] हमारे [illegible] रहते हैं

इतना फैसला ठीक ही आया है। वैसे तुम
लोगों को तो बस याद करते ही रहते हैं।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। यहाँ पर तो
अभी बारिश शुरू नहीं हुई है। वहाँ पर तो ठंड लगना
पड़ना शुरू हो गया होगा। और बर्फ पड़ना शुरू हो गई
होगी। २४ नवम्बर से [illegible]। [illegible] [illegible] का दिन था

और रघुनन्दन को [illegible] की प्यारी को ~~गलत~~ दिजिये

यहां पर सुनीता ने रघुनन्दन की फोटो डा॰ ने

दिखलाई तब से डा॰ को दोनों हथेलियों को चूमना

जा था। जैसे सुबह को गलेकी के छिड़क देगा

दिये थे यहां पर यह जनता है सब कोई पास में ही

मिलती है। सब बड़ों को हमारा आशीर्वाद व प्यार

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभचिन्तक

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Nov. 27 1979

बेटी गुड़िया। खुश रहो

आज तुम्हारा Birthday है।
तुम्हारी बहुत याद आ रही है
मैं तो कुछ भी नहीं कर सकता
सिवाय दूर से आशी-
र्वाद। मैं ठीक ही हूं।
बीच में कुछ बुखार आ गया था
अभी खुद कोई बात नहीं
है। खांसी जरूर काफी होगई
है सो धीरे धीरे जाती ही
रहेगी। यहां पूरा ठंड होने
लगी है। वहां तो बहुत

ही ठंड होगी। यहाँ तुम्हारे
ठीक-ठाक पहुँची होगी।

तुम्हारा पापा

Enclosure

मैंने पिछले letter के
साथ तुम्हारी नौकरी और
कार के कागजों की प्रति
भेजी है। बाकी आवश्यक पेपर्स
के bag से Delhi से पता
होगा।

Daddy

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Nov. 27 1979

बेटा मंजू। (बबलू)

तुम्हारा letter कई दिन
से नहीं आया। शायद
आज की डाक से आजावे
तुम लोगों का पिछला letter
कई दिन हुवे तब आया था।
मैं ठीक हूं। कमजोरी है सो
ठीक हो जावेगी। आज बेटा
गुड़िया का birthday है
तुम लोगों की याद आरहे हो।
वहां तो उस बीमारी का

शुरू से ही पढ़ाई को
लिया जाना पड़ा होगा।

तुम्हारा बाबा
धनपतराय

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~

Dated 3 / 11 1976

चिरंजीविता गुड्डिया तुमको हमारा नाना का प्यार व आशीर्वाद।
तुम्हारा पत्रिका का लिखा हुआ पत्र हमको कल
शनिवार को मिल गया है। और हम बेबी की शादी का शुभकामनाओं
को नहीं भी हमको कहे ही लिखा है ... तो ... नहीं तो देखकर
बहुत ही प्रसन्नता हुई। तुम लोग भी कितना ध्यान रखती हो
यही भी सुन्दर है।

तुम्हारे नाना जी ठीक ही हैं। लेकिन जब से गिरने से
उनके हाथ पैरों में दर्द सा चल रहा है उनको और डा. ने
दिखलाया है उन्होंने पेट का दर्द बतलाया है वैसे चिन्ता
की कोई बात नहीं है। हमारे बेटा बाबर सी ही गए हैं

बेटा तुम्हारा लिखना ठीकठाक ही है और तुम्हारे नानाजी
को अपना बहुत ही ध्यान रखते हैं और तुम सबसे ही मिलन
की चाह से बहुत चाहते हैं कि जल्दी मेरे बच्चे याद में ठीक हो
रहें। पता नहीं हमको तुम सब मिल कर कितनी प्रसन्नता होगी
ईश्वर करे वह दिन शीघ्र ही आये और तुम्हारे नाना जी तुम
सबसे मिलें। हमारे बेटा विजय बाबर ... पर डा.
बेटा बतलाते हैं और जो भी हमारे बतलाते हैं वही बाबर

रहे रहे हैं अपनी जिन्दगी में विचारों से कभी भी इतने
रवारि नहीं आये की और रहे विचार होने का तो सवाल
ही नहीं था। फिर अब ज्ञान तो होता ही रहता है। सब ईश्वर
ठीक ही करेगे। अब यहां पर २६ - २ आग पड़ना शुरू हो गया
है वैसे मकान में धूप तो रहती है। पर सब
दरवाजा बन्द कर देते है तो ठण्डा भाग भी अन्दर नहीं
आता है। वैसे भी सारे काम अन्दर ही अन्दर होते हैं
तुम ने कुछ भी काम नहीं किया है। विद्या तुम्हारे
यहां का खर्चा भी कैसे चलता होगा। आज कल तो
यहां पर फिलहाल की वजह से सब सामान बोहत हो रहे
हैं। खाने का सब पता आपका भी बन्द होने है। लिखना
था कि बहुत दिन रवारि खाते हुये हो गये हैं अब तो चला
है रवारि छोड़ दी। आज कल काफी जगह बिजली जाने की
बहुत ही परेशानी है। फिर किसी समय बिजली के पानी आ ही
जाते हैं। रोज के लिये है कि रात को ११ बजे बिजली
जाती है और सुबह ५ बजे चली आती है ऐसे ही यहां पर पानी
की बहुत परेशानी है। पर इस दिनों में यह पता होता तो पानी
न बिजली की बहुत ही परेशानी भी वैसे भी इस्त्री में [illegible] दवाई
को ४ बजे पानी बन्द होने पर सब इसके घर पर रहता था
अब तो पता नहीं किसी परेशानी होती।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

फोन पर इसके इन्तजाम भी तो
बेशकीमती नहीं है। आराम से सोते हैं यहां पर तो चार बजे सुबह
से ही पानी की चिन्ता रहती थी। वैसे तो यहां पर इतनी किसी
बात की परेशानी नहीं है। बस और देखो सिर्फ तुम लोगों की
याद अक्सर बहुत उदास सा हो जाता है।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक ही ~~[illegible]~~ चल रही
होगी। अब तुम यहां पर आकर रोज लेना पड़े मकान
के पास से ही दिख जाते तो अच्छा है लेकिन सब बातें सब
पर की इच्छा पर नहीं होती है। दिल्ली में तुम्हारी पढ़ाई
बहुत अच्छी चल रही थी वापस में रहने से तुम्हारे
ठीक पता नहीं चला है। दिल्ली से भी तो दूसरा गाँव के
तुम्हारे लिए हसीन को शायद दिलचस्प लगी थी वह भी तुम
को ~~[illegible]~~ पसन्द आ गई होगी। अब तुम्हारे और के
साथ रहने में और अब बाहर में रहने की कोई बात तो नहीं है
उस की मदद करो या खूब ध्यान रखा करो। बाहर आने पर
बड़े लोगों से मिल पहन कर आपस की दुकान तो देखो
पास है जो निकलो नहीं बाहर तो अच्छे ही रहो हैं

ऐसे लोगों को इस बात का अभिमान है कि

विचार विमर्श आदि से और तो नहीं आते मानते हैं

इतने बरस से मैं भी यहां नहीं आती हूं। और इतना

पर भी यहां जाना रहता है कि मेरे पास ही बैठा रहे

तुमने २८ सितम्बर को जन्म दिन पर क्या रखा था

इसको सारे दिन बस याद ही करते रहे।

जिस तरीके से सोच लिया होगा। हम दोनों को

हमारा आशीर्वाद। प्रिया सुलोचना को तुम्हारे प्यार

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। मैं तो सिर्फ इतना लिखकर

ही लिखती तो नहीं जानती हूं। बस आज कुछ याद आ रहा है

कि तुम्हारे साथ मैं बैठते थे। तुम्हारी अम्मा।

और जब जब इस विषय पर तुम्हारा बाबा

सवार हो गए हैं ईश्वर करेंगे और हमारे पास के लिए

कहीं दिन आएंगे। तुम सबको लिखना पत्र बताकर

तुम्हारे पास के तुम्हारा बाला भी ठीक ही होगा।

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 3.1.[illegible] 197[illegible]

प्रिय बेटे [illegible] तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार व आशीर्वाद

तुम्हारा 20 का लिखा हुआ पत्र हमको [illegible]
को मिल गया था पत्र में कोई [illegible] ही [illegible]
और [illegible] को बहुत ही याद करता है। तुम्हारे [illegible]
[illegible] ही चल रहे हैं [illegible]
में रही हो गया है [illegible] डा. को दिखलाया है उन्होंने
[illegible] ही बतलाया है [illegible] बता रहे हैं [illegible]
[illegible] में ही होते हैं फिर [illegible] जैसे ठंड आ गई है
[illegible] भी तो कोई बात ही नहीं है कपड़े [illegible]
पहने होते हैं [illegible] बिस्तर पर ही बैठे होते हैं [illegible]
बाहर के धूप में कुर्सी पर बैठ जाते हैं। [illegible]
को सुबह बहुत ही प्यार करता है और अपने प्यारे
बच्चों को [illegible] देखना है [illegible] हम लोगों को
यह इच्छा पूरी करोगे। [illegible] शायद
दिसम्बर में यहां पर आओगे। यहां पर मेरा [illegible]
[illegible] है ही लेकिन [illegible] ही [illegible]
है [illegible] नहीं देते हैं

बाहर स्टोव जलाना पड़ता है जिससे बहुत भारी

परेशानी से ही मिलता है। तुम जितना पत्र [illegible] तुम्हारे

माता जी [illegible] [illegible] लोग बतलाते हैं कैसे हो

[illegible] रहता है। इतने तो [illegible] [illegible] के तुम लोगों से

मिलने के लिये बहुत ही इच्छा है वह ईश्वर [illegible] है

कि जल्दी ठीक हो जावें। पता नहीं तुम लोगों से मिलना

इतने जल्दी [illegible] होगा ईश्वर ने चाहा। दिन [illegible]

हो जावें। आज 30 दिसम्बर है [illegible] [illegible] का दिन भी है

इसलिये। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] देंगे। और तुम्हारे से

[illegible] ने लिखा भी है। तुम्हारे माता जी को बुखार तो नहीं है

और [illegible] [illegible] होता है और जल्दी ठीक हो जाता है

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

[illegible] [illegible] [illegible] से आ गये हैं [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] से [illegible] लिए [illegible]। [illegible]

[illegible] है। तुम्हारी [illegible] [illegible] ही [illegible] हो गये। तुम

अपना [illegible] ध्यान रखना [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] बहुत ही ध्यान रखते हैं

सब बच्चों को तुम्हें प्यार। समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

[illegible] वती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
44 EC Road
Dehra Dun

Dated Dec 1 1979

[illegible] प्रिय [illegible]

तुम्हारा 19.11.79 का लिखा

पत्र आज मिला। मैं

को इतना परेशान [illegible] है

है। मैं ठीक हूँ कोई

परेशानी की बात

न हो। कमजोरी में

थोड़ी बहुत बातें मानसिक

ही रहती है पर दिमाग

[illegible] नहीं [illegible] है। नौकरी को शायद

[illegible] को मिलना होगा

मिले नहीं [illegible] हैं।

[illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 [illegible] Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Dec 1979

My dear Sushil
Recd your letter of 20th Nov. The almonds have been received here.
The weather there must be cold and but it must be gay because of X'mas.
I have got a little congestion in the back for which I have to go for another X'Ray. There is however No cause for worry. Since just [illegible] 6 years

information.

with compliments

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~
44, E.C. Road
Dehradun

Dated 1979

प्रिय भानु। विजयेन्द्र

तुम नागर का गये

कोई मिलना Letter

मैं 20/11 को मिला।

इस समय ठीक है। कोई

परेशानी की बात नहीं है।

मैं तो परेशान नहीं होता।

तुम क्या [illegible] करते

हो। प्रकाश का बहादी

रेणु की कहानियों से
भूख सजीव हो गया
भाषा में।

प्रेम और यश

ज्यादा ठंड तो नहीं है पर
मौसम ठंडा हो रहा है।

पत्र की प्रतीक्षा में।
आपका ठंडा रहेगा।

रामस्वरूप
[illegible]

1/12/79 आदरणीय डाकटर साहब व माताजी

के चरणों में नमस्कार - बड़े भाई साहब

को भी नमस्कार —

मैं जिस दिन से आप की सेवा में हाजिर

हुवा था - व आप का प्रसाद पाया है साथ

आशीसके :- उस दिन से मैं कुशल हूँ

दवाई की जरुरत नहीं पड़ी -

आज मैं श्री कुन्ज बिहारी जी

के अलका की मां की दवाई लेने गया था

दवाई देने से कि हमारे यहाँ दवाई नहीं

दी जाती है / मगर आप का पत्र देख

कर व परीचे पाने पर फोरन ही दे दी

डाकटर कुन्ज बिहारी जी ने

फरमाया है कि आप का कोई पत्र

नहीं आया पत्र डाला था उत्तर नहीं आया

उन को आप की काफी चिन्ता है

उन के पास पत्र में हाल लिखें —

बड़ी महरबानी होगी

आप का

सेवक

सुरेश आर, जाकावेत
मेरठ

सब को हाथ जोड़ कर

नमसकार

अपना हाल जरूर लिखें

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 13.1.1978

प्रिय बिटिया सौभाग्यवती रहो।
हम सब यहाँ पर ठीक हैं। तुम सबको भी
ईश्वर कृपा से सदैव सुखी चाहता हूँ।
तुम्हारा पत्र आया था मैंने उत्तर दे दिया था
तुमको मिल गया होगा। इसके बाद तो न गुड़िया और
ने भी पत्र आये थे हमने इतने पत्रों का उत्तर दिया
था मिल ही गये होंगे।
तुम्हारे बापू जी ठीक से ही चल रहे हैं केवल
जब मौसम में रोग आता है तो कुछ न कुछ तो
चलता ही रहता है। इतने शारीरिक ठीक हैं जो रहे या
जब पहिले से काफी ठीक है। उनका [illegible] भी आ गया है
वैसे तो [illegible] का वह नहीं है [illegible]
आया है। वैसे ही ठण्ड [illegible] से हो गया होगा। [illegible]
भी तो है। उनका [illegible] ही है कभी तो बन्द
हो जाता है और कभी ठीक हो जाता है आजकल ठीक
हो रहा है। मेरे चिन्ता की तो कोई बात नहीं है
उनको [illegible] नहीं ही इतना लेना कर रहा है
बिटिया को भी कोई तकलीफ है उसको लिखवाना

है पैसा भी पूरा ही जा रहा है और विचार
परेशान सा भी रहा जाता है। लेकिन और कुछ बात
भी तो नहीं है। इनके न पुरखा के पास इतनी
बातों की इतनी सहूलियत भी तो नहीं है। इन
यहाँ पर यह कहा जा सकता है कि इसकी रियायतन
से सारे लोगों ने सपने वाले दिन चले हैं
और और जगह होते तो दुबारा पर बोलता।
यह तो विचार कुछ भी नहीं कहता है लेकिन
इतना ही ज़रूर होता है कि उनके बच्चे पर हिसाब
और पड़ गया है। जैसे यह लड़का रहता हिम्मतवाला
है। और रिश्ता भी निभाने वाले लोग आपस में
आप ही जाते हैं। मैं तो इतना आज में ही रहता हूँ।
इसे तो विचार इन बच्चों के गुजरा बीता में ही
बहुत परेशान हैं बातों को सब बातों का यह भी विचार
रहता ही ज़रूर जानता है। पता नहीं यह मामला कैसे
निबटेगा। अभी २ निर्मला के पप्पू का पत्र आया है
पप्पू बी. ए. में फर्स्ट डिवीजन से पास हो गया है
और अभी तो उसको किसी जगह पर जॉब मिल
जाए पै लेकिन कुछ दिन के लिये दिल्ली गये हैं।

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

जल्दी ही ५००) लिखेंगे।

Dated.................197

गलत है जो भी लिखेंगे। खाना है तो ठीक है।

मैं गुड़िया शैल को इसकी बाद में पत्र लिखूंगी

आशा है कि दोनों बच्चे ठीक होंगे। और इनकी

पढ़ाई भी ठीक ही चल रही होगी। गुड़िया की

तबियत अब अच्छा होगा है। और शैल का [illegible]

ठीक ही होगा। तुम्हारा [illegible] भी ठीक होगा

[illegible] कि नरेन्द्र जी का पत्र आया है उनको पत्र

तो भी उत्तर देना है [illegible] का पत्र आया था [illegible] है

वैसे हमारे तो विचार भी चलते ही रहे हैं

[illegible] शायद मुझे नवम्बर में यहां पर

आयेगी। [illegible] २४ता० को लखनऊ [illegible]

देने जायेगा शायद [illegible] को ही [illegible]

वैसे मुझको ठीक पता नहीं है। इसकी दोनों

[illegible] के [illegible] चल रहे हैं यहां पर

[illegible] का इलाज चल रहा है

लेकिन मुझे मालूम नहीं होता है आँखों में
जलन सी होती है। यह ऑपरेशन से भी
ज्यादा को इनकी आँख दिखलायेगा।

तुम्हारे इतने रुपये ज्यादा क्या जितने
ज्यादा होते हैं तब इतनी नहीं बात बताते हैं
ऐसा सुनते हैं कि शायद दिवाली बाद इनकी
शादी कर कर जायेंगे। वैसे अभी पक्का पता
नहीं है। चिन्ता तुम्हारी अपनी रखना
मेरे सुशील को मेरा आशीर्वाद।

प्रिय गुड्डा रोज को इस तरह [illegible]
का प्यार। बच्चों को नमस्ते।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
इनाम भी

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Dec 4 1979

बेटा गुडिया खुश रहो।

तुम्हारा job तलाश करने की परेशानी चल रही है। मुझे उम्मीद है कहीं मिल ही जायगा। हां नहीं आइ कुछ दिन नौकरी adjust करने में मैं help दे सकता हूं। तुम्हारा नोट पैड वालों को वहां मैंने भेजा था मालूम नहीं पहुंची या नहीं।

~~तुम्हारा बाबा~~

दादाजी

44, E C Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Dec 4 1979

My dear Sushil

No letter from any of you this time. Must be due to postal delays.

I had written of some back pain in the last letter. X'Ray report shows no Pneumonic complication and only some congestion, so there is no cause of worry. I am better now but the pain will take some time. Injections

& medicines are going on.
Subodh is doing every
thing possible to give
relief to me. So he
had to run for doctors
when there is any complications.
He even has to miss
the office. You shouldn't
worry.

with love
Yrs affly
OSG

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~ 44, E C Road
~~MEERUT~~ Dehradun

Dated Dec 4 1979

बेटा प्रेमू खुश रहो

कई दिन से तुम लोगों का पत्र
नहीं आया। डाक वालों की
ही गलती होगी। चिन्ता
की बात नहीं है। मैं ठीक ही
चल रहा हूं। थोड़ा बहुत
परेशानी तो इस हालत में
होती जाती है ठीक हो जाती
है। तुम चिन्ता ना करना

तुम्हारा बाबा

[signature]

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ...22...197८

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको बहुत बहुत प्यार

२० तारीख लिखा हुआ सुशील व रोहित का पत्र हमको मिल गया है इसके साथ पत्र लिख रहे है।

सुशील ने पत्र में यह बात भी लिखी थी कि उन्होंने जन्मदिन पर छोटी सी पार्टी दी थी लेकिन तुम तो स्कूल चली गई थीं वहां पर भी जन्मदिन पर कुछ प्रोग्राम होता होवे है या वहीं इस बार वहां पर याद ही करते रहे।

तुम्हारे बाबा ठीक ठीक से ही चल रहे हैं हमारे भी सब ठीक ही चल रहा है।

तुमने अनुपमा के बारे में पत्र लिखा है कि वह खूब पढ़कर लिखती रहती है। वह लिखती थी कि गुड़िया बाबा जी ने चिट्ठी में बहुत ही सुन्दर लिखा है बिटिया तुम इतना सुन्दर लिखना जानती हो पहले स्कूल में पढ़ी थी व यह है तुम्हारे बाबा जी जरूर ही दिखेंगे उन्होंने तो अनुपमा से अपनी फोटो भेजी थी उसने वह पत्र नहीं लिखा है। वे वहीं तो नहीं रही थी कि उनने

किन्तु ने तो अपनी फोटो भेजी है अनुपमा ने भी नहीं भेजी है लेकिन उसने यह तुम्हारा पता नहीं लिखा है।

विपिन तुम्हारा शरीर ठीक चल रहा होगा।

इसको कभी कभी तो तुम सबों की बहुत ही याद आती है ईश्वर जाने वही दिन फिर आवेंगे।

पवन। तुमको आशीर्वाद व प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २१।१२।1978

चिरंजीविता लीला सदैव सौभाग्यवती रहो

२८ ता. का लिखा हुआ तुम्हारा पत्र हमको ६ ता. को मिल गया है। पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। सुशील के पत्र से ज्ञात हुआ कि २८ नव. को गुड़िया के जन्मदिन पर उसके यहाँ छोटी सी पार्टी रही थी। सुशील ने लिखा था कि गुड़िया तो स्वस्थ हो गई हुई थी। हम को उस दिन बहुत याद ही आते रहे।

तुम्हारे बाबूजी आजकल ठीक ही चल रहे हैं वैसे कमजोरी में कुछ ना कुछ तो चलता ही रहता है। बीच में तो काफी ठीक रहे हो गये थे लेकिन कमजोर होने पर शरीर में कुछ ना कुछ रोग लगा ही रहता है वैसे अपने आप सब ठीक ही कर रहे हैं सुबह यहाँ डा. को दिखला चुका है। वैसे भी डा. लोग कहते हैं [illegible] व स्नायु कमजोरी सब। वैसे ही चल रहा है। कमजोरी में ऐसे रुग्ण ऐसे ही हो जाते हैं।

कितने दिन से गांधी नगर में रह रहे हो

है विश्वास भी आशा है लेकिन उसके ठीक होने
की नहीं उम्र है उसके इन्जेक्शन भी लगा रहे हैं
और दवाई भी दे रहे हैं। मेरे ख्याल से ही आखिरी
दम है। चिन्ता क बात ही उम्र से रहते हैं
जिन्होंने लिये कुछ खाना नहीं और भी एक हालत
खाना पर छोड़े हैं। एक हिम्मत से नहीं उठता है
कि कुछ बोलता है उनके पास बैठ हो रहे। और
नए से ना रहे। एक किसी दिन से उसका खाना
तो नहीं ले रहे हैं। बाद किन गये हैं। तोड़ने
वाले जमीर चमनी बाबूद को बैठे यहाँ पर आये
थे बड़ी बहादुरी से गये हैं।

रीता इलाहाबाद जा रही है। पता नहीं कितने
दिन के लिये जा रही है पर हम देख लेते तो उसके
लिए कुछ भेज ही देते। लेकिन यहाँ पर तो लाचार हैं।

मेरठ में कुछ उन लोगों से बहुत ही जल्दी जा रही
हो। उन्होंने कह दी थी सभी गर्म कपड़ों को मेरा गर्म
सिलवाओगी भेजोगी हो। इन्दा सिखाने भी बहुत हो
जाती है। कुछ महीने से उनके प्यार भी बहुत ही है।

अभी तो तुम्हारे भेजे हुए बराबर आ ही गये हैं फिर
कोई आयेगा तब भेजा जायेगा। बराबर तो नाम से कुछ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

बच्चों के ही नाम में लगते हैं।
अब तो तुम्हारा भी कुछ सामान देखने को रहता है और साथ
भी चलता है लेकिन वे आने को नहीं कोई [illegible] होता है
और यहां पर तो इसका पता ही नहीं चलता है किसी के
आने का। देहली में तो सारे पत्र आया [illegible] को लिखी बात के
लिखा रहे वह कुछ [illegible] कुछ देखा भी रहे थे यहां पर
तो सब बिल्कुल ही बेकार हो गये हैं। वहां पर तो
इसका लेन देन होता था। यहां पर तो पत्र पास रखे
बैठे जाते हैं और [illegible] सोचा ~~[illegible] [illegible]~~ है आवेगा। जो
भी इस देहली में होने को [illegible] कुछ से कुछ
देखते ही रहे। अब तो बहुत सि बाद [illegible] कहने
वाला भी क्या है।

हमारे दोनों आंख में बिमारी हो गई है डा.
लोग कहते तो यही है कि यह बिमारी ऑपरेशन से ही
जाती है। पिताजी तो भी अभी पुरानी बिमारी आंख की है
उसी की इलाज होता रहता है।

तुम अपना खूब ध्यान रखना।

तुम्हारे बाबूजी का तुमको आशीर्वाद। सुशील को

मेरा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभाकांक्षी

प्रकाश वती

रेलवे रोड

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 1.3.1 197[illegible]

प्रिय बेटे शील तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

[illegible] कुशल का बहुत दिना समाचार नहीं मिला। हमने एक पत्र दिया था तुम शायद नहीं लिख सके होंगे।

मेरा तुम्हारे नाना जी ठीक हो रहे हैं। और हमारे [illegible] भी डा. [illegible] बहुत हैं [illegible] बराबर ठीक हो रहे हैं जिन्होंने हमको [illegible] में बहुत [illegible] हमारे [illegible] की। एक विचार [illegible] से मालूम पड़ा हमारे [illegible] रहे हैं जो भी डा. लोग हमारे बतलाते हैं वही [illegible] रहे हैं। तुम लोगों से मिलने की इच्छा से विचार यही कहता है कि मैं [illegible] भी जल्दी से ठीक हो जाऊँ। और आशा है कि ईश्वर हमारी यह इच्छा पूरी करेगा।

और बेटा मैं भी अपना बहुत ही ख्याल रखता हूँ क्योंकि उनसे हमको [illegible] भी तो जाना है। और फिर तुम लोगों से भी तो मिलना ही है।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक हो रही होगी अब तो [illegible] क्योंकि थोड़ा पढ़ने जाना होगा और

बड़े बड़े आदमी थे गये यहाँ पर भी सब गड़बड़
गड़बड़ होजाता है लेकिन यह उत्सव है ऐसे हो इसमें
बड़े से खूब हो जाती है। यह उत्सव लेकिन ध्यान रखकर
जब रहे कोई पैसा ना व्यर्थ जाना चाहिये।

लेकिन लिखना भी और पहले ठीक चल रहे हैं
सब का तुम्हें प्यार व आशीर्वाद।

प्रत्युत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~ 4 E.C. Road
~~MEERUT~~ Dehradun

Dated Dec 7 1979

बेटी रितु प्रिये। प्रिय श्रेया।

क्या हाल है तुम्हारा?
पिछले को बार तुम्हारी birthday पर पार्टी हुई थी तुम्हारे पापा ने लिखा खत में लिखी है। मैं तो कुछ भी कर ना सका।

हम को आजकल सर्दी बहुत कड़ी पड़ रही है।

मैं ठीक हूं चिन्ता ना करना।

तुम्हारा दादा।
[signature]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated ~~Dec 7~~ 1979

My dear Sushil

Your letter of 27/11 was received. I don't know why two letters are received there by one bag when they are always posted separately.

You need not worry about my health. I am better now though the congestion in my back troubles me but it should not cause worry. It takes time to cure at the stage of my age and health. Everything is

being done to release me of the trouble & I am sure it will Cure and that I shall again gain weight.

with love to all
Yours affly
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

54, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Dec 7 1979

बेटा ठीक । खुश रहो

पत्र की बात तुम्हारा letter नहीं था । तुम्हारी छुट्टी हो गई पर क्या बात थी ? मैं उम्मीद करता हूँ तुम ठीक होगे । पर गुड़िया का भी letter नहीं था उसे को जवाब भी लिखा होगा । मैं ठीक हूँ चिन्ता न करना ।

तुम्हारा बाबा

[illegible]

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~

Dated 22/12/1978

डियर [illegible] गुड़िया तुम्हारा प्यारा बहुत लाड़ला [illegible]

तुम्हारा [illegible] पत्र [illegible] मिला हालचाल ज्ञात हुए
इम्तहान के [illegible] हैं। तुम्हारे [illegible]
[illegible] तो [illegible] तुम लोग [illegible]
[illegible] है कि तुम्हारा [illegible] है।

तुम्हारे नाना जी ठीक ही हैं। लेकिन [illegible]
[illegible] हो रहा है [illegible]
[illegible]
[illegible] नहीं है। [illegible] नहीं है
लेकिन [illegible] है। [illegible]
[illegible] नहीं [illegible] है।

यह जान कर प्रसन्नता हुई कि तुम्हारी तबियत ठीक है।
तुम्हारे नाना जी [illegible] ही रहे हैं
[illegible] डा. लोग [illegible] हैं [illegible] रहते हैं
[illegible] नहीं [illegible]
[illegible] डा. लोग [illegible] नहीं जाते हैं। [illegible]
[illegible] हैं। [illegible] रहते हैं [illegible]

उसे बच्चों को निकले बाद से देख लूं। उनके विचार से
इत्तफाक है। ऐसे भी होता ही रहता है। बीच में बन्द सा हो
गया था। मेरा [illegible] 7 दिन चिन्ता मत करना। [illegible]
भाग्य में लिखा है। उसका तो यही है कि तुम्हारे बाबा भी कुछ के
अनुभव ही मिलेंगे। सुधीर ने भी लिखा था कि आप [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] ठीक से [illegible]
पता चल जायेगा क्या लिखाई है। लेकिन जब इस विभाग
में इतने आनन्द नहीं है।

अब तो यहां पर भी अब गर्मी पड़ने लगा है
वहां पर तो बहुत ही गर्मी शुरू हो गया है ऐसा लगता भी
होते नहीं हैं। [illegible] अपना ख्याल रखना [illegible]
[illegible] पर [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

नीरा ने पत्र उसका [illegible] उसमें लिखा था कि
[illegible] का भी [illegible] [illegible] पत्र आया है उसमें पत्र का उत्तर
देगा। वह शायद डा. को दिखलाने बाजार जायेगा।

यह जान कर प्रसन्नता हुई कि तुम्हारा अच्छे दिन [illegible]
बाद से मनाया गया है। अबकी बार शायद तुम्हारे बाबा भी
कुछ पत्र तो लिख सकें और इसलिए तो बाद से गया [illegible] है
है [illegible] के चिन्ता मत करना।

पढ़ाई पर [illegible] ध्यान देना। तुम्हारे बाबा की ओर से तुमको
आशीर्वाद व प्यार।

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated १९। १२। 197६

प्रिय बेटे सुशील तथा प्रसन्न के चिरंजीव रहो

तुम्हारा ८ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको कल मिल गया। सो तुम सबों के पत्र से सब समाचार ज्ञात हुऐ।

यह जान कर प्रसन्नता हुई कि तुम लोग घूमने के लिये बाहर घूमने जा रहे हो। बेटा तुम सब जगह घूमना परन्तु क्योंकि है कि जगह को फिर बारबार यहां आना जाता है अब भी ईश्वर की कृपा से तुम साहिल की तरफ से रवाना हो गये हो। यहाँ तो अपने भाग से और घूमने के लिये आये है। हम ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम लोग भी वहां से आराम से जाओ और यहां पर हम सब भी ठीक रहें।

बेटा २५ दिसम्बर को तुम्हारा व सरोज की शादी थी। २५ दिसम्बर की शादी का तुमने व सरोज ने हमारी शुभ कामनायें। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम दोनों की जोड़ी बनी रहे और। तुम सब आप खुश रहो और प्रसन्न व चिरंजीव रहो।

शायद अभी चार तुम्हारे बाबूजी पत्र न लिखें क्योंकि गर्मी बहुत ज्यादा है इसके अलावा ज्यादा कमजोर से हो गये हैं। लिखते तो सुबह के चार ही बज गये हैं बैठे होते हैं। हमारे बगीचे तो सब ठीक ही चल रहे हैं। जो भी हमारे डा. बीरबल बतलाते हैं निरंतर वही उनकी बातचीत से रहे हैं। क्योंकि सबको निराशा बहुत चाहते हैं कि वह भी अपने बच्चों को देखकर। ईश्वर उनकी इच्छा जरूर पूरी करेगा।

इतना लिखने के पश्चात ये आशीर्वाद। प्रिय गोविन्द गौरव को इतना बहुत सा प्यार। पत्रोत्तर जल्दी ही देना।

तुम्हारी शुभचिंतक
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

॥ देहरादून

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ११।१२। 197६

चि० बेटे शैलू तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद।

तुम्हारा ४ तारीख को लिखा हुआ पत्र प्राप्त हो गया है पत्र से सब समाचार ज्ञात हुये।

तुम्हारे बाबा मेरठ से ही हैं यहां आने से खांसी दमा होगया है वैसे चिन्ता की कोई बात नहीं है थोड़ा कमजोरी सी आ गई है। चिन्ता की कोई बात नहीं है। इस लिये तुमको शायद पत्र नहीं लिख सकेंगे।

तुम्हारी व गुड्डिया की बड़े दिन की छुट्टियां चल रही हैं। जैसा कि तुमने लिखा था कि हम लोग २२ तारीख को बाहर घूमने जायेंगे लिखना गये थे क्या और कहां से आकर पत्र लिखना तुमने कहां पर क्या २ देखा है। उसके बाद के प्रोग्राम पर जाना था या इरादा बदल दिया। और लोग भी तो तुम्हारे साथ जा रहे होंगे। सब अपने गरम कपड़े पहन कर जाना क्योंकि अब तो वहां पर जाड़ा ज्यादा पड़ने लगा है और बर्फ भी पड़नी शुरु हो गई है।

सतीश संजीव को भी दिसम्बर में छुट्टी होगी लेकिन उनको पता नहीं है कौनसी तारीख से होंगी

स्नेह को २४ दिसम्बर से कालका [illegible] देने जायेगा

शायद वे भी वहीं पहुँचना होगा। निर्मला भी शायद कलकत्ते में

दिसम्बर में आज ही यहाँ पर आवेगी। अब यहाँ रही सब बात है

इधर तो कोहरा ही, उधर तो खूब ही गिरते हैं।

तुम्हारे पत्र से सेवक बहुत ही आनन्द होता है

[illegible] नई रचना पढ़ती हूँ। मनी को मेरा प्यार व आशीर्वाद

है। वह अब तो आते ये ११ महीने की हो जायेगी। अच्छा है

[illegible] दिखाना तो अपना है कि यह दिन भी ठीक से ही बीते

इधर इस तरह हर दोपहर तुम सब ठीक हो।

प्रिय ज्योत्स्ना को हमारा दोनों का आशीर्वाद

ज्योत्स्ना ठीक होगी। तुम्हारे बाबा जी व मौसी [illegible]

आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

तारावती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २५।१२।197८

प्रिय चिरंजीवी गुड्डा [illegible] तुम दोनों को
हमारा दोनों का बहुत प्यार

इधर तुम्हारे दोनों के पत्र का उत्तर देरी [illegible]
और बाद में तुम्हारे बाबा जी तुम दोनों को पत्र नहीं
लिख सके थे क्योंकि उस दिन ज्वर रहता था [illegible]
[illegible] जिससे कमज़ोरी ने घेरा है पत्र नहीं लिख
सके थे और अब भी धूप का ध्यान है [illegible]
वजह से तुमको पत्र नहीं लिख सके हैं क्योंकि
धूप में बैठ कर तुमको पत्र लिख देते थे। तुम
दोनों उधर बाबाजी के पत्र को देख के निराश तो
हो होंगे शायद यह सोचा हो [illegible] है कि तुमने
इन्होंने पत्र नहीं लिखा है। उसका कारण मालूम है
लेकिन तुम लोग जितना पत्र [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] है कमज़ोरी के [illegible] से
[illegible] नहीं लिख सके हैं। आशा है कि तुम्हारा पूरा नहीं

होगा। इलाज बैठ रहा लेकिन जी डाक्टर और

बतलाते हैं कि वो रहे हैं। लेकिन पुत्र रह

कि पुत्र हो गया है। पता नहीं किस जगह

से रह होता है। अब यहां मकान देखा है। मैं

उसने बच्चों को देखकर ही सफलता प्राप्त है। सकते

यह इच्छा पूरी की लेकिन कष्ट में साथ में रही और

मेरे भरोसा अपने को कम नहीं है।

आज तुम लोगों को किलोमीटर को थोड़ा लिखा

थोड़ा बहुत तुम्हारे हैं पिछली बार भी इसी बात

को थोड़ा ज्यादा था देख को बहुत ही अच्छा लगा

लेकिन बात थोड़ी ही था तुम लोगों को पत्र नहीं

था। तुमने जो लिखा था कि सब की जगह से सारा

को बताए पत्रता से तुम्हारे लिए भेज रहा हूं।

लेकिन जवाब बाद लिखने को रखना। मैंने शाल

भी तब भेज रहा हूं।

प्रिय सुशील सौरभ को हमारा आशीर्वाद। तुम

दोनों ने तुम्हारे बाबा जी को बहुत लिखा है।

लोगों को हमारा आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारा जन्मदाता

प्रकाश वर्मा

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dated 25/12/1978

प्रिय सौभाग्य विदिशा सौभाग्यवती रहो।

ईश्वर से प्रार्थना है कि वहां पर तुम सकुशल होगी। इधर शायद तुमको हैरता तो अवश्य हुआ है मैंने गुड्डा बेटा से कुशल का पत्र लिखवाया था तुम्हारा [illegible] नहीं लिख किसने [illegible] रह जाना इसलिये [illegible] लेकिन अब इतना तो पता है। आज तक किन्हीं वहां रह रहे हो है इसलिये आज भी बच्चों को पत्र नहीं लिख रहे हैं हर किसी से ही तुमको पत्र लिख रहा हूँ। जैसे तुम्हारा उसे उनको भेजा हुआ त्रिलोकचन्द का नाम भी दिया है भी बहुत ज़रूरी है बहुत अच्छा लगा। लिखावट तो था कि पत्र भी होगा लेकिन पत्र नहीं था लेकिन नहीं ही था। फिर पत्र नहीं लिख देना होगा।

आज यहां पर धूप नहीं निकल रही है और गाना भी आज नानी हो रहा है। तुम्हारे बाबूजी और बाद को धूप में बैठ कर पत्र लिख देते थे। आज कितनी [illegible] पत्र लिखने की हिम्मत नहीं हो रही है

इस निःशुल्क रोग चिकित्सा पत्र [illegible] पढ़

इससे पता है कि कुछ [illegible] [illegible] तो पत्र को देख

कर किताब को ही छोड़ेंगे। अब [illegible] [illegible]

की कुछ बात नहीं चल रही है। लोकचिकित्सा

वाली कोई ऐसी बात नहीं है। यह तो [illegible] बढ़ता

चलता ही रहता है। जितना भी ज्ञान भारत में होता

है वह सब तो रहना ही चाहता है। [illegible] [illegible]

की खबर जैसा बतलाता है वही बराबर लिखते रहते

हैं। आपकी इतनी इच्छा रहती है कि मैं उन

बच्चों को देखूं। लेकिन देखना तो आता है

कि इतनी यह इच्छा पूरी हो। लेकिन वह मेरे साथ

में नहीं। [illegible] लोग सब ठीक ही चल रहे हैं

इस रोग की चिकित्सा पत्र वाले बच्चों को

दिखला करके रहना चाहिए भारत में [illegible] देखना

होगा तो देख ही लेंगे लेकिन [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] तो [illegible] [illegible]। [illegible] [illegible] [illegible]

के देश के [illegible] [illegible] [illegible] बात।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। [illegible] [illegible]

[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २६।१२।197६

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद

हम यहां पर ठीक हैं। तुम सबको भी कुशल ईश्वर से सदैव भली चाहती हूँ।

बेटा ३ जनवरी को तुम्हारा जन्म दिन है। बहुत ही शुभ दिन है। तुम्हारे बाबा जी का व मेरा व और सबका का तुमको जन्म दिन पर बहुत २ शुभ आशीर्वाद। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको १०० साल आयु लम्बी दे। ईश्वर तो खूब उन्नति करे। बेटा हम तो इस जरा से कागज पर भी तुमको शुभ आशीर्वाद भेज रहे हैं। बड़ी चीज तो हम भेज ही नहीं रहे हैं।

लिखना तुमने ३ जनवरी को अपना जन्म दिन कैसा मनाया। क्या २ बनाया व खाया था। हम तो बस यहां पर याद ही करते रहेंगे। बेटा हमारी ओर से भी मिठाई खा लेना।

प्रिय सुशील लोगों को हमारा आशीर्वाद। प्रिय गुड़िया को हमारा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Dec. 17 1979

चिरंजीव ईश्वरदास

मैं पहले दो letters
में कुछ नहीं लिख
पाया। 3.1.80 को ईश्वरदास
Birthday है उस के लिये
बधाई है। मेरी तरफ से
परेशानी का कारण रहा है
थोड़ा बहुत दर्द था
काम चलता रहता है
तुम्हारा [illegible] [illegible]

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २२।१२। 1978

चिरंजीविनी गुड्डन [illegible] तुम दोनों को बहुत बहुत प्यार
व आशीर्वाद

प्रिय [illegible] व [illegible] तुम्हारे पत्र मिले समाचार [illegible]

तुम्हारे ~~[illegible]~~ चाचा जी दो बार से तुम दोनों को पत्र
नहीं लिख सके हैं तुम कुछ चिन्ता व उदास मत करना। अब
[illegible] बुखार से [illegible] हो गये हैं [illegible] ठीक होने पर तुम्हें अवश्य
पत्र लिखेंगे। मैंने [illegible] बार से मैं ही पत्र लिख देती हूँ
[illegible] बार में चाहे मैं पत्र नहीं लिखती थी लेकिन तुम्हारे
चाचा जी तुम दोनों को अवश्य पत्र लिखते थे और कोई
बात नहीं है [illegible] ठीक होने पर तुमको अवश्य पत्र लिखेंगे

यह [illegible] कि तुम्हारा [illegible]
[illegible] बाद से [illegible] गया है। हम लोग यहाँ पर
याद ही करते रहते हैं।

[illegible] चाचा जी को [illegible] से चिन्ता मत करना
[illegible] तो [illegible] चलती ही रहती है
[illegible] खूब अच्छे [illegible] हो रहे हैं।
ईश्वर [illegible] कुछ दिन में ठीक हो जायेंगे।

[illegible] का पत्र [illegible] दिन [illegible]

उनको भी अलग पत्र लिखूंगी।

तुम्हारी पढ़ाई [illegible] चल रही होगी। ईश्वर से कामना है कि तुम्हारी पढ़ाई ठीक तरह से पूरी हो जाए। तुमने अपने जन्म दिन पर फोटो खिंचवाए थे तो एक पास भी भेजना। अब तुम लोगों की याद आती है तो बस फोटो ही देख लेते हैं।

तुम्हारे नाना जी का तुमको बहुत प्यार व आशीर्वाद।

परीक्षा शीघ्र ही देना। सबका तुमको प्यार। तुम्हारी [illegible] बड़ी [illegible] हो गए हैं यहां पर तुम्हारे काम वाले तो [illegible] गर्मियों में [illegible] तक तो काम नहीं हुए थे।

तुम्हारी [illegible]
[illegible] नानी।

सबका [illegible] पर [illegible] काम होने को रहा। इस विचार से भी सबका प्यार ही मिलता है।

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

[illegible]
[illegible]

Dated 22/12/1978

प्रिय बिटिया सदा सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए।

२१ दिसम्बर को प्रभात ने तुम्हारे बेटे की शादी का दिन है। इस बेटे को शुभ आशीर्वाद। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम दोनों की जोड़ी सदैव बनी रहे इससे पहले पत्र लिखा है शायद समय पर मिल गया होगा।

तुम लोग जब यहाँ आओगे तो बहार घूमने का रहे हो अच्छा लगता है। अच्छा है वहाँ पर जो जो चीजें देखने की हैं। देख कर ही जाना क्योंकि फिर जाना वहाँ बार बार कहाँ होगा वह तो ईश्वर की दया से प्रभात के यहाँ का जाना हो गया तो घूम आओगे।

यह जान कर बहुत ही अच्छा लगा कि तुम लोगों की साल गिरह खूब अच्छी तरह से मनाई है और की साल गिरह को भी अच्छी तरह मनाओ इसी सालगिरह पर प्रभात बताया जो लिखा इस को यहाँ पर ही सब खुश होते रहेंगे। ऊपर वाले जो भी मुश्किलें हों तो सब दूर हो जायेंगी।

तुम्हारे बाबूजी की तबियत ठीक है लेकिन

फोन नहीं लग रहा है इस भी रही जाती है क्योंकि
लगाते हैं आगरा से कट ही रहा है। मोहल्ला
गया यह जेठानी तीन चार दिन से हो रही है पेशाब
नहीं है तो ना ध्यान गिल गाद नहीं न लगा हुई है
और गाद पर असर तो आ रहा है। दोनों दूध से
बन्द करे तो तो कोशिश शा बोला लेंगे।
इधर बोला लव अच्छा बाद से चल ही रहा है
रहन को इधर के इन्हा बहन बना (३००) ने सीख
ते है। वैसे चिन्ता की कोई और बात नहीं है
ईश्वर कोई काम हो जायेगे।

विचार बहुत ही ठीक पाता है इनके
बच्चों को पत्र भी नहीं लिख पा रहे हैं। बच्चों
को समझा देना गया थी ठीक होने पर पत्र अवश्य
लिखेंगे। अब यहां पर जाड़ा पड़ने लगा है पहाड़ी जिला है
ज्यादा जाड़ा पड़ने पर इस बेग मेरे साथ लेते रहना
ईश्वर ही शक्ति देगा

निशा के उसकी बहू आते दिवस से घर पर रही
जाते हैं उसे जाने पर महाराज के बारे में पूछूँगी कि
कैसा वह बतायेगा तुमको लिख दूँगी। इनको पता नहीं
है तुम्हारे लव गा रहे हैं। तुम्हारे बाबूजी को तुम्हें व सुमित्रा
को आशीर्वाद। सबको नमस्ते। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २२।१२। *197*६

चि० भरे श्रीमान तैरन प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारे दो पत्र एक साथ मिले समाचार ज्ञात हुये। तुम्हारा भेजा हुआ चेक भी मिल गया है

तुम्हारे बाबूजी को बात से तुमको पत्र नहीं लिख सके हैं क्योंकि तबियत ठीक नहीं चल रही है व कमजोर ज्यादह हो गये हैं। हर समय लेटे ही रहते हैं वैसे तुमको पत्र न लिखने से परेशान से बहुत ही कुछ पाते हैं। ज्यादा ठीक होने पर तुमको पत्र अवश्य लिखेंगे। वैसे कुछ चिन्ता मत करना यहां और सब ठीक ही चल रही है।

२८ ता० को कुमुद यहां पर आपके आया था और ४ ता० को सुबह को हरिद्वार चला गया था वह शायद चंडीगढ़ भी गया होगा। और शायद लौटते समय पर राज व कुमुद यहां पर आयेंगे।

तुम घूमने गये होंगे और वहां से ठीक प्रकार से

आ गये होंगे।

तुम्हारे बाबूजी व तुमको दादी बहुत प्यार

पत्रजल्द शीघ्र दे देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २२।२२। 197६

प्रिय बेटे शैल तुम्हें हमारा बहुत बहुत प्यार व आशीर्वाद

तुम्हारा ६ ता० का व १० ता० का पत्र दोनों आज साथ ही मिले हैं। तेरा तो पत्र देख कर तो आनन्द बहुत ही प्रसन्नता होती है। हमने भी तुम्हारे जन्म दिन का कार्ड और तुम्हारे बाबा जी ने पत्र शुभकामना का लिखा है मिल जायेगा तुम्हारा जन्म दिन इतवार को है हम दोनों की तुम्हारे जन्म दिन पर शुभकामना। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम्हें पद बड़े प्राप्त होते रहें।

तुम कुछ चिन्ता मत करना तुम्हारे बाबा जी अब कमजोरी की वजह से तुम्हें पत्र नहीं लिख सके हैं अब भी ठीक होने पर तुम्हें पत्र जरूर लिखेंगे। तुम्हें पत्र का लिखने के वास्ते आप बहुत ही उत्सुक रहते हैं। कहते हैं मेरी ओर से बच्चों को तुम ही पत्र लिखना।

तुम्हारे जन्म दिन पर बेटा २ बजा का हम लोग यहाँ पर याद ही करते रहेंगे। यदि तेरा रिवाज हो तो फोटो खींच भेजना।

अब तुम्हारे बाबा जी ने उन दिनों से रहे लोगों है

तुम्हारे यहां पर आने के। [illegible] देखते हैं
वह अपने २ को बतलाते ही रहते हैं। मेरे प्यार
मामा को इन्दु जी सभी आप बतलाते हैं वहां आ रहे हैं
अब तो विचार अपने मामा यहां आते हैं विस्तार पर
ही आराम कर लेते ही रहते हैं। घर को अब आगे की
जगह से भी यहां विस्तार से उठने को जाते हैं।

तुम अब राजा को बहार अपने जाओगे। कहां
से आकर सब बातें लिखना यहां पर क्या मौसम
है। और यहां पर कैसा लगा है। तुमको भी अपने
घर से आगरा से समय बहुत कम मिलता है

तुम्हारे बाबा जी को व और सब को
तुमको आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

मेरी तबियत में अब यहां आया है तो तुम
लिखे है कि आपके पेट वाले तुम्हारी - तुम्हारी अम्मा जी
चन्द्रावती
को पत्र पूरा से देगा। दिया है। पेट से
तो कोई भी पत्र तुम्हारे का नहीं आया है।

नये वर्ष की शुभकामनाएं -

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, ~~VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 25/12/1978

प्रियचिरंजीव सत्येन्द्र-सुशील-गुडिया-शील- तुम
चारो को हम सबो की ओर से नये वर्ष की
शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम
सबो को नया वर्ष मंगल सुखदायी हो। बस यही
ईश्वर से तुम सबो के लिये शुभकामनाएं हैं।

आज क्रिसमस है वहां पर तो खूब
रौनक हो रही होगी। लेकिन तुम चारो तो
बहार घूमने गये होंगे और जैसा कि तुमने लिखा
था कि रहेना को ले लेंगे। वहां का मौसम कैसा
रहा और तुमने वहां पर क्या क्या देखा है सब
बाते लिखना। यहां पर हम सब ठीक हैं
तुम्हारे बाबा जी भी ठीक से ही चल रहे हैं

तुम सबो को हमारा आशीर्वाद व बहुत सा प्यार
[illegible] रचना को एक टाइम के लिये ज्यादा का
मिलना का पत्र आया है दस जनवरी को [illegible]
मिलना यहां पर आयेगी। पत्र देहली आयेगा

नीरज भी शायद नहीं पहुँच पायेगा। और रानो

ने भी गलती से पहिले इन्हें ही उन्हें बोल दिया

है। क्योंकि २४ दिसम्बर को चित्रा दिनेश जी के

बच्चे पैदाइश वाले होंगे।

अब यहाँ पर भी जाड़ा शुरू हो गया है लेकिन

अभी बारिश को होने से अधिक जाड़ा नहीं पड़ा है

वैसे यहाँ पर धूप बादलों का खेल चालू है

फिर निरिया गुड़िया और सौरभ तुम्हारा कार

ठीक चल रही होगी।

सुशील का चेक मिल गया था।

तुम्हारे बाबा जी अब कमजोर बहुत हो गये हैं

वैसे इधर कोई तक ठीक ही चल रहे हैं

तुम्हारे बाबाजी की ओर से बेटा और निवा को

बहुत बहुत दोनों को आशीर्वाद व प्यार

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

शुभ चिन्ता की अम्माजी

प्रकाश वती

Happy New Year

44, E C Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated 8-12-25 1979

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Happy New Year
to you all

94, E.C. Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Dec 25 1979

My dear Sushil
I could not write for some time. Still it is difficult but I am writing. Complications after complication have made me weak & confined to bed. However no worry. I shall recover. Urinal infection is troubling me again. Medicine & Injections are going on. Happy new year to you all

with love
yours
[illegible]

नये वर्ष की शुभकामनायें
हमारी शुभ कामनायें

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २८/१२ 197८

प्रिय लिलिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद
तुम्हारा २२ता० का लिखा हुआ पत्र हमको २६ता० को
मिल गया है पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए।

ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम चारों को नया वर्ष
मंगलमय हो ईश्वर से प्रार्थना है कि नये वर्ष में सुख
और शान्ति रहे हमारी ईश्वर से यही प्रार्थना है।

इस बार बस तुम्हारा ही पत्र आया है लेकिन पिछली
बार में बस सुशील का ही पत्र आया था। सुशील ने
लिखा था कि जब से घर से चला था तो गुड़िया को रोज
इसीलिये पत्र नहीं लिख सका है।

तुम्हारे बाबा जी अब पिछले दिनों से तबियत
कुछ खराब रहने की वजह से ही तीन बार में तुमको पत्र नहीं
लिख सके थे। पता नहीं क्यों ज्यादा कमजोर से ज्यादा
हो गये हैं बस इसलिये से आराम काफी सब ठीक ही चल
रहे हैं। अब इतना कुछ नहीं लगता है क्योंकि हर समय लेटे
ही रहते हैं। सुबह से शाम में जरा धूप में आकर
बाहर में बैठ जाते हैं। वैसे चिन्ता की तो कोई बात नहीं
है। यह तो ज्यादा उम्र की बीमारी लगी ही रहती है।

[illegible]

[illegible]

आज कल तो फिलहाल तो तुम्हारी छुट्टियां हो रही होंगी। घर में क्या करती रहती हो। अब तो तुमको नौकरी ढूंढना ही पड़ेगा क्योंकि पढ़ाई तो लिखाई भी तो निकलना है यह मोहन छोड़ दूं हो गए हैं। यदि यहीं पास में ही मिल जाए तो अच्छा है। तुमको पढ़ाई ने आशा से बहुत ही मेहनत करके पढ़ रही है। सिर्फ़ सुबह खाना खाकर लेकर शाम वापस आ के खाना खाते दिन ही दिन का खाना खाता जिम्मेदारी पर आप देता है और तुमको तो अभी सभी आप करते हैं। पढ़ाई में भी बहुत ही परिश्रम करना पड़ता है।

वैसे ही तो तुम्हारे बाबा जी ने १५-२० दिन से यहीं होता है। मेरठ में थे तो अकेला गये मेरठ आये थे तो घर पर अवश्य आवेंगे। नौकरी का प्रश्न ज्यादा का यह ठीक है आज इतनी ट्रेनिंग रत्नाकर तक तो हो है फिर पता नहीं वहां पर नौकरी मिलेगी मिलाप के शहर ना ही है। सुकुमार कहता था कि नीना ने शादी के लिये बहुत ही रुके जा रहे हैं। यदि यहीं नौकरी लग जायेगी तो इसकी शादी जल्दी ही करेंगे क्योंकि लड़के को लाना लाने के इतनी तकलीफ ठीक नहीं रहती है। मीना मैं तो अपना बहुत ही ध्यान रख रही हूं। क्योंकि इतना लिखा जो जाता है। वैसे मन तो हमारा यहीं पर लग ही गया है। चिरंजीव सुबोध को प्यार। चिरंजीव नीना को हमारा आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाशवती

तुम सबों को नये वर्ष की
इस लिये भी शुभकामनायें

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

देहरा दून
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २२।१२। 197

प्रिय बेटे कुशाल सैवल मसल्क व चिरंजीव रहो

तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए। क्या तुम लोगों को नया वर्ष बहुत सुखदायी हो इसकी ईश्वर से यही प्रार्थना है। तुम सब को नये वर्ष में सुख और शान्ती रहे।

इनके रहने को तो दो दिन में ही प्रबन्ध हो गया था। लेकिन कमज़ोर ज्यादह हो गये हैं। चला नहीं जाता है सुबह को धूप में आकर खड़ा बरामदे में कुर्सी पर बैठ जाते हैं। भूख भी नहीं लगती है और बिमारी में यह तो थोड़ा बहुत चलता ही रहता है। तुम लोग धूप को आ गये होंगे। कुमार यहां पर १२ दिसम्बर को आया था वह कहता था कि मैं कुशल को पत्र लिखूंगा शायद उसका पत्र तुम्हारे पास आया होगा।

८-९ ~~दिसम्बर~~ जनवरी को कुमार के पिता यहां पर आवेंगे। राजे ने भी शुरू जनवरी में आने को लिखा है। २४ दिसम्बर को चित्रा देहली से आई है वह चली जावेगी तब आवेगा। कैलाश भी २४ दिसम्बर को रतना देखने आये थे और २६ दिसम्बर को चले गये हैं। आज कल आज कल [illegible] को [illegible] वाला [illegible] ने पास और

रहे है वह भी बिचारी दो बार देखने देख गई है

मेरा एक पत्र मैं सन्तानों और एक पत्र तुम्हारे

बाबूजी नरेन्द्र जी को लिख चुके हैं पत्र लिखे इसे भी

बहुत दिन हो गये हैं लेकिन दोनों ने उत्तर नहीं दिया है

पता नहीं क्या बात है। तुम्हारे बाबूजी पत्र न आने

से बहुत ही दुख पाते हैं और परेशान होते हैं

इनको इन लोगों से प्यार भी बहुत है पता नहीं उन्होंने

उत्तर क्यों नहीं दिया है। अब दूसरा पत्र सन्तानों को

लिखूंगी।

सबको मेरा नमस्ते। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

[illegible] Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehradun

Dated [illegible] 28 1979

बेटे [illegible] खुश रहो

तुम्हारा letter मिला लिखते हो

तुम ठीक हो। मेरी हालत

कुछ दिन से ठीक नहीं

थी। letter का [illegible] पाया

पर अब कुछ ठीक है और

ठीक हो जावेगी चिन्ता

न करना। मैं अब तो

बिस्तर में ही रहता हूँ और

लेट जाता हूँ। [illegible]

रहा हूँ। सब ठीक हो जावेगा

शुभचिन्तक

[illegible]

44 E C Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated 28.12. 1979

My dear Sushil

You will have come back by the time this reaches you. Not keeping good health for two weeks. Extreme weakness. Confined to bed. Cant move a step without some one supporting. Swollen feet. But need not worry. I shall be better in a few days. What you saw in Florida? Cant write more.

With love
affly
Yours [illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, E C Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehradun

Dated Dec. 28 1979

[illegible] श्री जी । नमस्ते

[illegible]

[illegible] letter मिला

[illegible]

[illegible] है [illegible]

[illegible] मैं भी [illegible]

[illegible]

[illegible] है । [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] नहीं है । [illegible]

letters में [illegible]

[illegible]

[illegible]

बेटा तुमको नये वर्ष की
इस साल की शुभ कामनायें

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

देहरा दून

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २८।१२। 197८

प्रिय बेटा शैल तुमको प्यार बहुत सा प्यार

दो बार से तुम्हारा पत्र नहीं आया है। पता नहीं क्यों
शायद तुमको पढ़ने की वजह से समय नहीं मिला होगा
वैसे मुनीश व गुड़िया के दो पत्र आये हैं इनके पत्रों से
कुशल तो मिल ही गई है। आजकल तुमको पढ़ाई ज्यादह
करनी पड़ रही है। बेटा तुमको नया वर्ष सुख और
शान्ति देने वाला हो। 2 जनवरी को तुम्हारा जन्मदिन है
तुम्हारे जन्म दिन की हमारी शुभ कामनायें ईश्वर से प्रार्थना
है कि तुमको नया वर्ष मंगलमय हो। तुम्हारे जन्मदिन पर
क्या बनाया और खाना कौन कौन मेहमान आया सब बातें लिखना
हम लोग यहां पर तुम्हारे जन्मदिन पर याद ही करते रहेंगे

तुम्हारे बाबा जी बहुत दिन से ही बीमार हैं।
बहुत ज्यादा कमजोर से हो गये हैं। अब तो बहुत बिस्तर पर ही
पड़े रहते हैं। बरसात के समय जब धूप होता है तो धूप में
बरामदे में आकर बैठ जाते हैं। वैसे अभी तो कोई चिन्ता
की ऐसी बात नहीं है। सब बड़ों को तुमको आशीर्वाद व प्यार

तुम्हारी अम्मा जी

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

प्रकाशवती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ८ । १ । ८ । 197·

प्रिय बेटे शैल शुभाशीर्वाद बहुत सा प्यार

कल सुशील व गुड्डी के पत्र मिले थे बहुत सुन्दर लिख रहे थे लिखा है पत्र व कोई भी देखकर बहुत ही प्रसन्नता हुई

इधर बाबाजी ठीक रह रहे हैं देखो नहीं परेशानी की कोई बात नहीं है। बस जरा कमजोर से ज्यादा हो गये हैं। और कुछ लोगों को याद करते रहते हैं। जब हम सोचते हैं कि जीवन मरण तो ऊपरवाले ही होता है। फिर ईश्वर के बस में जीना है कि मर प्यार इतना व तुम्हारा लेख बना ही रहे। जवाहर का कुछ ने पत्र नहीं लिखा है। इतने तो तुम्हारा जन्म दिन आ गया है लिखा था इस तो बस बेटा यहां पर याद ही आते रहे। इधर तुम्हारे पास तक भी जल्द ही ने शादी वगैरा की तारीख लिख कर भेजी थी देखे हुए भी कभी दिन हो गये हैं। लिखना तुम्हारा कोई पत्र मिला भी गया है जिसमें भी यह तारीख पैदा होने की लिखते थी।

यहां पर इलेक्शन हुये हैं और कांग्रेस के इन्दिरा गांधी व इनका पुत्र संजय गांधी जीत गये हैं। इन्दिरा गांधी का नाम बहुत लेता है। १२ बजे पहिले राज लिया और फिर जब आगये हैं। मैं बहुत ही लोगों के जीतते हैं।

तुम्हारे स्कूल खुल गये होंगे। सुधीर संजीव ने भी १२ता.
से स्कूल खुल गये हैं। मेरा तुम्हारा [illegible] चल रहा है
वहां पर तो ठन्डक बहुत है। अच्छा है किसी अच्छे डा. को
दिखला कर अपना पैर पक्का ठीक करवाना चाहिये। यहाँ पर
जाड़ा तो बिल्कुल नहीं [illegible] रह गये। यहां पर अब तो
पंखे चलने शुरू हो गये होंगे। तुम्हारी पढ़ाई ठीक ही चल
रही होगी। ११ता. को सुजुर्कर यहां पर आयेंगे शायद साथ
में निर्मला भी आयेगी। मैसे तेज बहादुर ठीक हैं। पहले जैसी
तेज बहादुर से यहां पर हम विजयनगर में रहते थे बराबर उनके
पत्र आते रहते हैं। आज सुनसीता की चिट्ठी का भी पत्र आया है
सीता २ता. को बम्बई गया था शायद आज ८ता. को मेरठ
आ जायेगा। उनकी तबियत ठीक नहीं रहती है। उनका १२ तारीख
तक की छुट्टी मेरठ में है। विश्वनाथ का पता नहीं है
कब आयेगा। मेरा भी २ता. तुम सबको भी बहुत ही याद आती है

प्रिय सुशील के लोगों को हमारा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाश वती

54 E.C. Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT.~~
Dehra Dun

Dated Jan. 8 1980

बेटी गुड़िया खुश रहो।

तुम्हारा कार्ड व letter मिला। 21/12 का होगा। बेटी तुम को मैं जानता हूं। मुझे मालूम है तुम मुझ को इतना loving regard करती हो। बेटी मैं तुम्हारे ब्याह तक रहने की कोशिश कर ही रहा हूं, आशा भी है जिस तरह भी हो तुम्हारे ब्याह तक रहूंगा। पर मैं अब कुछ भी नहीं कर सकता। अपने सब कामों के लिए दूसरों पर ही हूं। तुम को देख कर मुझ को खुशी होगी। पर

बेटी मेरा इतना ध्यान और
ख्याल ना करो प्रभा।
भगवान ने चाहा तो ठीक
मिलेंगे।

तुम्हारा बाबा
धनपत राय

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, [illegible] Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehradun

Dated Jan 8 1980

मेरी प्रिय [illegible] तुम्हारा letter आज ही मिला है।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

प्यार तुम्हारे [illegible]

[illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated ~~Jan~~ 8 1970

My dear Sushil & ...

I could not write for some time. I feel time has now come when I should write to what I want. We have lived so long together. I want & you will feel your duty to see that after me you take full care and have full regard for your mother on your ... if it happens before & ... if I can live till than. She will feel at home

with children & wife

You will take note of
this your mother must
have given details of
my present condition
I cannot move a
step without two
persons to help.

Yours affly

[illegible]

10 Stamps enclosed
[illegible]

44 E C Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Jan 8 1980

My dear Sushil

तुम्हारा 21/12 का letter
कल ही मिला है।

I am still in bed but
you need not worry. There
is no danger. Complications
are being taken care of
and such things are being
controlled. I am waiting
to know how you all enjoyed
the trip. I am following
the advice of doctors but
I am not in a position to

go out anywhere and the doctors know this.

At present I can't move a step without a supporting hand and even then I feel giddiness & at every step I feel I may fall down.

There is no worry how and. It is a temporary phase and shall pass.

with love to all
yours aff
[illegible]

4/4 E C Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Jan 8 1980

बेटा हैं तुम्हें विश्वास

पूर्व बालम चन्द्र को वापिस
पहुंचा दिया होगा। वहां से कैसे
पहुंचे? कैसा रहा trip?
मैं ठीक हूं। किसी चिन्ता
की बात नहीं है। तुम्हारे
पहुंचने तक उत्साह है मैं
ठीक रहूंगा। तुम लोगों की
याद आती रहती है। पर
क्या करूं इनहीं हैं

[illegible]

[illegible] weather [illegible]

[illegible]

[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 6/2/197

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

बिटिया तुम सबको नया वर्ष भाग्य शाली हो तुम्हारा २८ ता० का लिखा हुआ पत्र मिला। सतीश का २१ ता० का लिखा हुआ पत्र। हमको मिल गए हैं। लिफाफे में दिन है ऐसा लगता है कि तुमने पत्र कई दिन पहिले लिख दिया होगा तुम्हारा पत्र। लेकिन लिफाफा, शाम हुई। और लिखना क्या है। तुम्हारे पत्र मैं साथ में हो रहा हूँ कुदरत का कोई भरोसा है। हर कोई जुदा है। इसका [illegible] हो जाता है। हमारे बच्चे हम लोगों को कितना प्यार करते हैं। इतने तो तुम्हारे बाबा जी को बस रह रहे [illegible] है। लेकिन कमजोर ज्यादा हो गये हैं अब तो बस बिस्तर पर हो। बैठे रहते हैं। सुबह को धूप होता है तो बाहर बाग में धूप में पलंग पर ले जाते हैं। इतना [illegible] लगती है। क्योंकि आजकल तो बिस्तर पर हैं। बैठे रहते हैं कमजोरी की वजह से अब घर में भी नहीं घूम सकते हैं बाहर [illegible] के [illegible] बहुत लोगों को दे है। रहे हैं लेकिन [illegible] जाती है। दोपहर को रोटी खाते हैं। सुबह को खाते हैं। शाम को तो खाते हैं नहीं हैं। अब ज्यादा [illegible]

इन लोगों से लेते हैं। लेकिन यह ईश्वर की दया है अब ठीक
नहीं होता है इसलिए विचार आया है तो लिख दिया है।

तुम लोग घूमने गये होंगे और रह तक तो अब वापस
आ गये होंगे। तुमने लिखा है कि देश पर तो घूमने जाने का नहीं
है लेकिन यह बात तुम्हारी गलत है। जब इतने दूर गये हो तो
वहाँ की चीज़ों को देखना ही चाहिए क्योंकि रोज़ रोज़ वहाँ बार बार
जाया जाता है वहाँ के मकान व हवेली को भी बतलाओगे। तुमने
क्या रहता है। तुम्हारे पहाड़ पे बादल बहुत अच्छे आते हैं। ईश्वर
को जब अपनी पहाड़ में होल ही बहती रहे। अबतो तुम लोगों के कॉलेज
खुले होंगे। और तुमको शायद सब चीजें मिल गई होंगी। जब बर्फ
होती है तो वहाँ का बड़ा ठंडा मौसम हो जाता है फिर धूप होता है तो
जाड़ा इतना नहीं होता है। वैसे हमारे शहर में धूप आ जाती है
वैसे तो हमको यहाँ पर किसी तरह की परेशानी नहीं है लोग हमारा
बहुत ही ध्यान रखते हैं। इतनी बार ना रहें तो बहुत दिन हुये बुखार
हो गया था। अब रात में नींद नहीं आती है वैसे दिन में तो सो ही
जाते हैं। तुमको अपना कमरा साफ़ सजाना चाहिए तभी तो हम लोगों
लोगों का ख्याल पड़ेगा। चाचा जी की ओर से चिन्ता मत करना
सब ठीक ही हैं। सब तुम लोगों को तो बहुत ही याद करते रहते हैं
मेरे बच्चे, मेरे बच्चे कहते रहते हैं। ईश्वर लोग तो सब ठीक करेगा ही

तुम अपनी सेहत का ध्यान रखना। बढ़िया भोजन खूब खाना
खाना। सबको तुमको आशीर्वाद व प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। (तुम्हारी माँ

तुम्हारा इन्टर का सर्टिफिकेट आ गया है (प्रकाशवती

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 21.1. 197-

चिरंजीव गुड्डन तुम्हें हमारा बहुत बहुत प्यार

तुम्हारे दोनों पत्र हमको एक साथ ही मिले हैं जिनसे हमें सब समाचार मालूम हुये। यह जान कर प्रसन्नता हुई कि तुम लोग खूब खुश हो वहां का मौसम बड़ा अच्छा लगा होगा तुमने शायद अब नहीं का पता लिख दिया होगा और यदि अभी नहीं लिखा होगा तो सबसे पहला जो ख्याल तो हो जाय भी वहां का अच्छा ज्ञान मिले नहीं जाना। यदि वहां आसानी से नौकरी मिल जायेगी तो अच्छा ही है। तुम्हारी वापसी भी हो ही जायेगी

यहां सर्दी यहां पर तो काफी पड़ रही है मौसम बदलता है कि यदि टेलीफोन लाने वाला होगा तो टेलीफोन भेज देंगे वहां पर फोन हो जायेगा अब मुन्नवर टेलीफोन आयेगा २० तारीख को मैं प्रकाश कुमार को टेलीफोन दूंगी यह चन्दर के घर पर रहेगा वह फोन करा देगा। यदि टेलीफोन नहीं हो सका हो तो फिर तो तुम्हारे पास भेजना ही पड़ेगा।

शीला की टेलीफोन १८ जनवरी तक ली है फिर पता चलेगा वहां पर इसको यह लोग नौकरी देते हैं या किसको और

नहीं मोलकी दिलाना पड़ेगी। यदि इतना नहीं पढ़ सकते रहे तो [illegible] लिखवाते तो [illegible] गया [illegible] लिए

तुम्हारा प्यार भरा पत्र मिला होगा। जब योग्य सुन्दर आज्ञाकारी को हमारा प्यार देना [illegible]

[illegible] अनुपमा ने एक नावल [illegible] है [illegible] ने पत्र में [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ने [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] बाद [illegible] पत्र लिखने का [illegible] लिया।

तुम्हारे बाबाजी की तबियत ठीक नहीं है एक साल [illegible] अधीन हो गये हैं

[illegible] [illegible] को तुमको [illegible] प्यार

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारे शुभचिन्तक

[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 25 - 11 - 197

प्रिय बेटा लतिका सौभाग्यवती रहो।

तुम्हारा २ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको १२ ता० को मिल गया था अजमेर वाले पत्र का उत्तर देने में देर हुई एक वेग से पत्र नहीं लिख सके कभी २ ऐसा हो जाता है कि पत्र लिखते हैं तो कोई आ जाता है तो लिख नहीं पाते हैं तुमको एक वेग से हमारा पत्र नहीं मिलेगा। अजमेर वाले में दो पत्र आए हैं एक पत्र में तो गुड़िया व सुशील का ... एक वेग में तुम्हारा सुशील को व गुड़िया का सब दोनों पत्रों को एक साथ देखते हैं तो बड़ा ही अच्छा लगता है।

तुम्हारे बापूजी ठीक हो चल रहे हैं शायद में नवम्बर को आ गये हैं धूप में ... रोज के लिए पकड़ कर ले जाते हैं। वैसे हमारे बच्चों को सब ठीक ही चल रहा है। २२ ता० को शाम को उदयपुर से दिनेश आए हैं उदयपुर को कल १४ ता० को कालेज पर जाना है दिनेश मात्र शाम को नजीबाबाद जायेगा फिर वहाँ से दो दिन बाद में कालेज चला जायेगा।

तुम्हारी तबियत ठीक होगी।

इतने तो दिन भी तुम्हारी याद आती रही। तुम्हारा लाला

बोला और शायद पत्नी की बच्चों बगैर होंगे।

जब तुम्हारे बाबूजी से पत्र मिला तो मालूम हुआ कि

वे ठीक आता है लेकिन बहुत है। कितने बच्चे हुए होंगे

पता नहीं चलता जैसे हैं जो पत्र भी नहीं लिख पाते हैं

और न लिखकर के अपने आप भी छुप जाते हैं।

यह जानकर तो प्रसन्नता हुई कि तुम लोग खुश

रहते हो। पहले और दिन से इन्दु व उमेश को पत्र गया है

और दिन से इन लोगों को कोई पत्र न आने से तुम्हारे

बाबूजी बहुत ही याद कर रहे थे। और बहुत ही याद करते रहे

थे लेकिन इन्दु के पत्र से पता चला कि इन्दु व उमेश ने

पत्र तो लिखे हैं पहुंचे नहीं हैं। इन्दु ने अभी सारथक

पत्र लिखा है और उमेश ने भी लिखा है लेकिन उमेश के

नाम से डाक तो भी बहुत होती है और रखनी भी होती ही है

इन्दु से राधा के भाई के लड़के यहां पर आये थे

उनसे पता चला है कि वे गाजियाबाद में भी आ गए हैं

अब यह पता नहीं कब जायेगा। यदि कुछ के बारे में

लिख देना। तुम्हारे बाबूजी को तुम्हारा व उमेश को आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २५।११।१९७१

प्रिय बेटे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार

अबकी बार मैं पत्र एक साथ लिख बैठकर इन दोनों पत्रों में तुम्हारा पत्र नहीं था शायद तुमने समय नहीं निकाल सके लिए गुड़िया बीबी के पत्र से उसका तो चिट्ठी मिल गयी है। तुम लोग चुपचाप गये वहाँ मिलना वहाँ पर तुमने क्या खरीदा है। सब बात लिखना।

३ तारीख को तुम्हारा जन्मदिन था तुमने अपने जन्म दिन का क्या रचाया था कैसा मनाया इस को बड़ा याद हो जाते है।

तुम्हारी प्यारी मीन चल रही होगी।

तुम्हारे बाबा जी तीन दिन से चल रहे हैं। बड़े कमजोर ज्यादा हो गये हैं। बैठे तुम सबको याद करते रहते ही रहते हैं।

सब बच्चों को तुम्हारा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी मम्मी जी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 E Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dehradun

Dated Jan 15 1980

मेरे प्रिय [illegible]

[illegible]

तुम्हारा पत्र मिला [illegible]

तुम ठीक हो। तुम यहां [illegible]

का ख्याल न करो। अपने

काम में जी लगाओ इसी में

तुम्हारा भला है। मैं ठीक हूं

[illegible]

रहता है। [illegible]

[illegible]

[illegible] की मदद की

[illegible] है। [illegible]

[illegible] इस समय।

तुम्हारा [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 EC Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun
Dated Jan. 15 1980

My dear Sushil,

Your letters of 2/3 Jan were received. Glad to know that the trip was enjoyed by you all. There is not very cold but there is dry cold as this winter there was no rain except on one or two days. I am writing from my bed.

With love to all
Yours affly [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 East Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated ~~Jan 85~~ 1980

बेटा शैलू ! खुश रहो।

बहुत दिनों से तुम्हारा

ना letter आया। क्या नहीं

कभी। उनको प्यार है तुम

ठीक होंगी। तुम्हारा कोई

letter न पाने से चिन्ता हो

जाती है। नयी तरफ से

लिखना न भूलना मैं ठीक

ही हूँ।

तुम्हारा बाबा

धनपत

सौभाग्यवती सरोज

खुश रहो

मैंने तुम्हें लखनऊ से नवम्बर का कार्ड लिखा था मिल गया
होगा। हम लोग २२ता. को यहाँ से [illegible] प्रातः के [illegible] जा रही
हूँ। मैं बच्चों को [illegible] भी को [illegible] हो है।
[illegible] रहे हैं। [illegible] बहुत [illegible] हो गया है।
[illegible] नहीं [illegible] में [illegible]
है। अब कोई क्या लिखूं। तुम्हें [illegible]
का हो। [illegible] [illegible] होनहार
रहो इसे लिख है ही।

[illegible]

तुम्हारी माँ
निर्मल

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, ~~VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 26/1/1970

प्रिय गिरीश गुड़िया गुन्नू हम दोनों का बहुत बहुत प्यार

गिरीश ७ ता० का तुम्हारा लिखा हुआ पत्र हमको १९ ता० को मिल गया है। तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। शायद इस बार तुम्हारे बाबाजी तुमको पत्र न लिख सकें। एक तो आजकल इनकी तबियत कुछ ठीक नहीं चल रही है और दूसरे गले के कारण से भी। पर कुछ चिन्ता मत करना। प्रमोद ने लिखा था पर १२ता० की रात को आये थे और १२ ता० को चले गये हैं। आज की ट्रेन से मेरठ से १२ जनवरी तक लौटे। पता नहीं उनको नहीं पार्टी लोगों को विचार को और नहीं देखना पड़ेगा। उनका पत्र आने पर कुछ पता चलेगा। आज रात को भी मेरठ पत्र लिखूंगी।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी और एक तो तुमको वहीं पर काम मिल ही गया होगा। वैसे तुमको पढ़ाई के कारण से नौकरी करने में परेशानी तो बहुत होती है लेकिन बिना करे भी काम नहीं चलता है। तुमने पत्र में लिखा है कि रात के समय में भी पहले जाना पड़ा करेगा। फिर रात में इस बार इरादा तुमको लेकर आया करेंगे वहाँ पर रात के समय में भी पढ़ाते होंगे। बड़ा हर्ष होता है हमको गिरीश तो वहाँ पर जाकर कितना परिश्रम करना पड़ता है लेकिन तुमको इस परिश्रम से सफलता प्राप्त होगी। जब यहाँ पर आओगे।

और हो लेंगे। इसका लिखा मिलने तक आप होगए हैं तो
मिलने उतावला होगा। तुम्हारे वहां का गोर पर चुपके-चेक
चेतन व होशियार हो जाओगी यहां पर तो बस ऐसी ही रहती
जाने वक्त चेतन बच्चों को ही जमाना है। यहां तक यहां पर
जाड़ा तो अधिक है ही लेकिन इसका तो पेट में कम ही लगता है
क्योंकि एक तो सब काम अन्दर ही अन्दर करने होते हैं
और दूसरे धूप भी खूब आती है। और यहां पर हवा तेज नहीं
चलती है पेट में तो वहां बहुत तेज चलती है।
तुम्हारे बाबा जी अधिक तर बिस्तर पर ही बैठे रहते हैं
यदि धूप होती है तो थोड़े काम के लिये धूप में बैठ देते हैं
वहां पर तो बर्फ पड़ने से काफी जाड़ा पड़ रहा होगा। लिखना कुछ
बाहर जाने का कम तथा कपड़े पहन कर जाया करो। और अपने साथ
बच्चों के पूरा ध्यान रखा करो क्योंकि यो खूब ही कड़ाके कितनी
गर्मी शरीर में जाल होगी। कुमनेतो पता नहीं है जो रमेश के
रहती बच्चों के बारे में हाल चाल है या नहीं बैठते कैसे इस
बारे में उसने कुछ पूछा भी नहीं है।
लिखना कुछ रमन को जाकर इसका बताना तो
लिखा है कुछ किसी बाद में आ तो जाओ इलका तो मैं तुम्हारे
और पर तुमको कितना लिख दूंगी ही। मैंने यहां पर उनको तो
उन ने इलका बताया नहीं है बाहर में लोकर भी रेती भी बल
चित्रा ज्ञान बोवा धर देती है वहां ले लेता हूं। गोविन्दा पेट
में बात की तरह यहां पर नहीं होता है। बाबा धीनता तो है ही
बैठे पियारे दवाएं सेना बहुत ही ध्यान रखते हैं लेकिन
इसमें तो ही समझ जाता ही है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.................197

तुम्हारे नवरात्रा अपना विचार ठीक हुआ ही होगा हम जानते हैं
जो कि ऐसे थे कि इस समय काम करने के लिये लड़का
होना था और अब किशोर को स्कूटर मिलता परन्तु ही
गये हैं। बस सब काम होता है। यह क्या पता था कि
इतना पैसा जमा हो जायेगा जो इतनों के लिये इतना परोपकार
करते थे पता नहीं इतना पैसा जमा कैसे होरहा है उन्हें
काम का पता नहीं चलता है। अब तो कमजोर भी काफी
हो गये हैं और स्कूल नहीं जाते हैं। वैसे चिन्ता की
तो कोई बात नहीं है ईश्वर कृपा सब ठीक ही चल रहे हैं
जब तक कोई ... से इतना काम सम्भालते ही हैं ईश्वर
से प्रार्थना है कि किसी तरह से अपने बच्चों को देखकर
और ठीक चलते रहें।

सन्तू व अनुपमा दोनों ने बहुत प्यार भरे पत्र मेरे
पास भेजकर भेजे रहते हैं। उनको भी पत्र लिखने में
देर हो जाती है। किशोर बड़ा प्यार भरा पत्र लिखता
है पता नहीं उसने तुम्हारे कोई क्यों नहीं लिखे हैं
यहां पर सब ठीक है। तुम्हारे बाबा जी को

सुमन के मौत का बहुत सदमा लगा। चि॰ सपना को व सुशील को हम दोनों का आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभचिन्तका

प्रकाशवती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~

Dated 26/1/1978

प्रिय बेटे शैल तुमको हमसबों का बहुत सा प्यार

मेरा तुम्हारा लिखा हुआ पत्र पहले १० ता० को मिल
गया था उसके बाद शायद तुम्हारे बाबा जी दूसरा पत्र न
लिख सके क्योंकि आंख की वजह से और दूसरे तबियत भी
कुछ ठीक नहीं है। यह बात को तुम्हारे पत्र से भी हमको
दूसरे गये थे वहां पर तुमने बहुत सी चीजें देखी हैं और
बहुत अच्छा लगा है वहां की फोटो जब धुल कर आ जायेंगी
होंगी हमारे पास भी भेजना।

डा० सुधीर बिजनौर वाले की शादी २८ जनवरी को
है वह लोग लखनऊ से शादी कर रहे हैं क्योंकि सुधीर
का भाई आजकल लखनऊ में है और सुधीर की तबियत नागपुर
हुआ है वहीं की डाक्टर है। फिर शादी करके बिजनौर
जाकर १ फरवरी को रिसेप्शन की दावत और शादी की
पार्टी है यहां से तो जा नहीं सकते हैं बस डाक से
रुपये दे जायेंगे क्योंकि जुकाम जाने वाला है यहां
बिमारी इतनी बिमारी की वजह से नहीं जा
सकता है।

शायद सुधीर के अमेरिका जाने पर तुम लोग तो
शायद बहू को देख ही लोगे।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक ही चल रही है

मैंने तुम्हारे बाबा जी से पूछा था कि आप अपने
बच्चों को पत्र लिखेंगे क्या। तो कहने लगे कि
तुम ही मेरी ओर से लिखकर और लिख देना
कि अबकी बार तुम्हारे बाबा जी पत्र नहीं लिख सके हैं
कमजोर बहुत हैं एक तो बीमारी ने मारा है और इसके
हर समय पेट २ भूख भी नहीं लगता है। बेटे बिमारों
को जो भी इलाज न करोगे हो जाता है बाकी वैसे ही रहे
हैं। जाड़ा की वजह से भी जरा परेशान से रहते हैं

ऊषा के पत्र से पता चला कि रेखा जन्मदिन पर
पूरी बनाई थी और मेरे बारे भी इसको बेटा बस
यहां पर याद ही करते रहे। अब वहां का मौसम कैसा है
बर्फ पड़ने पर तो जाड़ा हो ही जाता होगा। यहां पर तो बस
पानी पड़ने पर जाड़ा अधिक हो जाता है वैसे तो ऐसा जाड़ा
नहीं होता है। तुम्हारे बाबा जी को तुमको आशीर्वाद
कहा है प्यार। सब बच्चों को आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र
ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~

Dated २४।३।197

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार।

बिटिया एक तुम्हारा १९ ता० का और एक पत्र नानाजी को

गुड़ि-नपरोदा को सैर एक पत्र १४ ता० का लिखा हुआ दोनों पत्र

२२ ता० को एक साथ ही मिले। हम तुम्हारे पत्रों को देख रहे थे

रहे थे सोचते थे गर्मी में फल लायेगा तो ही पत्र लिख दिया था

कि यदि इस हफ्ते पत्र नहीं आयेगा तो हम लोग तो चिन्ता हो

जायेगी। मैंने लोगन को पत्र में लिखा था कि देवकी मिसेज ... लौटेंगे

की फलु १० ता० को दे गई है यह देहरा दून में ही रहती थी

और २२ ता० को देहली की देहली में रह आई माताजी लोग आये थे

यह सब २२ ता० को इन्हें पता था इतना देख कर भी हम

आया है तुम्हारे पत्र नहीं लिख रही भी बात होगा तो ही लिख

दिया था कि यदि इस हफ्ते यहाँ से पत्र नहीं आयेगा तो

हम लोगों को चिन्ता हो जायेगी। तुम्हारे बाबा जी भी ठीक

रहे हैं नवम्बर के आखिर से एक दिन रहे पा रहे जो रहते हैं पर

धूप में बैठे पाते लिखे ठंडी का मौसम बैठाता हूँ हम लोग

बैठे जो रहते हैं इस बारात के भूख भी नहीं लगती हैं वैसे

हमारे बीता तो सब ठीक ही चल रहे हैं। गुड्डन को इतना बहुत ही

प्यार सौरभ को लिये लिखा है लेकिन ज्यादा नहीं आता है और जैसा

सौरभ तो ऐसे रहते हैं। बस बिटिया लिखना भी तो ...

बात यही है मैंने तुम लोगों को याद तो बहुत करते रहते हैं
और ईश्वर से चाहते तो सब ठीक से ही हो। अपना विचार के
विचार बहुत ही उलझ जाते हैं इसी की चिन्ता में इतने दिन
तो उत्तर भी नहीं हुआ था। [illegible] पत्र में होते हैं
यह तो होते ही हैं। अब तो डर नहीं उठता है और उत्तर
भी नहीं है यह बात अच्छी ही है।

तुमने अच्छा पत्र लिखा [illegible] विस्तृत ही लिखा
होगा लेकिन [illegible] दो दिन से [illegible] जाते हो और
[illegible] को भी पढ़ने को [illegible] से जाना पड़ता है। अच्छा है ईश्वर
के कृपा है कि तुम्हारा [illegible] हो गये अब तो
[illegible] तुम लोगों को देखने को मन तो बहुत ही करता है। लेकिन
अब तो [illegible] ही [illegible] है। चिट्ठी इधर तो तुम्हें
[illegible] ही [illegible] है तुम्हारा पत्र तो आने को नहीं [illegible]
लेकिन [illegible] हैं तो तुम्हारे [illegible] बहुत ही [illegible]
हो जाती [illegible] है [illegible] है और
[illegible] में [illegible] है। [illegible] विचार
[illegible] है। यदि तुम यहाँ था हो तो [illegible]
होता ईश्वर जो करते हैं अच्छा ही करते हैं और फिर तुम्हारे
[illegible] यहाँ देखने को मिलते। [illegible] का पत्र आने पर [illegible]
[illegible] उत्तर [illegible] बातों के [illegible] नहीं [illegible]
रहे हैं या नहीं यदि नहीं ही होगी तो विचार [illegible] होना
[illegible] उत्तर [illegible] पड़ेगा। [illegible] का पत्र आया है

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated..................197

अभी तक उतना मौसम में कुछ नहीं हुआ है
[illegible] तक ठंड आ जायेगा। [illegible] से एक बार बहुत
सुन्दर रहे होंगे [illegible]। तुम्हारा प्यार [illegible] ही होगा
यह अच्छा है [illegible] याद आ रहा है [illegible] दिन
गई है एक [illegible] दिन [illegible] बहुत ही [illegible]
होगी होगी। [illegible] व अन्नु [illegible] के घर [illegible] आने देखे हैं
दोनों को इतना प्यार है [illegible] आती थी तो मेरे पास
अवश्य आते थे, [illegible] की याद आती ही है। लेकिन
यहाँ पर [illegible] तो अब बिल्कुल ही [illegible] हो गये हैं वहाँ पर
[illegible] हैं [illegible] तो [illegible] बिचारे [illegible] हो गई है

[illegible] को [illegible] को अब भी कुछ [illegible] रही है [illegible] रहते
हैं [illegible] तक [illegible] का
हुआ है डा. कहते हैं कि यह [illegible] होगा। [illegible] आप ही [illegible]
होगी [illegible] पहले से [illegible] में [illegible] होती है इसलिये
बिचारा यह भी नहीं [illegible] है। [illegible] की [illegible]
से [illegible] जाता है।

लिखना [illegible] यह पता है कि [illegible] कितना प्यार
है और यहाँ पर इतनी [illegible] होने पर भी [illegible] नहीं [illegible] ही
[illegible] रहे हो। यह तो [illegible] है

तुम प्यार तो सबका लेती हैं लेकिन अब तो यही लगता
है कि सबका प्यार भी उधार ही होता है। हम यहां
पर याद करते रहते हैं और तुम वहां पर याद करती
रहती हो। सभी लोगों के मन में भी यही रहता है और
ईश्वर से यही प्रार्थना है कि सब लोग ठीक रहें पर फिर
भी बच्चे ही मिलने को याद आती हो। तुम्हारे सपने देखना के
हमारे घर में चलना रहती होगी उनका भी विचार तो इसके
मिलने को मन कर रहा है। विपिन विनता को मैं यहां लाई हूं
लेकिन इतने बच्चों को रोज रखना बहुत ही कठिन होता है लेकिन
थे और अब कॉलेज हो गए हैं। मेरी तबियत तो विपिन के ही
चल रही है पुराने क्या होता है। विचार यही अपनी विपत्ति से
बहुत ही उदास रहते हैं। मैं तो बस इतनी विपत्ति को याद के
और कुछ भी नहीं जानती हूं। जैसे ही दिन बीत जाता है वैसे ही
रातें के चार-पांच घंटे होते हैं। यह तो तुम्हें पता ही है बच्चे
लेकिन के कहे बहुत ही अच्छे लगते हैं अब तो विपिन को यह
यहां पसंद होते हैं अब तो बस ईश्वर को इतना कष्ट क्या हो -
हम विपिन हमारे और के इतनी चिन्ता मत करना कभी
पर उम्र ज्यादा तो शरीर के साथ में लगा ही रहता है।
तुम अपना ठीक ध्यान रखना। और तुम सब ठीक होगी हम भी
यहां पर ठीक हैं। विपिन उपमा के साथ को हमारा आशीर्वाद
तुम्हारे बाबा जी को उनको आशीर्वाद व बहुत सा प्यार
पत्र का जवाब शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्माजी
प्यारा वाली

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 28.3.197[illegible]

प्रिय मेरे [illegible] तुमको हमारा बहुत बहुत प्यार

तुम्हारा ८ तारीख का लिखा हुआ पत्र हमको मिल गया है [illegible] में [illegible] हो गए हैं [illegible] भी ही पत्र लिख [illegible]। तुम्हारे [illegible] निराशा तो अवश्य ही होगी। तुम्हारे [illegible] है [illegible] लिखा पर ही [illegible] है इस लिये [illegible] लगती है [illegible] [illegible] हैं [illegible] लेकिन [illegible] है और इसके [illegible] लिखा पर ही [illegible] हैं [illegible] में [illegible] होगा लेकिन [illegible] ज्यादह [illegible] यहां पर रहो है [illegible] होते हैं। [illegible] जाती है।

[illegible] बहुत ही [illegible] है [illegible] तुम्हारे [illegible] पत्र में यही लिखा हुआ आता है इस लिये [illegible] है [illegible] लगता है यहीं तुम लोग [illegible] हो जाओगे। तुम्हारी [illegible] पर [illegible] पत्रों पर [illegible] और तुम्हारी शुभ कामनायें करते रहे।

मन तो थोड़ा कुछ न था गई होगी। सविता सुशील की पढ़ाई ठीक चल रही है।

गाजियाबाद वाली बहू की अम्मा पुत्री के पास १५ दिन रहकर चली गई है पुत्री का दमाद हमारे परिवार से नाराज सा है फिर भी किसी प्रकार हमारे पास आती है पुत्री व पवन की बातें होती रहती हैं। जैसे मैं सपना ने पत्र में लिखा था कि विनोद वाले कुमारी जी की शादी २२ जनवरी की है यह लोग लखनऊ से शादी कर रहे हैं। पिता जी लखनऊ में हैं अटेंड कर रहा है। तुम्हारी पढ़ाई भी ठीक ही चल रही होगी।

जब तुम्हारे नाना जी से यहां पत्र प्रकाशित हो ही लिखा जाता है और इसमें आने की जगह है। अब तुम्हारे बच्चे जो सुशील दे गये हैं उनको देखकर बड़ी खुशी होती है बेटा-बेटा। आशा है कि ईश्वर हमारी यह इच्छा पूरी करेंगे तो कुछ तब तो देखेंगे।

कुछ दिन बाद पवन को ज्यादा करो

सुशील व सविता को हमारा आशीर्वाद। सब बच्चों को कुछ शरीर व्यवहार तुम्हारे नाना जी का ध्यान

पढ़ाई ठीक से रखना।

तुम्हारी अम्माजी

उषा बाई

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Jan 25 1980

प्यारी बेटी [illegible]

खुश रहो

मेरी बेटी जिस को तीन दिन की
उम्र से शब्द दादा का पाया।
आदमी की जिन्दगी भर [illegible]।
हमेशा जिस की इस मरजी पूरी
की। वह प्यारी बेटी
मेरी इच्छा से पैदा नहीं जाना
चाहती थी और दूसरी सेवा
पर होकर ही रही। इस समय
तुम्हारे लिये बहुत परेशानी
होगी। तुम दोनों प्यार का ख्याल
तो करना तुम को परेशानी

है । होगी । लोगों को
देखकर भी दुख ही होगा ।

पर यह बात कहा रहा । मुझे
उम्मीद है तुम्हारा वापिस होने
तक मैं रहूंगा । अपना
पढ़ाई का ध्यान रखो इस में ही
तुम्हारी भलाई है । देखभाल रखा

तुम्हारा शुभचिन्तक
धनपत

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44 E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Jan 25 1980

My dear Sushil

I could not write for some time. This is I am writing lying in bed. A painful life. Can't ~~move~~ a step without a supporting hand. Loss of breath & suffocation. But don't worry I feel no danger to life. I hope to see you on return.

How are you all now?

with love to all
Yours affly
D R Gupta

54 E Road
Dehradun

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated [illegible] 197[illegible]

बेटा मैनू खुश रहो

कई दिन बाद मैं लिख
रहा हूं। परेशानी की
बात नहीं है। तुम्हारे
आने तक तो मुझे इतना
ही होगा। बाकी इलाज
होगा। तब पर आराम
होगा। जी लगा कर
पढ़ो। इसमें ही भलाई है
इस समय बस। फिर लिखूंगा

तुम्हारा बाबा
[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

[illegible]

Dated 3 . 1 . 2 . 197

प्रिय चिरंजीव सोमा सतीश लोकप्रकाश को

पिछले रोज से पहले तुम्हारा पत्र लिखा है मिल गया

होगा। तुम्हारे बाबूजी अब ठीक हो चले हैं कमजोर तो बहुत

ही हो गये हैं। [illegible]

[illegible]

के लिए इतना पैसा देना होता है। उसमें भी बहुत ही असफलता होती है तब भी वह बिचारे इतने २ कष्ट सहते हैं मकान व शिक्षा की उन्नति के लिए ही खर्च कर रहे हैं वह लोग सब तरह उन्नति की तरफ से जा रहे हैं पीछे [illegible] गए थे। लोगों की उन्नति के लिए बहुत जा रहे हैं यह उनके ही ग्रामोद्योग [illegible] बच्चों के पढ़ने की तरफ से नहीं जाती। इन लोगों का यहां से आने का [illegible] होता है

रोज़ के गुजारा की खातिर [illegible] होगा और फिर मैं बाद की [illegible] का ही होगा। यहां पर हमारे गुजारा को कितनी मेहनत करनी पड़ रही है। तुम्हारे [illegible] जब तक तो बहुत ही याद करते रहते हैं बस इतना ही यही इच्छा है कि मैं जितने [illegible] ऊपर बच्चों को देखकर [illegible] [illegible] [illegible] यह इच्छा पूरी करते हैं या नहीं।

यहां पर इतना [illegible] रही है [illegible] कि [illegible] [illegible] यहां पर [illegible] [illegible] नहीं हुई है और दूसरे [illegible] को [illegible] रहे हैं उनको तो देर से ज़्यादा [illegible] [illegible]

[illegible] २४ता० को यहां पर आया था और २८ता० को [illegible] चला गया है। [illegible] [illegible] तो १२ता० को [illegible] हो ही गए हैं पर अभी [illegible] नहीं पर अभी [illegible] को [illegible] से [illegible] है। [illegible] [illegible] को हमारा आशीर्वाद। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]। [illegible] [illegible] ही देना।

तुम्हारा [illegible]
[illegible]

प्रिय सुशील गौरव सस्नेह व चिरंजीव रहो

इस पत्र [illegible] ले [illegible] हो रहे हैं। तुम्हारा

व गौरव का पत्र व फोटो दोनों मिले हैं

फोटो तो मेरा बहुत ही अच्छा है देखकर बहुत

ही प्रसन्नता होती है। सुधीर संगीत ने पत्र भी

लिख गये हैं। इस [illegible] भेज रहे हैं।

पढ़ना [illegible] देना।

तुम्हारी [illegible]

इन्द्रावती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
44 E.C. Road
Dehradun

Dated 29 ... 1970

प्यारी बेटी मुनिया खुश रहो

भगवान तुम्हें तन्दुरुस्त रखे

पढ़ाई और काम में लगाव

इससे तुम्हारा भला है

मेरी चिन्ता ना करो। मेरे

प्राण लेके रहने की कोशिश कर

रहा हूँ सफलता नहीं होगी।

यह मेरे प्यारी मुनिया तक

बार फिर देखना यही

चाहता हूँ। 13 [illegible] देखना

पोती को लिख पत्र

तुम्हारा [illegible]

[illegible]

44, E.C. Road

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Jan 29 1980

My dear Sushil

It's a pity you have gone so far & I feel there is no benefit. But whatever is done is done. Who thinks what will happen in your absence. I am invalid now can't get up can't move a step. However still alive & hope to be able to see you again but it is a hard life that one would like

to the remind
of it. However
What is done is done.
Don't worry. Let us
see what happens.
How are you all.
10 stamps here with as
you may be short.

Yours
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 ... Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehradun

Dated 29.1. 1980

बेटा इन्दु विशाखा

प्यार बेटे - मेरा प्यार बेटा [illegible]

हुआ है विश्वास है। कोई चिन्ता

ना करना। मुझे पता है तुम्हें

दसवाँ (एक्सा(फिर) हैं तुम

तो होशियार हो। मेहनत करो

पढ़ाई में नहीं कमाई

नाम है। वहां का हाल

लिखना।

तुम्हारा

नाना

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 21.3. 197

[illegible]

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ६/१२/197-

चि० निधि व गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा भेजा हुआ नव वर्ष का पत्र हमने कल लिया है और एक पत्र इस पत्र से पहिले ३१ ता० का लिखा हुआ हमने लिया था ५ ता० को उसमें भी तुम्हारे दो पत्र थे और एक हमारे पास वहां की हवाई डाक का पुर्जा है। मौसम यहां का साफ है और मन होता है कि कब तोता ही देखते रहें।

तुम्हारे बाबाजी ठीक ही हैं अब तो रोज कोर्ट नहीं होता है बस कमजोर हो गये हैं क्योंकि हर समय बैठे रहते हैं क्योंकि कमजोरी की वजह से उठा भी नहीं जाता है इसलिये कोर्ट स्कूल भी नहीं जाता है अब रोज वार वह पूरे हैं बच्चों को पत्र लिखने हैं। वैसे प्यार तो तुम सबको तो बहुत ही करते हैं। ईश्वर उनकी इच्छा पूरी करे तुम सबको वो देखलें। यह जिन्दगी में एक यही उनकी इच्छा है।

यह जान कर प्रसन्नता होती है। तुम्हारी पढ़ाई बराबर ठीक चल रहा है। रात में भी तुमको पढ़ने के लिये जाना पड़ता है। याद रखिये नित समय जाता हो ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम्हारी मेहनत सफल करे। जब यहां पर आओगी तो ठीक स्मार्ट होकर आओगी। होली को

लिखना खुशी होगी। इसलिए जल्द ही शीघ्र ही

दीजै। तुम यहां की इतनी चिन्ता मत करो। उसके

पढ़ने का ही ध्यान रखा करो। तुमको वहां पर बहुत ही काम

करने होते हैं।

सीता एक पेपर छोड़ रहा है और उसका पेपर में

कुछ नहीं हो रहा है। [illegible] तो सामान की [illegible]

है। सामान बेच तो जल्द होगा कि जितना सामान बच के

रखने को अच्छा है और जो वहां के लोग हैं वह तो इधर उधर

ही जाना पड़ेगा। जैसा करो रहेंगे जो के हो जायेंगे।

तुम उसके बाबा जी को लिखना होगी हो कि सलाह करके

एक जिला में [illegible] नहीं जाता है

और ताकत की [illegible] हो रहे हैं।

लेकिन तुम उसके [illegible] बहुत ही ध्यान रखा करो

तुम्हारे [illegible] ऐसा जाता है कि तुम बच्चों [illegible]

खाना [illegible] हो जाता हो। लेकिन तुमको [illegible]

अपनी जिन्दगी में बहुत से काम करने हैं इस लिए अपने लोग

का खूब ही ध्यान रखना है यह [illegible] होने

पर [illegible] करते हैं। यहां पर सब ठीक है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

[illegible] तुम्हारा शुभचिन्तक

[illegible] [illegible]

[illegible] लिखती होती है लिखा रहा है।

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR, MEERUT~~

Dated ८।२।197०

प्रिय बिटिया सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा २६ ता० का पत्र लिखा हुआ इतने दिन [illegible]
मिला है तुमने तो पत्र में तारीख नहीं लिखी है लेकिन [illegible]
ने पत्र में २० ता० लिखी है। तुम्हारे पत्र से सब समाचार मालूम
हुवे। हम सब यहां पर ठीक ही हैं। तुम्हारे लिये [illegible] ईश्वर से
सदैव प्रार्थना करती हूं। अब तुम्हारे बाबूजी की तबियत [illegible]
ही चल रही है। अब तो पैरों से आया भी नहीं चला जाता है
[illegible] से ही [illegible] [illegible] लिखाई करती हूं
[illegible] [illegible] कुछ भी नहीं है। सब से ज्यादा परेशानी इन
के दांत और की है। बड़ी मुश्किल से [illegible] [illegible] जाते हैं
[illegible] [illegible] नहीं करते है। [illegible] तो बहुत ही [illegible] है पता
नहीं [illegible] [illegible] ईश्वर ने इतने [illegible] दिये हैं। [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] से [illegible] [illegible] में लगा दिया [illegible]
[illegible] कुछ पता लगता है कि ईश्वर के यहां इन्साफ नहीं है
[illegible] बहुत ही दुख पाता है। [illegible] बच्चों को प्यार करते
[illegible] ही दुखी होते हैं। हम दोनों [illegible] बच्चों को प्यार करते
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]। इच्छा तो इतनी [illegible] में रही थी
है कि किसी तरह से [illegible] बच्चों को एक बार देखलूं। लेकिन
पता नहीं हमारी यह इच्छा ईश्वर पूरी करते हैं या नहीं।

नैहे को ईश्वर ने बचा है उन्हें भी बच्चे हैं वह यदि इस
समय कुछ भोपाल में होते तो अच्छा था। लेकिन वे लोग
होनहार होता है वैसे ही बालक बन जाते हैं। कुछ बच्चों को
पढ़ पढ़ कर खिलाता। जिस बात से वह बहुत ही चिन्ता होती है
कुमार सम्पत पर जिन को कुछ नहीं बताया लेकिन पारेश
में गोपी भी होशयार बन रहा है इसने तो बड़ी जिद को बिलकुल
बेकार कौआ ही बनाया था। हो कर जिन को लोग भी
बच्चे होने बच्चों को कुमार बहुत प्यार करता है। इसका जिद
तो लेना बहुत अच्छे वाली थी। अब तो इन्होंने ने बहुत ही
जल्दी रुपया जाल रहे हैं जिसका अब भी इनको जिसका हिसाब
ही उन मानती है। फिर आने को लिखा है इसका हम से बहुत ही
प्यार है। मैं तो सब लिखती रहती हूं। कि अब लेकिन आप
बातें आने जाने में उन्मालो के लिखा बहुत होता है वैसे
लिखता है कि अभी गुड्डा का कहीं भी रिश्ता पक्का नहीं
हुआ है ऐसा तो रोज ही हूं। अच्छा है कुमार आने पर ही
गुड्डो की शादी होगी तो अच्छा है। अब तो वह एक साल से बड़ा ही
बड़े का हो गया है।

निशा को चाहिए कि इसने बहुत ही नहीं दिया था कि
कुछ लोगों को पशीन के बारे में पत्र लिख देना। लेकिन कुमार
भी से पता चला कि उसने कुमार पत्र नहीं लिखा है लेकिन
आर जब वह आयेगा तो मैं उनसे फिर पत्र लिखने को कहूंगा

कुमार की शादी बहुत अच्छी तरह हुई है बताता है
और कुमार भी बहुत बलवान है बालक गांव में भी बहुत ही
अच्छा है मौसी वाली कुमार अपना ऐसा ही दिन है।

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

शायद तुम लोगों को यहां पर देखा ही होगा।

वैसे अब हर कोई तो नहीं होता है लेकिन बच्चे बहुत हो गये हैं। कुमार की शादी में जालन्धर व बटाला में [illegible] पप्पू हमी गये थे। विवाह की दावत के बाद कानपुर वालों में [illegible] आप के गये थे और उसी दिन वापस लौट गये थे।

यहां पर जाड़ा यहां पर है तो है ही। लेकिन इतना ज्यादा नहीं है जितना कि पहले थे। [illegible] यहां पर इतनी नहीं पड़ी है। [illegible] तो यहां आते थे। [illegible] जाड़ों में जालन्धर [illegible] आयेंगे वह लोग [illegible] [illegible] यहां पर [illegible] में [illegible] [illegible] की [illegible] यहां पर [illegible] बातों को [illegible] [illegible] [illegible] है और इसके [illegible] को तो [illegible] याद रहता है। यह तो एक [illegible] [illegible] हो गया है। [illegible] में तो [illegible] है। [illegible] हो रही है यहां पर भी [illegible] की शादी [illegible] और [illegible] को [illegible] की [illegible] चला गया है। [illegible] ने भी लिखा है कि [illegible] [illegible] बुलायेंगे [illegible] [illegible] [illegible] मैं [illegible] जाऊंगा।

पप्पू को [illegible] [illegible] में [illegible] रहा था। लेकिन [illegible] थे कि [illegible] को [illegible] लिया जायेगा। [illegible] तलाक तो हो जायेगा

अब रात्रे का क्या असर का पता चलेगा कि क्या हुआ है
बच्चे रिजल्ट के यही आखिरी है कि स्कूल से ही यह बात
निकल जाय। यह भी देख लेंगे पहले चिन्ता हटायेगी।
नानीजी का उनके कारण ही तो यही है कि इसको नौकरी है शायद
बलवान नहीं है। और यदि यह नहीं है तो बहुत ही अच्छा है
ईश्वर करे नौकरी हो ना हो।

तुमने लिखा है कि सोफा सिलने के लिये तुम्हें नहीं
जाते हैं आजकल कोई सिलने वाला नहीं के जाते हैं ठीक
ही है। जब सुशील गया था उन लोगों ने सुशील को सोफा
[illegible] पास रहे ही थे। यह पैसा भी होता था लेकिन बलवान
हो नहीं जायेगी और इसके यहां से पता भी लग जायेगा कि
इस पैसे होते तो तुझे तो तुझे अवश्य भेज देते यहां पर
तो इस व्यापार ही है। मैंने सोचा तो [illegible] सुधीर बीमार
यहां पर और भी बहुत सी पढ़ता था कि सब के लिये
लेकर आई है। तुम्हारी बहन के कुछ बच्चे नाम है यानि यहां
लिखना। हां इसको तो लोकर से निकाल के उसको जाना पड़ता
और मेरे साथ कौन जाता। यह बड़ा ही जरूर हो गया है।
तुम्हारे बाबूजी को तुम्हारा व सुशील को मेरा आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी माताजी

प्रकाशवती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 6/2/197[illegible]

प्रिय मेरे शैल तुमको हमारा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद

तुम्हारे दो पत्र हमको मिले एक पत्र 23 ता० का
और दूसरा 28 ता० का मिला दोनों पत्रों से तुम्हारे सब समाचार
मालूम हुए। और अब हमारे पास तुम्हारी वहाँ की [illegible]
है कोठी बहुत सुन्दर है देखकर बहुत ही अच्छा लगता है। फोटो से
पता लगता है तुमने व गुड्डा ने वहाँ पर [illegible] के पास [illegible]
फोटो खिंचवाई है। [illegible] होता है कि [illegible] देखते ही कि
कोठी वह [illegible] भी आ गया है। क्योंकि हम [illegible] को [illegible]
हुए देखेंगे। ईश्वर करे वह दिन भी शीघ्र ही आवे।

यह अच्छा है वहाँ [illegible] बहुत ज्यादा नहीं पड़ा है
वहाँ पहले से ठंड व [illegible] की [illegible] हो जाती है [illegible]
तो वहाँ पर होती ही रहती है। विचार तो है दोनों को अभी
कुछ फायदा नहीं है वैसे हमारे लोग तो यहाँ ही रहे हैं
यह तो [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
नहीं जाता है। तुमने जो [illegible] को पत्र लिखा था उसने
उसको तुम्हारा पत्र दे दिया था। विचार है [illegible]
[illegible] देंगे तब ठीक है। तुम कुछ मत लिखना

इन लोगों को पत्र लिखने को इतना चाव

तुमसे ही सबको पत्र लिखने की ... रहता है

यहां पर भी बस इसी महीने जाड़ा है फिर तो बस मौसम अच्छा हो जावेगा।

इस तुमको दो बार में १०-१० टिकिट ३० पैसे वाले भेजे हैं अब शायद तुमको मिल गये होंगे मिलने पर लिखना। अबकी बार भी १० टिकिट भेजेंगे। जब भी तुम्हारे पास टिकिट खत्म हो जावेंगे तो हमको लिख देना हम और यहां से भेज देंगे बेकार पता होगा। तुम्हारी पढ़ाई ठीक ही चल रही होगी तुम आजकल जाड़े की वजह से साइकिल नहीं चलाते होगे। तुमको तो अपनी नानी से बात करने का समय भी नहीं मिलता होगा क्योंकि वह तो बिचारी ज्यादह घर बाहर ही रहती हैं। तुम्हारे बाबा भी तुम सबको याद करते रहते हैं। बेटा मैं तो अपना बहुत ही ध्यान रखती हूं। और तुम भी हर एक पत्र में यही लिखते रहते हो कि अपना होना ध्यान रखना। बेटा तुम भी तो अपना सब ध्यान रखा करो। प्रिय सुशील लोगों को हमारा आशीर्वाद। सबको भी हमारा आशीर्वाद व प्यार

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY~~ NAGAR,
~~MEERUT~~
Dehradun

Dated Feb 12 1980

My dear Sushil

I am in bed but a bit better. I again request you to please take care of your mother after me. We have lived so long together & I feel she will have comfort under your care. I am writing this as a precaution there is no danger of life yet & hope to live for some time & may be able to see you on return.

It is only as a precaution that I am writing this. At present I am invalid & as Subodh has to go for office at 8.30 we have engaged a person for three hours daily at Rs 100/= a month to help me to go to cabin & do work for my health.

with love
Yours
[illegible]

we had sent 10 stamps in each of the last three letters.
[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 23. 3. 197[illegible].

प्रिय बिटिया गुडिया तुमको ढेर सारा बहुत सा प्यार।

तुम्हारे दो पत्र मिले थे पत्र आदि के इनके उत्तर दे दिया था। तुमको मिल गये होंगे।

तुम्हारे बाबा जी [illegible] होते ही चल दिये हैं घुटने पर [illegible] आराम सा हो गया है। इतनी बात है चलने में बहुत परेशानी होती है। नीचे पैर नहीं रख सके हैं। क्योंकि नीचे पैर रखने से वह दर्द करता है इसलिये यहां लोगों के कहने से उनको बहुत परेशानी होती थी क्योंकि यह अपना काम नहीं कर पाते थे। उन्होंने [illegible] एक डाक्टर होम्योपैथिक से इलाज किया है वह उम्र में [illegible] ज्यादा है और दो तीन घंटे इलाज का काम कर जाता है [illegible] को [illegible] लिखना [illegible] खुद से लिखना मालूम करता था। इनके पड़ोस [illegible] होने से [illegible] पैसा [illegible] लेता है। इस लिये इस आदमी के [illegible] से उनको बहुत आराम सा हो गया है। सब से ज्यादा परेशानी [illegible] को थी [illegible] तरह से [illegible] थी क्योंकि यह [illegible] जाते हैं

एक कमरा था जो किरायों लगा भी नहीं होते थे
किरायों का कोशिश करती हैं साढ़े चार बजे फिर से
शाम के ५ बजे तक का होगया है। इसका रु० १००) मासिक
देंगे। लेकिन देखो और कोई बात नहीं है जब जगह
को हो गया है। अनुपमा का पता भी आया है उसने पत्र
मे प्यार भी भेजा है) इन बालिकाओं को भी तुम्हारे
लिखा प्यार है तुमको लिखना जरूरी होता है कि मैं लिख
नहीं सकता हूं। यहां से प्यार के पत्र लिखते हैं। यदि मैं घर होते
तो कमला भी चिन्ता रहती थी। देखो भी उसने के दोनों
बच्चियों को प्यार लिख दिया जाना। यहां पर सब ठीक है
लिखिया तुम किसे भी बहुत ही याद आती है अभी इतना
समय भी मिलने बहुत अच्छा लगता है। लेकिन किसको इतना
समय भी शौक ही होते और तुम लोगों को इस ठीक से रहे

तुम्हारे पहाड़ के सिलसिले का नाप ठीक से पता रहा
होगा। मेरे भी इतना तुम्हारे लिए जो बहार की लिखी
हुई ५ दिन गई है। बहुत याद आई है।

प्रिय सुशीला ने सोना को इलाज कराना था
जरूर जाना। पहचान शीघ्र ही देना। तुम उसके बच्चों
को और के उनके से मिलना मत जाना। अनुपमा ने लिखा है
कि रखनी वाला मौसी और से बहुत ही दुःख मानती है। सब
से मौसी की चिन्ता होती ही है।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाशवती

[illegible]

[illegible]

[illegible]

प्रिय सरोज [illegible]

[illegible] रहा है कि [illegible] के बारे में [illegible] लिख [illegible] लिया है कि [illegible] के लिए [illegible] नहीं [illegible] पत्र नहीं लिखा है।

[illegible] पत्र [illegible] के पास पहुँचा होगा [illegible] के लिए [illegible] है [illegible] को लिख दें। [illegible] को लिखने का [illegible] पड़ता है [illegible] है। [illegible] है कि [illegible] ने [illegible] नहीं लिखा है।

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 23/3/197

प्रिय बेटे शैलू तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

मेरा तुम्हारे को पत्र डाले थे और हमने दोनों पत्रों का उत्तर भी दे दिया था शायद तुमको मिल गये होंगे और हमको फोटो भी मिल गई हैं। फोटो बहुत पसन्द आई हैं।

तुम्हारे बाबा जी बहुत कुछ ठीक हो चल रहे हैं वैसे तो हम इतना बहुत ही ध्यान रखते हैं लेकिन [illegible] नहीं बता सकते हैं [illegible] भी [illegible] हैं [illegible] तुम्हारे तो बहुत होते हैं क्योंकि [illegible] बहुत उठना रहे हैं और [illegible] निकल कर ही बैठना रहता है। [illegible] है कि इनको बहुत [illegible] तो हो। वैसे यहां का हवा [illegible] नहीं पता है [illegible] कि हम डरते थे। क्योंकि [illegible] बहुत नहीं हुई है और बेटा ये तो उनका बहुत ही ध्यान रखती हूँ। क्योंकि ये तो तुमसे मिलने की इच्छा बहुत है और तुमसे इनको मिलाने का चाव है। मुझे [illegible] ही पढ़ना तो हूँ।

अब योगेश को गये बहुत दिन बाद गया है शायद यह कानपुर से आया है उसको [illegible] में नौकरी मिल गई है उसने लिखा है कि अशोक ने भी पत्र डाले लिखा है और उनकी नौकरी भी लगी है। योगेश ने पत्र का उत्तर भी देता है।

२६.को से यहां पर सूर्य ग्रहण पड़ेगा सुनते हैं कि
पूरा सूर्य छिप जायेगा अंधेरा हो जायेगा केवल ग्रहण
२२ मिनट बाद में पड़ेगा। सभी देखना ही चाहते हैं

मदन के हृदय का भी फल जाता है उसने पत्र को
ऊपर भी रख दिया है। वह भी किसानों का अच्छा पत्र लिखती
है। इसके लिये तो सभी रिश्तेदार व बाहर वाले सभी
ठीक हैं। नीला १५ जनवरी को स्कूल छोड़ देगा और शायद
लखनऊ चला जायेगा क्योंकि मेरठ का बाद उसका तबादला हो
गया है।

तुम्हारा बुखार ठीक हो चला ही होगा।

शेष सबको व तुम्हें यथायोग्य उन दोनों को
प्यार आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।
एक बार मैं १० ~~पोस्टकार्ड वाले~~ टिकट लेते हैं एक बार मैं
३० लेते हैं २०--३० पैसे वाले

तुम्हारा अजय का
लिफाफा तुम्हें मिल गये होंगे।

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44, E.C. Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dehradun

Dated Feb 19 1970

बेटी गुड्डा ! खुश रहो

प्यार ! ज्यादा प्यार भेजा है ।
खुश रहना [illegible] । और [illegible]
नहीं है । खुशी से [illegible]
काम करो । चिन्ता न करना ।
है तुम्हारी पुरानी आदतें
सब याद आती रहती
है । सब ठीक है

तुम्हारा बाबा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

44, E.C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
Dehra Dun

Dated Feb 12 1970

बेटी अंजू आशीर्वाद।

मेरा प्यारा बेटा। रात दिन
जिस को प्यार से पाला है मैं
ने। याद आता है। सहता है।
पर शिकवा नहीं करना।
ईश्वर अपना काम करता है।
अभी उम्मीद है इस
मिलेगा। मैं इस वक्त
बदन से ठीक नहीं हूं। और कुछ
लिखना नहीं है।

शुभ आशीर्वाद
पापा

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
MEERUT

Dated २८।३।197-

प्रिय चिरंजीवी सरोज तथा सौभाग्यवती रेखा

तुम्हारा १४ तारीख का लिखा हुआ पत्र इस मास के मिला। पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। २ फोटो भी मिली एक इसमें यह अकेला फोटो मिली है। यह दो फोटो ऊपर मकान की हैं या कुण्ड गार्डन की वहां की हैं। फोटो तो बहुत ही सुन्दर व साफ़ हैं।

तुम्हारा बाबूजी तो आज कल देहली रह रहे हैं उनको इतनी तबियत ठीक नहीं रहती है। आज पोस्टकार्ड के द्वारा आये हैं। मैंने उनसे तुम्हारा पता लिखने को कहा था पर कहते हैं कि इस बार पर पत्र लिखकर रख आये हैं अब सुरेश को पत्र अवश्य डाल देना। रमेश को पत्र भी शायद तुम्हारे वा पत्र के साथ ही मिलेगा।

अब तुम्हारे व रेखा के कानपुर से थोड़ा देर के लिये आये थे तुम्हारा तो एक पेडल तो ही था ही दिया [illegible] रुपया २० ता० को कानपुर चला गया क्योंकि साथ के पलंग को भी ला रहा है। तुम्हारा व रेखा यहां से मेरठ को जाने के वास्ते गये हैं। क्योंकि उनके मकान मालिक ने १४ फरवरी को मकान खाली करने के लिये कहा है

सो इसलिये जब मेरठ को छोड़ना है और जब मेरठ में तो
कुछ सामान इकट्ठा किया रखे हैं। जो जरूरी सामान था
मोटे ही सोचिए मेरा गेहूँ गुड़िया को [illegible]
छोटे मोटा मेरे सामान यहां देखना है वह जरूरत
मिलना मकान से भाव होगा। मेरा जो बेकार का सामान
बेकार था है वह किसी को बेच ही दे जायेंगे। और
मेरठ से ही भला ही [illegible] होंगे। ख्याल है कि
मेरा इसके बाद से सन् १९७६ में कुछ कमाई की वह
शायद कुछ ज्यादा होगा या ज्यादे वाला होगा। क्योंकि
पिछले सन् १९७३ की कुछ कमी हुई थी इसमें तो
कुछ बाकी है। लेकिन जब मेरा जब देते हैं तो उसका
सामान भी दिखलाना पड़ता है। इससे पहिले से इस
बात का पता नहीं था जब हम यहां पर आये थे तो
इसके सामान कोई [illegible] लिखते हैं कि
बिना सामान को ले यह जब नहीं होते हैं तब [illegible]
की ही बात है ऐसे [illegible] पर [illegible] शायद [illegible]
आ गये थे तो हम यहां पर आ गये हैं। [illegible]
[illegible] तो [illegible] ही लिखना। [illegible] हैं
[illegible] मेरठ तो कुछ ही नहीं बातें हैं। मेरठ से
[illegible] तो [illegible] पता नहीं
यहां पर [illegible] होगा।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

इनके हमारे बेटों को सब छोड़ के चल दिया है

लेकिन उनका आराम आप नहीं दे रहा है और
बदकिस्मत तो इतने हो गये हैं कि जिन्दगी का भी [illegible]
नहीं बैठ सके हैं रात में नींद भी नहीं आती है तो
फिर गोली लेकर खाना देते हैं तब नींद [illegible] दे
जाता है। सब डाक्टर के यहाँ जाते हैं कि इनका कुछ तो
हो। [illegible] हो रहा है। [illegible]
[illegible] नहीं [illegible] कि इनका कुछ तो हो। [illegible]
[illegible] है। [illegible]
कि इनके [illegible] है तो [illegible]
लिया है [illegible] है और [illegible]
[illegible] है [illegible]
[illegible] में नहीं [illegible] जाता था [illegible]
[illegible] नहीं रहा है। [illegible]
[illegible] हो गई है। [illegible]
[illegible] है।

यहाँ पर [illegible] गाड़ी तो चलती नहीं पड़ी है यहाँ से

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

ज्यादह ज्यादा तो इनके पेट में जाता था। और इनके बाबूजी को [illegible] में बैठे ही रहते हैं [illegible] ने खूब मैं [illegible] के अन्दर बिल्कुल [illegible] कर [illegible] देते हैं

सरोज का बड़ा लड़का शायद 22 वर्ष का हो गया नहीं तो उमर पर ही बैठा था दूसरा [illegible] लड़का [illegible] में [illegible] था और [illegible] लड़का [illegible] है वह पढ़ता है। [illegible] रहते हैं [illegible] हो ही जाता है [illegible] को [illegible] को [illegible] क्यों जाता हो मैं तो [illegible] हूँ। कुछ [illegible] का क्या होता है। [illegible] का [illegible] रिश्ता नहीं लिया है नहीं [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] शादी [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] को [illegible] शादी के [illegible] [illegible] रहे हैं। यह [illegible] है [illegible] रिश्ता हो जाये [illegible] तो [illegible] हो [illegible] को [illegible] के [illegible] देंगे। लेकिन शादी की इतनी जल्दी नहीं होनी चाहिये [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] उड़ा रहे हैं। पता नहीं [illegible] का [illegible] के क्या निश्चय हुआ है [illegible] [illegible] पर [illegible] का। [illegible] पता चलेगा। [illegible] तो [illegible] ही होगा वह तो [illegible] [illegible] ही [illegible] है। तुम्हारे बाबूजी का [illegible] [illegible] के [illegible] को [illegible] कहें। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, ~~VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated [illegible] 197[illegible]

[illegible]

बैंक को ड्राफ्ट २०। वाहन ने लिख दिया है लेकिन
तुम्हारे [illegible] का रस्तोगी ने [illegible] के बारे
तुम्हारा कहना था कि मैं इतना [illegible] में [illegible]
बाप के रिश्ता हुआ वहां पर इतना पैसा भी ज्यादह
दिखा हुआ। और पैसा लालच से मिलेगा रहेगा
घर पर बैठे आदमी [illegible] होता है इतना ही
[illegible] तुम्हारे को [illegible] बोलते हैं
अंदर में ऐसा नहीं होता है।
रस्तोगी को नौकर ने मेरठ को नगर छोड़ दिया
है। इधर [illegible] रस्तोगी को पहले मेरठ जाकर देख
कर सामान [illegible] को [illegible] होगा। एक रोज
[illegible] में यहां पर [illegible] मिलती है। [illegible] हो
गया परेशान सा है। [illegible] हरिद्वार
[illegible]। [illegible] हो रहेगा। [illegible]
के पास [illegible] है। [illegible] ने पत्र का उत्तर भी
दिया है। [illegible] मिला पता नहीं
[illegible] होंगे [illegible] से नहीं।
सब बड़ों को और [illegible] वाला जी को [illegible]
[illegible] से [illegible] में [illegible] है [illegible]
[illegible] वाला जी पत्र का [illegible]।
[illegible] ही देना। [illegible]
[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २९।२।197-

प्रिय बेटे शैल तुम्हें हमारा बहुत प्यार

तेरा तुम्हारा पत्र कल मिला और साथ में दो फोटो भी मिली हैं एक फोटो में तो तुम चारों बैठे हो और दूसरा फोटो में गुड़िया है जो कि शायद ने साथ [illegible] होगी वो गुड़िया [illegible] है लेकिन फोटो दोनों बहुत ही सुन्दर हैं। देखा मन होता है कि [illegible] देखते ही रहें पता नहीं वह शुभ दिन कब आयेगा जो तुम सबको [illegible] देखेंगे। [illegible] बहुत दिन हैं। और तुम लोग कैसे होगे। [illegible] होगा यह दिन भी शीघ्र ही आयेगा।

तुम्हारे बाबा जी अब [illegible] तुम [illegible] ही चलते हैं कमजोर तो हो ही गये हैं। [illegible] तो [illegible] है। और मेरा भी तो [illegible] ही हूँ। मैं तो अपना ध्यान तो रखती ही हूँ। [illegible] तुम लोगों को देखने की [illegible] है और [illegible] [illegible] के [illegible] है। तुम मेरी चिन्ता मत करना

तेरा इस पत्र को [illegible] तो [illegible] ही [illegible] दे देता है [illegible] होगा [illegible] लिख पाते होंगे और तुम्हारे बाबा जी तो बहुत ही [illegible] देते हैं कि बच्चों को पत्र लिखते हैं। [illegible] तो ऐसी चिन्ता मत करना नहीं।

नरेन्द्र इतने दिनों से तुम्हारा कोई पत्र नहीं मिला है

और तुम्हारे बाबा जी भी निर्मल कुछ लोगों के अपने हाथ

से पत्र लिख ही देते हैं। वैसे तो अच्छा रहता है बच्चों

के पत्र लिखने हैं। चाहे पत्र नहीं जायेगा तो वह भी और

के लिखा करेंगे। अब तो शायद लखनऊ चला जायेगा

वैसे शाहदरा निर्मल के है पब्लिकेशन को भेजा होगा है

इसलिए करेंगे नहीं तो नहीं उनसे नाम मिलती जायेगा

मेरा मन तो बड़ी इच्छा की बात लिखता हूँ

कि तेरा पत्र लिखने में कुछ भी समय न पेपरों से

पत्र आता है वह तो पढ़ु पता पुनरपा लड़की ने चलाया

था उनके रात्रि पुनरपा खोल गए हैं। यह बहुत बात

उन्होंने हुए हुई है सुख उन लोग की बात हो

गई है। वैसे लेकिन बात में स्वच्छ की वे सारी को होता

ही है। इसलिए बार गुड़िया का पत्र नहीं आया है उसने

इसलिए बार पत्र लिखेगा।

तुम्हारे बाबा जी का शुभ रहे की आशीर्वाद और प्यार

और गुड़िया को हम दोनों का प्यार

लिखो तो इस्तेमाल देने लायक गया था उतना

ठीक ठाक भी नहीं आया है। और ज्यादा भी इतना अनुभव

नहीं है कि बात उत्तर ले ही है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाशवती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ३६/२/197८.

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

बिटिया ७ ता० को लिखा हुआ पत्र हमको १५ ता० को मिल गया था। तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। और (सुशील को पत्र व १००) का चैक भी मिल गया है।

तुम्हारे बाबा जी अब ठीक ही चल रहे हैं। [illegible] तो ठीक हो रहे हैं इसके [illegible] से [illegible] से २ [illegible] तक [illegible] ११ बजे तक के लिये तुम्हारे बाबाजी ने [illegible] लिये [illegible] है यह [illegible] [illegible] के [illegible] तुम्हारे बाबा जी को [illegible] [illegible] के [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] को जाता है इसलिये [illegible] से [illegible] [illegible] के [illegible] हो गया है। अब इनसे [illegible] नहीं रही है [illegible] [illegible] नहीं रहा है। [illegible] से यह [illegible] [illegible] जाता है। [illegible] तो भी [illegible] तो जाते ही हैं। तब तो [illegible] [illegible] से [illegible] [illegible] [illegible] जाता है। [illegible] [illegible] के नहीं [illegible] हैं। [illegible] [illegible] नहीं है [illegible] [illegible] नहीं लगता है। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] रहे हैं।

बिटिया तुम लोगों को [illegible] [illegible] ही [illegible] [illegible] हो [illegible] [illegible] तक तुम लोगों को [illegible] बाबा को प्यार दिया है तुम्हारे [illegible] ने चाचा जी - चाची ने [illegible] बाबा [illegible] [illegible]

नहीं देखते हैं, और सदैव को कोई इच्छा ही नहीं है। फिर भी
यदि ईश्वर ने चाहा तो तुम अपने अवश्य बाबा जी से मिलोगे
और उनका ही प्यार मिलेगा। तुम तो बिना होशियार के सब बातें
ठीक समझते हो। ईश्वर ने आगे लिखी जो कुछ नहीं चलती
है। आशा है कि तुम अपने बाबा जी की ओर से इतने परेशान
नहीं होगे। इनकी जो बातें सब जानते ही रहे हैं सब देना तो
ईश्वर के आधीन ही है। अब और क्या लिखें। यह तो अवश्य है
ठीक है कि तुम सबको अपने बाबा जी की याद तो आती ही होगी यह
तो स्वाभाविक ही है और तुम्हारे बाबा जी भी तुमको याद करके बेचैन
हो जाते हैं लेकिन यह क्या पता था कि ऐसे कारण बनेंगे।

अब यहां पर वर्षा नहीं पड़ रही होगी यहां पर तो अब
पानी के बाद जाड़ा कम हो गया है। अनुपमा व [illegible] के पत्र बराबर
ही प्यार भरे आते रहते हैं और अब तो ईश्वर [illegible] को
भी पत्र आया है शायद तुमने यहां का पता मालूम किया होगा
यह भी बाबा जी की ओर से बहुत ही चिन्ता करती है इसके
तो सब को ही बहुत प्यार है। [illegible] का यहां पर भी पत्र आया था
उसने अपना [illegible] फोटो को लिखा है कि फोटो बहुत अच्छे हैं लेकिन
फोटो में अब [illegible] नहीं पता चलता है क्योंकि पतला आदमी मोटा
हो जाता है और मोटा पतला। इस पत्र को मिलते ही उत्तर लिखते रहें
और लिखते रहना [illegible] तो चिन्ता मत करना।

तुम्हारे बाबा जी को तुम्हारा आशीर्वाद। [illegible] के
लोगों को इस [illegible] को आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारा [illegible]

प्रकाश [illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 3-6-1-3-1 197–.

[illegible]

प्रिय चिरंजीव [illegible] तुम्हारे द्वारा [illegible]

गुड़िया के [illegible] वर्ष का लिखा हुआ पत्र

इसके यहां पर २५ ता० को मिल गया था [illegible]

गया है। तुम्हारे [illegible] हैं [illegible]

[illegible] ही हो गये हैं। फिर भी [illegible]

भाग्यवान हो जो २१-२२ वर्ष से [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

ऐसा महान नष्ट होगा। इसके नष्ट होने से बहुत
ही दुख का अनुभव होता है लेकिन उसके बाद जो बात
रही है। जो २ कष्ट इन बिचारों को होते हैं वह और
नहीं भोगेंगे जैसे ज्यादा थे और दुख के होंगे
हैं। पता नहीं कितनी व्यवस्था की गई है [illegible] के
नहीं आने के बाद तो इस दुख से बहुत ही ज्यादा हैं सब
साथ जाते हैं और रह जाते हैं। पता नहीं कितना [illegible]
लगी है। [illegible] दुख ही [illegible] है।

पता है कि कुछ दिन ठीक ही होगा। [illegible]
ठीक ही हैं। मकान के पास [illegible] हैं। [illegible] ने
एक [illegible] छोड़ दिया है वह मकान तुम्हारे [illegible] ने [illegible] में
गया था। नरेन्द्र जी ने कह दिया था कि [illegible] मकान
और [illegible] सामान [illegible] मकान [illegible] का
सामान भी [illegible] रखवा दिया है और [illegible]
[illegible] चला गया है। [illegible] हो गया है
[illegible] और १८ ता० को [illegible] चली गई है

तुम्हारी तबियत ठीक होगी। [illegible] को [illegible]
[illegible] बाबूजी का आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

प्रकाश [illegible]

प्रिय बेटा सुशील नीरज कमला को चिरंजीव रहो

तुम्हारा पत्र मिले सब समाचार मालूम हुए हैं

एक बहुत बड़ी खुशी की खबर तुमको सुनाती हूं।

अभी २ राजेश का पत्र आया है।

राजू के अदालत में मुकदमे में फैसला हो गया है। और उसे तलाक मिल गया है।

उन लोगों से कोई वास्ता नहीं रहा है। उस ईश्वर को बार २ धन्यवाद है जो उसने हमारी प्रार्थना सुनली है और इज्जत से यह काम निपट गया है। मेरी एक प्रार्थना तो ईश्वर ने सुनली है शायद तुम्हारे पास भी राजेश का पत्र आया होगा।

प्रिय बेटा तुम्हारे बाबू जी को गये बहुत दिन नहीं हुए हैं उनकी दिन पर दिन जुदाई बढ़ती ही रही है। फिर भी बेटा तुम लोग बहुत ही भाग्यवान हो। जो तुम्हारे बाबूजी ने दरबार बना है और तुम चारों भाइयों के ऊपर अपने बाबूजी की छाया रही है लेकिन यह शरीर तो नाशवान होने वाला ही है इसका तो ऐसा ही रहा है। मेरा फिर भी सहारा तो है ही कि शायद तुम लोगों को देखलूं। जो तुम सब खूब समझदार हो।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 26. 3. 197-

प्रिय बेटे सोनू तुम्हें ढेर सा बहुत सा प्यार

मैंने २५ता० को गुड़िया व प्रदीप को पत्र भेजे थे जिनका जवाब आ गया तुम्हारा पत्र नहीं था शायद तुमने पत्र लिखने का समय नहीं मिला होगा और प्रदीप व गुड़िया ने पत्र के कुछ सवालों के उत्तर तो लिख ही गये हैं। यहां पर १८ता० को देहरादून के रवाना करके ८० पर ग्रहण सूर्य ग्रहण पड़ा है इस ग्रहण का बहुत [illegible] भी इस लिये हम सब देखना [illegible] [illegible] ने [illegible] ही [illegible] लेकिन कहते हैं कि [illegible] से ज्यादा [illegible] गया था। और [illegible] के पूरा सूर्य ग्रहण पड़ा है। [illegible] को [illegible] ठीक ही रहे हैं। तुम्हारी पढ़ाई ठीक ही चल रही होगी।

मेरा तुम्हारे बाबा भी सब ठीक ही चल रहे हैं लेकिन बुखार तो बहुत ही होते जा रहे हैं [illegible] कुछ नहीं है [illegible] [illegible] नहीं लगता है। मेरा तुमको [illegible] बहुत ही [illegible] हो गा १५वर्ष तक तुमको उधर बाबा जी का प्यार मिल रहा है और [illegible] और [illegible] है लेकिन तुम्हारे [illegible] के पापा-चाचाजी ने तो उधर बाबा जी को देखा तक भी नहीं है। प्यार मिलना तो [illegible] रहा इस लिये कुछ लोग [illegible] को रहते ही [illegible] [illegible] और यह प्यार को [illegible] को

इसलिए इतने बच्चे नहीं होता है जब कोई होता ही है

लेकिन फिर भी ज्यादा तो यही है कि प्रतिदिन कोई न कोई आदमी

मिलने आता रहता है। लेकिन आजकल तो प्रायः सभी

सेवक ही आते हैं। अब इतना एक यही इच्छा है कि

मैं अपने बच्चों को एक बार देख लूं। मगर ईश्वर ने

आशा तो इतनी है कि यह पूरी होगी ही। वैसे मेरा

मन तो उन दिनों को याद ही होता है जब लोग भी

बहुत ही भाग्यवान हो जो तुम्हारे बाबा जी को सब करना

नहीं पड़ रहा है। आशा है कि तुम मेरी बात समझोगे

और उसका ध्यान रखोगे। और ईश्वर ने चाहा तो अपने

बाबा जी के लिए भी जरूर आओगे क्योंकि अब तो तुम्हारे आने में

केवल १ वर्ष से कम ही रह गया है।

बापू के होने की खबरें जो अखबार पत्र छपता

है उसमें लिखा है कि उनका पता नहीं है अब तक

गांधीजी जेल में और वह तो छूटने वाले ही हैं बापू के भी

बहुत थोड़े दिन तो बाकी रहे। अब तो वहां पर वर्षा नहीं

पड़ रही है। इसके बाद भी एक। रुक-रुक किन्तु

हिन्दुस्तान वाले तुम्हारे पास भेजते हैं लेकिन पता नहीं पहुंचते हैं

या नहीं क्योंकि ज्योतिप्रसाद पत्र में तुमने लिखा नहीं है।

सब लोगों को तुम्हें प्यार। सोना तुम्हारा को इलाज

करवा ओर। योगेश का भी तुम्हारे बाबा जी के पास पत्र छपता है

उत्तर पत्र का भी इन्तजार देख हैं। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~ 44 East Road
~~MEERUT~~ D. Dun

Dated Feb 19 1980

प्यारी बेटी [illegible] खुश

रहो सदा खुश रहो। मैं

बेटी [illegible] तुम्हारी

याद आती रहती है रात

दिन हर समय आती है

पर क्या करूं मजबूर हूँ

[illegible] तुम्हारी

[illegible] बेटी

तुम्हें तो मैं [illegible]

हर समय याद करता

रहता हूँ। बस

तुम्हारा बाबा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 E. C. Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dehradun

Dated Feb 19 1970

My dear Sushil — Love

Your letter with the Draft was received. It is strange that two bags carried no letters from us. We had sent 10 stamps with each of these letters. We don't know if they reached there! I am not in good health. I have to take the help of two persons and a stick to move a single step.

It is luck. There is yet no danger to life but as a precaution I have written to you and hope you will take care of your mother. She is so familiar with all of you.

With love
Yours aff—
[signature]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 E C Road
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~
D. Dun

Dated Feb 1980

प्रिय [illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible]
की [illegible] । [illegible]
तो हर [illegible]
रहती है। और [illegible]
रहेगा। [illegible]
की [illegible] है। आशा है इस
[illegible] नहीं। [illegible]
[illegible]

तुम्हारा [illegible]

[illegible] Rai

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २२।२।197

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको हमारा बहुत प्यार

तुम्हारा १२ता० का लिखा हुआ पत्र और दो फोटो और एक तुम्हारे बाबा जी ने बाल तुम्हारा भेजा हुआ कई फोटो लिफाफे हमको कल २१ता० को मिल गये हैं जिसे देख कर तो बहुत ही प्रसन्नता होता है। यह दोनों फोटो आप ही खिंचवाए हैं या नहीं वहां एक फोटो तो बहार की जाती है उसने पता नहीं यह रंगीन कैसा बैठा है किस जगह का है। वैसे दोनों फोटो बहुत ही अच्छे हैं।

और इन फोटो के भीतर लोगों ने गुब्बारे व पैराशूट जो खिंचवाए हैं वे तो सचमुच निराले और मौलिक बनाये और हो गये हैं। लेकिन स्वास्थ्य के लिये यह बात याद रखो कि यह तो हमारा बड़ा सौभाग्य ही है अच्छा है इस देश के लोग रंग बिरंगे कपड़े पहनते हैं। वैसे लोग वैसे हर चीजों के पहनने का शौक भी है ईश्वर करे हमको इच्छाएं पूरी हों।

तुम्हारे बाबा जी की तबियत तो वैसे ठीक ही चल रही है बलोगों तो डर हो ही नहीं रहा है क्योंकि एक कुछ रोग नहीं रहे हैं इनका नजरा भी एक बहुत ही कम लेते हैं

इस सम्बन्ध हो गया था। क्योंकि हम लोग बड़े रहने से इस
विवाह को प्रभु की कृपा मानते हैं। विधाता ने इतना बड़ा
जिन्दगी में कोई नहीं उठाया है भगवान ने बच्चों का
सब कुछ दे दिया है केवल पहला ... को इतना कष्ट हो रहा है
लेकिन होता को बीमार डाल दिया है। विधाता की इच्छा तो
यही है कि वह लेकर जाने पड़े मैं अपने बच्चों से दूर तक
ठीक रहूं। आशा तो यही लगा रखी है। और ईश्वर की दया
से कुछ लोगों ने कहा है फिर भी अब बस ही हो रहे हैं
वैसे तो ईश्वर ने क्या होगा नहीं होगा। मनुष्य के ध्यान
से क्या होता है।

बच्चन का पत्र आया है उसके पत्र का उत्तर भी दे
दिया होगा। अब विचार है पत्र मिला तो प्रसन्नता से हो
जाता है लेकिन मेरा मन तो यही होता है कि मैं अपने
बच्चों के पास तक वह लेकर जाने भी ठीक रहूं। वैसे
निरिधा कुछ उनके मत माना ईश्वर [illegible] तुम्हारे बाबाजी
उसके लिखेंगे ही। मेरा मन तो यही होता है कि मैं अपने हाथ
से बच्चों को लिखूं। मेरा हाथ का मैं पत्र का देखने से बच्चे
उदास से हो जायेंगे। तुम्हारा प्यार ठीक ही चल रहा है
इतनी पहले होने पर भी उनका [illegible] का नाम भी देखना
पड़ता है। सब तुम्हारे [illegible] के पास बैठे हैं।

तुम्हारे बाबा जी को और सबको का आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

द्वारा [illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २२।३। 197-

प्रिय बेटे कुशल सहित प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा एक पत्र २२ता० का लिखा हुआ और इसका पत्र गुड़िया शोभा का दोनों पत्र व मोटा कोट वजन दोनों २१ता० को मिल गये हैं। कोट भी बहुत अच्छा है।

तुम्हारे पत्र से ज्ञात हुआ कि अपनी किताब जो सुरेश ने मंगाया था भेजनी है और वह २२ता० को देहली जा रहे हैं और अपने पत्र में लिखा है कि वह किताब अब तुम्हारे को या चन्दर को देदेंगे। और यदि अब तुम्हारे को देंगे तो अब तुम्हारे मोहन को देदेंगे और वह भिजवा देगा

लेकिन मोहन ने तो १४ता० को देहली छोड़ दिया है और वह लखनऊ चला गया है क्योंकि देहली का कुछ काम खतम हो गया है। इस लिए यदि उन्होंने अब तुम्हारे को किताब दी तो पता नहीं फिर यहां पर किस तरह मिलेगी

अगर सुरेश ने शायद अब तुम्हारे को पत्र लिखा है कि यदि वह तुमको किताब दें तो तुम उनसे कह देना कि वह देहरा दून का पता लिख कर सीधे सुरेश के पास ही देहरा दून भेज देंगे। अब पता नहीं कैसे व किताब आवेगी। इन चीजों में परेशानी तो बहुत होती ही है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

तुम्हारे बाबूजी की तबियत ठीक नहीं चल रही है
दिन पर दिन कमजोरी बढ़ती ही जा रही है और चिन्ता
भी बढ़ रही है। पता नहीं किस बात की चिन्ता दिन
को लगी है। उनकी बातों से बहुत ही परेशान हो रहे हैं

तुमने पिछले पत्र से पता चल गया होगा
कि रोमा बहू पप्पू बालाकुंज के फ्लैट में चले गये हैं

तुम्हारे बाबूजी को तुमसे व सोना को देखने की
इन्तजार शीघ्र रहेगा।

तुम्हारी मम्मीजी
प्रकाश वती

रेखा दत्त

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 22.1.71 197-

प्रिय बेटे शैल तुमको रेखा का बहुत सा प्यार

तुम्हारा २२ ता० का पत्र इतने दिन में मिल गया है समाचार ज्ञात हुए।

तुम्हारे बाबाजी अब ठीक हो चल रहे हैं लगातार बहुत हो गए हैं। वैसे उनकी बात सब ठीक ही चल रही है दूध तो ज्यादा ... से ... बहुत ... लेते हैं। फोटो भी बहुत ही सुन्दर है। मेरा हृदय तो चाहता तो यही है कि तुम्हारे पास ... ठीक ही रहें अब यह ठीक ही रहें अच्छे से तो ठीक रहने में और भी विचार कर रहा हूँ।

यह बात बहुत प्रसन्नता होती है कि तुम्हारा व गुड़िया की पढ़ाई ठीक हो चल रही है।

अब तो यहां का मौसम बहुत अच्छा हो गया है। बरोदा भी जाड़ा अब तो कम ही होगा। इस सर्दी में तो तुम्हारे बाबाजी का बहुत ही ख्याल रखते हैं। क्योंकि तुम्हारा सबका तो ख्याल है। अब यही चाहते हैं कि तुम सब अपने बाबाजी को देखना। हमारे ... पत्र लिखना बेटा ...

मिला है। दिन गया होगा। यार किसी ने मेरे पत्र का

जवाब तो [illegible] पत्र आना नहीं तक होता है हम हो

एक बार के लिख ही देते हैं।

अबतो तुम्हारे बाबा जी पीछे स्टेशन चौराहा कुछ

ज्यादा नहीं रहे हैं। हां तुमने याद तो आते ही होंगे क्योंकि

पीछे [illegible] तुम्हारे ~~बाबू~~ बाबा जी ने [illegible] बहुत आती है

तुम्हारे बाबा जी ने कुछ लिखा ने बहुत सा

आशीर्वाद के प्यार। प्रिय [illegible] ने मेरा आशीर्वाद

पहुंचा शीघ्र ही देना।

प्रिय मेरा शौक है पत्र लम्बे हों
और [illegible] भी कि तुम्हारा पत्र
[illegible] है। इस [illegible] में कल

तुम्हारा अनुभाग
[illegible] नानी

तुम्हारा ही पत्र है। सब समाचार ज्ञात हुये हैं। और इसी पत्र के साथ में

[illegible] से भी इन्दु का पत्र भी पास आया है। इन्दु ने लिखा है कि हम नवम्बर

बनारस से जायेंगे। और यह जानकर हर्ष होगा कि प्रिय [illegible] [illegible]

का [illegible] पक्का हो ~~[illegible]~~ गया शादी जनवरी [illegible] या अप्रैल में होगी

~~[illegible]~~ - [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] से हो गया है [illegible] [illegible] [illegible]

O.N.G.C. में [illegible] है। [illegible] [illegible] [illegible] ~~[illegible]~~ [illegible]

[illegible] (बनारस) के सुपुत्र हैं। लिखा है कि [illegible] ही [illegible] [illegible]

पत्र मिला है [illegible] [illegible] हर्ष हुआ।

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २५।२।197

चिरंजीविनी शोभिता तुम्हें हम दोनों का बहुत ही प्यार

मेरा तुम्हारा रचना का लिखा हुआ पत्र देखने पर रचना का लिखा गया है तुम्हारा लिखने का पत्र देखने को मेरा बहुत ही उत्सुकता होती है और इधर उधर से पत्र भी मिलते रहते लिखती रहती हो। तुम्हारे बाबा जी कहते हैं ठीक रहे हैं हर समय कहते तो होते हैं कि किसी-किसी बात भूल भी रहीं जाती हैं कमजोर भी इसी कारण हो गये हैं अब तो बैठ भी नहीं लेते हैं और कहते रहते हैं भूल भी नहीं जाती हैं। वैसे दैनिक कार्य तो सब करते ही रहे हैं

तुमने लिखा तुम्हारा रचने का नाम और नया पता तो ही भली हो लेकिन हम तुम्हारे बहुत ही बात मानते हैं और तुम्हारे बाबा जी लिखाते हैं कि बेटी और से लिखा राधिका को लिख देना वह अपना सारे कार्य को एक ध्यान रखेगा तो उसके अभी शादी होगी और मैं भी अभी उतना बेहतर चाहूँगा। और अपनी तन्दुरुस्ती का बहुत ही ध्यान रखना चाहिये।

अब शुचि के लायक हुआ है शरीर तो आगे चलके भी
आराम देखा है और दिलीप तुम्हारे भी इस बारे में
बहुत ही याद करते हैं। आशा है कि अब तक इन दोनों की
बात अवश्य ध्यान होगा और इसमें निराशा नहीं करोगी
मैं चाहती तुमको पत्र है कि अब कैसा खाना खाती
हो। बाजार का भी दूध ज्यादा है लेकिन दूध का भाव
भी बना देता है इसलिए विद्यार्थी के बच्चों के अभी भी तो
बहुत ही कम आते होते हैं। अब बहुधा के भी
दूध बाजार खाते ही होते हैं।

नीलमेश्वर ने घर छोड़ दिया है और लखनऊ
चला गया था उसके बाद से कुछ भी पता नहीं मिलता है
बेचारा बहुत है। तुम्हारा ... की ... ने ... भी
दिखा दिया है ... ने ... दे दी उनका ... हैं
उसने पत्र लिखकर ... देखो तुम्हारे ... तीन
होगा या नहीं। मैंने पिछले पत्र में लिखा था कि ... का
रिश्ता पक्का हो गया है और शादी भी शायद ... तक
हो जायेगी। तुम्हारे बाबा जी और ... तुम्हें व ... को
प्यार व आशीर्वाद। उत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, ~~VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २६ । १२ । 197[illegible]

मेरे प्यारे सुशील जैन प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा १८ ता० का पत्र लिखा हुआ इसका तब २२ ता० को मिल गया है पढ़ के सब समाचार ज्ञात हुए।

मेरा तुम्हारे बाबू जी की तबियत ठीक नहीं चल रही है। ऐसा लगता है कि अब जिन्दगी कट ही रही है। [illegible] तो [illegible] हो ही गये हैं लेकिन पैरों ने अपना और [illegible] बन्द कर दिया है। पैरों से जरा भी नहीं चला जाता है। बड़ी मुश्किल से घसीट कर लैट्रिन तक ले जाते हैं क्योंकि इसमें [illegible] भी जगह है इस लिये बिस्तर पर भी नहीं बैठ सकते हैं। अब पैसे से [illegible] के लिये एक आदमी तीन घंटे के लिये रखा है वह सुबह ९ बजे आता और १२ बजे दोपहर को चला जाता है। इसको [illegible] बर्तन धोने [illegible] सब को जाता है। इसके आने से मुझको इस [illegible] के बाद से बहुत आसानी हो गई है। जब यह आता रहेगा तो ठीक ही है। १००) महीना पर है। मैंने [illegible] जाया था वह कहता था कि मैं इतना [illegible] बाद में [illegible]

आप यहाँ पर लोगों को देखें वहां से रिक्शा किया
स्टेशन पहुँचे तो आयेगा तो अच्छा ही है।

तुम्हारे बाबूजी लिखा था वे परेशान थे हैं। कल यहाँ
पहुँच रहा है कि वे अच्छा था और अच्छा होगया है। बच्चे
बच्चों को प्यार तो करते ही रहते हैं। उस का पता
नहीं चलता है।

तुम्हारे पत्र से ज्ञात हुआ कि तुमने किताब मंगवाई
है। सुबोध ने इस पत्र के साथ तुम्हारे को पोस्टकार्ड है जो
दूसरा पत्र मंगाना था तो लिखा है। कि वह सब किताब पहुँच
ही मंगाई गी और पालन बोरा पे बैठे लोगों ने वह दे
देंगे। इन दोनों सब तब भाती है अब तुम्हारा को लिखा है कि तुम
पहुँचाना है वो पढ़ी कर देना। क्योंकि इन लोगों ने १५ तक को
रोक रोक दिया है। सुबोध को गुस्सा तो तुम जानते ही हो वह
गुस्सा को रोका था। वे अपने लिये तो किताब देगा ही नहीं। यह
था डा. तहाल के लिये ही लिखा था क्योंकि बाबूजी के
ऊपर डा. बोरा को बहुत ही परेशान है। तुम्हारे बाबूजी बहुत को
हमीन को किताब के बारे में पहुँचाने बड़ा पड़ेगी। तो बहुत काल किया
तहाल ने तो डा. देव को कर दिया है। फिर तुमने यह अच्छा किया है
किताब मंगाती है तो जल्दी ही जायेगी। इस बारे में तुम पत्र में
कुछ मत लिखना। क्योंकि जो तुम लोगों के पत्र आते हैं वह सब
पढ़ ही जाते हैं। वैसे इस वक्त ऊपर तो डाक्टर का बहुत ही परेशान
है। तुम्हारे बाबूजी को सिपाही के भरोसा से।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

गुड्डी की ओर से बहुत ही चिन्ता होती है कि बच्चा
जुलाई को [illegible] में जायेगा तो फिर [illegible] भी [illegible]
रह सकता है और गुड्डी बिचारी मेहनत बहुत ही करती है। लेकिन
[illegible] भी है [illegible] नहीं हो रही है। अब तो और
उस बच्चे को रखने की बहुत ही [illegible] होता है पता नहीं वह
दिन कब आयेगा [illegible] हैं। उन दोनों बच्चों को
मेरे पास भी तो ओर से समझाते रहा करो। इनके नानाजी की
[illegible] भी [illegible] हो गई है। और बच्चा अपने बाप को [illegible]
रहे भी नहीं हैं। [illegible] रहनी चाहिये। यदि भाग्य में होगा
तो अपने बाप को [illegible] ही लेगा। लेकिन इन बिचारों को अब
बहुत है [illegible] में [illegible] को गोली देते हैं फिर भी
नींद बहुत कम आती है। [illegible] ईश्वर की इच्छा। भगवान
पर ही भरोसा रहता है। जो जो मेरे भाग्य में लिखा है वह तो होगा
ही। इसलिये परेशान होने से क्या फायदा है। [illegible] ही
जब [illegible] होते हैं [illegible] ने [illegible] तो रहे ही रहे हैं

तुम लोगों ने तो अपने नाना जी को बहुत ही खुश रखा है

मेरा तुम सब पर बच्चों को पत्र लिखवाना वह तो बेकार हो जायेगा। इस लिए उन्हें यही लिखने देते हैं कि तुम्हारे नाना जी ठीक ही हैं।

प्रिय सरोज को इनाम होने का आशीर्वाद।

अब तो तुम्हारे बापूजी के पत्र भी नहीं लिखा जाता है

तुम्हें तुम्हारे बापूजी का आशीर्वाद।

परमात्मा शीघ्र ही देगा।

तुम्हारा शुभाकांक्षी

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 East Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehradun

Dated Feb 26 1970

बहिन प्रियम्वदा
आशीर्वाद।

बहुत मीठे खुश ही रहो

इन दिनों की मेरी हालत
ठीक करके तुम्हें बुलाती
होगी। परन्तु है तुम यहां
नहीं हो। मैं बिलकुल ही
अपाहज हो गया हूँ। फिर भी आशा
है कि तुम्हारे पास तक
रहने का कोशिश करूंगा
पर पता नहीं कितने दिन
बेकार है।

शुभाकांक्षी
दादा

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 E C Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehradun

Dated Feb 26 1974

My dear Sushil, — Love

Recd your letters. My

Condition is not satisfactory

However, you need not

worry. We may be

able to meet under

the present circumstances

Life is useless & very

troublesome. Don't mind

this short letter as I

am unable to write

more

Yours

D R Gupta

सकते न कि हो गए। यदि रिश्ता की इच्छा हुई तो लिखेंगे
हैं। ... तुम्हारे बाबा जी ... हो गई हैं
बच्चों को तो हो गये हैं हर दिन नये हो रहते हैं
पूरा पता नहीं लगता है। यदि यहाँ में मुझे नहीं कि
लिखना होगा तो लिखेंगे ही। इस लिफाफे में इस पत्री
रखी हुई है ऐसी रिश्ता पूरे नहीं हैं या नहीं
यह इसलिए पता है कि तुम इसे तो समझ लिख दिया है और
उन मिठास का है ऊपर बाबा जी के। इस रिश्ता को
मेरे आशीर्वाद के तुम सब खूब फूल फलो।
मैंने पिछले पत्र में लिखा था कि मधु मुन्नी ने ...
गोल गये हैं और तलाश हो रहा है अच्छा है यह ...
नहीं है यही थी। मेरी घड़ी तो नई ... लिया ...
पड़ी है यहाँ पर तो ठीक नहीं हुई है निर्मला को दी है
वह देहली या जालन्धर में ठीक करायेगी यदि ठीक
हो गई तो अच्छा ही है उनके चाचा लाल हो गए हैं
दीपा को देने का मौका तो अच्छा था लेकिन अब उस तो
मेरे पास घड़ी नहीं है क्योंकि निर्मला को ठीक कराने लिए
देती है मैं इसको चाहिता थी तो दीपा को नेट यहां से मंगा
यदि पोस्ट से हवेली तो ... का तो लिखना ही देना।
मैं देखा जायेगा यहां या ठीक हो गई तो अच्छा है। मुन्नी
पन्द्रह दिन के बाद में रिश्ता पर जाना। तुम्हारे बाबा जी को तुम्हें
आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्मा जी ... आशीर्वाद

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 5.3.1 197–

प्रिय [illegible]

तुम्हारा २७ [illegible] लिखा हुआ पत्र [illegible]
दिन गया है और [illegible]
[illegible]
[illegible] बहुत ही प्रसन्नता हुई है [illegible]
[illegible]
[illegible] और [illegible]
[illegible] जाता है
[illegible]
[illegible]
[illegible] है। [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] चलेगा।

तुम्हारे बाबूजी की तबियत [illegible]
[illegible] है। [illegible]
[illegible]
[illegible] है।
[illegible] है। [illegible]
[illegible] है। [illegible] है

मेरे स्कूल खुल रहे जाते हैं। विवाह बहुत हो जाते हैं

अविनाश के लिए जो ने लिखा है उसका पुनर्विवाह के
होगा अमर हो एक बाबा जी ने बताया है लिए विवाह परेशान
होते थे। और उनके आने से विवाह के बारे में परेशानी

और यहां पर अमर उसका पत्र आया था वहाँ से गया
और जल्दी हो जायेगी। रवि के होने की कुछ विजय
ने विचार बोला वहां होगा होता तो यहां पर कोई
निकला ही रहे हैं उनके बाद कुछ बालकों अच्छा हो
उन बातों से कि बच्चों को गुजारा ही करना गया आप
समझ ने आप देखे। घर ही करीने से आप रहे हो

मेरे निराश था उनके ... पत्र का जवाब
तुमने दिल गया होगा। कुछ परेशान रहते हैं अ. ए.
अभी उन्होंने स्वेटर बुनने की विचारी है या लेने की
पर उनके यहीं लिखा है यदि स्वेटर बुनने की विचार
है तो क्या बिगड़ती नहीं है या सारी ही। मैंने इन
बातों से परेशान न होने में उनको भी कहीं कहा है।

तुमने रिश्ते की बात के यहां पर भी तो लिखा भी
बात तो रही है लेकिन परलोक ... है यह भी अच्छा
है बच्चा का ... उनको भी रही न सकते हैं और रुपया
तो ले ... वाले भी रही है। तुमको भी साधारण ... के
परेशानी तो है ही एक ... के विवाह होगी है यह
भी पता नहीं कब और कैसे आयेगी।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.............197

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

रात में [illegible] हो रहा है।

सुधीर तो 6 जनवरी [illegible] लेकर रुड़की चला गया था। यदि कुछ [illegible] कर सके तो कर लेना।

तुम्हारे बच्चों को [illegible] प्यार और [illegible] आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र देना।

तुम्हारा [illegible]

[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ४।३।~~197~~·

प्रिय बेटे शैल सुखी रहो इधरसे का बहुत बहुत प्यार

तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुये। और साथ में

टेन्ट की फोटो भी मिली है फोटो देख कर तो बहुत ही [illegible]

होता है। यह ख्याल पक्का था कि इसके सिर बाल [illegible] पर भी [illegible]

से भी [illegible] लिये [illegible] तो बहुत थोड़े से दिन रह गये हैं

यह दिन भी जल्दी ही और ठीक ही बीत जायें। हां तेरा पत्र तो तुम

सबको [illegible] टेस्ट [illegible] बहुत अच्छा होगा। यह [illegible]

[illegible] है नहीं [illegible] यह दिन भी शीघ्र ही आये। और हम तुम

[illegible] के बाद [illegible] रहें। बस जरा तुम्हारे [illegible] है ही

चिन्ता होती है सब तो बहुत ही कमजोर होते जा रहे हैं [illegible]

भी [illegible] नहीं जाता है [illegible] के [illegible] तो [illegible] हैं एक

[illegible] [illegible] आराम हो जायेगा इसके बाद [illegible] है वह जल्द

[illegible] चार [illegible] के लिये [illegible] है और इतना [illegible] बाद [illegible]

है। बस [illegible] हे [illegible] तुम्हें सुबह के बाद भी [illegible] हो गई हैं

[illegible] तो [illegible] नहीं [illegible] है [illegible] भी [illegible]। [illegible] भी

वह तो अब ही [illegible]। इतना पत्र तो [illegible] पत्र लिखने [illegible]

[illegible] है लेकिन सब [illegible] से [illegible] लिखा नहीं जाता है [illegible] [illegible] वो

यही है कि तुम दोनों को अपने हाथ से [illegible] कर देना। तुम लोग

[illegible] मत होना। यदि ईश्वर ने चाहा तो अपने बच्चों से तुम्हारे [illegible]

मिलेंगे ही। बस जानकर से तुम्हारा [illegible] के लिये आये हैं

मोती देर से यहाँ पर भी आये थे आनन्द में और सब लोग ठीक हैं

लेकिन नौकर की तबियत ठीक नहीं है उसको बुखार जल्दी रहता

जाता है उसको बंगला व स्कूल जाना टहल लगाते हैं जाना की

कुछ दवाई लिखती है ऐसे चिन्ता की कोई बात नहीं है लेकिन

है दवाई छोड़ देता है। जब कुछ दिन आनन्द में रहेगा तो दवाई

न लेने को ठीक रहेगा। सुधीर की १-२८ की परीक्षा शुरू हो

गई है और शायद १५ तक रहेगी। मेरा मैं तो बहुत हिम्मत

से रहती हूँ। और तुम्हारे बाबा जी तो समझाते ही रहते हैं लेकिन

यह शादी होने की। दिल से बहुत ही अच्छे हैं। मेरा भगवान को

क्या सोच है यह सब उसके भाग्य का ही सोच है सबेरे को देखने में

दिनों के साथ भी खाई नहीं गई भी पता नहीं किस चीज़ का फिर भी ऐसा

पहाड़ ऊपर क्यों है टिका है। ईश्वर की लीला के समझ पाता है

इस समय पढ़ने में ध्यान लगाना। ईश्वर की

इस बच्चे की पढ़ाई यहाँ पर अच्छे तरह पूरी हो जायेगी।

तुम्हारे बाबा जी व तुम्हारी गुड़िया को प्यार व आशीष

सोना को हम दोनों का आशीर्वाद।

जवाब शीघ्र ही देना।

तुम्हारी मम्मी जी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 E.C. Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

D. Dun

Dated March 4 197[illegible]

मेरी गुड़िया — रही प्यारी

गोद्दिया खिलाइए। देखें क्या

धीरज न। दिल में शान्ति रखो।

हम मिलेंगे यह आशा है

पर हम बीच में आने को कोशिश

न हो कीजे इस में नुकसान

होगा। सब काम ख़राब

हो जावेगा — बस

Yours Baba

Grandpa

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

41 E C Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dehradun

Dated March 4 1970

My dear Sushil — Love

Yes there was the error in letters giving wrong month.

I am not in good health. The lower parts of my body are not in working order. I have to be dragged to the latrine helped by persons. Only the hands eyes and the ears are working. It is God's will & can't be in comfort with. No worry please. Be calm. I [illegible] we shall meet.

Yours affly

[illegible]

Just received your letter of [illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

44 E C Road

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

D. Dun

Dated March 4 1980

बेटा रानू । बाबा का बेटा

पिपरिया । मेरे तकलीफ कमजोरी

की नहीं है । जितना [illegible] हो गया है उन

से ज्यादा नहीं हो सकता । मेरा

[illegible] का बदन काम नहीं कर रहा

और कुछ भी खाया नहीं देता,

फिर [illegible] 26-2 का [illegible] है [illegible]

होगा [illegible] कुछ भी है ।

कुछ भी लिखने को

बाकी है — —

तुम्हारा बाबा

[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 7/3/197

प्रियचिरंजीव गुड्डिया तुमको हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा पत्र व फोटो आये थे इधर तुम्हारे पत्र को उत्तर दे दिया है। मिल गया होगा। अब इसके साथ भी तुम्हारा पत्र आवेगा। तुम्हारा कुन्दन का सर्टिफिकेट इधर पास रखा हुआ है इधर तुम्हारे पास नहीं [illegible] भेजा है। यदि तुम्हें वहां का आवश्यकता हो तो भेज देंगे।

तुम्हारे बाबा जी अब ठीक ही चल रहे हैं बुखार भी हो गया था अब तो ठीक है लेकिन कमजोर तो बहुत हो ही गये हैं अब अंडा भी नहीं लेते हैं कहते हैं कि पेट में बहुत भारी हो जाता है खाते २ हजम भी नहीं होता है। उन साहब जगह को इनके बाद के लिये बराबर आया है वह जगह के तीन चौथे के मोल दिया है और बाद को ४९ १ घंटे के लिये आता है बाद को भी मैडीन के पैर वैसलीन दबा जाता है इसलिए इधर में इनको मैडीन बोतल में बहुत ही तकलीफदेह हो गई है। मैंने तुम्हारा के हरिद्वार के बाद में इनका नाम लिखवा दिया है पैसे उन्होंने वहां से दिलवा देगा इधर १००) महीना पर रखा है। अब तुम्हारे बाबा जी को

आप लोग ही चल रहे हैं। कुछ कमरों पर [illegible] के बाद
में सामान रखना। बाबा जी भी ठीक हैं चिन्ता मत
करना। पर आज कल में उनके देखना होगा तो देख ही
लेना [illegible] गल्ती भी ऐसी बात रही
शायद होता है लेकिन [illegible] तक चल ही
रही है। बाकी भगवान मालिक ही है उनके
इलाज [illegible] चल रही है [illegible] जाता है
कमजोर हो गया [illegible] है [illegible]
के [illegible] गया [illegible]
[illegible] मालिक ही रहेंगे [illegible]
[illegible] बीमार हो जाता है। ईश्वर भगवान ही मालिक ही है
सब को कुशल [illegible] ही रहेगा। यहां पर
भी [illegible] है। तुम्हारी [illegible]
कुछ [illegible]
[illegible] है। [illegible]
प्यार आशीर्वाद। तुम्हारे बाबा जी को [illegible]
को प्यार। मेरा आशीर्वाद कुछ लिख दो।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना तुम्हारी शुभाकांक्षी

प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ..../..3../..197.

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो।

बच्चों के व तुम्हारे पत्र तुम्हारी मम्मी के पास

[illegible]। इधर भी तुम्हारे [illegible] पत्रों को उत्तर

दे दिया था। तुम्हारी मम्मी तो अब ठीक रहते चलते हैं

अब वो दिन पर दिन अच्छा ही होते जा रहे हैं [illegible]

के बारे ही तुम जानते हो।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कुछ केस के लिये इन्होंने यहाँ पर भी अर्जी दी

और मैं कुमार जयदेव बहुगुणा ने वकील किये थे

के लिये भेजा था इन्होंने यह कुमार को डा० जा० लाल

को दिखाया है क्योंकि यह जब ही गया था इन्होंने वो

ग़लत सर्टिफ़िकेट नहीं दिया है और इसलिए डा० लाल के

सर्टिफ़िकेट को ही पेश कर रहा है। कुमार को रिमांड

भेजी है। ~~वकील~~ महाराज वकील ने पत्र लिखा था कि

पता चला है कि वे मैं कोर्ट रिमांड दे दिया हूँ

अब तक कुमार गुप्ता ने देखे वह पता लगायेंगे

और पुलिस केवल वापस भेजा देंगे। लेकिन अधिकतर

अब कुमार ऐसे भी नहीं हैं इसके अब कुमार ने पत्र

लिखा है कि अब रिमांड खारिज करके फिर पर

देखा इन मेरा यह जिले और इतना काम होगा अब

निश्चिंत लिख देना इस मामले में लगा देंगे

यहीं की डेढ़ साल है यह भी चिन्ता में रहते थे तो बहुत

आप प्रार्थना करते हैं भेंट में तो इतना डेढ़ साल रहे पर

अब तो रिमाण्ड खत्म हो जाते हैं। कुमार बच्चे

को पत्र लिखियेगा।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। शुभकामनाओं सहित

प्रभावती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 6.3.71 ***197***

प्रिय बेटी शैल तुम्हें इन दिनों का बहुत [illegible]

मेरा तुम्हारा पत्र मिलने के बाद से अब तक

इसके उपरान्त देहली का समाचार मिल गया होगा।

तुम्हारे बाबाजी पत्र लिखवा रहे हैं कि मेरा बेटा कि

इसका पत्र नहीं पहुँचा था तो बहुत चिन्ता होने लगी

कि मेरा बेटा का [illegible] पत्र ना पहुँचा तो वो चिन्तित थे

था मेरा प्रकार बाद में [illegible] होता [illegible] अब बहुत

ही अच्छा लग रहा है। आशा है कि तुम्हारा परिवार ठीक

ही चल रहा होगा। मेरा अपने [illegible] का गुप्त

बहुत ही ध्यान रखना। तुम्हें भी होना बहुत ही [illegible]

शरीर के [illegible] जाते हैं। आशा है कि गुप्त [illegible] होंगे

[illegible] पत्र [illegible] रहा नहीं। अब तो गुप्त लोगों के

[illegible] ने बहुत ही [illegible] रहा है लेकिन [illegible]

भी नहीं [illegible] है [illegible] ईश्वर से यही प्रार्थना है कि गुप्त

[illegible] का [illegible] और इसी [illegible] रहे।

तुम्हारे बाबा जी बात [illegible] ही चल रहे हैं [illegible]

बोदे हो गये हैं। और अब गुप्त लोगों की याद आना तो

स्वाभाविक ही है। मेरा [illegible] लोगों को ले ही रहे हैं।

लेकिन कोई २ जून नहीं लगाती हैं शाम को चोकल

कैसे हो रहे हैं इसके कुछ रोजाना ही ले रहे हैं

कैसे पालो हे बच्चे हो शाम तो ले लेते हैं।

तुम्हारे पापा जी की जरूरी चिट्ठी की रसीदी

तुमको मिल ही गई होगी। रसीद पर तुम लोगों की

याद को सहेजते होंगे। सुधीर की परीक्षा ४ मार्च से शुरू हो

गई है मन्टू की परीक्षा हो रही है सुमीत की रोजगार

नहीं है अच्छे ही हो गये हैं वो शायद १२ मार्च को

रवाने देख रहे होंगे।

दो तीन दिन से यहां पर बारिश हो रही थी

इससे मौसम ठंडा हो गया था आज तो खूब धूप

निकल रही है। सुरेश की चिट्ठी आई होगी

तुम्हें वो यहां पर होली के दिन की बात

होली मनाई पर तो थोड़ा सा मैं ठीक होली के

बारे में लिखे हैं। इसमें सब तुम्हारे पास ही

जाती रही। सब बच्चों को कुमार व रश्मि को प्यार

व आशीर्वाद। परमेश्वर सभी खुश रहें। प्यारे

बच्चों को प्यार।

तुम्हारी मम्मी

प्रकाशवती।

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR, MEERUT~~

Dated 24/3/197-

प्रिय चिरंजीव गोपाल कृष्ण एवं सोना को बहुत बहुत प्यार

लिखा तुम्हारा सोना पत्र मिले उस पत्र के उत्तर को लिखा हुआ [illegible] और एक पत्र रेवा को भी लिखा और साथ में एक कार्ड भी तुम्हारे बाबा जी को शुभकामनाओं का लिखा। तुम तो इतनी जल्दी से शुभकामनाओं के पत्र लिखते ही रहते हो। तुम्हारे बाबा जी पत्र नहीं लिख पा रहे हैं इसलिये उनकी ओर से मैं ही पत्र लिख रहा हूं। तुम्हारे बाबा जी की ओर से [illegible] [illegible] हम लोग [illegible] [illegible] की बात है। [illegible] [illegible] [illegible] और [illegible] [illegible] से ही [illegible] हुए हैं [illegible] [illegible] ही [illegible] गया है वैसे ही [illegible] [illegible] है। तुम्हारे बाबा जी [illegible] [illegible] ही [illegible] रहे हैं [illegible] के [illegible] हो ही गये हैं लेकिन [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] से बहुत ही [illegible] हो गये हैं [illegible] [illegible] [illegible] को हो गये हैं [illegible] नहीं [illegible] [illegible] की इच्छा है और [illegible] [illegible] है तो [illegible] [illegible] [illegible] में [illegible] होते हैं [illegible] वो होते ही हैं।

[illegible] है कि तुम [illegible] बाबा जी [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] इतनी [illegible] नहीं हो गये।

अपनी बारे में खुद कुछ लिख न पाता। आजकल

पत्र लेख मैं सुनाता हूँ तो बड़े प्यार से सुनते हैं

निश्चित ज़रूर है कि आप स्वतंत्र देशभक्त रहे होंगे

इतने वर्षों जीवन की इच्छा [illegible] है। कि आप

सब बातों पर ध्यान देंगे। आप आप को सारे भारत से

लगा ही रहता है। निश्चित रूप से जवाब का [illegible]

उनके बलिदान [illegible] हैं और उनके विचार चल ही रहे हैं

अब देशभक्त होती है तो चारों ओर से ही होती है

मुझको अब विश्वास है कि लोगों के सब बच्चों के

बाद में देशभक्त हो जायेंगे और उनका भी विचारों से

[illegible] भी [illegible] से [illegible] रहे

होता है। [illegible] पत्र में लिखा था कि मेरा शायद बाद

[illegible] आया है कि [illegible] बाद आ गया होगा और आप

[illegible] में गये थे [illegible]। यह बात तो [illegible]

होती है कि [illegible] निश्चित की [illegible] से बाद तक

[illegible] ही चल रहे हैं। आप [illegible] को [illegible]

भी दिन गया है आप तो [illegible] ही [illegible]

लेकिन [illegible] की इच्छा पर क्या होता है [illegible]

से क्या होगा नहीं होगा।

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated..............**197**

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

केवल प्रद्युम्न ही पाँच सौ देता है। किन्तु
उधार नहीं रहने देगा तो मेरठ में शिवकुमार
ने घर पर ही रहना शुरू किया है।

मैंने भी तुम्हारा लेख कुछ दिन पहले
पढ़ लिया है। मैं भी अब अधिकतर घर पर
रहने लगा हूँ। अब तो तुम्हारे बाबा जी भी चिन्ता
को नहीं करते हैं। वह अपनी बीमारी के कारण से
ही तो रह नहीं जाता है। मेरी बात तो तुम्हारे
मानते ही हैं लेकिन अब तो इतना रोग बढ़ गया है कि
उधर कोई भी हो उठते हैं। आशा है तुम अपने
प्यारे का ख्याल रखना और सब बात लिखते
रहना। तुम्हारे बाबा जी का आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारा शुभचिन्तक
प्र॰रा॰ बाबू

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 28-3-197[illegible]

चि० निर्मला अशोक नीरज सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा ४ मार्च का लिखा हुआ पत्र हमको कल शाम को मिला है पढ़ के सब समाचार ज्ञात हुए।

तुम्हारे बाबूजी की तबियत ठीक नहीं चल रही है अपनी बिमारी से निराश बहुत ही परेशान हैं २-४ दिन से बिस्तर में पड़े हुए हो गये हैं और बिमारी बढ़ती ही चली [illegible] है कि [illegible] परेशान होते हैं [illegible] जो चलता ही जा रहा है लेकिन इस बिमारी के ठीक होने का तो [illegible] नहीं है अब केवल ईश्वर से यही प्रार्थना है कि [illegible] है [illegible] ठीक। [illegible] रात [illegible] होता है। [illegible] बाप का देता है [illegible] इतना परेशान रहा है [illegible] बहुत ही रहे हैं। सब के रोज [illegible] हैं [illegible] लिये [illegible] जाता है। [illegible] हो गये हैं [illegible] होता है [illegible] बहुत ख्याल है [illegible] के [illegible] सब [illegible] रहा होते हैं

यह हाल है कि घर में यह गिरह की कमी रही है

रमेश ने एक पेपर लिखा था उसका पेपर देहली पहुंचाया

जा गया है और जितने पीएचडी रहते हैं पाते हैं इसलिए जल्द से

पीएचडी डिग्री होगी। यह गया एक रोज हुआ है तो अब

लिखा ५ दिन से निकल है इसका बुखार जा गया है इसके

बुखार के और भी डिग्रियां हो रही है। [illegible] को [illegible] है

लिये प्रबोध लेगया है इसका भी बुखार बलवत है। लहीर

किशोर को यह लाल की जानकारी हुआ है। मेरे मुरादनगर को

वापिस आने की किसी बात की इच्छा नहीं है यह लोग पीएचडी [illegible]

पढ़ने का [illegible] कहता है कि हमेशा के वास्ते यह रहते थे

और यह [illegible] हो गया और हम [illegible] की बात होती है

यह लोग पीएचडी डिग्री [illegible] होती है [illegible] को [illegible] रहते

[illegible] बात करते थे। [illegible] आशीर्वाद हो यह [illegible]

[illegible] है इसलिए [illegible] यह सब [illegible] रहो। [illegible] के [illegible]

के ७ता० को आये थे और १० ता० को चले गये हैं [illegible]

[illegible] आ गया है अच्छा रहता है। [illegible] की १२ ता० को शाम को

[illegible] आये थे और १३ ता० को [illegible] को चले गये हैं मैंने

इनसे बहुत हो [illegible] लेकिन २० ता० से गये हैं [illegible]

भी नहीं पाते हैं। गुड्डी की शादी [illegible] की [illegible] हो गई

है अब [illegible] की शादी का [illegible] [illegible] से देख रहा है

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated................197

तुम लोग तो सारा देख ही नहीं सके पर
लेकिन इतना भी नहीं देख सके हैं जैसा वो चाहिये कि यहां [illegible]
थी कि सारे घर [illegible] को [illegible] जाऊंगा। लेकिन आजकल बहुत
हो गई है। तुम्हारे बाबूजी को विचार किसी बात की चिन्ता नहीं रहती
है और तो अब केवल किसी बात को देखना है। सब अपने [illegible] के
ही बहुत [illegible] है [illegible] है कि इसके मालूम है

ज्यादा बात से चिन्ता की भावना से बनाया है नहीं बातें
सब ध्यान [illegible] बनाये है [illegible] चिन्ता को [illegible]
है कि [illegible] से रहे कर सकी हूं। तो दिन से चिन्ता
[illegible] निराश को [illegible] है। निराश तो शायद कल चला
जायेगा लेकिन [illegible] जो बात चिन्ता [illegible]
हो जायेगा कब जायेगा। आशा है कि तुम लोग इसकी
फिकर नहीं होगा। यह तो तुम सब शरीर के साथ में
लगा ही रहता है। तुम्हारे बाबूजी को तुम्हारे [illegible] को
आशीर्वाद व छोटे बच्चों को इतना बहुत सा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभकांक्षी
[illegible] वती

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारे बाबूजी के पास तुम्हारा पत्र आया है लेकिन इतनी इच्छा तो बहुत रही कि तुम्हें पत्र लिखूँ लेकिन मजबूरी के कारण से लिख नहीं पा रहे हैं

कुछ पैसे बचाये तो कुछ लिखना पता लगा पैसे भी तो इतने और ज्यादा नहीं हैं। सब तरफ लोगों का ठीक ही चल रहा है। बहू इतने दिनों की ही लिखता है [illegible] ने बिगाड़ों को नष्ट ही कर डाल दिया है। बैठे पढ़ाई छोड़कर भी और सब बैठे हो गये हैं। फिर कुछ लोग ज्यादह उकसा रहे गवर्नमेंट ने रख रखा है वही होगा। कि तुम को कुछ रुपये हैं आप तुम्हारे को मिल गये हैं वह सब यहां पर भेजोगे। अब सब काम तुम्हारे ही बहू का बस अच्छा है। तुमने लिखा था कि कुछ पाकिस्तान के भेजो देख रुपया को कोशिश भेजा होगा लेकिन बहुत ही कायदा है लिखा है कि शीघ्र उधार को बराबर किसी रेट पर [illegible] है [illegible] पता नहीं लिखते फिर कब आवेंगे। तुम्हारे बाबूजी का तुमको आशीर्वाद बच्चों को प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

२२११ ३ट

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २४/३/197-

प्रिय बेटे सौरभ तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

इधर दो चार दिन से पत्र से तुम्हारा कोई पत्र नहीं आया है और कोई बात नहीं है इसलिए चिन्ता हो जाती है। गुड़िया इलाहाबाद से लौट आई है पत्र में सब समाचार लिख गये हैं। तुम्हारे बाबा जी पत्र नहीं लिख रहे हैं पर उन्हें चिन्ता बनी रहती। आशा है तुम्हारी पढ़ाई ठीक ही चल रही होगी।

तुम्हारे बाबा जी अब कुछ ठीक रहते चल रहे हैं। बस बीमारी से बहुत ही कमजोर हैं। लेकिन जब जितना कष्ट भाग्य में होता है वह तो भुगतना ही पड़ता है। यहाँ पर भी बीमारी का बड़ा जोर ही चल रहा है। यह तो बिस्तर पकड़े ही रहे हैं। पापा की तरफ से तुम्हारा जाना था अब चिन्ता न कर रहा है।

यह आशा है अब यहाँ पर भी मौसम अच्छा हो गया है। यहाँ पर भी मौसम ठंडा सा हो गया है।

शुभ आशीर्वाद [illegible] [illegible] रखना। तुम्हारे बाबा की

की [illegible] व प्यार।

तुम्हारा पत्र [illegible] [illegible] है २४ [illegible] को

[illegible] है [illegible] है। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

हो रही है। लेकिन है तो तुम्हारे बाबा जी [illegible]

[illegible] है [illegible] [illegible] रहे हैं। [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है।

जवाब शीघ्र ही देना

यदि टिकिट न हों तो इसमें लिख देना हम [illegible]

[illegible] देंगे।

तुम्हारा [illegible]

तुम्हारा [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] गया है।

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २८।३।197[illegible]

डियर निधि गुड़िया तुमको दादा बहुत सा प्यार

तुम्हारा ६ ता० का पत्र व १० ता० का पत्र दोनों मिले अब १९ ता० को लिखे हैं। दोनों पत्रों को देख कर तो बहुत ही अच्छा लगता है। और सब समाचार भी ज्ञात हुये।

तुम्हारे बाबा जी को पहले तो तुमको पत्र लिखने का बहुत चाव है लेकिन अब कमजोरी के कारण से लिख नहीं सकते हैं उनकी ओर से मैं ही लिख रहा हूँ। तुम्हारे बाबा जी कमजोर भी दिन पर दिन होते ही जा रहे हैं। खाने के तो दिन [illegible] को पीड़ा लोग बतलाते हैं वे ही रहे हैं लेकिन कुछ खाना तो नहीं जा रहा है। हर समय बैठे रहने से कुछ भी नहीं रहा जाता है। घुटने में गठिया तो ठीक हो गया है लेकिन दोनों पैरों में दर्द बहुत होता है और पैरों ने अपना काम करना छोड़ दिया है। वही [illegible] के बाद [illegible] में जो जाता है वहां पर [illegible] पकड़ रहता है ओढ़ कर [illegible] जाता है [illegible] कुछ [illegible] मिलता नहीं [illegible] है और अब तो तुम्हारा [illegible] बिल्कुल [illegible] है यहां से बाबा [illegible] तुम्हारा [illegible] भी नहीं लगेगा [illegible] [illegible] [illegible] होगा

पास है है इलाज ने चाहा तो कुछ गलत तरह सोचोगे प्यारे

मगर [illegible] के लिए नहीं हो रही। इतना कष्ट

बहुत हो रहा है इलाज [illegible] भी ले रहे हैं

लेकिन शरीर में जब रोग लगा हुआ है तो इलाज [illegible]

भी नहीं जाता है। आशा है कि आप हिम्मत से काम लेंगे

[illegible] बहुत ही [illegible] है कि

आपका उत्साह नहीं होगा और उत्साह होगा तो आपकी

अस्वस्थता में बहुत ही कम होगा। यह तो आपको ज्ञात ही है कि

आपके बालकों के लिए [illegible] भी कोई [illegible] नहीं [illegible]

[illegible] पत्र के बाद में [illegible] पर लगाना।

सुधीर की [illegible] परीक्षा में [illegible]

हो गई थी [illegible] दो पेपर ही ऐसे पाया था। [illegible]

ने [illegible] है [illegible] हो गया [illegible]

[illegible] हो गई थी [illegible] इससे

[illegible] हुई है। अब तो [illegible] है [illegible]

हो गया है। सुधीर की [illegible] ज्यादा [illegible] है और भी [illegible]

[illegible] १५ ता० को [illegible] पर [illegible] को ले गए हैं

[illegible] नहीं है लेकिन सब तो [illegible]

को [illegible] ही हो गया है [illegible] शायद कुछ दिन को

[illegible] हो जायेगा। सुधीर की [illegible] ही रहा

रही है। आप [illegible] का [illegible] रखना। [illegible]

[illegible] हो गया है [illegible]।

३ | गुडिया

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

**152, VIJAY NAGAR,
MEERUT**

Dated............197

[illegible]

बहार चला गई इसलिये होली या नहीं । मैं कल

[illegible] चिट्ठी भेज दी थी जो

विश्वास था कि यहाँ इसकी चिट्ठी से इसका पता

चलेगा [illegible] को पता लग गया है

देख की यहाँ का जाड़ा बहुत कम हो गया है

तुम्हारे बाल बच्चों को व पिता जी तुम्हें को

आशीर्वाद ।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना ।

तुम्हारी शुभचिन्तक

उमा वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated १८ । ३ । 197[illegible]

प्रिय बिटिया सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा २ मार्च का पत्र हमको १५ता. को मिल गया था और दो पत्र इसके बाद १७ता. को मिले उन पत्र का जवाब का लिखा हुआ सुशील गुड़िया ने और उन २०ता. को लिखा हुआ मिला हमको तुम्हारे पत्रों को देख कर तो बहुत ही प्रसन्नता होती है

बिटिया सब को तुम्हारे बच्चों की हालत दिन पर दिन मालूम ही होती आ रही है। इस ही समय बैठे ही देखते हैं ऐसा भी नहीं लगता है कि वह समय जो उनके [illegible] पढ़ना भी उनको पसन्द आते हैं। रात में गाना सुनकर उन होटल का बील देते हैं। मिठाई तो ले ही गये हैं पता नहीं ऐसा [illegible] जो [illegible] है जो [illegible] उनके का परोपकार ही करते थे। वह [illegible] हाल नहीं करते रहते हैं रात के सोते की गोली देने पर भी नींद नहीं आती है दिन में किसी समय सो जाते हैं

मेरा स्वास्थ्य बराबर ही है लेकिन इतना ज्यादा की बात मालूम ही है जब से [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] में [illegible] चल रहा है [illegible] के [illegible] बराबर [illegible] रहा है लेकिन पता नहीं क्या [illegible] हो गये हैं [illegible] ही

नहीं होता है अगर काम बहुत तकलीफ होती है तो छोड़ कर
नहीं बैठना और छोड़ना [illegible] लगाने में बहुत
ही परेशानी होती है इसलिए लिखाई को छोड़ देना पड़ता है
इसलिए परिवार [illegible] इतनी लिखाई से परेशान सा हो गया है क्योंकि
१० पाइन्ट लिखाई तो हो जायेगा। जो जिम्मेदारी नहीं लेकर [illegible]
लेकर बैठे हैं। आगे २ तो लिखाई बढ़ेगी ही ठीक होकर तो
स्वास्थ्य ही नहीं है। अब तो ईश्वर से यही प्रार्थना है कि इतना
बल दे तो ईश्वर इसको पूरा करे। इसके बाद तो ऊपर वाला ही
ईश्वर बदला देता है। किसी से बोलते नहीं हैं बस चुप ही
बैठे रहते हैं। तुम लोगों ने [illegible] तो बहुत ही प्रशंसनीय है
जैसे भी काम करते हैं वही होता है तुम तो खुद ही समझदार
हो बच्चों को समझाते रहना। हमने ग्रुप में बैठ के
बहुत ही चिन्ता है। वह फिर इसको लिखवा रहा है इस
को उतना ज्ञान बिल्कुल ही बेकार है और यहां पर इसको
वह बहुत ही परेशान हो जायेगा। इन लोगों ने पास को उतना
और भी फल नहीं लगेगा। और उतना काम भी तो लिखाई
अपना लिखाई से बैठे ही परेशान रहता है उतना होकर
और भी दुखी होंगे। जैसे भी इच्छा होता है वैसे ही काम
बन जाते हैं। हमेशा से पास में रहो इसी [illegible] लेकिन
पास में नहीं रहे उम्मीद है कि तुम निश्चय से काम लोगे
और बच्चों को समझाते रहोगे। अब तो ऊपर ज्ञान से ईश्वर उसको है

२ । [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated *197*

[illegible]

[illegible]

[illegible]

यह बात तो अलबत्ता हुई कि तुमने स्वेटर बुनने की
मशीन खरीद ली है जिसको कि चलाती है या सारा घर
ही और मशीन से कोई स्वेटर बुनता भी रहता है।
लड़का र यहां पर आने के लिये चीजें खरीद देता
रहा था अतः तुमने गुड़िया की शादी भी तो करनी थी गढ़
रहने देने को भी चाहिये। तुमने अच्छा किया जिसने यह
सोचना लिया था कि चार लिफाफे आशा है तुमको मिल गये
पूरे गये हैं बाद में खाना खाया और तुम्हारे पास लिखने
बैठ गया था लिखा था गया तो लेट हो गया। प्यारा रूप अशोक
तुमने जल्दी ही देखे होंगे। अच्छे हैं होगा तारीख भूल
गई है।

तुम्हारे बापूजी को नमस्ते व उमेश को आशीर्वाद
प्रिय सुधीर शैल गोपाल।

प्यारा सिद्धार्थ रैना।

तुम्हारा शुभचिंतक
प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

**152, VIJAY NAGAR,
MEERUT**

Dated..................197

प्रिय भैया शेर तुम्हें हमारा बहुत प्यार

तुम्हारा [illegible] १० [illegible] पत्र होकर

[illegible] ही मिले हैं। होली [illegible]

ही [illegible] बड़ा ही [illegible] होता है। और तुम

[illegible] नहीं [illegible] हो गये हैं।

तुम्हारे [illegible] [illegible] रही

रही हैं [illegible] ही होती जा रही हैं और [illegible]

[illegible] तुम्हें पत्र भी नहीं लिख पाते हैं

[illegible] है। [illegible]

रहते हैं [illegible] नहीं [illegible]

है। [illegible] ही रही

है। लेकिन [illegible] नहीं आ रहा है

पूज्य [illegible] नरेन्द्र जी का भी विष्णु की शादी

का कार्ड छपा हुआ हमारे पास आया है तुम्हारे

पास भी पहुंच गया होगा बड़ी सुन्दर है।

शिवकुमार ने जो दो किताब [illegible] तुम्हारे

पास [illegible] आ गई हैं। लेकिन यह

लोग रहते हैं यहां पर जल का स्रोत ही रोगी हैं

गन्दे [illegible] निकट रिजाय [illegible] पास तक पहुंचो

होगा इस पानी [illegible] के सदर पेश होंगे रखते हुए

के त्याग पर [illegible] लेकिन यहां पर भी [illegible]

नहीं मिलते हैं एक डा० [illegible] ने लिखा है

पता नहीं कब तक [illegible]। फिर भी यहां [illegible]

तो केवल ही रह गये।

चि० सुशील को मेरा बहुत आशीर्वाद

अपर्णा को ढेरों आशीर्वाद। [illegible] को

ने अवश्य ही प्यार। पत्र [illegible] के

लिख रही हूं क्योंकि मन को [illegible] हो गया है

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

यदि टिकिट खतम हो गये हों

तो लिफाफे पर पता डाल के

और [illegible] (बेरंग ही भेजना।

तुम्हारी [illegible]

प्रकाशवती

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २५।३।197–

प्रिय [illegible] सुशील [illegible] हरदेव दोनों [illegible] प्यार

१८ ता० को आपका पत्र हरदेव के द्वारा [illegible] समाचार

साथ हुए [illegible] हो इसके तुम्हारा पत्र मिला है।

तुम्हारे [illegible] भी पत्र अब तुमने नहीं लिख रहे हैं

इसलिये उनको [illegible] मैं ही लिख रहा हूँ। अब तो लिखने

पर पता भी डाक्टर [illegible] से ही लिख पाते हैं। [illegible]

गये हैं जो अब [illegible] लगता है कि [illegible] पड़ गये हैं

[illegible] रहे हैं। अब तो [illegible] से यही पता है कि [illegible]

[illegible] तो ही [illegible] नहीं आता है [illegible]

तो [illegible] रहते हैं। तो [illegible]

भी [illegible] से ही [illegible] हैं लेकिन यह तो [illegible] है

कि इस [illegible] के बच्चों को पत्र लिख देना [illegible] रहते

हैं। [illegible] बहुत ही [illegible] रहे हैं पता नहीं [illegible]

[illegible] पड़ रहा है। इस [illegible] में तो [illegible]

किसी को [illegible] नहीं है। अब तो [illegible] लिखने

की है [illegible] को [illegible] करते हैं। तुम्हारा

पत्र आने पर [illegible] देता हूँ। [illegible] सब पता भी

नहीं आता है

सुशील ने पत्र का उत्तर भी नहीं दे सके हैं
आशा है कि तुम परेशान नहीं होगे और पत्र लिखते
तुम परेशान होगे तो मुझको बहुत ही दुःख होगा।
और लिखता तो अच्छा लगता हूँ। मुझको सब
होता है मैं तो केवल ही मान हूँ। लेकिन लोगों को
मुझसे क्या आवश्यकता है। सब लोगों की यही इच्छा है
कि तुम लोगों को शीघ्र ही और मुलाकात दे देवें। तुम्हारे
बाबा जी को विचार क्या रहे हैं अब तो तुम वहीं रहते हैं
आशा है कि तुम बहुत समझदार विवेकी हो परेशान नहीं
होगे। आशा है कि तुम्हारा पहाड़ से साथ में मन
लग रहा होगा। खूब पढ़ लोगे और अपना ध्यान रखना
और अब तो तुम लोगों के छुट्टी के दिन भी थोड़े ही रह
गए हैं। विकास सुभाष ने १५ पाप की चिन्ता है
और आ गये हैं जो दादा ने दिखाया ही है। चिन्ता और
चल रहा है। बड़े साहब तो सब ठीक रहे हैं। मुरादाबाद
इन्दर पापा नेपाल गया है वहां पशुपति के मंदिर को देखने जा
रहा है। अब तुम्हारे पास दोनों पत्र लिखकर जाते हैं इसका जवाब
जल्दी होगा तब देख होगे।

तुम्हारे बाबा और हम तुमको आशीर्वाद व बहुत सा प्यार

लिखा तुम दोनों को प्यार पहुँचाकर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
कुसुमवती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, ~~VIJAY NAGAR~~,
MEERUT

Dated 25/3/ 1972.

प्रिय [illegible] सहित सौभाग्यवती [illegible]

ईश्वर तुम लोगों को सदैव सुखी रखे। हम सब यहां

प्रसन्न ही है। तुम्हारा १८ तारीख का लिखा हुआ पत्र हमको कल

२४ तारीख को मिल गया है। तुम्हारे [illegible] के पत्र मिलने [illegible]

[illegible] इस लिये अब पत्र भेज रहा हूं। [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

तुम्हारे [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

२

* इससे पहले हुए मेला कि रोज़ से ज़्यादह प्यार था

इस बार के बाज़ार ने नाना सरगरम परवाह है। मैंने देखा

सम्बन्ध उधर के पास से रहीं हैं और कुछ डेरातर पर चला

बच्चों ने लड़कपन का रहा नहीं। अब तो विचार करना चाहता

रहे हैं तो हमारा मन कहते हैं कि इनके बच के हमारा इतने

मुनको। मैंने मुरादाबाद के डाक्टर इलाज में कोई लाभ नहीं नहीं है

मैंने भी डा. लोग कहते हैं वही करता है। अब डा. साहब ने

पतला

बतलाया था कि ब्लडप्रेशर नाना पैदा कर उस पर बेहोशी

गिरते। कि ऊंचा नीचा करके उस ब्रेन को हालत होता है

एक दफ़े से उसका पर गिरा रहता है। उसका ... गड्ढा

देखा रहता है यहां पहले रहते हैं कि आज किसी बात के

रहने उपाय किये। चिकित्सा चिकित्सा को या नहीं बाप

चुनकी ही जाती है अब इतने रोज तो लग गये हैं लेकिन

अभी इतना लाभ नहीं लाया जाता है। रोग के कारण का आने

से नाना के कमजोर भी हो गये हैं।

मेरा परीक्षा में रिज़ल्ट में जाना निश्चय हो गया था

उसने परीक्षा छोड़ना पड़ा है। किन्तु तो यह साल खराब हो

गया है यह अचानक उमेश के पास मुरादाबाद के ऊपर

पास गये हैं वहां से शायद परसों आवेगा।

यह जान कर प्रसन्नता होती है कि कुमार स्वरूप ...

सफ़ा - ३

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.....................197

नानी परेशान सी रहती है तुम शुरू में तो [illegible] [illegible] लिखो
तो सोचोगी। यह अच्छा है चार पांच रोज़ लिख रख [illegible] [illegible]
रही हो। [illegible] [illegible] [illegible] तो [illegible] [illegible] [illegible] है
[illegible] [illegible] [illegible] चीज़ को [illegible] चाहता है। क्योंकि [illegible] चीज़ [illegible]
तो नहीं होता है। [illegible] [illegible] [illegible] लिख दिया था लेकिन
[illegible] [illegible] लिखती हो रहती है [illegible] [illegible] हो [illegible] है। तुम
उसे साफ़ लिख देना। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] रहता है। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है [illegible]
[illegible] [illegible]। [illegible] ने [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
लिखे [illegible] गये हैं [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
गये हैं। [illegible] ने [illegible] [illegible] [illegible] है [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] में [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
रहता है। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है। [illegible] [illegible]
[illegible] नहीं [illegible] है [illegible] [illegible] [illegible] परेशान [illegible] है
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है
[illegible] रहता है कि [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] नहीं होता है।

नौकर ने [illegible] बनवाते हैं।

कुछ दिन बाद यहाँ पर [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible] है ही। [illegible]

[illegible] ही है [illegible]

[illegible] होगा। [illegible]

[illegible]

[illegible]

है। [illegible]

[illegible] है। [illegible]

[illegible]

[illegible] हो गया है।

[illegible]

[illegible]

[illegible] है। [illegible]

[illegible] बहुत ही अच्छा है।

तुम्हारे [illegible]

बहुत सा आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated [illegible] 197[illegible]

[illegible]

लेख इतिहास ज्यादा पढ़ा है उसका इतिहास में गुणा देखने
की बहुत रुचि हो रही है १४ अक्टूबर को गुणा देखने हैं
कुमार ने बोकारो का बहुत अच्छा नाम रोशन है। माता-
[illegible] नहीं सब रही है [illegible] की बातें हो गया है इसके
[illegible] है [illegible] के लिये
[illegible] है [illegible] है [illegible]
[illegible] का इतिहास [illegible] रहे के बारे में
[illegible] इतिहास [illegible] के [illegible]
[illegible] नहीं है [illegible]
[illegible] नहीं [illegible]
[illegible] है। [illegible]
[illegible]। [illegible] नहीं [illegible] होगा [illegible]
[illegible] है [illegible] है। और
[illegible] नहीं है [illegible]
[illegible] है। [illegible] है [illegible]
जायेगा। [illegible] है [illegible] २२ अक्टूबर [illegible]
होगी। [illegible] दोनों [illegible] की पढ़ाई ठीक नहीं है सब शरीर में
कमजोरी नहीं होनी चाहिये।

तुम्हारे बाबा जी ने व सबने तुमको आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभाकांक्षी

[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 8/8/1978.

चिरंजीविनी सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो।

तुम्हारा २८ ता० का लिखा हुआ पत्र हमको समय से मिल गया था पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए।

बिटिया तुम्हारी अम्मा जी की तबियत तो दिन पर दिन खराब ही होती जा रही है। अब तो बहुत देर ही मुश्किल से बैठ सकती हैं जबान भी नहीं निकलती है बड़ी मुश्किल से बोलती हैं समझ में भी नहीं आता है और अपना सब काम बिल्कुल ही नहीं करती हैं इस जीवन से बिल्कुल ही तंग आ रही हैं। बहुधा इनका कष्ट को देखकर हम तो ईश्वर से यही मनाते हैं कि इनको छुटकारा दे पहले तो यही सोचते थे कि किसी तरह से तुम्हारा भार देख लें लेकिन अभी तो तुम्हारे आने में काफी दिन हैं।

अब यही सोच रखा था बस होता है कि जैसे भी ऐसे हो गए हैं। अपने इस जीवन में तो किसी को दुख नहीं दिया था। पता नहीं किस जन्म के पाप उदय हो गए हैं।

अब तो चिन्ता इतनी रहती है सब से यही कहा करते हैं कि अपनी अम्मा को अच्छी तरह से रखना। ऐसा पाप ही लगता है जो इतना दुख उठा रहे हैं और इनको इतना कष्ट देखना पड़ रहा है। मैं तो अपने आप को बहुत ही भाग्यशाली समझता था। लेकिन भाग्य का कुछ भी पता नहीं चलता है।

कुछ तब बड़ा हो बच्चों को सम्भाल लिया। ऐसा ही मैंने
भी सोचा था। किन्तु उनसे ज्यादह प्यार करने से मुन्ना सब
के छोटे ही बिगड़ रहे हैं। बड़े छोटे सबका पूरा ख्याल था
कि तुमने ही ज्यादह प्यार करते हैं। मां बाप को प्यार तो
सब पर बराबर ही रहता है पास रहने से ~~[illegible]~~ ज्यादह ही
ज्यादह प्यार बढ़ जाता है। बच्चों पर जान देते हैं। अब
बुढ़ापे में बच्चे अपने होते हैं तो बतलाता हूँ कि [illegible] नहीं
चाहते हैं। चाहिये बच्चों के बच्चों को देखकर बहुत ही खुश
होते हैं। लेकिन किसी के साथ लड़ाई - दादी बाबा - माँ बाप
लोग ~~[illegible]~~ [illegible] ही रहते हैं। कुछ लोगों को आदत होती है
है जो [illegible] तक बुढ़ापे बड़े बने रहे। कुछ सब [illegible] रहे
[illegible] - बच्चों को ~~[illegible]~~ सम्भाल लिया। [illegible] इन बच्चों
को [illegible] [illegible] [illegible] कि बुढ़ापे बाबा [illegible] - हैं लेकिन
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] और [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] है। [illegible] [illegible] [illegible] पर [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
बच्चों [illegible] [illegible] गई है तब [illegible] ही पड़ता है।
[illegible] [illegible] ज्यादह [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
होशियार हो।

मैंने तुमको पत्र में लिखा था कि [illegible] की
[illegible] [illegible] [illegible] से और 200) [illegible] दे गये थे
[illegible] लोग [illegible] [illegible] [illegible] बहुत ही [illegible] [illegible] हैं। अब

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.................197

रेखा ने कई पत्र भी भेज [illegible] हैं जब कि [illegible]
ने लिखा था [illegible] हैं [illegible] रहते हुए इच्छा थी
कि तुम्हें [illegible] में [illegible] लेकिन [illegible] रही थी

उनके तो [illegible] और से बड़ा [illegible] है कि इस साल
में सारे लोग जायेंगे कुछ ही नहीं होगी। और [illegible]
इतना पैसा [illegible] [illegible] है मगर फिर भी
[illegible] जाना तो [illegible] का [illegible] था। लेकिन [illegible]
[illegible] और अच्छा है [illegible] [illegible] [illegible]
गया है [illegible] साथ में नई कोठी भी [illegible] है

[illegible] अच्छा [illegible] ५००) भेज दिये हैं नरेन्द्र को
[illegible] [illegible] और मैंने भी १०१) उनको
नई [illegible] की चीज लेने के लिये भेज दिये हैं।

यह जान कर अच्छा लगता है कि [illegible] [illegible]
हो गये हैं [illegible] [illegible] ही [illegible] देते हैं।

पिछले पत्र में मैंने एक पत्र तुम्हारे लिये भेज दिया
है उसको मिलना चाहिये था। तुम्हारे पास भेजने से [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

गुरु पदों की चिन्ता क्या करना है जी। देश हैसी पुस्तकें
अपने ही पांडुलिपि से बेगाने हैं। यह तो उन पर छोड़
देना है कि किसी से रखने है, छापने जा सकते हैं
गुरु ने लिखने के अब सोचना जी। आठ सौ का पता हैं। देखें
पत्र दे पीछे सोच लेंगे कि लोग भी वो आठ सौ का
क्या ही नहीं होगा।

लोग होंगे शायद मालूम है और इतना बदनाम
न रखना है इस लिये इस व्यक्ति को नहीं पेश करते
हैं।

शिव कुशल जी ने पूछा मेरा बताना
आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारा शुभचिन्तक
प्रभात वाला

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 5/5/197

[illegible]

[illegible] के [illegible] से मालूम है [illegible]

को [illegible] नहीं जाते हैं। अब देखना है [illegible]

है कि [illegible] नहीं होती। तुम्हारे [illegible]

रही होगी [illegible] होंगे। आप

[illegible] ही [illegible] होगी। अब तो [illegible] में शादी

की [illegible] हो ही होगी। उसने [illegible] है

शादी में किसी लोग [illegible] लेकिन मेरे बच्चे ही नहीं आ

पायेंगे। [illegible]

[illegible] तुम्हारा [illegible] है पर शायद

[illegible] आयेगा। [illegible]

[illegible] है [illegible] नहीं [illegible]

[illegible] होता है [illegible] गया हैं। [illegible]

[illegible] हो ही है [illegible]

[illegible] ही है [illegible] है। [illegible]

[illegible] है। [illegible] गया है

यदि तुम्हारे पास [illegible] हो [illegible] होंगे तो

[illegible] देना। पहिले [illegible] पता लेना

था पहुँच गया होगा अब [illegible] पता लेना ही है।

तुम्हारे [illegible]

[illegible] देना।

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ५।४।197४

चिरंजीवी गुड़िया तुमको हम दोनों का बहुत सा प्यार
चिट्ठिया पैसे तुमको पत्र लिखा है। दिन गया
होगा और उस पत्र से रस्ता पता भी [illegible] होगा [illegible] है
दिन गया होगा उसके [illegible] भी पत्र होगा वह उसके
नहीं पा सके। आज कल हरिद्वार में कुम्भ मेले के कारण
के कारण भीड़ हो रही है। [illegible] से यहां तक पूरा
बाजार के बीच है इस लिये [illegible] यहां पर आने में कोई
परेशानी नहीं होती है। [illegible] भी हरिद्वार आए हुए हैं
शायद [illegible] के [illegible] भी हरिद्वार जायेंगे।
मेरा विचार भी एक दिन के लिये हरिद्वार जाने का है
पर कोई [illegible] नहीं मिलता है क्योंकि [illegible] की गाड़ी देहरादून
से जा रही है आज [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] रही है [illegible] है। यहां से २० [illegible]
[illegible] को [illegible] और शायद [illegible] [illegible] वापिस आ जायेंगे
[illegible] के लिये [illegible] होंगे वह [illegible] में होगा
[illegible] को आज भी शायद [illegible] के लिये आ गया था लेकिन गाड़ी
[illegible] नहीं आए हैं [illegible] से [illegible] नहीं होंगे [illegible]
लिये गाड़ी जल्दी ही [illegible] होंगे क्योंकि फिर शायद [illegible]

लौटने का भी इरादा है रास्ते में तो तुम्हारे नाना जी के दर्शन

भी हो जायेंगे [illegible] तो पहले चले गये होंगे। इसका

अच्छा मौका है वहां पर रहने का अच्छा इन्तजाम है। इसके

के लिये तुम्हारी [illegible] भी आयेंगे पर भी तुम्हारे नानाजी को

भी साथ [illegible] [illegible]। तुम्हारे नाना जी आजकल

बहुत बीमार ही चल रहे हैं। अब तो बहुत [illegible] सी हो रहे

रहते हैं। [illegible] [illegible] दोनों [illegible] [illegible] हो रहे हैं और

उन की नहीं चलते हैं कमजोर भी बहुत हो गये हैं [illegible]

अच्छा [illegible] है [illegible] बाद [illegible] जाते हैं

इसका [illegible] तो सो रुपये पर [illegible] [illegible] के लिये [illegible] अब

दोनों [illegible] [illegible] रहे हैं सोचते हैं कि अब [illegible] [illegible] से रुपये

न देंगे। [illegible] तो [illegible] ही [illegible] [illegible] [illegible])

दे रहा है [illegible] [illegible] [illegible] के [illegible] पे [illegible] [illegible]

नहीं मिलता है। [illegible] [illegible] तो [illegible] को [illegible] [illegible]

[illegible] को [illegible] ही [illegible] थी।

तुम्हारी [illegible] के [illegible] [illegible] [illegible] हो रहे होंगे

घर के [illegible] के [illegible] [illegible] [illegible] होंगे। अब तो वहां पर

भी गर्मी होने लगी होगी।

तुम्हारे नाना जी को व [illegible] को आशीर्वाद व प्यार

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

[illegible] [illegible]

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated [illegible] 197[illegible]

प्रिय बेटा शैल तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

मेरा पत्र तुम्हारे पास पहुंचा होगा और वहां के समाचार ज्ञात हो गये होंगे। तुम्हारे बाबा जी तो बेटा खूब ठीक से चल रहे हैं। अब तो स्वरूप के साथ हैं अब तो बात को भी भूल जाते हैं। बाबा को [illegible] उनसे ले बहुत दिक्कतें हैं अब तो बस ढांचा ही रह गया है बहुत ही कम गये हैं [illegible] अब ईश्वर से यही प्रार्थना करते हैं कि इनको इनके कष्टों से ईश्वर मुक्ति दे।

पिंटू की शादी और [illegible] हो गयी होगी इन्श्योरेन्स पत्र आने पर पता चलेगा कैसी शादी हुई गई है। यहाँ पर भी अब मौसम बदलने से ठंड आ गयी है। वहाँ आ गई होगी और तुम लोग ठीक होगे तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। यहाँ पर [illegible] ठीक है सीमा [illegible] इलाहाबाद ही [illegible] मामा जी के पास रहे हैं [illegible] की परीक्षा ११ अप्रैल से शुरू होगी और रीता को समाप्त हो जायेगी।

प्रिय सुशील व सत्येन्द्र ठीक होंगे। उन दोनों
को हमारा आशीर्वाद। सब बड़ों को प्रणाम।
आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र देते रहना।

तुम्हारी शुभाकांक्षिणी

ज्ञानवती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR, MEERUT~~

Dated २०। ४। 197८

[illegible]

प्यार से [illegible] ही [illegible] । [illegible]

[illegible] हैं तुम्हारे [illegible]

[illegible]

[illegible] लगता है [illegible]

तुम यहां पर नहीं हो पास में [illegible] जाता । [illegible]

है । लेकिन [illegible] [illegible] तुम

[illegible] हो जाती । [illegible]

[illegible] हो जाती [illegible] तुम [illegible]

[illegible] है कि [illegible] और

[illegible] तुम [illegible] तो [illegible]

[illegible] होगा । [illegible]

[illegible] है । [illegible]

है कि [illegible] । [illegible]

[illegible] । और [illegible] निराश नहीं होगा ।

तुम्हारी [illegible]

[illegible] । तुम्हारा [illegible] और

[illegible] आशीर्वाद कहना । [illegible]

[illegible] है [illegible] में [illegible]

[illegible]

[illegible] ।

[illegible] देना ।

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

देहरादून

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 10/4/197_

प्रिय निर्मला सौभाग्यवती रहो।

तुम्हारा १ अप्रैल को लिखा हुआ पत्र इतने दिन

देर से मिल गया है। तुमने यह जान कर प्रसन्नता होगी कि मैं

और ... हरिद्वार कुम्भ मेले में गई थी मेरी भी गंगा नहाने की

बहुत ही इच्छा थी लेकिन इतनी भीड़ ... के कारण नहीं ...

की ... के ... चली ही गई थी ...

... बाद ... ...

... इसलिये मैं तुम्हारे ... ... गई ...

... ... हो गई हूँ। तुम्हारा ... ...

... ... तुमने ... दिया है। यहां पर ...

... ... तुम्हारा ... ...

है। ... ...

... ... वाला को ... देता है

... यहां पर ... ... है इसलिये ... ...

... नहीं ... ... तुम्हारे ... ...

... ...

... ... रुपये ... है ...

... ... तुम्हारे है। ... ...

... ... । ... ... है

उनके बाबूजी तो तब से ही बेहोश से पड़े रहते हैं
[illegible] होकर भी पूछा उनसे बताया है। [illegible] कह दिया है
डॉ॰ ने चश्मा बदल गये हैं। लेकिन [illegible] देखा भी बात
आप के लिये ही रहे मेरे ऊपर पर भी नहीं बोले। आज
कुछ बोलना [illegible] लिखवाये थे। आज उनके [illegible] भी
[illegible] गये हैं [illegible] और [illegible] गये
हैं आप तो [illegible] जायेंगे। [illegible] में आज [illegible]
हो रही है। [illegible] 22 तारीख [illegible] हैं [illegible] है
22-23 को में [illegible] होगी और [illegible]
[illegible] आना पड़ता [illegible] दिन [illegible]
[illegible] होगा। [illegible]
[illegible] बहुत ही [illegible] है [illegible] 2 बजे [illegible]
है [illegible] ही [illegible] जाता है। [illegible]

उनके बाबूजी की तबियत तो दिन पर दिन खराब
ही होती जा रही है। सब वक्त पलंग पे पड़े रहते हैं ज़रा भी
नहीं बोलते हैं यदि कुछ कहते भी हैं तो इतना धीमे कि [illegible]
जाता है और [illegible] बहुत हो गये हैं बिल्कुल भूल गये हैं
लोग कुछ नहीं है जो समय हो और [illegible]
[illegible] बुलाते हैं। अब तो [illegible] भी नहीं जाया जाता है
[illegible] बात है [illegible] बहुत ही [illegible] होता है
[illegible] हो गये हैं। सब क्या [illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated **197**

पहले मैंने जब से रोना आरम्भ ही किया है तब बाद
जब चले हैं पिता जी तिलक लगा कर गये और उस के
पुत्र को ऐसा पुत्र हम कहेंगे। यदि ईश्वर ने ऐसा कर दिया तो
ख़बर यह न देता लेकिन ईश्वर आज जानता है तो हम देखना
उस ईश्वर ने दिये हैं और यह विचार सा सदा रहे हैं। बस
यह तो पता है कि वे चले गये बच्चा दिया गये परन्तु नहीं बस
पुत्र गये। किसी से प्रेम हो सकेगा बना देगा पुत्र लोग पुत्रियाँ
होना बच्चों को सम्भालो होना चाहिये। पुत्र लोगों ने तो इतना बहुत ही
पुत्र देखा है बच्चे भी उनके अनाथ हो जाने के बाद बेजायदाद रहे
हैं और भैया को प्रेम हो रहे हैं। वैसे भी पुत्र भी इस बात
लगे रहे हैं बड़े भाग्य यही समझा है कि इस समय पुत्र लोग
पास में रहो हो क्योंकि ईश्वर ही पास में रहा हो। मैं पुत्र
का परिवार अपना सदा ही होना बच्चों को सम्भालो रहना।

मैं तो यही सोचता रहता हूँ यदि इस पत्र में हाल
को पूछने पुत्र लिखने की आवश्यकता ही नहीं बल्कि ईश्वर पास
ले ही गये उन को सोचना पड़ेगा कि कहाँ पर जायें। मैं तो
विशेष रूप से ईश्वर से प्रार्थना ही करता हूँ। मैं तो कुछ
सो रहे तो नहीं हूँ। क्योंकि यह तो पता ही सा रहा है

[illegible] [illegible] में वह स्वाधीनता नहीं होती है जैसे यहाँ
[illegible] होती है। [illegible] की [illegible] तो होती ही है। और यहाँ
[illegible] [illegible] कर में [illegible] पूरी [illegible] [illegible] को पास हो
जायेगी। पता नहीं आप इधर घर में क्या [illegible] [illegible]
जब बच्चे [illegible] [illegible] मिलेंगे तो क्या करेंगे। मैंने [illegible]
इस बात को [illegible] है कि जो छोटे बच्चे [illegible] [illegible] [illegible] हैं
[illegible] [illegible] [illegible]। [illegible] थोड़ा भी [illegible] [illegible]। [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] नहीं है [illegible] [illegible] [illegible] गई हूँ।

[illegible] का पत्र [illegible] पता चलेगा शादी कैसी हुई है
[illegible] [illegible] [illegible] में [illegible] [illegible] यहाँ पर [illegible] [illegible] में पड़ी है वहाँ
पर भी उतनी [illegible] [illegible] [illegible]।

मैंने इससे २० दिन [illegible] [illegible] २००) [illegible] से
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] में नहीं [illegible] [illegible] से
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] नहीं है [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] तो [illegible]। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] नहीं
होगा। [illegible] [illegible] शादी [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
है [illegible] [illegible] वह [illegible] [illegible] [illegible] नहीं।

[illegible] [illegible] को [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] दे
[illegible]। [illegible] [illegible] [illegible] देना।

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २९।८।197८

प्रिय बेटे शैल तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २२ता० का पत्र हमने आज मिला पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। मैं कल हरिद्वार [illegible] के साथ से आ गई हूँ। यहां सब ठीक [illegible] तुम सबों ने पत्र लिखे पत्रों ने देखकर बहुत ही प्रसन्नता होती है। [illegible] प्रसन्नता हुई कि तुमने पत्र लिख [illegible] है [illegible] हमारे पत्र में [illegible] है वह भी मिल गया होगा।

तुम्हारे बाबा जी की मौत से चिन्ता तो रहती ही होगी तुम्हारे बाबा जी [illegible] हो गये हैं और अब [illegible] के [illegible] रहते हैं [illegible] हैं। यदि [illegible] तो हमारे उनकी बात समझ में नहीं आती है। मेरा और प्यारा बाबा [illegible] ही [illegible] हो [illegible] तुम लोग [illegible] बाबा जी [illegible] रहे हो। बहुत सा प्यार दिया है। यह तो [illegible] तो होता ही [illegible] ही [illegible] होता है कि तुम लोग [illegible] में [illegible] बाबा जी [illegible] रहे हो। [illegible] बाबा [illegible] जाती ही है। [illegible] ईश्वर से प्रार्थना [illegible] कि उनको [illegible] ईश्वर [illegible] शान्ति [illegible] हुए। [illegible]

मेरा यही आप पत्र से इतना ज्ञान रहे [illegible]।

अब आप लोगों से कहना है कि जो पूछते हैं जो उनका है
हाल भी ठीक है।

मुझ अपने प्यारे में जब पर आराम
मिला ये उन्होंने इसी [illegible] सोच कर
दिया। मैंने उनको दिया।

मैं यह घर छोड़ उन्होंने मैं और भी [illegible]
लोगों की आप से जा रही थी यहाँ पर गंगा जी
घर में आ ही अच्छा आप। उनका [illegible] दिन से लिखे
[illegible] मिले हुए हैं [illegible] भी [illegible]
दे दी है। [illegible] भी [illegible] ही है।

नमस्कार [illegible] ही देना।

तुम्हारा [illegible]
[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ६। ५। 1970

प्रिय बिटिया लाजो सदैव सौभाग्यवती रहो।

तुम्हारा पत्र तो न लिख सका पर तुमको पता तो
चल गया था। तुम सब को रवि-प्रकाश को ज्ञात हो ही गया है
कि तुम्हारे बाबूजी २४ अप्रैल को दोपहर को १ बजे अपने पूरे
परिवार से बिछड़ कर स्वर्ग को चले गये हैं। अब ईश्वर से
यही प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शान्ति दे। बिटिया हम सबको
यही सोच कर शान्ति करनी है कि वह बहुत ही भाग्यवान थे पर अब
की उम्र में भी अपना खिला फुलवाड़ा छोड़ कर गये हैं ईश्वर उनकी
यह फुलवाड़ा सदैव खिलता रहे। आशा है कि तुम हिम्मत से काम
लोगी और [illegible] शोक को सम्भालती रहोगी। और १९ तारीख से तो
बिमार बहुत ही ज्यादा उठा रहे थे अब तो अपनी मौत ही पुकारा करते थे
और उनके बच्चों को देख कर हम लोग भी यही मनाते थे कि ईश्वर
अब इनको उठा ले। उन्होंने ऐसा [illegible] ईश्वर था वैसा ही सब
पहले कह के गये हैं। जीते जी हर समय [illegible] नहीं उतारते थे जब
से उतर गये यही ख्याल आता रहता है कि यहां पर लेटे रहते थे
और अब तो बस उनका ढांचा रह गया था बहुत ही दुबले हो गये थे
उन्होंने २२ को दोपहर बाद भोजन तक नहीं था कि आज पर उनके
[illegible] हैं मैं वो उनके पास भी नहीं बैठी इधर उधर ही
घूमती रही सारे दिन [illegible] की। मैं [illegible] लिखा है
[illegible]

मैंने योग नहीं देखा है। रहते में कैसे ही रहे। किसके दिल में

भी बहुत से रहते हैं। सारे संसार को कहीं मेवे की दवाई की गोली

देते थे और [illegible] की कुछ में लेकर देते थे। लेकिन

चाहिये तुमने बाबा की ख्वाहिश पूरी करना जरूर है कि तुम भी [illegible]

जाके लोग बहुत [illegible] समझाती होगी। तब बहुत [illegible]

उमंग को [illegible] [illegible] है और तुमको यह पूरा विश्वास है

कि [illegible] तुमको [illegible] याद है होंगे। जो [illegible]

प्यारे तुम्हारे बापूजी [illegible] मैं क्या कर सकती हूं। [illegible]

तुम लोगों ने [illegible] तुमको [illegible] गये हैं [illegible] याद में हूं। तुम

लोग [illegible] का [illegible] लिये [illegible] [illegible] होता ही नहीं

है तुम लोगों को बहुत अच्छा [illegible] है जो [illegible] की

याद [illegible] रही है। मेरा विचार [illegible]

[illegible] निश्चय [illegible]

हूंगी। जब तुम लोगों ने यहां पर रहने का [illegible]

निश्चय है जब तो बच्चों की पढ़ाई [illegible] रही है [illegible]

[illegible]। चाहिये तो [illegible] ही [illegible] की [illegible]

जरूर है कि [illegible] होगा। [illegible]

[illegible] बच्चों को [illegible] रहना। [illegible] बच्चों को समझाती

रहना। तुम्हारी होशियारी [illegible] है। [illegible]

होगी [illegible]। [illegible] है कि

तुम्हारे बापूजी को [illegible] मिले।

आपका [illegible] ही देना। अब तो [illegible]

[illegible] हो रहे गये हैं।

तुम्हारी अम्मा जी

[illegible]

२)

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 8 । 5 । 197

चि० बेटे सुशील सोनू प्रसन्न व निरोग रहो।

इतने दिनों तुम्हारा रचना का पत्र यहां पर इतवार को मिला और इतना तो ही रचना ने लिखा हुआ [illegible] पत्र [illegible] गुड़िया व शैनू के [illegible] पर दो पत्र तुम पढ़ के [illegible] होंगे

तुमको यह तो पता चल ही गया है कि तुम्हारे बाबूजी २४ अप्रैल को दोपहर के १ बजे तुमको इस संसार में छोड़ के सदा के लिए इस संसार से स्वर्ग को चले गये हैं। उस दिन तो [illegible] यह पता नहीं था कि आज यह जा रहे हैं मैं तो बैठा ही देखता रहा [illegible] समय और आखिर कुछ नहीं आज वह एकदम शान्त हो गये। सोमवार का दिन था [illegible] [illegible] [illegible] ने [illegible] का [illegible] को [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] गंगाजल दे रहे थे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] बराबर गले से उतरता रहा। लेकिन [illegible] तो [illegible] [illegible] ही चल रही थी सिवाय पानी के या दो चार चम्मच दूध के कुछ भी नहीं लेते थे। सन्तरे का रस भी देता था तो मुश्किल से दो चम्मच ही लेते थे- एक तो पहिले [illegible] ही [illegible] [illegible] [illegible] भी बहुत ही [illegible] [illegible] [illegible] शरीर का ढांचा सा ही रह गया था [illegible] [illegible]

में ही रहता था बचपन से और तो मोहन ही खेलते थे
पिताजी ने बहुत ही कष्ट उठाया है। ऐसे महान आत्मा को
पता नहीं किसे पाप के या किस जन्म के फल से इतना
कष्ट उठाना पड़ा है। अब ईश्वर उनकी आत्मा को शान्ति दे

हां बेटा अब तुम चाहे जितना बड़े ही हो गये हो
पैसे को लेकर तुम्हारे बाबूजी को भाग्यवान थोड़े हैं ईश्वर
के वश के सामने किसी की चलती है। बस एक मैं ही
अभागिन उनका दुख देखने को रह गई हूँ। मेरी चिन्ता
बोल रहे थे कि तुम्हारा क्या होगा मैं चाहता था कि तुम
ही साथ चली जाती लेकिन यह अपने वश की बात तो
होती ही नहीं है। और मुझको आशा है कि मेरे बच्चे
मुझको अच्छी तरह से ही रखेंगे। हां यह तो अवश्य है कि
तुम्हें प्यार करने वाले तुम्हारे बाबूजी नहीं रहे हैं। मैं तुम सबको
तो क्या प्यार कर सकती हूँ। पत्र लिखा नहीं जा रहा है
और मुश्किल से पत्र लिख रही हूँ। बार बार रोना आ रहा है
जब तक यही होता रहा बराबर बच्चे रहते थे बच्चों को
पत्र लिखना और बहुत रहते थे गन्दे हैं पर डाल उठा
लेती डाल दिया जाये हर एक पत्र में उनका आशीर्वाद
से भाग निकलता था। फिर बेटा ईश्वर से प्रार्थना है कि
इन सबको तो शान्ति दें यदि इस दुनिया होगा तो उनकी आत्मा
को भी शान्ति नहीं होगा। क्योंकि अपने बच्चों को जरा भी
उदास देखते थे तो परेशान हो जाते थे।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

इस दिन पर रवि और सरोज ने गुड़िया शैल को समझा
दिया। इसके बाद जीजी पार्क के घर गया दद्दू और शाम को ही
और उनको तो कुछ पता ही थी। लेकिन कहा गया था कि पहले आगाह
है कि तुम लोग उस समय नहीं आये थे। मैं ऐसे ही बालक
नहीं होंगे। और अब तुम मानते हो होता थी क्या है आशा
है कि तुम बहुत हिम्मत से काम लोगे और बच्चों को भी
समझाते रहोगे। सुबोध की बहू तो 27 अप्रैल को संगीत
के साथ में मुरादाबाद चली गयी थी क्योंकि 29 ता० को ही
संगीत रेस्पॉन्सिबल लगाई हुई थी उनकी हालत तो खराब चल रही
रही थी। वो लेकिन इसको बिल्कुल पता नहीं था कि
इतनी जल्दी चले जायेंगे। उनके मरने पर फोन किया तो
दूसरे दिन दोपहर को 12 बजे पहुंचे थे। निर्मला तो
21 ता० को सुबह ही आ गयी थी। राजे को भी उनके मरने
पर फोन कर दिया था राजे को दोपहर को 12 बजे रवाना
हो गया फोन मिला लेकिन वह साढ़े तीन बजे ही चल सका
ठहरे थे और दूसरे दिन सुबह को साढ़े 9 बजे आये। हां
कुमार हरिद्वार ही था वह फोन मिलते ही साढ़े
तीन बजे आ गया था और उसने शहर को 6 बजे शायद

Dhanpat Rai Gupta
MEERUT

(5)

हीरालाल डालमिया ले गये थे और हरदम साथ रहे

जिनकी वजह से ही हो गये थे यह सब काम ये ठंड को

हरिकृष्ण के वापिस आ गये थे।

२५ दिसं ~~...~~ की उनकी तेरहीं थी। तेरहीं पर ये सब

यहां से रतन व सत्या आ गये थे कैलाश व शारदा बहू

व सावित्री एतवार को आ गये थे। तेरहीं के दिन परिवार

से इला व नरेन्द्र भी आये थे विजय से शान्ति बहू

आये थे गाज़ियाबाद से रंजन व मनमोहन की बहू आई थी

और मेरठ से चिन्ता व पिताजी आये थे। शादी के

मौके जैसा आये थे। पत्र तो सभी रिश्तेदारों के आये

थे। लेकिन आये बहुत कम थे। अब सबके पत्र

आ रहे हैं। भगवान जो मुन्ना और नरेन्द्र के लिये धोती जोड़ा

रखे थे चिकन की भी है १५०) रुपये के जोड़े हैं और (२१)

पगड़ी के हैं। और सबको ससुराल से भी जोड़े आये हैं

मेरे प्यारे तुम लोग बहुत परेशान होंगे तो तुमको भी

बहुत ही दुख होगा। गुड़िया को देना और समझा देना

और गुड़िया रोज से कहना कि तुमको पत्र लिखते रहें

और तो सब तुमको तुम सबको ऊपर प्यार करने वाले

पिता जी छोड़ गये हैं बहुत परेशान ना होना और

अपने मन में शान्ति से ईश्वर याद करते रहना तो

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

**152, VIJAY NAGAR,
MEERUT**

Dated.............197

आप फोन करते रहें तो फिर उनको भी थोड़ी शान्ति मिलेगी। यदि मैं स्वयं ठीक होगा तो उनको भी कुछ होगा यह तो ठीक है कि जितना प्यार वह मुझ सबको करते थे मैं इतना प्यार तो नहीं दे सका हूं। फिर भी मुझ लोग कुछ चिन्ता तो करते तुम्हारे ऊपर ऐसी पड़ी हुई है।

मेरा विचार जून के पहिले में चेकोस्लो जाने का है तब जाने का निश्चय हो जायेगा उसको लिख दूंगा। आशा है कि मेरे बच्चे मेरा कहना मानेंगे और ज्यादह उत्पात नहीं होगा। रामजी जो करता है वैसा ही होता है मेरे ही कारण बने होंगे

नोरा भी २० ता० को आ गया था। और ५ ता० को वह भी चला गया है। स्वरूप प्रकाश बाहर है वह मिना के साथ २० ता० को आया था और २२ ता० को प्रकाश बाहर चला गया था वहां पर उसका आवश्यक

(६)

इन्तज़ार कर रहा हूँ।

प्रिय विनिता सोना को ढेर आशीर्वाद। प्रिय गुड़िया शैल को ढेर सारा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। मेरा देरा मैंने दिल्ली से बच्चे को समझा देगा।

तुम्हारा अम्मा जी

प्रकाश वती

राजे मैं नई थी अम्मा जी अब पेट से मिलन चाहे थी निचाई से पेट तक बैठी रही।

मेरा तुम्हारा रक्षा का लिफाफा कागज पत्र मुझको मिला है पर पत्र में रोपहू को लिख चुकी और इस पत्र का उत्तर मिल जायेगी इसके पत्र बहुत ही शान्ति देने वाला लिया है उन लोगों के है तो दो बच्चे मिलने आये हैं ईश्वर सामान गये सेव ही करता है। मैं बोले लिखियेगी पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्मा जी प्रकाश वती

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ६-५-197८

प्रिय निर्मला गुड्डा शुभाशीष ढेर सारा प्यार

तुम्हारा रविवार को लिखा हुआ पत्र मिला। तुम्हारे बाबाजी ने आज छोड़ा लेकिन अब को रख उनको अब भी परिवार को छोड़ कर सोमवार को १ बजे ४ हफ्तों के लिये ध्यान करने स्वामी जी के यहाँ रहने गये हैं। इच्छा है कि वह यहाँ जाकर है कि उनकी आत्मा को शान्ति रहे। निर्मला तुम्हारे बाबा जी के पुत्र पर चलते होंगे तो तुम्हारा पत्र मिला लिखना होते हैं तुम्हारे बाबा जी और तुम बाबा जी को बोलते रहो हो। बातचीत में उन्हें कुछ सोने बच्चों से बहुत ही प्यार था तो उनकी याद में रह कर बातें की तो परेशान से हो जाते हैं। जब तक उनके लिये गये ४ तारीख हो गये रविवार हो गये कि लिखने रखना भी नहीं लिख सके उनके पत्र में बड़ा दुख पाते हैं कि मैं बच्चों को पत्र लिखना आज भी नहीं हुआ फिर लिखने पर पत्र लिख देते हैं। और आज मैं पता भी नहीं लिख सके। इतने रोज़ में कि तुम से बराबर बच्चों रहता है बच्चों को पत्र लिखदो। और इतने पत्र नहीं आये तो जल्दी भी रहता होता है कि जल्दी से पत्र डाल आओ। उनकी भी यह इच्छा थी कि मैं उनके बच्चों को एक बार देख कर ही पहले रह तैयार हो जायें। लेकिन होनहार को कौन

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ..... 197..

प्रिय मेरे सोनू तुमको मेरा बहुत सा प्यार

बेटा तुम्हारा रवैया जो लिखा हुआ पत्र इनका

इनका तो मिल गया है लेकिन तुम्हारे बाबा जी तो

रक्षाबन्धन के दोपहर को इस साल भी घोड़ा बेचकर

के घोड़े पे सवार होकर चले गये हैं [illegible]

नहीं थे [illegible] में ही थे [illegible] के दो दिन [illegible]

गंगाजल ही दे रहे थे [illegible] बिल्कुल [illegible] रह गया था

बल [illegible] रहे थे [illegible] लेकिन [illegible]

कि [illegible] मिली [illegible] जो गये थे। [illegible] में उनका

[illegible] नहीं हुआ है [illegible] गंगाजल [illegible]

[illegible] शरीर

छोड़ा है। [illegible] ११ [illegible] के [illegible] शरीर भी बिल्कुल

ठीक था [illegible] ठीक [illegible] लेकिन

ईश्वर की दया से आप [illegible] शरीर बिल्कुल ठीक था इस

बिमारी में तो बहुत से खराब रोग हो जाते हैं। [illegible]

भगवान की बड़ी कृपा रही कि बिल्कुल साफ [illegible]

चौरासी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २३/५/197८

प्रिय नीलिमा गुड़िया तुमको मेरा बहुत बहुत प्यार

वैसे तुमने अबकी हम पचालिका का जीवन ही तुम दोनों ने पद जोड़ें तुम्हारा नहीं का उमान को दिन हो गए है। लिखित आशा है कि तुम दोनों आनन्द से होगे तुम्हारी पढ़ाई व काम भी ठीक ही चल रहा होगा। निरिमा मेरी बड़ी इच्छा है कि इसका की बजाय तुम अब शादी योग्य हो गई हो और यदि ठीक समझो तो कहां था। नहीं तो यहां पर आकर अवश्य शादी कर लेती। तुम्हारे बाबा जी की भी तुम्हारी शादी देखने की बहुत ही इच्छा थी लेकिन उनकी इच्छा तो पूरी नहीं हो पाई है लेकिन आशा है कि मेरी यह इच्छा अवश्य पूरी होगी बेटा शादी तो करनी ही है लोग यह तो पता नहीं चलता है लेकिन बाद होने पर जब ही कई समस्याएं आती हैं तो बुजुर्गों को पूछ देखना पड़ता है। इस लिये निरिमा यह बड़ों का ही शादी होना परिवार ही में आवश्यक होता है और मेरी बहुत बड़ी इच्छा है कि तुम्हारी शादी

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 23/3/197[illegible]

प्रिय [illegible] [illegible] तुम्हें मेरा बहुत सा प्यार

तुम्हें मेरे पत्र से पता चल गया होगा मैं अब तो [illegible] आ गई हूँ। मेरा मन तो बस ही गया है और अब तो आराम ही है क्योंकि यहाँ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] जगह है। अब तो मेरी उम्र और भी बढ़ गई है

[illegible] व शैल का 26 मई का लिखा हुआ पत्र देहरादून आया था [illegible] ने यहाँ पर भेज दिया है। आशा है कि तुम्हारा मन अब [illegible] [illegible] बाद में लग गया होगा। मेरा तुमको तुम्हारे बाबा की याद तो आती ही होगी लेकिन अब तो गए हुए हैं [illegible] है इस [illegible] जितनी भी याद करोगे उतना ही इसका दुख होगा। और यदि तुम [illegible] होगे तो उनकी आत्मा को ज़रूर सुख होगा। और तुमको बहुत समझदार हो आशा है कि तुम [illegible] [illegible] करोगे।

अनुपमा का यहाँ पर पत्र आया है उसने लिखा है कि [illegible] [illegible] के [illegible] को मेरे बाद पत्र नहीं आया है तुम उसको पत्र लिख देना। यहाँ पर सब [illegible] पत्र बराबर लिखते रहते हैं।

उन्होंने भी उनके बारातियों ने खूब का बड़ा ख्याल
रखा पत्र लिखा है मेरा घर वाले तो उनसे प्यार
करते ही हैं लेकिन उनसे तो ज्यादा ही था है।

किया यहां था ही है। बच्चों के होने के बाद के
जब तैयार होता है २६ का [illegible] लिखा और देने
आओगे ताकि २८ को तो किया जो ले आओगे।

उम्मीद है तबियत ठीक होगी कुछ कोई चिन्ता
मत करना मैं तो यहां पर ठीक ही हूं। [illegible]
[illegible] रखना [illegible] [illegible] [illegible]
चल रही [illegible] है। [illegible] [illegible] रहना

यहां पर [illegible] [illegible] गर्मी पड़ रही है
[illegible] ने [illegible] [illegible] किया है लेकिन
[illegible] होता है इसलिए [illegible] की किया
[illegible] के [illegible] रही है।

सबको [illegible] [illegible]। तुम्हारी [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

मेरे सामने इसलिए तुमने मेरा पद लिखना शायद
तुम्हें अच्छा लगेगा। कि अन्य नहीं भी बहुत ऐसे
चाहते हैं लेकिन लिखित और तुमने मेरा अपना
नहीं है कि शायद होना मुश्किल असम्भव ही
होता है। और मेरी इच्छा भी पूरी न होगी। तुम्हारे
बाबा जी की यह इच्छा पूरी नहीं हुई है। लेकिन
आशा है कि मेरा यह लेखन तुमने गलत नहीं
लोगे। तुम अब अपने स्वास्थ्य का ध्यान
रखना। और अब तुम नौकरी करो या कि व्यापार
मेरी राय में रहो तो अब तुम्हारे बाबा जी भी
कुछ दिन रह जायेंगे। मैं ठीक रही हूं।
तुमने लिखा है कि इसलिए तुमको फोटो भेजने का
समय नहीं मिला। तुम्हारी माँ अब बहुत ज्यादा
कमजोर हो चली गई हैं। और अब किसी
फोटो देख कर कुछ ही होगा। तुम अपने
बच्चों का ध्यान रखना। पिता ने बच्चों से बहुत
प्रेम किया है। उनकी तो चिंता चली जायेगी।
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्मा
अम्मा जी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 23|5|197

[illegible]

जाता है। यदि [illegible] पढ़ने का [illegible]

[illegible]

नहीं [illegible] नहीं [illegible]

नहीं [illegible]

[illegible]

[illegible] नहीं [illegible] है [illegible]

[illegible] नहीं होगा।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] होगी।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

[illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

चंदौसी

Dated 23 । 6 । 1972.

प्रिय बेटे [illegible] सदैव प्रसन्न व चिन्तामुक्त रहो

मैं 8 जून को चंदौसी आ गई हूँ। [illegible] चंदौसी आकर तुम्हें एक पत्र लिखा है मिल गया होगा। तुम्हारा एक पत्र 28 तारीख को मिला इसी देहरादून के पते पर आया था तुम्हारे ने उसको यहां पर पोस्ट करा दिया था। [illegible] तुम्हारे यहां पर 2 वर्ष [illegible] गया था। मैं यहां पर ठीक ही हूँ। और बच्चे सब तो ठीक आप मन तो लगाना ही है मेरी आदत रहने पर ही तबियत लगता है। तुम्हारे [illegible] अब तो एक दिन को भी छोड़ कर नहीं रहते थे और अब [illegible] के लिये ही छोड़ कर चले गये हैं पर वो आते ही हैं लेकिन [illegible] याद [illegible] ही लिखा था। अब तो तब देखे ही फिर मिलना होगा। और सबको [illegible] लिखा तो है ही फिर बतायेंगे।

मेरा [illegible] सब ठीक रहेगा तो मैं [illegible] पर लौट रही हूँ। मेरी तबियत ठीक है।

[illegible] ठीक ही रहेगा।

तुम्हारी अम्मा
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ______ 192

प्रिय बेटे [illegible] तुम्हें मेरा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २० तारीख का पत्र देहली से होकर आज यहां पर आया है। मैं १५ जून को यहां पर आ गई हूं मैंने यहां पर आकर तुम्हें पत्र लिखा था मिल गया होगा

बेटा तुम्हें अपने बाबा जी की याद तो आती ही होगी लेकिन अब तो बस उनको आदर्श मानकर चलना ही चाहिए हम उनको जितना याद करेंगे उतना ही दुख होगा ऐसे ही बातें करते थे जो अपना समय दे तुम लोग उनको नहीं भूल सके हो तुम्हारे बाबाजी भी तुमको तो और भी बहुत चाहते थे चले गये हैं ऐसा ही होना था अब अपने मन में शान्ति करो तुम तो समझदार हो अब समझदार हो और आशा है कि अपने पढ़ने में मन लगाओगे। बेटा तुम मेरी चिन्ता क्यों करते हो मैं तो बिलकुल ठीक हूं। भगवान जो करता है। तुम्हारे बाबाजी संसार में यहां से कहां चले गये हैं मैं तब उदास हो रह गई हूं। योगेश का भी कानपुर से पत्र आया है लिखा है ने बहुत ही उदास होकर पत्र लिखा है। आशा है कि तुम्हारे पापा ठीक चल रहे होंगे। तुम्हारी मम्मी पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

आशीर्वाद

मेरठ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २४।६।197[illegible]

प्रिय सरोज तथा सौभाग्यवती [illegible]

तुम्हारा [illegible] का पत्र कल मिला

सब समाचार ज्ञात हुए। मैं तुमको पत्र लिख रहा था। तुम्हें [illegible] ज्ञात हो ही गया है कि मैं [illegible] मेरठ आ गया हूँ। ज़्यादा [illegible] में [illegible] आ गये थे [illegible] कोई परेशानी नहीं हुई है।

शुक्रवार २५ [illegible] को जनता गाड़ी से दिल्ली [illegible] गया था और [illegible] रात के ८ बजे [illegible] गये थे शाम को। और फिर [illegible] दिन रात को १० बजे [illegible] वापिस आ गये थे [illegible] दूसरे दिन [illegible] बाबूजी को २६ ता० को [illegible] था। [illegible] तुम्हारे बाबूजी इस लिये [illegible] ज़्यादह [illegible] हैं क्योंकि उनको [illegible] रहता ही था और [illegible] उनको इसी लिये शायद ज़्यादह [illegible] हैं। [illegible] नहीं [illegible] हैं शायद [illegible] गये हैं [illegible] परेशान [illegible]

नह रैती थी इस उम्र मानती हूं। पैसा मिले तो पैसे

[illegible]

इस बेटे बाप से [illegible] रहती हूं। कब दिन भर बैठा

रहती हूं। [illegible] नहीं बोलता है। उस पर बात से

ज्यादा होता है। पर [illegible] पता नहीं [illegible] है

[illegible] है कि [illegible]

[illegible] है [illegible]

[illegible]

[illegible] है।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] है।

[illegible] है।

[illegible] है। [illegible] है।

[illegible]

[illegible]

~~चन्दौसी~~

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ३ । ६ । 197

प्रिय गिरिजा सौभाग्य सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा २५ ता. का लिखा हुआ पत्र मुझको

२८ ता. को मिला समाचार ज्ञात हुये। [illegible] का दिन था

मामा जी और नाना ३० ता. को चले गये हैं उनके जाने से

घर सूना सा हो गया है बच्चों से खूब रौनक रहती थी

अब [illegible] इस बार ही रह गये हैं पता नहीं [illegible]

लगेगा। देश में इस समय ही रहा है समय का पता भी नहीं

चलता [illegible] उनके पीछे जगह मिलाना था। [illegible]

का कहना है वे [illegible] के आधीन हो गये हैं [illegible]

दिन तो कभी नहीं [illegible] से [illegible] के लिये ही छोड़

कर चले गये हैं। पता नहीं यह [illegible] मेरी [illegible]

[illegible] क्या ही [illegible] होता है [illegible]

भी इच्छा नहीं जाती है लेकिन [illegible]

यही इच्छा है कि [illegible] और मैं

इस [illegible] दे देऊं। मैंने तुम्हारे [illegible]

कुछ

के [illegible] बच्चों के लिये [illegible] सवाल हैं [illegible]

[illegible] और [illegible]। [illegible] पत्र [illegible]

तुम्हारे [illegible] में [illegible] चले गये हैं। [illegible]

[illegible] ज्यादह [illegible] बहुत [illegible] ज्यादह [illegible]

या तो कहीं जाने से बच सकता है वरना तो नहीं देखूंगा।
मैं तो ऐसा ही बालक बनने से। तो हमेशा से याद से
रहे पढ़ो लिखो सबक सिखाए गए।

तुम्हारे बाबूजी को तो पत्र लिखने की आदत रहती
थी [illegible] हमको भी रोज पत्र लिख देते थे। लेकिन तुमको
तो लिखने में देर ही हो जाती है इसलिये चार पाँच
पत्र में दे रहे हैं। ज्यादा नहीं तो कुछ लिखा करना
करो। तुम्हारी तबियत भी ठीक दिन से ठीक नहीं
रहती है अपना ख्याल रखा करो। दवाई खाती रहा
करो। गुड़िया को देख उसकी शादी के विषय में लिखा था
पता नहीं उसका क्या तो नहीं लगा है। वह तो सिखाते चले
हो गये लेकिन मेरी बहुत इच्छा है कि गुड़िया की शादी
हो जाये मेरे सामने। यदि यहाँ पर (कोई) अच्छा लड़का मिल जायेगा
गुड़िया यहाँ पर तबादला हो तो यहीं पर बात कर लेना। छह
साल यहाँ पर बातें तो तबादला नहीं होगा।

इधर सेठजी उनके नानी परेशान हैं नहीं
रमेश पूरा लिये हैं उसकी जब ही निकल के देखना
पढ़ेंगे। क्या यहाँ पर रह कर गुजारा कर सकता है जब
यह बात पता तो नहीं है लेकिन हाँ जाना तो बात तो है
ही। लिखा पढ़ी घर बैठा बैठा रहती है कि जाने पर कब
गाड़ी पड़ता है। मेहनत तो पूरी करनी पड़ती है वह तो तुमको
पता होगा तब बात चलेगा क्योंकि साथ हमारा तो
परेशान न किया ही देते हैं मकान व बकाया पड़ा है व
लेकिन उस साल हो ही गए हैं। 200) का तो हो चुका

-3-

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

लालचन्द [illegible] ही [illegible] है।
और [illegible] होने तक रहेगा। निश्चय ही [illegible]

६ हजार [illegible] खरीदी थी और एक वर्ष [illegible] ही
५-६ महीने में ही सब मशीन का रुपया इकट्ठा किया
था [illegible] यहाँ मशीन [illegible] लिया [illegible] है
७ हजार की [illegible] थी लेकिन अब [illegible] ज्यादा
का [illegible] हो गया है। गर्मी तो यहां खूब पड़ रही है
लेकिन वर्षा होने पर [illegible] हो जाता है और [illegible] खूब
खरीद लिया है लेकिन [illegible] नहीं [illegible] है
तो बहुत बेकार ही रहता है। यहां पर [illegible]
तो सुबह से १२ बजे तक और [illegible] बजे
दोपहर [illegible] घंटे [illegible] वाला है।
इससे तो अच्छा है कि यहां पर ज्यादा गर्मी नहीं
होती है।
लालचन्द [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] नहीं आया है। [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

गया है। [illegible]

[illegible] है तो [illegible]

है [illegible] पड़ता है।

[illegible]

[illegible] है। [illegible]

[illegible]

[illegible] है। [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] है। [illegible]

हमारा आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र देते रहना

तुम्हारा शुभचिन्तक

धनपत राय

~~चौरासी~~

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 21/01/ 197

प्रिय विरिष गुड्डो तुमको मेरा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २२ता० का एक पत्र और दूसरा जोगेन्द्र

के शेर का पुरुषोत्तम का लिखे व पत्र मैं मिला

लिखे ऊँट पत्र देखकर २० ता० को लिखे हुए पत्र

मिलाकर व सवेरा शेर प्रदीप को लेकर डॉक्टर

होना पड़ा फिर। तुम्हारा मेरा ही तुम्हें कुछ नहीं

प्रवास हाल होकर उत्सवता हुई। लिखा २० ता० से

न जाने गये हैं उसके व बच्चों को चले देखा है

बाहर देखा तो ही जाना है पर अब नहीं जाना

है पता नहीं किस वक़्त रहेंगे से बोलेंगे।

यहाँ पहले से मेरा नहीं बोला तो भी जाग रही है

और तो मैं लिखी को जानती हूँ। पेट में तकलीफ

पर होता था पता चला था। पुरुषोत्तम को पेट में

ऊँची डाइरेक्टर को पोस्ट पर रखवा दी

गया था लेकिन उनका पेट ठीक ही नहीं हो

रहा जाता है इसी लिये लखनऊ से ही पाइल्स

पोस्ट पर ही रहना ठीक समझा गया है।

विरिष यहाँ मैं यह पत्र लिखकर ये दे रहा हूँ।

समय रहते तो कुछ चिन्ता पता नहीं [illegible] तुमने
सब जितने में आराम आ जाता है। तुम्हारा नानाजी
का गन्दा रजिस्टर रहता और [illegible]
नहीं लिख सके और ये पुनः [illegible] लिखने के लिये
बहुत रहता है। उनका [illegible] भी हो चाहिये ये भी
आदमी हो गये हैं। चित्रा ने बच्चों के बारे में और भी
पर नहीं लग रहा है। लोकेश पर बड़ा [illegible] सा होता है
[illegible] था भी अच्छा नहीं लगता है। मेरी अब तो
यही इच्छा है कि इस बार तुम सबको देख लूँ। [illegible]
कि उनकी तरह से ही तो देख पाऊँ। लेकिन मेरी उम्र तो अब
[illegible] हो गई है। ऐसा मालूम [illegible] बारे [illegible] हूँ
बेटा तुम्हारे नानाजी तुमने अब भी [illegible] अवश्य
याद करते होंगे क्योंकि तुमने ही रजिस्टर [illegible] हैं [illegible]
[illegible] नहीं [illegible] हैं [illegible]
[illegible] भी [illegible] नहीं [illegible] तुम्हारे [illegible]
[illegible] के [illegible] बहुत अच्छा है
[illegible] नहीं [illegible]
कुछ [illegible] हो [illegible] हो गया है। [illegible]
[illegible] याद [illegible]। [illegible] हो
जाते हैं। [illegible] हैं
है। [illegible] हो जाते हैं

तुम्हारा [illegible] हो गया होगा
[illegible] तो कुछ [illegible] होगा [illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated..................197

जरा कम सावधानी से कार चलाया करना।

इस स्कूटर को तो तुम क्यों छोड़ रही हो क्या
अपने प्यारे से बताया है। बल इसका ये प्रसन्न होते
तो आता पड़ता है और इसका तो पर गाड़ी चढ़ जाते हैं
उम्मीद पर भी लग जाता है और सोचा भी देना
स्कूल में नाम लिखा गया है। सोचा पापा भी
तो अच्छी होगी।

यहाँ पर तो आज कल काफी गर्मी पड़ रही है
जब बच्चे हो जाते हैं तो कुछ अच्छा सा हो जाता है

लोग तो बहुत नाम कर दिया है विवाह करना ही
उम्मीद सा है। अब कुछ गाड़ी चलाना सीख गया हूँ
तो ज्यादा बहुत सा शायद करेगा। ... की गाड़ी
के बाद बोलता था और इसलिए नहीं सिखाया गया। नई
गाड़ी तो सोच तो बहुत ही प्रसिद्ध है। पता नहीं इस
गाड़ी ने पैसे भी खुशी से दिये बाकी है।

अनुपमा को पत्र तो यहाँ पर आकर आजकल
बैठे उदास रहती है। अच्छा तो तो ज्यादा नहीं है
अनुपमा लिखती रहती है कि हमारे साथ में वो कोई

दिनसे तेरा कोई पत्र नहीं आया है। तुम उनको पत्र
लिख देना। अब इन्तजार से अच्छा है कि तुम्हारे
यहाँ कोई दिक्कत नहीं है। जो काम था यहाँ पर
जाओ यहाँ पूरा हो गया। लिखना पापा को पूजा को
पर तुम इसको तो अच्छा हो सकते है और लिखने को
मिलते रहो तो तुम सब लोग अच्छे बने रहो
रहो सो अब तो मिलते के पी रहे पर रहा हूँ
और तुम्हारा अच्छे है। अब यहाँ पर लोग लोग
कि इतने उतना ही कोई रहते हैं इसलिए पत्र रखेंगे
पर नहीं लिखते हूँ। अच्छा लिखना तुम सब
यहाँ पर पूरा होगा और फिर हम सब आ जाय
रहेंगे इन्तजार पर दिन शीघ्र ही आवे।

सबको तुम्हें आशीर्वाद व प्यार

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभचिन्तका

प्यारी नानी

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated [illegible] 197[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] २०) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~

Dated 2. 1. 197[illegible]

प्रिय बेटे शैल तुमको मेरा बहुत सा प्यार

मेरा तुम्हारा [illegible] का लिखा हुआ पत्र तुमको 26 तारीख को मिल गया था पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए

योगेश का पत्र भी मेरे पास आया था लेकिन अब मैं सोचता हूं कि उसके पत्र का उत्तर नहीं दूंगा क्योंकि जब लिखना तो उन लोगों के लिए ठीक ही है [illegible] मैं फिर पत्र [illegible] लिखने से ही क्या फायदा है। मेरे [illegible] बाहर [illegible] का दिखावा हो गया है शायद [illegible] से शादी हो [illegible] तुम्हारे पास भी योगेश के पत्र आते हैं क्या मेरे से [illegible] बड़ा प्यार वाला रहता है उससे भी तुम्हारे बच्चों के हृदय को बहुत ही [illegible] जाता है।

मेरा [illegible] बातें चली गई है उसके बच्चों ने सोचने का मन भी था पर जब तो [illegible] लिखना भी बड़ा [illegible] लगता है। [illegible] को नहीं पता चली भी [illegible] भी पता नहीं [illegible] के लिए [illegible] नहीं है [illegible] है लेकिन तुम्हारे [illegible] लिखने का [illegible] सोचता रहता हूं। पता नहीं कैसे दिन बीतेंगे। तुम्हारे [illegible] के भी [illegible] दिन हैं।

तुम्हारे स्कूल [illegible] से खुल गये होंगे। मित्रा १ महीना

[illegible] बम्बई गई है २ता० से उसके बच्चों के भी स्कूल

खुल गये हैं।

बेटा एक तुम्हारे बाबा जी को भूल गये।

लेकिन तुम्हारे बाबा जी को [illegible] भी

[illegible] है तुम लोगों को [illegible] प्यार करते थे [illegible]

[illegible] इन्हीं बच्चों को [illegible] प्यार करते हैं

[illegible] प्यार भी [illegible] हो गया है। [illegible]

[illegible] लिखते हैं और उनकी [illegible] को

मानते हैं। वह [illegible] से अधिक है।

उम्मीद है तुम सब खुश होंगे तो [illegible]

[illegible] रही है। [illegible] ध्यान रखना

उम्मीद है [illegible] ठीक होंगे। [illegible]

[illegible] के लिए [illegible]

[illegible] ही [illegible] कर रहा है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारा [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ११/[illegible]/197[illegible]

प्रिय बिटिया गुडिया तुमको मेरा बहुत सा प्यार

तुम्हारा व सुशील का २ तारीख का लिखा हुआ [illegible]
[illegible] तो [illegible] उन सब मिले दोनों लिफाफे देखकर
बहुत खुश हुए। बिटिया तुम्हारे पास तो तुम्हारे बाबा जी की
[illegible] के [illegible] हुए नहीं तो हैं [illegible] सब तुम्हारा पर होकर
होगये [illegible] ऐसी होगये लेकिन हम तो बाबाजी भी नहीं
[illegible] रहे हैं जब तक तुम्हारे पास आयेगी और कहां
का [illegible] कर सकूंगी। या फिर तुम लोग के [illegible]
मिश्रा व दिनेश भी [illegible] में अपने बाबा जी को
नहीं [illegible] हुए जा सके हैं। तुमने [illegible] एक
बार ही उन बातों को [illegible] लिये थे। आज [illegible]
[illegible] और [illegible] गया है [illegible]
[illegible] कि [illegible] गया।
अभी भी तुम्हारा बहुत ख्याल रहता होगा इसलिये तुमने
प्यार [illegible] देते हैं। वह मेरा मन तो वह तुम्हारे बाबाजी
को [illegible] रह गए हैं यह पता नहीं था कि [illegible]
ही सब कुछ देता [illegible] आयेगा। मन [illegible] पड़ता
है और साथ तो [illegible] नहीं है वह तो फिर भी [illegible] में [illegible]

सभी है यह तो मतलब है यदि वे चाहिये उनके वास्ते तो उतना
प्रचार किया जाता और नहीं कुछ नहीं करते थे। लेकिन
हिन्दुओं को गर्व है अच्छा ही जाता है। अब मेरा ईश्वर
से यकीन है कि यहां पर भी हो उतना उतना तो मालूम है

बिटिया तुम मेरी चिन्ता मत करो मेरा तो देहरादून के
भी [illegible] बहुत ध्यान रखते थे और यहां पर भी
लोगों में खाना बहुत ही ध्यान रखते हैं। मैं रहे तो तुमको मेरी
कम उत्तर भी भी उपयोग नहीं है और मन भी लग ही गया
है दिन में दो बार सत्संग में चली जाती हूं और सुबह
तो मन्दिर चली जाती हूं बस इतने ही समय निकल जाता है
तुम अब भी मेरी चिन्ता मत करना। बस तुम सब लोग
रहो मेरी ईश्वर से यही प्रार्थना है और यह शुभ आशीर्वाद
ही देती हूं तुम सब को देहूं। और तुमने एक पत्र में उस
उत्सवों का हो तो [illegible] का नाम तो मालूम ही रहना जैसे कि
दिल में दो बार ही आना होता है। यह आप लोगों बहुत
ही उत्सुक हूं कि मेरी बिटिया एक बार यहां से आ गई
है ईश्वर से तुमने बनाने में सफलता प्राप्त हो। और उतनी
से तुम्हारे वालिग हो तो ये खाने किताब पढ़ा होता और
हां उसे भी बहुत। लेकिन बिटिया फिर भी सांत्वना से
ही और ध्यान से ही समझना होगा। मेरी तुमसे यही कहने
की शुभ कामनायें हैं।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.................197

अनुपम का पत्र आया है उसने लिखा है कि यामिनी का पत्र आया है उसने बाबा जी और [illegible] उसी होल्डर पत्र लिखा है। इन्दु का पत्र तो बहुत दिनों से नहीं आया है।

मेरा घुटने का दर्द ठीक हो गया है। इन्दिरा गांधी ने [illegible] को 26 जून को इमरजेन्सी लगाई [illegible] बन्द हो गए हैं जिसके [illegible] 26 जून [illegible] केवल [illegible] बड़ा [illegible] दिये गये हैं। इन्दिरा गांधी ने [illegible] बात है। मैं पिछले पत्र में तुम्हें लिखना भूल गई थी।

तुमने बच्चों के तो फोटो भेजने की बात लिखा है मेरे तो [illegible] हो गये हैं [illegible] के [illegible] चाहिए [illegible] पर तो [illegible] है इस लिए मैंने [illegible] को [illegible] को [illegible] लिखा तो [illegible] में। लेकिन उसने [illegible] लिख रही नहीं है। [illegible] और तुम्हारे पास भी [illegible] पर तो [illegible] नहीं चलता है।

पेपर के बारे में [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] और [illegible]
[illegible] है तो लिख रहे हैं [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।
और ज्यादह लिखना तो है ही नहीं।

आज तो [illegible] ज्यादा है। इसलिये और भी
कुछ याद नहीं हुआ है इतना [illegible] [illegible] ने [illegible] में
ही धूप [illegible] दिखता है। [illegible] भी [illegible] [illegible] नहीं
[illegible] ही है [illegible] में [illegible] में गले में पड़े हैं
अपना [illegible] को [illegible] [illegible]। ~~[illegible] [illegible]~~ जिसका
मकान बनाने जाता है उसके जगह से दीवाल
बनवाता है।

लोगों को नमस्ते कह देना।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभकांक्षी
इन्द्रावती

चंदौसी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २३।७ —197

प्रिय बेटे सुशील निर्मल प्रसन्न व नीरोगी रहो

तुम्हारा २ ता० का लिखा हुआ पत्र सुमन को दे [illegible] मिल गया था। उसी दिन सुरेश का पत्र मिला दोनों पत्रों से समाचार ज्ञात हुए।

सुबोध के विवाह के पत्र भेज रहा हूँ।

अभी तो विवाह की तैयारी करने वाली परवीन का भाव [illegible] ही चल रहा है और [illegible] जाने का ही सब [illegible] को चलेगा जो भी नया २ भाव पर है [illegible] नहीं रहा है। मैंने [illegible] इतने २ महीने में १२०) महीना का भाव [illegible] महीने में [illegible] है

सुरेश [illegible] चलाने लगा है। सुमन को तो [illegible] ही [illegible] पर तो [illegible] [illegible] के [illegible] नहीं [illegible] देते थे। यदि तुम्हारे [illegible] होते तो पता नहीं सुरेश को [illegible] [illegible] लिखना होता। और हाँ तुमने [illegible] के [illegible]

मालूम नहीं जाता है होगी [illegible] अभी दिन भी कई

दस महीने हुए हैं। मैं यही मानती हूँ कि उनकी

किन्हीं उलझनों में फंस गये हैं। मेरा भी मन यहाँ पर

नहीं लगता है। सुनते हैं कि २२ नवम्बर को [illegible]

के बाद से शादी में तो उनको भी जाना ही होगा

कि [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

दिन गुजर रहे हैं [illegible]

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभाकांक्षिणी

प्रकाशवती

बरेली

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~

Dated २३।७।197२

प्रिय बेटे वीरू शुभाशीष बहुत सा प्यार

तेरा [illegible] के [illegible] ने पत्र आज सुबह को

उसके मिली है। तुम्हारे स्कूल खुल गये होंगे और

पढ़ाई शुरू हो गई होगी।

मैं कल देहली गया था तब उनके घर

पर गया था लेकिन उनसे मिले नहीं वह

बाहर गये हुए थे। उनके तोता यहां पर आया है

[illegible] लिफाफे तो नहीं याद नहीं मिला है [illegible]

हो है। मेरा तुम्हारे नाना जी तो गये हुए २ महीने से

[illegible] हो रहे हैं अभी तो [illegible] हो है तो उनका [illegible]

तो [illegible] रहे और तुम सब [illegible] बस उनकी [illegible]

भी [illegible] रहेगा।

यहां पर ठंड कम नहीं होने से मौसम अच्छा

हो गया है तुम्हारा [illegible] अच्छा होगा और अब तुम

[illegible] बात को सुनते होंगे। तुम्हारी पढ़ाई कैसी है

पत्र मिल गये होंगे। शरीर की कमजोरी व थकावट

इनको स्कूल में जाना है। उन की क्लास (१०.) के लिए

[illegible] की है। पिछले स्कूल में उतना ध्यान नहीं

गया है।

संजय गांधी की मृत्यु का सुनकर अफसोस

हुआ होगा २३ जून को हवाई जहाज चलाते समय ही

उस ~~उनका~~ हवाई जहाज में खराबी पैदा हो गई जिस से

हवाई जहाज गिरने से मृत्यु हो गयी है। जिसका भी

[illegible] की उन की दुख तो होना ही था

~~[illegible]~~ अपने [illegible]। [illegible] बहुत ही होना

लोगों [illegible] [illegible] रहा है।

तुम्हारी [illegible]

प्रकाश वती

महरौली

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR, MEERUT~~

Dated २२। ८। 197–

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको मेरा बहुत लाड़ प्यार

बिटिया तुम्हारा राखी का पत्र मिला समाचार
ज्ञात हुए। यहां पर भी राखी को आनन्द मंगली मनाई गयी
उस दिन मेरा मन तो भी उदास रहा और तुम्हारे नानाजी
की याद जरूर रोना आता रहा और उस भी बहुत याद
आती रही। अब तो पता नहीं कब दिन आ जायेंगे
यहां पर तो कुछ भी पता नहीं चलता कि आज आनन्द-
मंगली है। मुझको तो बहुत ही उस सब याद आती रही

निर्मला यहां पर शायद १६-१७ अक्टूबर तक
आयेगी और मुझको अपने साथ शायद २०-२१ तक
लखनऊ ले जायेगी यह लोग १८ सितम्बर को
[illegible] रथानो को गये हैं मैंने तुमको पिछले
पत्र में भी लिखा था उनका मेरा पत्र मिल गया होगा
बिटिया अब तो मुझसे भी पत्र लिखने में देर हो
जाती है और तुम्हारे भी पत्र अब देर से आते हैं

मेरी बिटिया अब पत्र लिखने में देर मत करना
मेरी

और तुम्हारा पत्र ना आने से तुमसे कहा ही

मिलना हो जाता है। तुम्हारा पत्र आने पर बड़ी

खुशी होती है और ख्वाह पत्र पढ़ने पर भी मन

होता है कि पढ़ता ही रहूं। विनोद तुम्हारे बारात्री

नौ चार दोस्त के साथ में हो गये हैं। पहलो दिल्ली

उनके छोड़कर चले गये हैं। लेकिन मेरा बहुत कि

नहीं तुम याद आते थे [illegible] है तुमको छोड़

कर आ रहा हूँ। मैं उनसे ही समझाती रहती हूँ कि

जल्दी ही मिलना चाहिये। पर चाहे [illegible] तुमसे

[illegible] याद से रहेंगे। और उनको [illegible]

[illegible] पड़ी है। लेकिन बहुत याद तो तुम [illegible]

[illegible] ही है। यहां पर [illegible] तुमको पता [illegible]

[illegible] भी [illegible] नहीं [illegible]

[illegible] नहीं था। तुम्हारा पत्र के [illegible]

[illegible] के लिये [illegible]

लेकिन [illegible] के पता नहीं पत्र [illegible] नहीं [illegible]

[illegible] जाता था तो उनसे

[illegible] पत्र तुम्हारा [illegible]

शायद [illegible] है तो। विनोद [illegible]

[illegible] होता है [illegible] ही होता है

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

आज [illegible] [illegible] (जैनेन्द्र) का [illegible] पत्र
आया था [illegible] [illegible] यहाँ का पता नहीं मालूम थी
उनका ने पोस्ट देखी गई थी उसके देख पता हुआ
[illegible] [illegible] लिखाते ने पत्र लिखा है। लेकिन मैं
उसने पत्र का उत्तर नहीं देगी क्योंकि मैं इनका
पता नहीं जानती हूँ। [illegible] ने तुम्हारे माताजी ने
बाद में ही लिखा है (प्रदीप के [illegible]) के नाम
पत्र आया होगा तुमने भी प्रदीप ने लिखा था कि
उनकी बहिन का [illegible] अच्छी तरह हो गया है। वह
दोनों लिखती हैं कि [illegible] [illegible] को पत्र लिखा
है उत्तर नहीं दिया है। तुमने भी पढ़ने के
बाद [illegible] समय नहीं मिलता है। जब [illegible] को
[illegible] [illegible] [illegible] तब तुमको बतायेंगे
(जैनेन्द्र) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] हम [illegible] होकर गये होंगे

यहां बाबाजी कूल उनके पहिये लगाते हैं
कैलाश के पत्र मिल रही है मेरे पोते को
उछल गये हैं। गया है वहां एक ही पढ़वाला
था निकाल बहादुर ही चला गया है। ...
रहे हैं दो बालक अच्छे था। तुम्हारी राखी
मिला। गर्मियों में हमेशा रहन ही आ गयी थी
पर अच्छा है। जब आप चलाती सीख
गई हो और पहन को और त्यौहार को दोनों
नाप कर रही हो। चिड़िया को बड़ा ही देखना
आती पड़ती है। यहां पर लड़को के बाल ठीक
हैं। जिन लोगों को मेरा आशीर्वाद व जिन
शैव को मेरा व सबका बहुत सा प्यार

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

नीरा कमल
गोपी लाल
बापू कुमार
उदयपुर

तुम्हारा अम्माजी
प्रकाश देवी

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, ~~VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dated 23/12/197[illegible]

प्रिय [illegible] सुशील [illegible] चिरंजीव रहो।

तुम्हारा ४ दिसम्बर का पत्र मिला समाचार

ज्ञात हुए। मेरा हाल तो तुमको पत्र लिखने में देर

हो ही जाती है। जब तुम्हारे बाबूजी थे तब तो

दफ्तर में से [illegible] लेकर पत्र लिखते रहते थे

अब तुमको पत्र लिखने में आलस्य हो जाता है और

क्या नहीं यह [illegible] ही [illegible] हो गया है। तुम्हारे तो

[illegible] ही [illegible] खबर आते रहते थे। मेरा [illegible]

[illegible] से [illegible] नहीं [illegible] रहता [illegible]

तुम्हारे पत्र आने में देर हो जाती है तो चिन्ता हो जाती है

[illegible] से [illegible] में [illegible] क्या [illegible]

मैं [illegible] हूँ। [illegible] रुपये [illegible]

[illegible] सुशील [illegible] रुपये [illegible]

[illegible] है कि [illegible]

[illegible] तो [illegible]

[illegible] ही होता है। [illegible]

नहीं [illegible] ही होगा या और नहीं। [illegible]

[illegible]

और अप्पी को तुम्हारे बारे में १ बजे ने नोटिस है
दोनों बच्चों को प्यार। शीघ्र ही पत्र डालोगे।
मैं एकदम बिल्कुल ठीक हूँ। पिछले पत्र में
उपाध्याय जी का पता था वैसा पत्र भी तुम्हारे पास पहुंचा
होगा। मैंने पिछले पत्र में लिख दिया है
लखनऊ आ रही हूँ। शुक्रवार के दिन लखनऊ
को बैसाखी देखने के लिए जाना है। किन्तु
१५ ता. को गाजियाबाद जाना, फिर केवल जाना
उसके बाद लखनऊ से चलेंगे। शायद सुशीला
साथ ही लखनऊ पहुँच जायेंगे। वहाँ पर रह कर
भी बच्चों से मिलना हो भी जायेगा। वापस
जाना, सुषमा लड़की की शादी जानी है भगवान तो
जाना जीवन में भी बड़ा परेशान होता है।
लोगों की ठीक नहीं चल रही है ऐसा होता
ही रहता है देहरादून से उनकी चिन्ता ने बहुत
पत्र डाल रहे हैं। अब उनको परेशान है चिन्ता
ने उनकी दोनों हालत कर लेते हैं अब तो
लिखते रहना ही ठीक रहते हैं। शेष सब
ठीक हैं। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।
आशीर्वाद सहित
प्रकाशवती

लखनऊ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २४।६।197०

प्रिय चिड़िया गुड़िया तुमको मेरा बहुत सा प्यार

मैं यहां पर २० ता० को आ गई हूं और यहां पर सब ठीक हैं। मैंने भी तुमको पत्र मेरठ से लिखा था कि मैं लखनऊ आ रही हूं। शायद उसी पत्र से पता चल गया होगा। तुम्हारा [illegible] से पत्र नहीं आया है चिन्ता है शायद तुमको पढ़ने से [illegible] से समय नहीं मिलता होगा। मैं यह पत्र तुम्हारी भेजी हुई पेन्सिल से लिख रही हूं जो कि तुमने [illegible] बाबाजी को भेजी थी।

[illegible] में भी सब ठीक है।

तुम्हारी पढ़ाई का काम ठीक चल रहा होगा

कैसे तुम्हारा अंगूठे का नाखून [illegible] गया था वह तो वहां पर ठीक नहीं हुआ होगा। यदि तुम यहां पर होती तो तुम्हारे बाबा जी होते तो जल्दी ठीक कर देते। लेकिन यह सब बातें अब याद ही आने को हो गई हैं।

बिटिया तुम्हारा तो पत्र बहुत दिन हो आया है
और अभी तो पता नहीं कब मिलेगा।

आज नीचे आकर तो नरेन्द्र का ढूंढना
बनवा रहा है लेकिन बार बार तुम्हारी याद
आ रही है। सीमा व सुशील ठीक होंगे
तुम्हारे पहाड़ पे आप ठीक चल रहा
होगा। अब तो हमारी बिटिया गाड़ी लेकर
चलाने लगी है।

सब बड़ों को नमन प्यार।

प्योनार सोचे ही रहना।

बिटिया आज पप्पू ने टेप रेकार्डर में तुम्हारे
बाबा जी की आवाज और
तुम्हारा अभ्यास
सब लोगों की सोता के
तुम्हारी शैली की आवाज सुनाई है प्रकाश का
इसने बड़ा अच्छा लगा उनकी मृत्यु के बाद भी
ऐसा ही उनकी बात सुनी है।

लखनऊ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २८।९।197

प्रिय बेटे सुशील नरेन्द्र प्रसन्न व चिरंजीव रहो

मैं यहां पर २० ता० को ठीक प्रकार से आ गई हूं। रास्ते में मिश्र के साथ से तुम्हारा पत्र मेरे पास भी आया था। यहां पर मैं उतार रही से लिखी थी।

लोग ठीक होगा उतना स्वास्थ्य का ख्याल रखना बेटो। वैसे तुम जरा ना पाना अधि है लेकिन ~~यहां पर तो~~ मेरठ में तो उधर बालकों की तरह से न पाना था यहां पर तो तुमको लिखना ही ख्याल रहता है। अब तो मेरा मौसी भी तुम्हारी की बहुत ही याद आती है। लेकिन अभी तो तुम्हारे आने में काफी समय है। खैर यहां तीन वर्ष बीत है यह समय भी शीघ्र ही बीत जावेगा।

ता० ८ अक्टूबर को तुम्हारा जन्मदिन है मेरी ओर से तुमको तुम्हारे जन्मदिन की बहुत सी शुभकामनायें हैं। यहां पर सब ठीक है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
इन्द्रावती

लखनऊ

Dhanpat Rai Gupta

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

प्रिय बेटी शैल तुमको ढेर बहुत सा प्यार।

मैं २८ता. को यहां पर आ गई हूं यहां पर सब ठीक है। नीरज उदयपुर गये हैं [illegible] से गया था वहां से छोड़ आया है। और चन्द्रपुर से इसको सर्विस मिल गई है यह गाजियाबाद महाराज से है है तो यह भी रहा ही। लेकिन यहां पर इसको ५००) रुपए व रहने को मकान मिलेगा फिर रुपए और बढ़ा देंगे। अभी तो विचार की बात इसकी ही गाजियाबाद की लिख रही हूं। यह २० तारीख को यहां पर चला जायेगा। तुम्हारी पढ़ाई ठीक हो रही होगी।

सबको हमारा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी मम्मी
प्रकाश वती

लखनऊ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २५।१२।197 .

प्रिय निरुपमा गुड़िया तुमको मेरा बहुत सा प्यार

तुम्हारा २५ ता॰ का लिखा हुआ पत्र मुझको २८ ता॰ को मिला। और दिनन से तुम्हारा पत्र न आने से बहुत ही चिन्ता लगी थी। इसका पत्र शैल का भी आया कि उसने तुमको व पत्र नो लिखा था यह दोनो पत्र भी मुझे एक साथ ही मिले। अब पता नहीं क्या बात है डाक का कुछ ऐसा ही चक्कर रहा है सब जगह पत्र देर से आ रहे हैं। निरुपमा तुमको अब तक बहुत कम लिखता है इसलिये पत्र जल्दी २ नहीं लिख पाता हूँ। और रमेश लिखते उसका चिन्ता रहे। पता नहीं क्यों पत्र न आने से पर बड़ा परेशान सा होता है। रात को मैंने तुम चारो को स्वप्न में देखा है। तुम लोग आगरे गये हो और तुम चारों के साथ मिल रहे हो। पता नहीं सबको यह दिन कब आयेगा। जो अपने चारों बच्चों को देखेगी अब तो पर तुम सबको देखने को बहुत ही मन रहा है और निरुपमा मेरी ओर से ज्यादा भी चिन्ता मत करना मैं तो बिल्कुल ठीक हूँ। और तुम्हारे भी सब ठीक रहना भी चाहती हूँ। तुमको लिखे उत्तर को परेशानी नहीं है। सब मेरा बहुत ध्यान रखते हैं।

निरुपमा नीरजा को नौकरी तो मिल गई है लेकिन उन
को इधर बहुत चलना पड़ता है और इसके बदले भी बहुत
कम। मिलता है। सैर ऐसे ही आजकल २ और ४ बच्चे
पढ़ाने भी मिल जाते हैं। इन्दर मिनु वगैरा का रोना ही
रहता है। होटल का खाना खाने से शरीर भी ठीक नहीं
रहता है। नीरजा की शादी करने का विचार तो आजकल
में ही है शायद ~~आज~~ हरिद्वार की हो जाये यदि
उनको इच्छा मिल गई तो। उसने उनका पत्र लिखा है
और नीरजा भी इच्छुक सी है। ~~२२ जनवरी~~।

इसने २२ जनवरी को उसका टिकट पक्का कर
दिया था जहाँ आगे बंगलो में रहते हैं वहाँ पर
अफसर के बाजा वगैरा रहते हैं। बबलू जी के यह
लोग यहाँ पर आ गये थे। इसने २२ जनवरी को
तुम्हें उन पत्र के कार्ड की कॉपी भी ले गई है
तब से पहिले बस तुम्हारे ही फोटो ले गये हैं और
उन को तुम्हारे फोटो देखने की इच्छा बहुत होती है
और इसलिए हट हो। तुम्हारे पास यह फोटो वाला
पत्र भी पहुंच गया होगा। उस पत्र में सब बातें
लिखी हैं उसी पत्र में जवाहर ने भी उर्मिल को
पत्र लिखा है। नीरजा शादी पर तुम सब की बहुत ही
याद आयेगी और तुम्हें नीरजा की शादी देखने की
और भारत आने की बहुत ही इच्छा थी।

[illegible] छूट [illegible] गई हो [illegible] भी नहीं [illegible] हो।

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

[illegible] यह जान कर तो बहुत ही
प्रसन्नता होती है कि [illegible]
में [illegible] मिल जाएगी। तुम्हारे नाना जी [illegible]
तुम्हारी पढ़ाई [illegible] तो [illegible] [illegible] होता है
[illegible] तो सब इच्छायें मन में ही रह गई हैं।

यह जान कर बहुत ही खुशी होती है कि [illegible]
[illegible] का जन्मदिन [illegible] ने [illegible]
मनाया है [illegible] सब को कपड़ा [illegible] किया
है [illegible] नहीं आया होगा। मैं तो [illegible]
याद ही आती रही। पिछली बार तो जन्मदिन पर
[illegible] था। [illegible] नहीं
[illegible] है [illegible] होगी तो मेरे पास [illegible]।
[illegible] लिए है [illegible] का पता लिख रहा हूं
लेकिन [illegible] गई हो [illegible] नहीं है। पत्र तो [illegible] है
जैसे [illegible] का पत्र लिखा था। [illegible]
का [illegible] तो [illegible] ऐसा ही है जैसे [illegible] ने
पत्र तो [illegible] से [illegible] दिन ही। [illegible]
[illegible] बात का कुछ ध्यान मत करो।

तुम्हारे नाना जी का जन्म दिन [illegible] को
होता था। और [illegible] बार तो मनाने का कोई सवाल ही
नहीं है। लेकिन यह [illegible] को मनाते रहे।

लिखते लिखवा नहीं तो उन्होंने ने गलत रिमार्क

ज्योतिका के उसका पसन्द था। २८ नवम्बर

तो उसका दूध तो ६ महीने हो जायेंगे।

उसको बाहर बहुत जल्दी होती है इसलिए

लोग बच्चा का ध्यान रखना नहीं। और उन्होंने

अपने से ज्यादा होने की बात कर उसे इधर

उधर उसको जाने का ध्यान रखना और इसलिए

बच्चा ठीक से खेलने देना। और अपने आप

बच्चा का ध्यान रखना नहीं। और इधर उधर

के बहुत सी बातें सामने हो गयी हैं उनकी

खबर है। अनुपमा का पत्र आया था उसने लिखा

था कि शालिनी ने अपने रिजल्ट के बारे में पत्र

नहीं लिखा है। उसको तो पत्र लिख देना।

उसके शायद नवम्बर में दूसरा बच्चा होने

वाला है वह इलाहाबाद ही है। बिट्टू गोपी का

तबादला कानपुर का हो गया है।

सबको उसको प्यार व आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाश वती

~~लखनऊ~~

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 24 / 10 - 197 .

प्रिय बेटे शील तुमको ढेर बहुत सा प्यार।

तुम्हारा १५ ता० का लिखा हुआ और राजीव का दोनों के पत्र २३ ता० को मिले हैं। तुम दोनों ने पत्रों में सब समाचार लिख दिये। तुम्हारा पत्र पढ़ के पता बहुत ही खराब लगा। मेरा गया पत्र गलती ही लिखते रहना पर तो ठीक है तुमने न राजीव ने पत्र लिखने का समय नहीं मिलता है। लोग पत्र नहीं क्या लिखते रहते हैं उसका पत्र भी आये हुए महीने दिन हो गये हैं। और अब पता नहीं क्या हो गया है। ज्यादा देर पत्र लिखता हूँ तो दिमाग खराब सा हो जाता है ऐसा लगता है कि पढ़ना नहीं दिमाग के सिवाय याद आता है।

तुमने व राजीव को पढ़ाई के कारण से समय नहीं मिलता है। यह बात का अफसोस हुई कि तुम लोगों ने ट्रेनिंग का नाम दिल खुल बताया है।

मैं तो बेटा कुछ भी नहीं करते रहते हूँ बस ऐसे ही समय निकल जाता है शाम को तो टी. वी. देखते रहते हूँ। प्रबोध ने भी अब

होगी सलेक्ट किया है। पंडोसी के तरफ ज्यादा
कुछ मालूम था उन तो उत्तर दिया कि — भी कुछ
बड़े रखे होते हुए कुछ पता था। यहां पर तो
होकर के पास होने से दर जल्द आप देखता है।

यह बात पर पुल होता है क्यों पर भी सम्भाव
सेलगोया ठीक नहीं हुआ है। यहां पर उनके पर तो
नहल ही डर है यहां पर इतने अच्छे रहा। होने से
भी ठीक नहीं हुआ है यह लिखाये भी पता नहीं
कैसे आयेगा। तुम कुछ रखकर भौरत लेके देख
लो।

यहां पर भी लोगों ने पक्ष देर से ही भाव
है बात ले जाता है कुछ लोग चार पांच प्रतियोगिता
से आते होंगे। बीजा का रिश्ता पक्का कर दिया
है कभी भी होगी 22 जनवरी को पक्ष ने लाख पे
भेजी थी। तुम आप के लेकिन आये है।
शादी दिसम्बर में होगी। शादी की तारीख उनके
छुट्टी मिलने पर होगी। तुमको सब का आशीर्वाद
न जाए। प्रिय सुशील सरोज को प्यार आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभाकांक्षी

प्रकाशवती

लखनऊ

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ५।११। 197.

प्रिय लिटिया गुड़िया तुमको मेरा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद

मैंने तुमको पत्र लिखा है मिल गया होगा

लिटिया २६ नवम्बर को तुम्हारा जन्मदिन है इसलिये मेरी ओर से तुमको हमारी जन्मदिन की शुभकामनायें। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको यह बड़े भाग्य वाली हो। पिछला तुम्हारा जन्मदिन जैसा हो गया है कि बहुत अच्छा रहा होगा। जन्मदिन पर तुम्हारे दुखी तो नहीं होगी। और जन्मदिन पर फोटो खिंची होगी वे अपनी फोटो भेजना।

लोग नव १० को चन्द्र पर से आ रहे हैं और ये वहाँ की उतनी रोचक नई चीजें ले आवेंगे। यह बात में तुमको लिखेंगे क्या रहा होगा शायद इस हफ्ते में ~~आज~~ चला जायेगा

हमने २२ नवम्बर को रेखा की फोटो भेजी थी आशा है कि मिल गई होगी।

तुम्हारा पत्र आया था उसमें तुमने फोटो के बारे में कुछ नहीं लिखा था। किसका फोटो कैसी लगी है।

अब तो तुम सबकी बहुत ही याद आती है लेकिन पता नहीं कब मिलना होगा। मैं शायद २२ नवम्बर तक गाजियाबाद चली जाऊंगी और २३ नवम्बर को योगेश की शादी है और दिसम्बर में कैलाश के लड़के शरद की शादी है अभी कैलाश ने शादी की तारीख नहीं लिखी है लेकिन मैं शरद की शादी बाद ही लौटकर आऊंगी। शरद का रिश्ता देहली ही हुआ है। आशा है कि तुम्हारी आंखें अब ठीक होंगी। सबका तुमको आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी श्यामा

प्रकाश वती

आनन्द

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ५।१९७१ 197

प्रिय बेटे शैल, तुम्हें हमारा बहुत सा प्यार

बेटा मैंने तुमको पत्र लिखा था मिल गया होगा। जवाब का इन्तज़ार है।

गुलज़ार तुम्हारे लिये टिकिट भेज रहे हैं। अब तो तुम्हारे पास टिकिट जमा हो गये होंगे और इधर मिले भी नहीं हैं। गुलज़ार ने सोचा कि शायद इनको नहीं लिखा है ज़रूरी नहीं रहे तो इनको ध्यान रखना चाहिये।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। तुम्हारी दिवाली कैसी रही। तुम सबकी तो बहुत ही याद आती है और अभी तो पता नहीं कब तक मिलोगे। बहुत ही दिन हो गये हैं।

लोग की तबियत ठीक होगी।
बिपिन कुशल से लोगों को हमारा
आशीर्वाद।

हम अपना इयरपैड बाल धीरेन्द्र
से करा रहे हैं। और इसके बाद से ठीक
होंगे। अब दिनभर के कारण से
परेशान बहुत होता है। हम अपने
देख देंगे।

बिपिन कुशल ठीक होंगे।
सबको हमारा आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

लखनऊ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २५।११।197

प्रिय चिरंजीव सरोज सहित सौभाग्यवती रहो।

तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए। जरा सी
भी देर हो जाती है तो चिन्ता हो जाती है। तुम्हारा पत्र देर से
पर चिन्ता दूर हुई। तुम सबकी कुशल ईश्वर से
सदैव चाहता हूँ। तुम्हारे पास हीमन्त की सगाई का
कोई ज़ाब्ता है या शादी का है। हमारे पास भी उनकी तो शादी
का नहीं ज़ाब्ता है सगाई का ज़ाब्ता था। रविवार पर सगाई थी
अब २२ नवम्बर की शादी है। मैं और निर्मला २१ ता० से
तक के गाजियाबाद जा रहे हैं। निर्मला तो शादी बाद आ
जायेगी लेकिन मैं तो दिसम्बर में आऊँगा। क्योंकि
कैलाश का पत्र आया था कि शरद की शादी भी
दिसम्बर में है अभी तारीख का पता नहीं है इस
लिये शरद की शादी बाद ही आना होगा।
दिल्ली रहने में ही हुआ है। शादियों पर तुम्हारी
सब की बहुत ही याद आती है। तुम्हारे बीच कई शादी
हो गयेंगी। गाजियाबाद से आने पर तुम्हारी शादी की सब
बातें लिखूंगा। अरे तुम इस पत्र का उत्तर दिल्ली
पर देना क्योंकि इतने तुम्हारे पत्र का उत्तर अवश्य

मैं भी आ ही जाऊंगी। यह अच्छा है कुछ थोड़े दिन रहे हैं
बड़े मौसी जोश है देखने में मन होता ही लगता है।
दिवाली को बड़े लोग पोता को देखने आ गये
हैं। २०२) रुपया आदिक के तो पोता के दिये आ गये हैं
भी। इन लोग को आने के बाद डिब्बे दिवाली ने बड़े ओवर
बांटा थे। (५०२) रुपया जुमारु को दिया है। दसारही
चार बांटा थे और २०-२५ आदमी यहां पर हो गये थे
अच्छी रौनक हो गई थी। पोता यहां पर रहेगा तो
ज्यादा था और अब २२ता० को चला गया है। बिकालि
खाली घर है। वैसे घर में पढ़ तो कुछ नहीं आता है
२ पिछले की पोता की शादी है। जिसका शादी
की तैयारी में तो लगी ही रहती है। अभी तो बाजार से
कम चीज़ खरीद ही लिया है। दिनन के शादी की शादी
बाद उनकी शादी की सब बातें लिखूंगी।

मेरी तबियत ठीक है तुम मेरी ओर से परेशान
मत होना। सबके को बहुत ठीक ही बीत रहा है।
अपनी तबियत का ध्यान रखना। [illegible] के दिल्ली से आने
में जुल्फार ने सब बातें [illegible] को लिख दी है। वैसे
उधर और यह ही ठीक रहेगा। यहां पर [illegible] तो
[illegible] की शादी करनी ही है शादी होने की बहुत ही
जरूरत है। यह कोई नहीं समझता है।

लखनऊ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
MEERUT

Dated [illegible] 197

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको मेरा बहुत सा प्यार।

तुम्हारा पत्र व फोटो कल मिली पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। फोटो भी देख कर प्रसन्नता हुई तीनों फोटो अच्छी हैं और तुम्हारी फोटो तो बहुत ही साफ आई हैं। यह पढ़ कर तो बहुत ही प्रसन्नता हुई कि तुम्हारे २००) रु चेक भेजा है ईश्वर करे ऐसी ही तरक्की करती रहो। पप्पू ने पत्र से पता चला कि तुम्हारी [illegible] कुछ फायदा नहीं है पता नहीं क्या हो गया है [illegible] लगाती हो [illegible] अच्छे डाक्टर को दिखला कर इलाज क्यों करा नहीं। [illegible] ऐसी [illegible] बिमारी हो गई है। यदि तुम्हारे बाबा जी होते तो वह अभी होम्योपैथिक इलाज देते। और हां हर एक बात पर याद तो आते ही हैं। अगर भी पत्र आने में देर होती थी तो परेशान से हो जाते थे। अब [illegible] शायद होगा लिखना कब होगी उसको मेरी ओर से भी बहुत प्यार या

दे और निर्मला २१ नवम्बर को दोपहर की गाड़ी से गाजियाबाद जा रहे हैं क्योंकि २३ नवम्बर की शादी है मैं तो दिसम्बर में किसी तारीख में आऊंगी। निर्मला [illegible] आयेगी। इस पत्र को [illegible] तुमसे [illegible] मैं

की है। नौकरी दिसम्बर में शादी की भी रही है अभी पता
नहीं लगेगी मालूम भी है। तुम्हारा मन भी नौकरी की राहों
देखने का बहुत मन था लेकिन यह पता था कि इतना
दूर चली जाओगी। इस समय तुम सबको भी बहुत ही याद आती
रहती है और शादी पर तो बहुत ही याद आयेगी। अपने
लिये लौटा को प्रसाद रखना करो क्योंकि [illegible] से मारा मै
भी ठोकने पर असर पड़ता है। तुम्हारी अंगूठी को नग ले के
अच्छा बहुत लगता है और तुम्हारे बाबा की भी निशानी है।
यहां पर भी मामा खुश हो गया है। शौक से लिये वह
[illegible] ही क्योंकि निकाला याद हो गया है। उसने पता ठीक
लिखा को नवागढ़ शांति के पास कोई जगह है पर जगह
बिल्कुल गाँव सा है। वैसे मांजी से रहते हैं क्योंकि वहाँ से
पास ही है और रास्ते पर यह लोग चले गये हैं उसके बाप
के साथ ये दिनेश यहाँ पर आते रहते हैं। उनका पता
पता जान कर कह लिखना भी दे शामिल का पता लिखकर
कोई पत्र नहीं आता है। तुम उनको पत्र लिखती रहना।
तुम्हारे पत्रों से नानी को और हमें भी शान्ति हो गई होगी।

अच्छा बिटिया तुम अपना ख्याल रखना [illegible] और
से [illegible] चिन्ता मत करना मैं तो बस ठीक ही हूँ।

प्रिय सरोज व सुशील को आशीर्वाद। प्रिय [illegible] को
ढेर प्यार व आशीर्वाद।

तुम्हारी [illegible]

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

[illegible]

दिल्ली

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 5|12|71 197

प्रिय गिरिजा गुड़िया तुमको ढेर बहुत प्यार

गिरिजा मैंने कलकत्ते तुम्हें पत्र लिखा था मिल गया होगा। मैं २२ता० को गाज़ियाबाद दीपक की शादी में गई थी और ४ दिसम्बर को यहां पर कैलाश के पास आ गई हूँ। क्योंकि शरद की शादी आखिर दिसम्बर है। शादी के बाद मैं कलकत्ते जाऊँगी। तुम इस पत्र का उत्तर तो यहीं पर देना।

तुम्हारा जन्म दिन २० नवम्बर को था मुझको तुम्हारी याद आती रही। लिखना जन्म दिन पर क्या २ किया और कोई कोई चीज़ लेनी होगी तो मेरे पास मंगाना।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT
Dated ______ 197

तुम्हारी आँख अब कैसी है। अपनी
आँखों का इलाज ठीक से कराना।
तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी
तुमको पढ़ाई के कारण से समय तो नहीं
मिलता है लेकिन तुम्हारा पत्र आने पर
ज़रा प्रसन्नता सी हो जाती है।
यहां पर सब ठीक है। और तुमको
प्यार लिखाते हैं।
चि० सुशील को मेरा आशीर्वाद
आज कल वहां पर जाड़ा अधिक न होगा
अपना ध्यान रखना। कपड़े पूरा ठीक
पहना करो।
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

दिल्ली ~~दि॰ ११।११।७१~~

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ६।११।७१ 197

प्रिय बेटे शैल तुमको मेरा बहुत सा प्यार।

कई दिवस से तुम्हारा किसी का कोई समाचार नहीं मिला है। आशा है कि तुम सब ठीक प्रकार से होंगे।

बेटा २ जनवरी को तुम्हारा जन्मदिन है। पिछला जन्मदिन कैसा मनाया है। जन्मदिन की मेरी तुमको शुभकामनायें तुमको यह नया वर्ष भाग्यशाली हो।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। मैं कैलाश नेपाल ४ ता॰ को जा रहा हूं। क्योंकि शरद की शादी आखिर दिसम्बर में है। उनकी शादी की तारीख निश्चय नहीं हुई है।

वहां पर आजकल जाड़ा सख्त होगा अपना ध्यान रखना।

कभी२ तो तुम्हारी बहुत ही याद आती है

अभी तो पता नहीं कब मिलेंगे।

सुशील को मेरा आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी कल्याणी

प्रकाशवती

दिल्ली

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ...-12-1970

प्रिय बिटिया लोग सदैव सौभाग्यवती रहो।

मैंने लखनऊ से अपना पत्र लिखा था कि मैं 29 ता॰ को गाज़ियाबाद जा रही हूँ मैं और निर्मला गये थे निर्मला तो 28 ता॰ को चली गई थी। मैं रह गई थी और 4 ता॰ को कैलाश का लड़का शरद गाज़ियाबाद गया था इसके साथ मैं दिल्ली आ गई हूँ। जब कैलाश गाज़ियाबाद गये थे तो पूछने आने के लिये बहुत कह गये थे और शरद की शादी भी पक्की हो गई है रिश्ता देहली में ही हुआ है। शादी क्या तो अप्रैल दिसम्बर में होगा या उस जनवरी में फिर लखनऊ से जो शादी में देहली आयेंगे मैं फिर उनके साथ लखनऊ चली जाऊँगी। दीपक की शादी ठीक हो गई है।

बहू ठीक है दिनेश के लिये ठीक है अच्छा लड़का आया हुआ है। लखनऊ के श्री डा० [illegible] गोयल हैं इनके बड़े भाई की लड़की है। लड़की वालों ने शादी गाज़ियाबाद ही आकर करनी है तुम पत्र का उत्तर यहीं पर देना।

आशा है कि तुम सब ठीक होगे। [illegible] से तुम सबकी कुशल ईश्वर से सदैव शुभ चाहती हूँ। उमावती बीबी भी मेरे साथ ही गाज़ियाबाद से यहाँ पर आई है। शादी के मौके पर तुम सबकी भी बहुत ही याद आती है। अब तो वहाँ पर खूब जोर का जाड़ा पड़ रहा होगा। शरद आजकल यहीं पर काम कर रहा है। लीला भी रचना को ले आयेगी। गुड्डा शैल की पढ़ाई ठीक चल रही होगी। सब बड़ों को [illegible] आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

लखनऊ

Dated 3/2/1972

प्रिय बिटिया गुड़िया तुम्हें मेरा बहुत सा प्यार

आज पत्र मिले हैं बिटिया तुम्हारा एक पत्र कल
एक [illegible] मिला था हम सबको तुम सबको शुभ-
कामनायें हैं। तुम्हारा देहली में जुलाई तारीख का लिखा
हुआ पत्र मिला था वहां पर मैं उत्तर नहीं दे सका क्योंकि
जनवरी सीमा की शादी में गये थे ताया जी
शादी 26 दिसम्बर की थी। और मैं और जनवरी
ने इलाहाबाद बीबी के [illegible] की रात की गाड़ी से
उसी दिन चल दिये थे और कल यहां पर आ गये हैं
अब तो तुम्हें पढ़ाई का बहुत ही काम रहता है पढ़ाई
करनी पड़ती है। ईश्वर करे तुम अपनी
पढ़ाई में सफलता प्राप्त करो।

दीपक की शादी और सीमा की शादी [illegible]
अच्छी हो गई हैं अब तुम सबको अपने हाल
तो जानते ही रहो। [illegible] की [illegible] की शादी
[illegible] [illegible] पास आया था और सब [illegible]
याद करते रहते हैं।

तुमने चीजों के लिखना के जूते मिल गये हैं
लिखा रहती है कि पता नहीं जूते पहुँचा है या
नहीं तुम पत्र में लिखा नहीं है गलत मैंने
बतलाया है कि मैंने बाल गुड़िया का पता भेजा है
जूते पहुँच गये हैं।

तुम्हारा सर्टिफिकेट को मैंने पढ़ पाया है
बहुत ही सुन्दर है और तुमने पहले अच्छा
लगता है हिन्दी में भी लिख दिया है जिससे कि
मैं पढ़ सकी।

तुम्हारे आँखों की ओर से मुझको बड़ी चिन्ता
होती है तुम किसी अच्छे डा. को दिखलाना
अपना आँख का इलाज कराना आँखों की बात है
और जितने तुमने आँखों का ही काम रहता है
अच्छा अपना ध्यान रखना। और मेरी ओर से
चिन्ता मत करना मैं तो ठीक ही हूँ। और खुश भी
रहती हूँ। और मुझको किसी प्रकार की परेशानी
नहीं है। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्यारी नानी

कुमकुम को नेह बधाई व शुभ आशीर्वाद   लखनऊ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 31.12.1972

प्रिय बिटिया सरोज सदैव सौभाग्यवती रहो।

बहुत दिवस से तुम्हारा कोई पत्र नहीं आया है और मैं भी इधर उधर था। और हां देहली में गुड़िया का पत्र मिला है उसके पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए।

बिटिया आज नया वर्ष है ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम सबको मेरी ओर से शुभ आशीर्वाद। और कुमकुम को नया वर्ष भाग्यशाली हो। मैं कल लखनऊ आ गया हूं। कुमार सीमा की शादी में गये थे। मैं और स्वामी बीबा कुमार के साथ नीरज की शादी [illegible] से आ गये हैं। कैलाश के शरद व सीमा की शादी बहुत अच्छी हो गई है मेरा भी वहां पर खूब मन लग गया था। शरद की बहू अच्छी है यह देहली की ही लड़की है और देहली में ही सर्विस करती है। और शरद भी देहली में ही काम करने लगा है। सीमा की शादी भी अच्छी हो गई है। और लड़का तो बहुत ही अच्छा है। देखने में लड़का बहुत ही अच्छा लगता है। और अमेरिका में रहता है। वह [illegible] इंजीनियर है और पी.एच.डी. है और वहां पर प्रोफेसर है [illegible] लेता है यदि वीसा बन गया तो सीमा साथ ही चली

जायेगी। नहीं तो फिर शायद मार्च तक जायेगी। थोड़ी
जल्दी ही पहुंचा है। लोगों से तबादला होने पे लिख
पहुंचे हैं। जब से पिताजी सचल पुर में रहते हैं
लेकर गये हैं। और अपने ही रिश्ते दार हैं कैलाश गोयल
को या की नौकरी की फिकर है। अपने रिश्तेदार में
अच्छा लगता है। मैं 4 दिसम्बर को कैलाश के पास
आ गई थी। और अब मुरादाबाद लोगों की शादी में गये
थे इसलिए जल्द आ गई हूँ। निर्मला दीपक की शादी में
गई थी। शादी में भी सब रिश्तेदार आये थे।
अब 2 फरवरी को गोपाल की शादी है शादी जोधपुर
को शुरू हो गया है जब तुम लोगों की बहुत ही याद
आ रही है। लेकिन अभी तो पता नहीं तुम्हारा यहां पर
आने का कब का प्रोग्राम है। अब तो तुम लोगों की
बहुत ही याद आती है।

निर्मला को तुम लोगों व रजनीश को आशीर्वाद
प्रिय गुड़िया सौरभ को हमारा बहुत प्यार
पत्रोत्तर जल्दी ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

आनन्द

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २।२। 19८२

प्रिय बेटे सुशील तुम्हें बहुत सा प्यार व
आशीर्वाद ~~बाबा~~ सौरभ प्रियंका को

तुमने नया वर्ष याद किया हो इसलिये तुमको
सो तुमको शुभकामनायें हैं।

मैं कुमार के साथ यहां पर ~~अब~~
आज सुबह आ गई हूं। सबके शादी
ठीक हो गई है। अब नीता की शादी
की तैयारी भी शुरू हो गई है।

अब मेरा तुम सबको ऐसे मौके पर
बहुत ही याद आ रही है।

कुमार निर्मला को आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

लालनद

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 21. 9. 1972

प्रिय बेटे शैलू तुमको हमारा बहुत सा प्यार।

तुम्हारा अति दिवस से कोई पत्र नहीं आया है बेटे तुम लिखो तो क्या बात आप लोगों से तुम खूब उन्नति करो।

मेरा मैं सोमा की शादी के बाद में कुमार के साथ कल यहां पर आ गये हूं। शादी सब जगह खूब अच्छी हो गई है सोमा की शादी कैलाश के स्थान पर जाकर नहीं है क्योंकि लड़के वाले स्थान पर ही रहते हैं और उसका स्थान पर जाकर ही कैलाश की शादी करने को कहा था। ~~हम~~ कुमार के पिता की सोमा की शादी में गये थे हम भी कुमार के साथ देहरादून ही आ गये थे और फिर हम इन्हां की बात को चल कर यहां आ गये हैं।

मैं यहां पर खूब ठीक हूं। तुम मेरी ओर से परेशान मत होना।

अपनी पढ़ाई ठीक ~~करती रहना~~ जारी रखना। और तुम अपना ध्यान रखना क्योंकि वहां पर जाड़ा भी तेज पड़ता होगा यहां पर सब ठीक है। तुम को सबको बहुत सा प्यार।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अपनी
प्रकाश वती

लखनऊ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २३।१२। 197६

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको मेरा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद।

बिटिया तुम्हारा २६ ता० का पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए मैंने तुम्हारा पत्र २१ ता० को दिया है। मैंने देहली जाने से पहले पत्र लिखने का समय नहीं मिला था मैंने देहली से तुम्हारा पत्र के बारे में लिखा था। मैं बहुत ही जल्दी में था। शारदा व शोभा की शादी ठीक प्रकार से हो गई है और मैं २० दिसम्बर को कुमार के साथ मैं यहां पर आ गई हूं। शोभा को भी बहुत अच्छा मिला है।

बिटिया अब तो मेरी भी तुम्हारी शादी देखने की बहुत ही इच्छा हो रही है। तुम यहां पर आ जाओगी तो शादी कर देंगे यह तो मुझको लिखते हुए डर लग रहा है क्योंकि तुम जब भी तो शादी करने को कहते हैं तो गुस्सा करती हो। लेकिन शादी तो करनी ही है। और यह तो बहुत ही अच्छा है तुम्हारा विचार यहीं पर आने का है अपने देश में जो अच्छा लगता है वह बात वहां पर कहां है और दूसरा अपने घर वालों से अलग हो जाते हैं। मुझको यही डर लगता है कि तो तुम्हारी शादी देखना नहीं होगा ना हो तुम्हारे बाबा की तरह कि परदेश ही चले गये हैं नहीं मैं भी ना चली जाऊं। वैसे मेरे तो अभी कोई आसार नहीं है। और तुम मेरी ओर से चिन्ता मत करना मैं तो बिल्कुल ठीक हूं।

और तुमको किसी प्रकार की परेशानी भी नहीं है बल्कि
धीरे २ तुम्हारी सारी थकान ही परेशानी होजाती है

और हां चिठिया तुम्हारे पत्र से पढ पढ कर
तो बहुत ही प्रसन्नता हुई कि तुम्हारे नम्बर तो
बहुत ही अच्छे आये हैं। चिठिया बतला रही लगी है
कि तुमको कितना गर्व हुआ है कि मेरी चिठिया पढने
में कितनी अच्छी है। बस ईश्वर से भी यही मांगता
है कि तुम पढने में और सब बातों में सबसे ही
अच्छी बनो। तुम अपने [illegible]
और विचार बाद में दूसरा हो गया। और जब तुम्हारी
ठीक होके आओगी मेरे पास भी देखना आगे
दिल से तुम्हारे लेखों की फोटो देख कर मैं बहुत
ही खुश हो गये हैं। तब लेखों की फोटो देख रही थी
उसके पत्र पढकर बाकी लेती हूं। तुमको तो अपने बाबाजी
ने पैसे सफेद से लिखते ही रहते हैं। यदि तुम मेरा
लेखों को पूरी मेरा देना।

अब अनुपमा के पत्र आते ~~रहते~~ रहते है
अनुपमा ने अपनी बहिन की शादी का कार्ड भी भेजा
था। मैने भी दोनों को नये वर्ष के शुभकामनाओं
के कार्ड भेजे हैं। बिचारी दोनों बड़े प्यार से
पत्र लिखती हैं। फिलिपस का पेड भेजना रहेगा
देता है।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated................197

यदि वो फोटो छप नहीं जाती तो
मैं तुमको वापिस भेज दूंगी।

मेरी ओर से तुम बिल्कुल चिन्ता मत करना
मैं बिल्कुल ठीक हूं। और न किसी प्रकार की परेशानी है
मेरे दोनों के सब ठीक प्रकार से हैं। दिसम्बर में
पिया व बच्चे व दोनों छुट्टियों में आये थे।

यह जान कर तुमको भी प्रसन्नता होगी
कि मधु का रिश्ता भी पक्का हो गया है। शादी
की तारीख अभी निश्चय नहीं की है।

शायद तुमने अपनी नई भाभी रेखा को कोई पत्र
नहीं लिखा है शायद तुमको मेरठ का पता भी
नहीं ज्ञात होगा। वह लोग यहां पर २२ ता० को
आ रहे हैं शादी वह लोग लखनऊ जाकर ही
करेंगे। वैसे रेखा काफी आकर्षक है फोटो खींचना व
तस्वीर बहुत अच्छी बनाती है। वैसे लड़की
होशियार मालूम होती है। बीना की शादी देखने
का तुमको कितना चाव था। यह सब चाव तुम्हारा

बन्द में ही दिया गया है। इसलिये कुछ और पागल
पक्षी परेशानी होती है कि गलती खा जाने से
नहीं हो पा सके हैं।

इसलिये बीबी भी नीना की शादी के
बाद से मेरे साथ आ गई हैं।

देहरादून में सब ठीक है।

सबको तुमको आशीर्वाद व प्यार

समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

[illegible]

लखनऊ

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २२/१/ 197१

प्रिय चिरंजीव सतीश जैदेव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा २६ ता का लिखा हुआ पत्र मुझको १० ता को मिला पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए। मैंने लखनऊ जाकर अपने नये पते की सूचना आपको का पत्र लिखा था मिल गया होगा। शरद की शादी २४ दिसम्बर को थी ठीक प्रकार से हो गई है लड़की वाले देहली में ही रहते हैं। लड़की अच्छी है और देहली में ही सर्विस करती है। और शरद भी देहली में ही काम करने लगा है। सोमा की शादी २६ दिसम्बर को थी कैलाश ने सोमा की शादी सहारनपुर में ही की है और लड़के वाले सहारनपुर में ही रहते हैं। सोमा को लड़का बहुत अच्छा मिला है। अपनी बिरादरी का है और वहां रहता है स्टेशन से नजदीक है। लड़का तो शायद २८ ता को चला जायेगा सोमा शायद बाद में जायेगी क्योंकि उसका इतनी जल्दी टिकिट नहीं बनेगा। कुमार सोमा की शादी में २६ ता को सहारनपुर गये थे और रतन साथ ही थे और कोकी रुपवती आ गये हैं। ~~शरद~~ सोमा की शादी में रतन के यहां से कोई नहीं आये थे रतन की तबियत खराब चल रही थी उनका जो पत्र आया है सब सामान ठीक है। कुमार की बहिन चित्रा भी सोमा की शादी में सहारनपुर आये थे। इनके दोनों भी शादी में नहीं आ सके थे।

यहां आजकल लोगों की शादी की तैयारी हो रही है शादी
खूब धाम से होंगी क्योंकि पतझड़ को छोड़ा है। गुड़िया के
शैलू की ~~साल~~ जन्म दिन पर कुमकुम बच्चों को प्यार करती रही। बच्चे के
नाना की बहुत इच्छा थी वे बच्चों की सालगिरह पर पत्र लिखेगा
उनको तो बहुत ही ~~था~~ चाव रहा था। यह अच्छा किया
तुमने गुड़िया को कारोबार लिख दिये हैं उनका गिलास तो
~~लोगों~~ बाजार की तरफ ही जाता दिखता है और शायद वह
तो एक भूल की गई होगा। और उन चीजों हो गये हैं।
दोनों बच्चों के तुम दोनों को बहुत अच्छी रचना ही है
शैल की सालगिरह कैसी मनाई है मैं तो बस यहां पर
याद करते ही रह जाती हूं। अभी तो यह भी पता नहीं है
तुम लोग यहां पर कब तक आओगे। यह पता होगा तो
फिर तो इन्तजार के दिन शीघ्र ही आ जाते हैं। लेकिन अभी
तो पता ही नहीं है कब तक आओगे। लेकिन बच्चों की
पढ़ाई भी होने पर ही आना चाहिये। यदि बच्चों को छोड़
कर आओ तो फिर बच्चों की और से चिन्ता रहेगा।

गुड़िया अभी दो तीन साल और क्या पढ़ाई करेगी। हां
अब तो शादी हो ही जानी चाहिये। नहीं ऐसा न हो मैं
भी इतनी शादी तो देख लेकर जाना चाहूं जो। कुमकुम की
गुड़िया की शादी देखने की बहुत ही इच्छा हो रही है। जब से
दिल्ली से पत्र आना तो कोई समाचार नहीं मिला है। तुम्हारे
पास तो किस्सा के पत्र आते रहते होंगे। विमला को प्रेम
व रमेश को आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 22/2/1972

चिरंजीव बेटे शैल तुमको मेरा बहुत बहुत प्यार के आशीर्वाद
तुम्हारा स्नेहता का पत्र मिला समाचार ज्ञात
हुए मकान बदल पढ़ाई में बाधा से तुम्हारा पत्र
देर से आया है। मैंने नये वर्ष का तुमको और तुम्हारी
जन्मदिन की शुभ कामनाओं का पत्र लिखा है मिल
गया होगा। बेटा मकान बदलने के बाद तुमने अपना जन्मदिन
कैसा मनाया है। मेरी ओर से भी तुमको जन्म दिन की
और नये वर्ष की शुभ कामनाएं।

तुम अपनी पढ़ाई के कारण से पत्र जल्दी २
नहीं लिख पाते हो फिर कोई बात नहीं है कुशल
की और समाचार मिलते रहते ही जाती है। तुमको
बी.एस.सी. में आने से पढ़ाई बहुत भारी हो रही है लेकिन
हिम्मत रखना सब ठीक हो जावेगा। हमको कितनी खुशी
होती है मेरा बेटा बी.एस.सी. में आ गया है। यदि इस
समय तुम्हारे बाबा जी होते तो न जाने कितने प्रसन्न होते
वह तो बिचारे अपने बच्चों को कुछ भी नहीं देख सके हैं
तुम लोगों के देखने का अरमान ही अपने मन में ही
ले चले गये हैं।

पता नहीं कब तक लोग यहां पर लटकते रहेंगे

लगते हैं। तुम्हारी गुड़िया को गिरिजा (अच्छी चीज़

दी है। मौसम उनके पास देखने में क्या होना ही है

यो और अच्छा है। गाज़ियाबाद में भी तुमने तुम्हारा

पत्र लिखा था लेकिन मैं वहां पर तुम्हारा पत्र का इन्तज़ार

नहीं ले सकी थी। मैं गाज़ियाबाद लखनऊ से 22 ता॰

को पहुंची थी और रोहन की शादी बाद 4 दिसम्बर को

देहली पहुंच गई थी शरद के लिये की शादी बाद मैं

यहां पर 27 ता॰ को आ गई हूं। 28 ता॰ को लिये की

शादी थी। तुम्हारा शादी में गये थे और 28 ता॰ को ही

कुमार के साथ में देहरादून आ गये थे कमला जी

लखनऊ गये थे और 27 ता॰ को हम यहां पर आ गये हैं

गाज़ियाबाद से हम शरद के साथ देहली आ गये थे

साथ में रजनी भी थी शरद गाज़ियाबाद गये थे

आज कल यहां पर भी काफी जाड़ा पड़ रहा है

वहां पर तो अब बर्फ पड़ रही होगी। बैंक के

होता लोग चले गये हैं। मेरा मन तो लगा रहा है

ऐसे ही दिन बीत रहे हैं।

सबको हमारा आशीर्वाद। प्रिय सुशील को

ढेरों आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ५। ६। 197२

प्रिय गिरिजा गौडा तुम्हारे पत्र का बहुत बहुत धन्यवाद

तुम्हारा लखनऊ में पत्र आया था मैं उसका उत्तर

दे दिया था मैं यहां ता. १ अप्रैल को आ गई हूं। क्योंकि

अब ठीक है आशा है कि तुम ठीक होगी और तुम्हारी

पढ़ाई व नौकरी का काम ठीक चल रहा होगा।

तुम्हारा कम्प्यूटर कोर्स की पढ़ाई तो खतम हो गई होगी

अब तुम अब आगे क्या पढ़ाई करोगी। अनुपम का पत्र

आया था उसने भी पत्र लिखेगी अन्नू के पत्र बहुत कम

आते नहीं हैं। तुम्हारे पास अनन्त का पत्र आते रहते होंगे

पवन व उसकी बेटी गिरिजा ठीक होगी।

अब मुझे पत्र लिखने में परेशानी सी

होती है क्योंकि ज्यादा उम्र होने से आंख भी काफी

कमजोर हो गई है अब लखनऊ में आंखें टेस्ट

करा कर डबल चश्मा बनवाया है। डा. ने दोनों

आंखों में मोतिया बतलाया है और अभी तो बनना

शुरु ही हुआ है। कब निकले पर बहुत समय लग जाता है

अखबार ने टेलीफोन फोटो तुम्हारे पास भेजने के लिये लेगी भी पहुँच गई होगी। टेलीफोन से पता है इच्छा है कि तुम जल्दी ही फोटो देख लोगी।

तुम लोगों की बहुत ही याद आती है पता नहीं कब मिलना होगा। लिखना तुम्हारे पास आने के लिये लिखा है अब मेरा शरीर यहाँ से लायक नहीं रहा है। और इतनी दूर जाकर तुम लोगों को भी परेशान करूँ। यदि ईश्वर की इच्छा होगी तो तुम लोगों को देखूंगा ही। और तुम सब यहाँ पर पूरा रखो तुमको भी खुशी है।

प्रिय प्रभात को तुमको व शैल को प्यार प्रिय रोहित को नमस्ते।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारा शुभाकांक्षी

भगत राज

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

देहरादून
~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ४। ४। 197

चिरंजीविया सोना सौरभ सौभाग्यवती रहो

मैंने तुमको लखनऊ से पत्र लिखा था कि मैं
एक देहरादून आऊंगा। तुम्हारे निश्चय अपनी मौसी
के साथ लखनऊ अपनी ससुराल में आए थे मैं उनके साथ
यहां पर कुछ काम के वास्ते रहने को यहां पर आया
हूं। मेरा पत्र भी लखनऊ से तुमको मिल गया होगा।
लखनऊ में सब ठीक थे और यहां पर भी सब ठीक ठाक
से हैं। और ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम्हारा भी सब ठीक
तुम्हारा रहेगा। यहां पर निशा ने सारा तुमको काम
ठीक चल रहा है। अब तुमने सारा तुमने काम
शुरू कर दिया है क्या। और अच्छा ही है समय भी
बीतेगा और कुछ ~~[illegible]~~ जानकारी होगा। तुम्हारा बाबूजी
की बहुत रहे अब ठीक की है इस बार वे बीत जायेगा।
यहां पर आकर इतना बहुत ध्यान आता है आपका
हर समय बच्चों में लगे रहते थे। बच्चों पर रोज
बातों को लिखना थोड़ा भी भूलेंगे।

तुम्हारी बहुत ही याद आती है पता नहीं अब कब
मिलना होगा।

शायद तुम्हारा विचार इन बच्चों की पढ़ाई
के कारण से वहीं पर रहने का है और यहां पर
बच्चों के पढ़ाई में बहुत तकलीफ है यहां पर आना है ऐसा
ही है। इस बारे विचार करो कितने दिन बाद इतनी दूर
पर नौकरी मिली है शायद कि पैसे भी कुछ ज्यादा
नहीं मिलते हैं। और मैं पसंद नहीं करती हूं कि तुम लोग
मेरी वजह से यहां पर आओ। क्योंकि मेरी जिन्दगी भी
कितने दिन की है। जब तुम लोग वहां पर खुश रहोगे
तो मुझको भी खुशी है। और यहां पर तो हर तरह
से परेशानी ही है। जैसा तुम्हारा विचार हो लिखना

आशा है कि तुम्हारी तबियत ठीक रहेगी। तुम
इंजेक्शन वाली दवा ले रहे हो। तुम्हारा बाबूजी की बाबत के
पत्र लेकर पैसा नहीं भेज देते थे। मारवाड़ी भी बार 2 पैसा
लिए थे इस डर से तो खोने से परेशानी हो गई है। मैंने चिट्ठी
लिखी नहीं। अब जब मिले तो तुमको भेज दूंगी।

चि० … प्रवीन को आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी माताजी
…वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated ४।४। 197८

चिरंजीव शैलू तुम्हें मेरा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद

तुम्हारा पत्र देर बाद लखनऊ में मिला था

मैंने उत्तर दे दिया था तुम्हें मिल गया होगा। मैं यहां

पर २ मार्च को आ गई हूं।

तुम्हारी पढ़ाई ठीक चल रही होगी। बोर्ड

में तो तुम पास हो गये हो अब तुम्हारा आगे

का पढ़ने का विचार है। तो बड़ा भार पढ़ाई पड़ जायेगा

बहुत होशियार होना पड़ेगा। बच्चा यही दुःख होता

है तुम्हारे बाबा जी हो देखने वाले नहीं रहे

उनका तुम बच्चों से कितना प्यार था। लेकिन उनके पीछे

तुम सब खुश रहोगे उनकी आत्मा को शान्ति रहेगी।

यहां पर अभी इतनी गर्मी नहीं है। अब तो

मौसम अच्छा हो रहा है।

त्यौहार की छुट्टियां तो समाप्त हो गई हैं

नितिन की क्लास २२ अप्रैल से शुरू होगी

सब बड़ो को शुभ प्यार व आशीर्वाद

सुशील को देना आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २८।८। 1970

प्रिय निलिमा गुड़िया तुमको मेरा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद।

मैंने तुमको पत्र लिखा था तुम्हारा पत्र आये हुए आठ-दस दिन हो गये हैं। [illegible] से पत्र आते रहते हैं तुम्हारे पास अलका के पत्र आते रहते होंगे वहां पर बहुत ठंड पड़ती होगी। तुम्हारे प्यारे से बाबा ठंड [illegible] रहते होंगे। रक्षाबंधन को तुम्हारे बाबा जी की मृत्यु को १ वर्ष हो गया है इस मौके पर अपने बच्चों पर लोग आये थे [illegible] कुछ [illegible] होता जाता है लेकिन इतने दूर [illegible] गये हो [illegible] पर भी नहीं आ सकते हो। [illegible] है कि अपने पीछे कुछ [illegible] बना कर रहो। उनको [illegible] [illegible] [illegible]।

[illegible] के [illegible] को पत्र नहीं लिखा है [illegible] कहता [illegible] कुछ [illegible] को वहां पर बहुत ही [illegible] है।

उनको यही लगता है कि तुम्हारी गलत [illegible] में

ही तो पक्षपात के गलत बोल रहे हैं जिससे तो

उन्होंने यह नहीं जाना है और यदि तुम लिख दो

तो [illegible] वहां लिखा तो ही पत्र लिख देना

लिखा यही व्यवहार में अच्छा है।

मैं यहां पर बिल्कुल ठीक हूं तुम किसी

तरह चिन्ता मत करना। और लोगों से देखा

यह [illegible] पूरी बात के बारे [illegible] ठीक [illegible]

और ठीक हो तो [illegible] पर जोर देने वाला

वापस ना तो।

प्रिय दिनेश को प्यार आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हें यह बात न [illegible] होगी कि
तुम्हारे [illegible] हुई [illegible] को [illegible]
के [illegible] यह देखा इन में
[illegible] हो गई है [illegible] होंगे

तुम्हारे शुभ [illegible]

ब्रजनाथ [illegible]

लेकिन बिल्कुल ठीक चल रही है देखा इन के देखने में

[illegible] तो तब से [illegible] लेकिन [illegible] लिखा [illegible]

[illegible] का [illegible] है [illegible]

[illegible] है [illegible] ठीक [illegible] है।

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, ~~VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २८।४। 1972

प्रिय निर्मला सरोज जैन सौभाग्यवती रहो
तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए।

तुम्हें यह तो ध्यान ही होगा कि तुम्हारे बाबूजी को २६ अप्रैल को ८ वर्ष हो गया है। इस लिये २६ अप्रैल को उनकी बरसी थी। किसी मौके पर जब सब इकट्ठे होते हैं तो उन सबको बहुत ही याद आती है। लेकिन ईश्वर के आगे क्या चारा ही है और ईश्वर से यही प्रार्थना है कि उन सबको सुख शान्ति दे दिलाये।

यहां पर बालों में २६ ता० को छोटा वाला व यशु की बहू व आनन्द के कुमार दिनेश प्रसाद भी २४ ता० को ही देहरादून से गाजियाबाद के स्टेशन के पास रेलवे कैलाश देहली से व फूफा जी (डा० ओमप्रकाश जी) की पत्नी जी २५ ता० को आये थे गाजियाबाद से बच्चू की अम्मा भी आई थी। बच्चू की अम्मा तो बुआ जी के घर पर चली गई थी यद्यपि यहीं पर रहते हैं। राजे व कुमार किशोर २६ ता० को शाम को ७ बजे वाली गाड़ी से चले गये हैं कैलाश व फूफा जी २७ ता० को सुबह को गये हैं। स्वास्थ्य दोनों जी के ठीक ही है। अब यह शायद बाद में

ईश्वर की कृपा से ठीक ही हो गया है। लेकिन
उसको इस बीच में तुम लोगों की बहुत ही याद
आती रही। होने वाली बात जरूर ही पता नहीं
होता है इसलिये न यह आती। पाप का वह
ठीक प्रकार से हो गया है। वह ईश्वर उसको
यह मुलाकी लीव दिला दे। और ईश्वर से भी
मेरी यह प्रार्थना है कि वे भी तुम लोगों को हमेशा
सिवाय छोड़ कर चली जाऊं। वह तुम लोगों के साथ
ही रहता हो। वैसे मैं तो बिल्कुल ठीक हूं और
भोजेश्वरी परेशान रही है। और यह सब कहते हैं
मेरा बड़ा ही ध्यान रखते हैं। वह और उनके
भी और क्या चाहिये तुम लोगों का प्यार मेरे
ऊपर सदैव ही बना रहे। यही मेरी ईश्वर
से इच्छा है।

अभी तो मेरी आंखों में मोतिया बिन्द शुरू
हो गया है वैसे ज्यादा परेशानी तो नहीं है
लेकिन जब पढ़ने व लिखने में जरा परेशानी
सी आती है। और मेरी तो उम्र भी ज्यादा है
चिन्ता तो, केवल तुम्हारी ओर से होती है
अभी तुम्हारी उम्र ही क्या है लिखना पढ़ना तुम्हारा

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.................197

आँख कैसी है। किसी डाक्टर को
फिर दुबारा दिखलाया होगा क्या बतलाया है। वैसे तो
वहां के डाक्टर कौन यहां से अच्छे ही होंगे। तुम भी
अपनी आँखों का पूरी तरह से ध्यान रखना। तुम लोग तो
आजकल आँखों में ज्यादा काजल न लो ही है।

मुझे स्वेटर के बाद शुरू करने को लिखा तो है
लेकिन तुम्हारी आँख ठीक नहीं रहती है और यहां
मेहनत करो तो ऐसा ही होता है अब यार आसानी
से कर सके तो करना जिससे आँख परेशान नहीं
रहती है। और वैसे तो घर पर बैठे ही बाजार वाले
से परेशानी तो नहीं करो लेकिन ऊपर ठीक होने पर
ही। निशा ने पत्र न की एक बात तुम्हें से
पत्र में लिख कर ही भेजी थी तुमने वह पत्र लिख
लिया होगा और उस पत्र में एक बात शायद रह गई
होगी। लेकिन यह सब बाद अपनी आँख ठीक
होने पर ही करना। मोहे तो तुम्हारी यहां पर भी
ठीक नहीं रहती थी।

मैं तो यही चाहती हूं कि इनके सोने बच्चों की पढ़ाई पूरी हो
[illegible] नहीं पर रहे हैं वो ठीक है मैं तो अब बच्चों को
छोड़ कर जाने की बहुत ही मुश्किल है मुझको तो इसी में
खुशी है कि यहां पर सब ठीक रहा और मैं भी सब लोगों को
ठीक प्रकार से रखें। लिखना यही थी कि इनके पोते ने
[illegible] देने के लेकिन यहां के मिलने का भी पक्का नहीं आया है
यही चिन्ता है पता नहीं [illegible] मिल गये हैं या नहीं यदि [illegible]
पहुंचने का तो [illegible] [illegible] मिलने का पता तो आना ही चाहिये
था। सब लोगों ने उनके पत्र क्यों नहीं लिखा है
पापा जी बहुत परेशान हो रहे थे। वह पता नहीं ठीक मिले हैं
या नहीं। यदि मिलने के बाद में देखने का मौका ना आये
तो गैस पम्प ने रजिस्टरी करके भेजी है वैसे ही सब
यदि देने देना और [illegible] सब ठीक समझो। सुबह [illegible]
को पत्र लिख दिया होगा। मुकेश का काम निकले पर [illegible]
रहे ठीक हो गया होगा। गाजियाबाद में जाना भी बिल्कुल
ठीक नहीं है इस लिये वापिस पर यहां के लोग नहीं
आते हैं। शिव मुकेश को मेरा आशीर्वाद। चिन्ता न
करना बच्चों को रखना।

तुम्हारी अम्मा जी

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २८।८। 197–

प्रिय बेटे रमेश, तुमको मेरा बहुत सा प्यार।

तुम्हारा [illegible] से लिखा हुआ पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए। मैंने भी तुमको पत्र लिखा है मिला होगा।

तुम्हारे स्कूल कालेज खुल गये होंगे। और तुम्हारी पढ़ाई भी ठीक चल रही होगी यहां पर भी सभी [illegible] की बीमारी समाप्त हो गई है। हां बड़े [illegible] आंखों में जाने मोतिया बिन्द तो बनवाया है लेकिन ऐसी परेशानी [illegible] है बहुत [illegible] ठीक से नहीं देख पाता हूं। पत्र आदि लिखने में भी परेशानी सी होती है। जो आप [illegible] हो रहा है आपरेशन तो शायद जल्द ही होना होगा [illegible] मोतिया पक जाता होगा।

शुभ संयोग से मेरी और [illegible] आंखों को ध्यान रखे [illegible] ठीक हो ज्यादह [illegible] पर और [illegible] उनसे [illegible] अब चुनाव [illegible] रहा होगा। [illegible] तीन [illegible] से तुम [illegible] को भी [illegible] रोकने को मिल गई है। वह [illegible] ठीक जो ले गई थी मिली है या नहीं। तुम लोगों ने [illegible] बहुत दिन से पत्र नहीं लिखा है। वहां पर [illegible] के बारे में पत्र अवश्य लिख देना।

तुम्हारे नाना जी की मृत्यु को २५ [illegible] को १ साल पूरा

हो गया है यहां पर २६ तारीख को [illegible] बाबा जी की बरसी थी

हम लोगों ने पाठ रखा था लोग आये थे। बस केवल तुम लोगों

की ही याद तुमको आती रही। ऐसे मौके पर यदि तुम सब भी

होते तो कितना अच्छा था। और तुम सब बने रहो [illegible]

से भी शान्ति ही है [illegible] पता लगता होता है कि तुम

लोग भी देखते लेकिन इतनी दूर हो [illegible]

प्रार्थना है कि तुम लोग खुश रहो। तुम लोगों को यहां पर

आने पर तुम्हारे बाबा जी की याद [illegible] आयेगी ही। यह तो

स्वाभाविक ही है। क्या करें इसमें से बचना भी तो हो ही

जाती है। लेकिन तुम लिखा पत्र [illegible] तुमको किसी

प्रकार की परेशानी नहीं है। तुमको तो यहां पर [illegible] कुछ

नहीं है। [illegible] हूँ [illegible]

[illegible] लिख दिया है। तुम [illegible]

[illegible] ठीक है [illegible] है।

[illegible] ही है तुम ने [illegible] लिखा है [illegible]

[illegible] है। पत्र मिलने पर [illegible]

दे जायेगा। सबको तुम्हें आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी [illegible]

प्रकाश वती

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 8/5/ 1971

प्रिय चिरंजीवी गुड्डो तुमको देहरादून से आशीर्वाद

जैसे तुमने पत्र लिखा था मिल गया होगा करीब दोनों के पत्र से तुम लोगों की कुशल मिली है

आशा है कि तुम्हारे पापा ठीक चल रहे होंगे और काम ठीक चल रहा होगा। और तुम्हारे जोन्से भी ठीक ही होंगे। 24 सितम्बर को तुम्हारे बाबाजी की बरसी थी तुम लोगों की हेरे पौने पर बहुत ही याद आती रही।

मिलन में जो चाणीक भी उतना बलबुध प्रकृ हो गई है उनकी पृकृ बम्बई में छ रही है अब टी.वी पर उनकी बताई हुई फिल्म दीखाई पर फिर हटिया गई थी। यह अच्छा है कि टी.वी पर सब बातें ज्ञात हो जाती हैं जब तो तुम्हारे ने टी.वी खरीद लिया है तो आप तो सब खबर जान जाता है। राजो ने भी टी. वी. खरीद लिया है एक तो चौपहरे का केरो के पास टी वी है।

मैंने सबसे पहिले लिखा है रम्भा का पत्र
मेरे पास आया था। रम्भा ने गैस के बारे
में सुशील को लिखा होगा गैस वाले बिना
राशनकार्ड के गैस कनेक्शन नहीं देते हैं
यही बहुत चिन्ता है यदि गैस चली गई तो
लोग तो यहाँ पर आकर बहुत ही परेशान होंगे
राशनकार्ड मेरे पास भी नहीं है।

तुम अपना ध्यान रखना बिटिया ठीक
खाना पीना तो एक बार अपना ख्याल
ठीक होने पर ही काम लगोगी।

सबको बहुत आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। अनुपमा के
बारबार पत्र आते रहते हैं।

तुम्हारी अम्मा जी
तुम्हारी नानी

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~

Dated ५।५। 197२

प्रिय गिरिजा सपुत्र सदैव सौभाग्यवती रहो।

तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुये। मैंने तो तुमको सब लिखा था मिल गया होगा। मेरी आँखों में तो मोतिया हो गया है इसके पकने में तो समय ही लगेगा पकने पर ही आँख बन सकेगी। बस जब पत्र लिखने में व पढ़ने में बड़ी परेशानी सी लगती है यदि ज्यादा देर पढ़ती व पत्र लिखती हूँ तो चक्कर सा आने लगता है और चिन्ता करने की कोई परेशानी नहीं है यह तो उम्र के ऊपर ही होता है। अब उम्र भी तो मेरी काफी हो गई है। बस अब तो तुम लोगों से देखने की इच्छा है ईश्वर कब यह मेरी इच्छा पूरी करेंगे। तुम्हारे बापूजी तो बिचारे तुम सबों से मिलने को तड़पते ही चले गये हैं। तुमको यहाँ पर आकर उतना बहुत ही ख्याल आयेगा और तुम सब यहाँ पर के मिलने अच्छा याद से दिल खोलते अब तो यह स्वप्न सा ही लगता है। और ईश्वर करेंगे हम तुम सब सकुशल से मिलेंगे ही। बस यहीं नहीं रहे और दुख नहीं पाना चाहिये जो ईश्वर करते हैं अच्छा ही करते हैं। अब मैं यह सोचती हूँ यदि मैं पहिले मर जाती

को जाने मयंक समय बिताना बड़ा कठिन होता
यह किसी के लिये अपना समय बिताते हैं तो सब के
पास बैठकर समय बिता सकते हैं। और याद तो आया
ही है और अब बच्चों से टेलीफोन पे ही बताता कि
ईश्वर इतनी जल्दी सबको बचाता है। कि अच्छा कर
और कुछ दिन तो आराम दिया। जो ईश्वर करते हैं
अच्छा ही करते हैं अपनी किसी कमजोरी पे चले गये
है। इससे अच्छा और क्या फायदा होता है।

मैंने तुमको पत्र भेजा है कि याद होगा
उनको ध्यान नहीं रहा था कि फिर कभी बात भी ट्रीटमेंट
से पेट के पत्र भेजा लिये ये किसान अकबर बार भी
भेजा है क्या। यह बात कर प्रसन्नता होती है तुमने
परीक्षा तो आप शुरू कर दिया है। अब आप अब
जाने की अच्छा है और बहुत अच्छा है जाड़ियों में
भी आप चलेगा। क्या इस परीक्षा से तुम्हें छुटकारा
चले जाओगे। लेकिन ज्यादा अच्छे हो और पता
देना जितना भी आसानी से आप कर लो करना
अब तुम्हारी आँखों का क्या हाल है। फिर डा. को
दिखलाई थी क्या - क्या बतलाते हैं। तुम्हारी
बड़े पुत्र की बीमारी को कितने दिन हो गये हैं
यह बीमारी भी जिन्दगी भर की हो जाती है।

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.................197

तुमने कोठी के विषय में विमला को पत्र
लिख दिया होगा वह कोठी ठीक
मिली है या नहीं यदि नहीं मिलेगी तो पत्र को तो
बहुत ही दुख होगा उसको बहुत ही चाव से कोठी
ली। और क्या करें यह अपने वश की तो बात नहीं है
कमल की परीक्षा तो मार्च में ही खतम हो गई थी
कैमिकल पास हो गया है १५ अप्रैल को रिजल्ट निकल गया
है और नम्बर भी अच्छा है। कमल का रिजल्ट अभी ही आया
प्रिय गुड़िया और अरविन्द ठीक चल रही
होगी। ईश्वर से प्रार्थना है कि बच्चों की पढ़ाई
तक तुम लोग रह सको तो अच्छा है यदि बच्चों
की पढ़ाई तुम्हारे जाने तक पूरी ना हुई तो उनको
छोड़कर जाना होगा। तुम अपना ख्याल रखना
ज्यादा परेशान तो नहीं पर कोई मौके पर
ज्यादा जोर मत देना। तुमने जो गोल कमरे
की मशीन खरीद ली होगी मशीन से गोल बहुत
जल्दी बन जाते हैं। दीपक की बहू को पांच सौ
रुपये तो मिल पड़ेंगे। शरद की बहू जो गाय वाली

है उसने शायद लिखना चाहता है मैं मेरा मन इसकी

काफी परेशान है तब बतलायेंगे। आजकल

नव गाँव की कचेड़ी बन्द पड़ी है पढ़ाई लिखाई

की कचेड़ी अविलम्ब पड़ी है। परन्तु आज तक

लिखा मैं पास आती है शायद वहाँ पहले पास

कोटा को कुछ बाद सोचा रहा है। [illegible]

बात हो रही है इतने दिन [illegible] हो गये

है लेकिन अभी तक इसकी [illegible] नहीं चली है

चि० सुशील ठीक होगा। [illegible]

के पत्र आता है तो [illegible] लगता है कि

चि० ही ठीक है। [illegible] कुछ [illegible]

[illegible] है हमारे कोटा [illegible] रही है।

चि० [illegible] सुशील को हमारा आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुमने उस पत्र लिखा न ओर

पैसे लिया था उसपर मैं

[illegible] के बारे में तक

लिखा था पता नहीं तुमने पत्र पढ़ लिया है या नहीं

तुम्हारा [illegible]

[illegible]

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ८।५।197६

प्रिय बेटे सुशील तथा सुमन को चिरंजीव रहो

तुम्हारा २९ का ... लिखा हुआ पत्र मुझको मिल गया है। वहां पर तुम्हारे बाबूजी की [illegible] के सब काम ठीक प्रकार से हो गया है [illegible] मौके पर तुम्हारी बहुत ही याद आती रही [illegible] लोग आये थे। जब तीनों भाइयों को [illegible] याद होती है तो मुझको तुम्हारी बहुत ही याद आती है। पता नहीं वह समय कब आयेगा जो तुम को हम [illegible] देखेंगे। तुम्हारा पत्र भी मुझको मिला था [illegible] तुमने लिखा था वह पत्र मुझको मिल गया होगा। मेरा २० को [illegible] समय [illegible] में [illegible] ही रहती है। तुमको भी वहां पर [illegible] हैं [illegible] इतना [illegible] समय होता है [illegible] तो समय भी [illegible] ही जायेगा। और मेरा शरीर भी [illegible] ऐसा ही रहता है।

मन ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम
लोग वहाँ या कि ठीक ही होगे। तुमको
वह जानते हो तुम्हारी है। अब तुमने शौर से
परिवार के पुत्रियों की शादी का फिर रखना
बहुत ही आवश्यक है। हां तुम लोगों को भी
अपने बच्चों की याद तो आती ही होगी। मैं भी
यही सोचती हूं कि तुम मैं भी बहुत ही भाग्यशाली
हैं जो बड़ा दिन तुमने उतना प्यार किया है
और तुम अपना ध्यान रखना। मेरी ईश्वर
से यही प्रार्थना है।

बच्चों बिन्नी व बच्चे को नमस्ते

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा

प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ५।५।1979

चि॰ बेटे मोहन तुमको पापा बहुत सा प्यार आशीर्वाद

तुम्हारा पत्र आया था मैंने [illegible]
का मिल गया होगा। आशा है कि तुम्हारी पढ़ाई
ठीक चल रही होगी। अब तो तुम [illegible] जानोगे
उमेश ने लिखा था कि तुमने विदेश में इंजीनियरिंग
पढ़ने का विचार है बड़ी प्रसन्नता होती है लेकिन
इसके का समय लगेगा और यह समय भी शीघ्र
ही बीत जायेगा। तुमको कितनी प्रसन्नता होगी
जब तुम इन्जीनियर बन कर यहां वापस आओगे
ईश्वर से प्रार्थना है कि तुमको सफलता प्राप्त
हो। तुम अपने छोटे भाइयों का ध्यान रखना

शायद तुमको भी यहां का पता चल गया होगा
[illegible] की बहन [illegible] बम्बई में मृत्यु हो
गई है वह बहुत समय से बीमारी से परेशान थी
[illegible] हुई थी [illegible] इंडिया [illegible]

पर दिलवाले को वहां पर तो तुम्हारे थे। वे

से इंग्लिश ही सिखा जाते होंगे।

अंकित को इलेक्ट्रिक मैकेनिकल हो गया है

और वह पास होना है जो ये हो गया है

और सब यहां पर ठीक है। तुम सबको भी

ध्यान रखना मैं सोच कर ही चलती हूं।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाशवती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २४-५-1972

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको मेरा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद
यहां पर हम सब लोग प्रसन्न हैं। तुम सबकी भी
कुशल ईश्वर से सदैव मनाती हूँ। मैंने तुमको
पत्र लिखा है मिल गया होगा। लोकेश ने
पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए थे मैंने उसको भी पत्र लिख
दिया है। आशा है कि तुम्हारी पढ़ाई व पेपर सब ठीक
चल रहे होंगे। तुमने ए. के. में दाखिला तो ले ही
लिया होगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम अपनी पढ़ाई
में सफल होवो। बिटिया तुम सबको देखने को
मन तो बहुत ही करता है लेकिन यहां रहते अधिक
दिन बीत गये हैं अब तो तुम लोगों के आने के समय
तक ही रह गया है ईश्वर करेंगे यह समय भी ठीक
ही बीत जायेगा। अब तुम्हारा या बेटे गर्मी में पैसा
बहुत ही खर्च होगा थे। इतना पैसा खर्च करने बाद
में परेशानी तो उठानी ही पड़ती है यह अवश्य है यदि मैं
जाती हूँ तो कुछ दिन रह भी सकती हूँ। लेकिन तुमको
दोबारा आना ज्यादह दिन भी नहीं रह पाओगी।

लेकिन मैं थोड़ा पीछे कर रुपये के ऊपर कर लेता
ही देता हूँ और यहाँ इतने लड़के दिखाई देते हैं
कि थोड़ा सा समय भी निकल ही जायेगा।

विनिता की अपनी जिन्दगी में एक इच्छा है
कि तुम मेरे सामने अपनी शादी करना। लेकिन
दिन रात यही सोच रही थी कि तुमने लिखा था
नहीं लेकिन अब मन नहीं मान रहा है और मन ने
लिखने को मजबूर ही कर दिया है। इसलिये
लिखना ही पड़ रहा है। अब तुमको अपनी शादी
करा ही लेनी चाहिये। यदि वहाँ पर तुम अपनी
इच्छा के अनुसार लड़की मिलती है तो वहीं पर
करा लो और यदि वहाँ पर नहीं मिलता यहाँ तो हो
तो यहाँ पर आकर करा लेना लेकिन विनिता
शादी को करा ही लेनी चाहिये। थोड़ी उम्र में
तो जब तक लड़की अपने माता पिता के पास में
रहती है पता नहीं चलता है। लेकिन
अकेले में बहुत ही अखरता है। उस उम्र में
अकेला मन बहुत ही अखरता है। और सोचिये तो
लड़की को बोली ही पड़ती है और सोचिये में लड़की

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २४/५/1979

नो अनुभवो से बाद भी पता रहता है। आज कल यह
बहुत ही ख्याल है ग्या भी लिखा है को कर पा पता
नहीं लोग बाग क्या समझने लगते हैं। इस
लिये लड़की के लिये अपना जीवन साथी होना बहुत
ही आवश्यक है। मैं देखती हूँ जिन लड़कियों के शादी नहीं
करते हैं वह अन्त बहुत पछताती हैं। आशा है कि उनका
तो किसका दुख नहीं होगा। और मेरी भी यह इच्छा
पूरी होगी ही। फिर मैं यह भी नहीं चाहता हूँ कि
उस मेरी इच्छा पूरी करो। लेकिन उनको स्वयं ही
ही समझना है कि अपना आगा पीछा समझती है
उस जिस तरह का लड़का चाहती हो वैसे ही वह
से तुम्हारी शादी कर देंगे। लेकिन अभी तो तुमने पता
नहीं चलता है बाद में पछताओगी। और तुम्हारा उन्होंने
तो वैसे भी पत्र लिखा नहीं है। लेकिन अपनी
इच्छा के अनुसार ही उनको लिख रहा हूँ।

उसे मुझसे यह बतला दियो हो कि मिल जाता है
उस शादी मगर नहीं बताया चाहते हो। जाता है
कि उसको देना लिखना बुरा नहीं लगेगा। तुम्हारे
बाबाजी की यही पर इच्छा थी कि तुम्हारी शादी
होने से पहले उनकी इच्छा पूरी नहीं हुई है और
मेरा और तेरा एक ऐसा विचार जाना चाहिए
इस विषय बहुत सोचने की बात है। जिन्दगी में सभी
बातों को करने पड़ते हैं। और उसको कि विचारों
इतनी होशियार है लेकिन बाबाजी की इच्छा थी कि उनको
इच्छा पर यह जो तरीका मत होने और जाता है
कि अपने मन की इच्छा जैसा होगा उसको
निश्चय लिखोगे ही।

मैंने यह पत्र लिख ही रहा था कि कल
२४ ता० को तुम्हारा २२ ता० को लिखा हुआ पत्र
मुझको मिल गया है इस पत्र से भी तुम्हारे विचार
ज्ञात हुए हैं।

अपने गाड़ियों की बुद्धियों में भी अपना
पहले अस्त जाती है कि यह तो अच्छा है
और यादों में ही इस्तीफा नीयत पूरी करोगा

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.......................197

तुम्हारे पत्र के आने से ही कुशल जो पत्र में आया है। तुमने अब तक अपनी पढ़ाई शुरू कर दी है क्या वहां पर भी गर्मी अधिक पड़ती है तुमको तो समय ही कहां मिलता है दिन भर कोई न कोई [illegible] में १२ बजे पत्र लिखती हो तुमको दुख होता है ऐसी चिट्ठियां कहां ही पढ़ने वाली होगी तुम सुबह से शाम तक आठ बजे जाती हो तो तुम्हारे खाने पीने का क्या होता है कहां से ही कहीं कुछ ले लेती होगी अपने खाने पीने का ध्यान रखना तो कुछ थोड़ा दिमाग तभी तो ठीक से काम करेगा। और तुम्हारे ईश्वर की कृपा से मैं भी यहां ठीक हूं अच्छे आते हैं। चिट्ठियां आदि तो तुमको भी तुम लिखती जाती है और तुम लिखो तो भी जाती ही होगी लेकिन अभी तो पता नहीं कब तक मिल पायेंगे। तुमको समय पत्र लिखने को नहीं मिलता है फिर कुशल तो और लिखे के दिन ही आती है। ऐसी और ठीक ही है इस वास्ते

ऊपर नवशील नवनीत हो ही जाता है अब तो
मैं विमल कौशल नहीं करती हूँ। अब मैं क्या मैं
नहीं जानता है कि तुम लोगों को पत्र लिखती हूँ
तेरी शोभा से ही बौरा तो नहीं होता है। आशा ने
तुमको पत्र लिख दिया था रमेश ने भी बाद में पत्र लिखा
था। तुम्हारा यह लिखना ठीक है कि मेरे मामा जी ने कोई
भी पत्र नहीं लिखते हैं तो तुम भी किसी को पत्र पत्र
लिखना बहुत जानती भी नहीं है। यहां पर भी इन लोगों के
पत्र बहुत देरी से आते हैं।

यहां पर अब गर्मी तो होने ही लगी है लेकिन
मेरठ लखनऊ जैसी गर्मी नहीं होती है यदि गर्मी
अधिक होती है तो बारिश हो जाती है। अनुपमा का
पत्र आया है वह अपने पति के पास रहने को बड़ौदा
चली गई है मैं तो दशहरे को गई है लेकिन पता नहीं
वहां पर जाकर और ज्यादा दिन लगा जाये उसने
उसने वहां का पता भी दिया है।

चि॰ सुशील लोगों के साथ को मेरा आशीर्वाद
कहना। चि॰ प्रबोध को तुमको भी मेरा
आशीर्वाद। आशा ज्योति को भी बहुत।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्मा जी
आशा वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated..................197

प्रिय चिरंजीवी सुयोग सदैव सौभाग्यवती रहो

दर्शन का गुड्डा के पत्र से उपरान्त से [illegible]
ज्ञात हुये है।

दर्शन के पत्र से पता चला कि तुम्हारे पांवों में
दर्द रहता है पता नहीं आजकल ठीक है [illegible] [illegible]
क्या है उस डाक्टर का [illegible] ठीक नहीं रहा
अपना ध्यान रखना क्योंकि अपनी सभी गृहस्थी का
[illegible] है दर्शन का [illegible] [illegible] [illegible]
तो [illegible] [illegible] इन बातों को कोई लाभ [illegible] नहीं
है। दर्शन ने अपनी परीक्षा देनी है [illegible]
[illegible] है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] चल रही है सम्पूर्ण
१६ अप्रैल को लखनऊ गया है और वहां से २३ अप्रैल को
इलाहाबाद चला गया है इलाहाबाद में चिरंजीवी के ताऊजी की
कोठी पक्की रहती है वहां पर शायद दो [illegible] रहेगा
क्योंकि उनकी [illegible] [illegible] [illegible] है [illegible]
के अन्दर परीक्षा ही है [illegible] [illegible] [illegible]

नहीं जाना है। बाकी सब यहां पर ठीक है मशीन न

चाहिए न चल रहा है।

मौसी के तो यहां पर भी पत्र बहुत दिनों

दिनों में आते हैं।

इस प्रकार ध्यान रखना मैं तो यहां पर

बिल्कुल ठीक हूं। यहां सब लोग मेरा बहुत ही

ध्यान रखते हैं वैसे तो मुझको किसी बात की

परेशानी नहीं है बस पापा के मरना ही मुझ मेरा

था। कोई सपने को भी आता ही नहीं है कि वो तो ऐसा

हो सकता है। हर घड़ी पे पापा के याद आती मेरे बच्चे रखते

न तो उनको बहुत दिखाता नहीं है जब होता मैं

तो इन लोगों के बीच में अपना समय बिता देती हूं

बाकी लोग तो हर समय इन लोगों के बीच में नहीं

बैठ सकते हैं। मेरी जान ठीक है।

किसी को यह पता है बाकी न सकते कि पापा

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। प्रियांशु गौरव को

बहुत प्यार

तुम्हारी अभागी

जगवती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २६.५.७1 1971

[illegible]

ही अच्छी चल रही है। मेरी ईश्वर से यही प्रार्थ-
ना है यह शादी भी बात के ईश्वर की इच्छा से
घर वर अच्छा ही मिल जावे। और यह यह तो ठीक है
हमारे यहां बहनों बहनों से अच्छा पद लेती हैं।

मैं तो बेटा घर पर ही रहती हूं। तबसे घर रहकर हैं
मैं कहीं नहीं रहने जा सकती हूं। दयावती बीबी ने
बड़े आग्रह से घर पर हमारे घर से दूर ही है
पीपी सिविल के गोरे जनपद (?) जाते हैं उनके
निर्धन को ले गया और ले आया था। बेटा तुमने
उनके बातों की याद तो आती ही होगी और उनकी
याद को भूलने वाली भी नहीं है पता नहीं उनके
इतने जल्द इसी लिये का क्या कारण जल्दी ही चले
गये। अपनी बड़ उप सबके ने ऊपर छोड़ गये हैं बड़ा
उन पर जिम्मेदारी तुम लोगों ने ऊपर छोड़ गये हैं
लेकिन मेरी राय से अपनी मृत्यु के पहले ही सब
जानते थे। सो यह तो संसार में आगे पीछे जाना ही
होता है। जन्म मरण सिर की चक्र था। अब यहां ही
मेरा मन तो उदय तैसा होगा। सिद्ध लोग को मेरा
आशीर्वाद सिद्ध कुशल शेष ने हाथ बढ़ता ना आप
पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी शुभकांक्षी
प्रकाशवती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 197

प्रिय विद्या गुड़िया तुमको मेरा बहुत सा प्यार।

तुम्हारा पत्र ३ ता. को मिला तुम और सुशील के मौज का पत्र व पोस्ट कार्ड भी पेन्सिल पत्र तुमने २३ ता. को लिखे गये हैं सब समाचार ज्ञात हुए। और सुशील के हाथों से बहुत रंगदार होती है। क्योंकि २५ ता. को रक्षाबन्धन को तुम इस पत्र में राखी भेज देती। पता नहीं तुम भूल गई हो या क्या बात है रक्षा बन्धन त्यौहार भी भी दिन इसके दिन इतवार हो गया। और तुमने राखी तो इतना दिन गई है पता नहीं तुम्हारी राखी क्या नहीं आई है। पर समय से पहिले भेजती है तो अच्छा लगता है बाद में आने पर वह बात नहीं रहती है।

विद्या दोनों मैं तुम्हारे पास आ जाता हूं या नहीं क्योंकि देहरादून पर सुशील को नई इतनी समय लगती है मैं यही सोचता हूं कि गया इतने लम्बे दिन कौन है यह थोड़ा सा समय भी बीत ही जायेगा। वैसे तो मेरा मन तो तुम लोगों को देखने को बहुत ही कर रहा है और दो दिन भी तो बहुत ही हो गये हैं अब तुम लोग गये थे तो यही सोचा था कि

तीन वर्ष की बात है फिर तो आ ही जाओगे लेकिन इतने तो
-पर तुम लोगों को गये हुए हो ही गये हैं और पता नहीं और
कितना समय लगेगा। फिर वहां का जाना तुम दोनों बच्चे तुम
बच्चों को ही जाओगे यहां तुम को बहुत खुशी है और हां यह
तो ठीक ही लिखती हो कितनी तकलीफ हर एक बात की
तुम लोगों को वहां का तकलीफ है यहां का वहां है यहां पर
तो हर एक बात की बहुत ही परेशानी है। वहां सामान तो
यहां पर हां, अच्छा थोड़ा ही लगता है। लेकिन सब तो अपने
बच्चों को देखने को जाता ही है। लेकिन वहां सामान ज्यादा खर्चे
को देखना बड़ा कठिन है।

बिटिया तुमको पत्र को ज्यादा दिन गये होंगे
तुम्हारी ही शौक की साड़ी ले लिये होंगे मोटा सा के
पर ऐसे पास ही रखना। और हां ज्यादा तो तुमको जरूर
से ही मिलेगी। तुम्हारे बाबाजी होते तो ने गाने इतने दिन
लिखते तुम ऐसे विचार कुछ सोचा होता पाया। उनकी
सभी इच्छायें मन में ही चली गई। इतनी सब जब बातें
मैं कहां पूरी कर सकती हूं। लिखना तुमने बनाया ये बात
फिर गया होगा वह ज्यादा लेती है और लेता जाता है और लेते
घर के तो टूट ही होगा। यह अच्छा है बाहर-प्रोजेक्ट
होंठ पर है। मेरी तबियत तो बिटिया ठीक ही चल रही है बस
कभी २ तुम लोगों की याद ज्यादा तबियत में परेशानी सी हो जाती है

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

सिरिशा तुमने यहां पर आते हुये नज

Dated.................197

र को बरस ही क्या हो है क्योंकि ये तो बरस ही कुछ हूँ [illegible]
कोई भी नहीं जानती हूँ। लेकिन यदि जहाँ को उचित निर्णय साथ में
ही उसके सामने इतनाम को करेंगे ही। वैसे सिरिशा उचित को कुछ
लोग ऐसे करने के बारे में [illegible] पत करना। वह भी विचार
अपना मौका देखेगा तभी तो कुछ पायेगा। उस विचारे के पास
भी इतना काबू पैसा नहीं रहा है। इसलिये भी कुछ लोगों को
करने चाहिये में पैसा बहुत चाहिये। और तुमने भी कुछ नहीं
लेगा। मैं यह भी जानती हूँ उचित लोग का मन तोड़के
के रिश्ते को मिलाना काम होगा। लेकिन बात तो सब ही
सोचते जाती हैं। ऐसा का पद मेरे पास भी आया है उसके उसको
अपने पास बुलाने को बहुत ही लिखा है मैंने लिख दिया है कि
यदि मैं अपना नाम नहीं तो उसके पास जरूर पहुँच जायेगी।

नीता को दोपहर को २ बजे मैं नहीं आना है और रात को
९ बजे घर पर आता है। उसने घर पे रोज बिताती ऽ तो है
और निकालते पहिले भार ही ऐसी होती है कि तो फिर
आदत पड़ ही जायेगी।

और मैं सोचती थी तो ठीक ही है यदि शुरू होने पर

पता चलेगा कैसी होंगी। लोगों के पास कहने को होंगे नहीं

बस खीर ही बनानी होगी। यह बात पर जितना होता

है वहां पर भी तुम्हें अच्छी बहिनें मिल गई है यहां पर

मेरे साथ बराबर [illegible] [illegible] से पत्र आता रहता है

यदि मैं कहीं तो तुम्हारी बहिनें प्रेमपूर्वक ही मिलेगी

बिटिया तुम्हारा पत्र पढ़ने से मुझको भी बहुत ही अच्छा

लगता है क्योंकि इस पत्र बहुत ही प्यार से लिखती हो।

हम और इस घर [illegible] में तो क्या है प्यार व्यवहार होता ही है

इस [illegible] के [illegible] [illegible] मानती हो मुझको [illegible]

है यहां पर प्यार होता है वहीं पर तो सब [illegible] होती है

और [illegible] मेरे ध्यान पर प्यार सदैव ही बना रहे।

[illegible] [illegible] अपने पत्र [illegible] [illegible] लिखेगी

अब पता नहीं [illegible] [illegible] से पत्र लिखे [illegible] के बाद

[illegible] [illegible] होने वाली है और तुम्हारे पत्र से [illegible]

समाचार तो सब मिल ही जायेंगे।

[illegible] [illegible] को मेरा आशीर्वाद। बिटिया पत्र का

उत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २६।८।1972

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा व बाबा का पत्र व शैलू की तीनों फोटो मिली और दूसरा गुड़िया शैल का पत्र दोनों साथ-2 ही मिले।

शैल की फोटो देखकर बड़ा अच्छा लगता है यह क्या पता था कि ऐसा भी समय आजायेगा जो कि फोटो से ही देखकर खुश होना पड़ेगा। मेरा पत्र ~~पहुंचने~~ मिलने से पहिले दिन ही सुबोध ने तुमको पत्र लिखा था मैंने दूसरे दिन लिखा था लेकिन तुमको मेरा पत्र भी मिल गया है पता नहीं। उसका पता उसने नहीं दिया है क्या। सुबोध ने मेरे आने के बारे में शायद तुमको लिखा होगा।

मेरा यदि तुम्हारे यहां साल दो साल में आना होवे तो फिर मेरे आने की वहां पर कुछ आवश्यकता नहीं है क्योंकि मैं समझता हूं कि मेरे आने पर तुम्हारा बहुत रुपया खर्च हो जायेगा। वहां पर तुमको भी शैल की पढ़ाई के लिये तथा आगे भी पैसे की जरूरत ही आवश्यकता है। जहां इतने कष्ट के दिन बीते हैं तो यह थोड़ा सा समय भी ईश्वर की दया से ठीक ही बीत जायेगा। तुमने लिखा था कि गुड़िया शैल

आने की जिद कर रहे हैं इस लिए मैंने यही सोचा कि
कि यह होना चाहिए तो वहाँ से लाला के ४ दिनों की यही
रह पायेंगे। और इससे हो सकता है कि तीन दिन
आराम से रह जाओगी। और इससे वह इतना समय ले
सकें और मैं पास पूरे समय रह भी नहीं पाती क्योंकि सभी
काम कर जाते। इस लिए मैंने ऐसा सोच कर लिख दिया था
सो तुम उनके मन में उस समान कर जाना। और यह तो
और स्वाभाविक ही है। मेरा मन तुम सबको देखने को
बिताब कर रहा है लेकिन उनको यह बात तो बहुत
खुशी होता है कि वहां पर तुम सब साथ में हो। और
बच्चों को यहां पर मौसम ठीक लगेंगे। वह उनको यहाँ
बहुत खुशी है। अब तुम कैसा ठीक समझो करना।
यह मत समझना कि उनको बुरा लगेगा। जैसे भी तुम
ठीक समझोगे उनको भी उसी में खुशी है।

यहां सब ठीक है। बच्चों को प्यार व नमस्ते
ठीक है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी जिज्जी

प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २६।८।197९

चि॰ बेटे शैल तुमको ढेर बहुत प्यार।

तुम्हारा व सुशील का व तुम्हारे तीन बच्चों फोटो २६ता॰ को मिला है और हमारा गुड्डा का पत्र भी उसी दिन मिला होना पढ़ो तो एक साथ देख कर तो पता नहीं कितनी खुशी हुई है और (साले के जुड़ाया) साथ में तुम्हारे तीनों बच्चों की फोटो को देख कर तो बहुत ही खुशी हुई। ईश्वर करे तुम लोग फलो फूलो। और अपने बच्चों को ठीक होशियार बना कर देखूं। हां फोटो पहले तो मैं समझती हूँ कि तुम लोगों को आने से खुशी तो बहुत ही होगा लेकिन फिर यही सोचता हूँ कि यदि सुशील को यहां पर आना जाना हो जावे तो अच्छा है क्योंकि आने पर इतना रुपया खर्च करना और जाने का रेल का रुपया आने पर खर्च होता है और सुशील भी इतना ज्यादा रुपया खर्च करेगा तो उसको भी परेशानी ही होगी और मैंने सुशील को लिख दिया है वह मेरा ठीक समझेगा न लेगा। बेटे परेशान होने की आवश्यकता नहीं है यहां इतने लड़के फिर बोले है पर थोड़ा सा समय भी ठीक हो जावेगा।

और हाँ यदि मैं आई तो तुम्हारे लिए यह किताबें जरूर
लेती आऊँगी। और भी कुछ सोच रखना हो भी और तुम्हें
चाहिए हो लिखोगे, तुमको लिख देना।

मने १५ अगस्त रक्षा बन्धन को दिन था भाभी
ने तुम्हारे राखी पर लाल पहनाई होगी, तुमने उनको
क्या दिया है। तुमने जो तुम लाने की याद जाती हो

तुमको वहाँ नौकरी मिली है या वहाँ वहाँ पर यहाँ
को देखना है पढ़ने का संयोग निकलता है क्योंकि वहाँ
पर नौकरी करनी पड़ती है। अगर प्रवीण को नौकरी में
पढ़ने का समय नहीं निकलता है। मैं तो यहाँ पड़े पड़े
ही चिन्ता रोज लेती हूँ क्योंकि हर त्योहार को वे जाते ही हैं
उस त्योहार पर तुम्हारी चिन्ता आ रही है। मैं हैं अपना लोगों
हूँ लेकिन रुपये ने अपने को थोड़े में मन बड़ा ही जाता है

चिन्ता उषा के बच्चे दोनों ठीक हैं। गोपाल के स्कूल
को शुरू में ही खुल गये थे लेकिन अभी लिखा है नहीं
खुले हैं शायद सितम्बर में खुलेंगे। दीप ज्योति को प्यार
आशीर्वाद आशा है कि यह ठीक होगा।

प्रत्युत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 25 . 8 . 1981

प्रिय चिड़िया बेटा जैन सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा पत्र 24 ता० को मिला समाचार ज्ञात हुए मैंने भी एक पत्र गुड़िया रानी के हाथ से लिखा है मिल गया होगा। 22 व 23 ता० की गणपति उत्सव की छुट्टी भी मनाई होगी। गणपति उत्सव में रोज प्रोग्राम होते इनमें रात हो जाती रही। सब रोज भी तुम्हारे यहां पर आने जाते होंगे लेकिन अब तुम्हारे बाबूजी तो नहीं होंगे। [illegible] लाला था गया एक एक लाख [illegible] कर [illegible] थे। [illegible] पर भी [illegible] के पिता [illegible] ने भी [illegible] लिया था [illegible] एक लाख [illegible] का [illegible] तुम्हें [illegible] बड़ा [illegible] रहा।

चिड़िया तुमने मेरे आने के बारे में लिखा है पर तो मेरा भी कुछ [illegible] ने होने का बहुत कर रहा है और तुम्हारा भी कर रहा है। मैंने तुमने लिखा था [illegible] गर [illegible] से लिखा था कि [illegible] बड़े जाना चाहते है तब मैंने यही सोचा कि इससे तो यही ज्यादा अच्छा है

कि इतने खर्चे में से ही चली जायेगी तो मुझे विश्वास

थी कि ये और अब आते वक्त ले आयेगी लेंगे

लेकिन बाद में तो यह लोग कुछ उधार देता है

मुझे जाने में खर्चा तो बहुत ही होता है १२ हजार तो

खर्च हो ही जायेंगे इसलिए विचार के पास इतना रुपया

कहाँ है पता नहीं कैसे रजिस्ट्री डाक से उनको भेजना

इसलिए तो यही अच्छा है जाये इतने रुपये रेल बैंक हैं

पर थोड़ा सा रुपया भी बचत ही जायेगा। अब तुम

सब सोच समझ कर उनको बताना। यदि जाना ही

तो ठीक है और विमानों द्वारा जाओगी तो उनको

पता है उनको बहुत ही लाभ होगा। अब तुम ये जाने

के बारे में सब बातें सोच लेना। यदि मैं नहीं आ

पाऊँगी तो उनको जाना भी हो नहीं पायेगा मैं यह

नहीं चाहती हूँ कि मेरी वजह से तुम लोग के नुकसान

उठाना हो। अब जैसा तुम ठीक समझो करना। इसका

ख्याल करना [illegible] शौक भी पढ़ाई का बच्चों भी जाना है

यह सब मैं बहुत ही अच्छा समझती हूँ कि तुम

सोच कर ही किसी निर्णय पर [illegible] डाक्टरी को पढ़ाई

से ही है यह सब कार्य बोर्ड को इम्तिहान देकर ही होता

है या होस्टल में जाता है। बहुत अच्छा लगा होगा।

लिखा [illegible] के बच्चो को [illegible] लोग अच्छे होंगे

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated..........197

यं [illegible] को ख्याल बहुत अच्छा है

और देखने में भी बहुत अच्छे लगते हैं। बस मेरी भी

ईश्वर से यही प्रार्थना है कि ऐसा ही लड़का हमारी

गुड्डन को भी मिल जाये। गुड्डन की [illegible] मिलने पर

[illegible] होगी। मेरे पास भी [illegible] है [illegible]

है र [illegible] को शायद [illegible] चले

जायेंगे [illegible] इस पत्र को [illegible] ही देना

[illegible] ठीक है।

[illegible] पत्र आया था कि [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] वह लोग [illegible] पास चले

जायेंगे। इसलिये [illegible] के लिये [illegible]

[illegible] पास [illegible] फिर [illegible]

[illegible] जायेगी। [illegible] गये [illegible]

[illegible] हो जायेगा। [illegible] शायद [illegible] ही रहता है

[illegible] नहीं [illegible] है

[illegible] हो तो [illegible] को पत्र भी [illegible] है

शायद थोड़ा से दाम बढ़ जायें। यहां पर तो सितम्बर के
महीने में ५ किलो खरीदा उनके पास २५) देने पड़े थे और
अब इसी महीने के २०) किलो का दिया है यह तो
होता रहता, सब मेहनत करते हैं। अभी तो
शरीर भी चला लेते हैं और करीब ५ किलो भी नहीं खाते हैं
रहते हैं यदि कोई आ जाये तो एक दो किलो होता
भेज है। मैंने प्रिया की तबियत भी कुछ ठीक नहीं
लगती सी ही चल रही है। और उसका इलाज डॉक्टर को
बताया कि ज्यादा मेहनत का काम भी नहीं करना हो
यदि यहां पर भी ज्यादा मेरी मेहनत का काम करती थी
तो थक जाती थी। प्रिया जैसी यहां पर भी रहक के
महीने ही हुआ है और उसके बाद गुड़िया को [illegible]
के बाद में कई दिन बाद में आई है सबको बहुत याद
करता है।

सुशील को मेरा आशीर्वाद। गुड्डू प्रिया व
बच्चों को बहुत प्यार। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी मम्मी

प्रकाश वती

देहरादून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २५।८।197२

प्रिय बेटे सौ० कृष्णा बेटा बहुत प्यार व आशीर्वाद

तुम्हारा २२ता का पत्र इनको २४ता को मिला पत्र से सब समाचार ज्ञात हुऐ।

बेटा मेरा मन तुम लोगों को देखने को कर रहा रहा है लेकिन तुम्हें लोगों को भी सोचना पड़ता है यदि इतने को तुम्हें कोई परेशानी नहीं होती है तो तुमको जाना यदि कोई अच्छा होगा। मैंने इस विषय में लोगों से सब बातें लिख रही है

२२-२३ता को गणेश उत्सव भी तुम लोगों की बहुत ही याद आती रही। तुम को पोस्ता बगैरा बीज आदि मिलती अच्छी लगती थी। मेरा पास मैं जरा कोमल उनको जाना तो मेरा मुश्किल सा हो जाता है जो तुम निभव ही समान बगैरा की परेशानी होती है इसके साथ में पहनने बगैरा के कपड़े तो बेकार ही होते हैं तो देखा जायेगा। भली हूँ या नहीं।

बेटा अभी तुम चार पत्र चलाता क्योंकि तुम

अभी बहुत ही छोटे हो। हाँ यह बात भी तो अवश्य
हुई कि पुत्र प्रवीण के लखनऊ में [illegible] चला गया थे
गत सन पूछने [illegible] सेवक को मिली [illegible] पता चलता
पहले का बड़ा लगता है।

बेटा मैं तो तुम सबों के मिलने के वास्ते
बहुत बहुत ही ध्यान रखती हो। हाँ तुम सबों को मेरी
तो तुम्हें देखना पड़े है।

चिरंजीव नाम के जो हमारे मकान के पीछे शिवकुमार
रहते हैं उनके लड़के रितेन्द्र का विवाह देहरादून में
हो गया है वह [illegible] है और 24 जून को उनकी
शादी भी हो गई है। शिवकुमार व रितेन्द्र की पत्नी
बहू के लखनऊ यहाँ पर आने से बहू को घर बैठा
प्रवीण नाम शिवकुमार व रितेन्द्र की पत्नी देख
चले गये हैं यहाँ पर भी रहकर तो बहू को लेकर जाने के
बहू अच्छी है और ये भी नये उनके घर पर गई थी
विचार बहुत ही प्यार वाले हैं। हमारे मकान के ग्यारह
रह गई हैं। मेरा स्कूटर भी बैठा था प्रमोद ले
गया था। इच्छा बेटा पत्रोत्तर शीघ्र ही देना
चि॰ प्रवीण व गुड़िया को मेरा आशीर्वाद व प्यार

तुम्हारी शुभाकांक्षी
[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २८।१०।1972

प्रिय चिरंजीव सत्येन्द्र देव जी भाग्यवान रहो

तुम्हारा १२ता० का पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए।
तुम्हारा भी पत्र मिला था और मैंने भी तुम्हारे पत्र का उत्तर
दे दिया था आशा है कि वह पत्र भी तुमको मिल गया होगा
कमल चमेली रानी के कुशल के लिये पत्र नहीं पत्र आ
चुके हैं लेकिन मिलने का साधन होने से पता नहीं
हो रहा है अब दिनों से इसमें दिनशाम रेलवे चलेगी
जब घर पर जायेगी मैं भी उनके साथ चलेगी
चली जायेगी। और सोचा था वहाँ का नहीं हो रहा है लेकिन
इन्फ्लुएंजा वगैरा तो रहता ही रहता है वह सब आप लोग
भरे पर ही होवे हैं। मेरे विचार कुछ काम का होवे
परेशान रहते हैं हाँ। आज कल राजो भी पता नहीं क्यों
परेशान सा है जाने पर पता चलेगा।

अनवार जो वीरपाल वाहिने से तो ठीक है और दिल
तो जाते ही लगा है। लेकिन पता नहीं क्यों चक्कर आ रहे
और फिर उल्टी होने पर चक्कर बन्द हुए। मेरे ख्याल
इन्फ्लुएंजा वगैरा भाव चल ही रहे हैं।

तुमने लिखा है कि आपने यह बात तो ज़रूरी होगी कि
कुसुम के बारे में मालूम तो आपको आ रहा है
दो लड़कियां इनमें ज़रूरी तो बहुत है। चार वर्ष बाद में
देते रहेंगे वह दिलेंगे। लेकिन यह ज़रूरी अधूरी होती
रहेंगी इसी ज़रूरी को मन होवे तबहि चाहे आवे
तुम लोग ने जल्दी पर बच्चों को बहुत पर छोड़ना पड़ेगा
पता नहीं कैसे चिन्ता होना कैसे होंगे। और गिरधर शेखर
भी चिन्ता उसको होता ही है और गुड्डा बच्चों होने के
और ज्यादा चिन्ता है। गुड्डा को तो अपने बाप के लिए
भी नहीं चिन्ता है जैसे होता आने से होगा। और दिनेश
लोग बच्चों की टाफी भी सब इस लिखाई को नहीं पढ़ेगा
उनको तो इस बात को बहुत ही चिन्ता कर रही है यही चाहे
यहां पर इनको तो पता नहीं कितनी ज़रूरी होगी और
यदि गुड्डा की शादी नहीं हो रहे जाती तो जितनी कुछ
चिन्ता की बात नहीं थी। फिर तो शेखर भी गुड्डा के
बाद ही रहता। और शेखर को भी डर नहीं था। इतना
लिखे यह चाहते थे कि गुड्डा शादी कर लेती
अब तो पता नहीं इतनी जल्दी में शादी हो भी पायेगी
और हमने यह पता नहीं अब भी शादी करने को
तैयार है भी या नहीं।

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

[illegible]

Dated............197

[illegible]

परेशानी लगती है और सब चाय लोग इसका बोलना
गलत है। 10 साल से इतनी मिल रही होगी।

इधर कुछ पुस्तकें इसने तो लिखी है वैसे तो जब
छपती हों तब ही वो इज लिये देता माना तो इस
देना जा रही है। इसमें बात जरूर है कि वे बच्चे नहीं
मिल जायेंगे। बच्चों को देखना ही मेरे अच्छे
लगे तो नहीं रहा है क्योंकि उन को इस कुछ है ही
खर्च बीच का जाती लगता है और हैं खर्चा
ज्यादा होगा इसलिये मेरे मन पर खर्च बताता भी बस
बातें सोच कर लगा। आप के यहाँ अच्छा है कि
इस इतना मेरे गांव पर जो लगे बच्चों के लिए
खर्च को और यदि गरीब की सारी होती है तो
उस पर खर्च करने को अच्छा है। सब बात सोच
समझकर लगा वैसे और मेरा इतना इतना आवश्यक
नहीं है जितना कि बच्चों के लिये खर्चा लगता है क्योंकि
इन को यहां पर मिल ही जायेंगे। यदि आपको बच्चों को
देखना होगा तो मिलेंगे ही। मैंने इससे उन पत्र में लिखा
था कि अपने बाबूजी को अवश्य इन बातों का ध्यान
इनके पैसा पास नहीं। मिला होगा। वैसे इधर और

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

बाद का रुपया तो भेज दिया है
रसीद नहीं है। इसके जवाब को तो लिखना चाहिये
ही नहीं दिया था। फिर वहां पर इनकार हो तो वह
ही रुपया वापस लेना चाहिये।

प्रिय राजीव शेखर को मेरा बहुत बहुत
आशीर्वाद। यहां पर सब ठीक है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभकामी
प्रकाश वती

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated २४।१०।1979

प्रिय बेटे सुशील और उषा व चिरंजीव रहे

[illegible] का पत्र आया उसके पत्र से सब समाचार

ज्ञात हुये हैं। आलोक के पत्र से पता चला है कि अब

[illegible] तबादला [illegible] का हो गया है और [illegible]

[illegible] [illegible] पर [illegible] हो गया है।

और [illegible] को [illegible] है कि

[illegible] चार बजे [illegible] पर [illegible] थे। [illegible]

बच्चे की जगह से ज्यादा [illegible] हैं [illegible] पर

[illegible] रहेंगे। और यदि [illegible] तो वहां पर छोड़

[illegible] उसको तो चार बजे [illegible] है और यदि

[illegible] का जाता है तो यहां पर तो [illegible] नहीं [illegible]

[illegible] पर चार बजे तो लोगों [illegible] हो जायेगा

[illegible] [illegible] [illegible] है यह तो [illegible]

[illegible] है शायद [illegible] ए. के. की [illegible] [illegible]

नहीं होगी। और [illegible] [illegible] [illegible]

और फिर गुड़िया की इच्छा पर है।

केवल फ़ैशन पर होना सब ... विश्वास के
कुर्ती-बनियान पर तो फ़ैशनेबल लगता है पर होता
ही है। इसलिए ये ही उस ज़माने के इसलिए ज़माने
के होने पर फ़ैशनी लगती ही हैं यथा है कि
इस ज़माने के फ़ैशन नहीं होंगे। और मैं सोच रहा हूँ
कि इनमें से इन्हें पर पोशाकें रखा देना ही
है क्योंकि इन गुड़ियों और बहुत के लिये
नहीं होंगे लेकिन सोच समझ कर काम
करे इसके बारे में बच्चों को समझा देना
है क्या चीज़ें के ऊपर बच्चे को अवश्य
देखूंगा।

यहाँ पर सब ठीक ही है विशेष प्रयास
तो कृपया आशीर्वाद।

जवाब शीघ्र ही देना।

तुम्हारी सस्नेह
प्रकाश वती

लखनऊ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 15.10.1979

प्रिय बेटे शैल, तुम्हें प्रेम बहुत आशीर्वाद

तुम्हारा पत्र मिला सब समाचार ज्ञात हुए

बेटा तुमने पढ़ाई की वजह से पत्र नहीं लिखने में

देर हो जाती है कोई बात नहीं है समाचार तो

लोग बोल कर पत्र लिख ही जाते हैं। मैं तो पत्र

एक बार लिखता रहता हूँ। हाँ यह अवश्य है कि

शायद मैंने तुम्हें अभी दिसम्बर से पत्र नहीं लिखा होगा

मैं तेरा इससे नाराज क्यों होऊंगा। मैं तो बेटा तुम्हारा

शुभ चाहता हूँ। यह बात जानता हूँ तुम होते है

कि बेटा पढ़ाई तुम्हारा हो ही जायेगा। लेकिन तुमने पढ़ाई

करनी पड़ती है और मेहनत से ही सफलता

मिलती है। भगवान से यही प्रार्थना है कि तुम

जब बड़े पद पर जाओगे तो तुमने [illegible] [illegible]

होगी तुमने [illegible] नहीं लिया गया होगा और [illegible]

तो [illegible] ही [illegible] हो जायेगी [illegible] पत्र [illegible]

अब मैंने जाना तो तो लिखा था लेकिन अब तो
उद्योग धंधों पर भार है और व्यापार
पर पूरे कब्जा से और बदमाशी वालों से
परेशान हैं। और पेट भरने का भी सवाल इतना
होगा। मैं नहीं चाहती हूँ कि तेरे बच्चे यहीं
आकर परेशान हों। अतः तुम अपनी पढ़ाई को
ठीक प्रकार रखना। यहाँ पर सब ठीक है।

चि० राजेश को मेरा आशीर्वाद कहना
राजेश ने पत्र फिर लिखाये।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम सबको मेरी नये वर्ष की
शुभ कामनायें।

~~चंडीगढ़~~

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २१।१२। 1971

प्रिय बेटी ... सदैव सौभाग्यवती रहो। ईश्वर तुमको बहुत खुश रखे।
नव वर्ष आरम्भ आ रहा है। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम सबको
तो यह नया वर्ष भाग्यशाली हो। मेरा यह पत्र तुमको नव वर्ष के
आरम्भ में मिल जायेगा। आशा है कि सुशील को मेरा पत्र मिल गया होगा और
उसका तो लगता ही है मिल ही जायेगा। तुमने मिस कानपुर वाले गुड़िया के
विषय में क्या लिखा था लखनऊ से इस विषय में किसी का कोई पत्र आया
है या नहीं। अब अगर गुड़िया की शादी हो जाये तो यह समस्या हल
हो जायेगी। यदि यह रिश्ता अच्छा है तो कर लेना चाहिये लेकिन
खूब अच्छी तरह से छान बीन करना। अब इसकी शादी तुम्हीं
जल्दी कर जाये यही मेरी हार्दिक इच्छा है। अब गुड़िया शादी के
लिये तैयार हो जाये पता नहीं क्यों यह शादी करने को मना करती
है। सुशील की छुट्टियां तो हो गया है या नहीं यदि छुट्टियां हो गयी
हों तो फिर तो यदि तुमको वहाँ पर अपने बच्चों की खातिर रहना है
तो नौकरी छोड़नी पड़ेगी। मैंने तुमको एक पत्र और लिखा था
मिल गया होगा।

पड़ोसी लड़की चंचल आई थी। ...
में है चंचल के पति स्टेट बैंक में सबसे बड़े होशियार हैं और
उनके पास मामा जी कार्ड हैं। उन्होंने तुमको इधर पास आने को
पत्र लिखा था क्योंकि मामा जी की तबियत खराब चल रही है।

इस लिये मैं अपने जितने रुपयों को यहां से एक आदमी के

लेने गई थी और वहां से १२ बजे लौट आ गई हूँ। दिनेश

रामपुर बाग में रहते हैं। भाभी जी की तबियत ठीक नहीं चल

रही है वह कुछ दिन से बुखार में पड़ी हैं सब लोग मेरे आने पर

बहुत ही खुश हुए और बड़ी खातिरदारी से आने दिया है।

भाभीजी की पुत्रि आती थी है उनका बच्चा से तुम्हारे

बहुत ही तारीफ कर रही थी और कहती थीं कि आपके लिखा

से लोगों को कोई पत्र नहीं आया है।

नीलम कुमारी बहुत खुश था है देखा यह मेरा अब

१२ बजे को मेरठ बस के साथ पहुंच गई होगी मैं भी कुछ

दिनों में उनके पास जाऊंगी। मेरठ मैं आकर तुम्हारे बच्चों

की याद तो आयेगी ही लेकिन अब ठीकठाक हो जायेगा

उनको आराम जगह है। कुन्द के लड़की की शादी २८ तारीख

को हो गई है मैंने तुम्हें पत्र में लिखा था।

यहां पर सब ठीक हैं। आजकल मैं मधु के साथ

सिनेमा न देखने जाते हैं क्योंकि सिनेमा के बच्चों की परीक्षा

भी शुरू हो गई है। सिनेमा बाद में शनिवार मैं लेने के लिये

बच्चों को आयेगी। आशा है कि तुम्हारी तबियत ठीक होगी।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

कुन्ता बली

तुम्हें मेरी तरफ से बहुत शुभकामनायें चंदौसी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ३२।१२।... 1982

प्रिय बिटिया गुड़िया, तुमको मेरा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद

बिटिया तुमको नया वर्ष बहुत भाग्यशाली हो।

रोग के दौरान शैल को पत्र आया [illegible] हुई।

बिटिया तुमने पढ़ाई की वजह से पत्र लिखने का समय नहीं

मिला होगा और कुशल तो मिल ही जाती है।

तुम्हारी पढ़ाई के साथ खेल चल रहा होगा

मैं २५ ता० को बेटी अपनी भावना से मिलने गई थी

उसकी लड़की चेतना को [illegible] बेटी का हो गया है और

मैं वहाँ से १२ ता० को आ गई हूँ।

मेरे पेट [illegible] पर [illegible] तो बहुत

ही [illegible] हो रही है। [illegible] दिन गया

है और यह [illegible] ता० को पेट पहुँच गई होगी

अच्छे दिन मैं [illegible] पेट [illegible] के पास जायेगी [illegible]

तुमको अपने पास बुला रहा है। अब [illegible] तो

तुमने पेट को पता [illegible] लिख देगा।

अब तक यहाँ पर भी कड़ाका पड़ रहा है। यहाँ पर

भी एक जोड़ा ले होगा अपने जोड़े का ध्यान रखना

कपड़े कोई एक पहनना।

तुम्हारी फीस ठीक होगी परचा ठीक जा रहा होगा।

यहां पर सब ठीक है।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभाकांक्षी

प्रकाशवती

[illegible] शुभ आशीर्वाद।

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR, MEERUT~~

Dated 27।9।2। 1979

[illegible] सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

[illegible] बधाई और [illegible] शुभ आशीर्वाद। ईश्वर से प्रार्थना है कि [illegible] सुखी हो

[illegible]

[illegible]

तुम्हारी सब की याद तो आती ही है लेकिन तुमको भी
मजबूरी है। फिर ईश्वर चाहेगा तो मिलेंगे ही।

नीना पेटी आगया है जो रेल की खिड़की से
पार्सल के साथ पेटी पहुंच गई है। यह खुशखबरी
सुना रही है कुछ दिन में जब पेटी आयेगी तुमको लिख
दूंगी। पेटी में सब रिश्तेदार बिठायेंगे। यह
इच्छा है। उसके बाद यहाँ पर थोड़ा बदल होगा तुम सब
अपना ठीक ध्यान रखना।

राजे व बाबा को तुम सबको आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्माजी
प्रकाशवती

चिरंजीवी

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

**152, VIJAY NAGAR,
MEERUT**

Dated 23/12/1972

प्रिय बेटे [illegible] तुम्हारा पत्र पढ़ कर [illegible]
जब तुमने [illegible] से [illegible] बहुत सुविधाएँ [illegible]
इससे से जाहिर है कि तुमने नया [illegible] पसन्द किया हो।
मैं [illegible] को अपनी भाभी को देखने [illegible] गई थी वहां
से मैं २१ तारीख को रात को आ गई हूं। यहां से आकर तुम्हारा व
लोगों का पत्र मिला तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए।
मेरी तबियत बिल्कुल ठीक है। तुम चिन्ता मत करना
[illegible] ने तुम्हारा पत्र [illegible] तो दे दिया था पता नहीं तुमने उसका
जवाब क्यों नहीं दिया है। [illegible] ने [illegible] अपने पास जाने को
लिखा है [illegible] भी २१ तारीख को [illegible] पहुंच गई है अब मैं [illegible]
जाऊंगी तो तुमको लिख दूंगी। [illegible] इतना अच्छा तो
नहीं लगेगा फिर भी अपने [illegible] तो बहुत हैं। [illegible]
[illegible] ठीक है। मेरा मन तो [illegible] भी तुम सबको देखने को बहुत
ही कर रहा है लेकिन यही सोच कर रह जाती हूं कि अच्छा है वहां
पर बच्चे [illegible] होकर ही आयेंगे। और सुशील [illegible] बच्चों को
[illegible] से यहीं पर रहे तो अच्छा है [illegible] तुम सबको
तो देखना होगा तो देख ही लूंगी। [illegible] है
कि यहां पर [illegible] कुछ [illegible] ही आयेंगे। यहां पर [illegible]

क्या रखा है। बेटा तुमने तुम्हारे पत्र से यह जान कर

बहुत ही प्रसन्नता होती है कि तुमने कार चलानी

सीख ली है लेकिन बेटा कुछ घबराहट सी भी होती है

बेटा अभी तुम कार मत चलाना छोटे से हो। हमने तो

तुम्हें पेट पे कभी साईकिल भी नहीं चलाने दी थी यदि

आज दिन तुम्हारे बाबा जी होते तो पता नहीं कितने

खुश होते उनको तो सब इच्छायें मन में ही चली गई

तुम्हें पढ़ने के शौक में आप भी आगे पड़ता है बेटा

बेटा मन जाता होगा। सरिता को तुमको बहुत सी

हिम्मत दे। सिया, तुम्हारे टेस्ट ठीक हो गये होंगे

और सिया तुम्हारे टेस्ट में कार चलाने में बैठ रही।

आज कल यहां पर काफी जाड़ा पड़ रहा है और

वहां पर तो जाड़ा बहुत ही होगा क्योंकि वहां पड़ा है

कल इतवार था मैंने दो बजे से ८ बजे तक रामायण

विचार रखी है जिसके इतवार को [illegible]

[illegible] उठी थी। [illegible] साफ हो गई है

क्योंकि काफी दिन हो गये हैं और वहां से पोस्ट की चिट्ठी

भी नहीं आती होगी यह अच्छा है मुलाकात हो रही है

सरिता तुमको आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाश वती

बरेली
२२/७/१९७८

प्रिय चिरंजीव गुड्डी तुमको मेरा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद
तुम्हारा प्यारा सा पत्र मिला। आजकल तुम्हारे पत्रों ने पत्र
देख कर खुश होते रहते हैं। पता नहीं तुमको अभी तक मेरे
पत्रों से पता नहीं चला है कि मैं बरेली पहुँच गई हूँ। मैंने
यहाँ पर आने पर लोगों को देहरादून से ही पत्र लिख दिया
था कि मैं बरेली जा रही हूँ और तुम अब पत्र मेरे पास
बरेली ही भेजना। लेकिन शायद तुमको मेरा वह पत्र
मिला नहीं होगा। मैं देहरादून से २६ जून को चलकर
आ गई थी क्योंकि राज के बाबा हरिद्वार में पापाजी के
रहे और फिर राज बाबा व मैं इसके बाद में २८ जून
को बरेली आ गए थे। बरेली आने पर भी मैं लोगों
को पत्र लिख चुकी हूँ। लेकिन तुम्हारा यह पत्र भी देहरादून
होता हुआ यहाँ पर आया है। राज के नये मकान में
है। सुशील के पास तो घर का नये मकान का पता है
तुम्हारे पत्र के साथ में शुभकामनाओं की तितली
आई है तितली सुन्दर है देख कर बहुत ही अच्छा
लगता है। तुम चित्र बनाना सीखती हो। चिड़िया अब
तो तुम्हारी शक्ल भी क्या ऐसी ही हो गई है तुम्हें भी
याद करके ख्याल हो गई है और बात याद नहीं रहती है

काफी दिन तक सुन गाती [illegible] इधर बात पूछती हूँ तो
फिर गाना सीख ही रही मैं सुन [illegible] गाती हूँ। यदि मेरे पत्र आने में
देर हो जाती है तो तुम चिन्ता मत करना करो। मुझको पूरा
विश्वास है मैं अपनी ज़िन्दगी में तुम सबों से अवश्य मिलूँगी
और अब तो [illegible] मिलने के दिन [illegible]
यह अच्छा है तुम्हारे साथ तुम्हारे बाबा जी का आशीर्वाद
[illegible] है सुन लेती है। सुशील उन दिनों में [illegible]
तो उनको [illegible] दिन जाती है यहाँ पर तो [illegible]
कुछ पता नहीं है [illegible] में [illegible] हैं यदि [illegible]
[illegible] है तो फिर भी नहीं [illegible] हूँ।
[illegible] यहाँ पर [illegible] है ही लेकिन [illegible]
नहीं पड़ी है। [illegible] हवा [illegible] है।
तुमने लिखा है कि सुशील ने लोगों को [illegible]
[illegible] रही है पता नहीं [illegible] बात है [illegible]
देखकर [illegible] रहे हैं। लोगों का [illegible]
[illegible] है अपनी [illegible] [illegible]
[illegible] हो गया है [illegible] चिन्ता होती है [illegible]
[illegible] है। मैं [illegible] के पत्र लिखेगी। पता नहीं उसने
पत्र का उत्तर क्यों नहीं दिया है। तुम [illegible] बहुत ही [illegible] है
[illegible] अपने बच्चों को [illegible] पायेगी। यहाँ पर [illegible]
[illegible] हो गया है और [illegible] हैं।

लोग के बाद से पत्र लिखेंगे पर लिखना मेरे पास बहुत दिन से रखा हुआ था इस

लिये इसलिए पत्र लिख इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये No Enclosures Allowed रही हूं। वैसे रखा हुआ खराब नहीं हो गया है

उन बच्चों को यहां पर बहुत [illegible] बाकी सब ठीक है सबके शरीर का ध्यान रखना

[illegible] [illegible] याद [illegible] है और मेरे पत्र में [illegible]

नहीं। वैसे तुम बच्चों की [illegible] है

तुम [illegible] पत्र [illegible] पत्र लिखने में [illegible] परेशानी सी होती है

[illegible] पत्र [illegible] है। 22 सितम्बर को [illegible]

[illegible] यहां [illegible] लिखवाने को कहा था। [illegible]

यहां के [illegible]। [illegible] ठीक ही [illegible]।

[illegible] में सब ठीक है। यहां पर भी सब ठीक है। [illegible]

[illegible] शरीर का ध्यान रखना

[illegible] है तुम सब [illegible] तुम्हारे बच्चों को आशीर्वाद

लोग के बाद में पत्र लिखेंगे।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

कसौली

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated २६।७।197५

प्रिय बिटिया गुड़िया तुमको मेरा बहुत प्यार
व आशीर्वाद

आशा है, तुम ठीक प्रकार से होगी और, तुम्हारा
काम पूरा ठीक चल रहा होगा।

कल २० ता० को रक्षा बन्धन है, तुमने
शैल प्रदीप ने राखी भेजी होगी। तुम दोनों
बहन भाई तो यह त्योहार ठीक मना रहे।
उनको तुम दोनों की बहुत याद आती है रोज
वह फिकर होता है।

कल दिन से दिनेश कालिया आये हुए हैं
२ ता० को चले जायेंगे। यह सब ठीक हैं।

तुम्हारा पत्र आठ दिन से नहीं आया है
और उत्तर तो लोगों ने पत्र लिखकर ही जाना
है। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा
प्रकाशवती

काम ठीक चल रहा है। और सब अपने स्थान पे

प्रसन्न होंगे। इस समय अपनी [illegible] को [illegible]

[illegible] कुशल से चलता है। [illegible] बड़े गुड़िया

के साथ भी खेल कूद हो गये होंगे। अभी गुड़िया की

शादी की कोई बात नहीं बना है। [illegible]

बाद शादी के लिए पैसे में कोई [illegible] नहीं होगा

बताने में भी कोई [illegible] नहीं। [illegible] है [illegible] है

नरेन्द्र [illegible] सब ठीक होंगे।

इलाज फिर [illegible] जी। [illegible] गया है

यहाँ के डॉ. ने [illegible] बाद फिर [illegible] यहाँ

का पता करने पर पता चलेगा डॉ. ने क्या बतलाया है

[illegible] यहाँ से [illegible] लेंगे। [illegible] में चिन्ता गई

है। यहाँ पर [illegible] है। [illegible] दिन

[illegible] हो गई और सब को घर में [illegible] है और

[illegible] नहीं कर रहा है। [illegible] यहीं पर [illegible] पढ़ाया

है। इनको इस [illegible] पास जाता है [illegible]

[illegible] दिन शीघ्र ही [illegible] जायेंगे [illegible]

हो गये हैं। [illegible] अपना ध्यान रखना।

रहा ये कुशल से चलता है। [illegible] को

आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी अम्माजी

प्रकाशवती

चंडीगढ़

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 26.6.71 1972

प्रिय निर्मला योग्य सदैव सौभाग्यवती व प्रसन्न रहो

तुम्हारा पत्र रानी के पत्र के साथ में मिला

समाचार ज्ञात हुए। तुमने तुम्हारे पत्र में रेवाड़ी का

ज़िक्र किया था। पत्र से देश का कुछ दिनों से नया समाचार भी

हो जाता है। लेकिन तुम सबको देखकर ही याद आती है

पता नहीं इस ज़िन्दगी में तुम सबको देख भी पायेंगे।

वैसे तुम लोग परेशान न होना, हमको कोई दिक्कत या कष्ट

कोई परेशानी नहीं है लेकिन काफ़ी मन परेशान सा हो

जाता है। वैसे उम्मीद है अब हम तुम सबको ही देख

पायेंगे। और तुमने पत्र में लिखा है। [illegible]

ने गलत बात सोचे के लोगों मैंने बात सोचा लेकिन

उसमें रही बात है यह [illegible] लोग है। कुछ लोग ये

समझा कर उनको लिखना। वैसे देश को कोई दिन

जाता है तो परेशानी तो होती ही है। अब तुमने

सोचा तो फिर नहीं पाती होगी मन लगाया का

पर लेती होगी।

यह जानकर प्रसन्नता होती है कि तुम रेखा को

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

[illegible]

Dated [illegible] 197[illegible]

[illegible]

कुछ एक सम्मान अर्जित किया। इसी से कुछ-कुछ

जगमगाते हैं। प्रबोध रघुवंश को अच्छी रिपोर्ट

गया है और मैं इसलिए बाद में। रिपोर्ट को वहाँ

था उतना नहीं था उनसे पर पता उन्हें ही पता चलेगा

उन्होंने क्या बतलाया है।

अच्छा है कुछ लोगों की सफ़ाई करनी है

हिन्दी भाषा की सब संस्थाएँ। ऐसा होगा।

गुप्त जी के स्मरण की प्रति के साथ एक पोस्ट

कार्ड भेजा होगा। इसको सोचते बैठे थी एक बड़े र

हो गये होंगे। आप भी इधर से यहाँ आ रहे

हैं वहाँ पर कुछ एक पोस्ट करें इसी से कुछ

जानते हैं। पिछले दिन से बातचीत से और पत्र

नहीं आया है क्योंकि है एक पोस्ट ही होगी।

लिखें के बाद का कुछ एक तैयारी कीजिए

विशेष गुप्त जी को इस पत्र की बहुत याद

के साथ भेज रहा हूँ। प्रसन्नता होगी ही होना।

प्रबोध ने कुछ पोस्टकार्ड भेजा है (1) सस्नेह

ने लिखा था पत्र के पास है

तुम्हारा भाई

उसी को लिख देता हूँ उनको

लिख नहीं पाए हैं। ... प्रबोध ने लिख दिया होगा।

लखनऊ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated ~~.........~~ 197२

चिरंजीवी गुड्डी तुमको मेरा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद

तुम्हारा पत्र [illegible] होता हुआ मुझको देहली में मिला था मैं परसों से पिछले [illegible] देहली आ गई थी और अब तुम्हारा के साथ में लखनऊ आ गई हूँ। आज [illegible] है उस तरह तो मेरी [illegible] [illegible]। [illegible] मेरे [illegible] ही देहली पहुँच गई थी और परसों ~~[illegible]~~ [illegible] [illegible] को लेने देहली गया है वह उनको लेकर २५ तारीख को यहाँ पर आ जायेगा। यहाँ पर आजकल बहुत [illegible] हो रहा है यहाँ पर [illegible] [illegible] में [illegible] है। [illegible] में तो बस [illegible] ही हूँ। देहली में मेरी तबियत कुछ [illegible] नहीं चल रही थी अब ठीक है। [illegible] [illegible] है अब तो कुछ [illegible] ही मिलने से रह गया है मेरी [illegible] में नहीं आता है इसलिए यहाँ पर जब [illegible] मैं तुम्हारे पास आऊँगी और [illegible] [illegible] हूँ [illegible] [illegible] जायेगा।

[illegible] तो समाचार तुम्हारे पत्र से ही चल जाता है [illegible] [illegible] तो मैं अपनी तबियत खराब होने के कारण

अनुपमा वगैरा किसी के पास भी नहीं जा पाई हूँ।

मेरा पेट में पेट खराब रहता था अब तो यहां पर आकर ठीक है इनको खाना व नौकर से बहुत ही रोना नौकर से इतवार के साथ यहां पर आ ही गई।

प्रिया का पत्र तुम्हारे पास आया उसमें है उसने उधार दे दिया। तुम्हारा पत्र मिलते ही उसको तब रुपया भी उधार देने में अब अफसोस करता जाने लगा है यदि दोनों पत्र में देर हो जाए तो तुम जिल्ला पता करना और पत्र बराबर लिखते रहना। तुम सबको भी पास तो अकेले ही रहते है पता नहीं वह कौनसा शुभ दिन होगा जो हम सब मिलेंगे।

इतवार पेट में दवाई लेकर जी के पास शुशील के लिये बाद के गया था मैं भी दवाई चली गई थी यार्ड लेकर गया था रहे तो यहां पर कुछ ही देर नरेन्द्र बिचारे बहुत कमजोर हो गये हैं उनको भी हाथ की बिमारी लग गई है। मैरे सब से मिलना हो गया

प्रिय मधु शैलू को मेरा आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 22/11/1975

चिरंजीविका जोग [illegible] सौभाग्यवती [illegible]
[illegible] है। तुम लोगों को [illegible] दिवाली
की शुभकामनाएं। [illegible] हो गया [illegible]
को [illegible] पहिले [illegible] आ गई थी। [illegible]
पर [illegible] ने [illegible] आ गई हूँ
यहाँ पर सब ठीक है। [illegible]
[illegible] गई थी [illegible]
गया है और वह [illegible] १४ ता० को यहाँ पर
आ जायेगा। यहाँ पर [illegible] और [illegible] हैं
आशा है [illegible] सब ठीक होगा। [illegible]
[illegible]
[illegible] हूँ। [illegible]
[illegible] लगा है। [illegible]
[illegible]
आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी [illegible]

प्रकाश वती

[illegible]

प्रिय बेटे सुशील सदैव प्रसन्न व चिरंजीव रहो

तुम्हारा पत्र शुक्रवार को प्राप्त हुआ समाचार ज्ञात हुए। शुक्रवार को देहली के पेट्रोल [illegible] तुम्हारा पैकेट भेज दिया है आशा है तुमको वह कागज जो बताये थे मिल गये होंगे। पेट्रोल में [illegible] भी तुम्हारे बाप के पेट्रोल आना पड़ा था। वहाँ पर जाकर तुम्हारे बाबूजी को मुझसे बहुत [illegible] आता रहा। शुक्रवार विचार से भी तुम्हारे बाप में बहुत भागादौड़ी और पहले बाप हो गया और आशा है अब तुम्हारे पास वह कागज भी पहुँच गये होंगे। और यह तक बाप ठीक हो गया होगा।

इस तरह को दिवाली की शुभ कामनाएं। प्रिय [illegible] को देना बहुत सा प्यार व आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

१३-११-७२

[illegible] तुम्हारी [illegible]

[illegible]

यह तुम्हारे हिमानी को
शुभ आशीर्वाद।

लखनऊ

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

१९७४
Dated २८।११।...197

चिरंजीविता सोभाग सदैव सौभाग्यवती व प्रसन्न रहो।
तुम्हारा यह पत्र कल यहाँ पर दीपावली पर्व
से एक सप्ताह पश्चात प्राप्त हुए। मैंने तुम्हें पत्र लिखा था
परन्तु डाला नहीं था। ये नरेन्द्र जी तो देख कर [illegible]
तो [illegible] हो गये हैं। मुझे पता नहीं है नरेन्द्र कहाँ पर
ऑपरेशन कराने जायेगा। मैं तो चाहता है जल्दी
जावे स्वस्थ विचार करता हूँ सारा चिन्ता न रहें और
अब ईश्वर से यही प्रार्थना है ठीक हो जावे।
कमला तीन दिन से देहली से दौरे गये हैं
शायद कल दौरे से आयेंगे वहाँ से आकर इनको
कैसा ठीक लिखेंगे कहेगा। मैं तो तुम्हें
नहीं जानता हूँ इसको तो इतना बड़ा आदमी
१२ रुपये तारीख को याद नहीं है।
सुनीता [illegible] यह आज दिन बातों ने
एक कागज नेकाद्दा ने तुम्हारे पास देखो दिये
है आशा है तुम्हारे पास पहुँच जायेगा पत्र
पहुँचते ही लिखना।

सुमन को पास हो गया होगा। कुसुम ने दादा को [illegible]

लग गया है और कुसुम ने [illegible]

भी तुमको लिख दिया है एक तो इस बात पर

तो न तो रहो। प्रेम को पत्र लिख देना

परेशानी हो रही है। पत्र आज लिखे दो दिन हो

गये हैं बेटी पास भी नहीं हो गई है। मैं तो

बहुत [illegible] हो गई। [illegible] रुपया [illegible]

[illegible]

[illegible] हो गया है।

चि. सुशील कुमार शर्मा [illegible]

प्यार व आशीर्वाद।

दयावती शीघ्र ही देना।

तुम्हारी [illegible]

धन्यवाद है [illegible]

पास भेजना है।

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,
MEERUT~~
लखनऊ

Dated 28-6-197

प्रिय चिरंजीवी सचिन सहित सौभाग्यवती को
खुश रहो

मैंने अपनी कुशलता का एक पत्र लिखा है आशा है मिल गया होगा। यहाँ पर हम सब ठीक हैं। आप सबकी भी कुशल ईश्वर से चाहती हूँ। आशा है आप सबकी तबियत ठीक चल रही होगी। और सब बच्चों को याद आती है। बच्चों का यहाँ पर मन तो लग गया है। आगे अब यहाँ पर एक गर्मी हो जायेगी। बहुत से लोगों को इससे यहाँ पर बाहर जाना होगा। मेरा विचार अभी तो यहाँ पर रहने का है। [illegible] [illegible] गए हैं। बाकी यहाँ पर सब ठीक है।

शायद तुम्हें पता चल गया होगा [illegible] के बाद घूमने गए हैं शायद इतवार बाद आयेंगे।

गोविन्द व मोहन ठीक ही होंगे।

चि॰ गोविन्द की शादी का क्या रहा शायद अभी तो कहीं का कुछ निश्चय नहीं हुआ है पता नहीं इसकी शादी का कब नंबर आयेगा।

आज कल यहाँ पर इम्तहान हो रहे हुए हैं। विद्यार्थियों के सिर्फ परचे ही खेल रहे हैं। जो जो बच्चे पढ़ने पर मौके उम्मीद नहीं रखता पढ़ता है। यदि नौकरी के वास्ते सब यहाँ पर आते हैं अब मकान बहुत लोगों के पास में हैं वह मकान में ही रहते है शायद यहाँ पर आयेगा।

इसको यहाँ पर भी ज्यादा कुछ हो गया होगा लेकिन देश के लोग तड़प रहे गये हुए हैं यहाँ पर किसी तरह से कुछ लिखा रहा है। कुछ पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

प्रिय कुसुम व गोविन्द, मोहन को मेरा बहुत सा प्यार व आशीर्वाद।

तुम्हारा शुभचिन्तक

प्रकाश चन्द्र

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated [illegible] 197

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

[illegible] बात है। कलम नहीं
चल रहा है इसीलिए इतने देर से
आज लिख रहा हूं। कुछ पता नहीं
कैसे लिखा जायेगा। यदि नहीं लिख सकूं
तो कैसे काम चलेगा। तुम सबों की बहुत ही
याद आती है। कुछ याद भी बहुत कमजोर हो
गई है। तुम पत्र जल्दी 2 लिखवा रहा करो।
यदि मेरे पत्र में देर हो जाये तो चिन्ता मत
करना। तुम तुम्हारी बच्चों की कुशल का पत्र शीघ्र
ही लिखती रहा करो। रीना स्कूल जाने लगी है
उस बच्चे की बात ही याद आती रहती है। पता नहीं
कब देख पायेंगे। तुम पत्र जल्दी 2 लिखती रहा
करो यदि तुम्हारे पत्र में देर हो जाती है तो चिन्ता हो
जाती है। आशा है तुम्हारी तबियत ठीक रहती होगी
बच्चों को मेरा आशीर्वाद। जवाब शीघ्र ही देना

तुम्हारी अम्मा जी
[illegible] बाबा

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated [illegible] 197[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

अपना ध्यान रखना।

[illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL
1522 VIJAY NAGAR,
MEERUT
Dated ....

[illegible]

[illegible]

आशीर्वाद

[illegible] तुम्हारा पत्र मिला। मैं तुमको शायद [illegible] पत्र नहीं लिख पाई हूँ। [illegible]

[illegible]

आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र देना

तुम्हारी [illegible]

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.................197

प्रिय [illegible]

[illegible] पत्र मिले [illegible]

हुये। [illegible] पत्र लिखने में [illegible]

[illegible] होती है [illegible] लिखने में [illegible]

[illegible]। यदि [illegible] लिखने में [illegible]

[illegible] पत्र [illegible]। पत्र के

[illegible] पत्र तो [illegible] ही रहता है

[illegible]

[illegible] है। [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] है [illegible] ठीक ही

[illegible]। [illegible]

[illegible]।

[illegible] ठीक [illegible]

[illegible] ठीक [illegible] होगा।

छपे लेखों की कतरनें पास भी आती हैं

रहती हैं। अब तो सुनने [illegible] के [illegible]

भिन्न [illegible] है। ये कुछ बात ऐसी होती

होती न समझती है।

यहां पर सब ठीक है। कुछ भी [illegible] है

[illegible] ठण्डक होने लगी है। धूप आजकल

बहुत अच्छी लगती है। इसी कारण

स्वास्थ्य है। [illegible] को [illegible]

लगी है। [illegible] को [illegible] की कुछ

[illegible] को [illegible]।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी शुभचिन्तक

प्रकाश वती

११५९१३

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated.................197

प्रिय [illegible] सोमेन्द्र, शैलेन्द्र जो आनन्दवती व पुत्री प्रि[illegible]
उषा बहू की तबियत ठीक है [illegible] सब [illegible] है
इन्द्रपाल जी के पत्र मिले पढ़कर हाल
मालूम हुआ। उषा बहू की तबियत खराब रहती है
अब तो पता नहीं अपनी जिन्दगी में उषा बहू से
मिल भी पाऊँगा। तुमने एक पत्र लिखा है
बहुत से शब्द छोड़े हैं। निवेदन यह है कि
अब तारपुर है [illegible] जीवनकाल में [illegible]
और [illegible] हो [illegible] शायद २२ [illegible] पहुँच
जावेंगे। मैं इनसे [illegible] नहीं गए हूँ। [illegible]
तारपुर से [illegible] दिन बाद में [illegible] [illegible]
[illegible] होता था। फिर किसी [illegible] देखना
पड़ेगा। मैं राजा के पास गए हुए थे [illegible] दिन
हो गये हैं। उषा बहू की याद तो बहुत आती
रहती है। अब तो पता नहीं अपनी जिन्दगी में
उषा बहू को देख भी पाऊँगा।

उस की पढ़ाई इतने दिन बाद किसी एक ही होगी

और तू तुम्हारा पद आप ही तुम्हारा पत्ताओं

होगा। तुमने को पता होगा पहले से ठीक

आप अब जीते ही होगे। तब निरीक्षण से पत्र

इन्द्रा को लिख था बोलेन्द्र जी नहीं आया है

अब नहीं आया काम है। तुम्हारे पास के पत्र

जल्द देखे होगे।

आशा है तुम्हारी कोशिश कोई ठीक होगी

अपना ध्यान रखना। शरीर एक बार ही ठीक

नहीं हो पाता होता है। अब नहीं तब फिर

पछताओगे। फिर तुम्हें के बच्चों को बहुत सा

प्यार। चलता हूँ घर ही रोज।

तुम्हारी माँ जी

प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated 197

चिरंजीविनी [illegible] तुमको ढेर बहुत सा प्यार व आशीर्वाद

और दिल से दुआएँ नहीं पत्र नहीं [illegible] है [illegible] है

आप लोग सब प्रसन्न होंगी। हां तुम्हारा पत्र आया होगा

उसमें लिखा है कि हमने मकान बनवाया है और अब

उसमें रहने मकान में चले गये हैं तुम्हारे पत्र [illegible]

और [illegible] होता है आप लोगों ने नये मकान [illegible]

[illegible] [illegible] आप लोगों को नये मकान में [illegible]

[illegible] [illegible] होगा। सुशील [illegible] गुड़िया [illegible]

नये मकान में जाने की बहुत बधाई हो। तुम्हारे [illegible]

को आप लोगों को याद करते हैं। [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] हुए बहुत प्यार को दी। [illegible] जयकांता।

आशा है तुम्हारा [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

होवेगा। और तुम्हारे पास [illegible] [illegible] के [illegible]

[illegible] होंगे। सब को तुम्हें आशीर्वाद।

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। तुम्हारी दादी

प्रकाश वती

Dhanpat Rai Gupta
152, VIJAY NAGAR,
DELHI

Dated ....197..

[illegible]

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated.................197

[illegible]

वैसी शादी से पहिले तिलक पर लखनऊ पहुँच जायेगा उस
चिन्ता पड़ जाता। उस दिन पत्र की चिन्ता पड़ जाती थी
इस पुत्र का पत्र मिलने से उसकी [illegible] हो जाती है।
उस प्रकार शादी की [illegible] पत्र [illegible] जिसका इसको
पर तुम्हारा पत्र से हो जाता है कि पुत्र चिन्ता हो जाता है
कि शादी से पहिले लखनऊ पहुँच जायेगा।
तुम्हारा पत्र [illegible] लिखा है पर [illegible] है पर
बच्चे ने रक्खा है तो ठीक है। [illegible]
रखाई के [illegible] तो एक ही जगह है जिसमें गृहस्थी ही
रखी होती है। इसलिये तो गृहस्थी वहीं ही होती है।
पर ईश्वर देता [illegible] है तब बहुत ही पुत्र रहें
शादी के पहिले लखनऊ पहुँच जायेगा। उस दिन से चिन्ता
हो जायेगा। [illegible] कि [illegible] पर [illegible] हूँ पुत्र
तब वे प्यार से रखते हैं। तुम्हारा बाबूजी ने पहिले पुत्र
नहीं पर [illegible] हैं।
शेष खूब [illegible] गया होगा। [illegible]
[illegible] ही [illegible] है। [illegible] हो
[illegible] एक [illegible] की शादी पर [illegible] ही। [illegible]
[illegible] बहुत ही [illegible] है [illegible] हूँ तब पुत्र
को प्यार से रखते हैं तुम्हारे बाबूजी ने इस बात की बहुत ही
चिन्ता की [illegible] है [illegible] हो।
[illegible] है [illegible] है [illegible] हो।

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
~~MEERUT~~

Dated..............197

[illegible]

बाद में बात ही जाती रहती हो। रेल में
उसकी टि-टी से लिफाफे भी पहुँचेगी
आशा है तुम सबने भी बाद रक्षाबन्धन
रहा होगा मेरा शुभ आशीर्वाद है। मेरे पत्रादि लिखने
में तो देर हो जाया करे तो तुम चिन्ता मत करना और
तुम सब मुझे बराबर पत्र लिखती रहा करो।

चि. मीरा का पुरोहित राम कुमार से होगा
उनको मेरा बहुत बहुत आशीर्वाद। बालकृष्ण सब
से पुरुषोत्तम को पत्र जरूर लिखते रहा करो। यदि
पत्र आ जाता है तो मन शान्ति सी हो जाती है

तुम अब का क्या खयाल रहती हो। मेरा
मगर तो बहुत होते हैं लेकिन जाता है बाद बच्चों पर छोड़
देने के लिये तुम नहीं है मैं तो अब नहीं जाती हूँ।

पवन कौशल से राम कुमार से होगा।
चि. प्रवीन के बच्चे को मेरा बहुत बहुत आशीर्वाद
व प्यार। तुम सबको तो याद तो आती ही रहती है।
रक्षाबन्धन है तुम सब राम कुमार से रहे
मेरी शुभ आशीर्वाद सबको ने मेरी शुभ आशीर्वाद

पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारी अम्मा जी
प्रकाश वती

लखनऊ

प्रिय निशीथ सौरभ जैन [illegible] को आशीर्वाद खुश रहो
तुम्हारा २४ का लिखा हुआ पत्र मिला पत्र
से सब समाचार ज्ञात हुए। तेरे [illegible] बड़े भाई का [illegible]
नये मकान में चले गये हैं और नये मकान का [illegible]
[illegible] में रहेंगे। अभी [illegible] [illegible] [illegible] लिखा है
और वह पुराना मकान खाली कर दिया है। अब नये मकान को
[illegible] [illegible] [illegible] हैं। [illegible] जो नया मकान बनने की खुशी
है [illegible] [illegible] और बच्चा नहीं हुआ है उससे दुख
होता है [illegible] [illegible] होने से घर का वातावरण ही बदल
जाता है। लेकिन [illegible] [illegible] की बात है। [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] की बहुत अच्छी रही इसी की [illegible]
पास [illegible] ही रही। [illegible] [illegible] [illegible] लोगा [illegible]
[illegible] [illegible] पर [illegible] [illegible]। [illegible] [illegible] नहीं [illegible]
[illegible] की [illegible] आयेगा [illegible] [illegible] है [illegible] [illegible]
[illegible] खुश रहो और [illegible] [illegible] [illegible] की [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] जिन्दगी में [illegible] [illegible]
[illegible]

[illegible] की ओर से [illegible] चिन्ता होती है
[illegible] [illegible] [illegible] है [illegible] [illegible] [illegible] नहीं
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है जो [illegible] की [illegible]
[illegible] [illegible] है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] जिन्दगी का सुख
[illegible] है। [illegible] की ओर से उनको भी चिन्ता रहती है
[illegible] पत्र [illegible] [illegible] उतना [illegible] [illegible] था वह [illegible]

पत्र को उत्तर। लिखा है इस चिट्ठी की लिखावट तो ही है
सकती है। गर्मी के बच्चा पेट में है। इन्दिरा के पास होगा

अच्छा है उसने इलवाई की बाबा योग्य बनाती है
यहाँ पर तो मौसम देखना पड़ता है और घर पर अपने
देख ही रहता होगा यह अच्छा है पत्र के दो एक
ही नए नेता होगी अच्छा है मोटे भी ज्यादा होने से
होने है। लेकिन इस कागज पर लिखने का मूड नहीं होगा
यहाँ पर बनाए में तो कभी भी मिलती नहीं होगा।

यह कागज का लिखना है। दादा की बातें थी
और दूसरे दिन ही हर गांव नहीं था लेख मेरा मन
करती है। और नुकसान हो गया।

सबको इस तरह को देखने को बहुत ही मन
करता है। मेरी याद आती बहुत ज्यादा हो गई है नाना
पड़ोसी बात नहीं याद रहती है। सब गलती करते
जाती हूँ। और याद पड़ोसियों को देख रही थी तो बहुत
हो गई है। आपका इलाज भी सभी मिल नहीं इसके
इन्तजार हैं। उनके देखने की जरूरत है पर पर्व में
होगा तो ठीक ही रहेगा। मैं यह इसके लिए पर
गई थी की नई हार हुई है बहू के लिए शायद
मिलते पाये तो देगा इसे भी नई भी उनके पास नहीं
रहती है। और के भी क्या होगा यह पता नहीं कब तक
होगा। सिर्फ उसके [illegible] में [illegible] के प्यार
बच्चों को अपने आशीर्वाद। परन्तु [illegible] ही देना। तुम्हारी
अम्मा की प्रकाश वती

देहरा दून

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated [illegible] 197[illegible]

प्रिय बिटिया राधिका तुमको मेरा बहुत [illegible] आशीर्वाद

तुम्हारा पत्र मिला समाचार ज्ञात हुए।

अब तो तुम्हारे [illegible] के दिन पास में ही आ रहे हैं। तुम लोगों को देखे हुए भी बहुत ही दिन हो गये हैं। [illegible] ही मिलना होना चाहिये। तुम [illegible] [illegible] बन गये हो। मेरा मन तो तुम्हारे पास आने को करता ही है लेकिन अब मेरा शरीर कहीं जाने लायक नहीं रहा है इसलिये [illegible] जाने की हिम्मत नहीं होती है।

यह अच्छा है कि तुम्हारी शादी [illegible] से होती है तो ठीक मिल लेंगे। [illegible] जब तुम शादी [illegible] हो [illegible] बता दो। अब मेरा शरीर कहीं पर जाने लायक नहीं रहा है यहां पर भी [illegible] में [illegible] जाता हूँ तो [illegible] [illegible] हुए [illegible] जाता है। अब तो इस [illegible] को [illegible] को बहुत [illegible] है। तुम [illegible] [illegible] [illegible] वाली रहती हो। [illegible] तो [illegible] बाद भी बहुत [illegible] होगा। अपने शरीर का ध्यान रखना। [illegible] भी तुम्हारी शादी [illegible] होने पर [illegible] जायेगा।

सबको आशीर्वाद। पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारा [illegible]

[illegible]

प्रिय बिटिया सोना तेरा पोस्टकार्ड मिला कुशल है

डॉ. हिम्मत के इलाज और पैर नहीं जमा है

आशा है तब ठीक होगी।

अब तुम तक गुड्डा की शादी बाद बाजार लेकर

आ गई हो लालपुर वाला फ्लैट पक्का होगया होगा और

और शादी की तारीख भी पक्की नहीं होगी।

शादी निश्चय करने पर ही गुड्डी से मिलने इलाहाबाद जाती

बालक लालपुर जायेगा। यदि दोनों वहां जाना तो मैं तो

शादी के बाद घर आ जायेगी। शीला ना साथ जिन्हें पर

होटल के पास प्रशान्त है जहां जाना नहीं है

हिम्मत नहीं होता है। अब हिम्मत के इलाज से मेरे

और पैर नहीं जमा है। फल नहीं कर पाता है। आप यहां

वो नहीं मलिहता हो चले। यह तो इलाहाबाद ही है पर

पैर नहीं जमा है तो अब मुझको चिन्ता हो जाती है।

फिर शेखर घर पर ही है पर नहीं बाहर गया है। आशा है

बच्चे मैं सब ठीक होंगे। मैं ज्यादा नहीं लिख पा रही हूँ।

आशा है तुम सब ठीक प्रकार से होंगे। और बाकी सब

ठीक पत्र डाल देना। प्रिय गुड्डी व बड्डा शेखर को देखकर

सब प्यार व आशीर्वाद। पत्र भी देती रहना।

तुम्हारी माँ आशीर्वाद

subodh
kumar
bansal

ghar-bansal-ka
44 east canal road
dehradun-248001

chitra
bansal

देहरा दून
२५ अप्रैल

प्रिय चिरंजीव सुबोध तथा सौभाग्यवती व खुश रहो।

तुम्हारा पत्र आज मिला पत्र से तेरा समाचार बहुत ही प्रसन्नता हुई है। क्योंकि सुबोध का तुम्हारा पत्र देखकर बहुत ही दिल से लिया है। अब तो मैं भी तुम लोगों को हर हफ्ते में पत्र लिख पाती हूं। पहिले तो तुमको पत्र लिखने को हाथ चाहता था पर तो पता नहीं कब पत्र लिखा ही नहीं जाता है उस को नहीं पर भी मैं पत्र नहीं लिख पाती हूं। जब तक आप तुम लोगों के पत्रों से ही शान्ति हो जाती है। अब तो तुमने लिखते हुए भी ऐसा आनन्द होने लगा है। फिर तुम लोगों को तुमने लिख ही दिया को। गुड़िया से कहना वह तुमको भी २ पत्र तो लिख ही दिया करें। तुम लोग अब यह पत्र लोगे तो इसका भी जवाब हमारे पास आयेगा तभी लिखेंगे। तुमने तुम्हारे पत्रों को देखकर बहुत प्रसन्नता होती है। लगता है तुम लोग ध्यान रखोगे। पिता जी देख कर तो बहुत ही खुश होते हैं।

मिसे गुड़िया व ... को मेरा बहुत ही आशीर्वाद कहना और गुड़िया से कहना कभी २ मेरे पास भी पत्र लिखती रहा करे अब तो तुमको पत्र लिखने में बहुत आनन्द आता है।

तुम्हारे पास ... का पत्र आया है। और जब पत्र लिखोगे तो मेरी ओर से लिख देना कि कभी २ उसको खुश रखें भी पत्र लिखती रहा करें। बाकी सब के पत्र भी मेरे पास बहुत कम होते हैं सब कुछ दिनों से भी पत्र नहीं लिख पाते हैं।

चि. ... को मेरा आशीर्वाद कहना। चि. खुशाल को व ... को मेरा आशीर्वाद व प्यार। पत्रोत्तर भी जल्दी ही देना।

तुम्हारी ~~कुसुम~~ अम्मा माँ

सुनारा बली

Dhanpat Rai Gupta

VAKIL

देहरादून

~~152, VIJAY NAGAR,~~

~~MEERUT~~

Dated 197

प्रिय गिरीश गोपाल गुप्ता [illegible]

आशीर्वाद

तुम्हारा प्यार का पत्र मिला पढ़कर सब समाचार [illegible] हुए -पन है पत्र बार बार पढ़ा करता हूँ। तुम मेरे पास जब पत्र लिखते रहा करो तुम सबों की कुशल का मिलने से चिन्ता दूर हो जाती है एक पत्रों का ही तो सहारा रह गया है।

सौरभ के पत्र से यह जानकर बहुत अच्छा लगा कि एक तुम सब [illegible] हो रहे हो [illegible] [illegible] पहुँच जाओगे [illegible] [illegible] पत्र दे दिया देना है [illegible] के पास पहुँच जायेगा [illegible] मिलने को मन [illegible] बहुत कर रहा है।

मुझे तुम सबों की बहुत ही याद आती है कितने दिन तुम सबों को देखे हुए हो जाते हैं। तुम आजकल क्या करती रहती हो। मेरे पास पत्र लिखती रहा करो। पत्रों का ही सहारा तो रह गया है। तुम आजकल क्या करती रहती हो मेरे पास पत्र अवश्य लिखती रहा करो।

उप तो अब लखनऊ के दिल्ली के भी बुलाते हैं

से अक्टूबर चलने वाली है।

उप पत्र प्रत्युत्तर लिखते रहना। बेटा तुम्हारे

वहाँ पर बाद तो बहुत रहता है। बाकी सब कुशल से

पत्र लिखने वाले उसकार्य लगते जाते हैं

और लिखते रहते हो।

उप इस बार क्या नहीं रहते हो। तुमने तो पत्र

लिखने का समय भी नहीं दिखता होगा।

पत्र शीघ्र ही देना। सबको आशीर्वाद

व प्यार।

तुम्हारा [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

प्रिय [illegible] [illegible] सदैव सौभाग्यवती रहो

तुम्हारा २ता० का लिखा हुआ पत्र हमको ११ता० को
मिल गया है। तुम्हारे पत्र से सब समाचार ज्ञात हुए हैं तुम्हारा
लिखा हुआ पत्र तिसरे दिन में आया है। फिर मेरे तो विचार
बहुत बातें लिखने ही रहते हैं। इतना जरूर ही उपाय हुआ कि
यह [illegible] लेकर नहीं गये हैं जब से पता चला था कि [illegible]
के [illegible] आदमी जाते हैं [illegible] [illegible] [illegible] उनको है [illegible]
बात करा रहे थे। जब यह जाने [illegible] के यह ध्यान नहीं
रहा [illegible] सब मेरा ही देखा मैंने पत्र छोड़ जाना कि कोई
[illegible] आ रही है [illegible] [illegible] [illegible] को ले जाये। मैंने
ना यह जाकर [illegible] को इनके लिए अच्छा ही है [illegible] [illegible] को
रहते हैं न ही देते हैं। आज कल यहाँ पर [illegible] ही
रही है अच्छा हो जायेगा [illegible] [illegible] ही होती रहती है
~~[illegible]~~ [illegible] की बुरी तरह से [illegible] रही है सब [illegible] [illegible] है
पानी रहता है तैल पर खाना को [illegible] से ही बना पाती हूँ
[illegible] [illegible] बिल्कुल [illegible] ने पास ही रहे हैं। और खाना
बनाना को यहाँ पर लोग के [illegible] का [illegible] रखा है कुल के
ऊपर [illegible] [illegible] रहा है और बच्चों की [illegible] ने [illegible]
यह बच्चा तो [illegible] बनाते नहीं हैं। यह लोग इस मकान को
[illegible] बनाना चाह रहे हैं यही सोचते हैं कि [illegible]
दे आयेगा ~~[illegible]~~ वहाँ कौन बनायेगा। [illegible] लोगों के [illegible]
[illegible] [illegible] नहीं [illegible] है। आज कल मकानों के दाम बहुत

कह रहे हैं यदि हम यह मकान छोड़ देंगे तो बाबूजी रुपये
किराये को ३० बढ़ायेगा। इससे पूर्व जिस मकान [illegible]
वालों को हमने मकान दिया था वह छोड़ कर चले गये
हैं तो अब २५) किराये को हमने ले लिया है इसलिये
हम यही सोचते हैं कि अब तक हमारे हैं यदि हम
मकान के पास आराम बहुत है यदि बुखार रहता ही तो
बात होती है तो हम लोगों के पास आ जाते हैं। आप
अब तो यह पत्र भी बिना टिकिट आयेगा ही देखते हैं
और इतना बताना तो एक मकान भी देखना नहीं है।
१ अप्रैल से आराम हो गया है अब गीता मेडिकल में
भर्ती थी तब मैं उसको कालिज में देखने गई थी तबके
अपना खाना हो रहा भी लेन के साथ [illegible] भी और
रहा दिन गाजियाबाद चली गई थी अब पत्र नहीं यह
पहुँचा है या नहीं है पता भी लिखकर लिफाफा इस
इतना बताना तो नहीं आता नहीं है।
यह बात जान कर तो प्रसन्नता हुई कि वहां पर लोग
बच्चे लिख जाते हैं वह लोग शादी भी अच्छी ही करते
हैं इधर भी ताइ से ही शादी करते हैं कि सेवाएं लोगों
के या किसी और ताइ के। और इसे तो अच्छा तो यही
है कि गुड़िया भी यहां पर आकर शादी को जोड़ि यदि
नहीं ने आने दे नहीं तो फिर तो दिखाना गुड़िया वहीं
की हो जायेगी। और यदि वहां पर लड़का अच्छा मिल
जाता है तो वहां पर भी शादी करने में हमको कहना कुछ
है। यहाँ पर तो शादी जाते हैं। साधारण लोग देखते हैं
या नहीं।

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated 197

यह जान कर तो बहुत ही खुशी होती है कि हमारे
विनीता। इस वर्ष में ही बहुत बढ़िया हो जावेगी
और मीनू ने तो यह साल घेर कर बहुत ही कमाल किया कि
दोनों परीक्षाओं में पास हो गया है और यह ज्यादा है
उसको हमारी ओर से बहुत ही प्यार कर देना। उसके नानाजी
तो कहते हैं कि मैं उसके पास रहने से सफल हो गया
पर कैसे कहूँ। अपने रहने में सुरेन्द्र डॉक्टर के
पास रहा है उनको। दिवाकर ने १०) रुपये भेजे थे वह पहले
बहुत खुश हुआ। मां बच्चे को इतनी खुशी सी हो जाती है
कैसे हम लोग कर ही क्या सकते हैं। उधर उनको मदन
प्रसाद ने ५१) भेजे हैं उनको सब में बहुत ही खुशी
हुई उन्होंने हमारा इतना ध्यान रखा। और २१) का चेक
भिजवाया है। भगवान से यही प्रार्थना है कि हमारी
ज्योत्स्ना [illegible] ठीक ही होते सब जगह सब [illegible]
रहें भगवान से यही मनाते हैं। नरेन्द्र के यहां जाने को
ते पास गये थे बच्चे ठीक थे। गड्डू ठीक हो गया है।
उषा के तो बच्चे ठीक थे और वह अपने जगह पर खुश
रहती थी। बच्चे दादी बाबा के इतने नहीं छले हैं

रमेश को जब से तुम लोग गये हो बस दर्द होता [illegible]
ही [illegible] होगा [illegible] दिन [illegible] पता [illegible]
गई हूँ। पता नहीं वह कहाँ पर है। [illegible]
गम [illegible] था तब तो वह बहुत था
रमेश [illegible] पर [illegible] रमेश का पता
[illegible] गम तुमको लिख दूँगी।

भाभी जी [illegible] हाथों के पास ही हैं
वह भी लिखती थी कि [illegible] तो पत्र लिखा था
पता नहीं [illegible] पत्र तुमको मिला नहीं होगा।

अरुण के लिये [illegible] बच्चों की बहुत [illegible]
लिये बहुत आ रहे हैं अरुण [illegible]
[illegible] बतलाते हैं अरुण [illegible] की
[illegible] और [illegible] के बच्चों अपने [illegible]
[illegible] के लिये भी [illegible]। [illegible] के
लिये [illegible]। वह [illegible] शायद
22 ता॰ को चले जायेंगे।

इनको देख तो अब ऐसा लगता है कि ऐसा ही रहेगा
[illegible] के [illegible] बताते रहे हैं
[illegible] के [illegible] हैं [illegible] भी
नहीं हो रहा है। बस ऐसा लगता है [illegible]
[illegible] के साथ में [illegible] पर से [illegible]
[illegible] नहीं [illegible] डरते हैं पैर डगमगाते हैं। [illegible]
ही [illegible] रहे। पत्र लम्बा हो गया है [illegible] नहीं
होता है। अच्छा पत्रोत्तर शीघ्र ही देना। [illegible]
[illegible] बोल दें। सबका ध्यान रखना। तुम्हारी अम्मा की [illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

[illegible]

Dated............197

[illegible]

पहला दादी जी का पहला दिन से दुलारा है दिन होरैगी - ख्वार

होगी

धोती ने ठंड उधम मचा बेहतर हे गरे कुलबुलाने

बच्चों से दोड़ी बोरे बाबा ने बेगार इतनी भोगी

नाम स है बेगार उतरती बोरा पाजामा छोड़ी ने

जब हो गई बच्चे की बगलिया है दे लपगी

तीन बच्चे ने लेहटा लोहे

नेहबन ने उठदे लोरे बच्चे की उम्मत वहार

लो बाबा की नगरिया है दे लपगी

बच्चो घड़ी दे गाना लगातार गावेधा

तेरे देहरी लगाहेगी बड़ी के तकिया छोलने

बचने रहे है

गिनने लगे देश उसीली जोतलिया

डोला सजा नट आगया दिन दिवस चली बलत चली बलो

चली आवागी मेरे दादी लेगी उतार - चली चली . लागली

डोला बैठे तेरा [illegible] काइली आता तुम्हे कुछ उतार - चली

बच्चो काइली

चाचा जी बैठे डोला तो चली - बाबो लेगी उतार

Birth Days

Sangeet — 1 Jan.
Sameer — 22 April
Subodh — 27 March
Chitra 29. March

Neeraj — 4 Feb.
Pappo — 15 Feb.
Sukmar — 16 May

Madhu — 12 May
Chitra — 31 Aug.
Rajey — 18 Feb.

A Shu — 8 July
Himu — 23 Nov.
Dinesh — 23 Nov.

Alka — 15 Dec.
Pawan — 6 Jan
Saachi — 5 Dec

Dharpod-Ku — 26th Sept

Sushil 26 ~~Oct.~~

Gudya 27 Nov.

दीदी का ता:

Sushil 25 Dec

~~S~~ukumar 26 Jun

~~Sukumar~~ Roye 23 Nov.

Subodh. 25 Nov.

Chitra 15 april

Madhu 23 Dec.

Dhanpatki 1st Dec

दे दो ही

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated..................197

प्रिय बिटिया गुड़िया तुम्हें [illegible] प्यार व

आशीर्वाद

तुम्हारा [illegible]

[illegible]

कहीं लिखो ना यह नहीं आता है तो इसे पढ़कर पता चलता
है कि लिखो ना तो लेख ही होता है। आज कल तो कल
अपने आप को ही पाते हैं। इस का तो पता ही हो जाता है
पता नहीं वह कौनसा दिन होगा जब इस को
देखूंगा। प्रकाश की तबियत ठीक चल रही है।
मनहर दिवाकर गये थे वहां के डॉक्टर ने दवाई दी को
प्रयाग भी ईश्वर की कृपा से अब ठीक ही बताया है
उनके तो मकान अच्छा बन गया है आजकल ये
को अच्छा लगता है यहां पर अब ठंड है। आशा है सब
को यहां पर ठंड नहीं है। और ये यह लोग कभी रहते हैं
हैं ये गाड़िया की तरफ से नहीं। इनके रिश्ते में रख देते हैं
हो गये हैं आजकल तो बाल बच्चे सब ही हो गया है
अब इसके उत्तर लिखना है अपने हाथ से पत्र
बराबर डालती रहा करो। पत्र से दिल खुश हो जाता
है हो जाती है। आज कल बैठ कर यहां पर नाम पढ़ के
मन रहा है पर यह ध्यान सा रहता है। इस दिन में
बैठ कर यह सोच रही हूं।

विशेष पत्रोत्तर शीघ्र ही देना।

तुम्हारा अभागा
प्रकाश वती

[illegible]

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated..............197

[illegible] सौ० भगवती [illegible] खुश रहो।

तुम्हारा पत्र मिला पढ़कर समाचार ज्ञात हुए।

मैंने एक पत्र तुमको लिखा है मिल गया होगा

मेरा विचार अब मेरठ से [illegible] जाने

का हो रहा है क्योंकि मेरठ में तो बालकृष्ण [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

रहे हैं। तुम इस पत्र का उत्तर बालकृष्ण ही देना।

[illegible] को चिन्ता हो रही है [illegible]

में [illegible] चिन्ता [illegible]

[illegible] पता नहीं चलेगा चिन्ता [illegible] है।

[illegible] का मेरे पास पत्र आया है उसने लिखा

है कि [illegible] मेरे पास [illegible] के बारे में

पत्र आया है। [illegible]

[illegible] होगा [illegible] चिन्ता [illegible]

[illegible] है [illegible] के बारे में

पत्र आ गया होगा। [illegible] है मेरे को कुछ

याद नहीं रहता है।

सुशील ने मोहन के बाद में मैंने तो पत्र लिखा था
उसका क्या उत्तर आया है लिखना। लिखना तो
तुमने परीक्षा कैसी दी है। गुरुदास के कहने
पर भी तुमने भेज दिया था और उसका उत्तर पैसे ने दे
दिया था तुम्हें। मिल गया होगा।

मेरा पत्र तुम्हारे इम्तहान का दिया है पता नहीं कब
तक तो मिलेगा कि मेरा पत्र डाल गया है पता नहीं
कब मिल जायेगा। तुम तो कभी भी अपना पता भेजो
है। यहाँ पर सब ठीक हैं। मन्नू दिन से मिले
बाबा के गाँव जा रहे हैं मैं तो यहीं पढ़ाई की है
इसके बाद मैं लौट चली जाती लेकिन यहाँ पर
इन दिनों ठीक नहीं होगा इसलिए बाबा के
साथ पर ही लौट जाऊँगी। अब हमेशा की तरह
लिखती रहती हूँ। मोदी को पढ़ना कठिन होता है
लिखाई पढ़ाई करके चले गये तुमको जाना नहीं
गाओ अपने खाना दूसरा बाबा का ध्यान रखना
और क्या तो मेरा मन में होता है पढ़ो खेलना
... हो। पता नहीं कैसे होता जो निर्णय लिया है
तुम लोग इम्तहान पर होगे।

प्रेमलता ठीक ही होगा। तुम्हारी अम्मा

प्रकाश ...

मेरठ

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

152, VIJAY NAGAR,
MEERUT

Dated............197

प्रिय बेटे सुशील और प्रसन्न चिरंजीव रहो।

सरोज व सुरेखा [illegible] के पत्र से सब समाचार मालूम हुए। सुमन देवी ने [illegible] के बारे में पत्र लिखा था वहाँ से कुछ उत्तर आया है क्या। यदि आया है तो उन लोगों ने [illegible] के बारे में क्या लिखा था। तुमसे भी मिलने [illegible] नहीं आयेगा [illegible] ही रहेगी।

सुबोध का पत्र आया है उसने लिखा है सुशील भाई का पत्र आया था [illegible] के बारे में। मैंने उसको एक लिख दिया है इस बारे में [illegible] होने की आवश्यकता नहीं है लेकिन सुबोध ने [illegible] के बारे में क्या लिखा है। [illegible] की सुबोध [illegible] से [illegible] ही रहा है।

मेरा विचार शायद [illegible] को [illegible] के पास जाने का है। वह लोग रहता [illegible] जा रहे हैं [illegible]

तो सम्भव दिन बाद में ही पता देगा उसके
जल्दी से ठीक हो जायेगी। और अभी से गल
रोना धोना बेमतलब चला जायेगा।

तुम लोग कब इधर कब तक आ रहे हो
और सा. के कागज यहां पर आ गये हैं। यह
कागज गल ठीक हो जायेगी उनका काम होता
हो जायेगा। इसका तो तुम्हारी भी तुम्हारे बहू
ने तेरे चिट्ठी भी आ रहा है।

आशा है तुम्हारी तबियत ठीक होगा
तुम दोनों और ये चिन्ता मत करो मैं
बिल्कुल ठीक हूं। बस तुम सब अपना
ध्यान रखना। यही मेरी इच्छा है।

यहां पर सब ठीक है। बच्चों को
बाबू को तुम सब को आशीर्वाद।

[illegible]

तुम्हारी प्रकाशवती

Dhanpat Rai Gupta
VAKIL

~~152, VIJAY NAGAR,~~
MEERUT

मेरठ

Dated.................197

प्रिय बेटे मोन तुमको मेरा बहुत बहुत प्यार व आशीर्वाद।

कई दिन से तुम्हारा काफी लम्बा पत्र मिला है पत्र को देख कर बड़ा अच्छा लगता है और समाचार ज्ञात हो जाते हैं। मैं तुम्हें पत्र इसलिये नहीं लिखता हूँ कि मेरा तुम्हें पत्र लिखने का समय नहीं मिलता है और [illegible] नहीं है [illegible] अखबार के हाथ से ही जाते हैं लेकिन अब फिर भी जब तुमको समय मिला तो अपने हाथ का पत्र लिखते रहा करो। तुम्हारे बाबा जी तुम्हारा पत्र रोज पढ़ा करते तुम्हारी [illegible] को उनसे [illegible] करते हैं चले गये हैं [illegible] ठीक होंगे। यदि तुमने पत्र लिखने का समय न मिले तो चिन्ता मत करना उनको [illegible] के पत्र से ठीक हो जाता है।

यह अच्छा है तुम्हारे पास योगेश के पत्र आते रहते हैं तुम्हारे पत्र से पता चला है उसकी शादी हो गई है और अच्छा होगा। तुम जल्दी मेरे पास पत्र लिखने को मत भूलना क्योंकि जब तुम्हारे पत्र मिलते हैं तो बहुत खुशी होती है कि [illegible] हो और पढ़ने [illegible] मिलता तो [illegible] बहुत ही [illegible] है

गने में देख लोगी तब उसको लिख देना होता है

आया आप मुझको लिख देवेगा। उसको होता है

पता न चला लिख देना। होता है कागज देखे बात

हो गये हैं। इनमें तो एक बात भी है बाद में निकला

मेरे पास के नहीं दिया है इसे रखना है और देखना है

मैंने मुझको पत्र नहीं लिखा है। अब इस बात

इस को लेकर नहीं लिखायेगे।

प्रकाश बाबू अब ठीक चल रहा होगा।

अब मेरे मैं लिख इस बार में लेकर आयेगा।

इस समय समान रखना। रखो ना आजकल

समाचार शीघ्र ही देना।

तुम्हारा शुभकांक्षी

प्रकाश बाई

मेरा विचार २२-६ तक को

देहरादून जाने का है फिर लखनऊ जा

सकूंगा। वहीं से कानपुर चला जाऊंगा।

आज इस समय जरूरी काम से जाना है।